

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं € 50]

ाई बिन्ली, शनिवार, दिसम्बर 14, 1985 (अग्रहायण 23, 1907)

No. 501 NEW DELHI. SATURDAY, DECEMBER 14, 1985 (AGRAHAYANA 23, 1907)

इन भाग में भिन्न एडि संख्या दो जाती है जिससे कि यह अलग संकार के रूप में रखा जा सके inneres a same is given to this Part in order that it may be fled as a separate compilation)

# भाग खण्ड $\, {f 1}$ PART III—SECTION 1

उठव न्यागालयों, नियन्त्र अपैर नजाने बायरोक्षक, लंब लोक सेवा आयोग, रेव विभाग और भारत सरकार के संगम और अधीत कार्जनयों द्वारा जारी की गई अधिसचनाएं

(Naifications issued by the High Court the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Compassion, the inline lovernment Railways and by Attached and Subscribate I field of the Foverament of Inlia!

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्तबर 1985

सं० ए० 12025(II)/1/84- प्रशां० III--मंघ लोक सेवा ग्रायोग के के० सं० से० संवर्ग; ग्रनुभाग ग्रधिकारी के पद पर स्थानापन रूप मे कार्यरत श्री देवदत्त (ग्रं० जा०) के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के का० ज्ञा० सं० 5/11/85-सी० एस-I दिनांक 9-9-1985 हारा शिक्षा मंत्रालय के के० स० से० संवर्ग में वर्ष 1984 के लिए अनुभाग अधिकारी ग्रेड (वरिष्ठता कोटा) की चयन मूची में सम्मिलित करने हेतु मनोनीत होने के परिणामस्वरूप उन्हें 18 ग्रक्तुबर, 1985 के पूर्वाह्म से इस कार्यालय के कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

# दिनांक 31 ग्रक्त्वर 11985

सं० ए० 32014/1/85-पशा०-111--संघ लोक सेवा मेवा ग्रायोग के के० मं मे० मंवर्ग के निम्नलिखिन ग्रन-भाग प्रधिक।रियों को राष्ट्रंपति हारा उनमें स प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट यवधि के लिए ग्रयवा त्रागामी का देशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में डैस्क

ग्रधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं :--

ऋ० सं० नाम	तदर्थनियुक्ति की ग्रविध
श्री 1. राम ग्रवतार	1-11-85 में 31-12-85 तक
2. सुदेश कुमार	1-11-85 सें 31-12-85 तक
<ol> <li>एन०पी०एम गुजराल०</li> <li>कृष्ण लाल—II</li> </ol>	1-11-85 से 31-12-85 तक 1-11-85 से 31-12-85 तक
<ol> <li>यणगल डबाम</li> <li>ऋतिल कुमार</li> </ol>	1-11-85 से 1-12-85 तक 1-11-85 से 1-12-85 तक
7. राजिन्द्र मिह	1-11-85 से 1-12-85 तक

2. उपर्युक्त अधिकारी कार्मिक स्रौर प्रशानिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/74-सी० एस 1 दिनांक 11-12-1975 की गर्तों के अनुसार 75/- ए० प्र० मा० की दर से विशेष संतन प्राप्त करेंगे।

# विनांक 1 नवम्बर 1985

सं० ऋ० 38013/3/85—प्रणा०—III——कार्मिक तथा प्रशासनिक मुघार विभाग के का० जा० सं० 33/12/73—स्था० (क) दिनांक 25 नवम्बर, 1973 की मर्तों के अनुसार मंघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० म० से० संवर्ग के स्थायी सहायक तथा तवर्थ आधार पर स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री जी० टी० रामनानी को राष्ट्रपति द्वारा 31 अक्तूबर, 1985 अपराह्म में निवर्तन आयु होने के पण्चात सरकारी सेवा से निवंत होने की ममर्ष अनुमित प्रदान की जाती है।

### दिनांक 4 नवम्बर 1985

यं ० ए० 12025(II)/1/84-प्रणा०-III---मिमिलित मीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा, 1984 (देखें--कार्मिक एवं प्रणिक्षण विभाग का० जा० मं० 5/2/85-सि० से० (I) दिनाक 18 अक्तूबर 1985) के आधार पर मंघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के रूप में मनोनीत किए जाने के परिणाम स्वरूप राष्ट्रपति द्वारा रायिलय के के० म० स्टें० से० वर्ग के निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के मामने यथानिदिष्ट तिथि से आगामी आदेणों तक संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय मिचवालय सेवा संवर्ग में अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए महर्ष नियुक्त किया जाता है:---

ऋ० सं० नाम	रैंक नियु	वित की तिथि
सर्व श्री	·	
1. टी० बी० दिनेश	0.6	30-10-85
2. श्रीमती टी० वी० महालक्ष्मी	39	30-10-85

2. ये नियुक्तियां दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित मि० रि० या० सं० 1194/78 के परिणाम श्रीर श्रंतिम निर्णय के ग्रध्यधीन हैं।

# दिनांक 5 नवम्बर 1985

सं० ए० 32014/1/85-प्रणा० ---इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रिधिमूचना दिनांक 4-10-85 का ग्रिधिकमण करते हुए संघ लांक सेवा ग्रायोग के के० स० से० वर्ग के सहायक श्री बी० बी० साहनी को राष्ट्रपति द्वारा 3 ग्रबतूबर 1985 से 29 ग्रबतूबर 1985 तक संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में तदर्थ श्राधार पर श्रनुभाग ग्रिधकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

श्री बी० बी० महानी को 30-10-85 से महायक के पद पर प्रत्यावर्तिन कर दिया है।

### दिनाक 6 नवम्बर 1985

सं० ए० 32014/1/85-प्रशा० III---इस कार्यालय की रूपसंख्यांक श्रिधिसूचना विनोक 25-9-85 का स्रक्षित्रपण करते हुए राष्ट्रपनि, संघ लोक सेवा श्रायोग के कायालय के निम्नलिखिन नियमित सहायकों को प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट श्रवधि के लिए श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक जो भी पहले हो, तदर्थ श्राधार पर श्रनुभाग श्रिष्ठकारी के पव पर स्थानापन कर्ष में कार्य करने के लिए महर्ष नियक्त करते हैं।

क ० सं० नाम (सर्वश्री)	तदर्थ नियुक्ति की भ्रवधि
	27-9-85 में 29-10-85 तक
2. एम० एल० वर्मा~I	27-9-85 में 29-10-85 तक

2. उपर्युक्त व्यक्ति को 30-10-85 (पूर्वा०) से सहायक के पद पर प्रत्यार्वित कर दिया है।

सं० ए० 32014/1/85-प्रगा० III — इस कार्यालय की ममसंख्यांक अधिमूचन। दिनांक 11 सितम्बर, 1985 का आंशिक संशोधन करते हुए डैस्क अधिकारी के पद पर श्री अनिल कुमार की तदर्थ नियुक्ति की अवधि 3~10~85 से 31-10~85 तक होगी।

- 2. संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० से० के निय-मित अनुभाग अधिकारी श्री ओ० पी० कोटिया को राष्ट्रपति द्वारा 1-11-85 से 25-11-85 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी भादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डैस्क अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।
- 3. श्री ग्रो०पी० कोटिया कार्मिक ग्रीर प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा०सं० 12/1/74-सी० एस० (1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की गर्तों के श्रनुसार ६० 75/- प्र० मा० की दर में विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

एम० पी० **जैन** ग्रवर सचिव (प्रशा*०*) संघ लोक सेवा ग्रायोग

# गृह मंत्रालय

महानिदेशालय के० रि० पु० बल नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1985

सं० श्रो० दो० 2010/85-स्थापना--महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने शा० डब्स्यू यावन राव को दिनाक 18 श्रक्तू वर 1985 पूर्वीह्र से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में केवल तीन माह के लिए श्रथवा उस पर निर्यामत रूप से नियुक्त होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, उस तारीख तक तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

श्रणोक राज महीपयी सह।यक निवेशक (स्थापना)

# श्रम एवं पुनवसि मंत्रालय श्रम विभाग (श्रम ब्यूरां)

शिमला-171004, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

सं. 23/3/85-सी.पी.आई. — अक्तूबर, 1985 में जीक्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) सितम्बर, 1985 के स्तर 619 से छः अंक बढ़ कर 625 (छः सी पच्चीस) रहा। अक्तूबर, 1985 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 760 (सात सी साठ) आता है।

अनिरुक्थ कृष्ण मल्होत्रा उप-निव शक श्रम मंत्रालय श्रम ब्यूरो, शिमला-171004

वित्त मंत्रालय

(भ्राधिक हार्य विभाग) प्रतिभृति कागज हारखाना

होणंगाबाद, दिनां 🦭 19 नवम्बर 1985

क्रम सं० पो० 50-3/6611-21 एस के० प्रानन्द, फ़ोरमैन (उत्पादन) को रु० 840-40-1000-2० प्रा०-40-1200 के वेतनमान में नदर्थ प्राधार पर स्थानापन्न रूप से सहाय है कार्य प्रतन्धा के पद पर दिनां है 27-6-1985 से 31-12-85 या जब तह यह पद निमित रूप से नहीं भरा जीता जो भा पहुळे हो, नियुक्त िया जीता है।

ग्रा० रा० पाठक महाप्रवन्धक

भारत≀य छेवा तथा छेवा परोक्षा विभाग भारत के नियंत्र रु–महालेखापरीक्ष ः का कार्यालय,

नई दिल्ला, दिनांक 1 नवम्बर 1985

सं० 26-त्रा० ले० प० 1/34-73-- अपर उप नियंतक-महालेखाराक्षत (बाणिज्यित) ने औं एउपा० गुम्बर लेखा परोक्षा श्रिष्ठकारी (बा०) जो कार्यालय सदस्य लेखापराक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक याणिज्यिक लेखापरीक्षा नई दिल्ली-110002 में कार्यरत थे, को के० सि० से० (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 48 (13) (क) के उपबन्ध के अधीन तारीख 1-10-85 पूर्वाल में सरकारी सेवा में स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त होने को अनुमति दे दो है।

> के०पा० लक्ष्मण राम सहायक नियसक-महाजिखापरीक्षक (वा०)

कार्यालय : निदेशक, लेखा परीका केन्द्रीय राजस्य

तर्ह दिल्ला-110002, दिनां रु 21 नवम्बर 1985 सं प्रशासन 1/गा ग्रा॰ संख्या 296--निदेशक लेखा गरोक्षा केन्द्राय राजस्व -I इस कार्यालय के स्थानापक सेखा गराक्षा अधिकारी श्रा पी० एस० गम्भीर को 840-1200 रुपए के समयमान में दिनी? 1-11-1985 से स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

प्रपठनीय

उप निदेण ₹, लेखा पर्≀क्षा (प्रशासन)

महालेखाकार का सार्यालय, श्रांध्य प्रदेश हैदराबाद, दिनांक 15 नवम्बर 1985

सं० प्रशा० 1/8-132/85-86/121--श्री जि० वेस्तारंगम, श्रा के० विश्वनाथन-1, लेखापरीक्षा ग्राधकारी महालेखाकार का कार्याक्षय (लेखापरोक्षा) ग्रा० प्र० हैदराबाद से दिनांक 31-10-85 ग्राराह्म को सेवा निवृत्त हुए।

दिनाक 19 नवम्बर 1985

सं० प्रणा० 1/8-132/85-86/124--महालेखाकार महोदया (लेखापरीक्षा-1) आं० प्र० हैदराबाद ने सहर्ष निम्न-लिखित सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों को स्थानापन्न लेखा-परीक्षा अधिकारियों के रूप में 840-40-1000-द० अ०-40-1200 रू० वेसनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी अगले आदेशों तह पदोन्नति दी जाती है। पदोन्नति के लिए दिए गए आदेश उनके विरुटों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, और आन्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में लंबित रिट याचिकाओं के परिणामों के अवीन माने जाएगे।

उन्हें चाहिए कि वे श्रयना विकल्प भारत सरकार का० ज्ञा० सं० एक/7/1/80-स्थापना पं10 टो० 1 दिनांक 26-9-81 की की शर्तों के श्रनुतार पदोक्षित की तारीख रें। एक महीने के श्रन्दर दें:---

पद ग्रह्ण की तारी <b>ख</b>
29~10-85 (भ्रप०)
29~10~85 (श्रप०)
30 <b>~</b> 10 <b>~85 (ग्र</b> प <b>ः)</b>
29-10-85 (प्रद०)

श्रप**ठनीय** वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार (लेखा बाहर) राजस्थान जयपुर, दिनांक 18 नवम्बर 1985

सं प्रशा 2/र प प्रधिसूचना/85-86/289 महास्रेखा-कार (लेखा व हरुदारी), राजस्थान, जयपुर ने निम्नलिखित

पुष्टिको नारीख

प्रवर धनुभाग अधिकारियों को पदीक्ष स ५१ वे उनके आगे दिए	
गए दिनांक से प्रग्रतर श्रादेशों के जारी होने तक दर्म, कार्यालय	
में स्थानापन्न लेखाधिकारियों के पद पर नियुक्त िया है :	
सर्वश्री—	

* 1 11		
1. प्रेम चन्द शाह	25-10-85	(श्रयराह्न )
2. फिरन चन्द जैन	25-10-85	(श्रापणहाः)

ण० के० मदा वरिष्ट उप-महालेखाकार (प्रशासन)

# क्षणात्मा, विनाक 20 नवम्बर 1985

सं० प्रग ० ६/९४७ - 11 / 2370 - - महालेबा हारा-प्रथम, पश्चिम बंगाल ने इस पार्यालय/पार्यालय महालेखाहार दिनाय, पश्चिम बंगाल/ हार्यालय महालेखाहार दिनाय, पश्चिम बंगाल/ हार्यालय निदेश हे, लेखा परीक्षा, केन्द्रीय हाल हसा के निस्तिलिखत स्थानाक लेखालिखा परीक्षा प्रथिक्षा प्रथिक्ष हारियों को, उनके प्रत्ये हे के पामने दिए गए दिना । ठ्या हारियों को, प्रविक्ष प्रदिश्च के प्रदे हे के पर मौलिह क्या से नियुक्ति की है -- -

ऋ० सं० नाम	पुष्टिकां नारख
सर्वश्री	and the same and the same and the same as
<ol> <li>भाक्त कुमार दल</li> </ol>	1-8-82
2. सत्य <b>व्रत</b> बनर्जी	1-1-83
3 रथीं राज बनर्जी	1-2-83
4. बिमलेन्दु मुक्जी	1-2-83
5. ज्योमिर्मय भट्टाचार्य-I	12-83
<ol> <li>मंत्रता चन्त्र तिश्ता (श्रनु० पाति)</li> </ol>	: -383
7. सुधीर चन्द्र हालदार (प्रमु० अति)	13-83
8 मैलेन्ड नाथ हालदार (अनु० जाति)	1483
9 बिजय रजन मङ्ग (ग्रनु० जाति)	1-4-83
10 बांसरी मोहन मंडल (अनु० जाति)	1 4-83
11. दिलीप कुमार मुखर्जी-ी	1-4-83
12. निर्म लेन्दु चक्रवर्ती	1-4-83
13. शिशिर कुमार राय	1-4-83
14. कन्दर्भ विजय भट्टाचार्य	1-4-83
15 भाव पद मंडल (भ्रनु० जाति)	1-1.8
16. चम्पाई मुर्मू (ग्रनु० जनजाति)	1-7-83
17. भ्रमीमा नन्द हालदार	1-7-83
18 प्रभास चन्द्र घोष	1-8-83
19. यज्ञेश चन्द्र चौधरी	1-9-83
20 प्रदीप कुमार दासगुष्त	1-9-83
21 रंजीत कुमार बनर्जी	1-9-83
22 विभुति भूषण श्राइच	1-10-83
23 गोर दाम माहा	1-10-83
24. समार मेनगूष	1-11-83

management former management of the second o	Terris 8 to 100 are 1800
मर्वर्थः	
25 विकासभा नाथ	1184
26 क्रज गोपाल राय	1-1-84
27. भिवेन्द्र नाथ घीछरः	1184
28. श्रमन कृष्ण गय	11-84
29. रंजंस कुमार बोस	1-2-84
30. क्रांगीतल रेल मर्मी	1-2-84
31. निर्मल चन्द्र हालदार (भ्रनु० जाति)	1-3-84
32. नलिनी रंजन राय (ग्रनु० जानि)	1-3-84
<ol> <li>नरेष्ठ्यर जऋवर्ती</li> </ol>	1-4-84
34. म्रनिल कुमार मंडल (म्रनु० जाति)	1-4-84
35. रूपेन्द्र कृमार बनर्जी	1-4-84
36. प्रमोद बन्धु भौमिक	1-4-84
37. विनय कुमार दे	1-4-84
<b>38 गोपाल कुमार मजुमदार</b>	1-4-84
39. श्रमलेन्द्र मोहन मान्याल	1-5-84
40. कमल कुमार सेन भर्मा	1-7-84
41. ग्रनिलेन्द्र कुमार नाग	19-8-84
42. विनयेद्र राय	1-9-84
43. मुधीर रंजन घोष	19-9-84
44. बिमान बिहारी वसु	1-11-84
45. ज्योतिष चन्द्र भट्टाचार्य	1-12-84
46. भ्रजय रंजन घोप दस्तिदार	1-12-84
47. गोकुल कुमार घोप चौधुरी	1-12-84
48 ममरेन्द्र साहा (ग्रनु० जानि)	1-2-85
49. हरेन्द्र नाथ हालदार (अनु० जाति)	1-2-85
50. पुलिन बिहारी मंडल (श्रनु० जाति)	1-2-85
51. मनिलाल मण्डल (भ्रनु० जाति)	1-3-85
52. विष्णु प्रसाद दाम (श्रनु० जाति)	1-4-85
53. पार्थ मारथि मेन	1-4-85
54. मुबिमल पुरकायस्थ	1-4-85
55. मुनीम कान्त चक्र <b>व</b> र्ती	1-4-85
56. रवीन्द्र नाथ मित्र	1-4-85
57. मत्येन्द्र नाथ बनर्जी[	1-4-85
58. परितोष कुमार मुखर्जी	24-5-85
59. श्रीनल कुमार मुखर्जी	1-8-85
60. नत्येग्द्र कुमार माजी	1-8-85
61. युधीर कुमार चट्टोपाध्याय	1-10-85
62. श्रामीष कुमार मिल्र–I	1-10-85
	. The second of the second
	डी० मिश्र
वरिष्ठ उप-महालेखाकार	(प्रशासन)

डी० मिश्र वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन) पश्चिम बगाल

# कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001 दिनाँक 30 श्रक्तूबर 1985 मं० 3415/ए-प्रशाल 130/82-85-----निम्नलिखित लेखा परीक्षा श्रधिकारी उनके नामों के सामने दर्शाई गई तिथियों को सेवा निवृत्त हो गए हैं .--

नाम व पदनाम

तिथि जब से नेवा निवृत्त टिप्पणी हुए हैं

सर्वेश्री

- पी० आर० सेशाद्वी 9-7-85 (ग्रप०) स्वैच्छिक पंशान श्रायंगर (स्थाई लेखापरीक्षा अधिकारी)
- 2. श्रार० सी० भैरमा, 31-8-85 (श्रप०) वार्धक्य निवृत्ति (श्रस्थाई लेखापरीक्षा श्रायु प्राप्त होने श्रिधकारी) पर।
- 3 के०पी० रामाङ्गण्यन, 30-9-85(श्रयण) यथोगीर (स्थाई लेबापरीझा श्रीकारी

### दिनांक 20 नवम्बर 1985

स० 4757/ए-एडमिन०/130/82-85--त्रार्शनय निवृत्ति श्रायु प्राप्त करने पर श्री एन० वी० दानी, सहायाः लेखा परीक्षा श्रिधिकारी दिनाँक 31-8-1985 (ग्रगराह्म) को सेवा निवृत्त हुए ।

भगवान ग्रारण तायल संयुक्त निदेशक लेखा गरीका रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली ।

# रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली~110066, दिनांक 20 नवम्बर 1985

सं प्रभाग । 1892 | 5 | 1 -- आ एस० के० चारो आई० डी० ए० एस० (जिनकी जन्म तिथि 25-10-1927 है) ने 24-10-85 को 58 वर्ष को आयुप्राप्त कर लो है तथा तदनुसार उन्हें 31-10-85 (प्रपराह्न) से रक्षा लेखा विभाग के संख्या बल से हटा दिया गया है। अतएव, अधिकारी को 01-11-85 (प्रविह्न) से पेंभन स्थापना को अन्तरित कर दिया गया है।

ए० के० घीप रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रणा०)

#### रक्षा मंत्रालय

# ब्रायुध निर्माण बोर्ड

डी॰ जी॰ ग्रो॰ एफ॰ मुख्यालय सिविल सेवा

कल हत्ता, दिनाँक 31 अक्तूबर 1985

सं 12/85/ए/ई-1/(एन० जी०)--डी० जी० ग्रो० एफ० महोदय निम्निलिखित व्यक्तियों को वर्तमान रिक्तियों में वरिष्ठता पर बिना प्रभाव के प्रत्येक नामों के सामने दर्शाई गई तारीख से, पदों पर पदोन्नति करते हैं:

क्र <sub>०</sub> सं० नाम	पद	दिनाँक
<ol> <li>श्री सूर्य देव नारायण मिह्ना सहायक स्टाफ ग्रधिकारी (नदर्थ)</li> </ol>	स्थानापन्न सहायक स्टाफ श्रधिकारी	1-9-85 (पूर्वा०) से श्रागामी <b>थादेश</b> होने तक
<ol> <li>श्रीमती ग्रिनमा दास, स्थानापन्न सहायक</li> </ol>	सहायक स्टाफ श्रधि- कारी (तदर्थ)	4-10-85 से श्रागामी श्रादेश होने तक
3 श्री करुणा मोह्न मजुमदार, स्थानापन्न सहायक	सहायक स्टाफ श्रधिकारी (तदर्थ)	वही

2. उक्त पद्रोलितयों में माननीय कलकता उच्च-त्यायालय में दाखिल की गई प्रपील के परिणामानुमार पालन किया जाएगा।

3. कम संख्या 1 के प्रधिकारी श्रवनी सेवा निवृत्ति तिथि दिनौक 31-1-1986 (श्रप०) पर्यन्त परिवीक्षाधीन रहेगे।

4. कम संख्या 2 व 3 के उपरोक्त ग्रधिकारियों ने दिनौक 4-10-85 (प्रवि०) से ए० एस० ग्रो० के रूप से उच्च पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

### दिनाँक 14 नवम्बर 1985

सं 13/25/ए/ई-1/(एनजी) -- महानिवेशक आई नेंस्स फैक्टरियां, तेशनल, कौसिल को० आपरेटिव ट्रेंनिग, 3 श्री इन्स-टिचुशनल एरिया, हश्ररवास पोस्टबैंग सं० 2, नई दिल्ली-110016 के श्री हैमचन्द्र पन्त, सहायक निदेशक को महायक स्टाफ प्रफारर (ग्रुप "बी" राजपितत) के पद पर दिनाँ ह 25-9-85 (पूर्वीह्र) से नियुक्त तथा आईनेंस उपस्कर फैक्टरी ग्रुप मुख्यालय हानपुर से तैनात करते हैं।

मी० एम० माथुर सदस्य/कार्मिक कृते महानिदेशक, श्रार्डनेंस फैक्टरियाँ

### कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1985

सं० 46/जी/85—-वार्धक्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त कर (58वर्ष) श्री वि०एम० देगगार्डे,स्यतायत्र उप महाप्रवन्धक (मौलिक एवं स्थार्ड उप निदेशक/कार्य प्रवन्धक) दिनौंक 28 फरवरी 1985 (श्रपराहन) से मेवा निवृत्त हुए

सं० 47/जी/85—दिनांक 26 मिनम्बर, 1984 (पूर्वाक्ष) से प्राई० टी० प्राई०, बंगलौर में स्थाई तौर पर ममाहृत होने के फलस्वरूप श्री बी० राजगोरालन मंयुक्त महाप्रबन्धक (मौलिक व स्थाई वरिष्ठ डी० ए० डी० जी० ग्रो० एफ०/ प्रबन्धक पुन. पदनामी:कृन संयुक्त निदेशक महाप्रबन्धक ग्रेड—II/ उप महाप्रबन्धक) दिनाँदा 25 नितम्बर 1984 (ग्रयराह) से भा० ग्रा० नि० ने मेवा निवृत्त हुए।

### दिनॉक 20 नवम्बर 1985

स० 48/जी०/85---राष्ट्रयित महादय,श्री पो० बो० रघुनाबु, स्थारायन्न उर्ग-निदेशक का त्यागन्त्र तारीख 31 मई, 1985 (ग्रपराह्न) से स्वीकार करते हैं।

> वी० के० महता उप महानिदेश हे, ग्रायुध निर्माणियाँ

# वाणिज्य मंत्रालय (वस्त्र विभाग)

हथकरघा विकास भ्रायुक्त का ग्रायलिय नई दिल्गी, दिलॉक 18 नवस्वर 1985

सं० ए-19011/9/79-गणानन-1 --एण्ड्रानि वागिज्य मंत्रालय, वस्त विभाग, ह्यकरमा विकास आयुक्त के कार्यालय के अन्तर्गत बुनकर सेवा केन्द्र इंद्रीर में कार्यरत ओ डो० एन० भागव, उप निदेशक (डिजाइन) को सेवानिर्वतन होने पर 31 अक्तूबर 1985 से अपराह्म समहकारी सवा से निवृत्ति की अनुमति देते हैं।

> विवेक कुमार ग्रग्निहोत्री ग्रथर विकास ग्रायुक्त (हथकरधा)

वाणिज्यिक जानकारी तथा ग्राह्मिकलन महातिवेशालय, कलकत्ता-700001, दिगौँ ह 15 नवम्बर 1985

सं० एस्ट-1/1(1)/85--इप निदेशालय की ग्रिधिसूचना सं० एस्ट-1/I(1)/85/2810 दिनाँक 24-5-1985 के कम सें, श्री कुमुद रंगन विश्वाम ग्रधीक्षक, वाणिष्यक जानकारी एव ग्रंकमं क्ला महानिदेशालय, कल क्ला को 15-11-85 से प्रभावी श्रादेश 6 महोनों के लिए तदर्थ श्राधार पर मशीन सारणीयन ग्रधिकारी के पद पर बने रहने की श्रनुमति दी जातो है।

नियुक्ति की ग्रन्य सभी ग्रार्वे पूँवत रहेंगी। एन० ग्रार० सेनगुष्त वरिष्ठ उपमहानिदेशक उद्योग एवं कम्पनी नार्य मंत्रालय श्रीद्योगिक विकास विभाग विकास श्रायुक्त (सघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाँक 14 नवम्बर 1985

मं० 12(399)/63-प्रशा० (राज०)-खण्ड-III-राष्ट्रपति, लबु उद्योग सेवा संस्थान, कलकता के उप निवेशक
(रमायन) श्री छो० मी० मजुमशर को निश्चिति को ग्रायु
प्राप्त करने पर 30-9-85 के ग्रयराह्न से सरकारी सेवा से
निवृत्त (रिटायर) होने की ग्रनुमित देते हैं।

सं 12(809)/69-एपा० (राउ) - नोबा निषृत्ति का ) श्रायु प्राप्त होने पर श्री श्रार० डी० धर्मा ने नवु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर में उप निवेशक (श्राधिक श्रन्वेषण) के श्रपने पद का कार्यभार 31-7-1985 के श्रपराह्म से छोड़ दिया ।

> सी० सी० राम उप निवेशक (प्रशा०)

# पूर्ति तथा निषटान महानिदेशालय (प्रशासन भ्रनुभाग-6)

नई दिल्ली, विनांक 5 नवम्बर 1985

सं० ए-17011/25/71/ए-6--राष्ट्राति ते सहायक तिरीक्षण श्रिष्ठकारी (इंजी०) श्री पी० एस० प्रकाशम को दिनाँक 10-10-85 से सहायक तिरीक्षक तिरीक्षक /तिरीक्षण श्रिष्ठकारी (इंजी) (भारतीय तिरीक्षण सेवा युव "ए" का ग्रेड-111) (इंजीनियरी शाखा) के पद पर तदर्थ श्राधार पर 6 मास के लिए अथवा तियमित आधार पर प्रबन्ध किए जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, 700-40-900-इ० रो०-40-1100-50-1300 ६० के वेतनयान में थानापन्न रूप से तियुक्त किया है।

2. श्री पी० एस प्रकाशम ने दिनाँक 8 अक्तूबर 1985 के अपराह्म से निरीक्षण निरंशक मदान कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंगा) के एक के तर्यभार छोड़ दिया और 10 अक्तूबर 1985 के पूर्वाह्म से बंगलीर निरीक्षण मण्डल के अन्तर्गत उप निदेशक निरीजग हेड एवाइ के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इंजोनियरो) के पर का कार्यमार संभास लिया।

### दिनोंक 6 नवस्वर 1985

मं० प्र०० 60247/(31)/77--राष्ट्रवित भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" (इंजो० घावा) के ग्रेड-III के अधिकारी तथा निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री टी० के० बनर्जी को दिनौंक 8 अक्तूबर 1985 के पूर्वाक्ष से और प्रागामी आदेशों तक 1100 (छठावर्ष अथवा कम) -50-1600 रुपए के वेतन-मान सें नियमित आधार पर भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" (इंजीनिय० घाखा) के ग्रेड-II में उप निदेशक निरीक्षण (इंजी०) के गद पर स्थानापन्न रूप से निमुक्त करते हैं।

- 2. श्री टी॰ के॰ बनर्जी ने दिनौंक 8-10-85 के पूर्वाह्म से निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण श्रीध कारी (इंजी॰) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है भीर दिनौंक 8 अन्त्र्वर 1985 के पूर्वाह्म से उसी कार्यालय में उस निदेश किरीक्षण (इंजी॰) के पद का कार्यभार सभाल लिया है।
- 3. उप निदेशक, निरीक्षण (६जी०) के पद पर श्री टी० के० बनर्जी की नियुक्ति भारत संघ द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर तीन एल० पी० ए० म० 67/83, 68/83 श्रीर 69/83 तथा उम निदेशक, निरीक्षण (इजी०) श्री एस सी० श्रानन्द द्वारा बम्बई. उच्च न्यायालय से दायर डब्स्यू पी० सं० 3001/83 श्रीर 35/83 जो श्रव दिल्ली उच्च न्यायालय को हस्तांतित कर दी गई है श्रीर श्रभी दिल्ली उच्च न्यायालय में लम्बित है श्रीर श्री श्रो० डी० मागर द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में लम्बित है श्रीर श्री श्रो० डी० मागर द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय से दायर डब्स्यू पी० सं० 1277/78 के निर्णय के श्रधीन होगी।

श्रार० पी० शाही उप निदेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक पूर्ति नथा निपटान

### नई दिल्ली, दिनाँक 5 नवम्बर 1985

सं० प्र-6/247(596)—-राष्ट्रपति उर निदेशक निरी-क्षण (ग्रिभियाँतिकी) भारतीय निरीक्षण सेवा युप "ए" की ग्रिभियाँतिकी शाखा का ग्रेड—II (श्री डी० बी० जैन को 15 जुलाई, 1985 के पूर्वाह्म से ग्रापे ग्रादेण दिए जाने तक 1500— 60—1800—100—2000 रुपए के वेतनमान में निदेशक निरीक्षण भारतीय निरीक्षण सेवा गूप 'ए' का ग्रेड—1) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

- 2 श्री डी० बी० जैन की निरेश म निरोक्षण (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" का ग्रेड I के रूप मे नियुक्ति भारत संघ द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर की गयी तीन एल० पी० ए० सं० 67/83, 68/83 तथा 69/83 उप निदेशक निरीक्षण श्री एय० सी० ग्रानन्द द्वारा बम्बई उच्च न्यायालय में दायर की गयी श्रीर दिल्ली उच्च न्यायालय मे स्थानौन्तरित तथा दिल्ली उच्च न्यायालय मे प्रभी भी लिम्बन रिट याचिका सं० 30001/83 श्रीर 35/83 के निर्णय की गती के श्रधीन की गयी है।
- 3. श्री डी० बी० जैन ने दिनांग 1 जुलाई 1985 के पूर्वाह्म से पूर्ति तथा निषटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उन-निवेश क निरीक्षण (ग्रिभियौतिकी) के पर का कार्यभार छोड दिया तथा दिनौंक 15 जुलाई 1985 के पूर्वाह्म में निदेशक निरीक्षण के पद का कार्यभार संभाज लिया।

#### दिनौंक 18 नवम्बर 1985

सं० ए-6/24.7(390) खण्ड-6--राष्ट्रपति ने स्थायी निदेशक (निरीक्षण) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" का ग्रेड<math>-1 (श्री एम० सी० कपूर को दिनाँक 7 प्रक्तूबर, 1985

के अपराह्म से आगामी श्रावेशी तक 2000-125/2-2250 रुपए के वतनमात में त्यातात त्यस उप महातिदेश ह (निरीक्षण) (भारतीय तिरीक्षण स्पाप्त "ए" के ग्रेड-। में सुपर टाइम रहल) निष्का किया है।

2 श्री कपूर ने निरीक्षण निर्देश ह, उत्तरा निरोक्षण मण्डल, नई दिल्ली के कार्यालय में दिनाँ ह 3-10-1985 को श्राराह्म में निरीक्षण निदेश के पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनाँक 7 अक्तूबर 1985 के श्राराह्म से उप-महानिदेशक (निरीक्षण) (पूर्वी क्षेत्र) कलकता के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

भ्रार० पी० शाही उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात, खान ब्रौर कोयला मवालय (खान विभाग) भारतीय भूवैकानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनाँक 4 श्रक्तूबर 1985

सं० 4734डी/ए-32013/1-भूवि० (वरिष्ठ)/8419ए (सी) - राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित भूवैज्ञानिको (किन्छ) को भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) के रूप मे उसी विभाग मे नियमानुमार 1100-50-1600/- रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन अमता से, आगामी आदेश होने तक प्रत्येक क सामने दर्शायो ग्यां निथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

त्रिंश संश्री—

1 एस० बी० गत्यनारायण 12-8-85 (पूर्वाह्म)

2 देवी प्रमाद दाम 6-8-85 (पूर्वाह्म)

3 जयन्त राय चौद्रो 6-8-85 (पूर्वाह्म)

4 बुद्धदेव चौधुरी 6-8-85 (पूर्वाह्म)

5 ग्रमरेन नटर्जी 7-8-85 (पूर्वाह्म)

भारतीय भूवैज्ञानिक पर्वेक्षण में भूतैज्ञानिक (वरिष्ठ) के पद पर उपर्युक्त पद्रोज्ञिन कलक्ष्मा उच्चात्यायालय द्वार 1985 के एफ एए एए एट दो , सर 507 ते पार्ति विशेष 28-2-1985 को पास किए अन्तरिस आदश के अनु तर दिये आधार पर है। यह आदेश श्री जिदिन न हर एवं अन्य द्वारा नारत संघ एवं अन्य के विरुद्ध दाखिल रिट याचिना के परिणाम के अधीन दिनाँक 1-2-1985 एवं 18-2-1985 को एकल विद्वान न्यायाधीश द्वारा दिए गए अन्तरिस स्थगन आदेश को निरस्त करने हुए पास किया गया।

# दिनौंक 9 अक्तूबर 1985

मं० 4876 छी/ए-32013/4-- ज्रि० ग्रमि० (विष्टि)/83-19 शे-- राष्ट्रपति जी भारतीय भूत्रैजानिक सर्वेक्षण के ज्रिलिंग ग्रभियन्ता (किनष्ट) श्री पी०ए० ग्रन्तुनिम को ज्रिलिंग ग्रभियन्ता (विष्टि) के रूप में छमी विभाग में नियमानुमार 1100-50-1600/ए० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न कमता में ग्रागामी श्रावेश होने तक 30 जनवरी, 1985 के पूर्वाह्र से पदोन्नति पर नियमत कर रहे हैं।

### दिनाँक 11 म्रक्तूबर 1985

सं० 4965डी/ए-32013(1-भूवि० (विरिष्ठ)/84-19त् (6)--राष्ट्रगित जी भारतीय भूवैज्ञानिक पर्वेक्षण के निम्त-निखित भूवैज्ञानिकों (किनिष्ठ) के भूवैज्ञानिक (विरिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में नियमान्सार ं 1100-50-1600 कु के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में स्नामानी प्रावेश होने तक प्रस्थेक के मामने दर्शायी गयी निथि ये पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

物。	सं०	नाम	नियुक्ति-सिर्व	थि
	-	एस० <b>भ्र</b> मेता बी० नंदीकेशव राव	8-8-85 20-8-85	

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) के पद पर उपर्युक्त पदोन्नति कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा 1985 के एफ एम ए ए टी ०, सं० 507 के अन्तर्गत दिनाँक 28-2-1985 को पाम किए अन्तरिम आदेश के अनुसार तदर्थ आधार पर है। यह आदेश श्री जिदिय लस्कर एवं अन्य हारा भारत संघ एवं अन्य के विरुद्ध दाखिल रिट याचिका के परिणाम के अधीन दिनाँक 1-2-1985 एवं 18-2-1985 को एकल विद्वान न्यायाधीण हारा दिए गए अन्तरिम स्थगन आदेश को निरस्त करते हुए पास किया गया।

### दिनौंक 17 श्रक्तूबर 1985

सं० 9776की/ए-19011(1-जी० ए.प० ए.म०)/85-19ए-श्री जी० एम० श्रीवास्तव ने सूद्र संवेदत श्रन्प्रयोग केन्द्र, लखनउ, उत्तर प्रदेश से परावर्तन पर भारतीय भूत्रैज्ञानिक सर्वेक्षण भूत्रैज्ञानिक (वरिष्ठ) में के पद का कार्यभाग उसी क्षमता में 19 जुलाई 1985 के पूर्वाह्म से संभाल लिया ।

सं० 9786बी/ए-19011(1-पी०के०) /19ए-79-- श्री पी० कल्याणमुन्दरम ने भूबैज्ञानिक (क्रनिष्ठ) के पद का कार्य-भार 18-9-84 (अपराह्म) से छोड़ दिया है, नाकि ये केन्द्राय सचिवालय सेवा, पर्यटन एवं मिविल विमानन मंत्रालय, निविल विमानन विभाग, नई दिल्ली में श्रनुभाग श्रश्चिकारी के पद को ग्रहण कर सकें।

### दिनाँक 18 नवम्बर 1985

मं० 10401वी/ए-19012 (5-एस० हे० थी)/85--19वी-भारतीय भूवैज्ञानिक पर्वेक्षण के महानिदेग ह मार्गाय मृतैज्ञातिक पर्वेक्षण के फोरमैत (बिष्ण्ठ) श्री एस० केठ एत का क्षिण अजिक श्रमियला ह पद पर, भारतीय भूवैज्ञातिक पर्वेक्षण में नियमानुगर 650-30-740-35-810- ५० रोज-35-880-40-1000-५० रोज-40-1200 ०० क्वेश्समात कवतत पर, श्रन्थामें श्रमता में श्रामामी प्रादेण होने तक, 4 श्रक्तूबर, 1985 के पूर्वाह्म मे पदीव्रति पर नियुक्त कर रहे हैं।

### दिनाँक 20 नवम्बर 1985

सं 0 1054वी/ए-190011 (1-पो ० के० सी०)/71/19एभूबैज्ञानिक (किनष्ठ) श्री सी० वी० नन्दीकेशव राव ने अल कें
रिया परकार में अपनी विदेश प्रतिनियुक्ति के पूर्ण होने के पण्चान अलजीरिया से देश प्रत्यावर्गन पर भारतीय भूबैज्ञानिक पर्वेक्षण में भूबैज्ञानिक (किनष्ठ) के पद का कार्यभार 20-81985 (पूर्वात्व) से संभाल लिया है।

सं० 10502बी/ए-12018/79/ए० सी० ए० ग्रो०/19 ए--भारतीय भूत्रैज्ञािक मर्बेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भू-विज्ञािनिक मर्बेक्षण के लागत लेखाकार श्री दीलिप कुमार सेन को महायक लागत लेखा ग्रधिकारी के रूप सें उसी विभाग में नियमानुनार 700-40-900-द० रो०-40-1100-50--1300 ६० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में ग्रागामी ग्रादेश होने तक 22-10-85 के पूर्वाह्म से पद्मान्निपर नियुक्त कर रहे हैं।

### शुद्धि पत

सं० 10496वी/ए-19011(2-ए० सी०)/84/19बी--कृषया इस कार्यालय के दिनाँक 6-8-85 की श्रिधिसूचना
सं० 8131बी/ए-19011(2-ए० सी०)/84/19बी में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूमौतिकीविद (कनिष्ठ), डा० श्रमरेस वक्रवर्नी के मुक्त किए जाने की दर्शायी गयी तिथि 10-3-84 (पूर्वाह्म) के स्थान पर 1-3-84 (पूर्वाह्म) पढ़ी जाए।

मं० 10523बी/ए-32013(2-एन० ग्रो० )84/19बी-राष्ट्रपित जी भारतीय 'पूर्वजातिक पर्वेक्षण के निम्नलिखित श्रिथिकारी पर्वेक्षकों को पर्वेक्षण प्रियोक्तारी के पद पर उसी विभाग में नियमान्पर 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में, प्रागानी आदेश होने तक, प्रत्येक के पामने दर्णायी गयी निथि में पदोन्ननि पर नियुक्त कह रहे हुँ।

- 1 श्री गोपाल विहारी 30-7-85 (पूर्यीह्न) से
- 2. श्री एस० मी० मंडल, 29--7-85 (पूर्वाह्न) से

नं० 5530डी/ए-19012(5-एप० पी० एम०)/85-19पी--पारतीय मूर्वज्ञानिक पर्वेक्षण के प्रतिपद्देश पारतीय म्येज्ञानिक पर्वेक्षण के फोरनी (तिराह) आ एए० पी० मुखर्जी की गहायक यांतिक प्रतिभवना के गहायक यांतिक पर्वेक्षण में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०--35-880-40-1000-द० रो०--40-

1200 के बेतनमान के वेतन पर, ग्रस्थायी क्षमता में भागामी भादेश होने तक, 4 ग्रक्तूबर 1985 के पूर्वीह्न से पदीन्नित पर नियुक्त कर रहे हैं।

> ग्रमित कुथारी निदेशक (कार्मिक) भारतीय भनैज्ञानिक सर्वेक्षण

### कलकत्ता-16, दिनांक 8 प्रक्तूबर 1985

ऋ० सं० नाम	नियुक्ति तिथि
सर्वेथी-	
1. एन० सुआबा राव	31−7−85 (पूर्वीह्न)
2. बी० गोपाल राव	31-7-85 (पूर्वाह्म)
3. इब्ल्यू० के० नदराजन	31-7-85 (पूर्वाह्न)
4. डा॰ एस॰ गंगोपाध्याय	31 – 7 – 85 (पूर्वाह्म)
5. एन० देसिकन	5-8-85 (पूर्वाह्न)
<ol> <li>डा० एस० पी० सान्याल</li> </ol>	31-7-85 (पूर्वाह्न)
7. एस० एन० भट्टाचार्जी	5-8-85 (पूर्वाह्म)
8. सी० मार० सेन	31-7-85 (पूर्वाह्म)
9. पी० म्रार० सेनगुप्ता	30-7-85 (ग्रपराह्न)

### दिनांक 11 भक्तूबर 1985

सं० 4952की/ए 35018/4/85-19ए—राष्ट्रपति जी भारतीय प्राधिक सेवा के वरिष्ठ समय-मान प्रधिकारीं श्री पी० की० पाठ क को प्रबंध बोर्ड के प्रपर सचिव के रूप में भारतीय भूवैज्ञानि सं सर्वेक्षण, नई दिल्ली में, 1500-60-1800-100-2000क के वेतनमान में वो वर्ष की प्रविध के लिए 2-9-1985 (पूर्वाह्म) से नियक्त कर रहे हैं।

# दिनांक 15 प्रक्तूबर, 1985

सं० 9706की /ए 32013/1 निदे० (भूकि०)/
84-19र--राष्ट्रपति जी भारतीय भूकेशनिक सर्वेक्षण के
निम्नलिखित भूकेशनिकों (वरिष्ठ) को निदेशक (भूकिशन)
के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 1500-60-1800-1002000६० के वेतनमान में, स्थानापन्न ग्रस्थायीं क्षमता में, ग्रागामी
2-366 G1/85

आवेण होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पद्देश्निति पर नियुष्त अप रहे हैं।

कम० सं०	नाम	नियुक्ति-तिथि
1. श्री ए० चौध	<b>ा</b> री	6-8-85 (पूर्वाह्म)
2. श्रीसी० ग्रा	र० वीरराध <b>व</b> न	31-7-85 (पूर्वाह्म)
3. श्री ৰী০ পাঁ০	सेठ	7-8-85(पूर्वोह्न)
4. श्रीएस० एस	<b>।</b> ० कंबर	1-8-85(पूर्वाह्न)
5. श्रीएम० डी	० श्रीनिवातन	1 6 <b>- 8- 8 5 (पूर्वाह्म</b> )
6. श्रीवी० रा		1-8-85(पूर्वाह्न)
७. श्रीजे० नागे	ण्वार राव	31-7- <b>8</b> 5(पूर्वा <b>ह</b> )
8. श्री एस० पी	ो० जलोट <u>े</u>	2-8-85 (पूर्वाङ्का)
9. श्रीपी० एल	'० नरूना	31-7- <b>85</b> (पूर्वा <b>झ</b> )
1.0. श्रीएम० एन	।० दास	3 1 <b>- 7- 85</b> (पूर्वाह्य)

### दिनांक 16 भक्तूबर 1985

सं० 5052 ईं। ए० 32013/1-निदे (भूषि०)/84-19ए(2)—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) को निदेणक (भूषिज्ञान) के कप में उसी विभाग में नियमानुसार 1500-60-180 00-100 2000 ह के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न प्रस्थायी क्षमता में ध्रागमि आवेश होने तक प्रत्येक के मामने दर्शाई गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

ऋ० सं०	नाम	नियुक्ति तिथि
ा श्री एम० ए	——————— ज़ि॰ पारिमू	1-8-85 (पूर्वाह्म)
2. <b>ভা০ মুজ্</b> য ু	हुमार दे	29- <b>8-8</b> 5 (पूर्वा <b>ह</b> )
3. श्री सर्मार वृ	धुमार घेष	6-8-85 (पूर्वाह्य)
4. श्री ए० के०	टिकू	31-7-85 (पूर्वाञ्च)
5. श्री सेसिल र	राहा	23-8-85 (पूर्वाह्स)
6. श्री सुनील १	<b>ब्टाचार्या</b>	23-8-85 (पूर्वाह्म)
7. श्रीपी०एन०	मेहता	12-8 <b>-8</b> 5 (पूर्वाह्म)
8. एस० के० सि	<b>(ह गौड़</b>	12-8-85 (प्रविद्धा)
9. श्रीएम ० ए	<b>त० कुमार</b>	28-8-85 (पूर्वाह्न)
1 <b>0. डा</b> ० एन० रे	ोन गु <sup>प्</sup> ता	2 <b>8-8-8</b> 5 (पूर्वाह्न)
11. श्री प्रतीक ब	ोस	3 0-7 <b>-8</b> 5 (पूर्वीह्न)
12. श्री म्रार० ए	न० प्रमाद	28-8-85 (पूर्वाह्न)
13. डा० यू०वी०	माथुर	31-7-85 (पूर्वाह्न)

एन० के० मुखर्जी वरिष्ठ उपमहानिदेशक (प्रचालन)

### कलकत्ता, विनोक 17 सितम्बर, 1985

सं० 9390वी ए -32013(2-डी०जी०)। 82/ 19वी---राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित् मूर्गीतिकीं विदों (करिष्ठ) को निवेशनः (भूगीतिकीं) के पद पर उसीं विभाग में नियमानुसार, 1500-60-1800-100-2000 क के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में, मागामीं आदेण होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पदोन्नति पर नियुषित कर रहे हैं।

क्रम सं०	नाम	तिय्	किन तिथि
	ो० रा <b>ष</b> जी० के० मूर्ति	29-5-85 29-5-85	(पूर्वाह्य)
3. श्री बीं० 4.बी०ग्रास्०		29-5-85 14-6-85	

# दिनां ह 16 ग्रम्तूबर 1985

मं० 5039 डी/ए 320 13 (2-डी०जी०) /82-19वी---राष्ट्रपति जी भारतीय भूयैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूभौतिकीविद (विष्ठ) श्री वी० के० गर्मा को सिदंगकः (भूभौतिकी) के पद पर उसी विभाग में नियमानुसार 1500-60-1800-100-2000/-ए० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में श्रागामीं प्रावेश होने तक 17-6-85 (प्यांक्ष) मे पदौन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

### दिनां इ 22 नवस्वर 1985

सं० 1056 बि |ए -32013 | 1-निधे० (भूषि०) | 84-19ए - राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्न-लिखित भूवैज्ञानिकों (बरिष्ठ) को निवेशका (भूबिज्ञान) के रूप में उमी विभाग में नियमानुसार 1500--60-1800-100-2000 म० के वेतनमान में, स्थानापन्न ग्रस्थायी क्षमता में आगामी श्रावेण होने तक प्रत्येक के सामने वशिष्ठि गई तिथि में पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

ऋम	सं ०	नाम	नियुक्ति तिथि	
1.	श्री एन० सुब्रमनियम श्री बी० एन० मा		11-9-85 28-8-85	

डी० पी० दौडियाल वरिष्ठ उपमहानिदेशक (प्रचालन)

# दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांश 19 नवम्बर 1985

मं० 6/83/85-एस-2-- प्राकाशवाणीं महानिदेशालय के दिनांक 18-6-85 के प्रावेश सं० 1/18/84-एस-2 (भाग-2) के अनुसरण में दूरदर्शन महानिदेशक श्री रामिकणन, प्रधा निषिक को दिनां : 26-6-85 (पू०) से दूरदर्श केन्द्र, जानःधर में 650-960/-रुएए के केन्नमान में गदर्थ आधार पर प्रणामिन : अधिकारी के रूप में सहर्ष नियुक्त करने हैं।

> ति० मु० मुन्दरेश्वरन प्रणासन उपनिदेश : हते महानिदेश :

# मूचना और प्रवारण मंत्रालय

### फिल्म प्रभाग

### बम्बई-400926, दिनांक 1 नवम्बर 1985

मं० ए-32014/4/83-प्रार० सी०- विभागीय पदोन्नित समिति की संस्तृति पर, मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग ने श्री ए० जीं० रानडे. स्थायीं सहायक केमरा मैन, फिल्म प्रभाग बम्बई को 24-10-1985 के पूर्वाह्म से लेकर श्रगना श्रावेश होने तक क्षणे 650-30-740-35-880-द०रो -40-960 के वेतनमान में रुपए 650/- प्रतिमाह के वेतन पर फिल्म प्रभाग, बम्बई में केमरा मैन नियुक्त किया है।

एन० एन० शर्मा प्रणायनिक ग्रिधिकारीं **कृते** मुख्य निर्माता

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

### नई दिल्लीं, दिनांक 20 नवम्बर 1985

मं० ए० 38012/4/85-प्रणामन-1-- सेवा निवृत्ति की ग्रायु के हो जाने पर, श्री नारायण सिंह, उप-निदेशक प्रणासन 31 ग्रक्तूबर, 1985 के ग्रपराह्म में सरकारी मेवा में रिटायर हो गए हैं।

पीं० के० घर्ड उप निवेशक प्रशासन (मी एण्ड बी०)

# कृषि मंत्रालय ग्रामीण विशास विभाग विषणन एवं निर्शेक्षण निदेगालय

फ़रीबाबाद, दिनांक 2 नवम्बर 1985

> जे० कृष्णा निदेश र प्रशासन क्रते कृषि विषणन सलाहलार

# परमाणु ऊर्जा विभाग मद्रास परमाणु वि<mark>खुत परियोजना</mark>

कलपाक्कम-503102, दिनांक 19 नवस्बर 1985

सं० एम० ए० पं१० पी०/18(154)/85-भर्ती—परियोजना निदेश है, मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना इस परियोजना के श्रो ग्रार० गुणसे एरन ट्रेडसमन डी को इसी परियोजना में अस्थायं रूप से वैज्ञानिक ग्रधिकारी/अभियन्ता एस० बी० के पद पर दिनां है 1 ग्रगस्त, 1985 (पूर्वाह्म) से ग्रागे के ग्रादेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

वी० के० सन्तान**म्** प्रशासनिक ग्रधिकारी

महानिदेशं ह नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्लं , दिनांक 30 ग्रन्तुबर 1985

निदेश मं० 32013/5/83-ई०सी०—राष्ट्रपति, नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित सहायक संचार भिधकारियों को दिनांक 16 जुलाई, 1985 से ग्रीर अगले ग्रादेश होने तक, मंचार श्रिधकार, के पद पर नियमित ग्राधार पर नियुक्त करते हैं:--

%रमः न*ा*म

म०

#### सर्वश्रं:

- 1. के॰ राजगोपालन
- 2. जी० मुध्रिलगम
- 3. एमा० सो० श्रंटानी
- 4. रामचन्दर
- 5. एम० एल० चोपड़ा
- के० एस० करमाक्र
- 7. एस० बी० चक्रवर्ती
- 8. एस० एन० भगवत
- 9. बी० बी० पाटंकर

मृ**कुल भट्टाचार्जी** उपनिदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनौंक 14 नवम्बर 1985

सं० ए० 32013/1/85-ई०डब्स्यू०---राष्ट्रपति, श्री संदीप दालरा, सहायक परियोजना श्रधिवारी, नागर विमानन को पदोन्नति पर 11 श्रक्तूबर, 1985 से विद्युत एवं यांतिक श्रधिरारी, नागर विमानन विभाग के ग्रेड में नियमित श्राधार पर नियक्त करते हैं।

वेद प्रकाश,

उपनिवेशक (प्रशासन)

नई दिल्लं।, विनां ह 15 नवम्बर 1985

संबंधिक 12025/2/84-ईब्ल्सब्—संघ लोह सेवा आयोग की सिफ़ारिशों के आधार पर राष्ट्रपति ने श्रं: पीव पीव कदमबालियमा को दिनांक 10-10-1985 (पूर्वाह्म) से अन्य आदेश होने तक रुपये 1100-1600 के नेतनमान में, वरिष्ट उड़नयोग्यता अधिक री के पद पर स्थानापन्न अधार पर नियुक्त किया है।

श्री पी० पाँ० कदमबालिथया को निदेश 5, उड़नयोग्यता, बम्बर्ड एयरपोर्ट, बम्बर्ड के कार्यालय में तैनात किया जाता है ।

> वेद प्रकाश, उपनिदेशक, (प्रशासन) कृते मह निदेशक, नागर विमानन

केन्द्रीय उत्पादन श्रीर सीमा शुरूक बड़ोदरा, दिनांक 11 नवम्बर 1985

सं० 11/1985---श्रं। वंश्व बोव भट्ट, श्रद्धोक्षक, केन्द्रीय उत्पादन श्रीर मामा शुट्छ (वर्ग "ख") मण्डल-III।, बड़ोदरा दिनां ह 1-11-1985 के पूर्विह्य में सुरहारी सेवा में स्वैच्छिक रूप से निवृत्त हो गए हैं।

ग्ररिवन्द सिन्हा, समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन ग्रीर सोमा गुल्क,

### ऊर्जी मंत्रालय

कोयला विभाग

कोबला खान श्रमि ह कल्याण संस्था

धनबाद, धिनाँक 20 नवम्बरं 1985

संव प्रशासन 12 (5) 85--श्री एसव पीव मुखार्जी आशुलिपिक (नेतनमान 550-25-दवरीव-30-900) को 550-25-दवरीव-30-900 व्याप के नेतनमान में दिनांक 7-11-85 (प्रवराह्म) से कोयला खान श्रमि 5 कल्याण संस्था में कोयला खान श्रमि 5 कल्याण संस्था में कोयला खान कल्याण आयुक्त के सहायक सचिव (वर्ग "ख" राजपितत ) के पद पर नियुक्त किया गया है।

(ह०) अपठनीय कोयला खान कल्याण श्रायक्त

#### केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली-110066, दिनौंक 15 नवम्बर 1985

सं० ए-19012/1105/85-स्थापना-पांच--इस आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनॉक 13 जून, 1985 का अधि-कमण करते हुए, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री अर्जुन सिंह, अभिकल्प सहायक को श्रतिरिक्त सहायक निदेशक/ सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के भेड में 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 20-5-1985 की पूर्वाह से एक वर्ष की प्रविधि के लिये श्रथवा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण श्रस्थाणी तथा तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> मीनाक्षी ग्ररोड़ा ग्रवर सचिव केन्द्रीय जल ग्रायोग

में एतद् द्वारा मह सूचना दी जाती है कि स्रादरणीय उच्च न्यायालय, बस्बई, पनजी बेंच ने धिनाँक 31-8-85 के श्रादेशानुसार उनरोक्त कम्मनी के समामन का श्रादेश दिया है और राजकोय, समामक उच्च न्यायालय, बम्बई को उसका राजकीय समामक नियुक्त किया है।

> बी० एन० हरीष कंम्पनियों का रजिस्ट्रार गोबा, धमन ग्रौर दीव पनजी-गोबा

### केन्द्रीय जल भौर विश्वुत भन्संधानगाला

पुण-24, दिनाँक 20 नवम्बर 1985 सं० 608/69/85-प्रणासन—निवर्तन की आयु हो जाने के कारण श्री चं० भुजंगराव, सहायक श्रनुसंधान श्रिष्ठि-कारी (इंजी०), केन्द्रीय जल श्रौर विद्युत श्रनुसंधा न गाला, दिनाँक 31-10-1985 के भ्रपराह्म से केन्द्र सरकार की सेवा से निवस हो गये।

> ति० प० यज्ञन सहायक **भनुसंद्या**न भक्षिकारी प्रभारी प्रशासन

# शहरी विकास मंत्रालय सम्पदा निदेशालय

मई दिल्ली, दिनौंक 19 नवम्बर 1985

सं ए-19011/4/85-प्रमा०-विधि, न्याय श्रीर कम्पनी कार्य मंत्रास्य (विधि कार्य विभाग) में सहायक विधि सलाहकार श्री चन्त्र कान्छ सीलंको जो सम्पदा निवेशालय में संस्पदा उप-निवेशक (मुकद्दमा) के पद पर कार्यरत थे, ने कथित पद रिक्त कर दिया है।

2. श्री नेम जन्द जैन, सहायक विधि सलाहकार को श्री सी० के० सोलंकी के स्थान पर 14 नवम्बर, 1985 के पूर्वाह्न से शहरी विकास मंत्रालय, सम्पदा निदेशालय में सम्पदा उप-निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाता है।

> लक्ष्मण दास सम्पदा उप-निदेशक (स्थापना)

# उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विश्व बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय "कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 और गोवा टेक्सटाईल लिमिटेड (समापन ग्रन्तर्गत) के विषय में

पनजी, दिनांक 14 नवस्थर, 1985

सं 13/लिक्युडेशन/2840 कम्पनी भिश्चिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के मनुसरण कंगनी धिधिनियम, 1956 श्रीर मयूरा फिलमण प्राइवेट लिमिटेड के विषय में बंगलूर, दिनाँक 20 नवस्बर 1985

सं० 2481/560/85→कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनाँक से तीन माम के श्रवसान पर मयूरा फिलमज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी बिउटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और है डबह प्रकसन एण्ड पेन्दररा प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलूर, दिनाँक 20 नवम्बर 1985

स० 5496/660/85—कस्पती प्रधितियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रमुसरण में एतद्वारा यह सूचना दो जातो है कि इस दिनाँक से तीन मास के अवसान पर है उबह प्रकतन एण्ड प्रेन्दररा प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ऋ**धिनियम**, 1956 श्रीर दी दे**वां**ग समाज के विषय में

बंगलूर, विनांक 20 नवम्बर, 1985

सं० 920/560/85--कम्पनी प्रधिनियम,
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में
एतद्र्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनॉक से तीन
मास के श्रवमान पर द्री देवांग समाज का नाम इसके प्रतिकुल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया
जीएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी **अधिनियम**, 1956 श्रीर प्रेम प्रदकसनरा प्राइवेल लिमिटेड के विषय में

बंगलूर, दिनौंक 20 नवम्बर 195
संठ 4410/560/85—कम्पनी प्रधिनियम,
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुपरण में
एतब्रुद्धारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन
मान के श्रवसान पर प्रैम प्रदक्तनरा प्राइवेट लिमिटेड का
नाम इसके प्रतिकृष्त कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर
से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवटिन कर दी
जाएगी।

श्रार० एस० नेगी कम्मनियों का रजिस्ट्रार प्ररूप बार्धः टी. एन. एस. ------

आयक र अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

#### भारत भरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, एरणाक्लम

कोचिन-16, विनांक 30 श्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० एल० सी० 775/85-86→-यतः मुझे बी० रविवासन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाय 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, चित्रका उचित वाचार मृश्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार, है, जा एरणाकुलम में स्थित है (श्रौर इसमें उपावद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चत्रेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जायू या भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिम्मियम, या भनकर विभिन्नियम, या भनकर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती हुंबारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया वाना थाहिस वा, कियाने वें सुविधा के सिए;

बतः अव, खब्त निधिनियम की भारा 269-ग वी बन्हरण में, में, बब्द निधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) भी अभीन. निम्नलिखित व्यक्तिसयों. अर्थात व——

- 1. श्री सी० के० वेंकटराम नायिषु, श्रीर
  - (1) श्री मी के के राजाराम नायिडु द्वारा, मुखता श्री वेकटराम नायिडु कोचिन टिन फैक्टरी, पल्लूक्ती, कोचिन-

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमित मैरा जान पित्न श्री मी० सी० जान, द्वारा मैमर्स सी० यू० चैको एंड मन्स रिवपूरम कोचीन-16' (श्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की कविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त वीचीनयन, के बध्याद 20-क में परिभाषित् है, वहीं वर्ष होगा, जो उस बध्याय में दिया है भया है।

#### अनुसूची

एरणाकुलम उपरजिस्ट्री कार्यालय के तारीख 16-3-1985 के दस्ताबेज सं० 981/85 के श्रनुसार एरणाकुलम विलेज में सर्वेक्षण सं० 1200, 1096, 1075/1 श्रीर 1075/4 में 40.071 सेंट भूमि।

> बी० रिवबालन सक्षम प्राधिकारी -महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख: 30-10-1985

मोहर ः

प्रक्य नाइ. टी एन ५४. - -

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धर अस्ति । के क्यान सुमना

#### धारत तरकार

# कार्याभव, तहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षक)

ग्रजेन रेज, एरणाकुलम, कोचिन-16 कोचिन-16, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1985 निर्देश स०एल० मी० 776/85-86——श्रतः मुझे बी० र्द्भविबाजन

बामकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति. जिसका उपित शामार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण क्या से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 16 मार्च 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि संधापूर्वोक्त संपत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिकात से विश्वास से उक्त बन्तरण में सिचित शास्त्रीयक क्या से विश्वास कर विश्वास कर विश्वास कर के लिए तथ पावा गया प्रतिकात से विश्वास कर विश्व

(क) मनाइष सं हुइ सिक्सी बाय की बावत उक्क अभिनियम के अधीप कर दोने के अन्तरक क स्वतिरत में क्यी करने वा जमसे अधने नो स्विधा क निष्ट सीए/या

े विश्व काथ या जिन्ही थन या अन्य वास्तिकां जिन्ही भारताय वाय-कर जिन्ही भारताय वाय-कर जिन्ही सम्बद्ध , 1922 ।922 का 11) या उक्त विधिनसम्, या -कर विधिनसम्, या -कर विधिनसम्, 1957 (1957 का 27) ज्यानताथ जन्ती रही रही । विधिन मही किया वास विधान को स्वित्रण निर्देश । विधान को स्वित्रण निर्देश ।

श्रतः स्था, उक्त प्रिक्तानम का धान १६९-ग के सनुसरण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभार (१) के सधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) श्री सी० के० वेकटराम नायिषु ग्रीर
   (2) श्री सी० के० राजाराम नायिषु द्वारा
  मुखनार श्री नी० के० वेंकटराम नायिषु,
  काचिन टिन फैंक्ट्री, पल्लूरुन्ती, काचिन-5।
  (ग्रन्तिरिंगी)
- श्रीमती मेरी तंपी, ग० मी० ए० तंपी, चनकालककत रोड, तेयरा, एरणाकुलम की पत्नी। (ग्रन्मरिती

को यह तृचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्पन के सिए कार्यवाहिया करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जबिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी जबिध बन्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (क) इस ब्रुथमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 वित्र के ब्रीटर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी मन्य व्यक्ति ब्यारा मधोइस्ताक्षरी के वास निवित्त में किए जा सकोंगे :

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, जो उक्त विभिन्नियम के अध्यास 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होना को उस अध्यास में दिवा सवा ही।

### वपुसूची

एरणाकुलम उप रजिस्ट्री कार्यालय के तारीख 16-3-1985 के दस्तावेज सं० 982/85 के ध्रनुसार, एणांकुलम विलेज मे सर्वेक्षण सं० 1075/1 में 15.148 सेन्टभूमि।

> बी० रिवबासन उक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एर्णाकुलम

तारीख 30-10-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज, एरणाक्लम

कोचिन-16, दिनांक 30 ग्रस्तूबर 1985 निर्देश सं० एल० सी० 777/85-86—यतः मुझे बी० रविकालन

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) शैकते इसमें इसमें इसमें परवात 'उवत निर्धानयम' कहा गया हैं) की भारा 269-वा के निर्धान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/-रा. में निधक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ग्रनुसूची के भ्रनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णिस है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 16 मार्च 1985

क्षे वृज्ञीनत संपरित के जिनत नाजार मृत्य ते कन के कामान नित्यस के लिए नन्तरिय की नई हैं और मृत्ये वह विश्वास करने का कारण हैं कि नजापूर्वोंनत कम्परित का उपित वाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिकत है, एवे क्यमान प्रतिकत का वेद्य प्रतिकत के निषक हैं और वस्तरिक (वस्तरिता) की वीच एते वस्तरण के लिए तम् वाचा वया प्रतिक का पिन्न मिना परेत वस्तरण के लिए तम् वाचा वया प्रतिक का पिन्न मिना परेत कस्तरण के लिए तम् वाचा वया प्रतिक का पिन्न मिना के वास्तिक के परेत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण तं हुई किती जाव की वावत, उक्त वीयनियम के अभीन कर दोने के बंतरक में दावित्य में कमी कारने या उसवे वचने में तृतिथा के निए; वरि/वा
- (च) ऐसी किसी बाव वा किसी धन वा कर्क कारिसारों को, जिस्हें भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ वन्तरिसी ब्याय प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, कियाने वे वृद्धिया के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- ा. (1) श्री रूँसी० के० वेंकटराम नायिष्टु ग्रीर
  - (2) श्री सी० के० राजाराम नायिडु द्वारा मुखतार श्री वेंकटराम नायिडु कोचिन टिन फैक्टरी, पल्लूक्ती, कोचिन-5

(ग्रन्तरक)

 कुमारी सुलु जोण चक्कालकक्ल रोष्ठ, पैघमाभूर, तेवरा रोड, एरणाकुलम।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के पिछू कार्यवाहियां करता हुं।

तकत सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिंध, को भी बनिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदाय;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावत सम्पत्ति में हित-बहुध किसी जन्म व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए या सकीने।

स्वक्षीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शर्म और पर्यों का जो उक्त अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्यास में विसा एस ही।

### ममुस्ची

एरणाकुलम उपरजिस्ट्री कार्यालय के तारीख 16-3-1985 के दस्तावेज मं० 983/85 के भ्रनुसार एरणाकुलम विलेज में सर्वेक्षण मं० 1075/1 में 15.150 मेंट भ्मि।

बी० रविवालन सक्षम प्राधिकारिः महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकृलम

तारीख: 30-10-1985

# प्रकप नाइ ही पुन पुस ...----

# आयफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना भारत सुरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एरणाक्लम, दिलांक 30 अक्तूबर 1985

निर्वेश सं० एस० सी० 778/85-86—यतः मुझी वी० रविवासन,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- स्तु. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं० अनुभुवा के अनुसार है, जो एणिकुलम में स्थित है (श्रीर इत्तसे उपावड अनुभूवी में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारताय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च 1985 को पृष्टीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; बौर/या
- ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनका अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

नहः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण माँ, भाँ, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) में सम्बद्ध अम्बद्धानुस्ता व्यक्तिस्ता कर्णाम् 3—366 GI/85 1. श्रं सा० के० वेंकटराम नायिडू ग्रोर श्रं सी० के० राजाराम नायिडू द्वारा मुख्खकार सी० के० प्रेंट प्राम नायिडू कोचिन टिन फ़ैक्टरी, पल्लुरूयी, कोचिन-5।

(श्रन्तरक)

2 कुमारी जून जोन सुपुत्री श्री सी० सी० डोन

2. कुमारी श्रनु जोण मश्संसी० युव्चाक्को एण्ड सलास, रविपुरस, कोचिन-16।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर, प्रजेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्रिक्टा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, अही कर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### धनुसूची

एणाकिलम उप रिजस्ट्री कार्यालय के तारीख 16-3 1985 के दस्तावेज सं० 984/85 ग्रनुसार एणीकुलम विलेज में सर्वेक्षण सं० 1075/1 में 15.150 सेन्ट भूमि।

> बी० रविद्यालन सक्षम प्राधितारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुक्त रेंग, एणीक्फुल

तारीख: 30-10-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम
एणीफूलम, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1985

निर्वेश एल० सी० सं० ०/779-अतः मुझे, बी० रविवालन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 / - रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० ग्रनसूची के ग्रनुसार है, जो एणीक्लम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एरणिकुलम में भारत(य रजिस्ट्रोकरण प्रधिनियम , 1908 (1908 का 16) के ग्रधान, तारीख 16 मार्च 1985 को पर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके कायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंत-रिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या । कथा धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्मलिखिक व्यक्तियों, अर्थान :---

- (1) श्री सी० के० वेंटकराम नायिबु श्रीर
   (2) श्रा मो० के० राजाराम नायिबु द्वारा मुखतार श्रा सी० के०वेंकटराम नायिबु कोचिन टिन फैक्टरी, पल्लूक्टी, कोचिन-5।
- 2. कूमारो मंजु जोण, अवयस्क प्रतिनिधि श्री सी० जोण चक्कालक्कल रोड़, तेवरा, एरणाफुलम। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

#### बमसची

एर्णाकूलम उपरिजस्ट्री कार्यालय के तारीख 16-3-1985 के दस्तावेज मं० 985/85 के ग्रनुसार एर्णाकूलम विलेज में सर्वेक्षण सं० 1075/1में15.150 सेन्ट भूमि।

> बी० रिवबालन सक्षम प्राधिकारी ह्यायक द्यायकर द्यायुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, एरणाकुलम

नारोख: 30-10-1985

मोहर 🖫

# प्रथम नार्षं , गर्वं , एवं , एवं , प्रवासन

काशकार क्षितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-क (1) के क्ष्मीय सूचना

#### RISH WENNS

### कार्नास्य, सहायक नायकर नायुक्त (विशेषण)

म्नर्जन रेंज, एरणीकुलम

एणीकुलम, दिनांक 30 म्नक्तूबर 1985

निर्देश सं० एल० मो० 774/85-86---मृतः मृश्ने, बी०
एविबालन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसकें इसकें परवाद 'उक्त सीमीनगर्म कहा का हैं), की बारा 269-ख के अभीन सक्तम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 3,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिलकी मं० श्रनुसूचा के श्रनुसार है, जो एरणीकुलम में स्थित है (श्रीर इससे उपावत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीएती श्रीधकारी के बार्याल्य एरणीकुलम में भारताय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908, (1908 का 16) के श्रवीन, तारीख 16 मार्च, 1985 का पूर्वित सम्पत्ति के उपात बाजार मूक्य से क्रम के द्वामाल सितफक के लिए सन्तरित की गई है सार मुक्ते यह निकास

का पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाबार मूक्य से का के द्वाबाल बित्रक के लिए अन्तरित की गई है करेंद्र मुक्के यह विकास करने का कारण है कि यभापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित्र क्वाबर मूक्य उतके द्वाबान बित्रक है और वंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एते वंतरक (अंतरकों) किए तब चवा गया प्रतिकत, विक्तिसिद्धित अद्वर्धिय के उत्तर अंवरण जिल्ला के सित्रक अंतरक वंतरक वंतर

- (क) सम्बद्ध से हुई किसी आप की नायत्त तम्य विधितस्य के स्थीत कुद्ध की के सम्बद्ध के कृतित्य में क्सी कुद्ध या क्याने बच्चे में कृतिथा में सिद्ध क्रों⊈ंग
- (क) ऐसी किसी बाज या किसी वह ना अप्य अलेक्स्मी को जिन्हें भारतीय जानकार निर्मानका, 1922 (1922 का 11) या जनता अधिनियम, या अप-कर जीधीनयम, या अप-कर जीधीनयम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्यास प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना काहिए ना, कियाने में सुविधा जे किया,

अतः अतः जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, नियनिविधित स्वित्यों, सर्वात् १----  (1) श्री वेंकटराम नायिषु सी० के० और
 (2) श्री सी० के० वेंटकरामनायिषु द्वारा मुख-क्षार श्री वेंटकराम नायिषु कीचिन टिन फ़ैक्टरी, पल्लुख्दी, कोचिन-5।

(भ्रन्तरक)

2. श्रा सी० सी० जोण कीस्टल फ्राउडेसनस हिवे लि०, एम० जी० रोइ, रविपुरम, कोचिन-682016

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी अस्त प्रवेशत सम्पर्धित से सर्वन के श्रिक् कार्यवाहियां करता हुं।

### बन्दा सम्बन्धि के क्ष्मीन के धीर्वभ में कोई भी आखीर :----

- (क्क) .इस त्का को राक्षण में प्रकाशन की तारीक सैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर क्का की बाजीय से 30 दिल की अविध, को जी अविध नाव में बनाप्त होती हो, के मीतर क्वों कर क्वींक्त में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (क) इस त्वना के राज्यन में प्रकाशन की वालीत से 45 दिन के भीतर उतन स्थायर संपत्ति में हितनक्थ किसी मन्त्र न्यक्ति बनारा नधोहस्ताक्षरी के राष्ट्र सिवित में किए वा सकति।

स्पच्चीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्यों और पद्यों का, को उपन अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिकारिक ही, वहीं वर्ष होगा को उन्न सम्यास में किस मया ही हैं।

### प्रनुजुषी

एणीकुलम उपरिस्ट्री कार्यालय के सारीख 16-3-1985 के दस्तावेज सं० 980/85 के श्रनुसार एणालम बिलेज में सर्वेक्षण सं० 1075/1, में 42.638 सेन्ट भूमि।

> बी० रविद्यालन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, एरणींकुलम

वारीख: 30-10-1985

मोहर 🕄

श्राक्य बाइं.टी.एन.एस. ------

कायकार वीधीनयव, 1961 (1961 का 43) की की : धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

बारत सरकार

### कार्यास्य, सञ्जयक नायकर नायका (विरोक्षण)

मर्जन रेज- , कलकत्ता

कलक्सा-19, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ए०सी० /नल०८५-८६--यतः

मुझे, शेख नईम्हिन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की चार 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापृबंकित संपत्ति का उचित वाजार मूक्य, 1,00,000/- रा. संअधिक हैं

भौर जिसकी मं० प्लाट नं० 38 है तथा जो ब्लाक-बी नियु मालिपुर, कल कत्ता में स्थित है (और इसमें उपावड म्रनुसूर्वः में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्तामधिकारों के कार्यालय भार० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रवीन, तारीख 30 मार्च 1985

की प्रतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नोंक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल के प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकत, मिन्नीबिकत उद्देशमाँ है उन्त जन्तरण जिल्लिय में बास्तिकक रूप से कीयत नहीं किया गया है है—

- (क) नन्तात्व में हुई निकी बार की नार्त्त, उपट विभिन्त के नवीन कर देने के नन्तुत्व के स्वित्व में करी करने या उसने वचने में सुविधा के जिस्ह जीर/मा
- (क) एंकी किसी बाब वा किसी वन वा बल्क बारितकों की विन्हें भारतीय नाव-कर विधिनयम, 1922 (1922 को 11) वा अक्य विधिनयम, वा चन-कर विधिनयम, वा चन-कर विधिनयम, वा चन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया वा वा विका बागा वाहिए था, कियाने में सुविधा के विद्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गंके, अन्सरण कें, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मेसर्स जे० भार० कन्स्ट्रक्शन।

(भ्रन्तरक)

2 श्री महार्बार प्रसाद श्रग्रवाल।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### बक्त सम्मति भी वर्षन के सम्बन्त में नीव् भी वासेप हु---

- (क) इस स्वना के एकपत्र में प्रकाशन की तारीस क्षं 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की नविभ, को भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (स) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किस वा सकोंचे ।

ल्बच्चीकरण:—इसमें प्रवृक्त कर्मा थाँ, पर्यो का, जो सक्छ विधीनसभ के जभाव 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस वश्थाय के दिस्स प्या हैं।

### पनुसूची

चार तल्ला पर 1180 वर्ग फु० प्लाट नं० 38, ब्लाक -बी, निउ श्रालिपुर कलकता मे उपस्थित है। दिलल संख्या:—ग्रार० ए० कलकता का 1985 का श्रई-4929।

> शेख नईमूहिन सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज- /कलकता

तारीख: 6-11-1985

मोहर 🛭

प्रकष् आई . की . एत् . एस . ------

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन क्षमा

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक जावकर बायुक्त (निरक्षिण)

भर्जन रेंज-4, कलकता कलकता, दिनांक

🏋 निर्देश सं० ए० सी० 20/वल०1985-86—श्रतः मुझे शंकर के० बनर्जी

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निर्मानयम' कहा गया है), की धारा 369-छ के अभीन स्क्रम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार एक्स 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रीर जिन्नकी मं० 78 है तथा जो नूरहोन रोड़ में स्थि है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिन्द्रा नर्ता ग्रीध हारा के कार्यालय ग्रासान सोल में ग्रिस्ट्री-करण ग्रीजिनम 1908 (1908 हा 16) के अवान, हारोख 20 मार्च 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्रवबाद प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने की कार है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित वाकार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिअत से निभक्त है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिमों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पावा नया प्रति-क्रिल निम्मतिबित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है ६——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिन्यम के मुधीन कर दोने के अंत्रुक के विदिल में कभी कुरने या उद्देश वचने में सुविधा के लिए; अरि/का
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय नामकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयाजनार्थ अंशरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना जाहिए वा, जियाने में सुविभा औं विद्या

नतः, जन, उन्तं श्रीभीननन की भारा 269-ग के अनुसरक में, भें सकत सीभीनयम की भारा 269-च की उपभारा (1) अे अभीन, निम्नीतिश्वित स्पक्तियों, कर्मात् धु— क. था विश्वजीत राम।

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रा० राईलुहारूका।

(भ्रन्तरिती)

को वह बुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की जर्चन क्षी लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनता सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-अव्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

# अगृश्यी

0.029 एकड़ जमान का साथ मकान का 1/2 भाग पता -78 तूरूद्दीन रोड़, श्रासानसील ।
 पतल सं० 1985 का 1910

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रन रेंज- 4/कलकता

**वारीख:** 6-11-1985

प्ररूप आइ .टी .एन . एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज 4, कलकता

निर्वेश सं० ए० सी०-21/कल०/1985-856---- प्राप्तः मुझी शंकर के बनर्जी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 78 है तथा जो नूरूदीन रोड़ स्थित है (श्रीर इसस उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजन्द्रा हती श्रविहारा के कार्यालय श्रासानसील में रिजिट्री- करण श्रविनियम 908 (1908 का 16) के श्रवीन, तारीख 20 मार्च 1985

को प्यांकिश सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्ष संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियन के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उत्तर्स कचने में सविधा के लिए: आँट/या
- (क) ऐसी किसी आम का किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आमकर अभिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिश के निए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिविध व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री बिएवजीत राय।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती गौमती देवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वासा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की ताड़ीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जन्यूची

0029 एकड़ जमीन का साथ मकान का 1/2भाग पता-78 नूरूद्दीन रोड़, श्रासनसोल: दर्लिल सं० 1985 का 1911

> एस० के० वनर्जी सक्षम प्राधिकारी सह्याक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रोंज -4, कलकता

नारीख: 6-11-1985

योहर

प्रकृष् वार्ष्: दी . ऐन . एस :------

नायकर व्यक्तिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

#### मारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

ध्रजन रेज, बंगलुर

बंगलुर, दिनांक 13 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० 4670/84-95—-यतः, मुझे, श्रार० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार बृत्य 1,00,000/~ रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 518/1, टी० एस० नं० 137/1 है, तथा जो कस्वा बजार विश्वेज मंगलुर में स्थित (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रीधकारी के कार्यालय मंगलुर में धारा 69 ए० बो० के ग्रंतर्गत सक्षम प्राधिकारी के सम्मुख्यि पास है), रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908(1908 का 16) के ग्रंथीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बासार मूल्य से कम के द्रवस्थान बतिफल के जिए अन्तरित की गई जौर भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकल का पन्तर प्रतिकल से व्यापान प्रतिकल का पन्तर प्रतिकात से व्याप्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नीसिवित उक्वेच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से अधिस नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबता, उक्त वर्त्तियम के अधील कर दोने के बन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के किए; बॉर/या
- (क) एसी किसी बाम या किसी धन या जन्म जास्तियों का, बिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इयारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्यिभा के लिए;

अतः अव., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों., मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तिसमें, अधीत्:--- क. श्रामता मोरा भासकर निरोधि, छी०-6, धीपलक्ष्मी की-स्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि०, प्रभादेवि सा० बीच, प्रभादेवी, बम्बई-25।

(भ्रन्तरक)

2. में सर्स होटेल श्रोम महल प्रैं० लि०, भवंनतः स्ट्रंग्ट, मंगलर।

(अन्तरिती)

 श्रो के० विश्वानाथा शेनाय प्रोप्रेंटर : होटल न्यु श्रोम महल, मंगलुर।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधीन में संपति है)

को यह सूचना जारी करके पृवर्षित सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाओप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (च) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः - इसमे प्रयुक्त सन्तों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

### अनुसूची

(धस्तावेज सं० 1977 ता० 3/85)

संपति है जिसका संब्धार० एस० 518/2 टो॰ एस॰ 137/1, जो कस्बा बजार विलज, मंगलुर तालूक में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 13-11-1985

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अगगन्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलुर

बंगलुर, दिनक 13 नवम्बर, 1985

निर्देश मं० 46721/84-85—-यतः मृक्षे श्रार० भारद्वाज लागकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे परसात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहः से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्लाट नं बी - 4 है, तथा जो कसबा बनार बिलेज में, बंगलुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनू-सूची में श्रीर पूर्ण इप से विणित है), राजिस्ट्रीकृती श्रीध-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख रिजस्ट्रीक्रण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 16 मार्च 1985

को पूर्वाक्स संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के तिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निग्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से क्षिए नहीं किया गया है है—

- (क) अंक्षरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण का, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नित्रिकत व्यक्तियों, अर्थात् :---

 भेसमं श्री परिज्ञाना को-भ्रापर दिव हा उसिंग सोसायटी, मुखबिर्दा।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीं बीं रामानन्सा पै०, दक्षि० पश्चिनि की-भाप-रेटिय हाउसिंग सोसायटी लि०, मंगलुर। (ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित्त में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 1978 ता० 16-3-85) प्लाट नं० बी-4, जो कसवा बजार विलेज, मंगलुर, में स्थित है।

> भार० भारखाज सक्षय प्राधिकारी सहायक ग्रायक ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज, बंगलुर

तार ख: 13-11-85

# प्रका वाही<sub>ल</sub> दी त एव*ु* एव*्* कार्यकार

# नावकर निर्मानमम्, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के मभीन सुचना

#### नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) वंगलूर, दिनोक 4 नवस्थर 1985

निवेश सं॰ नोटिस नं॰ 47033/35-86-मतः मृ**से** भार**ः** भारताज

विषय कि पिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. सं अधिक हैं

बौर निजिन्नी सं० 00/9 है, तथा जो 7 कास, विलक्षत गार्डन बेंगजूर में स्थित है (और इन्ते उपाबद अनुसूर्वा में और पूर्ण का से परिगत है), स्टिस्ट्री स्था अविकिस 1008 (1908 का 16) के अधि। सारीख 1-4-65

को पूर्वोचत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान बिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार बृज्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का बृज्य प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया नया इतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित यें बास्तिक क्य से कथित न्हीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुन्द किसीं बाय की बाबता, उक्त जीपनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक की शीयत्व में कमी करने या उससे वसने में सुविधा के बिए; बीर/बा
- (च) एरेशी किसी आय वा किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कार बांधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त बांधानयम. या धन-कर बांधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया का या किया प्राप्त काहिए था, खियाने के स्विधा

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण वै, सै, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—— 4—366 GI/85 (1) श्री वी०सी० बादमि श्रीर 3 कुछ लोग, नं० 00/9, 7 कास, विलयन गार्डन, बेंगलूर

(मन्दरक)

(2) श्री शांतिलाल शान्त्र 15, 12 कास, बिलसन गाउँन, बेंगलूर

(पग्वरिती)

की वह तुमना बारी करके प्वींक्त संप्रांग के वर्षण के विश् कार्यवाहिमां करता हूं।

दक्त सम्पत्ति को वर्षन की सम्बन्ध में की इं भी भारते :---

- (क) इस स्थान के राजपण में अकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों नर स्थान की तामील से 30 दिन की सविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य अपक्ति दुवारा अधीहस्ताक्षरी के वास सिवित में किए वा धकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनस्वी

(दस्तावेज सं० 15/85-8 तारीख 1-4-85) सब सम्मत्ति है जिप्तहा सं० ७०/२, जो 7 कास, विलसन गार्डन, बेंगलूर, में स्थित है।

> भार० मारद्वाज सक्षम प्राधिवारी सहायक भाषकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 4-11-85

प्ररूप आई..टी त्एन एस . ------

भायकर जाभानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनोरु 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46967/85-86-भतः मुझे भार० भारद्वाज

वाबकर प्रीपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्से एससे इसके वश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-क के बभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थानर सम्बन्धि, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक है।

धौर जिसकी सं० 11 (3ए) है. तथा जो विश्व राम किसेंट, बंगलूर में स्थित है और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री रण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख 9 अप्रैल 1985

को प्यांक्त तस्मित के उचित बाजार मूल वे कम के द्रायमान वितिष्क्रम के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य वसके द्रायमान प्रतिष्कल से. एोगे क्ष्यमान प्रतिष्कल का पन्द्रह वितिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण से सिए तथ पाना वना पित्रकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिकित में भामनिक कुछ के किथा नहीं किया नहीं है

- (क) अन्तरण से हुई किसी क्षाय की बानत, उक्त अभिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरण्य को दायित्व में कमी करने या उनमे क्ष्में मा मृश्यिक के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आसित्यों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (10 '' ग 11) या गण्य विविश्वियम, या अनकार अधिनियम, या अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बवा कर या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के स्थि।

भतः ककः तक्त अधिनियमं का धारा 269-ग के अनुसरक मो, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री एडवर्ड फेंनटन मोयर, क्षेयर धाफ मैसर्स निन्म और पार्ट्सज, 26,1, लावेल्ले रोड, बंगलूर

(घग्तरक)

(2) डाक्टर एच० ग्रार० हेगड़े नं० 5, रेसिडेन्सी रोड, बंगलूर

(मन्दरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्क भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति ध्वितयों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (अ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्मधीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुस्ची

(दस्तावेज सं० 35/05 तारीख 4/05) सम्पत्ति है जिसका सं० 11 (3ए) जो वानिमगंहाम किसट, बंगलूर, में स्थित है।

> षार० भारद्वा सक्षम प्राधिष्टार सहायक ष्रायकर ष्रायुक्त (निरीक्षण) ष्रजैन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 7-11-1985

### प्रकृष बाह्री.टी.एन्.एस., \*\*\*\*\*\*

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### शारत सुरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्वेश सं० नोटिस नं० 47046/85-86-प्रतः मुझे भार० भारतात्र

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वाल करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अरि जिल्ही सं 143/38 है, तथा जो 6 कास, विलस्त गाईं।, वंगजूर में स्थित है (और इसने उनाबद अनुसूची में और पूर्ण कर से वॉगड़ है), रजिस्ट्री रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधि: तारीख अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके क्यामान प्रतिफल से, ऐसे क्यामान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निम्नलिखत से वास्तियक कए से किथन नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण सं हुइ' किसी शाय की वाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कुट दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (भ) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जय, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुसर्भ में, में, शक्त अधिपियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के जभीभ, जिल्लाजिक व्यक्तिवाँ, वर्धात् क्र- (भन्तरकः)

(2) श्रीमती के०एरा० विजया श्रीनिषास,
 433/1, 14 कास,
 भाष्ट्रगोडि रोड, श्रेगलूर

(मन्तरिती)

को यह सूचना आरी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के मंबंध में कोई भी बाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृशका;
- (व) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकरेंगे।

स्थव्यक्षित्र :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

### अगृस्थी

(दस्तावेज सं० 123/85 तारीख 4/85) सम्पत्ति है जिसका सं० 143/38, जो 6 क्रास, विलसन गार्डन, बंगसूर, में स्थित है।

> (मार० भारद्वाज) रक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर स्नायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर

**वारीख: 4-11-85** 

मोहरं :

प्रक्ष बाइ .टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के मधीन सुखान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रज, बंगलूर

र्वगलूर, धिनीक 1 स्वम्बर, 1985 निर्देश सं० नोटिस नं० 46758/84-85-प्रतः मुझे ग्रार० मारकाज

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसके वस्थात (बस्त अभिनियम कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका जिलत बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

बीर जिसकी सं० 139,4 है, तथा जी होमलर आउट बंगलूर में स्थित है (और इस से उनाबद प्रनुसूर्जा में और पूर्ण रूप से बंगित है), रजिस्ट्री रूरण भिधित्यम 1908 (1908 ना 16) के भिधीन तारीख 15-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ने कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार जूक्य, उसके इस्यमान प्रतिफल है, एसे इस्यमान प्रतिफल का देख प्रतिभाव से अधिक है और जंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निजितियां उद्विष्य से उच्त जन्तरण सिवित में वास्त-

- (क) बन्तरण के हुए किसी बाय की बायत उक्त बाय-नियम के बधीन कर धेने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में समिधा के लिए; बीर/बा
- (क) एची किसी बाद वा किसी बन वा बन्ध आस्ति की, जिन्हीं भारतीय बाद-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या चय-कर अधिनियम, या चय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यापा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाता लाहिए वा, कियाने में सुविधा के सिए:

वर्त: नव, उक्त नियमित्रम की घारा 269-ग के नन्तरण वी, मी, उक्त नियमित्रम की धारा 269-म की उपधारा (1) ने वर्धान, निरमिश्रिक व्यक्तियों वर्धात 2--- (1) श्री सम्मानीरामा रेड्डी नं० 132, ब्रिगेड रोड, बेगलू-500025

(धन्तरक)

(2) खाक्टर (श्रीनर्ती) गीता रत्तासर **गेट्टी** स्तर्भाः प्रतिधि श्रीमती घराला भोजराजा गेट्टी, केसर प्राफ श्री एस० की० गेट्टी पी/51, रेजने स्वाटर्स, अपनार पार्क, कीताना, जम्बई-500005

(मन्तरिती)

को रह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के उर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकाय व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड्र के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वाल जिसित में किस् या सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविद्य हो, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या ग्या हो।

### यम्स् ची

(दस्तावेज सं० 3783) 84-85 तारी**ख 15-3-85)** सम्पत्ति सं० 139) ४ में भाग जो दोमलूर **लेशाऊट, बेंगलूर** में स्थित है।

> सार० सारहाण सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर सायुक्त (निरीक्षण) सर्थन रेंण, बंजनूर

सारीज: 1-11-85

41215

प्रकथ बाइ. दी. एन. एस.-----

नायकर निप्तियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के न्योन स्वता

बार्य सहकार

कार्यासय, बहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, थिनोक 1 नवम्बर 1985

िवेंग सं॰ मोटिस नं॰ 47203/64-85-घतः मुझे, घार॰ भारताज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गा है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

बीट कि की सं॰ 244 है, तथा जो बोबेल रोड, वेंटफील्ड कें आदे पुरम होक्ती, वेंगतूर सीत तालुं में लिया है (और इस्ते जाबद अनुसूत्री में ओट पूर्ण का से परिता है), परिन्द्री-इस्त अविकास 1903 (1903 का 16) के अवीर तारीब 25-3-05

का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य सं कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य भूष्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का बंदह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और (जन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरच के जिए तय शया गया विकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक क्य से कथित नहीं किया यहा है ए---

- (क) बन्तरण संहूर किसी बाब की बाबत उक्त बीध-जियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के शियल में कभी करने या उससे बजने में श्रीवधा के सिए; बीड/वा
- (क) ऐसी किसी नाव या किसी धन या नन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना जाहिए था, छिपाने ये सुविधा के सिए; बार/या

बतः बद, उस्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वी, वी, उस्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) वै सभीन, विक्लिकिस्ट स्मित्तमी, सर्थात् ह— (1) श्री चै० ६० विकेट स्यूचं० 240, चंठीय रोड बैटफीरङ, चेयसू:550006

(भग्जरह)

(2) श्री केव्यांव श्रीहरू, ऐस्ट केव्ट होटेए के जिसी रोड बेंगगुर में रहते हैं।

(भग्निरितीः)

को यह मूचना जारी करके गूनोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चक्त सम्मात्त के प्रकृत है जा प्रमा नहीं भी दास्त्रण .---

- (क) इस म्चना के राजपण मो प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की जनींच का गण्यदानी व्यक्तियों दर गूचना की टार्काल में 30 जिन को जनींचा, जो भी अविध बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों मा सा कियों कावत द्वारा;
- (स) इस राचना के एकाए में प्रतास की तारीस में 45 दिन के भीदर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सद्ध किया अन्य अनीका द्वारा स्थाहस्ताक्षरी में पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टोकरणः — इसमी प्रयुक्त शब्दाँ और पतौं या, जो उक्त अधिनियम स्र अस्त १००० मी पीरभाषित है, वहीं अर्थ हांगा को उस अध्याय में दिया पन्ना है।

### अमुसूची

(स्तावेष पं॰ 1115/85-83 जा॰ 25-3-35)

रामित्त गं० 244 में भाग जो बोजेन रोड, वैटफील्ड, केंब्रारव्युम होमी, बेंगनूर सीत राजुन में स्थित है।

> प्रार॰ भारदाज हासन प्राधिशारी सहायक बायगर बायुमा (निरीक्षण) बर्जन रेंज, बेंगलुर

सारीख: 1-11-85

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस., ------

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बंगजूर

बंगजूर, दिसीस 1 सवस्बर 1985

िर्देश सं० नोजिस नं० 46751/84-85-प्रतः मृत्ते. प्रार० भारदाञ्

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भीर ि की संव 116 है, तथा जो आली आएएर रोड बेंगलूर में रिगा है (ओर इस्ते जसबंद अनुसूती में और पूर्ण रूप से विभित्त है), परिष्ट्री एण अविदिक्ष 1908 (1903 रा 16) में भवीर तारीज 7-43-65

को पृथांक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार शृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया तया है ॥——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाम की वाबत, अक्ष अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

बतः सव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को, अनुसरण बौ, सौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) चै वधीन जिल्ला कि व्यक्तियों, अर्थात :---  श्री महमद दलीय शिराजु नं 16, भाषि भाषाद देखे, बेंगजूर

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती महीम राजील चाईक श्राफ नूर श्रहमद साई मंदिल, श्रलैतमता रोड, सम्बाला हिरद, बन्दर्ध

(भग्विती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्णन के लिख् कार्यवाहियां जूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जम के सम्बन्ध में कोई आक्षेप क्र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकर्गेः

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसुधी

(परवाने १ सं० 3674/04-05 सा० 7-3-05) समाति सं० 10 में भाग जो झाली झार इर रोष्ट, बेंगलूर में रियत है।

> बार० भारद्वाज सक्षम प्राधिवारी सहायस बायकर बायुक्त (निरीक्षण) बर्जन रेंज, बंगसूर

वारीव: 1-11-85

मोहर ३

# प्ररूप बार्ड . टी. एन . एसं . -----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंल, हैयनबाय

श्वराबाद, दिलांड 11 नवम्बर 1905

निर्देश सं० झार० ये० सीं० 447/05--06--झराठः मुझे, अस्मि० जगत मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भी: विक्तिसं० सूमि है, जो माधापरम रिलेल रामा शफ कैंबात कोंड में पिक्ते हैं (अंतिइको उरामद प्रमुद्धी में औत पूर्ण-का से विभित्त है), रिल्ट्रिति विविद्यारी के रामिक रिल्लिश में भारतीर रिल्ट्रिस्स शब्दिसम, 1908 (1908 का 16) के संबीत मार्च 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से य. द के द्रश्यमान प्रिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्व में प्रथिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृष्ट्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथल नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या अससे बच्ने में श्रुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सिया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के स्थि:

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के बधीन: निम्निसियत व्यक्तियों, बधीत: --

(1) मैं औं चेबराल हानुसंस्ता और ब्राप्त प्रा० लि० बाह मैंनेरिया छारेक्टर बीसीयच० रामस्ता, एटम्बाला गरुक, गृंदूर

(द्यन्तरकः)

(2) श्री इ० वें : टेरवर राष पिता बूचम्या, चन्द्रमीलीतगर, गुटुर

(प्रन्यरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त स्म्पिति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी डाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्णा भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ष व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्याखीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिष्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

बंबर भूमि विलोगे 2.76 एएर, मंचावरम **धिलेब,** णामी श्राफ कैयाता कोंडा, जिला इच्या प्रिप्टूहित दि**लेख** नं• 1301/35, प्रतिर्द्धाःती ग्रधिकारी विल्लामाडा

> एम० लगत मोहन सक्षम प्राधियारी सहात ह प्राय हर प्रायुक्त (तिरीक्षण) प्रजैत रेंज, हैन्सकार

तारीख: 11-11-85

मेहर:

प्ररूप बाइ . टी एन. एस. .....

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-२ (1) के अधीर मुचना

धा, शत का का का प्रमुख

कार्यालय, सतापक आपकर आपक्त (निरीक्षण) अर्भ रेरेंग, हिरगदाद

हैरराबाद, दियां 🗧 11 नवन्यर 1985

निर्देश सं० श्रार० ये० नं० 440/05-00-श्रतः मुझे, एम० लग सोह्य,

कायकर अधिनियम, 1061 (1061 ता 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उकत अधिनियम' वहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को कह विकास करने का कारण है कि रूपकर सम्पत्ति, जिसका उदित बाबार मृत्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

की: शिकी सं॰ भूमि हे, जो तानेपानी विशेष हैं। तिता में शिवहैं (ओ: इशे उपताब त्युशी हैं की प्रेक्षिप में प्रिति हैं), जिन्द्री ती पिक्षित हैं। जिन्द्री की पिक्षित में प्रेक्षित की प्रित्र की प्रकार की प्रक

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाहार मन्य से कम के दश्यमान हितपा के लिए जन्तरित की गई है और मुक्के यह विशास करन के कारण है कि प्रधाननित सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसर ६ कि कि कि कारण के कारक (जनकों) और अतरिती (अन्तरित्यों) के लीच एमें अन्तरण के किए तर प्रधान गया प्रतिक्त निक्ति सिक्त स्वदेश्य से उन्त अंतरण निक्ति के बास्तिक हम के श्रीयत नहीं कि या गया है :--

- (क) मन्तरण से शृह किसी बाय की बाबत, उक्त कथिनियम के अधीन जान दन के वतरक के दायित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा को गग; क्रीन/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हों भारताथ अधार अधिकिया, 1922 (१००० ता १०) या उक्त अधिनियम, या अधार अधारताथ अतिराही देवारा प्रकट नहीं किसा ग्या धा ए किया जाना चाहिए था छिमाने में सृदिधा के लिए;

(1) मैससं इस्ट कोस्ट फूड प्राईदेष्ट कि. बाइ डायरेक्टर, श्री एम० रंगनाय साई कोषापेट, गुंटूर।

(झन्तरकः)

(2) मैं सर्स विनोद सोलबेषस्ट्रक्स प्रा० नि०, बाइ दी मैं भेरिंग डायरेस्टर श्री एल० झार० सनोहर विकासाडा ।

(प्रम्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट सम्पत्ति के वर्षन के निष्

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पद्य स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वही अर्थ होगा थो उस अध्याय में दिवा गया हैं॥

### धनुसूची

भूमि विस्तींगै 3.73 ए इ.र., सर्वे नं 347 पाटामाटा नं 157 ताडेपल्ली विलेन, गुंटूर जिला, रजिस्ट्री दे दिलेख नं 3754/05, रजिस्ट्री नी प्रधिवारी गुंटूर

> एम० जगन मोहन स्थान प्राधिकारी सहायकुषायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रॉज, द्विरादाष्ट

अतः अव, तवन अधिनियम की भार, 269-ए के अन्सरण बाँ, माँ, उक्त अधिनियम की भार २६०-च की उपभारा (1) दि अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियाँ, अर्थाट:—

तारींख: 11-11-85

प्ररूप बाई. डी. एन. एस. - - - --

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्पना

#### भारत सरकार

# कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 7 नवम्बर 1985

सं० म्रार० ए० सी० नं० 449/86-85:-----यनः मृझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है कि बारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह नियमास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रंत. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट है, जो बानू बिल्डर्स, मोगलराजपुरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उपके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष्क निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बायदा, उनते विधिनियम के अधीन कार दोने को अंतरक की दावित्व में कमी कारने था उससे बचने में सुविधा के लिए, और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) तें प्रयाजनार्थ अर्तारती दयारा एकार नहीं किया गय. वा या किया जाना वाहिए वा, कियाने में सांवधा के निरुष्ट

बतः जब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के जनसरण क, मैं ज्ञास्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कै जभीत निम्नितिकत क्रांतिसमों, अर्थात ---- (1) 1. श्री कोमा रेट्टक्की बुर्गाप्रमाद पिता पट्टाभीरामय्या,
 2. श्री के० रमेण कुमार पिता श्री धरमाराव,
 मोगलराजपुरम, विजयवाड़ा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० मुरलीधर पिता गोपाल राव, फ्लैंट नं० बी-23, बानू बिल्डर्स, मोगलराजपुरम, विजयवाड़ा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राषपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति के निस्यों में से किमी व्यक्ति इवादा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकींगे।

स्पल्लीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

### नग्स्ची

फ्लैंट तं० बी-23, बानू बिल्डर्स, मोगलराजपुरम, विजयवाड़ा विस्तीर्ण 1170 चा० फुट, रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1540/85, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद ।

तारीख: 7-11-1985.

मोहर :

5 -366 GI 85

प्रका आर्ष. टी. एन. एस. ------ (1) 1 श्रा एम० वाह शास मा। रिश प्रव्या,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

### भारत करकार

# कार्यानयः, सहायक आयकर आयुक्तः (विरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिर्नाक 7 नवम्बर 1985

निदेश स० श्रार० ए० मी० न० 450/85-86--यत मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (धिको इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हीं), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुट से अधिक है

श्रीर जिसकी स० भूमि है, जो पाटामाटा, ग्रोन्ड पोस्टल कालौनी, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) वे ग्रधीन तारीख मार्च, 1985

को प्वेंक्त सम्मित के उचित बाबार मृत्य से सम के ध्यममा प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्मित का जीवत बाजार भृष्य, इसके श्यमान प्रतिफास से, एसे ध्यमान प्रतिफास का पेद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की बावतः, अञ्चल अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक से पायिष्य में कमी करने या उससे पचने में सविभा असे लिए, और/बा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी भन या कत्य कास्तियों ना, जिन्हों भारतिय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कंतरिती व्वारा क्रकट तहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए,

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा 11 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक :--

(1) 1 श्रा एम० वाद यात्मस मूक्षा क्रिया पुनय्या,
 2 श्री एम० कनका श्रीनिवास,
 गर्वनरपेट,
 विजयवादा-2

(भ्रतारक)

(2) डा॰ इ॰ विष्णु वर्धन राव पिता रामस्या, मतीकोडा, कृष्णा जिला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुँ।

उबल संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी वाक्ष्म .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की करतीय श्रं 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की हारीस म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा सथोहस्ताक्षरी के शास निधित में किए जा सर्कोंगे।

स्पच्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदौं का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्स्मी

भूमि ग्रीर इमारत न० 18 ·268, पाटामाग्रा, ग्रोल्ड पोस्ट नालोर्न , विजयवाडा, विस्तीर्ण 597 नौ० गज—नरिजम्ट्रीकृत विलेख न० 1665/85 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी विजयनाडा ।

> एम० जगन मोहन राक्षम प्राधिकारी " सहायक प्रायक्त प्रतिरीक्षण) स्रजन रेज, हैदराबाद

तारीख 7-11-1985 मोहर प्ररूप बाहै .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, नहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश म० ग्रार० ए० सी० न० 480/85-86--यनः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा संअधिक है

ग्रीर जिसकी स० घर है, जो पाटामाटा, विजयवाडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1985

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उभके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एरो अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भे वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (कः) अन्तरण से हुई जिसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अरूबक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- एसी िकसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को िजन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अत अत उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् ---

(1) श्री एम० वेकटा राधा कृष्णा मूर्ति पिता पुल्लय्या गवर्न रपेट, विजयवाडा।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती वाई० सत्यवती पनि, श्री विष्णु वर्धन राव, गवर्नरपेट, विजयवाड़ा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता ह

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **ममुस्**ची

भूमि और इमारत न० 18-269 पाटामाटा भ्रोल्ड पोस्ट कालोनी, विजयवाडा, विस्तीर्ण 296.1/2, सेंटम्, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2667/85, रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी विजयवाडा ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 7-11-1985.

# प्रकृप काइ. टी. एम . एस------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन सूचना

#### भारत सरकार

कप्रयंतिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 7 नवम्बर 1985

निवेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 451/85-86--यतः सुमें, एम० जगन मोहन,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा १69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वांस करने का जरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो बानू बिल्डर्स, मोगलराजपुरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकल सं, ऐसे स्वयमान प्रतिकल का नन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय था किसी धन या जन्न आस्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में स्विधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात :---  (1) मैसर्स बानू बिल्डर्स, बाई
 1. श्री कोमारेंड्री दुर्गा प्रसाद और श्रन्य, मोगलराजपुरम,
 विजयवाड़ा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्राई० श्रीकृष्णा देवरायुन्तू, पिता श्री वेंकट कृष्णा मूर्ति, पलैट नं० ए~3, मैमर्स बानू बिल्डर्स, मोगलराजपुरा, विजयवाड़ा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहर्या शुरू करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (य) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित• बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

ब्लैट नं० ए-3, मैसर्स बानू बिल्डर्स, मोगलराजपुरम, विजय-बाड़ा, विस्तीर्ण 920 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1257/85, रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी, विजयवाड़ा ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1985.

# प्रकृत नार्षं . दी त हुन् हुन् क्षान्यकार

# नायकर निभ्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्थान

#### नारव बरकार

कार्यातन, सहावक कारकर वायुक्त (निरक्षिक) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निवेश सं० मार० ए० सी० नं० 452/85--86:--मतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट है, जो मोगलाराजपूरम, विजयवाड़ा में स्थित है (और इसम उसबद्ध प्रानुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 रा 16) के अधीन, तारीख 3/85

को पूर्वोक्त सम्बत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दियमान श्रीतफाल के लिए अन्तरित की गई है कि अभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सर्पात्त का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पुन्दह प्रतिशत में अधिक है और बन्तरक (अन्तरमें) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के जिए विष वाया गया प्रतिफल, निम्निनिवित उद्योग्य से उअल अन्तरण निम्निवित उद्योग्य से उअल अन्तरण निम्निवित से वास्तरिक क्य से किथा नहीं किया नवा है:—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाव को बाबध, उच्छ विभिन्नियंव के वधीन कर दोने के बन्तरक को बायित्व में कमी करने वा उसते वचने में बुनिधा के जिल्हा औड/बा
- (ब) एसी किसी जाय वा किसी धन या अन्त्र आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाता था, जियाने में सुविधा डे सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स प्रक्ता बिल्डर्म, बाई मैनेजिंग पार्टनर श्री वी० एस० पांडूरगाराजू, रूम नं० 4 और 5, यूनिटी हाउम, श्रविटम्, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० लक्ष्मणराष पिता येणागिरी राष, कांचन काम्प्लेष्म, नियर करंट भाषि, णियमणा

(भन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के लि कार्यवाहियां करता हुं।

# उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सकंथी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकोंगे ।

स्वक्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा खो उस अध्याय में दिया पता हैं।

# नग्स्ची

प्लट विस्ताण ५०० वार पुट, कांचना इम्प्लैक्स, मोगलराज-पुरम, विजयवाड़ा, रिजस्ट्रींकृत विलेख नंरु 1441/85, रिजस्ट्रीकृती भिधकारी विजयवाड़ा ।

> ्म० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारीं, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 7-11-1985

प्ररूप आहें. **टी. एन. एव**. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269--व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदगवाद, दिलाह 7 नबम्बर 1985

मं० ग्रार० ए० ाः न० 453/85 -- 86:-ग्रतः मुझे, एम० जगत मोहत,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें धमकं परधान् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-अ के अभीन सक्षम प्रधिकारी कां, वह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर उपित, जिसका उभित वाकार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्दी सं० प्लैट है, तो कानि आर्टमेंट नाटामाटा में स्थित है (और इन्न उन उन ए प्रमुद्धी में और पूर्ण क्ये ने विकास है), रिजन्द्री पर्ना अति तरी के नर्मा या विकास में रिजन्द्री करण अतिक्या, 1908 (1908 .T .6) के अविकास तरीख 3/85

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचिर बागार मूल स कम के दश्यमान प्रतिफरा को रिए अकरित को गई हो और मूं के वह विश्वास करने अपने का कारण है कि यथानू विकत सम्पत्ति का लेशन वाजार वृत्य, उनके कामा प्रतिफर्क में, एम अवयान प्रतिफर्क का अन्दर प्रतिशत से अधिक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) बीर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम बाबा गया प्रतिफर्क निम्निसित्ति उद्योग्य से उक्त अन्तरण कि सिंह में गस्तर्भवास क्या ही न

- (क) अम्बरण स हुई किसी बाव की बहाद उपन उर-क रिव्यम् के बणीन कर पाने के बन्दरफ के सविस्थ से बनी करने या उससे नमने में स्पिणा के सिद; बार/धा
- (क) एंडी किसी जाम या किसी धन या अन्य वास्तियाँ को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम या धन कर बार्या गर्म 1000 (1957 का 27) के प्रयोखन नाच अन्यास्त्री पूर्ण प्रकटनगर प्रथा स्था का वा किया जाना का हुए या एक्यान में सविका क विषः

अतः जब जान अधिनियम की धारा 269-म क अनुसरण में, में, उन्त अधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के क्योन, निम्मीकीय व्यक्तियों, वर्णन क

(1) श्री वीं० प्रभुिकार पिता, श्री केशवराव चौधरी, शाति स्रपार्टमेंटस, पाटामाटा, विजयवाड़ा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रावनम निवन पिता, श्री रामचन्द्रा राव, शांति श्रपार्टमेंटम, पलैट तीसरा मजला, विजयवाड़ा।

(श्रन्तरिता

की वह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येष ।---

- (क) इस त्वा के राज्य में अकायन की तारीख से 45 दिन की अमिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की स्विध, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वे क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याइ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस क्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितडक्ष किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किस वा सकोंने।

स्मच्योकरणः—इतमें प्रमुक्त कव्यों और वर्षों का, जो उपतः विधिनियस के वश्यान 20-क में पहिछाचित्र ही, वहीं वर्ध होना, जो उस अध्यान में दिना नया ही।

# **अनुसूची**

पर्नेट शांति अपार्टमेंट्म, नियार साईबाबा टैम्पल पाटामाटा, विजयवाड़ा, विस्तीर्ग 1050 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1355/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहनः सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्तः, (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7--11--1985

exo ale ci II de .....

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज हैदराबाद हैदराबाद, दिना 7 नवम्बर 1985

म० ग्रार० ए० सी० न० 454/85-86-%त मुझे एम० जगन मोहन

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व ने नधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सपिता जिसका उचित नाजार मूह

1,00,000/- र से अधिक हैं

और जिसकी स० फ्लैट है जो बानू दिल्ह्स में गलराय हुएम में स्थित है (और इसन उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से विण्ट है) रिजम्ट्री ज्ती अधिकारी के वार्यालय, विजयवाडा में रिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3/85

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और प्रके यह विष्यान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित श्राला मूल्य, उसके वश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अतरहो) और अतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तब पाया मना प्रदिक्त का निम्निलिश उद्देष से उक्त अन्तरण सिचित में बास्त विक एक के स्थित नहीं किया गया है ---

- (का) बण्तरण ने हुई फिली आग की बाबल समस अधिकियम के अधीन कर दोने के जम्मरक दायित्य में कभी करने वा उससे क्याने में सुविधा के सिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी ६न या ठन्य आस्मियों का, जिन्हों भारतीय आयलार अधिनियम, १५७० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, २०% कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पाजनार्थ अल्लीन्ती दवारा प्रकट नहीं किया वाना चाहिए था कियाने स सदिभ के लिए:

बत बब उक्त अभिनियम को भारा 269-ए को जन्मरूप मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) मैं कि कि कि दि 1 की किल्डा दुविसाद और अस्य मोगका किस विज्ञावाद ।

(ग्रन्तरक)

(1) श्री १० नी० हुताई निधा बाह हि हु नाई, डितीजन मैनेजर डिलेक्ट बै सूर्या राज्येट, विजयवाडा १2

(म्रनस्ति)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्ट संपत्ति को अर्थन के लिए हर्सकोड़ि। इ.रण हं

## उक्त सम्परित के अजन के तस्वन्ध में कोई भी आइनेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीष है 45 दन की जर्मध या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना का नामील स 30 दिन की काधि, जो भी अस्ति के स्थाप के स्थापन के स्थापन के स्थापन के सिक्ति किसी क्रिकी इसारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्मिलि में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्लाकरी के पास विश्वा कि कि का सकेंगे।

स्पद्धांकरण — इसक पयान कर्ना और पर्वा का, जा उक्त जिल्ला की अधिनयम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया सवा है।

#### अनस ची

पनैट न० नी-1, विष्नीर्ग 1170 चो॰ फुट, बानू बिल्ड्स मागनाराजपुरम, विश्वपदाट, जिन्ही न विलेख न० ११68/ 85 िने नी प्रति गो विजयवाटा।

> एम० जगत मोहन, क्षिम प्राधिकारी एडाय ग्राप्त श्रापुत्रक, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 7-11-19**85** मोहर

# प्रकृष् आर्चा दी. एन . एस . -----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैं बाद

हैसराब दिनांक 7 नबम्बर 1985

मं० श्रार० **ए**० सी० नं० 455/85-86ः—श्रतः मुझी, ए**स**० जगन मोहन,

भायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवे इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कार्यक हैं कि स्थावर संवित्त, जिसका उचित बाजार मृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट है, जो प्रकाश प्रपार्टमेंट्स, नल्लाकूटा में स्थित है (और इसने उपाबद्ध प्रमुस्ती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री क्रित प्रधिकारी के आर्थालय, चिषक अपल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिक्यम. 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 3/85

को पूर्वोक्स तम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमार प्रतिफन को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरमान प्रविक्त से एसे दश्यमान प्रतिफल से बन्तर प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गमा प्रतिफल, निम्मतिबित उद्योग्य से उस्त अन्तरण कि बित में बास्तविक स्थाप में अभिन नहीं कि या गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उनधारा (1) के अधान, निम्निचित्त व्यक्तियों, अथित्:— श्री प्रकाण संदरे,
 पिता श्री सोमनाथ राष,
 2~1~494,
 नल्लाकंट्टा,
 हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति ए० चलयम्मा,
पति श्री हानुमंत राष,
2-1-513/5,
नल्लाकंट्टा,
 हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के निए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ८---

- (क) इस ब्रावा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण वे 45 दिन की संबंधि या तरसम्बन्धी स्पक्तिमों पर सूजना की तामील से 30 दिन की संबंधि, को भी संवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेषित स्थानित्यों में से किसी स्थानित बुवारा;
- (व) इस स्वना के राजण्य में प्रकाशन की बाड़ीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिश-बहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा वधोइस्ताक्षरी के शव निविद्य में किए वा बुकें ने 1

क्यक्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त गर्थ्य और पर्यों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया नया है।

#### वन्स्ची

फ्लैट नं ० ७ और पार्ट भ्राफ फ्लैट नं ० ६, प्रथम तल, प्रकाश भ्रपार्टमेंटम, नस्लाकॉटा, हैदराबाद, बिस्तीर्ण ७०० ची० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 339/85, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, चीक्रइपल्लीं।

एम० जगन मोहन. सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायक्षर श्रायुषत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, **है**दराबाद

तारीख: 7--11--1985.

प्रकप बाह्र टी.एन.एस. -----

वायकर वाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सुचना

#### मारत प्रत्याप

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरौक्तक)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैश्यावाद, दिनाज 7 नवम्बर, 1985

निदेश मं० श्रार० ए० मी० नं० 456/85-86:-श्रतः मुझे. एम० जगन मोहन,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा !69-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अर्थ हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो बेस्टमारे इवेल्ली भिक्तदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री एती अधिकारी के वार्याक्य, मारेडवेल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिकारी 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

ही पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के स्वयमार रितफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूस्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का न्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और गंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए दम पाया गया गतिफल, निम्नलिसित उस्टेस्ट से उक्त अन्तरण लिसित में गास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है 3----

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाब की बाबस, उबस निधनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दानित्व में कनी करने या उससे वचने में सुविधा के मिए; बरि/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिन्हें भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, खिलाने में मित्रिभा के बिखा:

ब्दः जब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ज के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) जे अधीर निम्निजिमित स्विक्तमों, वर्धात् 6—366 GI/85 (1) मे सर्स फैशन बिल्डर्स,
 10→2→267/1 और 2,
 वेस्ट मारेडपल्ली
 मि हन्दराबीद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती टी० बाईरामजी,
 फ्लैट नं० 1,
 घर नं० 10-2-267/1 और 2,
 बेस्ट मारेडवेल्ली,
 विकटाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्चन के सिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उनत संपरित को अर्जन को संबंध में कोई भी नाक्षेप्य--

- (क) इस सूचना के काजपत्र में प्रवासन की तारीय ते 45 दिन की बर्जीय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्जीय, यो भी बर्जीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवादा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के शब सिचित में किए वा सकने।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### वन्त्वी

फर्नेट नं ।, घर नं । 10--2--267/1 और 2 वेस्ट मारेडपल्ली भिन्दराबाद विस्तीर्ण 909 चौ० फुट, रिज़स्ट्री त विलेख नं । 762/85, रिज़स्ट्रीकर्ना अधि गरी मारेडपल्ली ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयक्षर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 7-11-1985

बच्चम् आर्थं ती एव. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के जभीन स्पना

## माउद स्रकाड

# खार्थासय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्क)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैश्राबाद, दिनां । 8 नवम्बर, 1985

निदेश मं० प्राप्तः ए० मी० न० 457/85-86-श्रतः मुझी, एम० प्रगन मोहराः

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसक प्रश्नात विकास प्रशित की भारा 269-इस के अपीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित गाजार मृत्य 1,90,000/- रु. से अधिक हैं

और जिस्ती संव नूमि है, जो गोरापडी विनेद, विजयवाडा में स्थित हैं (ऑएड हो उपाबद अनुसूनी में और एर्ण व्यामे विणत हैं, रिनिम्हीं तो श्रीव परी के तार्योक्य, विजयवाडा में भारतीय रिजम्द्री रण अश्रितियम, 1908 (1908 पा 16) के अधीन, नारीख, मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पद्धह प्रतिश्वत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के स्पित्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण कि सिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ए—

- (45) अन्तरण संहूर किसी आव की वास्त, उनन सिथ-रिनमम के अभीन कर दोने के अन्तरफ भे दायित्य मों कमी करने या उससे अचने मों सुविधा के लिए; बॉर/या
- (थ) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जान्तियों को निज्ञी भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

बरः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिकित काकितमाँ, अधीत :---

(1) श्री मीं० एच० मशुसूदन राव, णिता रामा कोटय्या, गोतापुड़ी, विजयवाडा।

(अन्तर 🕫 )

(2) विजयवाद्या होलमेल ःमिश्रयल नाम्प्लैक्स मेम्बर्स तेलफेयर सानायटी, वाई प्रेमीडेट श्रीं जे० रामस्वामी गुप्ता, जनरल सेकेटरीं: श्रीं ए० श्वार० गोपाल राव, 11~50-37, शिवालयम लेन, विजयवाद्या।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थान जारी कारके पूर्वोक्त संपास के अबन के निष् कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, बां भी श्विध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्साक्षरी के पास निष्टित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टिकरण :----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही कर्थ होग्य जो उस कथ्याय में विद्या क्या है।

#### वनसची

विस्तीर्ण 0.88 ए इ. गोतापउड़ी, विकरवाड़ा, रिस्ट्री त विलेख नं 1712/85, रिस्ट्रीकर्ता अधि ।री विशयवाडा ।

> ्म० जगन मोहन, सक्षम श्रीधः,उर्ना, सहाय : आयशर श्रीयुक्त (निरीक्षण), श्रुर्जन रोज, हुँदराबाद ।

नारीखः १८४१ ।-- १९८५

# प्रकृप बाहै.टी एन.एस ----

प्रायकर किंपियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के ब्राभीत सूचना

#### माउव चडकात

# कार्यासय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

मर्गत रेग, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाम 8 नवम्बर, 1985

िनिर्देश स० श्रार० ए० सीं० न० 458/85→86→अन. मुझै, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कि पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमको स० भूमि है, तो गोतापुटी विलेश विजयवाड़। में स्थित हैं (ऑर उत्तये उनाबद्ध अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री हती प्रिचारी के आयेलिय, विजयवाड़। में रिजस्ट्री हरण श्रविधियम, 1908 (1908 । 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1985

को प्रविक्त स्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उध्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अतारितियों) के बीच एसे अंतर्च के निएं तय पाया वया प्रतिक कम, निम्नसिचित उद्देश्य से उच्त बन्तरण निचित में वास्त्विक कम से किथ्त नहीं किया च्या है दन-

- (क) अन्तरण संह्रा किसी आय की बाबत, उक्त भिषिनयम के संधीन कर दोने के स्मार्क के सामित्य में कनी करूने वा उन्हों ने सुन्तिया के लिए; अकि/वा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा जन्य वास्तियां को जिन्हों भारतीय बाय-कार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या वक्कर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तुरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बवा था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् .—— (1) श्री सी० एच० रिवन्द्रसाबू पिता श्री गोपालराच और श्रन्य. गोलापुडी चिजयबाड़ा।

(भ्रन्तरक)

(2) विजयवादा होलमेल एमणियल साम्प्लैक्स मेम्बर्स, वेलफेयर सोसायटी, बाई प्रेमीडेट श्री जे० रामस्वामी गुप्ता, जनरल मेक्नेटरी: श्री ए० श्रीर० गोपाल राव, 11-50-37, शिवालयम लेन, विजयवाड़ा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिया कार्यवाहिया सूक्ष करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप ह-

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 चिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थिक्तियों में से किसी स्थितस द्वारा;
- (क) इबं स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पाध्त मा हितयवध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्यक्कीकरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उत्कत जिथिनियम, के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस जभ्याय में दिया गया है।

#### भगुलुची

विस्तीणं भूमि 1.47 3/4 एकड़, ग्रार० एस० नं० 518/1बी, गोतापुडी, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीं हत बिलेख नं० 1741/85, रजिस्ट्रींकर्ता प्रधिकारी विजयवाड़ा।

> एम० जगन मोहन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, हैंदराबाद

तारीख: 8-11-1985

मोहर

प्ररूप आइ. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांत 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्रार० ए० सीं०नं० 459/85-86-श्रत मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० भूमि है, जो गोलापुड़ी विलेज, विजयवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से वर्णित है). रिजस्ट्रींशर्ता अधिकारी के कार्यालंब, विजयवाडा में रिजस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गृंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन., निस्निलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :—- (1) श्री सी० एच० कमा मेहेण्वर राघ, पिता श्री रामकोटय्या और श्रन्य, गोलापुड़ी, विजयवाड़ा।

(भ्रन्तरक)

(2) विजयवाधा होलसेल क्षमिणयल क्षम्पलैक्स, मेम्बर्स वेलफेयर सोतायटी, बाई प्रेमीडिंट . श्री जे० रामस्वामी गुष्ता, जनरल सेकेटरी . श्री ए० श्रार० गोपालराब, 11-50-37, णिवायलम लेन, विजयवाडा--1.

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में. समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणं:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# भनु सूची

विस्तीर्ण 0.88 एकड़, भार० एस० नं० 518/1 बी०, गोतापूडी वितेत, वित्रयवाड़ा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1713/85, रिजस्ट्रीकृती अधिकारी वित्रयवाड़ा ।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रज दराबाद

तारीख: 8-11-1985

मोहुदु 🕹

प्रकप बाद टा. एन. एस. ----

बोधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायकत (निरक्षिण) र्याजन रेज जैनकाल

हैदराबाद दिनाँक 8 नवम्बर 1985

निर्देश स० म्रार० ए० सी० न० 460/85-86--म्रत मुझे, एमे ० ज्यान मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा ∠९९-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रु से अधिक है

स्रौर जिसकी सख्या भूमि है, जो गोलापुडी विलेज, विजयवाडा में स्थित है (स्रौर इससे उपावद्ध स्रनुसूची में स्रोंग पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन मार्च 1985

को पूर्नोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम को क्ष्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अक्षितिकों) के वीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य वे वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तुरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कभी किईन वा उससे वचने में सुविधा के लिए, और/म
- (क) एसे किसी बाय या विसी वन या बन्ध आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नेहेरे किया गया था या किया बाना चाहिए था, क्रियाने मेरे सुविधा वी सिष्

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसद्गण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, वर्षात ----

(1) श्री सी० एच० सूब्बा राव पिता, श्री विरय्या ग्रोर ग्रन्य 5, गोलापुडी, विजयव।डा

(अन्तरक)

(2) विजयवाडा होलसेम कर्माशयल काम्प्रलेक्स, मेम्बर्स वेलकर सोसायटी, बाइ प्रेसीडेंट श्री जें० रामस्वानी गुप्ता, जनरल मेकेटरी श्री ए० ग्रार० गोपालराव, 11-50-37, शिवालयम लेन, विजयवाडा-1

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मबधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बृद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त ब्रिश्वियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही बर्थ होया जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

विस्तीर्ण 1 67 3/4 एकड, ग्रार० एस० न० 518/ 1 बी, गोलापुडी, विजयवाडा, रिजस्ट्रीकर्ता विलेख न० 1739/85, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी विजयवाड़ा

> एम० जगन मोहन ृसक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)<sub>,</sub> श्रर्जन रेज, **हैं**दराबाद

तारीख 8-11-'1'985 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. १ ------आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करें धारा 269-घ के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरावाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

ग्रार० ए० सी० नं० 461/85-86--- प्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम', 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट है, जो महेंद्रा हील्स ईस्ट मारेड-पल्ली में स्थित है (ग्रोर इनसे उनाबह ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजम्ट्रोकर्ता ग्रिश्चिकारी के कार्यानय, मारेडपल्ली से रिजस्ट्राकरण ग्रिश्चिनम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिश्चीन मार्च 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उरूके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्गह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बंच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तोवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी अप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीर यायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उका अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैसर्स सी० एंस० व्यवस प्रा॰ वल०, 10-2-274/७, वहरूनगर, सिकंदराबार

(ग्रन्तरक्)

[भामे [[]--वण्डा

(2) श्री ए० शरतरेड्डी 4-3-471, बैंक स्टीट. हैदरा•्बाद,

(अन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षप --

- (क) इस स्चन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दृ॥रा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण — इसमा प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मो दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट न० 192, मृहेन्द्र हाऊस. मारेडपल्बी, मिकन्द्रा-बाद, विस्तीर्ण 450 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० ७९३/८५ रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारो मारेडपल्ली ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

त्रप्रीख: 7-11-1985

मोद्रर :

प्रकल आहाँ. टी. एन. एस. - - -

# नायकर विभिनित्रन, 1961 (1961 का 43) की पाछ भारा 269-व (1) के अभीन सचना

#### साम्ब ब्रुक्त

# कार्यांत्रय, तहाथक जायकर वायुक्त (निरीक्षक)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० म्रार० ए० मी० न० 462/85-86--म्रतः मुझे, एम० र्नुजगन मोहन,

भागकर किथिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00-000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैट है, जो ग्रंगोकनगर हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रंधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्री-करण ग्रंधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रंधीन, मार्च 1985

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान भितकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा प्रांविस सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-सिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से ट्राइं किसी नाम की बाबत, उक्श सीर्थीनतम के न्यीम कर दोने के बन्तरक की ब्रियर्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिल्हा सार्थ/वा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्त्रिक्षा के अग्र;

कतः अब, उक्न मधिनियम की धारा 269-ग के मन्सरण मो, मी, उक्न अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैसर्स मेहता टावर्न बाह श्रा महेन्द्रा मेहना, 49, एम० जी० राड़, सिकंदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री बी० रीच कारम विता, लेट श्री गंगा राम, 363, एस० स्नार० टो० क्वार्टर्स स्नाशोक्तनगर, हैदराबाद

(श्रन्तरितो)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के दिए कार्यवाहियां करता हू

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप ध---

- (कं) धस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांच स 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टिकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, वां उक्ट जिथिनियम के जध्याय 20-क यें परिभाषित्व ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विक गया ही।

# वम्स्ची

फ्लैट नं० 203, घर न० 1-1-293/4, ग्राणोहनगर, हैदराबाद, विस्तार्ग 1385 चौ० फुट, रजिस्ट्रोकत विलेख नं० 1929/85. रजिस्ट्रोकर्ता श्रविकारी हैदराबाद।

> एम० जगत मोहत यक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 7--11--1985

बरूप बाद', टी. एन. एस.-----

# नापकर नीभीनवन,, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के बभीन कुमना

#### भारत सरकार

# कार्यानय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्तन) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 473/85-86-श्रन: मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बन्धि, जिसका अचित वादार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या भूमि है, जो गोलागुडी विलेज विजयवाडा में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन मार्च 1285

को पूर्वोक्स संपत्ति के जीवत वाकार कृत्य में का के कावधान प्रतिकास के तिए जन्ति ति को नई है और मुझै यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्थित बाबार मूच्य उसके क्यमान प्रतिकास है, एसे क्यमान प्रतिकास का बन्द्रह प्रतिकात से सिभक है और जंतरक (अन्तरकार्गे) और बन्दरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्दरण के लिए तब पाना प्रतिकास दिक्तिशिक्ष क्यून्येश से क्या संबरण शिक्षित में बाक्सिक क्या से काण्य क्यूनिका प्रधा है है—

- (फ) अन्तरण से हुन्दें किसी जाय की पानत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के ज्ञाहक की दावित्य में कमी करने ना उससे त्याने में सुविधा में सिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी जान वा किसी वन या करन वास्तियों को, जिन्हें भारतीय वासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना वा किया वाला नाहिए का किया में सुविधा से सिक्;

(1) श्री सी० एच० राजमोहन राव पिना, श्री वेंकटेस्वर राव और ग्रन्य, 2, गोनापूडी, विजयवाड़ा

(ग्रन्तरक)

(2) विजयवाद्य होलमेल कर्माधायल काम्प्लेक्स, सम्बर्स वेल्फेयर सोशायटी, बाइ प्रेसीडेंट श्रो जे० रामम्बामी गुप्ता, जनरल मेकेटरी श्री ए० ग्रार० गोगालराव, 11-50-37, शिवायलम लेन, विजयवाद्या-1,

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करवा हूं।

उन्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध के अनेदें भी बाक्षेत्र ३---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन नी सारील से 45 दिन की जनभिया तत्भवंभी व्यक्तियों पर सूचना की समीज से 30 दिन की जनभि, को भी बक्षि नाद में समाज होती हो, के भीतर प्राचित कानितमों में से सिक्षी व्यक्ति प्राचर;
- (ज) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की सार्यांच वं 45 दिन के भीतर अवस्था स्थावर सम्पत्ति में हित-व्याप किसी जन्म स्थापित द्वारा, जभोहस्ताकारी वं पाम निवास में किए वा सकोंचे।

स्वाकिरण:--इसमें प्रयुक्त क्षम्यां करि पदों का, का विश्व अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा वो उस अध्यार में दिया गया है।

#### अनुसूची

बिस्सीर्ण 0.90 एकड, भार० एम० नं० 518/1 बी, गोसापुडी विजयवाडा, रजिन्द्रो हत त्रिकेख न० 1738/85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी विजयवाडा।

> एन० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रापुतन (निरोक्षण)ः ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

अस. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निसियत व्यक्तियों, अर्थात् क्र—

तारीख: 8-11-1985

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निवेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 464/84-85--श्रत : मुझे, एम० ज़गन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें हसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या भूमि है, जो गोलापुडी विलेज विजयवाड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्धयमान ।तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित गाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतिरित्यों) के गिच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयः था या किया जाना चे।हिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :---

(1) श्री सी० एच० वेंकटेश्वर राव पिता, श्री नागय्या ग्रौर ग्रन्य, 2, गोलापुडी, विजयवाड़ा

(ग्रन्तरक)

(2) विजयवाड़ा होलसेल कर्माशयल काम्प्लेक्स, मेम्बरर्स वेल्फेयर सोसायटी, बाइ प्रेसीडेंट श्री जे० रामस्वामी गुप्ता जनरल सेकेंटरी श्री ए० ग्रार० गोपाल राव, 11-50-37, शिवालयम लेन, विजयवाडा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कैरके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाइन की तारीख स 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मन्**स्ची

विस्तीर्ण 1.26 एकड़ ग्रार० एस० नं० 518/1 बी, गोलापूडा, विजयवाड़ा रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1742/85, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-11-1985

प्रकृप क्षार्क, टी. एन. एत्.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आय्क्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश स0 ग्रार० ए० सी० नं० 46/85-86--ग्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक्ते पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या भूमि है, जो गोलापुडी विलेज विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च 1985

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्निसिक उद्धेश्व से उश्व अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- हुँक) कलारण से हुई किसी लाव की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अलारक वाँ दासित्य में कमी करने या उससे वचने में सुक्रिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, यः धन-कर अधिनियम, यः धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: का, उक्त औधीनयम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, न्यांक --- (1) श्री सी० एच० गोपाल राव पिता, श्री विरय्या, गोलापुडी, विजयवाता

(ग्रन्तरक)

(2) विजयवाड़ा होलसेल कर्माशयल काम्प्लेक्स, मेम्बर्स वेल्फेयर सोसायटी, बाइ प्रेसीडेंट श्री जें० रामस्वामी गुप्ता, 11-मझ-37, शिवालयम लेन, विजयवाडा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सपित्त के अर्धन के लिए, कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध के कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टिभिक्षरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर विधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषिक्ष है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

विस्तीर्ण 0.80 एकड़, म्रार० एस० नं० 518/1 बी, गोलापूडी विजयवाड़ा रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1743/85, रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जगत मोहत् सक्षम प्राधिकारीः सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 8-11-198म5

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 8 नवम्बर 1983 निवेश सं० प्रार० ए० सी० नं० 466/85-86-श्रत : मुझे, एम० जगन मोहन,

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके ५२ चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत जिसका उधित बाजार मृत्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिनकी संख्या पनैट है, जो मेरीडीयन श्रनार्टमेंटस श्रविट्प स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1985

बा प्वांक्रत संम्पात्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के । लए अतिरत की गई है और मूभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितया) के बीच एसे इन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किस निम्नित्ती से उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है। ——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अभ, उसते अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसते अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स मेरीडीयन कन्स्ट्रक्शन्स को०, 5-8-812, अबिट्स, हैंदराबाद

(श्रन्तरक)

(2) श्री श्रब्दुल खादर झीरापूरी फ्लैट नं० 502, मेरीडीयन श्रपार्टमेंटस, श्रबिट्स, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए नार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध गृश्व में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित के किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अधाय में दिया गया है।

#### अमुलुची

पनट नं > 502, मेरोडीयन श्रगार्टमेंटस, अबिट्स हैदराबाद विस्तीर्ण 384 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं > 1620/85 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारो सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-11-1985

# प्रकम कार्च . दी . एत . यत . -----

# भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के वधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक गायकर मायुक्त (निराक्षण)
ग्रर्जन रेंज, हैचराब १६
हैदराबाद, दिनौक 7 नवम्बर, 1985

निदेश सं 0 एम 0ग्रार० ए० सी० न० 467/85-86-श्रतः मुझे एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकं पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कार्यालय का परीमर है, जो च दलोक काम्प्लेक्स, सिकंदराबाद में स्थित है (श्रीर इसने उपात्रद्व श्रानुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय रंगारेड्डी जिला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय रंगारेड्डी जिला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिका नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 3185 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान अंग्लिक के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास अर्थ का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिपत्त से, एरेसे दूरयमान प्रतिपत्त के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (कत्रितियाँ) के बीच एरेसे अंतरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिपत्त , निम्निल खित उद्देश्य से उक्त जतरण लिक्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं;—

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी घन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयाजनाथ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

शतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की बनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की कधीन ित्पालिकिन अपनितयों, अर्थातः --- (1) मैं सर्स स्वस्तीक कन्स्ट्रन्क्शन्स को०111, एस० डी० रोड़, सिकंदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स उगरसेन रामचद इस्टेंटस और, इजोनियरिंग इण्डस्ट्रिज प्रा० लि०, आइ डाइरेक्टर पुष्पा जैन, 17 एफ०, जाती शिकारा अपार्टमेंटस, पजागृष्ट्वा हैदराबाद-4

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के मर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त संपत्ति के अर्थान के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किजित में किए जा सकीये।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्स्ची

कार्यालयं का परीसर नै० 510 से 513, पांचका मन्जला, चन्द्रलोक काम्प्लैक्प घर नं० 1-7-234/241, एस॰ डी॰ रोड, सिकदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2006 85, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी रंगारेडी जिला।

> एम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेत्र, हैंदराबाद

सारीख: 7-11-1985

प्रकम बाह्र टी. एव. एत. ------

आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 **का 43) की** थारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### रगर्स सरकार्

अर्भावाच्य , सहायक सायकर सायुक्त (निरीक्षक) अर्जनरेज, हैदराबाद

हैदराधाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 468/85-86--अत. मुझे, एम० जगन मोहन

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कार्यालय का परिसर है, जो चन्द्रलोक कम्प लैक्स, सिउन्दराबाद, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में रजिस्ट्रीकरण अधिपियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिभाक 3/85

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उध्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह भीतफल से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ।——

- (क) ब्लारन से हुइ किसी नाय की नावत, उपस् अभिनियन के अभीत कर दोने के अलाहुक औ दायित्व में कभी करने ना स्तत वचने में सूचिया से लिए; बीर/मा
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी थन का बन्य नास्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धनकर निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ निस्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वास वाहिए था, छिनाने में नृष्धा के किए,

अतः नव, उक्त निभितियमं की भारा 269-गं के ननुसरण है, मैं, उक्त निभित्रियमं की भारा 269-वं की उपभारा (1) हे नभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् उ—— मैसर्स स्वस्तीक, कन्स्ट्रनसम क०,
 111, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

श्री अतुल खाना पिता हरीणचन्द खाना,
 5-9-22/1/7, आदर्शनगर, हैदराबाद

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद मों समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकींगे।
- तिः—इसमं प्रयुक्त क्रव्यां और पदां का, जो उक्त अधिनियम, क्षेत्रकथाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अभ्याम में दिया गया है।

#### 4444

कार्यालय का नं० 534, चन्द्रलोक कम्पलंक्स घर नं० 1-7-234/241, एस० डी० रोड, सिक्तन्दराबाद, विस्तीर्ण 782 चौ० फुट, रजिन्ट्रीकृत विलेख न० 2005/85 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, रंगारेड्डी जिला।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैंदराबाद

दिनांक 7-11-1985

मोहर 🛭

प्रस्य बार्र्ः, टी., प्रवः, एवः, -------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-ण (1) के जधीन सूच्या

#### भारत सरकार

फार्यासय, सहायक कायकर वायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विमांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० 469/85-86---अतः मुझें, एम० जगम मोहम

काशकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कार्यालय का परिसर है, जो चन्त्रलोक कम्पलैक्स, एस० डी० रोड, में स्थित है (श्रीर इससे उपाध्य अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से घणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में रजिस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम दिनांक 3/85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विहवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल का पंचा प्रतिकात से जिसकार प्रतिफल का पंचा प्रतिकात से जिसकार है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नसिचित उद्वेष्य से उक्त जंतरण लिखित में बास्त- विक कप से कथित नहीं किया गया है क

- (क) अन्तरक्षे हुई किसी आयु की बावत उक्स जीभीनवन के जभीन कार दोने के जन्तरक की बायित्वु में अभी करने या उससे वचने में सुविधा के मिए: बॉर/मा
- (बा) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य मास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

कतः वयः, उत्भत अभिनियम की भारा 269-न के जनुसरण में, में अकत जिभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १---  मैसर्स स्वस्तीक कन्स्ट्रवश्न्स, कं० 111, सरोजिनी देवी रोड, सिकन्दराजाद ।

(अन्तरक)

 मैसर्स नरेन्द्रा एसोशिएट्स, पर पार्टनर श्री आ० नरेन्द्रा, 6-1-279/4, पदमाराघनगर, सिकन्यराषाद।

(अन्तरिती)

स्ति वह कृषका चारी करके पृत्रोंकत कम्पृत्ति के वर्षण के हैंक्ष्य कार्यवाहियां करता हो।

# वयह क्ष्मतिह के वर्षन के सम्बन्ध में कोई ही बार्बए:--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय थे 45 दिन की समीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की बज़िश्व, को भी अमिन बाद में समाप्त होती हो, के शितर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितसक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

एक्स्स्रीक्टरका.- -- असमे प्रशंकत शब्दों कार पवा का, चा उपन अधिनियम, के बच्चाय 20-क में प्रिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा जा उस अध्याय में विसा ज्या ही।

# धनुसूची

कार्यालय का परीसर नं० 610, से 613 छेटवा मंजिल, चन्द्रलोक, कम्पलैक्स, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 1470 चौ० फु०, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2007/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगारेड्डी जिला।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

विमांक: 7-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कापकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-भ (1) के अभीन मुचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जाय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० 470/85-86--अतः मुझे, एम० जगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें एसको परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के बधीन मक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 1.00.000/- रह. से लिधिक है

श्रौर जिसकी सं० कार्यालय का पारीसर है, जो चन्द्रलोक कम्प-लैक्स, एस० डी० रोड, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाध्य अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजर्स्ट्रक्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में रिजर्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3/85

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रवमान गतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उन्न क्वयमान प्रतिष्णन सं, एम क्वयमान प्रतिष्णन का गन्दह प्रीमशन से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंगरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के चिए दव पासा भवा पीएफल, निम्तिवित उद्देश्य से उक्त बंतरण विजित में गर्तिक हम से किथा नष्टी किया गया है:--

- (क) संस्पन प्रेड्डिं किसी बाय की बाबत, एकः अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के वाधित्य मों कभी करने या उपसे क्ष्मी में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय अगयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिधिनियम रा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्धारा प्रकट नहीं किया अशा था या फिया जाना वाहिए वा छिपान में स्विधा की लिए,
- कत. ाब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिभियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध्र—ः

मैसर्स स्वस्तीक कन्स्ट्रमशन्स, को०,
 111, सरोजिनी देवी रोड,
 सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. कुमारी कें॰ मधु पिता श्रीके॰ सीताराम राजू, 1-10-225, अशोक भगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप उन्न

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की तारीं वं 45 दिन की जनिथ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्यित्तमां में साम्बन्ध व्यक्ति द्याग्त.
- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारील ह 45 दिन को जीवर उक्त स्थानर तकरित भी दिन-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति इताया, अभोहस्ताक्षरी के बाद निवास में किए वा बकीचे के

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी उक्त अधि-रिनयम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# प्रमुसूपी

कार्यालय, का परीसर नं० 431 श्रीर 432 (50 प्रतिशत) घोषी मंजिल पर चन्द्रलोक कम्पलैक्स, घर नं० 1-7-234/ 241, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2008/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगारेड्डी जिला।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक 7-11-85 माहर ॥

# प्रकृष बार्षः टी. एन एस.------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउर 269-घ (1) के अधीन स्**चना** 

#### भारत सरकार

कार्याच्या, सन्यापः काष्यकार काष्यका (निर्देशाण) अर्जनरोजा, **हैदराधाद** 

# हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 471/85-86--अतः मुझे एम० जगन मोहम

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद जिस्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं कार्यालय का पारीसर है, जो चन्द्रलों क कम्पलैक्स एसक डी अरोड, में स्थित है (श्रीर इससे उपाध्य अनुपूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारों के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3/85

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित् की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य; उसके दश्य्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल कर पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की धावस, उक्त बिधिनयम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के निष्कृ बौर/या
- (६) ऐसी बिस्सी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों होते, जिन्हीं भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते विभिन्यम या धनवार हिंदियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिशी द्वारा प्रकार नहीं किया स्था था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वारा है जिस्स

अतः अन्, उक्त अधिनियम, की धारा 269-भ के अनुसरण में, में, उथत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के सभीन, रिम्मिसिय अभिनत्यों, वर्षात् १---

 मैंसर्स स्वरतीक कन्स्ट्रक्शन्स को०, 111, सरोजिनी देवी रोड, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री के० सीतारामा राजू पिता के० सूर्यानारायण राजू, 1-10-225, आशोक नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए. कार्यवाहियों करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में धकाणन की ठारीस सं 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध कद में समाप्त हांनी हां, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्वष्टिकरणः--इसमें अयुक्त सब्दों और पदौं का, भी उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, भी उस अध्याय में दिया वसा है।

# **भनुसूची**

कार्यालय का परीसर नं० 431 और 432 (50 प्रतिशत) चौथी मंजिल पर चन्द्रलोक कम्पलेनस, घर नं० 1-7-234/ 241 एस० डी० रोड, सिकन्वराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख 2011/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगारेड्डी जिला।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराझाद

दिनांक 7-11-1985 भोडर ध

# पक्क बाह् ही एन एक .----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-धा (1) के विभीत स्थान

# हारत हरकाड

# क्षयांबद, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं श्रार० ए० सीं० नं० 472/85-86—स्रतः मुझे, एम जगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असे पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण के किस्थानर संपरित जिसका छिनत बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट हैं जो मेरीडीयन, अपार्टमेन्ट्स, अबिट्स में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रजिस्ट्रींकर्ती अधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में रजिस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधींन दिनांक 3/85

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान किफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास रिने का कारण है कि यक्षापुर्वोक्त सर्पास्त का उचित बाजार क्व, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती बंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गवा प्रति-क्त, निम्निसित्त उद्देश्य से उन्त अंतरण निश्चित में बास्त-कक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाजत, उक्त जीध-नियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए श्रीर 'या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ते, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नि चित व्यक्तियों, अर्थात् :——

मैंसर्स मेरींडींयन, कन्स्ट्रक्शनस को०,
 5-8.612, अबिट्स, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

श्री प्रब्दु १ खादर झीरापूरी,
 फ्लैट नं० 502, मेरीडीय ग्रपार्टमेन्ट्स,
 एविट्स, हैदरावाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगं।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया

#### MEN WORLD

फ्लैंट नं० 502 , भेरीडींय, अपार्टमेन्ट्स हैदराबाद विस्तींर्ण 384 चो० फुट र्जन्स्ट्री त विलेख नं० 1602/85 रिजस्ट्री हर्ती ग्रिधिशारी, हैदराबाद ।

ाम० स्मान मोहन ∹क्षम प्राधकारीं लहादक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनां : 7-11-1985

सुक्त बाह . ट\ .एम . एस . -----

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सुचना

#### THE SEC

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं आर० ए० सी० नं० 473/85-86---ग्रतः मुझे, एम० जगन मंहिन,

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) विश्वे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकीं सं० फ्लैंट है, जो चीराग म्राला लेन, नामपल्लीं, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद म्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से चिंगत है) रजिस्ट्रींकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रींकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 वर्ष 16) के मधीन दिनांक 3/85

को पूर्वों त्य सम्मित्त के जियत बाबार मून्य से कम के स्वयमाध्य प्रतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों के तम्मित कम उद्देशत बाबार बुन्य उसके स्वयमान प्रतिफास है और क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) क बीच एस अन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिफास निम्मितिसान उद्देश्य से उस्त अन्तरण जिवित में अस्तिक स्वय में किया गया है :---

अवारुण सं हुए स्थिति अव श्री श्री है । स्था अविश्वास के अवीर ६३ दे ते जारा के अविश्वास के अविश्वास के जिल्हा की करने या उससे ध्वाने में सुविभा के लिए; बौर/वा

्का) ऐसी किसी आय या किन्छी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय का अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या कि अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1507 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में साजधा के लिए;

अत. अब, टक्त ऑधीनय े धारा २६. . के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनयन की .. 269- को उपधारा (1) है अभीन, निम्निलिसित व्यक्तिं, अर्थात् क्षा

 मैसर्स यूनिटीं कन्स्ट्रक्शन, जन्म बाइ पार्टनर श्री महाबीर प्रसाद, 21-2-722, चारमीनार, हैदराबाद।

(अन्तरक)

- 2 (1) श्रीमती विमलादेवीं, प्रतिमदन मोहन गुप्ता,
  - (2) श्रीं सूरेश गुप्ता, पिता जीं० गुप्ता, चर नं० 3-6-313, हैदरागुड़ा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाखेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की नविध सा इत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी मन्धि बाद में क्षमान्ध हरीती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से ि नी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्चना के राज्यक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन में भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अजोड़स्ताक्षरी के शह निश्चित में किए या सकरें

स्पव्यक्रिकरणः --- इसमें : ) सन्दों और पदों का, को उन्त सिंपनियक्ष, के संभ्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं सर्व मृशा, को उस संभ्याय में दिया, मृशा है।

# अनस्ची

पलैट नं ० प्रेमीसस नं ०  $5\div8-49/6$ , नामपल्लीं, चींराग ग्रालीं लेन, हैदराबाद, विस्तींर्ण 1200 चौ ० फुट, रिजस्ट्रीं $\div$ त विलेख नं ० 1846/85, रिजस्ट्री $\div$ नौं ग्रिध गरीं, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम ग्रिधिवारीं सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 7-11-1985 मोहर : प्रकृष बाद". टी. एन. एस. -----

# भायकर माधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सुकना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्रार० ए० सीं० नं० 474/85-86-श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर श्रोधनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें स्तर्के परवात् 'उक्त अधिनियम' सहा नया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट है, जो माहाबीर, श्रपाटनेन्द्र, ांगकोठी में स्थित हैं (और इसमे उपाबद श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजन्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद में विश्वीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन दिनाक 3/85

को पूर्वोक्स सपित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वान करने का कारण है कि अथापूर्वोक्स संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यात से अभिक हैं और बन्तरक (बन्तरकों) और असिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मासिविवन उद्दोष्य से उक्त बंतरण सिस्तित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण वं हुई किती बाय की वावत, उनत अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के शानित्व में कमी करने या उत्तरे वचुने में सुविधा के सिए: बडि/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी बन या बन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा खें सिए;

वतः वतः जनतं वर्षिनियमं कौ भारा 269-व कौ वन्तरण वो, मी, उक्त विभिनियमं कौ भारा 269-व की उपभारा (1) को वधीन, निस्तिविधित व्यक्तिवों, वर्षात् हा— श्री राधा कृष्ण गूलाबानी,
 311, माहावीर ग्रपार्टमेन्ट्स,
 कीम कोठी रोड, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. (1) श्री ,छेग नलाल कोनाडीया और

(2) श्री कमलेश गुष्ता, धर नं० 22-5-253/ए, कालीकमान, हैदराबाद।

(अन्तरितीं)

का यह स्वता बारों करके प्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

#### इक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अर्वाभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधि , जो भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हिसबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पास सिश्चित में किए जा सकींने।

स्थाधिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा पीरभाषित है वही वर्ष होगा को उस अध्याय मा दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 203, माहावीर प्रपार्टमेन्ट्स, कींग, कोठीं हैवराबाद, विस्तीर्ण, 947, चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1902/85, रजिस्ट्रीकृती ग्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 7-11-1985 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्रार० ए० मी० नं० 475/85-86---श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट है, जो गंगन महल रोड, दोमडगूडा में स्थित है और इपसे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण क्य में खींगत है) रिजस्ट्री ती अधिकारी के अधिकार वींकर डपल्ली में रिजिस्ट्री अरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के निए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :——

- मैसर्स एस० क्षे० एसोशिएट्स, ,
   बाइ श्री व्हीं० व्हीं० कामत पार्टनर
   1-2-24, गगन महल, रोड, हैदराबाद।
   (श्रन्तरक)
- श्री के० जयरामन पिता ध्रार० कृष्णा मूर्ती,
   टाइप चार-47, श्रॅब क्यार्ट्स,
   कांचन बाग, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्याक्षीकरण: - इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को अवस् विभिन्नियम के बच्चाय 20-क में परिभावित हैं, बही नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

#### अगसची

फ्लैद नं० 506, घर नं० 1-2-24, दोमलगूडा, हैदराबाद विस्तीर्ण, 600 चौ० फुट० रजिस्ट्री इत विलेख नं० 280/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीकअडवल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 7-11-1985 मोहर: प्ररूप बार्ष: टी. एन. एव. -----

नायकर मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन स्थना

#### शारत सरकार

# शासीनमः, सहासक जानकारु बावुक्त (निर्दाक्तक)

अर्जन रेज, हैकराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० 476/85-86—यत:,

मुझे एम० जगम मोहम नायकर अधिनियम, 1961 (.961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वाच करने का कारण हैं क स्थायर प्रश्रास 'जसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-स. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पलट है, जो मरीडीयम अपार्टमेंटस, अबिट्स स्थित है (श्रीप इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप में बणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985 को पूर्वोंकर सम्पत्ति के रिचत बाजार मृत्य से कम के बर्गमान प्रिपक्त के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिरवास करने का कारण है कि यथाप्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से प्राचित वाचार मृत्य, उसके बर्गमान प्रतिकृत से, एसे बर्गमान प्रतिकृत का प्राच्य अधिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) बार अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्दर्य से उक्त कन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाम काँ वावतः, उक्त जीविष्युत् को व्यक्ति कर दोने को वंदाहरू को वायित्व में कमी करने या उन्नुते वचले में सुविधा को लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्ही भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रज्ञोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के जिए;

वतः वयः वयः विधिनियमं की धारा 269-ण के अनुकरण भें, में उत्तर विधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) वी अधीयः, विव्यक्तियक व्यक्तियमं, अर्थात् हुन्न  मनर्स मरीडीय कन्स्ट्रमशन को० 5-8-612 अबिट्सप्ट हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री अब्दुल खादर झीरापूरी फ्लप्ट नं० 502 मेरीडीयन अपार्टमेट्स अबिट्स, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को वह व्यवा वारी कारके पूर्वोक्त सम्बन्धि है अर्थत के नियह कार्यवाहियां कुक करता हूं।

उन्ह रामित के अर्पन के सम्बन्ध में काई भी आक्षप

- (क) इस स्वान के रावपण में प्रकाशन की तारीब ह 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविध कण में समाप्त होती हा, क भातर प्राप्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदाना;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वक्ष किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, आ उन्हें अधिनियम के तस्याय 20 के विवास है, बही अधि होता, जा उन अध्याय ह

## मनुसूची

फ्लेंट तं० 502 मेरीडीयन असार्टमेंट्स, अबिट्स, विस्तीर्ण 384 चौ० फुट रिजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1554/ 85 रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) यर्जम रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 7-11-1985

# प्रकल बाही हो। एवं एवं -----

# नायक र निर्मानयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (म) (1) ने नेपीन नुमना

#### बारत बरकार

भायसिक, महावक जायकर जामूक्त (निर्**क्षि**क)

अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक

1985

निर्देण सं० आर० ए० सी० नं० 477/85-86--अतः मुझे, एम० जगम मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके धरेपाए 'उक्त किंपिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलेट है, जो काग कोठी रोड़ हैवराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपायक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से घणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख मार्च 1985

की पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्ष्यमान बित्रसा के हिए अंतरित की नई है और मूजे यह विश्वात करने का कारण हैं कि वचापूर्वेक्त बज्जित का उचित बाबार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिवाद से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पायर वैदा प्रतिकत निस्तिवाद स्वेक्षित से बिक्त मंतरिक कि विश्वति के बीच एसे अंतरण के लिए तम पायर वैदा प्रतिकत कि से क्षित वहाँ किया गया है हिन्स

- (क) वंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त सिश्तियत के वधीन कर दोने के वंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा चे बिए; बॉर/या
- (क) एंडी किसी बाग या किसी धन या अन्य कास्तियों को जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तिसायों, अर्थात् ६——

- 1. मेसर्स ए० जे० विरुद्धर्स, बाइ श्री आजीज अहमव पार्टभर 5-9-31, बसीबाम हैदराबाव। (अन्तरक)
- 2. श्री अहमद अब्दुला सलीम सावन, 18-10-63, बारकस, हैदराबाद।

# को सूत्र शुक्रमा नारी करके कुर्जीनत सम्बद्धित के वर्जन के सिए कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी विकतमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसी स्वाम कार्यकार कार्यकार

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ह<sup>8</sup>।

## अपुची

पर्लेष्ट नं 132 घर नं 3-5-121/इ/जो कांग कोठी हैदराबाद, विस्तीर्ण 1100 चौ फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 1671/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगमं मोहम सक्षम प्राप्तकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (मिरीक्षण) अजम रेंज, हैवराबाद

तारीख: 7-11-1985

प्रचल कार्ड रही . एस . एस . ------

नाथकर न(भीतनम, 1961 (1961 का 43) भी भाग 269-व (1) के अधीन मुचना

#### भारत करकार

क्शयमिय, सहायक आयकर बाय्**क्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, हैक्दराबाद

हैयराबाद, विनाक 7 नवम्बर, 1985

निर्देग सं० आर० ए० सी० नं० 478/85-86---अत: मुझे, एम० जगम मोहम,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिट इस्कें इसकें प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बद्धित जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लंट है, तथा जो बसीरबाग हैदराबाद में स्थित है (भीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय चिक्कडपरूली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वेक्स सम्मित के उपित बाबार मून्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वचापूर्वेक्स संपरित का उपित बाबार मून्य, उपके स्थयान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल का ग्रिह प्रतिध्त से अधिक है और अंतरिक (अंसरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रति-फल निम्निसिस उद्शंक्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्तविक कम से किन्तर महीं किया गया है ६—

- (क) नन्तरण ते हुई किसी नाम की बाबत उक्त विध-णिक्स के स्थीन कर दोने के नन्तरक के बाजित्य में कभी करने मा उन्हों क्यार्ट में सजिभा के किए:
- (च) एसी किसी जाब या किसी धन या अध्य आस्तियों कि.. तेक्ष्य आस्तियों ते या धर्म कर अधिनिया ते या धर्म कर अधिनिया ते तिक्ष्य ते विकास क्ष्यों का किया क्ष्यों का किया क्ष्यों का किया का विकास की स्विध्य की सिए;

बतः वन, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरद में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (१) के विधीन, निम्नविधित अक्तियों, अधीत .—  मैसर्स प्रोग्नेसिक्ह बिल्डर्स, 3-6-309, बसीरकाग हैदराबाध।

(अन्तरकः)

 श्री के० एस० श्रीतिवास मुर्ती श्रौर अन्य दो 131, सनफ्लावर अपार्टमेंट्स, बाम्ब। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्य सम्मान्त्र से अपन न निम्ध कार्यवाहिमां करता हूं।

अवद सम्मति के भर्णत के सम्बन्ध में के के भी जाओप⊳---

- (क) इस स्थान के राज्यत में प्रकादन की तारीत से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों;
- (क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा तकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# त्रनुसूची

फ्लेप्ट नं ० 54, ब्लाक -बी० घर नं ० 3-6-309, बसीर बाग, हैदराबाव, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 384/85 रजिस्ट्रीस-कर्त्ता अधिकारी विषक डपल्ली।

एम्० जगन मोहन सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोंज, हैदरा**बा**द

तारीख . 7-11-1985

# प्रकाश आर्ड टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर <mark>आयुक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 7 मवस्बर, 1985

निर्देश म० आर० ए० सी० न० 479/85-86— अतः, मुझे एम० जगन मोहन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके (श्वात उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269 व के अधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है के स्थान सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूं 1 00, 100/- रु से अधिक है

भ्रौर जिसकी स० फ्लेट है, जो जें० बी० एअरकुल्ड, अपार्टमेट्स दोमलगूड मे स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे भ्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वेः कार्यात्रय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 पा 10) ह अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके श्रथमान प्रतिफल से एसे श्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-ग्रिती (अतिरित्यों) में बोच में असरण के लिए तय पाया मरा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तांबर पर म कथित गरी किया गया है —

> (%) भंतरभ ते हुई किसी गांव की बागत, उबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक क दर्शियक में कभी करने में उससे बचने में सर्विधा के निरुप्त भीर/१

#### भौर/५

स) ऐसे कियी अध या कियो भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकार बोधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धनन्कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27, इ एयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया । ६, । इ.६, बान नारिया दिल्यान प्रविधा के ग्रह

जत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- श्री जे० प्रमाकर श्राँर (2) पियत्र, मत्यनारायणा राव, पिता जे० नग्सीग राव, घर न० 10-3-317/28 विजयनगर कानीनी, हैदशबाद। (अन्तरक)
- 2 श्रीमती ग्रो॰ अद्या पति अशोक राज 1-1-774, न्यू बाकाराम, हैदराश्राद। (अन्तरिती)

का बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सर्वध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स् 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति त्वारा अधाहम्लाक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण : — इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदो का, को उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नग्स्यी

पनम् न० २ वर १० । ३ १३४ १४ नगर। हैदराबाद रिजम्ट्रीकृत विलेख न० । ६६५/५६ भीतम्टो कर्ना अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगत मोहत न्श्रम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जा रेज, हैदराबाद

तारीख: 7-11-1985

# प्ररूप बाह्". डी. एन. एस.-----

बाधकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कःयांतयः, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अजः रेजः हैदःस्वःस

हैदाराषाद, दिनांक 8 मदम्बर 1985

िर्देश सं० आर० ए० सी०नं० 481 85-86——अतः मुझे, एम० जाा मोहा,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारां 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने येश कारण है कि स्थावर सपित, जिसका उपित बाणार मूले 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जित्तकी सं वर है जो हीम यर भगर है पराबाद में रियह है (और इहते उपाबाद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विज्ञान है। पंजा दी राजा अधिकारी है कार्याका है। पंजा दी राजा विज्ञान है। पंजा दी राजा विज्ञान है। पंजा दी राजा विज्ञान का मार्च 1985 की प्रविक्त सपरित के अधिक बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मृत्र यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्यों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसकी दर्यमान प्रतिकत से, एसे दर्यमान प्रतिकत का पन्दह प्रतिश्वत स अधिक है और अतरक (अतरका) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्वेष्य से उचत अन्तरण सिक्त में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है किया परितिक रूप से किथित नहीं किया गया है कि

- (क) बन्तरम् तं हुई किसी बाय की बावतः, उक्त विभिनियमं के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उक्तने में सुविभा के लिए, और/या
- (ब) एस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों यो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधीनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतिरती ववारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अजनरक में, में, लक्त अधिनियम की धारा 269-व की उर्रभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :----9---366 GI/85 1. श्रीमती ई॰ तूलीवा। देवी पति रंगा से ही घर नं॰ 3-6-145/5, हीमायसागर, हैदाराबाध।

(अग्रदक)

- 2. (1) श्री एस० मुरली कृष्णा।
  - (2) श्री एरा० मुद० इष्टगा घर नं० 4-4-36, सूलताम बाजार, हैदराबाद।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां गृरू करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **सं**45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की लामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त रथायर सम्मित में हितबद्ध किसी अन्य प्यवित त्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकने।

हरक्रियरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, की अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

घर नं० 3-0-1455, हीमायतनगर, हैवराबाद विस्तीणं भूमि 244.84 ची० गर्ज एजि दीकृत जिलेख मं० 360 85 एजिस्ट्रीक्सों अधिकारी चीनक्षणस्त्री।

> एमन जारा मोहन सन्नम अधि हारी सहायक आयकर आयुगः (िरीक्षण) अर्जार रेंज, हैद शक्षाव

सारीख: 8-11-1985

प्ररूप बाइ . टी . एन . एस . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- प (1) ने सभीन सुपना

भारत सरकार

कम्मारीसव सहासक आक्रका कामपन (निर्माशक)

अर्जम रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० 482 85-86--अनः मुझे एम० जगन मोहन

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन मक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृल्य 1.00,000/- रह से अधिक है

श्रीर जमकी सं घर है, जो वरष्ट मोरडपन्ती मिं हदरावाद में स्थत है (ग्रीर इपसे उनाबद अनुप्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिज ट्री हिंग अधिनारी के कार्यालय मारेडपल्ली में भारतीय रिजन्दी हिंग अधिनारी के कार्यालय मारेडपल्ली में भारतीय रिजन्दी हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अर्पल 1985 को पूर्वोंकत संपरित के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पहाई श्रीतिशत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कम से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण त' हुई किसी भाग की बाबत, छक्त जिसीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के जिए और/या
- (भा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) यो उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में निष्धा को लिए:

जत अध उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक , भें , मीं, शक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्किक व्यक्तियों, अधीत र—  (1) श्री एस० ए० गफार ित लेट सयद इम्राहीम भौर अन्य एक, घर नं० 10-25-415 416, वेस्ट मारेडपरुली, सिकदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मय मोइजूदीन पिता मोहमंद हामीदुदीत श्रीर अन्य एक घर नं० 10-2-415 416, वेस्ट मारेडपल्ली सिकंदराशाद।

(अन्त रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन हैं। जिये कार्यवाहिया करता हूं।

सक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यन्थ में काई आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना का एक्टीन म 30 दिन की अवधि, जे भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अयिक्तयों में " किसी व्यक्तियों ६ (बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित । है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भेता है।

#### वन्स्वी

घर नं० 10-2-415 416, वेस्ट मारेडाल्नो, निष्टरा बाब, विस्तीर्ण भूमी 745.28 चो० गन रिजाप्रीकृत विलेख नं० 1228 85 रजिस्ट्रीक्सी अधिकारी मारेडाल्ली।

> एमा जार पोहा सन्न गारिह री सहायक आयकर आयुक्त (पिरीक्षण) अर्जा हेंन, है ( ) ब. ब

सारीख: 8-11-1985

मोहर 🚜

प्ररूप आई.टी.एन.एस.---- -

माप्तकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

#### **शारत सरका**ष्ट्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदरा**दा**त्

हैदराबाद, दिनांक 7 मवम्बर 1985

★ निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 483/85-86—अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

हाराहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने की कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धार जिनकी सं० इमारत है, जो रामाराव पेष्ट काकी पाडा में रियत है (फ्रांर इससे उपावत अनुसूची में फ्रांर पूर्ण रूप से वाजन है), रिज ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यानय काकी पाडा में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख मार्च 1985

को प्योंकत सम्पत्ति के उभित बाजार मृन्य से कम के द्रायमान ।
तिफल के लिए अतिरित की गई है और मृन्धे यह विद्वास करने को कारण है कि यथाप्याकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृन्य, उसक द्रायमान प्रोतिक गाम द्रायमान प्रोतिक का एवं प्रतिक गाम द्रायमान प्रोतिक का एवं प्रतिक गाम द्रायमान प्रोतिक का एवं प्रतिक का भार के तिरिती (बन्तिरितियों) के बीच एम अन्तरण का निए द्राय पाना समा प्रतिकल, निम्मलिकिक उद्देशम से उक्त बन्दरण विशिष्ठ में बास्तिविक कप से कांधन नहीं किया गया है कि—

- (क) वंतरण से हुई किसी बाय की बाबता, अक्ट अभि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी रूरने या उससे बचने में सुविभा के शिएई और/41
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्ह भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) डेबभीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, कर्मात् ध—

- 1. श्री पी० रामक्रण्या राजू श्रीर अन्य निता पी० व्ही० लक्ष्मी न'रसीम्हा राजू, गाधीनगरम, काकी ताडा। (अन्तरक)
- 2. श्री जी० सत्यनारायणा राजू श्रीर अन्य पिता श्री राजू डी० नं० 7-5-आफ 4/1, रामारावर्षेट, काकीनाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कासका हुया करता हो।

दक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यावित्य। में स किसी व्यविस द्वारा
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है दे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकोंगे।

रपब्दीकरणः ----दसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

#### अनुसूची

घर नं० 7-5, ओंक 4/1, ान रायोप, वाकोपाडा विस्तीर्ण 1305 ची० मन, रीतियोग नियत्र न० 3450 85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकीपाडा।

> एम० जगत मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैदराबाद**

सारीख: 7-11-1985

प्ररूप काई .टी.एन.एस.-----

कायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जः रॅंज, हैदरायाद

हैवराधाद, दिनोक 7 मवस्यर, 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी०नं० 484/85-86—अस• मुझे एम० जगन मोहा

जायकर की भीनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

भौर जि.की सं० घर है, जो 7-न.ड राजमूंडी में लिया है (भीर इससे उसवड़ अनुसूची में म्रोर पूण रूप स वॉणा है) रिजिस्ट्री क्वां अधिकारी के कार्यालय राजमूंडी में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय राजमूंडी में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिकारम 1908 (1908 का 16) के अधीन सार्या मार्च 1985

करे पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य श्रामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योध्य से उच्त अन्तरण किचित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के कन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिष्णम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिष्णम, या धन-कर अधिनिष्णम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

बत: बत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभादा (1) को अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अधीत :--

- श्रीतती बिन्होत इत्यान पति मोट इतात प्रतो, अववोहेष प्रहासागर, पाचमूंड्री।
  - (अगारक)
- 2. श्रीमती देलदार बेगन पति लेध मोर इञ्चाल अली, मेन रोड, युलुनुक, वेस्ट गोदावरी जिना। (अटारिडी)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के छिए कार्यवाहिया करता हुं।

उसत सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति स्वित्तमों में से किसी स्वित्त स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अक्षेह्स्ताक्षरी के पास सिक्टि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्यार 20-क में यक्षा परिभाषित है, यहां कर्ध होगा जो उक्ट अध्याय में दिया गया है।

# नन्सूची

बर नं 11-1-1, शार्नेटा नियर गोरावरी रिव्हर, राज-मुंडी विज्ञीर्ग 617 चो० गत, रिनिःट्रोड़ा निनेख मं॰ 2105/85 रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजमुंडी

> एम॰ जगा मोहत सञ्जत प्राति गरी **सहायक नायकर आयुक्त (धिरीक्षण)** स्रजा रेंग, हैदराबार्य

तारीख: 7-11-1985

घोडर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, है::बाद

है! अबाद दिनाक 7, नवपबर 1985

निदेश संव आहर एवं सीव नंव 483/83-86 - आ: मुझे, एमव जात निहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारां 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यभान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिश्ति से शिषक है और अंतरक अंतरकों; और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाल्य कर से कथित नहीं किया गया है -

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमाध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिंखित व्यक्तियों, अधीन है—

(1) श्री मीठ देशका प्रतिवार एक निका तिका श्री छण्णा-एक श्रीर उपने पुत्र, श्रीमहार क्षिप्र, विचारवाहा टाउन, विचारवाहा ।

(अन्सरः)

(2) श्रीनिति के सुभाविती परि यमा मोर्ग यय वेताकिया वारा स्ट्रीट, कीयापेट, विख्यान इ.-1, टाझन विजयवाड़ा ।

(अयः रितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीधि दा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्प्याकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषि हों, वहीं अर्थ होगा बी उस अध्याय में दिक प्रया हो।

#### अनुसूची

घर नं । 11-51-29, पोडोशानी स्ट्रीड, विकास हा, विस्ती णे 227 ची । पक्ष , स्थित्ह इत क्लिंब नं । 1340/85, रिजस्ट्र : इती श्रीधार , क्षिप्त हा।

एम॰ जनन मोहन सक्षम प्राधि गरी सहायक प्रायक्त प्रायक्त (निरीक्षण) प्रायंन रेंज, हैरराबाद

**ए**तिखः 7-11-1985

# प्रकप् नाह<sup>र्</sup>, टी<u>. ए</u>न्. एव<sub>...</sub>------

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यांतय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैशराबाद, दिनां ह 8 नवम्बर 1985

निकेश सं० ग्राट० ए० सो० नं० 486/85-86--- भारा मुझे, एम० प्रगन महिना,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

स्रीर जिपात संग्राहर, तथा जी कोमताड़ा बसी कारा, है त्याबाद में स्थित है (स्रीत इतो जा बद्ध स्वतूर्द्धा में स्वीत पूर्ण रूप से विणित है), ती हूं जी स्रीय गरा के जायनिया, जिपान्ड स्ला, में भारतीय दिल्हा त्या स्वीवनियम, 1908 (1908 वर्ग 16) के स्रवान, तार ख 3/85

को पूर्वावत सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान हितिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करन का कारण है कि स्थापूर्वाकत सम्पत्ति का उभित बाजार भूल्य, उपके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के धन्द्रह शितशत स अधिक है और अतरक (अतरकों) बार बंद-रिती (अतिरितियों) के बीच एते अतरण के लिए तय पाया ममा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त स्थितियम के सभीन कर दोने के सन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में हुसिभा के लिए; स्रौर/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिग्र में

वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्निक्षित् व्यक्तियाँ अर्थात् :---

- (1) 1. श्री जे॰ जेगदीहबरध्या, 117, वेस्ट मारेडाल्ली, सिनन्दराबाद ।
  - जे० पार्थसार्थाः,
     1-8-50/जाः, कृष्णानगरः,
     सि एन्दराबाधः।

(मन्तरक)

- (2) डॉ॰ प्रभाकर रूमाला,
  - श्री मित विलासिनि रूपाला, आकाला, फ्लोरीबा, यू० एस० ए० ।

(अन्तिरती)

को यह स्वना वारी करके पूर्वीक्त सम्मृत्ति के अर्थन के सिंह कार्यमाहियां सुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी काक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी शास्त्र स्व 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट ध्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति बुवारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

स्वयद्योकरण १---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या है।

# धनुसुची

ष्ठीकतो बिल्डिंग नं० 3-6-364, बतीरवान, हैरराबाद, विलागं 333 जो० नत, रिजिङ्गेका बिलेख नं० 338/85, रजिस्दीक्ष्मी बिथिकारी, जिनकष्टाल्ली।

एम० जगत मोहत सक्षम प्राधि हारी सहायक पायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाध

सारी**ख: 8-11-1985** 

प्रकृप बाह्य , टी., एन., एस्., न्यान्य

अरायफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-व (1) के स्पीत स्पना

#### TICH HISTOR

कार्यालय, सहाक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रें ज, है स्टाबाध

है: राबाध, धिनौक 8 नवस्वर 1985

निकेश सं० श्राप्त ए० सी० नं० 487/85-86 -- श्राः मुक्को, एमा प्रधान मोहन,

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने आज कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उधित याजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्री: ित्रात्म सं० फाट है, त्या जी बतारम विलेत, हैराबाद में स्थि: है (श्रोतकाते उत्तब्ब श्रुतुत्य में श्री: पूर्ण का से विणित्त है), जी स्थान विश्वित राधे जियांका, चिक्तकारणी में भारताय, स्थित्हा जण श्रीवित्यम, 1908 (1908 वा 16) के श्रव न राज्य की 85

करं प्वॉक्ष्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवांत्रत संपत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे ब्न्तरण के लिए तय पाया गया गितफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त कन्तरण लिकित पें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।——

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाव की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (था) एसी किसी जाय का किसी धन वा अन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के हवीजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जवा शा का किया चाना चाहिए था, कियाने वें सुविधा वें सिरा;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविक स्यक्तियों, अधीत र्--- (1) श्री वहार एक एक ममुद्धादत, 401, तहाइमान चेन्वर्स, वेंडरमास्ट रोड, सिक्तव्यराबाद ।

(मन्तरक)

(2) ट्रांतिनोर्ट कारपोरेशन ग्राफ़ दृष्डिया सि० 1-7-293, एम० जा० रोड, सिकन्दराबाय-3 ।

(भ्रद्धारितीः)

को यह स्थना जारी करके पृथानित सम्परित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध की न्योर्ड भी बाक्षेय :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तर्तसम्बन्धी व्यक्तियो पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त-व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ज) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **भन्**स्**यी**

प्लाट नं० 34ए, कम्प्राइज्ड, सर्वे नं० 117, 118, 130, 131 और 138, बिस्तार्ग 450 श्री० गज, बाकाराम िस्टें, हैं (एकाद, एजिस्ट्राटी बिलेब नं० 306/85, एजिस्ट्रा.ती श्रीधकारी, चिक्कश्रपरसी।

> एम० प्यान मोहन सक्षम प्राधि तरो सहाय रु झाय रूर भायुका (निरीक्षण) सर्जन रें ज, हैरताबाद

हार*ेख*ः 8-11-1985

मोहरः

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

भायकर धिधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

# मर्जन रें प, हैद तबाद

हैव एबाद दिनो ह 8 न मन्बर, 1985

निदेश सं० भार० ए० सी० नं०483/85-86--- भार मुझे, एम० एलन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के शधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः वाजार मृत्य 1.,00.600/- रा. से अधिक है

श्री: जिता संक्षा है, त्या जो तव डी हूड, जिज्याका सें स्था है (प्रो इ.से जायक श्रापुत्र श्रीर पूर्ण का से पणित है), यो प्राप्ता असि एक के कार्यात्म, चित्र कार्ली में भारतीन की पूर्ताण श्रीधनितम, 1908 (1908 ता 16) के श्रीसा कार ख 3/85

को पर्लेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रोपकर को लिए उन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरममान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंछत प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देदय से उक्त अन्तरण कि हित में बास्तिक सण से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की भावत, खक्त निगम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे भचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

बत: उस, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 हा को उपथारा (1) के अधीन,, निम्निकिष्यित स्थित्यों, अर्थात :--- (1) श्रं: बीक वहीक द्वाधार्या निता स्वक बाक जाक द्वाधार्या, बें. द्वाफीयर, जनानवर, बंगलीर ।

(श्रास्टरह)

(2) श्रीनिधि स्वर्णसता पतिः खाँ वाव नत्यसम रेब्डी तूनसपुर, जिसा निकासाबार ।

(प्रत्रीरधी)

को यह स्टना जारी शरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अपिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अहिथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उथा स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुख्त बन्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, यही अर्थ हुनेगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

### सन्दुनी

घर नं॰ 1→3~183/48/2, त्रवाही हुवा, हैरासबार, दिस्स णै 283 वी॰ गा, परिद्धाहार विकेश नं॰ 319/85, एजिस्ट्रवर्सा धिव (पर्रा), चिम उपस्ता।

> एम० प्यान मोहन राजन प्राधि गरी सद्भाग भागार भ्रायुक्त (विशिक्षण) भजन रेंज, है (अबाद

पारीख: **8-11-1**935

## प्ररूप आह. टी. एन. एस. ------

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश गॅ० श्रार० ए० मं(० नं० 489/85-86--- श्रतः मझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसका संव घर है, तथा जो लोश्चर टेन्ड बंड, दोमलगूडा में स्थित है (और इनमें उताबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णच्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीहर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीहरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 3/85

को पूर्वोक्त सम्बंधि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतर्रितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया कितफल, नि-निलिखत उद्वेश्य से उक्त अंतरण विखित में वास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 10 —346GI/85  (1) श्र. कृष्ण चन्द शर्मा पिता ग्रमण्चन्द शर्मा 10-3-3/11, ईस्ट मारेडपल्ल; सिहन्दराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० भंयद ईम्म।इल आज्ञम पिता सैयद इक्राहीम 11--1--629. आगापूरा, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

ो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए र्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **प्र**मुसूचे (

बेस्टर्न साईड पोरणन श्रॉफ घर नं० 1~2~597/20, लोग्नर टैन्स बंड, दोमलगृडा, हैदराबाद, रिजस्ट्रंडित विलेख नं० 1467/85, रिजस्ट्रंस्तां श्रश्कार, हैदराबार ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी गहाय : आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-11-19**8**5 मोहर : प्ररूप आई.टी एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-क (1) के द्राचीर स्थला

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, हैर गव द

हैदााबाल, दिना 7 नवस्व 1985

निदेश स० ग्राप्त ए० स०० न० 490/85-86 — ग्रन मुझे, एम० जगन भोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर मंपन्ति जिसका उचित राजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसक स० पनैट है तथा जो दोमलगड़ी हैदगाव ह में पिथत है (ग्रीर इसमें उपावद ग्रनसूची म ग्रार पूर्ण लप से विणित है), रिजस्ट्रा ती ग्राधियार वे लाय लिए हैदरावाद में भारत य रिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के ग्रावान तारीख 3/85

को पूर्वोत्तत संपरित के उचित बाजार मन्य में कर के खरमान प्रतिपत के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधापर्वोक्त सा जिल्ला प्रतिपत का गंदह प्रतिश्वास से अधिक हो और अन्तरक (अन्तर्वों) गेर अपिक हो और अन्तरक (अन्तर्वों) गेर अपिक हो और अन्तरक (अन्तर्वों) गेर अपिक हो और अन्तर्वा (अन्तर्वों) गेर वीच एसे अन्तर्वा में उच्या अन्तर्वा विश्वतं मा जास्त्र कि अन्तर्वा से अधिक स्वा से अधिक नहीं। किया गया हो —

- (क) अन्तरम से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक से दायित्व में कमी करने या जससे बचने में मुखिश के लिए: और/बा
- को गाम जिसी बार या किसी धन या कर्य कांक्सियों रा किसी भागतीय नायकर अधिनियम, 1921 (1927 का 11) या उकत अधिनियम रा प्रकार अधिनियम, १५५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अस्तिती देवारा प्रकार नहीं किया गया था आ किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मैं भ एकी एका कि , गर्टना गुरदा हिल्**स्** 1 •2 •593/32, दोमलग्डा, हैदरायाद।

(प्रन्तर )

(2) श्रमित प० मिने विकास कृष्णा,
 1-8 446, चिक्रम्ड ५०००।, हैदराबाद ।

(म्रन्ति )

कां यह सूचना जारी करके पूनाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अजन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क्ष 45 दिन की नवीध मा तत्संबधी व्यक्तियों पर स्थना की तामीन से 30 दिन की नवीध, जो भी नवीध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति हवारा;
- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवार अधाक्तिकारी के पास निवासत मा किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बहो अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ग्या

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 1, घर नं०1--2 -593/52, कोमलगूडा, हैदराबाद, विस्ते र्ण 64-95 चो० मीटर, •ित्रस्ट्रीकृत विलेख न० 1836/85, रजिस्ट्रीअर्ता ग्रिधिटारी हैदराबाद ।

> एम० स्थान भोहन स्थाप प्रशिवस्य नहाय क्या क्रायक्ष (विश्वका) स्रोता हिस्सी

तन बन. असर काभीनदम की भारा २६०-र हे । जनसम म, मै, उत्तर अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तितयों, अर्थात ---

ा म ख ा-1985 मोहर. शरूम आप्र .टी एस एक ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) फा धारा 269-व (1) के अधीन सुधना

#### भारत मरकार

कार्याभय सक्कामक प्राचवर वाय्वस (निरक्षिण)

**श्र**र्जन रेज, रोह्सक

रोहुए , दिलां 🤉 1 नथम्बर, 1985

निदेश ५० आई० ए० सी०/एक्यु०/अम्बाका/155/84-🔏 85-- आस. मुझे २० एल० खती

कायकर अधिनियम, 1961 (1967 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चाई 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाए 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्लाः गंजमान नव 14 वैराध नगर माडल टाइन अम्बाका शहर से रियह है (श्रीर दलसे उपायद श्रन्भूच में श्रीर पूर्ण एप के बणित है), रिक्स्ट्र कर्ता श्रीयरार्थ के कार्याला अन्याल भारतीय श्रीयनियम 1961 के श्रीध न नार्राख 6-3-85

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान आ उपर के कि अप्तर्रेगर का ग्यू हूं नीर मूमे यह पिन्नान करन का कारण है कि यथापूर्यांक्त सपील-का उचित राजार मूल्य, समझे उपायत पित्रक से, एसे अस्यमान प्रतिकाय का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है मेर भेतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितिसों) ये बीच एसे अन्तर्य के खिए तब भाषा चवा प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुइ किसी जाय की बावक, शक्त विभिन्नियम के सभीन कर दोने के बन्तरण के बायित्व में कमी करने का उससे वचने में सुविधा के सिए; बाँद/मा
- (कां एक्की रिलसी आज मा जिसी अब या जन्म झालिहरी कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रमोचनार्थ करकरिकी क्यारा प्रकट नहीं रिल्ल क्या का वा किया अस्मा करिकर था, कियाने र्य

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रः निर्देल जोन द्वित गान्धीः (एन० एस० गान्धी पुत्र श्री एरतार सिंह 14 कैलाश नगर माडल टाउन श्रम्बाला शहरः

(श्रन्तरक)

(2) श्राः उष्ण कुमार पुत्र हुन्दन लाल बतरा नि० 225 माइल टाउन, श्रम्बाला शहर। (श्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां अपरा हुं:

## जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाषापः 💀

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 खिंद की बंदीय वा तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की बंदीय, वो भी बंदीय बाद में नमाप्य होती हो, के भीतर प्नोंकर स्यजिसकों में से किसी लाईकत दुआरा
- (व) इस न्यना के राजपण में प्रकाशन की बारीय से 45 दिन के मातर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबहुक् किसी सम्य व्यक्ति इवारा नुभाइस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकोंगे:

स्पर्कांकरणः -- इसने प्रयुक्त वन्यों और पर्कों का, वा उपक्ष प्रक्रियम्, के बच्चाव 29-क में परितायित हैं, यही क्यें होता को उस अध्यान में विका नवा हैं।

## अनुसूची

सम्पति महान नं 14 कैलाण नगर, माडल टाउन; भ्रम्बाला णहर में स्थित है जिसका विवरण रिनस्ट्रोकर्ता कार्यालय भ्रम्बाला रिजस्ट्रा संस्था 8323 दिनांक 6-3-85 पर दिया है।

> बी० एल० खत्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, रोहनक

दिनां 🤫 : 1-11-1985

मोहरः

## प्रकप नाइं.टी.एन.एस.------

## शायकर मिर्गियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्थाना

#### भारत सरकार

## कार्यां तय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश स० श्राई० ए. सी० /एक्यु०/पानीपत/134/84-85----श्रतः मझे- बी० एल० खनी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मांधीनमम' कहा गया है'), का धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ता, जिसका उचित बाजार मूस्य 1.00.000/- रा. से मधिक हैं

श्रीर जिसके। मं० भूमि 14 कताल 8 मरला गाव शिवाह तह् पान)पत में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है) रिजिस्ट्र कर्ता अधिकारी के कार्या-लय,पान)पत में भारतीय जिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1961 के श्रिधीन, दिनाक 18-3-85

को पूर्वोक्त सम्मिल को अभित बाजार मृल्य से कम को क्यां का प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अभाष्ट्रविक्त सम्मिल का उचित बाजार मृल्य, उसके क्वां वा प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत सं अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिवाँ) के बीच ए से अन्तरण को लिए तय पाया गया तिफल निम्नलिकित उक्केय से उक्त अन्तरण कि कित में बास्तिक रूप से अभित नहीं किया गया है उन्न

- ईक) सन्तरण से हुई किसी बाव की बावत , उत्तर विभिन्निय के अधीन कार दोने के अन्तरक के दासिरभ कें कासी कारने या उत्तर देवने में विकिश व्यक्तिय;
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने तो स्विधा के किया

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) सर्वश्राः रुमिः शतः, लाभ सिह, राम चन्दर पुत्र श्री चन्दर्गः राम (4) रघबीर (5) श्री भरता श्री श्रर्गुन पुत्र तोजा (7) श्रो राम दियाल पुत्र मौना श्रार/ग्रो० निवासी गांव सिवाह, तह० पानीपत ।

(अन्तरक)

(2) तत्तम स्पानमं प्रा० लि० 77 सी/10ए महेश नगर सर्कुलर रोड, शाहदरा, दिल्लं.-32 द्वारा डाइरॅक्टर श्र. रधुनन्दन सम्प दत्तक पूल लाल राम रूक्प निवासी 785 वार्ड नं० 11, पानीपक्ष.।

को यह सूचना जारी करके पूबावत सम्पातः क वयन के लिए, कार्यवाहियां कारता हो।

डक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कांद्र भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में मनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

भ्यव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यार 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### पनुसूची

सम्मत्ति भूमि 14 जनाल 8 मरले जो ... ..... तह० पानीपत में स्थित है। जिसका विवरण रिजस्ट्रीक्ती के कार्यालय पानीपत में रिज़स्ट्री सं० 6173 दिनांक 18-3-85 पर दिया है।

> र्वा० एम० खर्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निर्रक्षण) ग्रार्जन रेंज, रोहतक

**दिनां** क : 1-11-1985

मोहरः

प्रकपा, बार्षा, द्वी, प्रना, प्रवात - = - = -

## बायकर अभिनियम, 1961 (15ज का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन स्वना

#### माइत बहुकार

## खार्यालयः, सहायक नायकर नाय्रक (निरीक्षण)

**ग्र**र्जन रेंज, रोहाक

रोहतक, दिनांक । नवन्बर 1985

ृ निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एस्यू०/फ़रोदाबाद/38/84-85----प्रतः मुझे, बी० एल० खर्चा

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का करने हैं। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संश्रभूमि 1000 वर्ग गण सैक्टर 10 फरीदा-बाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वृणित है), रिजस्ट्राकर्ता श्रधिनार: के वार्यालय, फरोदाबाद में श्रायकर श्रधिनियम 1961 के अधीन दिनार 20-3-85

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य के पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य के प्रविक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य के प्रविक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य के प्रविक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य के कार्या के स्थान स्थान के स्थान के स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्था

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: बौर/था
- (क) अन्तरक में हुई किसी आय की बाबत, उक्त को, जिन्हें भारतीय ग्रांबर विभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त विभिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ कम्मीरिती हुनारा पूक्त नहीं किस्तर पूर्ण वा या किया वाना प्रहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

बतन जब, उक्त अधिनियम की धार. 269-ग को अनुस्था में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :---- (1) श्री प्रदीप सिंह पुत्र सरदार विलोक सिंह नि० 110 मुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्ज राजस्थान एसोसिएशन (रिजस्टर्ड) 1-ई०-20वी न्य् टाउन शिप, फरीसाबाद। (ग्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके गूर्<sup>लेख्</sup>त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

## उक्त उम्पत्ति के वर्षन के सम्बार 🏋 कोई भी बाक्षेप रू---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्वना की तामील तं 30 दिन की सविध, के भी जविध बाद में माप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्वक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में 'अकाशन की पारीक के 45 दिन के भीतर उक्त र तबर सम्पत्तिः 'हितजबूध किसी अन्य ज्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ निवित में किए जा सकोंगे।

#### नम्सूची

सम्पत्ति भूमि 1000 वर्ग गज जो सैक्टर 10 फ़रीधाबाद में स्थित है जिसका विवरण रिप्स्ट्रीकर्ता के कार्यालय फरीधाबाद में रजिस्ट्री सं० 5245 दिनांत 20-3-85 पर दिया है।

> बी० **एल० खती** सक्षम प्राधिसारी सहायक आयकर श्रा**युक्त** (निरीक्षण) शर्जन रेंज, राहतक

दिना*न*ः 1-11-1985

प्रस्य बाइ. टी. एन. एस. ------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के मधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, रोहसक

रोहता दिनाद 1 नवस्वर 1983

निदेश सं० भ्राई ०ए० म.०/एक्यू०/परनःल/180/84-85--

**ग्रतः मुझे, बी**० एल'० खन्न

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 1,00,000/- का सार्थिक है

श्रीर जिसकी से० 13/1493 श्रारवन इस्टेट, करवाल में स्थित है (श्रीर इसमें उपावक स्रमुक्ता में श्रीर पूर्ण स्वरी विभिन्न है) रिजन्द्राक्ष्मी श्रीधिकार के कार्यालय एक्कान में भारतीय श्रायकर कार्यानयम 1961 के श्रायता दिशा र

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि एकापूर्वोक्त सम्मित्त का उजिल बाजार मृत्य उसके उपयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे बतरण के जिए तब पाया गया प्रति-क्या निम्मितियाद दश्योग से उच्छ कन्यरण विश्वित में बाजांवक स्म से किया नहीं किया नया है कि

- (क) बन्तरण वे हुई कियी बाव की बाबत, इक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बामित्व में कमी क एने वा उससे ब्चने में सुवि. के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्क विधिनयम, वा धनकर जीविनयम, वा धनकर जीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्निया के सिष्;

जतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अधौत :—— (1) श्रा हरनैक सिंह पुत्र श्री महा सिंह नि॰ 13/ 1493 श्रारंबन इस्टेट, करनाल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री साम मुन्दर (2) सर्ताश कुमार (3) कृष्ण कुमार पुत्र श्री राम लाल निवासी म० नं 622 झून्डला गेट, करनाल ।

(श्रन्तरितं)

को सू सूचना बार्ग करके पूर्वोक्य सम्बुटिस से सूचन से किस कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

## बन्द तम्बृतित् के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी धार्कार:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति त्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पक्कोकरणः -- इसमें प्रयुक्त सम्बाँ बहु पदाँ का, वा उक्त विभिन्नस, के बच्चाय 29-क में परिधानिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 13/1493 ग्ररबन इस्टेट, करनाल में स्थित है। जिसका विवरण राजस्ट्रीवर्ता के कार्यालय करनाल में राजस्ट्री सं० 8293 दिनांक 14-3-85 पर दिया है।

> बी० एल० खुती सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 1-11-1985

. प्रद्रीय

प्रकल कार्द. ट. एन. एत. - - ---

भागभार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत मरकार

कार्यासन, सहायक जायफर बायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहनक

रोहतक, दिनाक 24 श्रयतूबर, 1985

निदेग स० प्राई० ए०सी०/एक्यू०/हिमार/107/84-85--श्रत मुझे, बी० एल० खन्नी

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षण प्राधिकारी को, यह विकास करन का कारण है कि स्थापर सम्पन्ति, जिसका लीचन वाकार मल्य 1,00,000/- रुक्त से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० भूमि 11 कनाल 18 मरला गाव सात रोड कलां तह० हिनार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुपूची में श्रीर पूर्ण रूप से वार्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधि कारी के कार्यालय हिसार में ग्रायकर श्रीधनियम 1961 के ग्रिधीन, दिनाक 8-3-85

को प्नोंसत सम्मत्ति के उचित नावार मृत्य से कम क ग्रयमान ग्रांतफन के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यभाप्नोंनत कम्मतित का उचित नाजार ग्रस्य, नमक क्रयमान ग्रांतिकस से, एसे क्रथमान ग्रांतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से क्थिक है और ग्रन्तरक (अन्तरकों) और ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया ग्रांतिफल, निम्निजितित उच्छेच्य हे उन्तर अन्तरण लिखित में नास्तिनक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मं हुई किसी बाय की बाबत उनके जिमिनबंध के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उसस एकने मा स्वीपान विभाग और/वा
- (क) प्रीती किसी भाग या किसी वन या अन्य आस्तियां की जिन्हों कारतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर विभिनयम, 1957 (1957 का 27) वे अपनेश्वभार्य बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा का या किया जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्रीमती यन्ताप देती पत्ति श्री श्ररजन दास श्रीमती कौणत्या देवी पत्ति श्री राम निवास निवासी गात श्रादम पुर तह० हिसार। (श्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स नीरज जिन्दल इन्सपट उद्योग प्रा० लि० 13 के० एम० जिल्ली रोड, हिसार । (ग्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वेचित सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां भूक करता हूं।

## सकत सच्यति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शामेंच :---

- (क) इस स्वना को राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविश्व या तत्मम्बन्धी व्यक्तिया पर स्वना की तामील से 30 विन की व्यक्तिया को बी अविध बाद में समान्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त स्वी कर के स्वार्थ के स्वी व्यक्ति हों।
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के परम लिखिन में किए जा सकरें।

स्वष्टीकरण - इस्ता १८११ अन्द्रा अन्य ५ शा का, जा उसक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या क्या हैं।

#### गनमची

सम्पत्ति भूमि 11 कनाल 18 मरला गाव मात रोड कला तह० हिमार में स्थित है। जिसका विवरण रिजस्ट्री-कर्ता कार्यालय हिमार में रिजस्ट्री स० 5805 दिनाक 8-3-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, रोहतक

भ्रत भ्रम, उक्त मार्थानयम की भारा 269-ग क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) क अधीर, जिल्लीहरील 'पार्यों अधीर ;—

दिनाक 24-10-1985 मोहर प्रकृत जा**र्ड**. टी. एन. **एड**.---तरा

ালভ প রাখিনিষয়, 1961 (1**961 আ 43) আঁ খাহা 269-ম (1) के अधीन মুখ্**ৰা

#### नारत चरनार

ार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (विद्रीक्षक)

म्रर्जन रेंज, रोह<mark>त</mark>फ

रोहतक, दिनांक 25 भ्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/हिसार/109/84-85— भतः मुझे, बी० एल० खती

बालकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें अने पक्षात् 'उक्त बिधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, विस्का अचित वाचार वृश्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 8 कनाल 16 मरला, गांव सात रोड कलां तह० हिसार में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, हिमार में भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम 1961 के ग्रधीन, दिनांक 8-3-85

का वर्षाक्त सम्पत्ति के उपियत बाजार मृत्य से कम के क्रयमान र'तफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि संशापनांक्त संजवित का उपित बाजार ब्रह्म , उसके क्रयमान प्रतिफल से., ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पन्छह् शितकथ से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंदरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे बन्तरण के निए तब पाना बना इति-क्य निम्मनिवित्त उप्रदेश से उक्त बन्तरण विविद्य के बालाविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरप नं सूर्य किसी बाद ली वायतः, स्वस् अपित्विक्य को स्वीत कर दोने के जन्तरक को श्रीवरण में कनी करने या उससे वचने में स्वीतभा के निय; बीर/वा
- (त) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य मास्तियों की, जिन्हों भारतीय माय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया मा या किया बाना चाहिए था, छिपाने में स्विधः है निया:
- कतः यद उक्त विधिनियम की शास 269-म की विष्करक में, बें, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में अभीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अभीत् :--

- (1) 1. श्रीमती कौणल्या देवी पत्नि श्री राम निवास
  2. श्रीमती मन्तोप देवी पत्नि श्री श्रर्जन दास
  नि० श्रादम पुर तह० श्रौर जिला हिमार।
  (श्रन्तरक)
- (2) मैंसर्म नीरज जिन्दल इन्सपट उद्योग प्रा० लि० 13वी के० एम० दिस्ली, रोड, हिसार। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्य**ाहि**णं **करता ह**ै।

## इक्त सम्मत्ति के शर्वन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीस से 45 दिन की बनीय ना सरकन्यी व्यक्तियों दृष्ट सूचना की तानीस से 30 दिन की नविभ, यो भी सनीय नाय में सनाप्त होती हो, के भीतर पूनों नव व्यक्तियों में से किसी स्थमित द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिव के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी कथ अक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा करोंगे।

त्वजीकरणः इतने प्रयुक्त कथी कीह करी का हो कथा वीधीकतन, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा वस है।

#### श्रनुसूची

सम्पत्ति भूमि 8 कन।ल 16 मरला, गांव सात रोड कलां तह० जिला हिसार में स्थित है। जिसका विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार रिजस्ट्री संख्या 5807 दिनांक 8-3-85 पर दिया है।

> बी० एल० **खती** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रो**ह**तक

दिनांका: 25-10-1985

प्राक्तप आर्द्दा. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

## कार्कावय , सञ्चावक आयकर आयुक्त (निचीनाण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/सोनीपत/124/84-85—-श्रत: मुझे, श्री० एस० खन्नी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया ही, की भाव 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से विधिक है

श्रौर जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल प्लाट 1761-3 वर्ग गज इण्डस्ट्रियल एरिया, सोनीपत में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सोनीपत भारतीय श्रायकर ग्रिधिनयम 1961 के श्रधीन, विनाक 6-3-85

का पूर्वोचर तस्पत्ति के जीवत बाजार अस्थ से कन के ज्यानान प्रतिपत्त के लिए जन्तिरत्त की नई हैं और अस्ते वह विकास करने का कारण है कि यजापूर्वोचत सम्पत्ति का खिला बाजार मूल्य उसके वश्यमान प्रतिपत्त से, खेने दक्तमान प्रतिपत्त को चन्त्रह प्रतिचत से जीवक है और जन्तरफ (जन्तक्का) और अंशिक्ष को चन्त्रह प्रतिचत से जीवक है और जन्तरफ (जन्तक्का) और अंशिक्ष को प्रतिचत से विकास को विकास को विकास को विकास को विकास को विकास को किया नहीं किया गया है किया कर से किया नहीं किया गया है किया का से किया नहीं किया का से किया

- (क) विवरण से हुई किसी नाम की वाबस, हक्त अभिनियम के अभीन कर बोने के अन्तरक को पाक्तिय में कमी करने या उत्तरों क्याने में सुविधा के सिए: और/मा
- रेंख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192↑ (1922 का 11) या उद्यस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गथा। जया था का किया जाना चाहिए था, जिनार्थ को सर्विभा के सिए:

भतः शव, उक्त अभिनियम की धारा 26प-ग के उनसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--11-366 GI/85

- (1) 1. मैंसर्स श्रोरनंजी वैमिकल इण्डस्ट्रीज सोनीपत द्वारा श्रीमती सान्ता कपूर पित श्री भीम सैन नि० मकान नं० 2/6 माडल टाउन 2. श्री श्ररुण कुमार कपूर पुत्र श्री भीम सैन कपूर नि० म० न० एज० 5/1 माडल टाउन दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) 1. रमेश चावला (2) सुरेश कुमार (3) श्री श्रशोक कुमार पुत्न श्री देव राज नि० ए०/ इन्द्रपुरी, सोनीपत।

(भ्रन्तरिती)

को यह क्षणा बारो करके क्योंक्त सम्पर्तिता के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कुक करता हुं।

## तनत तन्त्रहित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🌤

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारी हैं वें 45 दिन की अवधि या तत्तं वंधी व्यक्तिया पर तृथना की तानीम से 30 दिन की व्यक्ति, जो भा अवधि बाद में तमाप्त होती हो, के शीसर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय स 45 दिन के मींदर धक्त स्थावर सम्पर्ति में हित-बक्ध किली जन्म व्यक्ति क्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा तकेंगे।

प्रकारिकारण:---श्रुताओं प्रयुक्त शब्दों भीर पर्यों का, को उनक अभीभित्रम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं। कही अर्थ होता, को उस अध्याय में दिया कक्ष,

## वनुसूची

सम्पत्ति इण्डम्ट्रीज प्लाट 1761-3 वर्ग गज जो इण्डस्ट्रियल एरिया, सोनीपत में स्थित है जिसका विवरण रिजस्ट्रीकर्ता कार्यालय, सोनीपत रिजस्ट्री सं० 5092 दिनांक 6-3-85 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक।

दिनांक: 1-11-1985

प्ररूप आहं. टी. एन. एस. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

द्यर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक; दिनांक 24 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/हिसार/114/84-85---भ्रतः मुझे, बी० एल० खन्नी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00 000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० भूमी 51 कनाल 15 मरला गांव भयड़ तह० हिसार में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या-लय, हिसार भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के भ्रधीन विनांक 20-3-85

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रतिकल का प्रतिकत में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अस्तरितियों) के बीच एसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हैं लिखा में बाक्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में स्विधा के लिए;

(1) श्री टेका पुत्र श्री जोग राज पुत्र माया धन्द नि० भायड़ तह० हिसार।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शिव राम जिन्दल श्रीर पुत्रान (एच० यू० एफ०) नि० जिन्दल निवास दिल्ली रोड हिसार द्वारा श्री रित राम शर्मा।

(ग्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों , पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यकितयों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्याप्त;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभावित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति भूमी 51 कनाल 15 मरला जो गांव मायक तहु हिसार में स्थित है। जिसका विवरण रिजस्ट्रीकर्ता कार्यालय, हिसार रिजस्ट्री संख्या 6124 विनोक 20-3-85 पर दिया है।

बी० एल० खन्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिकिक व्यक्तिस्त्रमें, अर्थात् :—

दिनांक: 24-10-1985

मोहरः

प्रकृप कार्र े दी ु एक पुरुष्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट

नायकड वृधिनियस,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न् (1) के वधीन सुचना

#### भारत् चरकाङ्ग

कार्वासय, सहायक जायकर वायकत (तिन्दीकाण) अर्थम रॉज, रोहतक

रोहतक, दिमांक 25 अन्तूबर 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू हिसार 106/84-85---अतः मुझे, बी० एल० खनी

जायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त जीभीनयम' कहा जवा हैं), की जारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उपित् बाजार मृत्व 1,00,000/- रु. से जीभक हैं

श्रोर जिसकी सं० भूमि 13 कमाता गांव सात रोड कला तह० जि० हिसार में स्थित है (श्रोर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 के अधीम, तारीख 8-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए बल्तिरत की नई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं ६—

- (क) जन्तरण ते हुइ किसी भाग की बायत्, उकर श्रीपत्त्र के ब्लीस कह दोने के शंतरक के बायरण में कमी करने मा उससे बचने में स्वीवधाः के लिए; श्रीर∕बा
- (व) बोही किसी शांव वा किसी थन या बच्च वास्तिन।
  को, जिन्हें भारतीय जावकर जिम्मित्रम, 1922
  (1922 का 11) या उनत जिम्मित्रम, वा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जैं प्रयोजनार्थ अंतरिती बुनारा प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुनिधा वे सिक्ट;

अतः अब. उक्त अधिनियम की भारा 269-न के, अनुस्थन में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों क वर्षात् ■—— (1) सर्वश्री नोनी रामे (2) श्रर्जन दास (3) सजन कुमार, (4) राम निवास पुत्र श्री लखी राम, निवासी मण्डी श्रादमपुर, तह० व जिला हिसार।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्ज निरज जिन्दल इन्सेपट उद्योग प्रा० लि०, 13वी के० एम०, दिल्ली रोड़, हिसार।

(मन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुने।

**बक्षत दम्मरित में वर्षन के** सम्बन्ध में कोई भी नाजेंग क्र---

- (क) इत स्वान के रायपन में प्रकाशन की तारींच वें
  45 दिन की वनिष्या त्रसम्बन्धी स्थितयों पड़
  स्थान की तामीन से 30 दिन की जनिष, को भी
  वनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स
  स्थित्यों में से किसी स्थित ब्वास्;
- (क) इस सुकता के राजपूत्र में प्रकाशन की तारींक से 45 दिश् को भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववृष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पाद लिकित में किए जा सकेंगे।

## प्रनुसूची

सम्पत्ति भूमि 13 कनाल गांच सात रोड़ कलान सह० च जि० हिसार में स्थित है जिसका विचरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय हिसार में रजिस्ट्री संख्या 5804 दिनांक 8-3-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती, सक्षम प्राधिकारी; सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज, रोहटक

दिनांक: 25-10-1985.

मोहर ध

## वक्ष आहें. <u>सी. यम. एवं .</u>-----

जावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुखना

#### बाइव बडक्स

## कार्याजय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 ग्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०एक्यू०/करनाल/182/84--85:---आतः मुझे, बी०एल० खदी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-क के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्य है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं े भूमि 2 बीघा 7 बिसवा, करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यात्रय करनाल में भारतीय आयकर अधिनयम 1961 के अधीन, दिनाक 18-3-1985

को पूर्वों अत सम्पत्ति को उचित बाजार मूस्य से कम के करयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने था कारण हैं कि यथापूर्वों वत सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, असके कर्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्त उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निष्कृत में बास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं हि—

- (क) ब्लाइण चे इन्हें किसी बाय की बावत , उक्त बिभिनियम के बुधीन कह दोने के बन्तारक के वायित्य में कमी करने या उससे ब्लाने में सुविधा के लिए; बर्टिवा
- ्ष) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के अधिवार्ज बन्दरियों स्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बतः वय, उनत विधिनियमं की भारा 269-त में बन्सरण वें , में , उनत विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) वें वधीन , जिल्लीचित व्यक्तियों , सर्वात् म— (1) श्री सूखेन्दर सिंह पुत श्री रघबीर सिंह, निचासीं सेक्टर-4, श्ररबन ईस्टेट, करनाल।

(ग्रन्तरक)

(2) सर्व श्रीं मूल सिंह, 2. सुल्तान सिंह पुत्र श्री कियान दयाल, (3) राजन देवीं विज्ञों लेट करन सिंह, निवासीं कलन्धरी गेट, करनाल।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करुता हरूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् ह----

- (क) इस स्वान वे राज्यम में प्रकाशन की राहित के 45 दिन की अनुद्धित ना इस्तान्त्रणी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की नविंध, जो भी स्वाध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में है किसी स्वतित हुवारा?
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दूनारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और वर्षों का जो उक्त वरिष्टिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही कर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### मन्स्याँ

सम्पत्ति भूमि 2 बीघा 7 बिसघा करनाल में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीं संख्या 8352 दिनांक 18→3→85 पर दिया है।

> बीं० एल० खती, सक्षम प्राधिकारी, सेहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनौंक: 30-10-1985

प्रक्य आई. टी. एत. एत. -----

# माधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाक्षा 269-च (1) के स्वीय सूत्रना भारत संस्थार

कार्जालय , सहायक आयोजर जानसता (निर्माक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आर्षे० ए० सी०/एक्य०/सिरसा/5/84-85:-----श्रतः मुझे, बी० एन० खती,

बायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) (धिन्धं इसमें इसके प्रथात् 'उच्छ अधिनियम' बद्धा थया ही, की आरा 269-च से बधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निस्तास करने का कारण है कि त्यावर सन्तरित, जिल्ला उचित वाचार मूज्य 1,00,000/- रा. से बधिक है

और जिसकी सं० इन्डस्ट्रियल प्लाट (नं० 4, नई मण्डी, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नार्यालय, सिरमा में भारतीय आयकर अधिकियम 1961 के अधीन, दिनांच 28-3-1985 को पूर्वोंक्स संस्पत्ति के जीवत बाबार मृत्य से कर के स्वयमाण अतिफल के सिध अन्तरित की गई है और बहु विष्वास सम्भे का स्वयमाण प्रतिफल के सिध अन्तरित की गई है और बहु विष्वास सम्भे का स्वयमाण प्रतिफल है, एसे स्वयमान अतिफल का प्रवास प्रवास प्रतिफल के स्वयमाण प्रतिफल है, एसे स्वयमान जितकत का प्रवास प्रवास प्रतिफल के स्वयमान प्रतिफल के सिए तम पाया गया शिक्क के सिए तम पाया गया शिक्क के सिए तम पाया गया शिक्क के सिए तम की सिए तम पाया मया शिक्क के सिए तम से सिएत वहीं किन क्या है है—

- (स्त) बन्दाह्म सं शुर्ष किसी नाम की बन्दा स्थल वॉथ-पियम है बनीय कर वॉथ के बन्दरक के शांक्रिय में करी कहने वा स्पूर्त बच्चमें में सूरियम के बिक्; कीड़/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों क्ये, जिन्हें आरकीय काब-कर विधिवयक्त, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनवक, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजवार्ण अपतिरती ह्यारा प्रकट नहीं किया वाला वाहिए था, फिनाने में सविधा के दिन्हः

कराः कदः, उक्त जीवीक्यं की पारा 269-क के विक्यार में, में, उक्त जीविक्यं की भारा 269-क की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, जथित् :--

(1) श्रीमति विमला देवी पत्नी श्री केदार नाथ, सुपुत्र लाला कुन्दन लाल, निवासी सिरसा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम निवासी पुत्र श्री कुन्दन लाल, पुत्र लाला हरनारायण दास, 2. श्रीमती लीला देवी पत्नी श्री वेद प्रकाम, पुत्र लाला कुन्दन लाल, निवासी सिरसा।

(ग्रन्तरिती)

को यह जूपना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कावधाक्षियां करता हूं।

## क्का प्रमाधि के अर्थन के सम्मान में कोई भी वालेन :---

- (फ) इस सूचना के राज्यना में प्रकाशन की वारीच से 45 दिस की अवीध वा तत्त्रं वंधी व्यक्तियों पर सूचना की वानीज से 30 दिन की वनीध, जो भी अवीध बाद में सनान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकायन की तारीस सं 45 दिन के मीछर उनता स्थायर सम्पत्ति में हिल-वस्य किसी बन्य व्यक्तिय व्यास अभोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए या सकती।

स्वकास्थः -- इक्षवे प्रवृक्त सम्बा और पर्यो का, को उक्त वाविववत, को अध्याव 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होना, जो उस अध्याम में विवा स्वा है।

## **बन्**स्ची

सम्पत्ति भूमि 5000 घग गज इन्डस्ट्रियल एरिया 4, नई मण्डी में स्थित है जिसका चिवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय सिरसा में रजिस्ट्री संख्या 5512 दिनाह 28-3-85 पर दिया है।

> बी० एल० खत्नी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 4-11-1985.

मोहरः

प्रकप बाह्रौ.टी.एन.एस. ------

भावकत स्थितिस्म्तः 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के स्थीन स्थान

#### 

## कार्यात्म, तहामक नावक र शामुनत (विलीधान)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/गुड़गावां/७०2/८४→ ८५:—-श्रतः मुझे, बी० एल० खत्नी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करूने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि 7 बीधा 10 विसवा पुकता गांवनाथूपुर जिला गुड़गावां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींकर्ता अधिकारी के कार्यीलय, गुड़गावा में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 21-43-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता जिलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यत बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तम पाया गया प्रतिफल स्थ से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी बाय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ अन्यरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जियाने में स्विधा के किया।

नतः नव, उक्त निर्मियम की धारा 269-व के नन्सरक में, में, उक्त निर्मियन की भारा 269-व की उपधारा (1) के सधीतः, निर्मितियत मिन्सियों, ने स्थीत् क्--- (1) श्री खचेडू पुत्र श्री चेत राम, 2. धर्मो पुती नथे राम, 3. श्री जगता पुत्र श्री नथे राम, 4. श्री हरी सिंह पुत्र श्री नथे राम, 5. श्री ध्रमर सिंह पुत्र श्री नथे राम, 6. उगानता पुत्री श्री नाथे राम, 7. सुमन पुत्री नये राम, 8. श्री ध्रनन्त राम पुत्र श्री राम लाल, 9. श्रीमति ज्ञान वती पुत्री श्री राम जी लाल, 10. श्री फते सिंह पुत्र श्री मोती, 11. श्री मित तिजी लेट श्री सबे सिंह, 12. श्री अंगूरी पत्नी समे सिंह, 13. श्रीमती प्रेम वती पुत्री समे सिंह, 14. रिकान सिंह पुत्र श्री भूला, 15. श्री शिष घरण पुत्र श्री भूला, 16. श्री श्रतर पुत्र श्री भूला, निवासी गांव नाथूपुर, तह, व जिला, गुड़गांवा।

(ग्रन्मेरक)

(2) मेसर्स डीं० एलं० एफं० यूनिधर्सल लिमिटेड, 21-22, नरेन्द्रा पलैंस, पालियामेंट स्ट्रट, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीब कै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गस विचित्र में किए का स्कूचे 🛈

स्यव्यक्तिकरणः - इसमें प्रयुक्त करूरे और पर्यो का, को उक्त अभिनियम्, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही जुर्थ होगा को उस्र अभ्याय में दिया प्रवाह हैं।

## वनुसुची

सम्पत्ति भूमि 7 बीघा 10 बिसवा पुत्रक्ता गांव नाथुपुर जिला गुड़गांवा में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रींकर्ती कार्यालय गुड़गावा रजिस्ट्री संख्या 8130 दिनोक 21-3-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजॅन ग्रजैन रेंज, रोहतक

विनोक: 30-10-1985

मोहरः

प्रकृष् बाह्री. टी.ः एनः एसः ------

भागकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सूचना

#### शास्त्र ब्रुक्त

कार्यालय, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 25 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/हिनार/112/84-85:---

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहस्कत् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विषयस करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 64 कनाल गांध सात रोड़ कलो तहु बिं जि हिसार में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय हिसार में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 13-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए जन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त तम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिफल का अन्तर प्रतिफल को अन्तर प्रतिफल को अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निचित में व)म्तविक एप से कथित नहीं किया गया है ए—

- (क) बन्तालन ते हुई किसी नाव की बावत उक्त विध-निवंश की बधीन कर दोने की बन्तारक को दावित्व में कमी करने वा उक्त विषयों स्वृतिभा की लिए, और/वा
- (थ) एसी किसी जाय वा किसी थण वा जाय आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या खक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्जाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा वो लिए;

जत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ण की उपधा**रा (1) क अधीन<sup>™</sup>, नि**क्लिसित व्यक्तियों, गर्यात् ...**  (1) श्रीमित भूला विडो श्री मिमी लाल, पुत खुबी 2. श्री जय सिंह पुत श्री मिमी लाल नेत श्री खुबी 3. श्रीमित परबाता विडो श्री हरी लाल नेत श्री खुबी 4. श्रीमिति प्रकाशी विडो श्री देवी राम, श्री हर लाल 5. श्री राम फल पुत्र श्री देवी राम पुत्र हर लाल 6. श्री राम सती पुत्र श्री देवी राम पुत्र हर लाल नि० गांच सात रोड़ खुवें तह० जि० हिसार।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शिव राम जिन्दल और पुत्र जिन्दल हाउस, (जिन्दल निवास), माज्जल टाउन, हिसार।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी कर्यके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के निए कार्यवाष्ट्रियां करता हूं।

## उक्त सभ्यत्ति के क्ष्मिन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्यीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और वदों का, थे। उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः ही, वहीं अर्थ होगा थे। जस अध्याय में दिया वदा ही।

## नमृत्यी

सम्पत्ति भूमि 64 कनास गांव सात रोड़ कलां तह० जि० हिसार में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय हिसार रजिस्ट्री संख्या 5919 दिनांक 13-3-85 पर दिया है।

> बी॰ एल**॰ खत्री,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त निरीक्षण, म्राजेन रेंज, रोहतक

दिनाक: 25-10-1985.

मोइर:

## प्रकार कार्ष . दी . इष . एख . .... ------

भागकार अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्पना

#### भारत सरकार

## कार्यासय, बहायक बायकर बाय्क्स (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 24 श्रक्तूबर, 1985

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसने इसने परणात् 'उक्त निधिनियम' कहा गवा हैं), की बाधा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाधार मूल्य 1,00,000/- रु. से निधक है

और जिसकी सं० भूमि 12 कनाल गांघ सातरोड़ कला तह० हिसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हिसार में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक 8-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवजान प्रतिफल के लिए अंबरित की गई है और मुम्में वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिसत से अधिक है और वंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंदरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त , निम्निलिचित उच्चेक्स से उच्च सन्तर्ज मिनियत में वास्तर्भ किंदर रूप से क्षियत नहीं किया नवा हैं.

- हैंक) अन्तरक में हुई किसी बाव की बाबता, उनत वींपीपवन के बचीन कर मेंने के अन्तरक की वांदित्व में कहीं कर्तने वा उसके वचने में सुनिधा अंतिए; सुर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी थन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अशः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण का, भी उपकार अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निध्निवित व्यक्तियों, नर्धात्

(1) श्रीमित भगवन्ती पत्नी श्री नोनों रामे, श्रीमित नान्ता देवी पत्नी श्री सज्जन कुमार, निवासी मण्डी श्रादम पुर, तह् जि हिसार ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं सर्स निरंज जिन्दल इन्संपट उद्योग प्रा० लि॰, 13वां के॰ एम॰, दिल्ली रोड़, हिसार।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के क्यूंक्र कार्यवाहियां कुरुता हूं।

## **उन्द** संपृतित् **में नर्जन में संबंध में कोई** भी बाक्षेत् :---

- (क) इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाबन की तारीख के 45 दिव की जबीध या तत्संस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीत से 30 दिन की व्यक्तिया, जो भी जबीध बाद में समाध्य होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वायः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के मौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी मन्य स्थावत व्यारा, अभोहत्ताक्षरी के पास सिविक में किए का सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः—इतमें प्रमुख्य सन्दों और पदों का, को उन्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिशायित हुई बहुरै वर्ष होगा को उस अध्याय में वि नवा है।

#### अनुजूषी

सम्पत्ति भूमि 12 कनाल गांघ सात रोड़ कलां तह० व जि० हिसार में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्री कर्ता कार्यालय हिसार रजिस्ट्री संख्या 5806, दिनांक 8-3-85 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 24-10-85.

प्रस्प आईं.टी.एन एस. -----

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्कण)

श्रर्जन रेज, रोहतक

गोहतक, दिलां च 25 श्रक्तूबर, 1985

निर्देश मं० प्राई० ए० मीं०/एक्यू०/हिसा /110/84~85:---- प्रतः मुझे, बी० एल० खदी,

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/-रा. ये अधिक है

और जिसकी मं० भूमि श्राट कराय गांच सात रोड वला तह० दि० हिसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण चप में वर्णित है) रदिस्ट्रींकर्ता श्रिध ारी के वार्यालय हिसार में भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1961 के श्रीधीत, दिनाक 8~3-85

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि वधा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित कारण माय, उसली दृश्यमान प्रतिफल प्रदृष्टमान प्रतिफल प्रदृष्टमान प्रतिफल प्रदृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक में और अंतरित (अंतरितमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिसित उद्दश्य में उश्व अन्तरण लिसित में यास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिपिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मिशिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनआर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

बत: अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ए के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :── 12 —366 GI/85 (1) श्रीमित गान्ता देवी पत्नी श्री सज्जन कुमार, श्रीमित भगत्रन्ती देवी पत्नी श्री नानों रामे, मण्डी श्रादम पुर, तह० हिमार।

(अन्तर्व)

(2) मैं उसी निराज चिन्दल इन्मेपल उद्योग प्रा० लि०, 13वा के० एम०, दिल्ली रोड़, हिसार।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसक्ष किती अच्य अधिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

## अमृम् ची

सम्पत्ति भूमि 8 कानाल गाव सात रोड़ काला तहर जिर हिमार में स्थित है जिसका विवरण किस्ट्रींकर्ती तार्याक्य हिमार रिक्स्ट्रीं संख्या 5808 दिनाक 8--3--1985 पर दिया है।

> बीठ एलंठ खन्नी, भक्षम प्राधितारी, महायक द्याय २ द्रायुपत (जिरोक्षण), स्रोतंत राप्त, रोहत्वर

दिनाक : 25 ·10-1985.

मोहरः::

प्रकथ बाहे . दो . एन . एस . ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सृचना

#### भारत क्रकाह

## कार्गालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोह्ना

रोडर 🖰 दिनां ५ 30 श्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/करनाल/175/84--85.→-श्रतः मुझे, बी० एल० खत्री,

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् (उकत अधिनियम कहा गया ही), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपन्ति, जिसका उचित बाजार भून्य 1,60,000/- रा. से अधिक है

अो जिसकी सं ० भूमि 37 जिला 7 मरला गांव के नवा हरी तह ० वरनाल में स्थित है (और इस में उपाबद्ध प्रनृक्ष्मी में और पूर्ण कप से वर्णित है) जिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के वर्णित हैं) जिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के वर्णित हैं। जिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के वर्णित हैं। जिस्ट्रीकर्ता अधिकार में भारतींय आया अधिकार अधिकार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई हैं। और मृत्र यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाण्वींक्त मम्पिन का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से प्रमें दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरित (अत्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्थ से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बच्चने मे सुविधा के लिए; और/या
- ेश ) उसी किसी बार या किसी अन या अस्य अपित्यं के किसी बार या किसी अप्य-लंग अपित्यं में , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधित्यं में , गर्भ कर अधितियम , गर्भ कर अधितियम , 1957 (1957 का 27) के अभेजनार्थ अस्पितियम , 1957 (1957 का 27) के अभेजनार्थ अस्पितियम , विश्वा विवास प्रकट नहीं किया गया था या किया जल्म भाहिए था , कियाने में सविधा के धिमा;

भतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरक मा. मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) जै कारित किलियक व्यक्तियों, समित् हु--- (1) श्री प्रभ प्याण सिंह पुत्र स्ती प्रसुमन स्ति, निंव काठी नव 530 एलंव, माडा टाउन, रायनाम (मुख्तयार एमंव) , श्रीमित प्रीत पाल कौर 2. श्रमरीत कौर, 3. राजेन्द्र कीर 3 सूरेन्द्र कौर, निव 530-एल, माइल टाउन, उरनाव ।

(अन्तरः)
(2) श्री आम प्रकाश के श्री सुमेर चन्द, अश्री अमशेर
लिह पुतान श्री सिंह राम के श्रीमित सुनहरी देवी,
विडो श्री मेवा किह,
निरु अशोह नरशरी,
कुन्त पुरा रोड़, भरनाल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोर्ट भी आक्षेप .---

- (क) इस स्थान क राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख में 45 जिन की सर्वाध के तत्सक्त्रनधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील ६ 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के सामान होती हो, के भीतर प्रकेश कार्कियों में में किसी शक्ति स्वारा;
- (स) इस मूचना के राज्यपत्र में प्रकारन की हारीस से 45 दिन के भीतर उन्धारनातर सम्पत्ति में हितस्वक्ष किसी अन्य त्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाम विभिन्न में किस की सम्मति।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धन्मूची

ाम्पत्ति भूगि 37 अनाल 7 मरला गाव र लघा हरी तह० व जि० वरनाल में स्थित है जिसका विघरण रिजिस्ट्रीवर्ता नार्यालय राजनाल रिजिस्ट्री संख्या 8099 दिनाव 3--3--85 पण दिया है

> बी० एउ० खती, त्थम प्रांत गरी, सहायक्त प्राय: र प्रायुक्त (दिक्षण), सर्जन रेए, रोहनक

दिनांक : 30-10-1985-

## प्रक्ष बार्ड. टी. एन. एस:-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज, रोहतक

रीहतक, दिनांक 4 मवम्बर, 1985

निर्देश मं० आई० ए० सी० एक्यू० फरीदाशास 40 84-85:--अत: मुझे, बी० एल० खती,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें (सके पश्चात् 'उक्त जिमिनयम' कहा गवा है), की भारा ?69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का अपरेश हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका स्रोबत बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि 34 कनाल 4 मरला खेड़ी जमालपुर तह० फरीधाबाट में स्थित है (श्रीर इससे अपायद्ध अनस्भी में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), पिल्स्ट्रीय तो अधिवारी वे वार्य लय फरीदाबाद में भारतीय आयवर अधिस्थिम, 19(1 के अधीन दिनांक 28-3-1985

का पूर्वियत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान तिएल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करन का कारण हो कि प्रधापनित्त सम्पत्ति का उचित बाजार पून्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिक्षन का न्द्रह प्रतिशत आधक हो और अतरक (अन्तरकों) और कन्तरिता (अन्तरितिशी) के बाज एस जन्तरण के लिए स्य ग्या गया प्रतिकान, निम्निजिवित उपुरोध से उक्त संतरण मिवित में बास्यिक ल्या से किंशत नहीं किया गया है के

- (क) जन्तरण सं हुइ किती बाध की बाबक, उक्क अधिनियम के वधील कर दोने के अन्तर्क के वावित्व में कबी कहने वा अज़के बचने में जुविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी साम मा किसी भन या नत्य मास्तियों
  के किन्हें भारतीय आय-कः अधिनियम, 1922
  (1922 के 11) या जनत कौ बीनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया क्या भा या किया खाना आहिए था, कियाने में सुनिभा के लिए;

अतः अवः, उकः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण , मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री दनकीर पुत्र श्री यासुफ, नि० खेड़ी जमालपुर, नहु० व जिला फरीदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री खोरी फार्म लेन्डर प्रा० लि० द्वारा, जुल्खा करनीक पत्नी श्री उमेश करनीक नि० 5-सी०, फैन्डस कालोनी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्मिरित के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पृत्ति के कर्पन की संबंध में काई भी नाओप ;---

- (क) इत स्थान के टायपन में प्रकाशन की तारीब पे 45 दिन की खनींथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासील से 30 दिन की बनींथ, जो भी अनिथ बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपन मां प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हिन-ब्यूप किसी बन्य स्थानत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्क अधिनियम, को अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं:

## प्रनुमुची

सम्पत्ति भूमि 34 कनाल 4 मरला खेड़ी जमार पुर तह० व जिचा फरीदाबाद में स्थित है जिस हा विवरण रिजस्ट्रीकर्ता कार्यालय रिजस्ट्री संख्या 5377 दिनांक 28-3-85 पर दिया है।

> ी० एल० खन्नी, संज्ञम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण), अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 4-11-1985.

प्रकृष बाद'. ही. धृत्, एस.--------

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के अभीत नुचना

#### गारम सहस्राह

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जेम रेज, रोहतक

रोहतक, दिमांक 4 नवम्बर 1985

मिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/फरीदाबाद/41/84-85:—अत: मुझे, बी० एल० खत्नी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमा इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,,00,000/- रु. स अधिक है

श्रौर जिसकी स० भूमि 34 बनास 4 मण्ला खेडी गमलपुर, तहसील व जिला फरीदाबाद में स्थित है (श्रीर डरासे उपाबद्ध अनुभूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदाबाद में भारतीय आयकर अधिकारी हैं। अधिक दिस्ता 28-(-85

को पूर्वोक्स सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और बुक्त यह विषवास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के जिल्ल एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित अद्धर्य से उक्त जन्तरण निजित में वास्तिक रूप से कृतियत निशा कि गया है —

- (क) बन्तरक से हुई कियी बाय की बायत, उपरा वीधियवन के बधीन कर दोने के संसारण के दायित्व में कमी करने या उनसे बचारे से श्विधा के सिक्, और/था
- (ण) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्ध बास्तियां का, जिल्ही भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 की 11) या उत्का लिधिनियम, वा धनकर बिधिनियम, वा धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया करना काहिए था छिपाने क व्विभा के सिद्ध;

वतः वतः वस्त विधिनियम की धारा 269-म के अनसरण वे. में, शक्त विधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती मुलेखा पुत्र श्री योमफ, निवासी, खेडी जमाल पुर ।

(अन्तरक)

(2) खोडी फार्म लन्डर प्रा० लि० द्वारा, जुलेखा करनीक पत्नी उमेश करनीक, 5-सी, फैन्डस कालानी. दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारा करक पृत्राक्त सपात्त क नर्चन के निष् कार्यवादिस करता हा।

उक्त सप्तित के वर्षन के सबभ में कोड भी बाक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर . सूचना का तामाल में 30 दिन की अवधि , जो भी क्रमीच बाद में समाप्त होती हो . के भीतर पत्रोंकल खादिलगों में से किसा क्रांतिन दवारा,
- (ब) इस सूचना क राजप अस्य पकाशन को ताराई स 45 दिन के भीतर उक्त भ्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध स्यक्ति द्वारा सभोजस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वक्टीकरणः --इतम प्रयुक्त शब्दां और पदां का, आ उपके अधिनियम, कं अध्याय 20-क में परिभाजित है, बही वर्ष होगा, त्रांडन अध्याय अ 'द्रशानकाक्रे

## अनसूची

सम्पत्ति भूमि 34 कनाल 4 मरला खेड़ी जमालपुर तह० व जि० फरीदाबाद में स्थित है। जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय फरीदाबाद रजिस्ट्री संख्या 5376 दिनाक 28-3-85 पर दिया है।

> बी० एन० खती सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहनक

दिनांक: 4-11-1985

## श्रुक्तम आहुर्य , स्टी , एस् , एस् , च ०००

बायकर वाँभीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

#### मारत उरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 अक्तूबर 1985

निर्देशसं० आई० ए० मी०/एक्यू०/अम्बाला/ 165/84-85:---अतः मुझे, बीं० एस० खन्नी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्ण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उजित वाजार मृज्य 1,00,000/~ कि. से अधिक हैं

भ्रौर जिस्की स० मकाम न० ए० एम० सी० 1326 ब्लाक IV मार्चः मेहत्ला, अम्बाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाध्यद्ध अनुसूची में भ्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अम्बाला मे भारतीय आयद र अधिः रम, 1961 के अधीन, दिमाक 29-3-85

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार भून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसं दश्यमान प्रतिफल का बन्तर प्रतिफल का बन्तर प्रतिफल का बन्तर प्रतिफल का विद्यास से विधिक है और बंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) क बीच एस जन्तरण का लिए उस पासा ग्या प्रतिक का निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बांस्तिक क्या से किथित नहीं किया गया है क्या

- (क) अन्तर्भ में हुन् किसी बाय की बावक उपन करिय-भियम के अभीन के पूर्वन के अन्तर्भक के वायित्व में कामी कारते या उससे अपने में सूनिभा के लिए; शक्तिंगा
- (क) एसी किसी जाव वा किसी धन या जन्म जास्तियों का, चिन्हें आरतीय आयंकर अधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उनके विश्वित्व, या पूर्व कर आधिनयम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ जन्मरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चालिए था, जिनाने वे सृत्वि। का वस्तु

धतः स्व, उपत वीधीनयम की भारा 269- में अनुस्रम में, में, उक्त विधिनयम की धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिश्वित व्यक्तियों, वर्धात्:—

(1) श्री नारा चन्द पुत्र श्री निधम सिंह, श्री तरपत जीन मायर, विडो श्री सरदार सिंह, मि० हाउस नं० 4559/3, अम्बाला शहर।

(अन्त रक)

(2) श्री हरबन्स लाल, 2. श्रीमित लक्ष्मी देवी, विडो श्री राम किशम, नि० साहबाद मारकन्डा, नजदीक मिरकारी भवम, जिला कुरूक्षेत्र।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी कारके पूर्वीक्त एम्पोर्ट से अवन् के जिद कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त राज्यत्ति के वर्षन के राज्यत्व में कोई थी बाक्षेप:---

- (क) इस बूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की सबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविभ, जो भी अविभ बाद में तमान्त होती हों, से भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बब्ध किसी बन्ध व्यक्ति दवारा, अभोहस्ताक्षरी के पाच-निवित्त में किए का सकतें।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाधिष्ठ हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनसूची

सम्पत्ति मकान नं० ए० एम० सी० 1326 ब्लाक 4, नावी मोहल्ला अम्बाला शहर में श्थित जिसका विवरण र्यजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय अम्बाला रिजस्ट्री संख्या 8893 दिनांक 29-3-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहत ह

दिनांक: 7-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1964 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार कार्यालय , सहायक सायकर आधुक्त (निरक्षिण)

अर्ज न रेंज, रोहनक

रोहतक, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निर्देशसं० आई० ए०/सी० एक्यू०/पानीपन/132/84-85:--अतः मुझो, बी० एल० खन्नी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त 'धिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अधीन मक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० टी०, 7-88 !- 1/3 वर्ग गज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक मार्च, 1985

को पूर्वेक्ति सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृज्ञे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्फ (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुं किसी आय की बावता, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधी? में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किनी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा को लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्री जय कंबर सिंह पुत्र श्री रघबीर सिंह, निवासी 106/5, पानीपत 2. श्रीमति ऊशा रानी विडो श्री राज कुमार, नि० 83-बी० वजीर चन्द कालोनी करनाल।

(अन्तर ह)

(2) मैसजं अहूजा टक्सप्टाईज श्रीर कमीकल प्रा० लि०, रिजस्टर्ड आफिस प्लाट नं० 104, सेक्टर 15, फरीदाबाद, द्वार श्री सुरेन्द्र मोहन पुत्र श्री कुन्दन लाल आहुजा, प्लाप्ट नं० टी-7।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथाक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कामबाहिया करता हा ।

## उन्त सम्बन्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी जाक्षेत्र :----

- (क) इस नुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों घर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भौतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रधुकत सन्दों और पदों का, जो अकत व अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गवा है।

## धनुसूची

सम्पत्ति भूमि नं ० टी-- ७, ४८४/3 वर्ग गज पानीपत में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता ठार्यालय पानीपत रजिस्ट्री संख्या 6072 दिनांक महीना मार्च, 1985 पर दिया है।

> बी॰ एल॰ खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, रोहतक

दिमांक: 6-11-1985

## प्ररूप भार्दे. टी. एन. एस. ------

कांधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिनाँक 6 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी० एक्यू०/पानीपन/135/84-85:---यतः मुझे, बी० एन० खत्री,

भायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के कथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्तास करने का फारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि 17 कनाल 19 परला गाँव तिवाह, तह्० पानीपत में स्थित है (श्रीर इंग्मे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिनस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पानीपत में श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनाँक 19--5-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तब या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण इक्ति में य-स्तविक रूप से किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुड़े किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दर्ग के अतरक के दायित्य में कमी करने या उसस बचने म स्विधा के निए; सौर/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 के 27 प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शिहए थो, खिपाने में सुविधा के लिए;

क्रमः अब, उक्न अधिनियम की धारा 269-ग है अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्धात् :--- (1) श्री प्रप्ताण पुत्र श्रा बक्ष्णा, विवासी निवाह, तहसील : पानीपता

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्ज भागमल और पुत्रान द्वारा, द्वारका दास महाजन, नि० श्रानन्द प्रभा भवन, मञ्ज्यूल रोड़, अमृतगर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्चाना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में से किए वा सर्कोंगे।

स्मष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## धनुसूची

अम्पति भूमि 17 एताल 19 माला गाँव तिवाह तह० पानीपत में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय पानीपत रजिस्ट्री संख्या 6220 दिनाँक 19-3-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनाँक: 6-11-1985.

मोहरः

प्रक्ष बाद् .टी. एन. एस. -----

माग्रास्य मधिनियदः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-र् (३) े अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज रोहनक

रोहतक, दिनाँक 5 नवम्बर, 1985

निर्वेष सं० श्राई० ए० मी० एक्यू०/पानीपन/130/84-85-भनः मझे, बी० एल० खन्नी,

कायकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनिष्म' कहा गया हैं), की धारा 269-- के अधीन सक्षम ', धकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उर्धित गंजार मृज्य 1,00,000 रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० भूमि 5 बीधा 4 विभवा, तरफ इन्मार, पानीपत में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय पानीपत में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रिधान, दिनाँक 1-3-1985 को पूर्वोक्त संपर्तित के उच्चि बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई हैं और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथामुवॉक्त सम्मत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तृह श्रीतकत है बिक्यामान प्रतिफल ने पन्तृह श्रीतकत है बिक्यामान प्रतिफल के पन्तृह श्रीतकत है ति स्थापान प्रतिफल के पन्तृह श्रीतकत है कि प्रतिफल के पन्तृह श्रीतकत है ति स्थापान हैं स्थापान प्रतिफल, निम्निचिच्च उद्देश्य से उच्च बन्तरण तिकत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व मों कमी बापने 177 जभसे बचने मों सुविधा के लिए; बॉर्ट?
- (च) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें रितीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दृष्ट , प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निए।

अतः अब उँ अधिनिय∓ की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्ट बांचनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन., िप्निनिचित के लियों, अधित ----

(1) श्री जगजीन पिह पुत्र श्री केहर मिह, नि० डेरा कला सिंह, तरफ इन्सार, पानीपत।

(ग्रन्तरक)

- (2) मैं सर्म एस० के० टैक्सटाईलज जो० टी० रोड़, पानीपत द्वारा 1. श्री श्रोम प्रकाश पुत श्री मृती लाल, 2. राजेन्द्र गर्ग पुत्र श्री श्रहस मल,
  - 3. श्री रामरिखपाल पुत्र श्री शाम लाल,
  - 4. श्री सुरेश गर्ग पुत श्री श्रोम प्रकाश,
  - 5. श्री राम करन पुत्र श्री शाम लाल।

(श्रन्तरिती)

को ् श्रृथना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिस् कार्यना ह्या जाता हुः

## उक्त ६ अति के बर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की अर्थि 77 तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र का प्रकासन का तारीब वें 45 दिन के भीतर उपन स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी बन्य स्पिक्त (वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए , सकने।

स्वक्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ज जिथिनियम, के अध्या. 20-क में परिभा है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिन, गया है।

#### नम्सूची

सम्यत्ति भूमि 5 बीघा 3 बिसवा तरफ इन्सार, पानीपत में स्थित है जिसका त्रिवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय पानीपत रजिस्ट्रो संख्या 5952 दिनांक 1-3-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती, ाक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहना

दिनाँक : 5-11-1985.

परूप वाइ . टी . एन . एस . ------

श्रायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 03) की भारा 269-म (1) के अधीन सुच८।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर अन्यक्त (निरीक्षण)

धर्जन-रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनौंक 13 नवस्वर 1985

निर्देश सं व छाई० ए० सी ०/एक्यू ०/पानी पतः / 136/84-85:---

कायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रिसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा अय हैं), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह 'विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसाना प्रिचत बाजार अस्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

भीर जिल्ली सं० भूमि 17 कनाल 1 मरला गीव मोहाली में स्थित है (भीर इपने जपाबद अनुसूची भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री ति भिक्षिकारी के कार्यालय पानीपत भागतीय से आयकर भिक्षित्यम, 1961 के श्रयोन, दिनों के 20~3-1985

को पर्नोगत सम्मित क जिन बारार मृत्य म कम सा र स्थापन प्रतित्वल को लिए अन्तरित की गर्म । १८ मार्थ गह विश्वाम करने का कारण है कि यथापर्वीक सम्पति का उचित बाजार भूल्य, उसके दूरप्रमान प्रतिकृत भ एगे रूप्यमान प्रतिकृत का पन्तह प्रतिवान में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच गिसे वन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकृत, जिन्निकित उद्योध्य में उनत अन्तरण जिल्हित भे सम्बद्धिय मार्थ किम्त नहीं किया गया ही .——

- (क) अन्तरण से हाई किसी शाम शी बाम्स, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा को सिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी बन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आगकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ना अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1927 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिसी द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया साना साहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

बत्र अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण दें, भें उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर निम्नीलिखन व्यक्तियों, अधीत :--- (1) भी फ़ुष्म कुमार श्री पुत्र श्री हुक्म कर्द, नि॰ सुभाष सपैयर पार्ट, मेता जी सुभाष कन्द्र मार्ग, वरियागंज, दिल्ली।

(मन्तरक)

(2) श्रीमित संविता नागर पत्नी श्री श्रामेक कुमार, निवासी 87-एल, माङ्कल टाउन, पानीपत।

(भन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के वर्षन के सिद् कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में न्येड्र भी बाक्षोप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में अक्शान की तारीब से 45 दिन की अविध ना शरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की बन्धि, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीचा है 45 दिन के भीतर उक्त स्थम्बर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ब मेहस्ताक्षरी के पाक तिचित में किए जा सकें 🗥

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रवृक्त कब्दों और पदों का, जो उपक सीधीनयम, के बा का 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंग जो उस अध्याय कें दिक्रा गया हैं।

#### यन्त्रुची

सम्पत्ति भूमि 17 कमाल 1 मरला गाँव मौहाली में स्थित है जिजका विवरण रजिस्ट्रीकर्ती कार्यालय पानीपत रिअस्ट्री संब्या 6233 दिनौक 20-3-85 पर विया है।

> बी० एक० ख ती, सक्षम प्राधिकारी, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, रोहतक।

दिनांक: 13-11-1985

प्रकार बाह", जो, एवं, एकं,-----

बावकार नाभिनायम, 1961 (1961 का 43) की भारा १९७ । भो नाभिण सुबना

भारत शरकार

चार्यालय, बहायक आयक्तर बायुक्त (निर्देशक)

घर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनौक 8 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सो०/एरप्० बहादुरगड़ /8/84-85:--प्रा: मुझे, बी० ए ल० खत्री,

नागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिर री की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर मा ति. जिसका उचित नाबार मूल्य 1,00,000/- रुत से एक हो

श्रीर जिसकी सं० भूमि 12 कताल 3 मरला गाँव सराय श्रीरंगाबाद तह ० बहादुरगढ़ में स्थित है (श्रीर इ गने उगाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रीध कारी के कार्यालय बहादुर गढ़, भारतीय श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 के श्रिधीन, दिनौंक 2-3-1985

को पूर्वीक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे विश्वास प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंत के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिचिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाल की बाबत, उक्त आभिन्यम को जभीन कर े के ब्रस्तरक के समित्व में करी करूचे ना अक् कृते में शूर्विका भ तिस्त नोहर/ना
- (क) एसी किसी आप या किसी धन या क्रम्य क्राम्सियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-राधिनियम, (1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याप प्रकट की किया गया वा सा किया वावा वाहिये । क्रिया में स्वीवया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धां 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निचित व्यक्तियों, भीतः :--- (1) श्री जिले सिंह पुत्र श्री विरन्जी लाल, नि० बहादुर गढ़।

(मन्तरक)

(2) मैं सर्ज पटेल श्रकेश्वर इण्डिया शा० सिमिटेड, ई० डी०/19,' टैगोर गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीकर किन के लिए कार्यवारिक एक करता हूं।

उक्त संपर्िक के अर्जन के संबंध न काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी आधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत विस्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हित-बवध किसी व्यक्ति ख्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिख्ति में किए जा सकेथे।

स्पद्धीकरण: -- इरामें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

## धन्युची

सम्पत्ति भूमि 12 कनाल 23 मरला सराय भौरंगाबाद तहु॰ बहाबुर गढ़ में स्थित है जिस का विवरण रिजस्ट्री वर्ता भ्रति। मिलम बहाबुरगढ़ रिजस्ट्री संख्या 3457 दिनाँक 2-3-1985 पर दिया है।

बी० एस० खती, सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर धायुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 8-11-1985

प्ररूप बार्ड , टॉ. एन. एव.,------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 छ (1) के मुधीन सुवता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निर्दाक्षण) धर्जन रेंज, रोहतक

रोहत १, दिनो ३ ८ नवम्बर, 1985

निर्देश सं० माई० ए० सः०/एक्यू०/गृह्णांयो/706/84-85:--माः मुझे, बा० एल० खन्नो,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हे कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिल्ला संज्ञान पलार नंज 580/14, गुड़नाया ने स्थित है (भीर इतते उपावड भनूपूना में श्रीर पूर्ण रूप ते विणत है), पिनस्तानी श्रीधानित से पार्यालय गुड़नावा में भारत य भारत स्थायकर भविनियम, 1961 के श्रवान, दिना : 27--3-85

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रवयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्धह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमीं करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

वतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग क, अनुसरण वै, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) जै अधीन, निम्नीनिश्चत व्यक्तिस्थां, निभातकः— (1) श्री मिति वीना जैन पत्न. श्र. प्रशोद कुमार जैन, नि० 106, होंच खास इन∶लैंप, नई दिल्ले ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्राः कंवल राज सधाना, पुत्र श्राः हेम राज, निवासी : 23, मोर्ताः नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तिरती)

बी यह सूचना जारी करक पृषांक्स सम्परित क अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हुँ।

## उनत सम्परित के बजन के सम्बन्ध में जोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचन गके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना को गाजपत्र यों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीत्र उत्ता स्थायर सपीत्रा में हिस- सब्ध किसी अन्य स्थावत ब्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकीन।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

सम्म मिस एन फ्लोर नं 2 580/14 गूडनाया में रिश्त है जिताम जिनस्प रिजिस्ट्र कर्सी नार्यालय गूड़गाना रिप्स्ट्र संख्या 8229 दिनों र 27-3-85 पर दिया है।

> वा० एका० खता, ज्ञम प्राधि तरी, सहासम मायकर मायुक्त (निरक्षण), प्रजन रेंज, रोहतक

विनाक: 8-11-1985.

मोश्वर :

## प्रकल बार्ड . टी . एन . एस . ------

वायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के वभीन स्वना

#### बाइट बहुकार

## कार्यायम , बहायक नायकड नाय्कत (नि.सीमान) यजेन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 नवस्वर, 1985

नायकर मिर्शित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करते का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से निधिक है

भौर जिल्लका सं० भुमि 2 कताल 8 मरला गांव घुलकोट तह् व जि॰ अन्याला में स्थित है (और इससे उपावस अनुसूचा में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रांकर्ता अधिवारी के वायिक्य, अम्बाला भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधान, दिन क 26-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त संपत्ति का उपित साजार मूल्य उसके क्षयमान प्रतिकल से एसे क्षयमान प्रतिकल का पन्नाह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया विकल, निम्नसिचित उद्वेषय से उपत बन्तरण सिवित के बास्तीयक क्य से कवित कहीं किया गया है ए---

- (का) अन्तरण चेहुई विक्षी नाथ की बावत, अकत अधिन्यम के वर्षीय कहा देने के जनारक औ व्यक्तिय में कभी कहने वा उपने बचने में सुविधा के विद्यु: बॉट/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी थन या अग्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जायकर जिथिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

क्तः कव, सक्त विभिन्नियम की पारा 269-म के बन्तरण वे, वे, बक्त विभिन्नम की पारा 269-म की वनकारा (1) के वर्षाव, निज्निविधिक व्यक्तियों, वर्षाव क्र— (1) श्राः वादनैस रिष्ह पुत्र श्रीः बद्धाः जिष्ह पुत्र श्राः दाम रिष्ह, निक स्वादाः सोड्र, बलदेव नगर, धम्बाला शहर ।

(प्रन्तरक)

(2) सर्वश्रः राण भुमार जैन, 2. सनील भुमार जैन पुत्र 3. शही जैन पुत्रः श्रानैक चन्द जैन पुत्र श्री तेलू राम नि० जैन बाजार, मावल्टी जनरल स्टीर, सम्बाला गहर ।

(मग्दरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्धन के किस् कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वाकरण: ---- इसमें प्रयुक्त इच्यों और पवी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं सर्थ होगा को अध्याय में दिया गया है।

#### धन्स्ची

सम्पत्ति भूमि 2 कताल 8 मरला गांत्र धौलकोट सह० व जि॰ श्रम्त्राला में स्थित है जिल्ला विकरण रिवस्ट्रें वर्ता दार्यास्य भ्रम्ताला रिजस्ट्रा संख्या 8799 दिनो ह 26-3-1985 पर विया है।

> बी० एल० खती, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निर्र क्षण) द्यर्जन रेंज, रोहुदक

दिनौक: 6-11-1985.

वरूप भाइ", टी एन, एड. ----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्थना

#### नारत सरकार

कार्यालय, बहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, रोहतर

रोहुगाए, दिन क ७ नम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी:०/एनए०/फ़तेहाबाय/10/04-85:--धा: मुझे, भी:० एल० खत्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे फ्रसमें सिके प्रचात् 'उक्त आधानयन' कहा गया हं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करों का कारण है कि स्थावर स्थाति, जिसका उपित वाजा मत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिता। सं० भिम १ जाता ४ घरा। वस्ता भाषा स्ट्रा फोर्बाद में स्थि। है (और इंडने अलब्द अनुसूच में और पूर्ण क्य से वॉगा है), प्रविद्धाति अधितार के नामिश्य प्रतेत्वाद में भारताय आयर र अधिविदम 1961 के अधीत, दिनौत 25-3-85 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित काजार मृल्य सं कम के स्वयमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थमान प्रतिकास सं, एमें स्थमान प्रतिकाल का पन्द्रह अतिकात में अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिकाल, निम्मिल्लित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण किकित के शास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया ही:—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आप की बाबत, उपत विभिनिष्त्र के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्स काल्लिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, १९२३ (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, शा धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपानं में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रा मनीहर पाल पुत श्रा पामापन्य पुत श्रा हिमार पाम, नि॰ बस्ता भाषाह, पाइ॰ फ़तेहाबाद ।

(श्रन्तर ह)

(2) दि फ़तेहाबाद म्न.पर्य नगर कापरेटिव हाउस बिरिडन सो.अपट:, खि फ़तेहाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन वी संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ह) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिथ या तत्मवंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वना के राजगण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्ष्री के पास निमित्त में किए जा सकीं।

न्यस्टीकरणः -- - इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका प्या हैं।

#### अनुसुची

राम्यक्ति मिन 7 रानास 4 मरला बस्ती भी बाह राह० फ्रतेहाबाद में स्थित है जिल्ला जिल्लाण दिवस्त्र पत्ती बायरिय फ्रतेहाबाद में रिवस्ट्रा संख्या 3705 रिजीज 25-3-85 वर दिया है।

> बी० एल० खती, सक्षम प्राधिवारी, सहायक **पा**यवर **प्रा**यूक्त (निर्रक्षण), **प्रा**र्जन रोज, रोह्सक

दिनाक : 7-11-1985.

प्रख्य आहरं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहार्क आयकर कायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, रोहतक

रोहा ह, दिला ह 5 लब्मबर, 1985

निर्देश सं । प्रदे ए० सं । ० (एन १० हियार/105/84-85:---

भातः मुझे, बी० एल० खत्री

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के तथीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिएका सं० थमि 18 तिल्ला 15 मरला, हिरास में स्थित है (भीर इसने उनायन अनुसूत्रा में और पूर्ण हम ने विशित्र है)' रिविध्यानती भिन्नित्तर के तिमलिन हिलास में भारतीय भामगर भिन्नितम, 1961 के भागक दिन ए 7-3-1985

को प्रिंपल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जमके द्रयमान प्रतिफल के एसे द्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिपति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल निम्मिलिकत उद्योध्य से उयत अन्तरण लिखित में बास्तिक हम से बांधन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विवया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खे लिए;

जत: डब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रा माङ्क् राम पुत्र श्रा जीवा राम पुत्र कुवला कुम्हार, हारा ास्ट नि० गांव गंगवा, सह० व जिला हिसार ।

(मन्तरक)

(2) पि लक्ष्मी कोन्नापरेटिव हाउस बिस्थिप सोसायटी कि०. हितार हारा छा० भार० के० चीवरी, प्रधान भाक दि सोसायटी ।

(धन्तरिको)

को यह स्चना लारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) एस सूचना को राजपत्र में प्रकार न की सारीख में 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रय्वत धन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयमः, से अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अन्स्ची

सम्बक्ति भूमि 18 वनाल 15 मरला हिसार में स्थित है जिसका विकरण रिजिल्ह्रा एकी कार्यालय हिजार में रिजिस्ट्रा संख्या 5688 दिनों 1--3--85 पर दिया है।

> बी० एस० खन्नी, स्वसम प्राधि हारी, सहत्यक प्रत्यकर प्रायुक्त (निर्रोक्षण), पर्जन रेंज, रोहतक

दिनां । 5-11-1985.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक बादकर बायुक्त (निरीक्षण) क्रजंन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्राहु० ए० सी०/एक्यू०/फतेहाबाव/20/84— ॣ्85:—-ग्रतः मुझे, बी० एस० खत्नी,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिस्का उचित वाजार मृत्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि 15 कनाल 4 मरला वस्ती भी बाह तह० फतेहाबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद श्रतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय फतेहाबाद में मारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1961 के श्रिवीत, दिनांक 25-3-85

को पर्वोक्त सम्पत्ति के रिचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत रो अधिक है और अंगियक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के तिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हर्ष किसी आय की वाबत, उक्स नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के जिए;

अत बन, उयत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मैं, मंं, उयत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीयत ध्योवतयों, अर्थात्:— (1) श्रीनतो न एवग देवी विडो लेट श्री कर्म चन्द, पुत्र श्री हरी चन्द, निवासी बस्ती भीवाह, तह० श्रीर जिला फतेहाबाद।

(प्रन्तरक)

(2) दी फनेहाबाद आदर्ण नगर कोआपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी लि०, फतेहाबाद।

(प्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी व्यक्ते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की अनिए या तत्सक्तनथी व्यक्तियों पर स्वना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत स्यिक्त में से चिसी व्यक्ति दुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की रारीख के 45 दिन के भीतर उदान स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी जन्य न्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित भे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रत्यत हन्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनयत, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही उर्ध होगा जो उस अध्याय में निया गया है।

#### भनुमुकी

सम्पत्ति भूमि 15 कनाल 4 मरला बस्ती भीवाह सह० फतेह बाद में स्थित है जिनका विवरण रजिस्ट्रोकर्ता कार्यालय फतेह बाद रजिस्ट्री सब्या 3709 दिनाक 25-3-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खती, सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, रोह्तक

दिनौक प्रोक्टर प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरोक्षण)

ष्पर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० माई० ए० सो०/एक्नू०/कतेहाबाद/18/84-85ः 85--प्रतः ममे, सो० एल० खनी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मत्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

धी: जिनको सं० भनि 8 कराज वस्ती निनाह तह० फीहबाद में स्थित है (श्रीर इपने उन बढ़ सनपूर्वी में सीर पूर्ण कर ने वॉगन

- है) रिजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के दार्यालय फतेहाबाद में भारतीय धायकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 25-3-1985 को पूर्वित संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम से दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और गम्नों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापत्रींगन संपत्ति का जांचत वाजार मृत्य, उसके ध्रुप्यमान प्रतिफल से, एगे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उदत अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से अधिक नहीं किया गया है :--
  - (क) अंतरण से हुई किसी आव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अंतरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
  - (ख) ऐसी किसी जार या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या एकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) फे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री गोविन्द राय पुत्र श्री रामा नन्य पुत श्री हिमता राम, निवासी फतेहाबाद, तहु० फतेहाबाद।

(यन्तरक)

(2) दि फतेहाबादआदर्श नगर कोझापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी जि०, फतेहाबाद।

(प्रन्विती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिपेरें कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की व्यधि या तरसंबंधी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अजिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (६) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के दास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पद्यों का जो उक्त कि विश्वम, के अध्याय 20-के में यथा परिभा-पित हैं, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### धन्ताची

सम्पत्ति भूमि 8 कनाल बस्ती भिवाह सह० फतेहाबाद में स्थित है जितका विवरण रुजिल्ड्रोकर्जा कार्यालय फतेहाबाद में रुजिल्ड्रो संख्या 3707 दिनांक 25-3-85 पर दिया है ।

> बी० एल० खन्नी, सक्षम प्राधिकारी ... सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) .. ग्रजन रेंज, रोहतक

विनोक: 7-11-1985

## प्रकल बाही हो . एन . एक ुननन्यनन्यन

भागकर जांभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 नवम्बर 1985

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थान करने का आरण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित गाजार मृस्य ४,00,000/-रा. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० भूमि 32 कनाल 14 मरला गांव सिही तह० गुड़गावा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांवा में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक 29-3-

को प्रोंकत संपरित के उपित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिग्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरम को लिए तय पाया गया अन्तिफन, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किविक में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने की अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उसते बचने में सृषिधा के लिए; और/शा
- (क) ऐसी किसी आय या किली धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

जत: अब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:—
14.—366 GI/85

(1) श्री निर्मल दास पुत श्री दौलत राम, पुत श्री क्षिलोक चम्द, निवासी 2 एच० बी० पी०~79, एन० श्राई० टी० फरीदाबाद।

(प्रतरक)

(2) डा॰ ग्रार॰ एल॰ सांधी पुत्र श्री उदे चन्द सांधी, डा॰ श्रीमतिश्रार॰ सांधी पत्नी डा॰ ग्रार॰ एल॰ सांधी, श्री संदीप सांधी पुत्र श्री श्रार॰ एल॰ मांधी, निवासी सी-26, ग्रीन पार्क एक्सटेन्शन, नर्ष दिल्ली।

(भ्रम्तरिती)

को अह स्थाना जारी करके प्वॉक्त स्म्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियो करता हुं।

बनत सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकारत की सारोब में 45 दिन की धार के धा तस्त्रम्बन्धे व्यक्तियाँ पर सूचना की समिल से 30 दिन की धविद; को भी धचित बाद में समाप्त होती हो; के भीकर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
  - (भ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक इथ किसी जन्म व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किये वा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:--इक्पें प्रयूक्त सन्दों और धवों का, को छवत अभिनियम के जन्माय 20-क में परिभाषित है,। वहीं वर्ष हो। यो उस अध्याय में दिवा गया

## धनुसूची

सम्पति भूमि 32 कनाल 14 मरला गांव सिही तह० व जि० गुड़गावा में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 45 दिनांक 29~3-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती, सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रर्जन रेज, रोहतक

दिनोंक : 11-11-1985.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

साधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रेष्ट्रतक, दिनाक ७ व्यम्बर 1985

निर्देश सं० भ्राई ए० सी०/एक्यू/फतेहाबाद/17/84-85:~ भ्रतः मझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 1,00,000/- का से अधिक दें

1.,00.000/- रु. से अधिक हैं
शौर जिसकी सं० भूमि 8 कनाल बस्नी भीवाद तह० फतेहाबाद
में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत
है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फतेहाबाद में भारतीय
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक 25-3-1985
को पूर्वोक्त नम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और अंश्रे यह बिश्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का
बंखह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बंध एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्योग्य में उक्त अंतरण लिखित में

बास्तविक रूप से कश्थित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आर की बाबत, उक्त बीधीनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री कंवल नैन पुत्र श्री रामा नन्द पुत्र श्री हिम्मता राम, निवासी फतेहाबाद, जिला हिसार।

(म्रन्तरक)

(2) दि फतेहाबाद भावर्श नगर कोभ्रापरेटिव हा उस बिल्डिंग सोमायटी लि०, फतेहाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस राजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुर्वारा अधे हस्ताकारी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूवित कर्नो भीर पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषिय -> हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### 4444

सम्पत्ति भूमि 8 कनाल बस्ती भीवाद तह० फतेहाबाद में स्थित है जिसका विवरण राजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय फतेहाबाद राजिस्ट्री संख्या 3706 दिनांक 25-3-85 पर दिया है।

बी० एल० खद्री सक्षम प्राधिका<del>री</del> महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, रोहतक

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंबत व्यक्तियों, अर्थात् ६—

दिनांक . 7-11-1985

मोहर 🖫

## **शक्त हार**्ट <u>हो. प्र</u>प. एक. --=+

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन स्वना

#### AUGU TEMP

## कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनाँक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सो०/एक्यू०/फतेहाबाद/19/84~ 85:—श्रतः मुझे, बी० एल० खन्नी,

शायकर अर्थभिनयमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अभिनयम' कहा गमा हैं), की भारा 269-अ को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000∕- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 14 कनाल 32 मरला बस्ती भीवाह तह० फतेहाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपात्रद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय फतेहाबाद में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन, दिनौंक 25-3-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दिश्यमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का अरण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिकल कप में किथा नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक में दारिक्य में कनी करने ना उद्यव द्वाने में अविधा से विष्; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाग या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यह धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविशा ने किए;

कतः अव, उक्त अधिवियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निस्तृतिकत व्यक्तियों, अधीन, निस्तृतिकत (1) कुमारी नीना पुती श्री दीवान चन्द पुत्र श्री कर्म चन्द, निवासी बस्ती भिवाह, तह० फतेहाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) दी फतेहाबाद म्रादर्श नगर कोम्रापरेटिव हाउस बिल्डिंग, सोसायटी लिमिटेड, फतेहाबाद।

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नदिध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्वोंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (व) इस क्या के राज्यम की प्रकारण की दारीय हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद
  बब्ध किसी बन्य स्थावत स्थारा, अशंहस्ताक्षरी थे
  वाल निवित्त में किए वा सकोंने।

स्थव्यक्तिरेग:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त किंध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, बहुरी अर्थ डांगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

सम्पत्ति भूमि 14 कनाल 2 मंग्ला बम्ती भीवाह तह० फतेहाबाद सें स्थित है जिंतका विवरण रजिस्ट्री क्ति के कार्यालय फतेहाबाद रजिस्ट्री संख्या 3708 दिनौंक 25-3-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खती, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 7-11-1985

## प्रकल आई . हरे . एव . युद् . -------

## नायकरु निभिन्यन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहसक, विनांक 8 नवम्बर 1985

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/हिसार/111/84-85:---ग्रहः मुझे, बी० एल० खती,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि 15 कनाल 18 मरला हिसार में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिमार में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम 1961 के श्रधीन दिनौंक 13→3→1985

को पृथोंकत सम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम को स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथा पृथोंकत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोदय से उसत अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी साथ की बाबरा, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के सिए; बांद्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा में सिष्ट;

असक जब, अक्ट अधिनियम, कौ धारा 269-ए को जनुसरणी मों, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्ननिवित व्यक्तित्वों, अर्थात् ह— (1) डा० पो० डी० गिरधर, पुत्नश्री उत्तम चन्द प्रधान ग्रारेफेने एसोसिएशन श्रीर बाल सेवा श्राक्षम, भिवानी।

(अन्तरक)

(2) श्री हरी सिंह यादव, वकील पुत्र श्री रूम राम यादव, निवासी-पड़ाव गुजरान, हिसार।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाकाप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, की उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनसूची

सम्पत्ति भूमि 15 कनाल 18 मरला हिसार में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय हिसार रजिस्ट्री संख्या 5912 दिनाँक 13-3-85 पर दिया है।

> बी० एल० खनी सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजैन रेंज, रोहतक

दिनौंक : 8-11-1985.

मोहरः

# त्रक्ष बाह<u>ै.</u>टी.एन,एस<sub>.</sub>-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

## भारत बरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नागृक्त (निद्यक्षण) प्रजीन रोंज, रोहतक

रोहत है, दिना है 14 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/रिवाड़ी/16/84~85:→--भ्रतः मुझे, बी० एन० खन्नी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित भाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जियकी सं० भूमि माति नं० ई० पी० 710, रेलवे रोड़, रिवाड़ी में स्थिप है (और इसपे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीं कित्री अधिशारी के वार्यालय रिवाड़ीं में भारतीय आधिकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 1 मार्च, 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ब्रियमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ब्रियमान प्रतिफल से एसे ब्रियमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अंतरण जिल्लित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधि-दियब को वधीन कर होने को वंतप्रकृषे खरित्व की क्रमी करने वा उन्नुत्रे वृष्ट्रे में बृदिया हो विष्ट्रं, बौद्यं वा
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन वा अन्य जास्तियों को, जिन्हों प्रारतीय वायकर विधीपवृत्त, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जीपनिवर्त, वा चन-कर विधीपवृत्त, वा चन-कर विधीपविवर्त, 1957 (1957 का 27) के विचनार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट वहीं किया यवा वा वा कि वा वावा चाहिए था, कियाने में सुविधा है निए;

ब्तः अस, उक्त सिंधियम की धारा 269-ए के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्धात :—

- (1) 1. श्री प्रभु दयाल, 2. श्रीं ओम प्रकाश पृत श्री होचन दास, पुत्र लाला उदेय भान, नि० मौहल्ला नई बंस्ती, रिवाडी ।
- (2) श्री मोहिन्दर नुमार पुत श्री हरी चन्द पुत श्री लाला भाना राम नागपाल, डा॰ डेन्टीस्ट), रेलवे रोड़, रिवाड़ी।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री सुरजीत सिंह इत्यादि श्राई/एच०, स्वर्गीय श्री सरदारा सिंह पुत्र श्री ज्वाला सिंह, नि० म० न० ई० पीं० 710, रेलवे रोड़, रिवाडी।

> (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति ई)।

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुए।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (वा) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बच्च किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकींगे।

स्वकाशिकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ता अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होना, जो उस कुआव में दिकः वस हैं।

## अमृसूची

सम्पत्ति मकान नं ई पि 710, रेलवे रोड़, रिवाड़ी में स्थित है जिसका चिवरण रिजस्ट्रींकर्ती कार्यालय चिरवाड़ी रिजस्ट्री संख्या 3377 दिनोक 19--3-85 पर दिया है।

बी० एल० खती, मक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजैन रेंज, रोहतक

दिनांक: 14-11-985

मोहर 🕽

# बक्य बार्ड : टॉन् एमन् एस्. -----

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269'-व (1) के वृथीन सूचना

#### मारत सरकार

# कार्यासय,, सहायक जायकार जायुक्त (निर्देशिका)

**भ्र**र्ज न रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 नवम्बर 1985

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके पश्मात् 'उक्त निधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269-स् के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि त्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी मं० मकान नं० 223, मेक्टर 4 श्रर्जन ईस्टेट, गुडगावाँ में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री इर्ता श्रिध हारी के कार्यालय गुडगावाँ में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के ग्रिधीन, दिनाँक 14-3-85

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्तयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरफ के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- हुँक) नंधरण से हुद्दं किसी बाव की वावस, उपक विधिनियस को जभीन कर दोने के जन्तरक को वायित्व में कभी करने या उससे व्यने में सूविभा में चिए; जारू/मा
- (ब) ऐसी किसी बाव या किसी भन या अन्य शस्तियां की, जिन्हों भारतीय लायकार अधिनियम, 1 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अभ-कर अधिनियम, या अभ-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ बंदिती बुवारा प्रकृष्ट नहीं किया जया था सा किया जाना वाहिए वा, जियाने से सुविषा वे रिस्ट;

क्त. वच, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के में, उस्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिक्ट व्यक्तियों, अव्यक्ति केन्स्र (1) श्री किशोरी लाल पुत्र श्री मनी राम शर्मा,
 223/4,
 ग्रदबन ईस्टेट,
 गुड़गावाँ।

(मन्तरक)

(2) वारन्ट ग्राफिपर विरेन्द्र सिंह यादव, व कुमारी वीना यादव, द्वारा विरेन्द्र सिंह यादव, ममें नं० 223/4, ग्रासन ईस्टेट, गुड़गाँवा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्धन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उन्त बुन्पील के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षप .

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन की जबीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ते 30 दिन की अविधि, जो भी जबीध बाद में संजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स संवित्तयों में से किसी स्थवित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर अक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी पास सिस्ति में किए आ सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मगुजुची

सम्पत्ति मकान नं० 223 सेक्टर 4 अरबन ईस्टेट, गुड़गावाँ में स्थित है जिनका विवरण रिजस्ट्रीकर्ता कार्यालय गुड़गाँवा में रिजस्ट्री संख्या 8622 दिनाँक 14-3-85 पर दिया है ।

> बी० एल० खती. सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनाँक : 8-11-1985.

प्रस्प बाई. टी. एन. एस. -----

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

श्रायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)ं श्रर्जन रेंज, रोहत⊀

रोहतक, दिनांक 11 नवम्बर 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1.00,000/- रा में अधिक हैं

और जिसकी सं० म ान नं० XVIII/557 वर्जार चन्द कालीनी, उपनान में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूचीं में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्री क्रित अधिकारीं के वार्यालय, करनाल में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख 18 मार्च, 1985

को पूर्वेक्ति तस्पति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्रवनाम प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और पुने यह विक्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके क्रयमाय प्रतिफल से, एमे क्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बैच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निकित उद्वरिय से उक्त उन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्रविता नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी नाय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कनी करने या उत्तसे अचने में सूबिधा को लिए: और या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन भा जन्म वास्तियों करे, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 192'2 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

त्रतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, हैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर मिन्निसिसित स्पिक्तयों, अर्थात् :—

(1) श्री जशवन्त सिंह, श्री गुरनाम सिंह पुत्रान श्रीमित ग्रमर कौर विको च श्रीमित हर भगवान कौर पुत्री स्वर्गीय श्री दलीप फिंह, निवामी भुरईया, तहसील बिचहा, जिला नैनोतान (यू० पी०)।

(भ्रन्तर∵)

(2) सर्वश्री चिनोद शुमार, प्रशोह, प्रमोद कपूर पुत्रान, श्री विणन नरूप, धर्म पाल गुप्ता, पुत्र भाग मल और श्री कैलाश चन्द पुत्र श्री रती राम, निचासी म० वं० XVIII/557, वजीर चन्द जालांनी,

(भ्रन्तरिती)

को यह बूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्थवाहियां कुरू करता हूं।

# उपत संपत्ति में वर्षन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में त्रकावन की तारीव शे 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी स्वित्तयों पर स्वना की तांनीत से 36 दिन की सविध, को की न व्यक्तियों में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत त्यना के राज्यपत्र में प्रकासन की तारीच स 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध फिसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिविक्त में निग्र वा सकोंगे।

स्वक्ष्यद्रेकारणः—इक्षत्रं प्रमुक्त वान्यां और वयां का., यो उत्तव अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, कहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा ही।

#### नग्ल्की

सम्पत्ति भूमि मकान नं XVIII/557 वजीर चन्द कासोनी, करनात में स्थित है। जिन्हा विचरण रजिस्ट्रीक्ती कार्यालय करनाल प्रजिस्ट्री सख्या 8351 दिनाक 18-3-85 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनां रु: 11-11-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, रोहतक

रोहसक, दिनाँक 5 नवम्बर, 1985

निर्देण सं० न्नाई० ए० सी०/एक्यू०/शाहबाद/30/84~85:---ग्रत: मुझे, बी० एल० खन्नी
आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसको पश्वात 'उक्त अधिनियम'कहा गया हैं), की भारा
269-च के अधीम सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाजार मृन्य
1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 6 प्रताप मण्डी, शाहबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विटिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय शाहाबाद में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 के श्रधीन दिनाँक 14-3-85

को पूर्वोक्षत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान मितफल के सिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विषयास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रममान प्रतिफल से एसे द्रम्मान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरण के निए त्य बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्वरण लिखित के बास्विक रूप से क्रिका नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर देने के बन्तरक खें बाबित्व में कभी करने वा उत्तसे वचने में सुविधा खे हैं सर्द; बोर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिवाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता ब्वास प्रकट नहीं किया गया वा या किया भाग वाडिए था, खिनाने में सुनिधा की सिए;

कतः वन, उक्त विभिनियम की भारा 269-म के बन्सरण मों, मीं उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निधिक्त व्यक्तिकां, अर्थात्:— (1) श्री सोहन निह पुत्रं श्री राम किशन, निवासी शाहबाद, तहसील थानेसर।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री सुशील कुमार ग्रीर राजकुमार पुत्र श्री राम किथान, निवासी थाहबाद, तहसील थामेसर।

(भन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अवन के लिख कार्यवाहियां करता क्ष्मां

अक्त तस्पत्ति के कर्षन के तस्वत्थ में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि मा तत्वंतंत्री व्यक्तिकों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ड व्यक्तियों हो से निस्ती स्पविद द्वारा;
- (क) इत सूचना के समयम में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सभ्यक्ति में हित-भद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकों ने।

स्वच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नपुत्री

सम्पत्ति दुकान नं० 6 प्रताप मण्डी, णाहबाद में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय शाहबाद रजिस्ट्री संख्या 1274 दिनौंक 14-3-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक ख्रायकर ख्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज रोहतक

विनौंक : 5-11-1985.

1985

# **एक्ष वार्य**े हों, एवं, एख्,,---------

जानकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1)-के नधीन सुचना

## भारत बहुत्ताह

# कार्यातय, सहायक नायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक िर्मान

रोहतक, दिनांक 14 नथम्बर 1985

निर्देश म० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/गुड़गावां/716/84-85:---श्रतः मुझे, बीं० एल० खत्नीं,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुपये हे अधिक हैं
और जिसकी सं० मक्षान नं० 77/3, जय कमपुरा पुरानी सब्जी मण्डी, गुड़गावां में स्थित है (और इसमे उपावत प्रनुसूची में और पूर्ण कप से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारीं के प्रायंनिय गुड़गावां में भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1961 के प्रधीन, दिनां 28 मार्च,

को पूर्वोक्स सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य याया यया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त वृद्धिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी अाथ या किसी अन था अन्य मास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारी प्रकट नहीं किया गण भा या किथा जाना चाहिए था, छिणानं में सुविकता के सिए।

बतः अब, उक्त जिधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के, में, एक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखिट व्यक्तियों अधीत्:——
13—366 GI/85

(+) श्री बार्षित पुत्र भी वरी घन्द्र मेल, पुत्र श्री भवदुस्य, दिर सारणाह पुर, सहरु दिला सुद्रमाचा ।

(श्रन्तरकः)

7. श्री श्रमण दुमार गोयल पुत्र श्री रामनाथ गोयल, नि० म० नं० 1453, गलीं चिद्यान, मालींचाडा, दिल्लीं।

(श्रन्तरिती)

(3) श्री भगवा प्रजाद पव लेट श्री दिन दयाल, निवासी 77/3, पुरानी विशी मण्डी, सहगाना ।

> (बह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग में अस्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीतत सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां गृष्ट करता हुं।

उन्त सम्पन्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक सं 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की लामील सं 30 दिन की अविभ, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्टि व्यक्ति हों से में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उच्च व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम ं भ्यारा 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अस लागा को उस अन्याय में विभा

## वनुस्पी

ाम्यत्ति मणान नं ० 77/3, एय मपुरा पुरानी मण्डी, गुड्गावा में स्थित है कि एक स्थित परिस्ट्री स्वी अवितय गुड्गावा रिकस्ट्री संख्या ४०५५ सि ए १ 28-४ -85 एवं दिया है ।

> बी० एल० खत्नी, स्क्षम प्राधिकारी, स्हाय प्राय (र फ्रायुक्त (निरीक्षण,) फ्रर्जन रेंज, रोहतक ।

दिनाङ : 14 -11-1985

**अक्न बाइ**ंड **टॉ**ंड **२२** न एक इस - 🕫 🗝

# शायकर श्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) मूर्डी भारा 269-भ (1) से स्थीन स्वना

#### शारत वहकाउ

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (दिनर्शक्ति)

भ्रजेंन रेंज-3, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस० ग्रार०~3/3-85/2547----श्रतः मुझे सुनील औपड़ा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्वे इत्तमें इसके प्रकार (उन्त अधिनियम कहा गया है), की भाष 269 का अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विस्तका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी मख्या 3/239, है तथा जो सुभाष नगर, नई विल्ली 1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण क्य मे वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई विल्ली 1 मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्शि का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिस्ति से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया नवा प्रतिफस, निम्नसिचित उद्वेषम से उक्त अन्तरण किंग्लित में बास्तिक रूप से कवित नहीं किया नवा है क्र---

- (क) करूरण वे हुई फिबी बाथ की बायक, उपक वरिश्विम के अभीन कर दोने के बन्तरक के बादित्य में कुशी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बाद/वा
- (क) एंसी किसी बाय वा किसी थन वा बन्न कारिसवाँ की, जिन्हों भारतीय जाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्त्रिपान में सृविधा के स्मिए:

जतः अव, उत्तर विभिनियम की भारा 269-न में बनुवर्क वें, में, उन्तर अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीर , निम्नसिवित व्यक्तियों अभीर ६—-

- श्री माया देवी पत्नि स्वर्गीय श्री रामसिंह 3/239, सुभाष नगर, नई दिल्ली ।
  - (भ्रन्तरक)
- 2 श्रीमिति दालेर कौर पित्त स्वर्गीय राम सिंह चावला निवासी डब्ल्यु 24, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथ्वींक्त संपत्ति के वर्णन के किए कार्यवाहिया करु करता हुं।

उनक कम्पत्ति के वर्षभ के कम्बन्ध में कोई भी कास्रोप

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकासन की तारीच है 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की अनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी के पाच निचित में किए वा सकेंगे।

स्वच्छीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किथीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं!

## **प्रनूस्**ची

सिंगल स्टोरी नं० 3/239, रेजिडेंस हाउस, सुभाष नगर, नई दिल्ली 1 तादांची 100 वर्ग गज ।

सुनील घोपडा सक्षम प्राधिकारी सहायङ स्रायकर स्रायूक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 5-11-1985

मोष्ट्रर 😘

## एक्ष वार्षं हो . एव . एवं . ------

# नायकर निवित्यन, 1961 (1961 का 43) की पाए। 269-न्(1) के न्योद कृत्वा

#### हाका प्रस्कार

भायनिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीकण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नथम्बर 1985

निर्वेश सं० आई० ए०/सी०/एक्यु०/3/एस० आर०-2/ 3-85/2548--आतः मुझे सुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वक्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269-च के अधीन तक्तव प्राधिकारी को, यह विस्ताप करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विस्ताप उचित्र वासार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० डी-1, भगवान दास नगर, है तथा जो नई दिल्ली-1 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन दिनांक मार्च 1985

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित वाचार भृत्य से कम के धरयमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई

हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मृख्य, उसके दृष्यमान प्रति-कल ते, दौने क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिफल से अधिक हैं जॉर अंतरक (अंतरका) और अंतरिनी (अंतरितियाँ) के नीच दोने अंतरण के निष्णु तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिसिनेश क्ष्युद्धे के से उक्त जंतरण निविद्य में नास्त्रिक क्ष्य से क्षिक क्ष्युं हैं किस्स से उक्त जंतरण निविद्य में नास्त्रिक क्ष्य से क्षिक क्ष्युं हैं किस

- (क) जन्तरण ते हुन्द्र किसी जाय की बावत, सक्त वर्षिम् वस्तु के वृत्तीप कर्द्र दोने के अन्तरुक के दायित्व में कमी करने या उत्तर्स क्वले में तृषिधा के सिद्द; जांद्र/वा
- (व) होता किसी नाम ना किसी धन ना अन्य अमेरिकों को चिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उपत अधिनियम, या धन-बाद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकाशनार्थ अन्तिरहार हुनारा प्रकाश नहीं दिवस नगर वा ना दिवस अस्य अधिक्य था, किसने के ब्रियम के शिक्ष;

नतः अथ, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण वाँ, मी, अनत व्याप्तियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) ☑ अधीन, निम्नसिनित व्यक्तियों, जन्मीय क्र---  श्री सत्या चौधरी पत्नि अह्य प्रकाश सी-7, निजामुद्दीन, वेस्ट दिल्ली ।

(ग्रन्सरक)

2 श्री सुभाष चन्द सुपुत्र बंसी लाल, 1889, गली बेहरम बेग, लाल कुझां, दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह कुणना चारी करचे पूर्वोक्त सम्मृतित् सै वर्धक के तित्र कार्यनाहिमा करता हू"।

अन्य प्रध्नक्षिः **में क्षर्य**भ के सम्मन्य जे मादि की नार्याप :---

- (क) इत् श्रूषा के राष्ट्रान्त में प्रकाशन की राष्ट्रीय से 45 विन् की क्यांच या तरसम्बर्गी म्यानितमों पर सूचना की राजीन से 30 विन् की अवधि, जो भी जनवि का में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ महिनद्वां में से किसी स्थानित इतारा;
- (व) इव सूथना औ राज्यका में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के शीतर उक्त स्थानर संपत्ति में दित-बक्न किसी कन्य न्यदिनत क्यारा अधिहरताकरों के बाब सिविस में किए वा सकीये।

रम्बरीकर्ष् ह— बुद्धमें प्रयुक्त कर्मा ब्रीर पद्धी का, को अवस व्यक्तितिक के कथ्यान 20-क में परिभाषित ही, वही भर्ष होना को उत स्थ्यान में विका सवा ही।

## अनु सूची

हाउस नं ० डी-1, तादादी 200 वर्ग गज भगवान वास नगर, नई दिल्ली ।

> सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 8-11-1985

प्ररूप आई.टी एन एस ------

अ)यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाण ६ नवम्गा 1985

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एवट०/ीए० ग्रार०-2/ 3-85/2549--- ग्रन मुझे, सुनील चीउडा एगकः अभिनियम 1061 (1061 का 42) (जिसे उससे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विशास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी स० बी—53, है तथा जा इन्स्प्युरी नई हिस्ली में स्थित है (श्रीर इत्त उदावद श्रन्यूची से पूछ राष । वर्णित है), जिस्ट्रीयर्ता श्रीव की त दार्थालय दिस्ली में भार-तीय रजिस्ट्री रूप श्रीधिनयम, 1908 (1908 न। 16) व्य श्रीम मार्च 1985

को पूर्वाक्त सपित के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मूझ यह विस्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त मपित जा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृशमान प्रतिफल का पन्सूह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (इन्तरको) और इन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित म सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायिस्व में कभी करने या उससे ब्चने में सिवधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान् ---

- 1 श्री न(रायन दत्त शर्मा सुपुत्र जगयोगी राज पडोत, निवासी ए-179, इन्दरपुरी नई दिल्ली 12। (ग्रन्तरक)
- 2 1 मोमनाथ कनकर मुपुत्र कालू राम कनकर फ्रौर शाम मुन्दर कनकर सुपुत्र राम नाथ कनकर, निवासी मकान न० 8-39, इन्दरपुरी, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण .——इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

प्ताट न० बी 53 सादादी 300 वर्ग गज इन्दरपुरी, नई दिल्ली गाव नारायना, दिल्ली एस्टेट दिल्ली।

> सुनील चौपडा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-3, नई दिल्ली

दिनाक: 6-11-1985 मोहर:

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस , ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस० ग्रार०-2/ 3/85/2550--श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा

कुरवकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इक्के परवात् 'उक्ल अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एच-24, शिवाजी पार्क है तथा जो मादीपुर विल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुभूची में पूर्ण रूप से विज्ञान हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनिएम. 1908 (1508) 16) के ग्रिधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के जीवत बाजार मूक्य से काम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का जावित बाजार बूक्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बालाविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी बाव काँ बावत , उक्त विधिवयम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एंसी किसी नाथ या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था., कियाने में सुरिक्षा के सिद्ध;

1. श्री सुखाविन्दर सिंह सपुत्रं दीदार सिंह 27/26 पंजाबी वाग, नई दिल्ली।

(ग्रान्सरक)

 श्रीमिति रामा गुप्ता पत्नि महेश चन्द, 1~53 वरम पुरा नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

का बहु सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन् के सिक् कार्यवाहियां कारता हुई।

**उक्त राज्यित के नर्जन के** संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारिल से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्थित द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पाइ जिस्ता में किसे का सकेंगे।

स्वष्ठीकरण :—इशमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्वो का, जो उकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हीं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भवा है।

## नन्स्ची

1/2 पोरशन ब्लाट नं० एच~24 तयादी, 168) वर्ग गज शिवाजी पार्क गांव मादीपुर किल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-3, नई दिल्ली

क्तः बन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व कों उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अथोंत् :—-

तारीख: 5-11-1985

इक्य बाइ. टी. एन. एस.-----

# कामकर मॉथनियम, 1961 (1961 का 43) की गाँउ 269-म (1) के मधीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस० शार०-2/3-85/2551---ग्रत मुझे सुनील चोपडा

नायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि अपरा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कार्य है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या खसरा न० 49, गान मदन पुर दानास है तथा जो दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से निर्णित है) ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रर्जनरेज-3, दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन दिनाक मार्च 1983

को पूर्वोशत सम्मत्ति के उत्वत बाबार मूख्य से कम के प्रायमान लिए **अ**म्तरित की गर्द गर मुभ्के यह विष्वास करन कारण का पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ययमान प्रतिफल सं, एसे व्ययमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और **भन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए**से नन्तरण के सिए तयु पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देशयु ते जनत नभ्तरण सिक्ति में वास्त्रीयक रूप से कश्चिव नहीं किया गवा है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दामित्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बार/वा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, कियाने में बुविधा को बिह्न

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थास्:—

- श्रीलाल सुपुत्र उदमी, गाव मदनपुर गाव वावास, विल्ली (भ्रान्तरक)
- 2 श्री अद्वेत स्टील एंड मेटल (प्रा०) लिमिटेंड श्राफिस नं० 1, श्रादर्श मार्केट, दिल्ली ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

# उन्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सी बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में विका नया है।

## भनुषुची

सावादी 402 वर्ग गण बना 1 खसरा नं० 49, गाव मदनपुर, दाबास, दिल्ली ।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनाक: 8-11-1985

मोहर 🔞

प्रस्य बाइ., टी, एन. एस.,-----

श्रावकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-थ (1) के घलीन सुचना

#### भारत सहकार

# कार्यासय, तहायक नायकर नायुक्त (निहुक्तिक)

धर्जन रेंज-3, नई विल्ली नई विल्ली, दिनाक 8 नवम्बर 1985

निर्देश स० भ्राई० ए० सी०/एक्यु०/३/एस० श्रार०-2/ 3~85/2552--श्रतः, मुझे सुनील चोपडा

शायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की चाल 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मत्ति, चिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या खमरा नं० 49. गाँव लालडोग है तथा जो मदनपुर, दावास, दिल्ली मे स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय दिल्ली मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अप्तरित की गई है और मूके यह विस्तास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पत्ति प्रतिकृत से प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (शंतरितों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय प्रामा स्था प्रतिकृत निम्मलिखित उद्दोष्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्टिबक रूप से किथत मही किया गया है है—

- (क) बन्धरण वे हुई किसी बाव की बावत बक्त विध-विवास के बचीन कर दोने के बन्तरक के दादित्य में कमी करने वा उत्तवे वचने में तृतिभा के विष्; कर/या
- (क) ऐसी किसी जान ना किसी थन वा जन्य जास्तिकों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से किए;

अक्ष धव उपत निभिनियम की धारा 269-न के नम्मरण वं, वें, सक्त निभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (३) के नधीन, निम्नसिधिक व्यक्तितवों, अव्यक्ति के---

- 1. श्री करन सिंह, गाव मदनपुर दावास, दिल्ली । (श्रन्त् $au_{\epsilon})$
- 2 श्रदवेत एड मेटल (प्रा०) लिमिटेट अर्थालये न० 1, श्रादशं मार्मिट, हारा उत्य बी० एस० गुप्ता । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी क्रारके पूर्वोक्त सञ्परित के अर्थन औं सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

# उन्त संपरित में नर्पन के संबंध में कोई भी आक्षोप ह--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विक्त स्थानिक यो समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विक्त स्थानिक यो समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विक्त स्थानिक यो समाप्त होती हो।
- (क) इस सूचना के श्वपम में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्द्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के सब निवित में किए वा ककेंगे।

## प्रनुसूची

तादादी 402 वर्ग गज बना खसरा न० 49, गांव मदनपुर दावास, दिल्ली ।

> मुनील चोपडा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्राय्क्त (निरीक्षण) श्रजंन रेग-3, नई दिल्ली

दिनाङः **8-11-198**5

# शक्य नाह्र्यं, डी..पुन् . पुक् ु----------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाछ 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरोक्षण) ऋजन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनार 8 नवस्त्रर 1985

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यु०-3/एस० आर०-2/ 3-85/2553--अर मुझे, मुनील चोरडा

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1.00.000/- रु में अधिक है

श्रीर जिस्की स० खनरा न० 49 है तथा जो गाव मदनपुर दावास, दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), श्राय र प्रधिकारी के वर्णित श्रायंन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायं कर ग्रिधिनियम, 1962 के अधीन मार्च 85

करे पूर्वोक्त सपित के उभित बाजार मृत्य में कम के इश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास रार्न का अरुण है कि यथाण्योंका सपित का उजित बाबार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उब्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक इन्प में अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहूर किसी लाय की वावत, उपय अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक कें शायित्व में कमी करने या उससे वक्ते में सुविधा कें शिक्ष; कौर/या
- (ब) ऐसी जिसी जाय वा किसी धन वा अन्य वास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 1922 को 11) वा उजन जिथिनियम, बा धनकार अधिनियम, बा धनकार अधिनियम, बा धनकार अधिनियम, बा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट प्रहीं किया नया वा विकास को बाहिए था जियाने के दिश्या को जिया

अत जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जभीन निम्निसित्त स्पितारों अर्थास :---

 करतार विह सुपुत्र माने गाय और पोस्ट म्राफिस-~मदन-पुर दावास, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2 अद्वेत स्टील ऐड मेटल (प्रा०) लिमिटेड, कार्यालय न० 1; श्रादर्श मार्केट, होजवाजी, दिल्ली । श्रू बी० एस० गुप्ता ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्वर्णिकत सम्पर्ित के अर्थन के किश् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मतित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत् ::--

- (क) इस स्थ्वा को राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतत प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशम की तारीच व 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्योकरण: इसमें अयुक्त सन्दों नीर पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं , बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नया है।

## मनुस्ची

ता**ादी 4**02 वर्ग गज, खासरा न० 49, मदनपुर दवाम, दिल्ली ।

> सुनील चोपडा, सक्षम प्राधि घरी सहाय हे स्राय रूर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 8-11-1985

प्रक्ष बाई.टी.एग. एव. ------

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) वे बभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीकक) ग्रार्जन रेंज-3, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनां : 8 नत्रम्बर 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस० म्रार०-2/3-85/2554--मतः मुझे, सुनील चोपड़ा

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ?69-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति।, जिसका उचित नाजार मृल्य 1,00,000/- का से अधिक है

ग्रीर जिन्नकी सं० 71/8, खन्नरा नं० 479, है तथा जो फतेह नगर, गांव तेहाड़ दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में पूर्ण कर से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 %(16) के श्रधीन दिनांत्र मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूस्य से कम के सरमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गर्द है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकार्रे) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिक्कल, निम्नितियों उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के सिए; बौर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयंकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री विलोचन सिंह सुगुक्त एस० व.रतार सिंह 71-72, फ़तेह नगण, नई दिल्ली।
  - (श्रन्तर ह)
- श्री जी० एकं० बोहरा, सुपुत्र एम० एस० बोहरा,
   डी-1/89 जनकपुरी नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करनी पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षम के सिक् कार्यग्रहियां शुक्र करता हुं।

उनत संपत्ति को वर्षन को तंत्रंभ में कोई भी काक्षव :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (थ) इस सुभाना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्व किसी अन्य व्यक्तित क्लारा मधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किस् का संकोंने।

स्वक्षीकरणः इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उपत कि कि कि के कि कि 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिया गवा है।

#### क्यक्री

प्लाट नं० 71, ब्लाक बी, एरिया 266 2/3 वर्ग गज । खासरा नं० 479, फतेह नगर, गांव तेहार, विद्दिली पर निर्मित भवन ।

> सुनील चोपड़ा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त: (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 8-11-1985

# अक्ष नाइ.टी.एन.एस.------

नायकर निश्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुनना

### भारत सरकार

कार्यांचय , सहायक नायकर बायुम्स (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 5 नवम्बर 1985

् निर्देश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/3/एम० श्रार०--2/3--85/2555---श्रतः, मुझ, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर कम्पीता, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं खसरा नं 20/9, है तथा "जो गाँव-नागली पूना, दिल्ली में स्थित है (प्रौर इनसे उपावत प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधि हारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनौंक मार्च 1985।

का पुर्वोक्त सम्मित्स के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाबार कृष्य, उसके उपयोग प्रतिफल से ऐसे उपयोग प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के गौज ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण किवार को सामा गया प्रतिफल, निम्निचित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण किवार को सामा गया प्रतिफल, निम्निचित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण किवार को सामा है :---

- (क) नन्तरण वे हुई किसी बाय की बाबत, उक्त निधिनियम के संबीत कर दोने के अध्यारण के वानित्य में कभी करने ना उससे नचने में सुनिधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी थन वा अन्तः आस्तिवों नवे, चिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, बा धन-कर अधिनियस, बा धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या शिया जाना चाहिए जा, छिपाने में सुविभा के लिए:
- जतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जो, जो, उक्त अन्धिनियम की भारा 269-घ की अपधारा (1) के अभीन, निम्निभित्तिक स्थानितयों, अर्थात् :---

(1) श्री वेद प्रकाश गुप्ता, सुपुत्र स्वर्गीय भगत राम. 3792, चुड़ी वालान, दिल्ली-, इस समय 18 सी/2, रामपुर रोड, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रेम काश सहगल, सुपुत श्रीर प्रकाश सहगल, 17/34, शास्ति नगर, विल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमे प्रयुक्त कर्का और पर्वो का, जो उक्त किथि विकास के अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गय। हैं।

# अनुसूच

तादादी 4 बीघा 16 बिस्या 1 बाहर खसरा नं 20/9, रेवेन्यु एस्टेट, गाँव नाँगली, पूना, दिल्ली ।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सज्ञायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजेन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनौंक: 5-11-1985

मोहरः 🤚

प्रथम बार्च , टी , पून् , पुस , -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के बधान सूचना

# नारत सरकार कार्यालय, तहायक मायकर भाग्यत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 6 नवम्बर 1985

निर्देश मं० श्राई० ए० मो०/एक्यू०-3/एस० श्रार०-2/3-85/2556---श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिनकी सं० सी—107, है तथा जो इन्द्रपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इन्तमं उगाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनौक मार्च 1985

की पूर्वोकत सम्पत्ति के अभिष्ट बाजार मृस्य से कम के दरयमान प्रतिकल के लिए जन्तिरित की नहीं है और मुखे यह निश्वास करन का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उनित बाजार कृत्य, उसके रश्यमान प्रतिकास से एसे व्यवमान प्रतिकास का पन्नह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) जीर जन्त-रिसी (जन्तीरितियों) के बीच एसे जन्तरक के सिए त्य पाया पदा प्रतिकात, निम्नतियों वर्षों वर्षों सकता बन्तरक निष्यं प्रतिकात, निम्नतियों के बीच एसे जन्तरक बन्तरक निष्यं प्रतिकात, निम्नतियों के बीच प्रतिकास से उन्त बन्तरक निष्यं में नास्तिक क्य से किया वर्षों विकास वर्षों किया वर्षो

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विश्वित्व के ब्योद क्क्क देने के ब्लाइन क दावित्य में कवी करने वा उक्क व्यव में बृद्धिया के विष्णु स्रोड/सा
- (६) एंडी किसी शव ना किसी भव ना अन्य आस्तियों क्या, विन्हें भारतीय नानकर विभिन्नम, 1922 (1922 का 11) या अक्तु विभिन्नम, या अनकर विभिन्नम, या अनकर विभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया नात आहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः १व, उक्त विभागमम की भारा 269-व के अनुसरण मे, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को कभीन, निकाधिकोक्त स्वक्तियों, स्थापन कर् (1) श्री कृष्ण कुमार ग्रोबर सुपुत्र परमानन्द निवासी 137, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) सुमन कुमारी सुपुत्री चिन्तामनी, 17, निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिचित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :---- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अशाय में दिनाः नवा हैं।

## *र*न्भूचा

फी होल्ड प्लाट सी-107, तादादो 500 वर्ग गण। गाँव-नारायना, प्रवादी इन्द्रपुरी, एप्रवड कालोनी, नई दिल्ली-12।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिस्लो

दिनाँक: 6-11-1985

# प्रक्ष कार्ड .टी. बन अस्त .-----

# नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

## भारतं सच्कार

# आधाराय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनाँक 8 नवम्बर 1985

इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के धंधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० खसरा नं० 49 है तथा जो गाँव-मदनपुर, दाबाद, दिल्ली-1 में स्थित है (ग्रीर इतसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), ग्रायकर ग्राधिकारी के कार्यालय ग्रार्जन रेंज-3, नई दिल्ली-1 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1962 के ग्राप्टीन तारीख, मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि स्थाप्वाँकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय वामा गया प्रतिफल निम्निसित उद्देष्य से उक्त क्ष्यामा नया प्रतिफल कम से किस्तर नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उत्तते वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय जा किसी भन या अन्य असिसारों को, चिन्हीं भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) भी प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए जा, जिल्लाने में जुविभा की सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं. मं. अप्त अधिनियम की धारा 269-व की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री लाल चंद सुपुत्र जीवन, गाँव श्रीर पोस्ट ग्राफिस-मदनपुरा दावास, विल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्रद्वेत स्टील एंड मेटल (प्रा०) लिमि० कार्यालय नं० 1, ग्रादर्ण मार्किट, हौजकाजी, दिल्ली; द्वाराश्री बी० एस० गुप्ता ।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उकत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (वा) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी की प्रास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

# **मनुस्**ची

लगभग 402 वर्ग गज बना। खसरा का भाग नं० 49, गाँव — मदनपुर दावास, दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राबकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−3, नई दिल्ली

दिनाँक: **8-**11-1985

## शक्त कार्च, टॉ. एन. एव. - - - ----

# बावकर विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के नमीन सुमना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

श्चर्ज न रेज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनाँक 4 नवम्बर 1985

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-3/एस० श्रार०-2/3→ ४ 85/2558—∼श्रत , मुझे, मुनील चें।पडा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उकत विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2/69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थादर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० जे० 9/17-श्राई, तादादी 320 वर्ग गज है तथा जो गाँव-नातर पुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्व( में पूर्ण रूप संवर्णित है), रजिस्ट्रोकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रयोन, दिनाँक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्णित बाबार मून्य से कम के सम्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उजित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, ऐसे स्वयमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिहर से अधिक हैं हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्ष्रीयत नहीं थिया गया है है—

- (क) जन्तरण संहुई कियी बादकी बादत, उक्त सभिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के स्वीतत्व में सानी कड़ने वा उत्तर देवने में सुविधा के लिए सर्दिया
- (क) इंसी किसी बाय मा किसी धन मा बन्स जाहिएयाँ को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर सीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-गार्थ जन्मरिती व्याचा प्रकट नहीं किया पता वा मा किया काना नामिष्ट था कियार में नृतिधा के सिक्स;

अतं अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भी, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अभीत् .— (1) श्रीमता सत्तवत कौर परनी ज्ञान सिंह, महिन्द्र सिंह सुपुत ज्ञान सिंह, जे-9/17-1, राजौरी गार्श्वन, नई दिल्ली।

(ग्रन्भरक)

- (2) 1. श्री विजय कुमार
  - 2 श्री राजेश कूमार
  - 3 श्री श्ररण कुमार
  - 4 श्री राजिन्द्र कुमार सुपुत्र घोम प्रकाण, जे−9/17~1, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सपत्ति क अवन के निष् कार्यवाहिया जूक करता हुं।

उनत बन्गरिस के नर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यपन में प्रकासन की तारीय क 45 जिन की अविध वा तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अविध, आं भी अविध बाद में समाप्त झोती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन को तार्राच स 45 दिन के शीवर उक्त स्थावर तम्पत्ति में हित-वद्भ किसी मन्त्र व्यक्ति द्यास नभाहस्ताक्षरी के पास निवित में किस या तकोंने।

स्वव्यक्षिरण ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को अक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विद्या वजा ही।

#### कार जानी

प्लाट न० जे-9/17-1, नादादी 328 वर्ग गज । गाँव- नातरपुर, दिल्ली ।

मुर्ताल चोपडा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनाँक 4-11-1985 मोहर प्रकथ बाई.टी.एन.एस.-----

# आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन बुचना

#### भारत तरकार

# कार्यालयः, सहायक बायकर बायुक्त (निहानक)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-3/एम० श्रार०-2/3-85/2559---श्रनः, मुझे, सुनील चोपड़ा

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परम हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ - रु. से अधिक हैं

और जिमकी सं० सी० एस०-6, है तथा जो ब्लाज-एल, खमरा नं० 880-881, तेहाण हरि नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीनर्ता प्रधि गरी के कार्यात्रय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनाङ मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय बामा गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किली वार्यकी वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे क्थने में सुविधा के सिए; और/आ
- (व) ऐसी किसी नाय मा किसी धन मा कम्य नास्तियों कारे, जिन्हों भारतीय नाय-कार अधिनिजम, 1922 (1922 का 11) या उनता निधिनिजम, वा धनकर नाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिये था कियाने में खे निष्;

अतः अब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री सरूप सिंह सुपुत गाम सिंह, गुरचिन्द्र सिंह सुपुत सोहन सिंह, ई-5, रघुबीर नगर, विल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री इन्द्रजीत सिंह जुलबत सिंह हरजीत सिंह सुपुत्र उग्गर सिंह ए० टी॰ रोड, गोहाटी ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

## तकत संपरित के अर्जन संबंध में कार्ड भी बाक्षेप क्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (उ) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियी जन्य स्थावत इयारा अभोहस्ताक्षरी के पार, तिस्ति में किए वा सकी।

स्पद्धीकरणः -- इसम् प्रयुक्त कृष्यों और खों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## घमुसूची

प्लाट नं सी। एल०-6, तादादी 641.66 वर्ग गज। ब्लाक एल, खसरा नं० 888-881, तेहार हरि नगर, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ्र श्रर्जन रेंग्र–3, न**ई** दिल्ली

दिनांक: 8--11--1985

भोहर:

प्रकृत बाहूं. टी. एन. एस. ----- (1)

आधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक वायकर **आवृक्त (निरीक्रक)**

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० प्रार्ह० ए० सी०/एक्यू०3-/एस० प्रार०-2/3-8/5/2560--प्रतः मुझे, सुनीत चोपड़ा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें परकात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया ही), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी स्त्रो, यह विद्यास करने का कारण ही कि

स्थावर संपत्ति जिका /चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहं से अभिक है

और जिसकी संव जे-8, है तथा जो राजीरी गार्डन, गांध तातर पूर, बिल्ली एस्टेट, बिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री इस्ती श्रिक्ष शरी के सार्यातय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री इस्ण श्रिक्ष तथा, 1908 (1908 ता 16) के श्रधीन, दिनांक मार्चे 1985

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षत्रधाम प्रतिकृत के सिए अन्तरित की नई है बार बुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि नभाप्योंक्त सम्पत्ति का प्रचित काचार मृत्य, उसमें उपस्मान प्रतिकृत से एसे इस्त्रबान गितक के के पन्त्रह प्रतिकृत में अधिक ं बार बन्तरक (कर्ण कों) बार अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब अध्य गमा प्रतिकृत , निम्नितिषत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिनिक क्ष्य ) कथित नहीं किया गया है :----

- (क) मन्तरण संहुई किसी जाब की बावक, उबत अधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने श उससे बचने में सुविवा के लिए? और/बा
- (%) एसी किसी या कसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1937. (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिं, हैं या प्रकट नहीं किया नवा धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के किए:

अत. अब. उक्त अभिनियम की भारा 269-न की बनुसरण में, में, उक्त अधिणियम की तारा 269-च की उपभारा (1) क अधीर निस्तिबिधित व्यक्ति में वर्षाक् क्र--- (1) श्री जगत राम और गोविन्द राम श्ररोड़। सुपृद्ध सुखराज मल निवासी जें -- 8/124, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती सुरिन्दर कौर पत्नीं रघुवीर सिंह बी ए-225/2, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूजें का सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्यान के राज्यात्र में बकायन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामीर से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि बाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस अपना के राजपत्र में प्रकायन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हितबद्ध किसी राम व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिलि में किमे जा सकीय।

स्वच्छीचारण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया प्रमार्थ !

#### नन्त्रची

हाउस नं० 124 तादादी 168 वर्ग गज ब्लाक जे-8, राजौरीं गार्डन, गांत्र-सातारपुर, दिल्ली एस्टेट, दिल्ली ।

> सुनील चोपड़ा नक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनौक: 8-11-1985

प्रस्प नाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (197) का 43) की धारा 269-ण (1) के अर्थीय ज्वाना

भाक 🚾 न्तर

कार्यालय, सङ्गायक आधन्य आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज⊶3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनां ह 6 नवम्बर 1985 निर्देश संब्रुधाई० ए० सींब/एक्यू०/3/एस० श्चार०⊶2,2561,

3-85--श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा

नायकर विधितिनम्, 1961 (1961 का 48) हैं कि इसमें इसमें इसमें प्रकार (उन्हें के विषय का निवास का गया है), की भाषा 269-त के अधीन तक्ष ही धिकडरी को वह विश्वप्रस करने का का कारण हो कि : अपूर्वोक्त वंपरित का जीवत बाजार 1,00,000/- रु. ते शिक है

और जिसकी संज्ञापर्टी नंज 18, रोड़ नंज 61, है तथा जो पंजाबी बाग, दिल्लीं में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूचीं में पूर्ण रूप से बाणित है), रजिस्ट्री हक्ती श्रीधकारी के रार्यालय, नई दिल्लीं में भारतीय रजिस्ट्री हरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक मार्च 1985

को पूर्वोक्स सम्मित के उपिय गाजार मृत्य ये कम के कमान प्रीक्षण को तिए बन्दिए की गई है और मुक्के यह विकास करने का कारण है कि का मूर्वोक्स सम्मित का उपिय गाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रीटिश्स, से, एसे क्यमान प्रीक्षण के प्रवृह प्रतिचार से विश्व है और प्राप्त (अंचरकों) और अंविक्स (अंचरकों) की ये विश्व एसे अंधरण के अब बाब गया प्रविक्स, निम्निलिखित उद्विच्य से उक्त अंतरण निष्ति में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है 1—

- (क) अन्तरण ने हुई काशी बाय की बाखत, उक्त अधिनियम के शैन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने वा उससे अचने में सुविधा के किए; जाँड/वा
- (म) एची किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों अन् , जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम , 1922 (1922 का , या उक्त अधिनियम , या धनकर अधिनियम , या धनकर अधिनियम , या धनकर अधिनियम , या धनकर अधिनियम , 1957 ( 57 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकेर हीं किया गया था या किया जाना चाहिए था , छिपाने में सुविधा से सिए;

अत: अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथित्:---- (1) श्रीमती सुशील वालरा पत्नी मर्ल्खा राम कालरा एस० मी० कालरा सुपुत्र मिलखी राम कालरा, एच० सी० कालरा सुपुत्र मिलखी राम वालरा निवासी सीं-61, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती प्रोमिल। गुलाटी पत्नी एस० के० गुलाटी श्रीं -26, नागयणा विहार, दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जार, जारक पूर्वोक्त सम्मति के सर्वन के किंग्रे कार्यवाहियां करता हो।

उक्त तंपत्ति के अर्फ े तंपभ में कोई भी बाकोप ::---

- (क) इस ब्रुचना कर जिल्लाम नो प्रकाबन की तारीबा है 45 दिन की अर्थ स्वा कर करवां में लिए की स्वाचित्र के स्वाचित्र की श्री स्वाचित्र को भी अविध नाव में तक कि होती हो, के भीत द्वा क्वीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकावन की बादीव से 45 दिन के भीवर उक्ते स्थापर श्रंपीय में द्विषक्ष कार्य कियी अना मार्ट क्लाव, जभाक्षकाशारी के पाव लिक्कि में किए स्कॉन।

रपव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त बक्के दिर क्यों का, जो उक्त मधितिसम्म, के अप १ 20-के में परिकारिकत है, कही नर्थ होंगे. यो उक्त अध्यान में दिना गया है।

#### अनुसूची

तादादी 552.78 वर्ग गज । प्रापर्टी नं० 10, रोड़ नं० 61, पंजाबी बाग, दिल्ली।

> सुनील चोकवा सक्षम प्राधिः गर्क सहायक स्रायक्तर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶3, नई दिल्ली

दिनांक : 6--11-1985

## प्ररूप आई. टी.एन.एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आंग्रक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985 निर्देश सं० श्राई० ए० सीं०/एक्यू०/३/एस० श्रार०-2/3-85/2562--अतः मन्ने, स्नील चोपड़ा आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- फ. से अधिक है और जिसकी सं० जे→5, है तथा जो राजौरीं गार्डन, गांव~ तारपुर, दिल्लीं इस्टेट, दिल्लीं में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूचीं में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रींकर्त्ता अधिकारीं के कार्यात्रय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधींन, दिसांक मार्च 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-उल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक हप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
17—366 GI/85

(1) श्रीं मोहन सिंह सुपुत्र जस्मा सिंह निवासीं छब्ल्यू० जेड०--393, चांद नगर, नई दिल्लीं।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देवकी नंदन सुपुत्र केदार नाथ कीरा सी-15, बुष्णा पार्क, नजफगढ़ रोड़, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरितीं)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन में निष् कार्यनाहियां करता हूं।

# उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जासीप ह---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण :—हममें प्रयुक्त कब्दों और पदों का,, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## अनुस्ची

सिंगल स्टोरीं हाऊस नं० 16, ब्लाक जे-5, तादादी 160 वर्ग गज । राजौरीं गार्डन, गांच-तातरपुर, दिल्लीं इस्टेट, दिल्लीं।

सुनींल चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनाक: 6-11-1985

त्रकृष् वार्ष*् द*ि एसः एक्<sub>र</sub> - ४ ५ - ५५

# नायकर गीधनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-म (1) के नधीन सुम्मा

भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्द्रोक्रण)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देण सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० म्रार०- 2/3-85/2563---म्बतः मुझे, सुनील चोपड़ा

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके परवात 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अभीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० बी→132, खसरा नं० 476, है तथा जो फतेह नगर, गांव—तेहार, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्लीलय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1985

का पूर्वोक्क सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य के का के दश्यकान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और भूमें वह विकास का कारण है कि यकाप्वोंक सम्पत्ति का अधित बाजार मृत्य, इसके ध्रियमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ष अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिजियक को जबीन कर दोने के समारक के खाँकरम में कमी करने ना नकसे मचने में श्विषा के लिए: औड़/बा
- (ण) ए वी जिली बाव वा किसी भग या जन्म बास्तिकों को, विन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1921 (192? का 11) या उक्त वीधिनियम, मा भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा वै विक्त

(1) श्री जगजीत सिंह सराय सुपुत्र हर बचन मिंह निवासी 9/3, लाल बहादुर सदन, गोल मार्किट सदन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सत्यपाल मल्होत्रा सुपुत्र लोधा राम मल्होत्रा निवासी-बी~97 फतेह नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थान वारी करके प्रॉक्स सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त इंग्ली हो, को भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य म्यक्ति द्वारा कथाहस्ताक्षरी के पाष्ट निम्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ क्षोगा जो उस अध्याय में विया यक्त हैं।

# अबुबुची

फ्री होल्ड प्लाट बी-132, 150 वर्ग गज खसरा नं० 476, फतेह नगर। गांव-तेहार, नई दिल्ली।
(मोहल्ला नानकपुरा)

सुनील घोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

अत: अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

विनांक: 5-11-1985

प्ररूप आहु . टी. एन. एस्.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के जधीन सूचना

भारत सरकार

कार्योलयः, सहावक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज~3, नई विल्ली

नई विल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० ग्रार०--2/3~ 85/2564---ग्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की भारा 269 स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उपित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० पी० न० 45, ब्लाक के०, खमरा नं० 598 है तथा जो फतेह नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाव ड श्रनुसूची मे पूर्ण रूप में विणत है), राजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1985

को पूर्विस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्शवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह दिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्विस्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूक्य, उन्नके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रविफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतिस्ती (अन्तरितियों) के बीच। एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल निम्नलिखित उन्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में स्तिविक हप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/भा
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों. भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था बा किया जाना चाहिए था, जिल्पाने में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री वासुदेव छाबड़ा सुपुत्र जयिकशन, निवासी 47/5, तिहार-2, ग्रशोक नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती चरनजीत कौर पत्नी चरनजीत सिंह निवासी डब्ल्यू० जैंड-9, मुखर्जी पार्क, तिलक नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को मह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सन्धित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकरण व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास शिक्तित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हर्ष अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ हुरोगः जो उस अध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

हाऊस आन फी होल्ड प्लाट नं० 45, ब्लाक की, 150 वर्ग गज पार्ट खसरा नं० 598, फतेह नगर, गांव तिहार दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 5-11-1985

# प्ररूप वार्ड.टी.एम.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० म्रार०-3/3-85/2585---म्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारि को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं ० डब्स्यू० जेड-2082, है तथा जो प्लाट नं० बी-46,रानी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाब अ अनुसूची में भीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भिष्तियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्धे देय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——[

- (क) अन्तरण से हुक्क्ष्म किसी आय की बाबत अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्मिलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ि—

(1) श्री बृज भूषन वासी, पुत्न प्यारे लाल, वासी निवासी—डब्ल्यू० जेड-2082, प्लाट बी-46, रानी बाग, शकुरबस्ती, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शांति देवी गोयल पत्नी मुरारी लाल गोयल, निवासी 2104, रानी बाग, शकुरबस्ती, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचन। क राजपत्र म प्रकाशन का ताराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भनुसूची

प्रापर्टी नं० डब्ल्यू० जैड-2882, प्लाट नं० बी-46, रानी बाग, दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज⊶3, नई दिल्ली:

विनांक: 5-11-1985

# प्रकार सार्व के दीन मुस्ति सुक्ति र त ए र मन

# नावकर निर्मानकम्, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-ए (1) में भृषीत सूच्या

## भारत बरकार

# कार्यालय, ब्ह्रायक बायकर बायकर (निश्रीकार)

धर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यू० / 3/ए एस-आर- /3-85/2566---अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

नायकर क्षिनित्रम, 1961 (1961 का 43) (ज़िले इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनित्रम' नहां गया ही, की बारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार नृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2, रोड़ नं० 85, क्लाम-सी, है तथा जो पंजाबी बाग, नई विल्लो में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त समपित के उपित बाजार मून्य से कम के क्रवजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विद्यास करने का कारण है कि बजापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित वाचाड़ मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे अवभान प्रविक्त का पंक्र प्रतिचत से अधिक है और बंदरफ (अंदरकार) और बंदरिती (अंदरितियों) के बीच एसे बंदरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्मीलिकत उद्योक्य से उक्त अन्तरण शिक्ति में बास्याण्ड क्य से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) वस्तर्थ से हुइ' विश्वी बाव की वावच, क्या कीशनियम के नशीन कर दोने के वस्त्रक के व्यक्तित्व में क्रमी क्याने वा क्याचे बलने में ब्रुविया की हैंबड़; श्रीत/वा
- (स) ऐसी मिसी भाग या किसी धन या अन्य अस्तिकों को, जिन्हों भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, या वन-कर -अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्याय प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना वाहिए था, जिनाने में वृतिका के जिल्ह (1)

जतः तन, उन्त अधितियम की धारा 269-न के अनुकरण में, में, उन्त अधिवियम की धारा 269-न की उपनारा हैं।) के अधीनु, निम्नसिवित व्यक्तियों, अधीत क्र— श्री राम नारायन
 2/85, पंजाबी बाग,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री असराज लाल अरोड़ा श्रीमती विमल अरोड़ा, 15/42, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का वह स्वना बारी करके प्वॉक्त सम्मत्ति के कर्जन के जिए कार्यमहितां करता हुं।

उनत सम्बन्धि को बर्चन को सम्बन्ध में कीड़ी भी आश्राप हुन्न

- (क) इत तुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख धं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को और जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ते किसी स्पन्ति स्वार;
- (च) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रमुक्त संस्थों और पर्यों का, जो उन्ह वृद्धिनितम् के सभ्याय 20-क में वृद्धिशिषक हैं, वहीं कर्ष होता, को उस सभ्याय में दिवा क्या है।

# अनुसूच<u>ी</u>

पी० नं० 2, रोड़ नं० 85, ज्लाट नं० सी, पंजाबी बाग, निवासी एप्रूवड कालोनी, मादीपुर, दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶3, नई दिल्ली

दिनांक: 8-11-1985

प्ररूप बाह्", टी .एन .एस ..-----

नायकर मिंपिनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर भागुक्त (निजीक्षण)

म्रजन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस० ग्रार०--3/3--85/1010---ग्रतः मुझे सुनील चोपड़ा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिपकी मं० जी-7/6, है तथा जो मालविया नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (भौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्स सम्पास के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निमितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिबक रूप से किथत नहीं कया गया है —

- (क) अन्तरण, से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरे क्याने में सुविभा वायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी धन या अन्य बास्तियों की जिन्ही भारतीय बायफ कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तिरिती धुनारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, किपाने में सूत्रिका के निष्

नतः नव, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरन में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, श्रिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि— (1) श्रीमती भगवान देवी पत्नी स्वर्गीय दौलत राम शर्मा, निवासी डी० डी० ए० जनता फ्लैंट नं० 13/बी, शेख सराय, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती संगीता कनकर पत्नी राजेन्द्र कुमार श्रीर राजेन्द्र कुमार कनकर सुपुत्र श्री कें० के० कनकर, निवासी जी--7/6, मालविया नगर, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के शर्वन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रमुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

प्रापर्टी नं० जी-7/6, तादादी 126 वर्ग गज, मालविया नगर, नंई दिल्ली}।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 6-11-1985

मोहर 🖁

प्रक्ष नाहाँ.टी.एन.एस. \*\*\*\*\*\*\*\*\*

# नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस० म्रार०-3/3-85/1012--म्रतः मृहो, सुनील चोपड़ा,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० 37, खसरा नं० 881, 761/1, है तथा जो खातुनी नं० 360, पूसा रोड़, करोल बाग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुभुवी में पूर्ण कप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मार्च 1985

को प्रेसिक सम्मत्ति के उचित बाबाह मृस्य से कम के क्रवजान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मुओ वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाबार मृल्य, उसके दरमान प्रतिकाल से एसे व्ययमान प्रतिकाल के गन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और विश्वित (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तब गया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित जब्बेय से जक्त अन्तरण के बित में वास्त्रिक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सहिंदि किसी आव की अध्यत, उसक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वावित्व में कभी करने मा उत्तरो वचने में स्रविधा के सिद; बॉड/बा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूबिधा के सिरा।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन... निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- 1. श्री राजीव चोपड़ा सूप्त कृष्ण कृमार चोपड़ा.
  - 2. श्री प्रमान चोपड़ा सुपुत्र कृष्ण कुमार
  - 3 श्रीमती रमनी चोपडा पत्नी श्रमन चोपडा
  - श्रीमती श्रव्का चोगडा पत्नी राजीव चोपडा निवासी 37. पूपा रोड, 'इरोल बाग . नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री छोटे नाल खन्डेवाल सुपुत्र जुगल हिशार
  - 2. द्वारका देवी पत्नी छोटे लाल खन्डेवाल निवासी 12-11, डब्ल्यु० इ० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के सिष्ट् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की तासील से 30 दिन की बविधि, को औं जविध बाद में सभाप्त होती हो, के शीतर पूकें कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुंगरा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास निवित्त में किए जा सकनें।

श्यक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गथा है।

## अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 37, खमरा नं० 881/761/1, खतानी नं० 360, तादादी 784 वर्ग गण पुसा रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 8-11-1985

# प्रकथ आहें.टी.एन.एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सहस्वर

# कार्नात्व, सहायक बावकार बावक्त (नियुक्तिक)

श्चर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1985 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस० श्चार०-3/3-85/1014—श्चतः मुझे ्तील चोपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 18/20, खसरा नं० 793/767, है सथा जो वेस्टर्न एक्सटेशन, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुभूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजम्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधित बाबार मूल्य से कम के क्ष्यमान भितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यथमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिली (अंतरितियों) के बीच ऐसे जंतरण के सिए तय पाया पंचा प्रतिफल, निम्निचित उद्वेष्य ते उक्त जंतरण विचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) नंतरक से हुई किसी नाम की नानत, अन्त विध-विषय में अधीन कर दोने के नंतरक के द्विधित्य में कमी करने ना उसले नज़ने में सुविधा के जिल्ह; अपि/का
- (थ) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर वीवनिवय, 1922 (1922 का 11) वा उक्त वीवनिवय, वा वन-कर वीवनिवय, वा वन-कर वीवनिवय, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदरियों प्राप्त प्रकट नहीं किया नवा था या किया वाना वाहिए था, जिनाने में बुविधा के चिद्ध;

बतः वयः उक्त विधिनियम की भारा 269-व के वन्तरक वें, वें, उक्त विधिनयम की वारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्--- (1) श्री जीतिन्द्र कुमार ग्रीर ग्रजीत कुमार सुपुत्र हर प्रकाश, निवासी--18/20, डब्ल्यु० इ० ए०, लरोल बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) सिकन्दर लाल पाहवा फ्रैमली ट्रस्ट, ए-8, ग्रेटर कैलाया एनकलेव-2, नई दिल्ली द्वारा ट्रस्टी एस० एल० पाहवा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के बिए

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अनीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिष बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (ब) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीसर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ब्धोहस्साक्षरी के पास सिचित में किस्स वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

#### प्रमुखीं

ढाई स्टोरी हाऊस नं० 18/20, सादादी 240 वर्ग गज । खप्तरा नं० 793/767, वेस्टर्न एक्सटेंगन एरिया, करोल बाग, नई दिल्ली ।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) •• स्रजन रेज--3, नई दिल्ली

दिनां <del>ह</del> : 6-11-19**8**5

प्ररूप आइ°. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचेना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्राजन रेंज---3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनों 🤈 5 न ४म्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० ग्रार०-3/3~ 85/1016:--श्रतः मुझे, सुनील घोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिनकी संव 16/268/269 है तथा जो 16/287-289, ब्ला अवीडी, जोशी रोड़, उरोल ब्राग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इक्षी उपाबद्ध ग्रानुसूची में पूर्ण क्ष्म से विणत है), रिजिस्ट्री को श्रीध्यारी के अर्थालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्री करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनों अर्था 1985

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रितिफल से एसे दृश्यमान प्रितिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कः) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के संगरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः जबः, उक्त अभिनियमः, कौ भारा 269-ग **कौ जन्मरक** मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 18—366 GI/85 (1) श्री रनजीत बिंह मुपुत्र लेट श्री भगत सिंह, श्रीमती स्वर्नकांता पत्नी रनजीत सिंह, श्रागोक कुमार और विनोद कुमार सुपुत्र रनजीत सिंह, निवासी दी→7/1, कृष्ण नगर, दिल्ली ।

(म्रन्सरक)

(2) श्री भविनास चन्दर मुपुत्र राम कियान बजाज, निवासी -- 6967, मुलनानी डांडा, पहाइगंज, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना अभी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## अवत सम्पत्ति के वर्जन के तंबंध के कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- ं (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## वन्त्ची

प्रो॰ 16/268/269, 16/287-289 (पुराना नं॰) 16/328/329 (पर्टेली) 16/352-355 (पर्टे (न्यु) खसरा नं॰ 220/35, 36, 39, 221/35, 36, 39, 222/35, 36, 39 एरिया 404 वर्ग वर्ग 1 ब्लाक बी॰ डी॰ जोशी रोड़, रोल बाग, नई दिल्ली।

सुनील घोपड़ा अक्षम प्राधि छरी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज--3, नई दिल्ली

धिनांक: 5-11-1985

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज---3, मई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

मिर्देश सं० आई० ए० सी०,एक्यू००/3/एस०आए०-3/3-85/1017—अतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

बावकर कि भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण हैं कि स्थावर सर्भान्त, जिन्नका उन्ति बाजार मृल्य 1,06,000/-रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० एम० पी० एल० नं० 7113, पी० नं० 30 है सथा जो ब्लाक 16, खसरा नं० 1563/151, करोल बाग मई दिल्ली में स्थित है (ग्रींग इसले उपाबद्ध अनुभूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीयर्क्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री एण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांस मार्च 1985।

का पृशंकित सम्परित के उचित बाजार मृत्य में कर के दश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है अर्थ मुमं, यह विश्व कि करने का कारण है कि संथाप्त्रों कर सम्परित का उचित बाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकात से, एरेसे छन्यमान प्रतिकात का चंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाय। गया प्रतिकाल, निम्निनिखित उद्देष्य से उन्त उन्तरण जिल्ला में सास्तरीयक क्ष से कथित नहीं किया गया है ---

- ोक) जन्तरण से हुई किसी नःय की बाटम उक्त अधिनियम को अधीन कर दाने की जन्तरक औ दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के निग, और√का
- (क) इसी किसी बाब या किसी पत या अन्य बारिसकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (१००० कर १) वर्ग कर अधिनियस या पत-अर अधिनियस या पत-अर अधिनियम, (957 (1957 का २४) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिकी वृज्यार प्रकट नक्षी किया शका वा या किया जाना वाहिए का विश्वार में भविष्य के विद्या

कक्षा विका अबत अभिनियम की धारा 269-भ को अनुसरण मी, मी, धावत अधिमियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीम नियनिक्षित व्यक्तियों व्यक्ति के अधीम के तिव्य को यह मुचना चारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अधीन के तिव्य कार्यवाहियां शुरू करता हुं। (1) श्रीमती पुष्पा देशी पतनी स्वर्गीय गोताल सहाय भाग्तीय मिषासी 557, लाहौरी गेष्ट, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमतो बलबीर कौर पत्नी निर्मल सिंह वर्मा, 2120, गुरूबारा रोड़, करोल बाग, मई दिल्ली।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी मासेप :---

- (क) इस स्वा के राजपन में प्रकासन की तारीय से 45 दिन की सबीध मा तत्सम्बन्धी स्मक्तियाँ देश स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियाँ में से किसी स्परित दुवाराः
- (था) इस बुचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारी है से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्थ किसी बस्य व्यक्ति हुनारा अभाक्तिकारी के पास विकास में किए या सकी ने ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ<sup>0</sup>, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिसा स्था है।

## अन्स्ची

प्रापर्टी एम० पी० एल नं० 7113, प्लाट नं० 30, ब्लाक नं० 16-बी, खसरा नं० 1563 152, नादादी 247, वर्ग गज, दो मंजिला मकान, देव नगर, करोल काग, मई दिख्ली।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारीः सहायक आयकर प्रापुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज-3, नर्षे दिल्ली

दिर्मांक: 5-11-1985

मांहर:

प्रकप बाह्". टी. एन., एस. ----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बभीन सुचना

## भारत दरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जिम रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मचम्बर 1985

निर्देण सं० आई० ए० सी० एक्यू०, 3/एस० आर०-3/3-85/1019--अतः सूझे, सुनील चोपड़ा

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमार प्रश्नार का माना वहा गया है), की भारा 269-क कं अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रीर जिसकी सं० एस-25 है तथा जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप रो वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के आर्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिनाज मार्च 1985।

को पूर्वेक्त सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतोरत की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य तसक द्रयमान प्रतिफल म, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया मया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है र—

- (क) अन्तप्रण सं हुद्दं किसी बाय की वावल, उपत अधिविद्य के अभीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में ककी करने वा उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; होर/स.
- (क्ष) श्रीति विश्वी जाय या किसी धन वा बन्य व्यक्तिकों को धिन्ही भारतीय जाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर व्यक्तिमियम, या धन-कर व्यक्तिमियम, 1957 (1957 को 27) के प्रशांजनार्थ जन्तिरती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया प्रदासिक। श्रीतिक। श्रीतिक। श्रीतिक। किया विश्वासिक। विश्वसिक।

कारा अक, अक्त भौभिनियम की भारा 269-न के बम्बरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधाय (1) के अधीन, जिस्तिसिस व्यक्तियों, कक्षत :--- (1) श्री राम माथ सुपुत क्रुपा राम, निवासी जै० पी-10, मीर्थ एन्कलेव, प्रीतमपुरा, भई दिल्ली।

(अन्तर ह)

(2) माउथ दिल्ली बिलिडर्स (प्रा०) लिमिटेड, एम-64, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली युरु डायरेक्टर कमल कील।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारा करके वृज्ञांक्त सम्पत्ति के वर्जन् के निष् क्रायनाहिया करते हैं

बनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी जनिष नाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त क्यिनियाँ में स किसी क्यिकत द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है हैं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति भ" किए जा सकोंगे।

स्वयक्तिरण:--इसने प्रमुत कर्का और पर्वा का, को उक्त अभिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया हैं।

## अनू सुचो

प्रापर्शी नं ० एस--25, तादादी 160 वर्ग गज । ग्रीन पार्क, मध्नी दिल्ली ।

> पुनीत वीरडा नजन पाधि गरी हिन्ह जीन हर जापुनत (निरीक्षण) नर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनाक: 5-11-1985

प्रा<del>रू</del>प जार्दं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, मई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 नवस्वर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यू० 3 एस० आर०-3 3-85/1020--अत: मुझे, सुनील चोपड़ा,

कायकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचार 'उक्तर अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख 1,00,000/- रहा. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० 10/3, है तथा जो घोल्ड राजेन्द्र नगर नई दिल्ली में स्थित है (घीर इससे उपाबद्ध अनुभूवी में पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985।

का पूर्वों कत सम्मरित के उचित बाकार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापृवांकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निमालिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-निक रूप से कियत नहीं किया गया है ;—

- (क) अन्तरण से हुव किसी अाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर वेने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉट्र/या
- (वा) एसी किसी बाब वा किसी बन या बस्यः बास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

जतः क्षतः, उकतः विभिनियमः, की धारा 269-ग के वनुसरण कों, में, उकतः अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसितः व्यक्तियों, वर्धात्:— (1) श्री मोहन लाल दुपर, सुपुत 3/10, श्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्दरक)

(2) श्रीमती प्रेम कौर,
 41/1955, नाइब(ला, करोल बाग,
 मई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सुचना आरी करके प्यक्ति नम्मित के वर्जन के लिए कार्यवाहिमा करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्संवधी अपिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपिक्त में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिर नगर हैं।

## सन्स्ची

मकाम नं ० 10/3, स्रोल्ड राजेन्द्र नगर, भई दिल्ली।

मुनील चोपड़ा सझम पाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (पिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

विमांक: 4-11-1985

which is a contract of

प्रकृष बार्चा, टी. एन. एवं.-----

भायजर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) श्री भारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जीं रेज-3, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 4 नवम्बर 1985

निर्देश स० आई० ए० सी०,एस्यू०/3/एस० आर०-3/3 85,1021--अत मुझे, सुनील चोपडा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० आर-1, है तथा जो होज खाम एन्कलेय मई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप रो वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, मई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च 1985,

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तृफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में तिवक रूप स किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने मा उसते मचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी बाय या तिसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर आधिनयभ, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनयभ, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के समजनार्थ अवस्थिति है के प्रतिकृति के

नतः वन, उक्त निर्धानयम की धारा 269-ग के ननुसरण हों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के नधीन, निम्निनितित व्यक्तियों, नधीत :---

(1) श्री करनजीत मिह 70, रीमल बिल्डिंग, नई दिल्ली।

(अन्तरकः)

(2) श्री तारा चन्द वर्मा श्रौर श्रीमती निशा मिलक, पर्लैट न० 301, आर-1, हौजखास एन्कलेब, नई दिल्ली।

(अन्तिरती)

को बहु स्चना जारी करके पृत्रोंकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में काहे भी माधीप उ---

- (क) इस स्वान की राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास सिकिस में किसे जा सकरें।

स्पाद्धीक रणः - इसमें प्रयुक्त काव्यों और पवाँ का, को उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पता है।

#### मगस ची

फ्लैंट नं० 301, प्रथम फ्लोर 1005 वर्ग फीट आर-1 हौजखाम-नई दिल्ली 1/11 अनि डिवाडिड भूमि एप्रोक्स 46.88 वर्ग गज।

> मुनील चो ४डा प तक पाधिकारी महाय र आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3 नई दिल्ली

दिमाक 4-11-1985

प्रांक्य बार्ड . टी . एव . एस . ------

अध्यक्त र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थना

#### भारत चरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) स्रर्जन रेंग-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 तबम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सीं०/एक्यू०/3/एस० श्रार्-3/3-85/1022--श्रत. मुझे, सुनील चोपड़ा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन शक्षम प्राधिकारी का गर्ने विषयम कारत का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

और जिन्नीं स० फ्लैट तं० 203, है तथा जो अप्पर ग्राउंड फ्लंति आर-1, हीच खाए एन्कलेच, नई दिल्लीं में स्थित है (और इसमे उपाबड़ अनुसूचीं में पूर्ण रूप में विध्त है), रिक्ट्रिकर्सा प्रियारी के पर्यालय, नई दिल्लीं में भारतीय श्रीत्रम्हीं, रण अधिनियम, 1908(1908 ा 16) के अधीए, दिनाए मार्च 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान भितिफल के लिए अन्तरिक की गई है और भूओं यह विश्वास कारने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से अक्त अन्तरण किवान यो बादि के सम्तरण किवान से सास्तरिक स्व से किवान नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आग वर्ग पायतः, उक्त अधिनयम की अभीत कर योते की अन्तरक की अर्थावरण वर्ष कर्म करने मा स्थान अपने न संधिक्ष को निष्; और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या क्या व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर विधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना काहिए था किपाने में सुविधी के तिकः;

जतः गय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री करनजीत सिंह 70, रींगल बिल्डिंग, नई दिल्ली।

ಾಗ್ಯಾಗ್ ಕರ್ವಾಗ ವಿಶ್ವದಲ್ಲಿ ಒ<mark>ದ್ದರ್</mark>ವು ಕರ್ಮಿಸುವ ಸಂಗಾರದ ಬಿಡಿಸುವ <del>ಮಾಡುವ ಮಾಡುವ ಮಾಡುವ</del> ಚಿತ್ರಗಳು ಸಂಗ್ರಹವಾಗಿ ವಿಶ್ವದ ವಿಶ್ವ

(धन्तरक)

(2) श्री एस० रामामूर्ति,1/203, हीजखास इन्कलेय,नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

स्त्रं यह सुमना वारी करके पृत्रांकित सम्मीत्त के अर्जन के वित्रः कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की शारीख म 45 विन की अविधिया टरसंबर्धा व्यक्तियों पर बूचना की तामीस से 30 विन की अविधि, आं भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के मीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

पलैंद नं० 203, अप्पर ग्राउंड फ्लोर ध्रार-1 हाँज खाम इन्म्लेष, नई दिल्लीं। ज्वरड एरिया 1319.35 वर्ग फीट और 1/11 प्रविभाजित भूमि लगभग 46.88 वर्ग गज।

> सुनींल चोपड़ा पक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) प्रार्वेन रेंग-3, नई दिल्ली

दिनांक: 4-11-1985

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

लायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) में मधीन स्थान

#### भारत संस्कार

अय. सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंग-3, नई दिल्ली
 नई दिल्ली, दिनां : 5 सबम्बर 1985

निर्देश मं० शाई० ए० सीं०/एक्यू०/3/एम० श्रार०--3/3— 11/1023 ---भार श्रुहो, सुनील चापड़ा,

हर्गैयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इन हे प्रकार उसने अधिनियम काहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और ति की म० फ्लैंट न० 303, प्रथम प्लोर, है तथा जो आर-1, हीत खार एकलेव, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इस उपार एक्सेव में पूर्ण कर से बणित है), रिवस्ट्रीक तो प्रति परी के पर्योग, एई दिल्ली में भारतीय मी स्ट्री रण ध्रिति एम, 1908 (1908 स 16) के प्रधीन, दिला मार्च 1985

ही भ्वाकित सर्पांक के उिचल बाजार मृश्य से कम के क्यमान जितिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का फारण है कि यथानुवींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल किनलित में अन्तिक स्प स किश्य नहीं किया गया है :—

(१) वन्तरण से ब्रुक्ट कियी काय की आवत उक्त कथिन जिल्ला के कियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दर्श पत्थ और मेरी करने या उसके बचने मा सूबिधा के लिए; बार/या

ए शी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की . जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम , 1922 19972 की 11) या उक्त अधिनियम . या अम-कर आधिनियम , 1957 (1957 का 27) के अशेषनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एक्ष स्वीतिक्या जाना चाहिए था क्रियमों में सुविधा क लिए:

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्री ,शनशीम सिंह70 शीम व बिल्डिंग, नई दिल्ली ।

(भ्रत्नर∜)

(2) श्री केठ एन० मुन्दरेशन और श्रीमती म्नेह यता मुन्दरेशन्।

(ग्रन्तरिती)

औं ग्रह स्वता भारी करक प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन की सम्बन्ध में कोई भी बाधीय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तराम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के शीतर पूर्वाकर प्रक्रिनयों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना में राजगत्र मो मक्त्यान की तारीख के 45 दिन की भीतर उक्त स्थातन सम्पत्ति या दिल सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के अस्ट निष्टित मो किए जा मकण

स्पव्यक्तिरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, ओ उपित विधिनियम, के अभ्याय २०-५ परिभाषित १, बही अर्थ सामा, का उस अध्याय मा दिया महा हो।

## अन्स्ची

पनैट नं० 303, प्रथम खंड 1102 वर्ग फीट । ग्रार्चा, हौज खाप एरं तेव, नई दिल्ली एतॉग विदे 1/11, अन्डिवाडिड पमि एपोका 46,88 वर्ग ग्रा।

> मुनील चोपडा सक्षम प्राधिकारी सहायस प्रायक्तर शायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−3, नई दिल्ली

दिनांक: 5-11--1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मानकार क्रांधानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक भायकर नावुक्त (निरीक्तन)

श्रर्जन रेंज--3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 तमकर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सीं०/एक्यू०/3/एम० श्रार०-3/3-85/1824--श्रत मझे, स्नील चोपडा

बायक र जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें दशकों दशकों दशकों दशकों 'उक्त मिथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं 302 पहला फ्लैट है तथा जो भ्रार-1, हाँज खास एन्एलेच, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण क्य से घणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिनारी के जार्यातय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के अधीन, दिनाक मार्च 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल क्ते तिए बन्तरित की गद्भ करने का हे कि वचा• विद्यास कारण पर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके बरममान प्रति-फल से, एसे इष्टयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं। और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण को लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेक्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ६--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की वावत, उसत विधिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दादित्व में कमी करने या उससे वचने में अधिभा के किस्; जीह/वा
- (प) एरेरी किसी जाय या किसी भन या जन्म जास्तियों की, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भय-कर विधिनियम, या भय-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा का वा किया भाग चाहिए था. कियाने में भ्रतिभा के लिए:

अतः अव, जनत अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीं ज्यनजीत पिह,70, रींगल बिल्डिंग,नई दिल्ली-51।

(भ्रन्तरव

(2) श्रीमती हेमलता महता, फ्लैंट नं० 302, श्रार-1, हीज खास एन्स्लेघ, नर्ष दिल्ली।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिस के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्थक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त विविद्यान, वो क्ष्याय 20 क में परिभाविद्य ही, वहीं वर्ष होगा वो उस सभ्याय में दिशा गया ही।

## **मनुसूची**

फ्लैट नं० 302, प्रथम फ्लोर 1000 वर्ग फीट, ग्रार-1, हीज खास एनकलेव, नई दिल्ली एलाग विद् अनिडिवाडिड भूमि लगभग 46.88 वर्ग गज।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिवारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-3, नई हिल्ली

विनांक: 4-11-1985

प्ररूप साइ', टी. एत. एस. -----

# भारतकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के स्पीन स्पना

### भारत सरकार

धार्यालय, सहायक आयक्तर भाग्यत (निर्दाक्षण) धार्यन रेंग--3, नई दिल्ली

नई दिल्ती, दितीन ४ नवन्त्रर 1985

िर्देश सं० प्रार्थः ए० सी०/एएयू०/13/ए८० **धार०--2/3-**85/1025---भ्रतः मुझे, सुनील चीत्**ड**ा,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पर नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है . की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,02,000/- रा. से अधिक है

बीट नि की सं॰ पर्नेट नं॰ 103, लोबर ग्राइन्ड है तथा जो बाट -1, ही 1 खार एरालेट नई दिल्ली में स्थित है (और इसने उपावत अकुर्नी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिएड्रीस्सी अधि की के रामी राज्यी सिन्हीं में भारतीय रिएड्रीट्रण अविधिन, 1903 (1903 T 16) के अवीर, दिनोट मार्चे 1935

को प्तींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि दशापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, ऐसे दश्यमान प्रितिफल के गम्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितिषां) के धीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कि पितिष्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (स) एस किसी आय या किसी धम या अन्य आखिलयाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) जा उक्त आधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा दा उपस्त जाने धाहिए था, कियान मा सर्थिधा के लिए;

अतः अधः, उन्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के कारीज निक्ति स्वित्तयों, अर्थात् :---- (1) श्री करनजीत चिह्न,70, रीयत बिल्डिंग,सर्दे दिल्ली-1।

(सन्तरक)

(2) कुमारी धनुराधा सरफदार, फ्लैट नं० 103, धार-1, हुँजि खास एन्द्रकेष, मद्र दिल्ली।

(भन्दरिती)

की यह सूचना कारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति की कर्षण की संबंध में कीई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वात की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दुवारा?
- (का) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किशी अन्य अयमित इकारा अधोहत्ताक्षरी के पास लिसित में किए वा सकेंग्रे।

स्पथ्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सक्तों और पदों का, वो उक्त कथि-नियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ स्पर्द होया, हो उस स्थ्यान में दिया गया है।

# स्रवाची

पतैट नं 103, लोमर प्राउन्ड एरिया 1100 वर्ग फीट प्रार-1, हीते खात एन्कलेव, नई दिल्ली एलांग विद् 1/10, धनिधनिईडिड भूमि लगमग 40.88 वर्ग गज।

> सुनील चोपका सक्षम प्राधिशारी सहायङ घायकर घायुषत (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, नई धिल्ली

怪耐寒: 4→11→1985

प्ररूप आह .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

मई विल्ली, दिमांक 4 मवम्बर 1985

मिदेश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/3/एस० आर०-3/ 3-85/1026—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर जांधनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें फर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के भिनीन सक्षन प्राध्यकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. में अभिक्त है

श्रीर जिसकी सं० ग्रीम पार्क नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाषद्ध अनस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है): रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त संम्पति के उद्भित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के जिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि यथान्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की श्वाबत, उक्त अधिनियम के लधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में मूबिधा के लिए; और/या
- (क) एंमी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में मुक्थि। के लिए।

कत. अब, उथत अधिनियम की धारा 269-ग को अनूसरण म, म, उथत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्तिशिखत अधिनतयों, अधित :--- 1. मै० एक्तप्रेस प्रोपर्टीच प्रा० लि० बी-177 जो नई दिल्ली ग्रटर कैलाण-1 द्वारा डायरेक्टर जे० बी० गीवल। (अन्सरक)

2. मैं० मेहरा ऐंड कम्पनी 2120 बहादुर गड़ रोड़, दिल्ली द्वारा श्री अजब कुमार मेहरा।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया अरता हूं।

उयद सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **सं** 45 दिन की कदिए या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, सो भी अविधि लाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वता की राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 किन की भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति मो हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिन मो किए जा सकोंग।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्ता शब्दों और पदों का, जो उक्त है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है, दहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

पोरशम नं० 1 तादादी 468 वर्ग गज फिट पार्ट आफ प्रोपर्टी एस-1 ग्रील पार्क एक्डटेंग्रान नई दिल्ली।

> सुनील चोनड़ा सक्षम अधिकारी े ] सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 4-11-1985

मोहर 🗜

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आएक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मनम्बर 1985

निदेश सं अाई ० ए० सी ० / एन यू ० / ३ / एस० आर० 3-85/1027-अतः मुझे, सुनील चरेपड़ा, आयक्तर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं। मीर जितकी सं० एन-19 मीन पत्क एन उटेंशन है तथा जो कई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीहर्ता अधिकारी कायलिय नई दिल्ली में भारतीय रजिल्द्रीक ण अधिनियम-1908 (1908 का 16) जे अधीप वारीख मार्च 1985 का पर्वोक्त सम्पति के उधित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है ग्रीर मुखे यह विश्वाध करने का कारण है कि यथाप्त्रीयत सम्पत्ति का उपवत बाजार मृत्य उसके दृश्यमान अतिकल सं, ्रे दृश्यनान प्रतिफल का परब्रह् रतिगत के सबिक है और अन्तरक (यन्तरकों) और **अन्तरि**ती अतरितियों) के बीच ऐत अन्तरण के लिए तय पाया गया ंफल, निम्दलिखित उद्देश्य से उनत मस्तरण सिबित में बास्तविक भय से कांबत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के तिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित उपकित्यों, अर्थात् :---

- एस.----- 1 श्रीमती ईश्यर जोर श्रीर इन्दरजीत सिंह द्वारा पाल एण्ड एसोशियट्स 43) 70 रीगल बिल्डिंग, मई दिल्ली।
  - 2. आ० रमेण धर्मा सुपुत्र जे० एन० शर्मा सी--538 वजीर नगर मई दिल्ली-3 (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृयोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

# चनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में को**इ" भी आक्षेप** :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अयिध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूशरा;
- (क) इस सूचना क रागपन में प्रकाशन को हारी हं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाक निश्चित में किए जा सक्या।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम,, को अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

### **अनुस्**ची

पर्लंट नं॰ 101 ग्राउण्ड फलोर 1150 वर्ग फिट एस-19 ग्रीन पार्क एनझटोंगन, नई दिल्ली।

> सुनील भोपहा सक्षम प्राधिनारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 4-11-1985

# प्रकार मार्चक क्षीत प्रस्त प्रस्त --

क्सवृक्ष इ व्यथिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के वधीन स्वता

### SIT SERIE

कार्यानय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 नवस्थन 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एसयू०/3/एस० आर०-3/3-85/1028--अतः मुझे, सुनील कोएड़ा नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं स्था जो मालविता नगर महीर जिसकी सं० 80/58-बी है सथा जो मालविता नगर मही दिल्ली में स्थित हैं (मीर इससे उपाबद अनुतूची में कीर पर्ण कप से अणित हैं) रिजाटी हती अधिकारी के

श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिल्ली हर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजिल्ली करण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985 को पूर्वोक्स सम्मत्सि के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान विकास के लिए अन्तरित की गई है बीर मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का मृद्ध, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का मृद्ध, उसके दश्यमान प्रतिफल का मृद्ध, उसके दश्यमान प्रतिफल का मृद्ध, उसके दश्यमान प्रतिफल का मृद्ध प्रतिफल से जिसका से अधिक है और अंतरिक (अंतरितों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विध्य से उसत अन्तरण निधित में वास्तिक स्प से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुद किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के वधीन कड़ देने के जन्तरक के शावित्त में केनी कड़ दे वा बहुद वचने में तृष्टिया के सिष्ट; बीर/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन या नत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) में अयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना बाहिए था, छिपाने में हिन्सा के लिए;

बतः अव, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वै, मैं, अक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (१) के बधीन ु निम्नुसिवित क्रिन्टियमों, स्थाद क्र— 1. श्री स्वराज कुमार कपूर सुपुत श्री बुटा राम नियासी एस-13/5 मालविया नगर मई दिस्ली।

(अन्दरक) .

2. श्री कुलदीप सिंह सुपुत श्री सुमेर सिंह 80/58-श्री मालविया नगर, मई हिल्ली।

(अन्त्र रितो)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकारन की तारीख छैं
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  विविध्य स्थानितयों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कर
  स्थानितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरुण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उ अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रत्यश्री मं॰ 80/58-त्री॰ हाबादी 100 वर्ग गज भागक्षिया नगर, नई दिल्ली।

> सुनील चीनड़ा सक्षम प्राधिकारी सङ्गयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली नधे दिल्ली-110002

**रारीख: 4-11-1985** 

मेह्रः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जः रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिलांक 4 सदम्बर 1985

निदेश सं० आर्थ० ए० सी । गृंगयू ० | 3 | एउ० । वार० – 1 | 3 – 85 | 1029 — अतः मुझे, सुनील चो । इं।, बायकार अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दरचात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 26 ) - ख के अधीन रक्षम प्राधिकारी को यह यिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 / - रु. से अधिक है

मीर जिल्ली संग्रही 36 ए० है तथा जो मेन ग्रीत पाम, नई पिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीरपूर्ण कर से विज्ञा है), रिजिस्ट्रोवर्ती श्रीवरार के सामित्र, नई पिल्ली में भारतीय रिजस्ट्राकरण मीर मिवित्यम, 1908 (1908 दा 16) के मवान सारीख 1985

की प्रांक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए उन्तरित को गई है और मुक्ते यह दिश्वाम फरने का कारण है

कि यथापूर्योद्धत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उरुके स्वयमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिकास सं अधिक हैं और अंतरित (अंतरितियों) के प्रीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सबिक रूप से कथित रहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उहसे ब्चने भी सूबिधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डे बधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, सर्धातः—  श्री बेती प्रताद सुतुत धि तथा राम निवासी 36-ए, ब्लाक सी, ग्रीन पार्क (मेरा), नई दिल्ली।

(अन्सरक)

2. श्री श्याम सुन्दर सुपुत्र नतूमल,
अशोह कुमार सुपुत्र नतूमल,
सुभाष चन्द सुपुत्र नतूमल,
श्रोर राजेश कुमार सुपुत्र नतूमल,
निवासी डी-17, ग्रीम पार्क (मेन),
नर्द दिल्ली-1।

(मन्तिरितः)

को यह सृषना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कार्यन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बन्स्ची

सी-36-ए, सादादी 321 वर्ग गज, ग्रीन पार्क मेत, मधै दिल्ली।

> सुतील चौतहा सक्षत प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-11-1985

weeken By Fy . (5. 478 mg)

भारतकर विश्वितियम, 1961 (१९61 का 43) की भारत 269-व (1) के बरीन सुचना

### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

प्रजॉन रेंज-3, नई फिल्ली नई फिल्लो, क्षितींठ 5 नवार 1985

तिरों। सं० श्राई० ए० सं/०/एक्यू०/3/एन० श्रार०-3/ 3-85/1030--श्रतः मुझे, सुनोल चोतड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करन का आजःण है कि स्थावर सर्पात्त, जिसका अचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर ि। को सं० प्रयम पनीर, प्रान्टी नं० 8/35 है स्था जो डब्ट्यू० ६० ए० करान बाग नहे दिल्लां में स्थि। है (भीर इ।ते उनाबद्ध श्रमुद्भवा से आर पूर्व रून से पणित है), रोजस्ट्रान्तीं श्रद्धिकारा के कार्यालय, नई दिल्ला में भारतीय रिजस्ट्राकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रदीन तारीख मार्च 1985

को पृथीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल सं, एस दृश्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बार प्रमारिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में सस्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन त अधिनियम अधिनिय कर दोने के अन्तरक अधे दायिस्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; क्षीर/वा
  - (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं मं स्विषा के लिए;

नतः जन. एक त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निर्मालिखित व्यक्तियर अधीन, विकास

- श्रामती शोला सचदेवा पत्नी स्वर्गीय पानदेव सचदेवा, तिराता 12-, बानर लेग, नई दिल्ती, श्रीनती मापाविका करूर श्रीर श्रीमती विनीका कालिया श्रीर पुत्र विजय कुमार। (श्रातरक)
- 2. श्री जे० पी० गुप्ता नुपुत्र कियात लाल, नितामी 45/63, माल रोड़, नई दिल्ली।

(भग्तिरती)

को यह स्थान जारी करक पृत्रक्ति सम्परित को वर्धन का सिर्द कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

# सकत् सम्पत्ति के सर्जन के सम्बन्ध को कोई की बाक्षर :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की कारींख ईं
  45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर्
  स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवर,
  व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (स) इस मृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के गीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितलवृभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाहर लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पव्योकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिक भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रथम पलीर नं० 8/35, डब्ल्यू ई० ए० करील बाग मई जिल्लो। एरिया 2000 वर्ग फिट।

> सुनील घोनड़ा सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

क्रियांलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजेन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 8 नवम्बर 1985 निरोंस सं० ग्राई० ए० सी०/एस्यू०/3/एन० ग्रार०-3/

. 3-85/1031—श्रतः मुझे, जुनील चीतड़ा, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

पीर जिनकी सं० 10618/20, प्लाट नं० 39, है तथा जो ब्लाफ-13, खारा नं० 1517/1147, आर्थ समान रोड, नई दिल्ली में ल्या है (ओर इसे उनानद अनुन्ते में भीर पूर्ण कर से वींगा है), रिनिट्टी ती अविकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिनिट्टी ती अविकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिनिट्टी त्या अविकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिनिट्टी करण अवितियम 1908 (1908 का 16) के अवीन, तारीख मार्च 1985 को पूर्वीक्त संगीत के उचिन बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और रम्ने यह दिख्लास करने का वारण है कि यथाप्यावत सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य सकसे रुव्यमान प्रतिकल से, एसे दरमान प्रतिकल का अन्तर प्रतिकल का अन्तर प्रतिकल को लिए क्य प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरित्तों) को वीच एसे अन्तरण के लिए क्य प्रता सन्तर प्रतिकल, निम्निलिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण रिस्थित में यास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- ष्ट) ऐसी किसी आय या किसी धन या कत्य आस्तियाँ कर्रा जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अग्, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरूरण में, मैं:, उकत अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के पधीन, निम्नलिखित व्यवितर्गों, अर्थात् :

- श्रीमती सुनीता लयूरिया निजय स्वर्गीय सुनीर कुमार श्रीर कुमारी रमानी नुनुती स्वर्गीय सुनीर कुमार निवासी बी-97, ग्रेटर केलाय-1, नई जिल्ली। (श्रान्तरक)
- श्री कंबल एष्ण श्रातन्य सुपुत्र सदातंद श्रातंद, निवासो 17/5, बेस्ट पटेल नगर, नई दिल्लो।

(अन्दरितो)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चन को राज्यत्र मों प्रकाशन की हारीस से 45 दिन को भीतर उवत स्थार सम्मति मों हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी को पास किसित मो किस् जा सकोगे।

स्पट्टीकरणः—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, आं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह1, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# अनुसूची

प्रीतिशिष्ट नं॰ 10118/20, प्लाट नं॰ **39,** ब्लाह नं॰ 13, खारा नं॰ 1517/1147, सामद्री **284** वर्ष गज। प्रार्व समाज रोड़, करोल बाग, नई दिस्ती।

> सुतील **चीतहर** सञ्जम ग्राविकारी सहायक ग्राविकर ग्राविक (निरोजग) ग्राजैन रेंज-3, थिस्तो, नई बिल्जी-110002

तारीख: 8-11-1985

में हर :

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. ------

भागकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यासया, सहायक आगकर आयुक्त (निरीकण)
प्रजीत रेंज~3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, बितीक 8 नवस्वर 1985
निदीत सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/3/एत० प्रार०~3/
3-85/1034—भतः सुसे, सुनील चोतड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के शधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

ष्मीर जितको सं० 6447, प्लाट नं० 81 है लया जो, खतरा नं० 546/152, ब्लाह 8-त्रो, बाईं नं० 16, बस्ती रेगरपुरा, देव नगर, नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर द्वाते जाबद्ध अनुसूचो में श्रीर पूर्ण कर से विणत है) रिन्द्रीहर्ता श्रविकारों के कार्यालन, नई दिल्लो में भारतीन रिन्द्रीहरण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के ष्मवीन, तारीख मार्च 1985

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का फारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल के एसे दरयमान प्रतिफल का पंदह भित्यात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिकिता में बास्थानक हम से दर्भ से दर्भ कर से से से सार्थानक हम सार्थानक हम सार्थानक हम सार्थानक हम से सार्थानक हम सार्थानक हम सार्थानक हम से सार्थानक हम सार्थानक हम से सार्थानक हम सा

- (क) अन्तरण से हुई फिसी जाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीर आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनियम, या धनकर शिधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: ब्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अधीत् ६——

- 1. भी एर० उजागर जिंदू नुरुत्र एर० दिवार जिंदू, भी-8/0.447, देव नगर, नई दिल्ली। (प्रस्तरक)
- 2. श्रीमती सर्विता गृष्ता परनी के० लाल गुण्ता निवासी बी-7, 6349, देव नगर, नई दिल्ली। (प्रस्तीरती)

को यह स्थना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करा हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वात की सामित को अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में में पिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीफरणी:——इसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्सूची

हाउस नं० 6447, प्लाट नं० 61, खसरा नं० 540/ 152, साबद्धी 100 वर्ग गज , ब्लाह नं० 8-बी०, वार्ड → 16, बद्धी रैगर, बाग राजगी, देश नगर, करील बाग, मई दिल्ली।

> सुनील चीरहा सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षम) घर्जन रेंज-3, दिल्जो, नई दिल्जो-110002

**सारीख: 8-11-1985** 

मोहर 🗈

प्ररूप आई.टी.एन.एस ------

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचमा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० मी०/एक्यू०/3/एस० प्रार०-3/3-851032—सुनील चोपडा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रोधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचिन राजार मन्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 2% 65, खसरा नं० 467, है तथा जो ब्लाक जी, वार्ड नं० 16, नाई वाला, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इतमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीजिती श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, नारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुब क्त संपत्ति का उत्तित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पुन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और गिरती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण . दत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत., उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कनी करने या उत्तते वचने में सुविधा के विष्; बहि/या
- (क) एसां किसी आयु या किसी भन वस्य शास्तियाँ की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः जन, ७०९ जिथिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त जांधनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नालीसन स्यक्तियों, अर्थात ः—— 20—366 GI/85

- श्रीमती प्रकाश कुमारी पत्नी रघुवीर दास, एम-126, येटर कैलाश-1, नई दिल्ली-1 (अन्तरक)
- 2 श्री मतनाम सुपुत श्रर्जन दाम निवासी 4/45-ए, पंजाबी बाग, नई दिल्ली (1/2 भाग), गोत्रश्चन लाल चड्डा सुपुत्न मोहनी मल चड्डा निवासी 22/53, पंजाबी बाग, नई दिल्ली (1/4 भाग), श्राांती चड्डा पत्नी मोहन चड्डा निवासी 22/53, पंजाबी बाग, नई दिल्ली (1/4 भाग)।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए शार्यवाहिया करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ख्वाय;
- (ज) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पानिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया भवा है।

### वनुसूची

एम० सी० डी० नं० 2065, तादादी 175 वर्ग गज खमरा नं० 467, ब्लाक जी, वार्ड नं० 16, नाई बाला, करोल बाग, नई दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम श्रिधकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जेन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-11-1985

मोहरः

# प्रकृप भाइं. टरे. एन. एस:------

जायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के नधीन स्चना

### भारत बहुकाड

# कार्यालय, सहायक जायकर माय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज--3, नई दिल्ली

नई दिल्लीं, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एमयू०/3/एस० प्रार०-3/3-85/1036--प्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० झार-491 है तथा न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित (और इससे उपाबक ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से धर्णित है), राजिस्ट्रींकर्ता श्रिधिवारी के वार्यालय, नई दिल्ली में भारतींय राजिस्ट्रींकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के झधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपन्ति के लिचित बाजार मृल्य से कम के इष्यमान श्रीतफास के लिए जन्तरित की गई है जार मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृल्य, उसके ख्यमान प्रतिफास से, एसे ख्यमान प्रतिफास का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफास, निम्मलिखित उष्योध्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक कप से क्रिथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण वे हुड़ किन्द्री बाव की वाबस, अन्य अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दाविस्य में कड़ी अपने या उत्तव वचने में सुविधा के लिए; औरु/या
- (क) एसी किसी जाम या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा चे किए;

बाः वन, उक्त विभिनियम की भारा 269-न के बन्तरण की, मैं, उक्त विभिन्यम की भारा 269-व की उपभारा (!) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री मोहन लाल सुपुत्र स्वर्गीय नवनीत राय, श्रार-491, न्यू राजेन्द्र नगर, नई-दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

7. श्री तीर खन्ना (2) ओम प्रकाण खन्ना,
 5531, मोरा कोठ, पहाड गंज,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरितीं)

3. श्री एच० जी० चोपड़ा, शक्ति चावला। (यह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पर्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्बद्धि के वर्णन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त हंपील के वर्षन के इंबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस त्थना के राज्यज में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिंध या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तितयों वर सूचना की ताजीस से 30 दिन की सबिंध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तितयों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजध्य में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताकारी के पाड विश्वित में किए वासकी।

### **मन्**स्ची

प्रोपर्टी नं० ग्रार-491, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारीं सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारींख: 4-11-1985

प्ररूप बाह्ं, टी. एन , एस , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व(1) के अधीन स्वना

### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक मायकार बावुक्त (निद्धीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नथम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सीं०/एक्यू०/3/एस० श्रार०-3/ ~3-85/1427--श्रतः मुक्ते, सुनील चोपड़ा,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक्ते परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि रूथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- ए. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्रो० नं 1580-ए०,1-सीं०, प्लाट नं 10, है तथा जो ब्लावः जी, नवींन णाहदरा, दि ओल्ड उन्धन पुर, दिल्ली-32 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूचीं में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारीं के कार्यालय, नई दिल्ली में भायतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के अधींन, तारीख मार्च 1985

का पूर्विकत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल स अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ।या प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भया या किया जाना चाहिए था, जिपाने में त्विधा के सिए;

कतः कवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीं एम० विरियम सिंह सुपुत्र हरनाम सिंह निचासी-सी-14, कालींन्द कालोनीं, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री गुरबचन सिंह सूपूत हरनाम सिंह सी-14, कालिन्दी कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरितीं)

कां यह सुचना जारी करके पूर्वोच्स सम्मित के अर्जन के जिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कांद्रें भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद्ध सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वक्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रबुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया

# जनसर्ची

प्रोपर्टी नं० 1580 ए, 1-मीं, प्लाट नं० 10, एरिया 184 वर्ग गत्र खसरा नं० 1:55,410, 616,404, ब्लाक बीं, तबीन शाहदरा, गांव उलधनपुर, दिल्ली-32।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्रधिक री सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 3 दिल्ली, नई दिल्ली- 110002

वारींख: 8-11-1985 मोहर:

# प्रकाम बाह्र थी । एम । एस । न-------

भावकार विधिनित्तस, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-भ (1) के विधीन सुभवा

### बारत बरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षक)

र्याजन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांग 8 नवम्बर 1985 निदेण सं० भ्राई० ए० सी०|एक्यू०|3|एस० भ्रार०-4| 3-85|1428---भ्रत मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसमें इसमें प्रकात 'उसस अभिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-द के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विस्का उपित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी मं० 9/2958/ है तथा जो धरमपुर, गर्ला नं० 1 और 2 गांधी नगर, गांध सीलमपुर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिकस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के वार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रेजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारींख मार्च 1985

हो पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दश्यमान शितफल के निए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने आरण है यह पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसकें स्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत हं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में सस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नम्बद्धन चं हुई शिवती नाम की नाम्य, काद्य निमित्त्वम के नामीन काद को के नम्बद्धक के वाहित्त्व में कभी कादने ना बन्धे न्यमे में बृधिका के "नाए; नार/ना
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय वाय-कर जीभनियम, 1922 ना 11) वा उन्त विभिनियम, धा नन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा के लिए:

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 6 श्रींमती शीला देवी पत्नी हुण्न लाल, निचासीं 9/2958, धरमपुरा, गलीं नं० 1, गांधी नगर, दिल्लीं-31।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीं नयींमल सुपुत्र श्रीं कन्हैया लाल,
2 अगूरी देवी पत्नीं नत्थीं मल, (3) शांति देवीं पत्नीं एस० पीं० प्रभ्रवाल, (4) श्रनिल कुमार सुपूत्र नत्थीं, निचासीं मकान 2110, कैलाश नगर, दिल्लीं।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारकः पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इंड मुख्या के राज्यम में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मुख्या की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि, को सामान्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में ले किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीक्षर उपल स्थावर संपत्ति में हिस्बब्ध किसी क्रन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाछ सिक्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त घावों और पदों का, जो उकत कायक, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्य 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा किस अध्याय में दिया गुरा है।

### नन्स्ची

प्रापर्टी नं० 917,24-एफ,12 (पुराना) नया नं० 9,2958, तावादी 200 वर्ग गज, धरमपुरा में स्थित गलीं नं० 1 और 2, गांधीं नगर, गांव सीलमपूर, दिल्ली-31।

> मुनीत चौपड़ा सक्षम प्राधिकारीं सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~3, दिल्लीं, नई दिल्लीं-110002

तारींख: 8-11-1985

मोहर 🛚

# शक्य बाई , डी. इच. इस. .....

नाथकड मिप्तियम, 196( े) 361 का 43) की धारा 269-म (1) . औन स्वना

### भारत सरकार

# कार्यानय, सहायक कायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्लीं नई दिल्लीं, दिनांनः 4 नवम्बर 1985 निदेश मं० श्राई० ए० सींगुण्स्यू०/3/एस० श्रार०-4/ 3-85/1033--श्रतः मुझे, सुनींल चोपड़ा,

भागकर आंभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 89/7 है तथा जो ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूर्वी में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजन्द्रीकर्ती अधिकारी के वार्यीलय में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

का प्रांक्त संपत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के व्यवकार शितान के लिए अंतरित की गई है और मुन्दे यह विक्रांस स्तरने करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एते दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हं भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बेन एसे अ रण के लिए तय पाग गया प्रतिकाल, निक्रति न उद्देश है उक्त अन्तरण निक्रति भी सास्तिबक रूप से का विच नहीं वि. गया है:——

- (क) बन्तरून से हुई किसी बाय की बायत. उसत दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक की व विष्; बाह/बा
- को, पिनहाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिया,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 2269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थर [——

- 1 श्री जे० एस० सुद सुपुत्त डा० पृथीं सिंह, मैनेजिंग डायरेक्टर ग्रेट ग्रार्टस (प्रा०) लि०, भागींरथ पैलेस, चान्दनी चौक, नई दिल्लीं। (श्रन्तरक)
- 2 श्री बलराज साहनीं सुपुत श्री फकीर चन्द, निवासीं 7829, नई बस्तीं, बारा हिन्दू राष, दिल्ली-11।

(श्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति क्षे अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुक करता हुं।

# उकत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मंबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त स्थिनतयों में से किसी स्थितत ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव पंपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्पक्ति ह्वारा के नाक्षरी के पत्र सिवित में किए वा सकी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्य 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा इस स्थाय में दिया गया है।

### जन्स्की

नादादी 150 वर्ग गज। प्लाट नं० 63/7, ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3 दिल्लीं, नई दिल्लीं-110002

तारींख: 4-11-1985

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

वाचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-भ (1) के अभीन स्वता

### भारत सरकार

कार्यालय, तहायक शायकर जायूकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नचम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०आ र ०-३/ 3-85/1011-- श्रतः मुझे, मुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थ्यावर सम्यक्ति, जिसका उष्मित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 5058 पी० नं० 14, खसरा नं० 3267/715 है तथा जो ब्लाक-एस, गलीं नं० 1 औंद्र संत नगर, बस्ती र घर परोल बाग, दिल्ली में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींकर्ता प्रधिकारी के वार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय र ि ईंटरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधींन, तारीं ख मार्च, 1985,

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूरों यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितिगों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुन् किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में स्विभा के लिए; और/वा
- (त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

लकः कवा, दक्त विभिनियम कौ भारा 269-न के अनुसरक मा, मी, अक्त लिधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अंचित् ⊈— (1) श्री हरनाम सिंह सूपुत सर्वसिंह, निवासी—-5058 गलीं नं० 1 और 2, संत नगर, करोल बाग, नई दिल्लीं।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री संजय कुमार जैन सूपुत्र महिन्द्र घन्द जैन निधासीं—3341/3, क्रिश्चियन कालोनीं; करोलबाग, नई दिल्लीं।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिः गया है।

# भनुसूची

हाउस नं० 5958 प्लाट नं० 14, 120 वर्ग गज में बना। खसरा नं० 3267,719, ब्लाक एस, गली नं० 1 और 2, संतनगर बस्ती रेहगर, करोल बाग, नई दिल्ली।

सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, नई दिल्ली

तारींव : 6-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

### भारत श्ररकार

# कार्यासय, सहायक बायकर भागुक्त (निरीक्सक)

म्रर्जन रें ज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नचम्बर, 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/3एस प्रार-3/3-85/1037--प्रत: मुझे, सुनील चोपड़ा,

भावकर विधितियमं, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें स्वके पश्वाद 'उन्त विधितियमं कहा गया है), की भारा 269-च के विधीत संक्षम प्राधिकारी को वह विश्वात करने का तर्राण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार जुल्ह 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं 17-ए/17 है तथा जो छन्त्यू ई० ए-करोलबाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारींख मार्च, 1985

हो पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अधिक बाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, एसे दृश्यमान प्रतिफल का निक्क प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथाणा गया प्रतिफल, निम्निचित्तित उन्देश्य से उच्त अन्तरण जिल्ली में वास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाव की धावस, उक्त अधिनियन के अधीन कर दोने से अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उत्तब वचने में अधिका के हिसए; और या/
- (क) एसी किसी जान ना किसी जन ना नस्य नास्तियाँ नहें भारतीय जायकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिलाने में सुविधा के लिए;

अतः अप्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री कृष्णन तनेजा
सुपुत श्री राम लुभाया तनेजा,
निवासी---94, बेस्ट बुक रोड, हेस्टन, यू० के०, ए--22
चितरंजन पार्क, नई दिल्ली-49

(श्रन्तर∄)

(2) श्री मदन लिह सूरी और सन्म (एन०यू०के०), थुरकर्ता मदन जिह सूरी , निवासी—-17-ए/17, डब्ल्यू ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्लीं--1

(ग्रन्सरिती)

को वह नुषना बाड़ी करके पूर्वोक्त संपरित के धर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के बंबंध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस सूजन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवृधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूजना की तामील से 30 दिन की जविष, को भी जविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात सिसित में किए वा सकति।

स्पट्टीकरणः--इसमें प्रवृक्त कव्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्यात 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गवा है।

# नमृज्या

प्रापर्टी नं ० 17-ए/17, डब्ल्यू ई ए, करोल बाग, नई दिल्ली, 234. 22 वर्ग गज ।

सुनील चोगड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज⊶3, नई दिल्ली

तारीख :8~11-1985

प्रकम नार्षः, टी. एन्य प्रस्तुः ----व्यक्तन्यक्राः

कामकार को धीनसङ्, 1961 (1**961 का 43) की** धारा 269-व (1) को कथीन स्वना

### नारत तरकार

# कार्याजय, सहायक नायकर नामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रें ज-3, नई दिल्ली

नर्ष दिल्ली, दिनांक 8 नघम्बर, 1985

निदेश सं० श्रार० ए० सी०/एक्यू० II/एस० श्रार-II 3-85/2554--श्रत मुझे, सुनील चोपडा,

नायकार शिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्यात् 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाद करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 72--ब खसरा नं० 479 है तथा जो फतेह नगर ग्राम -तेहाड, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्णका से वर्णित है), रिस्ट्रीइर्ता शिवारों के कार्यालय, नई दिल्ली में सारवींड रिजर्ट्याकरण श्रीवित्यम, 1908 (1908 वा 16) के कार्यीन, तार्र के मार्च, 1985

को पूर्विक्ल सम्बन्धि को उचित्र बाकार मून्य से कम के दबनवान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और कन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच होते अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिबक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर की के बन्दरक के बाबित्व में कमी करने वा उद्यक्ष वजने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आप या किसी भन वा अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1002 का 11) या उस्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अहें प्रयोजनार्थ अन्तरिती ज्वारा प्रकट नहीं किया अना भाषा किया अना चाहिए था, छिपाने भा स्विभा के सिए;

भतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;— (1) औं तरनावन निह्पुत्र २० करतार सिह्71-72, फतेह नगर, सई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एच० एन० बोहरा पुत्र श्री जीं० एम० बोहरा, क्वार्टर 1/89, गनकपुरी, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिनीं)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जा के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूजना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयोकत शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ की जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्सची

प्लाट नं० 72, ब्लाक बीं, एरिया 133.3 वर्ग गज । खसरा नं० 479, स्थित फतेह नगर, गांव तिहाइ, नई दिल्लीं।

> मृतील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जंन रेंज~3, नई दिल्ली

सारीख: 8-11-1985

प्रकृष क्षा ती एन . एस ------

# भायकर गरिंपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के ग्रंभीन सुचना

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्लीं, दिनांक 4 नवस्थर, 1985 निर्देण सं० श्चाई० ए० सीं०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/ 821ए---श्चतः मुझे, सुनील चोपडा,

शायकर उरिश्वियम, 1965 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), भी भारा 269-शं के अधीन सक्ष्म प्राधिवारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और निवकीं मं० फ्लेट नं० 211, दूसरा खण्ड, है तथा जो स मो जा, कमपलैंबव, नई फिल्मीं में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्णक्रण ने विगित है), रिनस्ट्री जो अधि गरीं के कार्यालय, अर्जन रें ज -3, नई दिल्लीं में भारतींय रिजस्ट्रींकरण अधिनियम, 1962 के अधीन, नारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित वाजार मुख्य से कम के द्रश्यमान प्रतिपाल के लिए अंदरित की गई है और मुके यह विक्यास करने का कारण है कि अथाप्वोंक्स बंपरित का उचित बाजल मूल्य, एसके द्रश्यमान प्रतिकाल के पन्त्रह प्रतिकाल में अधिक है गैर अन्तरक (अन्तरकार) और जन्तरिकी (अन्तरकार) के बीच एमें अन्तरका के लिए द्रश्य गरापिती (अन्तरिका) के बीच एमें अन्तरक के लिए द्रश्य गरापिती (अन्तरिका, निम्निक्षिण उद्देश्य से उक्त कर्तरक अन्तरक मिलत में वास्तविक रूप से कृष्टित महीं किया विद्या है ----

- ('b) करतरण से हुई किसी आय की बावत, उपत विधिनिका के वणीन कर बने के जन्मरक के दावित्व में कर्मी करणे वा बससे बचने में सुविधा के लिए; सीर/वा
- (क) ऐसी किसी जांग या किसी धन या नव्य जास्तिमों की जिल्हां भारतीय जांगकर जिपिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उक्त जिपिनियम, या धन-पर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणाजनार्थ जन्तीराती देतारा प्रवेट नहीं किया गया था का या च्या का या किया में स्विधा के निष्ट।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, में सबस अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) हे बचीन नियमितियम व्यक्तिमों अधीत् हु— 21—366 GI/85

- (1) श्री कपिल मोहन कटारिया मिमेज शीला कटारिया मिमेज रजनीं कटारिया, निवासीं → एम → 61, साकेत, नई दिल्लीं। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीं अपिल मोहन कटारिया निवासी---अपार्टमेंट, 501, 72, विलेख केडम एवेन्यू किसन, एन० जैंड०ए०--1208, कनाडा ।

(भ्रन्तरितीं)

औं। वह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां कुरू करता हुई।

उक्त सम्बत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोंक सै 45 विन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाश की तारीं से 45 दिन के भीतर उसे स्थापर सम्पन्ति में क्षितरह : किसी जन्म त्यक्ति व्वार अवहम्मण्यस्य में पाक मिचित में किए जा सकारो।

स्पाधानिकरण: — इसमें प्रमृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्सूची

फ्लेट नं ० 211, दूसरा खण्ड, 9, भोचाजी वस्पलैक्स, नई दिल्ली।

सुनील चोपडा सक्षम प्राधिशारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जनरेंज-3, नई दिल्ली

तारींख : 4-11-1985

प्रकप गाइ". टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन <sup>में</sup> जं-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं श्रास्य ए सी । एक्यु । 3/37ईई/3-85/923-श्रम मूझे, सुनील चोपड़ा,

प्रायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्बद्धि जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं ज्वाट नं 354 एजीसी भार कोप एच बी एस लि है, तथा जो जिल्ली—1 में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्णरूप से अणित है), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी कार्यालय, अर्जन रें ज—3, नई दिल्ली में भारतीय भायकर भाधिनयम, 1961 के अधीन, नारीख मार्च, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक स्प में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुइं किसी बाय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्-/या
- (ख) एमं किसी आय या किसी धन या कत्य जास्तियाँ का, जिन्हों नागनीय पायापर पश्चिमियम, 1922 (1922 का 11) या उद्दार अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्थ अपिनियम, वाप प्रकट नहीं विया गया ना या किया वामा पाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

बतः वजः, उत्सरं अधिनियमः, की धारा 269-गं के अनुसरणं माँ, भाँ, उक्षणं अधिनियम की धारा 269-वं की उपधारः (1) के के अधीरः, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अधीतः :---

- (1) श्री डी॰ एस॰ जरना 80/41, बी, मालवीय नगर,नई दिल्ली ।
- (2) श्रीमती कविता ग्याल सी-6/5 कुष्णानगर देहली-5।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किये जा सकांगे।

# अनसूची

खाली पलाट नं० 354, एजीसीआर कों५ एच बी एस लिमि० दिल्ली

> सुनील चोपडा सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 3 नई दिल्ली

विनोक : 5-11-85

# प्रकर कार्य ही . युग , युव , ------

# वारकर वरिपीनवन, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के अभीन सचना

# भारत सरकार कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्रक) ग्रजैन रेंज-,3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 5 नवम्बर, 1985

निदेण म० ग्राई० ए० मी०/एक्यु०/3/37ईई/3~85/ 825---श्रतः मूझे सुनील चोपडा

नानकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसमें प्रकाध 'उक्त अधिनियम' कहा नया हाँ), की बाध 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का सारभ है कि स्थावर कम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 100,000/- रा. से अधिक है

ग्री जिसकी सं० प्लाट त० 40, है तथा जो डिफीन एक्केंब, नई है तथा जो केसर गंज रोड लुधियाना से स्थित है दिल्ली—1 इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज, 3, नई दिल्ली न गानी। प्रसार श्रिधिताम, 1961 ने अधीन, तारीख मार्च, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित वाकार मृत्य से काम को अध्यक्षाव प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द और मुक्ते यह विक्वास

करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित नाजार पून्य, उतके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा विकास, निम्नीनिचत उच्चोच से उक्त अन्तरण विचित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बस्थरण से हुन् सिक्षी मान की शावत , क्यक महिद्दिस्त्र के स्थीन कर बोने के सन्तर्थ के बहित्स को काल करने या तक्को नवने में बृतिधा के किए; करि/शा
- (व) ऐसी किसी आप वा किसी पर वा कव्य शास्तियों नते, विक्ते भारतीय जान-कर व्यक्तिनवा, 1922 (1922 का 11) या उन्तर विकित्तवा, मा धन-कर विकित्तवा, मा धन-कर विकित्तवा, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ नन्तरिती चुनारा प्रकट वहीं किया क्या या वा विका क्या वा वाहिए था, क्रियाने ने एकिशा के क्या के क्या

कत. अस, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के जनुतरण हैं अभीन, जिम्मति वित् व्यक्तियों, नवाँच रेंच

(1) श्री मनोहर लाल भसीन, डी॰ए,-68बी, हरी नगर, नई दिल्ली-1

(ब्रन्तरक)

(2) श्रीमति उमिला श्रग्रवाल, 2788, पीपल महावेव, होजकाजी दिल्ली-6

(भ्रन्तरिती)

को बहु बुचना चारी करने प्रतिकत कम्मित के नर्चक ने जिए कार्यनाहिमां करता हुं।

# वक्त कमिता के वर्जन के वंदंभ वो कोई भी वासीय :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की दारीय से 45 विन की मनिष् मा तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की वयि। जो भी जनीय मान में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीवक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (व) इस स्थान के रावपत्र में प्रकाशन की वारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिट-बब्ध किसी शन्य म्यक्ति ब्वारा, अभोहत्ताक्षरी वे पास लिक्ति में किए का सबोगे।

स्पक्तीकरण:---इसमे प्रयुक्त सन्दों बीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मना

### -

निवासीय प्लाट नं० 40, जिस एनक्लेव, दिल्ली-92 ।

मृतील चोपडा सक्षम प्रतिधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, पई दिन्सी

नारीख: 5--11-1985

मोहरः

प्रकप बाहै .टी . एन . एस ------

बाबकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन सुधना

### भारत तरकार

कार्याजव, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाङ 6 नवम्बर, 1985

निदेश स० भाई० ए० मी०/एक्यु०/3/37ईई/3-85/ 826---श्रत मूझे, मुनील चोपडा,

कायवार प्रिशिचिंग 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार उक्त अधिनियम कहा गया है), की भाख 269 क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करवे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 1,00,000/- रा स अधिक है

और जनकी म०एफ ई० न०308, है नथा जो 5, भी ।जी ।मा पेलेग, नड दिल्ली, म स्थित हैं (श्रीर इस उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्णका । शंगत है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रवि ।री के । श्रांलय, श्रजंन रेज, नई दिल्ली म भारतीय श्रांय श्रांधिनयम, 1961 (1908 का 16) के श्रंधीन, तारीख मार्च, 1985

को पृत्रों कर संपत्ति को उणित शाजार मृस्य से कम को ध्रममान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई और मृभ्ने यह विश्वास करने वा कारण हो जिल्ला मान प्रतिफल को प्रतिक्र के स्थान प्रतिफल का प्रस्क द्रियमान प्रतिफल को प्रतिक्र की बार अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्क को सिए तब पाना गया प्रतिफल, निक्निसित उद्वेषय से उच्त अन्तरिक लिखित में सास्तिक इस्प से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) नंतरण से हुई किसी नाव की नावत, उक्क विध-निधिनमून में नभीन कर देने के नम्बरक के दावित्व में कमी करने या उससे नचने में सुनिधा के लिए मौर/ना
- (क) एती किसी जाय वा किसी धम वा जन्य जारितयों को, प्रिक्ट भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लान में स्विधा औं जिए।

करा जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु--- (1) श्रीमति बीता श्रायल पत्नि सुनील कुमार सी--6, कैलाश ालोनी, नई दिल्ली--1

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित मुमिता सापरा पहिन एस० एन० सपरा श्रीर सुमन स्थार पहिन फ्लाईट छेपिटनेट श्रज्य मधरा 94, टैगोर पार्क, (माडल टाउन) दिल्ली-9 (श्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारो करकः प्रशंक्त सम्पत्ति के सकत् के लिए कार्यवाहियां करता हु।

सकत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अपनेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विन के खब मा त्राम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की नामील स 30 विन की अवधि , जा औ अवधि नाद में प्रधान हाती हा के पील प्रकेष व्यक्तियाँ में न किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवबुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वास अधाहस्ताक्षरी के पान लिकिन में निम्म स्थानेंग !

स्पष्टीकरण ---इसमें अयुक्त शब्द और पदां का, जो उक्त किया 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उन्छ अध्याय में दिया नवा है।

## ग्रनुसूची

प्लैट म० 308, तीसरी मिमल, 5, भीकाजी कामा पेलेस, नई दिल्ली, एरिया, 275 वस गज ।

> मुनील घोपडा सक्षम प्राधिशारी सहाय ग्राधारण ग्राध्यूका (निरीक्षण) ग्राजन रेज-3, नई दिल्ली

तारीख 6-11-1985 मोहर - प्रारूप आई टी.एन.एस

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

### भारत परकार

# कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिना १ 6 नदम्बर, 1985 निदेश स० ग्राई० ए० मी०/एक्यु०/3/37ईई/3--85/ 827—ग्रतः मुझे, भुनील चोपडा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- फ. से अधिक है

स्रौर जिमकी स० 13/9, स्रोल्ड राजिन्द्र नगर, हे, तथा जो नई— दिल्ली—1 में स्थित है (स्राय जान जात स्रम्भूची में स्रोय पूर्ण—का न बाणत है), रिलिंद्रानी स्रीय और ती के दिल्ली में भारतीय स्राया स्थितियम, 1961 के ने स्थीन मार्च 1985

को पूर्वीक्त सल्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के शिए अतिरित्त की गई है और मुन्ने यह विश्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से ऐसे 'श्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतर्ण के लिए तम पाया ग्या प्रतिफ्ला, निम्नीलिखत उद्दश्य से उक्त अंतरण निस्ति में बाम्निविक रूप स कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय श किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अर्रित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था 'छपाने में स्विधा के लिए;

कर: कव, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थाद :-- (1) हरनाम भिह13/9, ग्रोल्ड राजिन्द्र नगर,नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री म्रजीत हुमार त्यूरिया
राजीव कुमार त्यूरिया म्रौर
मिभेष रानी थूरिया
मी-118, विनगर, गाजियाबाह ।

(म्रन्तरिती)

को यह सुचना प्रार्भ फरर्क पर्वोक्त सध्योगन में अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पोभ के सर्जन के महन्या । काइ भी आहर .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र पं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाध्य हाली हो, के भीतर पूर्वों कर प्रवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा एकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर एका मधापर स्थातित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दूरारा अधानुम्नाक्षरी के पास निश्चित में किए जा स्कोने

स्पष्टीकरण :--इसम ध्युक्त शब्दों और पद। का, जो उक्त अधिरियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ के रेगा जो उस अध्याय में दिया

### अनुसूची

13/9, स्रोल्ड राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली, एरिया 88.1 वर्ग गज।

सुनील चोपडा पक्षम प्राधि परी यहाय . ग्रावि ग्रंग युक्त (निरीक्षण) ग्रंजन रेज--3, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1985 मोहर . प्रकार कार्ड भी अस एक -----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) श्री थारा 269-व (1) जे वधीन स्वता

### नारंक बरकार

कार्वासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन <sup>9</sup> ज-3, नई दिल्ली न**ई** दिल्ली, दिनौंक 6 नवस्वर, 1985

निवेश स० आई० ए० सी श्रष्टक्यू श्र अ 37ईई। 3-85|828 भतः मुझ, सुनील चोरडा,

भामकर निभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्भें इसके परवात् 'उक्स निभिन्नम' कहा गया हैं), की भाष 266-च ने अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह निश्वात करने का जारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 20/11, श्रोल्ड राजिन्द्र नगर है तथा जो नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इसस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेज-3 नई विल्ली स भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 के श्रिधीन, तारीख, मार्च, 1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई मीर एको यह विद्वास

करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्नि का उचित बाजार जूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंज्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जन्तिरित्ती (अन्तिरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए नय पाबा गया प्रविक्त निम्निलिखित उद्वेदेश से उबत अ एण लिखित में बास्विक स्प से कथित नहीं किया गया है है—-

- (क) जन्तरण सं हुई किली बाय की बावत, उक्क जीविभियम के जभीन कर दोने के अम्बर्क की वाजित्य में क्वी करूने वा वक्क वसने में बृधिया क लिए, बॉर/म।
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य जास्तियों की चिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के शयाधनाथं अन्तिरिती व्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जो, जी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) को अधीन, निक्तिविद्या निकामी, अन्तर :--- (1) श्री पी० एल० मोंगिया। 20/11. श्रोल्ड राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्री तरून कुमार खानोजोब,20/11, श्रोल्ड राजिन्द्र नगर,नई विल्ली ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के नर्चन के जिल् कार्यवाहियां सुरू करता हु।

उबस सम्पत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जनींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाचन की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाई लिक्ति में किए वा सकेंगे।

पच्छीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा भूषा है।

### **मनुसू**ची

20/11, श्रोल्ड राजिन्द्र नगर, , नई दिल्ली, नादादी 85 9 वर्ग गर्ज ।

> मुनील चोपडा सक्षम प्राधिकारी मपायक ग्रायकर ग्रायुड्त (निरीक्षण) ग्रजंनरे ज−3, नई दिल्ली

तारी**ण**: 8-11-1985 मोहर . प्रकार बाह्र टी एर एस ---

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सृपना

### भारत सरकार

कथ्यांलय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

**म्रजंन** रें ज−3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 3/37ईई/3-85/829--भतः मुझे, सुनील चोपडा,

बायर्कर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसकें इसकें परकार्ए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा से अधिक है

भीर जिसकी सं० 23, है तथा जो कौशल्या पार्क, होजखास, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीरइससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीरपूर्ण-रूप से वर्णित है), भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, रजिस्टी कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, प्रजेन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1961 के अधीन, नारीख मार्च,85 📢 पर्वोवत सपीत्त क उल्लित बाजार मुल्य स कम के इश्यमान अन्तरित प्रतिफल के लिए की करने कारण है विश्वास का यभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक 🗗 और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अबुद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्सविक रूप से किवत नहीं किया गया हैं:—⊸

- (क) व्यवस्थ वे हुई कियी बाय की वायस, उन्स विधिनियम के अभीत कर दोने के वन्सरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; जौर/या
- (वा) होती किसी बाब वा किसी धन वा कर्य जास्तिकों को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग्राधन-कर अधिनियम, ग्राधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोचनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था वा किया चाना चाहिए चा, स्थिमने वें सुविधा के सिए;

वतः वय, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण वं, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के वभीग, निक्नीलीयत व्यक्तियों, वर्षीत् ⊈—  (1) श्रीमित कौशल्या एज्यूकेशनल द्रस्ट, थुरू विवेक कपूर, 11/48, पूना रोड, नई दिल्ली।

(भ्रान्सरक)

(2) श्रजयुजैन, सुपृतिश्री श्रार० एस० जैन, फ्लैट नं० 101, ग्राउन्ड खण्ड, 5, कीशस्या पार्क, होजखास, नई विल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बामत संपत्ति के बर्जन के सबध मा कार्य भी शामप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका रें 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी स्वक्ति हवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए वा सकारे।

श्यव्दिकरण:--इसमें प्रयुक्त क्षम्यों और पदों का, को शक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ दोगा जो उस अध्याय में विका गया है।

### ममुसुची

वेसमेंट फ्लोर 5, कीशल्या पार्क, हीजखास, नई दिल्ली

सुनील चोपडा सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज-3, नई दिल्ली

तारीख: 6-11-1985

प्ररूप बाइ . टी. एन . एस . ------

ष्ट्राथकर क्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६०-घ (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्याक्षम सहायक उपयक्त आगक्त (निरीक्षण) श्रजैन में ज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/830

ग्रतः मुझे, सुनील चोपडा.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक् अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षण प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- क से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० वि ओजक नं० यू०जी० के०-10 है तथा जो 5, भीखाजी कामा पेलेप, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रतुपूची में श्रीर पूर्णका ने विशेषत है), रजिल्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली; भारतीय श्रायकर श्रीध-नियम, 1961, के श्रीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पति। के एनित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तिए की गई है और मुक्ते यह विजयास करने का कारण है कि प्रथाणविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्मक दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अंतरिती निए तय पाणा गया प्रतिफाल निम्नितिसित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक तप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के इश्वित्य को ककी करने वा उक्क वे बचने को ब्रीविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिकी बुवारा प्रकृत नहीं किया गया था या जिया जना सांहए था, छिपाने में सिविणा के लिए;

अत अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् '—— (1) सीमदन बिल्डर्स प्रा० लि॰ 56. हम्युरिटा नेन्द्रन, ईस्ट ब्राफ कैलास. सई दिल्ली ।

(ग्रन्दरक)

(2) जैनी अलेक्जेंड आर० जैनी ओर एंड्रयू ओर जैनो पाल अलेक्जेंडर, 205 जोर बाग, नई दिल्ली।

ore of the companies and the companies.

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्फान की संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी व्यक्तिः द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वव्योकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितं है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

किन्नोस्क नं० यू०जी०के०-10, श्रपर ग्राउन्ड फ्लोर, 5 भीखाजी कामा नगर पेलेस, नई दिल्ली-1, एरिया संगभग 44 वर्गफीट।

> सुनील चोपड़ा ु सक्षम प्राधिकारी ः सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 6-11-1985

प्रक्य गाइ. टी एन. एस.------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वता

### भारत सरकार

कार्यालयः सहायक जायकर वाय्कः (निरोक्षण)

श्रर्जन रें ज-3, तई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० भ्रार० ए० सी०/एक्यू०3/37ईई/3-85/831 भ्रतः सुझे, सुनील चोपडा,

बामकर विभिन्निम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त विभिन्निम' कहा गया है), की भारा 269-च के बंधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का सारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/-रा. से विधिक ही

स्रोर जिसकी संव यू ब्ली ब्लेंब-3, प्रप्पर ग्राउन्ड फ्नोर है तथा जो 5, भीखाजी कामा पेलेब, नई दिल्ली-1, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में त्रीर पूर्णच्य से बणित है), रिअस्ट्रोकर्ता ग्रिध-कारी के कार्याक्षय, ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर भिधिनयम, 1961 के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के स्वयं माने मित्तिक के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि संधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके स्वयं मान प्रतिकल से, एसे स्वयं मान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक पाया गया प्रतिकल, निम्नालिखित उच्चेत्रय से उक्त अन्तरण निसित में स्वरिक्त क्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उत्ता अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दाजित्व में कभी करने या उससे बचने में हिवधा के लिए; बीड्/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य नास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192. (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रवार नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था दिल्लान है सविधा के लिए;

(1) सोम दत्त बिल्डर्स प्रा० लि० 56, कम्युनिटी सेन्टर, ईस्ट भ्राफ कैसाण. नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) रमन मेहना और भ्रनिल कुमार, जे-7/143, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरिती)

का यह सूचना कारी कारके पत्रोंक्त सम्पत्ति की अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सक्षध में काई भी आक्षंप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है. 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी बचिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगं।

स्पष्टिकरण: इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### श्रन् सूची

कोम्रोस्क यू०जी०के०-3, म्रान म्रप्पर ग्राउन्ड फ्लोर, 5, भीखाजी कामा पेलेस, नई दिल्ली ।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिक ारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजनरें ज⊸3, नई दिल्नी

नारीख: 5-11-1985

प्रकार बाद टी एम. एस -----

मापकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) व अधीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायब आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, मई दिल्ली मई दिल्ली दिनांक 5 मधम्बर, 1985

निदेश सं० आई०ए० सी०/एक्यू०/3/37\$ई/3-85/832-अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

षायकर अधिनियम, 1961 1961 का 43) (जिस इसमें इसके प्रश्नित् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-क है अधीन साम प्रशिधांत्रारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भात , जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं ० डी०-782, है तथा जो सरम्बती विहार, नई विहली-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से बींगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3 मई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1985

कां पृषेभित सम्पत्ति के उण्यत बाजार बृत्य से कम के अध्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विक्वास करने की कारण हो कि सभापवित्य सम्पत्ति को उण्यत बाजार बृत्य, उसके कथ्यमान प्रतिफल स. एस ग्याम प्रतिफल का जन्मह प्रतिचत से अधिक हैं और अंतर क (अं रक्षों) बीर अंतरिती (अन्तरितिसों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पत्मा नमा प्रतिफल, निम्मतिचित उर विस् से जन्म सन्तरण कि किया में चास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त शिधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) कुमारी सी० ग्रोवर 12 ~वी, मणुग रोड, मई दिल्ली−1

(अन्तरक)

(2) श्रीमित दर्शना देवी, एण्ड इन्द्रा देवी निवासी—13, रामनगर, पहाड़गंज. मई दिल्ली-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जा । कारके पर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के अजन के संबंध में ध्योष भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की मविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताराल से 30 दिन की अविध , जां भी बविध बाद में र राष्ट्र होती हो, के भीतर प्रविद्या व्यक्तियों में से कियी। जारि त्रारण
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारना अशाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयंक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के ए प्राय 20-क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ हंगा को उस अध्याय में विया गया है।

## व्रमुखी

निवासी पलाट न०डी-782, मरदादी 39 , मरस्वती बिहार, दिल्ली।

मुनील चोपडा सक्षम प्राधिकारी महायार आयकर आयक्त (भिरीक्षण) अर्जनरेज—3, भई दिल्ली

नारीख: 5-11-1985

भाहर :

प्ररूप बार्ष. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुखना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जमरें ज-3, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिशांक 5 नवम्बर, 1985 मिदेश सं० आर० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/833 अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं अार एम ही -12, (बेसमेंट) है तथा जो प्लाट नं 2 एम एम उटी जो एस एए सी व मार्कीट, मालबीय नगर, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) अजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, अर्जन - रें ज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1985

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य स कम के दृश्यक्षान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त तम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्य-मान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से बाधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप के अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आध का वायत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (फ) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अस्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था कियाने में ध्रिमभा को निए:

च्छा अव, उचत जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ४, मं उच्च अधिनियम की धारा 209-च की उपधारा (1) क, अर्थ श्रानम्बन्धित क्यांक्सियों, अथित ए—

- (1) रा**जिन्द्रा** एस—52, कनाट प्लेस, नई दिल्ली—1 (अन्तरक)
- (2) वीरेन्द्र कुमार भूटानी 13/178, मालवीय नगर, मई दिल्ली-1

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सञ्यक्ति के वर्षन के लिए कार्यसाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के बम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की दारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यविधयों प्रश्न स्वना की तामीन से 30 दिन की अविधि, वो भी प्रविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य न्यक्तियों में से किसी न्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिल ब्रूथ किसी कत्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताकारी की पास् जनस्य में किस जा सकीचे।

स्वक्रीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है नहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# पप्युची

आरं एमं व्हीं -12, (बैसमेंट) प्लाट नं वीं -2, एलं एसं सीं विं प्रमृं प्रमृं विं विं तिं प्रमृं प्रमृं विं विं तिं तिं प्रमृं प्रमृं प्रमृं विं विं तिं तिं तिं प्रमृं प्र

मुनील **चोपड़ा** सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज न रें ज-3, **मई दिल्ली** 

तारीख: 5-11-1**985** 

# अक्ष नार्वं की पुन् पूर्व . :----

कासकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269∻म (1) के अभीन भूकरा

### नाष्ट्रक करकार

फार्यानम, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) अर्जनरें ज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक उनवम्बर, 1985

निदेश सं अभर ए सी । /एस्यू । / 3/337ईई - 85/834 -- अतः मृत्रो, सुनील चोपड़ा,

शायकर शिंधनियम. 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसकें इसकें परकात् 'उकत विधिनयन' कहा नया है), की धाय 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर तम्बति, जिसका अचित बाजार स्थ्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं अार एम टी०-15 (बेसमेंट) है तथा बी-2, एल एस एस एम एम एम टी० सी० एस टी० सी० मार्कीट, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबंद अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीयर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयवर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1985,

को पूर्वाक्त सम्पक्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान तिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पक्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहू प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्निसिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी माथ की बावत, उन्तर अभिनिजय के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ध) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर जिपिनयम, १९२२ (1922 का 11) या उत्तर जिपिनयम, देश धन-कर जीधिपयम, देश धन-कर जीधिपयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिली व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना पाहिए था. जिपान में मुविशा के लिह;

सतः सव, सवत विधितयम की भारा 269-म की अनुसरण हों, में उस्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अलीन, निम्निलिसित स्थितस्टों, अर्थात् :——

- (1) राजिन्दरास, एन-52, कनाऽप्लेस, मई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) रोहतास चन्द अरोड़ा,
   एच/13/7, मालबीय मगर,
   मई दिल्ली।

(अन्त रिती)

को यह सूचना बारी करके पर्नोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

जनता अपरिः के नर्मन के नवम में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 विन की नवीं मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर बुचना की तासील से 30 दिन की बबदि, को और बंबीध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पुनों कर व्यक्तियों में में किसी कारित दवारा,
  - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उद्धत स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी सन्य स्थित इसिंग इसिंग अधोहस्ताक्षरी के गार लिकित में किए जा सकींग।

स्थळिकरणः --- हममें प्रयूक्त कान्यों और पदों का, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका भवा हैं।

### अनुसूची

आर॰एम॰टी॰-15(बेसमेंट), बी-2, एल॰ एस॰ सी॰, एम॰एम॰टी॰सी॰/एस॰टी॰सी॰ मार्कीट, नई दिल्ली, मालबीय-नगर, मई दिल्ली।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-3, नई दिल्ली

तारीख: 5-11-1985

मोहरः

त्रक्य बाह्री, धी. इन. एत.------

भावनार विधितिकन, 1961 (1961 का 43) की पास 269-म (1) के नवीन तुमना

# मारव बहुकार

श्रामांक्य, श्रह्ममक नायकर मध्यूयत (निरी<mark>धाक)</mark>

अर्ज म रेंज-3, नई दिल्ली

नई विरुली, दिमांक उनवम्बर, 1985

मिवेश सं ० आर० ए० सी ०/एक्यू ०/3/37**६६**/3-85/855— अतः सुप्ती, सुनील चोषड़ा,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिये इसमें इसके वश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन तक्षम अधिकारी की, यह विश्वात करने का आरण हैं कि स्थानर संधित्त, ग्रेमाचा जीवत् देशराज हत्या 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी मं० आर० एम० टी०-19 (बेसमेंट), है तथा जो , बी-2, एल०एस०सी०, एम०एम०टी०सी०/एस०टी०सी० मार्कीट, मुद्दै दिल्ली-1, में स्थित है (श्रीर इस इसमे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्णस्प में बणित है), रिजिस्ट्री र्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वाक्स सम्पत्ति के ताँ धत बाजार मृत्य न काम वे दश्यमान गतिकल के सिए बन्तरित की भई है और मुझे बड़े विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार बृश्य, उसके दश्यमान अतिकल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकास से जीवक है और अतरक (जंतरकाँ) और अतरिती (संतरितियाँ) के बीच एमें अतरण के निए तम पामा गया प्रति-क्ष्म, निम्मानिवित उन्हों के में सकत सन्तरण निवित में बास्यविक क्षम में कवित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण में हुई फिसी आय की अन्तर, उक्क सीमिन्दम के अभीन कर बोने के अन्तरक के दिवस्य में कमी कर। या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (को एंसी किसी बाय या किसी भव या अन्य कारितकों को, चिन्ही भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीयनार्थ अन्तरिती द्वार अकट नही किया गया भारतिक्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, गैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) फे अभीन, निम्निवि**ति व्यक्तियों, अर्थान्य**ं— राजिन्द्रास
 एम०-52ए, कभाष्ट प्लेस,
 नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सितन्द्र कुमार त्यागी, गी-91, सर्वोदय एन्म्लेव, म**र्द्ध** दिल्ली-2

(अन्तरिती)

को वह सुचना वारी करके पुर्वोक्त संपर्तित के वर्षन के सिए कार्यनाहिया करता हुए।

बन्दा सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि मा सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनीच, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट राज्या में से किसी व्यक्ति प्रवास:
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भोतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के बाब निकार में लिए ह सर्वारें।

स्यक्तीकरण: -- इसमे प्रयुक्त सच्दों और पढ़ों का, जो अवद वॉधिनयभ के बध्याब 20-क में परिभाषिष् हैं, वहीं अर्थ होगा के उब बध्याय में दिया भवा है।

### अन्स्ची

आर एम ०टी ०-15 (बेसमेंष्ट) बी-2, एल ० एस० सी०, एम ०एम ०टी ०सी०/एस ०टी ०सी०, मार्कीष्ट, मई दिल्ली मालवीय नगर, मई दिल्ली ।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्ष अध्युक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, भई दिल्ली

गारी**व**: 5-11-1985

माहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस्.-----

आसकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अभीन सम्मन

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-- 3, नई दिल्ली

नई विल्लीं, दिनांर: 5 नवम्बर 1985

निवेश म० प्रार्षः ए० मी०/एक्यु०/3/37ईई/3-85/

839--अत. मुझे, मुनील चोपड़ा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, 'जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

औय जिसकी गं० आए० एम० टी०-112, प्राउन्ड फ्लान, है तथा जो बी--2, एल० एग० मी० एम० एम० एम० हो० थी०। एग० टी०सी० मार्कीट, नई दिल्ली--1 में स्थित है (ऑप इ मे उपाबद अनुसूची में ऑप पूर्ण रूप में बर्णित हैं) प्रजिम्हीवर्ता अधिवारी के वार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयाप अधिवियम 1961 के अधीन नारीख मार्च 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विद्यास

करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में सृविधा की लिए;

अतः अतः, उत्मत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्मत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिचित व्यक्तियमें, अर्थात ५(1) श्री राजेन्द्राम, नं० 52ए, टानाट प्लेस, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) मिसेम ६ विता शर्मा, 57, नवजीवन विहार, न**ई** दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह भूषता जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

### अनुसूची

श्रार० एम० दी० 112, वी-2, एम० एम० टी०/सी०/एम० दी० सी० मार्गीट, नई दिल्ली नजदीक मालिया नगर नई दिल्ली ।

> मुनील चीपड़ा नक्षम पाधिकारी सहयक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, न**ई** दिल्ली

दिनांक : 5-11--1985

माहर:

प्ररूप आर्ड्र. टी. एन. एस.------ (1) सर्वा उत्तर प्राप्तां स्प (5.0) विक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनोरः 5 नघम्बर 1985 निर्देण सं० श्राई० ए० सी*ा*ष्यु*ा 3|37*ईई/3-85/ 841--श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिर बाजार मृज्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० पलैट तं० 104 है तथा जो प्रथम खण्ड नं० तं० तं को शल्या पार्क, होच खान, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उनाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण क्या से विणित है) रिजिम्द्री तो अधि तरी के जायीत्य अर्जन रेंज--3, नई दिल्ली में नारतीय श्राय हर श्रिधितियमं 1961 के श्रधीन नारीख मार्च 1985

बन्ने पृयाँक्त समपत्ति के उपित बाजार मृत्य बे कम के ध्रवमान प्रतिष्यल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलंख के अनुसार अन्ति दिन की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का बारण है कि स्थाप्नोंक्त संपर्तित का उपित बाजार मृत्य स्थक ध्रवमान प्रतिष्यल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्ति रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा स्था प्रतिष्यल, निम्निजिब उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित के बायनिक रूप से कथित नहीं किया नवा है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दावित्य में कभी करने या उत्तत बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 11) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-छ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तोलिसत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) सूर्या इन्टाफाइंग (म (प्र.०) हिन्त्र, भी०-- ३५, गीर्ति नगरः नई दिस्सी ।

(भन्तरकः)

(2) एमं राज जयस्थ, पुत श्रमरनाथ जयस्थ, मिसे । विमला जयस्थ, पत्नी एम एलं जयस्थ, केण्टल रमन कें जयस्थ, विनेश के जयस्थ, विनेश के जयस्थ, पुत श्री एमं जालं जयस्थ, 700, सेक्टर नं 8-बी, चन्डीगढ़।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के निर कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

स्था सम्पत्ति के त्वान क सम्बन्ध मा कार्ड भी बाक्षेपः---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की हाती है। ए 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी संविध बाद में समारत होती हो, के भीतर पूर्वोक: व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की सारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबक्ष किसी अन्य प्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति मों किया जा सकींगे

स्पक्षीकरण: इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के सध्याय 2C-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं ० 104, प्रथम खन्ड न ० 1, कौशस्यापार्क, ही उखारां नई दिल्ली ।

शुनील चंत्पड़ा सक्षप प्राधिकारी सहाय-` श्राय⁻य श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजंन रेंग्र-3, नई दिल्ली

दिनां : 4-11--1985

मोहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयक्तर आय्क्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 5 नवम्बर 1985

निर्वेश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/842--ग्रतः मुझे सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हाँ), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित बाजार मृल्य

1,00.000/- रत. में अधिक हैं।

और जिनकी संव एमवन-2 है तथा जो मेजानिन फ्लोर, 1, कीशल्या पार्क, हीज खान, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्री-तो प्रसि-ारी के रायित्य प्रजीत रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय प्रायम प्रवित्त के प्रशिन तारीख मार्च 1985

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्थियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

अत. अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वं, में, उक्त अधिनियम की धान 269-प्र की उपधारा (1) के अधीन, िम्मल्डिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) स्या इन्टरप्राइजे । प्रा० लि० एल०--34, कीर्ती नगर, नई दिल्ली ।

(भन्तरक)

(2) टी ट्रेड टेश प्रा० लि० गुहाटी स्नामाम श्र**ुमेने**जिंग **डाय**रेक्टर पी० सी० वःपूर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यक्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उभत सपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क् से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बर्घ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियाँ के गया है।

## अनुसूची

पनेट एम०-2, मैं तानित फ्लोर, 1, कौणल्या पार्क, होज खास, नई दिल्ली।

> सुनील चाँपड़ें। भाग प्राधितारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 5-11-1985

# प्ररूप आई.टी.एन एस -----

आय धर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) की धरा १६०-६ (1) को अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिता: 5 नचम्बर 1985

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०| एकगू/3/37ईई/3-85| ईई 843--97न मुझे सुनीन चौपडा

णयकण अधिनियम, 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमे इसके परकाण 'तकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का अधेन सक्षम गांधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर स्पर्धण जिस्सा पित्र नाजार मल्य

1,00,000/ "រ ម ។ ភេឌិ

और जिन्ही पर एउट ी - 5 है तथा जो 5, भीकाजी नामा को, नई दिल्ली में रियन हैं (और दासे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण का विभिन्न है) किस्ट्रीकर्ता अधिनारी के भाषांत्र अर्जन रेज-3, र्व्ह दिल्ली में भारतीय आय र अधिनियम 1961 के अभीन तारीण मार्च 1985

को प्वेम्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रिलफल के लिए जरू रिम की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वेक्ति सपित का उचित बाजार मृत्य, तमके रूपमान प्रतिफल मे, एमें प्रश्यमान प्रतिफल मे, एमें प्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकार्ग) के जीम एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहर्ष्ट्र किमी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाियत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा क न्यार और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आप-कर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तियों त्यार पाट नहीं दिया एक का या किया जाने पाटित या कियान के सिक्स के निक्स

- (1) प्यारेलात बगेण्वर ताथ, भिरकी वाचान, लाल कुग्रा, दिल्ली- 6 (ग्रन्तरक)
- (2) समीटेट विल्डर्स । 01, पत्रीटेट हाउस, एफ-14, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया रहता हूं।

उक्त सर्पात को अर्जन का सबध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या नत्संबंधी व्यक्तियों पर म्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सपित्त में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्टित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त र्जाधनियम वे अध्याय 20 क में परिभाषिष है, वहीं कर्ध होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लेट नं ० एप ० जी - 5 भी धा जी यामा प्लेस, नई दिल्ली।

मुनील चौपडा श्वम प्राधिवारी हिताय व्याप व्यापमन (निरीक्षण) श्वर्जन केत्र-3, नई दिल्ली

दिनाक : 5- 11- 1985 मोहर . ब्रह्म आइ.टी.एन एस-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांग 6 नवम्बर 1985

निर्देण सं० भ्राई० ए० सी०/एक्य्/3/37ईई/3-85/844 म्रतः मुझे, सुनील चौपडा ,

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं हाउर र ० 8. रोड न ० 46 है तथा जो गाव मादीपुर, पंजाबी बाग, तर्ह दिल्ली में स्थित है (श्रीर इस्से ७पाद इ श्रम्भुची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णन है) रिजस्ट्रीवर्ता श्रिधवारी के दार्थालय श्रर्जन रेंज-3, नर्ह दिल्ली में भारतीय श्राय र श्रिधनियम 1961 के श्रिधीन तारीख मार्च 1985

को पर्यक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार सल्य से कम के दश्यमान 略 लिए अन्तिरत कौ गइट ह प्रतिफल मभ्रे यष्ठ विश्वास करन का कारण कि यथा पूर्वोक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके खरमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिवात से मधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए: और/या
- (स) एंगी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या गनकर अधिनियम, या गनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सिविध के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

(1) मिमस उमा जैन,
पत्नी श्री एस० के० जैन
8/46, पजाबी बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सत लाल दुष्ठा श्रीर सुनीता दुष्ठ। 457, रिशी नगरी सकुररस्ती, नई दिल्ली।

(श्रन्ति वि

कां यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में किसी व्यक्तिस दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पन्त्रीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

### अनसची

हाउस नं० १, रोड नं० 46, तादादी 279 55 वर्गगज गांत्र मांशीपर, बालोनी जानी जाती हैं शाबी बाग, नर्श दिल्ली।

सृतीत चीपडा सक्षम प्राधितारी सहायक प्रायवर प्रयक्त (तिरीक्षण) प्रजेन रेज-3, नई दिल्ली।

**दिनांक : 6-11--1985** 

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरक्षिण) श्राजंन रेज़-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनां छ 5 नवम्बर 1985 निर्दे मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू./3/37ईई/3-85/ 845—श्रतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके द्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जितकी सं 308, न्ताट नं वी। / 2 है तथा जो प्रजादपुर इमिश्यल इस्लेक्स, दिल्ली में स्थित है . (ग्रीर इससे उपाबड़ प्रमुसुनी में ग्रीर पूर्ण कर से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिवारी के अर्थालय प्रदेन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय प्रायदेर प्रधिनियम 1961 के प्रधीन तारीख म चं, 1985

का पूर्वाक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुम्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल सं, एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) नंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिन्यिम के अधीन कर दीने के अंतरक के दायित्व ने कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या

एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आमकर लिधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या अककर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली ब्राय प्रकट नहीं किया गया था या किया अन्तरिली ब्राय प्रकट नहीं किया गया था या किया अन्तरिली ब्राय प्रकट नहीं किया गया था या किया

अतः अब रक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अप्धिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) भनोट प्रोपरटीम एन्ड इन्डम्ट्रीज लि॰,
 102,103, राजा हाउम,
 30-31, नेहरु प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मोनिया नय्यर एन्ड सतीश नष्यर,
 बी-1/1037 सिविल लाईन्स,
 सुधियाना।

(प्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोच्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओं भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकायित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीस स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसन्द किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के णम 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिणों वर लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशाः गया है।

### अनुस्ची

फ्लेट नं० 308, सुपर एरिया 225 वर्गकीट तीसरी मंजिस, निर्माणाधीन प्लाट नं० बी--1/2, भ्रजादपुर कर्माशयल कम्पलेक्स, नईकला, नई दिल्ली ।

> सुनोल चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनाक - 5-11-1985 मोहर ३

# 

# भाषकार अभिनियम्, १९६१ (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुम्बा

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

सहाय र आगार र आय्यस्त अर्जन रेज~3, नई दिल्ली

नई दिल्ली। दिनां  $\pi$  5 नवस्वर 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ $\mathrm{par}\sqrt{3/37}$ ईई/3-85/

847----श्रतः मुझे सुनील चौपड़ा

नायकर अभिनियम, 1961 (1951 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० ३०५, है तथा जो विद्या खण्ड बी-1/2, श्रश्रादपुर पाम्यलेक्स नई दिल्ली में । स्था है (श्रीप् इससे उपावद्ध श्रमुभूची में श्रीप् पूर्ण कासे विधित्त है) पाउम्ही-कर्ता श्रीधारी के पायांलय श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली म भारतीय श्रायात्र श्रीधानयम 1961 के अधीन वारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का धारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नीर्धानयभ के अधीन कार दान की अन्तरक रा दायित्व में कामी कारने या उससे नजने में सूर्धिः के सिए; आर्थिया
- (ख) एसी किसा नाम या किसी अन या कत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया तथा था या किया दोना जाहिए था. किया में द्वाया के दिए।

कत्र कथा, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण हो, मी, उक्त जिभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जभीग, निम्निसिधित व्यक्तियमें, जम्मि क्रि

(1) भनोः प्रोटीस एन्ड इाडस्रीज,
 102-103, राजा हाउस,
 30-31, नेहरु प्लेस, नई दिल्ली।

(ग्रतन्रक)

(2) कुमारी सोनिया नय्यर ग्रौर मिमेस संतोष नय्यर, बी-1/1037, सिविस लाईस लुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के मर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोव्त व्यक्तियों में में किसी स्थाव्य
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर स्थान स्थानर सकरीन चा हिनबर्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में निक्र के सकरोंग।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमे प्रयूक्त शब्द। और तदा का, जो उत्कर्स व्यथितियम, के अध्याय 20 म में परिशाधित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विवास भया है।

### अन<u>ु</u>स्ची

फ्लेट नं० 309, लगभग सुपर एरिया 385 वर्गफ़ीट तीसरा खन्ड, निर्माणाधीन प्लाट नं० बी-1/2, ग्रजादपुर कम्पलैक्स नन्नोवाला बाग, दिल्ली ।

> सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्राथकर ग्राथक्त (निराक्षण) प्राजन रेज-3, नई दिल्ली

दिनांक 5-11-1985

700 Mg. 61. 67. 68. 40. 40.

भावकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की शक्य 269-व (1) के अधीन श्वा

#### भारत सरकार

काबीलय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज--3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिना ' 4 नवस्त्र' 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सौ०/एव*ः ोऽ\37३ई*/3–85/ 849—श्रत मूे सुनील चौंंडा

बाक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रीधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी €ं 3 (वेस्पेट) हे तथ जी 'भीकाजी तामा प्लेस, नई दिल्ली में क्षित है (प्र. से उपावद्व श्रनुभूची में श्रौर पूर्ण क्षा विशेषात है) एकि द्रीवर्त्ता श्राधकारी के वार्यालय श्रजीत रेज- 3. नई दिल्ली के भवीर श्राधकार श्रिद्धानरम 196' के श्रधीत है रीर मुर्च 198

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के त्वस् एन्तरिंग के मार्ग के ए विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एस उध्यमन प्रतिफल का पहर प्रतिश्वात आधिक हैं और अन्तरिक (अन्यक्ष) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के अस्तरण प्रवास गया प्रतिफल, निम्निजिखत उद्देश्य में उसके अन्तरण जिल्लिक में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :---

- (क) वर/रथ हे हुई कि ही बाब की बार स, उक्त वीनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व मं कवी धन्ने स उक्षत करने ता अविशा को क्ष्य मान्द्रीया
- (क) ब्रेसी किसी नाम या किसी अन बा तन्त्र आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार की महिन्या, 1922 (19.12 का 11) या स्टक्त विश्विता, या सक्तार अधिनिया, या सक्तार अधिनिया, 1957 \1957 फ 27) के प्रवार जार्म अन्य रिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना अहिन् था. स्थिएने के सुविधा के हिन्ह;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिख व्यक्तियों, अर्थात् .——

(1) राजधानी बिल्डर्स, 13 फ्लोर, ग्रात्मा राम हाउस, 1. टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) वन्दना ः। पिट प्रा० लि०, ए-48, कीर्तनगर, दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करताा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—=इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>†</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>†</sup>।

#### क्या करी

बियरिंग नं० 3, बेसमेंट नं० 4, भीका जी कामा प्लेस, नई दिल्ली ।

> सुनील चौपड़ा गक्षम प्राधिकारी सहाय है ग्राथ . र ग्रायूक (निरीक्षण) ग्रजन रेंज – 3, नई दिल्ली

दिनाकः : 4-11-1985

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. ------

बायकार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० मी०क्कृयु०/3ि37ईई/3-85/852—ग्रट: मुझे सुनील चौगड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधियमरी को यह प्रिश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० कर्मांगयल कार्यालय है तथा जो प्लेट नं० 205, प्रगति टावर, 26, राजेन्डर प्लेम, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से भणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त नर्पाता का उचित धाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (बन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्नितिबत में वास्तिक रूप से किया गया है हु---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिनियम के विभीन कर दोने के संस्थारक क दायित्व में कमी करने या उससे बणवं में सुविभा के सिए; बाँड/बा
- (ण) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अध्यत्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, जिपाने में सुविभा से सिक्:

बेतल अ्थ, उक्त जीधीनवम की धारा 269-म के बन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) हरी ट्रस्ट एन्ड मील गुप्ता,
 के-115, हीजखान एन्कलेय,
 नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) नीवा (इण्डिया) लिमि०, 23, वेस्ट एवेन्यु रोड, पजाबो बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। आस्माहिया

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध साद से समाप्त होती हो, अभीतर पूर्वोक्स पर्दे के से िएपी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबद्ध किली अन्य व्यक्ति व्यारा जधोहस्ताक्षरी के पास जिला को किए जा सकरी।

स्पच्छीकरण ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विश्वितियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ध होगा में उस अध्याय में दियर पदा ही।

# **प्रनुसू**ची

कर्माशयल (ग्राफिस) फ्लैट नं० 205, प्रगति टावर, है 26, राजिन्द्र प्लेस, नई दिल्ली ।

> मुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायूक्त (निर्राक्षण) म्रर्जन रेंज−3, नई दिल्ली

दिनाँक: 5-11-1985

मोहर.

प्रकृष आहाँ ही यून गुस - - -

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?69 घ (1) के अधीर स्वना

### धारत गरताः

कार्यालय, सहायक बायकर त्रायकत (निराक्षक) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु० 3/37ईई/3-85/ 853--- ग्रतः मुझे सुनील चौपडा,

बायकर अधिनियम 1961 (१)%) का 40 विसे इसमे इसके प्रकार 'उक्त अधिनिया कहा गया ने की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कः गर भिकास करर का का क है कि स्थानर सम्पत्ति विसा र्राधान गांधार मृत्य 1.00,000/- रा से अधिव है

 $\mathbf{x}$ ौर जिसकी सं० 1-6,  $\mathbf{s}$ ]-1,  $\mathbf{s}$ ]-2, है तथा जो शिवलोक हाउम, नजफगढ़, रोड, कर्माशयल काम्पलेक्य नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वीकत सपित्त के उचिन बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से ऐस द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से प्रधिन हो नंह प्रत्यक (प्रन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एमे बन्तरण के लिए तब पाबा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखन म गार्गविक रूप म कणित नहीं किया गया है.--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त शीधीनयम के क्या हर इस र अन्तरक अ बाधिक में क्यी प्रत्य प्राप्त तर है है । के निया सीप/दा
- (ख) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिल्हें भारतीर अधार राज्य । १ 11477 51 11 コギー サンデエコ 1957 (1957 新 27) हता ए गामा हा वर्ष्ट्र स्थित ग्रा به سیمهای از آم می کمای 2 2 1

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निमालिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) शिवाजी प्रोगटीज, म्रादिनाथ हाउन, सुगर बाजार के मामने, कनाट सर्कम, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) इन्डोनेशिया थु बी० पी० दयाल, फाइनेस इन्वेस्मेंट क० प्रा० लि० ए-87, हमदेई मार्कट, मिविल लाईन्स, जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके प्तावन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हो।

उत्तत सम्पत्ति के यहंत के माइन्ध मा कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना का तार्याक्त र 30 दिन की अवधि, नो भी बविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्स ली कर के भी की कांक्ति दवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ

मध्यक्तिका - . . १ व श्रादा की पर्वो का, जो उस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित र्ज, इहा उच्च । अ तम अध्याय **में दिय** मदा है।

#### वन्स्पः

1-6, डी 1, डी 2, शिवलो  $\pi$  हाउस, -3, नजफगढ़ रोड, कर्माश्रयल काम्पलेक्स, नई दिल्ली ।

> स्नाल चौपड़ा गक्षम प्राधिकारी महाया अवि .र अ.युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनाँक : 8-11-1985

A STATE OF S

# वस्त्र बाहु हो एतः एसः-----

बाभ कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की परा 250 अ (1) के अधीन स्वना

#### MAN WESTER

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाँक 4 नवस्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० मी० एक्यु०/3/37ईई/3-85/ 856—ग्रतः मुझे मुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० मेंज/लीफ्ट फलौर आफ बिल्डिंग है तथा जो नं० 6, कोश्रात्या पार्क, हौजखारा, नई दिल्ली युनिट एक में स्थित है (श्रीर इसमे उपायद्ध श्रन्स्ची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है) रिजस्ट्रीफर्ती श्रिधि प्रारी के कार्यालय अर्जन रेंज -3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रिशीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अनिन्ति की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का अपन हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का सम्प्रह प्रतिकान ये अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया नया जातिफल निम्मितिक उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- िरं। अन्तरण संहुर्ज किली आम की तत्वतः, सकतः रिपित्यक के तथीन कर दोने के अन्तरक के रिप्याद में कन्नी कारते या तसने वचने में द्विधा पिका परि/मा
- (क. एंली जिली बाय या किसी धन या जन्य आस्तिया र्गो जिल्हा भारतीय अधकर ग्रीधनियम, 1922 1027 को 11) या लक्त अधिनियम, या धन इस्ट प्रीधनियम, 1957 (1957 को 27) के गर्योजनार्थ अस्तिरी देशास प्रकृत नहीं किए स्था था या किस्ट इसी चाहिए था, किपाने में सविधा के लिए:

हाके शक उसन अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण के, भी, तक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर नियमिनिसन व्यक्तियों. समित :— (1) कौरान्या एन्हेगनल ट्रम्ट विवेज भूग, प्रस्टी, 11/4 पूना रोड़, नई दिल्लो।

(ग्रन्तरक)

(2) डो. डो० मिनाल, 5-ए, िविल लाईन्त, भटिन्डा (पंजाब) । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जर के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध तक या नमाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त अविध तक से किसी स्वक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबद्ध कि स्थान कि कि व्याप अधोनस्ताक्षणी की पार कि के पार कि कि स्थान कि स

स्पष्टीकरण एम शावन शब्दों और पदी का, आं उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गणा ही।

# अनुसूची

मेजनिल/लीफ्टि फ्लोर स्राफ बिल्डिंग नं० 6, कौशल्या पार्क,होजखान नई दिल्ली, युनिट एफ्।

> सुनील चौपडा पक्षम प्राधिकारी प्राया श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रार्थन रेंज-3, नई दिल्ली ।

दिनॉक : 4-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** 

की धारा 269 घ (1) के अधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रार्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 4 नवस्यर 1985

निदेश सं० भाई० ए० सी०/एस्यु०/3/37ईई/3-85/ 857—म्प्रतः मुझे, गुनोल चीरड़ा,

बायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जबन अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्ट्यित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिल्हां सं० प्रांकड पनीर मुनिट एक एन्ड नी है तथा जो प्लाट नं० 6, की इस्यापार्क, हो तथान, नई दिस्ती में स्थित है (भ्रोर इतो उनाब अमुन्नों में भ्रोर पूर्ण रूप से निर्मा है) रिजस्ट्री हती भ्रावि नारी के कार्यालय भ्रावित रेंक-3, नई दिस्ती में भ्रावकर भ्रोधिनियम 1961 के श्रावीन तारीख मार्च, 1985

का पूर्वोक्त सम्पिति को उचिन बाजार मूल्य से कम के दशमान प्रतिफल को लिए अंतरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने या कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मून्य, उसके दशमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के गंद्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गरा प्रतिफल निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अंतरण लिखित में गक्तिकल निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अंतरण लिखित में

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की आनत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनेयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा स्विभा के निर्ण.

(1) कीघारमा एजुनेसानल दूस्ट, द्वारा विजेग प्रपूर (दूस्टी), 11/48, पूजा रोड, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

(2) सुनील कुछल, 108, यजन्त एन ग्लेब, नई दिख्ली।

(घन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के विष् कार्यवाहिया शुरु करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप इ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्पना की तामील से 30 विन की जविध, को भी अविश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कर व्यक्तियां में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस ग्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हित्तबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकरें।

स्पाद्धीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का वो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा

# धनुसूची

ग्राउन्ड पनोर, युनिट ए ग्रीर बी, प्लाट नं० 6, कीशस्या पार्क, ही जवात, नई पिल्ली।

> सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिवारीं सहायस धायकत श्रायुक्त (िरीक्षण) धर्मन रेंज-3, नई दिल्ली

विनौक : 4-11-1985

मॉहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एत. -----

मायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-च (1) के अधीन सूच्मा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नामुक्त (निरीक्षण)
श्रजीन रेंज-3, मई दिल्ली
नई विल्ली, दिनौंक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यु/3/37ईई/3→85/860 भतः मसे, सनील भौपडा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतने क्ष्मान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 16, डब्ल्यु इ० ए० है तथा जो करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में मीर पूर्ण इप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली में श्रायकर प्रधितियम 1961 के भन्नीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिति में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वावत, जबत जिथिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के वन्सदम् में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की स्पंभारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) म्यू जै० बी० बिल्डसं प्रा० सि०, 3-सी/4, म्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) विरेन्द्र मोटरस भगहोल्सट्रो, 16, डब्स्युइ ए० करोल बाग, नई दिस्ली।

(मन्दरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्टित में किए जा सकेंगे।

रमक्कीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

16, डब्स्यु० इ० ए० करोल बाग, (युनिट नं० 1, बेसमेंट, 1260 वर्गफीट)

सुनील जीपका सक्तम प्राधिकारी सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

विनोक : 8-11-1985

प्ररूप आहें डी. एन्. एस. -----

# बावकर वरिश्तित्वत्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के वंशीन क्षता

भारत सरकार कार्यासयः, सहायक बायकर वायुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेंज−3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनौक 8 नवम्बर, 1985

निवेंश सं० झाई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-8 \$ 914-शतः मुझे, सुनील चीपड़ा,

बायकर ब्रिंभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित् बाबार बुक्ब 1,00,000/- ए. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० थी→4 है तथा जो प्रीत विहार, नई दिल्ली में स्थित है ) भौर इससे उपाबद मनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मर्जन रेज→3, नई दिल्ली में भायकर मधिनियम 1961 के मधीन तारीख मार्च, 1985

करें प्रोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्यं से कम को क्षत्रजात् प्रींतफल को जिए अन्तरित की गई है जीर मृत्ये वह विश्वाद करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके क्षर्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का मृत्यक प्रतिकत से विभिक्ष है और अंतरक (अंतरकों) जीर जंतरिकी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण को तिए तब पावा जवा प्रकृष्टि फल निम्नितिकत उद्वेषय से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तः

- (का) अन्तरण से हुए किसी जान की बावक, उपक अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के बादितक में कमी कड़ने था उससे बड़ने में सुविधा के दिस्स बॉर/या
- पूर्णी किसी नान् वा किसी पृष् वा वृष्य वास्त्रिक्ष का, विन्हें प्रार्तीय नायकर न्यिनिवन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त न्यिनिवन वा भनकर नियमित्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, कियाने वे सृविधा के किए;

अतः जब, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ण की जनुसका वी, भी, उक्त जीभीनयम की भारा 269-च की उपभारा (1) वी अभीन, विस्वसिचित व्यक्तियों, वर्धात् हम्म (1) बी॰ विरमानी, सुपुत के॰ सी॰ विरमानी, 10ए, निजामुद्दीन वेस्ट, नर्ष दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) प्रांकर लाल सिंधानिया, सुपुत्र श्री उदय चन्द सिंधानिया, 2218, जमना बाजार, दिल्ली ।

(मन्तरिती)

ाक्षेत्र वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपर्टेस के बर्जन वह विश्व कार्यवाहियां करता हुन्।

उपता संपरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 हिन की बनिष मा शत्मान्य के व्यक्तित्यों पर सूधना की तानीज से 30 दिन की अनिष, वां भी वसीय वान में बमाप्त होती हां, के भीतर पूजों के स्थानता में किसी व्यक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हैं।
- (व) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीठर उबत स्थायर सम्पत्ति में दिन-विभी कन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताशन्ती के साथ सिवित में किए या सकेंगे।

स्पक्कीकरण १--इसमें प्रयुक्त कथ्दों और पर्दों का, जो उक्त जीवनियम, के सभ्याम 20-क में परिभावित ही, वहीं सर्थ होगा जो उस सभ्यास में दिसा स्या ही ।

# वन्स्यो

**धानी निवासीय प्लाट 370 वर्ग ग**ज प्रीत विहार, नई "दिल्ली (को॰ घोप॰ हाउस) सोसायटी लिमि॰ नई दिल्ली-92 (बी-4,प्रीत विहार, दिल्ली)

> सुनील चौपडा सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनौक: 8-11-1985

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.------

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### नारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज→3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० धाई० ए० सं।०/ए३व्/ 3|37ईहे|3→85|927----सतः मुझे, सुनीक्ष चौपड़ा,

बायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वचे पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गय। हूं), की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्रापिकारों का, यह विष्यत करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीरजिसकी सं० 3/107 है तथा जो नंबारोड, रेजिन स्कीम, जन उपुरी विल्ली में स्थित है (धीर इतसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यासन प्रजैन रेजिन 3 मई दिल्ली में भागकर प्रधिनियम 1961 के अवान लारोड मार्च,

को प्वांबस सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरवमान मित्रजन के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंकत सपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरसमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रश्व अतिकत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितारों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गवा अधिकत, निम्नलिसित उद्दश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिसित अधिक कर्ति किया गवा है :---

- (क) अन्तर्भ से शुद्ध किसी आय की भावता, उक्त अधि-दिसम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उस्से अधने में स्विधा के निए; आदि/ख
- (व) एसी किसी जाम या किसी धन या जन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ते जीवर अवस्थानियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रक. हहा किया गरा भा या किया जाना चाहिए था, । अधाने से स्निनक वे जिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के बधीन, निकासिकित व्यक्तियों, अधितः—

(1) एन० एन० महाजन,
 ए-2/-बी/172, सी भाग पनेटन,
 परिवनी जिहार, नई दिख्ली।

(मध्य रह)

(2) बी० के० मेहना, सा-2/307, जनमपुरी, नर्ष दिल्ली।

(अपारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनी की तामील से 20 दिन की अवधि, जो भी बक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीम के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हिंत-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्रित मो किए जा सकोंगे।

स्पटिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही ।

#### अम्सूची

प्लाट नं॰ थी-3/107, पंजा रोड़, रेनिडेंगियल स्कीम, जनकपुरी, नई दिल्ली । 357 वर्ग मोटरत ।

सुनील चौरहा संजय प्राविकारी सहायक श्रायकर आयुगा (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-3दिल्जी, नई दिल्ली-110002

दिनौक : 5-11-1985

प्रकप सन्त्रां. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-थ (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहादक बायकर बायुक्त (पिरीक्न)

मर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्लों, दिनौंक 5 नवन्यर 1985

निवेश सं० बाई० ए० सी०/एम्यू०/3,37ईई/3-85/928—मतः मुझे, सुनं.ल चीपड़ा बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद जिस्त अधिनियम' कहा गया है), की अस्य 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मून्य

भीर जितको सं० 203 है तथा जो निताल को प्रारेशिव बिल्डिंग, सोतायदो लिमिटेड, राम बिहार, नई दिस्तो से स्थि। है (प्रीर है इससे उपाबद अनुसूचो से प्रीर पूर्ण का से बिणित है) रिजस्ट्रो-कर्ता प्रिव नारी के कार्यालय, प्रार्वन रेंज-3, नई दिस्तो में भायकर प्रवितियम 1961 के प्रधीत तारीख मार्च, 1985

1,00,000/- रत. से अधिक है

को पूर्वों कर सम्पत्ति को उचित बाजार बूक्य से कम को इत्त्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई हैं आर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मूक्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रायमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकल के पन्तर प्रतिकल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे संतरण को लिए तम पाया निया प्रतिकल, जिम्मितिसत उपदृष्ट के उसत अन्तरण निविद्य में उसत अन्तरण निविद्य में वास्तिसक कम से कि सित वाहीं किया प्रसा हैं :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे क्षणे में सूरिवधा के असूर औड़/बा
- (वाँ एँसी किसी बाय या किसी वन या अन्य बास्त्यां को, जिन्ही भारतीय अगय-कर विभिन्नित्रत्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अर्भ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, किया में सुविधा के सिक्ट;

कतः सभ, उनतं समिनियमं ही भारा 269-ए के कनसम्ब हों, में, उनतं अभिनियमं की भारा 269-ए की उपभारा (1) हो सभीन, निम्मतिचित्र स्मित्रियों, सर्थात् :--- (1) श्री राम श्रासरे शर्मा, सुभुत्र श्री श्रमर चन्द, बो-5/60 पोट्ट ग्राफिन के नजदीक, गौरया (पंजाब)।

(ग्रन्गरक)

(2) श्रीमित जुमिता देवी परनी किशीर चन्द्र, मीता एच-5/2, कृष्ण नगर, दिल्ली।

(प्रायति)

कौ यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करका हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सबभ में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपणी में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन की अविध मा तरमम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हा, क शीतर पूर्वीकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति ह्यार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंने।

स्यटकीकरुण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है ≜

# धनुसूची

खाली निवासीय प्लाट प० 203, रोग तल कोप्रापरेटिय बिल्डिंग सोसायटो लिमि० राम विद्वार, दिल्लो-92

> सुनील चीनहा समम प्राधिकारी हायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अजन रजे-3, दिल्लीं नई दिल्लीं-110002

विनौक : 5-11-198**5** 

# प्रकृष बाइ <u>. टी. एन. एस. -----</u>

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन सूचना भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर मायुक्त (निर्दाक्षण) ग्रजिन रेज-3, नई दिल्सी नई दिल्ली दिनांक 6 स्वम्बर 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०।एक्यू०। ३। ३७-१६। १८-८५। 1039---भवः मुझे, सुनील चीपड़ा,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

और निजनी सं० एल-1/16 हीजबास एन्फ्लेव है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इज्ले उपबद्ध मनुसूर्वा में पूर्ण कप से विलत है) भायकर मधिकारी के शार्यालय भर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भागकर भविनियम 1908 (1908 का 16) के भवीन विनोक मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान भीतफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, एसे दरमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त बन्दरण निविद्य में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीम कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या बढ़से दलने में सुविधा के सिए; वीट्र/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी थन या अन्य जास्तियी का, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, का भन-कर अभिनियम, का भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था,, कियाने में स्विधा के लिए;

वतः अव, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के बनुसरज वे, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के वधीन, विक्तिवित व्यक्तियों, वर्षात् क्ष्मान

- (1) भी द्वारका प्रजाद और श्रीमती मुन्नी देवी 1/2 राम विशोर लेन, सिविल लाइस्स विल्ली । (प्रस्तरक)
- (2) श्री योगिन्वर शुमार गुण्ता 1,2 राम दिशोर लेन, सिविल लाइंस दिल्ली। (धरनरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के सिए कार्यवाहियां सूक कृरता हुं।

# **उक्त सम्मति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह**——

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी की पास सिहित में किए जा सकेंगे।

स्पध्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगृत्त्री

# ण्य-1/10 होजबास एक्केब नई दिल्ली ।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारीं । सहायक भाषकर बायुक्त (निरीक्षण) वर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

थितीस : 6-11-85 बोहर 8

# श्रुक्त कार्या हो प्रमृत् एवं त्राच्याना

# बावकुद मुस्पिनियम्, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-प् (1) के भूषीन सूचना

#### प्रारुत सरकार

कार्याचन, सहायक नायकर नायक (निर्देखन) धर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांज 6 नवस्वर 1985

निवेश सं ॰ प्राई॰ ए॰ सी गुण्यपू ०/ ३/3 ७६ई/3-85/1 084---प्रतः मुझे सुनील चौपड़ा,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक्षे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् वाचार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट सं० एफ - 28 है तथा जो प्रीत नगर् सी० एच० बीं० एस० लिमि० प्रीत विहार दिल्ली में रियत है (जीर इ.ने जनाबद प्रानुत्रों में तूर्य रूप से वींगत है) दिनी ह सम्तुबर 1984

को प्वोंक्त सम्परित के उचित भाजार मृत्य से कम के दृश्यमान मिसफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापृष्टित संपरित का उचित बाजार अच्छ, अबके दृश्यमान प्रतिफल के, इसे दृश्यमान प्रतिफल का वृद्धित संपरित के वृद्धित संपरित की किया प्रतिफल के वृद्धित प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्परित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिकाल निम्निति उद्योग्य में उक्त अस्नरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बावत खक्त स्विक नियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में स्विक्ष्य से जिए? बीड्/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया एम वा या किया जाना जाहिए था क्याने में सुविधा के लिए;

बतः जप, सकत विभिन्नियम, की भारा 269-ग की वन्तरक में, में उकत अधिनियम की भारा 269-च की सपभारा (1) की बधीन, निम्निशिक्त व्यक्तियों कं वर्षीत् ह—

- (1) श्रीमती संतवस्त कौर घानस्य । परनी बलदेव सिंह घानस्य ६-5/2, घरोड़ा, मासोनी, मोपास । (घस्तरक)
- (2) भी महेन्द्र प्रसाद जैन, सतीराचन्द्र जैन, व मनेवा गुमार जैन, सुतुत्र श्री पदम सिंह जैन। निवासी---5221, श्रद्धानन्द मार्गं, दिस्ली। (श्रम्दरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के सियु कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्हरताक्षरी के पास शिक्षित में किए था सकेंगे।

स्वाकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों नौर पदों का, जो उत्रत निभाषित के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं सर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया नया हैं।

#### अनुसूची

िरातीर खाती प्रतित्व सं• एफ•-28, प्रीत नगरी, सी• एफ• की॰ एस॰ निमि॰, प्रीत विद्वार, दिस्की--92 ।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राविशारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांश : 6-11-85

मोह्रर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) कर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, वित्तीत 7 नवन्त्रर 1985

ं निवेश सं० आई० ए० सी०/एपन०/1/37ईई/3→05/ 1544····प्रतः मुसे, घार० पी० राष्ट्रेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के लधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संभत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00 000/- रह से अधिक है

श्री: ि भी सं० प्रताय सं० 7, है तथा जो व्याप्त मं० 140, 14 िंग जीव सार्ग, एसव जींव, 5343 मां मिंग में शिवत है (ओर इस्ते आंगबद्ध अनुभूती में पूर्ण क्या से मांगित है), प्रति दृति प्रति प्रति गरी के कार्याक्ष्य, इजीव ऐंच-1, एई पिल्ली में प्रति दृति रूप झिंबिताम, 1900 (1903 वा 16) के झिंबित, दिसी से मई 1905,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिप्यत से लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने या कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह शियात में अपिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिसित में नास्तिक ्य से कथित गरी किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयः की बाबत, उकत नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बदने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

लतः उन, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नोलिखन ध्यनितयों, अर्थात् ;— (1) **बी॰ ए**स॰ एस॰, 2000 कतर, तन्त्राकू न**ध** दिल्ली—110000 ।

(प्रस्तरह)

(2) अंसन प्रोतिकीत एण्ड इंडस्ट्रीन (प्रा०) निमिटेड 115, अंसनभवन, 16, घेठ जीठ मार्गे, मई दिस्ती।

(मन्दरिती)

कोः यह सूचना जारी धरके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को सिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील क 30 दिन की अविधि, जो भी कविध बाद में समान्त होता हो, को भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में में किसी ध्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वाा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास तिस्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रय्यत इन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियगः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अधें होगा जो उस अध्याय में दियाँ ▼ गया है।

#### पनुत्रुवी

पताय नं ० 57, बराय सं ० 143, 14, करत्रवा, गांबी मार्ग, तथे विरुत्ती, 5342 घर्ग मीटर ।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिशारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीकण) भर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002 ↓

ধিনায় : 7--11--1905

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ------

# नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के नधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निर्दाक्षक) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-85/ 1545--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

जामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधिन संशाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं॰ तादादी 3000 वर्ग फीट, है तथा जो सी— 555, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णेरूप से वर्णित है), रिजन्द्री तो प्रधियारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री एण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनाक मार्च 1985

को पृथितित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूला, उरुके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफम का पन्तह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तिवक क्य से किथा नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई कियी थान की बावत , उक्त अधिनियम से स्थीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कर्मी करले या उससे वचने में सुनिधा के सिए; बॉट्र/बा
- (ण) एसी किसी नाय ना किसी थन या अस्य शास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास् प्रकट नहीं किया नथा था सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः विषयित विधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण ें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;—— 5—366 GI/85

- (1) श्रीमती सौहागवन्ती, श्रीमती स्वनं पाल, संतात सिंह हरवन्स सिंह, इन्दर जीत वालिया, श्रीमती नीलम ववन, कुमारा इशा वालिया, मैंजर बलवन्त सिंह निवासी——।।म-219, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्लीं। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री लवलीन स्मिगल1, प्रचारवाला बाग, सब्जी मण्डी, दिल्ली-7(अन्तरिती)

को भइ सूकता बारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के कर्वन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त कर्मात्त के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाओब :--

- (क) इब स्था के रायपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों के विकास व्यक्ति वृक्षाराक
- (व) हम क्षण के राज्यन में अकावन की वार्यांड है 45 विन में जीवर क्या स्वान्द कमरिए में हितवस्य क्रिके मन्त्र क्षणित हुमारा स्योहस्ताकड़ी में गाव विक्रिक में किए या क्योंचे हैं

स्मृत्यीकरणः--इक्ने अनुक्ष कव्यों द्वार क्यों का, को कक्त वीधनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं,, नहीं वर्ष होना वो उस बभ्याय में दिवा गया है।

#### वन्त्रची

प्रोपर्टी सी---535, डिफेंस कलोनी, नई दिल्ली--24, तादादी 3000 वर्ग फींट ।

> द्यार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायकत (निरीक्षण) द्यजैन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-11-85

# पुरुष शाइ". टी. एन. एस्. ------

# नाशकार वाजितनान, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के नेभीन तुम्ता

#### भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक वायकर बावुक्त (विरोक्षण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली. दिनौंक 4 नवस्वर 1985 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3--85/1546----अतः मुझे, आर० पीं० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके धश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि: स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट सं० ए-1502, है सथा जो 98, नेहरू फ्लैस, एम० जी० 500 वर्ग फीट, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीशर्ता अधिकारी के कार्यात्रय, तई दिल्ली में रजिस्ट्रीशरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनां , मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित्र बाबार मूक्य से क्रम के ध्रवमान प्रतिकाल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्स सम्पत्ति का उचित बाबार मूक्य, उसके क्रममान प्रतिफल से, एसे क्रममान प्रतिफल का उन्तक प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए तय थाया थया प्रतिक्त क्रमें निम्निसित उद्योग से बक्त अन्तरण निम्निसित में बास्तविक क्य से कथिश नहीं किया जैशा है:—

- (क) जनसरण से हुई जिसी नाय की नाक्ष्य उक्त आधि नियम के जबीन कर दोने के अम्बरक के दामिल्य के कमी करने या उससे जबने में सुविधा के मिए: बीड़/बा
- (क) ऐसी किसी ख़ाब या किसी भन या अन्य आस्तिको को, जिन्हों भारतीय नायक़ार किसीत्वयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रवोचनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविभा वे सिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) सीकियर टाबरस प्रा० लि०। 22, बाराखम्बा रोड, नृष्टे दिल्ली। (प्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रशोत कुमार (एच० यू० एफ०) मुस्टिद कुमार (एच० यू० एफ०) ओम प्रकाश (एच० यू० एफ०)

(एष० यू० एक०) बी-432, न्यू फेंड+ कालोनी, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सुमना के रामपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुभना की तामीन से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि वास में समाप्त होती हो, के भीर प्रवासि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकत्य।

स्पक्कीकरण: — इसमें प्रमुखत शब्दों और पदों का, औ उन्नर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होता जा उस अध्याय में दियः भूषा है।

# बन्स्की

फ्लैट सं ० ए.-150/2, 98, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली तादादी-400 वर्ग फीट ।

> श्चार० पी० राजेण सक्षम प्राधि⊤ारी सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1 दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-11-85

प्रकल नार्वः बी, युन् हुर्व् अन्तरनननन

नायकर विधितियम, 1961 (1961 था 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सुबना

#### भारत स्रकार

काबालय, सञ्चयक बायकर वायक (विद्राणिक) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-85/ 1547--अत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

वायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें परवात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की बादा 269-व के नभीन, तक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर स्म्मित्त, विसका उचित् वाधार मन्य 1,00,000/- रहा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० फ्लैट नं० 310 है तथा जो एफ०--14, जनाट प्लेस, एम० जी० 786 वर्ग फीट, नई दिल्ली में स्थित है (और इनसे उपब्छ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री- अर्त्ती अधिकरों के वार्यालय अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनिवम 1908 (1908 वा 16) के अधीन दिनाश मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के व्यवनान प्रतिक्व के लिए अन्तरित की वर्ष है जोर मृझे वह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाचार कृत्य, उसके व्यवमान प्रतिकृत से, ऐसे व्यवमान प्रतिकृत का बंद्ध प्रतिकृत से जीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त्रिक्ति) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पावा बना विवक्त, विश्वनिवित उव्वदेव से उच्छ ब्न्यरण जिवित में वास्तिक कम से कामत नहीं कि वा चवा है हम्म

- (क) करारम् वे हृद्धं किशी कात् की वास्त क्या क्या क्षिप्तियम् वे वर्षात्र कर धने वे क्याक्रक वे दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (त) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य नास्तियों को, चिन्हें भारतीय बाय-कर स्थिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त नियमित्रम, का जन-कर स्थिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना जाहिए था जियाने में सुविधा के तिह:

(1) श्री राकेण कुमार श्रग्रवाल (एच० यू० एफ०) उमेश कुमार श्रग्रवाल (एच० यू० एफ०) निवासी--- 10/4763 डिपटीगंज सदर बाजार, दिल्ली । (श्रन्तरक)

(2) ओसीनेयर ट्रांसपोर्ट एण्ड इन्वेस्टमेंट कस्पनी 289, णहीद भगत सिंह रोड, बस्बई। (अन्तरिती)

को यह ब्रुचना चारी कारके पूर्वोक्त कम्मरित के वर्षन के विक् कार्यनाहिंगा एक करता हुं।

उन्त बन्दरिश के नर्जन के बन्दरभ में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इत ब्रुवना के राजपन् मं प्रकाशन की तारीय वं 45 विन की जनभि ना तत्वज्यन्थी भ्यक्तियों वर् भूजना की शामील वं 30 विन की जनभि, जो भी नव्य नाथ में स्वाप्त होती हो, के भीतर प्रजित्व ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इब त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच छे 45 पिन के भीवर अन्त स्थावर सम्पत्ति में दितवब्ध किसी जन्म व्यक्तित ब्याय वधाहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्माधीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### घनसूची

फ्लैट नं० 310, कम्पीटेंट हाउस, एफ०-14, कनाट-प्लेस, नई दिल्ली 78608 । वर्ग फींट ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) निर्रेज-1 बिल्ली नई दिल्ली-110002

क्षतः तम, उन्त निर्धानियम की धारा 269-न के बनुसरण में, में उन्त अधिनियम की धारा 269-न की वनचाड़ा (1) हे क्षणीन, निम्नतिथिय केंद्रियमी, सम्बद्धिकल

दिनांक 4-11-1985 मोहर:

# श्र**क्त बाह**े, टी<sub>ल</sub> एवं. एवं.,--------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) वे वर्धन ब्यम

#### बारड परकार

# कार्यामय, सहायक आयकार कायुक्त (निरीक्तक) ग्रजैन रेंज-1, नई विल्लीं

नई दिल्ली दिनांक 4 नवम्बर 1985

न्नाई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-85<sub>/</sub> निर्वेश सं० 1548---श्रतः मुझे, श्रार० पीं० राजेश,

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस्रे इसमें इसके परवात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सम्ब 1,00,000 /- रा. से विधक हैं

और जिसकी सं० स्पेस न० 19, 7वां खण्ड, है तथा जो ब्लाक ई, होटल कम कर्माणयल काम्प्लेबस, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली, 638 वर्ग फीट। में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से घणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्दी हरण प्रधिनियम: 1908 (1908 ला 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985 को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कन के क्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुख्य, उसके ब्रुयमान प्रतिफल से, एसे ब्रुयमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अंतरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एके बस्तरून के जिए तब पावा नवा प्रति-क्य विकासिक उन्हेंचेय से उपने बन्तरम निवित में गस्तिविक च्य वे कथित वहीं किया पता है s---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (स्र) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतत स्व, उक्त विधिनियम औ भारा 269-ग के नमुसरण मों, मी, उक् अंबिशीनाम की भार 269-अं की रमभारा (1) क् बधीन, नि क्लिकित अवित्यों, क्यांत्ः—

- (1) नेहरू प्लैस होटलस लिमि० इरोस सिनेमा, जंगपूरा एक्ष्यटेंशन नई दिल्ली-14 (अन्तरकः)
- (2) श्री एच० कें० माजीं पनी एच० एक भंजी पत्नी मेजी हाउस नं० 55, सैफ्टर नं० 2-ए, चण्डींगढ । (भ्रन्तरिती)

को बहु सुमना बादी करके पुरुषित सभ्यत्ति को वर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए ।

# उक्त सम्बद्धि के वर्षन के सम्बन्ध वी कोई भी बाक्षेष् ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचन। की बामील से 30 दिन की नदिभ, को भी नदिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवाड़ाह
- (क) इस सूचना के राखपत्र में प्रकाशन की तारीब डे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्यारा वधोहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकरें।

लच्चीकरण:----इसमें प्रयुक्त सब्दों बीर पर्दों का, श्री तक्क अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा को उस अध्याम में दिया मका है।

स्पेस नं 19, 7वां खण्ड, ब्लाक ई, होटल कम कर्माणयल काम्पलेंबस, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली एरिया 638 वर्ग फीट ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांकः : 4-11-85

प्रका बाहें, टी. एवं. एवं.------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-च (1) के अधीन ब्चना

भारत सरकार

कार्याक्रय, तहायक वायकर नायुक्त (निरीक्स्न) ग्रर्जन रेज⊶1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवस्वर 1985

निदेश [सं० श्राई० ए० सी० एक्यू० 1 3 7 र्राई 3-85] 1549—श्रत मुझे, श्रार० पी० राजेश,

बासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इक्को इसको पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), व्या बाद्ध 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेन सं० 54, डा० गोपाल दास है तथा जो 28, बारा खम्बा रोड, नई दिल्ली—1, 200.28 वर्ग फीट में स्थित है (और इसमे उपाबड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधियारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली—1 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, दिनाक मार्च 1985,

को पूर्वोकत सम्पन्नि के उचित बाजार मुख्य से कम के क्ष्यमान मिल्क के निष् अंतरित की गई है जीर मुके वह विश्वात करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित वाजार भृष्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तक प्रतिकात के विश्व है जोर जन्तरक (अंतरकों) जोर जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरक के सिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्मलिखित उख्योचय से उच्य अंतरण विचित में बास्त्रिक क्य से की वा वा है ड—

- (क) व-वारण ते हुए किवी बाव की बावत , अवध अधिनियम के नधीन कर दोने के बच्चरक के बायित्व में कमी करने या उद्यस वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एची किसी आय या किसी धन या अन्त आस्तिनों का, पिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था खियाने में स्विधा के लिए.

सतः अस जमत अधिनियम की धारा 269-म से समुसरम में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में बधीन, निकालियिक व्यक्तियों, समित ह— (1) गोपाल दास इस्टेट बाँर हाउसिंग प्रा० लिमि० 28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली—1

(अन्तरकः)

(2) श्री देविन्द्र नाथ लाथिया सुपुत्र योगराज याहिया सी-5, ग्रान जी० जी० कालोनी, सिवसागर, (ग्रसाम), 785640।

(भ्रन्तरिती)

को वह बृष्या वाधी करके प्यांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय क्षे 45 दिन की नवित्र मा तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्थान की ताबील से 30 दिन की नवित्र, को भी नवित्र में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थानित बुवारा;
- (व) इत स्वात के रावपत्र में प्रकावन की तारीव से 45 दिल के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हितवस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा ककीं।

ल्लाकरणः ----इसमें प्रश्निक शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्विवय के वश्वाय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा वो उक्त वश्याय में दिया ववा है।

# अनुसूची

स्पेस 54, लोग्नर ग्राउण्ड डा० गोपाल दास भवत, 28, बारा-खम्बा रोड, नई दिल्ली-1, एम० जी-200-28 वर्ग फीट।

> ग्रर० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-11-85

मोडर :

# प्रकृत वार्<sup>4</sup>. टी, एत<sub>ा</sub> एत.-----

# भागकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन क्यमा

#### पाया पुरस्क

कार्यासव, सङ्घायक वायकर बायक्क (निर्देशकं) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एस आर-3/ 3-85/1550-ग्रतः मुझे, श्रार० ०पी राजेश,

पामकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रयात् उक्त सिंधनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च में अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थानर सम्बद्धित, जिसका उचित बाचार मुस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० शाप नं० 17, 79-80 हैं तथा जो नेहरू प्लैस, एमजी 303 वर्ग फीट में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबक्ष अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली 1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम नारीख मार्च 85

को पूर्वे विश्व सम्परित के उचित वाजार भूल्य से कम के द्रश्यमान द्रियम के लिए जन्तरित की नहीं हैं जीर मुक्ते यह विद्वास करने के कारण हैं कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित वाजार मूक्य इसके द्रश्यमान प्रतिफाल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह भितकत से विभक्त हैं और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीच द्वेसे ज्ञारण के निष् त्यू पावा ज्ञा प्रतिफाल निम्नीसिख्य उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण निष्ति के वास्तरिक स्प से कथिय नहीं किया न्या हैं क—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की सम्बद्ध के दासित्य में कमी करने वा उत्तसे बचने की सुविधा के बिस्; बांड/बा
- (थं) ऐसी किसी वान् या किसी धन ना नृष्य जास्तियों को, चिन्हों भारतीय नाव-कर निर्मानयन, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ अधिनियम सा धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ जन्तिरती बुवाय प्रकट नहीं किया बना था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के किया के किया

ंतः वन, उच्य विभिनियम की भारा 269-न की वनुसर्ध में, में, उच्य अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अभीन, निकासिविक स्पनियमों, अर्थाव :---

(1) ले॰ कर्नल रिष्टायर्ड बाई॰ जी॰ माशुर, 96 बी, पाकिष्ट ए-14, काकलजी एक्सटेंशन, नई दिल्ली-1।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० जी० जाजं, ई-20, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के कर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उनल बन्नरित के नुर्वन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेत्र :---

- (क) इस स्थान के श्रम्भ में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन् की समि , जो भी स्वीध नार्य में सनाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित स्वीकतमों में से किसी स्थक्ति दवाय:
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाबन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य स्मक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किस का सकींगी।

स्पव्यक्रिकरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त जीवनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उस अध्याय में विंचा गया है।

#### मन्दर्भ

गाप नं० 17, 79-80, सतकार बिल्डिंग, नेहरू रिलैस नई दिल्ली, एमजी 303 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिस्ली

तारीख: 4-11-1985

# त्रका बाइ'. टी. इन. एस. ....

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

#### मारुत् करकाउँ

कार्यालय, सहायक बादकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985 निर्दोग सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/37ईई/3-85 1551--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

्रकायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वावार मूंक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लट नं० 118 है तथा जो 38, नेहरू प्लैस, 361 वर्ग फीट में स्थित है (श्रीर इसमें उपाब्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कप में वर्णिन है), रिजिस्ट्री क्ता अधिकारी के कार्यालय, मई दिल्ली—1 में भारतीय रिजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च. 85

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाचार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई हैं और मूके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (जन्तरका) और अन्तरित्ती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के शिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कीशत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को आयत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दावित्य में कभी करने या उत्तत बचने में सुविधा क लिए, और या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिदा

कतः शव, उत्रत विधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण को, मो, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की छपधारा (1) को बधीन, जिल्लिखित व्यक्तिकाँ, वर्षात क्र--- (1) श्रीमती निलनी अग्रवाल, पत्नी श्री राजीव अग्रवाल 49/1, राजपुर रोड, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री किशोर गिडवानी सुपुत्न, लेट श्री जी० टी० गिडवानी, डी--79, डिफोंस कालोनी, मई दिल्ली--1,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सञ्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के क्यान के सम्बन्ध में कोई भी बासीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वन की तामीस से 30 दिन की स्वधि, को भी अवधि बाद में दमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (क) इत स्थान के स्वप्त में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सुकोंने।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 118, प्रथम खन्ड मल्टी स्टोरी बिल्डिंग, 38, नेहरू प्लैस, नर्ह दिल्ली-110019, 361 वर्ग।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

त!रीख: 4-11-1985

मोहरः

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-म (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) अजन रेंज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 4 मवम्बर 1985

निदश सं० आई० ए० मी०/एक्पू०/1/37—ईई/3-85/1525—अत: मुक्ते, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्नौर जिसकी संख्या फ्लप्ट नं० 203, फ्लाट नं० इक्स्यू० है तथा जो 111, 1610 वर्ग फीट नई दिल्ली-1 में स्थिन है (ग्नौर इसमे उपाधव अनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिमियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम तारीख माच 85

को पूर्वोक्त सम्बद्धि के उचित बाजार मूल्य से कम के उरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उशके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्दह प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में गुस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नावत, उक्त अधिनियस के नधीन कर दोने के नंतरक के दायित्व में कमी करने वा जससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी अब या किसी धन या अन्य अस्तियों को, चिन्हूं आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

वतः नव, उनक निर्धानसम् की पारा 269-ए के बनुसरक वो, भी, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) वे वधीन, निम्नोफिक्किय व्यक्तियों, क्यांब् हे---- (1) मै० कमल इन्ट प्राइसेस, जी-48, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली-16

(अन्त क)

(2) श्री एस० ए० अक्षवार (ए**ग्यफ**), 14, पूर्वी मार्ग, न**र्ष** दिल्ली-57,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजंपत्र में प्रकाशन की तारी है वे 45 दिन की व्यक्ति मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी संवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकोंगे।

स्मध्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्हें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लैट नं० 203, प्रथम खन्ड कमल अपार्टमेंट का, प्लाट नं० डब्स्यू०-111, ग्रीन पार्क एक्सटसन, ग्रेटर कैनाश-2, नई दिल्ली, एरिया 1610 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रैंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 4-11-1985

प्रकृष आई. टी. एम. एत. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मई घिल्ली मई दिल्ली, दिमांक 4 मवम्बर 1985

ं निदश सं० आर्डे० ए० सी०/एक्यू०/1/37**–ईई**/3– 85/1535—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-क के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रा से अधिक है

श्रीण जिसकी संख्या एस-2, एस-167 है तथा जो ग्रेटर कलाश-2, नई दिल्ली:। में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विज्ता है, रिज़िस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भई दिल्ली में भारतीय (रिजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 TI 16) के अधीन तारीख मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान गितफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह् ।तिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज एमें इन्तरण के मिए तय पात्रा गया प्रतिकृत्व, निम्निसित उद्देश्य में उक्त उन्तरण निसित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विध्य के लिए;

अत. अब, उक्ट अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण ै. **मैं उ**क्त अधिनियम की धारा 269-**य की उपधारा (1)** ै मधीन, निम्मसिमिट ज्यक्तियों अर्थात —  मै॰ एपेक्स कंस्ट्रक्शन (प्रा॰) निमिटेड, ए-7/2, न्यू फेडस हालोनी, नई दिल्ली-1, ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंतोष कुमारी पत्नी, श्री प्रताप मिह, निवामी एम~273 ग्रेटर कैलाण~2, न**ई दिल्ली**~1 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य्याहियां करता हु।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकीं।

स्वक्षां करण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया

#### भन्सूची

एस-2, दूसरा खन्छ, निर्माणाधीन एम-167, ग्रटर कलाश 2, न**ई विल्ली**।

> आर॰ पी० राजेश सक्षम प्राधिज्ञारी सहायक आयकर आक्युत (निरीक्षण) अर्जन रेंजें—1, नई दिल्ली

तारीख: 4-11-1985

मोहर:

26 —366GI/85

### प्ररूप बार्ड : टी. एन : एस : -----

जायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के लिभीन स्वना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंम रेंज-1, मई विल्ली

मई दिल्ली, दिमॉक 4 मवम्बर 1985

निवश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/37-ईई/3-85/1554---अत: मुझे, आर० पी० राजेंश बाबकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इक्कें स्थक पर्णात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की वाण 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाउर सम्पत्ति, जिस्का उपित बाचार भून्छ 1,00,000/-रु. से अधिक हैं बोर जिसकी संख्या 1600 वर्ग फीट है तथा जो निवासीय पर्लंट इम रियर ब्लाक 3 खण्ड मल्टी स्टोरी हाउसिंग स्कीम 9 बी० के० रोड़ मई दिल्ली में स्थित है (प्रीर इससे उपाधक अनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफक्ष को सिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिबत बाबार ब्रुच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हो और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितियों ब्रुव्हें से उच्य अन्तरण निम्नितियों मिनित ब्रें वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

के अधीन तारीख मार्च 1985

- (क) अंशरण है हुई किसी आयं की बाबल, स्वतं अधिनियम के बधीन कर दोने के अंशरक के गयित्व में कामी करने या उनसे अधने में सुविधा क लिए; और/भा
- (च) एसी किसी नाय या किसी थन वा अस्य बास्तियाँ का. जिन्हाँ भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत निधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ व्यक्तिति दवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा स्टेलिए,

बतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुभरण कों, मीं, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (†) अक्रियोन निम्नसिटिक व्यक्तियों कवीस ;—— (1) मै॰ कैलाश नाथ एण्ड एमोसिएट 1006 कनचनजंग। 18 बाराखम्बा रोड़, मई दिल्ली।

(अन्यरक)

(2) प्रेम कुमारी खावडा श्रीर श्रंजूबीर, श्रृ 32, रीगल बिल्डिंग, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह स्वान जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इंवारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में दिये वा सकने।

स्वकारिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय हैं किहा क्या हैं।

# अनुसूची

ए, रेजिडोंस फ्लैंट रियर ब्लाक, 1600 वर्ग फीट तीसरा खण्ड, मल्टी स्टोरी ग्रुप हार्जीसंग स्कीम, नीलगिरी अपार्टमेंट, 9, बाराखम्बा रोइ भई दिल्ली 1 एक कार पार्किंग स्पेंस।

> आर० पी० राजेश राजम प्राधिकारीं सह(यक आयक्स अायुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज∼1, **मई विस्सीः**

विनॉक्यं: 4-11-1985 मोहर:

# प्रकप बार्ड . टी . एत . एवं . -----

आसकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्क्क (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नहीं दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

मिदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य्०-1/37ईई/3~85/ 1555——अत: मुझे, आर० पी० राजेण,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- क से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या 750 वर्ग फीट है तथा जी फ्लैट नं० 1011, 22, बाराखम्बा रोड, नई बिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायिलय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-1, में भारतीय रिन्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पतित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाचार भूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-पस, निम्नलिखित उच्चंद्रय सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है .——

- (क) बन्धहम संबुध किसी साम की वायक, विश्वक विश्वित्वन के न्यीय कर दोने के मृत्यूरक के शावित्य वो क्यी करने या स्वक्त व्यवने में सुविधा के जिए; वीद-विश्व
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः नव, उपत अधिनियम की भारा 269-ग के नन्सरण में, में, इक्त निधिनयम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के नभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अभीत् :-- (1) मैं० स्कीपर सेल्स प्रा० लि०,22, बाराखम्बा रोड,नई दिल्ली।

(अन्तर्भ)

(2) श्री संजय बंसल, बी-15, ग्रेटर कैलाश-1, नर्ष दिल्ली-1।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके पृत्रांकत सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

वनत नम्परित के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्येप:----

- (क) इस सूचवा के राज्यन के प्रकारन की सारीकु से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की कर्मभि, को भी अविभ नार में बनाप्त होती हो, के मीतर प्रविक्त व्यक्तियों के ने किसी व्यक्तिस व्यक्ति व्यक्ति
- (ब) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीख स 4.5 दिन को भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, क्योहस्ताकारी के पास निवित्त में कियों जा सकोंगे।

त्यव्यक्तिरणः ---इसमें प्रमुक्त सम्बं और पवाँ का, जो अक्त अधिनियम के अध्यात 20-क में परिश्राचित हैं, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया नवा है।

# वन्स्ची

प्लैट नं० 1011, 22, झाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ताबादी 750 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी वहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनॉक: 4-11-1985,

# प्रका बाह". टी. इव. जूब......

# नायकर वीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सुवना

#### नारत चरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षक)

अर्जम रेंज-1, म**ई विस्ली** मई दिल्ली, दिमांक 5 न**बम्बर**, 1985

निवेंश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/37**६६**/3-85/ 1556---अत, मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य  $1,00,000/\sim \tau$  से अधिक है

प्रौर जिसकी मंख्या फ्लैंट नं 1502 ए, 89, नेहरू फ्लेस एमजी 372 वर्ग फीट, है तथा जो नई दिल्ली-1 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कल के स्वयान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रविश्वत से अधिक है और अंशरक (अंशरका) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय किया गया प्रतिफल, विस्तिकिक्त उक्केष्य से सक्त बंतरण किया गया प्रतिफल, विस्तिकिक्त उक्केष्य से सक्त बंतरण किया गया प्रतिफल के से किया गया प्रतिकार के से किया गया है ■

- (क) अन्तरम सं हुए किसी बात की वावसः उपक नीधीवयम के स्थीन कुड को में जन्तरक से स्वित्य में क्रमी करने वा उसके वचने में सूनिधा के सिए; सीए/का
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर जिमित्यम, वा भव-कर जिमित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा वे विद्याः

बत: बव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्दरक में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिष्क व्यक्तित्वों, अविद्धि— (1) मैं० स्कीपर सेल्स प्रा० लि०, 22, बाराखम्या रोड, मई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मिस् रीतिका नारग, ए-43, न्यू फैड्स कालोनी, मर्ड दिस्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुकला जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए के कार्यवाहियां करता हुं।

उन्हा सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोड़ भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी दे वे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इब सूचना के हाजपत्र को प्रकारन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित्तवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पेक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, आ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिश् भाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याक में दिया गया है।

#### मन्स्ची

फर्लंट नं∘ 1502-ए, 89, नेह्र≅ पक्षेस, नई दिल्ली; 372.40 वर्गफीट।

> आर० पी० राजश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-1, मई दिल्ली

दिनॉक: 5-11-1985

# प्रकृष बार्ष . टी एन एस ------

# भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

नार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (सिरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मई दिल्ली

मई दिल्ली, दिमांक 5 मवम्बर 1985

निदेश स० आई० ए० सी०/एक्य्०-1/37ईई/3-85/ 1557--अत:, मुझे, आर० पी० राजेश,

बायवार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- राज्य सं अधिक ही

श्रीर जिसकी संख्या तादादी 300 वर्ग फीट फ्लैंट न० जी-9, 98, नेहरू पलेम, है तथा जो भई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रार पूण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के वार्यालय अर्जन रेज-1, मई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिभियम, 1908 (1908 का 16) क अधीन गरीख मार्च 1985

को पूर्वा कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्त यह विस्तास करन का कारण है कि संशापना न मन्यों न का उचित बाजार कृत्य, बसक दश्यमान प्रतिफल का एन्ह्र प्रांतिकार सं प्रधिक है और असरक (अतरका) और जनिर्ता (अन्तरितियों) क वाल एम अन्तरण के लिए अय पापा गया इतिफन, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाम की बाबत उक्त विभागियम के बभीन कर दान के अन्तरक के बावित्य में कनी करने या उत्तते वचने में सुविधा के शिए; बाँदिंगा
- (च) ऐसी किसी नाथ या किसी भन ता अना नास्तियों का जिन्हों भारतीय नायकर निर्धानयम, 1922 (1.922 का 1:) या उन्त निर्धास्यम या भन-कर निर्धानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में वृश्या के विद्

नतः नव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वी, मी, उन्त मधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) वी सधीन्य निम्निसिंग महिलानों, सथीन् क्र-ः (1) मैं ०. स्कीपर टावर्स प्रा० लि०, 22, बाराखम्बा रोड, पई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री भनीण धवन, न-109, कीर्नि नगर, नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को कह सृचना भारी कारक प्राक्ति स्थान न के लिए कार्यवाहिया कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सबभ में कोई भी बाक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासील स २० दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियां मा स कि री व्यक्त दवारा
- (ख) इस सम्बन्ध क राज्ञप्य । स्राप्त की नापास सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बस् क्षा स्था १५ ६० क्षाहरसाक्षणी के पास विस्थित में क्षिण (स्ताप

स्वयक्तिरण: ----इसम प्रमुक्त शाद गौर पद्म का, आ उन्नर निधिनियम, के संभ्याप 20 के में परिभाषित हैं देशों अर्थ होते का स्थाप में विसर गया है

#### अमुसूची

फ्लैंट न० जी-9, 98, नेह्रण प्लेस नई दिल्ली, ततादी 300 वर्ग फीट।

> आण्० पी० राजेश मलम प्राधिकारी सहायक आयक्ष्य आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रज्ञ-1, नई दिल्ली

दिना :: 5-11-1985

प्ररूप आहर्ष. टी. एन. एस.-----

शावकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य), सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जम रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निद्धा सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-83/ 1558--अत:, मुझे, आर० पी० राजेंग

जायकार जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पहचात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्रतिभकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या वैसमेंट नं० 4 है तथा जो 60 नेह रू पलेस, मह .दिल्ली 644 वर्ग फीट में स्थित है (ग्राँर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1 दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के स्वयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का जारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्व मान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंसह प्रतिकात सं मिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) व बीख एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्वेश्य स उक्त अन्तरण जिहिशा में बास्तविक रूप में अंगर्य, नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयः की बाबत, उनत निवस के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बीर/था
- (ब) एरे ी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिकित व्यक्तियों, अधित्:— (1) सिंह एंड स्माईल
 5 ए/185 डब्स्यूइए, करोल बाग,
 मई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कप्तवीर खुरामाडी-99, कमला नगर,विल्ली-7।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यगाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के रथ्जपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पाप्त में हितााइथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्यष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शादों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# धनुसूची

बैसमेंट नं० 4, स्काईलाकं, 60 नेहर पलेस, नई दिल्ली तावादी 644 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली

वारीख: 5-11-1985

प्ररूप आहाँ.टी एन.एस.-----

बायकर बीधीनसभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आएकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-1, नडी दिल्ली नडी दिल्ली, दिमांक 5 नवस्थर 1985

मिवश सं आई ए. सी । एक्यू । 1/37ईई/3-85/1559-अत:, मुझे, आरं पी राजेश,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिल्ला एपिन प्राथान मृन्य, 1,00,000/- राज्य से अधिक हैं।

गौर जिसकी संख्या ध्लाष्ट मं० बी-52 है तथा जो डिफेम कालोनी, एमजी, 1662 वर्ग फीष्ट, मई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जम रेंज-1 मई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 85

का पृष्णिक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिक्ष के लिए बंतरित की नह है और बुक्ते वह जिल्लाम करने का कारण है कि. यथापूर्वेक्ट गपस्ति का राभित बाजार पृस्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे क्ष्यमान प्रतिकास का पत्तह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिसी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय तय पाया दश प्रतिकास विकासिक वहारिय ने उच्य करारण कि नियं त्रें गास्तिक का करूरण के लिय त्रें गास्तिक का विकासिक कहीं किया व्या हैं: --

- (का) जनगरण वे हुई किसी थाय की गामतः, स्वयस् विधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरण के विद्या में कवी करने या उक्त यचने के वृधिधा के (कार; कीस्ट/का
- (क) एसी किसी जान ना किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आन-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) ना उन्तर निधिनियम, ना धन-कर निधिनियम, ना धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हमारा अन्तर नहीं किया प्रया था ना विकास ना धाड़िए था, जिन्दास से सिधा के लिए;

बर: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुमन्त बें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा 📳 के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थोत् :--- (1) मेजर मुल्क राज मिलक एंड मंस (एवयूएफ) सी-94, डिफेंस हालोनी मई दिल्ली।

(अन्सरक)

(2) श्री कंवलजीत सिंह सुपृत्र श्री सज्ञत सिंह निवासी एच-34, ग्रीत पार्क एक्सटेंगन मई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

# सकत सम्मति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई वालीय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिसों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकाशों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितमधूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पात किस में किए जा सकेंगे।

स्वक्रिकरण '---इसमें अयुक्त शक्यों और पर्यों का, को उपके कियान के अध्याय 20-क में पी।भाषिक हैं, वही कर्य होगा जो उस अध्याय में विकास्त्री हैं।

#### अनुसूची

थ्लाष्ट नं वी-52 डिफेस कालोनी, नहैं दिल्ली एमजी-1462 वर्ग फीट एंड मैजानिम-200 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेस सक्षम प्राधिक.री सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख: 5-11-1985

मातु र 💰

प्ररूप आर्थ टी एन . एस . ----- -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 श (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, हरायद, रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-1, मई दिल्ली मई दिल्ली, दिनांक 5 मबस्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एसपू०/1/37ईई/3-85/ 1560—अत: मुझे, आर० पी० राजेग,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260 क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारों को, यह निश्यास करने का करने के अधिक हैं

ग्रोर जिसकी संख्या एमजी-570 वर्ग फीट है तथा जो फ्लैट नं 102, बी एम सी हाउस, एम-क्लाक, कनाट फ्लेस मई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसा उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप के वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख माच 85

को पूर्वोक्स सम्पन्नि के उत्तित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान असिफल के लिए अतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारण है कि स्थानर भट्टिंग, जिसका उत्तित बाजार मृत्य मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशान से अधिक हो और अंतरिक (गंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एन अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का मिन्निसित उद्विष्य से उस्स बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का मिन्निसित उद्विष्य से उस्स बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का मिन्निसित उद्विष्य से उस्स बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का सिम्नित विश्व का सिम्नित के वास्तिक क्या के किया नवा है ।

- (क) अन्तरण से हाई जिसी जान की वानस, उन्तर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक कें दायित्व में करने या उससे जनने मीं सुविधा के लिए; और/मा
- (का) एमी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

भतः भवः, उत्तर अधिनियम की भारा \_69-ग के अनुसरण काँ, माँ. अकर अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिचित व्यक्तिकों, अर्थात् ह

- (1) मैं० रात्रल प्रपार्टमेंट (प्रा०) लि० 119, कम्पीटेट हाउस- एफ-14, क्ताट पलेस मई दिल्ली-1।
  - (अन्मरक)
- (2) श्री कमल कुमार बेदी एंड बिमल बेदी डी-13, बागरी माकिट, 71 कैंगिंग स्ट्रीट, कलकता-1

(अन्तरिती)

को यह स्चला जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्क कम्पृतिक के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी मार्क्ष \cdots

- (क) इस स्वना से राजपन में प्रकाशन की तारीक दें 45 दिन की जबधि या तरकारक भी व्यक्ति के एक स्वना की तामील से 30 दिन की जबधि, थो औं अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठीक श्रम के किसी व्यक्ति हुनारा।
- (स) इस मुचन। क राजधन मा प्रकाशन की नाराक्ष से 45 दिन के भीतर उपल स्थावर सम्पत्ति में हितवकृष किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिक्ति मा निक्ष का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विका क्षिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका पक्षा है।

#### अन सर्ची

पर्लंड नं ० 102 बीएमसी हाउस, कनाष्ट्रप्लेस, मई दिल्ल 570 वर्ग फीड ।

> आर० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-1, नई दिल्ली

तारीखा: 5-11-1985

योहर 🛭

प्ररूप् . बाइ', टी., एन. एस , ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत शरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जाह रेंज-1. नर्ष दिल्ली

मर्धे दिल्ली, दिलांक 5 भवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-85/ 1561--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

खायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भार जिलाकी संस्था 635 वर्ग फीट है तथा जो बैतमेंट नं० 2, 60 दिल एलेस हि दिल्ली में स्थित है (ग्राँग इससे ६५.वड रन्धूची में ग्रीट पूर्ण रूप से पणित है)-रिल्ट्रिट्रिट्रीटर्स हिल्ली में भारतीय रिल्ट्रिट्रिए शिविटम 1908 (1908 का 16) दे अधीत सारीख मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचि । बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित को गर्ह है और मूक्ते यह जिश्वास करने का कारण है कि यश ,पूर्वोक्त सपत्ति का जिल्ला बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिकार से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से राधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बत: तब उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखिन ध्यक्तियों, अधीत :——
-366 GI/85

(1) म० जिंतु एंड स्माईतः 5 ए/185 डब्स्यू० इ० ए० करोजदाग नई दिल्ली।

(अम्तरक)

(2) श्री बी॰ एम॰ बहल सुपुत्र श्री बी॰ एम॰ बहल श्रीर मिनेज के॰ बहल पत्नी बी॰ एम बहल सी-7/200 सफदरजंग डिवेल्पमेंट एरिया नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के सिन् कार्यवाहिया करता हुं।

## उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की सबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 36 दिन की अवधि, जो भी धविध शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाच लिखित में किए जा सकागे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया यस है।

#### अनुसूची

बैसमेंट नं ० २ स्झाईनाकों, ६० नेतुक परेन्द्र मई दिस्की सादादी ६३५ वर्ग फीट।

> मार॰ पी॰ राजेश सन्नन प्राधिकारी सहायम आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अनंन रेंज-1 पर्ष दिल्ली

हारीख: 5-11-1985

प्ररूप आहें.टी.एन.एस------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्वेश सं० आई० ए० सी॰/एक्यु॰/1/37ईई/3-85/ 1562--अत: मुद्दो, आए० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूच्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या 1110 वर्ग फ़ीट है तथा जो फ्लैट नं० 3 ए, डी-2, कॉलिंदी रींग रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधावरी के वार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्ब, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मूह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइं किसी नाय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) दै अधीन, निम्नलिकित व्यक्तिकायों, अधीत :--- (1) मैं० मेहा बीप एस्टेट्रा, श्री-2, कालिदी, रींग रोड, मई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री जगवीण तलवार धोर, श्रीमती कुसुम तलवार, 11, पार्क रोड, बर्न पुर, बेस्ट बंगाल,

(प्रन्तःत्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बग्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकारन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी में पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्भञ्दिकरण्:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिगम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मन्स्ची**

फ्लैंट नं० 5 ए, नाहादीप, डी-2, कार्लिदी रींग रोड, नई दिल्ली, एरिया 1110 वर्ग फ्रींट।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख: 7-11-1985

# प्ररूप बाई . टी. एन. एस .) - - --

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकाड

# कार्यालय, सहायक कायकर काय्वत (निरीक्षण) धार्जन रेंज⊶1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० झाई० ए० सी०/एनगु०/1/37ईई/3-85/ 1563—आ: भुझो, झार० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पारत, जिसका उचितृ बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मार जिन्नी संच्या एमजी-832 वर्ग फीट है तथा जो पर्लंट नं 101, बीएमसी हाउस, सीफ्रीएन नई दिल्ली में स्थित है (मीर इसने उपाबद्ध प्रमुश्ची में मीर पूर्ण स्प से विणत है), रिनस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के वार्यालय, मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रिस्ट्रीकरण प्रधिन्यम, 1908 (1908 वा 16) के भ्रधीन क्षरीख मार्च 85

को प्वक्ति सम्पिति के उचित बाजार मृत्य से कम के रवयमान प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार पृष्य, उधके रवयमान प्रतिकल के प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया बया प्रतिकल, निम्तिविधत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित जे बास्तिकल रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के खिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र--- (1) श्री नरेन्द्र म्रानन्द (एचगूएफ़) सी-202, डिकेस कालोनी, नई दिल्ली-110024 ।

(भन्तरक)

/^\ मिस सारिका गुलाठी, बाबू पूजा गुलाटी, बाबू पूजा गुलाटी, बेबी गुलाठी, एस-166, ग्रेटर कैलाश-1, मई दिल्ली-48 मास्टर झाशिश वधवा, बेबी माक्ती वधवा और बेबी स्वेठा वधवा, एस-510, ग्रेटर कैलाश-1, नई विल्ली।

(मन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति को नर्जन की संबंध में कोई नाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबर्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में से किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, वो जनक अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा एवा है।

#### **ग्रन्**सूची

पर्लैट नं॰ 101 बी एफ़ सी, हाऊस, कनाट सर्केस, नई दिल्ली-1, तादादी 832 वर्ग फ़ीट।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज⊶1, नई विस्ली

**सारीख: 7-11-1985** 

मोष्ठर :

# प्रकृप वार्द् . टी . एन . एत . -----

नायकर अभिनियम, 1961 निवन का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन

#### भारत सरकार

कार्यासय. सहायक बायकर बायूक्त (निर्देशिक) धर्जन रेंज-1, नई धिरुवी

मई हिल्ली, हिनांक 7 मयभ्बर 1985

निर्वेश सं० झाई० ए० सी०/एक्यु०/1/37ईई/3-85/ 1564--- झत: मुझे, झार० पी० राजेश,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मून्य 1,00,000/- फ. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या बी-13 है एया जो 38, मेहरू परेड नई दिल्ली एमजी 375 वर्ग फ़ीट में स्थिए है, (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में मौर पूर्ण रूप से वर्णिए है), रिट्ट्रिंट् कर्ती मधिरारी के कार्याक्षय, मजैन रैंड:-1, नई दिल्ली में भारतीय रिजर्शकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन क्षारीख मार्च 85

को पूर्णेक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान वित्तिक के लिए जन्तरित की गर् है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे प्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस्त उद्विध्य से अवत् अन्तरण सिक्तित वें बास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अध्ययम् संहूपं किसीं नायं की वानतः तकतः समिनियम के सभीय कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी.कडने या उत्तस्त देवने में सुनिभा के लिए? बाड्र/या
- (क) एंसी किसी नाथ या किसी धन वा बन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय अग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सृविधा के किए।

बतः बंब, उक्त कथिनियम कौ धारा 269-ग कौ अनुसरक को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) वे चरीन, निम्निसिव्द व्यक्तियों, अभाद व

- (1) भै० ग्रंतल प्रोपर्शिस एंड इंडस्ट्रियरा (प्रा०) लिभिटेड, 115 ग्रंसल भवन, 16, दो० जी० मार्ग, मई दिल्ली ।
  - (ग्रन्तरक)
- (2) मास्टर पंकज ग्रीपर सुपुत, श्री रिवन्त्र कुमार, 3/215, सुभाष नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ए-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो में अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्वें विभ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्टीकरणः — इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हो।

# अनुसूची

बी-13, 38, नेहरू प्लेस, मई विल्ली। सादादी 357 वर्ग फ्रीट।

> भ्र.ए० पी० राजेश स्वाम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, नई स्टिनी

पारीख: 7-11-198**9** 

# इक्स कार्या, टॉ., एव., एवं,------

कायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय . सहायक कायकार कायका (निर्योक्षण) कार्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनोरु 7 नवस्वर 1985

निर्वेश संव माईव एव सीव/एक्युव/1/37ईई/3--65/ 1565-- मा: मुस्रे, मारव पीव राजेश,

श्वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि वधापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

(00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिल्ली संख्या एमजी 476 वर्ग फीट हैं तथा औ फ्लैट
नं 1401, 38, नेट्रूक पलेल, तई तिस्ती में स्थित हैं (और
इसते उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विण्ल हैं),
रिल्ट्री ती अधिकारी है अविध्यात, अजैन रेंटे-1, रई पिरसी
में भारतीय रिल्ट्रीवरण अधितियम, 1908 (1908 दा
16) है अवीन दारीख मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दरयमान इतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षा सम्पत्ति का उभित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिकल से, एसे दरयमान प्रतिकल का यन्द्रह प्रतिचत अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिसित उद्वेष्य से उसत अन्तरण निस्ति में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की भावत, उक्त जाभानयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके वचने में तृविधा के जिए श्रीरा⁄मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अकरिती द्वारा प्रकट नक्षी किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बव, उक्त बॉधनियन की धारा 269-ग के बन्सरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तिदां, अर्थात् ३(1) मैं॰ ग्रंसक्ष प्रोपर्शित, एंड इंडस्ट्रिय्स (प्रा॰) लिमिटेड, 115 ग्रंतल भवन, 16, के जी मार्गे, नई दिल्ली—1

(मन्तरक)

(2) श्री मार० एम० धीर सुपुत्र, श्री एम० एम० धीर, केयर झाझ श्री जी० एस० यूम्बा, मिनासी के-53, जंगपुरा एक्टटेंगन, मई दिस्सी।

(मर:रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए फार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्य स्यक्तियों में से किसी स्मिक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए या सकोंगे।

स्पच्छीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उसे अध्याम में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

पलैट मं॰ 1401, 38, नेहरू पलेस, मई दिल्ली, 476 वर्ग फ्रीट।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिशारी सहायक मायकर मायुका (निरीक्षण) मर्जनरेंज⊶1, नई धिल्ली

पारी**ड: 7-11-1985**°

मोहर 🗈

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) से अधीन स्वना

#### भारत सरकार

श्चार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली मई दिल्ली, दिनौंक 7 नवस्बर 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-85 1567---श्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संस्या 466 वर्ग फीट है तया जो फ्लैट नं० 706 प्रकाधकीए, 7 टालफ्टान मार्ग नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इपसे उपाबद्ध प्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से बीगत है), रिनर्ट्राकर्ती प्रविकारों के कार्याचन प्रजैन रेंने→1, नई दिल्ली में भारतीन रिनर्ट्राकरण प्रवितियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च 85

को प्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिका (अंतरिका) के बीच एसे अंतरिक लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उच्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किश्व नहीं किया क्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; आद/या
- (इ) ऐसी किसी बाय या कसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों शारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा खे हिस्ए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) वे बचीन, गिम्निसिक्त व्यक्तियों अधीत ■— (1) श्री श्रार० एल० संवाती एंड डा० निसेज श्रार० संवाती तिवासी सीं-20 ग्रीत पार्क नई दिल्लों-16

(प्रन्तरक)

(2) सुरी इन्टरप्राइसिस 93, मार्जट रोष्ट्र भारत इंग्योरेंस जिल्डिंग मदास-1

(भग्ति (तो)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्ट सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन की सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी खंधी 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **ध**न्स्**ची**

परीट नं॰ 706 (7वीं खन्ड) प्रकाशशेष 7 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली, तादादी 468 वर्ग फीट।

घार० पी० राजेग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (तिरीक्षण) घर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीखा: 7-11-1985

प्ररूप बाइ". टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली मई दिल्ली, दिनौंक 7 नवन्वर 1985

निर्देश सं० माई० ए० सी०।एक्यू०।1/37ईई/3-85/ 1568—मत: मुझे, मार० पी० राजेण,

आवायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-रुपये से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या एमजी 221 वर्ग फीट है तथा जो स्पेंस नं III, 17 बाराधन्य रोड़, नई दिन्तों में िया है (श्रीर इतसे उपाबद्ध अनुष्यों से श्रीर पूर्ण का से वर्गित है), रिनिट्टीकर्ती श्रीय गरी के कार्यालय, नई दिन्तों में भारती रिनिट्टीकरण अधि गरी के कार्यालय, नई दिन्तों में भारती रिनिट्टीकरण अधि गरी के कार्यालय (1903 का 16) के श्राधीन हारी खाम वं 85

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का बारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल में, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरितै (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत उक्त अभि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के किए; आर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या धन या अन्य अमितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उत्रत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निक्नितिकत व्यवितयों, कर्भात ड— (1) श्री ध्रूप गुप्ता सुपुत श्री जे० पी० गुप्ता निवासी 207, सुखदेव बिहार, नर्ष दिल्ली।

(मन्तरक)

(2) श्री रनवीर सिंह जीनी सुपुत्र, श्री एन० एन० जीनी निवासी 70 ए, न्यू कनाट पलेज देहरादून यू० पी०।

(श्रन्तरितो)

कार्य यह स्चना जारी करके पृथोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नग्त्ची

रपेस नं । III (वैसमेंट) 17, वारहखम्बा रोउ, नई दिल्ली 221 वर्ग फोट।

श्चार० पी० राजेग सञ्जन श्रामितारी सहायत श्वानकर श्वानुकः (निरीक्षण) श्वानंत रेंज-1, नई दिस्ती

सारीख: 7-11-1985

प्रक्ष बार्षः टी. प्र. प्रव. ------

नायकर मधिरियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

बारत् ब्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज⊸I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौरु 7 नवज्बर 1985

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकाल 'ज़क्त कधिनियम' वहा गया है'), की भारा 269-स के बधीन सक्तम पाधिकारी की, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्द 1 00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी संख्या 670 वर्ग फीट है स्था जो प्लाट नं की की /27 की लाइ नालोंनी नई दिल्ली में स्थित है (बीर इनसे उपावक प्रमुखी में भीर पूर्ग का से बाँगा है), रागि द्री-पर्ता श्रिकारी के कार्यालय श्रजन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय राजिन्द्री करण श्रीविनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन हारीख मार्च 85

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिकल कें लिए अन्तरित की गह मभे विष्वास करने का यह कारण है कि यथापर्वकित सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य. उसके इष्थमान प्रतिफल से, एसे इक्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, रिम्नलिसित उददेश्य से उक्त अंतरण सिसित में बास्तिसक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उथत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक औ दायित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के जिए; बार्ड/बा
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया वाना चाहिए था जियाने में सुविधा के सिए;

कतः आ, उकत अधिनियम की भारा 269-ग के कन्सरण की, मी. उक्त शिधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीर निम्नलिनित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैत रेल.इंग झाउंमें। (प्रा) लि॰ ए-1/149 इस्स्तुरो।

(भ्रन्तरह)

(2) श्री भुवनेश कुमार चावला घीर श्रीमती बीता चावला द्वारा 29/10, ध्रेस्ट पटेल नगर मर्ड दिस्ती ।

(मध्यरिक्षी)

को यह भूषना आरी करके पृश्वासित सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता ह्या।

उक्त हम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी स से 45 दिन के भीतर उथत स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में विया प्याहै

# धनुपूरी

पनैट नं॰ 2, बो/27 कैनाम कानोगे, नई रिस्ती 670 वर्ग कोट।

मार० पी० राजेप सजन प्राप्तिकारी सहायह मायहर प्राप्तका (वियोजन) व मर्जन रेंज-1, नहें दिस्लो

तारीख: 7-11-1985

मोहरः

\*स्व बाह्य हो एन एम -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-६ (1) के अधीर मुखना

## भारत मरकार

कार्यातास महायक अस्व गायक (निरीक्षण) भ्राजन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 7 नवस्वर 1985

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/3-85/1570--- अत मझे, ग्रार० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशान उस्त या प्रतियम कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन मध्यम प्राधिकारी दो यह विक्तास करने का कारण है कि स्थावर प्रश्नीन जिसका रानित बाजार मृत्य 1,00,000/ रु

ग्रौर जिसकी सख्या एमजी 450 वर्ग फोट है तथा जो पनेंट न० 1511, 38 नेहरू ग्लेम नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुर्ची में ग्रौर प्र्ण हा से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंत−1 नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री रिण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के ग्रिधीन तारीख मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई और मुभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और संतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीर कर दोन के अन्तरक वें बायित्व यों कमी करने या उसमे बचने में स्वीवधा के नियम और/हा
- श्व गमी किसी बाय या किसी धन या क्ष्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 के ? गी) या उक्त अधिनियम गा जिन्हें की श्री के स्वाप्ति के स्वाप्ति के सिंदिश को किया बालिया बाला चाहिए था जिल्लों में सिंदिश के लिए;

अत अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निमनलिखत व्यक्तयों, अर्थात् :--- 28-366GI/85

(1) मैं ॰ ग्रंसल प्रोपर्टीज /एंड इंडस्ट्रिज (प्रा॰) लि ॰ 115; ग्रंसल भवत; 16 के जी मार्ग; वह दिल्ही ।

(ग्रन्तरक)

(2) ना रविन्द कृमार अग्रवाल, श्री राभ्रेग्याम, निवासी 50/18, न्यू रोहनक रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह मूचन जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में स किमी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य प्रति द्वारा अपन्ताक्षरा के पाम लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 कं मं परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा है।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 1511, 38, नेहरू पलेम नई दिल्ली नादादी 450 वर्ग फीट।

> ग्रार० पी० राजेश मक्षम प्राविकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख 7-11-1985 मोहर: परूप आई'. टो. एन. एस.----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 1, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिना 7 नवम्बर, 1985

म० ग्राई० ए० मी०/एक्य०/1/367ईई/3-85/ , निर्देश 1571--- ग्रत मुझे, ग्रार० पी० राजेण,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,06,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिस्की सं० 600 वर्ग फुट है तथा जो वैसकेट नं० 1 मी०, वक्षी ह।उर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्राँ। इससे उपाबद अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णाः है), रिस्टी-क्ती अधिकारी के पर्यालय अर्जन रेज-1 नई दिल्ली मे भारतीय रिजम्दी रण ऋविनियम, 1908 (1968 📺 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए से दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य 🗸 ह बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- "अं र तार म सं हुव" किसी आय को जावत उवन अभि-ितष्ट के बधीन कर दोन के बन्तरक के दाखित्व मे कमी करन या उससे बचने में स्विधा के तिये; July 181
- ·\*) एसी किसी जाप वा किसी धन अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कद अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था छिपाने में संदिशः हे सिर्धः

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण , गैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्मिनिखित व्यक्तियों, अर्थात हु----

1 श्रीमती पद किल क्लो किल नियासी वरब . , नानगा।

(ग्रनारस)

2 हो रा: ६प र ह्मल एव सप ई-32, ईस्ट ग्राफ़ बैलाग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्ज क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षप '--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रै।पेट न० 1 सी बक्जी हाउप, 40-41, नेहरू पलैंग, नई दिल्ली तादादी 600 वर्ग फुट।

> प्राः ० पी⇒ राजेश नक्षम प्रावि गरी महायक ग्रायः प्राय्वन (निरीक्षण) धर्भन रेंज, दिल्ली, नई िल्नी-110002

दिनात : 7-11-1985

प्रकथ नाहर् हो ु एम . एव , =======

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भावतिथः महायक आगकर भावतः (निरीक्षण) अर्जन रेज्-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनार 7 नवम्बर 1985

निर्देण मं० श्राई० ए० सी०/एवयू०/1/37-ईई/3-85/ 1572 - श्राः मुझे, ग्राए० पी राजेश,

आसमर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीप जिली से 600 जिलु है तथा जो बैजिस श्राई ही , 40-11, ते ह बैली, नई हिल्ली में स्थित है (ऑड इसमें उपाबड़ श्रनुसूची में औड पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्री की श्रविधारी के जिल्ला प्रश्रांत रेज-1 नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्री करण श्रविनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिशीन कारीक भारतीय राजिस्ट्री करण श्रविनियम 1908 (1908 का 16)

को पूर्वा क्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्श्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करन का कारण है कि यभाप्योंक्स सम्पत्ति का उत्थित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिमास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्निलियत उद्योग्य से अक्त अंतरण सिचित में बास्तिय क्य से किया नहीं किया गमा है:---

- (क) जंतरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्त जिथीन यम के जधीन कार वाने के बंतरक के बामित्य भ कभी कारने या उसने वचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐकी किसी नाय या किसी भन या अन्य नारिसयों की जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वर्ष किया स्वार प्रकट नहीं किया गया था वर्ष किया स्वार प्रकट नहीं किया गया था वर्ष किया स्वार प्रकट नहीं किया स्वार्थ के तिहा

कतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) क अधीन निम्निनिमन व्यक्तियों, अर्थातः ---

श्रा मतोदर नाथ कौस निवासी—बारबार णाह,
 श्रीनगर।

(प्रन्तरक)

2. श्री नक्ल नहगद (छोटा) मृपुत्र राज कुमार सहगत निवामी ई-32, ईस्ट शाफ़ कैलाश। नई दिल्ली।

(भन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

बन्ध सम्परित भी अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाह्मपे :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (क) इस सूचना अ. राजपत्र मा प्रकाशन का ताराख स 45 दिन के भीतर उता रशावर सम्पोन मा क्रितबद्ध किसी जन्म स्थक्ति द्वारा अधाहस्त्राक्षरा के णस लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पव्यक्तियम के रखा। 20-अ मा प्रिमाणित हैं, सहा अर्थ जार का ज्वा किया कि स्वाप्त की स्व

# वन्स्य

चैपनोंट नं० 7 डी० बक्शी हाउस, 40-41, नेहरू प लैश, नई दिस्ली ताटादी 600 वर्ग फ़ीट

> न्नाग्ठ पीठ राजेण सक्षम प्राधिकारः सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरंक्षण) भ्रजेन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 7-11-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ------

जायफर जिमिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

## पारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 7 नवंभवर 1985

निर्देण स० भ्राई० ए० सी०/एक्य०/1/37-ईर्र/3-९५/1573 — श्रत मुझे, श्रार० पी० राजेण,

भायकर मिथिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सहया एम० जी० 600 वर्ग फीट हे त्य जा जा बैसमेट न० 1 बी०, 40-4:, नेहरू प्रलेश नई दिल्ली में स्थित है (और इस्से उपबद्ध श्रनुस्चों में ग्री पूण रूप वर्णित है), र्याउस्ट्री तो श्रीध री के 1यिल्य श्रक्त रेंड-1 नई दिल्ली में भारतीय रिजर्स्ट्री रण श्रीधनियम 19(8 (19(8 (1908 में 16) के श्रीम, तारीय मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कीं गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उसते अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया बया है —

- (क) बंतरण ते हुई किसी बाद की बादत, अवस विभिन्तिय के वधीन कार दोने के बंतरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने 4ा सुविधा कालए, और√मा
- (क) इसी किसी बाव वा किसी भन वा बन्य वास्तियां का, चिन्हें भारतीय वायकर वृधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरियी ब्वारा प्रकट नहा किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

बर्क बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बृनुतरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बर्धान, निम्निचित व्यक्तियां, बजाह : - 1 श्री नभन्द्र नाथ कारा मुपुत्र श्रा मतीन्द्रा नाथ कील गनवासी, बरबर शाह, श्रीनगर।

(ग्रन्तरः )

2 श्री रक्षेप कुमार एण्ड सत ई-37, ईस्ट आफ बँलाश, नर्छ दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की वह सूचना बारी करके पृथाक्त सम्पास्त के अधन के लिए कार्यकाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के गर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वबिध, जो भी वबिध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के शब लिखित में किय जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमा प्रयुक्त शब्दा आर पदा का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं वर्ध हांगा का उस कथ्याय में विस भवा है।

# अनुसूची

बैसमोट न० 1, बस्फ्री हाउ॰, 40-41 नेह्स प्रलेश नई दिल्ली नादादी 600 वर्ग फीट।

आर पी० राजेश म**क्षम प्राधिकारी** स**हायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जेन रेज-I, दिल्ली, नई विल्ली-110002

सारीख · 7-11-1985 मोहर. प्रकृप बार्ड. टी. ५५. एव. -----

कागकर क्रीभिनियत, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-क (1) के क्रधीन मुखना

# भारत सरुकार

# कार्यातय, सहायक जायकर बायकत (निरक्षिण) प्रार्जन रेंग्र-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिना 8 नवस्त्रर 1985

নির্থি শৃত সংগ্রিত চ্০ লী০/চ্ছম/1/37-গ্রি/285/1574—সাল নুষী, সানেত গাঁও সংজ্ঞা

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उपत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00 000/- रह. से अधिक है

श्रीण विस्त्री स० 600 वर्ष फं.ट ह्ँ तथा जो वैश्मेंट स० 1 ए० 40→ 41 तेह्र क्लींग, नई दिल्ली के स्थित हैं (श्राण इ.से १९) बढ़ श्रमुश्ची से श्रीण पूर्ण का से बिण्या है), स्वास्त्री की प्राचील श्रमें के लिली से भागतील स्वीस्त्री के लिली से भागतील स्वीस्त्री के लिली से भागतील स्वीस्त्री के स्वीस्त्री से से से 1985

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अर्गारत का गृह हो अर्ग मृझ यह विश्वास करन का कारण हो कि यथापूर्वायत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल म, एमं दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक हो और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अतारितियो) क बाच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया किंदिकन, निम्नीसित उद्देश्य से उस्त बन्दद्रम सिवित में स्तिविक स्म से कवित मही किंदा नदा है ---

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाम की दावश, उक्त सीभिनयन के वभीन कर दोने के बन्तरक के दावित्न में कनी करने मा उससे वचने से सुविधा ने फिए; बाड/मा
- (क) एसी किसी नाम वा किसी भन वा नन्य नास्तियों कर जिन्हां भारतीय नायकर अधिन्तयम, 1922 (1922 का 1)) या उत्तर अधिनयम, या वन-कर निधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जाना कर ही किया गया या किया जाना जाना कर ही किया वा मान्या के किया

कतः वयः, उनतः विभिनित्रमः, की धारा 269-व के वनुस्रणः मं, मं, उधकः विधिनियमं की धारा , 59-व की उपधन्तः (1) व अधीन, निम्िशिधित स्विकतमां, वर्षात् क्रम्म  श्री शिलेन्द्र' राध कील गुपुल तिनिद्ध कील निवासी बज्बर शह, श्रीनगर।

(ग्रन्भक्क्)

2. जे० एन० महगल एन्ड संमाई-32ा ईम्ट ब्राफ कैलान, नर्व दिल्ली।

(भ्रन्तरितं।)

को मह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोत्र भी-काभ्रप :-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कि -45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्यों के मिल्मार्ग में या किनी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर अकत स्थावन सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा स्कोंने।

स्पष्टीकरण: ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिमित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही जर्थ हागा जा उस कथ्याय अप विश् गया है।

# धनुसूची

बैरामेट तं 1ए०, बक्शी भवन,40-41 नेहरू पर्लेश, नई हिल्ली ताहादी 600 वर्ग फोट।

> श्राप्यः पीठणाजेण 'अप प्राधि रा सहायक स्राचित्र सायुक्त (निरक्षण) **धर्जन रेंज-I**, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-11-1985

मोहर .

# भक्क वाह<sup>्</sup>ंदी . यह . एव . ......

नायकर विधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यांसव, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/37-ईई/3-85/ 1575——यतः, मुझे, श्रार० पी० राजेण,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके धहनाए 'उनत अधिनियभ' कहा गया है), की भारा 5,69-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजर मूल्य 1,00,000/- रा. संअधिक है

श्रौर जिसकी सं० एमजी० 135 वर्ग फीट है तथा जो स्पेस मं० 111, 22, के० जी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के ,कार्यालय, श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन मार्च (1985

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान बतिफल के जिए अंतरित की गई है और मृक्षे वह पिश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य , उच्चे क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पण्डा प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रविक्तन, निम्निसिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिसत में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बनारच् सं हुई बिकी काम की बायह, उपए वीपनियम से बचीन कर देने के बनारक के स्थित्व वो सभी करने वा बचने क्लो में सूचिया के सिए; महि/मा
- (भ) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था छिपाने में जिन्धा औं निए,

 मेसर्स मनी राज कुमार, ई-452, ग्रैटर कैलाश-2 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स सुनीता लाकरा जे-6/119, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पृथाँक्त सम्मात्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 विन की जबीध या तत्सम्बन्धी स्थानताओं पर सूचना की तामील से 30 विन की बविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवालित स्ववित्यों में से किसी स्थानत बुवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारांक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्वीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कान्यों और पवां का को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया है।

# वनुसूची

प्रथम खण्ड, बातानुकूलित स्पेश नं ११११, प्लाट नं १ २२ में, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली । 135 वर्ग फीट।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जेन रेंज-1, दिली, नई दिल्ली-110002

जन्न: जन्न, उन्ता जिमिनियम को धारा 269-ग के जनसरण जो, मी, उन्ता जिमिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीत, निम्नलिचित व्यक्तिकों. जवति ए---

तारीख: 8-11-1985

प्ररूप आहूर.टी एन.एस ------

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली. दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० घ्राई० ए० सो०/एक्यू ु/रं/ 37-ईई/ 3-85/ 1576—-यतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वें इसर्वें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के बंभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मत्य 1,00,000/- रु. से बिधिक है

श्रीर जिसकी सं० एम० जी० 323 वर्ग फीट है, तथा जो जी-3, 44, नेहरू पनेस, नई दिल्ली में स्थित हे (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाचार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे व्यथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक हैं. और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्पविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :---

- (क) अंतरण से हुउ किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दाबित्य में कभी करने मा उससे अपने में भृतिधा के लिए: बार/या
- (अ) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27' को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भी सिक्ता आता आना आसिए था, विक्रार में रिविभा की लिए.

अत. अथः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क जनसरण माँ, माँ, उक्त अभिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) क गर्मरा । स्वर्गलिधित क्रिक्तियाँ, सर्भत् :---

- (1) भी एन० बी० सिंह और शीमनी विरेन्द्र कौर, भि-उ9, एन० डी० एन० ई०-2, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री सी० गाँरव म्राह्मा श्रीर विवेक श्रानन्द श्राहूजा निवासी श्राह्मजा मासियन (फाजिल्का) पंजाब । (श्रन्तरिती)

को बहु सुभना वारी करके पुर्णक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यसाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 15 दिन को जनिध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर चना की ताजील से 30 दिन की अवधि, जो भी विधि बाव में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्यक्ष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त एक्टों और पदों का आं अक्क अधिनिज्ञमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अथ हागा जो उत्स अध्याय में दिया तथा हैं।

## अनुसूची

शाप नं० जी-3, लगभग 323 वर्ग फीट ग्राउन्ड फ्लोर ग्रौर 83 वर्ग फीट मैजानिंत फ्लोर, दिनार भवन, 44, नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

> श्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: १-11-1985 मोहर: प्रक्रप आइ टी. एन. एर . -----

कायकर व्यक्तियम, 1061 (1951 वा 43) का ना ना 269 व (1) के मंबीन सुवना

## धाःत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 8 नवम्बर 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/I/73-ईई/3-85/ 1577---यतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), वी धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00 000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एमजी० 409 वर्ग फीट है तथा जो फ्लैट न० 202, 89, नेहरू पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूकों कह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्गह प्रतिशत से अधिका है और अन्तरक (अन्तरकों) और अगिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित गहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक संहुई किसी बाय कर अन्तर, उक्क अधिनियम के अधिन कर बोने के बंतरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/बा
- (ख) एसी किसी बाम या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 ता 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ। अस्तियों देवारा प्रवर्गनदी किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लान में स्विधा के लिए.

अत अब, उक्त अधिनियम को नियम गा, प हे हा रक्त में में उक्त अधिनियम परितास को एक कि के कि कि हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थान का

- (1) श्रीमती सुषमा खन्ना सी०-68, ईस्ट ग्राफ कैलाश, नई दिल्लो। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रोमती उपा कृषना श्री गोपाल कृषन मास्टर कृषन ग्रोर सजीव कृषन ग्रौर सोरश कृषन, एच-22, लाजपत नगर-3, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी य रके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवादिश करना हं

रुक्त सम्पन्ति क गाम हो स्थापन में गहा भी राष्ट्राप -- ,

- ्क) इस स्वाध के राज्यम में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीन से 30 दिन की वनीय को भी जबिर बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों के प्रतिस्थान
- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तार अ व 45 दिन के मीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनद्व किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किस् जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण : श्वमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त व्यापियम के अध्याप 20-क में परिभाषिट है. वहीं अर्थ झांग, अरे उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुमुची

फ्लैट न० 202, 89, नेहरू पलेस, नई दिल्ली । 409 वर्ग फीट ।

स्रार०पी० राजेश, स्थम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख ९ 1 1-1985

وتي س

# ब्रक्य बार्ड . टी . एवं . -----

# मामकर अभिनियम, 1961 (1961 मन 43) करे धारा 269-म (1) में मधीन सूचना

## भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई विरुषी, दिनांक 8 नवम्बर 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/I/37-ईई/3-85/ 1578—-ग्रतः मुझे, भार० पी० राजेश,

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 550 वर्ग फीट है तथा जो फ्लैट नं० 1002, 20, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रर्जन-I, रेंज, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, मार्च 1985

को पूर्वेक्ति तम्परित के उपित बाकार मूल्य से कम के ज्यानान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल है, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाना नया प्रतिफल, निम्नसिसित उद्वेष्य से उपत अन्तरण किसित में नास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुन्दै किसी बाब की, बाबत, उपक विधिनियम से अभीन कर योगे की जन्तरक की वाजित्य में कमी करने या उत्तते वचने में सुविधा से सिह; ब्रॉर/का
- (क) ऐसी जिसी मान या किसी भन ना अस्य आस्तियों को जिस्हें भारतीय आयअर अधिनिज्ञ, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, ना धर्म-अर अधिनिज्ञ, 1957 (1957 का 27) के प्रजोजनार्थ अन्तरिती द्वारा ज्ञकट नहीं किया जवा था या किया जाता चाहिए था, कियाने में सुविधा में सिक्ट;

अत अव, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, विकालिकाल कार्यकारों, अधील टे——
29—366 GI/85

- (1) स्कीपर सैंल्स (प्रा०) लिमि०, स्कीपर भवन, 22, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।
  - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रमित बमल बी-15, ग्रैटर कैलाण-1, नई दिल्ली-48।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सञ्पत्ति के अपने के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के तम्बन्ध में कोई भी मान्नेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी अवधित क्यारा;
- (क) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हितकक्ष किसी कन्य व्यक्ति क्यारा अधोहस्ताक्षरी के र्लंच सिकित में किए जा सकी।

# वन्त्यी

क्लैंट नं॰ 1002, 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली तादादी 550 वर्ग फीट।

> श्रार० पी० राजेश मक्षम प्राधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-I. दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-11-1985

\_\_\_\_

प्रकृत बार्ड, टी एन, एड. ------

बामधर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन न्यना

## भारत सर्कार

कार्यासय, सहायक बायकर नायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

ग्र ई० ० सी०/एक्य ०/I/37-ईई/3-85/ 1579---भ्रतः मुंझे, भ्रार० पी० राजेग,

शावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसर्वे इसके पश्चनक् 'उक्त अभिनियम' कहा पत्रा ही, की भारत 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका श्रीवत बाकार अस्य 1,00,000/- रा. से विभक्त है

भीर जिसकी सं० एम० जी० 460 वर्ग फीट है तथा जो एम-167, ग्रैटर कैलाग-2, नई दिल्ली में स्थित है (घोर इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिएरदीवती श्राधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेज-, 1 नई दिस्ली में भागतीय रिजस्दीकरण मधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिए बाबार मुख्य से कम 🖶 🖦 समान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विच्काण कररे का कारण है कि यथापूर्वित संपत्ति का उचित बाबार ्ल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंवरिली (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पापा गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथिश नही किया गया है :--

- (क) अन्तरम् ते हुई किसी बाक की बाक्स, स्वत अधिनियम के अभीत कार दोने के अन्तरक 📽 वाजित्य में कमी करने या उससे वचने में स्विधः चे विष: भीत/का
- (अ) ए सी किसी माय या किसी भन या अपन्य आरिताओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (19**57 का** 27) के प्रयोजनार्थ शंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, खियाने में त्विभा से तिए;

कतः जब, उन्त मीधीनयम की धारा 269-म के अनगरण कों, मीं, उक्क अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तिकों, अर्थात् :---

1. एपेक्स कंस्ट्रक्शन (प्रा०) लिमि० ए०७/2, न्यू फेंडस गालोनी, नई दिल्ली-65।

(घन्तरक)

2 श्री गुण्डवाल प्रसाद ग्रम्थाना एस०-३०७, ग्रेटर कैलाश-2: नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह बुचना चार्टी करको पुर्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हा ।

उपल सम्बक्ति को बर्चन को संबंध में कार्ड भी कार्का :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन की बन्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिको भर स्थला की बामीस से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि शाद में बमान्त होती हो, के भीवर प्यॉक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की कारीय से 45 विम को भीतार उक्त स्थावर सम्पन्ति में विद्या-बबुध किसी जन्म व्यक्ति तुवारा अधोहस्याकारी । पास निश्चित में किए जा नकींगे।

स्पद्धनिकरण ---- इसमें प्रवक्त सुद्धों और पदों का, को उच्च अभिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित है, दही वर्ष होगा यो उस अभ्याय में विका यमा है।

# प्रनुसूची

यनिट ग्रपार्टमेंट नं० 1, सामने का पोरशन दूसरा खण्ड (बिस्डिंग गा) यू०/सी०/ एम०-167, ग्रेटर कैसाश-2, नई दिल्शी 1 सादादी 460 वर्ग फीट ।

**भ**।र०पी० राजेश न्षम प्राधिकारी सहाम इ.स.च च च च स्थलत (निशीक्षण) क्रजंन रेज-1, दिल्ली, मई दिल्ली-110002 तारीख 8-11-1985 मोहर

प्रकार आहे. दी. इन . एव . -----

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से स्पीन स्पना

# क्षाउट बरकार

कार्वासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण) मर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 8 नवम्बर 1985

निर्देश स० म्राई॰ ए॰ सी॰/एक्स्॰/I/37-ईई/3-85/ 1586-- मत मुझे, श्रार० पी० राजेश,

जाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' अहा नया है"), की भारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रह से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी स० 684 वर्ग फीट है तथा जो जी०-7, ईस्ट कैलाश नई दिल्ली में न्यित है (श्रीप इनसे उपाबद श्रन्सुबी में पूर्व का से वर्णित है), रहिस्दीवर्ता श्रधिकारी के पर्यालय श्रजैन रें:-I नई दिल्ली में भारती। राजस्टी रण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, त रीख की पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मृत्य में कम के सरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास **कर**ने का कारण है कि सथापुत्रक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, उशक एरयमान प्रतिफल स, ए स उपयमान प्रतिफल का भन्नाह प्रतिश्रत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (मतरितियों) कं बीच ए'से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देश्य स उपत अन्तरण लिखित में वास्त-🖦 इप से कथिस नहीं किया गया 🗗 :---

- (क) वन्तऱ्य स इन्द्रं किसी वाम की वावस, उक्त व्यक्तिसभ का सभीन कर दोने को जन्तरक स्टे शायित्य में अपनी कारने या जानते बचने में सुविधा व शिए: न्देश/या
- (क) एंदी किसी भाष वा किसी भन वा भन्य वास्तिवों को. विका भारतीय माय-कर मणिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर मधिनियम मा धन-कर वीवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गमा था का किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधाके सिर्;

नत: नव, उन्त वरिपनियम की धारा 269-न क जनसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की चपभारा (1) के मधील, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णात ५---

VERNER LOS STORMS TO THE STORY OF THE STORY क श्रीमती सरला सुन्दर मिह, सिमवर्मा सुन्दर सिष्ठ न० 17, मैक्टर 5, चण्डीगढ़।

(ब्रन्तरक)

2 श्रीमती स्वनंनता गुप्ता मास्टर सनाल गुप्ता निवासी-24-डी, कमला नगर, दिल्ली। (भ्रन्तिती)

को बहु सुबना बादी करके नुकॉक्स सम्मस्ति के वर्षन के निय कार्यवाहिया करता है ।

# बचर सम्परित के अर्थन में सम्बन्ध में कोई भी बाहाप उ-

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख स 4.5 विन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, आ भी अविभ बाद में समाप्त होती है. के भीतर पूर्वी~त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्य किसी जन्म व्यक्ति दवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

**स्वक्योकरण:--इसमे** प्रमुक्त धल्यां करि वर्षो का, वां उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विका गया है।

# प्रमुसुची

रेजिडेसल हाउस 684 वर्ग गज जी-47, **ई**स्ट श्रफ कैलाश, नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक द्यायकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेज-1, दिस्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 8-11-1985 मोहर:

प्रारूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्राजन रेज-, नई दिल्ली

नई दिल्ली, धिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यु०/I/37-ईई/3-85--- 1581---श्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेशः

नायकर निभित्तियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उपत निभित्तियम' कहा बना ही, सी भारा 269-क के नभीय संशव शरीभकारी को कह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर कम्पिक, जिस्सा उच्चित नाचार ज्ञास 1,00,000/~ क. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 206 है, तथा जो 19, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली 500 वर्ग फीट में स्थित है (और इससे उपावबंध अनुसूत्री में और पूर्ण का से वणित है), रजिस्ट्री एका अधिकारी के आर्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री एका अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, हारीख मार्च 1985 को पूर्वीबल संपत्ति से बीचत बाबार मृक्य से कम् के अवसान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुखें यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्योंक्त बंग्यात का विश्व विश्वास करने का कारण है कि स्थान्योंक्त बंग्यात का प्रतिफल को पर क्षेत्र के अवसान प्रतिफल को पर क्षेत्र के स्थान के सिए तम्म प्रतिफल है कोर कन्तरक (बन्तरकों) और कन्यरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे क्लाइण के सिए तम्म प्रवास प्रतिफल है निम्न लिखित बहुवादेश से स्वस्त अन्तरक कि सिंदित से

शास्त्रीयक रूप वे करियत नहीं किया नवा है :---

- (क) बम्बरण ये हुइ किसी नाम की नायस, उपक् बिप्तियम से ब्यीत कहू येने के बन्तरक से बायित्य में करी करने या उससे यूपने में सुनिधा में सिए; बीट्र/बा
- (थ) देशों कियों जान का कियो धन वा अन्य जास्तिनों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुनिधा भी सिए;

मतः बवः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरच मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1 श्री कैलाश नाथ ग्रीर एसोसिएट 10 चंगा, 18 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली-1। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री डी॰ म्रार॰ शर्मा (एच॰ यु॰ एफ॰) डब्ल्यु-129, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (मन्तरिती)

को यह सूचना आरों करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के पम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीय ने 45 दिन की अवधि या शर्यकंध. व्यक्तियों प्र सूचना की दानील ये 30 विम की वनिष, यो की क्ष्मीय कार में समाप्त होती हो, के भीतार प्रीका स्विशामों में ने किसी क्यांक्स कुनाया;
- (क) इस सूचना के राजपन में मुकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर सम्पत्ति में हिस-बब्ध किसी व्यक्तिस व्यास, क्योहस्वासरी के प्रव लिखित में किए का सकोंचे।

स्वक्षित्रकार :---इतमें प्रव्यक्त शब्दों स्वीर वर्धों का, को उन्ध स्वीधनियम, के सध्याय 20-क में परिधाविष्ठ हुं<sup>क</sup>, शहरी मर्थ होगा को उस अध्यास में विधा स्था है।

## सरसर्वी

फ्लैंट नं २ 206, दूसरा खण्ड , मल्टी स्टोरी कोमसियस बिल्डिंग, 19 बाराखम्बा रोइ, नई दिल्ली 500 वर्गफीट।

> ग्नार०पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्ष**ण) श्रजेन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 6-11-19**8**5 मोहर :

# प्रकल आहें.दी.एम.एस.-----

बायकर कधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यासन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां ह 6 नवम्बर 1985

निर्देश मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/I/37-ईई/3-85/1583—श्रतः मुझेः श्रार० पी० राजेशः,

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'इकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

त्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5, 19, बाराख्म्बा रोड है भथा जो 500 वर्ग कीट नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उत्तब्ध अनुसूची में पूर्ण मा से विण्त है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधि शरी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16') के अर्थान, कारीख मार्च 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्नित्तित उद्देश्य से उसत अन्तरण सिचित में कार्यक्ति कप से किया नया है:—

- (क) जंतरक से हुए किसी आय । भावता, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (थ) होती किसी जाव या किसी धन वा अन्य आस्तिवों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, कियाने में तृतिधा के विष्:

े कतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरक हो, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्निसिक्त स्पिक्तमों, अधित :---

- 1. मैसर्स कोलाश नाथ भीर एमोसिएट 100 कंचनजंगा, 18. वाएल्यम्बा रोड. नई (दल्ली। (प्रन्तरह)
- 2. श्रीमती श्रचला यामां, ग्रौर श्राप्त डी० यामां निवासी डब्ल्यू-129, ग्रैटर कैलाश-I श्रौर मैसर्स पुष्पावन्ती शर्मा श्रौर एस० श्राप्त० शर्मा दोनो ए-128, इन्दरपुर, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्यत में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैट नं० 5, दूसरा खण्ड 500 वर्ग फीट। 19, बाराखम्बा, रोड, नई दिल्ली। (श्रह्नाचंक)।

> श्राए०पी० राजेण स**क्षम प्राधिनारी** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-11-1985

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.------नामकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व को जभीन सुचना

भारत सरकार

कार्मासंस्था, सङ्घायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
प्रार्थन रेंज-I, नई धिल्ली
नई विस्ली, धिनांक 6 नवम्बर 1985

निषण सं० आईं० ए० सी०/एक्यू०/I/37-ईई/3-85/ 1583---अतः मुझे, श्रार०पी० राजेशः

नायकर जीपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 502, 16, नेहरू प्लेस है तथा जो 502 वर्ग फीट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान श्रीतफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उख्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्सिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) कन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायिश्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सत. ३व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, इस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अमीन,, निम्नलिंखित व्यक्तिस्यों, अधित् ं——  श्री विजय मई सुपुत्र पी० एम० मई एम०-183, ग्रीटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

2. बेबी पूजा मेहता, मास्टर मनोज जेहता, यू० जी० मिससं मरोज मेहता, मास्टर निरज नय्यर भौर बेबी मंजू नय्यर यू० जी० मिससं उषा नय्यर निवासी सी-115, लाजपत नगर-I, नई दिल्ली।

को यह नुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पौत के वर्जन के लिए. कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वे किंद व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चरा के राज्यभ में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पत्रक्षीकरण:---इसमे प्रयुक्त क्रव्दों और पत्रों का, जो उक्का अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विवा नवा है।

## **ग्रनुस्**ची

पलैट नं० 502, कुन्दन हाउस, 16, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली 945, वर्ग फीट।

> झार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-11-1985

# बक्स बार्च हो, एन एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अपन २69 क (1) के अधीन स्वना

## प्राप्त भरकार

कार्यातक, सक्कायक कायकर आव्यक्त (निरीकन) श्रजैंन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 नवस्वर 1985

् निर्देश सं० प्राई० ए० सो०/एक्यू०/1/37-ईई/3-85/ 1584—प्रतः मुझे, प्रार० पी० राजेश, कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके काका (जिस्त किधिनियस) कहा गया है) करी भाग

इसके परणाह 'उन्कर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का इतरण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उलित बाजार मृस्य 1.00.000/- रासे अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० स्पेस 80 सी०, है तथा जो डा० गोपाल दास भवन, 28, बाराखम्बा रोड 191 वर्ग फीट में स्थित है (बौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख मार्च 1985

ताराज नाम 1900

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खिन बाकार मृत्य से कम के दश्यमान

गितफस के सिए जन्सरित की गर्व है और मुर्के

ग्रह विश्वार करने को दारण दे कि एथापवाँक्त रूपित का

गीचत बाजार मृत्य, उसके दृष्ण्यान प्रतिफल ने, एसे दश्यमान

गितफस का पंग्रह प्रतिकृत से बिधिक है और अन्तरक (यन्तरकों)

शौर जन्तियती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए

गिया प्या प्रतिफल निम्नीनिचत उद्देश्य से उक्त अन्तरण

निचत के वास्तिक रूप से बिधक महीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य झास्तियों और जिन्हों भारतीय आयकर अधितियम, १०२१ (1922 का 11) या उक्त अधितियम धा मन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एमोजनार्थ जन्मियम, 1957 विवास प्रकट जहीं किया क्या था या किया जाना काहिए वा कियाने में सविधा के लिए।

बतः अधा, प्रक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निकासिवित स्थितिस्तयों, अर्थातः :——

- 1 मैंसर्स गोपाल दास एस्टेट एण्ड हार्डीसग प्रा० लिमि० 28, बागालम्बा रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2 श्री भवनीश खोमला (एच० यू० एफ०) सुपृत्र डा॰ पी॰ एल॰ खोमला नियासी एन०-115, फनाट प्लैस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान वारी करके पृत्रोंबन सम्पत्ति के अर्थन के सिष् रार्थनाहरणं करता हुए।

उस्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप .----

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तार्शित के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्रश्न स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी मनिध वाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति वारा;
- (क) इत स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा न्याहिस्ताझणी में पास लिखित में किए वा सकीं।

स्पष्टोकरण: ---इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उत्तस अध्याय में दिशा गया है।

# मनुसूची

स्पेम 80 सी० ग्रान लोग्नर ग्राउंड फ्लौर, डा० गोपान दास भवन, 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली। 191 वर्ग फीट।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-11-19**8**5

प्ररूप आई टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269-च के अधीर सूचना

भारत सरकार कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/4/37-ईई/3-85 1587—-श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1.,00,000/- रू से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 422, फ्लैंट नं० 38, नेहरू प्लैस है तथा जो 491 वर्ग फीट में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय में नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्जिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्जिकत मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल में एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत इक्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिका के लिए; और/या
- (क) एंसी किनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्दों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान बाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

गत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण बैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:—  मैसमं घंसल प्रापर्टी एण्ड इन्डस्ट्रीसज (प्रा०) लिमिटेड 1115, श्रंसल भवन, 16, कें जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2 मेमर्स गुलमोहर होटल (प्रा०) लिमि० 2एफ०/16, ग्रंमारी रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को बहस्यनः गरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिर् कार्यवाहिणं करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोत्नत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मीत में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाब लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभादिक हैं हैं, वहीं अर्थ हागा को उस अध्याय में दिवा गया हैं।

# अगुलुची

पलैट नं 422, 38, नेहरू व्लैस, नई विल्ली । 491 वर्ग फीट:

> न्नार० पी० राजे सक्षम ब्राधिकारी सहायक भायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, विस्ली, नई विस्ली-110002

तारीख: 6-11-19 85

नोहर :

# प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

शयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६९-घ (1) के अधीन स्वना

## भारत सरकार

कार्यालव , सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षक)

ध्रजंन रेंज-1 . नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनक 6 नवम्बर 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-हेई/3-85/

1587---श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्ब 1,00,000/- रतः से अधिक **ह**ै

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 414, है तथा जो 38, नेहरू प्लैस 580 वर्ग फीट में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध भ्रनसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधि-कारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, तारीख मार्च

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान लिए अन्तरित की ग**ई है** प्रतिफल कें विश्वास करने का यह है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से., एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्र्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया 🗗 :---

- (क) जंतरण ते हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने क जतरक के क्षायित्व म कभी करों या उसमें त्याने में मिनिया के लिए: और/वा
- (स) ए'सी किसी बाय या किसी भन वा अन्य बास्तियों क्ते जिन्हें भारतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-环 अधिनियम, 1957 1957 को 27) 🕏 प्रयोजनार्थ अस्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बत बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण के, मी, उसंत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के क्रधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :--30 -366 GI/85

- मैसर्स ग्रंसल प्रापर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज (प्रो०) लिमि-टेड 115, ग्रमल भवन, 16, के जी मार्ग, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- 2 मैसर्म गुलमोहर होटल (प्रा०) लिमि० 2ई०/16, श्रंसारी रोड, दरिया गंज, नई विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी कारके पूर्वोंक्त सम्पत्ति को वर्जन के लिए च्याहियं कार्ला हां।

उन्नत सम्बन्धि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) रत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वोक्त म्याजितयो सा क भिन्मा त्र्यांकल उक्तरा,
- (क) इस सूर्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उक्त स्थाकर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होने जो उस अध्याय में दिया गद्रा 🖈 ।

# **ग्रनुसूची**

फ्लैट नं० 414, 38, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली ताबादी 580 वर्ग फीट।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी भ्रायुच्त (निरीक्षण) सहायक भायकर भ्रार्जन रेंज-1, शिल्नो, नई रिना 1 10002

तारीख: 6-11-1985

प्रकल काइर्. टी. एन एस.

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-थ (1) को अभीन सुवना

## भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वाधकर थायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल्लं इसमें इरफे पर्धाएं 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह ''ाण्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 417 है, तथा जो 38 नेहरू फ्लैस, नई दि नी 1363 वर्ग फीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप म विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजिन्ह्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

करं पर्वाक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल में, एसे ध्रयमान प्रतिफल का नक्ह प्रतिक्षत स अधिक है और अतरक (अतरकार) और जारिति (जन्तिरिवियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गयर प्रतिफल, जिम्मलिखित उद्वाद्य से उक्त अन्तरण विधिर में बास्सिक स्प से किमत नहीं किया गयर हैं.~~

- (क) ब्रुप्टरण ते हुन्द्र किन्ती बाय की बावत , उक्त ब्रिपियम के लगीन कर दोने के अन्त्रक के दायित्व में कमी करने वा उग्नये बचने में सुविधा के लिए, बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तियां को, बिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम ये: धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनियम अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में संविधा के लिंद

भत अब उक्त अधिनियम को धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात :--- 1. मेंसर्स श्रंसल प्रोपर्टीस एण्ड इन्डस्ट्रीस (प्रा) लिमिटेड 115, श्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स गुलमोहर होटल (प्रा०) लिमिटेड 2ई०-16, अंसारी रोड़, दरियागंज, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वात बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के किश कार्यव हिया शुरु करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्वानः को राजपत्र में प्रकाशन की सारीध सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, के भीता प्रकार व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क्र) इस सूचना को राजणत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भे हिएजद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त धन्यों और पदा का, भा नंकल अधिनियम के अभ्याय 20 क में परिभाषिष हों, तहीं अर्थ होंगा वा उस अध्याय में दिया क्या हों।

# घनुसूची

फ्लैट नं० 417, 38, नेहरू पलैस, नई दिस्ली। तादादी 363 वर्ग फीट।

> भ्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-11-1985

प्र<del>कल्</del>य वाह<sup>र</sup>, टी. एव. एक अल्लान्स

# शायकार मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन ब्यना

# मार्ड सूहकार

कार्यालय, महायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/I/37-ईई/3-85/ 1589---श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह°), की भारा 209-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है : प्रस्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक **है** 

श्रीर जिसको सं० फ्लैट नं० 1321 है, तथा जो 38, नेहरू प्तेम, 406 वर्ग फीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 कां 16) के अधीन, तारीख 1985

की पूर्वाक्त संपरित के उचित बाबाद मून्य से कम के क्यमाय प्रिष्णिल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वाच **%** रने का कारभ है कि यथाप्थोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूस्य उसके प्रयमान प्रविकत से, एंस प्रयमान प्रतिकत 📟 बन्धह प्रतिवात से विभिक्त हैं और वन्तरक (वन्तरकरें) शौर वन्तरिती (मन्तरितारों) के शीच एथे जन्तरण है लिए प्रथ पामा गया शिक्षक्य, निम्नलिखित उद्देश्य हे उक्त अक्ट्रेज सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया पया है ा---

- (क) बन्तरण से हुई किरी बाव की पावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक औ दायिएन में कुमी करने या उससे अपने में सुनिधा महेलिए: मरि∕पा
- (ख: एंसी किसी बाथ या किसी बन या बन्य जास्तियां को, जिल्हें भारतीय अप्य कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरितं ह्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए:

बंद ग्रंथ, उक्त अधितियम की भारा 289-व की नन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की ४ ए 269-अ की उपधारा (1) के अधील , निम्नलिखित व्यक्तिकों अर्थात है---

 मेमर्स ग्रंसल प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज (प्रा०) लिमि० 115 श्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री विरेन्द्र क्स सिकंद सुपुत्र चौधरी प्रितम सिंह रविन्द्र सिह, एस० सिकंद सुपूत्र प्रितम सिह, डी०-4, लाजपत नगर-2, नई विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

कां बहु बुचना कारी करके पुवाँक्त सर्पालन के बर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

नकर, सम्पण्टिक के कार्यन के समय है आहे भी आभाग

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख स 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर म्चना की सामील से ३० दिन की बविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त काती हो, के भीतर पर्नेक्त व्यक्तियों म स किसी व्यक्ति दुवार।
- (अ) इस सूचना के राल्पत्र में प्रकाशन की तारी करी 45 दिन के भौतर उस्त स्थाबर सम्पत्ति में दिनबद्ध किसी अन्य श्यक्ति. ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**म्पब्सीकरण:**— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस "भ्याय में विया गया है।

# प्रनुसूची

फ्लैट नं ० 1321, 38, नेहरू ध्लैस, नई दिल्ली तादादी 406 वर्ग फीट।

> भ्रार० पी० राजेश सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-I. दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 5-11-1985

# प्रकाष आहा. टी. एच. एस. -----

बायकार श्रीभांनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सुचना

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/I/37-ईई/3-85/1580—प्रतः मुझे, प्रार० पी० राजेश,

नायकार निधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्मान प्रवाद 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श में अधीन मक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 412 है, तथा जो 38, नेहरू पलम 610 वर्ग फीट में स्थित है (और इसने उपान्छ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अत्रीन, गराब न र्व 1935,

को पूर्वे वित सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ६—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन वा जन्य जानित्यों को विन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1972 को 17) या अपने अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीय, निम्निलिश्वन व्यक्तियों, संभत्ति :--- 1. मेंसर्स श्रंसल प्रोपर्टी एण्ड इन्डस्ट्रीस(प्रा०) लिमि० 115, श्रंसल भवन, 16, कें० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मेमर्स गुलमोहर होटल (प्रा०) लिमि० 2ई/16, श्रंमारी रोड़, दिया गंज, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप .--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चित्र का स्थाप आ सकों ने ।

स्यव्हींकरण :—-इसमें परैकत भव्दों और पदों का, जो उक्त अंतिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है!

## ननस्थी

फ्लैंट नं • 412, 38 नेहरू प्लैम, नई दिल्ली। ताबादी 610 वर्ग फीट।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्वायकर श्वाय्क्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 5-11-85

# 

भाषकर अर्थि स्वास, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन मुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, अहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश स० म्नाई० ए० सी०/एसपू०/1/37ईई/3-85/ 1591——म्रत. मुझे, म्रार० पी० राजेण,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा :69 कि के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का गरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य ,06,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 414-ए है तथा जो 38, नेहरू क्लैस, 450 वर्ग फीट में स्थित है (श्रीर इसस उपाबद श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय में नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1985

तो पूर्वीवत सम्पत्ति क उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान ।
तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह । अध्वास करने 
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्वि का उपित बाजार मूल्य 
सक्ते दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् 
तिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती 
अन्तरित्तः। के दोच गम अम्रहरण के लिए तथ प्रया गया 
विफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण जिलिख में 
।स्तायक रूप से किथा नहीं किया गवा है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण , मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की नण्धारा (1) इ.क.चेल निय्नलिसिए श्रिक्तयों, अधिस् क्ल- 1 मैं मन प्रमान प्रोपर्टी एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लिमि० 115, प्रसल भवन, 16, कस्तुरबा गाधी मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2 मेसर्प गुलमोहर होटल (प्रा०) लिमि० 2ई/16, ग्रमारी रोड, दरियागज, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

भवः वार्गः १५ वृक्षः स्टलस्यास्य त्रं स्वर्गन **से सिद्** कानकाः या बार्गा ह<sub>ू</sub> ।

्रक्त । । १ र हा इन के सहजन्म सा का**ए भी उपधा**र

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की शारीख त 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजवंज में प्रकाशन की तारीक्ष से १, १२० के भीतर प्रवा स्थान म स्मित्य मा हिसजद्ध पिता के क्या क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निभिन्न में किए का सकेंगे:

स्माप्तर्गक्त रणः --- ३ वस जल्दा क्षेत्र उर्ज च्या आ उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क मी निरः । पत है, वहीं अथ हागा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अन्स्यी

पलैट नं ० 141-ए, 38, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली तादादी 450 वर्ग फीट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 5-11-1985 माहर:

# प्रकल्प कार्ड . ही एवं . एकं . 🖛 🗸 🗝 🗝

भायकर मिथनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वना

## मारत सहस्वर

कार्याजय, तहायक जायकर बागुक्त (निरीक्तज) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांदः नवम्बर 1985

निर्देश सं०1/37ईई/3→85/1592--श्रत:मुझे,श्रार०पी० राजेश,

भागकर पिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य । 110,000/- रह. से अधिक है

भ्रौर जित्तकी संख्या पर्लंट र्न. 415, है तथा जो नेहरू पर्लंस नई दिल्ली-1 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयती श्रधियारी के वार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रयण श्रधिनियम, 1908 (1908या 16)

के प्रधीन नरीख मार्च, 1895

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाचार मृस्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और अभे यह विश्वाद करने का कारण है कि यथाप्योक्त संपत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से प्रिक्ति है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्नसिचित उच्चेष्य से उच्य अन्तरण निमान कि विश्व कर्य के किथा कर्य के किथा गया है :---

- (क) अन्तरण ने हुई किसी बाय की बायत, उपत विधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कनी करने वा उत्तरे सचने में सुविधा के सिए; ब्रीडि/वा
- (क) एसी किसी जाव वा किसी धन वा जन्य आस्तिवों को चिन्हों भारतीय जायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जिथिनियम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा अस्ट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, । छपाने में स्विधा के लिए।

अस. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भृके अनुसरण कं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) अअधीन, निम्निशिक्षित व्यक्तिकार्ये, वर्ष्या ः—

- (1) श्री प्रोपर्टीज एंड इन्डस्ट्रीज प्रावितामिक 115 श्रंसल भवन, 16, केवजीव मार्ग, नई दिल्ली। (प्रसार है)
- (2) गुलमोहर होटल प्रा० लिमि० 25/16, ग्रंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह तुमना बारी करके पूर्वोक्त खणीत के अध्य ६ किया कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षण १०००

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति ध्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति बुवारा;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकों गे।

स्वच्योकरणः ---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उन्त अध्यायमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनसूची

फ्लैट नं० 413, 38, नेहरू <sup>ए</sup>लैस, नई दिल्लो 110 वर्ग फीट।

> न्नार० पी० राजेग नक्षम प्राधिशारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

नारीख: 5-11-85

भोहर ः

प्रक्ष आहाँ.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरोंज 1,नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश पृं० ग्राई० ए० सीं०/एक्यू०/1/37इइ/3-85/ 1593---श्रतः स्झो, ग्रार०पी० राजेश

नागकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल वे अधी। सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर लिएकी मं० 415, पर्लंड 1है मथा जो 38, नेहरू पलेप,नई दिल्की 1560 औं फीट में स्थित हैं (ग्रीरहमसे उप बद्ध अम्मूचों में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्री कर्ता श्रिक्षकारी के आपरित नई दिल्की में भारतीय रिनस्ट्री करण श्रिक्षित्यम,

1908 (1903 हा 16) के अशीन तारीख मार्च 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान तिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक्ष (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चिय से उक्त अंतरण लिखित में थास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण संहुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 195/ 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कत रत. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनि**वत स्यक्तियों, अधित**ं - (1) ऋंति प्रापर्टीन एंड प्राव्यातिक 115, ऋंसल भवत, 16,केंव्जीव्सार्ग,नईदिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) गुल मोहर होटल (प्रा०) लिमि० 2इ/16, श्रंयल रोड, दरियागंज, नईदिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के जिस् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन को भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यख्डीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित है, बही वर्थ होगा को उस सध्याय में दिया गया है।

### वनसःची

फ्लैंट नं० 415, 35, नेहरू प्लेस, नई दिली तादादी 560 वर्ग फीट।

> श्रार०पी०राजेण सक्षम क्राधि⊹ारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख: 5-11-85

प्ररूप बार्ड टी एन . एस . ------

धायकार **जीभीत्रा**स, 1961 (1961 का 43) की भारा 260 ए (1) के सभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर काय्क्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर, 1985

निर्देश सं० श्राई० ए सी०/एक्यू/ईई/3-85//1594 श्रतः मुझे श्रार०पी० राजेश

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसवें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित पात्रार म्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ब्रीर जिसकी संख्या नेहरू पर्नेटनं० 416,है तथा जो 16 के जी मार्ग, नई दिल्ली 598, वर्ग फीट में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिट्रीकर्ता अधिकारी के प्रायत्थि नई दिल्ली भारतीय रजिस्ट्री एए मार्च ब्रिधिनियम, 1908 (1908 ता 16) के अधीन नारीण मार्च 198

को प्वींक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वों ति सम्पर्ति का उचित्त बाजार अल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और जंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के सिए तब पाना प्या प्रतिफल निक्तिसित उप्वदेव से अल्य अन्तरण सिवित्र में स्थित कर से स्थित वहीं किया नचा प्र

- (क) बारारण स हुई किसी बाय का बाबता, अवस नियम के नभीन कर दोने के अम्सरक के बाबित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; अंदि भा
- (क) ऐसी किसी नाव या किसी अभ या अन्य वास्तिवी की, चिन्हें भारतीय धायकर विभिन्नियम, 1932 (1922 को 11) या उनता निधिनयम, या अन कर निधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रवीचनार्थ अस्तिरिधी द्वारा प्रकट नहीं किया गर्भा था वा किया चाना चाहिए चा, किया में स्ट्रीयक की शिए:

बतः बव अक्त विभिनियमं की भारा 269-ग को अनुसरण कों, कों, उक्त विभिनियमं की भाडा 269-च की उपभारा (1) हा कक्षीर विस्कानिक्षतं व्यक्तियों, अभीत प्र— (1) अर्थन प्रोपर्टी एंड इन्डस्ट्रियन प्रानिक,
 115, श्रंसल भवन,
 16 के जी मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) गुरामोहर होटल प्रा० लिमि० 11, श्रम्सल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली

(ग्रन्तरितः)

की यह भूषना जारी करके पृत्रोंकतः संपत्तिः के अर्थन के फिस् कार्यशास्त्रियां करता हो।

प्रसत्त सन्यत्ति के वर्षण के सम्बन्ध में कोई भी बाधांप प्र—

- (क) इस सूचना के राष्पण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की नविध, जो भी नविध भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति वृतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के गार जिल्लाक में किए सा सकों ने ।

स्वष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, बही वर्ष होगा को उस कथ्याय में विका गया है।

# अनुसूची

पनैट तं० 416, नेहरू पलैस, नई दिल्ली। 598 वर्ग फीट

> श्रार० पी० राजेश सक्षम श्रधिकारी सहाय र ग्रायकर श्रयुक्त (निरीक्षण)' श्रर्जन रोज, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तर.ंख: 5-11-85

मोहरः

प्रक्ष नाहाँ, टी. एव. इत. - - -

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म(1) के अधीन क्षना

## नारत बरकार

कार्यासय, सहायक भावकर बायुक्त (विरक्षिक)

म्रर्जन रेंज-1, नई विस्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 5 नवम्बर 1985

निर्वेश सै० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-85/ 1595--- अतः, मुझे ग्रार०पी० राजेश नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवे इसने इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियत्र' कहा नवा ही, की भारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार स्टब्स 1,00,000/- रा. से अधिक ही और जिसकी कं0 सं० फ्लैट नं० 421, 58, है सभाजी नेहरू प्लैस, 406 वर्ग फीट नई दिल्ली में स्थित है (घोर इससे उपावस अनुसुची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 क: (16) के भाषीन, विनीव, मार्च 1985 को पूर्वोक्य सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के व्यवनान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सन्पत्ति का अचित बाबार मुल्य, उसके रूप्यमान प्रतिकल से एसे रूप्यमान प्रतिकल का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) बार अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल नम्नलिखित उद्देवरेग से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप ह्य से कथित न**हीं किया गया है ह-**---

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावत उक्त आधिनियम् के अधीन कर दोने के बन्तरक के दालिए में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ए'सी किसी नाय या किसी भन वा अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर निभिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, यो भन-कर निभिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नवा या या किया जाना चाहिए था, सिमान में स्विता वे सिए।

बत: कव, उक्त विधिनयम की धारा 269-म की बन्दरण में, की, उक्त विधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अध्येत, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्थात् :——
31—366€1/85

(1) मंसल प्रोपर्टी एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लिमिटेड 115, ग्रंमल भवन, 16 के० जी मार्ग, न**ई** दिल्ली।

(भ्रन्तरकः)

 (2) गृल मोहर होटल (प्रा0) लिमिटे ड 2एल/16, अंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अविकत्यों में से किसी व्यक्तित द्वान:
- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति देवाग अधाहम्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

निक्षिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्मा का, जों उक्त विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय मा दिया निक्षा है।

# **प्रनृस्**ची

प्लंड न॰ 421, 38, नेहरू पलैस, नई बिल्ली तादादी 406 वर्गफीट ।

> ग्रा<sup>ए</sup>० पी० राजेश प्रअम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-1, मद्रास

तारीब: 5-11-1985

वक्षा वाषा .ी. एत एक -----

# बोयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

## भारत करकार

# कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरेंज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 5 नवम्बर, 1985 निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/ 37ईई/3-85/ 1596——श्रत: मुझे श्रार०पी० राजेश

बायकर प्रथिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इवाये इसके पश्चान 'उक्क प्रधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/ रह. में अधिक है

स्रौर जिसकी सं० शाप नं० 101. प्रथम खण्ड, है तथा जो 97. बजाज हाऊ प. 354 वर्ग फीट, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध स्नृसुची में पूर्ण रूप वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्राधारी के सायालिय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीवरण स्रधित्यम, 1908 (1908 वर्ग 16) के प्रधीन सारीख मार्च 1985

को प्वॉक्स सम्परित के उचित बाबार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि दर्म्य केंक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदास स अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्योग्य में उच्त बन्तरक निम्नलिखित उद्योग्य में उच्त बन्तरक निम्नलिखित उद्योग्य में उच्च बन्तरक निम्नलिखित प्राप्त में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (२) ४ लाग्। सं हुवं िश्वी नाव का बावत, उपत क्षिंगियक के सभीन कर बंजे के बन्तरक की याध्यस्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा से लिए; सीर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 रा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिंश क्वारा प्रकट नहीं विध, गया था या किया जाना चाहिए था, ज्याने पे अधिभ औ किए:

मतः वाव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग को अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :---- (1) श्री श्रोमवती गर्मा पत्नी श्राप्त एक्ष० शर्मा निवासी डी-3. सौमी नगर. नई दिल्ली

(ग्रन्यक)

(2) श्री लखपन राय भूटानी
पुत्र अयाराम दास भूटानी
ललीत भूटानी,
सुपुत्र लखपन राय भूटानी,
1020, फाटक मुफतीवाला,
दरियागंज, नई दिल्ली-2

(श्रन्तरिती)

को वह सूचन। बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उच्छ सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई थी जाइते। :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की गरांध, आ भा नवीथ बाद में समाप्त हाती हा, -चाविसकों में से जिसी व्यक्ति हुना
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर संपित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह । क्षरी के पास लिकित में किए था सर्वोंगे।

# अनुसूची

णाप नं ० 10.1, प्रथम खन्ड, 97, बजाज हाऊल, नेहरू पलैस, नई दिल्ली 1 तादादी 35.4 वर्ग फीट

> श्रार० पी० र जेण मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकार जायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली 11000

तरीखा: 5-11-85

मोहरः

# प्रसन् बार्क् . टी. प्रन . एस . ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अभीन स्थना

# भारत स्रकाह

# भार्यालण, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजनरों जा, नई दिल्ली

नई दिल्ली. 5 दिनाक नवम्बर, 1985 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/3185/

1597--श्रतः मुझे श्रार०पी० राजेश

हार कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १६७-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आगण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० पलैट नं० जी एफ - 1 है तथा जो एलाइट हाऊप, पर्लैट नं० 36, इम्युनिट सेन्टर, कैलाग कालोनी, नई दिल्ली 397 वर्ग फीट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनू-सूची में पूर्ण रूप से विणित्र हैं) रिजस्ट्री हती स्रिधि हारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री हरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 इ. (16) के स्थान नारीख मर्च 1985

को पृक्षा कत संपत्ति कं उचित बाजार मृत्य सं कम कं दृश्यमन । दिफल को लिए अतिरित की गई है और मुक्षे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे पृष्यमान प्रतिफल से, एसे पृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) को बीच अंतरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल दिम्निल्लित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वासिक रूप से कंथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ये हुई फिली जान की वानस्त, जनस्त वीचित्रियम के नधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या सतके वचने में सुविधा के निष्; मीर/या
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी ध्या वस्य वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्याजनाथ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के किए:

नतः अस, उक्त सिधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निस्तिवित स्थेक्सिकों, स्थिति क्र— (1) एलाइट डेवेलपर्स प्रा० लिमि० 115-श्रंसल भवन, 16,के० जी० गाधी मार्ग, नईदिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सोहन लाल मेहरा सुपुत्र बी० डी० मेहरा, ए 14, डिफोंस कालोनी, नई दिल्ली सुमित्रा दंश भरुना पत्नी जे० एन० भरुला सी-98, लाजपत नगर-1,

(अन्तरितः)

को बहु सूचवा चारी करके वृंबोंधत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हु ।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए का सकरेंगे!

सुम्बिकिरका: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमसूची

पलैंट नं० जी० एफ० 1, एलाइट हाउस फ्लैंट नं० 36, कम्युनिटी सेन्टर, कैलाण एक्सटेंशन (जमरूदपुर) नई दिल्ली 397 वर्गफीट

श्रार० पी० राजेश मक्षम श्रिधकारी सहायक श्रायकरग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 7-11-85

# प्रकृष **वाह**्रे<u>दी, एवं,</u> **एव**्रव्यक्त

आयकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्थान

## भारत चरकार

कार्यालय, सहायक गांवकर वायुक्त (निद्रोक्तक) श्रर्जनरेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० श्राई० ए०स । ০/ एक्यू ০/ 1/37 ছছ-3-85/1598--- अत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पित इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मूक्त 1,00,000/- रु. से अधिक है

सौर जिसकी संख्या पलैट न० जी० एस०-4, है तथा जो दलाट नं० 36, कम्युनिटी सैन्टर, कैलाश कालोनी, नई विल्ली 427 वर्ग फाट मे स्थित है (और इससे उपावक अनुसुषा में पूर्ण, रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीय ती स्रिधिषारी के मार्यालय नई विल्ली म् भारतीय किलायी सिंहिंग स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के स्रिधीन सारीख मार्च 1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित गजार मृस्य, उसके उपयमान प्रतिफल से, एते दियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और जंतरिकों (अंतरितिकों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गणा प्रतिफल, निम्नोतिकच उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक क्य से किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अवस जिभिनियम के सभीन कर दोने के बच्चरक के धायित्व में कमी करने या उत्तरो वचने में सुविभा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी गाय या किसी थन या अन्य आस्तिवीं को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा या किया जाना चाहिए था, खिमाने में सृतिका के लिए;

बतः अतं, उक्ट अधिनियम की भारा 269-ग के बनुबरण में, में, उक्त अधिन्यिय की धारा 269-ण की उपभादा (1) के अधीन निम्नतिबस क्लियों, अधीत्:--- (1) एलाइट डेबेल्पमेट (प्रा॰) लिमिटेड,
 115, अंसल भवन,
 16, के॰ जी॰ मार्ग, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्रीके०के० मेहत (एक०यू० एफा०) थुरु कर्ताके०के० मेहता सपुत्र सोहन लाल मेहता निवासी ए-14, विफोंस कालोनी, नई विस्सी-24

(भन्तिरती)

न्त्रे बहु सुचना नारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्जन के सिध् कार्यवाहियां चुरू करता हूं।

उपन तंपील के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर बूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस बूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा वभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में विश्र जा सकोंगे।

न्यक्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

# **प्रमृ**सुची

फ्लैट नं० ए-4, एलाइट हाऊस प्लाट नं० 36, कम्बुनिटी सैंग्टर, कालोनी एवं कर्स्ट्रकशन, ज मरुवपुर, नई दिल्ली ए व 427 वर्ग फीड ।

> मार० पी० राजेश सक्षम मधिकारी है सहामक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जेन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-11-85

# बच्च बाह्र'. डो. व्यु., व्यु. सन्धनननन

# बावकड विभिनित्रत, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) ते स्थीन व्यूना

## जारत स्ट्रकार

काशांसय, सहावक गांवकर नायुक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 5 नवम्बर, 1985

निर्वेश सं० थ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई 3-85/ 1599--श्रन: मुझे, ग्रार०पी० राजेण

नावकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परमात् 'उम्त निर्मानयम' नहा गया है), की भारा 269-च के निर्मान सभन्न प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मत्ति, विश्वका उपित वाचार नृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० जी० एफ०-3, है तथा जो प्लाट नं० 36, अम्मुनिटी के नाग जालोनी, नई दिल्ली 4.35 धर्म फीट में स्थित हैं (और इसमें उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण का से विणान हैं), रिजस्ट्री करण श्रधिकारी के आर्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1985

को ध्वाँक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के व्यवसाय प्रतिफास के लिए बन्तरित की गई है बौर मुझे यह विश्वास करमें का कारण है कि संधापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुख, इसके व्यवसान प्रतिफाल से एसे दरयमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिसास से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तब पाना क्ल प्रतिकास, निम्नीनिचित उद्देश्य से उच्छ अन्तर्ण विचित्त में वास्तविक रूप से कांचित नहीं किया ग्वा है ---

- (क) जन्तरण वे हुई किसी बाब जी बाबत उपक विभिन्नियं के प्रशीद कर बोगे के शुन्दद्वक की व्यक्तित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के विष्यु: श्रीड/वा
- (क) ऐसी किसी बाद मा किसी धन या बच्च बास्यकों का, जिन्हों भारतीय आपकार अपने किन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर विद्नित्वन, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया नवा था या किया वाना चाहिए वा कियाने में द्विचा है लिए.

लत: ला, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अन्सरण में, में, अक्त वीधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1), वे वधीन। निम्नतिचित व्यक्तिवां, संवित मन्त (1) एलाइट डेबेलपमेट (प्रा०) लिमिटेड, 115, अंसणभवन, 16के०जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रीमती उद्या रानी नय्यर पत्नी जीव ग्रारव नय्यर मी-115, लाजपत नगर-1, नई दिल्ली-24 (ग्रन्तरिती)

का वह ब्रुचना बारी करके प्वांक्त संपर्तित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुए।

# उनक संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी नाशेष ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन की जनींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबस्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखिल में किए या सकोंगे।

स्पाचीकरणः — इत्रमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उस अध्याय में दिया गठ।

# अनुसूची

फ्लैटनं० जी० एफ-3, एलाइट फ्लाटनं० 36, कम्युनिटी सैन्टर, केलाश कालोनी, नई दिल्ली । 435 धर्ग गज।

> ग्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंगरोंज-1, विश्ली, नई दिल्ली-10002।

तारी**च**: 5-11-85

मोहर 🛭

# प्ररूप बाई.टी.एन.एस.----

# नावकर निधित्यन, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-न (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

# नार्थानय, सहायक जायकर आयुक्त (निरामक) प्रजंन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 5 नवम्बर, 1985

निर्देश म० ग्राई० ए० मी०/एवयु०/1/37इइ/3-25/-1500---यत मुझे ग्रार०पी० राजेश

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सख्या जी० एफ०-2, प्नाट न० 3, हैं तथा जा कैलाग कालोनी एम० जी० 421 वर्ग फीट नई दिल्ली म स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रानुसूची में पूर्ण नप 4 विणत है), किस्ट्री-कर्ता श्रीध नारी के कार्योलय नई दिल्ली म मार्गीय रिजस्ट्री-करण श्रीदिनियम, 1908 1908 ना 16) के स्रिपीन नारीज मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्वेष्य से उक्त जन्तरण किवित में बास्तविक रूप से किवत विश्वा किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबस, उक्स अधिनियंत्र के अधीन कर बोने के अंतरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतिरती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के सिए;

वतः वयः, उक्त विभिनियमं की भारा 269-व के बन्सरण वो, वो, उक्त विभिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) के वशीन, निम्नलिखित व्यक्तिवार्षों, वंशीय के (1) एल।इट डेबलामेट (प्रा) लिमिटड,
 115, प्रगल भवन, ७-एस्तुरबा गान्धी मार्ग,
 नई दिल्ली

(ग्रन्तर : )

2) श्री क० क० महना मुपुत्र सोहन ल,ल मेह्स। निवासी ए-14, डिफेस ालानी, नई दिल्ली-24

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए हुं कार्यवाहियां शरू करता हो।

# हक्त बम्पत्ति को बर्जन को संबंध में काई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोंकन स्थितियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बद्ध किसी अन्य विकत व्वारा अधोहस्स्याक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वकारण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## ग्रमुसुची

फ्लैंट न० ती० एफ० 2, एलाइट हाऊम प्लाट न० 36 उम्मनिटी सेन्टर, हैलाम रालोनी, नई दिल्ली-424, वर्ग फीट 1

> श्चारः पी० राजेण स**क्षम** प्रा<sup>र्</sup>कारी महायक श्रायस्य ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002 ।

तारीख 5-11-85 **मोहर** ≢

# प्राराध आहें. टी एम एह -----

नायकर मीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-च (1) के मधीन सुचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, मन्नायक बायकर भायक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रे म-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, नारील 5 नवस्वर, 1985 निर्देग सं० श्रार्ज० ए० सी०/एक्स०/1/37इइ/3-85/-1601---श्रा मुझे स्रार०पी० राजेण

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्डात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार म्च्ब 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर निक्की तंत्राः जी० रफ० 3, ष्लाट नं० 36, है तथा जो कैलारा पातीनी एकाटेंगन, 417 वर्ग फीट में स्थित है (स्रीर रामे आगद स्रत्मुकी से पूर्ण का न विणा है), रिजिस्ट्री कि स्रिधि गरी के प्यालिय नई रिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 प. 16) के स्रजीन नारीख माच 1985

का पूर्विका संपक्ति के शिवत बाजार मन्य में कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विकत संस्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान अतिफल में एमें दृश्यमान पतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया जाया प्रतिफल, निस्नलिचित उद्देश्य से उकत अन्तरण निचार में वास्नविक रूप में कथित नहीं किया नया हैं ---

- (क) अन्तरण संहुई जिसी आय की नावतः, उत्ततः विधिनियम् के अधीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कमी करने या उत्समे बचन में सुविधा के निष्यु: और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या न्बर को नियम, प्राप्त प्राप्त प्राप्त कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देशरा प्रकृत नहीं किस्ता प्राप्त था किया जाना याहिए का, खिपए में की क्या

रत अब, अक्रेन अधिनियम की धारा 260-ग के अनुसरण मो, में उक्त अधिनियम की धारा 260 घ की उपधारा (1) के अभे≈, निक्कितिसक प्रक्तिकों, अर्थांक रू—

(1) एलाइट डेबल सोट प्रा० लिमिटेड, 115, अरुल गान, 16, के० जी० मार्ग, नर्ट ।दल्ली

(भ्रन्धर≭)

श्री जी ० ए ४० श्रा २० तस्पर (एच० यु० एफ)
यर ग्लायन राय नस्य?
मी-98, ला ५ पत नगर-1
नई दिल्ली-24

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध
  किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिलित में किए जा सकी।

स्थब्द्रीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया प्रया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं जी अगुफ 5, प्लाट न 36, कैलाश कालीनी एक्सटेशन, नई दिल्ली 417 वर्ग फीट

> म्राप्य पी० राजेश ःक्षम प्राबिः। री पहाया ग्रायार भायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-11-85 मोहर

# प्रक्ष काइ. टी. एन. एस. ------

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)
श्रर्जन रेज-1, नई बिल्ली
नई दिल्ली, तारीख 5 नवम्बर, 1985

निर्देश मं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/37इइ-3-85/-1692--श्रतः मुझे म्रार०पी० राजेश

आयकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छित्त बाबार मूख्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिलाकी संख्या फ्लैंट नं० बी-1, प्लाट नं० 36, है तथा जो हैलाय जिलोनी एकपटोंगन 432 वर्ग फ़ीट 1 में स्थित हैं (और उनसे उलाबड अन्धुची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ना अधिकारी के जयिलय नई दिस्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पर्वोक्श सम्मित्त के उचित बाबार मूल्य से कम के बच्चमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के छिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेश से उच्त अंतरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निवस के अधीन कार दोने के अंतरक के धायित्व में कसी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या कन्य आस्तियां की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में स्विधा के जिए;

कतः अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) एलाइट डेबेलपमेंट प्रा० लिमिटेड
 115, प्रंशल भवन, 16, के० जी० मार्ग,
 नई दिल्ली

(भन्तरक)

(2) ए० के० इन्टरनेशानल,
 डी-4/1, अफदरजंग एनक्लेब,
 नई दिल्ली

(मन्तरिती)

को यह सृथना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाडियों करता है।

इक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नम्स्यी

पलैट नं बी-1, एलाइट हाउस, 36, कम्यूनिटी सेन्टर, कैलाण कालोनी, एक्सटेंशन, जमरूषपुर, नई दिल्ली

> श्रीर० पी० राजेग सक्षम प्राधि : रि राहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्कण) श्रुजंन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-11-85

# मुक्य आर्च . हो . एन . एस . . . . . . . . .

बायकर व्यभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से वभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक भागकर नायकत (निर्दोक्षक) प्रजन रेज-1, नई विस्ती] हैं

नई दिल्ली, दिनांक 5 नजम्बर, 1985 👯 📆

निर्वेश सं० भाई० ए० सी०/एसपु०/1/37इइ/3-85/-1603—धतः मुझे झार० पी० राजेश

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श्व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जि.की संख्या रियर प्रोर्शन जी॰ एफ़॰ 18, है तथा जो टोडर मल, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायड अनुसूची में पूर्ण का से विणा है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई विग्नी में भारती। रजिस्ट्री एक प्रधिनियम, 1908 (1908 का 18) के भवीन सारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमाम शितकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बधा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके श्रथमान प्रतिकल से पंद्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल, निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आयं की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों करे, जिन्ही भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के जनसरण वी, भी उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ≟—— 32—366 GI/85

- (1) श्री बृज एन्टरप्राइसेस (प्रा०) लिमिटेड, ई514, संडेवालान एक्सटेंशन, मई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री भारत कुमार गुप्ता, 99, ग्रानन्य लोक, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वता भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है कि दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हमोती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीचा च 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिचित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शन्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

# वन्त्र्यी

,रियर पोरमान ग्राउन्ड फ्लोर 18, टोडर मल रोड, नई दिल्ली

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, विल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 5-11-85

मोहरः

प्रकार नार्यः यो , एवं , एक् , - व - व व

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मंभीन स्थाना भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्जीक्षण)

नई दिल्ली, तारीख 5 नवम्बर 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-85/ 1604--- प्रतः मुझे प्रार० पी० राजेश शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिप्रे इसमें इसको परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है भौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 1402, 38, नेहरू प्लेस 485 वर्ग फीट, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसुची में पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिःारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मार्च 1985 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्इ है और मुभ्ने यह विस्वास कार्न का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाबार मृत्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकाँ) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिबिक्ष में वास्त्रविक क्षेप से कथित नहीं किया यथा है है---

- [क] बन्दरून से हुए किसी बाद की वावस्त, उक्त विभिन्निका को अपीन कर दोने के जन्दरक से दायित्व में कमी कुटने या उससे नजने में सुविचा के सिए; मॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्म आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) अने प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में स्विभा को लिए;

बतः अब, उक्त जीवनियम की भारा 269-ग के बनुसरण बें, में, उक्त जीवनियम की भारा 269-म की अपचारा (1) के अभीतः निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु— (1) भ्रांसल प्रोपर्टीज एण्ड इन्डिस्ट्रीस प्रा० हिस्टिंड, 115, श्रसल भवन, 16के० जी० मार्ग, मई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विपता शर्मा पत्नी एच० श्राइ० शर्मा श्रीमती सुरेन्द्र शर्मा पत्नी एच० डी० शर्मा, ई-77, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिसी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन कें सिए कार्यवाहिया करता हूं।

टक्त सम्पत्ति के क्षर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी स्थित इवारा?
- (च) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास निधित में किए वा सकते।

स्वक्कीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, थी उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, थी उस अध्याय में दिया पया है।

**बन्स्**ची

क्लैट 1402, 38, नेहरू पनेस, मई दिल्ली तादादी 485 वर्ग फीट

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुमत (निरीक्षण) ग्रजैनरेंज-1, दिल्ली,नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-11-85

मोहरः

प्रकल आहें, टी. युन. एस 🔉 अन्यवननन्य

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निराधिक)

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत १८८० विश्व के अधीन सूचना भारत सरकार

हामस्यिम, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

**प्र**र्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीज 5 नवम्बर 1985

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्भात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाबार मूस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

- (क) मन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत सबत अधि-श्वित्व के स्पीप कह होने के सन्तर्थ के शावित्व में सभी कहने वा सबसे बचने के बुद्धिया के जिल्हा आहे./या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्म आहितायों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 की 1922 की 11) वा उच्छ अधिनियम, वा धन कर जीधिनियम, वा धन कर जीधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया प्रमा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के जिए।

भतः भव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्ट (1) ग्रसल प्रोपर्टीस ए**उ** इन्डस्ट्रियल प्रा० लिमि० 115, **शं**सल भवन, 16के० जी० मार्ग, न**ई** दिल्ली ।

(भ्रन्सरक)

(2) गीता पुरी, विकाश पुरी, ई-389, भेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान कारी कहके पूर्वोक्त संपृत्ति से वर्जन के सिद्ध कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी जायार हु-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी स्पिक्तमों दृष्ठ स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्पिक्तयों में से किसी स्पिक्त इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण:--इसमें प्रयुक्त कर्वा और पवाँका, की उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस कथ्याय में दिशा नवा हैं।

# **वन्स्**ची

पर्लंट नं॰ 1521, 38, नेहरू पर्लंस, नई दिल्ली तादादी 406, वर्ग फीट ।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीब : 5-11-85

हरूर् बार्क दीत एक्स एक ह करण

# नाव्कतः मिन्नियम् । 1961 (1961 का 43) की वाडा 269-व (1) के अभीव स्वाना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनोक 6 नवम्बर, 1985 निर्देश सं० धार० ए० सी०/एक्यू/37/ईई/3-85/ 1606--धत: सुझे श्रार०पी० राजेश

बायकर मिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजाद भृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 423, है तथा जो 38, नेहरू फ्लैस, 477 वर्ग फीट में स्थित है (भीर इससे उपायस प्रनुसूची में पूर्ण रूप से विजित है), भायकर मधिकारी के कार्यालय मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय भायकर रिजर्टी र रण मिलिय मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय भायकर रिजर्टी र रण मिलियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन मार्च 1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपमान भितक के कियान के उपमान भितक के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कको का कारण है कि सथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उपित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल है, एसे क्यमान प्रतिफल का बंबह प्रतिशत से अधिक है और बंतरिक (बंदरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया मितक के, निम्नीलिखत उद्देष्य से उदत बन्तरण सिखिक में कास्तिक क्या से किथत नहीं किया गया है क्षान

- (क्र) कन्तरण से हुएँ किसी बाय औं वावत उक्त अधि। नियम से अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व के कमी कर्त्रण या उद्देश बक्त में सूरिक्श के सिए; बोर्/बा
- (व) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आहितायों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त कृषिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था किया में सुविधा को जिए।

बतः बदा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, धक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के क्योन की किका अधिक का किराबाँ का अर्थाव अर्थान

(1) ब्रसल प्रोपर्टीस एंड इन्डिस्ट्रीज (प्रा) लिमि॰ 115, बंसलभवन, 16के॰ जी॰ मार्ग, नह दिल्ली

(मन्तरक)

(2) गुलमोहर होटल (प्रा०) लिमि० 2ई/16, अंसारी रोड, दरीयागंज, नई दिल्ली

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिस् कार्यवाहियां करता हुं॥

# बच्च बन्पत्ति के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई भी बाजेप् ह---

- (क) इत स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की संवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद्य स्वान की तामील से 30 दिन की नविध, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाडा;
- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्ध स्थावत इवारा अधोहस्ताकडी के पास विविध में किए वा सकेंगे।

क्यक्य क्रिप्ता स्था नीर पदों का, को उक्त क्यिनियम, को कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहें कर्य होगा, जो उस कथ्याय में दिवा क्या हैं.

# बनुसूची

पर्लंट नं ० 423, 38, नेहरू पर्लंस, नई दिस्ली तावादी 477वर्गफीट ।

> द्यार० पी राजेश समय ग्रीवेकारी सहायक ग्रायक रज्ञायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-11-85

प्रकृत वार्ड ही एन एक . -----

कायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) का बारा 269-व (1) वे स्वीत स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जनरेंज-1.नई दिल्ली

नई दिल्ली, सारीख 6 नवम्बर, 1985

निर्देश सं आई० ए० सी०/एनपू०/1/37ईई/3-85/ 1607--अतः मुझे, भार०पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य भीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं 0 611-ए, है तथा जो 22, बारा खम्बा रोड, 500 वर्ग फीट में स्थित है (भीर इससे उपावक भनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजल्द्री कर्ता श्रीकरारी के शायिलय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अर्थिनियम 1961 के अधीन मार्च 1985

को प्रविक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृस्य से कम के दरयभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) रान्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूति्भा के किए;। और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर बिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त की भीनयम, या भन-कर बिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) विविधान, निरमित्रिक ध्यक्तिनी, न्यांत् ह— (1) स्कीयर सैल्स (प्र॰) लि॰ 22, बाराखम्बा, नई दिल्ली

(मन्तरक)

(2) श्रीमती शंजू घई पत्नी विजय घई निवासी एम-183, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली-48

(भ्रन्तिरती)

की यह स्वना चारी करके पूर्वोक्द स्म्युत्ति के नुर्वन के जिए कार्यशाहियां शुरू करता है।

# सक्त सम्मृति को नवंत की सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यां करा में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ह) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नोकरण :--- इसमें प्रयूक्त काक्यों और पर्वो का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा यया है।

धनुसूची

पसेट नं 0 611-एं, 22 बाराखम्बा रोड, मई दिस्सी तादादी 500वर्ग फीट।

> ग्रार० पी० शजेश सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक ग्रामकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेज-1, दिस्सी, नई दिल्सी-110002

तारीब: 8-11-85

प्रकृप काइ . टी. एत . एस . -----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाउा 269-व (1) के विभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्दाक्षण) श्रजीन रेंज-I, नई दिस्सी

न्ध्री थिल्ली, विनोंक 6 न्यम्बर 1985 निर्देश सं० धार्ष्ठ ए० सी०/एम्यू०/1/1/37इइ/3-85/ 1600---अतः मुझे, आर०पी० राजेश

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

माँ। जिसकी संख्या पर्लंड मं० 1108 है तथा जो 36 नेहरू पत्नी : एमजी 580 वर्ग फीट में स्थित है (और इनसे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्गित हैं) रिनस्ट्री ती अधि तरी के वर्ग्याच्या अर्जन रेंच, नई दिल्ली में भारतीय आयश्य अधि-नियम 1061 के अधी : तारीख मार्च 1965

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की यह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सम्भाष्ट्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को निए तय पाया गया प्रति-कल निम्ननिश्चत उद्देश्य से उच्त अंतरण सिश्चित में बास्त्रिक क्य से किश्यत नहीं किया गया है ।—

- कि विकास के सूर्य कि जान की बावक कथन भीषीनदन के सर्थीन अन्त दोने के बन्तहरू के बायित्व में कमी नेहिसे वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) घुन्मी किसी सूत्य का किसी चुन या कृत्य का किसी की की, जिन्हें भारतीय आय-का स्विधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, जन्त अधिनियम की भारा 269-घ को, अनुसरण की, मी, उनत अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) की अधीन निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) अंतन प्रोपर्टी एंड इन्डिस्ट्रील (प्रा०) 115, इन्दर्स भवन 16,केंठ जीठ मार्ग सुई दिल्ली।

(धन्सरक)

(2) नेहरू हो उरी मिल्स 5509 बस्सी हरफून सिंह सदर बाजार फिल्ली-0

(भ्रन्डरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिस के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिरक्ष्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्रकः िकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पूजा है,

## बन्सूची

परीट नं 0 1108, 38, महरू प्लेस, सई विस्सी, वादादा 580 वर्ग फीट

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधि:ारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जेन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-11000≨

सारीज: 6-11-8**5** 

प्रकप बाइ.टी. धन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-के (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जान्कत (निरीक्षण) धर्जन रॅज-गू, नई दिल्ली

मई दिल्ली, तारीख 6 नघम्बर 1985 तिर्वेश सं० दाई० ए० सी०/एक्यू०/,37इड/3-85/ 1609——प्रतः मसे, स्नार०पी०राजेश,

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'ठक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या पजैद नं 1215 है तथा जो 30, नेहरू प्लें।, तादादी 560 वर्ग फीट में स्थित है (और इसमे उपावदा अनुसूची में पूर्ण रूप से धाणित है), हारायण इकिटादी है धार्य र र, झर्जन रेंड-1, नई दिल्ली में भारतीर कार्य र इकिटिएम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1965

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के द्रुपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित काजार मृल्य, उसके द्रुपमान प्रतिफल से, ऐसे द्रुपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जित्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया भूगा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कत: अथं, उक्त अधिनियम की भाग 269-त के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ए---- (1) अंतन प्रोनर्टी प्रान्ड इन्डल्ट्रीन (प्रा०) लि०, 115, अंतन भवन, 10 के० जी० मार्ग, नहीं दिल्ली।

(भ्रत्सरक)

(2) श्री एस॰ सी॰ जैन (एज॰ यू॰ एफ॰) मास्टश्र एदीन जैन सुपुत्र राजीव जैन, ईडी-136, टैगोर गाउँन, नई दिल्ली-27

(झन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके वृद्योंकत सम्मत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है वि 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पत्रैट नं॰ 1215, 30 मेहरू प्लेस, मई दिल्ली 560 वर्ग फीट ।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीब: 6-11-85

मोक्षर:

# प्रकृत वार्षः, दी. एत्. एक् ु-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अधीन सूचना

#### मार्ठ तरकाड

# कार्याजय, तहायक बायकर जायूक्त (निर्देशक)

धर्जन रेंए-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनोंक 6 नवम्बर 1985

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्ता प्लाट नं० 415 है तथा जो 38, नेहरू प्लें, एमजी 361 वर्ग फीट नई दिल्ली में स्थित है (भीर इस्से उपावदा अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) आयार प्राधिवारी के वार्याच्या प्राजेन रेंज-I, नई दिल्ली में भारतीय आयशर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च 85

को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सरण, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रश्रेप्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (शंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निग्गतिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण घे हुई किसी जान की बाबत , उनते विश्वित के अधीन कर दोने के अन्तरक वी दायित में कमी करने या उत्तर विष्टे वचने में सुविधा के किए; बौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या क्या कास्तियी को, जिन्ही भारतीय बायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन प्रक्रिनियम, य धन-न प्रक्रिनियम; 1957 (1957 का 27) के अयोजनाय घन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया यया वा या किया जाना चाहिए था। फिपाने में मूचिका के विष्:

मतः भवः उस्त मिनियम कौ भारा 269-म कौ अनुसरक् मों, मों, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिख व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) अंसल प्रोपर्टीन एम्ड इन्डस्ट्रीज (प्रा०) सिमिटेड 115, अंसल भवन, 18, के० जी० मार्ग, मुद्दी दिल्ली ।

(मन्तरक)

(2) गुलमोहर होटल (प्रा॰) लिमि॰ ७६/१७, अंसारी रोड, दरियागंज, मई दिस्ली ।

(प्रस्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षत्र के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की अविध, जो औं अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवास;
- (क) इस संघना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रिनक्वथ किनीर करूप व्यक्ति इवारा वधोहस्ताक्षरी के पांच निर्मित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण ह—इसमें प्रमुक्त कव्यों और पदों का, को उसके अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में दिया पया है।

# म्बर्या

पलैट मं॰ 418, मेहक प्लेस, मई दिल्ली वादाबी 361 वर्ग फीट।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिनारी सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) भजैन रेंज-I, दिल्ली, नहीं दिल्ली-110002

तारीख: 6-11-85

# इक्स बाइ टी. एन थ्लु. -------

आयकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के क्यीन सुभना

#### बारत प्रस्कार

कार्यालय, सहायक जायकर जाव्यत (निरीक्षण)

श्चर्जन रज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाङ 6 तथम्बर 1985

निर्देश मं० ग्राई० ए० मी०/एक्य्०/1/37इड/3-85/ 1611-प्राः मस्रे, प्रार०पी० राजेण

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थाबर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या पलैट नं० 419 है तथा जो 38 नेहरू फ्लैम नादादी 584 वर्ग फीट में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप में चणित है) रिजस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यानय अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 85

को पर्वाधित सम्पत्ति के उचित बाजार म्लय में कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल में, एसे इत्यमान प्रतिफल का बंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पादा गया प्रति-फल निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अंतरण निक्ति में वास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वे हुइ किसी बाय की बावत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में अभी करने या उसमें बचने में सर्विधा को किए। और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में मित्रभा के सिए;

अतः जब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-- ज की उपधारा (1) के अधीन, निर्मातिकत व्यक्तियों, अर्थात् :——
33.—366 GI/85

(1) अपन पोपर्टीम एड इडस्ट्रींस (प्रा) लिमि० 115, अपन भवन, 16, के० जी० मार्ग नई दिल्ली

(ग्रन्सरक)

(2) गुलमोहर होटल (प्रा) लिमि० 2ई-16 अंसारी रोड्र दरियागंज नई दिल्ली

(ग्रन्मरितो)

स्त्रे बहु सूचना जारी करके पृजाँकतः सम्बन्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

इक्ट कुम्पारत के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्विकत ब्रांग;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं
  45 विभ के भीतर उक्त स्थावर संपितः में दिना
  क्व किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास निवित में किए वा सकी।

स्वक्रीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में एरिमाचित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भवा हैं।

#### वन्स्ची

पलैट न० 419, 38 नेहरू पलैम नई दिल्ली, नादादी 584 वर्ग फीट ।

> न्नार० पी० राजेम सक्षम प्राधिकारी महायक न्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्लो-110002

तारीख: 6-11-85

मोहर 🔞

प्रकण बाह्य टी. एव. एवं. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्भालय, सहायक अप्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, न<sup>®</sup> दिल्ली

नई दिल्ली, नारीख 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्र.ई० ए० मी०/एक्यू०/1/37,इइ/3-85/-1612—ग्रन: मुझे, ग्रार०पी० राजेश,

सामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को कि धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा रिचन बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 420 है तथा जो 38, तेहरू फ्लैस, नई दिल्ली 399 वर्ग फीट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रिधीन तारीख मार्च 85

कां पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह व्यिवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंगरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बीच तब पाया गया श्रीत-फल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) सन्तरण में हो किसी आय की बाबत, उसके जिल्लाम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधियान को कभी करने या उससे बचने में सविधा के भिए; बौर/या
- शिक्ष गोले किसी बाय या किसी धन या अध्य नास्तियाँ कर, जिल्हों भारतीय अध्य कर अधिनियम, 1920 (1942) या ११ गा उक्त र्रोधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोज-रार्थ कस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गान बाहिए का स्थितों में निवधा के लिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, नार्मधनियम की भारा 269-म का उपधार (१) के अधी निम्नलिखिन व्यक्तियों अधीत :---

(1) अंपल प्रोपर्टीस एंड इन्डस्ट्रीस (प्रा०) लिमि० 115, असल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) गुलमोहर होटल (प्रा) लिमि॰  $2^{\frac{c}{2}/16}$ , ग्रमारी रोड, दिस्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह शूचना जारो करक १विक्त सम्पत्ति के जजन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

#### . उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु----

- (क) इस सूचना के राजपत्र मुं प्रकाशन की तारीश्व 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की बबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रशिक्त स्थाननयों में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्यन्ति में हित्र दथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक्ष हैं, वहीं क्यें होगा, जो उस अध्याय में किस्स गया हैं:

# **अन् सूची**

् फ्लैट नं० 420, 38, नेहरू फ्लैस, नई दिल्ली 399वर्ग फीट

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 7-11-85

#### नारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 7 नवम्वर 1985

निर्देश सं० आई० ए० नी०/एक्यू०/1/37इइ/3-85/-र 1613--अतः मुझे, आर०पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस एसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 24, है तथा जो 3 श्रीर 4, माउथ इंड लैन, नई दिल्ली 1810 वर्ग फीट में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीध कारी के कार्या नय अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के श्रधीन तारीख मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की पर्दे ही जोर नुके यह विद्यात करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार बूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल कं स्न्यूह प्रतिक्षत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित वें बास्तिक रूप से काथत नहीं किया यथा है :—

- (क) बन्दरण सं शुर्ध किसी बाथ को बाभय, उक्त अभिनियम के बभीन कर योग के अन्तरक के बाबित्य में कभी करने वा उससे वचने में भूमिशा के सिक्; शहि/या
- (क) एंडी किसी जाय या किसी भन या करन आस्तियों की किसी भारतीय आयकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ कर्नारती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया वाना वाहिए था, क्रियान में सुनिया के लिए।

कतः वक्त, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण हों, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) हे अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कैलाश नाथ श्रीर एसोसिएटस 1006, कंचनजंगा, 18, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली

(भ्रम्तरक)

(2) मिस ग्रन्ता सुलतान डी-278, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके वृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त तस्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तररीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य न्यांकि द्वारा धनाहरसाक्षरी के पास किराह में किस का सकेसा

स्पारक किएन: ---- इसमें प्रयुक्त जन्मों और वर्षों का, को उक्त अधिनिवस के अध्याय 20-क में विद्रशाचित हैं वहीं अर्थ होगा को अस अध्याय में दिया गया है।

#### CHEST .

निवासि फ्लैट नं० 24, एरिया 1510 वर्ग फीट तीमरा खन्ड, सर्वेट क्वाटर नं० 25, एरिया 130 वर्ग फीट दूसरा खन्ड श्रौर खुला ग्रेस एरिया 170 वर्ग फीट मल्टी स्टोरी ग्रुप हाउसिंग स्कीम गोरी अपार्टमेन्ट 3 श्रौर 4 साम्र इंड लेन, नई दिल्ली श्रौर कार पार्किंग सपेस।

भ्रार० पी० राजेभ सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 7-11-85

# प्रकप बाइ .टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### नारत संस्थान

# कार्याचय, सहायक भायकर भायकत (मिरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37इइ/3-85/ 1004—भ्रतः मुझे, भ्रार०पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को दह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या रेयर पर्लंट सं० एल 10, है तथा जो कैलाण कालोनी, नई दिल्ली में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से वाणित है), श्रायकर अधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज 1, नई दिली में भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1961 के अधीन मार्च 85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्द है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरण के बिए इय वाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उच्चेष्य से उच्च कन्तरण विश्वित में वास्तिक क्या से कचित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वायत, उक्त भौधिनियुद्ध के वृथीय कह यांचे की बुकाएक की वावित्व में काबी करणे वा उच्च क्याचे में वृधिया के जिए; और/वा
- (व) एंती किंग्बी नाम का किसी भन ता अल्य जातितकों को, जिन्हें भारतीय भाग-कार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) का उन्तर अधिनियम, या भग-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा का किया जाना चाहिए जा, कियाने के स्वित्या के क्विं:

कतः शव, उक्त कीशीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, सकत अधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (१) के अशीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अशीत्:——

(1) श्री श्रानिल कुमार, एक्स-17, हौजखास, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री अजय कली
 ए 1/271, सफदरजंग, एनकलैंस, नई दिल्ली
 (भ्रन्तरिती)

का वह सूचना वारी कारके पृत्रोंक्त संपत्ति के वर्षव के सिक्ष कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उन्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 विन की वयि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 विन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त प्रविक्त में में किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्द स्थावित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए का सकतें।

स्पष्टीक रण:---इसमें प्रयुक्त सम्बाधीर पदा का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पण है.

## बर्स्ची

प्रोपोज्ड रियर फ्लैंट ग्राउन्ड फ्लोर एल 10, कैलाग कालोनी, नई दिल्ली

> श्चार० पी० राजेश सक्षम ग्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) । ग्रजेन रेंज 3, विरुली, नई दिल्ली 110002

नारी**ष**ः *7-11-85* 

प्रक्षण गाई. टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

#### भारत वरकार

कार्यां स्वयं सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1. नई दिल्ली

नई दिल्ली, नारीख 7 नवम्बर, 1985

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37इइ/3-85/ 1615—अत मुझॅ, आर०पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपरवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाबार मृत्य 100,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मख्या यूनिट न० 3, है तथा जो बी 27, कैलाण कालोनी एमजी 670 वर्ग फीट में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप संवर्णित है), श्रायकर अधिकारी के कार्यालय श्रजन रंज 1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1961 के श्रधीन नारीख साच 85

को पृथांकत सम्पन्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुवावत सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में नास्तनिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की गवत, उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के सिए; आहर/या
- (क) एसी किसी आम मा किसी धन मा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

बहः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुतरक को, भी, उक्क अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निभ्निसिंखत, व्यक्तियों, अभीत् ६(1) रेलाईस म्रपार्टमेन्ट (प्रा०) निमि० ए 1/149, इन्दरपुरी, नई विल्ली

(भन्तरक)

(2) श्रीमती धनवन्ती गोपलानी पत्नी सन्तोश गोपलानी निवास डब्ल्यू 167, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली

(मन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश धी 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहरसाक्षरी के पास लिखित में से किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# वनुस्ची

यूनिट न 3, बी-27, कैलाश ॄ्रेकालोनी, नई दिल्ली 670 वर्ग गज

> म्रार० पी० राजेश सक्षम मधिकारी सपायक मायकर म्रायुवन (निरीक्षण) मर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारी**ख**ं 7-11-85

प्रकथ नाइं.डी.एन.एस.,-----

जायकर जोपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ारा 269-व (1) के बचीन स्वाना

#### भारत करकापु

कार्यालय, सहायक कायकर कायकत (निरीक्षण) श्रजंन रेज--1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां 5 7नवम्बर, 1985

निदेश स० आर्ड० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/3—85/1616 अतः मुझे, आर० पी० शजेश,

लायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परवाद जिल्हा जिथिनियम कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर मस्परित, जिसका उचित जाजार मुख्य 1,00,000/न्दा से अधिक है

श्रीर जिसकी संग्राहर एक एक एक क्षित्रमा, है तथा जो एल-जेपमेंट. 19, बीव्केट रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इस्मे उपावस श्राप्त्यों) में श्रीर पूर्णकर ने पणित है), एजिस्ट्री जो श्रायकर श्रीक कार्यालय, श्रार्जन रेंजे-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रीवित्यम, 1961 के श्रीका तारीख मार्च, 1985

का प्रांकित सम्मित्त के उचित भाषार मृत्य सं क्षम के स्वमान प्रतिकृत को निए अन्तरित की गई है और भुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रांकित सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से एसे दश्यमान प्रतिकृत का पंत्रह प्रतिकृत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरक के लिए दश्य पाता गया प्रविकृत , निम्नितीस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरक जिल्ला में प्रास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्धक्षण वे द्वार्थ किसी बाय को बावस , उंक्स वाधितिवास के संबीत कह दोने के बन्धरक के बावित्य में करी कहते वा बच्चने क्याने में पूर्विया के सिए; जॉर/या
- (य) प्रेची कियी नार ना तिया पन ना नन्य आहितकों को, चिन्हों सारतीय बाव-कर जिमित्रक, 1922 (1922 का 11) ना उत्तर जिमित्रका, वा अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया बाना वाहिये था. फियान में नृतिथा के विश्व;

नतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) में स्थीन, निम्मतिखिल स्थितवाँ धर्मार क्रिक्त

(1) कैलाज नाथ श्रीर एमोसिएट्स, 1006, कंबनजंगः, 18, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

**(श्रन्**तरक)

(2) बाबा क्षित्र घरन सिंह29, बर्बर लेन नई दिल्ली ।

(भ्रन्थरिती)

व्यो बहु सूचना थारी करके ्याँक्ष सम्मृत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियों करता हुं ।

क्क बन्दित के वर्षन के सम्मन्य में काई की बाक्षंप ---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बदिश ना तस्त्राध्यन्त्री व्यक्तिकों नव स्थान की तामीज के 30 दिन की जविश, को भी वसीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तिसकों में से किसी स्थानिक इनाराः
- (ण) इस स्थान के राभपन में प्रकाशन की तारीक शं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितवव्ध विक्री अन्य व्यक्ति द्वारा वथाहस्ताक्षरी के शञ् निचित में किए या सकेंगे।

स्वकारिक रण:---इसमं अयुक्त कवा और पर्यो का, वो अवत अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा वो उस अध्याय में विवा व्या है !

#### अनुसूची

ए० खुला पार्णिंग, ालोधार बैक्सेंट मल्टी स्टोरी बिल्डिंग. (अमिन्जिल), प्रारतांचल, 19, नाराखम्या रोड. नई विल्ली ।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्चर्णनरें ज-1, नई दिल्ली

तारीख: 7--11--1985

# प्ररूप बाइ' टी, एन एस -----

बायंकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के व्यभीन स्वना

#### भारत सरकाह

कार्वालय, सहायक बावंकर बाय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिना नव-बर 1985

निदेश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/3/37ईई/3/85/1617- ग्रत मुद्ये, ग्रार० पी० राजेश,

कांयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक है

स्रौर जिनकी स० एस--350, ग्रेट कैलाश- 2, है तथा जो एम० जी० 300 वर्गगज 1 नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इसमें उपाबद्ध स्रनु सूत्री में स्रार पर्ग का में विणित है), जो स्टूटनार्श स्राया र स्रिधिक री के कार्यालय, स्रर्जन रेज--1, नई दिल्ली म भारतीय स्राय्ट र स्रिधि-नियम, 1961 के स्रिधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह बिस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल में एस दश्यमान प्रतिफल का प्रन्ते प्रतिकात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीप एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निविचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निविच से बास्तविक रूप स क्षित वहीं किया वशा है है—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व क' कभी करने या उससे बचन मा मिश्रा है किए और/बा
- को एमी किसी अप या किसी धन या बन्य अम्लियां ना जिन्हों भारतीय अय-कर अधिनियम 1022 (1922 का 11) गा जकत अधिनियम, जा धन-कर अधिनियम, जा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्याजनार अन्तरिती दापरा पकर नजी किसा गा था गा किया जाना नाहिए था खिला में जोना के किए;

बत बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के कनसरण में, मैं उन्त अधिनियम की धारा 260-च की उपवास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात — (1) श्री हरबार कोटा केया ई न 28, मोहस्मद पुर, नजदीक श्रार० के० पुरम, नई दिल्ली ।

(म्रन्तरः)

(2) निशा सिंह ए-238 डिफ्रेस लोनी, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्मत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाध ।' ानील प १० कि का अविधि, जा ना अविधि बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंख स 45 दिन के भी पर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित मा किए जा सकेंग ।

स्पच्टीकरण :---इरापे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि। भयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुदा हैं।

# ग्रन्सूची

ग्राउन्ड फ्लोर फ्लेट एस-350, ग्रेटर कैल|घ-2, नई दिल्ली तादादी-300 वर्ग फीट ।

ग्राण्या पी० राजेश सक्षा प्रधि.ारी सतागा ग्राण्य ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजीनने रो 1, नई दिल्ली

दारीख 7-11-19**8**5 मोहर प्रस्थ बाह्र'. टी. पुनु, पुसु,------

बायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुचना

#### भारत चरकार

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 7 नवम्बर 1985

निदेश स० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/3/37ईई/3-85/ 1618--श्रत. मुझे, श्रार० पी० राजेश,

जायक ए अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसकें इसकें पश्चात् 'स्वतः अभिनियम' कहा पता ही, की धारा 269-थ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारज है कि स्थावर संपन्ति, जिसका संजित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी स० एय-462, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई-दिल्ली, एम०जी० 208 वर्ग गजा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद सन्सुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्राय जर श्रिधकारी के कार्यालय सर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्राय कर श्रिधनियम, 1961 के श्रीन, नारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त तम्पीत के जीवत बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिपत्त को शर्द हैं और मूझे यह विस्ताध करने का कारण है कि उपाप्योंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्द, उसके स्थमान प्रतिपत्त से, एसे क्यमान प्रतिपत्त का पंत्रह प्रतिप्रत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पामा गमा प्रतिप्रता, निम्मानिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण किचित में बास्तिक स्प से कथित नहीं किया गमा है -

- (क) बन्धरण व हुए कियी बाद की वाबस, बन्ध विधियम से सभीन कर दोने के बन्दरक से सामित्य को कभी करने या असर्व व्यव में सुविधा के सिए; बीट/वा
- (क) एंसी किसी भाग या किसी भन या किसी मास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर मिश्रीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर मिश्रीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिटी ध्वारो प्रकट नहीं किया नया जा वा किया वामा चाहिए था, जिनामें में सृविधा के सिए;

बतः बद, उक्त बिधिनियमं की भारा 269-गं को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ४-- (1) चन्दर कान्ताः
 ए--6, रिंग रोड, एन०डी०एस०ई०--1,
 नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) राजपाल मिंह सन्धु,
निवास—7330, गोर्बंधन एवेन्यु नं० 21,
रोसिडो-91335 सी०ए०, यु० एस०
ए० ग्रौर शिवपाल सिंह
निवासी—059, बुडफिल्ड रोड, क्रेनफोर्ड, [होउसलो,
मिडलेक्स द्वारा एटोरनी ले० कर्नल टी० एस० गिल,
रिटायर्ड,
निवासी—वी—52, प्रथम खण्ड, एन० डी० ए० ई०—
पार्ट—2, मई दिल्ली ।

(भन्तरिती)

को मह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के वर्जन के सिध् कार्यनाहियां करता हुए।

बन्द संपत्ति के बर्बन के तंबंध में कोई भी बाधौर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी नविध बाद में बमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सक्तेंगे।

स्वकाकरण:---इसमें अयुक्त शब्दों और पदी का, जो सकत विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया वता ही।

#### मन्त्रकी

त्रिगिय युनिट दूनरा खण्ड एस-462 ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली, 208 वर्ग गज ।

> श्राप्य पीय गजेश ( क्षम प्रधिवारी गहायक श्राप्यार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राप्यार श

तारीख 7-11-19**8**5 मोहर - प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-', नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां 5 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/37ईई०/3-85/649-मतः मुझे, ग्रार०पी० राजेश,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं पलेट नं 707, है तथा जो 89, नेहरू फेस, एमं जी 551 वर्गफ़ीट में स्थित है (श्रीर इस्से उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण हम में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीध हारी के नार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्राय पर श्रीध नियम, 1961 के श्रीम , तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्तर का उन्तर का उन्तर का उन्तर का उन्तर से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण सिकित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुई किसी नाय की बाबत सकत जिथ-विषय के अभीन कांद्र दोने के अन्तरक के दायित्व कें कभी करने या उत्तरी वजने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किशी बाय या किसी धन या अन्य बास्सियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

- (1) मिस्टर कंबलजीत काँर, पत्नि सुरत सिंह, सी०-169, डिफोम ालोनी, नई दिल्ली । (श्रस्तरक)
- (2) रोहित गुप्ता मुपुत श्री रविन्द्र गुप्ता, निवास---87, नेहरू प्लेब, नई दिल्ली । (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्वथ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरण. --- इसमें प्रयुक्त सन्धी और पर्वो का, यो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा वो उस अध्याय में दिन। प्या है।

ध्रन् सूची

प्लेट नं 707, 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली । तादादी 551 वर्ग फ़ीट ।

> द्यार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जनरेंज-1, नई दिल्ली ।

सारीख: 7-11-1985

# अस्य बार्स हो। एप . एवं : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/ 1620--श्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेश,

शायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके प्रचाद 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-द के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 301, है तथा जो 13, टालसटाय मार्ग, नई दिल्ली 696 वर्ग फीट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है), श्रायकर श्रधिकारी के कार्यालय, भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961, के श्रधीन तारीख मार्च, 1985.

ं वृतात्रत सम्पाति के जीवत बाजार मूल्य से कम के स्रयमान शतकत के लिए अन्तरित की गई है और मुश्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बृत्य, स्तक स्थ्यमान प्रतिकत्त् से ऐसे स्थ्यमान प्रतिकत का रण्य प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंदरिती (बति तियों) से बीच एसे बन्तरण से सिए तस पाना पना प्रतिक्त का विश्वानिकत स्थापित से उपति अंतरण जिल्ला में राज्यकिक स्थ से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) कल्यरण संसुद्ध किया आय की बायक कवल काँच-नियम के बधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व मां कामी करने या उसस ४६न मां सुनिधा की निए बीक्ट/भा
- (स) वृत्ती तेवसी साव या विक्रती पत्र या बन्य वास्तियी की, विन्तृ वास्तीय नामकर विविद्यन, 1922 (1922 का 1) वा बन्य वाधितवन, रा धन-कर विधितवन, रा धन-कर विधितवन, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ सन्तिर्देशी द्वारा प्रकट नहीं किया न्वा था विक्रय याचा माहिए था, स्थिपन के स्थित के सिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचितित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) बक्शी विकस विकास कन्स्ट्रकशन्स कं० प्रा० लि० 13 टालसटाय मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) ग्रामोका राज नाथ (एच०एफ०) डी०--834, न्यू कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

# उन्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई नी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिभ या तत्संबंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय में विष्या नवा है।

## वन्सूची

फ्लेट नं० 301, ताबादी 696 वर्ग फीट, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग, 13, टाससटाय मार्ग, नई दिल्ली ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 7-11-1985

प्ररूप बार्ड .टी.एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रें ज- 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985 निदेश सं० श्चाई० ए० सी०/एक्पू०/3/37ईई/3→85/ 1621——श्चतः मुझे, श्चार० पी० राजेश,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं०एम० 350 है तथा जो ग्रेटर कैलाश → 2, एम०जी० → 300 वर्ग गज, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु — सूची में ग्रीर पूर्णक्य से वर्णित है), ग्रायकर श्रीधकारी के कार्यालय, ग्रजैन रेंज – 1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर श्रीधिनयम के श्रीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिलिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन मिमनलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) एच० एल० कैंथ ई-128, मोहम्मदपुर, नजदीक भ्रार० के० पुरम. सेक्टर-1, नई विल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

(2) मिसेज संगीत बोस 187ए, डी॰डी॰ए॰ फ्लैंट, राजौरी गार्डन, नई विल्ली।

(मन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हूं।

उस्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा निरभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मो दिया गया है।

#### मनुस्यी

प्रथम खण्ड एस-350, ग्रटर कैलाश-2, नई दिल्ली तादादी 300 वर्ग गज।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सपायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज∼1, नई दिल्ली

तारीख: 7-11-1985

# प्ररूप शाई.टी.एन.एस.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985 निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/ 1622--म्रतः मुझे, भ्रार० पी० राजेश, '

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्मात् 'उक्त किभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्व 1,00,000/- स. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० डम यू-1, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, एम० जी०-8070 वर्ग फीट, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाब ब भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्णरूप से विगत है), भ्रायकर श्रिकारी के कार्य-लय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय भ्रायकर श्रिधिनयम, 1961 के श्रिधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्विकत सम्पति का उपित बाजार जून्य, उसके छ्यमान प्रतिफल से, एसे इस्थमान प्रतिफल सा पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित से शाकाविक स्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय वा किसी धन या बन्ध् जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधीनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तीरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) पेश्रुद्धुरा सिंह सुपुत्र नाहर सिंह थींड स्थायी द्वारा हाइडल कन्स्ट्रक्शन (प्रा०) लि० पोस्ट झाफिस-मायाबंगलो, मेघालय वर्तमान-डब्ल्यू-1, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिली-48 (ग्रन्तरक)
- (2) बेनी प्रसाद, श्रीमित लज्जा गुनानी, श्री विनोद गुनानी बीना गुनानी, निवासी——सी—36, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली स्थान।न्तरण डब्ल्यू—1, ग्रेटर कैलाश—2, नई दिल्ली।

(उ.न्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्चन के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकींगे।

स्पद्धाकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पद्दों का, जा उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बन्सूची

बेसमेंट 1870 वर्ग फीट (इंक्लूसिय गर्गे) ग्राउन्ड पलोर-36000 वर्ग फीट इंक्लूसिव क्वार्टर्स) प्रथम फ्लोर 3600 वर्ग फीट (उपरलिखिस) ग्रेंड जोड़-8070 वर्ग फीट।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 7-11-1985

प्रकृष बार्ड . टी . एन . एस . ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज~1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985 निदेण सं० श्चाई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3~85/ 1623—श्वतः सुझे, श्चार०पी० राजेश,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके प्रचात् 'उन्त विधिनियम' कहा गण है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० स्पेस नं० 16 (एल० जी० एफ०) है तथा जो 17, बी०के० रोड, एम० जी० 178 वर्ग फीट में स्थित है (श्रीर (इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रायकर श्रिधकारी के कार्यालय, धर्जन रें ज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1961 के श्रिधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूनय से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है बार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित्त बाजार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस, निम्लिसित उच्चे के से उन्तर बन्तरण मिसित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वर्षनिस्य में कभी करने या उससे जनने में सुविधा के मिए; वरि/या
- (क) होती किसी जान ना किसी भय ना सम्ब जारिसानों का, विनहीं भारतीय भानकर निभिनिननन, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भन-कर निभिन्नन, 1957 (1957 का 27) के प्रमोधनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किना नगर ना या किया थाना चाहिए था, कियाने में सुनिया के सिए;

बतः क्रेन, उन्त निर्मित्यन की भारा 269-न के सनुबर्फ जा, जी, इक्त अभिनियन की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्नसिकित स्पित्तयों, सर्थात्:--- (1) गुजराल इंहस्टेट (प्रा०) लि० 17, बाराखम्बा रोड, नई विरुली।

(भन्तरक)

(3) विमला गुप्ता पत्नि श्री आर० के० गुप्ता निवासी-10-1-127/1, मासब टैंक, हैदराबाद-28

(भ्रन्तरिती)

हा यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी स्थितित्वों कर सचना की मानीस से 30 दिन की वविध, यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोट्टाक्षरी के पास विकास में किए जा सकोंगे।

चक्टीकरणः ----- असने प्रयुक्त कन्दों और पर्वो का, को उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क के परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

स्पेस नं ० 16, लोग्नर ग्राउन्ड विजया बिस्डिंग, नई विस् ी तादादी-178, 5 वर्ग फीट।

> भ्रारः पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजेंनरें ज-1, नई दिल्ली

तारीख: 7-11-1985

मोद्वर :

# प्रकृत बार्ट . टॉ., एन्, इस.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देण सं० आई० ए० सीं०/एक्यू०/3/37ईई/3~85/1624---अतः मुझे, श्री२० पीं० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-ज के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लेट नं ० 12, हैं तथा जो 22 कस्तूरबा गांधीं मार्ग, नई दिल्ली, एम०जीं ० 687 वर्गफींट में स्थित है (और इससे उनावड श्रनुसूची में और पूर्णरूप ने विगत है), श्राय पर श्रधिकारीं के नार्याक्य, श्रर्भन रें २-1, नई दिल्ली में श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रवीं ने नारीं ज मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृत्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी बाब की बाबस, सबस् विभिन्धिम के अभीन कर दोने के बन्त्रक बी दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के निए; और/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ की जिन्हीं भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिधी बुधारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया चाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उक्त विधिनियम की भारा 269-व के वनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---

(1) बलचिन्द्र कोर मिस कंचल प्रींत कोर सीं~116, ग्रेंटर कैलाश~1, नई दिल्लीं

(धन्तरः)

(2) डी॰ पी॰ सन्स,
512-ए, अंसल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी, मार्ग,
नई दिल्ली --1
(ध्रन्तरितीं)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए-कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्ष्य

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जविंध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अधिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित स्वाराः
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की नारीस के 45 किन को भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति मों हित-क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित मों किए जा सकोंगे।

स्वाधिकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्यों जीर पर्वों का, जो उक्त जीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित , हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या हैं।

#### अनुसूची

एलामेट इस्ट्रेंट फ्लेट नं० 12 7थां खण्ड । 22, के०जीं० मार्ग, नई दिल्ली । ताबादी 687 वर्ग फीट ।

> श्रार० पी० राजेण मक्षम प्राधिकारीं / सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारींख: 7-11-1985

प्रकृष माह्यै. थी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### बारत दरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-1 नई दिल्लीं

नई दिल्ली, दिनांक 7 नथम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सीं०/एक्यू०, 3, 3कईई, 3-85, 1625---श्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकीं सं० फ्लेट नं० 1114 है तथा जो 38, नेहरू प्लेस, एम० जी० 580 वर्ग फीट 1, में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्णरूप में विणित है), श्रायनर श्रधिकारी के .ार्यातम, श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधि— नियम, 1961 के श्रधीन, तारीख मार्च, 1985

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिष्टिक के लिए अंतरित की नई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपोद्ध का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात स अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती कृतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिफल, निम्मिलिंचत उद्वच्य में उक्त जन्तरण लिचित में में शम्दिक रूप से किंबित महाँ किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्बारा प्रकन नहीं किया नया वा वा किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा है विद्या

अः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्धरण में, में, उक्त ऑधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) अंतल प्रोपरटीज और इन्डस्ट्रीज, प्रा० ति, 115 अतल भवत, 16 कें० जी० मार्ग, तर्इ दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) इन्टरनेशनल वसेटर लि० 382, श्राकाशदीय बिल्डिंग, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करते हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की सारी के सं 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन को भौतर उसत स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में विया गया है।

### अनुसूची

प्लेट नं० 1114, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली तादादी 580 वर्ग फीट ।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेज-1, नई दिल्ली

तारीख: 7-11-1985

## प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

# कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के बंधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज-, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/<sup>I</sup>--37ईई/3-85/ 1626---भतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० एल०-48 है तथा जो कनाट प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इस से उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रिधकारी रिजस्ट्रीवर्ता के कार्यालय, ग्रर्जन रें ज-I नई दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) ग्रिधीन, तारीख मार्च, 1985

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफार के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफाल से एसे स्वयमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के जिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

कतः स्वा, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के अनूसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधी।, निम्निलिक्ति स्थिक्तयों, अर्थात् :---  सूदर्शन सेठ मिसंज उमा सेठ,
 मिसंज सूदेश सेठ, मिसंस प्रोमिला सेठ मिस मिसंज घ्राणा सेठ, श्री नरेण सेठ
 निवासीं→-सादा रयन हाउस,
 डा० डी० एन० रोड, बम्बई।

(भ्रन्तर∌)

(2) प्रगति कन्स्ट्रक्शन्स क० (देविका चेम्बर्स), डब्ल्यू-49, ग्रेटर कैलाश-I नई दिल्ली-48 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उकत संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारतः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्भ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

# नगुसूची

प्लाट नं० एल-48, कनाट प्लेस नई दिल्ली तादादी---

> न्नार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर मायुक्त (तिरीक्षण्.) मर्जन रेंज−1, विल्ली; नई दिल्ली

तारीख: 7-11-1985

# प्रकप आर्थ.हो.एन.एस.----

खायकर क्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

झर्जन रें ज-1, नई धितली

नई दिल्ली, दिनांश 7 तवन्बर 1905

निदेश सं० आई० ए० सी०/एस्यू०/I,3%ई/3-85/ 1626 ए---आः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

र्बा: िप्पी सं० पलेट नं० 300, हित्या जो 15, रस्तू जा संधी मार्ग, रहे रिस्ती 304, 37 दर्भ प्रीट में स्थित है (अंद इस्से इपायद्ध प्रमृत्वी में और पूर्णस्य से रिस्ति हैं), रिपर्टू निर्वा क्षीय परी के रायस्ति, अर्जन्तें ल- I, रहे रिस्ती में भा तीय रिपर्ट्स स्ट्रीकर्ती प्रकितिम, 1908 (1908 का 16) 1961 के अधी , तारी अमार्च, 1985

को प्लेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (उन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्ताविक रप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अप्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति औ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

- (2) कोलेट इंप्डिंग प्रा० लि० सई कुट्टी 33, ईक्चर नगर, मयुरा रोड, नई दिल्ली ।

(अउर्न रती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के बिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त बंपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबतृभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक दिल्ला में किए जा सकोंगे।

रपव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिवा गया है।

# अनुसूची

पतेट नं० 300, ती शि एण्ड अंडर र स्ट्र्यमन मल्टी स्टोरी 15, पेंग जीन मार्ग, सुधे दिल्ली । 304.38 वर्ग फीट ।

> श्रार० पी० राजेश संसम् प्राधिवारी संसम्हात श्रायातर श्रायुषत (हिरीक्षण) श्रानेतरेंज-में, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

वारीब : 5-11-1985

मोहर 🟃

प्ररूप बाह्र . दी . एर . एए . -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां ह 30 श्रमतुर्वर 1985

निदेग सं० भाई० ए० सी०/एकपु०/1/एस-भार-3/3-85/709-म्प्रतः मुसे, श्राट० पी० राजेश,

आयकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सपित, जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- रा. से अधिक है

भीर जिल्ली सं० एम 15 है ज्या जो गैडर कैलाल-I, नई दिल्ली में स्थित है (और का उन बढ़ अपूर्ण में भी पूर्ण का से विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्णवय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीक मार्च 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपद्ध के दिला सन्तरित की गर्क है

प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं
और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पारत का उचित बाजार मृत्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एंसे
रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक
(अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तएण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाव या किसी धम या जन्य जास्तियों की, जिन्हुं भारतीय जाव-कर जीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधीनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के लिए;

चंदर जब उन्तर अधिनियम की धारा 269-न के अन्सरक भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) चे सभीव, निम्नीसिंखित व्यक्तियों, अधारत ०---- श्री कृषन् लाला सबली
सुपुत्र कृषा राम सबलोक
नियासी एम-15., ग्रेंटर कौलाक-1,
नद्यां दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 अशो : कुमार तपूर सुपुत्र राज दमाल : पूर श्रीमिति बेला : पूर पति : अशो : कुमार : पूर, निकासी : शी :365, न्यु फोड : ालोनी, नई दिल्ली ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध से कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन को अबांध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबांध, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य अधिकत द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए आ सकींगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय के दिया गया है।

## पनुसूची

सत्मने का हिस्सा फ्लेट दूसरा खण्ड प्रापर्टी नं० एम० 15, ग्रेंटर कैसाथ-I, नई दिल्ली

> भार० पी० राजेण सक्षम प्राधि शरी ् सहायक भागार प्रायुका (निरीक्षण) भर्जन रेजन, नई दिल्ली -

तारीख: 30~10-1985

भोहर:

प्रस्प बाइ<sup>\*</sup>. टी. एन्. एस. -----

# नायकर लिपीनयज, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन न्यना

#### भारतं सरकार

# कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां 3 29 ग्रस्तूबर 1985

निर्दें। नंः श्राईः ए० सीः/एकाृ०/I/एत आर०→3/3-85/ 710--प्राः भुसे, आर० पीः राजेत,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रों: ति। मी तंश पन र तथा ११ डस्सू बनाए, है नामा जो भेट कपास - 3, नई डिल्नो 500 वर्ग गामें स्थित है (स्रोट इस उपावद्ध श्रासूत्री में श्रोट पूर्ण हम ने विणित है), तिस्ट्री ति श्रिध ारी के स्विलिय, नई दिल्ली में भारतीय रिस्ट्री प्रण श्रविदियम,

- 8 (1908 मा 16) के अधीन, नारी व मार्च, 85
  को प्वाकः सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दूरयमान
  प्रतिकत्न के लिए बन्तीरत की गई हैं और मुक्त यह विश्वास
  का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
  सक्त कर्यमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल के पेन्न
  प्रतिकास से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
  (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
  बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है कि—
  - (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करन या उससं वचने में सूविधा के सिए; बीट्र/बा
  - (ग्) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्वत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में द्वारा के जिए।

जतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) डे स्थीन निम्नसिविष्ठ स्थितस्थी क्याँस् क्रिक (1) तरित प्रापित वीज्पीक पुरी ति । ती -म तल नंक 22, निजामूदीन ईस्ट, नर्द । दल्ली—13

(भ्रन्तरक्)

(2) डी॰ वी॰ बत्तरा, श्री देवेन्द्र कुमार बत्तरा, श्री नरेन्द्र कुमार बतारा श्रीर श्री हेमन्त कुमार बस्तरा निकासी——डब्ल्यू—11, ग्रेटर कैलाश—2, नई दिल्ली। (श्रन्तिति)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्वाचीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को स्थाध अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विकार गया है।

#### धनुसूची

प्लाट लैण्ड नं० 11, ब्लाह नं० डब्ल्यू, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, तादादी 500 वर्ग गज ।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भायूका (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई विस्ली

सारीख: 29-10-1985

प्रकप बाइ".टी.एन.एस.-----

बायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (!) के नभीन सूचना

#### बारत सरकारु

# कार्यालय, सहायक वायक द वायकत (निर्दाक्षण)

प्रजैन रेंगं-1, नई धिल्ली

नई दिल्ली, दिनांस 30 अस्तूबर 1985

निर्वे : सं श्र ई० ए० सी ०/एक्यू०/I/एस०झार०-3/3-85/711--म : मुझ, झार० पी० राजे:;

बायकर निपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर ि ति संग्रिका नंग्रा 19, है तथा जी क्या तंग्रा एमण् भेटर की पान नदी पिस्ती 195 वर्ग पान में स्थित है (भीर इ.मे उनाबड़ भार्मुर्ग में भीर पूर्ण का से वॉण है), एजिस्ट्री तो स्रधि-कारी के अपीयम, नहीं दिली में भारतीय एजिस्ट्री एण स्रधिन्यम, 1908 (1908 का 18) के स्रवीत, तारीब मार्च, 1985

को पूर्चीमत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांचत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरति (अतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त किथिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक की दाध्तिय में कमी अरने या उससे अपने में स्विधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (19?) का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सें सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिं खित व्यक्तियों, अथोंत्:---

 पान कि ज प्रा॰ पि॰ । ए-- 5, पमपीय एम्ब्छेब, गई एिल्झी ।

(प्रतारा)

(2) ईस्ट ग्रीर वेस्ट वनस्ट्रक्यान्य एण्ड बिस्डर्स प्रा० धि० 'ग्रेटर कैस :: -2, मोर्डिश सेन्टर, मई दिल्ली ।

(भरादिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की सर्वीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीभ, जो भी सर्वीभ बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वी बस स्यक्तियों में से किसी स्थित इवारा;
- (ण) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य क्यों कर द्यारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयक्त शब्दों कीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां कर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# प्रमुसुची

एस्टाबर नेप्रभेट (भारिकाइकेट) बिल्डिय नं 19, क्यांक नं एस, ग्रेटर कैलाय-2, 195 वर्ग गण, में बना ।

> झार० पी० राजेश सक्षम प्रधि ारी सहायस झायवर स युक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंश दिल्ली-1, नई धिल्ली

धारीख: 30~10~1085

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) क्रिकेट रें:-I, न्-िटली

गई दिल्ली, दिनां र 30 मालूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकपु०/1/एस आए० 3/ 3-35/712 आहे मुझे, आए० पी० एकिए,

'बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वहकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से उधिक है

मोर्स राजी तंत्र मोर्स्स 19 (1/2) है जा जो में ग्रा कैरारा →2 नहें दिल्लों ने देश हैं (प्रार इ के प्राविद शतुली में मंदर पूर्ण कर ने सींगर हैं), प्रोतिही तो प्रक्रित हैं। प्रमादित, रई किली में भारती हिंदि दूरा प्रक्रिक्स, 1908 (1908 दा 16) के मंद्रीत सर्वात मार्च, 1985

को पृतं कित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिकः। के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सथापृतंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार बृक्य, असके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिवात में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ज्या प्रतिकाल का, विश्वतिक उद्देश्य में उक्त बन्तरण विविद्य में बास्तु-विक का से कर्थित नहीं किया गया है:——

- (15) अन्तरण से हुइ किसी नाम की बावत, सक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व भें कभी करने या उत्तसे बजने में सुविधा के लिए; आदि/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्त जास्तियीं की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) दा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया पदा था या किया वाता वाहिए दा खियाने से सुविधा के लिए।

बत् अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्षेत्र, गर्न, शवत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) डेर्फर, विस्तिसिक स्यक्तियों, अर्थात् क्र-ल  (1) विकास प्रमास सुपुत्र काई० एउ० रकोना बी-2/153, सक्तर जंग, गई दिस्ली।

(महारह)

(2) एम० केः बहुरा, सुपुत्र टी० श्री० बहुल 4/12, सम्मिमा बिहार, नई दिल्ली।

(मन्दर्श्ति)

को यह स्वना जारी करके प्यॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ड कर सम्पत्ति के वर्षन के राजन्य में कोई भी बाक्षेत्र 8--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अपिकत्यों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवर अपिकत्यों में से किसी अपिकत द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाद सिंगकत मा किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मन्स्**ची

् भीर नं॰ 19(1/2) ग्रेटर कैल:य-2, मई दिल्ली

ग्र.२० पी० ए जेस स्थम प्रधि ∴री सश्चा भागतर ग्रायुक्त (निरीक्षण) वर्जन रेंश दिल्ली, नई दिल्ली—110997

स.रीख: 30-10-1985

षेष्ठर :

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.------नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन समना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायकत (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज~1, नर्ष दिल्ली नर्षे दिल्नी, दिनाक 29 भन्त्वर 1985

िदेग सं० श्रार्थ ए० सी०/एकपु०/।/एउ० श्रार०--3/3 - 85, 713 - श्राः मुझे, श्रार० पी० राजेश, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाश 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

कीर जि.की सं० प्रार्थी नं० सी-147 है तथा जो ग्रेटर कै (१७-२, एम० जी० वर्ग गज, तई दिल्ती में १२७३ है (और इ. १४ उन्नबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) एिड्डी-कर्नी श्रीवे ११ के वार्या है, तई दिल्ती में एजिड़ी एण भीवो ११म, 1903 (1903 का 16) के मधीर तारीब मार्च, 1935

को पूर्वाक्त संपिता को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकाश के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से ,, एसे दश्यमान प्रतिकाल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक कप से बांध्य नहीं किया गया है;—

- (भ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिन्न नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने धें सुविधा को स्तिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् स्—

- (1) जुतित भाविता और बीठ पेठ भाविता, सर्वश्री जीठ भारत भाविता, दिवासी डक्क्यु-41, ग्रेटर कैलाग्रई -1, द्वारा एटारनी श्रीमती राज बुमारी भाविया। (श्रव्ययम)
- (2) में सिं धगनैल ट्रेडसें (प्रा०) लिं०, ई-1, एवाभी राम तीर्थ नगर, नई दिल्ली द्वारा मेनेजिंग डायरेक्टर धार० कें० साहनीं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप रू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन को भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकी।

स्पन्नीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों महि पदों का, जो उक्त निधिनयम, को नश्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस नश्याय में दिया गया है।

# **प्रनुस्**षी

सेकेन्द्र पतोर, प्रापर्टी नं० 7, सी-47, तादादी 150, ग्रेटर केनाग -1, नई पिल्ली।

> धार० पी० राजेश सक्षम प्राधिनारी सहायक घायकर घायुषत (निरीक्षण) धर्षन रेंग-1, नर्ष दिल्ली

दिनां इ : 29-10-1985

मोहर '

# प्रकृत सार्" ही पुर पुर ु-----

# नायकर नीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मंधीन सूचना

#### भारत संद्रकाड

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रें?-1, नई दिल्ली

मध्री दिल्त्री, दि ते .' 29 अस्तूबर 1985

िवेश सं० झाई० ए० साल्एक्यूल् 1/एस० झार०--3/ 3-35/714--आ: मुझे, आंर० पी० राजेश बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की धारा

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और ि भी सं० पराट नं० 43, बब्ल्यु बरार है तथा जो केट कैनास -2, एम० औ० 400, वर्णात नई दिल्ली में स्थित है (और इस उसका अनुसूची में और पूर्ण रूप से पणित है) रिएड़ी तो श्रीम शि के स्थानियमाई दिल्ली में सिएड़ी-करण श्रीमियम, 1903 (1903 ता 16) के श्री तारीख मार्च, 1905

को धुनों मत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मृक्षे यह विज्ञाम करने का कारण है कि यथापुर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित काजार मृत्य , उसके द्रायमान प्रतिफल से , एमे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल , निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य में कथित नहीं किया गया है इ--

- (क) कन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य अस्तियां की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना वाहिए था, खिपाने वें सुविधा के लिए;

क्राप्त क्रम, उक्त जीधनियम की धारा 269-न के अनुसरक गें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् ह--- (1) श्री हरी बन्द्र जिंह श्री हरमें व िहं, निवासी एर⊶313, ग्रेटर कैलाग-2, नर्षे दिल्ली।

(अन्दर्क)

(2) श्री चन्द्र सैं। जैन , एस०--150, ग्रेटर कैलाण--2, नर्ष पिल्ली--40

(फ्रन्तं ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

### इक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कांद्र भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्म स्वन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हु भा हो, के भीतर प्रविश्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्थान का राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारुस्ताक्षरी कें पास लिकिस में निष्णु जा सकी गे।

स्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त कर्कों और पदी का, ओ उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशिक्षिट ही, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय मा किया। गया है।

#### धनु सुची।

प्लाट नं 143, बता ं नं डब्ल्यू, ग्रेटर कैलाश-2, राध्य दिस्ती । तादादी 400 वर्गगण ।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिःगरी सहायस भागःगः श्रायुक्त (िरीक्षण) भर्जन रेंग--1, स्प्री रिल्ली

दिनोस : 29-10-1905

मोहुर 🗯

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 263-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंच--1, नई दिल्ली

तद्वी दिल्ली, दिली 🖯 20 श्रम्तू 🛪र 1935

िक्षेण सं अविष्ण ए० सी शृहस्यू । गृहस्य आर्थ-- अ 3 - 3 5 7 1 5 - श्राः मुझे, आरः पी० पालेश,

काव र उधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260 का के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

को प्रवेकित सम्प्रित को उचिन नाजार मान्य में कम के स्थ्यमान प्रतिकाल के ि मान्ति की गर्ड हैं आर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि 'ते भाषावाँकन सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रूपमान शिक्त के पन्तृह प्रितासत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया शिकल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चत में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण हो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपंधारा (1) के अधीन, निम्नितिषत व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री प्रेम प्राप्त प्रमिष्टिगुत ठाउँ र पाउ, िमानी 034, विराग दिस्ती, रुद्धै पिरुषी ।

(प्रधारक)

(2) भिति कुनार सहात सुरुव एमः आरः सहगत, श्रीमित एतं सहात पत्नी श्री एमः भारः रहगत, दोतं विकासी की -289, किनेंग वालौनी, नहीं दिली।

(भ्राप्तिरिती)

को यह स्वनः जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों दर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित: है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है .!

## अनुसूची

रेविडेन्तन पनाय नं० 95, क्या ए नं० एम०, ग्रेटर कैलाण--2, नर्षे दिल्ती, बाराबी 324 घर्गम्म ।

> मार०पी० पानेस् स्तम प्राधि प्रभी स्तुल र प्राप पर प्रायुक्त (िरीक्षण) प्रजैत रेंज⊶1, एर्द दिल्ली

िं तें 5 : 20-10-1905

प्रकप बाईं.टी.एन.एस.-----

भाषा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, रहासक बाबकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 ग्रम्तूबर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु/1/एस० श्रार०-3,3-85,716--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

ेब्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इस्रमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मृत्य 1,"00,000/-रा. से अभिक हैं

और जिसकी सं० 4/16ए, 103 वर्गगज है तथा जो जंगपुरा बी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद श्रनुसुची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मार्च, 1985

को पृथोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कन के स्वयमाम गितफल के लिए जन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्विश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किती आय की, बाबत, उचत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने वा उससे बचने में तृतिधा के बिहु; और/वा
- (क) इसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविवा के लिए;

क्षत: जब, उन्नत बिनियम की धारा 269-म के जनुसरण कें, मी, उन्नत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के जभीत, जिम्नीजिसका व्यक्तियों, अर्थात् प्र-- 36—366 GI/85

(1) श्री घमन लाल मुपुत्र तीर्थ राम, तित्रामी 4/15 ए, जी०पुरा बीं, नई दिल्ली, तर्ल प्रदानी बा बिहाफ आफ हजारी लाल, एण लाल और ग्रदर्म।

(भ्रन्तरक्)

(2) श्रीमती दर्शना देवी पत्नीं चमन लाल, निवामी 4/16ए, जंगपुरा बी, नई दिल्ली । (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काहि भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में सभापत होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (क) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाजन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसाबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के गांच सिवित में किए वा सकती।

स्थळीकरण :--इसमें प्रयुक्त काव्यों और वर्षों का, को उक्क विधिनियम के अध्याय 20 के में परिजातिक है, वहीं अर्थ होगा को उक्क अध्याय में विश्वय क्वा है:

### अनुसूची

प्रापर्टी नं० 4/16ए, तादाक्षी 103 वर्ग गज, जंगपुरा बी, नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶1, नई दिल्ली

दिनांक: 30-10-1985

प्रक्रम बार्ष: दी. एन. एस. ------

# बायकार् श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-व (1) के श्रधीन स्वना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) भ्राजम रेंज-1, मई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 30 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु/ 1/एस० आर०—3/3—85/717—अतः मुझे आर० पी० राजग

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं प्रारेग इससे उपाबद आनुसूची में और पूर्ण रूप से विष्यत हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विष्यत हैं) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में राजस्ट्रीकरण अधिमियम 1908 (1908 का 16) के अधीम तारीख मार्च, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दूर्यमन प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और सके यह विषयम

- (1908 का 16) के अधीम तारीख मार्च, 1985
  को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान
  प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास
  करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
  मूल्य, उसके दरयमान प्रतिकल से, ऐसे दरयमान प्रतिकल का
  पन्त्रह प्रविश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
  अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
  गया प्रतिकल, निम्बसिचित उद्विषय से उक्त कर्तरण सिचित
  में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ■——
  - (क) अन्धरण से हुई फिली आय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तरे अपने में स्विधा के सिए; और/बा
  - (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाता जाहिए था कियाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) प्रकाण पी० सिंह, महिन्द्र सिंह, श्रीमती गुरवीप कोमटकर ग्रीर जोगिन्द्र कौर, एम०-59, ग्रेटर कैलाश, मई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री राम प्रकाश सेठी, ई-32, जंगपुरा एक्सटेंशन, मई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को थह सूचना **घारी करके पूर्वोक्त** सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप प्र---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से फिसी स्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

# **धन्**सूची

प्लाट नं॰ ई-32, जंगपुरा एक्सटेंशन, मई दिल्ली, एम॰ जी. 288 वर्गेगज ।

> आर० पी० राजश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिमांक : 30-10-1985

मोहरः

प्ररूप आई. दी. एनं. एस . -----

आसमार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

बार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विरुली

मई धिल्ली, दिनांक 29 अक्तूबर 1985

मिदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०— 3—85/719—अत: मुझ, आर० पी० राजश

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्वे इसके इसके परभात् 'उन्त अभिनियम' नहा गया हैं), को भाष 269-- के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह निश्वाद करने का कारण हैं कि स्थावर नस्यति, भिसका उभित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

श्रोर जिसकी सं० जी० पी० नी० सिंगल स्टोरी है तथा जो मकान नं० ए-80 निजाम् हीन ईस्ड, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कः यालय मई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन नारीख मार्च, 1985,

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिकल से, ऐसे दूरयमान प्रतिकल का पंक्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया मझ प्रतिकल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (को) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बार्बिंग्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिल्; और/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आरिसकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए थर, कियाने में सुविभा के लिए।

अत: जब, उथल अधिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) परमजीत सिंह, सुपुत्र स्वर्गीय रामदेव सिंह, निवासी 45, मैती सोसायटी, हरी नगर के पीछे, मन्नी रोड, बड़ोदा और श्री यागदेव सिंह, निवासी एफ-20, ईस्ट आफ कैलाण, मई विस्ली।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स जाफरी इन्टर नेशनल, द्वारा पार्टनर रहाना सिहकी श्रौर मिसर्स सारवरी बेगम, निवासी ए-80, निजामुदीन ईस्ट, नई दिस्ली।

(अन्तरिती)

को नह सुमना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां बुक्त करता हूं।

उक्त संबत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्लोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिस-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वक्रिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्चत अधिनियम, के अध्याय 20-क में कथा परिश्व-हैं, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिका गवा है।

# ग्रन**पु**ची

जी० वी० पी० सिंगल स्टोरी, मकाम नं० ए-80, तादावी 200 वर्गगज, स्थित निजामुदीम ईस्ट, नई विरुखी।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नष्टे दिल्ली

दिनोक : 29-10-1985

# प्रकृष बाई है। है , इन् , एवं , डन्स्टरस्ट

# बाज्कर विभिन्तिया, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के मुनीन सुकता

#### भारत सरकार

कार्वाचय, सहायक भायकर आयुक्त (। १८१० ॥) अर्जन रेंज-1, मई विल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 30 अक्तूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०-3/720—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. ते अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० एफ० सी० ब्लाक है तथा जो बी-1, (एक्सटेंग्रन) मोहन को० श्रोप० इन्डस्ट्रियल इस्टेट लिमिटड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्णेक्स सम्पत्ति के उणित नाजार मूल्य सं कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह यिख्नास करने का कारण है कि सभापनेंक्त सम्पत्ति का उणित नाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का मृत्यह प्रतिशत से निष्क है और नंतरक (नंतरकों) और नंतरिती (नंतरितियों) के नीच एसे नंतरण के लिए तस पासा ग्या प्रतिफस निम्नुनिष्ठ उन्नेष्य से उक्त नंतरण किंतियाँ मास्तुष्क रूप से कथित नहीं किया नथा है है—

- (क) मन्तर्भ ने हुए जिसी नाय की बादत, उक्त मृत्तित्व के स्थीन क्ष्य वंते के अन्तरक के वादित्य में क्षी क्षर्य ना उससे मुख्ये में सुविधा के बाद: क्षांट/वा
- (ण) वृंदी किसी नाम ना किसी धन या नम्स आस्तियों, का, जिन्हों भारतीय नायक हु निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नृत्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहियेथा, क्षिपाने जें सुविधा के सिष्ट;

नतः सन् सन्त नीमनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ने, में, उक्त मिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जमीन निकासिकत कविकारों, समात् हरू (1) रे कारपोरेशन,
 ए-118, वजीरपुर, इन्डस्ट्रियल एरिया,
 दिल्ली-52 ।

(अन्तरक)

(2) सुमन उद्योग प्रा० लिमिटेड, ए-118, वजीरपुर १ न्डस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-52 ।

(अन्तरिती)

को यह सुभना बादी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के निष्, कार्यवाहियां करता हुं।

बनत सम्परित को सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 🖫

- (क) इस स्थान के शायपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की सर्वाध, या भी अवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष स्थानताों में से किसी स्थानत हुतारा;
- (च) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यास अभोहस्ताकारी के पाक सिवित में किस् वा संकर्ष।

स्थळकरणः - इसमें प्रमुक्त कथ्यों और पर्यों का, यो उपन अधिनियम की वध्याय 20-क में परिभावित इं. वहीं कर्य होगा, थीं उस वध्याय में दिवा। न्या है।

### बर्बको

प्लाट नं एफ सी व्याक नं बी-1, (एक्सटेंशन), मोहन को भोप इन्डस्ट्रियल इस्टेंट लिमिटेड, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश ूंसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जं न रेंज-1, मई दिल्ली

दिमांक : 30-10-1985

त्रकम बार्ड ु हों ु एन ु एक ु-----

# कायकर विभिनियन, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-व (1) वे वृषीन वृष्या

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक शायकार शावृत्रस (निरक्षिण)

अर्जन रेज-इ, मई दिल्ली

मई दिल्ली, दिमांक 30 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 3-85/721--अतः मुझे आर० पी० रा रेष

मौर जिसकी सं० 1-2/23,लाजपत नगर है तथा जो एम जी० 400 वर्गफीट,मई दिल्ली में स्थित है (औरइससे उपावद मनुसूर्वा मे पूर्ण रूप से वर्णित है), िजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रोकरण म्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी मार्च, 1985

को पुरिनेश्वत संपत्ति के उश्वत बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रिक्षिकत के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उण्यत बाजार नृत्य, उन्ने रश्यमान प्रतिकान से एसे रश्यमान प्रतिकृत का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्दर्शिती (अन्तरितियार) के बीध न्तरण के निए तय ध्या ध्या प्रतिकान निम्नलिखित उद्द से उक्त अन्तरण लिखित के सास्तिक क्य से कथित नहीं । वया है :---

- (क) अस्तरण से हुई किसी बाब की बावस उपक आँभाव विषय के सुबीय कर दोने के अन्तरक के वादित्य में भागी करने मा उससे मचने में सुविधा के जिसे; श्रीप्रभी
- (क) एसी किसी बाय वा किसी यन वा कर्न्य जास्तियों की, चिन्हें-भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त्र अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्यास्त प्रकट नहीं किया नवा भा था किया जाना चाहिए था, कियाने में सृष्टिमा श्री किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री घमन लाल, ई-3/8, वसन्त विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) उमा, 1-2/19बी, लाजपत नगर, मई दिस्ली।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पृथींकत सम्मत्ति के अर्थन के किए कार्यमहियां शुरू करता हुं।

उनत सन्तरित के नर्पन् के सम्बन्ध में कोई भी मासंद हा---

- (क) इक् ब्यूना के रायश्य में प्रकारत की तारीय के 45 दिन की सर्वीभ ना तत्सम्बद्धी कान्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की नविभ, को भी सर्वीभ नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इत सूचना के राज्यक में प्रकाशन की शारीय सं 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपर्ति में द्वित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोड़ स्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकों ने।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

### **भन्** सूची

प्रापर्टी नं०, 1-2223, लाजपंत मगर, मई दिल्ली । तोबाबी 200 वर्गगंज ।

> आर० पी० राजेंग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

विमांक : 30-10-1985

प्रकृप बार्ड े बी. एन. एस. ------

# बायकर ब्रोधिनयम्, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) में अधीन सुबना

#### WILL EXCEL

आवंतिय, सहायक वायकर नायुक्त (निद्वीक्षण) अर्जम रेंज-1 मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिमांक 30 अक्तूबर 1985

निदेश सं० आहै० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/3-85/722—अतः मुझे, आर० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० प्रापर्टी नं० 201 ब्लाक आर० है तथा जो ग्रेट कैलाश—1 मुझे दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावत अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्रा अभिकारी के कार्यालय, मुझे दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान शितफक्ष के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्नोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्वह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक से लिए तम पाना गया प्रतिफल, निम्निविचित स्वृद्धिम से उसत अन्तरण निम्निविच से वास्तरिक कम्लरण निम्निविच से वास्तरिक कम्लरण निम्निविच से वास्तरिक कम्लरण निम्निविच से वास्तरिक कम्लरण निम्निविच

के अधीम तारीख मार्च 1985

- (क) जंतरण के हुई चित्ती जाय की मानत, उक्त अधि-निवस के स्थीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व के कमी करने वा उचने बचने के सुनिधा के लिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उकत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उक्षेण्नाचे कृतिहरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुधिधा के सिए;

जतः जन उक्त जिम्मिनयम की धारा 269-गृ के जन्सरक जें, में, उक्त जिम्मिनयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिक व्यक्तितां, मुनत् हि—— (1) सोरिन्द्रकुमार बोस सुपुत्र स्व० कगरेन्द्र कुमार बोस निवासी आर-801 ग्रैट कैलांश-1 मई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) युनाईटड इंडिया ए सोरेंस कम्पनी रिजस्टडें आफिस 24 वाइट रोड मद्रास मीर 501-504, कैलाश बिल्डिंग कस्तूरबा गांधी मार्ग मई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कि

उक्त सम्पत्ति के धर्वन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील में 30 दिन की जबिध, को भी वविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी खन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास चिकित में किए का सकरेंगे।

स्थाकिरण् अ----इतमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, भे उत्यक्त विश्वित्रक के वध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत अध्याय में दि-पता हैं अ

### वन्स्ची

प्रापर्टी नं० 201 ब्लाक नं० आर० तादादी 259 वर्गगङ्ग रेसिडेन्सल एरिया ग्रंट कैलाश -1 मई दिल्ली। दिल्ली म्यनिसिपल कमेटी के एरिया में।

> आर० पी० राजे सक्षम प्राधिक सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मई दिल्ली

दिनांक : 30-10-1985

माहर 🛭

प्रकृष काइ<sup>1</sup>., ट<u>1</u>., एत., एत., उप्तानकार बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

> भारा 269-म (1) के लधीन सुमना । सारतः वर्षमार

कार्वासन्, सहायक नायकर नायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिमांक 30 अक्तूबर् 1985

निवेश सं० आई० ए० ली०, एक्य्यी स०ग्रार-3/3-85/724--अतः मझे आर० पी० राजेश

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व देवनें देवकें परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विस्ता उपित बाकार मुख्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० पी-11ए है तथा जो जंगपुरा एक्सटेंगन नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबस अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से एसे इध्यमान प्रतिफल का धन्त्रह प्रतिशत से निधक है बीर बन्दरक (बन्दरकाँ) और धन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा नया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण बिस्तित को बास्तविक क्य से कथित नहीं है क्या नवा है ---

- (क) बलाइल संहाई किया बाद की मान्क, उनके जीवीन्त्रत की अभीत कर को से अलाइक को वाकित्य में काबी काको वा बलावे क्या में द्वांचिका को लिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी नाथ या किसी धन या अस्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया स्था का या किया जाना चाहिए था क्रियानी में स्वावधा के सिक्;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कै अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, वर्थात् :— (1) श्रीमती तेज कौर परनी लेहना सिंह द्वारा श्रीमती मोहिन्द्र कौर पत्नी एम सम्पूर्ण मिह (जी पी ए) निवासी पी-11ए जंगपुरा एक्सटेशन नई दिल्ली ।

(अन्तरक्र)

(2) सम्पूरन सिंह सुपुत्र एस सरदार सिंह निवासी पी-11ए जंगपुरा एक्सटेंगन, मई दिल्ली।

(अन्त रिसी)

की वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूकना के राजपण में प्रकाशिय की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवहथ किसी कन्य व्यक्ति इवास वधाहस्ताक्षरी के गांव लिखित में किए का सकेंगें।

स्यच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्तों और पवाँ का, जो उक्त जिभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुशुक्ती

पी-11ए, जंगपुरा एक्सटेंगन नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-1 मई दिल्ली

**विमांक**: 30-10-1985

# प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

माथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 मही दिल्ली

मई दिल्ली, दिनां म 31 अक्तूबर 1985

निवेश सं अाई ० ए० सी ० /एक्यू ० / 1 /एस० आर० – 3 / 3 – 85 / 728 — अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि एम० जी० 9 बीघा है तथा जो भ्रौर 11 बिस्बा तथा जो गांव सतबारी दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नम्भ दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्णेक्च सम्परित को उचित बाजार मूल्य से काम को क्ल्यमान प्रतिकल त्ये लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथाप्योंक्त संपरित का उचित बाबार भूल्य, उतके क्लयमान प्रतिकल से एसे क्लयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत से विभिक्त है और एसे अंतरक (बन्तर्कों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीज एसे बन्तरण के किए तब पाया बबा प्रतिकल, निम्निकिख् अपूर्व के बच्द बन्त्रण जिसिक् में बास्तविक रूप में कियत नहीं किया गया है क्ष्र--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत ब्रीध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/याः
- (क) ऐसी किसी आय का किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर बीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधीनयम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उमत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनीसत स्पक्तियों, अर्थातः :---  (1) धरम प्रकाश एन्ड पक्ष्म प्रकाश सी-1/65 सफदरजंग डबलपमेंट एरिया, मई दिल्ली।

(अन्नरक)

(2) वर्मा कन्सद्रवसम प्रा० लिमिटेड, 5वां खन्ड भण्डारी हाउस, 91 नेहरू प्लेस, मई विल्ली।

(अन्त रिती<sup>)</sup>

को यह त्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

र. श्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# **मन्सूची**

कृषि भूमि तादादी 9 बीघा 11 बिस्वा कम्पराईड खसरा नं० 778, ग्रीर 770 गांव सतकारी, दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 31-10-1985

मासुर ३

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिमांक 31 अक्तूबर, 1985

मिदेश सं ० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० अ(र०-3/3-85/729-अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जियका उचित बाजार मुल्य

1,00,000/- रु. में अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि 8 बीघा श्रीर 3 बिस्व है तथा जो गांव राजोकरा, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिनस्ट्री हर्ता अधि गारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया किंफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उमत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन रियमिलिसित व्यक्तियों, अधीत :--- 37—366 GI/85

(1) हरणद कुमारी णर्मा सुपुत्ती राहुल णर्मा, ित्रासी सो-3/13, बसन्त विद्वार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) रुभन बरजत्या सुपुत्र सुभाज बरजत्या ग्रौर मंजू बरजत्या पत्नी सुभाष बरजत्या, जी-51, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किमी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि 8 बीघा 3 तिम्था खसरा नं० 228/1 (1-9) 230 (4-16) 231 मीन (1-18) गांव राजोकारी तहसील महरौली नई दिल्ली।

आर० पी० राज**श** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, न**ई दिल्ली** 

तारीख: 31-10-1985

# प्रकृप आह<sup>रे</sup> स्ट एस :------ (1) एम श उन्यद्भार अस्पनी,

## गामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायकत (निरोक्षण) अर्जन रेज-1, न्हें दिल्ली

मई दिल्ली, दिनां । 31 अक्तूबर 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/नार० एस०-3/ 3-85/730--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलेट नं० 7, ए-30 से है तथा जो ए-33 ता कसाट प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणत है) रिज़स्ट्रीटर्का अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्विक्त संपत्त के उपित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विक्तास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एपेने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पास गया प्रतिफल निक्निसित्त उद्दोष्य से उक्त अंतरण निविद्त में बान्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी काम की बाबत, ज़क्त अधिनियम के अधीन कर दोने के झन्तरण के बामित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या फिसी धन या कला आफ्लिएं को, जिन्हें भारतीय आय-वर अधिनियम. 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकर नहीं किया स्था था कि दा अध्या चाहिए था, छिपाने में स्थिध के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गें, में, उक्त अधिनियम की धारा 266 च की उपधारा (1) वे मधीन निम्निसिक्त व्यक्तियों, अनीतः :--- (1) एम ा जनसदृष्य हम्पनी, 24/24, अंशारी रोड़, दिल्या गंज, सई दिल्ली। प्रो० महाबीर प्रसाद गुप्ता।

(असरहरू)

(2) मेघाा अग्रवाल एन्ड मित्र सुलक्षमा अग्रवाल, मार्डनर सुपुत्री भारत भूषण, मास्टर राहुल अग्रवाल माइनर, सुपुत्र पंषम कुमार अग्रवाल, थुकु देवर गाडियम रतम कुमार अग्रवाल, निवासी पी० वी० नं० 38,िनिष्यी-915301, (बिहार) ।

(अन्तरिती)

कार्यह सुचना जारी करके प्रवेक्ति सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्वता के राजपत्र में प्रकारन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## ग्रनुमूची

फ्लेट नं० 7, आऊट आफ प्रोपर्टी ए--30 से ए--33 तह कमाट प्लेस, मई दिल्ली, तादादी 431--61 बगफीट ।

> भागः पी० राजेण जक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिशांक : 31-10-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्बाजय, तहायक वामकर आवृत्वत (निरीतण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिना 🗇 31 अन्तूबर 1985

निदेण सं० आई० ए० नी०/एक्स्यू/1/एस० आए०-3/ 3-85/731--अत: मुझे, आर० पी० राजेश.

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (धिस इसमें सक पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर समासि, विसका अचिस बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० फ्लेट नं० 8, प्राउट आफप्रापर्टी है तथा नं० ए-30 से ए-33 में उनाट प्लेन, एस० जी० 412 वर्गफीट मई दिल्ली में स्थित है (प्रार इसमें उपाबड़ अनुसूची से भीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता आध्यारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिरियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मार्च, 1985

को पूर्विस्त तस्पत्ति के उत्तित याजार नूर्य त कम क क्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सपित का उविश्व ताजार मूल्य, उसका दश्यमान प्रतिकल स, एन क्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिश्वद सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत्तिती (अत्तिश्विष्ट) के विष्टे बन्तरण के निष्ट्र तम पामा गया प्रतिकल, निकालिक दिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित गर्ही किमा गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बादत, समर महिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक थे दामित्न में कनी करने या उत्तरों वचने भे सुनिया के सिष्ट, मीड़/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किमिनियम, का भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी क्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा वा किया जाना चाने हुए था, कियाने में सुनिधा के जिन्हें;

अतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अमृतरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थातः :--- (1) एम का जन्सद्रश्यान कम्पनी,
 24/24, श्रंमारी रोड, दिरया गंज,
 मई दिल्ली-2,
 श्रो० महाबीर प्रसाद गुप्ता ।

(अन्दरक)

(2) मिस मंजला शर्मा, मिस प्रीमिला शर्मा, सुपुत्री आरं एस० शर्मा, ग्रीर मास्टर रजत शर्मा, मास्टर गौरव शर्मा, दोनों बच्च सुपुत्र कें के शर्मा, पी-29 सजय एक्सटेशम पार्ट-2, मई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करका हूं।

उत्त संपत्ति के वर्णन के संबंध के कोई भी बाधाय :---

- (क) इस स्थान के राज्यान में प्रकाशन की तारीन ते 45 विन की जबिंग ना तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीस ते 30 दिन की अविक, को भी जबिंग बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में तितवव्य किसी करू व्यक्ति ब्लारा, जभोहस्ताक्षरी के पास जिलाक में किए या ककेंगे।

#### सम्बद्धी

फ्लैंट नं० 8, आउट आफप्रायटीं नं० ए-30 से ए-33 तक कताट प्लेस, मई दिल्ली, नादादी 412 वर्गफीट ।

> आर०पी० राजेंश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, म**ई दिल्ली**

दिर्माक : 31-10-1985

प्रकृप जाइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 छ (1) को अभीन संभना

#### भारत तरकार

आर्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिमांक 31 अक्तूबर 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यु/1/एस०आर०-3/3-85/ 732—अतः मुझे, आर० पी राजेश,

शायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पहचात् 'जिक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि एमें० जी० 28 बिघा है तथा जो भ्रौर 13 बिस्वा गांव बारी, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में भ्रौर पूण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मृत्य से कंम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाषार मून्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिकत से मिषक है जोर अंतरक (अंतरकों) जौर अंतरिती (बन्दरिक्षियों) के बीच एसे बन्दरुण के बिए तथ पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में प्रास्तिक क्य ने केंगित नहीं किया गया है कि—

- (क), जनतरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त जिथ-विवृत के अधीन कर दोने के बन्तर्क के दायित्व में कमी करने वा उदये वचने में सुविधा के लिए और∕वा
- (च) ध्रेती किसी बाय या किती भन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय नायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम या भन कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व बन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया वा सा किया धाना वाहिए था, कियाने में सुविधा वे विकास

अत: अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिख्या क्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) धरम प्रकाम श्रीर पदम प्रकाम, सी-1/65, सफदरजंग इवलपमेंट एरिया, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) लाइफ टाइम कन्सट्रक्शन (प्रा०) लि०, 5 फ्लोर, भन्डारी हाउस, 91 नेहरु प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित की वर्षन की सिए कार्यवाही करतः हों।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्छ स्थिकत्यों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (च) इस तृष्या के राजपत्र में प्रकाधन को तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-व्यथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में डिका गया है।

## अनुसूधी

कृषि भूमि तादावी 28 बीघा 15 **षि**स्था कम्परा**ईड** खसरानं० 788, 763, 762, 761, 764 **ग्रौर** 787 निवासी सतवारी ।

> आरं पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नर्ष दिल्ली

दिनोंक : 31-10-1985

प्रकथ आहे, टी. एन. एस., -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकात

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भूजीन रेंज-1, नई दिल्ली

मई बिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यु०/1/एस० आर०-3/ 3-85/733--अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके परचात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाउना मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संव कृषि भूमि एमव जीव 30 बीघा है तथा जो 14 बिस्था गांव सत्वारी, दिल्ली में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकन विश्व अधिकारी के कायालय मई दिल्ली में रिजस्ट्रीवरण अधिक्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क लेजित बाजार मृत्य सं कम कं दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्ममान प्रतिफल का बन्द्य प्रविचय से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और बंदरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा बमा प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित म् बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अतरण सं हुइ किसी आप की वाबस, उक्स विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के विभिन्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ब्रोड/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन ना बन्य आस्तियों भन्न, जिन्हों भारतीय आध-कर निर्धानस्म, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27' के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रमा भा या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

बत: बत, उक्त बिभिनियम की धारा 269-ग के बन्सरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तितयों, अर्थात् :— (1) धरम प्रकाश श्रीर पदम प्रकाश, सी-1/65, सफदरजंग डेवेलपमेंट एरिया, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) आर० कन्सट्रकशन एन्ड बिल्डिंग प्रा० लि०, 5 फ्लोर, भण्डारी हाउस, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को नह सूचना अरो करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्चन के सिए कार्वनाहियां गुरू करता हुं।

उन्त रामित के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 कि ने अविधि या तत्सवंधी व्यक्तिक्षी पर सूचना की वामील से 30 दिन की ववीथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवादा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रबस्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिनित में किए जा सकेंगे।

स्वध्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो सकत जीभनियम के अभ्याय 20-क में परिवर्शभक हैं, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा वका सैं।

## नन्स्भी

कृषि भूमि 30 बीघा 14 विस्था खसरा नं० 780, 766, 765, 760, 759, 767, 769 और 779 गांव सतवारी, दिल्ली।

आर० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिमांक : 31-10-1985

मोहर

प्ररूप आईं. टी. एन. एस.-----

जामकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) को अधीन सूचना

#### भारत सरकार

· कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्तूबर 1985 सं अाई० ए० सी० /एक्यू/1/एस आर~3/3-85/ 734:--अतम्झो, आर०पी० राजश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी संख्या जी० एफ० प्रापर्टी नं० डक्ट्यू० 165, है तथा जो ग्रेंटर कैलाश-1, नई दिल्ली 1 में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बरयमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह बिरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके बरयमान प्रतिफल से एसे बरयमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ब्रीतकल निम्निचित्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्य स की भी नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्म भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः स्व, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वा, का, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) क अधीन, निम्नोनिश्चत व्यक्तियों, अधीत् :--- मैसर्स डी० एस० बिल्डिस,
 ए-2/140 सफदरजंग इन्कलेब, नई दिल्ली।
 पार्टमर श्री धरम सिंह।

(अन्तरक)

2. श्री जी० आर० तलबार, ग्रीर श्रीमती दीपा तलबार, निवासी डब्ल्यू० 165, ग्रीटर कलाश-2, नई दिल्ली-48।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मीत के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टिकरण:--- इतमें प्रयुक्त कथ्यां और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिवा गवा है।

## प्रन्सूची

प्रथम खण्ड का सामने का हिस्सा, प्राउण्ड फ्लोर, प्रापर्टी नं अब्ल्यू०-165, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली। तादादी 1000 वर्ग गज।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-1, दिल्ली

कारीख: 29-10-1985

प्रकर बाहें ही एन एस . ------

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मई दिल्ली

मई दिस्ली, दिमांक 31 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आ**४**० ए० सी०/एक्यू/ 1/एस आर-3/3-85/735:-अत: मझे, आर० पी० राजेण,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त अभिनियम कक्षा गया है), की भारा 269-क क अभीन सक्षम प्राधिवारों को, यह विज्ञास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्छ 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या डब्ल्यू० 165 है तथा जो ग्रैष्टर कैलाण 2 एम० जी० 1000 वर्ग फीष्ट में स्थित है (श्रौर इसमें उपायद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, विश्व का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985।

को पूर्वक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ड से कम के रहयकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास कर ने का कारण हैं कि स्थापूर्वक्ति सम्भित्त का उचित बाजार मूल्ब, उनके रूखमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकल, निय्नतिसित उद्देशय से उक्त अन्तरण निकित हैं वास्त्रिक रूप में कथित नहीं निक्या गया हैं ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी काले वा उससे वचने में समिया के सिए, बीह/वा
- (स) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय जाएकर अधिनियम, २३२५ (1922 का 11) या उन्ये विधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के सुविधा के निराप्त

बात: खब, उक्त बाधिनियम की धारा 269-म के अम्भरक मं, मं, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- डी० एस० बिल्डिंग्स.
 ए-2/140, सफद'ण्जंग एक्सचेंज,
 तई दिल्ली।
 पार्टनर श्री धरम सिंह।

(अन्तरक)

 श्रीमती पृथ्पा रानी एण्ड वसुन्दरा वजीर, निवासी-165, ग्रॅंटर कलाश-2, मई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिधः कार्यवाहियां करता हो।

उस्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकासन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी स्थितियों पर स्थान की तामील स 30 दिन को प्रधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, अ भीतर वृत्तिक स्थानकों में से किसी स्थानत दुवास;
- (क) एस सूचका के राजधन को प्रकाशन की तारीन है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-बव्ध किसी मन्य स्थावर ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के काम जिल्ला के किया का सकारों।

स्थळतेळरणः --- इ.स.नं पत्तात अस्त और पदा का, आं अस्त अधिनियम के रूप्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में क्रिया का है।

## वनसूची

दूसरा खण्ड, सामने का हिस्सा, प्रापर्टी नं० डक्ल्यू०— 165, ग्रष्टर कैलाण-2, मई दिल्ली 1 तादादी 1000 वर्ग गज।

> आर० पी० राजेश पक्षम प्राधिकारी पहासम आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजम रेंज∽1, दिल्ली ।

नारीखा: 31-11-1985

मोहरः

अस्य **गाइं.टां.एग.एस**.-----

जावकर जीभीनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज~1, दिल्ली

मर्ष दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर, 1985 निदेश सं० आर्ष० ए० सी० /एक्यू/1/एस आर-3/3-85/ 736:-अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं), की भारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या डब्ल्यू०-765 है तथा जो ग्रष्टर कलाग-2 मई दिल्ली, एम० जी० 800 वर्ग गज 1 में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुभूषी में पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीवर्षी अधिकारी के कार्यालय, मई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1985,

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित नाजार मृत्य स कम के रूपमान प्रतिफंक के लिए जन्तरित की गई हैं और नुभे यह विश्वास करने का कारण है कि वधाप्वेक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उच्चे स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का वन्तर प्रतिस्त के विश्व कर प्रतिस्त से विश्व हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिका) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब वाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्वेष्य से उच्चे अन्तरण कि सित्त में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया हैं:—

- (क) नन्तरण संहुई किसी नाव की वावत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जॉर/या
- (क) एसी किसी या किसी थन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्का अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

जत: सथ, उक्त सींधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री डी० एस० बिल्डिएस, ए-2/140, सफदरजंग नई दिल्ली। पार्टनर धरम सिंह।

(अन्तरक)

2 श्रीमती उषा रानी एण्ड मुरली धर अग्रवाल, मिवासी-कुकेक डक्ल्यू०~165, ग्रॅंटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवेक्त सम्मित्त के कर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उबत बन्मति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्व निवित में किए का सकेंगें।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रमुक्त सन्दों नीर पदों का, जो उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मभूष भी

रियर प्रोशन दूसरा पलोर प्रापर्टी नं० डब्ल्यू०-165, ग्रीटर कैलाश-2, नई दिल्ली सादादी 800 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश पत्तम अधिकारी महायक आय हर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजें-1, नई दिल्ली ।

तारीख: 31-10-85

मोहरः

प्रकृष क्ष्मां, टी. एन. एव.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जा रेज-1, नई दिल्ली

नाई दिल्ली, दिनांक 31 अपत्वर, 1985 विकेश संवक्षारिक एक की विकास विभाग संवक्ष

निदेश सं० आई० ए० सी०/एनय/1/एस० सं० 8 आर-3/ 3-85/737—अतः मझे, आर० पी० राजेशः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थापर गंगीत, रिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रह. से अधिक हैं

षीर जिनको संख्या बेत में ए पलोर प्रापर्धी नं० 29, है तथा जो ग्रेंगर के लाए-2, गई दिल्ली हादादी 250 वर्ग गज में में स्थिए हैं (ग्रांग उत्ती प्रशासद अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्गित है), रिजिष्टी की अधिकारी के दार्याक्षय, नई दिल्ली में मारीज रिजिष्टी एण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीप, नारीख मार्च, 1985,

को पर्वेक्ति सम्पत्ति के रिचित बाजार मत्या से क्रम के सहयमान प्रतिफल को लिए अंतिका की गई है और सभी यह विश्वास करने का वहरण है कि यथपर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सन्य, उसके रुक्ताल पित्तिल से, एसे रुक्तान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिशत से प्रिक्त है और अंतरक (अंतरकों) और अंतिकती (अंतिकितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखन उदवेष्य में उसा अंतरण लिखन में बास्तिबक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) र्वतरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (क) एमी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या प्यत अधिनयम, या धन- अतर अधिनियम, या धन- अतर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अने प्रयोजनार्थ आधिनार्थ आधी किया प्राता चाहिए था, किया में स्विधा के लिए।

मतः जना, उवत अधिनियम की धारा 269-ग की अन्मरण मी, मी, इवा अधिनियः को धारा 200-ण की उपधारा (1) को स्थाप किलिन स्यक्तियों, अधीत ---38 ---366 GI/85  श्री रमन आनन्द, पत्नी श्री अशोठ आनन्द, नियासी-डी-289, डिफेंस कालोनी, मई दिस्ली युक्त एटाश्नी एम० आर० सहगल। (अन्सरक)

2. श्री रावेन एक्कर., पत्नी श्री द्वारका नाथ, िवासी डी-649, चित्रंन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह मृजना जारी करके प्वांक्ति सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🛌

- (क) इस स्चरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्वया की नामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (का) इस गत्तना के राज्यत्र में पकाशन की तारीं के की कि की भीतर उद्यत स्थावर संपत्ति में हितकष्ष कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा त्रधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:——इसमीं प्रयुक्त राब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

श्वेसमेंट फ्लीर प्रापर्टी नं॰ एम-29, सादा**दी 250 वर्ग** गज। ग्रीटर कैसाश-2, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजे**म** सञ्जम अ**धिकारी** सहायक आयकर आय्क्त (भिरी**क्षण)** अर्जन रेज-1, **दिल्ली**।

तारीख: 31-10-1985

मेंहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

पर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नहींदिल्ली, दिनांक 20 प्रक्तवर 1085

निवेश सं० आई० ए०सी०/एक्पू/1/एस आर-3/3-85/738:-आतः मू , आर० पी० राजेस,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उच्यत अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हु कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिमकी संगा डब्ट्यु॰ 24, ग्रैटर कैलाश—1, है तथा जो तादादी 500 वर्ग गर्ज 1 नई फिल्ली 1 में स्थर है (श्रीर इससे उपावद श्रनुपुत्री में पूर्ण का से विषय है), रिजस्ट्री हतीं श्रीव्य री के अर्थाच्य गई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीविन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीवीन, सारीख मार्च, 1985,

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वों का संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अवः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

 श्रीमती प्रोमिला धपूर, पत्नी श्री घोम प्रशास वपूर (भ्रो० पी० वपूर) निवासी-इव्स्यु० 24, ग्राउण्ड, पलोर, ग्रैटर कैंकाय-1, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

2. मैं ० एटेक्स भोवसीय प्राईवेट लिमिटेड, सी.-237, डिफ्रेंड डालोनी, नई दिल्ली मूरू मैंनेजिंग डायरेक्टर श्री घतुल गूलाटी।

(प्रमुक्तीरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्प्रति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माझीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, शो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधीनयम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनसची

हाई स्टोरी मकान नं० डब्स्यु० 24, सावादी 500 वर्ग गण ग्रैटर कैलाश, नई धिल्ली।

> शार० पी० राजेश, स्वसम प्रधि शरी सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण) . प्रजंन रेंज-1, दिल्ली।

तारीख: 29-10-1985

मोहरः

Company and the

# इक्स बाइंं टी⊒ पुन् पुस्क--------

# बावकर विभिन्तियन, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) के बभीन स्मना

## धारत तरकार

# 'कार्यालव, बहायक जायकर जामून्त (निर्द्रीक्ष्ण) प्रजेन रेंज-1, दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० माई० ए० सी० एक्यू 1/मार० एस-3ई/3-85/739:--मा: मुझे, मार० पी० राजेम,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पतित जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जितिकी संघता कृषि भूमि एम० जी० 15 बीधा श्रीर 4 बिस्वाहे एता जो गांत्र स्तातारी, सहसील महरोली, नई हिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुपूर्वी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिप्स्ट्रीएर्सी श्रीविद्यारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिप्स्ट्रीटरण श्रीविद्यम, 1908 (1908 का 16) में श्रवीन, सारीख मार्च, 1985, को पूर्वीका संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थयमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गर्ड

को पूर्वोक्य संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से से दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशंत से अधिक है और अंत- (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत- के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से अंतरण किंदित में बास्तविक रूप से किंपित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरम सं हुई किसी नाम की नामत, सक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए; बौर/या
- (अ) र्मी किसी नाथ या किसी भन या अन्य नास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, स्थिनने में सुविभा के सिए?

नतः व्या त्रक्त विधिनियम की भारा 269-ए के वन्सरण वो, मो, तक्त विधिनियम की भारा 269-ए की उरभारा (1) केंद्रभीन, निम्नसिविद व्यक्तियाँ, अर्थात् ः—  श्रीमती कुलुम श्रीतल, पत्नी सुशील श्रीतल । निवासी-एम:-148, पंचणील पार्क, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

2. छे० सुरेन्द्र नुमार ापूर, सुपुत्र श्री मनोहर लाल रापूर, नियासी-3 ए/63 सी, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन अ सम्बन्ध में आई भी बाक्षप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की लगीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की लबीच, जो भी अवधि बाद मों समाणा हाती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस मूचना क राजपक में प्रकाशन की तारीं हैं

  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पान लिखिद में किए जा सकीये।

स्वयक्तिरणः ---इसमा प्रमृत्त राज्यों अप्र पर्दा का, जो अवस्य अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अमुसूची

कृषि भूमि कम्पराईस्ट खसरा नं० 671 (4-03) 702 (1-02), 702/1 (0-02), 702/2 (0-18), 702/3 (1-05), 673 (2-18), 703/1 (2-08), 703/2 (2-08), 15 बीधा और 4 बिस्ता गांव सतानारी, महरौली, नई दिल्ली।

मार० पी० राजेश सक्षम प्राप्ति परो सहायक्त मायदार म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, दिल्ली/नई दिल्ली ।

तारीख: 1-11-1985

## मक्प बाइं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### माउत सरकाड

# श्रायांत्रम, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)ं अर्जन रेंज्⊶1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांकः 1 नवस्वर 1985

निर्देश सं० प्राई० एं० सी०/एकपू/1/एक प्रार-3/3-85/740:-प्रतः मुझे, प्रार० पी० राजेश,

शायकर श्रीधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परगात 'उन्त जिधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी संख्या प्रो॰ नं॰ जी-2/45 है एया जो लाजपत नगर भी॰ 100 वर्ग गज, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसते उनाबद्ध प्रानुपुत्री में पूर्ग खा ते पणि। है), राजस्ट्री-कर्ता प्रधिन्नित्रों के नार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री करण प्रधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के प्रयोग, सारीख मार्च, 1985,

को पूर्वोंकर संपत्ति के उपित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रीफिल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रीतफल से एसे दश्यमान प्रीतफल के पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रीक्तिक, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त बिश्वसम्बद्ध के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के क्रिमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वन, उनतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं वा, भा, उनतं अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) दे सभीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ६──  श्रीमती राज रानी, पत्नी बिलिमित्र तुल्ली, निलिसी-जी-2/4, लाजप्रानगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती मला पत्नी श्राणाखान, निकासी-एव 2/4, लाजपतनगर, मई दिल्ली।

(भ्रन्तः रिवी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यकाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के .राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ख से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्यव्दीकरणः——इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो ल अिनियम, के लध्याय 20-क में पीरभां है, वहों अर्थ होगा थे। उस् अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

प्रानर्टी नं जी 45, साधादी 100 वर्ग गज लाजपतनगर मई दिल्ली।

> धार० पी० राजेश सक्षम प्राधिशा<u>री</u> सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-1, दिल्ली/नई दिल्ली।

तारीख: 1-11-1985

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानमः,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंब्र-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनोङ 1 नवस्थर 1985 सं धाई० ए० सी०/एमर्०/1/एस धार-3/3-85/741---धाः मुद्दो, धार० पी० राजेश,

बादकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

मोर जिन्नी संख्या एम-11 है स्या जो प्रैटर कैल्स्स-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रिक्तो मे पूर्ण रून से बण्सिही), रिप्ट्रिन सा श्रीधनारी के नायरिय, नई दिल्ली में रिप्ट्रिन रण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, मार्च, 1985

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित में पास्तिक क्ष्य से कथिश बही किया राम है :—

- (क) अन्तरण से धुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; सीर/या
- (च) एसी फिसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के सभीत, निम्निविधित व्यक्तियों, सभीत् ध—

1. श्री एउ० एम० सबलीउ सुपुत्र दे० एल० स्वलीउ, द्वारा प्रत्यल एटरनी श्री दे० एल० सबलोक सुपुत्र स्वर्गीय छुना एम सबलीक, एम-11, ग्रीटर कैराय-11, नई दिल्ली।

(बन्दः दह)

2. श्रीमती मुलदीन कीर पतनी सरदार विपीनतर तिह, निवत्सी एम-15, दूनरा खण्ड, रियर पतट, ग्रैटर कैशाय-1, गई दिल्ली।

(प्र∹िती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की क्यपि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अन्धि, जो भी क्षयि बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में में फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्माति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पटीकरण:---इसमें प्रयूपत जब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में रिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

पत्नैट दूतरा खण्ड रियर पोर्संत एम-15, ग्रैंटर कैलं.श-1, मई दिली।

> बार॰ पी॰ राजेश असम प्राधि हारी सहायक बायकर भ्र.युक्त (निरीक्षण) बर्जन रोज-1, हिल्ली

सारीख: 1-11-1985

वस्य बार्ड हो, एन, एवं

# नाव्कर व्यक्तिनगन, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-व (1) के ब्योन ध्या

#### शास बरकार

# सार्थकार, बहायक बायकर बायक्त (निर्देशका) ग्रजैन रेंज-2 दिल्ली

मधी पिल्ली, दिलोश 1 नवस्थर 1985

स॰ धार्थे॰ ए॰ सी॰ /एमपु०/1/एस॰ मार०--3/3--€5/

742:----म्रातः मुझे, मार० पीः० राजेश,

क्रायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), को धारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिक्का उचित्र बाहार मृस्य 1,00,000/~ रा. से अधिक है

कीर ि की संबंध कृषि भूमि एम० औं० 1 बीया है तथा को जा हु, नहें दिनों में दिता है (और इसते उताबद धनुपूर्व: में पूर्ण रूप से बॉबल है), एडिस्ट्रीट्सी धिविटारी के वार्यालय, नई विल्ली में भारतीय एडिस्ट्रीट्स प्रक्रियम, 1900 (1908 वर्ष 16) के ध्रवीन, मार्च, 1905

की पूर्वक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूस्य से कम के स्थमान शित्यास को लिए बन्तिरित की यहाँ हाँ और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हाँ कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार भून्य उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का अन्द्रक प्रतिकात से बिभक हाँ और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्दरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया शित्यक निम्निशिष्ठित स्थूपोर्य से स्थनत अन्तरण कि बिद्य के अस्तर्य कर से सास्तिक कप से सामित वहीं किया गया हाँ हम्म

- (क) कन्तरक से हुई किसी बाव की बावत, सकत वीधीनयन के वधीन कर दोने के अन्तरक की कथिरव में कमी कर्तने या उससे बजने में सुनिधा के सिए: भीर/या
- (श) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर जिभिनियस 1922 (1922 का 11) वा सकत जिभिनियस, या भव-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भवा था वा किया जाना वाहिए था, जिपाने वें स्टीमका के लिए;

मतः भव, वन्त मधिनियम, कौ धारा 269-न वै अनुतर्भ , बौ, उन्त मधिनियम की धारा 269-न की तुपत्परा (1) सधीन, निम्मनिवित व्यक्तियों, अर्थात् धार्म श्रीम ि उपाित्
 प्रतीश्री पाम बीट िंत्
 जिस्सी ६-14, साक्षेत्र, नद्वी दिल्ली।

(घग्उरह)

2. मितेत नीतम अप्रवास पर्सा पावित्व सुनार भगवास रितार 5 सी/10, स्यू पोत्त प्रोस, सर्ध दिस्ती।

(घग्तरिती)

की वह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के श्वंग के विष्ु कार्यवाहियां करता हुं।

## क्ष्मद सम्मतित के वर्षद के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेड़् :--

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारील कें
  45 दिन को जनिथ या तत्संबंधी क्यितियों पर
  स्थान की तामील से 30 दिन की नदीभ को भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पृत्यों कर
  व्यक्तियों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की वारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताअ्टी के पास चिवाद में किए वा धकोंगे।

स्पद्धीकारण: ---इसमै प्रवृक्त सन्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। क्या है।

## वनुसूची

1 बीमा कम्पराईस्य भूमि खसरा नं • 277/3, बीतना खसरा नं • 270/3(0-2) बिल्या गांव खानपुर, घड्सील मठरोजी, नई दिल्ली।

> भार० पी०' राजेश सक्षम मिलारी भहायक भायकर मायुषा (तिरीक्षण) धर्जन रॅंजे--1 दिस्सी

सारीय : 1-11-1085

मोहर 🤢

प्रकप नार्षं हो. एन . एस . .-----

नायकर निभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीत सूचमा

#### भारत सरकान

## कार्यासद, सहायक नायकर मायुक्त (निरक्षिण)

प्रजन रेंअ-I, धिल्ली

नर्षे दिल्ली, दिलीं ः 1 नवल्बर, 1985 सं० प्रार्थे० ए० सी०/एवर्/ा/ए द० प्रार--3/3--85/743----प्रतः मक्षे, प्रार० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वत करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,90,900/- रु. से अधिक हैं

कीर िक्की संख्या कृषि शूमि एमं० जी० 1 भीषा और 2 बिएता है तथा को गांव खत्यपूर, नई दिल्ली में रिकत है (और इ.से उपावड इनुसूची में पूर्ण रूप से पर्णित है), रिक्ट्रिंतिसी प्रवितारी के श्वापंत्र, गई विस्ती में शाकीय रिक्ट्रिंतिसा प्रवितारी के श्वापंत्र, गई विस्ती में शाकीय रिक्ट्रिंतिण प्रवित्यम, 1900 (1900 वा 16) के मधी , मार्च, 1905

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपित्त का उचित बाजार स्रुच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से सिथक है और बन्दरक (बन्दरकों) और बंदरिती (अंदरितियों) के बीच एसे अंदरण के लिए तय पाया प्रवा प्रतिफल निम्नसिवित उद्देश्य से उच्य बंदरण निविद्य में

- (क) बंतरण से हुई किसी भाग की शबत, सक्क बीर्धानसम्बद्धे कभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी कारने या उनमें क्याने में सुविधा के सिए; बौद्ध/शा
- [क] एसी किसी बाय या किसी प्राथा वस्य वास्तियी को, जिन्ही भारतीय बाय-कर विभिन्नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नयम, या भन-कर रुधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थितन भी स्थिता की स्था

बत् अब उक्त विधिनयम की भाष 269-म के बनुसरण को, की, उक्त विधिनयम की भारा 269-म को उप्भाद्धा (1) के बधीन, निस्तिविक स्वित्वों, अर्थास् :----  भीमती उष: सिंह परती एत० थी० तिह, तिथासी भी→14, सामेत, गर्द निरुती।

(मन्दरः)

 मित किरन ित्हं भुगृक्षी एम० बी० ित्हं, मिते उ एम० दिहं पत्नी एम० बी० ित्हं, बोनों िवासी एल~1, तारा भगार्टमेंट, मालवाजी, महि दिल्ली।

(धन्त्राःती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के सिए कार्यविद्विया करता हु।

उनत सम्पत्ति के नर्जन् के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सृचना की तामील से 30 दिन की वदिश, को भी अविधि बाद में सम्माप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्विक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति इवारा, वधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकांगे।

रचकीकरणः --इसमें प्रयुक्त कक्यों और पद्यों का, औ उक्त अधिनियम, से सभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को जस सभ्याय में दिया भवा है।

## धनुसुदी

1 बीवा कीर 2 बिला कृषि भूमि खसता नं॰ 270/3, गोप खानपुर, सहसीन महरोली, सहै दिल्ली।

> मार० पी० राजेश, सक्षम प्रधिनारी पहायक प्रायकर प्रायुष्त (निरीक्षम) प्रजैन रेंब-I दिस्सी

तारीज : 1--11-1985 ।धुर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नर्दे दिल्ली, दिनाँ 5 29 प्रस्तूबर 1985

सं० श्राई ⊶ए० सी०/एक्पू०/1/एम० श्रारः०/3/3-85/744---श्रानः मुझे, श्राप्त० पी० राजेश,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के पथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृत्य 1.,00.000/- रा. से अधिक है

अंति शिक्ती संख्या प्राप्ती लेख, खायुर है तथा जो तर्षे कियो में विश्व है (श्रीत हो) उपायद अपूर्वी में पूर्ण का से विश्व हैं), रिश्तो की वार्योक्त, तर्षे दिल्ली में रिश्नो हैं। अपायद अपूर्वी में पूर्ण का से विश्व में रिश्नो त्या अधिक्षिम, 1903 (1903 ता 16) के अधीन, मार्च, 1905

को पृथिकर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का आरण है कि यथाप्जीकत मम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उमाने दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिज्ञान सं अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक रूप से किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आर की बाबत, जक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बदने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः हव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्हीलोखत व्यक्तियों, अर्थात्:— श्रीमती उपा सिंद,
 ६-14, साक्षेत्र, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

7. श्री दोन ह जोहर, राजेन्द्र सिष्ठ, िवासी दी-102, ग्रैटरकैलाग-1, मई दिल्ली श्रीर मित्तेस श्रनिता तिह श्री देवेन्द्र पाल तिह, 1670, दक्षिणी राम स्ट्रीट, दरिया गंज, दिल्ली।

(प्रक्तिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारन की तारीका से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्रशंकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ट्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त घरनो और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही उर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

3 बीवा और 17 1/2 बिस्चा कृषि लैश खसरा नं॰ 280/2 गांव खानपुर, सहसील महरीली, नर्ध दिल्ली।

> मार० पी० राजेम, सक्षम प्राप्ति गरी, सहाय : भाव :र भायुष्त (िरीक्षण) भगन रेंजे-1, दिल्ली

त्ररीब: 29-10-1935

बच्य बार्ड ् डीच एरं ् एड ्र------

आपकार श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-च (1) के ब्रुपीन सूचना

#### मारत दरकार

कार्यांसय सहायक कायकर नायकत (निरीक्तण) धर्जन रेंप-1, नई दिल्ली

सर्वे धिल्ली, धिनोतः 1 सक्तवर 1 905

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्यू। 1/एस आए--3/3--05/740:----

बाजकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है'), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को... यह विकास करने का कारण हैं फि स्थानर संपरित विसका जिन्त कावार मुख्य :

1,00,000/- रा. से अधिक **ह**ै

भीर िकी संख्या प्रार्थी नं 2-1,40 भी है तथा जो लाउका नार, तदिक्ली 100 माँ गर में स्थित है (और इ.स.) उराबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विल्ली हैं), प्राप्ट्री-एवी अविकास के पार्यात्य, नई दिल्ली में प्राप्ट्री-राण अविकास, 1903 (1900 का 16) के धवीन, सारीज मार्च, 1905

कर्त प्यांक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के श्रयमान इतिफक्ष के निए बन्तरित की गई है, और मृत्रे यह विश्वाद करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपीत्त का उचित बाजार श्रूच्य, उसके द्वमान प्रतिफल से ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरूच के निए तब पाम निया प्रतिफल, निम्मिनित उद्योग्य से उच्त बन्तरूच जिल्हा में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है हम्म

- (क) अन्तरक वे शृह किसी बाब की बाबस प्रवत मिन-विषय के अभीत कर दोने के बनारक के बाबिरल के कमी करने वा उक्के बचने में बुविशा के विष्: वीर/वा
- (थ) ऐसी किसी जाब या किसी थन वा बल्च बास्तिकों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या बक्त अधिनियम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वाप प्रकट वहीं किया वया था या किया चारा चाहिए था, स्थिनों में सुविधा की सिए;

जतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अन्सरक भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) वे अधिन निज्निलिखित स्पित्यमी, वर्षात र— 59 ⊶366 GI/85  श्रीनती ठाकुरी काईं० पस्ती केट चारम लान निपाली 2-1/40, लाजपद नगर, मई दिल्ली।

(भग्तरक)

 श्री शाला लाल ए महानी सुरुत श्री भानत्य पाम एच गेहानी चुक एया ती मिनेस क्वी गेहानी पत्नी सक्य ए गेहानी प्रियसी 10/101, लोबी गालोनी, नुष्टे दिल्ली।

(प्रखरिती)

की यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के हिंक्यू कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

बन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में लोई भी नासेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविभ में तत्संवंभी व्यक्तियों वर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविभ, को बी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति वृद्यापः;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में डिल-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास निक्ति में किए का सकेंगे।

स्यच्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त जीध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया प्या है।

## वर्ष्यां

प्रापर्टी बीवरिंग 2-1/40 बी, लाजपंत नगर, **गई दिस्सी** 100 पर्व गर।

> ्धार० पी० राजेश रस्ताम प्राधिकारी सहायस घारकार प्रापुत्त (निर्दाक्षण) धर्जन रॉज-1, नई दिस्सी

हारीख: 1-11-1985

## क्षम् वार्'ः बीह्य पृत् प्रस्टाननवाता

# बायकर वीभीनवन, 1981 (1981 का 43) की पाड़ा 269-व (1) वे सभीन सूचना

#### बारक स्टब्स्ड

## कार्यात्रम, सहायक नायकार नायुक्त (निर्दाक्तिक)

म्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 2 नवम्बर 1985

निर्देश सं अधि ए० सी ०/एक्यू / 1/एस आर०-3/3-85/747:-- मतः मुसे, आर० पी० राजेश,

जानकर निर्धानयन, 1961 (1961 का 43) जिले इसर्वे इसके प्रथात् 'उनतः निर्धानयन' कहा गया है, की भारा 269-क के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह निर्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित नामार मूक्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भौर जिउनी संख्या 2-1/48 ए, है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री नतीं अधि ारी के वार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्री नरण अधिमियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख मार्च, 1985

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उडके क्षवमान प्रतिफल से, एसे क्षवमान प्रतिफल का पंद्रह बातबत से बिक्त है और अन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (बन्तरितिवाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पावा गया प्रतिकल, निम्नमिवित उक्वेष्य से उक्त अन्तरण निवित्त के क्षवर्तिक कम ये कियत नहीं किया नवा है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उथत वीधीनयम के जधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मीवधा के लिए; बॉर्/मा
- एँड) इसी किसी जान या किसी भन वा जन्म वास्तिकों की, जिम्हें भारतीय नाव-कर निर्धानयम, 1922 श्री 1922 का 11) वा उक्त निर्धानयम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना चाहिए कर कियाने में सविधा की विद्या

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिबिए व्यक्तियों, वर्षात् हिन्न

- 1 श्रीमती ठाकुरी बाई निवासी 2-1/48 बी, साजपतनगर, मई दिल्सी। (मन्दरक)
- श्रीमती सावित्री देवी पत्नी ग्यान घन्य, निवासी 27-28, कृष्णा मार्विट, लाजपत्तनगर, नई दिल्ली।

(मन्तिरती)

को यह सूचना चारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिखु कार्ववाहियां करता हुं।

बक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस भूषना में राज्यत्र में प्रकाशन की लारीब से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बूचना की तामील से 30 दिन की अविश् , वो भी बब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय;
- (व) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावन स्थानित में हितबक्ष किसी बस्य व्यक्ति द्वारा कथाहस्ताक्षरी को पाछ विविद्य में किए वा बकेन।

## वर्ष्यी

प्रापर्टी नं • 2→1/48 ए, लाजपत्तनगर, नई दिल्ली सादादी 100 वर्ग गज।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिक,री सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रॅंंं-1, दिल्ली

**क्षारीख: 1-11-1985** 

THE MEN

प्रकल बार्च , हो , हुन , हुन , क्यार कार कार

बायकर विभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के वभीन सूच्या

भारत सरकार

व्यागांस्य, सहायक भावकर नायुक्त (निरीक्षण)

भार्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एकन्/ 1/एस॰ मार--3/3-85/748:--मा: मझे, मार० पी० राजेश,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रह. से अभिक हैं

श्रार जित्तभी संख्या डी--1/147, है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली 100 वर्ग गंग में स्थित है (श्रीर इसके उपावक श्रापुत्री में पूर्ण का से वर्णिंग है), रिजिल्ली गंग मिश्रिती के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजिल्ली गंग प्रधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अजीत, तारीख मार्च, 1988 को पूर्विक्त सम्पत्ति में उपात बाजार मूल्य से कम के ख्यमान अतिफल के निए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कर्ने अज भारण है कि संभाप्तिक सम्मत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पत्तह प्रतिचात से विधिक ही और मन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निश्चित उद्वेष्य से उत्तः अन्तरण शिचित में बास्तिक हम से किया नहीं किया वया है क्ष्म

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम की जधीन कर दोने के बन्तरक के शिवित्य में कमी करने या उद्युखे बचने में सूबिधा के सिए; ब्रिटि/शा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती हुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना क्रिहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिएं!

शत अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरम अर्ज, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की स्पक्षारा (1) के विधीन, निम्निनियित स्पक्तियों, अर्थात के स्प श्री भागुतोष सुपुत्र सुन्दर दास केयर भाफ एच० सी० मेहता, सी-2/20, लाजपत्तनगर, मई दिल्ली।

(प्रन्तरक)

2 श्री जगदीस माटिया सुपुत्र लेट कान्या लाल निवासी डी-1/147, लाजपतनगर, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवादा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए, का सकोंगे

स्वव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त सब्यों बॉद पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## जन्**त्**यी

प्रापर्टी नं० डी-1/147, साजनतनगर, नई दिल्ली तादादी 100 वर्ग गज।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राप्त कारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) धूमर्जन रेंज-1, दिल्ली

तारीख: 1-11-1985

## प्रक्ष बाह् ं ही . एन . एड . -------

बायकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंड-1, नई दिल्ली

मई धिल्ली, धिनांक 30 धनतुबर, 1985

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से किथक है

भौर ि उनी संपन सुनि भूमि 11 बीवा भौर 11 बिस्ता है ताना जो बिस्ता, जिन्हासन, नई पिल्ली में स्थित है (भौर इत्त) उनबढ़ आहुनी में पूर्ण रून से विणित है), रिनिस्ट्रीनती भवित्तरी के पार्याचन, नई पिल्ली में भारतीन रिजिस्ट्रीनरण भवित्तन, 1908 (1908 का 16) मधीन, सारीब मार्च, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विद्यास एरने का कारण है

कि यथा प्रवेक्त सम्मरित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिकल सं, ए'से द्रयमान प्रतिकल से पन्द्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) से बीच ए'से अस्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिचिठ उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित बहो किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, खक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्रशरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ को उपधारा (1) है अधीन, नियमित्रिक्त व्यक्तिमान, कर्मन् :—

 भी रखे कम सुपुत जैन सास निवासी पांच भीर पोस्ट भाषित विवादासम्, पद्धीस महरीमी, मई पिल्मी।

(मन्दरङ)

2 मीवर्त फरहर केस्ट आ॰ लिसिटेड, 8/3, मारफ मनी रोड, मई दिल्ली।

(मन्दरियी)

को यह स्वमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यपाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अपर्यंत के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सुवना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुवना की तामील से 30 दिन की अविध, ज्ये भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित\_ है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया यया है।

## वनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं॰ 48/20, (4-16), 48/21 (4-16), 49/25(0·9), 73/5 भीर 6(0-16), 74/10 भीर 11(0-10), 74/26(0-4), पोव विष-वासन, महरोली, नई एिल्ली।

> सार० पी० राजेश, सक्षम मधि हारी, सद्भायक सामकर मायुका (निरीक्षण) सर्वेत रॉज-1, दिस्ती, नई दिस्सी

सारीच: 36--10--1985

प्रक्ष कार्यः, टी., एत्., एस्.,≠. = -- = ≠

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बंधीन स्थान

### शारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) भू तेन रेंग्र-1, स्हि पिल्ली

मई पिल्ली, पिनांत्र । नवस्थर, 1984 ्रानिरींग संब्काईव्यवताः/राष्ट्री/एसवस्यारव-3/38/750 स्राः पुसे, सारव पीव राजेश,

ायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), को भारा १६९-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का जरण है कि स्थावर अञ्चलित, जिसका उचित बाजार मूल्य ,00,000/- रंज से अधिक है

माँ: जिडाने संघ्या एव-1/133, है एवा जो काजाहकार, नई पिटली 100 वर्ग पन में क्यि: है (प्रीट इ.से उपानक मारुद्धा में पूर्व का से वर्णिड है), एक्टिव्ही लि आहे हिए में पूर्व का से वर्णिड है), एक्टिव्ही लि आहे हिए में पार्थित नई पिटली में भारतीन एक्टिव्ही करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) पे अशीन, दारील में, में, 1985 हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान दिवस्त के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का दह प्रतिकात से कियक है और अंतरित (अंतरिकों) और अंतरित जन्तरित्यों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया विफल, निम्नलिकित उद्वेश्य से उकत अन्तरण लिखित में । ।स्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा अर्थ क्रिए: बॉर्ट/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जन्त वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के पथीन, विम्निखिदित व्यक्तियों, व्यक्ति :—  श्री भाग जिल्लापुत पूच जिल्ला 4, मोजन बिहत्य, पिल्ली।

(मध्यरक)

 श्री नरेश श्रव्सका श्रीर धिनेश श्रव्सका, एच-1/133 लाजन्यतगर, मई पिल्ली।

(प्रशःेखी)

ना यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थभ के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बर्शी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्ट्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभाहरताक्षरी के बाक भिवित में किए का सकती।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित् हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## भनुषुची

एच-1/133, लाजन्यतंगर, मद्दे विल्ली, सन्दादी 100 वर्ग गजा।

> भार०पी० राजेश यक्षम मधि शरी, सहायक मायकर भायका निरीक्षण) मजैन रेंग-1, दिल्ली

पारीब: 1-11-1985

मोहर 🖫

भूकपा, नार्द्दो, टी., एवं., एवं., : = = = =

बायकर बोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थं (1) के बधीय बुधना

#### नारत बरकाड

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवस्थर, 1985

सं० माई० ए० सी०/एक्पू/1/एस मारह3/85/751:---धत मुझे,प्यार० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या बब्ल्यू० 165, है तथा जो ग्रैटर कैलाश-2 मई दिल्ली 1000 वर्ग फोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद धनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिथीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्वास करने का कारण है कि मथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का फन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिकत निम्निवित उद्देषय से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिक क्या का कि किया नवा है हि—

- हैं की सम्बद्धण हो हुए किसी बाय नहीं वायक , स्थाप वीभिनियन के स्थीन कर दोने के सन्तरक के सामित्य में कभी कहने या प्रस्त वस्त में सुन्धि। के निष्कः बोर्ड वा
- (क) ऐसी किसी जाब या किसी थन या जन्म जास्त्रयों स्त्रे, विन्हें भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार विधिनियम, या धन-कार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किसा गया था या किया जाना चाहिए था, किया में स्थित वे स्वर्ध

बतः सव, उन्त वीधीनयम की भारा 269-न के अनुतरक को, पी, उन्त अधिनियम की भारा 269-क की उपभारा (1) को स्थीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, वर्षा ए---  मैसर्व को० एस० बिल्डसं, ए-2/140, सफदरजंग इनस्लेब, मई दिल्ली पार्टमर धरम सिंह

(पग्तरक)

 मिसेस समिता भण्डार परनी सतीश बहादुर निवासी बब्ल्यू० 165, प्रटर कैसाश-2, नई दिल्ली।

(मन्दरिती)

को वह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के सिर कार्यमाहिया करता हुए ।

प्रवर्ष बल्लीस के बर्चन ने बंबंध में कोई भी शर्कार :---

- (क) इस सूचना की राजपण हों प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी स्थितियाँ पा सूचना की तासील से 30 दिन की जनिथ, जो भी अविथ बाद में समाच्य होती हो, के भीतर पूर्वोंका व्यक्तियों में से किसी स्थित दुवारा:
- (क) इस क्षान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के शीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितवक्ष किसे कृष्य व्यक्ति हुनारा, वर्थाहरताक्षरी के पास जिक्ति में किए वा सकते।

स्वयक्तिरण र्--इसमें प्रयूक्त संबंधी और पर्यों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होंगा औं उन्न अध्याय में दिय नवा हैं।

# सन्स्त्री

सममे का प्रोशन प्रयम खण्ड 165 डस्यू० ग्रेटर कैलाश 2. नई विस्ली 1000 वर्ग फीट।

> ्षार॰ पी॰ राजेब सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर धायुक्त (निरीक्षण) सर्वेन रेंज 1, मई बिल्ली

वारी**व**: 4--11--1985

योहर :

# इक्ष् बार्ड . हर्र . प्र. एव . ----

श्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रीय सुप्ता

#### ATTE TRAIT

कार्जासय, सहायक सायकर भागुनत (विरीकण) धर्जन रिंज 1,नई दिल्ली

नई दिल्ली, धिनांक 4 नवम्बर, 1985

सं॰ झाई॰ए॰ सी॰/एक्यू/1/एस झार--3/3-85/752:--झत: मुझे, झार॰ पी॰ राजेश,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात 'उन्त निभिनियम' नहां गया हैं), की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्रीभिकारी की यह निश्वाम करने का हारन हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार नृस्व 1,00,000/- सा. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या डी० एस० बिल्डिंग, है तथा जो ए-2 140, सफदरजंग, इनक्लेब, नई दिल्ली में स्थित हैं (भीर इससे उपायक अनुसूची में पूर्ण रूप से बाँगत है), रिजस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्याक्षय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीज मार्च, 1985 '

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमाय प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है बार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, प्रसक्ते रायमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिकात से अधिक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) बार अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया बंबा वैतिफल. जिम्निचित उद्देण्यों से अक्त अन्तरक सिवित वे वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है ६—

- (क) बन्तरण वे हुई किती बाव की वान्तर, उक्क सीधीनदम के अधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उत्तवे वचने में द्विशा के जिए; ब्रीडि/वा
- (ण) ऐसी किसी भाग वा किसी धन वा कल्थ जास्तियों का 'जिन्ह' भारतीय भाय-कार निधितियम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधितियम, या धन-कार निधितियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

क्षः तथ, अन्त विधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरक मो, मी. उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिविष व्यक्तिकों, अधीत रूक्त श्री डी॰ एस॰ बिल्डिरस,
 ए 2/140, सफदरजंग इनक्लेब,
 मई दिल्ली, पार्टनर धरम सिंह

(मन्दरक)

 श्री घनिल कपूर सुपुत लेट धार० डी० कपूर निवासी डब्ल्यू० 165, ग्रीटर कैमाश-1, नई विस्ली

(भग्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविध बाद में संबाद्य होती हो, के भीतर पूर्वोकः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पाद सिवित में किए वा सकेंगे।

हमक्किरण:--इसमें प्रयुक्त सन्तों और पदों का, वा उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया वया हैं।

## धन्स्ची

रियर पोरशन प्रथम खण्ड नं० डब्ल्यू० 165, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली तादादी 800 वर्ग फीट।

> धार० पी० राजेश, संसम प्राधिकारी सहायस धायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्मन रेंच 1,नई दिस्सी

सारीख: 4-11-1985

श्रुष्ट कार्ड . टी. एन. एख<sub>ु</sub>- - s s---

शायकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वमा

#### बारत सरकाड

कार्यक्रम, उहायक मायकर भागृक्त (<sup>P</sup>नरीक्षम) धर्जेन रेंश-1, नई दिल्ली

🕶 दिल्ली, दिनांक 4 नत्रम्बर 1985

सं क भाई । ए० सी । /एकपू / 1/एस भार-2/3-85/753:---भातः मुझे, भारः पी । राजेश,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'एक्त विभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के विभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उचित वाधार मुस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जितको संख्या हरूपू० 165, है तथा जो ग्रैटर कैलाश-2 नई दिस्ती 800 वर्ग फीट में स्थित है (भीर इसने उता-बद्ध अनुसूची में पूर्ण कृष से वणित है). रिजिस्ट्रीकार्ता भिक्षकारी के कार्यीका नई दिस्ती में भारतीय रिजिस्ट्रीकारण भिक्षितियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन, सार्राख मार्च, 1985

को पूर्वोवस सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के संयमान अतिकास के लिए अन्तरित की गई है बार अन्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उग्नेश्वर बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान अतिकास से, एसे स्थ्यमान प्रतिकान का बृत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तारती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य बाया गया प्रतिकास, जिन्नसिवित उद्देश्य से उक्त बन्तरण विश्वर कर्ता गया प्रतिकास, जिन्नसिवित उद्देश्य से उक्त बन्तरण विश्वर कर्ता गया प्रतिकास, जिन्नसिवित उद्देश्य से उक्त बन्तरण विश्वर कर्ते जास्तविक क्य से क्षित नहीं किया बया है हम्म

- (क) अन्तरम से हुई निर्मी जाय की बाबत, सक्त विधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने या उसते वचने में सुविधा के सिए; सरि/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य बारितवाँ का, जिन्हुं भारतीस जाय-कर अधिनियस, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या भन-भनकर अधिनियस, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किता गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूर्विधा के सिए;

सदः क्य, सम्त सीपीनसम् की धारा 269-ए के समुस्रस्य में, में, उस्त सीपीनसभ की धारा 269-च को अपधार (1) के स्थीन : विस्तिसित स्वित्तसों, सर्वात् क्र— मैसर्व डी० एस० बिस्डरस,
 ए-2/140, सकदरजंग घरनदास,
 मई दिस्ती।
 पार्टनर श्री घरम सिंह,

(प्रस्तरक)

 श्री सुदेश छ:बड़ा, परंशी घार० छी० छाबड़ा, निवासी डडल्यू० 164, प्रीटर कैंकाश-2, नई दिस्सी।

(भन्तरिती)

को यह स्वता बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षत के क्रिय कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारन की तारीब के 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तवों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी स्पिक्त बुवाय;
- (क्) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में द्वितवस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ सिवित में किए वा सकोंगे।

र्वकाकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय के किया पत्रों है।

## बन्द्रकी

िरयर पोरशन ग्राउण्ड पनोर प्रावर्टी नं॰ डम्स्यू॰ 165, ग्रीटर कैनाश→2, नई विस्ती 1 सावादी 800 वर्ग फीट।

> भार० पी० राजेशः सत्तम प्राधिकात्रं सहायक भागकर भागुण्ड (निरीक्षण) भार्जन रेंज 1, नाई दिल्ली

सारीख: 4-11-1985

प्रकृप बाइ . सी. एवं. एसं. \*\*\*\*\*\*\*\*\*

मायकार अधिनिसन, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-भ (1) में अभीन सुभाग

#### भारत सरकार

कार्थालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्क)
प्रार्जेन रेंज-1, मई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 29 श्रक्त्यार 1985

निदेश सं श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/3-85/754:---श्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

वायकर विभिन्निमन, 1961 (1961 का 43) (विश्व क्या की प्रश्नात (उक्त अभिनियम) कहा नया है), की धारा 269-न के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मुख्य 1,00,000/- रा. से विभिन्न है

ग्रौर जिसकी संख्या प्रापर्टी नं० एम० 169 है तथा जो ग्रैटर कैलाण-2, तादादी 400 वर्ग गण नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे जपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोत्तन सम्पर्शित को उपित बाजार मुल्य में कम के क्यमान प्रतिकास के सिष् बन्तारित की नई हैं और मुझे वह विस्ताब करने का कारण हैं कि बणाप्चेंक्त कम्परित का अधिक बाजार ब्रुच, उसके क्यमान प्रतिकास के, दोने क्याबान प्रतिकास का पंद्र प्रतिकात ने अधिक हैं और जंतरफ (अंगरकों) और बंतरिकों (अन्तरितियों) के बीच दोने अंतरण के सिष्ट तब पाना नवा प्रतिकात, निम्नतियिक स्पृष्टित वे क्याब्र बंदरण विश्वित में बर्मारिका, निम्नतियिक स्पृष्टित वं क्याब्र बंदरण विश्वित में

- (क) बन्तरम के हुई किसी बाव की बावक, क्षक की विश्वित की बन्तरक की वाधित्व में की बन्तरक की वाधित्व में की बन्तरक की वाधित्व में की करने या उसके वचने में कृतिका के सिए; बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी लाय या किसी धन या कस्य आस्तियों की, जिन्हीं स्परतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अध-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वि या जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

कतः सन, उक्तः अधिनियमं को धारा 269-तं भी अनुसरकं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-तं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीकिक्त अधीक्तवों, अधीक ह—
40—366 GI/85

- मैनमं भाटिया एपार्टमेटम,
   ए-11, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।
   (अन्तरक)
- श्रीमती किरन राजपाल, एम-169, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का वह सूचना बारी कारके प्वॉक्त सम्मित ने अर्जन की निए कार्यवाहियां करता हो।

सक्त वंपति को भवनि को संबंध को कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्र्यं भी अमितवाँ पर सूचना की ताजीन से 30 दिन का अवधि , जो भी अवधि वाद में समाप्त होती है। अधिक कि निकास के विकास के सिवास के
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-क्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोजन्ताक्षरी के पास लिक्ति में तिए पारस्य उ

स्वाक्षीकरण र्—प्रसमें प्रयुक्त शब्दों और भड़ों का. जो उसत निभिन्यम को अल्यास १५० मा परिभाषिण हैं, वहीं मर्थ क्षारण को उस अध्यास में दिया। नवा हैंं

#### urrel

कम्पलीट प्रथम खण्ड जिसमें 3 बैंड, 3 बाथरूम, ड्राइंग, डाइनिंग एस /मकान के साथ कार पार्किंग, 1 1/3, अनिडिवाइंडिड शेयर इन लेंड, 400 वर्ग गण, 1 एस-165, ग्रैटर कैलाग-2, नई दिल्ली।

> श्वार० पी० राजेश, शतम प्राधिकारी, सहायक स्रायकण प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंत रेंग-1, नई दिल्ली

तारीख: 29-10-1985

मोहर 🛭

## अरूप बार्चे.टी.एन.एस.------

# नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 भ्रक्तूबर 1985

सं० माई० ए सी/एक्य्/1/एस मार−3/3-85/755---मत: मुझे, मार०पी० राजेश,

जासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उकत अभिनियम' कहा गमा है), की भारा 269-- च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का अर्थ है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1 00,000/- रा. में अधिक है

म्मोर जिसकी संख्या प्लाट नं० ई--503, 200 वर्ग गज हैं तथा जो ग्रेंटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित हैं (भ्रोर इससे उपाबद्ध श्रान्स्ची में पूर्ण क्या ने वर्णित हैं), रिजस्ट्रीवर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 रा 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार बूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितिशा। के बीच एसे अन्तरका के सिए तब बाबा गवा प्रतिफास, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिकात में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है क्रिक

- (क) बन्तरण से हुइ किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या िजनी भंभ पा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृजारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, भें उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) भो अधीर िस्तिधित व्यक्तियों, अर्थातः— श्री राजेन्द्र महुन। पत्नी म्रार० के० म्राहुना, नित्रासी जी० ३६ ए, कीर्नि नगर, नई दिल्ली।

(भन्तर रा)

2 मैंगर्स रजनी प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड 30/3, कम्यूनिटी सेन्टर, ईस्ट ग्राफ बैलाश, नई दिल्ली थरू डायरेक्टर श्री कुप चन्द।

(मन्तरिती)

को यह सूपना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के सिथ् कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स प्रवित्तयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास सिकित में किये जा सकरें।

स्पव्हीकरणः --- इसमें प्रयूक्त सख्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनु सूची

प्लाट न० ई-583. तादादी 258 वर्ग गण ग्रेटर कलाश नई दिल्ली।

> श्चरः पीर राजेश. स्थाम प्राधि धारी महाय उत्रिय प्रापंतर अध्यक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज-2 नई दिल्ली

तारीख 29-10-19**85** मोहर. प्ररूप मार्च. टी. एन. एत. -----

आवकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) की भारा 269-ज के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याजर, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेज 1, नई दिल्ली

नई घिल्ली, घिनांक 4 नवम्बर, 1985

सं० म्राई० ए० सी०/एक्य/1/एस म्रार-3/3-85/756---म्रतः म्से, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिपकी संख्या नं एए-160, है तथा जो ग्रैटर कैलाण 2, नई दिल्ली 300 वर्ग फीट में स्थित है (प्रौर इसमें उत्तबद्ध प्रतुषुची में पूर्ण का व व्यक्ति है), एजिस्ट्रीकर्ता प्रधि तरी के त्रायालया, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 ११ 16) के प्रधीन, नारीख मार्च, 1985

की पूर्व क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान श्रीतफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से एसे दूश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया गतिफल निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण जिहित में गस्तिकिक स्प से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के सृविधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गवा भा या किया जाना आहिए था, खिपाने में स्विधा के निए;

अकः वय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण , मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 सुष्पीन ग्रग्नवास सुपुत्र नानाक चन्द, निवासी ई--467, ग्रैटर कैलाश--2, नई दिल्ली।

(श्रन्तरःः)

2. मिस सुशील मेहरा पत्नी के० सी० मेहरा ए-1/31, सफ़दरजंग इनक्लेब, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के आर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस यूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

#### मनस्यी

प्रथम खण्ड न० एस<sup>ए</sup> 168, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली तादादी 400 वर्ग फीट।

> स्रार० पी० राजेण, नक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रेज 1, नर्र दिल्ली

त्तारीखः 4–11–1985

भोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-क के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

दिल्ली, दिनां . 29 ग्रक्तूवर 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जियकी लख्या मान्य नं 493 ब्ल. एस है तथा जो ग्रैटर बैला 2, नई दिल्ली तादादी 550 वर्ग गज में स्थित है (श्रौर उन्हें उन्हें ग्रन्थ ग्रन्सुची में पूर्ण रूप से विल्ति है), रिज्रिस्ट्रीकर्ता ग्रिधि. री के ..यिलय, नई दिल्ली में भारतीय रिज्रिस्ट्री एण ग्राधिनयम, 190 (1908 वा 16) के ग्रधीन, तरीध मार्च, 1985

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के जिए अतिरत की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथान्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव उक्त ाधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

श्री हरिवन्द्र पाल सिंह सुपुत्र एस० ग्रवतार मिंह केयर ग्राफ़ सफ़ेस्टिकेटिड होल्डिंग (प्रा०) लिमिटेड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2 श्री ग्रनेजा राइट राय पत्नी हकूमत राय निवासी एस 251, पंचशील, पार्क, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

म प्रान नं र 493, ब्लाक एस, तादादी 550 वर्ग गज ग्रटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

> ग्नार० पी० राजेण, सक्षम प्राधि हारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षणं) ग्रर्जन रेज-1, दिल्ली

तारीख : 29--10-1985

## 

#### भारत सरकार

## कार्यभव, ब्रह्मक नायकर नावृक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज 1, न**ई** विल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य्/1/एस आर--3/3- 5/358-- ग्रतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करमें का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उधित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट न० 29, ब्लाक के हैतथा जो जंगपुरा एक्यटेंगन एम० जी० 207 वर्ग गज में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानूष्ट्रची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्मा श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 ट्रा 16) के ग्राधीन.

को पूर्वोच्छ संपरित के उचित बाबार मूक्य सं कम के दश्यमाथ प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे वश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/बा
- (क) एंसी किसी आब वा किसी थन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया बाग था या किया जाना चाहिए था, छिपाने प्रविवास के सिक्षा के सिक्षा

मत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुतरण भो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) है न्थीन, निम्नलिश्वित स्वित्यों, समृति क्ष्म

श्री राजेश शर्मा,
 श्रिसस्टेंट र्राजस्टू,र (गजट),
 दिल्ली हाई कोर्ट,
 के~29, जंगपुरा एक्सटशन,
 नई दिल्ली।

(मन्तरक)

 श्रीमती श्रादणं कपूर पत्नी दर्शन साल कपूर निवासी जी-18, जंगपुरा एक्सटेशन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

का मुद्द सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां द-रू करता हं ।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 विन की अविभि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की समील से 30 विन की अविध, को और जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवाँक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के शीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष हैं करी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरों के वास सिश्चित में किए का सकेंगे।

स्वाकरण: --इसमें प्रयुक्त सब्दों और पवों का, को सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विनाः गया है।

#### नन्त्रची

प्लाट नं० 29, ब्लाक के जंगपुरा एक्सटेंशन नई विल्ली तादादी 207 वर्ग गज।

> भार० पी० राजेश, सक्षम प्राधिवारी सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-1, नर्ष दिल्ली

तारीय - 4~1 1--19**8**5 **नोहर** ब प्रारूप आई. टी. एन. एस. ------

# आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन त्वना

भारत सरकार

# कार्यास्य, सञ्चायक भायकर जाम्यस (निरक्षिण) प्रजन रेज-1, सम्बर्ध

बम्बई, दिनांश । नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/5764/84-85--ग्रन: मुझे, पी० एन० दूबे,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव शायित्य नंव 154, जो, 15वी मंजिल, मिसल कोर्ट, बी-दिग, नरीमन प्याइंट, बम्बई—21 है तथा जो बम्बई—21 में स्थित है श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका अरारनामा श्रायकर श्रीविनयम, 1961 की धारा 269 है, खें श्रीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के न्यांत्रिय में रिजिस्ट्री है, सारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अंसरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती सावित्री ताराचंद भारवानी

(ग्रन्सरक)

2. श्री चंद्रा सिंग लांधा श्रीर श्रीमती कुमुम लोधा। (श्रन्तरिती)

# को यह सूचना चारी करके पूर्वोच्य सम्पृत्ति के अर्थन के निष् कार्यनाहियां मुरू करता हूं।

## जनत सम्परित के जर्जन तम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- जर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहों अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अमुसूची

कार्यालय नं० 154, जो, 15वीं मंजिल, मिसल कोर्ट बी-विंग, नरीमन ध्वाइंट, वस्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/5532/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, बम्बई

नारी**ज:** 1-11-1985

प्रस्य सार्व . टी . एवं . एवं . -----

नामकर मीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीर स्थना

#### कार्या करकार

कार्थालयः, सहायक भावकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजँन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई-1/37-ईई/5767/84-85---ग्रत: मुझे पी० एन० दुवे,

नावकर निविचयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के लधीन प्रथम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिनकर उक्ति बाजार मृस्व 1,00,000/- रु. से किधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ई-302, जो, 3री मंजिल, ''कैलाग्न'' इमारत, निर्मानाधीत इमारत, 293, बेलासिस रोड, बम्बई-8 है तथा जो बम्बई-8 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध प्रतमूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के दार्थालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1-3-1985

को पूर्वीक्ष सम्परित को उचित संभार मृत्य से काम के क्षमकात प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई हैं। लीर मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित वाचार मृत्य, उसके क्याक्षण प्रतिकल से एसे क्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रसिक्षत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिक के लिए तय पाया गया प्रतिक के लिए तय पाया गया प्रतिक के लिए त्य पाया गया प्रतिक के लिए तथ पाया प्रतिक लिए तथ पाया प्रतिक लिए तथा प्रतिक लिए

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्तें अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1 श्री फक्तिमा अमाज

(भ्रन्तरक)

2 श्रलीमोहम्मद हाजी काराम नाथानी।

(अन्तिरती)

को बह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यनाहिए। शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध मा कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति ही, वहीं अर्थ हालेगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

## जन्तुनी

फ्लैंट नं॰ ई-302, जो, 3री मंजिल, "कैलाश" इमारत, निर्मानाधीन इमारत, 293, बेलासिस रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/5534/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दूबे यक्षम प्राधिकारी सहाय*ः* श्रायकर श्रायकन (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, **बम्बर्ड**

तारीख 4-11-1985

माहर 🖫

प्ररूप आहर्र.टी.एम.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सुवना

भरित सरकार

## कार्याक्षयं, सञ्चासक आधानार आयुक्त (निरोधक) ग्राजन रॅज∼1, वस्वर्ष

बम्बर्ड, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं ० ग्रई-1/37-ईई/5769/84-85--ग्रतः मृसै, पी ० एन० दूबे,

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसमें प्रकात (उक्त अधिनियस) कहा नवा ही, की धररा 269-क के अधीन सक्षम अधिकारी को वह विश्वास करने का कारण ही कि स्थानर सम्बक्ति, जिसका उचित बाकर मूख्य 1.00.000/- रू. से अधिक है

और जिसकी सं युनिट/गाला नं 35, जो, तल माला, ए-1 इमारत, शह एण्ड नहार इन्डिस्ट्रियल इस्टेट, लोअर परेल, बम्बई-400 013 है, तथा जो बम्बई-13 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क स के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-3-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्षदेय से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) कम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथितियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उम्रत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मै॰ धनराज मिल्म प्रायवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती पुष्पा म्रलीधर छात्रीया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नम्स्यी

यूनिट माला नं० 35, जो. तल माला, ए-1 इमारन, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-1/37-ईई/5535/ 84-85 थीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टटर्ड किया गया है।

> पी० एन० दूवें/ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रोज-1, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

मोद्धर:

प्रस्प भाष्ट्रि टी, एन् एक अस्तरमञ्ज्य

# नायकाड मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) में मधीन स्थना

### भारत सरकार

काश्तिय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/5778/84-85--ग्रतः मु पी० एन० दुवे,

शायकर अभिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है),, की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रौद्योगिक यूनिट नं० 219, जो, 27 मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट (ए-1), प्र राज मिल कम्पाउंड, लोग्नर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुनी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आय-कर श्रिविनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 1-3-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस,, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम विश्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--41-366 GI/85

1. मेसर्म यूनाइटेड कामणियल सिडीकेट

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स सनटेक्स प्रायवेट लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कंरके पूर्वो त सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं [1]

अवस् सम्पृतित् के भूषीन के सम्बन्ध में काई भी बासीय ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्त्वस्थन्थी व्यक्तियों पर स्वना की ताबीस से 30 दिन की जबिध, को भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे

स्पष्टीफरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

श्रीद्योगिक यूनिट नं० 2क्र9, जो, 2री मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट (v-1), धनराज मिल कम्पा-लोग्नर परेल, बम्ब $\xi-13$  में स्थित है।

ग्रनुसुची जैसा कि कि न ग्रई $\sim 1/37-$ ईई/5584-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 $-3\sim85$  को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० **दूबे** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 1-11-19

## प्रकम बाई.टी.एन,एस.------

# बायकर वीधिभयन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के वधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजैन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनां ह 4 नवम्बर 1985

निर्वेश सं० म्राई · 1/37—ईई/5779/84--85—-म्रतः मुझे, पी० एन० दूबे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिनकी सं० फ्लैट नं० 5, जो, 1ली मंजिल, "मेहेर माबाद" इमारत, भुलाभाई देपाई रोड़, बम्बई—26 है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसस उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा भ्रायकर मिंचिनम, 1961 की धारा 269 है, ख के मधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पिश के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य' उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उर्व्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हर्द किसी जाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ■ किए; बौर/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

क्षाः वयः, उक्त विभिन्नियं की धारा 269-ग के अनुहरक मैं, में उक्त विधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (१) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थातः :---

- 1. श्रीमती लक्ष्मीं किशानचंद श्रष्ठवानी । (श्रन्तरक)
- 2. मैं० विकटर इन्वेस्टमेंटस एण्ड ट्रेडिंग कं० प्रा० लि०। (श्रन्तिरिली)
- 3. भ्रन्तरितियों

(यह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

कां यह स्थान कारी कारको पूर्वोक्त सम्परित की वर्षन के सिध् कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रोंक्य व्यक्तियों में से किसी स्पवित ब्वाय;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी बन्ध व्यक्ति द्वाय अधोहस्ताक्षरी के शब सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :— इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ कृंगा, जो उस अध्याय में दिवा नवा हैं है

#### अमुसूची

पलैट नं० 5, जो, 1ली मंजिल, "मेहेर श्राबाद" उमारत, मुलाभाई देशाई रोड़, बम्बई-400026 में स्थित है। श्रन्सूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/5540/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वार, दिनांक 1--3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

पी० एन० दूबे मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--1, बम्बई

तारीख: 4-11-1985

माहर :

प्राख्य अर्घः टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ध (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-ा, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० भई-I/37-ईई/5781/84-85---भतः मुझे, पी० एन० दूबे,

नायकर निभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित वाकार म्स्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 306, जो, 3री मंजिल, एच० इमारत, खिना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंदे मार्ग, िखरी (प०), बम्बई -15 है तथा जो बम्बई -15 में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिस्ता करारनामा आयार अधिनियम, 1961 की धारा 2695, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यानय में रजिस्ट्री है, सारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसक स्वयमान प्रतिफल से, एसं स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिबों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्केय्य से उक्त अन्तरण निधित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वेहुई किती अन्य की बाल्त, बल्ब वीधीन्त्रम के बधीन कर दोने के बलारक के वादित्य में कनी करने मा उच्छे बचने में बृद्धिया में सिए; बाँड/बा
- (व) ऐसी किसी नाय या किसी अन या अस्य अतिस्तवों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए:

भतः अभ, अभत अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरक मं, मं, उथत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीय, निम्मसिचित व्यक्तियों अधीत ६—- 1. श्रीमती प्रथिणा ए० जोशी और श्री अंबाशंकर एन० जोशीं।

(भन्तरक)

7. श्रीमती नसीम सैंब मुफता

(मन्तरिती)

न्त्रे यह स्वान वारी करके पूर्वोक्त सपीत के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सुर्व करता हुई।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबस्थ
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 306, जो, 3रीं मंजिल, एच-इमारत, चिना बिना श्रपार्टमेंटन, श्राचार्य दोंदे मार्ग, लिपरी (प०), बम्बई-15 में स्थित है।

श्रनुसूनी जैसा कि ऋ० सं० श्रई -1/37--ईई/5542/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर गायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊸I, बम्बई

तारीख: 1-11-1985 मोहर: प्रक्षम् आह्राँ दी एवं एस .-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यांक्य , सहायक आयकत् आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निवेश सं० भ्रई-1/37-ईई/5782/84-85-- ग्रत मुझे, पी॰ एन॰ दूबे,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह से अधिक हैं

और जिसकी सं० यूनिट नं० 315, जो, 3री मंजिल, ए-1, पाहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एम० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिशारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है, नारीख 1-3-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के धरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से एसे धर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के. किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण निक्षित में वास्तिक कप्रसे किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर देने को अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ज्ञान, उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत् ह—-

1. मैं० शहा एण्ड नहार एसोसियेट्स

(प्रन्तरक)

2 श्री स्नार० वाई० शर्मा

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिक्त कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिसा में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन क्री तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोष्ट्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

यूनिट नं० 315, जो, 3री मजिल, ए-1, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इम्टेट, एम० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

ग्रनुमूर्ची जैमा कि ऋ० मं० ग्रई-I/37-ईई/5543/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  $1 \sim 3$ -1985 को रिजस्टिंड किया गया है।

पी० एन० दू**र्व** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–I, बम्बर्भ

तारीख: 1-11-1985

प्रकर नार्चु,दी..एसं..एच... ----र-००-

बायकर विधितियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के बंधीन स्पना

#### गाउँ चर्डकार

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** 

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नचम्बर 1985

निर्दोश सं० श्रई-1/37-ईई/5783/84-85--श्रत मुझे, पी० एन० दुवे,

कायकर विश्विमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की पारा 269-स के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस्की सं० फ्लैट नं० 7, जो, 3री मंत्रिल, राधा कहन, प्लाट नं० 66, सायन (पूर्व), बम्बई—22 है तथा जो बम्बई—22 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिस्का करारनामा श्रायकर श्रविनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्रा है तारीख 2-3-1985

को पूर्विश्त सम्पत्ति के जियत वाजार मृत्य ते कम के दश्यमान प्रतिफ स से लिए क्यारिती की पद् और मृत्ये यह विश्वास इंग्रें का कारण है कि यदाप्तीं क्य सम्पत्ति का जियत वाजार भूज्य, जसले दश्यमाथ प्रतिफब से, होते क्यामल प्रतिफल का पद्धह प्रशिश्य से जियक हैं की इ. अस्तरक (अस्तरका) और अस्विति (अस्तरितियाँ) के बीच एसे बस्तरूप से लिए तब पास परा प्रतिफस निकाशिक स्वारोध स्वारोध समा परा है :--

- (क्ष) बन्तरण से हुन् किसी नाथ की नायतः, उसत बीधीनयय से बचीन कर दोने की सन्तरक के स्वित्यस में कमी सर्थ ना उससे क्याने में सुनिका के सिए; बॉर/ना
- (%) होती किसी बाय या किसी धन या बन्य वाकितवाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रकोण-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए या स्थिनी में सुविधा के लिए;

अतः कव, कव अविनियम की भारा 269-व के अनुवर्ध में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अपीन\_ निक्तिप्रक्रिय किया किया कर्म 1 मैसर्स राधा बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

2 श्री जॉन फान्सीस परेरा और श्रीमती निलनी जॉन परेरा।

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरितियों

(वह व्यक्ति, जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)

को यह क्ष्यना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्णन के अल के अल कार्यनाहरू

उक्त सन्मक्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाकोप हिल्ल

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4:5 बिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पद सूचना की ठानील से 30 बिन की खबिंद, को जी संबंधि बाद में ब्रजान्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (च) इस सूचना के राज्यक में क्रकाशन की तारीच तें 45 दिन को भीतर उक्त स्वादर सम्प्रित में हितक्ष्य किसी ब्रान्य व्यक्ति द्यारा अभाइस्ताक्षरों के पास सिसिश्त में किए का सकेंगे।

श्यक्यीकरण: -- इसमें प्रयुक्त वाक्यों और पर्यों का, को उक्क अभिनियम के बध्याव 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना, को उस सध्याय में दिया गना हैं।

#### अमृसुची

फ्लैंट नं० 7, जो, 3री मंजिल, राधा कहन, प्लाट नं० 66, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई—I/37-ईई/5544/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

## इक्द बार्च न हो । एक एक प्रस्

अल्यकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निराक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 1 नवम्बर 1985

निदेश स० म्रई-1/37-ईई/5789/84--85---म्रत मुझे, पी० एन० दुवे,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उभित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट न० 1, जो, 3री मंजिल, पटेल श्राटंमेटन, इमारत न० 7बी, बी० जी० खेर रोड, बम्बई-18 है तथा जो बम्बई-18 में स्थित है (श्रीर इमसे उपावद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण का से विणित है), ग्रीर जिमका करार-नामा श्रायवर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 2697, ख के श्रीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पर्वोक्त सम्पर्ति के बिषत बाजार मूल्य से कम के व्यवभान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिस्रत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंद-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकस, निम्नलिखित जब्दोस से स्वत बंदरण निश्चिक में बास्तरिक रूप से कर्षिक मुद्दी किया गया है हि—

- (क) जनतरण ने हुई कि जी आव की शबदा, जनत अधिनियद के अभीन कर योगे की अंतरक को दायित्व वो कभी करने मा उससे बचने वो सुविधा की लिए; वाँद्र/वा
- (क) एसी किसी भाव या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, या अनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं स्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण कें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नीसिम्बत अधिज्ञां, अधीन, हि—

1. श्री युसूफ अञ्चुल्ला पटेल।

(भन्तरक)

2 श्री जितेन्द्र चुनीलाल महा, श्रीमती निलनी जितेन्द्र महा, श्रीर श्रीमती माताबेन चुनीलाल महा। (ग्रन्तरिती)

का वह ब्रुचना चारीं करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उच्य बज्याति के वर्षन् के तुम्बरम् में कीए भी बासने र-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विश्व की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर व्यक्ति स्वति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीय व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तंपरित में हित-व्या किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी वं पास निविद्य में किस वा सकेंचे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों और वर्गों का, यो उन्ह निधिनयन के नध्याय 20-क में परिशायित हैं। बहुत वर्ष होगा थो उस नध्याय में दिय नथा है।

## धनुसूची

पलैट न० 1, जो, 3री मिजिल, पटेल भाषार्टमेटस, इमा-रत न० 7 बी, बी० जी० खेर रोड, बम्बई-18 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० स० ग्रई-1/37-ईई/5550/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 19-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बम्बर्ष

तारीख: 1-11-1985

मोहर ह

## इक्ष् नार्वं टी. एन्.एक . ------

भाषा १८६५ (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन स्माना

#### भारत तरकार

## कार्याज्य, शहायक जायकर जायकर (निर्दाशक)

ध्रजेन रोज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, जो, इसारस नं० सी-1, 6टी मंजिल, हुडा श्रार्टमेंटस, 95, नोरलैंण्ड रोड़, बम्बई-8 है तथा जो बम्बई-8 में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुधुवी में ग्राँर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269रु, ख के श्रत्रीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके ध्रवमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (संतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित के बास्तिक रूप से कृतिस्त महाँ किया गया है ध्र—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को खिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) और प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नसिवित व्यक्तियाँ, वर्षात ह—

- में सर्म थेराप्युटीक्स इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लि० (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती फातिमा ग्रब्दुल रहीम

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करला हुं।

उक्त सम्पत्ति के वृष्यंत् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वना की तामील से 30 दिन की नविभ, भी भी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्स क्यित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में द्वितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिता में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिन्तम के नध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं न्यें होगा को उस नध्याय में दिवा गुषा है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 1. जो, इमारत नं० सी-1, 6ठी मंजिल, हुडा श्रपार्टमेट्स, 95, मोरलैंण्ड रोड़, बम्बई-8 में स्थित है।

श्रनुषुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37—ईई/5551/84—85 श्रीर जो सक्षम प्राधितारी, वस्बई द्वारा विनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुषे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्र श्रायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज–I, बम्बई

सारीख: 1-11-1985

मोहरः

## प्रकप बार्ड की एन एस ------

# आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्रई--1/37-ईई/5791/84--85---श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० "ए", हुडा ग्राहेंमेंटस, 95, मोरलेंण्ड रोड़, बम्बई -8 है तथा जो बम्बई-8 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध) ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा भायकर ग्राजिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्राजित, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को प्यंक्ति सम्पत्ति के उत्तित बाबार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पंद्रह् प्रतिष्ठत से अधिक है बीर अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (कः) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अर्थेर/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आंस्सियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उसत स्रोधिनयम की धारा 269-ग को अन्सरण मों, कैं, अयत संधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को सधौषा, निम्नलिखित स्यक्तियों, क्यांत् ६→

- मैंग्रसं थेराध्युटिक्स इन्वेस्टमेंट प्रायवेट लि॰ (अन्तरक)
- 2. श्री **प्**रतश्रली नबी जान टेलर। (ग्रन्स

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्बिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## मनुसूची

प्लैट नं० 4, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० "ए", हुडा अपार्टमेंटस, 95, मोरलैण्ड रोड़, बम्बई-8 मे स्थित है।

. श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37-ईई/5552/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, वस्बई

तारीखा: 1-11-1985

# भक्त जारं .शी. एत .एस. - ------

# नायकर निभीनयम, 1961 (1961 का 43) की बाडा 269-व (1) के नुभीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/5799/84-85-श्रतः मुझे, पी० एन० द्रवे,

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके शक्तात् 'उक्त विभिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिपकी सं० फ्लैंट नं० 26 श्रीर 27 है जो 2 री मजिल मिना सदन, सायन रोड़ (प०), बम्बई—22 है तथा जो बम्बई—22 में स्थिन है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिमका जरारनामा ग्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री तारीख 1−3−1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित् की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि बचाप्चोंक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे वश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अभिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और बन्त-रिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरम के लिए तब पाचा नवा वितिक निम्निवित्त उद्वर्ष से अवत बन्तरम सिव्ति में बास्तविक रूप से कथित वहीं किया बना है है

- (क) मन्तरण से इर्ड किसी बाय की बाबत उक्त श्रीपितक्य के ज्यीन कर दोने के मन्तरक तें वाक्तिक में कमी करने या उत्तर्ध वचने से सुविधा के सिए, क्षार्ट, था

जताः जब, उक्त अभिनियम कौ धारा 269-ग कै जन्सरक मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 42—366 GI/85 1. श्रीमती ग्रार० लक्ष्मी ग्रार० कानन

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती कमला श्रमरलाल दोशी, श्री श्रमरलाल उजमणी दोशी, फ़ादर एण्ड नेचूरल गार्डियन——मायनर—— कमार धरमेण अमरलाल दोणी और श्रीमती मुणीला नानीलाल दोणी।

(म्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरितियों

(वह व्यक्ति जिसके ऋधिभोग में गम्मति है)

को बहु बुषना बारी करके पृश्तेन्त सन्यत्ति से वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## प्रवद्य सम्मृतिस् के वर्षात्र्य से सम्मृत्यु में कोई श्री वासोद्धः

- (क) इस स्वार, के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों. पर स्वान की तामीस से 30 बिन की अविध, को भी स्वाचि बाद में सनाय होती हो, में कीतर प्रविच्य महिन्द्रमों में ही किसी महिन्द्र ह्वाग्रह
- (क) इस स्वभा के राज्यन में प्रकाशन की तारीज से 45 दिव में भीतर उक्त स्वावर सम्मत्ति में हितवपूर्व किसी कन्य म्यक्तित् व्यास स्थोहस्ताक्ष्री के वास मिन्दित में किस सा सकीचे ।

स्वकाकरणः — इसमें प्रवच्य प्रकार कीर पर्वो का, जो प्रवस् विधिनयम क अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया वर्षा हैं ॥

### अनुस्**ची**

फ्लैट सं० 26 श्रीर 27, जो, 2री मंजिल, मिना सदन, सायन (प०), बम्बई-22 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि फ्र॰ सं॰ श्रई-137—ईई1555684-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिसांक 1-3-1985 को रजिस्टड किया गया है।

पी० एन० **दूबे** सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) म्रजॅन रेज−, बस्बई

नारीख 1-11-1985

## प्रकृष बाह्र , टी , एन , एउ ,-----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के बधीन सूचना

#### मारत चरकार

# कार्यांतव, सहायक नायकर नायुक्त (निट्टकिंग)

मर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० धई-1/37-ईई/5800/84-85---- प्रतः मुझे, पी० एन० दुबे,

अनकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धनको पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हाँ), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी की, यह विकास करने का कारण हाँ कि स्थानर सम्परित, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हाँ

ग्रीर जिसकी सं पलैट नं 6 ग्रीर गैरेज नं 1, जो, "राज निलम", डा॰ राजाबली पटेल रोड़, बम्बई-26 है तथा जो बम्बई-26 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या जिःसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 श्री एम० जे० ग्रापरिल्स

(भ्रन्तर ह)

- 2 दालेल मिंग ,बी० जैन श्रीर श्रनिल कुमार जैन (श्रन्तरिती)
- 3 अन्तरिक्यो

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पच्टोकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पलैट ० नं 6 ग्रीर गैरेज नं० 1, जो, "राज निसम", डा० राजाबली पटेल रोड, बम्बई-26 में स्थित है। ग्रमुची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/5557/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे सक्षम प्राधि ∷ारी सहायक भ्रायकर श्रायक्स (निरीक्षण स्रजैन रोज-1, बस्बई

नारीज: 1-11-1985

## विकास साहित्य की अपने प्रस्तित के से अन्यत

# भाषकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भूभीन चूलना

#### भारत चरकार

## कार्यामय, बहायक बायकर बायुक्त (निर्देशक)

. ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/5804/84-85---- भतः मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के निधीन रुक्त प्राधिकारी को यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित वाकार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिज्ञकी सं० फ्लैंट नं० 4 बी, जो, 4थी मंजिल, ग्रल्ट-ह्यु, 7, श्रल्ट म ऊंट रोड, बम्बई-26 है तथा जो बम्बई-26 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड अनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), श्रौर जिल्ला करारनामा श्रायवर ग्रधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि तरी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तरीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्यों से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिता के अधिता के अधीन, निम्निलिखित के अधीन, निम्निलिखित के अधीन, निम्निलिखित के अधित के अधीन,

1 डा० यशवन्त गजानन बेनकर

(प्रन्तर ह)

2 श्री शैलेश रिसकलाल खरीडिया, श्रीमती मीना शैलेश खरीडिया, श्रीर श्रीमती निर्मलाबेन रिसकलाल खरीडिया। (श्रन्तरिती)

3 अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4 बैन्स ग्राफ़ बरोदा
(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्सि सम्पिट्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकी गे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

पलैट नं० 4 बी, जो 4थी मंजिल, मस्टब्यु, 7 १२ट -माउंट रोड़, बम्बई-26 में स्थित है। धनुसुबी जैसा कि ऋ० सं० मई-1/37-ईई/5598/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधितारी, बम्बई द्वारा दिनान 4-3-1985 को रजिस्टर्ड विया गया है।

> पी० एन० दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रोज-1, बम्बई

तारीख: 4-11-1985

मोहर 🛭

# **१६५ वार्षः टी पुन**्पक् प्रकारण सम्बद्धान्यक

गायकर अधिनियम : 1961 (1961 का 43) की वारा 269-ज (१) में मधीन स्वना

#### ज्ञारत सरकार

कार्यान्य, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रजंन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985 .निवेण सं० भई-1/37-ईई/5822/84-85---श्रतः मुक्षे, पी० एन० इबे,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 18, जो, 5वी मंजिल, विनस को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 45—डी०, वरली हिल इस्टेट, बम्बई—18 है तथा जो बम्बई—18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 में, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4—3—85 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से ऐसे रूथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण वे हुए जिलों नाव की वावतः, स्वयः अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के समित्व में कमी करने या उससे ब्यने में स्तिधा वे शिष्: अडि/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्ये आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्यक्त अधिनियम, या अन्यक्त अधिनियम, या अन्यक्त अधिनियम, या अन्यक्त अधिनियम, 1987 (1987 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए।

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स

1 श्री जी० डी० किशनचंदानी

(भन्तरक)

2 श्रीमती शोभा वि० गूर्टू ग्रीर श्री नरेन्द्र वि० गूर्टू

(भ्रन्तरिती)

3 श्री और श्रीमती जी० डी० किशानचंदानी (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सस्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

एक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 4---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में वे सिसी व्यक्ति द्वाडा;
- (ण) इस स्चना के राजपच में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसवबुध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विश्वा स्था है।

## वन्त्वी

फ्लैंट नं० 18, जो, ंऽवीं मंजिल, विनस को-ग्राप० हार्जीसग मोक्षायटी लि०, प्लाट नं० 45-डी०, वरली हिल इस्टेट, बम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि क्र० सं० श्रई-1/37-ईई/5602/ 84-85 श्रीरजो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोज-1, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

मोहर 🥹

## प्रकथ आईं दी पुरा वर्ष प्रकारक

भायकर मोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचवा

#### भारत रहकार

कार्याजय, सहायक बायकर वायुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985 निदेश स० ऋई-1/37-ईई/5829/84-85---अतः मुझे, पी० एन० दुवे,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1, ●0,000/- रु. से अभिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, जो, 11वीं मंजिल, विनस को-ग्राप० हार्जिसग सोतायटी लिं०, ७गट नं० 48, मिल्क डेग्रेरी के पास, वरली, बम्बई—18 है तथा जो बम्बई—18 में स्थित है (ग्रौर इमसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर वर्ण का से वर्णित है), ग्रौर जिसका कर रामामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरिक्ष की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दरमान प्रतिकल से, एसे दर्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरिक्स) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिक्का, निम्नतिचित प्रकृषिय से उक्त अस्तरण निचित् में बास्तिक रूप से किथन कहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तप्त से शुक्ष किसीं आप की बाबता, उपत अविगियम के बधीन कर देने खे बच्चरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिक; बार/या
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी धनु या अन्य आस्तिवाँ को, चिन्ही भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धनकद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रवोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया चाना चाहिए वा, क्रिपाने वें सविधा के शिए;

भरा वन, समय विधित्यम की धारा 269-ग की बनुसरण में, में, उसर अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के नभीन, निम्नालिंकित व्यक्तिस्थी, अर्थास् ह— 1 श्रीमती रमाबेन बी०ं मेहता।

(मन्तरक)

2 हिराबेन चूनीलाल सोनी, श्री नरेन्द्र सी० सोनी, श्रीमती सरोज एन० सोनी, श्री प्रफुल सी० सोनी ग्रीर मास्टर सुकेतु प्रफुल सोनी।

(म्रन्तरिती)

3 ग्रन्तरितयों

वह व्यक्ति जिसके <mark>ग्रधिभोग में</mark> सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त करूपित के अर्थन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

दक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाध्येप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की जबधि, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बब्ध किसी मन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

## प्रमुत्भी

फ्लैंट नं 1, जो, 11वी मंजिल, विनस को-ग्राप हाउसिंग मोगायटी लिं०, प्लाट नं 48, मिल्क डेंगरी के पास, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई-1/37ईई-/5605/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

प्रका नाही हो हो । एक प्रमुख्याना

भायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) की गारा 269-च (1) के अभीत तुचना

#### भारत दश्कार

कार्यांस्य, सङ्घाक स्थानकर कार्युक्त (विकरीकान)

ग्रर्जन रेंज⊸1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985 निदेश सं० अई--1/37--ईई/5831/84-85---अत मुझे पी० एन० दुझे,

भामकर निर्माणका, 1961 (1961 का 43) शिनसे भूक्सरें । इसके परचास् 'स्थल स्थितियम' कहा एका ही, की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह स्थितमास कर्कने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- फ. से व्यक्तिक ही

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 25, जो, 6ठी मंजिल, फायनल प्लाट नं० 1035, टी० पी० एस० प्रभादेवी, 1, खेड गल्ली प्राफ सयानी रोड़, प्रभादेवी, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), और जिसका करारनामा श्राय र श्रिश्वित्यम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्विक्त सम्मित के स्थित बाबार मूल्य से कम के क्रमकाम प्रतिफस के सिए बन्तिरित की वर्ष हैं और मुक्ते वह किस्कास करने का कारण है कि स्थापूर्विक्त सम्मित का उपित बाजार गृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान व्यतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिक्त (अन्तरिक्ति) के बीच एसे अन्तरण के स्मिप्ट ह्य गया यहा प्रतिपन्न, निष्मितिष्ठक उप्दिष्य से उन्त अन्तरण निर्मिक में गास्तिक रूप से काभित नहीं किया क्या हैं:—

- (क) नल्द्राता संहुद्ध निक्सी भाग भी बासत उन्हा नीध-जीधनियम के क्यींग कर देने के कल्फरक के याधित्य में कभी करने या उत्तसे वथने में सुविधा की विद्यु;
- (क) ऐसी किसी नाथ या किसी धन या नन्य नास्तियों को जिन्ही नारतीय भावकर निधितन्यम, 1922 (1922 का 11) या उपत निधानयम, मा धन-कर निधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया थन या किना जाना नाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के लिए; नीर, निमा

जवः शत्र, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अमृत्ररण में, में, उक्क अधिनियम की भारा 269-च की उपधास (1) के क्थीन, निम्नितिक व्यक्तियों,, वर्धात् क्र— 1. श्री डी० एच० लोटलीकर।

(ग्रन्तरक)

2 श्री वेंकटमल्लू चन्द्रैय्या चिलवेरी और श्रीमती लमीध्बाई वेंकटमल्लू चिलवेरी। (ग्रन्तरिती)

4. भ्रन्तरितियों

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह क्षमा जारी काएके पूर्वोक्त सम्प्रीत्स के अर्थन के निष् कार्यक्रियां कार्यक हो।

क्षांचर सम्बरित को अर्जन को संबंध में कावेद थी। बाह्यांग हा---

- (क) इच क्यम में समयम में प्रमाणन की सारीय में 45 हिन की समूचि का क्यम्पानी महिनसकों पृथ स्थाप की शब्दीय से 30 दिल की नवित्र में भी अविद् बाद में सम्प्राम होती हो, के भीकर प्रवेतिस महिन्दों में से सिस्ती म्यानित हवारा;
- (क) इस क्ष्यता के राजवन में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के भीदार उक्त स्थापर सम्मति के हितबद्ध कियी जन्म व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पात सिचित में किए जा सकी।

स्पक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कार्यों और पवों का जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्ष होगा जो उस अध्याय में विया चवा हैं।

#### वहस्त्री

फ्लैट नं० 25, जो, 6ठी मंजिल, फायनल प्लाट नं० 1035, टीं० पी० एस० प्रभादेवी, 1, खेड गल्ली, स्नाफ संयानी रोड़, प्रभादेवी, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं० श्रई-1/37–ईई/5608/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4–3–1985 की रिजस्टिंड किया गया है।

पी० एन० दूबे. सक्षम प्राधिकार्री सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 1 - 11-1985

मोहर •

# मुख्य बार्च 🗈 ह्यें हु प्यञ्च प्रस्टु------------

श्रायकः अभिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन सूचना

#### शास ब्रह्माड

## कार्याभूय, बहायक भागकार कार्यका (भिरोक्क)

धर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्रई- 1/37-ईई/5834/84-85---श्रत मुझे, पी० एन० दुबे,

बायकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे देवने इसके प्रथात 'उनत निवित्यम' कहा पना हैं), की धारा 269-व के वधीन सक्षय प्राधिकारी की वह निरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नावार नूक्य 1,00000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लिट नं 339, जो, 3रीं मंजिल, महा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-2, एस० जे मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इस्से उप।बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगित है), और जिल्हा करारनामा आयहर अधिनयम, 1961 की धारा 2695, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यात्रय में रिलस्ट्री है, तारीख 4-3-1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूका से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुके यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रपिफल का पन्द्रह प्रतिक रे अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण है लिए तय पाया पत्रा प्रतिफल, निम्नलिकत उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुन्दै किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बच्ने भें सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाद ना किसी वन वा बन्य कास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर जी पनिनम . 1922 (1922 का 11) वा उन्त विभिन्यम , का बनकर विभिन्यम . 1957 (1957 का 27) के हक्केबनाचें बन्दरिती इवास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था , खियाने में वर्षिया के सिए;

जरत जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की जनसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मै० शहा एण्ड नहार श्रासोसियेट्स

(श्रन्तरकः)

2. श्री चिष्णू पी० नाईक

(भ्रन्तरिती)

का यह तुषका बारी करके पूर्वांक्य संपरित के कर्वन के सिए कार्यवाहियां काउता हों।

## बन्द बन्दित के बर्चन के बन्दन्य में कोई भी बाक्षेप्र--

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकारन की तारीय से 45 दिन की अवदित का उत्साजननी व्यक्तियों पर स्थान की वालीत से 30 दिन की जनभि, को भी समित को समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर महिनकुषों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के जीवर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवहुण किसी बन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताकाड़ी वे गास निस्तिक में जिल्ला का सकोंगें।

स्पव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उससे अधिनियम, कें अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## मनुसूची

यूनिट नं० 339, जो, 3री मंजिल, शाहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-2, एम० जे० मार्ग, लोभ्रर परेल, वस्वई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ृंक० सं॰ श्रई-I/37-ईई/5610/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 4-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे सक्षम प्राविकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बस्बई

तारीख: 1-11-1985 मोहर: प्ररूप आहें दी, एन. एस :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-1/37-ई $\xi_1 5836/84$ -85--श्रत मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं कार्यालय नं 428, जो, 4थी मंजिल, पंचरत ध्रांपेरा हाउम, बस्बई-4 है तथा जो बस्बई-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर ध्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ध्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4-3-85 को पूर्वोक्त सम्पर्तित के उचित बाजा रमूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए बस्तरित की गई है और मुमें यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से एसे खर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अम्सरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि हिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि हिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि हिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि हिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हिल्हित में आस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबर, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्कियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात ह— 1. मैंसर्भ सिल्बर स्टार्स।

(श्रन्तरक)

2. मेसर्स श्रालाईड जैम कॉर्पोरेणन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु--

- (क) इंस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधेहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणं:---इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

# **प्रमृत्**ची

कार्यालय नं० 428, जो, 4थी मंजिल, पंचरत्न, भ्रापेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई $-II_137$ -ईई $_15617$  $_184$ -85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक  $_2$ -3-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे<sub>)</sub> सक्षम प्राधिनारी सहायक **ग्रा**यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–I, बम्बर्ध

तारीख: 4-11-1985

मोहर •

प्रकष बाहै, टी. एन. एवा. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना भारत सरकाड़

कार्यालय, सहायक भाषकर बावक्त (निर्दाक्तण)

श्रर्जन रेंज-ं1, बम्बई

बम्बई, दिनां 1 नवम्बर 1985 निदेश सं० प्रई-1/37-ईई/5837/84-85-3त मुसे, पीं० एन० दुबे,

भागकर निभिन्मम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसनें इसके परचाल जिस्त स्थितियमं कहा गया है), की धार 309 स के शर्यान स्थान स्थितियमं कहा गया है), की धार 309 स के शर्यान स्थान स्थान स्थान का, यह निष्यास करा का भारण ही कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं और जिसकी मं० फलैट नि० 8, जो, 15वीं मंजिल, श्रवंति निकेतन को-प्राप्त हाउदिंग सोसायटी लि०, फलन्क रोड़, गायन, बम्बई-22 है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है (और इनमें उपाबद श्रनसूची में और पूर्ण रूप से चिंगत

है), और जिसान करारतामा श्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1961 की धारा 269%, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिगरी के नार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 4-3-1985 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितयों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) धन्तरण से हुई किसी बाय की वायत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के शाबित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा
- (थ) देशी ीळकी बाय या किसी धन मा जन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) भी प्रयोधनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, कियाने में वृष्या के निए;

कतः थव, उक्त वृधिनियन को भाग 269-न के वनुसारन मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 43-366 GI/85

श्री हरेण कुमार पी० कोराडिया,
 श्री जवाहरलाल पी० कोराडिया,
 और श्री राजेण पी० कोराडिया।

(अन्तरक)

श्री मनहरलाल श्रार० शेठ,
 श्रीमती अनुपमा एम गेठ
 शौर श्री किरन एम० गेठ।

(भ्रन्तरितीं)

8 अन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु बुचना जारी करके पृत्रीकत सम्पत्ति के अर्जन दं लिए कार्यनाहियां भूक करता हूं।

उक्त बम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की भविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति युवारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिवित में किए वा सकों ने।

स्पक्टोकरणः — इसमें प्रमुक्त सन्तों और पर्वो का, जो उक्क अभिनियम, के अध्याय 20-क में यथा पृष्टि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय जें दिया गया है।

#### म्मस्यी

फ्लैट नं० 8, जो. 15वीं मंजिल, श्रवंती निकेतन को-म्राप० हार्जिसम सोसायटी लि०, फलन्ज रोड़, सायन, बस्बई-22 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-I/37-ईई/5612/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजे-I, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

मोहरा

## मक्ष्य नाहाँ, द्वी, युवा, वृक्षा<sub>र्य</sub> न श अन्तरह

## भावपार वरिभृतिसम्, 1961 (1961 का 43) हा। भारा 269-च (1) के कभीन सूचना

#### हारुव बरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

अ। थकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थाबर स्म्पेस, जिसका उक्ति नाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० गाला नं० 11, जो 2री मंजिल, टांटिया इंडस्ट्रियल इस्टेट, इमारत ए, जीवराज रामजी बोरिचा मार्ग, सिताराम मिल कम्पाउंड, लोग्नर परेल, बम्बई-11 है तथा जो बम्बई-11 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 2691, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वेषित सम्पत्ति को अभित बाजार मूस्य स कम को अवनान अतिकल को लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त स्थापि का उचित बाजार मृत्य, उसकी एक्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकाल को पंत्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए इस पाना गया प्रतिकास निकालित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निवित्त में बार्विक स्व के कथित नहीं किया क्या है :—

- ुक्त) सन्तर्भ से हुई किसी शाम की वामता, समस् को शीनयम के सभीन कर दोने को अन्तरक के ा जन्मी करने या उससे समसे औं अविभा के सिए; सार्थ/वा
- (च) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्याप प्रकट नहीं किया वया था किया जाना चाहिए था, जिपाने के स्विधा के सिए;

नतः व्यव जनतः नीर्धान्यमं की भारा 269-व के अनुसरण मं, मं, जनतः निधनियमं की भारा 269-व की उपधारा (1) के नधीन, निम्नितिविक म्युक्तियों, अवित् क्ष्- 1. मैसर्स रोज इंटरनेशनल

(श्रन्सरक)

2. श्री डी० बी० शर्मा एण्ड सन्स

(म्रन्तरिती)

धन्तरितः

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राज्यत में प्रकान की तारीस वे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति कारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन को तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के जस

श्यक्टोकारण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को जस अध्याय में दिवा गया है।

## वनुस्ची

गाला नं० 11, जो, 2री मंजिल, टांटीया **इंड**स्ट्रियल इस्टेंट, इमारत ए, जीवराज रामजी <mark>बोरीचा</mark> मार्ग, सिताराम मिल कम्पाउंड, लोगर परेल, बम्बई—11 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० धर्द-1/37—ईई/5613/84—85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4—3—85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवें सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 1-11-1985

प्रक्रम बाह : टी० एन० एस ---

भागवार विधिनियम, 1961 (19**61 का 43) की** 

धारा 269-घ (1) के वधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर बायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/5842/84-85--- स्रतः मुझे $^{\circ}$  पी० एन० दुवे

बाधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परकात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी 'सं० पलैट नं० 15, जो, 2री मंजिल, प्लाट नं० 45, दि राम शरन को-भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सायन (प०), बम्बई—22 में है तथा जो बम्बई—22 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिंगत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4—3—1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए इस्तरित की गई है और मूझे बह बिश्वास करा का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स जिथक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप स किथत नहीं किया गया है:——

- (क) वन्तरण से हुइ किसी जाय की वावस, उक्त अधि-नियम के अधीन कार दोने के कानएम के द्वारिया में कामी कारने या उससे वचने में स्विधा के लिए शौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का किसी मान का किसीनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्चत अधिनियम, या निर्देश विधितियम, 1957 (1957 का 27) का प्रजीवर्शन जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया है का या किया जीना बाहिए था, कियानों में तिवधा के किए;

अतः अव. उक्त अधिनियम का धारा 269-ए अ अनुसरणं में. में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीतः निम्नतिकित व्यक्तिसुद्धों, अधिक 1. श्री निहालचंद एच० चावला।

(ग्रन्तरक)

 मुरेश नन्दलाल मूरपाना श्रौर जगदीश नंदलाल मुरपाना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वचा के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 15, जो, 2री मंजिल, प्लाट नं० 45, दि राम शरन को-आप० हाउसिंग गोगायटी लि०, सायन (प०), बम्ब $\xi$ -22 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-I/37–ईई/5619/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4–3–85 को र्जस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी महायक क्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज–I, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

प्रारूप आई.टी.एग.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985 निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/5843/84-85--ग्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

आयकर मिथिनसम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ष्रौर जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसेस नं० 121 श्रौर कार पाकिंग जगह, 121ए, ग्रौर जो "बजाज भवन" इमारत, नरीमन प्वाइंट, बम्बई-21 है तथा जो बम्बई-21 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं क्रम के अस्पमान प्रविफ्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि उथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब वाया गबा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, अक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधः केलिए;

अत: अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की प्रधारा (1) है अधीन, गिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :---- 1. मैं० इलेक्ट्रो इंजीनियरिंग कापेरेशन

(भन्तरक)

2. मै॰ भ्रापारेल एक्सपोर्ट, प्रमोशन कौनसील (भ्रान्तरिती)

3. भ्रन्तरितियों (लाइसेंसी इलेक्ट्रो मेटल इंडर्स्ट्रीज के पास ।

> (वह व्यक्ति जिसके म्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के क्षर्वन के संबंध में कोई भी काओप --

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सन्नाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजधार में प्रथमकार की नारिष्य में 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध कि कि कि कि का कि कि कि कि कि कि कि कि जा सकीये।

स्वक्रीकरण: — इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदौका, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

#### अमृत्ची

कार्यालय प्रिमायसेस नं० न्नाश श्रौर गाडी पाकिंग जगह 121 ए श्रौर बी, "बजाज भवन" इमारत, तरीमन प्याइंट, सम्बद्ध-21 में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि ऋ० ं अी-1/37-ईई/5620/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को रजिस्टई स्था गया है।

> भी० एन० दूँके सक्षम प्राधिकारी संहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I बस्**वर्ष**

तारी**ख**: 4-11-1985

माहर:

प्रकृष बाहु हो . यून एक . ......

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत बदकार

कार्यालय, सहायक बायकर अाय्क्त (निरीक्षण)

अर्ज : रोज-1 ६म्बई बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37—ईई/5844/84–85—-अतः मुझे पी० एन० दुबे

आयक्य अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके पण्डात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-स अधि अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० यूनिष्ट नं० 445 जो ए-1 शाह एण्ड नहार इंडिस्ट्रियल इस्टेष्ट लोअर परेल, बम्बई-13 हैं तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनु-स्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन; बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है; तारीख 1-3-1985

हैं। वर्धांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य स अब के दश्यमान शितफाल के लिए अन्तरित की गई है और सुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पुन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) अपर अंतरिनी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्वरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिचक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

> अन्तरण में हुई किसी साम की बाबत, उक्क गार्थालका के क्रांपेंक कर तार्वे की मन्तरक की क्रांपें नार्य गांकर्ग भागे की मुक्तिया के सिक्ष; बीद/वा

ल्यो किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिल्हों भारतीय अग्रकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में याविभा के लिए;

वस अह, त्रक्त अधिनियम की भारा 269-ग **वै अनुसरण** तो तो लाक क्षिकिक्षण को शहरा १६०-छ की न्यभारा (1) के क्षील, निक्तिसित व्यक्तिन्दों, अर्थात :--- 1. शहा एण्ड नहार आसोसिएट्स

(अन्तरक)

2. मैंसर्स पूदिया

(ग्रन्तरिती)

को यह सृष् । अर्थ अवर्थ पुर्वाका मणालि के अर्थर के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि सा तत्सा अवस्थि व्यक्तियों पर स्थान की ताबील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के खबपन में प्रकाशन की बारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बत्ति में हिझ- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पार्क्टाक्षरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होना को उस अध्याय में दिवा नया हैं।

### अनुसूची

यूनिट नं० 445, जो, ए-1 शाह एण्ड नहार 'इंडस्ट्रियल' इस्टेप्ट, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/5621/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० **दुवे** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख: 1-11-1985

प्रकल कार्ड दी एन एस.

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अभीन स्चना

#### भारत तरकार

# काशीसक, सहायक मानकर मानुकत (निरीक्षक)

धर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई,दिनांकः । नवम्बर 1985

निर्देश सं० प्राई-1/37-ईई/5846/84-85---- प्रानः स्झे, पी० एन ब्हुबे

नामकर निधिननम, 1961 (1961 का 43) (जिसं क्रथम इसके परवात् 'उक्त निधिनयम' कहा गर्वा हैं),, की धारा 20)-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह शिक्ष्य पर के स कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित भाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से जीधक हैं

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 1, जो, 2री मंतित, नांदीया इडस्ट्रियल इस्टेट इमारत, प्लांट नं० 7, जीवराय भक्ष्यायार्गः लोग्रर परेल, बम्बई-11 हैतथा जो बम्बई-11 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से विणित है), श्रीरित्या करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 26 ा ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यां लय में रिज क् है तारीख 1-3-85

को पूर्वोक्त सम्मित के उभित नाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापृत्रोंकत गंपित्य का उभित कि कि प्राप्त के सिक्त है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए अस्थाप्ता प्राप्त विश्वास के लिए अस्थाप्ता प्राप्त विश्वास के सिक्त कालकर्ण कि कि सा प्राप्ता के स्थाप्त के सिक्त कालकर्ण कि कि सा प्राप्ता के स्थाप से कि सा स्थाप्त के सिक्त कालकर्ण कि कि सा प्राप्ता के स्थाप से कि सा स्थाप्त के सिक्त कालकर्ण कि कि सा प्राप्ता के सिक्त कालकर्ण कि कि सा प्राप्ता के सिक्त कालकर्ण कि सिक्त का प्राप्ता के सिक्त कालकर्ण कि सिक्त कालकर्ण के सिक्त कालकर्ण के सिक्त का प्राप्ता के सिक्त कालकर्ण कालकर्ण कालकर्ण के सिक्त कालकर्ण का

- (क) बंदरण से धूर्य किसी नाय की वासता, उभन अधि, व्याप्त के अधीत कर दोने के अग्यातक के अधीत कर दोने के अग्यातक के विद्यास के अधीत कर दोने के अग्यातक के विद्यास के अग्यात करने के लिए; अदि/धा
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन या अत्य आस्तियों की चिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम. 1977 (1922 का 11) या उसत अधिनियम. १९७१ कार अधिनियम. 1957 (1957 का १७४ प्रवाजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. १८०० के सिए;

कतः वस, उक्त वीपीनसम की भारा 269-ग के बन्सरण मो, मो, उक्त विधिनयम की भारा 269-च की उपधारा (1) मुज्यीन निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्षातः :----

- (1) दी ग्रेट पिराभिड इन्बेस्टमेन्ट कम्पनी लिमिटेड (श्रन्तरक)
- (2) श्री चन्द्रांत बालग्रहण देसाई (अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करकी पूर्वोक्त सध्यत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाहोप :----

- (क) इत त्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सीवंभी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्ति वाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त कराया में से किसी स्वक्ति क्याया.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मेश हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी को पास िश्वित में किए जा सकरेंगे।

रपष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभः जिल ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गबा हैं।

## **मन्स्**ची

युनिट तं ।, जो, 2री मंजित, तांटीया ईडस्ट्रियल इस्टेट इमारत प्लाट नं । 7, जीवराज भरुषा मार्ग, लोग्नर परेल बम्बई-।। में स्थित है।

अनुपुर्वी जैसा हि कि० संक्रैरी/37-ईई/5623/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 को रिअस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम आधिकारी सहायक आयावर प्रापुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-1, बस्बाई

नारीख: 1-11-1985

प्र**क्ष आध**े. टी. एन. एस. .--- .--

शायकर स्थितियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से स्थीन स्थान

#### BISC TSTA

भार्यासय, सङ्घायक आयकर जाव्यक्त (निरीक्तक) श्रर्जन रोंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5851/84-85—-अतः मुझे कींंग्रेंन् दुझे,

नावकर नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से निधक हैं

श्रीर जिसकी सं फ्लैट नं 1204, जो, 12वीं म ल, इमारत नं 1, सुंमेर टावर्स, लय सुन, लेट मोतीशा रोड, मासगांव, सम्बई 10 है तथा जो अम्बई-10 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणत है), श्रीर जिसका अराउनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ह ख के अधीन जम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यांक्य में रिजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाल करने का कारण है कि सथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य,, उसके ध्रयमान प्रतिफल ते, एसे ध्रयमान प्रतिफल के ध्रिष्ठ प्रतिश्वत से अधिक है और बंतरिक (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, किंत, निम्नलिखित उद्बंध्य ने उचत अन्तरण लिखित में शस्ति विक रूप से किंपित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण शें हुए कियी अप की धायल इक्ष्य अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाशित्य में कामी कारणे शा ्यशं लगन का ्ष्या के लिए; और/में:
- एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आहितयाँ की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, अप्ता (1922 का 11) या अक्टा अधिनियम, अप्ता धन-कर अधिनियम, अप्ता धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना चाहिए था, कियाने में अधिन भा और जिए।

शतः जब, सक्त जिमिनम की भारा 269-ग के वन्सरक भाँ, माँ, सक्त जिमिनम की भारा 269-म की सप्थारा (1) के सभीन, निस्नसिक्ति व्यक्तियों, स्थार प्रस्क (।) मैसर्स सुमेर एसोसिएटस

(अन्तरक)

(2) श्री कीतू परमार (म।यनर) द्वारा उनके फादर श्रौर नेसुरल गार्डियन श्री चन्दन मगराज परमार बिल्डर।

(ग्रन्तरिती)

को गृह सुचना जारी करके पृथांचित सम्मृतिः के वर्षन के तिए अध्यासहन्तं करता हों।

साजार मंगरिसा की कर्जन को संबंध नो काहाँ भी आक्षेप :- --

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन की अविधि वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी क्वांव बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवेक्त
- (भ) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से १८ दिन है भीतर ज़क्त स्थावर संपत्ति में हिनवपुम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए वा सकोंगे।

स्मानिकार प्रयुक्त सन्दों और पदों का, यो उन्ह अधिनिकाम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होना यो उस अध्याय में दिरा निकृत

#### अम्स्ची

फ्लैट नं० 1204, जो, 12वी मंजिल, इमारत नं० 1, सुमेर टावर्स, लव लोन, शेट मोतीशारो , माझगांव, बम्बई 10 में स्थित र।

अनुसूची जैसा ि कम सं० प्रहेश।/37 मईई/5558/84-85 आरजा नक्षम प्राधिकारी, सम्बद्ध द्वारा दिनांक 1-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, **अम्बर्ध**

तारीख: 1-11-1985

माहर:

## प्रकृत वाडि . डी . एक . ६व . .....

# नावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

#### मारत सरकार

## कार्यातय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांवः 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं 0 श्रई-1/37 ईई/5855/84-85--श्रतः मुझे, पी॰एन० दुबे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. में की यह ही

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 40, जां, श्रंजू, श्रपार्टमेन्टर श्रागस्टं कांति मार्ग, 4वीं मजित, गवांतिया टैनेत, बम्बई 400 036 है तथा जो बम्बई-36 में स्थित है (और इसमें उपाबझ अनुमुची में और पूर्व कांति विणात है), और जिस ता बरारनामा आयकर अविनियम, 1961 की धारा 269 ल ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985

का पूर्वोक्त सम्मित्त के उच्चित का जार मृत्य ए उन्च का राज्यकार प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वोध्य से उक्त अंतरण निस्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के लशीन कर दौन के अस्तरण के दायिख में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; बरि/या
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग्व के कन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के विभीन, जिम्मिनिवित व्यक्तिगरी, वर्षात् ---

- (1) श्री मोहनलान मोतीनाल कोठारी, नेचुरल और फादर आफ मास्टरअंजू एम० कोठारी और माहन लाल मोती लाल कोठारी। (अन्मरक)
- (2) श्रीमती पारूल नितीन मोधी श्रीर नितीन चन्द्रलाल गोधी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के सिए कार्यनाहियां करना हुए।

उपत नगरित की अर्जन का सबंध में कार्क भी आक्षेप :~--

- (५६) देश मूचना की राजपण भा प्रकाशन की तारी सा स 45 जिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त पिकाफी में से किसी किस सुवारा;
- (का) इस स्थाना क राजध्य मा प्रकाशन को धारीय स तुर्वित से भीतर सकत स्थाधर मस्पत्ति मो हितबव्ध किसी अन्य स्थानत व्यास अधोहस्ताक्षरी के पास निमात मो किए जा सकों ।

स्पर्व्याक्षरणः ----हरमधे प्रयुक्त शब्दाः नीर पदीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जा उर अध्याय में विका गया है।

#### अनुसूची

फ्लैटनं ० 401, जो, ग्रांज अपार्टमेन्टन, श्रागस्ट क्रांति मार्ग 4थी मंजिल, गवालिय टैन्श, बम्बई-36 में स्थिम है।

श्रमुसुची जैसा ि ऋ०सं० अई-1/37-ईई/5562/84--85 और जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वार दिनांक 1-3-85 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> पी० एन० सक्षम प्राधिकीत सहायज्ञायकरक्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

**तारीख**: 1-11-1985

प्रकल कार्यः, धीः, एवः, एसः, ------

बायकर वॉर्थीनयन, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-न की मुधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यांच्या, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-1, यम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मवम्बर, 1985

निर्देश सं • कई-1/37 ईई/5860/84-85--- झतः मुझे पी॰एन॰ बुबे;

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृस्य 1,,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पर्लंड नं० 22, जो, भावेश्वर सदन, 3री है जिल, प्लाट नं० 207, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है (भीर इससे उपाधक अनुसूधी में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा भायकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में राजिस्टी है। सारीख 12-3-1985

हो प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के देश्यमान इतिकल के मिए इन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास इरने का कारण हैं कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार इन्त, उसके देश्यमान प्रतिफल से ऐसे देश्यमान प्रतिफल का देश इतिशत में अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (कन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया इतिफल निम्नितिद्यत उद्वेदय से उच्य अन्तरण लिखित में इस्तिकल निम्नितिद्यत उद्वेदय से उच्य अन्तरण लिखित में

- (स्त) अस्तरण से हुए किसी जाया की बाबत, अक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की धिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए।

बतः इश्व, उन्त लीभिनयम को भारा 269-ग के मन्सरण है, मैं, उन्त सभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) है सभोत, जिस्तिवित स्थान्त्यों, वर्षात् ह—-

- (1) श्रीमती क्षमनी बाई कलाचन्द जी० के । (धन्तरक)
- (2) श्री विठ्ठल दास गोवर्धनदास शहा भौरश्रीमती कुसुम विठ्ठलदास शहा। (भन्तरिती)
- (3) मन्तरितियों

(वह व्यक्ति जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)

कीं यह स्थन जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स से**45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्वना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत व्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त घटनों और पदों का, जो उन्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

फलैट नं॰ 22, जो, भावेश्वर सदन, 3री मंजिल, प्लाट नं॰ 207, सायन (पूर्व,) बम्बई-22 में स्थित है।

भनुम्सी जैसा कि कि श्रई 1/37ईई/5567184-85 भीरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 12-3-85 को रजिस्ट डें किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅज-1, वस्वई

तारीख: 1-11-1985

मोहर 🗈

मरूप कार्**ः टी. एग**ः एसः ॥ ॥ ॥ सत्तः

# कार्यकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारत 269-क (1) के क्योंन क्याना

#### भारत सरकार

# कार्यास्य, सहायक आयकर वाय्क्त (निर्देशक) अर्जन रेंज-1, वस्वर्ष

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5867/84-85---प्रतः मुझै, पीं० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें धमके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, जो, 1लीं मंजिल, घरली भावेग्वर को-भाप० सोमाईटी, डा० भ्रन्बी वेंझट रोड, घरली, बम्बई-18 है तथा जो बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), और विस्ता रारारनामा भ्रायकर भिधिनियम, 1961 भी धारा व ख के प्रभीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी केंग्रायिलय में रिलस्ट्री है तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्स संपोत्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वित चंपित का उचित बाजार मन्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हर्ड किसी जाय की बाउत उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के क्सी करने या उससे बचने के मृतिशा के सिए। और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 /१०२२ की 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ सन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया धाना बाहिए था, क्रियम्बे के सुविधा के रिस्के

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 260-स के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में कधीन, निम्निजित व्यक्तियों, "विकास

- (1) श्रीमती गुणवन्ती विशिनधास घडानी । (धन्तरक)
- (2) श्रीमती झुलेखा इब्राहीम झांगवान । (झन्द्रिती)
- (3) अन्तरक । (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्कत के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उत्तर सम्प्रीत के शुर्वन के संबंध में कोई भी वासीप 🖫 😁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के मीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्त) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की द्वारीख ्सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बव्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताकरी के ग्रेस सिवित में किए या सकेंगे।

स्वतक्षिकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, को उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया समा है।

#### धनुसूची

पलैट नं ० 8, जो, 1 ली मंजिल, घरली भावेग्घर की-धाप० सोसाईटी, डा० धम्नी बेझेन्ट रोड, घरली, बग्बई-18 में स्थित जड़े।

प्रमुसी जैसा कि कि से पर्द-1/37-ईद्ये 5574/04-85 और जो सक्षम प्राधि ारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 की रजिस्टर्ड दिया गया है।

> मी० एन० दुवे सक्षम प्राधिगरी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

# प्ररूप बाइ<sup>रं</sup>ु टी., धन्<sub>र</sub> एस्<sub>रण्य</sub>--=च्थ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सृचना

#### शारुव चरुकानु

# कार्यालय सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, बम्बई

बप्बर्क विनोत १ नवस्वर 1985

निर्वेश सं० अई-1/37-ईई/587₹/84-85--- वतः मुझे, पी॰ एन॰ वृत्ते,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पहलां परचां (उयक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाकार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अात विनकी सं पत्रेट नं 16, जो, 4थीं मंतिल, महाराष्ट्र को-प्राप हाउिता सोसाईटी, लिं का आवेश्वर नगर, परेल, अम्बई-12 है तथा जो बम्बई-12 में स्थित है (और इससे उपायद मनुसूची में और पूर्ण हम से विणित हैं), और जिसका व राजनामा भाषार अधिनितम, 1961 की धारा 269 वा ख के अधीन यम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीर है तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिगल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है है—

- [क) अन्तरण से हुई किसी भाग की नावक उपसे अधिनियम को अधीन केंद्र देने के बन्तरक वं दायित्य मा कमी करने या उससे रज़ने में बृतिक के भिग्न और/मा
- (वा) श्री किसी जाय या किसी भन या जन्म नास्तियाँ को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्यत अधिनियम, या थन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया एका चाहिए था, छिपानें में सृविधा के तिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) अधिन, निम्नलिखिक व्यक्तियों अर्थात् क्र-

(1) श्री मुरलीधर श्रीधर जोशी।

(भ्रन्यरक)

(2) श्री विनायक दत्तात्रय गोविलकर और राजशेखर विनायक गोविकर।

(अन्तरिती)

(3) भन्तरक और उनका परिषार । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए

उन्त संपत्ति के जर्बन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के की 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त महिस्तमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितकक्ष किसी अन्य स्थावित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

ह्याक्ट्रीकरण :--- ६समें प्रयुक्त सम्बं और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विशा गया है।

## न्स्यी

फ्लैट नं 16,जो, 4थीं मंजित, महाराष्ट्र को-श्राप हार्कीमंग संत्राईटी लिं , श्रांबेड हर नं र, परेत, बम्बई-12 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/5579/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे मक्षम प्राधितारी सहायक झायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर

प्रास्त बार्ड .टी. धृत . एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर वायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-1, बम्बद्द बम्बद्दे, विसंक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं अईत 1-37-ईई 5892/84-85--- अतः मुसे, पी एन दुवे,

हालकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (तिसे इसमें हालके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धाछ 269-च के नधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वात करने का काइन हैं कि स्थान्य संपरित, चित्रका उजित, नामाद नुस्क 1,00,000/- रा. से मधिक हैं

भौर जिसकी सं० यूनिट नं० 419ए, जो, 4थीं मंजिल, ए-1, महा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० जे० मार्ग लोअर, परेल, बम्बई-13 में स्थित है

(और इससे उपावद प्रनुस्थी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्मित को जिल्ल बाजार मूल्य से कुन को स्वयमान इतिकन को जिए बन्ति दिव की गर्द हैं बाँड मुक्ते यह दिवबाद इतिकन को जिए बन्ति दिव की गर्द हैं बाँड मुक्ते यह दिवबाद इत्या, उसको स्वयमान प्रतिकत्त से, एसे स्वयमान प्रतिकत्त का कृष्ट प्रतिकृत से ब्धिय हैं बाँड बन्तरक (अंतरकों) बाँड बक्टरती (बन्ति दिवसों) को बीच एसे बन्तरम को जिए तम पामा गया प्रतिक कृष्ट दिन्ति स्वयं उद्योग्य से जन्तर बन्तरम निर्मा के बाइन

- कि हिन्दूर हो हुई कियो मान की वास्त्र अन्य श्रीभीनयम की अभीन कर बाने की समारक के हार्थित में कमी अध्ये वा अनुसे बुझने में अभिया के सिंधु; ब्रीट्/मा
- (व) पुरेशी किसी भाग या किसी भूग या मृत्य अस्तियों का, जिन्हें भाउतीय नाय-कड मुभिनयन, 1922 का 11) या उनल विभिन्यन, या भृतकर मुभिन्यन, या भृतकर मुभिन्यन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मृत्युडती दूवारा मृकद नृहीं किया भूवा वा या किया जाना बाहिए या जिनाने के हित्या में किया में किया में किया

कतः भ्या, उभत म्पिनियम् की भारा 269-म् के, मन्द्रम् म्, मे, उसत् अभिनियम की शास 269-मं की उपभास (1) वे अभीष् भिमनिसित्त स्थितस्यों अभिति ॥— (1) शहा एण्ड नहार धासोक्षिएटस

(मन्दरक)

(2) मैससं कविनाशा एक्सपोर्ट प्रायवेट लि• (प्रग्तरिती

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के कियु कार्यवाहियां सूक करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्जन के स्वयन्त् में कोई भी आक्षेत्र 🛶

- (6) इस सूचना को राजपत्र थें प्रकाशन की टारीच धैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविध, खों और अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीवर पूर्वीक्ड, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाड़ा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, नथाहस्ताक्षरी के पाड़ सिवित में किए या सुकोंचे।

स्थळीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पड़ों का, वॉ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होना को उस अध्याय में दिवा गया है।

## अनुसूची

यूनिष्ट मं ० 419ए, को, 4थीं मंजिल, ए-1, सहा एक महार इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० के० मार्ग, मोधर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

धनुसूत्री जैसा कि कि सं धर-1/37-/देंदें5588/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 1-3-85 को रिकटकं किया गया है।

पी॰ एन॰ दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-७, बस्बर्ध

वारीच: 1-11-1985

मोहर !

ेप्रकृषे कार्ड .टी.एन.एस. <sub>व्यक्तवस्</sub>

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निराक्षण) धर्णन रॅल-1, नम्बई

बम्बई, दिनोक 1 नवम्बर, 1985

निर्वेश सं० घई-1/37-ईई/5893/84-85---- घतः सूसे पीं०एन० दुवे

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें इसमें दसमें दसमें दसमें दसमें दसमें दसमें परचार 'उनत निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से नधिक हैं

शीर जिसकी सं० कार्यालय नं० 819, जो, 8वी मंजिल, एम्बसीं सेंटर, नरीमन पाईट, बम्बई-21 है तथा जो बम्बई-21 में स्थित है (और उत्तेस उपाबद मनुसूनी में और पूर्ण कप से विणत है), और जिसका करारनामा मायकर मधिनियम, 1961 की भारा 269 के खे के मधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकत्न के लिए जन्दरित की गई है जार मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (बंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निसिक्त इन्द्रदेश से उक्त अन्तरण निचित् में वास्त्रीवस्त क्य से स्विवस बहुत एसे स्वत्त अन्तरण निचित् में वास्त्रीवस्त क्य से स्विवस

- (क) शत्यरण संहुई किसी त्राय की वावत, उक्त विधितयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के इपित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय पा किसी थन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर किशनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्तियम, या धनकर मिश्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ मन्दरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के हिस्सु;

् अस्य अव्, उपत विधित्यमं की भारा 269-गं में बन्सरमं में, में,, उपत विधित्यमं की भारा 269-मं की उपभारा (1), अक्रमीन विम्योतियतं स्वित्यमं, वर्षात् हिल्ल-

- (1) ए० बी॰ सी॰ वन्धन्टेन्टस प्रायवेट (लि॰)
  - (प्रग्तरह)
- (2) मैसर्स ए० घार० कारपोरेशन

(भन्वरिती)

(3) धन्तिरतियो

(बहु व्यक्ति, जिसके प्रधिमीग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सन्धित के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

वनत संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बासेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

# बगुजुर्जी

कायौजय नं • 811; जो, 8वी मंजिस, एम्बसी सेंटर, परीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

प्रनुसूर्वी जैसा कि सं० प्रई-1/37-ईई/5589/84-85 जीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 1-3-85 को एजिस्टई किया गया है।

पी० एन० हुवे सक्षम प्राधिकारी सङ्ख्यास भाषकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीखः 1→11→95 बोह्ररः

# प्रकप् आई. टॉ. एन . एस. -----

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारतः सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बर्ड

बम्बई, विनांक 1 नवम्बर 1985

निदोग स॰ अई-1/37—ईई/5898/84-85---अतः मुद्दी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षमः प्राध्कारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अरि जिन्ही सं क फिल कि मोदी चेबर्स में जो फेज बीज आपेरा हाउस बन्बई-4 है तथा जो बन्बई-4 में स्थित है (भीर इसते उनाब अनुवी में ओर पूर्ण रून से वींगन हैं) अरि जिसका कराएल मा आयकर अधिकियम 1961 की धारा 269 क ख के अवीन बन्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिज ट्री है तारीख 1-3-1985

को प्यांक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के रूथमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वेंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिकल से, एसे रूपमान प्रतिकल के पद्रह प्रतिशत सं अधिक है

और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अरएण के निए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित। अष्य से अस्त अन्तरण लिखित में आस्तिवक रूप से कथित अर्थित कर्तरण लिखित में आस्तिवक रूप से कथित अर्थित क्षित क्षेत्र क

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करते या उससे बचने में स्विधा कें लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धंन या बन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, था धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिष्ट,

अतः अस, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के अनुसदम में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अभीत् :--

(1) डा॰ मारत सी॰ देलाई

(अन्तरक)

(2) डा॰ नरेन्द्र नेमाधट

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(बहु व्यक्ति जिनके अधिभीग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन की अवधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जरिध, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया बया हैं।

#### अनुसूची

निनिशिष्य मोंदी चेंबर्स में जी फेंज श्रीज आपरा हाउसन बम्बई-4 में स्थित है।

अत्रपूर्वी जैसा कि क० स० आई-1/37-ईई/5594/84-85 भीर जिल्हा प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 की रिष्टिंड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी धहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज-1, बस्बई

सारीख: 3-11-1985

्रहेरू **वाह**े, टी ्युन्-पुरु<sub>-</sub>, क्<sub>राम</sub>्-----

आयकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के बभीन सूचका

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

भग्बई; दिनांक 1 नवम्बर 1985

जिदेश सं० अई-1/37—ईई/5904/84—85——अतः **मुझे,** पी॰ एन॰ द्ये,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थाव्द संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00.000/- क. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैंट नं० 201 जो देव कृषा इमारत 140-145 नायगाम स्कीम गेंदिन्दजी देणी रोड इन्दर्ह-14 है तथा जो बन्बई-14 में स्थित है (फ्रांट इनसे उपाबद अनुसूची में फ्रांट पूर्ण रूप से (क्रांण है) क्रीट जिन्न हा करारन मा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन धम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रज्हिंदी है तारीख 4-3-1985

तो पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तृतिक हुँ में किथा नहीं किया गया हैं.---

- (का) अस्तरम् संहुद्दं किसी जाव की वाबस्त, जबस् अभिनिष्य के वशीन कर दोने के सम्बद्ध के दासित्व में कभी कर्तने ना उत्तसे समृते में सुविधा वी सिए; बार्ड/सा
- ्रैंक) एसी किसी जाय या किसी धन या जाय जास्तियी कार, जिन्हें कारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त जिसीनियम का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जन्नीरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में सृत्या के लिए;

संदर्भ अभ , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) को अधीन : निस्तिविक्त स्वित्यों, अर्थात् :--- (1) बोली इन्टरप्राईसेस ।

(अन्सरक)

(2) श्री मुकेश रामजी साधला।

(अन्सं रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की ताद्रीक़ से 45 दिन की अधिभ या तरक्षकियों क्योंकितयों पर स्थना की सामीन से 30 दिन की बविध, को जी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में दितवयूथ किसी अल्य क्येंबित द्वारा अधोहस्तक्षरी की पाछ लिखित में किए का संकींगे।

स्पन्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जर अक्त कीधिनियम के अध्याय 20-क में एरिभावित ही, कही वर्ष होगा को उस अध्याय में निवस गुवा है।

# बन्सूची

पलेट नं० 201 जो देव छुना इमारत 140-145 मासगांम स्कीम, गोदिन्दजी वेशी रोड, बम्बई-14 में रियत है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/5631/84-85 मौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को रजिस्टई किया गया है।

पौ० एन० **दुवे** संसम प्राधिकारी सहायके आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेष-1, **सम्बद्ध** 

दिनाक : 1-11-1985

प्रक्षाः वार्षः होः पुषः पुष्यः वार्षः

श्रायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-व (1) वें वशीन व्यन्त

#### शारत सरका

कार्याशय, सहायक नायकर जायकत (निर्देशक) अर्जन रेंज-1 बन्बई

बम्बई दिमांक 1 नवम्बर 1985

मिर्देश सं• अई-1/37<u>-</u>ईई/5909/84-85<del>-- अतः भृतें</del>, पी॰ एन॰ दवे

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इसके पर्यात् 'उनत 'शंभिटियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीट सक्तम अधिकारी को, यह टिखास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उर्जित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी स॰ पर्लंडन ॰ 202 जो देन कुपा इमारत 140-145 सायगाम स्टिम गोविन्दजी केणी रोड बम्बई-14 है हथा जो बम्बई-14 में स्थित है (भीर इससे उपायक अनुमूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) भीर जितका करारमामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है सारीख 4-3-1985

को प्रवीसत सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के दर्धमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की महाँ हाँ और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हाँ कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अन्य, उसके दर्धमान प्रतिफल से, ऐसे दर्धमान प्रतिफल का क्ष्यमान प्रतिफल को क्षयमान प्रतिफल को क्षयमान प्रतिफल को स्वार प्रतिकत से अधिक हाँ और अन्तरका (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) को बीच ऐसे अंतरण को लिए तय पाया क्ष्या प्रतिफल निम्निलिवित द्वार के उस्त बंतरण विश्विद को वास्तिक कप से कथित महाँ किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सूतिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीर शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के

जतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग कै अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नचिति व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) बोबी इन्ट्रप्यायसेख।

(अन्तरक)

(2) भीमती सता मुकेश साबसा।

(अन्सरिती)

की यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति वे अर्धान वे जिलु कार्यवाहियो सुरः करता हुं।

इन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी शासीप ह---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की दार्शन से 45 दिन की नविध मा तत्संत्रेधी स्थास्त्रमां पर स्थान की तामील से 30 दिन की नविध, जो और नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रतिस्थान स्थासत्त्रों में से किसी स्थानत कुशाराः
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध कि.सी सम्य स्थावत द्वारा वधोहस्ताक्षरी चैं पास लिखित में किए या सकेंगे।

रम्ब्दीकरम्: --इसर्जे प्रयुक्त सन्दों और यदौं का, वो अवस अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होया को उस अध्याय में दिवा गया है।

### धनुसूची

पलैंड न० 202 जो देव कृता इमारत 140-145 नायगाम स्क्रिम गोविन्दजी केणी रोड बस्बई-14 में स्थित है। अनुसूबी जैसा कि कि क स० अई-1/37-ईई/5632/84-

अनुसूत्री जैसा कि कि से कई-1/37-ईई/5632/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिमांक 4-3-88 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी॰ एम॰ हुँब सक्षम प्राधिकारीः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, वस्त्रहै

सारीच: 1-11-1985

# प्रकृत् भाष्ट्री टी. प्रनः, एत्,------

जायकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत संरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई दिशांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश स० अई-1/37-ईई/5907/84-85--अतः मुझे, पी० एन० दुवे,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी स० फ्लैंट नं० 601 जो फ्लें हार्बर तुलसीबाडी माझगांव बम्बई-10 है तथा जो बम्बई-10 में स्थित है (भौर इससे उपाबड़ अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) भौर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उषित बाबार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अंतरित को गई है और मुफ्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह निश्चात से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम, मिम्नुबिविव उद्देश्य के उक्त अन्तर्भ शिषित में बाधक विक कर से किथत नहीं किया प्रा है है—

- ्रिक्तं अव्यक्ति से हुन्द्र किसी साथ की बायत सक्त वृधि-भित्रम् की स्पीत कर दोने के स्प्याहरू की दावित्य की कती करने वा उन्हों क्यने की सुविधा की सिदे; गरिया/
- (क) एंती किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, विन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त जिमिनियम, या धन- अट जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा धा वा किया बाना चाहिए था, जियाने में बृद्धिश ही जिए;

नतः वन, उनत विभिनियम की भारा 269-ण के, बन्तरण ते, मैं, उनत विभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के विभिन्न जिल्लाकित व्यक्तिवी, विभीत केच्या 45—366 GI/85 (1) मैसर्स बाकी इंटरप्रायसेस

(अन्तरक)

(2) श्री झुल्कीकारअली टी॰ रातलमवाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारीं करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के सिक्ष कार्यवाहियां करता हुं।

उन्द सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाशोप :---

- (क) इस स्वना की रावपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभि, को भी अविभि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा, वधीहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकींगे।

स्वकारिकरण:---इसमें प्रमुक्त कर्मी बीट पूर्वी का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित ही, वहीं वर्ष होगा को उत्त अध्याय में दिवा गमा ही।

### नन्स्ची

प्लैट नं० 601 जो पर्ल हार्बर तुलसीवाडी, माझगांव बम्बई-10 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० मं० अई-1/37—ईई/5934/84— 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4—3—85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुर्बे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-1, बम्बई

नारी**ख: 1-1**1-198; मोहर प्रकल कार्ड ; टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत बर्काह

कार्यायन, सहायक भावकार नाथ्यत (निरीक्षण) प्रजीन रोज-1, वस्वह

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्वेश सं० भ्रई-1/37-ईई/5909/84-85---म्रतः मृक्ते, पी०एन० दवे,

नावकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें असमें परपात् 'उनते निर्मानम' कहा पत्रा ही, की भाव 269-व के नधीन संधम प्राधिकारी को यह किस्वास करने का कारण ही कि स्थानर बन्धीत, जिल्लका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- हुए से निधक ही

श्रीर जिसकी सं दुक्षान नं 16, जो, तल माला, रेक्स चेंबर्स, इंट्रिय्यू एज नगर्ग, बम्बई-38 है सथा जो बम्बई-38 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 4~3~1985

को पूर्वोक्त संपर्ति के उपित बाजार मून्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कार्य है कि वभापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार वृश्व, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एंडे क्ष्यमान प्रतिकल का वल्छह प्रतिकत से विभक्त है और वह कि बंबरक (वंबरका) और वंबरिती रिती (जन्तरितियों) के बीच एंडे बलारम के लिए तब पाता गया प्रतिकल, निम्नसिचित उब्देष्य के उक्त बल्तरण सिचित में वास्तिक कम से किंदिय नहीं किया गया है डाल्प

- (क) जन्तरक से हुई कियों नाय की वायत, उक्त निधित्यम के नभीन कर देनें के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के निष्; निष्/वा
- (मं) ऐसी किसी भाग या किसी धन या बन्ध वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था कियाने में त्विधा के लिए;

क्षतंत्र स्वा, उक्त सीप्रतिवस की भारा 269-ग के बनुसरण को, को, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बभीन, निम्नसिन्ति व्यक्तियों, अभीत् दे—

- (1) मैसर्स बामबोट स्टेशनरी मार्ट।
- (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स केसेंट ट्रेडर्स।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र ह---

- (क) इस सूचना के रायपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशीस से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याया;
- (व) इस सूचना के ग्राज्यम में प्रकाशन की वारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किस था सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्दां और पदों का, वो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अनु**लुची

दुकान नं 16, जो तल माला रेक्स चेम्बीस डब्ल्यू एच मार्ग, बम्बई-38 में स्थितहै।

श्रनुसुची जैसा कि कि० सं० श्रई-1/37-ईई/5636/84-85 श्रीरजो संक्षम प्राधिकारी, वस्बाई द्वारा दिनांक 4-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

नारी**ख**: 1-11-1985

## ब**ङ्ग** आर्थुं्डी, पुन\_तुष\_------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-ऋ (1) के वधीन सूचना

#### RIES SERIE

कार्याक्षय, सहायक आवकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

त्र्यर्जन रेज-1, सम्ब**ई** वम्बई, दिनाह 1 नशम्बर 1985 निर्देण सं० ग्राई-1/37-ईई/5910¦84-85--प्रानः मुझे धी०एन० दुवे

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें परमार्थ 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन तक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तंपिस, जितका उचित बाजार मृख्य 1,09,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिनकी सं० दुकान नं० 14, जा, जनी नंजी श्रपार्टमेन्टप 32, एन० भ हचा मार्ग, बम्बई-7 है तथा जो बम्बई-7 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड फ्रिन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्राय हर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है। नारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्स सम्मीक के समिक बकार मूल्य से कम के ख्रमान प्रतिकास के लिए अन्सीक्त की गई है और मुक्ते यह निकास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्स सम्मीत का उचित बाक्सर मूल, उसके ख्रमान प्रतिकास से, एसे ख्रमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बार बच्च-रिसी (अन्तरिक्षकों) के बीक होते अन्तरण के लिए तब पांग ग्या प्रतिकात निकासिक्त उद्वेष्य से उक्त अंतरण निवित्त के बास्तिक क्य से किया नवा है है——

- (क) बन्तरण ते हुइ किसी बाय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने की अंतरक के बाबित्य में कभी कुरने वा उससे बचने में सुविधा में सिष्ठ; बॉर्/बा
- (का) एती किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के सिए;

अस: अब,, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिशत व्यक्तियों, अर्थात :— (1) मैसर्स गोकुल प्रिटसं।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स केटटी इटरप्रायजेस ।

(ग्रन्तंरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्दित के वर्षन के सम्बन्ध में काई धी वास्रेप प्र-+

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से
  45 दिन की सविध या तत्सम्बन्धी स्थीन्तवों कर
  सूचना की तामील से 30 दिस की सविध, जो औ
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  स्थीनतयों में से किसी स्थीनत बुकारा;
- (क) इस स्थाना को राजपन में प्रकाशन की बारीच के 45 दिन को भीतह उकत स्नाथर सम्मत्ति में हिच-बद्ध किसी बन्य क्यांक्ति द्वारा नभोइस्ताक्षरी के पास निचित में किए आ सकोंगे।

स्वच्छीकरण: ---- इत्तमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, वो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, कही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### 4श्सूची

दुकान नं ० 14, जो, जमासजी अपार्टमेन्टम, 32, एन० भक्तामार्ग, बम्बई-7 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/6359/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

न।रीख: 1-11-1985

## प्रकथ बार्ड .टी. एन . एस . ------

# आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ऋई-1/37।ईई/5913/84—85——श्रत: मुझे, पी०एन० दुखे,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं ० पलैटनं ० 64, जो, 6वी मंत्रिल, मंती कार्नेर गोखले रोड म्रीर डा स्थानी रोड क जंनशन, टीपीएस 4 एल्फीन्स्टन, बम्बई-25 है तथा जो बम्बई-25 में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध म्रनुसुची में म्रीरपूर्ण रूप से विणत है), म्रीर जिसदा करारनामा म्रायकर मिनियम, 1961 की घारा 269 क ख के म्रधीन बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी ने कार्यालय में रजिस्ट्री है सारीख 4-3-1985

को पूर्वोंक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि सभाप्नोंक्त सम्पिति का उपित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पत्क्ल प्रतिशत से अधिक हैं और कंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाइत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की पारा 269-ए के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री अप्येत अन्यानी पिटा औरश्रीमती एफ० पिटा।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री श्रमर वामण हाटले श्रीरश्री वामण भास्करहाटले

(ग्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स संपत्ति के अर्फ्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकिं व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

प्लैंट नं० 64, जो, 6ठी मंजिल, मन्त्री कार्नर, गोखले रोड ग्रौरडा०स्यानी रोडवार्जक्शन, बम्बई-25 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि घ० मं० श्रई-1/37-ईई/5639/84-85 श्रौरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को रजिस्टर्ड किय गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी. सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)' ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

ति रीख : 1-11-1985

## प्रक्ष काई.टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985 निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/5916/84-85--श्रतः मुझे, पी० एन० दुबे,

ष्ठायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दिसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

भौर जिसकी मं० युनिट नं० 153, जो, 1ली मंजिल ए-2 महा एण्ड नहार इडिस्ट्रियल इस्टेंट एम० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (ग्रांग इन्में उपाबद श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाजित है), ग्रीर जिसका करारतामा आयार श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 व ख ने श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी ने वायलिय में रजिस्ट्री है, नारी 4-3-85

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गह्र है विश्वास करने का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दल्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है नौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित <u> उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यक</u> नेहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय गा िकसी धग या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति रिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना जाहिए था, िष्ठपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :--- (1) जहा एण्ड नहार एमां लिएट ।

(भ्रन्तरक)

(2) प्रसान प्रविणकुमार सघवो (मायनर), प्रविणकुमार ६ठ्लदाल संघवो के पुद्ध ।

(ग्रन्नरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्सि सम्प्रीत्त को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

युनिट नं ० 153, जो, 1ली मंजिल, ए-2, शहा ए ख नहार इडस्ट्रियल इस्टेट, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि श्रह-1/37-ईई/5641/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनाक 4-3-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

नारीख : 1-11-1965 मोहर : प्रकल कार्द्र की . चून . एस . -----

# नावकर विभिनिजय, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, बहाबक वायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/5920/84-85--अतः, मुझे पी० एन० दुमे

जलकर जीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके भक्तात् 'अकरा अधिनियम' कहा गया है), की भारा 289-च के जभीन तथम प्राधिकारी को बह विद्यास करने का क्षारण है कि स्थायर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृख्य

1,00,000/- ऊ. से **नि**भक **ह**ै

स्रीर जिसकी संव आउट हाउस का दक्षिण विभाग का फ्लैंट, 3री मंजिल पर, जो, 619, बानु मेन्सन, पारसी कालोनी, दादर, बम्बई-14 है तथा जो बम्बई-14 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद सनुक्ष्म में स्रीर पूर्ण पर से विणित है), स्रीर जिसका दरापनामा छायदर स्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 4-3-1985

म्बे पृत्रेमिक सम्मिति को उपिक बाजार मृत्य से कम के करणमान प्रियम्ब के बिए अन्तरित को नक्ष है और मुक्के वह निकास करने का कारण है कि ब्या पृत्रेमित सम्बत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके करणमान प्रतिकल से, एसे करणमान प्रतिकल के बंबह प्रविद्यंत से अधिक है और अंतरक (बंतरको) और अंबिक्ति (जंबिरीतमों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तब पाया गया प्रतिकल, निम्मिलिकित उक्करेव से उक्त जंतरण लिकित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क्) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंकारक के शांक्रियम में कभी करमें या उत्तसे बचने में स्विधा के सिए; अरेर/या
- (क) एसी किसी आव या किसी धन या अन्य वास्तिकों की, जिन्हों भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना काहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

वतः अव, उक्त वॉधनियम की धारा 269-ग के वनुसरण मे, मे, उक्त वॉबलियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मिलियत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) दुभाष अदर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रशीद जे० तांबुवाला ग्रांर श्रीमती जरीव ग्रार० तांबुवाला

(भ्रन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इत बूजना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवीध ना तत्संबंधी व्यक्तियों परं सूजना की दात्रीक से 30 दिन की वदिष्ण, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस नूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्स स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

श्राउटहाऊस का दक्षिण विभाग कालैट 3री मंजिल पर, जो, 619, बाबू मेंशन, पारसी कालोनी, दादर बम्बई—14 में स्थित है। श्रनुसूची में जैसा कि क० सं अई—1/37—ईई/5645 /84—85 और सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिनांक 4—3—85 को रजिस्टर किया गया है।

> पी०एन० दुबे सक्षम प्राधिकारो सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेज-1, बर्म्बई

तारीख: 1-11-85

## इस्य नाइ'.टी.एन.एस..-----

नामकड़ मिनियस, 1461 (1961 का 43) की भारा 269-भ(1) के मधीन स्चना

## कार्यामय, सञ्चयक नायकर वायुक्त (निर्देशक)

श्रजंन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश मं ० प्रई-1/37-ईई/5923/84-85--प्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

कायकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त विधित्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्द्र संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं प्तिट नं 341, जो, उरी मंजिल, केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, सेनापती बापट मार्ग, लोश्चर परेल, बस्बई-13 है तथा जो बस्बई-13 में स्थित है (श्रौर इससे उपावब श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण कर से विणित है), श्रौर जिस हा करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रिधीन बस्वई स्थित सन्नम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाकार मूल्य से कम के रहबमान शिक्षफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके क्याबान प्रतिफल से, एसे क्याबान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत्र से बिधक है और जंडक्क (अंबरकों) और अंतरिती (अंति विश्वास) के बीच एसे कंतरण के तिए तथ पाना गया प्रतिफल निम्मितिसत उद्योग से उस्त अन्तरण सिवित में बास्तविक हम् से किथत नहीं किया नया है ध--

- (क) जन्दरण से हुइ किसी जान की वावस , उपल विश्वित्यन के वधीन कर दोने के मृत्युरक के शावित्य में कभी करने वा उबसे वधने में सुनिधा के निए। और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को चिन्हों भारकीं वृ जायुक्तर ब्रिंधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिंधिनयम, वा धन्-कर ब्रिंधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दी की ब्रुंसिन वृद्धारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया वाना चाहिये था, किया में हुन्धि से निय;

अतः अव, उक्त विधिनयम की भारा 269-म की जन्तरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तिकारों, अर्थात् । (1) माक्सा कारपोरेशन ।

(प्रन्तरक)

(2) प्रिन्ट सर्विस ।

(ग्रन्तरिती)

को यह भूषना बाटी करके पूर्वीयत सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्द संपत्ति के वर्णन के संबंध में करेड़े भी नाक्षप :---

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की शारीब है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की ताजील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भी पर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वास, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकोंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त केव्यों और पर्यो का, जो उक्त कथि-नियंत्र के बध्याय 20 लंक में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस जध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

यूनिट नं० 341, जो 3री मंजिल, केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, सेनापती बापट मार्ग, लोग्रर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० मं० ग्रई-1/37-ईई/5648/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी स हायक १०२० १०२० (४००) श्राजैन रेंज-1, बम्बई

दिनांकः 1-11-1985

## प्रसम् बार्ड .दी . एन . एस . ------

# भाषक १ मिपिन्समं, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-ण (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्याज्य, सहायक जायकर बायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

वम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश मं० श्रई-1/37-ईई/5930/84-85 --श्रतः, मुझ पी० एन० दुवे,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारच है कि स्थानर सम्बक्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 38, जो, हिंद राजस्थान इमारत तल माला; दादा माहेब फ़ालके मार्ग, दादर, बम्बई-14 है तथा जो बम्बई-14 में स्थित है (ऑर इससे उपाबद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), स्रौर जिनका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में राजस्दी है, नारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की वह है और मुक्ते यह किस्तास करने करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बूद्ध, स्कृष्ट क्षत्रमान प्रतिम्हल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का वस्कृष्ट प्रतिम्लुत से विधक है और अंतरक (अंतरकों) और जेत-रती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया मृतिफ व निम्नलिखित उद्ववस्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तविक स्व से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) बंधरण से हुई किसी अध्य नहीं वावत, बन्ध अधिपियन के अधीन कर बोने के संतरक के दाधित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविभा के सिहर; और/या
- (क) एसि किसी अाय का किसी भन वा अस्य वास्तियों को, चिन्हुं भारतीय जायकर जुभित्विम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भवा या किया बाना वाहिए था, स्थितने में दिवा से जिए;

क्तः वक, उपत वाधिनिषम् का भारा 269-ग के वनुसरण भं, मं, उसत विधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षात ः—

- (1) नेनसी टयुटोरियल कन्स्लटेन्सी सर्विसेस प्रायवेट लि० (श्वन्तरक)
- (2) श्री धरमेंद्र डी० घेलानी।

(भ्रन्तरिर्ता)

का वह वृष्या पारी करके प्योंक्य सम्पत्ति के सर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सुम्बत्ति को बर्धन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के हाजधन में प्रकाशन की ताराच त 45 दिन की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इत त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्मत्ति में द्वितबद्ध किसी सम्भ व्यक्ति इवारा, जभाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किने वा सकोंगे।

स्थव्यकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त जिल्लीनसम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस जध्याय में विमा ग्या है।

## वग्युची

दुकान नं 38, जो, हिंद राजस्थान डमारत तल माला, दादा साहेब फालके रोड, दादर बम्बई-14 में स्थित है। प्रनुसूची जसा कि ऋ० मं० ग्रई-1/37-ईई/5653/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985 को र्जन्टर्ड किया गया है।

पी० एन० हुँजू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोज-1, बम्बई

दिनांक: 1-11-1985

## **बक्स आह**े<u>ं</u> हो<u>ं. एन</u> एक्<sub>य सन्दर्भ</sub>

ज्ञायफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(व) (1) के मधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) भागन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, धिनों रु 1 नवम्बर 1985 निर्देश सं० धर्-1/37-ईई/5932/84-85--- अतः मृक्षे पी० एन० दुवे,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जि. जी 10 जिमायसे त नं० 27, जो, 1ली मंजिल, 16/24, मुस्मका मार्केट, खारा कुवा, बच्चई-3 है समा जो बच्चई-में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण कर से विणित है), और जिस हा करारनामा माय हर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अभीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि गरी के कार्यालन में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने फा कारण है कि बधाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूप, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रश्वह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब सामा गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिस्तियों में वास्तिक रूप से किया गया है है—

क्षेत्र) जन्मरण में हुई किसी आय की वाबत, स्थल विधित्यम के अधीन कर देने के जन्तरक को क्षित्य में क्रमी करने या स्वस्ते वचने के स्विधा के मिए; वृदि/वा

(व) एसे किसी बाय या किसी थन या बस्य बास्सियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए (1)

जत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--46---366 GI/85

(1) श्रीकारी निर्मलाबेन सन्तलाल दवे

(भ्रन्तरक

(2) श्री रभेग जन्द्र हिमलमल जैन, भीर श्रीमती कमलाबेन एम० संघवी

(मन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) স্থলংক

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में स्रधोहस्तासरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद है)

को यह सूचना जारी रूपके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख **एं** 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्मान की तामील से 30 दिन की अवधि, **जो भी** अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा
- (स) इस मुख्या के राजपत्र में प्रकाशन की लारीं है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निभित्त में किए जा सकोंगे।

स्पृष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## बन्स्ची

प्रिमायसेत नं० 27, जो 1ली मंजिल, 16/24, मूस्साफ़ा मार्जेट, खारा कुवां बम्बई-400 003 में स्थित है।

ध्रमुल्ली जैता हि कि सं ध्राई-1/37-ईई/5655/84-85 ध्रीर जो सप्तम प्राधि हारी, बस्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन**० दुवे** सक्षम प्राधिका**री** सह्यक **प्रा**यकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, **सम्बर्ध** 

दिनां हः 1-11-1985

मोहर 🖫

भुक्षे

प्रस्प बाई बी एन एस -----

भाष्कर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

बार्ड्यानय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनां ए 1 नवम्बर 1985 निर्देश सं० भई-1/37-ईई/5934/84-85---भतः पी०एन० दुबे

नामकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1.00.000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, जो, तल माला, किया कांत्र इमारत, श्री हिंद को-माप० हाउकिंग सोबाईटी लि०, 23 एन० एस० मणकी तर सार्ग, सायन, बम्बई-22 है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है (पीर इत्तरे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से अणित है), और जितास प्राराखनामा श्रायकर श्राधिनयम, 1961 की धारा 269 उन्ह के श्रीत बम्बई स्थित सक्षम

प्राधिकारी के जार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 4-3-1985 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिका (अंतरिका) और शंतरिका (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिख अब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्टिविक रूप से क्रियं नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की शायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अकने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन् या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर कि धिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने वें सुविधा के शिष्ट:

नतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुबर्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीर, भिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात क्र- (1) श्रीबी० सी० समानी, श्रीजे० सी० कमानी, ग्रीरश्रीबी० सी० कमानी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विजय हिरालाल शहा।

(मन्तरिती)

(3) मन्दरिती

(बहु व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनक किसी अन्य व्यक्ति इशारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

इसक्तीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **प्रतृत्**री

पसैट नं० 2, जो, तस माला, विशा वृत्ति इमान्त, श्री हिंद को-ग्राप० हाउिया सोसाईटी लि०, 23, एन० एस० मणकी कर मार्ग, सायन, बम्बई-22 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि नं मई-1/37-ईई/6380/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को रिजस्ट के किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकार् सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बई

**तारीख: 1-11-1985** 

प्ररूप आईंु टीु एग , एस\_-----

बायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-ज (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बापकर बायुक्त (निरीक्षण)

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजाड ब्रूब्ब 1,00,000/- रह. से अधिक है

मीर जित्ति सं पलैट नं 401, जो, शांती कुंज इमारत, 87, नामगाम कास रोड, इ.सर, बस्बई-14 है तथा जो बस्बई-14 में स्थित है (मीर इतसे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है), श्रीर जित्ता करारन मा भागकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 के खे के भागीत बस्बई स्थित समम भाध गरी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तरीख 4→3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत है सास्तिक है किया गया है दिन्

- (क) अन्तरण में हुद किसी आप की वावरे आ अन्तर वृष्त्विम के अभीन कर बने के अन्तरक वो दायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वी सिए: बॉर/वा
- (ण) एसे किसी बाब वा किसी धन या वृत्य वास्तियों का, जिन्हें भारतीय आवकर आधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनने वे सुविधा के सिए;

शतः मृत, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की, अनुसरम् भा, मा, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभादा (1) के अभीन, निम्नजिसित स्यिक्त्यों, अर्थात् ६(1) बोन्नी इंटरप्रायसेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गाडफे चालिस सेराव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उत्त सम्पत्तिं के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सभ्यन्थी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाज सिक्षित में किये जा तकरी।

स्पब्दीकरण ६— इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक् मीधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## **पन्**स्ची

प्लैट नं॰ 401, जो, शांती कुंज इमारत, 87, नायगाम भास रोड, बादर, बम्बई-14 में स्थित है

भनुभूवी जैसा कि कि सं श्रई-1/37-ईई/5657/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनां स् 4-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोज-1, बम्बई

**वारीखः 1-11-198**5

प्रारूप आहें.टी.एन.एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, बस्बई

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 404, जो, याती कुंज, इमारत, 87, नायगाम ऋस रोड, दादर, बम्बई-14 है त्या जो बम्बई-14 में स्थित है (और इतसे उताबद अनुसूती में और पूर्ण रूप से विणित है), मौर जिसका इरारतामा ऋयकर ऋधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे के अतीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान वितिक्श के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का कम्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और खेबरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया चंबा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिवित है बास्तरिक क्या स्था है है नास्तरिक क्या से कृषित नहीं किया गया है है

- (क) जन्तरण से हुन्है फिसी जाय की बाबत उक्त अधि। नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए मुद्दिशा
- (क) एसी किसी आयं या किसी अन या अन्य बास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आपन अवन, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की अनुहरू, की, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) की अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत;—

(1) बोन्नी इन्टरप्रायसेव

(मन्दरक)

(2) श्रीमती भेरी सेराव।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं के

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी स्थितित्यों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविभ, को भी अविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थित्यों में से किसी स्थित द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास चित्रित में किए या सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो शक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं है, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

फ्लैट नं॰ 404, जो, शांती कुंज इमारत, 87, नायणाम आस रोड, इ दर, बम्बई-14 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क० सं० घई-1/37-ईई/5658/84-85 घीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा धनांक 4-3-85 की रजिस्टड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीकण) ग्रजन रेंज-1, गम्बई

तारीख: 1-11-19**\$**5

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

#### प्रारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्देक्षण)

म जैन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर, 1985 निर्वेत सं० भई-1/37—ईई/5939/84→85——सर्वः मुझे, पी० एन० दुवे,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जित्र ही सं कार्यालय नं 36, ताडदेव एघर-कंडियत्ड मार्केट, 5री मंजिल, ताडदेव रोड, बज्बई-34 है तथा जो बज्बई-34 में स्थित है (श्रीर इस से उपाबद घनुश्रुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिल्ला करारतामा घायकर घिषित्यम, 1961 की घारा 269 क ख दे अश्रीत बज्बाई स्थत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के तिए अंतरित की भई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बम्बह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के तिए तय पाया गया प्रतिभ कम निम्निसित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निवित्त में वास्तिक्क कम से किथा महीं किया प्रसाह कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की श्रांतर , उक्त अभिनियम की अभीन कर दोने के अन्तरक की दामित्व में कमी करने या उससे वृक्षण में सुविधा के लिए; बार्/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा जन्य आस्तिकी को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का27) के प्रयोजनाथ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या सिया आनो आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, धवत अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविक्त व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्री सिरा, बचन्य भागमेरा।

(भ्रत्यर ह)

(2) श्री कन्हैनालाल कुंबरजीभाई टक्टर । भीर श्रीमती मधुबन कन्हैयालाल ठक्कर।

(अन्तरिती

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप ह---

- (क) इस स्वाना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी स्मित्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्वित्यों में से किसी स्मृत्ति द्वारा;
- (क) इत स्वना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शक्ष सिश्वत में किए वा सकति।

स्पत्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त वथ्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

## नगुसूची

कार्यांत्र नं 36, जो, ताखदेव एघर-कंडियन्ड मार्केट,5वी मंजिल, ताखदेव रोड, घन्यई-34 में स्थित है।

धन्धुनी जैवा कि कि के सं धर-1/37-ईई/5659/84-85 भीर जो सक्तम प्राधि हारी, बस्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को रजिस्ट के किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 1-11-1985

प्रकत्र आहर<u>ै.</u>दरी :एव . एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 42) की भारा 269न्य (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, अम्बई

अग्रन रण-1, बन्बर सम्बद्दी, विनोक 1 नक्कार 1985

निर्देश सं० भार्हे—1/37—ईई/5943/85→84:——भाराः मुझो, पी० एन० दुखे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्भित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रांट जितनी संव पजैट नंव 903, जो, 9शी मंधिल, इसारत नंव 1, "सुभेर टावसं", क्ष्य लेन, शेट मोतिता रोड़, म सगाय, बम्बई-10 है तथा जो बम्बई-10 में स्थित है (ग्रांट इससे उपावद अनुपूर्वी में ग्रांट पूर्ण रूप से विणय हैं'), ग्रांट जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम, में 1961 की धारा 269 क, ख के अवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के सार्थाक्ष्य में रिवर्ड़ी है, सारीख 4 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दृश्यमान प्रशिक्त के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापबेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृष्ठ अ धूसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं क्या गया है —

- (क) जन्तरण से हुइ<sup>के</sup> शिक्सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा वासित्व के लिए; कार्ट/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आसितवी को जिन्हों भारतीय आय-एर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

वतः वव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की अनुसरण मों, भें उक्त आधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित,, व्यक्तियाँ, अर्थात् दिल्ल (1) भैवर्स सुभेर एसोधिएटस ।

(ध्रारारक)

(2) श्री मनोजकुमार टी॰ शवेरी, मीर श्रीमती मीना एम॰ झवेरी,।

(भग्उरिती)

(3) बिल्डर्स ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए। कार्यशाहिया शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें. 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## सम्बद्धी

पत्तिष्ट मै॰ 903, जो, 9शी मंदिल, इमास्त मै॰ 1, "मुभेर दावर्त", लब लेव, शेट मोदिया रोइ, म.श्रगांव, धम्बई-10 में स्थित है ।

श्रातुल्वी जैवा कि कम सं० शई-।/37-ईई/5662/84-85 श्रीर जो सजन प्राधि हारी, बस्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को रिजटर्ड विया गया है।

> पी० एन० दुवे,-सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर भागुक्त (निरीक्षण), मजन रेंज-1, बम्बई

स्रीब: 1-11-1985.

## मक्ष कार्यं हो प्रना प्रस्तानननन्त्रक

भारत २६९-च (1) के अभीन सूचना

#### प्रारद सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर बायकत (निरोक्षण)

क्षर्जन रेंज्⊸1, बम्बई बम्बई, दिनांह 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं॰ ऋई-1/37-ईई/5954/84-85 - भारः मुझे, पी॰ एन॰ द्वे,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित् बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिन्नी सं० युनिट नं० 343, जो, 3री मंजिल, ए-2, पहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० जे० मार्ग, लोशर परेल, बाग्री-13 है। या जो जाग्री-13 में स्थि। है (श्रीर इसने उपायब श्रानुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिस्ता कराइन मा श्राय पर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 ल, ख श्रिधीन के बम्बई स्थित सक्षम श्राधिनारी के नार्याहम में एरिस्ट्री है, सरीख 19-3-1985

भी पर्योवन संपत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के दश्यमान वितिकार में लिए अन्तरित की गर्ड है और अभी यह विश्वास करने का फारण है कि स्थापनोंक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तूह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिपों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्मिलिवत उद्दोष्य से उक्त अन्तरण विविद्य में बास्त-

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी धन या बन्स आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्चत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाना आहिए था, स्थिनने में सुविधा के लिए

कतः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, स<sup>3</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-च उपधारा (1) अब कथीन, निम्नलि**क्ति व्यक्तिकार्यो, वर्धात 1**— (1) शहा एण्ड नहार एसोसिएइस ।

(भ्रन्तरह)

(2) मससं विकास कलर-केम इंडस्ट्रिज ।

(भ्रन्सिरती)

को यह सूचना जारी करके पृशेषत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति को अर्थन के सम्बन्ध में 'कोई' भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्वन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां क्ष व्यक्तियों में से किती व्यक्तियां बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपन भो प्रकावन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकींगी।

स्वक्कीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, वां उच्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया स्वाहिष्ट

## धन्सूची

युनिट नं० 343, जो, 3री मंजिल, ए-2, शहा एष्ड तहार इंडस्ट्रियल एस्टेट एस० जे० मार्ग, जोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्चनुष्त्री जैसा कि क० सं० श्रई-I/37-ईई/5666/84-85 श्रीर जो प्रक्षम प्राधि हारी, सम्बई द्वारा दिनां र 19-3-85 को रजिस्ट हिन्सा गया है।

पी० एन० घुत्रे सक्षम प्राधि हारी सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) भजेन रेंज-1, बस्बई

सारीख: 1-11-1985

प्रकप बाहु<sup>\*</sup> हो<sub>ं प्रम</sub>्र पुरा<sub>ल</sub> स्टब्ट क्ल

श्रायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर सायुक्त (निर्दाक्षण)

भर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० माई-1/37-ईई/5955/84-85---मतः मुझे, पी० एन० दुवे,

भायकर अधिनिःम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात 'उरुस अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1.,00,000/- र . सं अधिक है

1,00,000/ र. च कायक है

धौर जिलकी संव युनिट नंव 419 बी, जो, 4धी मंदिल, घहा एष्ड

नहार इंडस्ट्रियल एस्टेट ए-1, लोझर परेख, बम्बई-13 है स्था

जो बम्बई-13 में स्थित है (धौर इससे उप.बद्ध धनुसूची में धौर
पूर्ण रूप से विणित है), शौर जिसना गरायलामा श्रायणर इ.धिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्रतिशारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तिरीख 19-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुने यह विद्यास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
धनदृह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरण के सिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अस्तरण
जिसकत में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है दु---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या इससे अपने में सविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियी को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः सर्ग, उक्त अभिनियमं का भारा 269-नं कं अनुसरक् में. मं, रक्त अभिनियमं की भारा 269-वं की उपभारा (1) के बभीन, निस्निवित स्यक्तियों, स्थति ह— (1) घट्टा एष्ड नहार एसोस्टिएटस ।

(धन्तरक)

(2) भैसर्व स्विनशा एक्सपोर्ट प्रायवेट खि॰ ।

(प्रविचि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मृत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहिया करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कीई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीब से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### यमुसुद्धी

युनिट नं • 419 बी, 4थी मंजिल, शहा एण्ड महार इंडस्ट्रियल एस्टेट ए→1, लोभर परेल, बम्बई-13 में रिवस हैं।

भनुभूनी जैसा कि ऋ० सं० मई-।/367-ईई/5567/84-85 और जो समम प्राधि हारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-85 को रिषस्टड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधि गरी सहायक प्रायकर प्रापुक्त (निरीक्षण) वर्जन रेंज-1, वस्याई

सारीख: 1-11-1985

मोहर 🛪

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## भागालय, सहायक आवक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, नम्बई

बम्बई, दिगा : 1 नवम्बर 1985

निर्देश म० अई -1/37-ईई/5950/84--85:---श्रनः मुझे, पी० एन० दुर्वे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जित्त ही सं० फ्लैंट गं० 34, जो, 3री मं जिल, "प्रभा मंदिर", को-प्राप० हाउणिंग सोवाईटी लि०, धाफ बीर सावरकर भागे, प्रभादेवी, वस्वई-25 है तथा जो वस्वई-25 में स्थित है (प्रौर इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणात है), और जिसला करारनामा आधाकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 ए, ख के अधीन बस्बई स्थित शक्षम प्राधिकारी के लायीलय में रिक्ट्रि है, तारीख 4-3-1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मे, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विदेश से उसत अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) उन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे सबने में सविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सिबधा के निए;

अतः यद उकः अधिनिगम की पारा 269-ग के अनसरण में भी प्रकार अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के तथील सिम्मिनित त्यकिनयों, अर्थान :—
47—366 GI/85

(1) श्रीमती पदमः चन्द्रसेखर ।

(भ्रन्तरक)

्(2) श्री सुरेश भोताराय ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस त्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 34, जो, 3री मंजिल, प्रभा मंदिर <mark>को-धाप०</mark> ह्।उर्जिंग सो ॥ईटी लि०, श्राफ़ वीर सावरकर मार्ग, प्रभादेवी, बम्बर्द-25 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-।/37-ईई/5628/84-85 श्रीर जो अक्षम प्राधिहारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> पी० एन० दुब, सक्षम प्राधि । री, सहाय रु श्राय रुर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज--1, बम्बई

तारीव : 1--11--1985

योहर 🕐

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस्.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, तारीख 1 नवम्बर 1985

निर्देशसं० अई-1/37-ईई/5959/84→85 श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या यूनिट नं० 350, जो 3री मंजिल, टोडी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, एन. एम. जोशी मार्ग बम्बई-11 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी

के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 19-3-1985 की पूर्विक्त सम्पन्नि के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यभान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीका एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा

प्रतिफल निम्नलिक्सिस उद्दोष्य से उक्त अन्सङ्ग् सिक्सित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया क्या है ६---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 259-ज की उक्तारा (1) के अधीन, निम्निसिस अर्थाक्तयों, अर्थात् ह—- (1) मेसर्स प्रिन्ट सर्विस,

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सर्वोदया प्रिन्टर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए जा सके दें।

स्वक्तिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा हो।

#### अनुसूची

युनिष्ट नं० 350, जो 3री मंजिल, टोडी इंडस्ट्रियल इस्टेट एन० एम० जोशी रोड़, मार्ग बम्बई-11 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-1/37ईई/5670/84-85 ध्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-1985 को रिजिस्टई किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-11-1985

मोहर ३

## प्रका नार्वं टीं एन एवं ------

## बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के वभीन सुखना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/5960/84-85--अतः मुझे पी० एम० दुवे

बावकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें स्थक प्रधात पंजकत अधिनियम कहा गया है), की धास 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कार्यालय नं० 28, जो 9वी मंजिल, इमारत नं० 3, नवजीवन को० श्रोप० सोसायटी लि०, लेमिग्टन रोड़, बम्बई-8 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-85 को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल

के पुन्तत् प्रतिशत से विभक्त हैं जींद्र बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितिवों) के बीच पूसे बन्तरण के लिए तब पाया व्या प्रतिकल, निक्तिसिद्ध उद्वरेष से उक्त बन्तरण निविद्ध के बास्तिक क्य से किया नहीं किया ग्या है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती प्वारा प्रकट नहीं किया नया था ना किया जाना जाहिए वा, जिनाने में सुनिभा के जिन्ह;

जल3 जल, उन्त व्यापितवम की भारा 269-व के जनुवरण वें, वेंं, उन्ता विश्वीववम की भारा 269-च की उपभारा (1) वें वर्षांग्र निक्कीलिय व्यक्तिवार्

- (1) श्री लोकसिकुआर० बजाज, ग्रीर श्रीमती विशिन देवी एल० बजाज। (अन्तरक)
- (2) बी० सी० पूनामिया धौर श्रीमती बिमला देवी पूनामिया।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में तम्पति है)

(4) अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्अन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क). इस स्वाग के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिए या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की अमिथ, जो भी जनिए बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित है, कही कर्ष होगा, को उस अध्याद में दिया गया है।

#### अनुसूची

कार्यालय नं० 29, जो 9वी मंजिल, इमारत नं० 3; नवजीवन को० भ्रोप० सीसायटी लि० लेमिग्टन रोड़, बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-1/37ईई/6372/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विमास 1-3-1085 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एम० दुवें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-11-1985

प्रकृप बाह्यं, टी. एन. एस.,-----

बायकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### MIST WINES

## कार्यां तन , सहायक वायक ड नानुक्त (निर्धातक) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई , दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/5971/84-85--3तः मुझे पी० एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हूं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,06,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लेंट नं 3, जो 1ली-मंजिल, परसराम निवास, परसराम सल्लमदास प्रिमायसेंग को० श्रोप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 234-ए सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपबाद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) श्रौर जिसका करारनामा आयन्तर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 19-3-1985

को पूर्नोक्त सम्पत्ति को उभित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उथित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का ख़िल्ह प्रतिकृत से अधिक ही और अंतरक (अतरकार) और अंतरित (अंतरितयार) के बीच एसे अंतरण के लिए तय बाबा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण सिधित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वन्सरण सं हुई किसी वाय की वायध, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के निष्ट; बीद्ध/या
- (क) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आब्-कार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा बिया धाना शाहिए था, डिप्पाने में स्विधा से सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-म कै अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित स्थमित्वयों, अधीत् ह—

- (1) श्रीमती ताराबाई एम० रघानी । (अन्तरक)
- (2) श्री केणरीमल एम० मिश्रीलाल शाहा श्रीर श्रीमती उपा केशरीमल शहा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयो।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)।

को सृद्ध सूच्या पार्टी कहा पूर्वोक्त सम्मास्य के वर्षन सं । लए कार्यनाहिमा कहता हुई।

उक्त सम्पत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के खजात में प्रकाशन की तारीं से 45 किये की जनाम वा स्टब्स्टियों कितानों पर तूचना की सामीन से 30 दिन की मनिथ, को भी वसीम माद में बमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर की का माद में जा कि मी क्यां कर कि मी क्यां कर कि मी क्यां कर कि मी क्यां कर का कि मी क्यां कर कि मी क्यां कर कि मी कि मी क्यां कर कि मी कि मी क्यां कर कि मी क
- (क) इस् सूचना के राष्ट्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर अनत स्थानर सम्मत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वार। अभोहस्ताक्षरी के पास निकटन में किए का सकेंगे।

स्पध्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं वर्ष द्वारा को उस मध्याय में दिना

#### **मन्**सूची

फ्लेटनं० 3, जो, 1ली मंजिल, प्रश्वराम, निवास, प्ररक्षराम सत्नमदास प्रिमायसेस को० श्रोप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 234-ए, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-1/37/ईई 5673/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-1985 को रजिस्टई विया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-11-1985

त्रक्व बाई.टी.एन.एव.-----

जावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षक) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 1 नवम्बर, 1985

निवेश मं० अई-1,37ईई/5972/84-85--अन: मुझे पी० एन० दुबे

शामकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें स्थाने पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सभान शाधिकारी की यह विश्वात करने का अगरण हैं कि स्थानर सम्परित, विश्वका उचित बाजहर जून्य 1,00,000/- रा. से जिधका हैं

प्राँर जिनकी स० हार्यालय न० 201, जो, 2री मजिल, मरीन चेंबर्न, प्लाउ न० 11, न्यु मरीन लाईन्स, बम्बई-20 है तथा जो बम्बई-20 में स्थित है (ग्रोर इसन उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप न विणित है) श्रीर जिसका कराण्नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 19-3-1985

ा पूर्वांक्त प्रवस्ति के जिस बाबार मृत्य वे काम के क्यामान प्रतिक्षण के त्यार अन्तरिक्ष की नहीं हैं। और मुझे बहु विक्यास करम का कारण हैं। कि भयापूज । बम्मतित का स्विश्व वाबार क्या, उसक व्यवसान प्रतिकार एसे व्यवसान प्रतिकार के किया प्रतिकार से सियक हैं। स्वार (संस्टरका) और अवरिती क्यातितियों) से बीच एसे संसरण के विष् सब पावा गवा प्रति-क्या, निम्मजिसित ज्यूबोण से व्यवस संसरण सिर्टिश्च में दास्करिक का से स्वित नहीं किया गवा हैं।

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की वायस, उम्ख अभिनियम के अधीन कर दोने के अंखरण के बाजित्सा में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) थ्यी कियी बाव वा कियी पत्न वा बच्च आस्तिको कर्त, विक्त परस्ति वायकर विधिनक्त 1922 हैं। हा क्रिक्ट का 11) वा क्ष्यक विधिनक्त 1922 का 11) वा क्ष्यक विधिनक्त, वा वय-कर विधिनक्त, 1957 (1967 का 27) के प्रकालवार्थ क्ष्यक्ति क्ष्याचा प्रकार प्रकालवार्थ क्ष्यक्ति क्ष्याचा प्रकार प्रकालवार्थ क्ष्यक्ति क्ष्याचा वाकिया वा

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरकः मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियमें, अर्थात् १६(1) स्टारलाइट केबल्स लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चंद्रीका चन्द्रकांत पारीख श्रींप श्री चन्द्रकात गडालाल पारीख ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(बह् व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को बहु स्वना जारी करके पृथोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां मुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी सं से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अधि बाद में समाप्त होती हो, भी भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां,
- (क) इत ध्याना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अक्षेष्टम्पाक्षरी के शस निवित में किए या सकने।

स्पष्टीकरणः -- इतमें प्रमुक्त कांग्यों और पदों का, को उनक अभिनिषद्भ के कथ्याच 20-क में परिकारणार ही, वहीं वर्ष होंगा भी जान सक्ताय में दिना क्या ही।

#### नपृष्ठी

कार्यालय नं० 201, जो, 2री मंजिल, मरीन चेबर्स, प्लाट नं० 11, न्यु मरीन,प्लाईन्स, बम्बई-20 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-1/37ईई/5670,84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 1-11-1985

## प्रकृष् बाहुर् ही पुन एस , ननन-वन-वनन

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के बधीन स्चना

#### HIST STATE

## कार्यानय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्दोक्तन)

श्चर्यन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985 निदेश सं० श्चई-1/37ईई/5973/84-85--श्वतः मुझे पी० एन० दुखे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे ध्युकें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- छ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० माला/युनिट नं० 417, जो 4थी मंजिल, एविंग केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोग्नर परेल, इम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची है और पूर्ण रूप से विंगत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 260क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14-3-1985

करें पूर्वा बंत संपरित के उचित बाबार मृन्य भे कम के व्ययमान प्रतिकत के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके व्ययमान प्रतिकास से, एसे व्ययमान प्रतिकत का पन्द्रष्ट प्रतिकास से विधिक है और बन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया भया प्रतिकास, निम्निविचित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांचत नहीं विद्या गया है —

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाय की वायत, उस्त शीजनिय्ज, को वधीय कर दोने जो अस्तरक को वायरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को तियु; बीर/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आव-कार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या धन-कर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया सवा वा वा किया जाना वाहिए वा, जिपाने में द्विया के विद्
- लंद. अब, सक्त विश्विष्यम की बाह्य 269-व के वश्वरक की, में उक्त अधिनियम की भारा 269-व की स्पर्भारा (1) से अभीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, मर्भीत् :---

(1) केवल विडर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मनोरमा कांतीलाल मनसेटा।

(श्रतरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के सूचन के सिह्य कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

दक्त बंपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्थान के ताजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 लिए की अवस्थि भा उत्त्यक्षी व्यक्तियों पूर ब्यान की तामील हे 30 दिन की अवस्थि, को भी अवस्थि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी स्पब्ति हुवारा;
- (व) इस ब्रह्मा के प्राव्यन के व्यक्तक की दारींक है. 45 दिन के क्षेत्र करण स्थापर सम्पत्ति के हित्तकुथ दिल्ली अन्य न्यूनिय द्वारा न्यूनेश्लाकडी के गांक जिल्ला के किए का सर्वोंने ।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्यों और पर्यों का, जो उक्त व्यक्षितवन, से बच्चान 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होता, जो उस अध्याद में विका क्या है।

#### अनुसुची

युनिट नं० ने 17, जो, 4थी मंजिल, ए -विंग, केवल इंडस्टिंयल इस्टेट, लोग्रर परेल, वम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्र $\frac{5}{4}$ -1/37 $\frac{5}{4}$  $\frac{5}{4}$ -1/37 $\frac{5}{4}$ -1/37 $\frac{5}{4}$  $\frac{5}{4}$ -1/37 $\frac{5}{4}$ -1/37 $\frac{5}{4}$  $\frac{5}{4}$ -1/37 $\frac{5}{4}$ -1/37-1/37 $\frac{5}{4}$ -1/37-1/37 $\frac{5}{4}$ -1/37-1/37-1/37-1/37-1/37-1/37-1/37-1/37-1/37-1/37-1/37-1/37-1/37-1/37-1/3

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-11-1985

मोहर

## श्**रुप् बार्' ही. एप. एक** गुन्धकरणकरण

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) 📆 भारा 269-व (1) के अभीन स्कना

#### ग्रीहर बहुकानु

ध्नार्यासयः, सहावक सावकर जानुकरः (निर्णक्य) धर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० ऋई— 1/3 7ईई/57 92/84—85——श्रतः मुझे पी० एन० क्वे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए (उक्त जिमिनियम) कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर बम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं कार्यालय नं 16, जो 13 वीं मंजिल, नवजीवन सोसायटी इमारत नं 3, लेमिन्टन मार्ग, रोड़ , बम्बई – 8 है तथा जो बम्बई – 8 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269%, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 10–3–1985 को बूबेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे उर्यवान प्रतिफल का पन्नह प्रतिखत से अधिक है और जन्तरिक (अन्तरकों) और जन्तरित (बन्तरितकों) के बंच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरित (बन्तरितकों) के बंच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरित (बन्तरितकों) के बंच एसे अन्तरक (अन्तरकों) की स्थान प्रतिफल से उन्तरका के लिए तब बाया च्या प्रतिफल, निम्नीनिकल उद्योग्य से उन्तर जन्तरण लिक्ति में स्थानक रूप से कर्मित वहाँ किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी नारने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या जिल्ली धन या अस्य अस्तियों की, किस्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा था किया जाना शाहिए था, छिपाने सविषा औं लिक्स

जतः जब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं को अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) चंदवानी मरमानंद पी०, (ट्रस्टी-पी० पी० प्रा० ट्रस्ट) ।

(भ्रन्तरक)

(2) प्रशोक कुमार तुलस्यान और रामस्वरुप तुलस्यान । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हूं।

उक्त सम्बत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाधेप :---

- एक) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्गल से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी क्यिश्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अति अ भी जबिंद बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिक व्यक्तियों में ते कि ती व्यक्ति स्वारा;
  - (क) इत भूवना के हाजपत्र में प्रकाशन की तारीज रू 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रभा लिखित में किए जा सकोंगे।

न्ध्यक्ष्मीकरण :--इसमें अयुक्त फब्बों मौर पदों का, जो उक्स विशासिक के मध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, जहां नर्भ होगा जो उस मध्याय में दिया गया

## **बन्द्रचाँ**

कार्यालय नं० 16, जो, 13वीं मंजिल, नवजीवन सोसायटी इ.मारत नं० 3, लेमिन्टन रोड़, बम्बई-0 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-1/37-ईई/5686/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर माधुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-11-1985

मोहरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकाड

## कार्यानय सहायक जायकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रजन रेंज-1, बम्बई वम्बई, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निदेश स० ग्रई-1/37ईई/5995/84-85—ग्रत. मुझे पी० र न० दुवे

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस इसके पञ्चात 'तुक्त अधिनियम' कहा गया हैं), असे भारा 260-ल के अधीन सक्सम प्राधिकारी को, यह विक्लाम करने का कारण है कि स्थावन सम्पत्ति जिसका उचित वाजान अस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लेट न० 1, जी 2री मंजिल इमारत नं० 4, पी०एस० बी० ग्रपार्टमटस बी० जी० खेर रोड, वरली नाका, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रमुस्ची है और पूणं रूप से वर्णित है) और जिसका करारनाम ग्रायकर ग्रधि नियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-3-1985

क्वे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान श्रीतफल के लिए अन्तर्दित की गई है और मृभ्ने यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इच्यमान श्रीतफल के पन्द्रह्न प्रतिकत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के सिष्ट तय बाबा गया श्रीत-कस निम्नीलिखित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक च्या भे कथित नहीं किया गया है इन्न

- (क) लेनरण से हुए किसी बाय की बाबत, उन्स र अवार अर्थ में स्वारक के शांविक अपी नरन के अस्य बंबने के सृधिका से फिल सीर/या
- ंक) श्रेमी किसी अन्य वा किसी धन वा लग्य आस्तिका विज्ञानिका विज्ञानिका अपरित्य वावकर विधिनियस, 192% (192 का 11) वा उक्त विधिनियस, या धन- अपिनियस, 1957 (1957 का 27) के अवोधनार्व अस्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया ववा था वा किया धाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए.

अतः असः, उत्रत अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ने सधीन निय्निलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात

- (1) पी० एस० बी० कम्स्ट्रवशन कंमनी लिमिटेड। (ग्रण्तरक)
- (2) 20वी सेच्यूरी फाईनान्स एण्ड कण्सत्टेसी सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड ।

(ग्रण्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के अर्चन के सिए जर्यवाहिया करता हूं।

त∞ तम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासंचः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील की 45 दिन की जनिथ या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की हानील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अक्षां बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वांक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी अन्य क्यक्तित द्वारा अधोहम्ताक्षरी के बाक निकास में किए वा सकेंगे।

## अनुसूची

फ्लेट नं० 1, जो 2री मंजिल, इमारत नं० 4,पी० एस० बी० ग्रपार्टमेट, बी० जी० खैर रोड, वरली नाका, बम्बई मे स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-1/37ईई/5684/84-85 और जो सक्षम प्राधि कारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षक) ग्रजन रेज−1, बम्बई

दिनाक : 1-11-1985

**त्रक्य भार**े, द<u>ि.</u> एन., एत.,-----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के कथीन सूचना

#### भारत रहकार

कार्यांसय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्षण) भर्जन रेंज-1 बस्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निदेश सं० श्रई-1/37ईई/5996/84-85--- अतः सुन्ने, पी० एन० दुवे,

विश्वासकार अभिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इतके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के खंधीन तक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 4, जो 1री मंजिल, इमारत नं० 4, पी० एस० बी० अमार्टमेंट, बी० जी० खैर रोड़, बरली नाका, बम्बई-18 है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची है और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर प्रधिन्यम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 19-3-1985

को वृत्रोंक्स संपत्ति को उपित नाजार मुन्त से कन् को अवसाम ।तिसम को लिए मंतरित की गई है और मुम्ने नह निक्तात करने का कारण है कि मणापूर्णेक्स संपत्ति का उपित नाजाह मुख्य शवसे क्यायान प्रतिसक्त से, एसे क्यायान प्रतिक्षण का पन्नह शिसस्य से विश्वक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिक्षी (मन्तरिक्षिकों) में नीच देसे मन्तरिक में स्थि सम्पन्ता पना स्तिस्त , दिस्मीकिया बद्दिस से स्वस्त सन्तरिक मिक्स में सन्तरिक स्था से क्याया कहीं किया गया है है——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की बाबस उपस वर्ष-सिंक्ष के संधीन कर दोने के बन्तरक के वारित्य में कंभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिये; बीर/या
- ऐसी निम्ही जाय या किसी पण वा कत्य अर्थस्ता का, जिल्ही भारतीय आयकर विधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिवस, वा धन-कर विधिनिवस, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया जा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा वे लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थीत्:——
48—366 GI/85

- (1) पी०एस०बी० कण्स्ट्रकशन कंपनी प्रा० लि०। (ग्र-तरक)
- (2) 20वीं सेंच्यूरी फ्राइनांस एण्ड कण्सल्टेंसी सर्वासस, प्रा० लि०।

(मन्तरिती)

को यह सूचना बारी करने पूजेंक्त सम्मित्त के वर्षन के स्मिर कार्यवाहियां करता हुं।

उच्छा तंपीक्षा के वर्षन के सम्बंध्य में कोई भी नाक्षेप अ---

- (क) इस स्थान में रायधन में ज्ञासन की रारीय से 45 दिन की बर्बाय ना संस्थेत्री करिन्दनों पड़ सूचमा की तामील से 30 दिन की समीध, को भी समीध नाव में समान्य होती हो, के भीधा प्रमौन्य कारिकारों में कि सी नात्तिक कुनाहर:
- (थ) इस क्षमा में हाजपन में प्रकाशन की ठाएकि से 45 दिन के भीतर उनतं स्थानेर सम्बद्धि में दिस्तेष्ठ किती मन्त्र स्थानित युगारा मुशेहस्तानारी के पास विविद्ध में किए वा स्थाने।

रभवाकरण :---इसमें प्रकृतत कर्यों कीर वर्षों का, को स्वय जीवीनवस को जध्यान 20-क में परिनाविक हाँ, वहीं वर्ष होगा, को उस वर्धाय में दिवा गया हाँ।

#### मय्सूपी

फ्लेट नं० 4, जो 1ली मंजिल, इमारत नं० 4, पी० एस० बी० श्रमाटमटस, बी० जी० खैर रोड़, वरली नाका, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० भई-1/37ईई/5691/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶1, बम्बई

दिनांक : 1-11-198 5

विषयं कर्ता, तेतु क्षेत्र करे हे

ज्याराज जीविषयम, 1961 (1361 रा. 43) करी धारा 269-च (1) के बधीन सुचना

#### भारत नरकार

गार्याचार महायक गायकार गायका (निरक्षिण) अर्जन-रेंज, 1 वस्बई

बम्बई, दिनाक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई -1/37-ईई/0006/84-85--अतः मुझे, पी०एन० दुवे,

हारक कि पित्रम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एकात 'उप्त मिनियम' कहा गण हैं). की धारा 269-च के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि प्रधार संपीत, जिसका स्वित बाजार मूल्य 1 00.000/- व व अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1317, जे, इमारत नं० 44, एम०आई०जी० आदर्श नगर को-ऑप० हाउसिंग सोसाईटी लि० वरली, बम्बई-25 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप पे वर्णिन है), ग्रीर जिसका करारनामा आय-उर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। तारीख 20-3-1985।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे वचने में सिविधा के लिए और/या
- (क) ए जी किया काय का किया किया किया किया करिया करें। किया भारतीय पाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धरकर अधिनियम, या धरकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध नार्थ अक्टारती ध्वाय अकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था कियाने में सुनिधा है निक्या

सतः अत्र उक्त अभिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण में १, १९ विकास की तथा 269 र विषया। (1) (1) डा० शशिकाः वि० कामत।

(अन्तरक)

(2) श्री के० रामनाथन।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरका

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वनः करो भारतः भूतः रा समितः को अर्जन को किया कार्यवाहियां शुरू करता,हों।

उक्त सम्पत्ति के प्रवीन के सम्बन्ध भी कोड़ी भी आश्रोप :--

- (क) इस सुबना के राजपन में प्रकाशन की तारीख श्रं 45 दिन की अविष् या तालमा की व्यक्तिया पर स्वना की तामील से 30 दिन को अविष, जो और अविष याद मा लगान हाता हो, के भातर प्रविक्ष कार्यवार में से दिनी स्वाजन द्रास;
- (ब) इस सूचना के जाजपत्र में प्रकारण की तारींच र' 45 दिशा की सर्वा १००० वर्ग के दिनवद्या किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाछ

स्पष्टिकारण:--इससे प्रावत तहतें और पदों का, को उनस अधिनियस के ए: 20-क से परिभाषित हो, वहां अभ होगा ने ए का एक कि गया है।

## ग्रनुसूची

फ्लैट नं० 1317, जो, इमारत न० 44, एम०आई०जी० आदर्श नगर को-ऑए० हाउटिया सीसाईटी लि०, दरली, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०स० अई-1/37—ईई/5696/84-85 श्रौर जा सक्षम प्राधिकारी, बस्वई द्वारा दिनांक 20-3-85 को रजिम्टर्ड किया गया है।

पी०एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक अथवद आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख: 4-11-1985

20-3-1985 |

हक्ष्य सार्थः ही . प्राः हक्षः

आयकपु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) को अधीन सूचना

#### भारत सहकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

अम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

शिदेश मं० अ**ई** $\sim 1/37$ -ईई/6009/84-85——अतः मुझे, पी०एन० दुवे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 क) 43) (चितं इसके प्रकार अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ए का गर्यान पर्याच पाधिनामी की, यह निष्यास करने का कारण है । क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मानार मृत्य,

1,00,000/- रह. से अधिक हैं
ग्री राजशही मंद पत्रेट नंद 7, जो, 1ली मजिल, सूर्य
दिवेट एं हमान्य, दि दिन्माम द्रादेश को आप हाउदिण
सोक्षाईटी लिद, गिरमांच रोड, बम्बई है तथा जो बम्बई
में नियत है (ग्रीर इसरे प्राबह अनुसूची में ग्रीप पूर्ण
म्या वर्णिय है), श्रीर जिल्ला क्रमामा आयवर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में ज्जीरद्री है। तारीख

को पूर्विवत सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य सं कम के रवयमान शितफल के लिए अन्तिति की गई है और मूफे यह विववास करने का फारण है कि अकार्यों क्स संपोध्य का अवित साजार मूल्य, उराके इर्यमान प्रतिफल से, एसे इर्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक क्क निक्तिसाँकत उक्षेत्रय से अक्स जन्तरण कि विषय में अक्तिबृक्त रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- ूक, जन्तरा स् इन्हर क्या काय का बाबस, उबस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्य में कमी करने या छत्से बजने में सुविधा स्रोतस्थ ने कमी करने या छत्से बजने में सुविधा
- (ब) रंसी किसी आब या किसी अन या अस्य आस्तियां कां, श्रेसक् भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के सिष्

नतः अन, उनत विभिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण मी, मीं अनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) मी किन्सीसांखस व्यक्तिस्थों, प्रचाँस क्रमां (1) श्री नवनीतलाल उत्तमलाल कनाकीया, रमेशचन्द्र धरमदास मेहना श्रीर विनोद हरजीयनदास मेहता।

(तरक)

- (2) श्री शांती स्वरूप सत्यनारायणन अगरवाल श्रौर श्रीमती कुसूम देवी सजनकुमार अगरवाल। (अन्तरिती)
- (3) श्री राजू अनंतराय मेहता ग्रैं।र कुमारी प्रिती अनंतराय मेहता।

(बह व्यक्ति, जितके अधिभे।ग में नम्पति है)

नों यह सूचना गारी कारके पूर्वीयत संपत्ति के अर्थन अर १ शस् आर्थनाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मी कोई भी कार्काण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध मा सत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर गृपना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती को, जे भीचा पृवीक्त अवितयों में से जिसी व्यक्ति सुवरा,
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति के हित-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाकेष्ट्रणः - इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदा का, जा सक्स विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, यही अर्थ हांगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

प्लैष्ट नं० 7, जो, ाली मंज्ञिल, "सूर्य" तिकेतन" दमारत, दि गिरगांव सूर्य निकेतम को-ऑप० हाउसिंग सोलाईटी लि०, गिरगांव रोड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र॰सं० अई-1/37-ईई/5699/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांद 20-3-85 को रजिस्टई किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 4-11-1985

## प्रकृत कार्यु <u>की हुन पुर ह</u>ुक्तान

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-ज (1) में मभीन सुकता

#### शारक करकार

## कार्यांसय, सहायक बायकर बाक्क्क (निर्धालन)

अर्जन रेंज-1, बम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निवेश सं० अई-1/37-ईई/6011/84-85--अतः मुझे, पी०एन० दुवे:

कायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (ध्रेंबले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार नृस्व 1,00,000/-ए. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 103, जो, 18वी म जिल, दरीया महल, 80, नेपियम सी रोड, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 20-3-1985।

को प्रॉक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमां इतिकास के जिए बंतरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, असके स्थ्यमान प्रतिकाल से, एसे स्थ्यमान प्रतिकाल का पत्त्वह प्रतिकाल से स्थिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तर दिशी (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के निष्ट तब पाता गवा प्रतिकालनी म्नामित उद्योध से उस्त अन्तर्क किश्वत मीमित उद्योध से उस्त अन्तर्क किश्वत मीमित में वास्त्रीक स्थ से किश्वत मीमित में वास्त्रीक स्थ से किश्वत नहीं किया गथा है स्न

- (कः) कल्यारण से हुन्दं किसी, बाय करी बाबस, उक्त जिल्लीनयम को अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कनी करने या उससे बचाने में सुविधा से बिए; जॉर/वा
- (का) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा को सिष्ट;

अतः अब, उक्त आधानयम का थारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्रीमती कीरणदेवी उमराभासल बरमेणा।
  - (अन्तरक)
- (2) अजयकुमार गर्ग।

(अन्तरिती)

को यह तूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जन्म नंपरित को नर्जन को संबंध में कोई भी बाह्येप रू-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन की अविध या तत्सक्तन्थी व्यक्तिकों पर स्वान की तायीस से 30 दिन की व्यक्ति, को और अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तिनों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिहाबर्थ किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के शाह लिखित में किए वा ककेंगे।

स्त्रध्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त बक्तों मीर पदों का, को जन्द्र मधिनियम के अध्याय 20-क में वीरभाविद्र है, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में विका यस है।

## यन्यूपी

फ्लैंट नं० 103, जो, 18वी मंजिल, दरीया महल, 80, नेपियन सी रोड़, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० अई-1/37-ईई/570/84-85 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-85 को रिजस्टिङ किया गया है।

पी० एम० दुमें सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्मई

तारीख: 4-11-1985

प्ररूप आहे. टी., पुन. पुस. ------

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के न्यीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजेंन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6012/84-85---अतः मुझे, पी०एम० दुवे,

नायकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें सके प्रवाद 'उन्त निधी।यम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के न्धीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वाद करने का कारन हैं कि स्थानर सम्पत्ति, निसका सचित नावार मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 2, जो, पिटर मार्केल इमारत, प्लांट नं० 941, श्रीर 941ए, प्रभादेवी, बम्बई-25 है तथा जो बम्बई-25 में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। तारीख 20-3-1985।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मून्य से कम को द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का है और अन्तरका अन्तरका बार बन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाजारित के सामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाजारित के सामा गया है :---

- (क) अन्तरका से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायिस्य में कमी करने या उसते अचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः जन्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीन

(1) मेसर्स कॉझीहोस बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री नितीय श्रीधर कापडी ग्रीर श्रीमती उमि नितीन कापडी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में से किए का सकोंगे।

स्यव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अपस्यो

युकान नं० 2, जो, पिटर मार्केल इमारत, प्लांट नं० 941 ग्रीर 941ए, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० अई-1/37-ईई/5702/84-85 शौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-85 को रजीस्टडं किया गया है।

> पी० एन० **दुवै** सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

नारी**ख**: 1-11-1985

मोहर ३

प्रकार आहे , दौ , एन , एस , , , , , , , , ,

सामकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के सभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदश सं० अई-1/37-ईई/6013/84-85---अत: मझ पी**०**एन० दबे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० दुकान न० 1, जो, पिष्टर मार्वेल इमारत, प्लाप्ट नं० 941 प्रौर 941ए, प्रमादेवी, बार्बई-25 है तथा जो बम्बई-25 में स्थित है (प्रौर इसमे उपाबड़ अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप स विणित्र है), प्रौर जिप उ करारमामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिरारी के आर्यालय में रजीस्ट्री है। तारीख 20-3-1985।

को पूर्वोक्त सम्परित के उभित नाजार मूल्य से कम के व्हर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्या, उसके श्रवान परिष्मल हो, एमे ल्यान परिष्मल का बुद्ध प्रतिकत से निषक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अधिकत, निम्नसिवित उद्वेष्य के उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की शावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जरि/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाना वाहिए था, जिल्लाने में सविधा के लिए!

कतः गर्वा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त स्परिस्तरणों, अमित् हि— (1) मेसर्स काझी होम बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) मेनर्स डायट्रान (इडिया) लिमिटेड।

(अन्तर्रिती)

का यह सूचना जारा करक प्वाक्त सम्पत्ति के जर्जन के जिए कार्यशाहियां करता हो।

डक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेच :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में मकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीध ना तरस्वंत्री व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविध, को भी कृतिभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृदर्शन्त अविध में से किसी व्यक्ति इंदारा;
- (क) इस सूचना के राजयत में प्रकाशन को तारीस है 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कार्य।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त कायों और वहां का, वां क्रक्श अधिनियम को लध्याय 20-क में परिभाषित, ही, वहीं अर्थ होगेर को उस अध्याय भी वियो स्टार्टी

## नन्सर्था

दुकान नं० 1, पिटर माकल इमारत, प्लाप्ट न० 941 श्रीर 941ए, प्रभादेवी, अम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क॰म॰ अई-1/37-ईई/5703/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनार ५८-८-১५ को रजीस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िर्गिक्षण) अर्जन रेज-1 बम्बई

ता**रीख** : 1—11—1985

श्रास्य शाद्<sup>र</sup>.टी.एन.पृश्ल.

आयकर द्रिधितियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 स (1) ये अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बामुक्त (निरक्षिण)

अर्जंग रेंज-1 बम्बर्ध

बम्बई, दिमांक 1 नवग्बर 1985

निर्देश सं० **६६-1/37-६/**3016/84-85--- अतः मुझे, पीक्ष्मि दुवे

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,('00) '- का से विद्यास है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के स्नारक के दाशित्व से कभी कारने या उनमें बनारे से स्विधा अक्षिए, आर्टिश्या
- (ख) एसी किसी आब या किसी धन या जन्य आस्नियों की जिन्हों भारतीय जाएक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) दें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

शत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त गांधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के आतीन, निम्मलिक्टित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री वेहरामजी बी० ब.रीया।

(अन्सरकः)

(2) कुमारी विनाता गोस्टी।

(अन्तरिती)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किस् कार्यवाहियां शुरू करता हू ।

उक्त बन्दरि के नर्जन के तंबंध में कोई भी वाक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के शास हितीयत में किए जा सकींगे।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, को उच्च आर्थिनियम, के अध्वाद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विवा गया ह

## अनुस्को

फ्लेट नं० 1, जो 8वी मंजिल, घरली हिमालया को-आंप० हाउसिंग सोसाईटी, 109, वरली सीफेस रोड, **घम्बई-**18 में स्थित है।

अनुसूची जैसाहि फ॰ सं॰ अई-1/37-ईई/5706/84-85 और जोसनम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनाक 20-3-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी०एम० दुवे सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण), अजेम रेंज-1 बम्बाई

तारीख . 1-11-1985 मोहर: प्रस्प आर्च. दी. एन . एस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासम, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्तिम) अर्जन रेंज-1, सम्बर्ध

बम्बई, दिमांक 1 मयम्बर 1985

निर्देश सं॰ ई-1/37-ईई/6019/84-85—अतः मुझे, पी॰एम॰ दुखे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' नहीं गया है), की भारा 269-च ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रहे से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 21, जो, 3री मंजिल, श्री जगदीम निवास को-आंप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, प्लांट नं० 198, सायन (पूर्व), बम्बई-22 है लया जो बम्बई-22 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विजित है), श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधि-नियम, 1961 की घारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजीस्ट्री है। तारीख 20-3-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कन के क्यामान प्रतिफल के लिए अंतरित की नहीं हैं। व्हरें कुछे बड़ विकास करने का कारण हैं। कि यथापूर्वोक्त तम्पत्ति का स्वित क्यार मूल्य, उसके दरवमाण प्रतिकास ते, एंसे क्यामान प्रतिकास का बल्द्रह प्रतिचल से बाधक हैं। और अंतरक (अंतरका) और कंट्रा-रिती (अंतरिदियाँ) के बीच होते अंतरण के विक् क्या गामा प्रतिकास, किम्मदिकचिक क्याक्ट्रिया से क्या अंद्राच्या किम्बिस में बास्तविक क्या से कांधित नहीं किया गया है हि—

- (क) अंतरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः। असः, उक्त अभिनियमं की धारा 269-गं के अनसरण कों, कों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीसिंख व्यक्तियों, अर्थास् :~- (1) श्री योगशप्रेमचंद शहा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पृष्पा हरिकशनदास मेहता श्रीर श्री हरिकशनदास जीवनलाल मेहता।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरका

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्बन्ति के अर्थन के तंबीध में कोई भी आक्षीयू:---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वायख से 45 दिन की जनिथ ना उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अमिथ, जो भी अन्तिथ नाद में तनाचा होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्नारा;
- (व) इस क्वन के अववन में त्रकाबन की बारीय से 45 दिन के मौकर स्थानर तम्बत्ति में दितवष्य किसी जन्म व्यक्तिस ब्वारा नथोहल्लाकारी के पात लिखित में किस् मा सकींगे।

स्थल्डीकरणंड्---इत्समें प्रमुक्त सन्तों और वर्षों का, को उक्त अधि-निवम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, यहीं अर्थ होगा जो सब अध्यास में दिवा गया है।

## नप्स्ची

फ्लैंट नं० 21, जो, 3री मंजिल, श्री जगदीश निवास को-आप० हाउसिंग सोमाईटी लि०, प्लांट नं० 198, सायन (पूर्व), बन्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० अई-1/37-ईई/5708/84त85 भौर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-85 को रजीस्टर्ड किया गया।

> पी० एन**० दुवे** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1**: बम्ब**र्ड

तारीख: 1-11-1985

प्रकप् बार्षः टी., एन., एव.,------

# जायकर जिथितियस, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### नारत सरकार

कार्यालयः भहायकः आवकःर मार्वतः (निर्हाक्षणः) अर्जमः रेज-1, सम्बद्धः

बम्बई, विमांक 1 नवम्बर 1985

निर्वेश सं० अई-1/37-ईई/6025/84-85—-अत: मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का सारण हैं। अक स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- से अधिक हैं।

श्रौर जिसकी सं० कार्यालय नं० 201, जो 2री मंजिल, नवरतन इमारत नं० 1, 69, पी० डि" मेंलो रोड, बम्बई-9 में स्थित (ग्रौर इससे उपाबक

अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीम्ट्री है तारीख 20-3-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बह्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितयार) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्या प्रतिफल, निम्नलिखित उनुविषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत जकत सिंध-नियम को अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में सिविधा को लिए बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ अन्तीरती द्यार प्रकट नहीं किया प्रमा थ। या किया जाना चाहिए था, छिपाने बें पविभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स लि श्रण्ड मुथरहेड (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स मौराष्ट्र क्लेअरीग एजेंन्सी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को सह सूचना बाड़ी करके पून्र कत सम्मिति के वर्षन के निष कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत अपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वृत्ते कि 45 दिन की जनिय ना तत्स्वस्वरणी स्थानित्यों नर्स सूचना की तायी अ वे 30 दिन की स्वाधि , को भी सर पूर्वों कर स्थानित में से किसी गानित बुवारा;
- (व) इस क्ष्मा के समयम के प्रकाशन की तादीक वे 45 दिव के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति के हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्यादा अधोत्स्ताक्षरी के पास सिसित में किए का स्कोंगे।

स्यक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, थो उनस् श्रीभृतियमं, के मध्याद् 20-क में परिभाषित हैं, बह्दी वर्ध हिला थो उत्त अध्याय में विद्या ग्या है।

## वनुसूची

कार्यालय नं० 201, जो 2री मंजिल, नवरतन इमारत नं० 1, 69, पी०डि" मेलो रोड, बम्बई-9 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कै०सं० अई-1/37-ईई/5711/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-85 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अम्बर्ट

बम्बई, दिना 1 नघम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/6029/84-85-- श्रन मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उनता अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विशास करन का कारण है कि स्थापर सपात जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

और जिल्ही मं० फ्लेंट नं० 3, जो, तन माला, कबीरजी इमारा, भिवरी-बाना, बरबई-31 में स्थित हैं (और उपमें उपानद अनुसूत्ती में और पूर्णस्य में विकास हैं), और जिल्ला प्राप्ता गणण अधिनियम, 1961 की धारा 2690 व के अधीन प्रपाई स्थित एक्स पाधिनारी के पर्यात्य में रजिस्ट्री हैं नारींख 20-3-1985

को प्वंकि। गंगिस के उचित बागार मला से कम के हर्यमान प्रतिफल के लिए अहरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि मध्यपांकित गंगिस का उवित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिपल क, एसे द्वर्यमान प्रतिपल का पन्द्रह प्रतिपात से अधिक है और अत क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण किसित में नाम्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई िकमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सविधा के लिए, और/या
- (ल) ऐसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उद्धा अधिनियस, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाता चाहिए था, छिपाने में राविधा के लिए।

ात. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित त्यिकत्यों, अर्थात ——

- (1) श्रीमा। এবর নি, সার্বালান আম্মার । (স্লের কিং
- (४) श्री भिलूभाई देत्जी भाहा। (उन्हें ती)
- (3) अन्तिन्ति । (बह व्यक्ति, शिवक अर्थ को से सम्पत्ति है ।)

का यह सूचना जारी करके प्रवीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोर --

- (क) इस सूचना के राजाश मा प्रकाशन की तारीता से 45 दिन की अविधिया तत्माती का किया पर सूचना की तामील से 30 दिन का आणि, जो भी अविधि बाद मो संपादत होती हो, हो किया परिस् व्यक्तियों में से कियी जिला हारा
- (स) इस मूचना के राज्यन में प्रकाशन की तानील से 45 रिन के भीतर उद्यास्थानर प्रस्थित में हिन द्यं किसी अन्य गिवित द्वारा, अक्षेत्रभाक्षा के पास लिखन में किए ता सर्वेग।

स्पष्टीकरण'---इसमे प्रयुक्त जन्दो और पदो वा, जो उक्त अधिनियम, ने अध्याग 20 के में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा को उक्त अधाय में दिन गया है।

#### अनुसुची

पचट नं ० 3, जो, तानमाता, तबीरजी इमारत, विवरी-णाला बम्बई-31 में स्थित है ।

प्रमुक्ती जैसानि अ० सं० १६ -1/37ईई/5714/84-85 और जो सक्षम पाणि सी पाई सि । ( )0-6-25 की रिक्षा गया है।

> पी० एवं० दूर १क्षम अधि गर्र सहायत साथ ११ ऋहरण (विर्वे तर्ण) १६ विस्ते रेगा- स्थार्ट

नारीख: 1-11-1985

घोद्रर ध

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

वम्बई दिनां । त्वम्बर, 1985

निर्देश तं० ग्रई-1/37ईई/6042/84-85-- अत' मुझे पीं० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- एक अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और निक्कित स० पलाट न० 5, को 6ठी मंत्रित, बी-विंग, अवत निकेत को आप० हार्जी ग सो तहटी लि०, फलोक रोड, सायन बम्बई-22 है कि को उपाई-22 में निया है और उसे उपावड़ अनुसूची में ओर पर्मस्प पे विंगत है), और जिला कारनामा आप र अिंग्सम, 1961 की

धारा 269 ख के मधीन, बग्बई स्थित रक्षम प्रा िरंदे बार्याल में रिजर्ट्री है। नारी व 20-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के न्लए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित वृद्धी किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय क', बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी जन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अत. अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के की कि जिस्सीलिखन व्यक्तियों, अधित् :--

(1) श्री मनहर लाल 'तीं नाल सेठ।

(अन्तरक्)

(2) श्री जितेन्द्र एच० गांधी।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिनके ग्रधिभोग में सम्पत्ती है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हक्षेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

प्लैट नं० 5, जो, 65ों मंजिल बी-विग, अंवती निकेतन को०-ग्राप० हाउसिंग सोनाइटी लि०, फ्लन्ड रोड, नायन, बम्बई-22-में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-1/37ईई/5720/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे स्क्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

मोहर ्

## प्रस्य ना<u>र्च्,टर्ने.एन्.एस्.</u> -----

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269~घ (1) के अधीन सूचना

#### बारत बहुकार

## व्यवस्थितः, सञ्चायकः वायकर भागृक्तः (निर्देशिकः)

म्रर्जन रें ज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-1/3% ईई/6045/84-85--- अतः मुझे, पी० एन० दुवे.

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राणिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० यूनिट सं० 426, जो, 4थी मंजिल, ए-1, शहा एण्ड नहार इन्स्डट्रियल इस्टेट, एस० जे० मार्ग, लोखर परेल, बम्बई-143 में स्थित है और इसमें उपाबद अन्मूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के आर्यालय में रिजिस्ट्री है। नारीख 20-3-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजा मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकृत सम्पत्ति के उचित बाजा मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकृत सम्पत्ति के व्याप्योंक्त कम्परि का उचित बाजार करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कुल, उपके रिवान प्रतिकृत से एसे स्थमान प्रतिकृत का क्ष्य प्रतिकृत में बादिती (बंदिरिक्स) के बीच एसे अंतर है जिए तम पाया गया प्रतिकृत किमानिवित उप्योध्य से उक्त अन्तरण निम्बत में वास्तिकृत कम निम्ननिवित उप्योध्य से उक्त अन्तरण निम्ननिवित में वास्तिकृत कम निम्ननिवित उप्योध्य से उक्त अन्तरण निम्ननिवित में वास्तिकृत कम से किमा नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुए किसी साथ की बायल, उक्ल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कारी करने वा उससे बचने में बृदिशा के लिए; और ० ।
- (स) एती किसी नाय या किसी धन वह अस्या वास्तियों की दिवाही भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उट्टा विधिनियम, या धन-कर टिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवाय गर्भ अन्तिरती हुनां, प्रकट हिने किया नया वा वर्ग किया जाना जाहिए था, रिशान में क्विधा की सित्र।

बतः बव उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :--- (1) णहा एण्ड नहार एसोनिएट्स ।

(भ्रतरक)

(2) श्री हरसूख लाल वि० संघानीं

(ग्रवरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता तो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्द्रची

यूनिट नं० 426, जो 4थी मंजिल, ए-1, शहा एण्ड नहार इन्डरट्रियल इस्टेट, एसके जे० मार्ग, लेश्वर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फल सं प्रई-1/3कईई/5724/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-85 को रिकस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे मक्षम प्राधिकारी महाय : स्रायशर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रें ज-1, बस्दई

तारीखा: 1-11-1985

## प्रस्तु बाइ'. टी. एन एस... ----

(1) शहा एण्ड नहार एमोसिएट्स ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीं नरेन्द्र ठमग्रर ।

(भ्रन्तरिती)

श्रायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्याक्षव, सहावक भावकर नायुक्त (विद्योक्षण)

ग्राजीन रें ज-1, बमबाई

बम्बई दिनांक 1नवभ्बर, 1985

निदोण सं० अई-1/37ईई/6046/84-85→ श्रतः मुझे, पीं०एन० दुबे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की नारा ∠69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव यूनिट नंव 427ए, जो यहा ए ड नहार इंग्डर-ट्रियल इस्टेट ए-1, एसव जेव मार्ग, लंडर- एरेट, ज बई-13 में स्थित है (और इसमें उपावड़ अवसूची में और पूर्णस्प ने विषित्त है), और जिस्सा वरास्तामा आयार अविनिधम, 1961 की धारा 269 व्यावे अवीत, व बई क्या नक्षम प्राधितारी के कार्यालय में विष्टुं। है। पारीध 4-31985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यभागूर्वेक्त संपित्ति का उचित बाजार रूप, उसके स्थ्यमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल का इस् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक के निए तम वाबा क्या प्रतिकान, निम्नसिक्षित उक्देश्य से उक्त बन्तरक निम्नित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीज कर दोने के बन्तरख के दायिस्त में कभी करने या उससे बच्ने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिवाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए भा छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः भव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक कें, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां स्थम करता हो।

## **उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध** में कोई भी बास्रेप ह---

- (क) इस सूचना के हाजपून में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेशिक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख र्ध 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार सिवित में किए जा सकी।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त पान्दों और पवां का, जो उन्हरू अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होता, जो उस अध्याय में विषय बसा ही।

#### अनुसुची

यूनिट नं० 427ए, जो, शहा एण्ड नहार इन्डस्ट्रियरल इस्टेट ए-1, एम० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/6382/85-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, त्रम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को रिजस्टर्ड किया गया ।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिसारी सहाय व आयावर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-1, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

## त्रक्ष बार्' हो . एन . एव . -----

# बायफर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) वो बधीन सुवना

#### प्रारत बहुका

## कार्यासय, शहायक वायकह वायुक्त (निराक्षण)

ग्रर्जनरेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवस्वर 1985

निदेश सं० ऋई-1,37ईई,6055,84-85-- ग्रन, मुझे, पी० एन० दुबे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकीं सं० गाला नं० 35, जो, तल माला, ए-2, उमास्त, महा एण्ड नहार इन्डम्न्यल इम्टेट, लोग्नर परेल, बम्ट ई-13 में तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इत्रमें उपात्रह अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिनाता उत्तरामा आया र अित-नियम, 1961 की धाया 269 अब के अजीत उम्बई स्थित अम प्राधि पारी के नार्यालय में रिनस्ट्रों है नारीख 20-3-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए तय पारा प्रशासक रूप से कम निम्मतियित उद्वर्षम्य से उसत अन्तरण सिचित में कारण कर सिए तय पारा प्रशासक रूप से कीयत नहीं किया यहा है :——

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्हा गौधनियम को अधीन कर दने के जतरक क दायित्व में कभी करने वा उन्नहें वस्ते में सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी बाव वा किसी धन या अध्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोगनार्थ अंतरिती स्वारा शकट नहीं किया भवा था या किया जाना चाहिए था, ल्यान में स्थिभा की किस्;

बतः अव, उक्त अधिनियम की थारा 269-म के अनुसरण की, जी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निक्निशृक्षित व्यक्तित्यों, अर्थात् :---

- (1) मैं० वन जिल्सू प्रा० लि०। (ऋन्तरम्)
- (2) में । र्स अटीका इलेक्ट्री ४ च प्रा० लि०। (श्रन्तरक)

कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उन्त संपीता को अजन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तार्थि से 45 दिन का अविष्ठ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूत्रा का तामाल स 30 दिन की अविष्ठ, जो भी ज के बाद में समाद हाती हा, के भीतर पूर्वोक्त का बला में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस मुसना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक पं 45 दिन की भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधाहस्राक्षरों के भास जिकित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण : अन्तर्भ प्रश्नुत्रत सन्दों और पदों का, जो उनक्ष मधिनियम के अध्याय 20-क मा पारनाषित हा, नद्र मा श्वामा जो उसा अध्याय मे दिया मुझा है ।

#### ग्रनसूची

गाता नं ० 35, जो, तत मा ता ए-2 इमारत' शहा एण्ड नहार इन्डण्ट्रिय र इस्टेट, लोग्नर परन, वम्बई-13 में स्थित है।

स्रतुसूची ैत ि कि० मं० म्रई- 1/3 गईई/573 1/84-85 और जो पक्षत प्राधितारी, वम्बई द्वारा दिनाक 20-3-85 को रिजरटर्ड किया गया है।

> पी० ए १० दुबे स्सम प्राधि परी सहाय : स्राय हर श्रायुक्त निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारींख : 1-11-1985 मोहर : क्रमदर क्रिपीनसम्, 1957 (१८५८, स. ४८) **की भारा** 299 प (१) के क्री

#### भारत सरकार

'कार्यालय,, सहायक आयकर अयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जनरें ज-1. वस्वई

वस्वई, निर्मे । जनस्वर 1985

निदेश सं० र्रे 1/37 दि, 60 के 0, 84-85 -- अनः मुझे, पीं० एन० दुवे,

लावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे १९० हा से स्वीट स्थान प्राप्त का कि स्थान राम्त का कि स्थान का

और जिपकों सं० यृतिह नं० ए-८, जो उरी मंदिल, मिननवी इस्टेट्स, बंदर रेह सिवरी (पृष्टी) त्यत्री-१० मे जित्त है (श्रीण हस्से स्लावह कम्मांची में जीए एक करा में विधा है) और लिसा प्रशादनार कार्या कि विधा त्य के हिंदा त्य के हिंदा दिन है राप्यीत विधा से प्रशिवहीं है। नारीका 20-3-1985

को गर्नेटन राजिन के प्रिया राज्य माण से कम की इटामान राज्य के प्रायाण है जिस यह के स्थान के प्रायाण की प्रायाण है जिस यह के स्थान की प्रायाण है जिस यह के स्थान की प्रायाण प्रायाण की प्रायाण प्रायाण की प्रायाण प्रायाण की प्रायाण की निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबिक किया से किथित नहीं किया गया है क्ष्र

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त जिल्लानतम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- कि गंसी किसी लाग या विसी भन या अस्य आस्तियों को, जिल्हों भागतीय जायकर अधिनिमम 1992 (1922 का 11) या गता गीर्थिताल अस् भनवार अधितियस, 1957 (1957 ता 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वार प्रकान नहीं पिया राधा सा या किया बाना चाहिए था क्रियाने को सक्तिया ने पेना

अत रुब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मैं, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की प्रधारा (1) के रूपिन, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रींमति 'लात्रितीं कित्याताल।
- (अन्तरक)
- (2) ने भी संचेटीं के फेक्चरिंग कं ।

(ग्रन्तरितीं)

(3) ग्रन्तरितयों।

(वह व्यक्ति, जिसके म्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह मृचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिध् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त मम्परित के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- '(क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त शावितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ह्यक्टीकरण: इसमें प्रयुक्त बब्दों आँर पदों का, को उक्त इधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### श्रनुस<del>ूची</del>

यूनिट नं० ए-8, जो, 3री मंजिल, मिनवां इस्टेंट्स, बंदर-रोड, सिiरों (पूर्व) वस्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैपा ि त्र० सं० अई-1/3तःईई/5734/84-85 और जा नक्षण प्राचितारी, बम्बई द्वाया दिनांकः 20-3-85 को पितास्टई रिया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहाय ह स्रायक्त (िर्देक्षण) स्रर्जन रेंज-1, बस्बई

नारींख: 1-11--1985

प्रक्य बार्षं ु टी. एन . एस .======

## भावकार अधिमियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-छ (1) के अधीन स्वना

#### प्राटक संस्कृत

## कार्यासय, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें ज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई/1/37 ईई/4715/84-85--- श्रतः मुझे, पीं० एत० दुबे,

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इतमें इसके परवात 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कमरा नं० 6, जो 2री मंजिल, फोर्ट विजय को आप० हाउक्षिम मोताइटी लि०, 1/3 गोला लेन, फोर्ट, अम्बई-1 है तथा जो बम्बई-1 में स्थिन है (और इसस उपावड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 रूख के श्रधीन , बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है। तार्राख 29-3-85

को प्रकेशित सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार वृश्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से विश्व है और अन्तरक (अन्तरकों) और वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियाँत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में से बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उकत बिध-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा कै लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित अस्तियों, अधीन कि—

(1) श्रीं विनीद अपनात कारिया।

(भ्रन्तरक)

(2) बम्बई छेटल डिगे।।

(ग्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

## इन्द्र श्रम्ति के वर्षन में सम्बन्ध में कोई भी वार्षायुक्त--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वासः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सक्यों।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उच्छ अधिनयम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, बही बर्थ होगा को उस अध्याय बें दिया गया है।

#### अनुसूची

कमरा नं० 6, जो, 2रीं मजिल, फोर्ट विजय को० ग्राप० मो १६६टी लि०, 1/3 गोता ले 1, फोर्ट, बम्बई-1 में स्थित है।

श्रतुसूचीं जैसा कि ऋ० स० श्रई-1/3 भईई/6352/84-85 और जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिन/स 29-3-85 की रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे गक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-1, बम्बई

तारींख: 1--11-1985 मोहर:

### प्रकृप प्रदूर, ही. एवं. एवं. .....

शायकर नर्रिभीनयमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न में नभीन सूचना

#### भारत बरकार

कार्याक्षया, सहायक बायका: बायकत (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-1, बम्बई

बम्बई, वितीह 4 नवम्बर, 1985

निवेश सं० धर्ष-1/37ईई/4757/84-85--- धतः मुझे,

**पी•**एन**• दुवे** गयकर अभिनियम.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निन्ने इत्तरें इत्तरें इत्तरें पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकापी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मणि, जिसका उचित बाजार मून्य 1.00-000/- रु. से अधिक हैं

बीर निमकी सं• वायांनस प्रिमायसी नं• 3-एन, जो उरी मंजिस चित्रम चेंबसे प्रिमामने ने को०-प्राप० हार्जीनम सो गहरी० लि॰, जिल्लान रोड, बम्बई-४ सथा जो बम्बई-४ में स्थित १ (बीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्य से विश्त १), बीर जिल्ला करारनामा कारान्द्र कहिन्यम 1961 की बारा 260 रख के क्षीन, सक्षम प्राधिनारी के भागांतम, बम्बई में रिटरट्टी १ सारीख 28-3-1005

को प्योंक्य सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एसे दश्यमान प्रतिकाल के पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकास, जिम्मीसिचत अद्वेचय से अन्तर अन्तरण जिन्ति में वास्तिक क्य से कवित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाक की बावत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व के कमी करने या उससे अचने में सूबिशा के किए; और/या
- (च) एसी किसी जाम था किसी थन या जन्म जास्तियी की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-भन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, जिन्माने के हविधा के किए;

वतः वव, उपत विभिनियमं की भारा 269-क के अनुकरण वी, मी, उत्तर किभिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के वभीन, निम्नलिवित स्वीवतथी, वर्षाव् 1---- 50--366 GI/85

(1) वींनित हुंदा शै॰ सामानी ।

(घग्वरङ)

(2) भीमति व्योरधना अरत गोरंग्टियः ।

(भग्वरिती)

(3) धन्वरक ।

(बहु काषित, जिस्के घिष्टोम नै सम्पत्ति है) ।

कीं बहु सूचना धारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल्ल कार्यशाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कार्शर :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की सारीच के 4.5 दिन की अयिश या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों वर सूचना की तामीन से 30 दिन की नविश, को भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट कर्शकरों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदृष किसी कन्य व्यक्ति व्वारा कथोहस्ताक्षरी के पाक जिल्लाक में किए या सकेंगे।

रवाकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्यो का, वो उपक अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याद में दिवा यस है।

## बन्स्ची

कृष्यीतय प्रिमायसेण नं∘ उएन-, जो,, उरी मंजिल, विजय वैंबसै प्रिमायसेस को०-भाप० हार्जीस्य सोसाइटी विभूवन रोड, वस्वर्ध-4 में स्थित है।

सगुसूची जैदा कि क० सं• प्रदे-1/37ईई/6353/84-85 भीर जो सजन प्राविकारी, बम्बई द्वारा दिनांश 20-3-85 को रिजस्टबं किया गया है।

> पी॰ एन॰ दुवे सक्तम प्राधि:ारी सह्य मक्ष्य प्रथा (निरीक्षण) सर्जन रेंण-1, बस्बई

य रीख : 4-11-1985 बोहर : प्ररूप बाड दी एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) पर्जन रेज-ा, बस्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 4, जो छठी मंजिल बी- विश मातृ आणिग प्रिमागने : को०--आप० से तायटी लि०, 39 नेपियनसी रोड बग्बई 36 में कित हैं (और इसरो उपाबड़ अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से बणित हैं), और जिसना र रास्तामा आय र अधिनिय म 1961 की 1रा 26 बख के अधीन बग्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के बार्यार य मे रिज दी है। दिनांक 26--3--

को पूर्वोदत सम्पत्ति के जोचत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान पतिष्वल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,

एसे इक्ष्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-एक (अतरकों) और अतरिती (अतिरितियो) के बीच एसे अत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से अक्ष्य अतरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचन में सृत्रिधा के लिए, और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

मत: भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्ल के अन्भरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रींगरी इद्मती कांती नाल गांधी और श्री रजनीं गांव भारतींलाक गांधी ।

(भन्तरकः

(2) श्री सूरेन्द्र शामजीभाई मेंहता और श्रीमती जयश्री सुरेन्द्र मेंहता ।

(मन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा उपाहस्ताक्षरी के पास रिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शम्में और पत्रों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया हैं।

## **मन्**सूची

<sup>∰फ्रिं</sup> फ्लैट सं० 4, जो छठीं मंजिल बी-विंग मातृ माणिश प्रिमायसेस को०-भाष० सोक्षायटी लि०, 39, नेप्यिनसी रोड-बम्बई-36 में स्थित हैं।

भनुसूनी जैसा कि कर सं भई-।/37-ईई/6353/34-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलाक 26--3--85 को रिगस्टई किया गया है।

> पीं० एन'० दुबे सक्षम प्राधिकात्र्र्भ सहायक आयक्तर प्रायुक्त (निर्िक्षण) प्रजैन रज-1 वस्बर्ष

क्षिनों क : 1 → 11 → 1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधील स्चना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-। बस्बई

बम्बई दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० मार्च -1/37-ईई/5412/84--85--- अतः मुझे पीं० एन० दबे,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रत. से अधिक हैं

और जिस ही स० पर्नेट सं० 73 जी जो, 7वी मंजिल, हिरा पना बी० वे तर्द राड और ताड देव राड का जंकरान, वम्बई—20 में रिनन हैं (और इनसे उपावड अनुसूवी में और पूर्ण रूप सेविंग्ज हैं) और जिसका वरारनामा आयहर छोषिनयम, 1969 का घरा 269 ह ख के अनिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक री के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिना हैं 11—3-85 की पूर्वकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पहुर हिस्सात न अधिक हैं और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेध्य से उक्त अन्तरण जिए हा खित में बास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आया की वासत, उक्त मियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचन में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1,922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या सिया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्षिध स्वे किए;

शतः वर्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, त्रों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1), कुँ अधीन, पिस्नीम[क्य व्यक्तियों, विकित्त कें— (1) श्री जिगार मेंहिया और श्रीमंती मंतुमनी **चिं**० मेहता ।

(धन्तरक)

(2) श्री काना बारकादास रूपारेनिया धनेस द्वारकादासं रुपारेनिया सिमा धनेस रूपारेनिया और मधु शरद फंनाबर ।

(म्रन्तरिती)

(3) अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्षमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिंग करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सै 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियां में से प्रिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में दिशावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

#### अनुसूची

पलैट सं० 73-बी जो 7वीं मंजिल हिरा पन्ना बी० दस्ता करोड और ताडदेव रोड का जक्यानक बबाई-26 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-1/37-ईई/4698/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-3-85 रजिस्टड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-1 बस्बर्र

दिनांक । 4-11-1985

शक्य नाइं<u>.डो.एन.</u>एस<u>.----</u>-

## बायकर वीपनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के बंधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यांसम, बहामक मायकार भाग्कत निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बग्बई

बम्बई दिनौक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं॰ मई-।/37-ईई/6119ए/84--- मतः मुमे, **पी**० एम० दुवे,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत मिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अभीन सक्तम प्राप्तिकारी को, यह निवनास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

भीर जिसकी सं• कार्यालय सं• 53, जो, 5वीं मंजिल, यजाज भवन, नरीयन पाइंट, बम्बई-- 21 वस्थित है (और इस्रते सरावद्य धन्स्वी में और पूर्वकप से वर्णित है), और जिसका करारनामा धायकर मधिनियम, 1961 की धारा 269 कव के मधीन बम्बई स्थित सञ्जम प्राधिकारी के कार्यालय में रजित्ही है, दिनोक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित वाजार मुख्य से कम को धरवमान इतिकल के लिए बंतरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाधार मृत्य, **७तको अ**स्यमान प्रतिकल से एसे रूपमान प्रतिकल का पन्<del>यह</del> प्रतिचय से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्दरितियों) के बीच ऐसे बन्दरण के लिए तय पाया नया प्रतिकास, निम्नसिवित उद्देश्य ने उन्त अन्तर्म निवित में नास्तिषक सम से करियत नहीं किया गया है।

> क्षि अन्तरक वे हुए किसी भाग की शायतः, स्वत् श्रीपनिवय के स्थीन कर दोने के शन्तरक की श्वतित्व में कमी करने वा उदासे बचने में हुर्दिका ने विष: धीर/वा

> (४) एंसी किसी बाज या किसी पन या अन्य आहिएयाँ का विन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-**कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27)** भी प्रयोणनार्थं अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने वे बुविधा के सिए।

बतः अब, उन्त मीर्भीतयन की भारा 269-ग के मन्वरण में, भी, सन्त अभिनियम की था। 269-थ की स्पंधारी (1) में जपील, निम्तमिषित स्पन्तियं:, सर्पात् :---

(1) मेखने समाप्त देखिम सम्मनी ।

(मन्दर्क)

- (s) कायाक सीवित एक कायता कित कमती वि• । (यन्डरिती)
- (३) घन्तरशे । (बह व्यक्ति, जिसके प्रधिमीय में सन्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करने पूर्वोक्त सम्मृतित् के वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता 🚉 🐌

## अवत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासंप ब-

- (क) इस स्थान के राजपणी में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की व्यक्तियां तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, को भी बंबीय बाद में समाप्त होती हो , के भीत्र पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की ठारीं करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति के डितनव्य किसी बन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पाक ति। यत मा कए जा सकागा

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त मिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही कर्य होगा, जो उस क्ष्याय में विका मना है।

## बग्रुवी

कार्यासय सं • \$3, जो, 8वीं मंजिल, बजाज भवन, मरीमन पाइंट, बम्बई--21 में स्थित है।

भर्भूनी जैसा कि क॰ सं॰ भई-ा/37-ईई/4004/84-88 और जो सतम प्राजिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 18-3-85 की चिष्टा क्या गया है।

> पी॰ एन• दुवे सभम प्राधिकारी सद्वायक सायकर यागुन्त (निरीक्षण), पर्जन रेंथ-1, बम्बई

रिनोष : 6-11-1885

योदर :

प्ररूप नाई. टी. एन. एड.-----

आधकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यासर,, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंग-1, धम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1085

निदेश सं॰ घर्ड-1/37-ईई/5777/84-88---- प्रतः मुझे, 'पी॰ एन॰ इने,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रहवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूच्य 1,00 000/- रा. से अधिक हो

भौर जिस ही सं॰ कार्यालय सं॰ 408, जो, 4थी मंजिल, मोहा भवन, पी॰ डिमेलो टोड, यम्बई--0 में स्थित हैं (और इस्ते उनाबद्ध मानुनी में और पूर्व कप से वर्णित है), और जिसका करारतामा आयकर प्रवितियम, 1061 की धारा 269 क्या के प्रवीत बम्बई स्थित सक्षम प्राविकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 1--3-1985,

को पूर्धिकर सम्पत्ति के उभित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वात करने का जारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृस्य, उनके दश्यमान प्रतिकत को पंसे दश्यमान प्रतिकत को पंसे दश्यमान प्रतिकत को पंसे हिए त्या भी में बंदिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए त्या पाया नया प्रतिकत निम्मलिकत उपदेश्य से उक्त बन्तरण किवित के बेस्तिवर, रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व को कमी करने या उससे बचने के बुविशा के शिल्प्य और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्सियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11). या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया नवा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने वें सीवधा को सिए;

बक्क: स्था, वन्त सीधीनयम की धारा 269-य के बनुसरम की, मी, अक्त मीधीनयम की धारा 269-य की वनुधारा (1) के बचीन, निम्नीमधित स्थानतयों, अर्थात् ।---- (1) मेसर्व इंडियन कोलीयाइडस ।

(मन्तरक)

(2) श्रीनी कोतारानी गुष्ता, श्रीनती सुनीता विश् गुष्ता, और श्रीमी रेनू भार॰ गुष्ता। (सर्वरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के सिस् कार्यवाहियां करता हु।

सक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं के 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की ववीध, जो भी कविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति इवारा अधेहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयूक्त शस्तों और वर्तों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को जब वध्याय में दिया गया है।

#### धनुसुची

कार्यालय सं• 408, जो, 4णी मंजिल, सोहा चयन, पी• डिमेसो रोक, बम्बई--9 में स्थित है।

धनुसूत्री जैसा कि क० सं० धर्म-।/37-र्द्द/8538/84-88 और जो सन्नम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांच 1-3-88 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी॰ ए न॰ दुवे ृ स्थाम प्राधिकारी सद्भायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंथ-1, बम्बई

বিবাড় : 1→11~1985

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक कायकर कायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्क्ष

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

िन्देंग सं० अई-1/37ईई/5795/84-85--अतः मन्ने. पी० एम्  $\overline{\theta}$  दुवे,

जीवकर अधिनियम, '19'61 (1961 का 43) (जिसं हुत्वी दुस्की प्रचात 'उक्त क्षिमियम' कहा गया है), की धारा 269-च क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिलकी सं कार्यालय सं 9, जो, अलंकार की०-म्रॉप० हाउँलिंग सीलाईटी, बनराम रहीट, बम्बई-7 में स्थित है (भीर इस्ते उपाबद अनुसूची में म्रोरपूर्ण रूप से विणित है), भीर जिल का करायामा आयक्तर अधिक्यम, 1961 की घारा 269 वर्ष के अविश्व बन्बई रियह सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में एजिस्ट्री है, कितक 1-3-1985,

को पूर्वोबत संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास मृक्ते यह विश्वास मृक्ते यह विश्वास मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथा पूर्वोयत संपरित का उचित बाजार मृस्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण निखत में वास्त्विक रूप से कृषित नहीं किया गया है ६—

- (क), जन्तरुष , से झुड़ी , किसी नाय की बादए, अवस् अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे वचने मों सुविधा के निए; नीर/या
- (भ) ऐसी किनी नाम वा किसी धन या नम्म नास्तियों का, जिन्हें भारतीय नामकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधिनयम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ भूनिएरिती स्वारा प्रकट नहीं किया नवा था ना किना नामा आहिए था जिन्हों के सुनिधा के लिए:

शतः वन, सक्त अधिनियम की बाय 269-व की कमूकरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) श्रीमती पारती जेठानन्द धारलानी । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती नीता अनिल क्होरा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्यक्ति है)

को यह सूर्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां केरतां हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हुनन

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की क्षमील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध क्षद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिसित में किए वा सकों ने ।

स्वक्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में द्विष्टी यस हैं.!!

## धनुसूची

कार्याचा, नं० 9, जो अयं हार को० -त्राप० हाउसिंग सोसा-इटी, बंजराम रहीट, बन्बई -7 में स्थित है ।

अनमूची जैसा कि कि के अई -I/37-ई/6365/84-85 मीर जो सक्षम प्राधिकारी, बन्बई द्वारा विनास 1-3-85 को रिजाल किया गया है।

पी० एम**० तुई** सनम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रें**ज-1, धन्वर्र** 

विमोन : 4-11-1985

प्रकृष बाइ .टी. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जंत रेंण-1, बम्बई

बन्धई, दिलांक 4 मवन्धर 1985

निदेश सं० अ**६**-।/37-**६६**/5798/84-85---अतः मज्ञे, पी० एम० दुवे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मार जिसकी सं० यूरिट सं० 226, जो, रूसरी मजिल, ए-जैंड इण्डल्ट्रिक इल्टेट, लोअर परेल, बरबई-13 में ल्यित है (मार इसी उपाबक अनुरूची में मार पूर्णेक्प से बिल्ट है), मार जिसला करारतामा आयदर अधिकियम, 1961 की धारा 269 कख को अधीन बम्बई ल्यित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्ड़ी है, दिसाक 4-3-1985,

को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बनजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से एते दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उचत बन्तरण निकित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है म्

- (क) बन्तरण से हुई किजी बाय की बाबत, उच्च क्रिंगियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपांने में सुविधा के सिए।

ब्रल: अब, उक्त अधिनियम की भार 269-ग के अनुसरण ब्रो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) बंगलोर डाइंग एण्ड प्रिष्टिंग वर्ग्स ।

(अन्तरक)

(2) मस्तांग मैन्युफीनचरिंग कम्पनी ।

(अन्ःरिती)

(3) अन्तरिहियों ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परिष्ट के अर्थन के लिए कार्यनाहिया सुरू करता हुए।

उक्ट सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, श्रो भी अविध बाद में स्माप्त होती हत्रे, के भीकर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये था सकने।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## घन्सूकी

यूभिष्ट सं० 226, जो, दूसरी मंजिल, ए-जैंड, इण्डरिट्यल इस्टेप्ट, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्पित ई।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-1/37-ईई/6375/84-85 फ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985 को राज टर्ड किया गया है।

पी० एन० **बुबे** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, सम्ब**र्**ट

**程明**符 ; 4-11-1985

मोहर. ३

## व्यक्त कार् ,धी , दन . एड. :---

बायकर विधिनयमा, 1961 (1961 का 43) की की भारा 269 क (1) के बभीन स्वना

#### मारह सरकार

## कार्याधयः, श्रह्मयक नायकर नायुक्त (निरीक्षण). सर्जन रेण-1, सम्बद्ध

बम्बई, दिशीक 5 मवम्बर 1985

निवेश सं० अद्दै-।/37-देदै/5845/84-85---अतः मृत्ते, पी• एम० दुवे,

बायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-च के ज्योग सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का खारण ही कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ह"

शीर जिसकी सं • जमीन का हिसा, जो, स्ट्रमक्स के साथ, धर धाल नन्द्र रोड, माट्या, सी० एस० सं० 2020/10, पट्या डिक्जिं।, धन्यई में स्थिन है (श्रीर इसने उपाबद अनुसूनी में भीर पूर्ण कप से विणा है), भीर जिला हा करास्त्रामा अध्यक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के क्यांक्य में रिजस्ट्री है, दिनाक 1-3-1985, को प्रॉक्त संम्पत्ति के जिलते बाजार मूज्य से कम के स्वयमाय प्रतिकास के लिए बंदरित की गई है बीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधाप्यांक्त संपत्ति का उपाय बाजार बुख्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकास से, एसे स्थ्यमान प्रतिकास का पन्यू प्रतिकात से प्रविच है बीर बन्दरक (बन्दरकों) थीर बन्दरिकी (बन्दरिकियों) के बीच ऐसे बन्दरक (बन्दरकों) थीर बन्दरिकी (बन्दरिकियों) के बीच ऐसे बन्दरक (बन्दरकों विश्वत में बास्तिक क्या मिन्नसिवित उद्देश्य से उन्तर बन्दरक विश्वत में बास्तिक क्या से काथा नहीं किया गया है :---

- (क) बंदरण से हुई फिसी नाग की बाबत, डक्ट बीधीनयम के नधीन कर दोने के बंदरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; बीद/या
- (क) एची किसी आय या किसी भन मा मन्य नास्तियों को; जिन्हें चारतीय सायकर मित्रियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तत भविनियम, वा सन-कर कीभीनयम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किश वया वा वा किया चाना चाहिए वा, कियाने में सुविका के बिर्दे ।

वतः वव, तकत विधित्यमं की धारा 269-मं वे वन्तरणं की, भी, अकत विधित्यमं की धारा 269-मं की उपभारा (1) के संधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, मर्धात्:---

- (1) भी कीचनवेश पानाचन्द सुराखीया। (अस्तरक)
- (2) भी रामराध कामणी गहा । (अस्तरिती)
- (3) भारूत । (वह स्यक्ति, जिसके अधिभीग वैं सम्यक्ति है)
- (4) भावतः।
  (वह श्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिराबढ है)

को यह स्वथा धारी करके पृत्रोक्त सम्बक्ति के अर्जन के जिए कार्यशाहियां करता हूं।

उच्छ सम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप रू---

- (क) इस त्वना को राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों वह बूचना की तानील से 30 दिन की बविध, वो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्न बद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा, अथोहस्ताक्षरी कें पास मिक्ति में किए का सकेंगे।

स्वक्रीकरण:----इसमें प्रमुक्त सम्बं बीर पदी का, को स्वस्तु ... विश्वविद्यम, के बच्याय 20-क में यथा परिभावित् ही, वही वृथी होना को उन्त ब्याब, में दिन्स व्याही?

## **अ**नुसुची

भागि का हिस्सा, जो, स्ट्रनचर्स के साथ, सर मासचन्द्र रोड, माटूंगा, सी॰ एस॰ सं॰ 2020/10, मोट्गा डिवियन, बस्द है के क्विस है।

अतमूची जैसा कि कि सं कि मई-1/37-ईई/5622/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा रिशांक 1-3-85 को रजिस्ट किया गया है।

> पी॰ एत॰ दुवें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंच-1, बस्बाई

दिनोस : 4-11-1985 बोह्य ह धरूप बाइ". टी. एत. एव.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-न (1) के सभीन सुमना

#### बारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकर (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, बस्थई बाबई, दिमांक 4 मनाजर 1985

निदेश सं ० अई-1/37-ईई/5852/84-85-करा: मुझे, पी० एम० हुबे,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचाल 'उक्त मिनियम', कहा गया है, की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिल्ली सं० पर्लंड सं० बी-4, जो, संगम भवन, पह्सी मंत्रिल, उटैंग्ड रिनेमा के सामने, बुलाबा, का बार्-5 में रिटा है (मीर इसने उपाबक अनुसूची में का पृणंक्य से विषय है), मौर जिल्ला करारकामा आववर अधिरियम, 19(1 की घारा 269 लख के अधील का बई रिवस रक्षम माधिकारी के वाय हम में राजिस्ट्री है, रिमांक 1-3-1985,

को प्रशिवत सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से काम के रव्यवान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मृस्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उस्त अन्तरण विश्वास में बास्तविक क्यू से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी साय की वायत उक्त अधिक नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे वचने ये सुविधा के सिए; वरि√या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी भन या सत्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंदरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा है सिए;

- (1) श्री किश्रितवन्य कुँदन मूल मनतुखानी। (अन्तरक)
- (2) भेसर्स ग्लोबटेक इण्डरमेशनम कारपोरेशन । (अल्लरियी)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिद्ध कार्यवाहियां शुरू करता हु<sup>±</sup>।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कांई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी कु है 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी संबंधि संदर्भ साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थितियों में से किसी स्थित बुवारा;
- (व) इस स्वतः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकारी कें पास निकित में किए जा सकेंगे (

स्वक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गवा है।

#### मनुसूधी

पर्नेष्ट सं • बी-4, संगम भवत, पहली मंजिल, स्टैण्ड, सिनैमा के सामने, कुलाबा, बाबई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-1/37-ईई/5559/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बन्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 को रजिस्टई किया गया है।

पी० एम० दुवें सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर आयुक्त निरीक्षण) सर्जंत रेंज-1, बस्बई

दिनोज : 4-11-1985

प्रकप बाइ. टी. एव. एस. ------

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1, लूधियाना

लुधियाना, दिनांक 4 नवस्वर 1985

निर्देश सं० मई-1/37ईई/58561--85---म्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फनैट नं० 13ए, जो, सागर संगीत, 58, एस० भगतिसह रोड, कुलाबा, बम्बई-5, है तथा जो बम्बई 5 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रीरपूण रूप से विणत है) और जिस ता करारन मा धायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 5, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-3-85

कर्ग प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित् की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोस्य से उक्त अन्तरण निचित में नास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है;——

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय को वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को वाफिल्य में क्सी करने या उससे वचने में सिवधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्याजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकार नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधर के निए;

अतः अवः, उवत अभिनियमं, की धारा 269-म के अनुसरण कें, में, उवत अधिनियमं की धारा 269-म की उपवारा (1) के अभीन, रिम्मिनियतं व्यक्तियों, वर्षात् हे— 1. श्री विकास आर० खन्ना और अन्य।

(अन्तर म)

2. भी सोली बी० महोत धौर धन्य।

(अन्तरिती)

3. भन्तरितियों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में वह सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के सिष्ट कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध स्वद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्मध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया बसा है।

#### पन्सूची

फ्लैट नं ० 13 ए, जो सागर संगीत, 58 एस० भगत सिंह रोड, कुलाबा, बम्बई 5 में स्थित । है

भ्रनुसूची जैसा कि क सं० शई-1/37ईई/5563/84-85 भीर जी सक्षम प्राधिकीरी, अम्बई द्वारा दिनाकी 1-3-85 को रजिस्टई किया गया है।

पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर श्रायुक्त निरीक्षण मर्जनरोंज 1, बम्बई

तारीख: 4-11-1985

मोहर 🏻

प्ररूप भार्य : टी. एन. एस. अ-----

आयक्ष अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### माइट सरकार

कार्यासम्बद्धः सहायक नायकर भागतः (निरीक्षक)
भाजीत रेज 1, वस्बद्धः
वस्वद्दी, दिनांवः 1 नवस्वर, 1985

् सं० प्रई -1/37ईई/5880/84-85:→ भ्रा: मुझे,

पी० एन० दुबे,

कायकर शिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससें इसकें परभात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिन्नकी संख्या कार्यान्य प्रिमायसेत मझीतन फ्लोबर पर बंबर्स, 3 जो ठरेश 313/19, सेमुझल स्ट्रिट वडगादी बम्बई-3 सथा जो बम्बई-3 में स्थित है और इससे उपायद अनुसूची में भीर पूर्ण रून स विणित है), और जिनका करारनामा अवकर प्रक्षितिनन, 1961 को धारा 269 है ख के अभीत बम्बई स्थित सक्षत प्राविकारों के कार्याश्य में रिशेस्ट्री है दिनों के 1-3-85 को पूर्वोक्त सम्पर्ति के जार्याश्य में रिशेस्ट्री है दिनों के 1-3-85 को पूर्वोक्त सम्पर्ति के जार्याश्य में है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उपित बाजार मृत्य से कम वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का स्टूड प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अतारोत्या) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उप्रवेष से उक्त अन्तरण किवित में बास्तिक क्य वे कांचत मही किया प्रावा है ॥—

- (क) अन्तर्थ से हुई किसी बाव की बावता, उनसे विभिन्नम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुनिधा के लिए; बीट्र/बा
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियाँ की जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के निरं

जत: बज, उक्त जीपनियम की भारा 269-ग की जनुसरम है, मैं, उक्त कीपनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) है अभीन, निम्नसिकित स्विक्तमों, अर्थात् क्राल 1. श्रीमती रंगीला लियोर चन्द्र पारेख ।

(भन्तरक)

2, श्रीमती प्रशा ग्रीनल दोषी।

(अन्तरिती)

3 शेल्फ

(वह व्यक्ति, जिसके भिक्षभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वा की तामील से 30 दिन की अविध को भी
  अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्ड
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- ्रिंच) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अंन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रमुक्त कव्या और पदों का, वो अवत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### वनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस मझेनिन फ्लोअर पर जो हरेश चेम्बर्स, 313,19 सैम्युअल स्ट्रीट, घडगामी, बम्बई-3 में स्थित है।

ग्रनुसूची जजैशा कि ऋसं ० ग्राई-1-37ईई 5582/84-85 भीर जो सक्षम प्राधि गरी बम्बई द्वारा दिनोक 1-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवै, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त निरीक्षण ) भर्जन रेंज-1 बस्बई

तारीख: 1-11-1985

मोहरः

प्रकर् , बाइ े हो, पुन, पुर , न व न व व

बायकड विधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन सुचना

## शास्त्र बहुकाडु कार्यांक्य्, सहायक नायकर वायुक्त (निर्दोक्तक)

घर्जन रेंज 1 धम्बई

बम्बई, दिनांकः 1 नवम्बर, 1985

निवेश सं० अई० -1/37ईई/5917/84-85 प्रतः मुर्झे

पी० एन० दुवे,

नामकर निश्विम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभार जिस्ते अधिनियम कहा गया है), की भार 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित अजार भूमव 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० ट्रिनट नं० 148, जो, 1ली, मंजिल, शाहा एण्डनहार इण्डस्ट्रियल इस्टोट क्रिक्टिन स्थान स्थान क्रिक्टिन क्रिक्टिन स्थान स्थ

को पूर्वे उत सम्पत्ति के उचित वाजार भूल्य से कम के स्वयमान् हिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शूक्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का मृन्द्रह प्रतिक्ष से अधिक है और अवरक (अंतरकों) और अंवरिती श्रम्ती राठयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया ग्या अध्यक्त निम्निविखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रीक रूप से कृषित नहीं किया गया है ॥

- कि अन्तरभ ते हुई किती बाब की कान्ता करता करता करता का मिनियम कर योगे को ब्रुक्टरक की बायरल में कमी कड़ने वा उससे ब्रुक्ट को स्वामा के लिए; माँट/या
- (च) एंसी किसी नाय मा किसी भन या बन्य नास्तियों को, जिन्हों भगरतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा में लिए;

वर्षः मन् उक्त निधीन्त्रम की भारा 269-म के समुखरण में, में, एक्त गिंपनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, रिपनिसचित म्यक्तियों, सर्थात् क्र-- 1. मै॰ शहा भीर नगर एसोविजेटस ।

(प्रश्वरह)

2. प्रणव प्रवीर कुमार संबवी (मायनर), प्रवीण कुमार विट्ठल दास संघवी के पुत (प्रस्तरिती)

की यह सुवना बाड़ी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के कर्जन के लिए

कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तिया पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास सिसिस में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त विधिनयम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस बध्याय में दिया गया हैं।

#### नर्त्यो

यनिट गं० 148, जो, 1 ली, मंजिल, शाहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस० जे० मार्ग, लोक्सर परेल, सम्बद्ध-13 में स्थित है।

भतुसूची जैसा निःक सं० मर्र-1/37ईई/5642/84-85 को रजिस्टई निःया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी, यहायक मायकर आयुक्त निर्दक्षण) धर्मन रेंज-1 बम्बई

वारीब : 1-11-198**5** 

पोहर 🖫

प्ररूप नार्षः, टी. एन. एस.-----

भारकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नभीत सुचना

#### भारत धरकाड

## कार्यास्य, सहायक वायकर वायक्त (निर्देशिक) अर्जन रेंड, सम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

सं० प्रई-1/37ईई/5928/84-85:--प्रत मुझे, पी० एन० दुवे,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परचात उक्त विधिनियम कहा गया है) की धारा 269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृन्य 1,00,00-0 क. से वधिक है

मीर जिउको सं० 40 प्रतिया अविभवत भाग, जो, कार्यालय, प्रिमानते : नं० 319, उर्रा मंजित, "तुप्रतीयानी चेम्बर्स" इमारत, फीपेस अनेल रोड, नर्मभन पाइट, रम्बई--21 है सथा जा बम्बई--21 में स्थित है (और इससे उपाखर मनुसूर्या में पूर्ण हप से यणित है), और जिससा नारार मामा आयकर आवियनयम, 1961 की धारा 269 क के भवी। यन्बई स्थित समान प्राविशासि के कार्यात्व में रिजरमें है, तारीब 4--3-1985।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्।रित की नहीं हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूर्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिता) के वीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-कृत, निम्हिल्खित उद्देश्य से उच्च अंतरण निचित्म वास्तिवक क्य में कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अल्परण से हुई जिली भाग की अन्तु, अक्क अभिनियम के अभीन कर को के क्लारक के वामित्य में कमी करने या उन्नसं किने में सुनिभा के जिए; अहि/मा
- (७) प्रेसी किसी जाय या किसी अन गा अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आदकर अधिनियम, 1922 (1922 का १1) या उनस अभिनियम, या धन-कण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वार प्रकट नहीं किया न्या वा वा किया गाना वाहिए था, कियाने में सुनिया ने निए।

अतः असं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ए की उपभारा (1) विकासन् विम्यतिकता स्वितिका क्यांकित्यों, वर्षात् --- 1. श्रीवर्ता कल्याणी स्मेग चन्द्र खन्ता।

(भग्तरकः)

2. श्री भार० सी० खन्ना दूस्ट।

(भन्तरिती)

3. सन्तरितियाँ

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिमोग मैं सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उयत राम्पीस के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त गिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ झोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रनुसुची

40 प्रतित्त प्रथिमवत भाग, जो नार्यानय प्रिमाय में र 319, 3री नाजन, "तूनसोपानी चेन्वर्स, इमारत भी प्रस जर्नेल रोड नरीम पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

धनुसची जैहा िक सं० धर्द- 1/37ईई/5652/84-85 और जो सक्षम प्राधिकीरी बस्बई द्वारा दिनीत 4-3-85 को रजिस्ट इं किया गया है।

> पी० एन० दुने, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-1यम्बर्ध

तारीख: 4-11-1985

1845

## प्रकल बाहु न हो । एत् प्रवास

नायकड मृभिनियम, 1981 (1961 क 43) की भाषा 269-म (1) के बचीन सूचना

### ब्रास्त् संस्थान

कार्यातम, सहायक मायकः शायुक्त (निरीक्षण)

धर्नन रेज बम्बई बम्बई, दिना : 4 नवम्बर 1985 निदेश सं० भई ·1/37भईई/5935/84-85---भ्रा: मृत्ते, पी० द वे,

धायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्परिस, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

जी: 11: ही सं० जमीत का हिए ता जो, काफड़े माकेट के तमने , जिल्लेप एट्रीट, इस्टेट, बम्बई में स्थित है (जी: इत्तम उपाबद्ध अनुसूची में जीर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जि.त व्यारनामा आगार अविनिधम, 1961 के अवीन धारा 269 है, ख के अधीन अमर्ज स्थित सक्षम प्राविकारी के वार्याज्य में रिजस्ट्री है, सारीज 4~3~1985

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्र उच्च सम्पत्ति का उचित बाजार सृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल का पूर्व क्ष्यमान प्रतिफल का कुन्नह प्रतिशत से दिभक है और अंदरक (अन्तर्क) और अन्तरिती (अन्तरिक प्रतिक के बीच एस अन्तरक के सिए तब का गया प्रतिफक जिम्मिलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरक शिक्त में वास्तिक कप से किश्त नहीं दिन्। गया है हन्न

- (क) बन्तरण से हुई किसी जायं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अस्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय दश्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हों अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ते प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वाध प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिंथाने में सुविभा ने लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्धरण की, की, उक्त अधिनियम की धारा-269-म की उपधारा (1) की अधीन, निम्मिसिक व्यक्तियों, अधीत् त— श्री दुर्गा सेरन ?हरा,
 देवी सेरन महरा और
 मेडम सेरन महरा।

(ग्रन्दरकः)

2. सरवार मनमोहन सिंह सेठी।

(धन्तरिती)

3. भाड्त

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. भारत

वह व्यक्ति, जिसके बारे में झयो-इस्ताक्षरीं जानता है जि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जयत राम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लिस में किए जा सकेंगे।

स्पन्धिरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिआधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीत हा हिश्ता, जो काकडे माकट के सामते, जिन्सस स्ट्रीट इस्टेट, बम्मेंई में स्थित है।

भनुसूनी जैता कि ऋ० सं० भगई 1/37पईई/5056/ 84 85 और जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनीक 1-3-1985 को रजिस्टबें किया गया है।

> पी० एन० दूरे सक्षम प्राधितारी सहायक भागकर भायुषत (निरीक्षण) सर्जन रेंज-1, बंग्बर्ध

तारीयः 4-11-1985 मोहरः प्रकृप् आर्ड .टी. यंत्र . तात . .-----

मारकर मिपिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुमा

#### भारतं सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीत रेंले⊷1, अभ्याई अस्याई, दिनीस 4 स्थम्बर 1985

निदेश सं० ऋष-1/37%ईई/5942/84-185---- मतः मुझे, पी० एन० दुवे,

प्राथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिकं परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

जीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो, इमारत के साथ, माझगांव, िटी सबे नं० 131 (अंग), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और िसा करारनामा आयार अविनियम, 1961 की धारा 2691, ख के अवींन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिवस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

का प्विवित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का चल्दह प्रांतशत से जिथक है और बंतरक (अंतरका) और बंतरिती (जंतरितियाँ) के भीच ऐसे अंतरक के निए तय पाग गया प्रतिक का निम्निशिक्त उद्वेश्य से अक्त बंतरल विवित्त में वास्तिविक क्य से किंगत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिक्ष्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्यं आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तः लिधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्तियों, अर्थात्:— 6. श्री वृराध (तात गीयवैनलाल पिटटी और मुरारीताल गोववैनलाल पिटटी।

(मन्तरकः)

2. श्री माणकलाल गोथीजाल खंडेलवाल

(प्रन्तरिती)

श्री गणपत हरजीयन और
 श्री वांतिलाल नृहानी।

(बह व्यक्ति, िसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्पन के निम् कार्यवाहियां करता हुं।

तकत सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थितियों में सिसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी वन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और गर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मन्त्रवी

जमीत का हिस्सा, जो, इमारत के साथ, माझगांव, सिटी सर्वे तं० 131 (अंश), बरवई में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि सं प्रश्न-1/3: ईई/3360/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985 को रजिस्टडं किया गया है।

> पी० एन० दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज⊶1, बन्बई

दारीख: 4-11-1985 मोहर:

## प्रकप कार्च . दो . एन . एस . -----

## बावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन मृथना

#### भारत सरकार

कार्यांत्रय, सहायक आयक्त आयुक्त (निराक्षण) भार्जन रेज-1, बस्दर्ध

बण्यपै, दिनोश 4 नष-वर्ष 1985

निवेश सं० अ**ई** -1,37% ईई,5969,84--85---अतः मुझे, पी० एन० दूबे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

अरि जिनकी सं० फ्लैट नं० 76, जो, असोता ध्रमार्टभेट, 7वी मंजिल, और गैरेड नं० 56, आफ नेतिसन सी रोड़, बग्बई है में स्थित है (और इससे उपावड़ धनुसूनी में और पूर्ण रूप से विशत है), और जिसता साराप्त अधितिसम, 1961 की धारा 2697, ख के अवीन, बग्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के वार्यास्त में रिल्झें है, तारीख 19-3~1965

को पनीयत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दरयमान प्रिकट को सिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस् सित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक क्य से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व से कमी करने या उससे अधने से सविधा
- (अ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अधाजनाथ अन्तरिती द्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औ सिए;

बतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी भी अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के सभीन, निश्वसिश्चित व्यक्तियों, अधीत् :---- 1. श्रीमती सुनद्रा वि॰ कोठारी

(पग्तरक)

2. श्री के॰ के॰ बढ़ा, श्रीमती निर्मेला ढढ़ा, श्रीमती छोटा कुनारी बढ़ा, और नरपर्वातम ढढ़ा।

(अन्तरिती)

3. भन्तरक।

वह व्यक्ति, जिन्नके प्रविभोग में संस्पत्ति है)

4. मन्तरहा

(यह कारिक, विश्वने बारे में प्रधीन इस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति सन्दत्ति में हिन्दब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को सिष्ट्र कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीटर पूर्वोक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्या

पत्रैट नं॰ 76, जो, भशोत भपार्टमेंट, 7थी मैलिल, अ27 गैरेल नं॰ 56, भाफ नेपियत सी रोड़, बमबई में रियत है।

धासूची जैसा शि कि० सं० धर्च-1/37-६६/5871/ 04-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा वितास 19-3-1985 को रिव्हिट किया गया है।

> पी॰ एन॰ संस्म प्राधिकारी संहायक प्रायक्त प्रायुक्त (विरीक्षण) प्रजैन रैंज-1, वस्बद्ध

तारीख : 4-11-1985 मोहर : तथ्य जाद<u>ी, दी . एव . एव . ५००५००००</u>

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चाडा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### हरित सरकार

## कार्यांक्य, सहायक आयर सायुक्त (निरीक्षण)

भार्जन रेंज~1, बस्बई

बम्बई, बिनांक 1 नथम्बर 1985 निवेश सं० भई-1/37मईई/5994/84-85!--प्रत: मुझे, पी० एन० इबे,

कायकार विधितिकाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवार, 'उदर अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के धंवीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्यास करने का कारण हैं. कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

बीर जिसकी सं पलैट नं 4, जो, तल माला, इमारत नं 4, पी एस विं प्रवार्टमेंटस, बी जी खेर रोड़, बरली नाका, बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबक्ष मनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है), और जिमका करारनामा ग्रायमर प्रधितियम, 1961 की धारा 2693, ख के प्रजीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यांच्य में रजिस्ट्रीं है, तारींख 19-3-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पेदह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्य में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे सचने में सविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

नतः नन, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त निधिनियम की धारा 262-थ की उपधारा (1) के निधनित व्यक्तियों, नर्भात् :---- 52-366 GI/85

- 1. मै॰ पी॰ एस॰ बी॰ कम्स्ट्रकशन कम्पनी लि॰ (ग्रन्तरक)
- 2. भै॰ 20वी संच्यूरी फायनेंस एण्ड कन्सल्टन्सी सर्विसेज प्रायवेट लि॰।

(भग्वरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के रिल् कार्यवाहियां करता। हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचनों को राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धाररा कथाहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए आ सक<sup>3</sup>गे।

स्पद्धोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>4</sup>, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बगुस्पी

पत्तैट नं० 4, जो, तल माला, इमारत न० 4, पी०, एस० बी० प्रपार्टमें इस, बी० जीं० खेर रोड़, वयलीं नाका बम्बई में स्थित है।

धनुसूनी जैसा कि कि सं धई-1/37-ईई, 5688, 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 19-3-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> पी० एन० दूबे नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर सायुक्त (निरीक्षण) सर्जनरेंच-1, बम्बई

वारीका: 1-11-1985

मोहर •

प्रस्प आहे. की. एन . एस . ------

1. मैं सर्स बेस्ट कास्ट बिरुडर्स प्रायवेट लिमिटेड। (धन्तरक)

2. श्रीमतीं भ्रम्लू ए० लोधा।

(ग्रन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनां । तथम्बर 1985

निवेश सं० अई-1/37-ईई/6010/84-85--अत: मुझै, पी० एन० दुवे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त जिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी संव दूरान नंव 19 और 20, जो, ओम चेंबसे, ओम कार्नर, बम्बई-400 036 है तथा जो बम्बई-36 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका कराएनामा आगरर अधिनियम 1961 की धारा 269म, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारींख 20-3-85 को पूर्वीकत रम्पत्ति के उिषत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित वर्त गई है और मृत्र यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उिषत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे एश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बान्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) शन्तरण सं हुई किसी आय को बाबरा.. उक्त अधिनियस को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बच्चे में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर किधिनयम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सूकिमा के निष्यः

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

को यह सूचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्ति देवारा;
- (स) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनिषम, के अध्याज 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

#### प्रनुसूची

दुकान नं० 19 और 20, जो, ओम चेंबर्स, ओम कार्नर, बम्बई-36 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई-1/37-ईई/5700/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-85 की रजिस्टर्ड सिया गया है।

> पी० एन० दूवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज्ञे⊸ा, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

मोहर '

## श्रुक्त बाह<sup>्</sup>ं टी., पुन्, पुस्<sub>र</sub>-----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### मारत वरकार

कार्याक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज-1, बम्बर्ष

बम्बई, दिलांक 1 नवस्बर 1985

निदश सं० अर्ध · 1/37-- ईई/5864/84--85--- भतः मुझे, पी० एन० दुवे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संववायांलय नंव 206, जो, 2री मंिल, में स्थित निलम इमारत, बनिलीं सींफेश रोड़, बम्बई-18 है तथा जो बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप ने बाँणत है), और जिसका कराननामा मायकर प्रधिनियम, 1961 की घारा 269क, ख के प्रधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारींख 1-3-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्ति प्रत का प्रत का प्रत का प्रत प्रव का प्रत का प्

- (क) जम्तरण सं हुई किसी जाय की बाबतः, उपव अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कभी कहुने या उन्नचे बखने में सुविधा वो निए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर किशिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए%

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् ।——

1. मेत्सं एम० आ२० प्रोडक्शन्स।

(भ्रन्तरक)

2 श्री मोहन ग्रान्माराम गोरे।

(भ्रन्तरितीं)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मरित के नर्जन के बिछ्

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप् ध--

- (क) इस स्थान के राज्यम में प्रकाशन की तारी व औ 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी खबीध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के शीसर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रुथ किसी खन्य स्थावत स्थावर, स्थाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंचे।

स्पच्छीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ॥

#### प्रनुमूची

कार्यालय नं० 200, जो, 2रीं मंजिल, निलम इमार्त, बरली सींफेत रोड़, बम्बई-18 में स्थित है। अनुसूचीं जैना कि क० सं० अई-1/37ईई/5571/84⋅85 और जो नक्षम प्राविकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 को रजिस्टई किया गया है।

पी० एन० दूबे सक्षम प्राधिनारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 1--1.1-1985

प्रकृप, भार्च, टी. एन. एस. -----

## भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भारत त्ररकार

कार्यासम, सहायक मायकर आयुक्त (निरक्षिण)

भर्भन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिलांक 1 तथम्बर 1985

निवेश सं० धर्बे~1/37ईई/6008/84~85—शत मुसे, पीं० एन० दूबे,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 17, जो, रेखा इमारत, 3री, मंजिल, गुड़िष्ट को-आप० हाउमिंग सोसाईटी लि०, प्लाट न० 83, रफी श्रहमंद किदशाई रीड़, बडाला, है तथा जो बम्बई-31 में स्थित है (और इससे उपाब्ध मनुसूर्वी में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा भायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के भंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है, तारीख 20-3-85

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सपित का उणित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल स, एक्ट ध्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है बीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिट उच्चेष्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से किंधत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

बतः वयं, उक्त विभिनियमं की भारा 269-ग के वनुसरण वो, में, उक्त विभिनियमं की धारा 269-यं की उपधारा (1) के वभीन, निम्नलिखित व्यक्तियोः, वर्षात् :---- 1. श्री तरलोक्ष्यं मोह्रपेलाल प्रगरवाल

(प्रस्तरक)

2. श्री राजू धर्नतराय मेहता।

(भ्रम्वरिवीं)

3. पन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

दक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति व्वारा अथाहस्ताकरी के पास निसित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तित्यः ---- इसमें प्रयुक्त संब्दों और पदौं का, वो सक्त है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिसा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

### ववस्त्री

पलैट मं 17, जो, रेखा इमारत, 3रीं मंजिल, गुजिबस को भाष हार्जीसग सोसायटी लिंब, प्लाट नं 83, रफीं भहम व किदबाई रोड़, वजाला, बम्बई-31 में स्थित है। भनुसूची जैसा कि ऋ सं भई-1/37 ईई/5698/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 20-3-85 को रजिस्टड किया गया है।

> पी० एन० दूवे सलम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तारींब 1-11-1986 मोहर प्रक्ष बाइ .टी.एन.एक .-----

वाकार मिनियद । 4961 (1961 का 43) की भारा 269-६ (\* ने ने मेमीन सुवना

#### भारत सस्कार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-1, अम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निवेश सं॰ अई-1/37-ईई,5957/84-85---अद: मुझे, पी॰ एन॰ दूजे,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-- क अधीन सक्षम 'अकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उर्वित गजार मृत्य 1,00,000 रु. से विधिक है

अर्थीर शिक्षकी सं० पलैट नं० 5, जो, 10वी मंजिल, धरली क्षिमालया को म्राप० हार्जीवग सोक्षायटी लि॰, 109, घरली बम्दर्ध-18 रोड. बरलीं. श्यित है (और इमसे उपाबन अनुसूनी में और पूर्ण रूप में प्राणित है), और जिसका करारनामा आयेकर अधिनियम, 1961 की घारा 2005, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम पाधिशारी के कार्यालय में रजिखी है, तारीख 19-3-85 को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यभापबोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकास की पन्तह प्रतिकृत ले अधि है और अन्तरक (अन्तरका) बार अन्तरिती (८ तरिटित) के बीच एसे अन्तरण के अए तब शया गया प्रतिफाल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अस्तरक निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ए---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, सकत , विभिन्तियम को अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी दारने ति चासे वचने में सुविधा के निष्कृत वीर्/-
- (क) ऐसी किसी या किसी भन या जन्य जास्तियाँ को जिन्हें "त्रतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 के 11) या उक्त अधिनियम, या अग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रमोजनार्थ जन्तरिती व्रांत प्रकट नहीं किया यया या या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा खें सिए।

सतः अस स्था नियम की भारा 269-ग के जनसरण है, मैं, ध्वत जांचनियम की भारा 269-म की उपध्यस्य (1) के सभीन, जिन्नितिवर के जायों, समित् :---

श्रीपती भगवती एल० साब्।

(प्रन्तरक)

2. श्रीमती पाधीबाई चिमणदास छाबलानी और हा० चिमणदास एल० छाबलानी।

(घन्तरिती)

3. धन्तरितिया।

(बहु व्यक्ति, जिसके मधिमोग में सम्मत्ति हैं)

को र तुषताः बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिख् कार्यवाहर्ग करता हुई।

## समत रूपित के मर्जन के संबंध में कीई भी मार्का ह---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वै 45 दिन की अबीध ाः तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन में 30 दिन की अबिध, यो भी अविध बाद में समा-त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख़ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन का तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति (वारा अर्थाहस्ताक्षरी के पास सिचित में किएं.। सकीन।

स्वकाष्टिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अवद अधिनियम, के अध्या, 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वस है।

## प्रमुख्या

क्लैट मं० 5, जो, 10शी मंजिल, बरली हिमालया को-भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 109, बरली सीफेस रोड़, बरली, बम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि से श्राप्ट-1,37-ईई,5688, 84-85 और जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनीक 19-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> पी॰ एन० दूवे सक्तम प्राधिनारी सक्तमक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रॅंअ→1, बम्बई

शारीक : 1-11-1985 मोहर: प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० भई-1/37-ईई/5901/84-85--मतः मुझे, पी० एन० दुवे,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रतः सं अधिक ह<sup>2</sup>

मौर जिन्नकी सं० फ्लैट नं० 604, जो, विकास इमारत, मनंता गणात पवार लेन, नं० 2, घोडनदेन, बम्बई-27 हैं स्था जो बम्बई-27 में स्थित हैं (भौर इसमे उपाबद मन्सूची में भौर पूर्ण रूप से वणित हैं), भौर जिसका करारनामा भायकर भिवित्यम, 1961 की धारा 269क, ख के भशीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नायसिय में रिजस्दी हैं, सारीख 5-3~1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के योच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (फ) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

अतः असः, उक्त अधिनियमं कौ धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिंह क्यक्तियों, अधीत्ः—  श्री भार० टी० मेहता कल्स्ट्रकशन एम्पनी (भन्तरक)

2 श्री रतीलाल फ़ारचन्य

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुसुधी

पलैंट नं० 604, जो, विकास इमारत, भ्रनंत गणपत पवार छेन नं० 2, घोडपदेव, बम्बई-27 में स्थित है।

भन्सूची जैसा कि कि से भई-1/37-ईई/6446/ 84-85 भी जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिमांक 5-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दूते सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्मन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 7-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज्⊢1, बग्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निवेण सं० भई-1/37-ईई/5874/84-85---भतः मुझे, पी० एन० दुवे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 303, जो, विना बिना मपार्ट-मेंटस, आचार्य दोंदे मार्ग, सिवरी (प०), बम्बई-15 है तथा जो बम्बई-15 में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणित हैं), श्रीर जिसवा करायनामा श्रायगर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269न, ख के श्रिप्रीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रिधिगरी के नायिक्य में रिजस्टी हैं, सारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्घेश्य से उकत अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वासत, उक्त वर्षभिनयम के अभीन कर दोने के बंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ब) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया शया था या किया थाना चाहिए था, धिनाने के स्विधा के जिए;

क्त: बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथोंत्:— 1 श्री मोहम्मड हुसैन बंदेशली मर्चेन्ट।

(मन्तरक)

2 श्रीमती मणिबेन लील,धर विरा भीर कांचनबेन के० विरा।

(भन्तरिसी)

3 प्रन्तिरित्तियों।

(वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना बारी कर्ले पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिक् कार्यवाहिया करता हुं।

दक्त सम्मित्त के कर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, क्योहस्ताक्षरी के पाइ किसी कर में किसी का सकेंगे।

स्युक्त कव्यो और पत्तों का, जो उक्त कि कि नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा यह हैं।

#### मन्स्ची

पसैट नं 303, जो, विना बिना मापार्टमेंटस, माजार्य वोंदे मार्ग, सिवरी (प०), बम्बई-15 में स्थित है।

श्रम्भूषी जैसा कि कि के सं० श्रई-1/37-ईई/5577/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बन्दई द्वारा स्मिक् 1-3-85 को रिवस्टिई विया गया है।

> पी० एन इब सक्षम प्राधितारी सहायक प्रायक्त प्रायक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-1, बस्बर्ध

दारीख: 7-11-1985

क्षिम बाह्-दी. एन . एस .) ब्यान्सान्त्रा

भायक र मिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाप 269-प (1) के स्पीन सुप्रवा

#### RICO STAIL

कार्यासयः, सहायक बायकर नाम्कर (निरक्षिण) धर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनोक 1 नवम्बर 1985

निवेश सं० धर्म-1/37-देई/5784/84-85----धतः मुझे पी० एन० दक्षे,

भायकर भांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जित्तकी सं० पनट नं० 1204, जो, पंचरत्त को-माप हाउद्विम सीजायटी लि०, भाषेरा हाउस, बस्बई-4 है स्था जो बन्बई-4 में स्थित है (और इसमे उनाबब अनुसूत्री में भीर पूर्ण रून से विणत है), भीर जित्त हा करारतामा भाषकर भित्तिसम, 1961 की धारा 269क, ख के भंजीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है, सारीख 1-3-85

की प्रों कत सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्वयमान प्रिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, इसके स्वयमान प्रतिफास से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफास का पेक्ष प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पागा गया प्रतिफाल निम्नतिवित्त उद्देश्य से उक्त अंतरण सिवित भें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (श) मनारण में हुई किसी नाम की नामक, स्मध अभिनियम में सभीत कर दोने के बंशरक की वासित्य में कभी करने ना बढ़से नक्षने में बृंदिया में सिए; बॉर्/बा
- (यां) एंडी किसी नाम या किसी थन या नम्य नामितयां को, जिन्हें भारतीय नामकार निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धनकार निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती बुनारा नकट मही किना गया था या किना जाना डाहिए था कियाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण अं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा 11 के अधीन, निम्नसिविता व्यक्तियों, व्यक्ति ह—

1 श्री सेशा कोरास्वामी श्रयर।

(ग्रन्तरक)

2 मेसर्स सी० महेम्ब एक्सपोटैस।

(ग्रन्सिरती)

3 प्रतरक।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिशोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना प्रारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्द हंपरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वास्त्रेय:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवीध मा तत्सम्बन्धी क्यों कर स्वना की तामील से 30 दिन की अवीध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकास क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यक्तियां में
- (च) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिस्कबहुभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वयोहस्ताक्षरी के
  शास निवित में किए जा सकेंगे।

रचक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सब्दों जीर पदों का, जो सबस विभिनियम के जभ्याय 20-क में परिभावित ही, नहीं वर्ष होगा को उस वश्यास में विवा प्या ही।

## **न्त्या**

पसैट नं० 1204, जो, पंचरत को०-भाप० हाउसिंग सोसायटी लि०, भापेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है। भन्सूची जैंसा कि क० सं० भई-1/37-ईई/5545/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० दूरे सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, वस्बई

तारीख: 1-11-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.,-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, अहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्रर्थ-1/37—ईर्श/5921/84—85—म्प्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लट 4थी मंजिल पर, जो, 619, बानू मेन्जन, पारसी कालोनी, दादर, बम्बई-14 है तथा जो बम्बई-14 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ड़ी है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उलके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रशिशत से बधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है "——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की, बाधत, सक्त शिक्षिमयम क अधीन कर दोने के अंतरक को बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय मा किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की खपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 53-366 GI/85

। मैं दभाव ब्रदमं।

(ग्रन्तरक)

2 श्री वीराफ पी० चिनाय।

(ग्रन्तिरती)

को यह स्वना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (श) इससूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अमृस्**चीं

फ्जैट 4थी मंजिल पर, जो, 619, बानु मेन्शन, पारसी कालोनी, द।दर, बम्बई-14 में स्थित है।

श्रन्भूची जैसा कि कि सं० श्रई-1/37–ईई/5646/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4–3–1985 को रजिस्टई किया गया है.

पी० एन० दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेज-1, बम्बई

तारीख: 7-11-1985

मोहरः

प्रस्प बार्ड, टी. एव. एस., ------

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन समना

#### भारत सरकाष्ट्र

कार्गालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनौक 7 नवम्बर 1985 निर्वेश सं० ग्रई-1/37-ईई/5788/84-85--ग्रतः मुझे, पी० एन० दुबे

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उजित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं पलैट नं 1, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं सी, हुडा ग्रपार्टमेंटस, 95, मोरलैंण्ड रोड़, बम्बई-8 है तथा जो बम्बई-8 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एरी किसी नाय वा किसी भन या नय नास्तियें।
  की, जिन्हों भारतीय नाय-कर निभिन्यम, 1922
  (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम, या भनकर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के
  प्रशेजनार्थ नन्धरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया
  था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिभा
  के लिए;

भातः अव उक्त विधिनियमं की भारा 269-व की अनुसरण माँ, सी, उक्त अधिनियमं की भारा 269-व की उपभाग (1) के करीन दिस्तिविधतं व्यक्तित्यों , बर्धात् हु---

- मेसर्स येराध्यूटिक्स इन्बेस्टमेंट प्राइयवेट लि० (अन्तरक)
- 2. श्री भ्रब्दुल हसीन शेखा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्नत सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में की हैं भी बाओप है-

- (क) इत सूचना के हाजपत्र में प्रकाशन की टारींच वें
  45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की जनिभ, को भी
  अविभ बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ये 45 दिन के भीतर उक्क स्थावर सम्पत्ति में हितवबृष किसी अन्य स्थिति व्वारा अधोहस्ताकरी के पान लिखित में किए जा सम्बेंगे।

स्पट्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

पलैट नं० 1, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं० सी, हुडा प्रपार्टमेंट्स, 95, मोरलैण्ड रोड़, बम्बई-8 में स्थित है। धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई-1/37-ईई/5549/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

सारी**ख:** 7-11-1985

मोहरः

प्रकल काही, द्वीन प्रतान प्रवाद --=-----

बायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन श्रृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयव्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई, दिनाँक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई-1/37-ईई/5773/84-85---श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसमें परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित वाकार मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 17-बी, जो, 5वी मंजिल; न्यू शालीमार को-श्रोप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 91, मरीन ड्राइक्ट, जी-रोड़, बम्बई-2 है तथा जो अम्बई-2 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बब्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार म्ह्य, उसके बब्यमान प्रतिफल से, एसे बब्यमान प्रतिफल का मृन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के भीच एसे अन्तरण के निए तब पामा गवा प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देविय से उचत अन्तरण विविद्य में बास्तिबक रूप से कृथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उथत जीध-नियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विभा के निए; जीर/या
- (का) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, किया ने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की क्षणारा (1) को अधीन, निम्निसित् व्यक्तिसयों, अर्थात् ह---  श्रीमती धुनमाई श्रधेंगिर कराय श्रौर श्रीमती पेरवीन केरसी वैद ।

(श्रन्तरक)

श्री निखिल र्रावद्र महा ग्रीर
 श्री योगेम र्रावद्र महा।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

,उक्त सम्बक्ति को बर्बन की संबंध में कोई बाक्षेप ह----

- (क) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सें. 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य स्थिकत ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में से किए का सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पर्यों का, वां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिका वस है।

## धनुसूची

पद ट नं० 17-बी, जो, 5वीं मंजिल, न्यू मालिमार को-म्राप हाउसिंग सोसाईटी लि०, 91, मरीन ड्राइ व्ह, जी-रोड़, बम्बई-2 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/5536/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दूबें सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∽1, बम्बई

तारीख: 7-11-1985

प्ररूप आई., टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कायलिया, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/5897/84-85---भ्रतः मुझे, पी० एन० दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1:,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 45, जो, 4धी मंजिल, प्रेमकोर्ट को-श्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, 5, पेडर रोड़, बम्बई—26 है तथा जो बम्बई—26 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1—3—1985

को पूर्णेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल की लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचात से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:—-

- (कां) अन्तरण से हुवा किसी इत्य की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूर्विधा कें लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीर श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में तुविधा के लिए:

अतः अतः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री मनोहर वि० दुदानी श्रीर श्रीमती बिना एम० दुदानी।

(ग्रन्तरक)

- श्री महेश कुमार चिमनलाल श्रजमेरा। (श्रन्तरिती)
- 3. अन्तरिती।

्(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के कार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति गारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा थो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

पलैट नं० 45, जो, 4थी मंजिल, प्रेमकोर्ट को-झाप० हार्जीसग सोसाईटी लि०, 5, पेडर रोड़, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37र ईई/5593/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 7-11-1985

मोहर 🖫

प्रकम बाह्य, और एन ुएस. - - - --

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्मना

#### भारत परकात

कार्यांतय, सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, सम्बई बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० प्रई-1/37ईई/5882/84-85--ग्रतः मुझे, पी० एन० दूबे,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि बारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 63, जो, 6ठी मंजिल, प्रेम कोर्ट को-ग्राप० हार्डीमग सोसाईटी लि०, 5, पेपर रोड़, बम्बई-2 में है तथा जो बम्बई-2 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची सें ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है ), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीध नियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें, यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रुयमान प्रतिफल सें, ऐसे द्रुयमान प्रतिफल सें पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किस निम्नलियित उद्वेदय से उक्त अन्तरण शिक्ति में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गवा है है—

- (क) बंदरूल से हुए किसी आन की बाबत, उक्क सिम्निक्स के ब्योग कर दोने औं बंदरूक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय. भा वा किया जाना आहिए भा, कियाने में सुनिधा के किए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसंरण को, मी, अन्त अधिमियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मिसिक व्यक्तियों, अविद् क्र-

 श्री चंद्रकाँत बिट्ठलभाई पटेल और माहुल चन्द्रकाँस पटेल।

(ग्रन्तरक)

 श्री संजय रजनीकाँत घाहा और भावना घाहा।

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरितियों।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं')

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध थें कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के हायपन में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 36 दिन की अवधि, जो भी सबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ष्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित क्षेप्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जगस्यी

पलैट नं० 63, जो, 6ठी मंजिल, प्रेम कोर्ट को-म्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, 5, पेपर रोड़, बम्बई-26 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि सं भ्रह्म-1/37ईई/5583/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज⊶1, बम्बई

तारीख: 7-11-1985

## **प्रकृप आहे, टी. एत. एस**-४८०४-५८७४

आयक<u>र</u> अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के अभीन सु<u>च</u>ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अम्बर्ध

बम्बर्ध, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० **ग्रई**-1<sub>1</sub>37-ईई/5805/84-85---ग्रतः मुझे, पी० एन० दुबे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 104, जो, 1ली मंजिल, शिव गैला कोग्राप० हाउसिंग मोसायटी लि०, डा० इ० मौजेस रोड,
गीता सिनेमा कम्पाउड, बरली नाका, बम्बई-400018
है तथा जो बम्बई-18 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध
ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणिन है), ग्रीर जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क,
ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, नारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान गितफल को लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थममान प्रतिफल से, एसे स्थममान प्रतिफल का अन्तरह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिच्ति उच्चेस्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किंशत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किमी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सूरिवधा के निच्ह;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत<sub>ा</sub> निम्मक्रियिक व्यक्तिमाँ॥ अर्थात हिन्स 1. श्री जी० पी० जैन।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सतानी देवी बी० मोदी।

(ग्रन्सरिती)

3. श्री जी० पी० जैन।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोगमें सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहर्या सुक करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्मि किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 104, जो, 1ली मंजिल, शिव शैला को∉ श्राप० हार्जिसग सोसायटी लि०, डा० इ० मोजेस रोड़, गीता सिनेमा कम्पाउड, वरली नाका, बम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई,5599/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दूवेँ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

शारीख: 8-11-1985

प्रस्य नाहै हो. प्रमृ एस : अन्यापन

कामकार कींधीनसभ, 1961 (195: का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

#### भारत बहुकाड

कार्यां तय, सहामक आयकर जावृक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-1, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/5925/84-85-- अतः मुझे, ि० एम० द्वर्धे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह िं में करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लंट नं० 73, जो, "श्री श्रोम सदनें 15, नारायणा दामोलकर रोड़, बम्बई— 400006, है तथा जो बम्बई—6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, म रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के हर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की 'ा 269-ग की अनुसरण मों,, मों. उक्त अधिनियम की भद्धः ् 9-भ की उपधारा (1) के अधोन,, निम्मिलिखित व्यायसयों, ज्यांक कि— 1. मैं विषाल एक्सपोर्ट प्रा० लिए।

(ग्रन्तरक)

 श्री श्रनील एल० लोधा श्रौर श्रीमती श्रहणा एल० लोधा।

(अन्तरिती)

की बहु सुक्ता काड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हां।

## सक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी वासीए हं---

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीसर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं वहीं वर्ष होगा, वा उक्ष अध्याय में दिशा वहां इं।

#### **अनुसूची**

फ्लैंट नं० 73, जो, "श्री श्रोम सदन 15, नारायण वाभोलकर रोष्ट्र, बम्बई-6 में स्थित है।

भ्रतुसूची जैसा कि कि कि सं० भ्रई-1/37-ईई/5650/ 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-1, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

क्षा मार्च : श्रीत मुख्य मुख्यानमञ्ज्यात

# बागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्पना

## जारद दरकार कार्यासन, बहानक आरकार जायूका (निडीक्य)

धर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्रई- 1/37-ईई<sub>|</sub> 5924/84-85--श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

भायकर श्रीधित्यमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीधित्यम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित् बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 74, जो, "श्री ग्रोम सदन 15, नारायण दाभोलकर रोष्ड, बम्बई-6 है तथा जो बम्बई-6 मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रागकर ग्रीधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय म रिजस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्स सम्बक्ति के अधित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रिक्षिक के सिए जन्तरित की गई है कि मुक्ते वह विववात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उधित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तर्क (जन्तर्कों) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण में जिय्वत्व बागा गया प्रतिफन, निम्नितियित उद्वेदन से अवल अन्तरण विविध्त में वास्तविक क्य से कृत्वित वहीं किया वहा है है—

- (क) अन्तरण तं हुई किसी बाब की बाबत, अक्स सीधीलबब के बधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में केनी करने मा उत्तत्ते बचने में बृतिधा के सिए; बीट/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय गाय-कर गिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या भन-कर सिंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना था, जियाने में सुविधा के निष्ट:

यतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात् हु—

- श्री वर्धमान सेविंग कम्पनी प्रायवेट लि०। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री प्रदीप एल० लोधा ग्रंर श्री ग्रार० एल० लोधा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्चन के कि कार्यनाहियों करता हु।

## वक्त सम्पत्ति के नर्जन की सम्बन्ध वो कोई भी नाक्षेप हुन्न

- (क) इस स्वना को राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 किन की जबिध या सरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद यों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों यों से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सुकना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पाक सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरणः ----इसमें प्रमुक्त शक्यों और पदों का, जो जकक जीपीनयम, के बध्याय 20-क में परिशादित हूँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वृद्धा हूँ।

## जनुसूची

फ्लैट नं० 74, जो, "श्री श्रोम सदन 15, नारायणदामो-लकर रोड़, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि से ग्राई-1/37-ईई/5649/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दूबे. सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बस्बई

तारीख: 1-11-1985

मोहर 🕻

## प्रक्य बाई .टी.एन.एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बर्ड

बम्बई, दिनां । तथम्बर 1985 मुझे,

निदेश मं० श्रार्ड-1/37-ईई/5826/84-85--श्रातः पी० एन० दुबे,

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचार 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाष 269-च के अधीन सक्षय प्राधिकारों को यह निक्षाय करने का समूज है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं कार्यालय नं 4, जो, 9वी मंजिल, वातामल टावर, बैं क्वे रेक्लेमें शन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका जरारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4-3-85

को पूर्वित सम्पत्ति को उचित गांधार गृत्य से काम के दश्यमान प्रतिकास को निए अन्तरित की गई है और गुभी वह विश्वाल कारने का कारण है कि यथाएं केंग्रेस संवित्त का उचित गांधार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से एसे दश्यमान प्रतिकास से निष्क में स्थान प्रतिकास से निष्क में स्थान प्रतिकास से निष्क है और अन्तर्क (अन्तरका) जारि अन्तरिकी (अन्तरिका) से निष्क है से अन्तरिका के निष्क हम वाषा गांधा प्रतिकास, निकातिनिका उद्योग्य से उसक अन्तर्क निष्क स्था गांधा प्रतिकास से संविद्य का निष्क स्था से स्थान स्थान से निष्क स्था से स्थान स्थान से निष्क स्था से स्थान स्थान

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उक्कम बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यो धनकर अधिनियम, यो धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. मेसर्स दीप ः इन्वेस्टमेंट ःस्पनी ।

(प्रान्त रक्त)

- 2. मेसमं हन्मान विभिन्न फूडण प्रायवेट लि॰। (प्रन्यिती)
- ग्रन्तरहा ।

(वह व्यक्ति, जिसके अविभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त तम्बत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाही शूक्त करता हो।

उसत राज्यित के वर्षान के सम्बन्ध में काहि भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान की राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्कान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, से भौतर गूर्नोकत व्यक्तियों में से किसी अविकर बदारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं हैं

  45 दिन के भीतर उक्त स्थापर संपत्ति में दिशबद्ध किसी अन्य व्यक्तित त्वारा अभोग्रन्ताक्षर के
  वास किस्ति में किस का रखें ।

क्ष्मिरवार-इसमें प्रमुक्त कर्या और पर्यो का, को उन्त विभिन्निम के अध्याय 20-2 में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ बांगा, को तर बन्याय में क्या मया हैं।

#### अगराची

कार्यालय नं० 4, जो, 9वी मंजिल, दातामल टावर, बैंकवे रेक्लमेंशन, बम्बई में स्थिन है।

श्रनुसुची जैंसा कि कि सं ग्रह-1/37-ईई/5604/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांट 4-3-85 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० द्वे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रोज-1, बम्बई

नारीख: 1-11-1985

## प्रका काइ'. टी. एव. एड.-----

# नामकर निधीनयम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-च (1) जे नधीन क्षान

#### बार्ड बहुका

कार्यालय, तहायक भायकर नायकत (निरीक्तण) प्रजंन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई- 1/37-ईई/5884/84~85---असः मुझी, पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाबार मून्य 1,,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7-ए, जो, 4थी मंजिल, गंगोती, 89-89ए, बाणगंगा रोड, बालकेश्वर, बम्बई-6 है तथा जो बम्बई-6 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाधड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिमका करारतामा श्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, गारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरभगान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और कृष्ट यह विषवास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के कृष्ण एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित स्थ्याय से उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कृष्टित कहीं। किया गया है ।

- (क) जन्तरण ते हुई किशी जात की बावछ, अध्या विधिनता के अधीन कर योगे के बन्तरण के यायित्व में कमी करने या उत्तत्ते तकने से नृविधा के किए; वृद्धिता
- (व) एसे किसी बाव वा किसी वन वा बन्य बासिस्कों को, जिल्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त बिधिनियम, 1922 का 12) वा उक्त विधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अस्परिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया बाना वाहिए था कियाने भें विविधा के बिहा

नतः अन, उन्त निधिनियम की भाग 269-ग के अन्सरण भी, भी, धन्त अधिनियम की भाग 269-भ नी प्रभाग (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थत् :---  श्री सेवंतीलाल एन० कोठारी श्रीर श्री किरण एस० कोठारी।

(भ्रन्तरकः)

 श्री इंद्रजीत के० णहा, श्रीमती बी० ग्राय० णहा,
 श्री एस० ग्राय० णहा और टाटा इंडस्ट्रीज लि० (ग्रन्तरिती)

को बहु त्यता बारी कारके पृत्रांक्त संपत्ति के नर्धन के जिल्ला कार्यवाहियां कारता हो।

बच्छ बंपरित के बर्जन के सबभ में कोई भी बाक्षेप : --

- (क) इस स्कृता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्कृता की तामील से 30 दिन को अवधि, यो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांबर श्वित्वों में में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीय से 45 दिन के भीतर अकत स्थावर मस्पत्ति में जिनवड्ड किसी मन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष विश्वित में निरु वा वर्जन।

स्वाकरणः --इतमे प्रयुक्त कव्यों जीर पर्यों का, वा सबस् जिवनियम, के जध्याय 20-क में परिभाजित हाँ, वही वर्थ होगा, जो उस सध्यत्य भे विभा गया हाँ।

#### अनसूची

फ्लैट नं० 7-ए, जो, 4थी मंजिल, गंगोली, 89-89ए, बाणगंगा रोड़, वालकेश्वर, बम्बई-6 में स्थित है। श्रतुसुची जैसा कि क० सं० श्रई-क़|37-ईई|5585|84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 1-11-1985 मोहर: त्रक्य कार्यः, दीः, श्याः, श्<u>रकः</u> = -- =

नामकर विचित्रियम, 1951 (1961 का 43) की धारा % २० मा के अधीन सूचना

भारत नरकार

## कार्याचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेण सं० अई-1/37-ईई/5906/84-85 अतः मुझे आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाणार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

87, नायगांव कास रोड, वादर, बम्बई-14 है तथा जो बम्बई-14 में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसुजी में और पूर्ण रूप ने विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 2697, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के अधीनयं में रिजस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रित्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वित्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके स्थमान प्रतिफल से एसे अपमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिकत से अपिक है और अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के सीच एसे जन्दरण के लिए तब पाया गया प्रतिकत्त , निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) सन्तरण ये हुए किसी साम की शक्त उपत था था। नियम के कभीन कर दोने के सन्तरक के दायित्व में कभी कुरुने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शक्तिया
- (च) एसी निसी नाव या किसी भन या अन्य वास्तिनों को, विन्हें भारतीय नायकर अभिनियन, 1922 (1922 का 11) या वक्त अनिवृत्त्व, वा क्षेत्र कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाता वाहिए था, कियाने में स्विधा से विष्या

क्षतः अव, उपत वीधीन्वत की क्षेत्र 269-न वी वर्ष्यण में, में, उपत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, मिम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् ;---

मै० बोझी इंटरप्रायसेख।

(अन्तर्ह)

2. श्री ग्रचलाचन्द वाषुरचंद मनदोत ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सुबना बारी करके वृत्रोंकः उत्परित से वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

वस्य राज्यतित के सर्वन के राज्यत्य के कोई भी नाओर:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिथ, वो भी नविथ बाद में सबाप्त होती हो, खे भीतर प्रांत्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगित्त में हित-ब्रिश किसी अन्य व्यक्ति दवारा, वभोहस्ताक्षरी के पास किस्ति में किए वा सक्ति।

स्पक्षीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के कथ्याय 20-क में यथा परिशाधित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसूची

पर्लंट नं० 601, जो, शांति कुं इमारत, 87, नायत्-गांव कास रोड़, दादर, बम्बई-14 में स्थित है। प्रनुसुची जैमा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/5633/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को राजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दूबे सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-1, बस्बई

ता**रीख**: 7-11-19**8**5

## HER WIE . C. THE WELL THE PROPERTY AND ADDRESS OF THE PERSONS AND ADDRESS AND ADDRESS OF THE PERSONS AND ADDRESS AND ADDRESS OF THE PERSONS AND ADDRESS A

अध्यक्षर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) में अभीन सुमना

#### भारत सरकार

का गल्य, ।हाण्यः आधकर वायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेजना, बस्बई

बम्बई, दिनां । नवम्बर 1985

निदेश स० धई-1/37-ई/5191/84-85--- प्रतः मुझे, जी० पी० एन० दबे,

भागकर जो धीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बावार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर शिक्षकी ये सम्पत्ति धागा स्ट्रीट में जिसका सी० एस० न ० 471, फाट डीलिजन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसुनी में श्रीर पूर्ण क्य ं विणित है), श्रीर शिक्षा स्रास्तामा श्रायकर अधि-निया, 1961 की धारा 2697, खं के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिक्षरी के अधीन, बम्बई स्थित 12-3-1985

का प्वाक्त समास्त क उसित बाजार मून्य सं कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है जोर मूझे यह विद्यास कर्म का कारण है। उद्याप्य स्त समित का उसित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रांतपल स ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत स अधिक हैं और अन्तरक (अन्तर्कों) बार अन्तरितो (अन्तरितिभों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित उद्विष्य से उसत अम्तरण जिख्त में वास्तविक रूप से किश्वत मही किया गया है हिन्न

- (%) लन्तरण से हुन् फिर्मा वान की वावस, क्या वाजिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की धार्द्धिक में कभी करने या क्यूचे क्याने में सृद्धिमा क । १४% संस्कृतिया

क्षतः अभ, उक्त जाँधनियम की धारा 269-म को जनसरण में, में, इक्त जाधिनियम की धारा 269-म की उपभाषा (1) को अधीन निम्निसिक्त स्विम्तिमें स्थान 1. श्रीमती इंदिरादेवी नारायणदासः।

(अन्तरक)

2. डा॰ विठ्ठल राजाराम भूसारण।

(ग्रन्सरिती)

को यह युवना बारी करके प्यक्ति सम्पर्टित के अर्थन के विक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

शक्त राज्यस्थि के वर्धन के राज्यस्थ में कोई भी भारते :--

- (क) इस स्पूषा से रायपन में प्रकादन की ठारीय से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी स्थानितयों पर सूचना की ठासील से 30 दिन की अवधि, वो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हित्त बहु भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहत्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगी!

स्वक्रोकरण:---इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, यो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## गन्स्ची

श्रनुसुची जैसा वि विलेख सं० नाभ०~1498/73 भौर जो, उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनां। 12~3~1985 को रजिस्टर्ड विया गया है।

पी० एन० दूबें सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकन (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, सम्बर्ध

तारीख: 1-11-1985

## THE STATE OF THE PERSON ASSESSED.

नामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत बहुकाह

## कार्याक्रय, सहायक वायकर जाय्यत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1. बम्बर्ध

बर 1985 विनांदा । नवस्वर 1985

निदेश सं० प्रई-1/37-जी०/5192/84-85--प्रत: मुझे, पी० एन० दुबे,

*जापकार ज*िभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इस**र्मे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रापये प्रेवधिक हैं

**भौर जिसकी सं० खुला जमीन का हिस्सा, जिस**ा सर्व सं० 513, सर्वे नं० 987, सर्वे नं० 8141(ग्रंग), भुलेण्यर डिविजन, बम्बई है. तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अन्सुची में भ्रौर पूर्ण रूप ने विणित है), र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिनारी के हायलिय, बम्बई में र्राजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीय 11 - 3 - 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझं यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्रत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती '(अन्तरितियाँ) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नलिखित उद्योषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) मंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त मधिनियम के बभीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए करि या
- (च) एंसी किसी अगय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया बाबाकिया वाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा चे विष्

कतः कव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उवत मधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) 😘 बधीन, निभ्नेलिखिए व्यक्तियों वर्धात् :---

- 1. (1) श्रीमती माया वाय० व्यवहारक्र, (2) प्रशीक बाय • व्यवहारकर, (3) दिलीप वाय • व्यवहार-कर, (4) वित्रेष्ठ वाय० व्यवहारकर, (5) मनोहर वामणराव व्यवहारदार, (6) श्रीमती मीना मनोहर व्यवहारकर, (7) अरविंद मनोहर व्य**व**हारकर, (४) राजन मनोहर व्य**वहार**कर, चित्रसेन वामणराव व्यवहारहर, (10) श्रीमती शमा चित्रसेन व्यवहारकर, (11) सुबोध वामणर राव व्यवहारकर, (12) श्रीमती प्रपंता सुबोध क्यवहारकर, (13) कुमारी स्वरीबाई माधवराव (ग्रन्सरवः)
- 2. श्री शोबाचंद छगनलान संघवी। (भ्रन्तरिती)

3. भाइत

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पनि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवादियां शुक्र करता हुं।

जनत सम्परित के कर्मन के सम्बन्ध में कोएं भी जाक्रोप !---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी ह है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्वींकर ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनदृष्ट किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिचित में किए आ सकरेंगे।

स्मक्कीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और यदों का, जो उ**म्स मिनियम** के जन्मात्र 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा वां उस अध्याय में दिया गया है:

#### अमुस्ची

श्रनुसुची जैसा कि विलेख सं० नांम० -2731/82 भीर जो, उपरजिस्ट्रार, बस्बई द्वारा दिनांक 11-3-19845 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधि हारी, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण,) म्रर्जन रेज-1, बम्बई

सारीख: 1-11-1985 मोहर 🖫

## **इक्**य गार्ड'. टी. एस. एस. ----

## मामकर गांधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गार्थ 269-म (1) के नधीन स्वना

#### भारत सरकार

कोबंसिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बर्ड

बम्बई, दिनां ह 1 नवम्बर, 1985

निदेश मं० श्रई-1/37जी/5193/84-85--श्रतः मुझे, पी०एन० दुबे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंतमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-वं के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का काइन है कि स्थावर सम्मिन, जिसका विकास गांधर मृज्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

भ्रोर जिसकी नं विदी सर्वे नं 163, मामगांव डिवीजन, हार पेन्टर स्ट्रीट, बस्बई है तथा जो बस्बई में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबड अनुसूची में श्रौर पूर्णस्य में विणा है), रिस्ट्री तो श्रधिकारी के कार्यालय, वस्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारी व 11-3-85

की पर्वेशित सम्मति के उभित बाबार मृत्य से कम के अनमान प्रतिफल के तिए बन्तरित की गुषु भह विषयास करने कारण कि पुर्नोकत राज्यित का उचित बाजार मृत्य, उसके करयमान प्रतिफल सं, एसे क्श्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ते उक्त अन्तरण निसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ु~--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की धाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी भन मा जन्य जास्तिकों की. जिन्हों भगरतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1.922 का 11) था उनत अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुनिधा की खिए।

(1) कुमारी कुमवनी पंढरोमाण पाठारे भौर कुमारी सरोजनी पंढरीनाथ पाठारे।

(अन्तरक)

- (2) निसार हमेन मूल्ला श्रकबरश्रली हुसेनजी । (श्रन्तरिती)
- (3) भाडुत ।

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना बारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के कर्णन के निष् कार्यवाहिया करता हो।

## उक्त सम्मत्ति के बर्जन के सम्मन्थ में कोई भी बार्सप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविद बाद में समाप्त हाती हां, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पळकिरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा वता है।

#### मनुसूची

अनसूची जैसा कि विलेख सं० वाम०-3247/82 भीर जो, उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनाक 11-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे नक्षम प्राधिकारी सहायक भागजर भ्रायुक्त (निरीक्षण) 🎁 भर्जन रें ज-1, बस्कई

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभौग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

तारी**ज**: 1-11-1985

मोहर ॥

## मक्ष्य वार्षं ती . एस . एस . -----

## नायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) सी नारा 269-म(1) के मुधीन सुचना

#### भाषा सरकार

कार्यालव, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1. बम्बर्ड

बम्बर्ड, दिनाक 1 नवम्बर, 1985

निदेश मं० ग्रई-1/37जी/5195/84-85--- ग्रस' मुझे, पी०एन० द्वे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वस्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा यथा हैं), सी धारा 269-स के अधीन समाय प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 9, दादी एम०लेन, धोबी तालाब, मी०एम० न० 373 मुलेएवर डिवीजन, बम्बई है तथा जो बम्बई से स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णम्प से वर्णित है), रिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के धार्यालय, बम्बई में १०० ट्रीवरण श्रीह-नियम, 1908 (1908 वा 16 के अधीन, तारीख 5-3-85 को पूर्वेक्त सम्मत्ति के अधिवा बाजार स्थ्य से कम के रहयरण श्रीतमल के सिए अम्बरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का आरण है कि यथा-प्वॉक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-कस से, एसे अयभान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिश्वित स्वृद्देश वे उस्त बंतरण सिवित में वास्तिक अन से करिन्त महीं किया प्रवाह :----

- (क) जन्तरण ते हुद्दे किसी आय की बावत, स्वकत जीविमियल के अधील कर दोने के अन्तरक के बामित्य में कमी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एति किसी जाय वा किसी धन या अन्य जास्तियों को चिन्हों भारतीय जानकर की धीमयम, 1922 (1922 का 11) या उनत जी धीनयम, या धन-खड़ अधिनियम, या धन-खड़ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्थोजनार्व जन्तरिती बुवाया प्रकट वहीं किना नवा चा किया जाना चा किया में विका

नतः अथ, उन्त अधिनियम की धारा 269-म अ अपूबरण वाँ, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है अधीन, निकाबिद्दा व्यक्तिकों, व्यक्ति क्ष---

(1) बान्भाई मृत्ला इक्राह्मीम ।

(ग्रन्तरक)

(2) रमन लाल वरजीवन दास दलाल और श्रीमित नीना श्रार० दलाल ।

(भन्तरिती)

(3) 18 भाडून ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह क्यान जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति जे वर्षन के सिम्नु कार्यवाहिमा करना हुः।

उन्दा सम्पन्ति को सर्वाप को सम्बन्ध को कार्य भी बाद्यांप .---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकारत की तारीब से 45 किन की कवीच या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तालीज के 30 विन की वंधीच, को भी ववीच काल में समाच्य होती हो, के मीतर प्रवेशक व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति कवारा:
- (व) इस तुमना के रामपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-वहूम किसी बन्द न्यानत इपाया नवाह्मकाकारी के याद विश्वत में सिए था स्कॉप ।

रम्बर्डेक्ट्रक् ह---इसमें प्रमुक्त सन्धाँ और वस्ते कहा, जो स्वक् व्यक्तिक्षिक के व्यास 20-क में परिधालित हैं, वहीं वस्ते होना मी उस व्यास में क्रिका भवा है।

#### अनुसूची

धन्मुची जैसा कि कि के सं० बाम०-1387/83 धौर जो, उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनाक 5-3-1985 को रिजस्टर्ड स्थि। गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिमारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रें ज-1, बम्बई

तारीका : 1-11-19**8**5

अक्य नाष्ट्री, एन . एक . » - - - ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### शास्त सहकार

कार्यानय, सहायक आयकर काय्क्त (निरीक्रण)

ग्रर्जनरें ज-1, बस्बई

बम्बई, दिनां १ 1 नवम्बर, 1985

निदेश सं अर्ड/1/37जी/5196/84-85— प्रतः नुझे, पी । एन । इते,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसके पण्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की वास 269-स के अधीन मक्षम प्रधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, रिज्यका पृष्टिक शाकार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० फ्लेट नं० 101. जो, किरन विला, श्रंश- ए रोडर रोड, सिटी नर्ने नं० 706-ए. स्रोल्ड बंगला, बम्बई-26 है तथा जो बस्बई-26 में स्पित है (सीर उत्तये उपाबद सन्सूची में श्रीर पूर्णें का पे रिणा है) जनिस्टी क्वां श्रीधकारी के वार्यालय, बम्बई में रिजल्दी करण श्रीधनियम, 1908 (1908 मा 16) के श्राधीन, वारीख 8-3-1985

को प्वेषिक सम्परित के उभित बाजार मृस्य से कम के बग्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथग्राशेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मञ्ज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्वह श्रीतकत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के भीए एगे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफत. निम्निवितित उद्योग से उसत अन्तरण जिलिक वे दास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है हम्-

- हिंकों करारण में हुए कि की काम की बावका, उपक प्रशिमित्रक के बजीन तर दोने के कासरक के बादिएक में कमी करने या उससे जजने में सविधा के लिए बह्रि/का
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी थन वा अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था स्थिपाने में सविधा के विष्ण

कतः तवः, उत्तर मधिनियमं की धारा 269-व के सम्बद्ध में, में, अक्त अधिनियमं की शारा 269-व की उपधारा (१) के अधीर, निम्निधिवित स्यक्तियें अवाद्य क्रिक् (1) श्री किरन लक्ष्मीदास कपाडिया ।

(मन्तर ह)

(2) श्री विनोध के० महना।

(अन्तरिती)

(3) श्री जमनादान एम० ठक्कर । बहु व्यक्ति, निसके श्रीधभोग में सभ्यत्ति हैं ।

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन को जिए कार्यवाहियं मुख करता है।

**बदर सम्मत्ति को मर्जाम को सम्मन्य में कोई भी काओद**ः≕∽

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृष्या की तामीक से 30 दिन की अवधि,, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रॉक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कृत्या;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर तज्यित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याप क्योहस्ताकारी के पास निवित में किए का सकोंगे।

स्वकाकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत विधितमम, के कथ्याब 20-क में परिभाषित है, नहीं कर्ष हाँचा, जो उस अध्याद में क्या नवा है।

## प्रमृत्यी

श्रन्सुची जैसा कि क० सं. बाम०-2539/83 भौर जो, उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे रक्षम प्राधि: शि सहायक ग्रायक्त प्रायक्त (निरीक्ष) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 1-11--19**8**5

मीहर:

प्रकथ बाह्री. टी, एन. एत.,------

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के श्रवीत सुचना

#### बारत सहकार

## कार्यानय, तहायक नायकर नायकत (निहासिक)

भ्रार्जन रेज-1, बम्बर्घ बम्बर्ड, दिनाक 1 नवम्बर 1985

निदेश म० ग्रई-1/37जी/5197/84-85-- श्रत मुझे, पी० एन० दुब,

बायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की चाच 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सस्मित, जिसका उचित बाजार मूस्व 1,00,000/- रा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लेट न० 104, जो, निरन विला, श्रम-ए, पेडर रोड, सि० सर्वे न० 706-ए श्रोल्ड वगला वस्बर्ड-26 है तथा जो वस्बर्ड-26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रन्सूची में श्रीर प्रांस्प में विणन है), रिजस्ट्रीरती श्रधिकारी के बार्यालय, बस्वर्ड में रिजस्ट्रीररण श्रधिनियम 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, तारीख 8-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के इस्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विस्थात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल कम पन्तक प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा मया प्रतिकास निम्नितिचित उद्दोश्य से उन्त अंतरण निविक्त में बाल्यिक क्या से कथित नहीं किया पामा है उन्त

- (क) अन्धरण वे हुई फिली नाव की बावत क्या विषय विवय के बधीय कर दोने के अन्तरक के दादित्व के सभी करने वा उत्तर्व विषये के सुविधा के सिए: करि/वा
- (वा) एसी किसी जान ना किसी पन ना कम्ब नास्तिनों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन कर अधिनियम, या पन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया पया वा या किया वाना चाडिए वा. जियाने में संविधा वो किया:

क्षेत्र अत्र अत्रत अधिनियम की धारा 269-न के जनसरक वं, वं, अत्रत अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के नधीर जिल्लानिसह क्षाक्तिकों, अर्थात् करून

55--366 GI/85

(1) श्री रिलन तक्ष्मीर । अखिः । (प्रार्ट)

(2) नी हिलाग क्रांग्य जी भारताली। (क्रांगी)

(3) श्री दीप र जमनादास टक र । वह ज्याक्त, जिल्को स्रश्चिमाण में सम्बन्ति है ।

का यह स्थना जारी क्रारके प्योंक्त सञ्पत्ति के वर्णन 🐗 क्षिप्र कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 2--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तरमध्वन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अपित, जो भी विषय में समाप्त होती हो, के भीनार पूर्विका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (क) इस ब्रंगा में राष्प्र में प्रमाणना की हारीत हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा ककीने।

स्वब्द्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त स्विध-नियम के सभाय 20-क पें परिशाधित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

#### ग्रमुस्वी

श्रन्सूची जैसा कि अ० स० बानम०-2540/83 ग्रीर जो, उपरिजस्ट्रार, श्रम्बई द्वारा दिनाक 8-3-1985 को रिक्टर्ड किया गया है।

> णी० एन० दुवे "जन प्रार्ग । सी महाया प्राया प्राप्त भारतीय प्राया प्राप्त प्राप्त है ;-। प्रस्ताई

ारीख 1 11-1985 भा**ह्य** , त्रका कार्यः सी<sub>ध</sub> व्य<sub>क</sub>्षाक्ष<sub>के स्थानसम्बद्धाः</sub>

# बायकर बीधीनसन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269--च (1) वो बधीन स्वना

#### **मारत तरकार**

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जनरें ज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 1नवम्बर, 1985

निवेश मं० ऋई-1/37जी/5198/84-85--- ऋतः मुझे, पी० एन० द्वे,

मामकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतको वश्यात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भाषा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लाक करने का कारण है कि स्थापर सम्मति, जिसका उजित बाबार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 113, जो, रियन विला, पार्ट-ए, पेडर रोड, सी०एम०नं० 706-ए, ग्रोल्ड बंगला, बम्बई-26 है तथा जो बम्बई-26 में स्थिन हैं (ग्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्णका में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिरारी के नार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के ग्रधीन, तारीख 8-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफटा के लिए अतिरित्त की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने ज्यने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुस्य, उसको क्यमान प्रतिफस से, एसे ज्यमान प्रतिकश्च का राजह प्रतिकृत से विश्वक है बीर यस्तरक (बन्तरका) और जन्तरिती (बन्तरित्तवा) से बीच एरे बन्तरक से जिए वर्ष वावा यथा प्रतिकृत निम्मिनियत उन्होंदेश से उसके बन्दरम जिला में बास्तरिक स्थ से कांच्य कही किया यथा है:---

- (क) अन्तरम व हुई फिली बाद की बावक उनक वरि-रियम के बंगीन कर दोने के बन्दरक के क्षांतरम ने क्यों करने ना उनके नकने में बृधिया के किए; क्षेत्रंश
- (क) देवी किसी मान वा किसी पन या कन्य जास्त्रयों को, निम्हीं भारतीय सावकर वीमिनियस, 1922 (1922 का 11) या उपल अभिनियस या पन काप लिपिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोच- नार्च व्यवस्ति इसाल प्रकट नहीं किया वसा था वा किया जाना चाहिए था कियाने में सीमिशा के विषयः

अत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बचीन, निजीवीकर चिकाली, वर्णीक (1) श्री किरन सक्ष्मीदास कपाडिया ।

(भन्तरक)

(2) श्री हितेश श्रानन्दजी गलानी ।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रीमित मणि के० भोजवानी । (वह व्यक्ति जिसके श्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)

नी नह सूचना चारी करणे पूजींचरा सम्मारत ने वर्षन ने सिर्फ कार्यपाहियां करता हुन्।

जबत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेद ह---

- (क) इस क्ष्मा के अभवन में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की समीम ना तरक्षमानी व्यक्तियों पर त्यता की तामीश के 30 विन की समीम, जो भी वर्षाम नाव में समान्त होती हो., के भीषय वृष्णेता व्यक्ति स्वित्त कुला होती हो.
- (क) वस ब्याना को राज्यपत्र में प्रकाशन की तारील ंबें 45 दिन को गीसर उनस स्थानर सम्पत्सि में हिसबब्ध किसी अन्य क्यक्सि ब्यास मधोहरसाक्षरी के शास विविध में किस् या क्योंने।

क्ष्मिक्षिण:---इतमें प्रमुक्त कर्मों और पर्वो का, की क्ष्मि वीदिनक में वध्यात 20-क में प्रिशाविक हैं, नहीं मर्च होंगा, को सस मध्यात में विका नक्ष हैं ||

#### **प्रतुस्**ची

भनुसुधी जैसा विलेख क० सं० बाम०-2541/83, भीर जो, उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गमा है।

पी० एन० **युवे** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राय*क्ष* श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें अ-1, बम्बई

नारीख: 1-11-1985

मोहर:

प्रकृप बाह्र . टी . एन , एस . --------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से मधीन स्माना

#### शास्त संस्थार

## कार्याभव, सहायक नामकर नायुक्त (विद्रीकन)

श्रर्जन रें ज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश मं० ग्रर्ड-1/37जी/5199/84-85— श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

कायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके प्रवात 'उन्त मिथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के मेथीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सपरित विस्ता उचित नावार गृह

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० दुकान नं० 112, जो, किरन बिला, पार्ट-ए, पेडर रोड, सी०एस० न० 706-ए, श्रोल्ड बंगला, बस्वई-26 हैं तथा जो बस्बई-26 में स्थित हैं (श्रोत इसमें उपानद अनुसूची में श्रोर पूर्णक्य में विधित हैं), या एट्टी तो श्रांध ।री के पार्यालय, बस्बई म रिजस्ट्री रूपण श्र प्रतियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, तारीख 8-3-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मून्य से कम के स्थमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्परित का उचित भाषार मून्य, उसके व्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (बंत्रितियाँ) के बीच एसे बंतरण के सिए तम पाना बमा प्रति-क्य विश्वासित ज्यूरंक्य के उक्त कन्तरण निश्चित में बास्त-विक क्य है कवित नहीं किया गया है है—

- (क) बज्बरण ने हुए जिल्ली जान की नमान उपर करियमितन को वधीन कर बोने के बज्बरक वाजिएन वो करी करने वा जबने बज़ने के सुनिधा के सिए; व्याप्तिना
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्म आस्तियों को, चिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) दा उक्त अधिनियम, मा कम कद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्षनार्थ अस्तिरती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में चुनिया को लिए;

कतः सव, तकत विधित्यम की धारा 269-न की वन्तरक में, में, उक्त विधितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्निश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री किरन लक्ष्मीदास यापादिया ।

(श्रन्तर 🗉)

(2) श्री विनोद कानजी मेहता।

(भ्रन्तरिती)

3 श्री पदमनाथ खाडके ।

वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है।

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त बंपरि औं अर्थन के फिर कार्यनाहिया करता हुं।

इक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी कार्यंप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीज़ से 30 दिन की अविधि, से भी अविधि वाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेतित का विद्या में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी बन्ध व्यक्ति ह्वारा स्थाहस्ताक्षरी के वाब जिल्हा में किस वा सकीने।

स्पक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

#### अनुस्ची

श्रनुभूची जैमा कि विलेख मं० बाम०-2544/83, श्रीर जो, उपरजिस्ट्रार, बम्बई बारा दिनांक 8-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० **दुवे** मक्षम प्राधितारी महायकं भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

मारीख: 1-11-1985

मास्यः:

## प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, वम्बई

वम्बई दिना । नवम्बर, 1985

निदेश म० अई-1/37जी/5201/84-85— अन मुझे पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. सं अधिक है

और िशी पर फेट नर 120, जो, िन विला, पार्ट-ए, पेडर रोड, पीरणपर नर 706-ए, ग्रोल्ड बगला, बस्वई-26 है तथा जो बस्वर्र-26 ए पत है ग्रार इस्में उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण-का में गाणा है). राजप्ती तो ग्रीव रीके वर्षलण, बस्वई में रिजस्ट्री रण ग्रासिन मा, (1908 1908 के अधीन, नारीस 8-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सैं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि एथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का दिह प्रतिकृत से अविक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः उवः, उकःत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उकःत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियां, अर्थात् ध— (1) श्री जिस्त लक्ष्मीतास क्याडिया।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश ानजी मेहता।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्री चन्दूनान एानजी ढोलाकिया। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे

सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

स्रनसूची जैसा ि क लिलेख वास०-2547/83, स्रौर जो, उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिना ह 8-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे गक्षम प्राधिशारी गहाय हा स्राय हर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्राजन रेज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985 मोहर 3 प्रकथ कार्च. टी. एन. एस., अ----

जायकर जीभीनयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन स्थान

#### भारत सरकार

## कार्याचय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जनरेज-1, बम्बई

बम्बई दिनाफ 1नवम्बर, 1985

निदेश मं० श्रई--1/37जी/5200/81-85--- स्रत मझे, चुपी० एन० दुबे,

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा ∠9-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी स० फ्लंट नं० 121, जो, िएन विला, पार्ट-ए, पेडर रोड, सी० एस० न० 706-ए, श्रोल्ड बगला, बम्बई-26 है तथा जो, बम्बई-26 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनसूची म श्रीर पूर्ण रूप में विणा है). राजस्ट्रीयती श्रीध हारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री गरण श्रीधनियम, 1908 (1908 ा 16) के श्रधीन, तारीख 8-3-1985

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एस बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीविचित उद्वेष्ट्य से उच्त अन्तरण कि विच व वास्तिक के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ६—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, अच्छ अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्दरक के दानित्य में कभी करने या उत्तरे वचने में सुनिधा के लिए; बॉर/मा
- (च) एसे किसी जाब वा किसी भन वा अन्य आसितयों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा वे सिक्

अतः अत्रं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण वाँ, गाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वो व्यक्ति, निम्नलियित व्यक्तियाँ<sub>ः</sub> व्यक्ति क्र—

- (1) श्री हिर्त **प**्यमिद्सः .प। ভিটা । ( स्नान्यक)
- (2) श्री णिरीय प्रभुडास मेहतः। (स्रन्तरिती)
- (3) श्री एन० यू० श्राफ़ । (बह व्यक्ति, जिसके श्राधभोग में सम्पत्ति हैं) ।

को यह सूचना जारी, करके पूर्वांक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## वक्त सम्मिस् के बर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षेप .

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस स 45 दिन की अविधि या निराजी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- कृष किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण .---इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदा का, जा उकत ब्राधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषत हैं, बही कर्ष होया जा उसे अध्याय में दिया सवा है।

#### जन्दु ची

श्रमुख्ती जैसा कि लिलेख स० वाम०--2546/83 सीर जो, उपर्राजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिना - 8-3-1985 को र्राजस्टर्ड . या गया है।

पी० एन० दुवे माक्षम प्राधिकारी नहायभ प्राथमन प्रत्युकः (विशिक्षण) प्रजन राज्य, वस्यई

तारीख: 1-11-1983

मोद्वर

## प्रकृष आई.डी.एन.एस.-----

## भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थान

#### भारत तरकार

## कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अस्त्रई

बम्बई दिनांक 1नवम्बर, 1985

निदेश स० ग्राई~1,37/ईई/5202/84-85--- श्रतः मुझे, पी० एन० हुबे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लंट न० 114, जी, किरन बिला, पार्ट ए, पेंडर रोड, सी० एस० न० 706 ए, ओल्ड बंगला, बस्बई 26 में स्थित है (और इसमें उपाबड अनुसूची में और पूर्णरूप संवर्णा है), रजिस्ट्रीनर्ता अधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिमस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्रमान प्रतिफल के लिए अर्तारत की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्तिरती (अन्तिरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप स कथित नहीं किया गया है;——

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए।

नतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ननुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :-- (1) श्री किरन लक्ष्मीदाम कपाडिया।

(अन्तरक)

(2) श्री भाविक ए० गलानी ।

(अन्तरिती)

(3) श्रीमति जीवाबाई ख्रिमजी मर्चेन्ट । (वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों था, जो उक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## जन्सूची

ग्रनुसूची जैसा कि लिलेख सं० बाम०-2548,83, भीर जो, उपरजिस्ट्रार, बम्बद्दै द्वारा दिनाक 8-3-1985 को रजिस्टडें किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, बम्मी

तारींब : 1-11-1985 ोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श्र (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्याज्ञय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, वम्बर्ष

बम्बई दिनांक, 1 नचम्बर, 1985

निदेश मं० श्रई-1/37ईई/5203/84-85--- श्रत मुझे, ∡पी० एन० दुवे.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पहचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 118 जो, किरन विला, पार्ट-ए, पेडर रोड, सी० एस० नं० 706-ए, ओल्ड बंगला, वस्बई-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण- रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींकर्ती प्रधिकारी के व्यायालय, बस्बई में रजिस्ट्रींकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 8 3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिथक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से शुर् किसी आय की बाबत, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; अरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उयत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री भिरन लक्ष्मीदास कपाडिया ।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री सुरेश टप्लाल महता।

(अन्वरिती)

(3) श्री कॉलींलाल एच० दोगी।

(वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमे प्रयुक्त बन्दों और पवाँ का जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में मधा परिभा-वित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय औ दिया गया है।

#### अग्राची

अनुसूची जैमा कि बिलेख सं० बाष • ~ 2565/83, और जो, जपरिजिस्ट्रार , बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्स (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बस्बई

नारीख : !--11--1985 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अर्था, सूचना

भारध 🔩 हार

कार्यालय, सहायक जान ... आवृत्स (निरीक्षण) श्रार्जन रेज-1, बस्बद्ध

बम्बई, दिनांक ।नवम्बर, 1985

निदेश मं० ग्रई-1/37जी/5204/84-85--- श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जपहीं सं० फ्लैंट नं० 115. जा, हिरत बिला, पार्ट-ए. पेडर रोड, सीं एत० नं० 706-ए. अल्ड बंगला, 2रीं मंजिल, बम्बई-2 में स्थित हैं (और इससे उपावड़ अनुसूचीं में पूर्णक्य से विगत हैं). रिवस्ट्रीहर्ती अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिवस्ट्रीहरण अधिकारमा 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 8-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफान के लिए अनिरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफान से एमें दश्यमान प्रतिफान का पंद्रह प्रतियान में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकान, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त जंतरण लिसित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दास्तिव में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था भा या निया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए:

अत. अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 262-च की उप्धारार (1) के अधीन,, निम्नालिखित व्यक्तियाँ. अर्थात :--- (1) श्री हिर्त लक्ष्मीदास कपाडिया ।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रीमति णिला सुभाग दाणी।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रीमिति शीला सुभाष दोशी।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह स्वना जारी करके पूर्विक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना को तामील मे 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रप्राशन की तारीस से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियं जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### जन संची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख मं० वाम०-2566/83, और जो। उपरिजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनाक 8-3-1985 को रिजेस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुध सक्षम प्राधिनारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, बम्बई

तारींख ा--'।--1**98**5 मोहर

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सुचना

#### गाउँव स्टब्स

## कार्यालय, सहायक बायकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रेण-1, बम्बई बम्बई, दिलाल 1 तमस्वर 1985

नियेग सं० अई-1/37नी/5205/84-85 · अतः मुझे, पी० एन० दुवे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हु"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका निचत बाजार मृल्य 1,00,000/- छ. से विधिक है

और जिपशी सं० फ्लेट २० 105, जो, किरन थिता, पार्ट-ए, पेडर रोड, गी० ए १० न० 706-ए, आल्ड नगला, बस्वई-26 में स्थित हैं (और ए से उगावड़ अनुसूती में और पूर्णक्य में वर्णन हैं), रिनिस्ट्री ती प्रितिसरी के जार्याय, बस्वई में रिजिस्ट्री रूण प्रधिनियम, 1908 (1908 ता 16) के अधीन, तारीख 8-3-1985

को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और एक यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापनिकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उर्यमान प्रितिफल से, एसे दश्यमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतर्य के लिए तम पाम पया प्रितिक इन, निम्निसितित उद्देश्य से उपत अन्तरण निवित्त में बास्त्विक कम से कथित नहीं किया गया है रें

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त निधिनयम के मधीन फर दोने के मन्तरक के दानित्व में कभी करने या उससे वचने में बुनिधा के जिए; द्वीर/या
- (क) एमी किसी भाग वा किसी पन या बन्य कार्यकार कार्रिता कार्यकार का

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुगरण है, मैं, उद्देश अधिनियम की धारा 264-व की उपधारा (1) है अधीर, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :- – 6—366 G1/85

(1) श्री तिन्त नहनीया ज्याखिया।

(अस्तरक)

(2) थी मुकेन फलनराय देशों।

(श्रन्तरिती)

(3) श्री छवीलदान वी० लोटीया।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कार्श्य :---

- (%) इस सम्बा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 किन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर अस्परित में हितबन्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त जीभनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां वर्ध होगा, जो उस अभ्याय में विया गया है।

#### अम्स जो

भ्रमुम्ची जैना विलेख म० वी०-2568/83, और तो, उप-रिक्टिंग, गन्मई द्वारा दिनात 8-3-1985 को एनिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवें (अम प्राधिकारी महायक स्नायकर स्नायुक्त (विरीक्षण) स्रजी रेड-1, बम्बई

नारीख : 1--11--1985 भोडर :

# बावकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-व (1) के वधीन राजना

#### STEE SEPTE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज-1, बम्बई धम्बई, दिनांव: 1 नवस्वर 1985

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) विस् इसके इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को वह विस्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति, विसका उचित् बाबार म्स्स् 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या दुकान नं० 111, जो करिन विला पार्ट ए, वेडर रोड, सी०एस० न० 706-ए, ओल्ड बगली बम्बई- 2०स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई-26 में रजिस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 8 मार्च 1985

को पूर्वों कर सम्परित के खिनत बाजार मून्य से कम के क्यामान मितिकान के लिए जन्तिरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वों का क्रमित का निष्य बाजार कृष्य उसके क्रममान प्रतिकास के. गेसे क्रममान प्रतिकास का पन्यह प्रतिशत से अधिक हैं और व्यक्त (जन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिकास निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिकास निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिकास निम्नितियों के बीच एसे अन्तर जन्तरण सिक्ति में बास्तिवाक क्रम से कांचित महीं किया गमा है :---

- प्रियों क्या के कि कि कि कि कि अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा क निए सीर/या
- (क) ऐसी कि.ती आय या कि. की धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सविभा के निए;

बतः अन, उक्त अधिनियर े भारा २० के अनसरक्षेत्रे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री किरन लक्ष्मीवास कपाडिया।

(श्रन्तभ्क)

(2) श्री मुरेण टपुलाल भेहता ।

(ग्रन्तिरती

(3) श्री वसंत टी० शिगार्डे।

(वह व्यक्ति जिसके स्रधिभोग मे सम्पति है)।

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्धन की सिध कार्यवाहियां करता हुं।

## सक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नार्शय 🚈

- (क) इस स्थान के राजपत्र में त्रकाशन की तारीस सं
  45 दिन की जनिश वा इत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
  स्थान की तानीन से कि दिन की सर्वीभ, को भी
  अविभ साव में का कि की हो, के भीतर प्रवेक्ति
  स्थितयों में रें कि स्थितित स्वारा,
- (क) इस सूचना के राजिश में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्षण किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहरसाक्षरी के पास निश्वित में किए का सकरें?

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस कथाय में दिवा प्या है।

#### उन्स्मी

श्रतूभूती जैता हि जिलेख सं० बी०--2569/83 श्रीर जी उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांग 8-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पील एन र दुवे सक्षम प्राधितारी सहायक प्रायकर प्रायुवत (निरीक्षण) प्रजैन रेंज--1, वण्बई

दिनों " · 1-11 · 1985

मोहर:

## सामका गणिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ भारा 269-ण (1) के सभीम स्थान

#### STEEL STATE

## कार्यांत्रक, बहायक माथकर नाव्यक (विद्वालक)

म्राजन रेज-1, बम्बई बम्बई,दिना े 1 नवम्बर, 1985

निर्देश स० प्रई-1/37 जी/5207/84-85---- प्रत मूझे पी० एन० दबे

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृत्य 1,00-000/- रु. से अधिक है

प्रौंग जिस्की म० फ्लेट न० 117, जो 2री मजिल, किर्न किला, पार्ट-ए, 30 पेडर राड, सी० एस० न० 706-ए, प्रोत्ड बगला, बस्बई-26 है तथा जो बस्बई-26 में स्थित है (प्रौर इसमें उपाबद प्रनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप भ वणित है) राजिस्ट्री-क्ती प्रधिशारी के प्रायात्य बस्बई में जिस्ट्रीकरण श्रिधिनरम 1908 (1908 मा 16) के प्रधीन गारीख 8-3-1985

को पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिकार के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वेक्ति सम्पि का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अतरिती (अतरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-सिचित उप्रदेश से उसते अंतरण सिचित में बास्तविक रूप श्री किया गया गया गया गया गया विकास से किया गया है :---

- (क) बनारण से हुई किसी बान की बाब्ध, उन्ध्यं मृत्तित्रन की न्यीय कर देने की बनाइक की खिराम में कभी करने वा उन्नुबं नचने में सुनिया से सिए; ब्रोडि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गयः था विकया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किया;

कत अय, उक्त कांधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिस्की विश्वत व्यक्तियों, अधीत क्ष्र—

(1) श्री फिरन लक्ष्मीदास कपाहिया।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ज्योति जयतीलाल दोशी।

(मन्तरिती)

(3) श्रीमतो ज्योति जयती लाल दोशी। (वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में

सम्पति है )।

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन की दिख् कार्यक्षाहियाँ। करता हु

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंस 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजीक्त व्यक्तियों में से किसी अमित्त ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकींगे।

स्वक्तीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जब्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विक यवा हैं।

## जनसंची

श्रनूधूची जमा कि विलेख सं० बी-2570/83 श्रीर जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनाक 8-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ी ० एन० दुबे नक्षम प्राधिकारी सहायिक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 1-11-1985

मेहर

## तक्ष्यं नार्वां हो. स्म : स्क :-----

## शार्थकर वृधिनियमः, 1961 (1961 का 43) काँ भाडा 269-व (1) वो वधीन संज्ञा

#### THE RESPONSE

कार्यांचय, सहायक नायकर नायुक्त (रिनरीक्षण) अर्जन रेंज 1, हैक्षराबाद

बम्बई, दिनाँक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० प्रई-1/37-जी/5208/84-85 श्रतः मुझे, पी० एन० दुबे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थानर सम्मति, विश्वका अभित वाचार नृष्यु 1,00,000/- छ. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 119 जो हिरन विला, पार्ट ए, पेश्वर रोड, सी० एस० नं० 706-ए, ओल्ड बंगला, बम्बई-26 में स्थित है श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1985

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित वाधार मून्य से धन के ध्रवमान प्रविक्रंस के निए अन्तरित की धर्म है और मूझे यह विकास धरने का कारण है कि मनापूर्वोक्त सन्पत्ति का उचित याजार भूज्य उसके असमान प्रतिक्रंस से, एसे धन्ममाम प्रतिक्रंस का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंकरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरभ के विष् द्रव पत्ना प्रा प्रतिक्रंस विक्रिन्तिक स्मृत्येष्ट्र से उच्छ नंत्रम् क्रिक्त में वास्तरिक स्प से धनिया मूझी धिक्स मुसा है क्रिन्त

- (क) सन्तर्भ वे हुए किसी आसु की शक्षा, अवस्थ अभिनित्त् की सभीत कर दोने के नृत्तुरक के दावित्य में कती करने ना उद्युखे त्युने में तृत्विधा भी तिए; मीड/वा
- (थ) एसी किसी बाब मा किसी धन मा खन्य साहित्यती की, जिन्ही भारतीय बावकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपल अधिनियम, या धनकार वृष्टिवयम, 1957 (1957 का 27) के म्यूनियम बन्दीरती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया क्रमा शाहित था किया थे कृषिया वे किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री किरन लक्षमीदास कपाडिया। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रभूदास आर० दोशी।
- (3) श्रीमती दौपदीबाई गाएंका ।

(अन्तरिती)

की यह सूचका जारों करके पूर्वोक्त सम्भान के बजन के निए कार्यवाहियां सरू करता है।

#### तकत सम्मति के अर्थन के तस्थान्य में काई भी कार्लय प्र---

- (क) इस स्वना क राजपत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविभि या तत्नवर्धा व्यक्तियाँ पर स्थान की तायील से 30 दिन की सविभ, सां बी सविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूनों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवारा;
- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकायन की सारीय से 45 दिन के बीतर उनके स्थानर सम्पत्ति में दिस-रह्भ किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोह्स्ताकरी वे पास चिकित में किए वा सकेंगे।

स्थलकि रचः -- इसमें प्रयुक्त कल्यों जार पदों का, जा सच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित इं, पड़ी अर्थ होता. जी जम मृजास भें रिक्ष गया है।

#### अनुसुची

अनुसुनी जैसा कि क्लिख मं० बी-2571/83~ और जो उपराजस्ट्रार, बम्बई ब्रारा दिनांछ 8-3-1985 को रिजस्टर्ड िया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

दिना 🥽 💠 1--11--1985

माहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस,-----

बाधकर औपनियम, 1961 (1961 का 43) की कारा 268 7 (१) के जानि समन

वार्षण म्हलार

कार्यानय, यहायक आयकर साम्कत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बस्दर्भ

ब्रम्पई, दिनांक नक्ष्यण 1985 निर्देश संब्राई -1/37-जी० 5214/84-85 --अतः सुझे, पी० एन० दुवे,

बायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसमें वहपात् जन्म किथिनियम बहा गया है), की भारा 269- व को अधीन सकाम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिस्ती मं० मी० ए०० ४० 1018, महबी डिवीजन, बस्बई है था जो बस्बई मास्यित है (ग्रीर इस्ते उपाबद्ध श्रमुक्षी में ग्रार पूर्ण गानि गणि है) सिस्झा तो श्रीम स्री के कार्यालय बस्बई में रिस्ट्रिक्ट ण श्रीयित्यमा 1908 (1908 का 16) के श्रयात स्ट्रार 21 सन्1985

की पृथेशित सम्पत्ति के उचित बाजार भून्य स कम क स्वयमान प्रतिफल को लिए जन्तिरित को गई है और मूझ यह जिन्नास करने के कारण है कि यथापूर्वाक्त समिति को उचित बाजार मूल्य, उपके स्वयमान प्रतिफल मे, एमें स्वयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिस्त से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरित्ता) के बाब ऐसे अन्तरिश के लिए तम पाया गया प्रतिक्रित निम्निलिंकत उद्दोष्य से उक्त अंतरण निस्तित में बास्तिवृक्ष क्य से किथित नहीं किया गया है है—

- (क) नन्तरण ले हुई जिसी थान को बाबरा उक्त बधि-नियम के नृथीत कर दोने के जन्तरक के बायित्व का कार्य। करने या उससे वन्य को सुविका के निय;
- (सं) ऐसी किसी बाग या किसी धन या अन्य अस्तिकों, का, फिक्ट भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धन-पण अधिनियम, 1957 (1957 का 127) के प्रयाजनार्थ अन्तिरती स्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपनं में सुनिधा के लिए;

बतः भवः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के अनुबार भों, में, उक्त विधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (१) को अधीन, निम्निविस्ति विकासी अधीत् (1) श्री भयाम मनारीया मनन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रबीया धकारिया ।

(अन्तरिती)

को यह बुचना भारी करक प्यांक्त सम्पात्त से वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

**उक्त** सम्मति के बर्चन के सम्बन्ध में क<sup>8</sup>र्द भी लाक्षेत्र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विमृकी अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## **ग्रन्**सूची

स्रतसूची जैंगा कि विरुख सं० वाम-3098/82 भौर जो, उप रिजस्ट्रार, वश्वर्ध द्वारा दिनांक 21-3-1985 को रिजस्टडं िया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ) श्रर्जन रेंज-1. बम्बई

दिनांक : 1-11-1985

मोहर :

प्रकृष बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-प (1) में मधीन बुजुना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर नायुक्त (निर्देशका)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश स० श्रई--2/37ईई/18307/84 -85-~श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्व.त् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहः सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लेट नं० 4, पुष्पक श्रमार्टमेट, विले पार्ले. (पु), बम्बई-57 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विशिष्त है) श्रीर जिसदा दरारनामा श्रायकर श्रधियनम 1961 की धारा 269व, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिदारी के दार्याक्षय में रिजिस्ट्री है तारीख 15-3-1985

की प्रविक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विस्वास करने का कारण है कि स्थापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल से पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के श्रीच एसे अन्तरण के निए स्य मृत्रा भ्या प्रतिफल, निम्निसिक्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्निसिक्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्निसिक्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्निक्ति उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्निक्ति से से अधिक महीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की नायत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे क्यों में सुविधा के सिक्; और/जा
- (क) ऐसी किसी नाथ या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था कियाने में से किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित स्थितियों, अर्थात् :---

(1) मेप्तर्स जयश्री विल्डर्स (इंडिया) ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री हिरालाल बी० बोहरा, श्रीमती बिमला ग्रार० बोहरा ग्रीर मास्टर केतन ग्रार० बोहरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हुई।

## उन्त संपरित के वर्षन संबंध में कोई भी नाक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविसारों में से किसी व्यक्ति ब्राह्म,
- (य) इस स्वना के राषप्त्र में प्रकाशन की तारीश श्रे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवब्ध किसी ज्या व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए या सकत्ये।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## धनुसूची

पलैट नं० 4, जो पुष्परु श्रप।टंमेट, 147, मलाबीया रोड, विले णर्ले, (पु०), बम्बई-57 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई-2/37ईई/18307/ 84-85 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणात राम सक्षम प्राधिकारी संयायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 5-11-1985 मोहर

to the second of the second प्रकल नाहाँ, दौ. गुभ, एस. -----

जायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यानम, सहायक बायकार आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-2. धम्बई

बम्बई, विमांक 5 मवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/18241/84-85--अतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीर सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- स्त से अधिक है<sup>\*</sup>

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 1, पुष्पक अपार्ट मेंट, विले पार्ले, (पू०), बम्बई-57 में स्थित ई ए(भ्री, इसने उपाबढ़ अनुमूची में को : (र्गवा) को गाँकी और जिल्लाका कर एकामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन तारीख बन्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है नारीख 13-3-1985

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उध्यमान प्रतिकृत के मिए मन्तरित की गई है और मुक्ते वह विस्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्स सम्पत्ति का उपित वाचार मूल्य, उसको दश्यभान प्रतिकास से श्रेस दश्यभान गतिकास के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक और बन्तरक (वर्ण कों) बार बन्तरिकी (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय ैकिया गया प्रिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से जन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक एप ) कथित नष्टीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाम की बावस, उपस्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की विष्. और/45
- (ब) एरेंगे किसी गा अभी 'त या अन्य आस्टियों को जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1927 '(1922 का 11) याट प्रेमियम, सा भत-कर अभिनियम, 1037 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, कियाने में सविधा ने सिक्:

कतः, अवः, उक्तः प्रभिनियमं की भारा १६० म के बन्सरक में, उक्त अधिविश्वम की गरा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) मेमर्स जयश्री बिल्डर्स (इंडिया )।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र वी० नागवेधर श्रीर श्री मनोज बी० भागवेकर।

(अन्तरिती)

क्यों यह सचना जारी करके पूर्व क्षेत्र सम्परित के अर्जन के बिष् कार्यवाहियां करता हुं।

## चानत सम्पत्ति के वर्षन की संबंध को कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राधपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अधिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की लामी से 30 दिन की अंबिध, जो भी जनिध बाव र. समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाग अधोहस्ताक्षरी के पास मिलि में किये जर सर्कांगे।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्यो

फ्लेट नं० 1, जो पुष्पक ,श्रपाटमेंष्ट, 147 मालवीया रोड, विले पार्ले (प्०), बम्बई-57 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-2/37ईई/18241/ 84-85 श्रीर जो सक्षम पाधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय प्रक्षमः प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

<sup>दि</sup>तांक : 5-11-1985

दिर :

त्रक्ष वाहाँ टी एन एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुवना

#### भारत सरकार

अभासिय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ध, दिशांक 5 भवम्बर 1985

निर्देश मं० अप्टै-2/37\$\$/18215/84-85--अतः मुझे, प्रशांत राय.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा मया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम गाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० पलेट नं ० 3, पुष्पक अपार्टमेंट, विले पार्ले (पु०), बम्बई-57 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद अनुमृषी में श्रीर पूर्ण रूप रे विणत है) है श्रीर जिसका करारमामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजन्ट्री है नारीख 12-3-1985

को प्वानित सम्परित के उचित वाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिकल से ऐसे दूरयमान प्रतिकल का धन्त्रह प्रतिकात से व्यक्ति है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाना गया प्रतिकत, निम्नीनींचत उद्देश्य से अक्त बन्तरण सिकत में वास्तविक क्य से कर्मित नहीं किया क्या है ।——

- ्रिंक) बन्तरण से हुई जिसी साथ की बायत, अपत विधितियम के बंधील कर दोने के अम्बरण के वायित्य में कवी करने या सबसे नजने में सुविधा के सिए; बौर/वा
- (क) एसी किसी नाय वा किसी थन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा को किए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की श्रपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :--- (1) मैरामं स्यथी बिल्टर्स (इडिया)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० जी० दोगी, कुमारी गया बी० जीशी श्रीर कुमारी इंदिरा बी० दोशी।

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वन के तिप् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति को कर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटा- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमे प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का, जो अक्त किथ∞ नियस की कथ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्य होगा, को उस अथ्याय में दिया गया हैं.ी.

## अनुसूची

फ्लेप्ट नं० 3, जो पुष्पित्र अधार्टमेप्ट, 147 मलावीया रोड, बिलेपार्ले, (पु०), बम्बई-57 में स्थित है।

अनुसूत्री जैरा कि त्रम मं० अई-1/37ईई/18215/ 84-85 और जो एक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणात राय मक्षम प्राधिकारी महायक अव्यक्तर आगुनत (निरीक्षण) अर्जन रेंक-2, बम्बई

दिनांक : 5-11-1985

मोहर :

प्रकप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

## नारत सरकार

## कार्याजय, तहायक भायकर जागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिमांक 5 नवम्बर 1985

मिर्देश सं० अई-2/37ईई/18213/84-85--अत: मुझे, प्रणांस राय,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-स. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेष्ट नं० 2, जो पुष्पक अनार्टमेंट, विले पार्ले (पु०), बम्बई-57 में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिए का करारमामा आगकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 12-3-1985

की पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान शित्रफल के लिए अन्तरित की गई है जीर मूक गह विश्वास अरमें का कारण हैं कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार पून्ध, उसके एरयमान प्रतिफास से एसे एस्समान प्रतिफास का पन्नह प्रतिस्त से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और कन्त-रिती (अन्तरितिधों) के बीच एसे अन्तरण क लिए तय पाया पवा प्रतिफस, निम्निलिश्वत उच्च स्थ स उसक अन्तरण हिंगी यह में गास्त्रीविक रूप से क्षित नहीं किया गवा है है—

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की नावता, उक्षत शोधनियम के नृषीम कर दों के ब्रुत्वरण म वावस्य में कभी कर्म्स मा उहास अन्य में पृष्णका के लिए; और/या
- (था) एको किसी बाब या किसी अन या अन्य आस्त्रकां, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 19:22 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या अनकार निधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनाथ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया वाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

बतः वब, उन्नत अभिभिष्यम की भारा 209-ग के अनुसरण में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1, के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 57---366 GI/85

(1) मेसमं जयश्री बिल्डसं (इंडिया) ।

(अन्तरक)

(2) श्री अनील सी० शाह, श्रीमती शीला सी० शाह, श्री सुनील सी० शाह ग्रौर सीमा ए० शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमा करता हुः।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपक में ५ जाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समास होती हो. से भीता व्यक्तियों में से किसी स्थासन द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति हमारा अपोहस्याहरों के पास लिक्ति में किए आ सकारों।

स्पष्टीकरण :--इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्ल अधिनियम, के अत्याय 20-क में परिभाषित ह्री, यहीं अश होका जो तस अताय माँ दिया। गया है।

#### अनुसूची

फ्लंट नं 2, जो पुष्पक अधाटमेंट, 147 मलाबीया रोड, बिले पार्ले (पु०), बम्बई-57 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि ऋम सं० अर्ड-2/37ईई/18213/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 12-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशान गाय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुंक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-2, बम्बई

दिमांक : 5-11-1995

मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूच्या

#### भाइत् ब्रुक्त

## कार्यासम, सहायक बायकर बाबुक्त (निरक्षिण)

अजन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/18016/85-85---अतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्णात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० नी:-11, सुख दायन मोमायटी श्रंधेरी (पु०), बम्बई-59 में स्थित है (श्रींग इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणत है) श्रीर जिसका करारभामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 6-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के हिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नियांचा, निक्नियांचा स्थापक है बास्तिक कम्तरण सिवियां वे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (%) बन्तर्भ भे हुई किसी आय की बास्त , उल्ला शिक् नियम के अभीन कर देने के बन्तरक भे दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बार/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बया या वा किया जाना जाहिए था, जिन्मा स्विधा के निए;

बतः, बवं, उक्त विभिनियमं की धारा 269-भ के अनुसाल कों, बीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भ की उपधारा (1) को सभीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, सर्थात् :--- (1) श्री संपूरनसिंह एम० बल्ला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शांनो देवी जी० अग्रवाल ग्रौर श्री गोरी शंकर जी० अग्रवाल ।

(भ्रन्तरिती)

का बहु सूचना जारी कारके पृशोकत संपत्ति के अर्थन के सिध् कार्यमहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाबन की तारीच के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी ज्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षा वृक्षा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होग्य को उस अध्याय में दिया ववा है।

#### अन्सूची

फ्लेट नं० डी-11, जो सुखदायः को० श्रोप० हाउसिंग सोसायटी, जे० बी० नगर, श्रंधेरी (पु०), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/18016/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अभ्बई द्वारा दिनांक 6-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांतरायकः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बर्ष

दिनोंक : 5-11-1985

भोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अध्यक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत संदुकार

## कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, ६मा: 4 नवम्बर, 1985

निदेश मं० ग्रर्ड 2/37र्रिड/18259/84-85 - ग्रह मझे प्रशांत राय

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इश्रक्ते परुवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को ारीन मन्त्रम गिशकारों या यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से गांधक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लेट न० 12, इमारस न० 1, भवानी नगर, ग्रंधेरी (पू०), बम्बई--58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुभूची मे और पूर्ण बार से र्यायत है) और जिसास करारनामः मायकर प्रशिनियम 1061 की धारा 269र, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 14--3-19**8**5

को पूर्वे क्ति सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार म्स्य, ससके व्ययमान प्रसिक्त म, एम क्यमान प्रसिक्त का पन्द्रह प्रोत्तकत् स अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) आर अतिरिक्त (अन्तरितियाँ) के बीच धीसे अतरण के बिए सब नाया भया प्राप्तफल, निम्नलिसित उद्यापय से सकत बंतरन निवित में **भा**म्सियित रूप में केथित नहीं किया गया कैं---

- (क, बोलपक के हुए किसी काम की बामक, उत्रक का भिनिधम के बधीन कर दने के अन्तरक के दायि व क्षा करने पा लगसे बचने मा भीतान से जिला क्षरि' अप
- (च) एोसी किसी बाय था किसी धन या अन्य आस्तियों arPhi्रिक्arphi भारतीय अगणकर अधिनियस $_{*}$   $_{1922}$ (1922 कः 11) या उक्त अधिनियम या धनकार को भीनयम 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ वर्तारती द्धारा प्रकट नहीं किया मशा भाषा किया जिला चाहिए था कियाने में भ्रावधाको लिए,

मत: भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के लन्सरण को. मी, एका अधिनियम की धारा 269-**व की** उएधारा (1) कं अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अयोत 🚁 🔎

- (1) दीर विल्डमं प्राइवेट लिमिटेड ।
- (भ्रन्तरक)
- (2) झी कें शीर स्वासी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाम्हिया करता हुः।

जन्म सम्परित के वर्षम के सम्बन्ध में कोई भी भाषांप हु-

- (क) इस सुच्चना के राज्यपत्र में प्रकाशन की **टारीच सं** 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त आनिनया मा मा किसी व्यक्ति **दवारा**;
- (च) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीच ह 15 कि के शिवर उज्य स्थावर सम्पत्ति में **हित-**बद्दभ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, मधोहस्ताक्षरी 📽 शास सिवित में किए या बकेंचे ।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पद्धों का, को उक्त कवि-निवम के मध्याय 20-क में परिभाषित 🗗 है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### ग्रनमुची

फ्लेट न० 12, जो तीपरी म जिल, इमारत न० 1, प्लाट न० ५ सवानी नगर, मरोल मनेणी रोड , ग्रधेरी (पु०), बम्बई-59 में 1745 है।

ग्रनु**भूची नै**त रि कम स० ग्रई−2/37ईई/18259/ 84-85 और को अक्षम पाधिकारी, बस्वई द्वारा हिनाव 14-3-1985 वो रिजस्टर्ड दिया गया है।

> प्रशास राय सक्षम प्राधिकारी महायण प्रायणर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

दिनार 4-11-1985

मोनुर 🖫

प्ररूप बाईं. टी. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आब 269-व (1) के अपीन स्वना

#### भारत सरकार

'क्षामां लग , सहायक बागकर अ.यू.बर ीनरीक्षण) ग्राजित रेज-2, वस्वई वस्वई, दिना व 4 नवस्वर 1985

निदेश स० ग्र $5 \cdot 2/375 \hat{J}/18667/34 \cdot 85$ --श्रत मुझे प्रशात राय

काक प्रश्नात अधिनियम. 1961 1:061 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विव्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उत्तित बालार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रौर जिल्की सर फलेट नर 1, इमान्य नर 1, शवानी न्यार ग्रिशोरी (पुर) बापरी एक में स्थित है (ग्रौर डसमें उपलब्ध ग्राम्सी में ग्रौर एणे करों जिल्का है) ग्रौर जिल्का रा नामा ग्राम्स प्रधिनियस 1961 की भार 269क, या के अभीन बम्बई स्थित राजम प्राधि परी के पालर में जिस्ही है। रिख 28-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के चित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को गर्वे रश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तिस्तियों) के बीच ए से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- क्षि) अस्तर स स हुई किया प्राप्त की बावन उक्त अधिनियम के अधीन । उन के अन्तरक का विकास म कपी करने । असे स स्विधा

मत अब, उक्त अधिनियम की धारा कि न व अनसरण में, मैं अकत अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) दीर बिल्डमं प्रा० लि०।

(म्रन्तरक)

(2) श्री मर्कोसी निक्रो।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सुखना जारों करक वृद्यों कर सम्मास्ति के कर्णन के निव्द कार्यवाहियां करता हुं।

तकत सम्बद्धि के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीय:--

- (क) इस मुखना के राज्यन में प्रकासन की तार्टी हैं बैं 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ुखना की तामील से 30 दिन की संबंधि, को भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वी कर व्यक्तियों में माकिसी क्यक्ति हुए हा
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाक जिल्ला मों किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाष्टि हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया

## ग्रनस्ची

फ्लेट न० 8, जो दूरि । पित्रल, त्मारत न० 1, प्लाट नं० 9, भव नी नगर, मरोल मरीशी रोड, ग्रबैरी (पु०), बम्बई 400059 में िथत है ।

स्रत्युची और किस रा० स्रई 2/37ईई/18667/ 81-85 स्रोताती अस प्राधितारी, बस्बई हारा दिनाट 28-3-1985 को रहिस्टर्ड रिया गया है।

> प्रशात राय पक्षम प्रावि ।री पहाय १ ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

हिना - 4 1 1985 मोहर - प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारः सरकार

कार्गालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्-2, बज्बई

बम्बई, दिनां : 4 न मर, 1985

निदेश सं० ग्रह-2/37ईई/18624/84-85--ग्रतः मुझे

प्रशांत राय

अायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके प्रकात 'एयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,90,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिएकी नं पलंड नं 16, भनानी नगर, ग्रंधेरी (पुर्), बम्बई—59 में रियत है (ग्रीन उपसे उपावस ग्रन्सूची में ग्रोर पूर्ण रूप से तर्जित है) ग्रीन विश्वता ज्यानमा ग्रंथ र ग्रीन नियम 1961 की धारा 269 ते, या ये अधीन वश्वी रियम सक्षम प्राधिवारी के त्यांत्रय में विष्कृत है तरील 27-3-1985

वो पूर्विक्य संम्पात्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल का लए अतिरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिन में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधीनयम के अधीन कर दोने के अंतरक क दायित्व में कभी करन का उससे बचने भें सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अत कर, उनत आर्थीनयम की धारा 269-ग के अन्याण में, में, उनत परिधानियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलियित व्यक्तियों, अर्थीत् :--

(1) मेप्पर्वदी: ेल्ड-प्र० नि०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती इनद र . ए '

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तार्माल के 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में स्माप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रप्ष्टिकरण. — इसमे प्रयुक्त कब्दा और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस प्रशाय मे दिया गया है।

#### अन्सूची

फ्लेट नं० 16,यजो बौनी संिल, इमारन नं० 1, प्लाट, नं० 6, भवानी नगर, मरोल मरोशी टोड, अंधेरी (पु०) बम्बई 59 में स्थित है।

श्रान्सुकी जे सम एक श्राप्त -2/37ईई/18624 84-85 श्रीर जो अम एकि री, उपनई दुरा दिना क 27-3-1985 को किस्टिई करा है।

> प्राप्ततः राय सलम प्राधिकारी रहा है, ग्राप्य स्त्र युक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाः : 4-- 1-1985 मोद्र : प्रकृष बाह्य हो. एन. एत :-----

भायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सुचना

#### भारत प्रत्मार

## कार्यासय, सहायक जायसर जावुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वस्बई

बम्बई, दिनां त 4 नवम्बर, 1985

निदेण सं० मर्र-2/37ईई/18624/81-85---मतः मूझे प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरिता, जिसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिनकी सं० फ्लेट नं० 11, भवानी नगर, श्रंधेरी (पु०), बस्बई--59 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबस प्रनृष्ट्ची में ग्रांर पूण रूप में वर्णित हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रांधनियम 1961 की धारा 2697, ख के श्रधीन यम्बई स्थित सक्षम प्राधि रो के कार्यालय में रिजम्द्री हैं, तारीज 27-3-1985

को पूर्वोंकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारत्र है कि समापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकार) और धन्त रहा (जन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाथा भया प्रतिफल, विश्वामिणित उद्देश्य से उनत जन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- १का मन्तरण से हुई फिली बाब की बाबत उक्त विभिन्निय के वधीन कर दोने के बलारक की दानित्य में कभी करने वा उबते वचने में सुविधा के लिए; बौर/वा
- 'छ। एसी किसी आय या किसी धन या करेंग कास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्वतः अधा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) दीप रु बिल्डम प्रा० लि०।

(भन्तरकः)

(2) मीरील मेनेजीस श्रौर जुलीयान। मेनेजीस । (ग्रन्सिंग्ती)

कां यह स्थना आरी करके पूर्वोक्त संगत्ति के अर्थन के लिए आर्यमाहियां करता क्ष्या ।

### उन्त संपत्ति को बर्चन को संबंध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर- सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविकास खिकतायों में से किसी व्यक्ति दक्षारः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण:----इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त कायकर विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

#### अनुसूची

फ्लेंट नं० 11, जो तीयरी मंजिल, इसारत नं० 3, प्लाट नं० 9. भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, श्रंधेरी (पु०), बम्बई-59 में स्थित है।

श्रानृष्युची जैंगा ि कम सं० श्रई-2/37ईई/18625/84--85 श्रौंग जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27--3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रमांत राय गक्षम प्राधिवारी सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज~2, बम्बई

दिनां कः 4-11-1985

मोहर:

प्ररूप वादा . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/18666/84-85—-श्रतः मूझे प्रशांत राय

आयकर अधिनिवम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लंट नं० 7, भवानी नगर, अधेरी (पुर), सम्बर्ध-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आर क मधिनियम 1961 की धारा 269%, ख के अधीन बम्बर्ध स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 28-3-1985

का पृथिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करन का थगरण है कि यथा पृवोक्त संपत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल म, एस दृश्यमान प्रतिफल म, एस दृश्यमान प्रतिफल के पन्तृष्ट् प्रतिसत्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नृलिखित उद्विदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दीयित्य में कमी करने या उससे बचने मा नृष्टिशा के लिए: और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में शुविधा के सिए;

कतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :--- (1) दीपक बिल्डर्स प्रा०लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) चार्ल्स बी० बेनीस ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोंक्स सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियाँ में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख ले 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिवबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहरताक्षरी के पान 'लिकिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त भव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लेट नं० 7, जो दूतरी मंजिल, इमारत नं० 9, भवानी नगर, मरोल मरोशी रो , ग्रंधेरी (पु०), बम्बर्ड-59 में स्थित है।

ग्रनसूची जैसा कि क्रम सं० ग्राई-2/37ईई/18666/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकाी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधि गरी स**हायक भा**यकर **भायुक्त** (निरीक्षण **म**र्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 4-11-1985

₩ोहर :

अक्ष आक्षे. ठो . एन . एक . -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

## कार्यांनय. सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षक) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिना ( 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रई--2/37ईडे/18210/84--85 -- ग्रतः मूझे प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात 'उन्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 2, बाम पूरीः रो , अधेरी (पु०), बम्बई-59 में स्थितं है (ग्रोर इससे उपावह ग्रन् भूची में ग्रौर ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिस्ता प्रारमामा ग्रायवर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 ., ख के ग्राधीन बम्बई स्थितं सक्षम प्राधि परी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 12-3-1985

को पूर्वे विश्व निर्मित । जिल्ल जाजार भूल्य से कम के दृश्यमान मिलक को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि इश्यमुन कर सम्पत्ति का टीवल बाजार मृन्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के भन्द्रह प्रतिशत से अधिक ह और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित रिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मिमा प्रतिकत निम्निविचित उद्देष्य से उन्त अंतरण निमित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीविश्वभ के बेभान कर देने के अन्तरक को बाबित्य में ककी करने या इससे वचन या मिविधा की एन्स्, गों ब
- (ख) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिकां को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क्ट् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे अयोजनार्थ अन्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया या शा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा / ं के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—— (1) मेसर्स पारीख वाज बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री लीयो पीटर ग्रौर श्रीमती ग्रंजलीन, लीयी पीटर ।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरह ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्राधिभोग में सम्पति है)।

को नह तृष्यना यारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिष्

उपल सम्पर्शि हं अर्थन के मञ्जन्थ में कांग्रे भी आश्रोष ---

- ्कः कि राच्या के राज्यक स प्रकाशन की तारोच स 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जब्धि, जो औ प्रविध बाद से समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों से किसी व्यक्ति हवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन दा भीतर एउन स्थावर सम्मत्ति में हितबहुध किसी बन्य व्यक्तित द्वार ग्राधोत्स्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए जा सकेंग ।

स्वाध्वतिकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, को उक्त बिधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया

## अनुसूची

फ्लेट नं० 2, जो तल मंजिल, एस० नं० 45/13, कोंजी वीटा ब मनपूरी रोड, ग्रंधेरी (पु०), बम्बई--59 में स्थित है।

ग्रनूसूची जैसा ि क्रम सं० ग्रई-2/37ईई/18210/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-3-1985 को रजिस्टर्ड िया गया है।

प्रशांत राय प्राधिकारी स्हायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनां ः 4-11-1985

मोहर :

प्रक्य बाह् टी. एन. एत . ----

बायकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की अधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2 बम्बई

बम्बई किएका ४ एक्टबर 1985

निर्देश स० ९४ ·2/37% ईई/18211/64-85---अतः मुझे अमार्ति याय

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

और िशकी संव पर्नट नंव 1 एमव नंव 45 अंधेरी (पुव) बन्दर्भ 50 है तथा को बन्दर्भ 50 में स्थित है (और इपने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और विष्णा एपारतामा आयार प्रधितियम 1961 को धारा 269 व व अधीन बन्दर्भ विषत सक्षम प्राधिकारी के शर्याका में रिकस्ट्री है तारीख 12-3-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्ये से कम के स्वयमान प्रतिकल को लिए अंतरित की गई है और मूजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्ये , उपके रहयमान प्रतिकल से, ऐसे स्वयमान प्रतिकल का पन्द्रह भिक्का में यधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिसित उद्देशम में उक्त अन्तरण सिवित व वासर वासरित का स्वास कर स्वर्थ में किया निम्नलिसत उद्देशम में उक्त अन्तरण सिवित व वासर वासरित का प्रतिकल हो सिवा वस है :---

- (क) जनराम से हाई किसी बाय की बाबत, सबस बिधिनयम के बधीन कर दोने के बन्तरदा खें दायिक में कमी करने वा उससे बुचने में सुनिया के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय का फिक्की धव का दान्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनक अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जान्य जान्य जान्य आहिए था, जिन्नाने में खुविधा के किए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण जे, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीतः निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1 भे उर्व पारीख बाग बिल्डर्न।

(भ्रत्सरक)

7 भी रनेग गनपत बेशाल

(भन्उरिती)

धरतरक

(बह व्यक्ति जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह मूचना जारी करके पूर्वनित सम्पत्ति के बर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों वर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकीं।

स्पद्धोक्षरण :—इसमें प्रयूक्त शब्दों और गर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याव में दिया गया है।

#### चप्स्या

पलैट नं 1 तल मंजिल को एस० मं 45 एक० नं 13 कोंडीबीटा चिलेर बामापुरी रोड़ अंधेरी (पु॰); बम्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जीमा कि ऋ० सं० घरि-2,37 घरि। 18211/ 84-85 और जो सक्षम प्राधितारी बग्बई द्वारा दिनोक [12-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रणात राग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेंन रेंज-2 बस्स्क

तारीख: 4-11-1985

मोहर

58-366 GI/85

## प्रकृप ब्राह् ,दी ,प्रव ,प्रच , =======

नायकाषु निपित्तम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) ने नपीन क्वान

#### बारत बरकार

## साराधान, शहान्क वायकर नाम्क (निर्ध्याम)

द्यर्जन रज-2 बम्ब**र्ड** 

बम्बई दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० शई-2/37शईई/16262/84~85—-श्रत सुसे प्रशांत राय

कायकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृज्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12 इमारत नं० 2 भवानी नगर अंधेरी (पु०) बम्बई--59 है तथा जो बम्बई--59 में स्थित है (आर इन्ने ट्याबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप में विणत है) और जिसरा बरारतामा आयजर अधि-नियम 1961 की बारा 2690 ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि। री के बार्यात्म में रिजस्ट्री है तारीख 14-3-1985

को पूर्वेक्त संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के कावजाव प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुम्में वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाबार मृश्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे कावमान प्रतिफल का पंच्य प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तिहती (जन्तरितिकों) के बीच एसे जन्तरण के लिए सब पामा जना प्रति-च्या किकाशिकत उद्वेदन से उक्त जन्तरण हैंबिया में वास्त्विक रूप से किथन नहीं किया नवा है है—

- (क्क) जन्तरण तं सूद्रं किलीं साथ की बावतः, अवद अधिनियंत्र के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने वा प्रस्ते सचने में सुध्यिथा के किए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी नाव या किसी भन या बन्न वास्तियां को, चिन्हों भारतीय नामकर नीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त नीभीनवम, या भन-कर नीभीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ जन्तरिती व्याप प्रकट नहीं किया मुझा मा वा किया जाना चाहिए चा, कियाने वी सहिया के किए;

अंतर कथ उक्त कथिनियम की भारा 269-स औं अनुसरभ औ, भे, भक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (१) के अभीन, निम्निटिनिक संकित्यों, अभीत :---- 1 बीपनः बिस्डर्स प्रायनेट लिमिटेस।

(भन्तरक)

2 र्था, शंकर र्व.० पुजार,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिये कार्यवाहियां करता हूं।

## बन्त सन्पत्ति के नर्धन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध सिचित्त में किए वा सकीगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिसा क्या है।

#### annah.

फ्लैट नं० 12 जो तीमरी मंजिल इमारत नं० 2 व्लाट नं० 9 भवानी नगर मरोल मरोग. रोड़ अंधेर. (पु०) बम्बई-400059 में रियत है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधि∵ारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रजैन रेंजे - 2 वस्बई

तारींख: 4-11-1985 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.---- -

आप्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### शाहत वहका

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 नवम्बर 1985

ू निवेश सं० मई-2/37-ईई/17834/84-85--श्रत मुझे, [भाषांत राय

कामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमीं इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के जभीन सक्ता प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिल्ली सं० फ्लैट नं० 7 इमारत नं० 2 भवानी बिनगर अंग्रेर (प्र०), बम्बई-59 है तथा जो बम्बई-59 में स्थित है (अंग्र इस्त उलाबढ़ अनुसूच में और पूर्ण रूप से बणित है) ऑग्र विकास विवास आयन्त्र श्रवितियम 1961 की धारा 269 विकास के अंग्रीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख़ 1~3−1985

की प्रोंक्त रम्पति के उभित बाबार बृस्य से कम के समझान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि मणाप्योंक्त सम्पत्ति का उभित बाजार बृत्य, उसके क्यमान प्रतिकल से एसे स्थ्यमान प्रतिकल का बन्द्य प्रतिकत से अभिक है और संसद्धक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्तरितियों) के भीष एसे बन्तरण के विश् त्य पाना व्या इतिकस्ता विस्तिविद्य उद्वयेष्ट से उनद अस्तरण जिल्ला के बास्तविष्ट कम से क्षित वही किया वदा है कम्

- (क) अंतरण से हुई किसी बाब की बाबता, उचत अधि-निवम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की जिए? बॉर/4।
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसित्यों को चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया खाना खाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए।

वत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वों, मीं, सक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) है अधीन, निम्नसिवित स्वितियों। सर्वात ६1 मैं॰ दीपक बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती झरीना बुद्यीन।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ष सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पित्त के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राज्यक में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर् स्वा की तामील से 30 दिन की नविभ, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा
- (क) इस स्थान के राजपण में अकासन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निहित्त में किए जा सके के 18

त्मध्यकिष्य - इसमें प्रयुक्त सध्यों जीए पदों का, जी उपत वर्षिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा पता हैं।

#### अनुसुची

फ्लैट नं० 7 जो दूमरी मंजिल इमारत नं० 2 प्लाट नं० भवानी नगर मरोत मरोशी रोड़ अंधेरी (पु०) बम्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई,17834/ 84~85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिलांक 1~3~1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज⊶2 वस्बई

सारीख • 9-11-1985 मोहर • प्ररूप आईं. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2 अम्बर्ध

बम्बर्ध, दिनाँ । जनन्बर 1985

िदेश सं० भई-2,37ईई,18626,84-85---मतः मुसे,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269-स के सधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ब्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० ६ भवानी नगर अंधेरों (गु०) बम्बई--59 है तया जो बन्बई -59 में न्थिन है (और इसके उगाबड़ अनुनूची में और पूर्ण क्य से धणित है) और जित्रमा नगरनामा आयान अधिन्यम 1961 की धसुरा 2690 ख के अधीन बम्बई स्नित सक्षम प्राधिनारीं के बार्यान्य में रस्टिड़ी है तारीख 27--3-1985

को प्रशिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह असिकास साधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दादित्य में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (व) देशी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

वत: कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नविश्वित ध्यक्तियों, वर्धात् ह---- 1 मैं० दिप ल बिरुष्टर्स प्राधवेद लिमिटेड ।

(भ्रन्तरः)

2 श्री प्र⊲ाश चन्द्र बाजपाय ।

(भ्रन्डरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वीक्त क्यांबर यो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनुषुची

फ्तैट मं० 6 जो पहली मंतिल इमारत मं० 6 प्लाट मं० 8 भवानी नगर मरोत मरोगी रोड़ झंधेरी (पु०), बम्बर्ध-400059 में स्थित है।

धनुसूची जैसा ि क० में० धई 2/37-ईई/18026/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिनारी बग्बई द्वारा दिनांक 27-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय नक्षम प्रश्नि र री सहायक श्राय हर प्रायुक्त (निरीक्षण) पर्जन रेंज-2 सम्बर्फ

वारीख: 9--11--1935 मोहर: प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## मै० दिन: बिरष्ठते प्रायदेष्ट निमिटेष्ठ।

(भग्तरः)

 डा० तानीर म्रज्दुन रहमान सीर नतरीन मंड्दुन रहमान।

(मन्द्ररिवी)

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज--2 बल्बधे बल्बधे, दितंत ४ तमञ्जर 1935

िदेश सं० अ**६** ·2/37-६दी 18260/84-85---- प्रतः म**से,** प्रकृति भाष,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

अंदि दिक्ती सं० परीप्र तं० 102 शपानी त्या:, अरुप्दै 50 है तथा जी बरुप्दे 50 में िता है (और इत्त उपाबद्ध अनुसूबी में और पूर्ण कर में प्रतित है), अंदि विकास सराजामा आयकर कविकास 1961 की धारा 269 क के अवीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 4-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेय से उक्त अंतरण लिखित में बास्किक कप से कथित नहीं किया गया है द्र

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिक नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा चे लिए।

बतः बदः, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग कौ अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, स्थात ६—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

कम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अगीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) त्र पूबरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कायकर क्षीं जिसम के अध्यास 20-क में परिभाषित हुँ, बही कर्ष होगा जा उस अध्यास में दिसा गया है।

#### वनुसूची

पत्रैट नं∘ 103 जो पहली मंजिल इमारत नं० बी प्ताट नं॰ 18 भवानी नगर मरोत मरोगी रोड़ अंबेरी (पु॰), बम्बई-400059 में स्थित ।

भातुसूनी जैता कि कि सं क भाई - 2/3 हैं शि 18260/ 84-85 और जो समम प्राजितारी बल्पई द्वारा दिलांक 14-3-1985 को रिजल्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधि ारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) सजैन रेंज-2 सम्बद्ध

सारीख: 4-11-1985

मोहर :

प्ररूप वार्धं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रॅंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवन्बर 1985

निदेश सं० मई -2,37-ईई,17833,84-85--मनः मुझे,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधिन अधिन का निर्माण कार्य है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- ए. से अधिक हैं
भीर जिन्हों संव पनैट नंव 3 जो भन्नानी नगर अंधेरी
(पुर्व) बस्बई 59 हैं तथा जो बन्बई 59 में स्थित हैं.
(और इनसे उपाबद्ध अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से धणित
है), और जिन्हा परिस्तामा आय र प्रविनियम, 1961
को धारा 269 हैं, ख के अहीन, बन्बई स्थित क्क्षम प्राधिन

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई आर मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है ह

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के सभीन, निम्निसिधित व्यक्तियों, सर्थात्:—

- 1. मेसर्स दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड। (ग्रन्तरह)
- 2. श्रीनी कोडेलिया एम० डिसोजा।

(भन्तरिती)

**3. मन्तर**क

(शह व्यक्ति, जिसके स्रक्षिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मक्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हुँ, यहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया यस है।

#### मन्सूची

पलैट नं० 3, जो पहलीं मंजिल, इमारत नं० 3, प्लाट नं० 9 भवानी नगर, मरोत मरोशी रोड़, अंधेरी (पु०), अन्दर्ध-400059 में स्थित है।

भ्रतुसूबी जैसा कि कि सं भ्रष्ट्-2-37-प्रेंहें, 17833, 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बभ्द्य हारा दिनांक 1-3-1985 को रिजस्ट के किया गया है।

प्रणीत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, वस्बद्ध

तारीखः 4--11--1985 मोहरः

## क्ष्म आह<u>ै.</u> की. एन. एक<sub>ा मार्टिंग</sub>

बरमकर विभिन्निम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-व (1) के मधीर सुमना

#### THE REAL PROPERTY.

## कार्यालयः, सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनां ह 4 नवम्बर 1985

निदेश सं॰ भ्र-2/37-ईई/18506/84-85---भ्रत: मुझी, प्रमात राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिमको सं० फ्लैट नं० 101, हवा प्रपार्टमेंट, बम्बई -93 है तथा जो बम्बई -93 में स्थित है (और इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्णे रूप से बॉणत है), और जिमश करारतामा प्रायकर स्थितियम, 1961 की घारा 269; ख के प्रशीत, बन्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है, तारीख 22-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के व्यवास प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देशय से उच्ते अन्तरण सिखित में सस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की बावत समस्य अभिनियन के अभीन कर दोने के जन्तरक से समित्व में कमी करने या उसने वचने में स्विधा के सिए; भीर/या}-
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन का अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय जायकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरियी ब्यारा प्रकट नहीं किया थवा था वा किया बाना चाहिए बा, क्रियान कें सुविधा औं किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को. माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सधीन, निस्तिविद्य स्थितवर्षों, त्रवृद्धि ां व्यास्तिवर्ष

1. मैं अहांगीर बिल्डसं।

(धन्तरकः)

7. श्री ६म।सीयानी फर्नान्डीस

(मन्तरि र्सः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वन्य बन्दित् से वर्षन से सम्बन्ध में स्रोद्दें भी बालेंच :---

- (क) इस भूषना के राजपण को प्रकारण की तारीं से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्ची

पलैंट मं॰ 101, जो पहली मंजिल, हवा प्रपार्टभेंट, सीं॰ विंग, महाकाली केटज रोड़, बम्बई--400093 में रियत है।

भनुसूची जैसा निः क० सं० मई--2/37-ईई/18506/ 84--85 और जो सक्षम प्राधिवारी, भग्नई द्वारा दिनांवः 22--3--1985 को रजिस्टर्ड किया गया ।

> प्रशांत राम सक्षम प्राधिन १९११ सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज--2, बम्बई

तारीख : 4-11-1985

मोहर '

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

एस. ----- 1. श्रीमती शास्या एच० कोटीया।

(प्रस्वरक)

2. श्री पींटर हीसोजा।

(म्रग्विसी)

4. भन्तरः

षह व्यक्ति, जिल्लो प्रविभीग में सम्यक्तिहै)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंजें - २, बन्दाई

बाबई, दिनां ह अन्यात्र 1985

िदेश सं० ऋ६ै ·2/37-६६ी 18031/84 ·85----मतः मुझे, प्रकृति रास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

श्री: ितका सं० पनीय नं० 300 न्, ित्ता पार्क, बम्बई-93 है तथा जो बमोई-90 में ियत है (आर इति उपाबद्ध अनुभी में और पूर्ण का में बिता है), जोर जिता वर्षायतमा आयाप प्रतिक्षिम, 1001 का धारा 2007, खाने आरंत, बावर्ष थिया नक्षत प्रतिक्षित प्रतिक्षित में प्रतिक्ष है, लारीब 6-3-1905

को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्त्रह प्रतिश्वत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (॥) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनतयों, अर्थात् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां शुरू करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की ताराल से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर मम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**म** नुसूची

पतैष्ट नं॰ 403 ए, निर्मे । पार्क, पंप इंडिस, , अंधेरी (पु॰), बस्बई 400 093 में स्थित है।

प्रमुद्धवो जैना ि क⇒ सं० प्रकी-2/37 ईई/18031/ 81 85 ओर जो नजम प्राधितारी, बल्ब द्वारा दिनांक G-3-1985 को प्रस्टिंग गया है।

> प्रशांत राष्ट्र/रा सक्षम प्राधिकारी -सहासक प्रासक्त श्रायुक्त (िरीक्षण) प्रजैन रोज- 2, वन्य**र्थ**

तारीख: 6-11-1985 मोहर: प्ररूप आहरे. टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कायलिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं ० ग्रई-2/37ग्रईई/18018/84-85--ग्रतः मुझे प्रशांत राय.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की, यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० पर्नेट नं० 202, निर्पत विहार, योरी (पु०), बम्बई-93 है तथा जो लम्बई-93 में स्थिन है, (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पुर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजम्ड्री है, नारीख 6-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्लय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिहा की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हुए से किथा गया है :--

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. में भर्स निर्मन कन्स्ट्रक्शन्म

(मन्तरक)

2 कुमारी ब्रिगेट डायम

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तप्रशिख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में तिया गया है।

#### श्रन्युची

फ्लैट नं० 202, जो, दूसरी मजिल, निर्मन विहार, बीठ विम, पप हाउस, श्रंधेरी (पू०), बम्बई-400093 में स्थित है।

प्रानुसूत्रो जैंसा कि कि कि प्राई-2/37ईई/18018/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 6-3-1985 को रिजस्टडं किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख. 4-11-1985 मोहर:

## त्रक्ष भारते, श्री. पुरु, प्रस्तु ----

नायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-च (1) के अथीन सुचना

#### भारत तरकार

#### कार्यातम, सङ्ख्याक बावकर बावकर (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्र**ई**-2/37**-**ईई/18257/84-85--श्रतः मुझे

प्रशाँत राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हसमें इसके क्सांत् 'उक्त अंधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं हि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजर मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

का प्वांक्त तम्यति के उचित बाबार मृत्य में कब के स्वभान प्रतिकास के निए वंतरित की नहां है बार मृत्र यह विक्यास करने का कारण है कि स्थापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक क्यमान प्रतिकास से, एस क्यमान प्रतिकास का पत्यह प्रतिकात से स्थिक है सीर अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तर्य के सिए तम पास स्वा बतिकात, निम्निविक्त उक्षेष्यों से उच्च अन्तरण विविक् मां वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरम संहूर किसी शाय को वासस, समय कभिष्यम की बधीन कर दोने के सज़रक की प्रतिदल में कभी करने वा उपमें अमने भी मृथिधा की ज़िए; नार का
- (ख) एभी किसी बाय या किसी धन या बन्स आहिन्द्रशें की, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना था, कियाने में सुनिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को, अनसरण गै, मै. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की स्थीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 1. गायका कुल्मा

(श्रन्तरक)

2 श्री नाबू जेकोब

(श्रन्तिरतो)

3. मैं० दिवक बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड । (वह व्यक्ति, जित्तके प्रक्षिमांग में सम्गत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू केरता हुं।

उनता संपत्ति को कर्जन को संबंध में काहि भी शाक्षेप :---

- (ह) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की शारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए का सकींचे।

स्थानिकरणः -- इसमें प्रयुक्त स्था और पदा का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विका दवा हाँ औ

## **अन्**स्वी

फ्लैंट नं० 10, जो, दूसरी मंजिल, इमारत नं० 1, फ्लाट नं० 7, भवानी नगर. मरोल मरोशी रोड़, फ्रांशेरी  $(9\circ)$ , बम्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुस्वी जैना कि क० सं० श्रई-2/37–ईई/18257/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्प्रई द्वारा दिनाँक 14–3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4--11-1985

मीहर:

## **४क्प बाइ**ं, डो., एन., एस्.------

## बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भीड़ा 269-थ (1) के व्योग स्थान

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक अध्यकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्ब**ई** वम्बई, दिनाग 4 नवम्बर 1985 निर्डेश स० भ्रई-2/37-ईई/18013/84-85---श्रतः मुझे, प्रशास राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा मे अधिक है

श्रीर जिसकी स० यूनिट न० 133, श्रमा इडिस्ट्रियल इस्टेट, बस्बई—72 है नथा जो बस्बई—72 में स्थित है (श्रीर इस्ते उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप स बणित है), श्रीर जिनता करारनामा आयहर श्रिधिनयम, 1561 की धारा 2697, ख के श्रिधीन, बस्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी क जार्यालय में रिजर्ड़ी है, तारीख 8-3-85 की पूर्वीक्स सम्पित्त के उचित बाजार मून्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पित्त का उचित बाजार मून्य, उपने स्थमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्ध स्थ से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की आबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मो कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आध या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की, अनुसरण भै, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. में सर्व ग्रंसा बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स वी० श्राय० पी० अश को०

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

#### उक्त सम्बद्धि के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचन । को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कित् या सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्वों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह्रै, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

यूनिट नं० 133, जो पहली मंजिल, एफ० बिल्डिंग, श्रंसा इडस्ट्रियल इस्टेट, साकी नाका, अंधेरी (पु०), बम्बई-400072 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमा कि क० सं० ग्राई-2/37—ईई/18013/84-85 ग्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 5-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राक्षिकारी सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्प्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4~11-1985

मोहर:

प्ररूप आईं. दी. एन ृ एस \_-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनॉफ 4 नवम्बर 1985 निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/18277/84-85--श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० यूनिट नं० 225, जे० बिल्डिंग, श्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई-72 हैं तथा जो बम्बई-72 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रौर जिसका करारनामा प्रायक्तर श्रीधिनियम. 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 14-3-85

को पृणंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए से भास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- '(क) अन्तरणं से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/पा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अधीत :--

1 मैं । प्रंमा बिल्डर्म ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री किरन कुमार जे० धार श्रीर भारत जे० धार।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस मूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीक भें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो

#### अनुख्यी

यूनिट नं० 225, जो दूमरी मंजिल, जे० बिल्डिंग, श्रंसा इण्डस्ट्रियल इस्टट, माकी विहार रोड, श्रंधेरी (पु०), बम्बई-400072 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० श्रई-2/37-ईई/18277/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनॉक 14-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶2. वस्बई

तारीख: 4-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज-,2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांह 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० म्र $\xi-2/37$ -ई $\xi/18274/84$ -85—म्प्रतः मुमे प्रशांत राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवार 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्राँट निसकी मं० युनिट नं० 113, एफ० विल्डिंग, श्रंसा ग्रंडिस्ट्रियल एम्टेट, वम्बई-72 है तथा जो बम्बई-72 में स्थित हैं (श्राँग उससे उपावड़ अनुसूची में श्रांग पूर्ण रूप ने कियत हैं), ग्राँग जितान हरारनामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की श्रांग 265 तथा के अशीत, वम्बई रियत सक्षम प्राविकारी के कार्यालय में एकिस्ट्री हैं, तारीख 14-3-85 को पृथींक्स संपत्ति के उत्तित बाजार मृत्य सं कम के रूरमान श्रीतफत के लिए अंतरित की गृइ हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्योंक्स संपत्ति का उत्तित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह क्रितात से विधिक हैं और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रयाप्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित भें वास्तिवृक्त रूप से कियत नहीं किया गया है हि—

- (क्) धन्तरण से हुई किसी बाव की दानत, उक्छ शंघात्रयम के बचीन कर दोने के बन्तरक की दाजित्व में कभी करने मा सबसे वचने में स्विधा की लिए; बीट/बा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्मों के सुनिया की सिए;

शत: अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 मेसमें ग्रंमा विल्डर्स

(म्रन्तरक)

2 मैं० रपीड-एन सीस्टम्स हान्द्रील

(म्रन्तरिती)

की यह सूचना जारो करके वृत्रोंक्त सम्परित कें अंजन के लिख् कार्यवाहियों करता हुं.धे

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्त्वं अंधी क्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यूरिका में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के पित्र अन्य व्यक्ति द्वारं। अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए का सकों ने।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## **मन्**स्ची

युनिट नं 113, जो. पहली मंजिल, एफ़ बिल्डिंग, श्रंसा इंडेस्ट्रियल इस्टेट, स.की विहार रोड़, श्रंधेरी (पु०), बस्बई-400072 में स्थित है।

भ्रत्सुची जैसा कि क्र॰ सं॰ भ्रर्श-2/37-ईई/18274/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिक्तरी, वम्बई द्वारा दिनाक 14-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बस्बर्ध

तारीख: 4-11-1985

मोहरः

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

### धारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, वस्वई

बम्बई, दिना । 4 नवम्बर 1985 निर्देश मं० ग्रई-2/37 ईं/18699/81-85--ग्रत मुझे, प्रशांत राग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1.00.000/- रु. स अधिक हैं

ग्रार निक्की स० जुनिय त० ज/105. ग्रसा इडस्ट्रियल इस्टेट, बस्बई-72 है तथा जो बस्बई-72 में स्थित है (पो निक्का का प्रस्ति का प्रस्ति का प्रस्ति के विधित है), श्रार कि । जारानामा ग्राप्ति श्री के विधित विभाग विधान विभाग की भाग विभाग की का जानिय वस्बई में जिस्ही है तारीब 28 3-85

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और एमे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एोसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन भा अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत ब्यक्तियों, अर्थात् हु---

1 मेतर्स ग्रसा विल्डसं ।

(ग्रन्तरक)

2 श्री राजू हसो चूध।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उन्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह-

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वोगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## अनुसूची

युनिट नं ज/105, जो पहली मिजिल, ग्रंसा इं स्ट्रियल इस्टेट, साकी विहार रोड़, साकी नाहा, वम्बई -400072 में स्थित है।

सन्स्वी जैसा ि क० त० ऋई-2/37-ईई/18633/ 84-85 स्रार जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशात राय सक्षम प्राधि गरी सहाय र ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज-2, बम्बई

तारीख: 4-11-1985 मोहर: प्ररूप बाइं. टा. एन. एस.-----

# बायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के सभीर एकरा

### मारल सहस्तर

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिना : 4 नवस्मर 1985

निदेश सं० ग्रई ~2/37-ईई/18562/81-85-- अतः मुझे, ेप्रशांत' रायः

भागकर अपिने सम्म, 1961 (1961 का 43) (ियसे इससे इससे पहचान 'उक्त अधिनाम' कहा गा है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका अचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीम जिपकी संव मुनिट तंव 16, ग्रंथा वंडिंग्ट्रियल इस्टेट, वंडिंग्ट्रियल है तथा जो तम्बर्ध-72 में निथत है (श्रीप इसले 5 तथा जो तम्बर्ध-72 में निथत है (श्रीप इसले 5 तबाद अनुसूची में श्रीप पूर्ण का से वंडिंग्ट्रिय है), श्रीप जिसार एसएन, मां श्रीयत्तर श्रीप्रनियम, 1961 की धारा 2693, ल के श्रीत, यंडाई स्थित एक्षम प्राधित्तरी के कार्यालय में रिजर्म्ही है, तारीख 23-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मितिफल के लिए अंतरित की गई है और मभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मन्य मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और क्वन्तरिश्यों के बीच एसे बन्तर्य के निए तय पाया भवा प्रीतिफल, जिन्निनिस्त उद्योवय से अक्त अन्तरण निक्षित वास्त्रिक रूप में किया नहीं किया गया है ---

- (का) जन्तरण से हुई किसी बाय की भावत उक्त सिभ-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे युपने में स्विपा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य ६ स्तियों को, जिल्हें भारतीय जायतार अधिनियम, 1972 (1922 का 11) भा उन्ति करि नियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के द्विधा के लिए; और/या

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अन्सरण में मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के उीत, निम्हितिष्ठत व्यक्तियों, अर्थात् :---

। मर्ग क्रा ५ डा.

(प्रक्रंर्≎)

2 मेपर्स चय ग्रार्टस

(यना तं)

को यह मुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सम्बद्ध सम्पत्ति के अर्जन के संबध में केलां भी कार्शन '--

- ्(क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अभि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध जो भी अविध जो भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सुमान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी अन्य स्थावत विकास स्थाहन के गस शिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पारभाषित है, वहीं वर्ष होंगा को उस मध्याय में दिया वृद्या है।

## अनुसूची

युनिट न० 16, जो तल मंजिल, इमारत नं० इ, ग्रंपा इडोस्ट्रिया व्स्टेट, धानी न ... धानी विताप गोड. ग्रंथेरी (पु०), याग्रई--400072 में स्थित है।

श्रम्भुती जैला कि कर संर श्रई-2/37 है 18562/ 84-85 श्रीर जो सक्सम प्राधिकारी, वश्यर्थ है का दिना । 23-3-1985 की रजिस्टर्ड कि एका है।

प्रज्ञान सम्बद्धः स्थान प्राप्ति । स्थान प्राप्ति । सह्य क्ष्यायक्ष सह्य क्ष्यायक्ष (सिरीक्षण) स्थान रोज -2, बस्बई

सामील: त=11--1985

: T,7#

प्ररूप बाह् .टी. एत . एस .. ========

जावकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के किथीन सुचना

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रार्थन रेश-2, बम्बई बम्बई, दिनां ह 4 नवम्बर 1985 निदेश सं भ्रार्थ-2/37-ईई/18700/84-85--श्रतः मुझे, प्रणांन राय,

कायकर किंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

1,00,000/-तः. सं अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० युनिट न० 113, श्रंपा इंडस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई-72 है नथा जो बम्बई-72 में स्थित हैं
(और इसने उपाबद्ध प्रमुक्ती में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), श्रीर जिन्हा करारनामा श्रायार श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 ते, ख कं अबीत, बम्बई स्थित सक्षम श्रिधि-कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 28-3-1985 को पूर्वीक्त सम्पस्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्तर श्रीर कन्तरिक (अन्तरका) बार कन्तरित (अन्तरितमाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्मतिखित उद्यश्य से उक्त अन्तरण निम्मतिखत उद्यश्य से उक्त अन्तरण निम्मतिखत में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है-

- (क) अन्तरण वे हुं कि जी बाव की बावता, जनत विधिनियम के वधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा चे लिए।

अतः असः, उक्तः अधिनियम की भारा 269-घ के, अनुसरण के, के, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) अभिन्, निम्निल्खित व्यक्तियों, अभीत है— 1 मेमर्भ ग्रंमा बिल्डर्म

(श्रन्तर्गर्ध)

2 मे सर्ग मेटापेक

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाट तिस्ता में किए जा सकरो।

स्वकाकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मना हैं।

## बन्स्ची

युनिट नं० 113, जो पहली मंजिल, डी बिल्डिंग, ग्रंसा इडस्ट्रियल इस्टेट, साकी विहार रोड़, साकी नाका, ग्रंधेरी (प्०), बम्बर्ध -100072 में स्थिन है।

श्रनूसूची जैंन। ि करु संरु श्रई-2/37—ईई/18700/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिनारी, बग्बई द्वारा दिनारू 28--3--1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रयामि राय सक्षम प्राधिकारी महायक ऋष्युक्त (गिरीक्षण) ऋजंन रोजे 2, बम्बई

नारीख: 4--11-1985

महार 🖔

प्रस्प ु बाह्" ुटी , एन् , एस् , = = = = =

बायकर करिपनियम, 1961 (15 ु का 43) की भाडा 269-म (1) के मधीन स्मना

#### धारत सरकार

# कार्यासयः, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/10561/84-85--आः मुझे प्रशांत राय.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 169- व के अधीन सर्थम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिल्ला सं० यूनिट नं० 15, मीता इंडस्ट्रियन इस्टेट, बम्बई-72 है तथा जो बम्बई-72 में स्थित है (मीत इससे उपाबद अनुसुनी में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिस्ता सरारनामा आयत्स अधिनियम, 1961 का धारा 269क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधितारी के क्षणीतम में रजिस्दी है, ताराख 23-3-1985

को प्रेंक्ति सम्पत्ति के जिस्त याजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिकत का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिना) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फल, निम्ने किंखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिट में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरक से हुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) अन्तरक से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त की, जिन्हें भारतीय र धकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन के क्यांजन का जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधां के लिए;

जतः नयं, उक्त अधिनियमं की भार 269-यं के अनुचरणं में, मंं, उक्त शिधिनियमं की धारा 269-यं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 60—366GI/85

1. मे इसे मंदा बिल्डसं

(भ्रत्वरक)

2. मेसर्स जय घार्टत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर<sup>क</sup> पत संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त समात्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारी वे 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में भाष्त हांती हो, के भीतर पूर्वाकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के शीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरा के पास विस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तेत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा हो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

यूनिट नं० 15, जी तम मिनल, ह बिलिंडग, श्रेंशा इंडिएर्यन इस्टेट, साका विहार रोड़, साकी नामा, अंधेरी (पु०), बस्पई-400 072 में स्थित है। अनुसूची जैसा की क० स०अई-2/37-ईई 1861 81-85 और जी समम प्राधि रिं, बस्बई द्वारा दिनांक 23-3-1985 की रिनस्टर्ड निया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिशारी सह्यक् आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बम्बई

तारीख: 4-11-19**8**5

मीहर:

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुबना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्ब**ई** धम्बई, दिनां<sup>---</sup> 4 नवम्बर 1985 निदेण सं० फ्रई--2<sub>|</sub>37--ईई|18275|84--85----ग्रव: मुझे श्रांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त आंधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० गूनिट नं० डी-112, श्रंसा ईंडेस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई-72 है तथा जो बम्बई-72 में स्थित है (श्राँर इसा उपाबद अनुसूची में श्राँर पूणं रूप से विणित है), और जिसे प करारनामा श्रायकर शिवित्यम, 1961 की धारा 2697, ख के श्रधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के नार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 14-3-85 को पूर्वित्य सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझ यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकात सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल निम्मलिखित उद्देष्य से उन्नत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ फिली भाष की बाल्य, प्रक्ल अभिनियम के अधीन कार दोने के बाल्यक भी काषित्य में कभी कारने या उपसो गणने में सर्वत्रका ■ लिए;
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में स्थिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ वी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् —

1. मेसर्स श्रीका बिल्डर्स

(ग्रन्तरकः)

2. मेधर्स फ्लूइड व न्ट्रोल इंजीनियर्स

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति भौ अर्जन के लिए कार्यमाहिया करता हुं।

र कत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्थिकतमों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के पास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

भ्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शख्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यार 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धन्युची

यूनिट नं० डी-112, जो पहली मैजिल, ईराईडेस्ट्रियल इस्टेट, साकी विहार रीड, श्रंधेरी (पु०),बम्बई-400072 में स्थित है।

अनुसुधी जैसा ि ऋ० सं० ऋष्टी 2,37-ईई,182745] 84-85 और जो रक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधि गरी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रोज-2, बम्बई

तारीख: 4-11-1985

में/हर :

बरूप बार्ड. द., एत., एस., - - ---

ब्रह्मकर ब्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ब्रधीन सूचना

### भारत तरकाड

# कार्यासम, सहायक नायकर नायकत (निर्धालन)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां ः 4 नवम्बर 1985 निर्वेश सं० आई  $\cdot 2/37$ ईई/17895-/84--85--श्रत : मुंझे, प्रशांत राय,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विदेश करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित भाषार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

भौर जिसकी सं० यूनिट नं० 108, श्रंसा इंडल्डियल सम्बर्ध-72 है तथा जी बम्बर्ध-72 में स्थित है (आंर इसंत उपाबद अनुसुनी में श्रोर पूर्ण रूप ते विणित है), भौर जिस ते परारतामा आयहर अधिनियम, 1961 की सारा 2696, ख के श्रवीन, बम ई स्थित सक्षम प्राधिकारी के त्यांलय में रिनस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उजित बाजार मूस्य सं कम क स्वयमान ब्रांतफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उजित बाजार मूस्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) बार बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए स्व शया गया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्वरेष हे उक्त जन्तरक लिखित से नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे अधन में स्ट्रीविधा के लिए, वरि/या
- (क) एति किसी अाय या किसी भन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट गृही किया गया जा या किया जाना जाहिए जा, छिपाने में स्रिका खें तिए।

ज्ञातः अव, अवत जीवीनयम की भारा 269-म के वनुवर्य वी, मी, उक्त जीवीनयम की भारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मैं० श्रंसा बिल्डर्स

(भन्तरक)

2. मेसर्स फर्मवेर इंटरनेशनल प्रायवेट लिनिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति विवास.
- (क) इस स्भाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-मब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरां के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्थान्द्रोकरण :---अमें प्रमुक्त शब्दा और पदो का, जो उतर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नया है।

## पन्सूची

यूनिट र्नं० 108, जो पहली मंजिल, ६ बिल्डिंग, भंगा इंडिस्ट्रयल इस्टेट, साकी विहार, रोड्साकी नावा, अंधेरी (पु०), धम्बई 400072 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि कि सं० अई-2/37-ईई/17895/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-2. सम्बर्ध

सारीख: 4-11-1985

प्ररूप बाह<sup>र</sup>्टी<u>.</u> एत<u>.</u> एस<u>.</u>------

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-न (1) के स्थीन स्था

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) इन्जीन रेंड-2, बम्बई

सम्बर्ध, वितोतः 29 श्रक्त्वर 1985 निवेश सं० शर्ध-2/37-ईई/18537,84**~85⊸-श**तः, मुझे क्लोन राष्ट

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 249- क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वात करने अक करण है कि स्थावर संपत्ति, विश्वका अधित बाबार मूल्य 100,000/- रहा से अधिक ही

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 102, इमारत नं० 13; जोगेश्वरी (प०), बम्बई-58 है तथा तो बम्बई-58 मैं स्थित है (श्रीर इससे उपाबज अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ञत है), श्रीर जिसता कारानामा श्रीयार श्रीय-नियम, 1961 की धारा 269 है, ख के श्रवीत बम्बई सक्षम प्रावि तरी के कार्यात्य में राजस्दी है, तारीख 23-3-1985

को प्वांक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त समपत्ति का उचित बाजार बुक्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह बृतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (क्क्तिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्क्ष्म निम्निसिक उद्शंस्य से उसत अन्तरण विश्वक के बास्त्रिक्स रूप से स्थित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संधूर्य किसी आय की बाबत , उन्धः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को निष्; और/या
- (क) ध्रेसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, या धन-कर आधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया आ या किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविधा है जिल्हा

क्कः अब उन्त अधिनियम की शास-269-न के बनुत्रक कें कें , उपत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्रत व्यक्तियों, वर्धात्:— 1. श्री जियाउदीत बुखारी ।

(अस्तरः)

2. श्री मनसुर श्रष्टमद मोहिउद्दीत पटेल । (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

डक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विभ की वनीय या उत्तम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्थान की तानीस सं 30 दिन को अवधि, जो भी बनीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांचय व्यक्तियों में से किसी स्थानत ब्वारा;
- (व) इस स्वक्त के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय वं 45 विक के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्ष्री के पास निवित में किए जा बकोंगे।

स्वाधिकरणः -- इसमें प्रवृक्त बन्दों नीड पर्दों का, की ठक्क निधिनियम, में नध्याय 20-क में परिभावित हैं, नहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

## भनुसूची

पसैट मं० 102, जो पहली मंजिल, इमारत नं० 13 सर्वे नं० 41, श्रोशियरा विलेज, वहराम बाग के पीछे, सोनेश्यरी (प०), बम्बई--400 058 में स्थित है। श्रृतसूची जैता कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/18537/84-85 श्रीर जो स्थम प्राधिकारी, बन्बई द्वारा विनोन 23-1-1985 को रिजस्ट किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधितारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रॉज-2, वस्वह

तारीख: 29~10~19**8**5

प्ररूप बाइ". टी. एम. एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकाड

# कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंड-2, धम्बई

बमबद्दी, दिशांस 29 अन्तूबर 1985

मिर्देश सं० आई-2/37-ई ई/18254/84-85---यतः, 'मुझे, प्रशांत राय,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की बारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्यु 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिल्ली सं० पर्लंट नं० 102, इमारत नं० 17, जोगेंगवीर (५), बम्बई-58 है, तथा जो बम्बई में रियत है (ग्रीट इसते उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणि: है), ग्रीर जिल्ला करारतामा अवकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अशी समम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजित्टी है, हारीख 8 मार्च 1985

का प्वांवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांवत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-के न, निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त उन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) सन्तरण से हुई किसी साम की बावता, सकत जिभिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक स्त्रे दायित्व में कमी कर्ड़ने या उत्तरसे ब्यूने में सूबिभा के लिए; आर्ट्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था बा किया जाना आहिए था, कियाने में अनुन्धा की जिया।

शतः शव, सकत अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण भी, भी, उकत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीसिंखक स्पित्तवीं, संगीत छ-- 1. श्री जित्राष्ट्रीय बुखारी

(अन्तरक)

2. श्री मुहम्मद सलेह महमदअल्यास

(अन्सरिसी)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुन्।

खनत संपत्ति के वर्णन के संबंध के कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पट्ट सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पन्निक्षणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, यो उक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

## अनुसूची

पक्षेष्ट नं 102, जो पहली मंखिल, इमारत नं 17, सर्वे नं 41, फ्रोबियरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोनेश्वरी (प), बस्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम स० आई-2/37-ई ई/18154/ 84-85 घीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विशांक 8-3-85 की रजिल्ड्रई किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 29-10-1985

मोहर ।

**१क्य जार्र**् टॉंड एक्. **एक**. - स सनक

बायुक्ट वर्षिनियम, 1961 (1981 का 43) की भाग 269-म् (1) के यभीन स्वना

## धाउत ब्रकाड

कार्यालय, सहायक भागकर भागकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनो ह 29 ग्रन्त्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37 ईई/17968/84-85—मतः मुझे, प्रशांत राय,

अधिकर अधिनियम, 1967 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात 'उक्त अभिनयम' कहा गया हैं), का भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पर्भि, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

नीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 404 इमारत नं० 15, जोतेश्वरी (५), बम्बई-58 है, तया जो बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कि, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 5 मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एते क्ष्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त् अन्तरण मिन्बिक में बास्तविक कप से कथित नहीं किया नया है -

- (क) बन्तरण में हुई किसी बाय की वाबस, उबसे धीर्धानयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के जिल्ला में कमी करने या उससे वचने के हिन्दिश के सिए; बॉर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाध प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

नत नव उपत कि धिनियम की भारा 269-न के जन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के बधीन, निम्मिनियस स्वित्यों, वर्षात् क्ष्म

1. श्री जियाउद्दीन बुखारो

(अन्तरक)

2. श्री परवेज अखतार अब्दुल जब्बर

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रॉक्त सम्पृत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क), इस सुचना के राजपत्र में प्रकशन की तारीस के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दवारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्वाद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्सं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो बस कथ्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

पलैट नं० 44, जो चौथी मंजिल, इमारत नं०-15, सर्वे नं०-41, भोणियरा विलेज, श्रंधेरी (प) बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37-ईई/17968 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-5-3-85 को रिजस्टड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 अम्बर्ध

तारीख: 29-10-1985

मोहर 1

प्ररूप बाइ. टी. एन्. एस. ----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-व (1) के वधीन सूचना

#### भारत संस्थार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जंस रेज-2, बग्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्तूबर 1985

निर्दोग स० अई-2/37-ई ई/18672/84-85——यतः, मुझे, प्रशत्त राय,

षायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 504, इमारत नं० 20, जोगेश्री (पं०), बम्बई-58 है, स्था जो बम्बई-58 में व्यित है (शार इसते उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण हप से वर्णित है), शार जिसका करारतामा अववर अधितियम की धारा 209 व, खके अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 28-3-1985

को पद्मोंका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल को निर्ण जन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूक्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रहें किसास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) को बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिक्षण, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है दु——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधता, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्य में कमी करने या उससे बचने में द्यीवधा के बिए; बौर/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विभा के लिए;

जब, उक्त किंधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्निसिस स्वितियों ाचीतृ हु—र 1. श्री भीयाउद्धनि बुखारी

(भ्रन्तरक)

2. श्री अब्दुल हमीद महमद धीस

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशेंक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

ल्लाक्ष्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदों का. को उपक् जीशिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, बढ़ी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा यका है।

## धनुसुची

पर्लंध नं ० 504, जो पाचवीं मंजिल, इमारत नं ० 20, सबै नं ० 41, भोगिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जेलेस्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० व्ह-2/37 ई ई/18672/ 84-85 झाँर जो सक्ष्म प्रश्रिष्ट रं, इस्ट इस्स हिस्क 28-3-85 को रजिस्ट इंकिया गया है।

> प्रशांत राय सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 29-10-1985

प्ररूप नाइ<sup>क</sup>, टी., एन., एस.,------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण), अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिमांक 29 अवत्बर 1985

गिर्वेश सं० अई-2/37ई ई/18671/84-85——यत:, मुझे, प्रशांत राय,

स्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाण करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 503, इमारत नं ० 20, जो गिवरी (प), बम्बई-58 है, स्या जो बम्बई में स्थित है (प्रीर इसते उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), प्रीर जिसका करारतामा आयकर अधित्रम, की धारा 269 क, ख के अधीत, स्थम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई रिक्ट्रिस है, तारीख 28 मार्च, 1985

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह िश्वास का कारण है कि यथापूर्वांक्त कम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरमान प्रतिफल से ,,एसे दरममान प्रतिफल के पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंत-रितयॉ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उस्त विध-मियम को सभीन कर दोने के अन्तरक को दासित्व में कमी करने या उससे बचने में स्कृतिभा को लिए; और/मा
- (क्) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, सिपाने में सुविका के सिए;

अतः अवं, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरणं में, में, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-घं की उपभारा (1) लेलधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८--- 1. थी जियाउद्दीप बुखारी

(अंग्सरक)

2. भी िजामुद्दीत एम० भीस

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (भ) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबह्र भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिथित में किए जा सकीं।

स्यष्ट्रीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदनें का, जो उपस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया हैं।

## घनुसूची

पर्लंध नं० 503, जो पांववी मंजिल, इमयारत नं० 20, सर्वेनं० 41,श्री णिक्या दिलेज, बेहराम बाग के पीछे, जो भेदरी (प), बसर्बई-400058 में स्थित हैं।

अनुमूची जैसा कि कि० सं० अई-2/37-ईई/18671/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-3-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राक्के सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (रि.रीश ण) अर्जन रेंज-2, सम्बद्ध

বিনাক : 29-10-1985

मोहर

# प्रकृष आहु". टी. एन. एस. -----

बाय्कर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) वहीं भारा 269-म (1) के बजीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक श्रामकर श्रायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बस्बाई

बम्बई, दिनांक 29 अक्तूबर 1985

निवश सं० अई-2/37ईई/18493/84-85--अतः मुझे त्रशांत राय.

जामकर जांभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० पर्लंड नं० 403, इमारत नं० 19, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है) श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है )श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्दी है, तारीख 21-3-1985

कर्त पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य में कम के कथमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विकास करने का कारण है कि यभापनित संपत्ति का उचित बाचार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिकाल से एसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अत्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया विकल निम्मासिचित उद्देष्ट्य से उक्त अंतरण निम्मितिचत में सुस्तियक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) कलारण सं हुइ किसी बाय की वायत, उनसे अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/मा
- (ख) एमी किसी बाय या किसी अन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय अाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण वें, में, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग की उपश्वारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् ध—— 61—366 GI/85 (1) श्री झीयाउद्दीन ब्खारी

(अन्तरक)

(2) श्री अन्दुल रजक कासम णेख

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्ट सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई' भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कन्य क्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंव।

स्वच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त सम्बंध और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित ही वहीं अर्थ होगा को उस अध्याप में विया नवा है ।

## मनुसूची

फ्लैंट नं० 403, जो चौथी मंजिल इमारत नं० 19, सर्वे नं० 41, ओशिवरा विलेज, बहराम बाग के पीछ, जोगस्वरी (प); बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37 ईई/18493/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमाक 21-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2, बस्बई

तारीख: 29-10-1985

# प्रक्य वाइं.टी. एन. एस. -----

भाषकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

# कार्याध्य , सहायक आष्ट्रकर आयुक्त (निरीक्त) अर्जम रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिमांक 29 अक्तूबर 1985

पिर्देश सं० अई-2/37ईई/18224/84-85—अनः मुझे प्रशांत राय

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित आजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पल ट नं० 701, इमारत नं० 14, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारमामा आयवर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्टी है, तारीख 13-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके धरबमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के शिए तच बाबा गया प्रतिकस विश्नक्तित उद्देश्य से उनत देन्तरण जिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से शुद्द किसी बाय की बावत, उक्त मिश्रीनयम के क्शीन कर बोने के क्तरफ के स्वीवस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्टिंग्ली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अट, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, क्ष्मित विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थातु:— (1) श्री झीयाउदीन बुखारी

(अन्त • क)

(2) महमद त्यीन महमद ह्येन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

## सकत सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कांधें भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हा,
- (च) इत स्वमा के राजपण में प्रकालन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मन्य वितत द्वारा अभोइस्ट्याक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिस्ण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस, के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया हो।

## **अनुस्ची**

भ्लट नं० 701, जो सातवी मंजिल, इमारत नं० 14, सर्वे गं० 41, ओशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जेगेश्वरी (प), बम्बाई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-2/37-ईई/18224/84--85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 13-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणात राथ भ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 29-10-1985

मोहर.

# प्रकार कार्र है हैं है प्रसार प्रसार अंड ≥ ----

# बावकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) की वाज 269-व (1) के बधीन क्वा

#### HEAT TRAIN

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 29 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/18544/84-85---अतः म् प्रशांत राय

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें स्तके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की बाख़ 269-च के जधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उपित वाजार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक हैं

स्रीर जिसकी स० प्लैट न० 603, इमारत न० 19, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (स्रोप इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण छ। विजित है) स्रोप जिसका करारमामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजरट्री है, तारीख 23-3-1985

हां पूर्वोक्स सम्पत्ति कं उजित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान
।तिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विध्वास
हरने का कारण है
के यथापूर्वोक्स संपत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान
।तिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिहर से अधिक है
बार अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
। पूर्वे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित
इक्षस्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से क्यित
हिं यिया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बावत, उपत आधिनिश्य के अभीन कर दोन के अन्तरक के बावित्व में क्रमी महले या उत्तर बचने में स्थिम के जिए और/चा
- (क) एेसी किसी जान या किसी धन या क्या आस्तियों को, जिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती इवाच प्रकट नहीं किया पया वा वा किया जाना वाहिए वा क्याबे में स्विधा की विक्ष

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) है क्यीन, निम्नीलृष्टिस स्मिनानों, अर्थास् किन्न

(1) श्री जीयाउदीन बुखारी

(अन्त रक

(2) श्रीमती ढूमेरा जावेद खाम

(अन्तरिती)

को वह तुमना वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के निष कार्ववाहियां बुरू करका हुं।

उक्त कम्रिए के क्यान के संबंध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की ताड़ीस सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्वित्ययों पर सृष्या की तानील से 30 दिन की बनिक, को भी अविध बाद में समाप्त होती हों, ने भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीश के 45 किन के श्रीकर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्वृथ किसी जन्म व्यक्ति द्धार अथोहस्ताक्षरी ले पास सिवित में किस बा ककेंगे।

स्वच्छीकरण — इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर विधिनयम के अभ्याय 20-क में परिसाधित ही, वहीं नर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्था है।

## अनुसूची

फ्लैप्ट नं० 603, जो छठवी मंजिल, इमारत न० 19, सय नं० 41 जोशियरा विलेज, अन्धेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर सं० अई-2/37 ईई/18544/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 23-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशास राय सक्ष**म** प्राधिकारी सायन आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 29-19-1985

# क्ष्म आर्थ हो <sub>य</sub> स्व<sub>ा</sub> स्वा<sub>ा</sub> क्रम

# शायक द विधिनयन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269 (प) (1) के नपीन क्षमा

#### बारत बरकार

# कार्यातम् , सहायकः सायकार साम्का (नि<u>र्</u>यक्तिक) अर्जन रेज-2, सम्बद्ध

बम्बई दिनॉक 29 अन्तूबर, 1985

ि निर्देश स० अई-2/37ईई/18543/84-85—अतः मुझे प्रशास राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्वात् 'उक्त विधिनयन' कहा गवा ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

प्रार जिसकी स० पर्लेट न० 602, इमाप्त न० 19, अन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 23-3-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान विकास के तिए मतरित की नई हैं और मुक्के यह विश्वास करने का काइन हैं कि स्थापूर्वोक्त बन्नित का अधित वाजाए मूल्य, उसके क्रथमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिकत से अधिक हैं और नंतरक (जंतरकों) बोड बंत-रिती (जतरितियों) के बीच एसे जतरन के लिए तय पामा नवा प्रतिफल निम्निचत उद्वेदन से उक्त बंतरून निम्ति में वास्तिक कम से कीयत नहीं किया गया है है—

- (क) बंतरून वे हुए किसी नाव की वायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविभा के सिए; और√या
- (क) एंडी किसी जान या किसी थन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अवा, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) कुं अधीन, निम्निलिखित व्य<u>िक्त</u>यों, अर्थात् ::— (1) श्री शीयाउदीन बुखारी

(अन्सरक)

(2) श्रीमती काजी सीमा खलील

(अन्तरिती)

# को क् रूख्या बादी करके पृथानित स्वारित के वर्णन के विश् कार्यगढ़ियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी विकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किसा जा सकरा।

स्पष्टीकरण — - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## व्यक्षि

फ्लैप्ट नं० 602, जो छठवी मजिल, इमारत, नं० 19, सर्वे नं० 41, जोशिवराविलेज, अन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूच। जैसा कि ऋ० स० अई-2/37 ईई/18543/84-85 फ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 23-3-85 को रजिस्ट के किया गया है।

प्रशांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, **बम्बई** 

तारीख : 29-10-1985

**त्रक्य बाह**्रे द<u>ी. ए</u>य*्* एय*ु -----*

बावकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुमना

#### नारत परवार

कार्नास्य, सहायक जायकर नायुक्त (निडाँकण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिमांक 29 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/18542/84-85--अतः मुझे प्रशांत राम

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रक्षात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह जिल्लास करने का छारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी मं० फ्लैट न० 601, इमारत नं० 19, अन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (प्रांग इससे उपाबद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है) स्रोग जिस ना करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 23-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कन के क्रयमाय प्रतिफल के लिए जन्तरित की गईं है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजाइ मृत्य उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से जिथक है भौर वंतरक (अंतरकार्) और जंतरिती (अंतरितियार्) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्योग्य से उक्क जन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कांवर नहीं किया वशा है ----

- धूंक) अन्तर्भ से हुद्दें किसी भाग की भागता, उनसे वीधीननम से नधीर कर दोने में जन्तर्भ में दावित्य में कती करने ना उससे नमने में सुनिधा से सिए; और√ना
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, स्थिनों में सविभा के सिस्:

अबु: अब, उपत अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरन वो, में उपत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जधीन, निम्नीनीविध व्यक्तियों, वर्षीय क्र-- (1) श्री भीयाउद्दीन मुखारी

(अन्तरक)

(2) महमद इकबाल महमद सुलेमान

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वों क्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्य-वाहिकां करता हुने ।

जनत् संपरित को नर्जन को संबंध में कोई भी आक्षंप:-

- (क) इस सूचना के स्क्रमण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिथ सा तत्संबंधी व्यक्तिया पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविथ, जो भी सूचीय बाद में समाज्य होती हो, के शीना पर्धीवत स्वित्यों में से किसी स्वक्ति सुवारा:
- (ण) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन कार कारांख से 45 दिन के भीदर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रभ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास विविद्य में किए जा सकीने।

स्पष्टिमकरणः—इसमें प्रमुक्त कब्दों और पर्दों का, जो उदा आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया हो।

# धमृत्यी

प्लिष्ट नं 601, जो छठवी मंजिल, इमार्क्तन 19, सर्वेनं 41, ओशिवराए विलेज, अन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ्र॰ स॰ अई-2/37-ईई/18542/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, धम्बई द्वारा दिनांक 23-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बस्ब**र्ध**

नारीचा: 29-10-1985

# प्रकल नाइं ्र टी.; एन., एस.,------

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां र 29 अक्तूबर 1985

भिर्देश स० अई-2/37ईई/18416/84-85--अत: मुझे, प्रशात राम

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पहचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रीधिकारी का, यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर संगीत, जिसका उचित बाजार मूल 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिल्लाकी स० फ्लैंट न० 704, उमारत न० 16, जोगण्वरी (प), यम्बई-58 में स्थित है (स्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप संबर्णित है) और जिसका जगरनामा आयकर अधिनियम की धारा 200 ज, ख ने अधी सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 19-3-1985

को प्रोक्त संपत्ति क अचित बाजार मृत्य स कम को धर्यमान प्रतिफल को लए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिलिस में वास्त्रीक रूप से किथत नहीं किया गया है है

- (क), करतरण से हुए किसी बाय की शबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरंक के बाधित्य मां कभी करने या उससे अजने मां सुविधा के लिए; और/भा
- (क) एसं किसी बाव या किसी बन या अन्य बास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उन्ता आधिक्यम, या नजन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

असा क्रम, उक्त अधिनिषम की भाग 260-ग के अन्तसंत्रक मो को उक्त की जिस्सा की भाग 260-छ की उत्तरधारम (1) को अधीन, दिस्तिविद्यात व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्री झीयाउदी बुखारी

(अन्तरक)

(2) श्री अञ्दुल समद महमद सुलेलमा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

तक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंशाचा;
- (ण) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच ,से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टिशिकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वन्सूची

प्लैट नं० 704, जो सात्तवी मंजिल, इमारत नं० 16, सर्वे नं० 41, श्रोशिवरा विलेज, बहराम बाग के पीछ, जोगश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37-ईई/18416/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रॅंज-2, **बस्बई**

तारीख: 29-10-1985

श्रूक्य बाद्दे हो। एन . एवं . नानान्य नान

नायकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नभीन सुमना

### भारत् संस्थातु

# कार्यान्य, सहावक बावकाउ बायुक्त (विद्वीक्षक)

अजंन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्तूबर 1985

निर्देश म॰ श्रई 2/37-ईई/18156/84-85--अतः मुझे, प्रशांत राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (:961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), की धारा 269-स के अधीन सकान प्राधिकारी की बह विकास करने का कारण है :क स्थानर सम्पत्ति, जिसका अधित बाबार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैप्ट नं० 303, हमारत नं० 12, जोगण्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूधी में श्रीर पूण रूप वर्णित है) श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 12-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रिपंकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंक्र प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिशत उद्देषय से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, जनत अभिवित्त की अभीन कर दोने की अंबहरू की बायित्व में कभी करने या उद्दर्श वर्षा में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, को उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपभारा (1) द वर्षक, विक्विद्विद्य व्यक्तिकों, अपित् प्र-~~ (1) श्री शीयाउद्यीन बुखारी

(अन्तरक)

(2) महमद णमीम अब्दुन काद्री

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रक्रिंक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहिनां सूक करता हूं।

उन्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) प्रम सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं A5 पिन की कनिध या तत्मम्बन्धी ज्यक्तियों पर स्त्रना की ताशील में 30 दिन की अविधि, जो औ अविध कल में समाध्य होती हा, के भीतर पुत्रोंकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पुत्राचा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, प्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरण: - इसमें प्रयुक्त कार्को यार पर्या ति, जो उत्तर विधिनयम के अध्याय 20 के न परिनारिक है, बही वर्ष होगा, जा क्रिया वस्ताल भी दिमा गरा ही।

# प्रनु<mark>स</mark>ूची

फ्लैट नं 303, जो तीसरी मंजिल, इमारत नं 12, सर्वे नं 41, श्रोशिवरा विलेज, बहुराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), वम्बई-400058 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क० स० अई-2/37-ईई/18156/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई डारा विनाक 12-3-85 को रजिस्टई किया गया है।

गणात निय सक्षम प्राधिकारी महायव आयक्तर आयु<del>गत</del> (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 29-10-1985

# प्रकार सार्व , की , पूर्व , वर्ष , उत्पादन वर्ष

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सहस्राह

# कार्यातन, सहायक वायकर बाब्यत (निर्दायण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्तूबर, 1985

ि मिर्बेश सं० अई-2/3**7ईई**/1**79**01**/84—85——अत: मुझे,** कांन राथ

प्रावकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 260-स को उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृस्व 1.00 000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं फ्लैंट नं 204, इसारत नं 12, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीम सक्षम श्राधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री तारीख 2-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य है का के कामान प्रतिपक्त के लिए अंतरित की गई है जोर मुके यह जिक्साब करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दरममान प्रतिपक्त से, ऐसे दरममान प्रतिपक्त का पन्तह प्रतिवात से बिधक है और वंतरक वंतरकों) और वंतर्व किसी (अंतरितियाँ) के बीच एते वंतरच के लिए तब सभा पया प्रतिपक्त, निम्मीजिबत उद्विक से उन्त वंतरण बिधित ये वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) मंतरक से हुए किसी नाम की नामत, उनत वरिष-भियम की अधीन कर दोने में बंतरक की सामित्व में कमी करने वा उसते वचने में स्विधा के फिए; जॉर/का
- (क) एसी जिसी बाम जा किसी भन जा जन्म नास्तिनों को जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या जन्म निधिनियम, ना भन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंदौरती युनाचा प्रकट नहीं किया नया था या किना जाना चाहिन था, कियाने में चुनिया के लिक;

क्षतः यः, उक्त व्यक्षिनियम की भारा 269-म के बन्तरण वें, वें, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उन्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात्— (1) श्री सीयाउधीन बुखारी

(अन्सरकः)

(2) पोख अब्दुल्मा अब्दुल खालीफ

(अलिरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्थन के बिए कार्यनाहियां सुक करता हुं (a)

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कीड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अनीभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर त्वना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्यान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दितवव्य किसी सम्य व्यक्ति स्थारा अभोहत्ताक्षरी के शाव विश्वित में किस का सकेंगे।

स्पन्धीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीध-नियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बृङ्गी जर्म होगा को सत सध्याय में दिया नगा है।

# मनुष्यी

पलैष्ट नं० 204, जो दूसरी मिजल, इमारत नं० 12, सब नं० 41, श्रीशिवरा विलेज, बेंहराम बाग के पीछे, जोगश्वी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर सं० अई-2/37-ईई/17901/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-3-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम शांधकारी महायक आयकर आयुक्त (ामरीक्षण) अजम रेंज-2, बम्बाई

तारीख: 25-10-198+

# प्रकृष् वार्ड ही एन एस .-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्योसय, सहायक कायकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जेम रेंज-2, बम्बई

सम्बर्भ, दिनांक 29 अक्तूबर, 1985 निवश सं० अई-2/37ईई/17837/84-85-अतः मुझें, प्रशांत राय,

वागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर स्ट्यांस, जिसका उत्तित बाका भून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 203, इमारत नं० 12, जोगेष्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित ई (भीर इससे उपाबक अनुसूची में मौर पूर्ण रूप ने विणित है) और जिमका करारतामा आयवर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, हारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के सममान श्रीतफरा के लिए अतिरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित प्राचार भ्रूष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अंतरक (अतरक) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय तथा ज्या प्रति-फ्ल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक कम से कथित नहीं किया वया है।——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विधिन्यम के मधीन कर देने के बंतरक के बाबिएन में कमी कुरने ना अबसे नचने में सुविधा के किए, बॉर/का
- (क) एरेति किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कर्ता, जिल्हा भारतीय आयकार आधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अहरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया आणा आहिए था, कियाने में सुनिभा खें बिए;

श्वतः, कवः, डांबत विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भें रखत विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) ले विधिन, निष्निश्चित व्यक्तियों, वर्धात् ६—— 62—366 GI/85 (1) श्री शीयाउधीम बखारी

(अन्तरक)

(2) श्रीखाम अन्दुल हमीद

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवन के "अथ् कार्यवाहियां करता हु"।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या रूपम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर प्लें का स्विस्त में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अश्वोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाकरीकरण :----इसमाँ प्रयक्त भन्दों अर्थ शर्दों का, को उक्क अधिनियम के अध्याक 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस प्रध्यास में दिया संसा है।

## अभूत्री

पर्लंट नं० 203, जो बूसरी मंजिल, इमारत न० 12, सर्वे नं० 41, श्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बस्बई-400058 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि कि० सं० कई-2/37-ईई/17837/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्ब**ई** 

सारीख: 29-10-1985

प्ररूप आई.टी.एन एस: -----

आ(यमण्ड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अन्तूबर 1985

निदेश स० अर्ছ-2/37ईई/17847/84-85--अत: मुझे प्रशांत राय,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चाह 'राक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्नावर सण्णि जिसका उधित बाजार मृल्य 1, '0,000/- रा. से अधिक है

ग्नीर जिसकी मं० पलैंड नं० 304, इसारत न० 6, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (घीर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयक अधि-नियम की धारा 269 क, ख के अधीम सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, धम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वाक्श संस्थीत के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निग्नलिखित उद्देष्य से उच्छ अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कोथर नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ण) पेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों , जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 के 22 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा को लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण काँ, मैं, उक्त क्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निक्षिण क्यिक्तयों, अधीन हि—

(1) श्री शीयाउधीम नुसारी

(अम्तरक)

(2) सैयद जहीव अली

(अन्तरिती)

कां यह सुधना जारी करके प्योक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्भान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विखिक्ष में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्स्वी

फ्लैट नं० 304, जो तिसरी मंजिल, इमारत नं० 6, सबे नं 41, जोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ५० सं० अई-2/37-ईई/17847/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 183-1985 को रजिस्टडे किया गया है।

> प्रशांत राय सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-2, बस्बर्ष

सारीख: 29-10-1985

मोहर ∄

# प्रकृत बाह् ं हो , एवं . पुष् . -----

भाषकर अभितियन, 1961 (1961 को 43) की पाडा 269-प (1) के सभीत सुपता

## BICH USERS

कार्याख्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्किण) अर्जभ रेज-2. सम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 29 अक्तूबर 1985 निर्देण डं॰ अई-2/37ईई/18173/84-85--अत: मुझे, प्रशांत राय

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 क के नभीन सक्षय प्राभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

गौर जिसकी सं० पलैट नं० 204, इमारक नं० 7, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन में श्रीधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 12-3-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार बूक्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रदिक्त में निम्त जिस्ती उच्च से कथित नहीं किया गया है इन्य से कथित नहीं किया गया है इन्य

- (क) जन्तरण से हुई किसी आग की वावत, उक्त विध-नियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के किस् वरि/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा खे सिह;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री झीयाउधीन बुखारी

(अन्तरक)

(2) महमद अली महमद नबी कुरेगी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिद्ध कार्यवाहियां करता हूं।

वस्त सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन को सारीख से 48 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी वविद्या वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्याय;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाखन की तारीक वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्हीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया . मबा हैं।

## बन्स्यो

फ्लैप्टनं० 204, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० 7, सर्वें नं० 41, श्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

अनमूची जैमा कि कि सं० अई-2/37-ईई/18173/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 12-3-85 को रजिस्टंड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 29-10-1985

मोहर ;

मुक्क्य जाड<sup>4</sup>. टी. एन . एस ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

## मारत सुडकाड

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

सम्बर्ष, दिनां क 29 अक्तूबर 1985 निवेश सं० अई-2/37ईई/18165/84-85-अतः मुझे प्रशांत राय,

बायक श्री भिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके प्रश्वात जिस्ते इसमें कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह निकास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित सज़ार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 102, ६ मारह नं० 11, जो गेरवरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप वर्णित है) ग्रीर जिसका करारमामा आयकर अधि-नियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 12-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ने) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अनरण के निए नय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हम्म

्रिंक) नंत्र्य वे हुद किसी साथ की बावत्, उक्त निभिनियम के जभीन कर दोने के जंतरक की बादित्य में कमी करने या उससे ब्यूने में सुविधा के सिए; जौर∕या

बर्रि ५३

(क्ष) एसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा खे निहा:

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री भीयाउधीत युखारी

(अन्सरक)

(2) श्री सधीर महमय अली खाम

(अन्तरिती)

का यह सुकना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिप् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबत्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तित्रण :-- इसमें प्रयुक्त सुन्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

## वगृत्यी

फ्लैंट नं० 102, जो पली मंजिल, इमारत नं० 11, सर्वे नं० 41, म्रोशियरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/18165/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमाक 12-2-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय १ सक्तम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बाई

तारीख: 29-10-1985

माहर:

प्रकृप कार्ष .टी. एन : एस . ======

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अभीन सुचना

## भारत सरकार

# कार्यांचय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिसंक 29 अक्तूबर, 1985

निदेश सं अई-2/37ईई/18622/18623/84-85--

असः मुझे प्रशांत राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जित्त ही सं० पलैंट नं० 504, इमारत नं० 4, जोगेष्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वीगा है) थोर जित्र हा करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अवीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, अम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मून्य उसले श्रयमान प्रतिकल से, ऐसे श्रयमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत, निम्निवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्त-विक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उसक अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा श्रे किए; और/या
- (च) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए?

कतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस स्युक्तियों, संशत् :--- (1) श्री शीयाउधीम बुखारी

(अन्तरक)

(2) सैयद महमद अखतार

(अन्सरिती)

को यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं!!

## त्रवरा संपत्ति को कार्यन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों में।

स्पञ्जीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# प्रमृष्यी

फ्लैट नं० 504, जो पाचनी मंजिल, इमारत नं० 4, सर्वे नं० 41, मोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बस्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37-ईई/18622/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-3-85 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीकण) अर्जन रेंज-2, बम्बद्ध

सारीख: 29-10-1985

प्रकृत नार्त् , दी, एन, एस, \*\*\*\*

शायकर व्यथितियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-ग (1) के वृथीन सुमना

#### भारत तरकरा

कार्यालयः, सहायक नायक र नाय्क्त (निर्धालक)

अर्जनरेंज-2, धम्बई

**बम्बई**, दिमांक 29 अक्तूबर, 1985 निवेश सं० अई-2/37ईई/18404/84-85--अतः मुझे प्रशांत राय

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्यात् 'उकत अभिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269-कु के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

धौर जिसकी संव्यक्षेष्ट नंव 41, महमव मंजिल, जोगेश्वरी (प), बम्बई-102 में स्थित है (धौर इससे उपाबद अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है) धौर जिसका करारमामा आयह र विधिनम की धारा 269 क, ख के अधीम सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 19-3-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थममान शितफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उयत अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया ही:——

- (क) वंधरण से हुन किसीं जान की वावस्त, उनसे बाधितियम के अभीत कर दोने के बन्तरक के बाधित्व में कभी करने यह उससे व्यये में सूनिधा के सिए; बाँच/मा
- (क) ऐसी किसी काम या किसी भन या कत्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकार मिर्णित्यम, १९०० की, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंदीरती ब्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए ना, कियाने में सुनिया। विश्वा

शतः वत्रं, उत्रतं विधिनियमं की भारा 259-म् के वन्सरक वा, वी, उत्रतं विधिनियमं की भारा 269-मं की उपधारा (1) वं वधीन्, निम्नसिविट व्यक्तियों, वर्धात् करूर (1) हफीज एन्टरप्रायस

(अन्तरक)

(2) अमीमा जमल खानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्परित के वर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

कवत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध के कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पदः
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वोच्छ
  व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हिशा-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

## अनुस्ची

पलैष्ट नं ० 401, जो महमद मं जिल, बेहराम बाग, एस० जी० रोड, जींगेश्वरी (प), बम्बई-400102 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं व कई-2/37-ईई/18404/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 19-3:85 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयककर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 29-10-1985

अक्रम बाइ, टी. एव. एत. ----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-व (1) के बधीन स्वना

### मार्त करकार

कार्यासर्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजिंट्य, बम्बई

बम्बई, दिशांक 29 अक्तूबर, 1985

भिदेश सं० अई-2/37ईई/18405/84—85—अत: मुझे

🗩 प्रशांत राय

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाध, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरा हैं। कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/-रु. से अधिक हैं।

स्रोर जिल्ला सं० प्रतिष्ट नं० 402, महमद मंजिलं, जीगेस्वरी (प), बम्बई-92 में स्थित है (स्रोर इस उपावस अनुसूची में स्रोर पूर्ण कर विणा है) स्रोर जिल्ला करारनामा आयहर अधि-नियम की धारा 269 के, खे के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, हारीख 19-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उन्नित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिकास के लिए अन्तरित की गड है और मृक्षे यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृन्ध, उसके दश्यमान प्रतिफल के बन्दर, उसके दश्यमान प्रतिफल के बन्दर, उसके दश्यमान प्रतिफल के बन्दर, प्रतिकास से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिसित में अम्तरिक एए से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक औ दावित्व में कबी करने या उसने वचने में बृष्टिधा ये सिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में द्विशा खे विष्:

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण को, भी, इक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नोजिखित व्यक्तियों, ए तुं है— (1) मैसर्स फीजी एस्टरप्रायस

(अन्तरक)

(2) सायरा बाब् महमव यूसूफ सेख

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्षन के निय कार्यवातियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ने 45 दिन की वर्जी या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील के 30 दिन की वर्जी , जो भी क्वीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस क्षमा के राजपण में प्रकारण की तारील वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसा-व्यथ किसी बन्ध स्थित स्थायः, नभाइस्ताकरी कें वाद सिवित में किए वा वर्षेण ।

स्पच्दीकरण: ---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च लिय-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बहुत अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## धनुसूची

फ्लैट र्न० 402, जो महमद मंजिल, बेह्राम नाग, एस० वी० रोड, जोंगेस्वरी (प), वम्बई-400092 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37-ईई/1840 5/84-85 प्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-85 को रजिस्ट किया गया है।

> प्रणीत राय सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (दिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

हारीख: 29-10-1985

प्ररूप मार्ड, थी. एत. एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अन्तूबर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/18229/84-85-अतः **मुझे** प्रशांत राय

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें १सके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिक बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, महमद मंजिल, बम्बई-102 में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप विजत है) ब्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्ष्य, बम्बई में रिजर्ट्री है, रारीख 13-3-1985

को पर्वोपत सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के रहयमान प्रितफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने की जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे दहयमान प्रतिफल का पंद्रह गितावल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच गोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, जक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीर आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः कवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1),

🐧 ब्राधीन<sub>स</sub> निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् :---

(1) मैससं फीजी एन्टरप्रायसेस

(अन्सरक)

(2) श्री अब्दुल गानी जमल्ीम इबेलीम

(अन्तरिती)

को यह स्वया जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस राजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों का स्मान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, व्यक्ति यों में से दिसी व्यक्ति दवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीफरण:--इसमें प्रयुक्त कल्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में दरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनस्य

पर्लंट नं० 3, जो तल मंजिल. म मव मंजिल बेहराम बाग, एस० वी० रोड, जोगेश्वरी (प), बम्बई-40002 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/18229/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 13-3-85 को रजिस्टड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सद्दायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज-2, बस्बर्ध

हारीख: 29-10-198**5** 

मोहर 🚁

प्ररूप आहें.टी.एन,एस.-----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

्रत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रे न-२, बम्बई

बम्बई, रिनां ह 29 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/18226/84-85--अतः मुझे प्रणात राय

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जिक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा १८६-६ में अधि एक अधिनियम के प्राप्त कारण है कि स्थावर गमान्ति जिसका उजित का रार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० पर्नेष्ट नं० 4, महमद मंत्रिल, जोगेश्वरी (प), बम्बई-102 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुस्त्री में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका हरारनामा आयक्षर अधिनयम की धारा 269 के, खे के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिनस्ट्री है तारीख 13-3-85

को पृथा निस्त सम्बन्धित के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण हो कि यथाप्वें बित संपत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिकी "-(अन्तरितियों) में बीध एसे अन्तरिक के लिए तथ पाया ग्या निकल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरिका लिखित म

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन धन दोने के जैतरक के दायित्व में धनी कार्र क्लिक निर्माण करते हो स्विका के जिला कार्य कि
- (क) एमी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्सियों की, जिन्हें भारतीय आवकार अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उन्त शीभिनियस, या अन- कर गिरिनयस, 1957 (1957 का 27) के श्रेशेजनार्थ अन्तरिशी द्रारा प्रकट नक्षी विशासिया पार या किसी जाना शिक्षा था, किसी में सिक्षा

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :——63—366 GJ/85

(1) मैंससं फीजी एन्टरप्रायसस

(अन्तरक)

(2) फानमा अन्दुल रहीम बेलीन

(अन्तरिती)

को यह स्चना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कनेहें भी बाक्षेप ह---

- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, भो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाधन की तारीक से 45 दिन के भौतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त जिसिनयम के जन्माय 20-क में परिभाषित ही. नहीं अर्थ होगा, को उद्युक्ताय में विद-गवा ही।

### अनुसूची

पलैट नं० 4, जो तल मिलल, म मद मंजिल, बे राम बाग, एस० बी० रोड जोंगेक्वरी, (ग), बम्बई 400102 में स्थित हैं। अतुसूची जैना कि क० सं० अई-2/37—ईई/18226/84—85 ग्रीर जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-3-85 को रजिन्ट के किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी एहायक आयक्षर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

नारीख: 29-10-1985

मोहर

पक्क नाइं.टी एन.एस. - -----

# नायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन सुचना

#### STOR STARS

कार्यास्य, सहायक मानकर मानुक्त (निद्रीक्षण)

पर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनां ह 6 नवप्पर 1985

निर्देश मं० अई 2/3रईई/17887/84~85—न्प्रतः मुझे प्रशांत राय,

कावकर निधीनयन, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमा इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा नना हैं), की भारा 269-त के अधीन उक्तम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कापण है कि स्थायर सम्बद्धिः. विद्या दिल्ल बाबार मुख्य 1,00,000/- स. ने अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1205 एवरेस्ट बिल्डिंग श्राधेरी (प) बम्बई 61 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण का से वर्णित है) और जिसका करारतामा ध्रायकर श्रीवित्यम की धारा 269 ए ख के श्रधीन प्राधिवारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985

को पूर्वेषिय संपरित को उपित बाबार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिकल को लिए बंदरित की गई हो और मुफे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार मूक्ष, उसके क्रयमान प्रतिकल से, एसे क्रयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत से मधिक हो बौर जन्तरक (जंतरकों) और संतरिती (सन्तरितियाँ) के बीच एसे मन्तरण के निए तम धामा बड़ा प्रदिक्त क्रिक्श विश्वासिक्त उद्योक्य के उक्त सम्बद्ध सिक्तित में बास्तियद स्थ से कवित्र सही किया कर ही स्थान

- (क) जनारण से हुई जिसी जाय का वाबत, उक्त कथिनियन के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य के नाकी करने या उन्नसंस्थाने की स्विधा के शिहर, क्षक्रिना
- (क) एंसी किसी बाब मा किसी धन या प्रत्य ग्राहित्यां को, जिस्हें भारतीय नाय-कर श्रीधीनयम, 1922 (1322 का ' ेया उक्त जिनियम, रा वय-कर वर्षि, में, 1957 (1957 का 27) के क्यों वर्ष क्या का का का प्रकट नहीं किया गया था या मा जाना हथा, कियाने में सुविधा के सिर्धः

स्थः स्व, उक्त विभिन्नियम की भारा 26%-त के अन्तर्भ में, भी, उन्त विभिन्नियम की भारा 26%-त की उपभारा (1) के के अभीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :---

- (1) मैं र्ल नहार विश्व एण्ड जेपानी एसोशिएटर (प्रन्तरक)
  - (2) श्रीविलो ाः एम० छायाऔर श्रीमती स्रंगताटी छाया

(श्रान्तिर्ती)

को यह स्थता बारी करकें प्वेक्सि सम्परित के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त रुक्ति में मर्चन के सम्बन्ध में ओहां भी लाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के प्रस्य में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की स्थापि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ धर स्थान की सामीस से 30 दिन की सबिध, को भी सबीच नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकार कि स्थाप्त होती हो।
- (च) इर सुचक्त को राजपभ मो प्रकाशन की रागील 45 दिन को औरार उक्त स्थावर सम्पन्ति मो हिनवहरू किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी की पास भैक्तिया मो किया का कर्लारी

लक्ष्टीकरणः --इसमें प्रमुक्त कथ्यों स्वर्ग पर्यों का, भी समझ स्वीपियम, के सभ्याय 20-क में पृरिणायिक हैं, बही सर्थ होना मों उस सम्बाद में विशा नगा है।

## नन्स्ची

फ्लैट नं ० 1205 जो लाएली मंत्रित एवरेस्ट बिल्डिंग जग प्राण रोट वसींबा शम्भेरी (प) बार्बई 400061 में स्थित है।

श्रवसूची जैसा हि क० सं० श्रई 2/37श्रईई/17887/84 र 85 और जो सक्षम प्राजितारी बम्बई इत्यादियां र 1--3--85 को रुभिस्टर्न िया गया है।

> प्रमान राह्य न तम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रामृक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन ऐंदे-2, बम्बई

नारीख : 6-11-1985 महर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जाधकार जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के जुमीन सुचना

#### मारत सरकार

## कार्याच्यम, सहायक जामकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, 2 सम्बर्ध सम्बर्धदिनांक 6 नवस्वर 1985

निर्देश सं० अई 2/37ईई/17888/84~85-श्रतः मुझे प्रशास राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 से कं कंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने कर कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 901 एचरेस्ट चिल्डिंग श्रन्धेरी (प) बग्बई 71 में स्थित हैं (और इपने उपाबत अनुमूची में और पूर्ण रूप ने चिणत हैं) और जिनका करारनामा श्रायकर श्रिविचम की धारा 269 के प के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी के त्यां त्य बग्बई में किस्सी हैं नारीख 1-43→1985

का प्रांपित संपत्ति के उचित बाजार भूज्य से का के व्यवसाय प्रांपिका के लिए अन्तरित की गई है जोर मुक्के यह निक्ताय अर्थ का वारण हो कि स्थापुर्वे कर स्थिति का अणित बाजार भूजा, नामके एकमान प्रतिकत्त में, एते क्यमान प्रतिकत का पंद्रह प्रांत्यत में सांपिक हो जीर भागाए (यानरिकों) और लंगिरिती निकारिति में बारति निकारिति विवार प्रांचित के किए तय पाया गया प्रतिनिकारित उद्यं क्य के विवार काराण निकार में बारति क्य से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अस्तरण सं हुन्दि किसी नाम को नामक, सक्त अभिनियम के लभीत कर दने क अन्तरक वा वायित्य में कमी करने या उत्तरे वजने में सुविधा के सिए; बाह्र/ना
- (ख) एते कियो बाय या किसी धन या जन्य बारितयों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत बांधनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए वा डिमाने में सुनिधा के सिंह;

वतः वयः अपतः अधिनियम की भारा 269-म नै अनुसरम में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखिश व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) मैं सर्स वहार सेथ एण्ड जोगानी एसोसिएटस (श्रन्सरक)
- (2) श्री एम० बालसुत्रमनियम (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इत सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीज च 45 दिन की जनींच मा तत्संनंभी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की वन्नि, सो भी सक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्ध अधिक स्वाच वभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

प्पक्तीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पत्तैठ नं० 901 जो नवीं मंजिल एवरेस्ट बिल्डिंग जय प्रकाश रोड चर्सीवा श्रन्धेरीं प) बम्बई 400061 में स्थित है।

यनुसूची जैसा कि कि के सं० घई 2/37ईई/17886/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-198 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 बम्बई

तारीख: 6-11-85 मोहर: प्रक्यः भार्दे , टी , एग् , एसः , <sub>परण्यसम्बद्धः</sub>

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

### भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई बस्बई, दिनां हे 6 नवस्बर 1985 निदेश सं० श्र $\frac{5}{2}-2/37$ -र्र्ड/17889/84--85---श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृत्य 1,00,000/- रु से अधिक ह"

मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1105, एउपेस्ट बिल्डा, ख्रधेरी (५०), बस्वई—61 है तथा जो बस्वई-61 में स्थित है है (और इसमें उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण का के विजित है), श्रीर जिस . विश्वासा अविक्रण अधिनयम 1961 की धारा 269 है, खे के श्रित्रों, बच्चई विश्वत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्वई में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-3-85 को को भूबेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उप्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यभापबीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दियमान प्रतिफल से, एसे दियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के किए तम पाया गया प्रतिक का किमिश्रीक व्यवस्था के सम्पत्ति के वास्त्रितियों के बीच एसे अंतरण के किए तम पाया गया प्रतिक का किमिश्रीक वहाँ किया गया है है——

- (क) अन्तरण से सुद्धं किसी आव की वायत , अक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे व्यने में सुविध. के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :--

हार येथ एण्ड जोगानी एसोसिय<mark>ेट्स</mark> (भ्रन्तरक)

2. श्री रमेश हुसनलाल स्रोहरी

(ग्रन्तरिती)

को यह सुन्ता आडी चडके दुर्गेक्द सुन्तित् से वर्शक के लिख कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# जनत सम्पृत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोप∴--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भातर उसत स्थानर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरेंगे।

भिक्किरणः — इसमें प्रयुक्त सन्तों और पदों का, वा उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया र्या है।

## **ग्र**नुसूची

पनैट नं० 1105, जो ग्यारह्वी मंजल, एवरेस्ट विल्डिन, जस प्रहाश नास्यम रोड़, बर्सोबा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-4000061 में स्थित हैं ।

म्रानुसूची जैता ि क० नं० म्रा $\frac{5}{2}$ 37 की/17889/ 84-85 मोर जो उत्तम प्राधिकारी, बन्दाई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिकस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राम राक्षम प्राधिकारी महायाः ग्रायः प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रानेन रेंग-2, वर्म्बुई

तारीख: 6--11--1985

मोहरः

AN EIS' . ET . ET . ET . EN PORT

बायकर विधिनियम, 1951 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के वर्धन ब्यना

## धारुव सरकार

# कार्यांचय, श्रहायुक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रोज-2, बम्बई बम्बई, दिनाए 6 नयम्बर 1985

निदेश सं० म्र2-2/37-25/18003/84-85—मुझे, प्रश्नांत राय,

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाए 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार ब्रुच्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 24, सारंगा टावर, ग्रंधेरी (प०), वन्बई--58 भें है तथा जो तन्बई 58 में स्थित है (ग्रौर इनने उनबद्ध श्रासुची में प्रा पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिना रारारनामा ग्रायार भ्राधिनियम, 1961 की जा 2645. ख के ग्रजीन, वम्बई स्थित सक्षम पाने गरी का राजिय में रिजस्ट्री है, तारीख 6-3-1385

को पूर्वोक्त मम्पित के उचित बाजार मूल्य से कि के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तारत को नम्म हुँ बीर मूझ यह बिश्वाम करने का कारण हुँ कि भथापूर्वोच्य संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, ससके क्ष्यमान प्रतिफल खे, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकत से अधिक हुँ जीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एंच अन्तरम के किए तम वाना मना प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावक, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आदि/या
- ्य) एसी किसी बाब या किसी यन या बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रस्तेकार्य बन्दिशी इवारा प्रकट नहीं किया वा वा विका करा अधिक्य वा, कियाने में बनिया है सिर्

अत: अब, उक्त अधिन्यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:——- 1. मैं अगर एन ए० विल्डर्स

(अन्तरक)

2 कुमारी प्रीति सप्रु

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवर्गिकृष्ट करणा कुं

# उक्स सम्मृतिक के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी साजांच:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिव की जनभि या तत्सम्बन्धी स्विन्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्विन्तवों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इब इपना के रावपत्र में प्रकारन की वारीय वे 45 दिन के माधर उन्त स्थान्य सम्मत्ति में हितनबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा मुभोहस्ताभ्री के काद सिवित में किए वा बकोंगे।

स्वक्षीकरणः -- इतमे प्रवृक्त शब्दों ब्रीर पर्यों का, ब्री व्यक्ष प्रशिवित्रक, के ब्रध्याक 20-क में परिजावित हैं, वहीं बर्थ होगा को उस कृष्याव में दिवा गया हैं।

## अनुसुची

फ्लैंट नं० 24, जो, दूसरी मंजिल, सारंगा टावर, रोशनलाल ग्रगरावाल काम्पलैक्य, रखें नं० 41 (पार्ट), ग्राना घर के वाय, पर्सोवा, अधेरी प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रत्सूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37–ईई/18003/84–85 ग्रोर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6–3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेज-2, बम्बई

गारीख. 6-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाए 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० भ्रई-2/37 ईई/18032/84-85—न्यतः मुझे प्रशांत रायः

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकार को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रन से अधिक है

श्रीर जिसकी संव फ्लैंट नंव 402, गूर्पा श्राहिंगट. श्रंधेरी (पव), बम्बई--58 है तथा जो बम्बई--58 में स्थित श्रीर जिसा। करा नामा श्रायकर श्रधिनिवम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित पक्षम प्राधि-कारी के अधीन कार्यालय म रिकरट्री है, तारीस 6--5--85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——[

- (क) अन्तरण से हुर्द्ग िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के सधीन, निम्निलिसित स्मीन्तयों, अर्थास् ६-- 1 मेपर्स वैभव बिल्डसं

(भ्रन्तरक)

2 श्री चेतन गौतिलाल संघवी

(भ्रन्तरिती)

3 मन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सभ्यत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्नत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# <mark>शनुस</mark>ूची

पर्नेट नं० 402, नो चांथी मंत्रिल, बी ब्लाङ, गूर््ण स्ना,र्टमेंड, एा० नं० 19, एन० नं० 2, सी० एस० नं० 80, वीरा देताई रोड़, अंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रानूसूची जैसा कि कर संर श्राई-2/37-ईई/18032/84.85 ती. जा अक्षम प्राधिक्तरी, बस्बई द्वारा दिनांक 6-3-1985 को रिविस्टई किया गया है।

प्रशांत राज सक्षम प्राधि हारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (1नरीक्षण) ग्रजन रोज-2, जम्बई

नारीख: 6-11-1985

शक्त बाद<sup>ा</sup> हो, द्व. हर अस्त नाम

क्षायकर जीधनियज, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारतिक सम्बद्धार

# कार्यसर्व, बहायक वायकर आववन (विरक्षिक)

ग्रर्जन रेज--2, वम्बई बम्पर्ड, दिनांतः 6 नगम्बः 1985 निदेश मं० ग्रई-2/37-ईई/18590/84-85---ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (विसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीव सक्षम प्राविकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर तस्परित, जितका अचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 801, एवरेस्ट बिल्डिंग, ग्रहें (प०), बरवर्ड 61 है तथा जो बस्बई 61 में स्थित है (सीर इसमें उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप है। वर्णित है), और जिएका कराएनामा प्रायवर प्रधिनियम, 1961 का धारा 269%, ख के मधीन, बम्बई म्थित दक्षम प्राध-लारी के कार्यालय में राजस्दो है। क्ष)रीख 26-3-85 का पृथीक्त समपत्ति के अभित बाकार भूस्य है कम के करवजान शंत्रफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभावनींवत सम्परित का उचित बाबार मुख्य उसके कामपान प्रतिकत से, दोने कावनान प्रतिकत का पंछा प्रतिधास से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अंतरण के लिए सब पावा नया प्रति-क्त निम्मलिसित उपवेषय से उन्ह अन्तरन सि**धि**स में जन्न क्रिया 🗝 में कर्षिण किसी किसी नया है "—

- (क) जन्तरण र्वे हुई किसी बाद की बादत, इक्ट सीपनिवन के स्वीत कर दोने के जन्तरक के स्वीतन में क्ष्मी करने वा उन्ने इकने में स्वित्वा के लिए।
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अप्या आस्तियों का, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रशांजनार्थ अन्तरिती एजारा प्रकट नहीं जिल्हा एका या जिल्हा काना कारिता कर, फिलाने में स्थित के किए हैं

नतः जन, उक्त विधिनियम की धारा 269-न के अन्सरण हो, मी. उक्त विधिनियन की धारा 269-च की उपभार (1) के वधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वधीत्:—

- ा मैं। से राज विष्य एक नोगानी एकोसियेट्स (भ्रन्तरक)
- 2 श्री एम। एन० पार्याच श्रीर श्रीमनी वि० एम० सार्यानर

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पृबेरेक्त सम्बक्ति के वर्षन के सिष् कार्यवादियों करता हुं।

बनल सम्मत्ति के मर्पन के सम्मन्य में कोई भी अख्यप ह

- (क) इत त्याना के राजपण में प्रकाशन की तारीख छैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्याना की तामील से 30 दिन की अविधि, को की अविध बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रंगिए;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजबूच किस्तित में किए जा तकोंने।

स्थल्दीकारण :--- ज्यामें प्रयुक्त शन्दों और पर्वो का, को अक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषिक मृं, बढ़ी अर्थ होना, को जय सभ्यास में विद? सवा हों!

## **मम्स्**ची

पर्नैट गं१ 801, जो झ ठशी मंजिल, एवरेस्ट बिल्डिंग जय प्रकाश गंड नर्गोता, झंधेरी (५०), बस्बई-400 061 में स्थित है।

श्रात्मी जैसा कि कर संर श्राह्म-2/37 हेई/18590/84-85 मीं जो सक्षम पाधिकारी, जन्मई जास दिनां है।

प्रशात राज पक्षम प्राधि अरी सहायक ग्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीत रेज-2, बम्ब**६** 

तारीख 6 -11 -1985 मो े .

प्रकृष आहु के टी॰ एत॰ एहं ---

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वर्धीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय. तहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई.

बम्बई दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेंश सं० अई-2/37ईई/18052/84 85--यत: मुझे, प्रशांत राय,

बाधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसफो बक्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्पत्ति चिसका अचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० शाँप नं० 8 वृड रोज विल्डिंग अधेरी (प) बम्बई

बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है) ग्रौर जिसका आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई मे रजीस्ट्री है तारीख 6 मार्च 1985।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करा ना कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीवक रूप स कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबब, उक्त जिंध-नियम को अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/वा
- (बा) ए सी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियहें को भवन्त भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धरका गीपनियम, 1957 (1957 **का** 27) को प्रयोगनार्थ **अ**न्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया बटा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सविधा के लिए:

कत, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, खुर्धाह

1: मोटी जानी फेमीनी र्ट्स्ट ।

(अन्तरक)

2: श्री वास्देव एल० अडनानी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्म्पित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयाकत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे गया है।

## अनुसूची

शॉप नं० 8 जो प्लोट नं० 317 वृडरोस बिल्डिंग सर्वे नं० 41 चार बंगलोज वर्सोवा अधेरी (प) बम्बई म स्थित है।

अनुसूची जैंसािक ऋ० सं० अई-2/37-ईई/18052 /84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां 6 मार्च 1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अत्युवन (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई।

तारीख: 5-11-1985

मोहरः

# प्रचार कार्युः हो , एस , एस , अन्तरक

# भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक नायकर वायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 6 नवम्बर 1985 निर्देश सं० आई-2/37-ईई/18728/84-85—मत:, मुझे, प्रशांत राय,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृख्य 1,00,000/- रुज्ञ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाष्ट तं० 26, श्रोणियरा, श्रेश्वेरी, बम्बई है, सथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिमियम 269 की धारा क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है मारीख 29 नार्थ, 1985

को वर्षोकन मम्पत्ति के अचित बाजार मल्य से कम के इड्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार बृख्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिक्षत, निम्निसित उद्वेश्य से उक्त अंतरण किश्वत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचाने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) एंनी किसी बाब या किसी धन या बन्य आस्तियों की. जिन्ही भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सविभा के लिए;

जतः जब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग्म के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-श्म की उपभारा (1) के वधीन नियनतिविद्य व्यक्तियों, नवींच् — 64—366 GI/85

1. मैसर्स भोबरॉय कनस्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स गुजरात डेरी एण्ड टी० कम्पनी । (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के नर्जन के संबंध वों कोई भी वाकांप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की नविध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राया;
- (क) इस स्थान के राष्यत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबक्थ किसी कन्य व्यक्ति द्वारा वभोइस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकोंने।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँर पदों का, जो उक्त विधिनयम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वही वर्ध होना जो उस अध्याय में दिया वक्षा है ।

#### मग्त्वी

जमीन का हिस्सा जिसका प्लाट नं 26, सर्वे नं 41 (पार्ट), लोखंडवाला काम्पलेक्स के पास, घोषाबरा विलेज, ग्रंबेरी बस्बई है।

अनुभूची जैसाफि क० सं० आई-2/37-ईई/18728/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, शम्बई द्वारा दिनाक 29-3-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बर्ड

तारीख: 6-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एवं. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### मारत संस्थार

# कार्यासक, सञ्चासक कामकार बाब्यक (निर्दीकान)

अर्जाम रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिमांक 5 नवम्बर, 1985 निर्वेश सं० अई-2-37ई/18335/84-85-अत: मुझे, प्रशांत राय,

नावकर विधिनिया, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें वस्तात् 'उसत विधिनियम' कहा नया हैं), की नारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित काबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिस की संख्या शाप न 2, जुबली श्रपार्टमेट बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणा है), श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधि- नियम की धारा 269 क ख के अधीम सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 15-3-85 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूस्य से कम के ध्यमान श्रिक्स के जिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि ध्याप्त में कम संगति का निवास बाजार में दक्तमान प्रतिकृत के कारण है कि ध्याप्त में कम संगति का निवास बाजार में दक्तमान प्रतिकृत में किया प्रतिकृत में कम्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एमें अन्तरण के निए तब पाया ग्रांतिकल, निम्नितिबात उद्योग में जनत अन्तरण कि सिए तब पाया ग्रांतिकल, निम्नितिबात उद्योग में जनत अन्तरण कि सिए तब पाया ग्रांतिकल, निम्नितिबात उद्योग में जनत अन्तरण कि सिए तब पाया ग्रांतिकल, निम्नितिबात उद्योग में जनत अन्तरण कि सिए तब पाया ग्रांतिकल, निम्नितिबात उद्योग में जनत अन्तरण कि सिए तब पाया ग्रांतिकल, निम्नितिबात उद्योग में जनत अन्तरण कि सिए तब पाया ग्रांतिकल, निम्नितिबात नहीं किया गया है क्षेत्र का स्था के स्था से किया गया है क्षेत्र का स्था से स्था से किया स्था से स्था से स्था से किया से स्था स्था से स्था स्था से स्था से स्था से स्था स्था से स्था से स्था से स्था से स्था से स्था स्था स्था से स्था से स्था से स्था से स्था से स्

- (क) मेंचरण सं हुइ जिला नाय की शावत, उसत नीमिन्सन के सभीन कर दोने के संस्तरक से समित्य में कमी करने वा उससे बलने में सुविधा से सिए; सरि/वा
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन या जन्म आस्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर जिम्मिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-का अधिनियम, या धन-का अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विकया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा खें किए;

कतः व्यवः, कं कन्मरण मे, भे, उक्त अधिवियम की धारा 269-च की उपधारा (१) अ अधीन, निकासिकित सावितयों, वर्धान रूप्प

- (1) श्री इस्माइल अकबर अली हाजी (अन्तरक)
- (2) श्री पुसुफ राजमहमद पटेल

(अन्तिरनीः)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्जन के लिए कार्यगाहियों करता हों।

#### उन्त तंत्रील के वर्षन के तंत्रीय में कोई भी नामीय :---

- (क) इस सूचना को राजपण मों प्रकासन की ठारीब से 45 दिन की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ठामीस से 30 दिन की अवधि, को भी सुक्षि बाद में सवाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर स्वित्तयों में से किसी व्यक्ति सुनारा,
- (क) इस मुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेथे हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्रि के पास जिक्ति में किए जा सकरें।

स्वक्षतीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और वर्षे का, को उपल क्षिणियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विधा गया है।

# अमुसुची

शाप नं० 2, जो जूबीली अपार्टमेंष्ट को० आप-0 हाउसिंग सोसायदी, प्लाष्ट न० 3, यारी रोड, वर्सोवा बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क० स० अई-2/37-ईई/18335/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 15/3 1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत रामु सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 5-11-1985

प्रक्रम आई. टी. एन. एस. -----

भायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श्र (1) को अभीन सूचना भारत सरकाइ

कार्यालय, सष्टायक बायकर बायक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई. बम्बई, दिमांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश स० आई 2/37-ई ई/18538/84-85----अतः, मुझे, प्रशांत राय,

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसके नम्बात् 'उन्त अविधिवम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीत नहाम परिवादी हों, यह निश्चास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्भति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी संव गाँप नंव 44, रोशनलाल शापिंग आरकेड, श्रंधेरी (प०) बम्बई-58 है नथा जो बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वणित है),

(श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूण रूप में बांगत है), श्रीर जिसका करारमामा आयत्तर अधिनियम, की धारा 269 के, ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 23 मार्च, 1985

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्ह्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल से एसे द्व्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्त-ती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया निफल, निम्नसिचित उद्योच्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई स्थिती बाय की बाबत, उनक बिधीनसम्बद्ध अभीन कर दोने के बन्तर्क के बासित्व में कमी करने मा उत्तर्स वचने में सुविधां के लिए; और/या
- (क) श्री किकी थाय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिक्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिक्रियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ, अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना जाहिए था, जिनामें में कृषिणा के सिष्

भतः अस्, उक्त विभिनियम की भाग 269-न के बनुसारण कें, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-च की उपभाश (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसीं, अभीत् :--

1. मैसर्स राजकुमार एजेंसीस।

(अन्तरक)

2. श्री दौलत राम मुलीधर नेज्जा।

(अन्तरिती)

को वह स्वना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उनत सम्मरित के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवासः;
- (व) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याद में दिया गया है।

#### सन्स्थी

शाप नं 0 44, जो तली मंजिल, रोशनलाल अग्रवाल शापिंग आरकेड, एस नं 0 41 (पार्ट), वर्सीवा, भ्रोशिवरा, भंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई 02/37-ईई/18538/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-3-85 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख : 5-11-1985

प्रस्प नाई.टी.एन.एस.-----

(1) मेमर्स जे० एस० कारपोरेणन ।

जासकर जीभीनकन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन स्चना

#### भारत संस्कार

नावतिष, **बङ्गपक नायकर बाजूनत** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, बम्बई

बम्बई दिनां रु 6 नवम्बर, 1985 निदेश सं० प्रई-2/37ईई/18290/84-85-- प्रतः मुझे, प्रणांत राय,

बायकर विधीनसम, 1961 (1961 का 43) (विधे इक्कों पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति विसका उन्तित वाकार मूल्य 1,00,000/- क. ते अधिक हैं.

और जिसकी सं० फ्लेट मं० 502, क्वार्टर डेक, बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्णक्प से वर्णित है), और किसका करारनामा आयकर अधिनिधम की धारा 2698 ख के अजीत, सक्षम प्राविकारी के जार्याज्य, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 14-3-1985

को पूर्वोका सम्मित के उक्ति बाबार मूल्य से कम के दरममान प्रतिक्रम के लिए जंतिका की गृह है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि बभापवेंका संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके क्रथमान प्रतिक्रण ते, ऐसे क्रयमान प्रतिक्रल का पन्त्रह प्रसिद्धात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के किए तय पामा गया प्रतिक्रल निम्नीनिश्वत उक्वेक्य से जनत जन्तकण किवित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अंक्ष्मण से सुद्धा विकास करना करी नावका, उपका जीभीतकात को नभीत कर बोमें को जंतरका को बंगीयरका में कांनी कांग्सों वा उत्ततों नकांने में तुनिभा को लिए; जॉर्ड़/वा
- (थ) एकी किसी जाम या किसी भन या अस्य आस्तिमों की, जिन्हों भारतीय जायकर जीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-नर जिथीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, डिपाने में तृतिभा के निक्;

जत: जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिद व्यक्तियों, जधीन :--- (2) श्री मतीश गुप्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्बक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिकों करता हूं।

जनत सम्मति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस स्वा के दाजपक में प्रकाशन की तारीं है ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों यों से किसी व्यक्ति द्वास;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तास्त्रीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- क्या किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का जो उक्त जीधीनयम, के अध्याव 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लेट नं० 502, जो 5वी मंजिल, क्वाटर डेक, जय प्रकाश रोड, बर्सोबा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-2/37ईई/18290/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा घिनांक 14-3-85 को √जिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रें ज-2; बस्बर्ड

तारीख : 6-11-1985

मोहर ॥

शक्त कार्<u>वी हो पूर्व पूर्व अञ्चल</u>

# नावकड नीयरियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के वजीन सूचना भारत क्रयकार

# कार्वासन, सहायक आधकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 6 नवम्बर, 1985 निदेश सं० मई-2/37ईई/18291/84-85--- ऋतः मुझे, प्रमात राय,

नावकर निधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतर्ने इसके पश्चात् 'उनत मधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर तथ्यति, जितका उचित वाचार मून्य 1,00,000/- दुरु से निधक है

और जिसकी स० फ्लेट नं० 501 कथार्टर डेक, बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारींख 14-3-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अध्यरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अत्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सूबिशा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्ध जन्दिरसी ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नक्षः नव, उक्त निभिनियमं की भारा 269-भ के जनुसरण मों, भीं, उक्त निभिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीत, निम्तिसिक व्यक्तियों, अभीत क्रिक (1) मेमर्स जे॰ एस॰ कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनीश गुप्ता।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्क्वाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को नर्पन को संबंध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इत कुषता के राजपण में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन की जबिथ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की ताथील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुषत्य;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य स्थावत ब्वास अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे:

स्वयानिकरणः --- इक्सें प्रयुक्त खब्दों और पदो का, को खक्त विधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, ब्रही वर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

फ्लेंट नं० 501 जो. 5वी मंजिल, क्वार्टर डेक, जय प्रकाश रोड, वर्सोना, अंधेरी (प), बस्वई 4000 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० मं० अई-2/37ईई/18291/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-3-85 को रज्रिस्टर्ड किया गया है।

> प्रमांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-2, बस्बई

तारीख : 6-11-1985

अ**क्**र **बार्ड** .टी .यून .पूस . ------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की के धारा 269 थे (1) के अधीन सूचना

*े रह अवस्थाप* 

कार्यासयः, मह्यः भागः गामुनल (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बर्ड

बम्बर्द, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्वाश स अर्ड-2/37 हैं है / 18444/84-85 — अत मू भने, प्रशांत राय,

का कारण है कि यथापून किस सपित का उतिक बाजार नृष्य, इसने परवात् 'उन्त निर्धानमा' नहा गया हैं), की भाग 269-स के निर्धान सक्षम प्राधिकारी को यह निर्धास करने का नायकर निर्धान सम्भाग 1961 (1961 का 43) जिसे इसने 1,00,000/- रा. से निर्धा है

और जिनकों स प्लैट न 302, क्वार्टर डोक, क्वार्ड-58 में स्थित हैं और इसस उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णरूप स विणित हैं), और जिसका करारनामा अयन्तर अधिनिशम, 1961 की धारा 269 क ख क अधीन, सक्षम प्राधिकारी के क्याणिय, बम्बई में र्शिज्दी हैं, तारीख 20-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने जा कार में कि यभापवें कर मणित का उपित जावार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल के भौतशत में अधिय है और अन्तर्क (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीक एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया अतिफल, निम्नोनिवत अष्य क्यों व खब्द अन्तरण के बिल् में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (का) अन्तर्भ भे हुई किसी बान की बावत, अवस अधिनियम के अधीन कर दोने के अवहरक के स्थितिक में कभी अनुसे या उन्हों स्थाने में सुविचा के किए; अप्/या
- (य) एती किसी अभ वा किसी जन वा काल बारिसमी की जिन्हें भारतीन नाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा संबंद किमिनमा, या भन-कर विभिन्नमा, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया काल वाहिए था, कियाने में सुविधा को विद्युः

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु—

(1) मेसर्म जे० एस० ग्रारपोरेशन ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री धीरज हरीनाल शाह ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के वर्धन के लिए कार्घवाहियां करता हुं।

दक्त सम्बन्धि भी अर्थन के सम्बन्ध को कोश्व भी बार्शन ह----

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 विन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 विन की अविध, वो भी नविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतप्र प्रवेक्त व्यक्तियों में से सिक्सी व्यक्ति बुवाय;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के मीसर उक्त स्थावर कव्यक्ति में हितवबृध् किसी जन्म व्यक्ति युगरा अभोहस्ताक्षरी के शास निचित्त में किए वा बकोंने ।

#### प्र**नुसू**ची

फ्लेट न० 302, जो, उर्ग मजिल, क्यार्टर खेक, जय प्रकाश रोड, वर्सोधा, बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-2/37ईई/18444/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-85 को रिज़स्टर्ड किया गया है।

> प्रशात राय मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बस्बर्ड

नारीख ' 6-11-1985

मोद्धर 🖁 💆

### प्रकार बार्ड .टी एन एस -----

बायकार आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुबना

#### BITT BIBLE

# कार्यालय, महायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

श्रजंन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 6 नवम्बर 1985

निदेश स॰ प्राई 2/37ईई/18445/84 85—- अत मुझे प्रशास राय

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिथिनयम' कहा गया हैं), की राग 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का आरण हैं कि स्थावर मंपरित जिसका सजित बाजार मृश्य 1,00,000/-रा. से बिधिक हैं

और जिसकी स० पलेट नं० 301 क्वार्टर हेंग बम्बई-58 में स्थित है (और इस4 उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्था से वर्णित है) और जिसका रारतामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिगरी के रार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारींख 20-3-1985

को पर्योक्स मपरित के तिकत नाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मृन्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब पाम गवा प्रतिकात, निज्नसिक्ति उद्योक्य से उक्त अन्तरण सिकिष्ठ में अस्तिक रूप से कार्यक क्या गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम को सधीन कर दोने की अन्तरक को शियरण में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए, और/या
- (७) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, रा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया अना जिल्ला या राजिया में स्विधा के सिए;

अस अब, उक्स अधिनियम की धारा 269 ग के अमगरण में, में, एक्स अधिनियम की धारा 269 में की उपधारा (1) के अभीम, निस्निसिश्चत व्यक्तियों, अर्थीस :---

(1) मेन्सं जे० एन० पन्पोरणा

(ग्रन्पर)

(2) भी भीरत हरीतात माह ।

(ग्र तरितो)

को यह सुचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

सकत सम्पत्ति की अर्थन की सम्बन्ध में कोड़ी भी बाक्षेप ----

- (क) इस सूचन राजन है जारा है। तारा है। कि की जन है। तारा है। विस्कृत ही जारा है। विस्कृत ही जारा है। विस्कृत ही जारा है। विस्कृत ही जारा है। विस्कृत की जारा है। विस्क
- (ब) इस स्वाम को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन को भीतर अनत स्थाबर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मन्य व्यक्तित व्यारा अधोहम्ताक्षरी के पार शिक्षित में किये जा सकोंगे।

रपकारिकरण.--इसमें प्रयुवत कच्यों और पर्यों का, को अवस अधिनियम ६ अध्याय 20 क में परिभाषित है, बहुव अर्थ होरा को उस अध्याय में दिवा गया है।

### अनुसूची

फ्लंट न० 301, जो 3री मिल्ल, फ्लाटर है क, जय प्रकाश रोह पर्सोचा, बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैमा जि क० स० ग्राई 2/37ईई/18445/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यीलये, बस्बई द्वारा दिनाव 20-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणात राय नक्षम प्राधिनारी नहायक श्राय∗र ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रामेन रेज 2, बस्बई

नारीख 6-11-1985 मोहर प्रकृष काइं.टी.एन.एस.-----

आयकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के निर्धान स्चना

#### भारत तरकार

# कार्जानव, तक्षावक आयंकर आयुक्त (निरोक्षक) प्रार्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 6 नथम्बर 1985 निर्वेश सं० श्रई 2/37ईई/17857,84-85--- श्रतः मुसे, शांत राथ.

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इचमें परणात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित वाचार नृस्व 1,00,000/- रह. से विधिक हैं

और जिसकी स० फ्लेट न० 106, फारहृत अपार्टमेट, जोगेश्वरी, (प), बम्बई-102 में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में पूर्णरूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 कख के अधीन, सक्तम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वनित संपत्ति के जीवतं बाबार मून्य वे का के कावमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त संपत्ति का जीवत बाबार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पड़ाह प्रतिकात से विधिक है और जन्तरक (जन्तरका) बीर बंब-रिती (अन्तरितिका) को बीच एमें अन्तरण को सिए तब शामा नका प्रतिफल निम्मीनीकत जन्मका प्रतिफल निम्मीनीकत जन्मका से उसत अन्तरक निमिक्त में बास्तीक कप से कथित नहीं किया ग्रा है :---

- (क) अंतरण से बुड़ी जिल्ही जाब की बाबत, जनत जिथानियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दासित्य में कभी करने या उससे बचने में बुचिथा के लिए; और/बा
- (स) एती किसी जान ना किसी भन ना जम्म अगिसानों का, जिन्हीं भारतीन आयकर विभिन्निया, 1922 (1922 का 11) या उनता विभिन्यम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के जन्मियान बन्धिया क्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिल् था, कियाने जें सुविभा के निर्ण।

जत अब, उच्च श्रीभीनयम करी भारा 269-य के कत्कुरूका मों, मीं, उक्त राधिनियम की भारा 269-म की उपभाषा (1) के अभीन, निम्मिनियम व्यक्तिकों, नर्भाव् र्⊶

- (1) भी ए० रजक हाजी अदमणी हमनफता। (अन्तरक)
- (3) श्री महमूद इसन हाजी इसा मन् । (अन्तरिती)

को यह त्याना जारी करके पूर्वोक्त सम्वत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हां।

उक्त सपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---(क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की नदीध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिष, जो भी, नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तस्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के बाब निकित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरण,—हत्तमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनयम, के अभ्याम 20-क में परिभावित ह<sup>4</sup>, यही अर्थ होगा जो उस अभ्याम में दिका गवा ह<sup>7</sup>।

# मन्त्यी

पलैंट नं 108 जो 1ली मंजिल, फारहत ग्रंपार्टमेंट, जोगेंग्वरी (प), बम्बई-400102 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क० सं० भई-2,37ईई,17857,84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोवः 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रमांत राय सक्षम प्राधिकारी ्र सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-2, बस्बई

तारी**क ' 6-11-1985** नोहर ध प्रकर बाइ . टी. एन . एस . ------

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) ऋजैन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनाक 6 नवम्बर, 1985

निर्देण मं० ऋई-2/37ईई/17894/84-85--- अत. मझे. प्रशांत राय

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 51, जनमींन प्रपार्टमेंट, अंधेरी (प), बस्बई-58 में स्थित है (ओर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), और निसका वर्रारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 व्यव के प्रधीन. सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिवस्टी है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान ब्रितिफल के लिए अन्तरित की गई और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किंसी जाय की बाबत, उक्त जिंधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के दाशित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के किए; और/धा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, धिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया रवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्विभा के सिए;

बतः कथः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियमें, अर्थास् :---65—366 GI/85

(1) महमूद हमेत ए० तरीम गर्नेट ।

(अन्तर :

(2) श्री मुस्ताक हसन खान और श्री नजीर हसन खान।

(भ्रन्तिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उपत सुम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी खाखेर '---

- (क)। इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्ररताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पन्दिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-का मा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मा दिया गया हैं कि

# अनुसूची

फ्लेट नं 51, जो, 5वी मंजिल, जसमीत श्रपार्टमेंट, 31, एस० वी० रोड, अंग्रेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/17894/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई वारा दिलाक 1-3-1985 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्रावित्रारी सहायक स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेन-2, बम्बर्स

तारीख 5-11-1985 मोहर •

प्रचम बार्ड , दर्न , एन , एस . -------

# बायकर बाधीनयम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण) मर्जनरें ज-2, बम्बई बम्बर्ध, दिनांकः 5 नवम्बर, 1985 निर्देश सं० अई-2/37ईई/17902/84-85-- अत: मझे प्रशांत रायः

नामकर गणिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारत 269-स के अधीन संभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,0∪C/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 101/102. शिवम प्रपार्टमेट, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 व ख के प्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्टी है, तारीख 2-3-1985

को प्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के रूपमान 'प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रथमान प्रतिफल से, एसे ब्रथमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक **रूप** से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नानरा, अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; नीए/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर समिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या विद्या जारा चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने निए:

करा नव, उक्ट किंपिनियम, भी भारा 269-ग के अनसरवी भी, भी, उत्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) 📽 मधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, सपत् ह---

(1) शालिनीं गाह ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रमतलाला वी० जनानी।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की संबंधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदब्ध किसी जन्य व्यक्ति दवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

को उपत स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वो का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लेट नं० 101/102, जो 1ली मंजिल, शिवम प्रपार्टमेंट, 🖫 प्लाट नं ० ए/ 1-142, और 143, अंधेरी वर्मीवा मेन रोड. वर्मीवा अंधेरी (प) बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनस्ची जैमा कि क० मं० ग्रई-2/37ईई/17902/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-3-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत रा 🗀 सक्षम पाधि धरी सहाय ५ आय भर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रें ज-2. बम्बई

तारीख: 5-11-1985

मोहर -

# मुक्त नामु स्त्री प्रमान्त्र व्यापनामा

नामकार निधितियम, 1961 (1961 का 43) की

### गानकार भागानमा, 1961 (1961 का 43) क भारत 269-ध (1) के बचीन सूचना

#### हार्च सहस्रह

# कार्बासन, सहायक नायकर नायकर (निरक्षिण) शर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 5 नवम्बर, 1985

निदेश मं० ग्रई-2/3ईई/17903/84-85--- श्रतः मुसे, प्रशांत राय,

बायकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस

और जियमी सं० फ्लेट नं० 204, सी शेल, अंग्रेरी (प), बस्वई-58 में स्थित है (और इससे उपाबछ अनुसूची में और पूर्णस्य से विणित है), और जिस्सा ए रास्तामा भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क्ख के अधीत, रक्ष्म प्राधिकारी वे कार्यालय, बस्बई में रिजर्स्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त तस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाण प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई हैं खेंन मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित क्षणार मून्य उसके दश्यमान प्रतिक्षण की कृष्टि इस्वान प्रतिक्षण का वन्त्रह प्रतिक्षण कि विश्व हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए तम पाना नमा प्रतिफल, निक्निप्तित उद्देश्य ने उस्त अंतरण कि विश्व वंतरण विश्व वंतरण के विश्व वंतरण के किया गया है द

- (क) अस्वरण संहुदं जिल्ली अस्य की बाबत, सक्त अधिनियर के अधीन कर दोने की अस्तरक को श्रीयत्व में क्षत्री करूने वा उससे बचने में सुविधा की लिहा; क्षीं कर्ने वा
- (क) ऐसी किसी नाथ या किसी नम या नाथ वारिकारी को निन्हें भारतीय नायकार निर्मियम, 1922 (1922 का 11) या सनत निर्मियम, या धन-कर निर्मित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना चाहिए था. कियाने में सुविधा के विकार

न्धः अव, उन्त विधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण को, की, क्यत विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीम, निम्मिलिटियम व्यक्तिलों, अभित् क्रान्स (1) श्री साजद खान रेहमत खान ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमित पदमीनी राज ओर श्री राजा राम।

(भ्रन्तरिती)

का नइ व्यान जारी करने पृत्रीयत सम्पर्टेत के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

## तकत बन्दील के बर्चन के संबंध में कोई भी मार्खेद :---

- (क) इस त्वान के राजपण को प्रकाशन की बारीस से 45 दिन की जनीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविष, जो जी अविध साम में बनापत होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस कुचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के शीसर उन्नत स्थानर संपत्ति में हितनक्थ किसी अन्य न्यायस बुगरा स्थाहस्ताक्षरी के पास सिसिल में किए का सकते।

स्वकाकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पद्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया यथा है।

# **गनुसूची**

फ्लेट नं० 204, जो. 2री मंजिल, ए विंग, सी गोल, सात बंगलोंग, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि: ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/17903/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारे सहायक प्राथकर अभ्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, यम्ब ध

तारीख: 5-11-1985 मोहर 🖫

# प्रथम बाह् . दी . द्व . द्व ुन्द्रन्तन्त्रन्तन्त्र

भायकर भिर्मानयम, 1961 (1961 का 43), फी धारा 269-ण (1) के अधीन सुजना

#### HICE BURNS

# कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, हिनांक 5 नचम्बर, 1985

निर्देश मं० ग्रई-2/37ईई/17919/84-85-- श्रनः मुझे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त अधिनियम' कहा गया है। की धारा 269-ख कं अभीन सक्षम पाथिकार। को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

अं।र िभकी स० फ्लेट २० ६०१, मनीण नगर, अधेरी (५), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उप बद्ध अनुसूची में और पूर्णस्य में विणित है), और जिन्हा दरारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 209 .ख रु यधीन, नक्षम प्राधिशारी वे ार्यालय बम्बई मे राजिस्ट्री है, तारीख 2-3-1985

कां पुर्वाधित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य संकम के पश्यमान प्रतिकल क लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने वा कारण ही कि यजानूनावत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असको दरयमान प्रतिफल से, एसे दरममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अर्तारिशियों) के भीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिश्वत उष्दंश्य से उनत जन्तरण सिनुश्वत में ब्रास्त्विक रूप से कथित नहीं किया नवा 🗗 🖫---

- (क) बन्तरूप सं **६५** किसी बाय की बाबत, भौधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तारक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यने में सविधा के निए; श्रीर/वा
- एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त, निधृतिनम, वा वन-कर जिल्लाका, 1957 (1957 की 27) के प्रबोजनार्थ जन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

क्षत: अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग को जनसर्व वा, जी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) श मधीव, रिम्निसिश्चत् न्यानित्यों, मधीत् हेन्द्र

(1) मेसर्स एस० वी० एस० एण्ड कम्पनी ।

(श्रन्तरक)

(2) डा॰ दामोदर कुमार तोलानी और श्रीमति हरदेवी ग० तोलानी ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करुता हुं।

उक्त सम्मतित के अर्थन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षप .--

- (क) इच त्यना के राज्यन में प्रकासन की तारीय से 45 जिब माँ अवशिव वा वस्तवस्थानी व्यक्तिवार्ग पूर बुच्ना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी वविषु बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त अविश्वार में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्पना के राजनत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्द्रभ किसी मन्य व्यक्ति युवाय अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अवस विभिन्तियम के वश्याय 20-क में परिभावित हैं, बृही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया

# वयुगुची

फ्लेट नं० 601, जोां छठवी मंजिल, इमारत नं० 2-3-4, विंग, मनीण नगर, बसीबा रोड, अंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रन्मुची जैसा कि ऋ० सं० भई-2/37-ईई/17919/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-3-1985 को रिकस्टर्ड किया गया है।

> प्रणात राय नक्षम प्राविकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, **बम्बई**

नारींख: 5-11-**198**5

मोहर \*

COLUMN TO SERVICE STREET

प्रकथ नाहरे, हो, एन, एस, -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की **पारा** 269-म (1) के मुभीन सुखुना

#### STATE STATE

कार्यात्तव, सहायक वायकर जायुक्त (निर्देशक)

श्चर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनाह 5 नवम्बर, 1985

निदेण सं० प्रई-2/37ईई/17954/84-85-- ग्रतः मुझे, प्रशात राय.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसकें इसकें परकाद जिस्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 4, बीज सोमाइटी, अधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है(और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्णस्प से विणित है), और जिसका क्रायतामा श्रायत्र अधिनियम, 1961 की धारा 269 खं के अधीन, सक्षम प्राविकारी के वार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 5-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रितिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसक दश्यमान प्रतिफल से , एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रविचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में असित क्य से कथित कर स्था निम्नलिखन कर से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) अन्तर्भ ने हुई किसी नाव की बाबत अन्तर नाम-नियम में अभीन कर्ड़ दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा इससे वचने में स्पृतिभाः में निए, बोड/बा
- (शा) एसी किसी आय ग हिन्सी वन वा बच्च आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्तिहिती ब्वाप प्रकट नहीं किया गया धा वा किया चाना चाहिए चा, कियाने में सिन्धा के लिए;

जस नव, ठनच अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उनस अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन के निकासिकिय न्यानिकर्ते व्यक्ति के का (1) श्रीमती सुन्दरी पोहूमल हारवानी ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमित पूनम राजेश जोशी।

(अन्तरिती)

(3) श्रन्तरक।

(बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति हैं) ।

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्द सम्मृत्ति के कजन के निए कार्यवाद्वियां करता हो।

# उक्त सम्परित के वृत्रीन के सम्बन्ध में कोई सी बासपे :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक जिकित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, बही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिवा वता है।

#### बार पानी

फ्लेट नं 4, जो तल मंजिल, सी बीज प्रिमायसेज को०-ग्राप० हार्जासग मोनाइटी लि०, गात बगलोज, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/17954/84-85 ओर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, *बस्ब*ई

तारीख : 5-11-1985 मोहर : प्ररूप आहे. दी. एन. एस.-----

जायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के जभीन सुमना

भारत सरकार

कार्बालक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रें ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 नचम्बर 1985

निदेश सं॰ ऋई-2/37ईई/18091/84-85-- ऋतः मुझे, प्रशांत राम,

नामकर निर्धानमम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त निर्धिनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूस्य 1.,00.000/- रु. से अधिक ही

और जिपकी सं० गाला नं० 18, घाण्याम इन्डस्ट्रीयल टस्टेट, अंधेरी (प), वम्बई-58 में स्थिल है (और डात्से उपावड अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), और जिसका , राजनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 जब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिस्ट्री है, तारीख 8-3-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल को जिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, असके दरयमान प्रतिफल से ऐसे दरयमान प्रतिफल का पद्म प्रतिफल से ऐसे दरयमान प्रतिफल का पद्म प्रतिफल से अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया जीतका निम्निजित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त निषय के अभीन कर बोने के अंतरक के वाबित्य को कृती करने या उससे यजने में सुविधा के जिए; और/या
- (वं) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्त्रियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया गणा चाहिए था, खिषाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री विजय कुमार ओवराय ।

(ग्रन्तरकः)

- (2) नागपाल बालकीशीन वीं० (एच०यू०एफ०) (अन्तिन्ति)
- (3) भ्रन्तरक ।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्योत्त के अर्थन के तिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्लेक् भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त क्यकितयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबचुभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

''गाला नं ० 1 8, जो बी विंग, घनश्याम इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, भॉफ वीना देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

प्रमुक्ती जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/18091/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रैंज-2, बस्बर्ष

अबः तम, बन्त अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनयम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत, निम्नलिखितः व्यक्तिसमो , अर्थान् क्रिक्ट

नारीख : 6-11-1985 मोहर: प्रक्य कार्य हो हु एक ु एस ु ========

बायकर ब्धिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### माइत् सरकार्

# कार्यां तय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रें ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/18095/84-85— ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत विधिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से विधिक ही

और जिसकी सं० फ्लेट नं० ए-2, पेराष्टाइस. ऋषार्टमेंट, अधेरी (६) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण-रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिन्यम की धारा 269 कख के अधीन, स्क्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 8-3-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल लिए अन्तिरत के की गइ है यह विश्वास करनं का कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रस्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है बौर बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के अंबीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 👸 🖫 🛶

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधनियम के अबीत कार दोने के अंतरक के दारित्व में कामी कारने मा ज्यामें इक्तों हो होति। के लिए: बॉर/बा
- (ण) पंक्षी किसी बाव वा किसी थ्व वा बन्य वास्तिवी की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उन्त अधिनियम, दे धन-कर अधिनियम, 1977 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती त्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, किया में प्रविधा वी खिए;

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)-के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थन् :---- (1) श्रीं विपूल जयंतीलाल शाह।

(ग्रन्तरक्)

(2) श्रीमित शीला चन्द्रकान्त शाह और श्री सी० बी० शाह (एच०यू०एफ०)।

(3) अन्तरक ।

(ग्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

**उक्क सम्पत्ति के वर्जन के** सम्बन्ध में काई भी वाक्स करन

- (कं) इस स्वना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की वनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामीस से 30 दिन की ब्रविध, खो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इब स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबह्रध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्यकरण: ---इसमें प्रयुक्त कब्दों और वद्यों का, वा उत्तर विभिनियम, के वध्याय 20-क में परिआधित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### त्रनुतूची

फ्लेट नं ० ए-2, जो पेराडाइस अपार्टमेंट, 137 एस ०वीं ० रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/18095/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा दिनांक 5-11-1985 को रिजस्टर्ड िया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-11-1985

मोहर 🛭

प्रका नाइ . टी. एन . एस . ------

नावकद्र मधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के मधीन सुचना

#### ARE RANGE

# कार्यालय, सहायक आयकार नाम्का (क्रिकाक) अर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 6 मवम्बर, 1985

मिवेश सं० अई-2/37**ई**ई/18132/84-85--- अतः मुझे, अशांत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट न० 301, कोहिनूर, जोगेश्वरी (प), धम्बई-102 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाधद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णस्य से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, धम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 8-3-1985,

- का पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान इतिकल के लिए रीजस्ट्रीकर्ता विलेख के जनुतार जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि सभापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान इतिकल से, ऐसे इदयमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित क्षृत्वेद्य से उच्त अन्तरण लिखत में बास्तिवल स्थ से कियत नहीं किया गया है:---
  - (क) अन्तरण से हुई किती अस की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दासिस्थ में कमी करने या उसत्ते शबने में सुविधा के लिए; और/या
  - (क) एसी किसी अाय का किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के शबोजनार्थ जन्तौरती द्वारा प्रश्ट नार्गे किया गरा वा कि

बत. बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निक्तिसिवत व्यक्तियों, जर्मीत के----

(1) श्री बालकृष्णा के० मेट्टींग

(अन्तरक)

(2) सैयद अल्तर हमेम।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) अन्तरिती।

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अद्यो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ः---

- (क) इस भूचना को राजपन में प्रकासन की तारीब कै 45 विन की सबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीस से 30 विन की अबीध, जो भी सबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास किसिया में किए का सर्वोचे ।

स्पृष्यक्रिरणः - इतमें प्रयुक्त कम्यों और पदों का, भो उक्त निधानियमः, को अभ्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं भूषं होगा क्ष्में उस अभ्याय में विका भूषा हैं ॥

# वपृत्रुकी

पर्लैट नं० 301, जो, 3री मंजिल, कोहिन्र बिल्डिंग, बादी-क्ली विलेज, जोगेश्वरी (प), बम्बई-102 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-2/37ईई/18132/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विमांक 8-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 6-11-1985

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

# बाधकर निविनयम, 1961 (1961 का 43) वर्षी भाषा 269-व (1) के बचीन स्वाना

#### भारत सरकार

कार्यालब, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नम्बर 1985

निदेण मं० अई-2/37ईई/18272/84-85-- अतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अभिनियम' कहा पया हैं), की भारा 249-च को अभीन सक्षम प्राधिकादी की यह विस्थास करने का कार्य है कि स्थानर सम्भीता, जिसका समित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको मं० फ्लैंट नं० 8, किरनचन्द्र मोसाइटी श्रधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णच्ल से बणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कल के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रडिस्ट्री है, नारीख 14-3-1985,

को बुबोंक्स संस्पत्ति को उपित बाबार मृत्य के कर को रश्यान स्तिपास को लिए अन्तरित की गई है और बहु विश्वास करने का कारण है कि बचाप्तोंक्स कर्मात कर उपित बाबार मृत्य, उपके कर्ममान प्रतिकास से, एसे रम्मान प्रतिकास का प्रमुख प्रतिकास से बाधिक है और मैक्स (अंतरका) और संसरिती (अन्तरित्यों) के बीच एमे जन्तरण के निए नम पाना नमा प्रकारका, निम्मानिक उपकोषों से क्या बन्तरण कि विता के साराविक क्य से कांक्स नहीं किया क्या है —

- (या) कराइन्य से क्षूर्य किसी साम करी नामक करास स्वीप -विषय के स्वीप कर दोने के सम्परक को दासिरत को सकती समर्थ वा कराई अधने की मृतिया को जिल्हा; सोदा/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों हो, चिन्हें भारतीय साव-कर विधिनयन, 1922 (1922 का 11) या अक्त प्रविनयन, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ सन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किना पका था या किया जाना लाहिए था, छिनाने में विधान के बिक्;

का क्र, उसद क्विवियय की बाडा 269-व के बब्धरक् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्रीबी० रमेशा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित उषा नारायन स्वामी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हूं।

# क्का बन्निहा के नर्पन की सम्बन्ध में सीव्यं की नाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकासन की बारीय से 45 दिन की अनीय मा तत्त्र्विकी व्यक्तियों पर सूचना की दाजीस से 30 दिन की जनिय, को भी जन्मिं बाद में बनाया होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना में राष्य्य में प्रकायन की शारीक हैं 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हिंद-न्यूच किसी धन्य स्थायत व्यास मभोहस्ताकारी के यस निर्देशत में किए का सकति।

स्पच्चकिरमः —-इसमें प्रयुक्त सम्बं निर वर्षे का, से समय वीधिनवन, के सम्बंग 20-के में परिभाषित है, वहीं सर्थ होता, यो उस सम्बंग में विका स्था है।

#### अनुस्ची

फ्लेट नं 8, जो किरनचन्द्र को०-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, प्लोट नं 33, एस० नं 145(पार्ट), 146(पार्ट), मनीश नगर, जे० पी० रोड, श्रंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/18272/84-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिमांक 14-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, धम्बई

नारीख: 5-11-1985

# 

बावश्वर विश्वितवन 1961 (1961 का 43) की पारा 269-च (1) के बधीन सूचना

#### नाइत चहुन्मार

# कार्याजय, बहायक जायकर नायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

धम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/18273/84-85-- अतः मुझे, प्रशांतराय,

बायकुर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 7, किरन चन्द्र सोसाइटी श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण-रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रणिस्ट्री है तारीख 14-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य असके दृष्यमान प्रतिकास से ऐसे दृष्यमान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क का, निम्मुसिकत उच्चेत्य से उच्य बन्तरण सिक्ति में वास्त-विक रूप से क्षित नहीं किया नवा हैं ---

- हुंक) मन्तरक वे हुई किसी बाब की बाबतः, उक्स शीविवया सी वधीन कर दोने के अन्तरक वे दावित्व में कभी करने वा उत्तम वचने में सुविधा के निष्: सरि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तिनों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण कें, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के जभीन, निम्नीलियित व्यक्तियों, जर्थात ।

(1) टी०वी० बाल्सुब्रमनीयम ।

(अन्तरक)

(2) एस० बजिय राघवन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के किए कार्यनाहियां कुरुता हुं।

उचत् संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिंध दा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी अविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से .45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्मित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विधिनियम के अभ्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अभ्याय में विद्या नवा हैं।

#### अनुसूची

पलैट नं ० ७ जो तल मंजिल किरन चन्द्र को०-आप०हाउसिंग सोसाइटी लि० प्लाट नं ० ३३, एस० नं ० १४५ (पार्ट), १४६ (पार्ट), मनीण नगर, ज० पी० रोड, ग्रंधरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/18273/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-11-1985 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-2, बम्बई

तारीख: 5-11-1985

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निस्रीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/18293/84-85-- अतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार्य 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिन्नका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 15, अविनाम बिल्डिंग, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 14-3-1985,

का पूर्वेक्स सम्पत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रियमल के लिए अन्तरित की नई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल सं, एसे इश्वमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतिक्ती (अंतिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए बय पाता गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्वेष से उक्त अंतरण सिक्ति में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बीतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की जन्तरक की बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिका के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय था किसी धन या अन्य जास्त्रयों को, जिन्हों भारतीय अगयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया नवा वा का किया वाना वाहिए वा, किया वे सुविधा के सिए;

नतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमिति वी० कारवालहो श्रीर श्रीमिति एम० एल० फायस ।

(अन्तरक)

(2) जय प्रकाश वी० मूलानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्स सम्परितः के अर्जन के तियु कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# वक्त सम्पट्टित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाबोप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की समिध या तत्संबंधी स्थानतया वर सूचना की तामील से 30 दिन की समिध, जो ना अमिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदा- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए जा सकेंगे।

यक्टीकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क शिशिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वर्क हैं।

### नन्स्ची

फ्लेट नं ० 14, जो, अविनाश बिल्डिंग, जे० पी० रोड्, सात बंगलोज, श्रंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/18293/84-85 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-3-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, अम्बई

तारीख: 5-171985

# प्रकृष् वार्षे हा हो । इस् । इस् । अस मान का

# बावकार विभिनियम, 1961 (1961 मा 43) मही पाडा 269-ए (1) के मुशीन सूच्या

भारत सरकार

# कार्याचय , बहायक वायकर वायुक्त (निर्दासण)

अर्जेम रेंज-2; धम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अ**ई**-237**६६**/18328/84-85--अतः मुझे, प्रशांत राय,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 507, तलाटी अपार्टमेंट, ग्रंथेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में बणित हैं) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 15-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य हे कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास के स्थारन है कि यमाप्नोंक्य सम्बद्धि का प्रतिफल का पंद्रह् इसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त किपिनियम के क्कीन कर दोने के बन्तरक के व्यक्ति में क्वी करने वा अवसे वचने में ज्विधा के फिए; श्रीर्/या
- (क) इंग्री कियी नाव वा किसी भन वा नान नास्तियों को, विनहीं भारतीय सायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा वै विका

अक्ष: अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्धरण भें, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अधित्:—— (1) श्री रमेश शर्मा श्रीर श्रीमती सुनन्दा आर० शर्मा।

(अन्तरक)

(2) श्री भारत बी० शाह।

(अन्तरिती)

को यह स्वान वारी करके पृथींका सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कहि भी नासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद को समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताकरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मका है।

#### वर्त्तुनी

फ्लेट नं० 507, जो पांचवी मंजिल, तलाटी अपार्टमेंष्ट, एस० बी० रोड़, फायर क्रिगेड के पास, श्रंघेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-2/37ईई/18328/84-85 छौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 15-3-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 6-11-1985

# प्रकम कार्च .टी .एन . एस ु ------

# नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नभीन समना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निर्देश मं० अई-2/37ईई/18411/84-85--अनः मुझे, प्रशांत राय

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसकें इसकें पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाजार मुक्ब 1,00,000/- छ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलेष्ट नं० 106, कोहिनूर जोगेश्वरी, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप में विणित है ) श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-3-85

की पूर्वीक्षत प्रस्थित के अधित बाबार ब्रुट्य से कम के स्वमान बिकान के सिए अन्तरित की गई है और मुख्ये सह विकास करने का कारण है कि यथायूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से एसे ख्र्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकास से अधिक ही और अन्तरक (अन्सरकार) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच के एसे बन्तरण के जिल्ह सब पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देवरेय से उक्त अन्तरण ब्रिखित में बास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुड़ किसी आग की आवत. जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में सभी स्वरने या उत्तरो कचने में शांवधा से सिष्; शांद/वा
- (बा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यारिती ब्लारा प्रकट नहीं किया बवा धा या किया जाना वाण्यि था, कियाने में सुविधा खें लिए।

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन.. निम्निसित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्रीमती मीनु पुरशोस्तम ।

(अन्तरक)

(2) श्री अञ्चल करीम अहमद अली पटेल। (अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

जनत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर स्थान की सामीस से 30 दिन की अवधि, हो औं अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति ह्यारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्ट्रस्ताकारी के शक्त सिवात में किए जा सकीं।

स्वकानिकरणः -- इसमें प्रयुवक शब्दों और पदौं का, जो उन्नर किंधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को जस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लेट नं० 106, जो पहली मंजिल, कोहिन्र बी बिल्डिंग, जोगेश्वरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम मं० अई-2/37ईई/18411/84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्याक्तम, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-2, बम्बई

ं बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/18511/84-85--अतः मुझें, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० फ्लेट नं० 201, गेरेज नं० 6, णंग्रीला-1 बम्बई-61 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिबक रूप मे किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यावसयों, अर्थातु:--- (1) श्री सुभाष पांडे ग्रौर रामनाथ पाडे।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ललिता मेनोत।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन को ताराख इन्य 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनसर्थी

फ्लेट नं० 201, और गेरेज नं० 6, जो शंग्रीला-1, सात बंगलीन, वर्सों तो रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400061 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/18511/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया ई।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिमांक: 5-11-1985

प्रका नाई.टी.एन.एव. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### SIST STATE

कार्यात्त्व, सहायक वायकर वाय्क्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मवम्बर, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/18567/84-85--अत: मुझे, प्रशांत राय,

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्याश करने था। कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिमकी मं० पलैट नं० 612/सी, जनकदीप धर्सीवा, बग्बई-61 में स्थित ई (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) श्रीर जिमका करारवामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 26-3-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूस्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गमा प्रतिक्रम, निम्निविचित उद्देश्यों से उच्त वृन्तरण मिनिवत में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुद किसी बाय की बाबत, उक्त लिशिनियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (य) एसं किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अन्, उक्त जिथिनियम की भारा 269 ा वं कासुसरम मों, मों, अक्त जिथिनियम की भारा 269 में की उपार्ण (1) को जधीन, निम्निनिसित स्वितियों, जभाति मूल्य (1) पदमा भलवानी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीलम निरंजन मनचन्दानी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्यस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करसा हुई।

उक्त सुम्पति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुमान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुमान की तामील से 30 दिन की सबिश, जो भी विश्वी बाद में समाप्त होती हो, के भीत पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृशायः;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाजन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थ हस्ताक्षरी के पास मिकिट में किस वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त धन्यों और पदों 7, ज उत्तर विधिनियम के अध्याय 20-क में परिद्शीकत हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यय में दिया गया है।

#### वपुत्रकी

पलेप्ट नं० 612/मी,, जो जनकदीप बिल्डिंग, जे० पी० रोड, वर्सीवा, बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-237ईई/18567/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधि री, बस्बई द्वारा दिनांक 26-3-1985 को रजिस्टई किया गया ई।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयु<del>क्त</del> (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 5-11-1985

प्रकृष बाई . टी . एन . एस . -----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) से सधीन स्वता

#### नारवं ब्रकार

# कार्याचम, सञ्चामक जामका आयुक्त (निर्द्रालाक)

धर्जन रेंज--2, बम्बई

बम्बई, दिन क 6 नवम्बर 1985

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाबार मूम्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस्कीं सं० पर्लंद नं० 22, अंधेरी मनींण विजय, अंधेरी (प), वश्वई-58 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिस्हा करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन वश्वई स्थित पक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय में रिकस्ट्री हैं तारीख 27-3-1985

को प्रोंक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारज है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निसिश्वत उद्वोष्य से उक्त अन्तरण सिवित बे शस्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है प्रान्त

- (ब) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

बतः कव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण भें, भें बक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीव, निस्तिशिक्त व्यक्तियों, अधीत ्र- (1) प्रकाश बैद ।

(श्रन्तन्यः)

(2) नेबील नोशीर हर्दा।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिनी ।

(बह् व्यक्ति जिसके श्रिक्षिकोग में सम्पति हैं)।

को यह क्षाना बाड़ी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्थन के स्थिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्स्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए या सकेंगे।

स्वक्षक्षिक्षणः — इसमें प्रमुक्त कव्यो वरि पत्नो का, वो उक्त व्योधिनयम के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा को वध्याय में दिवा यवा है।

# वनुस्ची

पलैट नं० 22, जो दूसरी मंजिल, ए, इमारत नं० 14, अंधेरी मनीण विजय को० ओोप० हाउसिंग सोमायटों लिमिटेड, मनींण नगर, जे० पीं० रोड , अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुस्ती जैसा कि ऋम सं० ग्रई-2/37ईई/18562/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बर्ध द्वारा दिनोक 27-3-1985 को पजिस्टई किया गया है।

> प्रणांत राय मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)-ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिन.भ : 6-11-1985

# वचन आहु .डी .पुन .पुच .....

शायकर समिनियसः 1961 (1961 चा 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचरा

#### हारत सरकार

कार्यक्रम, सहायक कायकर कायुक्त (निर्दोक्तण) भजेंन रेंज⊶2, बस्बई

बम्बई, दिनौक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं॰ घई-2/3ईई/17862/84-85--- गतः मुझे, प्रशात राय,

जावकर निभानवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभाद 'उक्त निभीनवन' कहा श्वा ही, की बारा 269-च के निभीन सक्षत प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मस्य 1.00.000/- क. से निभक ही

1,00,000/- क. से जीधक हैं
जीर जिसकी सं० शाप न० 15, जुहू बीच हेवन 2 सोसायिटी
जावई-49 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से खींणत हैं) और जिसवा करारनामा आयवर अधिनियम 1961 की धारा 269र, ख के अधींन जम्बई स्थित
सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय में रिन्स्ट्री हैं, तारींख 1-3-85
को पूर्वोंकर बम्पीस के अधित बाचार कुळ हे कन के दरवमान
जीवकत के निए बन्तरित की पर्व कि हैं। हि तारींख कि विववास
करने का कारण है कि वधापुर्वोंक सम्पर्त का उचित बाचार
कुळा, उसके दरवजान प्रतिपास के एसे दरवमान प्रतिकत का
पण्डह प्रतिवास से जीधक है और जन्तरक (जन्तरका) और
जन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए सय
पावा गवा प्रतिपास, निम्निशिवत उद्योग्य से उसत अन्तरण
जिवत में वात्वरिक कन से कीच्छ कहीं कि आ गवा है '----

- (क) सन्तरण वे शुर्द कियों बाध की वाबस, उक्त धीर्थनियम के सधीन कर दोने के जन्तरक कें रामित्य में कमी करने या उससे वकाने में सुविधा के सिशु: सुरि/या
- (क) होती किसी बाम या किसी बन या जन्म जारिसामी को, जिन्ही भारतीय सायकर मिश्रितयम, 1922 (1922 का 11) वा उपत मिश्रितयम, वा अनकर गीश्रितयम, 1957 (19//का 27) के प्रवोधनाथी नम्मरिती वृद्याय प्रकट गई किया गया था वा किया सामा चाहिए आ, कियान में ब्रिया के स्थि;

बक्द वंद, उन्त विभिन्नित्र की भारा 289-न के बन्दरम में. के अन्त अभिनित्र की बाद 269-व की उपवास (1) में नभीन जिल्लीवित स्वित्यों, स्थति :----97---366 GI/85

- (1) श्रीमदी मर्शीन सेलवीन ।
- (बन्तरक)
- (2) श्रीमती संगीता रमेश तींनोकानी।

(भन्तरिती)

की यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त राज्यित के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां सूक करता हुं।

बन्द संपत्ति को नर्पन को संबंध में न्योद्दें भी बाह्येप 🚁

- (क) इस स्थान के राजपण में अकासन की तारीस स 45 दिन की जनिय वा असम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की शविष, जो भी वविष बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शारीचा जे 45 पिन के भीतर उक्त स्थम्बर सम्बक्त में हितबब्ध किसी मन्य स्थमित व्वास मानेहस्ताक्षरी के पांच सिचित में किए वा सकें।

स्वक्रीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पवां का, जो सब्ब अधिनिवस, के का का 20-क को परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगे, जो उस अध्याय को विका गया है।

#### बन्स्यी

शाप मं० 15, जो तल मंजिल, जुहु बींच हेवन 2 को० कोन० हार्जीसगसोसायटी लिमिटेड, प्लाट मं० ए1, सीं० टीं० एस० न० 932 (पार्ट), जुहु तारा रोड, बम्बई-49 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कम सं० मई-2/37ईई/17862/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलाँक 1-3-1985 को रजिस्टडे किया गया है।

> प्रशांत राय सलम प्राझिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बन्धई

विमाक: 4-11-1985

# वक्त बाहुँ हो हो एवं . एवं . -----

# थान्कर निश्नियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 26क्ट<sup>ा (</sup>1) के क्टीन समना

भारत सरकार

# कार्यात्तव, सहायक जायकर वाय्तक (निरिक्रक) धर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बर्ड, दिनातः 4 नजम्बर, 1985

निदेश सं० ऋई-2/37ईई/17915/84/85--- ऋतः मुझे, प्रशांत राय,

बातकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधित री की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थलार मा सि, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रुसे हिस है

और जिसकी सं० फ्लैट तं० 16, दस्त्र बिल्डिंग, बस्बई में स्थित है (और इसमे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणित है) और जिसता करारतामा आयतर अधिनियम 1961 की धारा 268 क, ख के अधीत बस्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रजिस्ती है तारीख 1~3-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्हे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे र जान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतर् के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उत्वर्षय से उक्त अन्तरण जिल्ला में पास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आता की बाबत, उन्त गरिकी मन को अभीत छार े के अन्तरक से दारिक्ष में क्सी करने वा उसर ाने में सुविचा से लिए; सीट/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या क्रन्य आरित की को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (१७57 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट की किया गया वा का किया जावा आहिये ५ किया वे तिथा के विश्वा के लिया के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) मुं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों - धर्म ६००० (1) श्रीमतीं ज्योति षल्लभदास शाह ।

(भग्तरक)

(2) हिरालाल देवशरन शाह और श्रीमती उथा हिरालाल शाह ।

(प्रस्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रंधिभोग में सम्पति है)।

को यह सूचना जारी करक पूनावत जाता के अजन के लिए कार्यवाहिको एक करता हुँ।

जनत संपत्ति को अर्थन को संबंध न काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति चिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- स्वस्थ किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पारें जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छिकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, यही अर्थ होगा यो उस अध्याय में दिया वस **ह**ै।

#### मनु सूची

पर्लैंट ०नं 16, जो ती नरी मंजिल, दश्तूर बिल्डिंग, किरोजगाह रोड, सान्ताकृज (प), बम्बर्ध में स्थित है।

षतुसूची जैसा कि त्रम सं० द्राई-2/37ईई/17915/ 84-85 और जो सक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्रधिवारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

बि्नांक : 4-11-1985

मोहर 💈

# प्रका कार्रं 🛭 दर्गे .. एक 🚊 एक 🚅 🗝 🗝 🖼 🖼

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाडा 269-व (1) के विभीत स्वता

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्र आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज- 2, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37-ईई17917/84-85--- अतः मुझे, प्रणात राव.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकाद 'उकत निभिन्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूज्य 1,00,000/- रा. सं अधिक ही

मीर जिसकी संव पलेट नंव 4, महेक्चर फिखर सान्ताकुंक (प), बम्पई-54 में स्थित है (और इससे उपावस अनुपूर्ण में और पूर्ण रूप से बणित है) और जिस्ता करारनामा आयवर अधिनियम 1961 की धारा 2697, ख के अधीन बम्बई स्थित सभा प्राधिनारी के कार्यात्य में रिजर्ड़ी है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाम नमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिकल, किम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिकल कप से किश्यत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से शुद्ध किसी जाय की बावत , उनका विभिन्न के जभीन कर दोने के बन्तरक के बाबित्य में कनी करने वा उत्तरे वक्त में बृधिका के सिए; बीट्र/वा
- (ण) प्रेसी फिसी जाय वा किसी धन या वस्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जाँभीनयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त जाँभीनयम. या धन-कर जाँभीनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ, जन्तीरती बुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा जें निए;

अतः अव, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ्यों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, सुध्तिः—् (1) श्री किमोर नेमचन्द शाह।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बीता सुभाष पारेख।

(भ्रन्तरिती)

की यह त्याना बारी करके पूर्वोक्त संपंत्रि के अर्थन के विव्य कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोष भी शाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के राजंपन में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

# अम्स्ची

पलैट नं० 4, जो पह्नली मंजिल महेम्थर शिखर, प्लोट नं० 55 मी, टी० पी० एस० न० 4, अँड्रीघस रोड, स.प्ताकुंज (प) बम्बई-400054 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कं०सं० मई-2/37-ईई 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिवारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंजे-2, बस्बई

विनीक : 4-11-1985

गोहर :

प्रक्ष बाह् हो, एव . एस . ------

बायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-स (1) में विधीन सुजना

#### शारत बरकार

कार्यांसय, रहायक नायकर नायुक्त (निर्दासण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 4 नवस्वर 1985

निदेश सं॰ घई-2/37ईई/18011/84-85---भ्रतः मुझे, प्रशांत राय

शायकर ग्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूक्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

और जिसकी सं० फ्लंट न० 203, तस्नींम, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनृसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 कीं धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीं के कार्योत्तय में रजिस्ट्री है, तारीख 5-3-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से एसे इच्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निलितित उद्विचय से उच्त अन्तरक सिवित में बास्तिबक क्य से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) अन्तरण, सं हुई हिंकसी बाय की बाबत, उपत समितियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दक्तने में सुविधा दायित्व के सिद्धा; और/या
- [क) एसी किसी बाय वा किसी भन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयण्ड-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती वृजारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया आता आहिए था, कियाने में सृत्भिष्य के लिए?

कतः वयः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-व के अनुसरक में, में, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के स्थीन, निम्मलिखित स्थितगई, वर्धात् हे— (1) मदर्स भेरमीम डेबेलपसेंट ।

(अन्तरक)

(2) श्री स्टानली वरधीस ।

(भन्तरिती)

(3) मन्तरिती ।

(वह स्थानित जिसके स्थित्रोग में सम्पत्ति हैं )।

को यह स्थना थारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति से अर्जुन के जिल्ला कार्यवाहियों करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के बर्जन के र्दर्भ में कोई भी बाबीप ह—-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के कि 45 विन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहत्ताक्षरी के पास मिलित में किए वा बकेंचे में

स्थळीकरणः इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो सक्स विभिनियम, के बभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा, वो सस् बभ्याय में दिशा वया ही औ

# **PROD**

पसैट नं 203, जो तस्तीम सब प्साट नं 6, प्साट नं 1, के बाई नं 7893, जुड़ विसे पार्ले स्कीम, बम्बई में स्थित है। धनुसूची जैसा कि सं बाई - 2/37ईई/18011/84-85 और जो सक्षम प्राधिनारीं, बम्बई डारा दिमाक 5-3-1985 को रिस्टई किय गया है।

श्रशौत रामः स्वाम प्राधिकारी सहायक बायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रॅज-2, बम्बई

विगाँक ' 4-11-1985 नोड्ड्स ह प्रकृप बाहै . टी. एनं . एक्. -----

बायकर मीधीनयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानयः, सहायक भारकर बायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 4 मचम्बर 1985

निवेश सं० कई-2/37ईई/18113/84-85--- प्रतः मुझे, प्रशति राय

नायकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त विधित्यम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित वाजार मूख्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पसैट नं० 22-की, विक्री सेहारही , सान्ताकुंज, , बम्बई-54 में स्थित हैं (और इससे उपावक अनुसूवी में और पूर्ण रूप से बणित हैं) और दिसवा करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269म, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय में रिवर्डी है, तारीख 8-3-1985

की पूर्वीकत सम्पत्ति को जिस्त बाजार मृत्य से कम को स्वयंत्रान प्रतिकास के लिए अन्तरित। की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिस्त बाजार मृत्य, उसके स्वयंगन प्रतिकाल से एसे स्वयंगन प्रतिकाल का पंचा प्रतिकाल के विश्व है और अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच। एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया शितकाल निम्निलिकित उद्वेषय से उक्त अन्तरण हिक्कित वैं बास्तिक स्प से कथित नहीं किया थया है ।

- (क) अभ्यरण से शुर्श किसी आय की वावत अक्त जिथ-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कती करने मा उससे अचने में स्विभा के किए? बीर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए:

वतः स्थ, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ण के अनुसरण वे, जी क्यर अधिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निष्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) पम्मी बकी और ममता बगी।

(भन्तरक)

(2) श्री भें श्रीतिषासन कीर श्रीमती षन्दीका भीतिषासन।

(प्रग्तरिती)

नी यह स्वना वार्री करके पूर्वीक्ष सम्बक्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता तुं।

सकत सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी आशीप 🖫---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास सिविध में किया का सर्वेग।

स्यक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में ६रिआवित हीं, यही अर्थ होगा थी उस अध्याय में दिया। भया है।

#### बनुसुची

पलैट मं ० 22-वीं, जो जिमतीं को० जोप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेंब, नार्य एवेन्यु, सान्ताकुंज (प), बम्बई-54 में स्थित है।

श्रनुसूबी जैसा कि कम सं प्रई-2/37ईई/18113/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिमारीं, बम्बई द्वारा दिनकि 8-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, वस्वर्ष

**दिनाक: 4-11-1085** 

योद्धर ३

्रहरूप वार्षः दी । एत । एत । का--नानन

बायकर विभिनियम : 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विभीद सूचना

#### भारत चरकार

कार्यास्तर, सहायक नायकर बायुक्त (निर्द्रीक्षण)

प्रजैन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 4 नवम्बर 1985

-निवेश सं० अर्थ-2/37ईई/10126/04--85---अतः मुझे, प्रशास राय

्यानसार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और ितिती सं० फ्लैंट नं० 12, संगीता अपार्टसेंट, सम्बद्धे-49 ओ स्थित-हैं (और इसते उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप 'से वॉणित हैं) और जिपना क्रास्नामा आपन्र अधिनिद्म 1961 की धारा 2697, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राजिशारी के वार्यान्य में रिन्स्ट्री है तारीख 6-3-1965

- (क) अन्तरण से हुन्दै [कसी बाय क] वावत<sub>ा</sub> सकत अभिनियभ के सभीन कार दोने के जंतरक के दायित्व में क्मीलकड्में या उसके समाने के सुनिया के विष्णु और/मा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी बन या अन्य आस्तिवी को, बिन्ही भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अभिनियम, या भन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अमेन्यनार्थ नंतिरती, व्यास प्रकट नहीं किया गंगा बा या किया जाना नाहिए आ, क्याने में सीवमा के सिए;

अबः जब , अक्त जिम्मिनम की भाग 269-ग के जनुसरक की, मी, जक्त जिम्मिम की भाग 269-ग की उपभाग्र (1) है ज्योन, निम्निजिय व्यक्तियों, वर्षात है—

(1) श्रीहसराज धरोता।

(झन्मेरक)

(2) श्री रामचन्द्रन प्रार० मेनन ।

(भन्तरिसीं)

(3) धन्तरक ।

(सह व्यक्ति जिसके भ्रायभोग भें सम्मति हैं.)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्द उस्मित्त के अर्थन की जिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेपं, ---

- .(क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वृद्द स्चना की तामील से 30 दिन की श्रृत्थि, वो धी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्रुवार्ग्;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की ताराब स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवब्ध किसी अन्य व्यक्तित व्वारा, अभोहस्ताक्षद्री के पास सिविद्य में किए वा सकेंगे।

कृष्यक्रियमः :--- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को स्थल कृषिनियमः, के कृष्याय 20-क में परिभावित् हैं, वहीं वर्ष करेगा को, उस कृष्याय में दिवा क्या हैं।

#### मनसर्ची

पर्लंट मं० 12, जो दूसरी मंजिल, ब्लोफ नं० सी०--6, सगीता भपार्टमेंट, सान्ताकुंज (4), बम्बई--49 में स्पत है। अनुसूची जैसा कि कम सं० मई--2/37ईई/18126/ \$4-35 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 8-3-1935 को रिजस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिवारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बस्बई

दिनोह : 4-11-1985

मोहर 🖫

प्रक्षं बार्डं . ठी . एवं . एसं . --------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज--2, बम्बर्ध बम्बई, 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं धर्ष-2/37ईई/18265/84-85-म्प्रतः मुझे, प्रणांत राप्तः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लैंट नं० 8, लिखे जुहू सोस्परटी बम्बई-49 में स्थित है (और इससे उपाबद क्रमुसची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और दिस्ना बरायनामा क्रायत कि कि की धारा 2097, ख के क्यीन रक्षम प्रकिश्ति के क्यार्थित में रिकिस्ट्री है तारीख 14-3-1985

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से व.न के दश्यमान लिए अन्तिरत सद्द हुन प्रनिफल की मुभ्ते यह विद्वास करने का कारण कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है **वर्षर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को** कीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित **उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित** -महीं कियागयाहै:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयर भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिजित व्यक्तियों, अधित रूळ (1) श्री पंत्रीपिट एक श्रीक संद्या ।

(अभ्राखः)

(2) मेरो मेथीन चलीयाबीतल ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तार्रींक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तवय्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहंस्ताक्षरी के पीछ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त क्षिपित्स, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा गया है।

#### अमृस्ची

पर्लंट नं ० ति, पहली मंतिल, लिखी जुहू को ॰ घाँप ॰ हाउसिग सोतायटी लिमिटेड, प्लाट नं ॰ 31/32, जुहु तारा शेड सम्बद्ध-40049 में स्थित है।

श्रनुसूची जैना ि कम सं० श्रई-2/37ईई/10205/ 04--05 और जो सक्षम प्राधि ारी, वम्बई द्वारा दिनी ह 14--3--1985 को रजिस्टई विभागमा **है**।

> प्रशांत राय सक्षम प्रक्षिकारी सहायक द्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) द्राजैन रेंड-2, बस्बई

विनाम : 4-11-1085

प्रकृष कार्ड . सी . एन . एस . ------

**जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** की धारा 269 घ (1) के बधीन स्वता

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर जामुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्द, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निवेश सं अर्ह-2/37ईई/18346/84-85-- महः मूझे,

प्रशांत राय

बायकार वीधनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमे इसके परवात 'उनत अधिनियम' कहा नया हैं), की पाय 269-च को जभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति विस्तता उचित बाबार नृस्व 1,00,000/~ रत. से अभिक हैं भीर जिल्ली संव यूनिट नंव 67, रस्त ज्योदिः इंश्वेर्ट्रयल इस्टेट, बम्बई -56 में स्थित है (और इससे उपाबद मन्सूनी में भौर पूर्ण कर से वर्णि: है) भीर जित्तका करारतामा भायकर मधि-नियम 1981 की घारा 269 ह, ख के प्रतीत बस्बई स्थित सन्ना प्राधि हारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीखा 6-3-85 को वृद्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार ब्राच, असके असमान प्रतिकतं है, एचे असमान प्रतिकतं का वंदर प्रतिकत से मधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंबरिती

(बंहरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाना गना प्रति-

कत निम्तिसिवत उद्योग से उक्त बन्दरण निवित में वास्त-

विक क्य से कीयत नहीं किया नना है 🦫

- (म) अन्तरन वे हुई किसी बाद की बायत उक्त निर्देश नियम के सथीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य के कमी करने या उनसे वचने में सूनिधा को लिए: चरि/हा
- (थ) एंडी किसी बार्व वा किसी धन वा अन्य जास्सिवी को, जिन्हों भारतीय जाब-कर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वत-कर बीचीनवन, 1957 (1957 का 27) क्षे प्रयोजनार्थं बन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था वा किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा भी निएः

अत: अव, उक्त अधिनियम की घारा 269-च के अनुसरण की, भी, उनत मीधीनयम की भारा 269-न की उपभारत (१) चै अभीन, निम्नतिचित व्यक्तियों अर्थात E---

(1) बरलभभाई जे॰ पटेल ।

(प्रशासक)

(2) श्रीमती मीना स्रेशमाई मेहता ।

(भग्वरिती)

(3) पन्तरिती । (वह व्यक्ति जिसके प्रश्चिमीग में सम्पति है)

को यह स्वना जारी करके प्रविधत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाद्वियां घुक करता हुई।:

दक्त सम्परित के सर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह

- (क) इस स्वना के राजपत्रामें प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वीक्त म्यक्तियों में से किसी भ्यक्ति बुबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास बिविष में किए वा बकों वे ।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होया जो उस जभ्याय में दिशा 

# भगुत्वी

युनिट नं० 78, जो रत्न ज्योसि इंडस्ट्रियल इस्टेट, इली म, विले पार्ले, (प), बम्बई-56 में स्थित है। भनुपुरी जैसा कि कम सं० भई-2/37ईई/18346/ ा रि जो सक्षम प्राधिकारी, बन्बई इत्या दिशांक 1-3-1985 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशीत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायक्स (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनोक: 7-11-1985

प्ररूप बाइ , टा , एन् , एवं । वेन्न्यन्यन

बायकर विभितिसक्ति 1961 (1964 का 43) की भाग 269-च (1) के बधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भंजन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां ३ 4 नवम्बर 1985

निदेशी<sup>भ</sup> सं हें - ब्रीडेंप-2/3 15ई/1 है 3 है है कि क्- है डीव्य कराहर युद्धे, प्रशांत राय,

कायकर शिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हिसके प्रेक्कान तिवका अधिनियमो सम्बद्ध गया हो। की भारा 269-स क अधान सक्षम श्रीधिकारी की यह नमस्वास करने का किरोध है कि स्थावर संपरित जिसका स्थित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. संजोधक हैं।

1,00,000/- रा. सं अधिक हैं भीर ित्ति से० फिलेट ने० 101, हीलाइट हैने, बरबई-49 में स्थित है (ग्रीट इससे उपावध ग्रन्तुची में ग्रीट पूर्ण हप से विकास है) ग्रीट जिससा दारास्तामा ग्रायवर ग्रीहित्स (1961 की घर्ति 260% खे के ग्रीतिन बन्बह स्थित स्थान प्राधितारी के सामित में रित्ति है ति.रीज 16-3-1985 को पूर्वीकत सम्पत्त के हिच्चत बाजार मूख्य से कम से दरयमान ग्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार भच्या समझ दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रीतशत से आधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक (अंतरकों) और अंतर्व (अंतरकों) का सम्पत्ति सम्पत्ति का सम्पत्त

प्रतिफल, निम्नोलीखत उद्देश्य से उक्त अंतरग लिखित में

शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (के) ऐसी किसी बाव या किसी धने वा बन्य ऑस्टियों का, ाजन्हा भारताय आय-कर का धानयम, 1922 (1922 का 11) या उनत निकास, जिया धनकार विधिनयम, जिया धनकार विधिनयम, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं जिल्या गया था आ अस्तरित काना चा खाड़ यू था, किया व स्विधा का स्वर्ध

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्तिसित व्यक्तियों, अधातः— (1) श्रीमती जानकीबाई पी० प्रसुदानी ।

(ग्रस्तरम्)

(2) श्री मयमः अञ्चलका अप्रविष्याति श्रीत श्रीत श्रीत श्रीत श्रीविक्षा श्रीविदी । (श्रन्तिति)

(3) प्रन्तरिती 🏗

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पति है)।

को यह मुचना जारी केरकी पृष्टीकता संस्पत्ति को वर्षन् को तिए। कार्यवाहियां शुक्त कारता हुन्ने

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाह्यप हु-

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन का बनाध या तत्सम्बन्धा व्यक्तिया पर स्वना की तामील से 30 दिन की बनीध, जो भी बनीध बाद में समाप्त हाता हा, क भातर प्रावश व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा:
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारीब च 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी जन्य व्यक्ति इतास वभाहस्ताक्षरी के बाब बिबित में किए जा सुक्षे।

श्यव्यक्तकरण : - इसम प्रयुक्त शब्दा भार पदा का, जा उक्क अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, जहिं वर्भ होगा, यो उस अध्याय में विशा गया है ।

#### धन्युची

पलेट मं॰ 101, जो बीजाइट डेन पहली मंजिल, प्लोट तं॰ 3. गुब प्लोट नं॰ 10. वस्त्रो रहेड, जे॰ बी॰ पी॰ की॰ क्रकीस बच्चई म्या में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कम संः मुर्केन 2/37ईई/18383/ 84-85 और जो ाक्षम प्राधिनाकी, व्यक्षक हारा दिसीक 16-3-1985 का राजस्टबाज्या गमा ह ।

> प्रश्नीत राय समय प्राधिकारी सामक भागकर प्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, बम्बई

**八元刊等 + 4-11-1985** 

मोहर:

68 -366GI/85

प्ररूप बाइ थी एन एस :---

जायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बंस्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर िसकी सं० माफीस प्रीमायसे से नं० 26, संगीरा मार्टमेंट, बम्ब है—19 में स्थित है (प्रीन् इससे उपावह मनुसूची में फ्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) फ्रीर जिलाग करारनामा मायकर मधिनियम की धारा 269क, ख के मधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि गरी के कार्यालय में रिजरट्री है सारीख 23—3—85 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से एसे दश्यमान प्रतिकृत को प्रतिकृत का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से एसे दश्यमान प्रतिकृत को प्रतिकृत का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से एसे दश्यमान प्रतिकृत का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से एसे दश्यमान प्रतिकृत को लिए तथ पाया गया प्रतिकृत का तिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, राधन कर अधिनियम, राधन कर अधिनियम, 1957 (1957 का ८) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सर्विधा के लिए।

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री ह्यं कोइसी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती भागवंती मोहन घडवानी ।

(मन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन की सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के बंबंध में कोई भी वाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण :— इसमें शयुक्त शब्दों और पदों का,, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुसूची**

्र झाफ़ीस प्रिमायसेस नं० 26, जो बिल्डिंग नं०, 7 सी संगीता भगटंमेंट्स, जूहु रोड, सान्ताकुज (प), बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई--2/37ईई/18540/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक भायकर जायुक्त (निरीक्षण) भजेंन रेंज-2, बस्बर्ध

दिनांक : 4-11-1985

प्रसम आइ.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के अभीत बुवना

#### साइत सुरुकान

कार्याजय, बहायक जायकर आगुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 4 नवस्वर, 1985 निवेश सं० भई-2/37ईई/18560/84-85----मतः मुझे, प्रशांत राय,

नाथकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं एसजे इतके पश्चात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तस्पत्ति, जितका उचित बाजार नृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 5 बीच रीसोर्ट सोसायटी बम्बई-49 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुधूची में श्रीर रूप से विणित है) श्रीर जिसका वरायनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269.7 ख के श्रीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 23-3-1985

को प्वॉक्त सम्परित के उचित वाजार मूस के कन को स्वयंत्रन हितफल को लिए जतिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य इसके श्वामान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का धन्द्रह विश्वत से जिथक है और जन्तरक (वंतरकों) और वतिरती (अस्तरितयों) के बीच एसे वन्तरक के लिए सब वावा चवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कथ से कथित वहीं किया गवा है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे त्वने में सुविधा के लिए; बॉट्र/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी थन या बन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 1)) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया थवा का या किया बाना चाहिए था, जियाने में स्वैत्या वे सिए।

वतः वव, उक्त अधिनियम का भारा 269-म के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिकित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) धनेन्द्र शंकर याज्ञिक।

(मन्तरक)

(2) कप्तान फ़ान्सीसओजं मसकारन्हेस ।

(भन्सरिती)

(3) मन्तरका

(वह व्यक्ति जिजसके प्रधिभोग में सम्पति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीवा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को उक्त अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गुया है।

# मनुसुची

फ्लेट नं० 5, जो बीच रीसोर्ट को० झॉप० । उसिंग सोसायटी लिमिटेड, 35सी, हिरा बूबा गाडगे मार्ग, जूह, बम्बई-49 में स्थित है।

अनुभूवी जैना हि कम सं० अई--2/37ईई/18560/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्तम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2 ,गम्बर्ड

विनोक: 4-11-1995

REG 4/4". 21. 64. 64.

वायक्त विशिव्यमं, 1961 (1961 की 43) की यादा 269-व (1) के वधीन सूचना

#### मारत सरकार

श्वायसिय, सहायेक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्राजन रजन्2; सम्बद्ध

बम्बई, दिनाँक 4 नवस्वर 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/18653/84-85---ग्रतः मझे. प्रशांत राय,

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इस्में प्रकात 'उक्त मीधित्यमं' कहा गया है), की धार कि 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कि स्थावहर सम्पत्ति, जिस्तका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

भीर जिसकी सं॰ पजैद्य सं॰ ए/2/2, मल ह्यानत, सान्ताकुज (पू), बम्बई 54 में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा भायकर श्रीविनियम की धीरो 269 कर्ड के ग्रवीन संसम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनाँक 27-3-1985,

का प्वक्ति सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य संकम के ध्रयमान प्रतिप्रत के लिए अन्तरित की यह बार मुक्ते यह विश्वास

करने का क्रियम् है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित साजार ब्ह्यम् उसके द्रयमान प्रतिकृत से, एसे द्रयमान प्रतिकृत का बंद्रह प्रतिकृत् से क्रियम् क्रिक्ट ब्रह्म स्त्रुरक (अंतरकों) बार क्योरित (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए अय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बर्द्रश्य बिक्श में वास्तविक स्प से क्रियुत नहीं किया ग्या है है—

- (क) बन्तरम सं हुइं किसी बाय की बाबत, उक्ष अभिनयम् किम्बुद्धीन कर दने के अन्तरक से सावित्य में की करने वा उत्तरे बन्तर से सुविधा से सुब्द; बांड/बा
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या बन्ध बास्तियाँ की बिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धृतक्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया खाना आहिए था, छिपाने में सुविधा में जिए;

बाः बन्, उन्त विधिनियम की आया, 269-म के ब्रमुसरक में, वी, उन्त विधिनियम की धारा 269-घ की उन्नुसुम् [1] के अथीन ह विक्रिक्षित न्यानिकार्यों अर्थात हैं

(1) श्रीमतो मूर्नारा जुल्काकार खोडवावाला घोर श्री जल्फोकर धक्मरली खांडवावाला

(यस्तरक)

(2) श्री हैद (अर्नि) इत्पत्ती कजीकी श्रीर श्री सवीर हैदरमनो कजीजी

(धम्बरिवी)

- (3) धन्तरक (वह व्यक्तिं निर्जर्क प्रेविभीग में समिति है)
- (4) प्रन्तरंकः (वर्द्ध व्यक्ति, जित्रके बारे में अत्रोहशासरी जातजा है कि वर्द्ध संशांति में हिलबंद हैं)

को यह स्थना बारी करक पूर्वोक्त स्म्पत्ति के वर्षम् के सिन्धः कार्यवाहिसी शुरू करता हु ।

उक्त सम्मित् की क्षेत् के संबंध में कोई भी वाकीप :---

- (क) दिस सूचना के प्राविष्ठ में प्रकाशन की कार्यक्र से 45 दिन की बद्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविष्, जो भी ब्रिध बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारी;
- (ब) न्द्रस सूचना को पाजपत्र में अकाशन की तारिब में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी कन्ये व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षर्य के पाक विशेषत में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकर्ण — इस्में प्रियंक्तं बंद्री जिर पेशी का, जो उक्त की भीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस क्ष्याय में दिवा ग्वा हैं।

#### धमुसुवी

"पसैट सं० ए/2/2, जो दूसरी मंजिल, झल ह्यानत, धेरल ऐडि, सान्ताकृज (प-), सम्बई-स00054 सें स्थित है। धनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० धई-2/37; ईई/18653 84-85 मौर जो सलम प्राविकारी, बन्बई द्वारा दिनांक 27-3-1985 को रजिस्टंड किया गया है।

> प्रयोव राय समय प्राधिकारी सहायक सायकर म्रायुक्त (निरोक्षग) सर्वन रेंज-2 बम्बर्ध

बारीखः <u>. ५</u>-१ <u>१-३ ह</u>8 ह-बोहरः प्रस्पे 'आइ' .'टा'! एम .'एसे .\------

भायकर व्यक्षिनियम् । १९७१ । (1961 का अ3)(क्री भारा 26% प (1) वीं विभीन सूचनां

भारत सरकार ।  $(\varepsilon)$ 

कायालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

प्रजंत रेंज-2, बस्बई हिस्सिक्ट (1) बहुमई, क्षितिक क्षेत्रबन्दर 1985

निदेशत्मं ० े ऋदेन श्री अगहेंची ११८६ ५ ४ । ४४ - ४५ - अनः मुझे, प्रशति राज.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा हैं269- खें के बंधीन संसाम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति; 'जिसका' उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ उत्तर रहे के धिक हैं

बारान्तका स० पलट स० 101, तरनाम, बज्बई में स्थित हैं (ब्रिंग्ड इसले उपाबद अनुसूत्रा में और पूर्य छने से वृद्या है), बोर ितका करारमामा आव तर अवितिमा मकी धारा '269 कख के अवत सजम प्राधिकारा के कार्यालय, बम्बई में रजिल्ट्रों हैं। विनौक दे 27-3-85,

को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मफे एक विश्वास करन का कारण है कि यथाप्वाकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मल्ये. उसक दश्यमान प्रात्तकल से एम वश्यमान जीतकल का पन्द्रह प्रातशत से आधक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्त-रिती (अन्तरितिया) के बाच एस अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (म) अंदित्रक से हुई जिल्ली अने में बाबत, उक्त विध-नियम के अधीन कर देशे कि बतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रॉर/या
- (ध) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्कू बाहित्वयाँ को जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनियम है 1922 (1922 का 11) या उनत की धीनियम या धनकर किर किथिनियम 1957 11967 का 271 के प्रयाजनीय जिला बीचियी देनारी विवर्ध नहीं कियि गर्धी था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिस्ट

वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारी 269-ग की उपभीर (1) के वभीन - निस्तिविधित व्यक्तियों, अधीत :-- (1) मंत्रसे वस्ताम इवजानरस्

(घन्तरक)

(2) धामता नकासा धलवा एजी

(अर्त्वाखी)

को यह सचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित् को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तानी ल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चनां के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विनामके भीतार उक्त स्थावर सम्मित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त केंद्रों और पदों का, जो उकत अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### - कासूची

"पसैट सं० 101, जो तस्तीम, प्लोट सं० 1 (6), के वाह" सं० 7893, जु? विले पार्ले स्कोम, वश्वई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० ० अई-2/37-ईई/18654/ अप-85 कीरोजो सक्षम प्राधिकारी, वश्वई द्वारा दिनोंक 27-3-85 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्वन रेंज-2, ब्रम्बई

देनीक : 4~II±1985

मोहर ३

प्ररूप नाईं ु टी ु एन ु एस ु-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 4 नवम्बर 1985 निदेश सं० घई-2/37ईई/18718/84-85---म्रतः मुझे, प्रमात राय,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० पलैट सं० 10, दी गोकुल झगर्टसेंट, बम्बई— 56 में स्थित है (श्रीर इनमें उनाबद्ध अनुपूर्वों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है (श्रीर जितका करारनामा श्राय कर श्रक्षिनियम की धारा 269 धारा 269 कख के श्रजीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई सें रिजस्ट्रों है, दिनौक 29-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है दे—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सृविधा के लिए; आर्/या
- (क) एसं किसी नाय या किसी भन या जन्य जास्तियों हते, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (19.2 को 11) या उक्ल अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयं जनाय अक्तरिती हुन्या प्रकट नहां किया गया ना या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुनिया के सिए;

जतः धन, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग को अनुसरण बौ, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की सम्भारा (1) कुँ को अधीम, निम्निविधित अधिकतयों, अधित् हु—

- (1) श्री दृश्यास्त भाईवस्य पोन्तानी
- (अन्तरक) (2) श्रीमती शोभनाके पारीख श्रीर श्रीकीरीतसी० पारीख

(मग्तरितो)

(3) प्रम्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके धिंधमीग में सम्पत्ति है)

(4) प्रश्तरिती

(वह व्यक्ति, जित्तके बारे सें घ्रत्रो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह समाति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष् के विष् के वर्षन के वर्पन के वर्षन के वर्षन के वर्षन के वर्षन के वर्षन

च कत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ः—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वनः की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्र्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किये जा सकते।

#### यनुं सृचि

"फ्लैट सं० 10, जो ब्री गोजुल ब्रगार्टसेंट प० को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, दादाभाई क्रोस रोड सं० 2, हरी तिवास, विले पार्ले (प), बम्बई-400056 में स्थित है।

मनुसूबी जैला कि ऋ० सै० भई-2/37ईई/18718/84→ 85 भीर जो सक्तन प्राधिकारी, बन्बई द्वारा दिनौक -29-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रमांत राय सक्तम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षणी), भाजन रेंज-2, बन्बई

ৰ্বিনীক : 6<del>-</del>11-1985

म्रूप मार्च .टी .एन . एस . ------

ब्रास्कर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) कर्डे वारा 269-म (1) के सभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निर्शाक्षण)
श्रजैन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985
निवेश सं० श्रई-2/37ईई/17880/84-85--श्रतः मुझे,
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

घोर जिल्ली सं० ब्लोह सं० 10, गिरोराज घराटेंमेंट, मंधेरी (पु०), बम्बई- 59 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में घोर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर मिंबिनियम की घारा 269 कक्ष के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई सें रजिस्ट्रो है, दिनौक 1-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला को बाद स्वाप्त की बाद से स्वाप्त की स्वाप्त

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की, वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भंग का अन्य आस्तियी को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिजम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केंसिए;

बत: बब, उक्त अविनियम की भारा 269-ग की अनुसरण बी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, विस्निवि**विक व्यक्तिवर्ग, वर्षीय ब**⊷ (1) गिरोराज कम्स्ट्रक्यंत को०

(प्रन्तरक)

(2) श्री ज्ञानदेव नारायण जाधव

(मन्तरिती)

(3) भन्तरक ।

(बहु व्यक्ति जितके भविमोग में सम्पत्ति है)

(4) मन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके बारे सें ग्रजी-हस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्मति में हितबद है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन को भिष् कार्यशाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इसस्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के आंच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्तीकरण :----इसमें प्रयुक्त कहां और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना क्रों उस अध्याय में दिया यस हैं है

### लग्त्य

"स्लोक सं० 10, जो गिरीराज प्रपार्टमेंट, प्लोट सं० 176/ 1(पार्ट), विलेज कोंडी बीटा, कदमवाडी के पास, ग्रंधेरी (पु) बम्बई-400059 में स्थित है

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-2/37ईई/17850/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनौंक 1-3-1985 को रिजस्टक किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायका (निरीक्षण), भर्मन रेंज-2, बम्बई

दिनौक: 7-11-1985

मोहर ः

मुरूप आईं, टी. एन एस . त्या

बायकर बधिनियमिं; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आय्कर आय्कत (निरीक्षण) अर्जन रॅज-2, बस्बई

बन्बई, दिनाँकों ने नवस्बर 1985

निर्देश सं ० व्यर्ड (2/37ईई/17<u>8</u>59/84-85-व्यतः मुझे, प्रशांत राम,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समासि, जिसका उचित आजहर मून्या 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर ि। की संज्वाे संज्वाे संज्वाे (पु), बार्व्हें 50 में स्थितं है (श्रीर इनने उराबद्ध श्रेमुस्वीं में श्रीर पूर्ण का से वांगत है), श्रीर जित का करार रामा श्राय कर श्रीविन्यम की धारा 260 कख के अयोग स्वाम प्राधि कारों के कार्यां जन, सम्बद्ध में रजिस्ट्री है, दिनौक 1-3-1985,

को प्रतिकत सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृत्य से कम के दृश्यभान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचितः बाजार मृत्य, उसके दृश्यभान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नेलिखित उद्दर्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय- इनी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविभा के लिए; और/या
- (क) एसी निसी ज्ञाम मानिसी धना या अप्य श्रास्तियों निसी जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम , हिन्नी 922 (1922 का 11) या अक्ट अधिनियम एक प्राप्तियम एक प्राप्तियम एक प्राप्तियम एक प्राप्तियम एक प्राप्तियम एक प्राप्तियम प्राप्तियम प्राप्तियम प्राप्तियम प्राप्तियम प्राप्तिया प्तिया प्राप्तिया प्राप्तिय प्राप्

(1) विरोधनः करस्याः कोः

(भ्रग्तरक)

(2) श्री ग्रमर विक्रण राव प्रवार

(ग्रग्वरिती)

(3) ग्रन्तरंक ।

(बंह व्यक्तिंकितके प्रविमोग में सल्यति -है)

(4) अन्त<del>रक</del>-

मह व्यक्ति, किन्के बारे में अधी-्रह्नुशक्तरो<sub>र</sub> जाउनके हैं कि बहु क्रवाति में दिश्वद है)

की . गृह मुचरा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उपत संम्योति की अर्थने को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (की) इस स्वेनों की राजपत्र में प्रकारन की तारीक से 15 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियं अर सूच्नाकी तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद के समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त क्येक्टियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस क्चना के राजप्रत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्म्पत्ति में हितवब्ध किसी-बन्य-व्यक्तित ब्वारा अभात्स्ताक्षरी के पास निसित में दिए जा सकोंगे।

क्ष्म्यीकर्षाः - इसमें प्रमुखत इह्दों और पर्दों का, जो उच्छ अधिरियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मेंया हैं।

## बन्स्ची

''बनोक संवे 19, जी निरोधान प्रवादींद्र, प्रोट मंव 176 (पॉर्ट), कोंडीबीटा निनेत, करमानीबी के पात, अधेरी (पु)/, बजबई-400059 में स्थित है

श्रतुम्तो जैसा कि क॰ सं॰ श्रई-2/37ईई/17859/8 4-8 5 श्रीर जो सक्षम प्राधि कारी, बन्बई द्वारा दिनोंक 1-3-1985 को रिनस्टर्ड किया गया है ।

> प्रशांत राय स्वयम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ऋगुका (शिश्वम) सर्जन रॉज-2, बस्बई

दिनांक : 7-11-1085

### मुक्त बाद . दी . एनं . एव . ---------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 7 नवस्वर 1985

निदेश सं॰ भई-2/37ईई/17860/84-85---- भ्रतः मुझे प्रशांत राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स की अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्ट 1,00,000/- रहा से अधिक है

मीर जिसकी सं० ब्लोक सं० 20, गिरीराज मरार्टमेंट, श्रंधेरी (पु०), बर्ग्बई-59 में स्थित हैं (और इपमे उपावक भ्रमुसूती में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिनका करारनामा श्रायकर मिंबितियम की धारा 269 कला के अओन, सज़म प्राविकारों के कार्यालय, बर्म्बई में रिजिस्ट्री हैं, दिनौंक 1-3-1985,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का जारण है कि प्रथापृवोंकत सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उशके दश्यमान प्रतिफल सं, एमे दश्यमान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ट-

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के बादित्व में कभी करूरे या उच्छे अवने में सुविधा वे भिन्ना; न्येर/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य कास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर बिधनियम, 1922 (1927 का 11) या अपना अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1047 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

कतः वष, उकत अभिनियम की भारा 269-न के अनुसरक को, की, उकत अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :— 69-366 GI/85 (1) गिरीराज कन्स्ट्रक्शन को०

(भन्तरक)

(2) श्री विठ्ठलराव ग्रावासाहेब पवार

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरक

(बह व्यक्ति, जिपके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्मत्ति में हितब**द्ध** है)

को यह स्वाना जारी करके प्वाक्ति सम्परित के स्वान के दिए कार्यवाहियां करता हूं।

### **इक्त सम्म**ित्त के वर्षन की सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेप 🎞

- (क) इस सूचना के राजपय में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्मंत्रं भी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 4.5 दिन के भीतर ज कत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कांक्यों और पदों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी कर्ष होगा को उस अध्याय में विचा गया हैं।

### **प्रनु**मुची

"ब्नोक नं० 20, जो गिरोराज प्रगर्टमेंट, प्लोट सं० 176/ 1 (पार्ट), कोंडोबोटा विवेज, फरनवाडो के पाप्त, धंबेरी (पु) बम्बई–400059 में स्थित है।

श्रनुस्त्री जैजा हि क० सं० श्राई-2/37ईई/17860/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधि हारो, बश्चई द्वारा दिनौंक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक : 7-11-1985

प्ररूप भाई, टी. एन. एस.-----

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याजण, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० भ्रई-2/37-ईई/17890/84-85---भ्रतः मुझे, प्रशांति राय,

शामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० ब्लाक सं० 2, गिरीराज प्रपार्टमेंज, घंधेरी (पू), बम्बई 59 सें स्थित है (ग्रीर इससे उपावड ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर मिधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनाँक 1-3-1985.

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जेत: अज, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जै, जै, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्मिणिकत व्यक्तियों, अर्थात् ध—— (1) गिरीराज कन्स्ट्रक्शन को०

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जोन लूईस मस्कारन्हेस

(ग्रन्तरिती)

(3) भन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग सें सम्पत्ति कै)

(4) श्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके बारे सें मधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पर्ति सें हितबद है)

को यह मुचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी कविध वाद में स्थाप्त होता हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयूवन शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### प्रनुसूची

"ब्लोक सं० 2, गिरीराज अपार्ट सेंज प्लोट सं० 176/1 (पार्ट), कों बीबीटा विलेज, कदमवाडी के पास, अंधेरी (पु०), बम्बई 400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37-ईई/17890/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बन्धई द्वारा दिनौंक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), भर्जन रेंज-2, बस्बई

विनौक : 7-11-1985

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-व (1) के वभीन सूचना

#### बारत बरकार

आयांतव, सहायक आयकर आयुक्त (निद्रीक्षण) श्रजन रेंज-2. बस्बई

बम्बई, दिनाँक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं॰ ग्रई-2/37ईई/18302/84-85--- ग्रतः मुझे, प्रशांत राय.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणाश् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लैट सं० 19, ज्ञात विकात सोतायटी, व सान्ताकुज (पू), बम्बई-54 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची सें श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्राथकर श्रवितियम की धारा 269 कख के श्रवीन सक्षम प्राधि-, कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनाँक 14-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुमी गृह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छोजत बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल तो, एसे द्रश्यमान शितफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) की बीच एसे अन्तरण के लिए इस पामा जा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किया ग्राहण के लिए जिस मार्गा का प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दिश्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिशा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अच्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, शां जन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिक्षों इवारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया काना काहिए था स्थिपने में सृविधा हो निया।

श्रतः अव, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्चत व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्रीमती हंसाबेन एस० मचेंट

(अन्तरक)

(2) श्री गौरीशंकर लक्षा कर्ता

(भन्तरिती)

को यह स्वना बारी करले पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल्ला कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की राष्ट्रीय के 45 दिन की नविभ या तत्सक्तिमी व्यक्तियों प्रकाशन की तासील से 30 दिन की श्विभ, को भी सविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- ्व) इस स्वना के रावपन में प्रकावन की ताराच व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए था सकति।

स्पट्टोकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **मनुस्**ची

"फ्लैट सं० 19, जो तीसरी मंजिल, ज्ञात विकास को०; ग्राप० सोसायटी लिमिटेड बी० विंग, 17 बी पोदार मार्ग सान्ताकुज (प), बस्बई-400054 में स्थित है।

प्रमुची जैसा कि कि से प्रई-2/37—ईई/18302/84-85 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाँक 14-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भजेन रेंज-2, बस्बर्ष

दिनौंक: 7--11--1985

भरूप नाइ : दी. एन. एड.-----

नायक अविश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन स्वना

#### भारत सरकात

भावनिय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां र 7 नवम्बर 1985

मिदेश सं० मई-2/37ईई/18643/84-85--मतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट न० 304, समीर निवास बी०, शंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इसने उपावद श्रृत्भूषी में भौर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिया कि रापनामा श्रायकर भिवित्मम की धारा 269 हव के श्राप्ती प्रमास प्राधि करी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 27-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रमान प्रितिक्तल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपिति को उचित बाजार मृत्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरिक (अंतरिको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथिय नहीं किया गया है द्र--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धायत, उक्क अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरण को दायित्व में कभी करने या उससे नवने में स्विधा के जिए, और भी
- (क) ऐसी किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जतरिती द्वारा प्रकृष्ट नही किया स्वा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने छे स्विभा के निए;

करा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, स्थाप अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात्:——

(1) कुमारी मव बी० रायचन्दानी

(मन्दरक)

(2) रोमी ध्याल चीपड़ा

(ग्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कीई भी आक्षेप रू-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना कि तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य स्थाक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के जाम लिखन में किए का सकेंगे।

स्पब्दिकरण ;— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया सभा हैं।

#### पनुसूची

फ्लैट नं० 304, जो समीर नित्रास, बी० बिल्डिंग, जम प्रकाश रोड, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

धनसूची जैसा कि कि से पई-2/37ईई/18643/84-85 और जो सक्षम प्राधि ारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज-2, यम्बई

दिनांक : 7-11-1985

प्रकप बाह्", टी. एन. एस. ----------

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाउध 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याबय, सहायक जायकर बायुक्त (निर्पाक्षण) भर्जन रेज-2, बस्बई बस्बई, दिनाक 7 नक्स्बर 1985

मिर्देश सं० **घ**ई-2/37ईई/18642/84-85-मातः मुझे ,

**ंत्रशांत** राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिर्व इसमें इसके प्रभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करवे का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 303, सनीर निवास, श्रंधेरी (प) सम्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं), भीर जिसना एरारनमा आयवर श्रधिनियम की धारा 269 हक्ष के अभीत संजम प्राधिकारी के वार्यालय सम्बई में रजिस्ट्री हैं, दिना ह 27-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उभित आजार मूल्य से कम के द्रम्माल अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उभित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का धन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अंतरण लिखित में दिश्वक कम से कथित नहीं दिना प्या है है—

- (क) विज्ञाप के हुए किसीं बाव की बावता, उक्छ बीभीनयम के वृभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कृमी करने वा बहुसे वृचने में सुविभा के किए; बीट/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन् या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था किया में प्रियों के निए,

बता वन उनत विभिनियम की भारा 269-य के वनुसर्व वो, वो, उनत विभिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) वे वधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों स्वाधीत हन्न (1) श्री प्रकात वी० रायचन्दानी

(मन्दर ह)

(2) श्री नीतु दयाल चौनड़ा

(पन्धरिती)

को वह सूचना चारी करके पुवाँक्य सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहिया करता हुं।

उन्ह सन्मति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियाँ पड़ स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकी।

स्वक्रीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिगियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पलैट मं० 303, जो समीर निवास, बी बिल्डिंग, जे० पी० रोड, मंघेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है। मनुसूची जसा कि के० सं० मई-2/37ईई/18642/84-85 मीर जो सक्षम प्राविशारी, बम्बई हारा दिनाक 27-3-1985 को रिक्स्टिंड किया गया है।

> प्रयांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर भागुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक 7-11-1985 मोहर: प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 42) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बस्वई

बम्बई, दिनांस 7 नजम्बर 1985

निद्या सं० श्रई--2/37-ईई/17965/84-85---यः मुझे, अशंक्ष राय,

मादकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परपात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-स के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह निस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिम्न ही सं० फ्लैट नं० ए-15, फातिमा महल सोनायटी श्रवेरी (पू), बस्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इसने उपावव श्रमु सुनी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिन्न एप एन एन मा श्रायकर श्रीविन्यम की घारा 269 एक के अवीन सक्षम प्राधि जारी के जार्यालय, बस्बई में रिलस्ट्री हैं, दिनां 5-3-1985 को पूर्वोक्क सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान श्रीवफल हो लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्र प्रिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण मिल्नत में शस्तिकल रूप से कथित नहीं किया ग्रा है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बाधिनियम के अधीन कर दोने को अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिभा के लिए। बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्भ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा को निए?

वतः अव, उक्त मधिनियमं की भारा 269-म के अनुसरक वी, भी, उक्त अधिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) वी सभीन, निम्निसियिक स्थितियों, अर्थात् इन्तर (1) श्रीमती जुलेखबाई दवाहीम।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री महमद ग्रज्ञार ग्रब्दुल्ला रोसन ग्रीर भाहनाल ग्रज्ञार रोसन ।

(भन्तरिती)

को यह स्वना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हरू

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन की उवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा थो उस अध्याय में दिया गया है।

### जन्स् ची

"पर्तेट नं ए-15, जो फातिमा महल को - आप । हाउसिंग सो उपटी, एउन्नी रोड, दूउरी जावयन छेन, पोस्ट आफिस के सामने, अंबेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

मनूसूत्री जैसा हि कि से० मई-2/37-ईई/17965/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1985 को रिजस्ट्रंड किया गया है ।

> प्रयात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-2, बम्बई

दिनां कः 7-11-1985

प्ररूप वाई.टा.एन.एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भार 269-ख (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बस्बई

बम्बई, दिन'क 7 नक्ष्म्बर 1985

निदेश सं० श्र $\frac{5}{4}-2/37$ ईई/1 379/84-85—स्रतः मुझे; प्रशांत राय,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृत्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पलैंद नं० 64, मनीय दिए पोसायदी, अधेरी (य), बन्बई 58 में स्थित हैं (और इसके उपाबद अतुस्ती में भीर पूर्ण इस के विणित हैं), और िए के उपानमा अधि के कार्यानमा की धारा 26) एवं के अभीत एअम प्राधि कि कार्याला, बन्बई में रिजिस्ट्री हैं, स्तित 16-3-1985,

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल किल निम्नलिखन उद्दर्ग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तींवक कप स किथित नहीं किया गया है:---

- (क) कलारण से हुई किसी अप की बावत, उवल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी बाब या किसी अन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरी द्वारा प्रदेश नहीं किया गवा था के किया प्राता चाहिए था, खिपाने में स्रिक्शा की निए;

करा: बच सकत विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण १ में, मैं, उकत अधिमियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिखित व्यक्तियों, अर्थीस् :--- (1) श्री नस्टर नेवोलियन डिसोजा मौर श्रीमती एलीजा नेवोलियन डिसोजा

(म्रदारह)

(2) श्री ग्राक्तवाब हुसेनली मूकाइम

(भन्दादिती)

(3) प्रन्टिरती

(वह व्यक्ति जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्पे :--

- (व) ध्र्यं स्थला के राजपत्र में प्रकाशन की द्वारीय की 45 विन् के भीतर उक्त स्थान्य सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताकाड़ी के बाब विनुधित में किए या सकेंगे।

स्वाकरणः -- इसमें अगुनतं सन्यों नौर वयों का, जो उपस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., यही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा नवा है।

### बनुसूची

"फ्लैंट नं० 64, जो मनीय दिप को० भ्राप० हाउसिंग सों यटी, चार बंगलोज, अंधेरी (प), अन्यई-400058 में स्थित है ।

अन्द्रची जैराति क० सं० घई-2/37-ईई/18379/8:-85 और जो सक्षम प्राधितारी, बम्बई द्वारा दिनांट 16-2-1985 को प्रास्टर्ड रिया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज--2, बम्बई

**धिनांक : 7-11-1985** 

प्ररूप नार्षः टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्मना

#### बाउव सरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण)
धर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनौंक 7 नवम्बर 1985
निदेश सं० भई-2/7ईई/18253/84-85--भतः मृझे,
प्रशांत राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्नका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं ० परीट सं ० 202, डायगो सी ०, बान्द्रा, बम्बई—50 में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबब भ्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विजन है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कब के श्रेशन सक्तम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई से रजिस्टी है, दिनौंक 13-3-1985,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उषित बाजार मूल्य से कम को स्थमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पासा मुसा प्रतिक का निम्मतिषित समुद्दिश्व से उसके अन्तरण निष्यत यो वास्त्रिक का विस्तिति से वास्त्रिक का निम्मतिष्ति समुद्दिश्व से उसके अन्तरण निष्यत में वास्त्रिक का

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-धन्द अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

बतः अव, उक्त विभिनियम औं भारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उब े अभिनिश्म की भार 2'69-घ के रमभारा (1) के बभीन, निश्निक के वित्रयों के अभात्रः— (1) मेसर्सं भवोस कन्स्ट्रवधन्त ।

(मन्तरक)

(2) कुमारी धुन पी० ब्रडवाडीया

(भ्रन्तरिती)

(3) (भ्रन्तरिकी ।

(वह व्यक्ति, जिसके भधिभीग में सम्मति है)

क्षी यह सूचना चारी करके पृतामित स्व्यत्ति के न्वीन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुं ा

### बन्द सम्पृतित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराह
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य स्थिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वाहित्य:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पद्दों का, हो सबद अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा को उस सध्याय में दिका यदा है।

#### **मन्स्**षी

"पलैट सं० 202, जो दूसरी मंजिल, डायगो सी, सी० टी० एस० सं० 1280, 1461, 1247 और 1463, शरलो राजन, बान्द्रा, बस्बई 400050 में स्थित है।

मतुस्वी जैता कि कि सं  $\pi = \pi \frac{1}{2} - \frac{2}{37} = \frac{18253}{84} = 85$  धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दितीक 13-3-1985 की रिजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनौक : 7-11-1985

HER RIE LE ST. ST. MARRIED

शायक्ष वृत्तित्वन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सूचना

#### HIST AZANI

### कार्याक्षयः सहायक बायकर वायुक्तः (विड्रीक्ष्यः)

धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 7 नवम्बर 1985 निदेश सं॰ धाई-2/37ईई/18116/84-85---अतः मझे प्रधात राय,

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त निर्मित्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीत, सक्षम प्रिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संस्पत्ति, विसका उचित वाचार सक्य 1,00,000/- एत. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पर्लंट सं० 105, गोरा सोसायटी, बान्बा, बम्बई 50 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के मधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनाँक 8-3-1985,

को प्रॉक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृख्य से कम के असमान सिरुक्त के लिए अस्टरित की गई है बीर मृझे वह विववास करने का कारण है कि अभाष्कों क्त संपरित का उचित बाजार कृष्ण, उसके असमान प्रतिफल के गंदा प्रतिकार प्रतिफल का गंदा प्रतिकार से अधिक है और अस्टरक (अस्टरकों) और अस्टरिती (अस्टरितिकों) के बीच एंसे अस्टरक के लिए तब पामा नृज्ञ असिर्क, विभागितिक उद्ववेष्ट से उच्च ब्रुक्त मुलाहक विश्वत के बास्त विकास कर से किया वहीं किया नवा है है---

- हैं क्या क्या के क्या कार्य की नामक समस् स्पिनियम में सभीन स्प्र को से सम्बद्ध में बायित्व में कमी करने या उससे ब्याने मी सुनिधा के मिए; सांद/पा
- (क) ऐती किसी नाय ना किसी भन या जन्य जास्तियों की, विनष्ट्री भारतीय जाय-कर निधनियम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त निधनियम, भा कन-कर निधनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना जाहिए था कियाने में सुविधा के विष्

वरः वर, उन्त निर्मानक की भारा 269-व के नमुसरण की, की बन्त निर्मानक की भारा 269-व की स्पर्धारा (1) की क्षणील किल्लीसिंखस व्यक्तिकों, बर्चाद हिल्ला 70—366GI/85 (1) सदउधीन गुलाम हुसैन मोबानी ।

(भग्तरक)

(2) श्री सीराज बहादूरम्रली हिमानी भौर श्रीमती मूमताज सीराज हिमानी

(मन्तरिती)

(3) भन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग से सम्पत्ति है) को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विक् कार्यवाहियां एक करता हुं।

उक्त कम्मित्त के मर्चन के कम्मप्भ में कोई भी भारतंप ह

- (क) इत स्वता के राजपन में प्रकाशन की टारीय वें 45 दिन की बंबीय ना टाल्डम्बरमी स्पन्तियों पत भूषना की टामीस वें 30 दिन की संवीध, यो भी अन्धि बाद में संबाध्त होती हो, के भीतर प्रवॉक्स व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति स्वाहर;
- (क) इस स्थान के सभपत में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उसत स्थाबर सम्पत्ति के दिनक्षे भीतर उसत स्थाबर सम्पत्ति के दिनक्षे किसी बन्ध आरंकत ब्वास वभोहस्ताक्षरी के वाच लिखित में किए जा सकरी।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है ।

### धनुसूची

"पर्तैट सं० 105, जो गोरा को०—आप० हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड, डा० पीटर डायस रोड, बान्द्रा, बस्बई—400050 में स्थित है।

भनुसूबी जैसा कि कि से प्रदे-2/37-ईई/18116/ 84/85 भीर जो सजन प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनोक 8-3-1985 को र्राजस्टड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रज"न रेंज−2, यस्वई

विनॉक: 7—11—1985

Lines ally Sy, saw less mannerson

बाधकर जांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग (60 % (1) में अभीन मुख्ता

#### भारत सरकार

शार्यालय, निरासिक का कि का प्रकृत (निरासिक) अर्जन रेज-2, बस्बई

बम्बई, दिनॉक 7 नजरबर 1985 निदेश स० ग्रई-2/37ईई/17908/84-85—ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

ग्रौर जिसकी स० फ्लैंट स० 4 मिन ग्रणार्ट पेट, विले पार्ले (पु), बम्बई – 57 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जियका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम की धारा 269 व्यक्ष के प्रधीन स्थम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनाँ 2-3-1985

हा पूर्वोक्त सम्पत्नि के निश्न बाजार मस्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित क गई है और मभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्जोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफाल से, एसे वश्यमान प्रतिफल का निव्ह प्रतिकाल में अधिन को और गंतरते (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को कि एके नंग्यम को निव्ह नग पाया गया प्रति-कल निम्नलिक्ति उद्देशकेय में उत्तर अन्तरण लिखित में बास्तविक कम से किथत नहीं विश्वास्त्य हैं '-

- (क) अन्तरण गह है हैं हैंगर्ग प्राय भी गावन समत अमत अधि-नियम के उपीन इन पर्ने में अन्तरक के दायित्व में अभी करने य उसर गाने जे स्विधा के निग्;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मों, मां, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थान --- (2) मिन् कन्स्ट्रक्शन को०

(मन्तरक)

(2) श्रीमती मारघावेन नानालाल शाह ग्रौर श्रीमती मीना रजनीकाँत शाह

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, बो भी वर्वीक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्र व बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के काम निकास में किया का मुक्ति ।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ क्षीमा जा उस अध्याय में दिया क्या है।

### बन्स्ची

"फ्लैंट सं० 4, जो पहली मंजिल, मिन् अपार्ट सेंट, सदानन्द रोड, आफ नन्दाउपाटकर रोड, टेलीकोन एक्सचेंज के पास, विले पार्ले (प्), बम्बई 400057 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि कि सं ग्रई-2/37ईई/17908/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 2-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक : 7-11-1985

### प्रकेष बाह्", टी., एवं. प्रकेत स्थानन

# वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के नभीन सूचना

#### भारत वरकाड

कायालयः, सहायक बायकर आयुक्त (निर्देशक) शर्जन रेंज-2, बम्बई यम्बई, विनांक 7 नवम्बर 1985

निवेश सं व अई--2/37-ईई/18174/84-85---भतः, मुझे,

प्रशास राय,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० क्लोक नं० 8, राव प्रपार्टमेंट, विलेपार्ले (पु), बम्बई-57 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जित्तका करारतामा श्रायकर श्रीधिनियम की धारा 269 कद्ध के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, विनाक 8-3-1985,

को पूर्वायत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ने यह निश्वास करने कम कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल में, एसे क्यमान प्रतिफल का पेंद्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिखस में वास्तिक क्या से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाकत, उक्त वीधीन्यम के अधीन कर दोने के अंतुरक की दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में द्विया कं तिल्, ऑर/का
- (क) एसी किसी भाग या किसी भग या अन्य आस्तिजों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 की 11) मा उक्त मधिनियम, 1922 भग-कार अभिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रश्लेषीनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रश्लेषीनियम संत्रिती द्वारा एक द नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिवाने में सुविधा वी सिए।

बतः थवः, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ण की अनुसरण की, में, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ण की संपर्धारा (1) की अभीतः, निम्निनिवतं व्यक्तियों, अर्थातं ध--- (1) श्री विषित कुमार हराजबन्द गाँधी, श्री दीषक कुमार एक गाँधी श्रीर श्री प्रकास कुमार एक गाँधी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कें० नरसिद्धा।

(प्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिनके श्रधिभोग में जम्मिल है)

(4) भन्तरिती ।

(न.इ. व्यक्ति, जिसके **बारे में भ्रधो-**हण्यादारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हे)

को यह सुनना भारत करक ५० किन तथ्यात्व के वर्षन के विद्य कार्यमहिंद्यां करता हा !

उक्त सम्परित को वर्णन 'से सम्बन्ध मी कोई भी बाक्षेष रू---

- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अर्थाप मा नन्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की लामील में 30 दिन की स्वधि, को भी बाधि वाद में इस्ताल होती हों, के भीतर प्रविचा व्यक्तियों में में किसी किसी इसी इनाए:
- (ब) इस स्थान के राजपत्र के प्रकाशन की सार्यांच से 45 विन के भीतर उक्स रथानर सम्पत्ति में हिसबबुध किसी अन्य व्यक्ति इसारा, जधांहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकते ।

न्यस्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में विवाः एमा है।

#### अम्स्ची

"ब्लोक नं० 8, जोतीगरी पंजिल, रात्र प्रपार्टमेंट, मलाबीया रोड, बिले पार्ले (पु), बस्बई-400057 में स्थित है।

प्रनुसूची जैमा कि कर मंद्र ग्राई-2/37/ईई/18174/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, ब्रम्बई द्वारा दिनाँक 8-3-1985 को रजिस्टर्श किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेन रेंज-2, वम्बई

दिमांक: 7-11-1985

प्रकृष् वाद् . की. एन . एस . -----

बायकृर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विधीन सूचना

#### भारत संस्कार

कार्यामय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्देशिक) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिमांक 5 मवस्बर 1985

मिवेश सं॰ अई-2/37-ईई/18024/84-85-अत: मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 302, जो, मार्बल आर्च सोसायटी बम्बई-50 है तथा जो बम्बई-50 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका उरारमामा आयकर अधिभियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टी है. तारीख 6-3-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान इतिफल के लिए कन्तरित की गई ही और मूझे यह विश्वास करने के कारण ही कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निविश्वत उद्देश्य से सक्त अन्तरण विश्वत में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया पया है के—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बन्ध या किसी भन या नन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या भन-भनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

नतः सन, सम्तः अभित्यमं की भारा 269-ग के नमूसरण में, में, उक्त अभिनियमं की भारा 269-ग की उपभारा (1) के सभीय, निम्मसिविक स्थापनार्धे, स्थात् :---  श्रीमती सुधा नानीकराम कुक्रेजा धीर श्री परसराम कोब्रमल कुक्रेजा।

(बन्तरक)

 भी सुदर्शन बी० रंग घौर श्रीमती रचना एस० रंग।

(अन्सरिती)

कर्ष यह स्वता वार्री करके वृत्रोंक्त सम्मत्ति के वर्षन के विष्

उनत संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों वर्ष सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को और वर्षी के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबङ्ग किसी जन्म व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाक सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पव्हीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँर पदों का, जो जवद अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिका पया है।

#### बन्दकी

पलैट नं 303, जो मार्बेल आर्च प्रीमायसेस को आप । हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, पाशी हिंल, बाह्रा, बम्बई-4000 050 में स्थित है।

अनुसुन्ती जैसा कि कि के सं अई-2/37-ईई/18024/ 84-85 भीर जी सक्षम प्राधिकारी, कम्बई द्वारा दिशांक 6-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी प्रद्वायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जम रेज-2, बस्बई

तारीख: 5-11-1985

मोहर ३

अक्न नार्षं र गाँउ एक<sub>ा</sub> एक<sub>ा</sub> ----

श्रायकर विधिनियस्त 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वंधीन सूचना

भारत चहुकार कार्यांचय, सहायक अध्यक्त वायुक्त (किर्यांक्रण)

> अर्जम रेंज-2, बस्मई बस्मई, दिशांक 5 नवस्मर 1985

निवेश सं अई-2/37-ईई/17911/84-85-अतः मुझे, प्रशास राय,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमैं इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिस्की सं० पर्लंट नं० 706, मंजू महल, बाद्धा बम्बई-50 है तथा जो बम्बई-50 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजत है), भीर जिसका करारनामा आयमर अधिरम्म, 1961 की भारा 269क, ख में अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

की प्रशंक्त सम्पन्ति के उचित अआर मृत्य से कम के क्यमान बतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निष्यास करने का कारण है कि यथाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिरों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया सवा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण विकित में वास्त्रिक क्य से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) सम्परण से हुई किसी बाय की वाबत , उक्त वीधनियम के बधीन कर वोने के अन्तरक के वासित्य में कभी करने के सबसे वधने में सुविधा के लिए; बोद/का
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी थन या बन्य जास्तियों की., जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हो प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए वा कियाने में स्विभा के बिए;

ह्मस् वन , उस्त अधिनियम की धारा 269-ग की अगुबरण हैं, में. 'इस्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलियिक स्पित्तनों, वर्षात् ए---

1. भी सी राज एम मृशमी

(अन्सरक)

 श्री अयंत अरोरा भौर श्री अनिल अरोरा।

(अन्सरिती)

3. अन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थान धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

**उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी नाक्षंप** :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन की संवीध या तत्सम्बन्धी स्थानतमों पर स्वता की तामीस से 30 दिन की संवीध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचक स्थानतमों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (क) इस स्थान के श्रवपत्र में प्रकाशन की दारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए का सकेंचे।

ल्ब्लीकरणः-इसमें प्रयुक्त सन्तों नीर पर्यों का, जो उनक जीभनियम, के नभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होत्यु को उस सभ्याय में दिया गया है।

### वर्स्यो

पलट नं 706, जो बी विंग, मंजू महल, चेतक को के कांप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 35 पाली हिल रोड बान्डा, बम्बई-400 050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं अई-2/37-ईई/17911/84-85 घीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिशीक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

र्मूप्रशीत राय सक्तम प्राधिकारी बहायक आयकर आयुक्त (मिरीकण) अर्जन रेंज-2. बस्बई

तारीब: 5-11-1965

प्रारूप बार्ड.टी.एन.एस्.-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बस्बई, दिनांक 5 नवस्थर 1985

निर्वेश सं अई-2/37-ईई/17944/84-85--अत: मुझे प्रशांत राय,

श्रीयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पर्लंध नं० 52, राम महल सोसायटी, माहीम, अम्बर्ध-16 है स्था जो अम्बर्ध-16 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारमामा आयकर अधिमियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीम, बम्बर्ध स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रिजर्टी है, तारीख 2-3-1985 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जीचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया यया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में बाद्धाविक रूप से कार्यक नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बायत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक को दापित्व में कमी करने या उस्से बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य नास्तियाँ की जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती वृजारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविध्य सींलिए;

बतः बयः, उक्त विभिन्यम की भारा 269-ने के विनृतिरेण वी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की अपभारा (1). वो वभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,, वभात् ध्रम्म ा श्रीमती चेतीबाई रामघन्द।

(अन्सरक)

2. श्री अरुम गोविंद गेही श्रीर गीता दौलत गेही।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाहोप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों दर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध विकास की तारीस के पाम जिस्ति में किए जा सकर्गी।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पया हैं :

#### **मन्स्ची**

पलैट नं ० 52, जो तल मंजिल, राममहल को-औप हार्जीसग सोसायटी, मोरी रोड, माहीम टेशनके सामने बंबई-400 016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/17944/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-3-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंक-2, बस्बर्ड

सारीख: 5-11-1985

मोहर 🚁

प्रकप बाह् , टी, एन , एत .-----

अधकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-थ (1) के नधीन सुक्रना

#### भारत धरकार

### कार्यासय, यहायक बायकर वायुक्त (निर्देशिक)

धर्जन रॅज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/18081/84-85--भतः मुझे, प्रशति राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का सारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिल्लिको सं ब्लोक सं 11, गिरीराज भगार्टमेंट, भी थेरी (पु), बम्बई-59 में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबक भनुसूची में भीर पूर्ण का से वर्णित है), श्रीर जिनका करारतामा श्रायकर भिधितियम की धारा 269 कला के श्रवीत सक्षम प्राधिकारीके कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, दिनौंक 8-3-1985,

को पूर्वोक्स संस्पित के उचित बाजार मृस्य से कम के रहयमान प्रतिक्षत सं लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथाप्यों कत संपत्ति का उचित बाजार मृस्य इसके इश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के निए तब पाया गवा वितक्षत निम्नसिवित उद्वोदय से उक्त बन्तरण निवित्त के बास्तिक क्य से कथित नहीं किया वसा है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसस बचने को सविधा के बिछ; आदि/बा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, विन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम बा धनकर अधिनियम बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया बया धा या किया जाता वाहिए था, कियाने यो स्विधा के सिए।

इत: सथ, उक्त अधिनियम की भारा 259-ग के अनुसर्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की स्पंधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, संधीत:—

(1) गिरीराज कनस्ट्रक्क्षन को० ।

(घन्तरम)

(2) श्री घोर श्रीमती जुजेर एस० दीवान ।

(मन्तरिती)

(3) प्रम्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) मन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधी-हस्तासरी जानता है कि वह सम्प्रति में हितबद है)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के बिहर कार्यवाहियां करता हुं।

### डक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह—

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो औं जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थितमाँ में से किसी स्थित दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए वा सकेंगे।

स्पर्वेकरण : इसमें प्रमृत्त शब्दों और पदों का, जो उभत जिमियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याक में दिया गया है।

#### अनुसूची

"क्लोक मं 11, जो गिरीराज अपार्टमेंट, प्लोट मं 176/ 1(पार्ट), कोंडीबीटा विलेज, कदमवाडी के पास, अंधेरी (पू), बस्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुस्ची जैसा कि क० सं० माई-2/37ईई/18081/84-85 मीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 8-3-1985 को रजिस्टा किया गया है।

प्रयांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रॅंज∼2, सम्बद्ध

दिनोक : 7-11-1985

प्रकप बाई.टी.एन.एस.----

बायकर बरिधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भाग्क्त (विरक्षिण)

अर्जेन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनोक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं॰ अई-2/37-ईई/18212/84-85--अतः मुझे, प्रशांत राय.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूम्ब 1,00,000/- रा. से अधिक है

चौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, फीर हैवन, बम्बई-50 है सथा जो बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसुवी में श्रीर पूर्ण रूप से बाँगत है), भीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, सारीख 12-3-1985

की प्रवेक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मन्य से कम के द्रुयमान प्रतिफाल के लिए अन्यरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि प्रथमपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार श्रूय, उसके द्रुयमान प्रतिफाल से एसे द्रुयमान प्रतिफाल के पन्द्रध्न प्रतिकात से अधिक ही और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिफाल, निम्निसित उद्देश्य से अक्त अन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की, शवत, अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (अ) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, जिपाने में सुविधा के सिएं।

सतः शव, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के बनुसरक में, भी, उक्त मिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नसिव्त व्यक्तियों, वर्षात् हु--- 1. श्रीमवी सुनीता मनोहर सोमानी।

(अस्टरक)

2. वी सहमद इकवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के विद् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान की राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविध या तत्से बंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए पा सकरेंगे।

भ्यव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विश्वास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षे होगा को उस अध्याय में दिया वया है ॥

#### बन्स्ची

पर्संट नं॰ 102, जो पहली मंजिल, फैर हेवम, उन्लीसबा रोड़, बान्सा, बम्बई-4000 50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि विश्व काई-2/37-ईई/18212/84-85 घोर जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई द्वारा दिनांक 12-3-1985 को एजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय स्थाम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्जना रेज-2, बस्बई

तारी**च**ं 5-11-1985

मोहर 🛭

प्रारूप आई.टी.एग.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269व (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2,बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 नबम्बर 1985

निदेश मं० अई-2/37-ईई/18251/84-85--यन: मुझे, प्रशांत राय.

**गाय**कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे परकात 'जरत प्रिविधयम' कहा गया ही), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार गत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 33-ई, मेलनेन केथलीक सोसायटी, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रांश इसमे उपाधद अन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), श्रीर जिल्ला करारनामा आयकर अधिवियम की धारा 269क. ख के अधीन, सक्षम प्राधि । री के कार्यालय बम्बई में रजिस्टी है, तारी*ष* 13—3—1985

को पर्वेदेश्त सम्पत्ति के निचन वाजार सत्य से कम के क्रयमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने न, फारण है कि संभापत्रीकत सम्परित का उचित बाजार मुरुप, असको दश्यमान प्रतिपत्ति सी, धीनो उस्प्यमान प्रतिकास क्का पन्तक प्रीकाल से अधिय है और लीवरब (अंटरकों) और प्रतिस्ती (अंतरिरंशियों) के बीच गोसे अंतरण के निए तय प्रापा नया प्रति-कल, विश्वनिविकित उद्गापन से कवार अस्तरण निर्माण न से नास्त्र । विक रूप से कथित महीं किया गया 🕏 :----

- '(क) बन्तहम से हर्ष किसी बाब की बाबता. समस अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के शमित्व भी कमी करने या उसुसे सखने मी सुविधा के लिए: कीए /श्रा
- (म) एमी किमी आग या किमी अन ६। अरह स्वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) रा उक्त अधिरियम, दा भनकर प्रधिविधार । १०१७ (१९५७ 🕾 २३) 🕏 प्रणेजनार्थ कार्रीर के दुवारा प्रकट रहते शिवा ं का लिक्सा काला कालिए वर्ग दिव्याने से कार में क्या कारक

जल अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनगरण में . 📆 , शतत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) म्हेर्ना विकासिका स्वित्वार्ते ३ धन्तः -71 —366 GI/85

TO MERCHANDER AND A CONTROL OF A (1) जीमती एवलीय परेरा ।

(अन्तरक)

(2) मेप्तर्म परेरा बिल्डर्म ।

(अन्तरिती)

(3) भाड़ोत्ती ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जामता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्क सम्पत्ति के खर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्स सञ्यक्ति के सर्वाप के सम्बन्ध में कार्द भी बाक्रेंच 🆫

- (क) इस सचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिश की अविधि या तत्त्रध्याणी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवस्थि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वों कर भ्यम्बद्धम् में से किसी भ्यक्ति दुवारा;
- (क) इस समना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बे 45 विन के भीतर उक्त स्थावुर ग्रम्मरित में हितवबुध् किसी बन्य व्यक्तित द्वारा मुभाहस्ताक्षद्री नौ पान रिक्ति माँ अए आ सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

#### अन्सची

प्लाट नं० 33-ई जो इस्टेट प्लाम नं० 1, केथली को-आए० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अन्मुची जैंगा कि ऋ० मं० अई-2/37-ईई/18251/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-2, बम्बई

नारीख: 8-11-1985

### श्रक्तः जार्<sup>द</sup> टी । एव<sub>ं</sub> एक<sub>ं प्रस</sub>्तनन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### बारत तरकाह

### कार्याजय, तहावक बावकाह बाव्यत (विद्रीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1985 निदेश सं० अई-2/37-ईई/18450/84-85--यनः, मुझे, प्रशांत राय,

जायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 402, डेकन सोसायटी, खार (प०), बम्बई-52 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारभामा आयकर अधिभियम, की धारा 269क,ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यास्य बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20-3-1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृज्य से कम के स्वयमान प्रितिफल को लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृज्य, इसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिषक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिश्वत उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया हैं

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिलिखत व्यक्तियों, अथोंत :--

(1) श्रीमती पूनम जी० श्रवानी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शरददेवी भगवतप्रकाश अगरवाल श्रीर श्री भगवनप्रकाश अगरवाल।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचमा चारी करके पूर्वोक्त सञ्चित के वर्जन के जिए कार्यवाहियां कडता हूं।

उक्त संपत्ति के भर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर प्रवेचक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थना के राजपन में प्रकाशन की रारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्मत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानकी करण :--इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उनत विभिनयम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गण है।

### प्रनुसूची

फ्लैट नं० 402, जो चौथी मंजिल, डकम को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सी० बिल्डिंग, आफ कार्टर रोड, खार (प०), अम्बई-400 052 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/18450/ 84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 5-11-1985

### प्रकृष बाह् दी पृष् एसं -----

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घं(1) के अधीन सुचना

#### भारत सहकात

### कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निद्धीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 5 नवम्बर 1985

निदेश स॰ अई-2/37-ईई/18515/84-85--अतः मुझे, प्रशांत राय.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० पर्ले न्० 302, श्रिबका अपार्टमेट, खार, बम्बई-52 है तथा जो बम्बई-52 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसुवी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिमका करारनामा आयहर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजम्दी है, तारीख 22-3-1985

कां पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य स कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत मही किया गया है:---

- (क) बन्दरम वे हार किसी बाब की बाउट, उक्ट अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी काय वा किसी वन या अन्य वास्तिन्ते को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 18) वा उनते अधिनियम, वा धन-कर जिनित्ते की, वा उनते अधिनियम, वा धन-कर जिनित्ते की, 1957 (1957 का 27) के प्रकृतियार्थ अस्ति द्वार प्रकृत नहीं किया ग्या था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में वृद्धिमा के लिए;

कतः अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के बनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीष, निम्मुलिचित व्यक्तिके अर्थीष् क्षेत्र- 1. श्री उत्तमचन्द एस० अलीमचन्दानी।

(अन्तरक)

2. श्री इस्माइल महमद सोलंकी।

(अन्तरिती)

मों यह स्वना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

### उन्ह संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई नी बाखेंच :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सैं 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ सिवित में किए का सकते।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदौं का, को जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितुं है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### भ्रनुसूची

प्लैंट नें० 302, जो तीसरी मंजिल, श्रंबिका अपार्टमेंट को० आप० हाउसिंग सोसायटी, प्लाट नं० 587, टी० पी० एस० 3, तिसरा रास्ता, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/18515/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम (प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बस्बई

वारीखा: 5-11-198**5** 

प्ररूप बार्ड, टी.एन.एस.,-----

कापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिभाक 7 मधम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/17983/84-85--अत: मुझे,

प्रशांत राय,

शावकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह धिरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, फान्सडेल, बान्द्रा, बम्बई- 50 में स्थित (श्रीर इशने उपाबद्ध अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणत है), श्रार जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धार। 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथगापूर्वोक्त गमारित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अंतरकी) और अंतरिती लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिधम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शक्तिया में कभी फरने वा उधसे यंश्वतं में हुपिमा के लिए; बॉर/बा
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः बन, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उस्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. मैं० सुहेन कन्स्ट्रक्शन्स

(अन्तरक)

2. श्री मेन्यल राफायल श्रीर श्रीमती गीलेरमीना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हित-विद्या किसी व्यक्ति व्यक्ति, अधीहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए जा राजेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंड नं० 202, जो दूसरी मंजिल, फान्सडेल, 115, डा० पीटर डायस रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/17983/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकरश्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रोज-2, बम्बर्ड

तारीख: 7-11-85

Proposition . 89 . 13 . 116 Per

# बायक्त बाँभूनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के बभीन सुनना

#### RIVE BYEN

कार्यां तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

छर्जन रेंप-2- बम्बई

वम्बई, दिनांः 8 नवम्बर 1985

निदेश स ० ग्रई- 2/37-ईई/18301/84-84--म्रतः मुझे, प्रशांत रायः,

बायकर बिधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 110, शेर-ए-गंजाब सोसायटी ग्रंबेरी (पु०), बम्बई-93 है तथा जो बम्बई-93 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ इनुसुची में ग्रीर पूर्ण एप से विणित है), ग्रीर जिसना जरारजान जाव र श्रिविनियम, 1961 की धारा 269:, ख हे श्रदीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के जावीता में रिजिस्टी है, तारीख 14-3-1985

को बुनीक्त सन्पत्ति के उपित बालार मून्य से कम के इस्यमान प्रतिफाल के लिए अग्रहोर्ड को यह है और मुक्त यह निश्चास करने का कारण है कि यथाक्सोंक्त सम्पत्ति का उपित बाज़ार मून्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफाल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफाल का फिल्ट प्रतिकाल से अधिक है क्ये क्यान्य (अध्यापकों) खूट बन्तिकी (अन्दरिक्ति) के बीच एसे क्यारण के किए स्थ पामा गया प्रतिफाल, किम्मीलिखत स्यूपेस्य से उस्त बन्तरंगु लिखित में वास्तविक स्थ में काथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्दरम सं हुए किसी बाय की वानता, उसत विध-मियम के बधीन कह दोने के अन्तरक के बारित्य में दकी करने वा उसने बचने में सुनिधा के सिए; बहि-/या
- (ब) एसी किली अय या किसी धून या अन्य मास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना जाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

क्षाः क्षां, अक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसर्भ में, में उवत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधील, निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

(1) श्रीमती विरानवली पूरनसिंग

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दिनेश मलिक

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

### इक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी वासपे:--

- (क) इस सूचना के हाजपृत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अवध्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना क राज्यपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी कृत्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पूर्वों का, वो उक्त विधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषिद हैं, वहीं अर्थ-होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

### अनु सु**ची**।

प्लाट नं 110, जो सी टी सर्वे नं 368, शेर रोड़, ग्रंधेरी (पु), वम्बई-40-93 में स्थित है। ग्रनुसुची जैसा कि का सा ग्राई-2/37-ईई/18301/ 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिवारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत रायं, सक्षम प्राधिकरी सहावक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखं: 8-11-85 मोहर ह प्ररूप आर्. टर. एन. एस .....

कायकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सधीन सुखना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां ह 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० प्रई--2/37-ईई/18068/84--85----प्रतः मुझे, प्रशांत राग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 100,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 101. देवदीप, गालाकृत बम्बई-54 है तथा जो बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसुची में श्रौर पूर्ण ख्य से वणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 क धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित रक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7~3−1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है

जातकाल का स्वर् जन्ता रता पर हु जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पात्त का उचित बाजार मृत्य उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्त-पुण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अध या किसी धम या अध्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय बाय-अद विधिनयम, 1922 की 11) या उसत अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति शिवा श्राम विद्या प्रकट नहीं किया प्रका था विद्या श्राम विद्या श्री के प्रयोजनार्थ अन्ति श्री श्री क्षा मा किया श्राम श्री हिए था, किया में प्राचित की श्री की स्था की स्थ

अंतम अन उपल अधिनियन की पाछ 269-में के अध्यक्तर में, में, उपल अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) वे अधीय, मिक्नील्डिक व्यक्तिकों अधीय अ—— (1) मैं वेशनल बिफिडम कोरपोरेशन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पदमा दलं चन्द गांधी श्रौर दल चन्द भाषचन्द गांधी।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन् के रिलए कार्यवाहियां सुरू करता हो।

### उक्त सम्पत्ति के कर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### श्रनुसूची

फ्लैंट नं० 101, जो पहली मंजिल, देशदीप, प्लाट नं० 44-aी, तिलक टैंगोर रोड़, सान्ताऋज, बम्बई-400054 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/18068/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरी**अणु)** ग्रजैन रेंज-2, **बम्बैर्ड**

तारीख: 7-11-1985

मोहर 🛚

प्रस्प वाष्ट्र . टी. एन क्ष्म . .....

## कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के संभीत सूचना

#### मारत सस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाह 7 नवम्बर 1985

निर्देण सं० म्रई-2/37-ईई/17873/84-85--म्ब्रतः मुझे, प्रशांत राय,

कागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से विश्वाह

ग्रीप जिसकी सं० ण्लैट न० ए-1 पृष्ण विश्वित, बम्बई55 है तथा जी बम्बई-55 में नियन है (श्रीप इसमें उपाबद्ध अन्मूची में श्रीप पूर्ण रूप से विणित है), श्रीप जिसना व रापनामा श्रीयव प्रिक्षितियम, 1961 की धारा 269व, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक री के व्यवित्य बम्बई में रजिस्की है, तारीख 1-3-1985

को पृत्रीक्स सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के स्ममान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (यन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बोच एसे बन्तरण के बिए यथ सवा गमा प्रतिफल, विश्वसिक्त स्पृष्टिस से अन्त अन्तर्थ शिक्तर ये वास्तिक रूप से किथा महा किया गया है ---

- (ह) अन्तरण से हुई सिक्सी जाय की बाबत, उक्त अधिशियक के अधीन कर देने के अक्तरक के दासित्व में कमी करने या उत्तर्स क्लाने में सुविधा को लिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अस्य शास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्ता अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया अप या किया जाना नाजिए था, छिपाने में सविधा द लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण पै, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ले अधीन, निकारित कि करिकामों, अधीत् ह 1 श्री एन० एन० पनीकर

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती परावती विक्टा गीडडे

(ग्रन्तरिती)

3. श्रन्तरिनी के परिवार के मदस्य (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

बीं यह सुष्यता चारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता क्ष्में।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में के। इंभी नाक्षेप :---

- (का) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध रिल्ले २ को के दनारा अबहस्ताक्षणी के पास सिचिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, यहा अर्थ होता वा उस अध्याय में विया गवा है।

### अनुसूची

पर्लंट नं० ए-1, जो नल मंजिल, पुष्पक बिल्डिंग, चौथा रोड, टी० पी० एम० नं० 3, सान्ताऋुज (पु०) बम्बई-400055 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर भई- 3/37-ईई/17873/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1975 को रिजस्टर्र किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहाया श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-2, बम्बई

तारीख 7-11-1985 मोहर: प्रस्प लाई.टी एन एस. -------

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वर्धीत स्थाना

#### भारत तरकार

### कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांत्र 7 नवम्बर 1985

निदेश स० श्रई-2/37-ईई/18001/84-85--श्रन मुझे शास गय.

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भित्त, जिसका उक्ति बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी स० माट न० 161 श्रवेरी (पु०), बम्बई--93 श्रनुसुनी में श्रीर पूर्ण रूप स विणित है), श्रीर जिसा करारनामा श्राय र अधिनियम, 1961 नी धारा 2694, ख के श्रधीन बम्बई रिथन सक्षम प्राधियारी के बार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 6-3-1985

को पृशांकत संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों से पान कि को प्रतिफल का प्रवृक्ष , उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रवृक्ष , अतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाना प्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण सिक्ति में शास्तिवक एए ते किथत नहीं किया गया है ;—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की नायत, उक्त अधि-विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्युष्टक के व्यथित्व में कमी करने या उससे यचने में बुविभा के मिए, और/वा
- (क) एंडी किसी जाय या किसी धन वा जन्म कास्टियों को, धिन्हें भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के सिर्ध।

क्त क्ष , उक्त विधिनयम की भारा 269-न के अनुसरक में , में , उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियो, अर्थात् :--- 1 परकार हरीत्वर विगासिक किया जिला (यन परका)

2 श्री भरुन कुमार नेवी

(धन्तरिनी)

को वह स्वमा बारी करके प्वॉक्स सम्पत्ति के अर्थन् के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इत स्थान के राष्पण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्स्रयन्थी व्यक्तियों पर स्थान की सामीत से 30 दिन ही अविधि, का नी अविधि नाक में समाप्त होती हो, जे नीतर प्रबंधक स्थितियों में में किसी व्यक्ति स्थाद,
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी शन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वृश्वित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्यात में दिया नया है।

### भनुसूची

प्ल.ट न० 161, जो मह<sup>-</sup>.ली केव्हन रोड, प्रधेरी (पु०), बम्बई-400 093 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा जि क्र० स० श्रई-2/37-ईई/18001/ 84-85 श्रीर जा मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनार 6-3-1985 का रजिस्टर्ड जिया गया है।

> प्रणात राय स्वाम प्राधाः री पहासार प्राप्य प्रास्तुत (निरीक्षण) प्रमार रेज-2, बम्बर्ष

मारीख 7-11-1985 मोहर. प्रक्ष कार्ष. टी. एन. एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्पना

#### भारत बरकार

### कार्यालय सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज-2, बम्बई

सम्बद्ध, दिनाँक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/18158/84-85--श्रतः म्*भे*, प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00000/-रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 503, नेक्टर 1, बान्द्रा, बम्बई--50 है तथा जो बम्बई--50 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध धनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 12-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान व्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुफ्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए पय पागा गया अतिफल, निम्नलिखित उदयदेश से उदत अन्तरक निविध बास्तविक अप स कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत बक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक को बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निग, और/धा
- (ब) एंसी किसी काय या धन या बन्य क्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वे सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के जधीन, निम्नसिवित कावितकों,, वर्धात 🗫 72-366 GI/85

1. मेसर्स कीर्ति एन्टरप्राईजेम

(घन्तरक)

2 कप्तान मजय कुमार शर्मा

(अन्तरिती)

को यह स्वता बारी करको प्रांक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना को राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की नविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (चि) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान सिवित में किए जा सकोंगे।

**ल्ब्लीकरणः — इ**समें प्रयुक्त करूरों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया लया है।

फ्लैंट नं० 503, जो नेख्टर 1, सी० टी० एस० नं० 1437, 1440, विलेज दाँडा, शेरली राजन, धन्द्रा, धम्बई 400050 में स्थित है।

श्रनमूची जैसा कि फल मं० ग्रई-2/37-ईई/18158/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्ब्रई द्वारा (तिक 12-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशॉन राय , सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2 बमबई

तारीख: 7-11-1985

प्रकृष भार . टी . एन . एस-=====

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सर्कार

कार्याजय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/18473/84-85-- अतः मुझे, प्रशांत राथ,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा एवा ही, की धाच 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मून्य 1.00,000/- रा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 76, सर्वे नं० 368 (पार्ट), श्रंधेरी, बस्बई है तथा जो बस्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्राथकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20-3-1985।

को पूर्वोक्त तम्मित के उमित बाजार मून्य से कम के दश्यमाम प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है औद मून्डे वह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मित का उमित साजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल सं, एसे दश्यमान प्रतिकास का पत्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा स्था प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक कप में कवित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए भा छियाने में स्विधा के सिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिश्वामों, अर्थात् :--- 1. मै० शान्ती कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(भ्रन्तरक)

2. मैं० मी० के० बिल्डमं एण्ड डेवलपसं

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

क्यत प्रकाशिक के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इक सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिथ या तत्तम्बन्धी व्यक्तियाँ पर तृचना की ताजील से 30 दिन की सनिध, जो भी अपिथ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्राया,
- (च) इस कुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- कुप किकी जन्म स्थावत द्वारा जभोहस्ताक्षरी के शक्ष किविस में किए जा सकींगे।

स्पक्त किरण:--- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीभिनमभ के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है

#### वगतकी

जमीन का हिस्सा जिसका प्लाट नं० 76, सर्वे नं० 368 (पार्ट), विलेज मोग्रा, शेर-ए-पंजाब को० भ्रॉप० हाउ-सिंग सोपायटी लिमिटेड, श्रंधेरी, बम्बई है।

श्रनुसूची जैसा कि क० स० श्रई-2/37-ईई/18473/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 20-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 7-11-1985

प्रसन् नार्. टर्ड., एन., एस., \*\*\* त्रा

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के स्थीन स्मना

#### भारत सरकार

कार्याशय, सहायक नायकर नायुक्त (विरक्षिण),

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनौंक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/17995/84-85--श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि वभापूर्वोक्त तस्पत्ति का उचित बाजार 100,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 162, श्रंधेरी (पु०), बम्बई-93 है तथा जो बम्बई-93 में स्थित है (श्रौर इनसे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है )श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितयम, 1961 की धारा 269क, खा के श्रिधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्षयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोयत सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का कुल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का कुल्य, प्रतिकात अधिक है और बन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तब पामा गया प्रतिकल कि निम्नतिचित उच्चेष्य से उचित बन्तरण निचित में वास्तविक रूप से किथल नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की भावत, जक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के अभिरत में कमी करने मा उससे बचने में बृदिया के पिए? कोर/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्योजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गवा भा या किया जाना चाहिए था, स्थिन में सुविधा के लिए;

वतः नव, उन्त निभीनयम की भारा 269-न की नन्सरम में, नें, उन्त अभिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) को अभीन, निम्निलिखिक व्यक्तियों, अभित्:— 1. श्री एस० जोगियर सिंग कुलवंत सोंग

(प्रन्तरक)

2. श्री सुनील कुमार सेथी

(भन्तरिती)

को वह सूचना वारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उपन तम्मति के नर्जन में तम्मण्य में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इंत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की जगिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जगिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान प्रकाशन की तार्शक क 45 दिन के भ क्ष्य स्थावर सम्मत्ति में हिस-बद्भ किसी अन्क व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वचीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस सध्याय बं दिया गया है।

### अनुसधी

प्लाट नं० 162, जो महाकाली केव्ज रोष्ट, ग्रंधेरी (पू०) बम्बई-400 093 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37—ईई/17995/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 6-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-2, बस्बर्ड

तारीख: 7-11-1985

मोहर

हरूप नाव . ह्ये. एव. एस. -----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारप्र 269-व (1) के बचीन चुचना

भारत प्रयास

कार्यालय, तहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० भ्रई-2/37-ईई/18074/84-85--अतः मुझे, प्रशांत राथ.

अगयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके १६५७: 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भार 269 ... के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने क. कारश हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार बृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० फ्लैंट नं० 104, यम्ना नगर, श्रंधेरी (५०) बम्बई-58 है तथा जो बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्स्ची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-3-1985

का पर्वोक्त सम्पत्ति के जियत नामार गरून से कम के प्रयमान सिए वन्तरित करी गइ और मुभ्रे विश्वास करने का यह कारण है कि यभावविंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उत्तक दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितौं (अन्त-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाता गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय ते उक्त अंतरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्य की ग्रावत, उक्त अधिर्शापनम के ब्रांगिक कड़ की के ब्राह्मरक की वायित्व में कनी करने या उत्तरी बचने में सुविभुर के नियः बहुः या
- (भा) एेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, बिन्हं भारतीय नायकार विभानियम, 1922 (1922 का 11) दा उपन कृषिनियब, वा धनकर मृद्रिक्तियम् । 1957 (1957 का 27) के प्रवोदनार्थ बन्तरितो ब्वारा प्रकट नहीं किया दवा था या किया श्रामा नाहिए पा क्यामे में बुविया में ज़िए;

**क्तः** अप, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुनरण में, मैं, उक्न अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) 📭 नधीर निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मेसर्स भमी इन्वेस्टर्मेंटस

(ग्रन्तरक)

2. श्री बेन्डापुडी राममोहन राव

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचन। बारी करके पुनारित सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता 🚮 🕒

क्षत्र बन्मित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई मी नाओर ए---

- (क) इस स्वनारं भ्या में प्रकाशन की तारीय से ं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर 45 विन के. सूचना की तामा 🖔 त 30 दिन की अविधि, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी स्थक्ति ब्वारा;
- '(ब') इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तब्बुभ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं बर्थ होगा जो उस अभ्याय में विया पना है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 104, जो इमारत नं० डी-2, यम्ता नगर, श्रोशिवरा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई400 058 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि अ० सं० अई-2/37-ईई/18074/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है। ·

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 7-11-1985

क्षण कार्य <u>.</u>दर्श .का<u>. क्ष</u>ण .-----

(1) श्री प्रधन जैटली

(भ्रस्तरक)

(2) मैंसर्स राजगीर बिल्डर्म

(ग्रन्तरीती)

सामकर समित्रका, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन स्काना

भारत तरकार कार्यात्तव, बहावक वावकर वावृत्त (निरक्तिक) धर्जन रोज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांवः 7 नवभ्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई 18/380/84-85--- **प्र**नः मु**से** प्रशांत ः

नावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विको प्रवर्ग देशको परणाशः 'उक्त विधिनियम' नहां नवा हैं), की नार 269-व के अधीन पक्षम प्राधिकारी को वह विश्ववाद करने का कारण हैं कि स्वावर क्षमित, विस्ता उचित गावार मुक्व 100,000/- रा. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं सर्वे नं 77, कापसी विलेज, श्रन्धेरी, बस्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) श्रीर जिन हा रूरारनामा श्रायकर श्रिशिनियम की धार 269 के, ख के श्रशीन सक्षम प्राधिहारी के कार्यालय, बस्बई में। रिजिस्ट्री है, तारीख 16-3~1985

को पूर्वोक्ष्य सम्परित के उपित बाधार भूस्य से काम के स्वयंगान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई और मझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य: उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बतिक स, निम्नसिचित उद्देश से सक्त बनारण बिचित में शिस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण वे हुन् किसी जाग की बासस, स्वय मूधिनियम के सभीन कर रोने के सम्बद्ध के बाम्यस के कही करने का स्थल कमने के स्विधा के बिक्क स्वर्थ/का
- (व) ऐकी कियी जांच ना कियी थय ना बंक्य सावित्रणों करें, विव्हें भारतीय साव-कर व्यक्तियात, 1922 (1922 का 11) ना जकत विकित्रका, वो धर-कर जीवित्रका, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरियों हुनारा प्रवृद्ध वहीं दिवना क्या था का किया बाना व्यक्तिया जो विव्हां विकास विव्हां की विद्या के विद्या की विद्या के विद्या की विद्या के व

को बहु कुमना बादी करके पूर्वीक्ट सम्मत्ति से सर्वन में किए कार्यमाहिकों करका हूं।

क्ष्मक बाजरित के बार्चन के बंबंध में कोई भी बाकर :---

- (क) इत बृहता में राज्यत में प्रकारण की राष्ट्रीय कें 45 कि की प्रतिभ का तत्त्रम्भाषी व्यक्तिमें पर सुभक्ष की राजील के ु0 दिन की व्यक्ति, को भी अवस्थि की वो समान्य प्रोक्षि हो, से भीतर प्रविक्त कारिश्वामों में से किसी व्यक्ति वृत्तारा;
- (क) इब स्वता से एकाव में प्रकावन की वारीय वें 45 दिन के भीतर ध्यत स्वावर बम्पत्ति में दिन-वव्य किसी सन्य मर्गिष्ट स्वारा, स्थाहरताकरी कें पास सिवित में किया

स्वच्छीकरणः—इसमे प्रगुक्त कर्ना और पदो का, यो उन्त निधन निवस के नधाश 20-दें में परिभाणित हूं, वहीं वर्ष हरेंगा को उन्त के व्यक्त हैं दिया नवा है।

### वन्स्की

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 77, हिस्सा नं० 3 (पार्ट), प्लाट बी० विलेज नापसी, तालूका अन्धेरी, बम्बई है। अनुसूची जैसा कि क० मं० अई-2/37-ईई/18380/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वाराधिनाक 16-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-2, बस्बई

जतः शय, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूतरण मो, मी, उनत अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) वे अधीन, निम्मीविधित व्यक्तिकों, व्यक्ति हुन्स

श्रारीख: 7-11-19\$5

इक्य बार्ड .टी.एन.एस. ------

गायकर विधितिसम, 1961 7104 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन

#### नारत बद्रकाड

### कार्यास्य . तहायक नायकर नायुक्त (निद्रीक्षण)

भ्रजंन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक् 7 नवम्बर, 1985

निदश सं॰ ऋई-2/37ईई/18050/84-85--- श्रत. मुझे प्रशात राय

कायकर मिश्रिनयम, 1961 (1961 का 43) (चिले इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा परा है), की भारा 269-च के मधीन सक्तम प्राधिकारी की वह विकास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पद्धित, विसका अधित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी म० सी०टी ज्यान न० 1032, श्रन्धेरी बम्बई 61 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड़ अनुसूत्री में श्रीर पूर्ण का 4 विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम की धारा 269 के, ख के श्रीन सक्षम प्राधिकारी के जायितम, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 6-3-1985

कां पूर्वोक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सममान असिए क के सिए अन्तरित की गर्व हैं बौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिसिस उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निसिस में बास्सविक रूप से कथिस नहीं किया गया हैं:---

- (क) निमारण के एूप किसी जाय की बावत उपत जिल्लाम के बर्भान कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने वा उपसे क्याने में वृतिका के जिए?
  विश्वारता
- (क) एसी किसी बाम या किसी भन वा बन्य आस्तियों के विन्हें भाउतीय अगमकर सिभितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर सिभितियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से विद्धा

बतः वंदः, राग्य जीवनियमं की भारा 269-मं से अनुसरण में, में, उक्त जीवनियमं की भारा 269-ते की उपभाग (1) में जरीन निम्नीतिवित स्पवितयों, जर्माद : (1) श्री विरेन्द्र कुमार झाव

(म नरक)

(2) श्री नरीग्दर गृप्ता

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति कं वर्षन के सिए कार्यवाहियां सूक करता हुई।

### उक्त राम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र हु---

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति व्वारा जभाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकींगे।

स्वकाकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्धां और पर्यों का, जो उकत अधिनियम, को सभ्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में विभा गया है।

#### अमृत्यी

जमीन का हिस्सा जिसका सीटीएस न० 1032, यारी रोड, वर्सोवा, प्रक्षेरी, बम्बई 400061 में स्थित है

श्रनुसुची जैसा कि क० मं० अई-2/37-ईई/18050/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा बिनाक 6-3-1985 को रजिस्टकं किया गया है।

प्रणांत राय पक्षन गाधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-2, बस्बई

तारीख: 7-11-19#5

श्रारूप आईं.टी.एन.एस. .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के मधीन सूचना

#### भारत परकार

### कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मार्जन रेज-2, बाहर्ष

बम्बई, दिनाक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश मं० अर्ध-2/37ईई/18195/84-85-- अतः मुझे प्रकार राजः

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- क. से स्थिक है

ग्रीर जिनकी सं पलैट नं 201, डायगो बी बान्द्रा, नस्बई 50 में स्थित है (श्रीर इसने उपावड श्रत्सुची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) श्रीर जिसा करारनामा श्रायकर श्रीधनियम क धारा 269 में, खंके श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 12-3--1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान

प्रतिफंत के विए अन्तरिक की गई है और
मुखें यह विद्यास करने कम कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मून्य, उसके द्वयमान प्रतिकल से ऐसे क्यामान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और
वंतरक (बंतरकों) और वंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तब पाया गबा प्रतिपद्ध, निम्निसित उद्वेदय से
कुक्त बंतरण लिखित में बाल्यिक रूप से कथित नहीं किया
क्या है: --

- (क) अन्तरण से दूरि किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अदि/कर
- (क) एसी किसी आयं का किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभिनियम, ववारा प्रकट नहीं किया गया था या किना जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

बत: शव, अकत अधिनियम की धारा 269 ग को अमृसरण जो, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों. स्थित :—— (1) मसर्स अबीस र नस्ट्रक्शन

(मन्तरक)

(2) श्री अब्दुल रणीद अब्दुल्ला फाकी

(भ्रन्तरिती)

की वह सूचना चारी करके प्रविक्त सम्परित के बर्चन के जिल्ला कार्यवाहिनां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सरमान्य में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बर्गी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, खो भी वविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां कर माकितयों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में एकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित्त ब्र्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा वर्कों ने ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त निधिनियम, के बंध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं नर्ष हिंगा जो उस कथ्याय में दिया चया है ॥

#### मन्सूची

पर्लंद नं० 201, जो बूसरी मंजिल, डायगो बी०, सी टीएस नं०, 1280, 1461, 1247, घौर 1463, घरली राजन, बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है

मन्सूची जैसा कि फ्र॰ सं॰ आई-2/37-ईई/18195/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-3-85 को रजिस्टढं किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधि हारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-2, बम्बर्ट

तारीख: 7-11-1985

प्रकृष बाह्, दी, एव. एस. : : : : : :

भावकंद्र निश्तियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) की नभीन स्थान

#### प्राप्त बडकाड

### कार्यानयः, तहायक नायकः वायुक्त (चित्रुविक्)

मर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

मिर्देश सं० अई-2/37ईई/18381/84-85-श्रतः मुझे प्रणांत राय

नायकर किंगियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जीभीनवर्ग कहा नमा है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका जीवस वाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

ग्रीर जिसकी मं० एस० नं० 77, प्लांट नं० सी० ग्रन्धेरी, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम श्रीधकारी के वार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, सारीख 16-3-1985

को प्वांकंत सम्मत्ति के उपित वाकार मृत्य के कव के क्यानान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीफृत विलेख के क्यानार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यभाप्योंकत सम्मति का उपित बाजार मृत्य, उसके क्यानाम प्रतिफस से, लेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह गतियत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एोचे कत्तरण से लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मतिवित उद्योचय के उसते अंतरण निवित में वास्तिक रूप से क्रियब नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत , उपत विध-नियम की अधीन कर दोने के अंतिरक के शंक्तिक में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: बॉर्/बा
- (च) ऐसी किसी जान वा कर्ती धन वा अन्य अलिस्तवों कों, जिन्हें शारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के जिए;

कत. कथ, उथत वीधीनयम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मीं, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को वधीन, गिम्नलिकिट स्थितितमों अर्कात् ड── (1) मैं सर्मे इंद्रप्रस्थाबिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्म राजगीर बिल्डर्म

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यमहियां करता हुं।

उपर सम्मत्ति के वर्षन भी सम्बन्ध में होएं भी नामेप ⊱ 🕶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की सविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट में व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधाहस्ताक्षरी के वास सिविक्त में किए था सकेंगे।

स्पंच्यीकरियः -- इसमें प्रयुक्त शंक्यों और पवां का, जो उक्त व्याधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गंवा है।

#### सन्स्यी

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 77, हिस्सा नं० 3 (पार्ट), प्लाट नं० मी० विलेश, कापसी, तालूका ग्रन्धेरी, बम्बई है।

बन्धुची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37-ईई/18381/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई डीरा स्निक् 16-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशात राय सक्षम प्राधिकारी के सहायक आयक्षर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बर्ध

तारीख: 7-11-1985

प्रक्य आई. टी. एन. एस.-----

# बायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-वृ (1) के वृथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ज्ञायकर नायुक्त (निर्दाक्तण) अर्जन रेंद-2, बस्बई

बम्बई, दिनां 5 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० भई-2/37ईई/18726/84-85-**मराः मुझे** प्रशंधाराम

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है', की धारा 269-ख के गधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,09,000/- रु. से अधिक हैं

श्री रिंगि की सं० पर्नेट नं० 103, सागर संगीत, ए० जूह, बस्बई-49 में स्थित हैं (श्रीर इसके उपावक श्रदूपूची में श्रीर पूर्ण कर से विणित हैं) श्रीर जिल्हा करास्तामा श्रीय र श्रीधिनियम की धारा 269 ज, खा के श्रीति सञ्जम प्राधिहारी के कार्योक्षय, बस्बई में रिजिट्टी है, तारीख 29-3-1905

को प्रयोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई हैं और मृक्ते यह विद्रवास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल नि निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक में वास्तिक को वास्तिक क्ये वास्तिक क्ये से किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बावत, खबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे अधने भें सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसे किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपान में सुविधा के निए;

नतः अथः, उनतं निधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण में, में अवतं निधिनियमं की भारा 269-गं की उपभारा (1) के अधीन, निधासिसिस व्यक्तियों, अर्थात् ;—— 3 —366 GI/85 (1) श्री घीरभाई एम॰ धाह

(ग्रन्दक)

(2) श्री हेरील ए० जेही, श्री नेंली जे० केही, श्री विनस्टन जे० जेही श्रीकोलीन वी० केही श्रीरश्री श्रस्टर टी० केही

(प्रन्तिरती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सध्यस्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

**उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कीई भी वाक्षेप**ू—

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद सिवित में किए जा सकीं।

स्पन्नीकारणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्ट विश्व नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता, को उस अध्याय में दिया गया है।

## सन्सूची

पर्नेटनं । 103, जो पहुनी वंजिल, जागर संगीत, ए० ए० बी० नायर रोड, जूह, बज्बई-400049 में स्थित है।

भा, धुनी जैदा कि कि के सं । भई-2/37-ईई/18726/84-भी: जो 1तन गिर हारी, बन्धई द्वारा दिनंक 29-23-1985 र्षास्टबं किया गया है।

> प्रयोत राय सक्षम प्राधि हारी सहायक बायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

**चारीज: 7-11-1985** 

# प्रकप नार्षे हो. प्रकार प्रस्त

# आयकार स्थितियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीत सूचना

### बाइच् अङ्ग्रह्म

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

प्रार्जन रें ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां ५ 7 नवस्बर, 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/17836/84-85---श्रनः मुझे प्रशांत राय

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिल्ली मं० पत्नीट नं० 11, धान्य मोनारटी, बम्बई-49 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रमूच्ची में श्रीर पूर्ण कर से बणित हैं) श्रीर जिल्ला प्ररादनामा श्राय र श्रीधनियम की धारा 269 ए.खं के श्रीति नक्षम श्रीधकारी के य्यक्तिय, बम्बई में रजिस्टी है, तारीखं 1-3-1985

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफाल के लिए अन्तरित की गई है और भूमं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रांत्रहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक एप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने वा उन्नते वसने में बुद्धिश के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण को, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित का किन्सियों, अधीत का

(1) श्रीमती सीमात सुरेन्द्रशुमार चीपरा

(श्रन्तरः)

(2) श्री चन्द्रगेखर टी० मारला और श्री ग्राईयपा देशोपा गेखर

(ब्रन्सिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के नियु कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप द--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का जो उबस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याब में दिया गया है।

# अनुसूची

पलैट नं० 11, जो चान्द को० ग्राप० हाउसिंग सोक्षारटी लिपिटेड, सर्व नं० 3, हिस्सा नं० 3, रूरल जूह, बम्बई-400049 में स्थित है।

श्रत्सूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/17836/84-85 श्रौर जो सअम सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रगांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

**शारीख: 7-11-1985** 

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भार्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनां ह 7 नत्रम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/17135/84-815-- श्रनः मुझे प्रकार राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से शिधक है

श्रीदिनित्ति सं युन्टिनं 226, श्रांत्रं इंडस्ट्रिक इस्टेट, श्रांत्रेरी (पु), बानई-99 में एवम है (मो: इस) उत्तबह श्रान् पुरिनं श्राः (१००) में एवम है (मो: इस) उत्तबह श्रान् पुरिनं श्राः (१००) में जिल्हों है। मार्थित प्राप्ताम श्राप्त श्राप्त स्थानित की मार्थित 200) में बाने प्राप्ति उत्तम प्राधित तो के कार्यान मुख्य से दोने स्ट्री है, सरीब 1-3-1985

कां पूर्वीयत संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूक्यमान प्रतिफल से, एसे रूक्यमान प्रतिफल का बन्तर प्रतिकात स अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण कि जिस में बास्तिक क्य से कृषित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिक नियम की अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- 'ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपभारा (1) के स्थीन, निम्नित्तित व्यक्तियों, अर्थात् क्रें (1) चैसर्व अ.गृती इलेक्ट्रो प्लेटरस

(ब्रक्टरह)

(2) श्री पहंच,लाल ए.शीरचन्य पांचल और पोपटलाल रुन्स्तूरजन्य पाचाल

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शूल करता हुं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वन के राजपत्र में प्रकाशन की लारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:--इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अन्स्ची

युनिय नं 226, जो दूतरी मंजिल, फ्रांस्स इंडस्ट्रियस इस्टेंग्ट, सहार रोड, फ्रांबेरी (पु), बस्बई 40099 में स्थित है प्राप्त्री जैसा हि कर सं फ्रांडे-2/37-ईई/17135/84-85 कोर जो उसम प्राधि हारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक गायकर गायूक्त (निरीक्षण) गर्जन रेज-2, बम्बई

सारीख: 7-11-1985

म्बन् कार्य हो . युन् . एवं . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुजना

### सारत चरकात्र

कार्यास्य, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशका,

भर्जन रेंग-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निहेश सं० आई०-2/37ईई/1786684-85/ अतः मुझे प्रशास राय

बायकार जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्जात 'उकत अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धक्कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिल्लित सं फिल्लित है। 104, रेल्ले मेस्स, भारता थ भन्नेरी (पु), बस्बई में स्थित हैं (भीर इसने उपावस भनुष्यी, में भीर पूर्ण कर से विणित हैं) श्रीर जिल्ला करायत मा भारत प्रमित्त की धारा 269 ता, खारी भवीन संसम प्राधि तरी के कार्यास्त्र, बन्बई में रजिस्त्री हैं, तारील 1-3-1985

कों पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान मित्रफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का नमूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय वागा गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- [(क)] बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अन स बीधीन्यन के अधीन कर देने के बन्दरक वें बीयत्व में कमी कर्यने या उससे श्वने में सुविधा के लिए; और प्रेंग
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अस्य बास्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना खाहिए था, छिपाने में द्वा के सिए;

कतः वकः जन्त विभिनियम की भारा 269-म के बन्सरण के, भी, जक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में बभीन, विभनिविधित व्यक्तियर समित् हु--- (1) भी कें बी जोशी

(प्रत्वरङ)

(2) भी एल ॰ के॰ इसरामी

(मन्हिंसी)

महे यह स्थान धारी करके पूर्वीच्छ सम्पृत्ति से स्थान के लिए कार्यगाहियां शुरू कड़ता हुँ।

## बन्द बम्मरित् के बर्बन के बन्दान के फोर्ड की बाबर ह—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है ई 45 दिन की अविध या तत्संजधी व्यक्तियों पद स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वाभ के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक् सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरणः ----इसमें प्रयुक्त घृष्यों और पदों का, जो उथस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

पत्नैट मं 104, जो परली मंजिल, इमारत मं ए-1, रैलनेमेंग्य, माना घर को, माँ। हाउडिन सो अयटी लिमिटेड, मोग्रा विकेत, प्रमधेरी (प्), बस्बई में स्थित है।

मतुर्व जैसा कि कि के सर्व प्रई-2/37 -ईई/17866/84-85 फीर जो सभम प्राधि कारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड निया गया है।

> प्रगति राय सक्षम प्राधिकारी सपायक श्रायकर छ.युक्त (निरीक्षण) धर्चम रेंब-2, सम्बद्ध

वारीख: 7-11-1985

प्रस्य बार्षः, टी. एन. एव. वन-वन्यान्यन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

# कार्यान्य, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

धर्मन रेंज-2, बम्बर्ध

बम्बई, दिनी ह 7 नपम्बर 1985

निर्देश सं० पर्द-2/37६६/17943/84-85--- यतः पुसे प्रशांत राग

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269- के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, 'जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

कीर शिक्षी सं भारत नं 30, सलाम इंडल्ड्यल इस्टेट, जो किरी (पु), बस्बई-60 में श्वित है (और इससे उपाबद मनुसूची में और पूर्ण कर से विजात है) और जिसता श्रास्ताम भागार अविकास की धाना 260 है, ख के प्रधीन स्वाम प्राचितारों के तार्या कर, बस्बई में पि एड़ी है, तारीं ख 2-0-1905 को पूर्वोक्त मन्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकत के सिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि बधाप विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकत से, एसे स्वयमान प्रतिकत का पन्दह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नतिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण विविद्य में विस्ति स्प से किथत नहीं किया गया है इन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत , उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उग्रसे बचने में स्विधा के सिए; अरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्सियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए॥

क्त जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अमृसरण थी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के बंधीन, निस्निसिंख स्थानतयों, अर्थात र---- (1) भैरर्भ रायम दिरदर्भ

(भन्दरक्)

(2) मैससं सोना पारदेल्टस

(भन्दर्शि)

(3) धन्तरक

(यह व्यक्ति जिसके प्रधियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे

स्पद्धीकरण :- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं कर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जगसूची

माना नं 33, जो दूपरी मंजिल, सस्यम इंबस्ट्रियल इस्टेंट, जोंगेस्वरी (पु), बम्बई-400060 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क० सं० धर-2/ईई/17943/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-3-85 की रिक्टर्ड रिया गता है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) सर्थन रेंज-2, वस्वा

**सारींख : 7-11-1905** 

मोहर '

प्ररूप आहुर. टी. एन. एस.-----

# बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, रहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवस्बर, 1935

िर्देश सं० %६-2/37६६/17974/84--85---आतः **मुसे** 

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अंप िको सं० पत्रैट नं० 5, जिन्त्ती, अन्धेरी (पु), बन्बई-50 में िक्ट है (ऑप इससे उपाबद्ध अनुसूची में अंप पूर्णस्प से ब्रोग है) और िक्षा कार कार प्रविद्यान की धारा 200 ं, ख के अबीक सक्षम प्रविकासी के वार्यालय, बम्बई में परिष्ट्री है, तारीख 5-3-1905

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (छ) एरे गि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के स्टिए;

अत: उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती वसल जीत कीर रतन किए रालेमील

(ग्रन्तरः)

(2) श्री विजय कुमार वपूर जैन

(भ्रन्तरिती)

(3) धन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सप्मपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पान में हितााद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त हादों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

श्रनुसूची जैसा ि क० सं० श्रई-2/37-ईई/17974/84-85 और जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3--80 को रिक्स्टर्ड िया गया है।

> प्रशांत राय स्क्षम प्राधिवारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, बम्बई रे

तारींब: 7-11-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर वृधिनियम, 1981 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) के नुषीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रें 3 2, वम्बई

बम्बई, दिनोक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/10172/84-85-- अतः मुझे प्रशांत राय

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्व, 1,00,000/- रा. से अधिक है

और विश्वती सं० सी टी एस० नं० 178, 184, 185, प्रत्येरी (पु), बाजई-99 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसशा करारनामा प्राप्त्य प्रविधियम की धारा 260 व, ख के प्रवीन सक्षम प्राधिवारी के वार्यों का, बमबई में रिस्ट्री है, तारीख 12-3-1985

का पूर्वायत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रचयमान इतिकान के सिए बंतरित की गई है और बुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रचयमान प्रतिकास से, ऐसे क्यमान प्रतिकास का प्रन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के निय तय पाया च्या प्रतिकास निम्निनिवित स्व्योव से स्वस्त कन्त्रण विविद्य के वास्त्रीयक स्था के किन्तु नृहीं किया वृथा हैं अन्त

- हुँक) ज्लारण वे शुर्द किंग्री भाग की बाय्य, सबस्य वीपनित्रण के बधीन कर दोने के जन्तरण के स्वीत्य में कभी करने वा उदसे वसने के सुन्धा में स्विपः; बीक्ट/का
- (च) ऐसी किलीं जाय वा किसी धन या जन्म जास्तिवों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जीधीनयज, 1922 (1922 का 11) या उनत जाधीनयम, वा धन-कर जीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया थवा था वा किया जाना जाहिए वा, जिनाने में स्विधा के लिए;

बता बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स केमको

(জারেক)

(2) मैसम राजीत हैक्लोपमेन्ट को पोरेशन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

तक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिइवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सर्दों थे।

स्पष्टीकरण :---इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरिमापित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

# प्रमृत्या

जमीत का हिस्ता शिमरा सींटीएस ने॰ 178, 104, 105 देवन बाडी, सींगरेट फैक्टरी, के सामने, चताला, ऑफ सहार रोड, धन्वेरी (पु), बस्बई-400099 है।

धनुसूची जैसा हि ऋ० सं० धर्-2/37-रेई/18172/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-3-85 को रिजिस्टके किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधितारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीकण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख · 7-11-1985 बोहर ■ प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अभीन मूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बन्बेई

बम्बई, दिननां ह 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० **अई-2/37ईई/1**8185/84-85---श्रवः **मुझे** प्रशांत राय

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीत विक्रित सं पतिष्ठ त० 2, पार्नेती भवन, विले पार्ने (पु), बन्नदि में रिवत हैं (और इ.से उपाबद श्रनुम्ती में और पूर्ण स्वा ने विवाद हैं) और तिन । वारास्तामा स्नाएकर अधिनियम भी भाग 269 के, ख के श्रवीत सक्षम प्राविकारी के कार्योक्य, बम्बई में रिक्की है, तारीख 12-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से ब्रिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्तिलिक्ति उद्देष्य से उक्त बंतरण निष्ति को बास्तिक कम से कियन बहुरों किया गया है के—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उपके अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक वे दायित्व में करने या उससे ब्छने मी सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने बें सुविधा के निए;

बतः वव, उक्त विधिनयम की भारा 269-ए की वनुसरण वा, मा. अक्त विधिनयम की भारा 269-ए की उपधारा (1) को बपीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) श्री मुगउनात मनीताल शेष

(अस्बरक)

(2) श्री चुनी लाल राधाय्याम जोशी सीर श्रीमती सोसारदाई चुनीलाल जोशी

(मन्तरिती)

की यह स्वापा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

इन्त् सुन्यत्ति के वर्षन् के सुम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थना की राजपत्र में प्रकाशन की तारींब दें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा ही।

### वन्स्ची

पलैट नं 2, जो जिसरीं मंजिल, पावैसी भवन, नेहरू रोड़ विले पार्ले (पु), बम्बदे में ल्यित है।

धनुसूची जैहा थि त्र० स० ६६-2/37-६६/10105/04-85 और जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनावः 12-3-85 को रजिस्टर्ड किया गरा है।

> प्रगति राय सक्षम प्राविदारी सनायमा पायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) पर्जन रेंज-2, बम्बद्ध

सारीज : 7-11-1985 बोहर ■ प्रकर बार् े ठाँ । पुरु पुरु -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बचीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक बायकर वायक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राहे-2/37-हेई/18209/84-85:--यतः; मुझे, प्रशांत राय,

बाज्यार किपिनियम, 1961 रे1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिन्नकी सं० एस० नं० 101, हिस्सा नं० 8, श्रंधेरी बम्बई में स्थित है (श्रांर इसने उपाबक अनुसूची में श्रांर पूर्ण का से विणित है) भीर जिन्हा करारतामा श्राय हर श्रीधिनियम की धारा 269 के ख के अपीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिलिस्ट्री है, सारीख 12-3-1985

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य सं कम के द्रियमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापृजीक्त सम्मत्ति का उचित बाजार कृष्य, जसके दृश्यमान श्रीतफल को पन्द्रह प्रांतगत से प्रथिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरित (अंक्तरितियों) के बीच एंडे अन्तरण के लिए तय पाया प्रया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित वें वास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण से हुई किसीं बाय की बावत सकत बिधिनियम के अधीन कर योने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिएए बाँड/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्तर कास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) चौ प्रयोजनार्थ अन्तरितीं द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने जैं सुविधा के सिए?

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को अनुसरण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) विक्रिय नियमित क्यांतिसमाँ, वर्षात् ध-ा॰ । —366 GI/85

(1) श्री लेखु गंगाराम ।

कार्यवाहियां करता 💽 🗈

(मन्तरक)

(2) विजयलक्ष्मी लक्ष्मनदास तेनुजा घोर **धा**र्य । (अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके प्राॅक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए

उन्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्रस्ताक्षरी के पास निकिस में किए जा सकेंगे।

स्वक्दीक इच :--इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के कन्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 101, हिस्सा नं० 8, विलेज क्षेत्र चकाला, ग्रंधेरी, बम्बई-400056 है।

भ्रमुच्ची जैसा कि कि सं भ्रई-2/37-ईई/18209/84-85 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-3-1985 को रजिस्टर्फ किया गया है।

> प्रशांत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज-2, बस्बई

सारी**ख: 7-11-198**5

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.

आरकार आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बस्दर्ड

बम्बई, दिनां ? 7 नवम्बर 1985

निदश सं० ग्रई-2/37-ईई/18462/84-85:—-यतः, मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्पात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि एक के अधीन सक्षम प्राधिकारी हो यह विश्वास करने का कारण हैं कि एक के अधीन हैं।

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 25, विलेज मोग्रा, धेरी (पू०) बम्बई, में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणित है) श्रौर जिसका उरा जामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के लागील्य, दग्वई में रिस्ट्री है, तारीख 20-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार बृह्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण ये लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बंदरक के रुजिए में क्यों पारने था उससे बचने में सुविधा के जिए; और/बा

नतः नव, उक्त निधिनियम की धारा २६०-म के ननुसाम कें, मैं, उक्त निधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) वै नधीनः निध्नसिद्धित व्यक्तिस्तुः सर्वात् क्ष्म (1) श्री रिंद कपूर ग्रीर श्री घनश्याम शेवकरमानी ।

(ग्रन्तर ;;)

(2) में सर्स शचाला लिसींग एण्ड एनवेस्टमेन्ट्रः प्राथवेट लिमिटेड ।

(म्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्यें :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीकं सैं। 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के। पास लिखित में दिये जा सकरी।

स्पब्हीकरण ह—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्श होगा, जो उस अध्याय में दिका युवा है।

## अनुसूची

जमीन का हिस्ता जिसका सर्वे नं० 25, एच० नं० 5, सीटी सर्वे नं० 385, 386, विलेश मोग्रा, ग्रंधेरी (४०), बम्बई है। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37-ईई/18462/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां र 20-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत गय स**क्षम** प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), **भ्रजं**न रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-11--1985

प्रकंप भाद . ही . एम . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत 'सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण). अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बंह, दिनां 🤉 7 नवस्वर 1985

निर्देश सं० प्राई~2/37ईई/18516/84~85,—प्रातः, मृज्ञो, प्रशांत राय,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा मया है), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिन्नकी सं० प्लाट नं० 254, महा ाली रोड, भ्रंधेरी (पू०), बम्बई--93 में स्थित हैं (भ्रीर इसी उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण का े विणत हैं) भ्रीर जिन्नका करारनामा भ्रायत भ्राधिनयम भी धारा 269 का,ख के अधीन सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्दी है, तारीख 23-3-1985

को प्वॉक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐस दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिक्त हम्, निम्मसिशित उद्योग से उचत अन्तरण निवास में बास्तिवक स्म से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (च) एंसी किसी भाय या किसी भन या अन्य जास्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सूबिया के लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण को, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री हरजीत सिंग कोहली।

(धन्तरक)

(2) श्री प्रेम सुनार प्रानद और श्रीमती प्रनीत कुमार सेयी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए काण्याहियां करता हूं।

उत्तर सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सपि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विश्व के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकी।

स्पर्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या हैं।

### धनुसूची

ण्लाट नं० 254, जो महा शली रोड़, बिलेज मोग्रा, श्रंधेरी (पू), बम्बई-400093 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37-ईई/18516/84-85 भीर जो सक्षम प्राधि हारी, बस्बई द्वारा दिनां र 20 -3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रगांत राय सक्षम प्रायघ तारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजीत रेंजे–2, बस्बई

सारीख: 7-11-1985

# म्बर्भ बाद्र्रे त्री पुर् पुर्व विकास सम्मान सम्मान

नाम्क्ट निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के नधीन स्थान

### HIZO DZIN

# अवर्गनम्, सहायक जायकर जायकत (निर्देशक)

मर्जन रेज-2, बम्बई2

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० भई-2-37-ईई/18558/84-85~भतः मुझे प्रशांत राय,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परणात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-व की अभीन सभाम प्राणिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज़ित बाजार भून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलैंट नं० डी/98, मधुबन, श्रंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख, के श्रवीन सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्य, बम्बई में रिजस्टी है, तारीख 21-3-1985

को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिपिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रीतफल से एसे दश्यमान प्रीतफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतियितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रिप्तक, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अभिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के अभी करने या उससे बचने में सविभा के हिस्ए; आर्-/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य कास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए?

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है बधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात है— (1) श्री भ्रागेस्टीन ष्टायस ।

(भ्रन्धरक)

(2) श्री फान्सीस डीलीमा।

(ग्रन्तरिसी)

(3) मन्दरिती।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रहिभोग में सम्पत्ति है)

(4) भन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिख कार्यकाष्ट्रिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ड---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जनिभ या तत्सवंभी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति दूवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभित्तमम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया प्रया है।

### अन्स्ची

फ्लैंट नं० डी-98, जो मधुबन, गोदी कामगार सहकारी गृह संस्था लिमिटेड, डी० एनसें नगर, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि क० सं० मई-2/37 ईई/18558/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, अभ्यई द्वारा निर्मक 21-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 7~11-1985

प्ररूप वाइ. टी. एन. एस. -----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन सचना

### तारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निर्दासन) भर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनौंक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं**० भई--2/37 ईई/18586/84--85:---मतः मुझे,** प्रशांत राय,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार बुस्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जितकी सं० शाँप नं० 2, शारदा भवन, विले पार्ले (पु०), धम्बई-57 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्गित है), ग्रौर जितका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में र्राजस्ट्री है, तारीख 26-3-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का प्राचत बाजार कृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के सिए तब पाना गया प्रतिफल, निम्नसिसित उद्देश्य ते उसत बन्तरक निस्तित में वास्तिक क्य से कथित महीं किया गया है ह—

- [क] अन्तरण से हुई किसी बाव की अवतः, अवतः अभिनियतं के अभीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे वचने के पृथिका के लिए; और या/
- (क) एंसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियाँ करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिएनने बेंस्विया को निए;

भतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के संधीन, निम्निसिश्वत व्यक्तियाँ, अर्थातः हिन्स (1) मैसर्स पार्ले बिरुडर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सूचेता सूर्यकौत सावंत ।

(पन्तरिती)

कर यह सूचना बाड़ी कड़के पूर्वोक्त ब्रंगरित के वर्जन के लिए कार्जनाष्ट्रियां करता हुते।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाहोप ----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपरित में हितबहुध किसी अन्य स्थावत ह्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकाने।

स्थक्य जिस्सा: -- इसमें प्रयुक्त काव्यों और पर्यों का, को उक्त कि भिनियम के कभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होंगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

## मंगुक्त

शाप मं० 2, जो शारदा भवन, ब्लोट मं० 146 (पार्ट) फायनल ब्लोट नं० 346, टी पी ए स 8, सी टी एस मं० 1740, मंदा पाटकर रोड, विले पार्ले (पु), बम्बई-400057 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क० सं० मई-2/37-ईई/18586/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनौक 26-3-1985 को रजिस्टडं किया गया है।

> प्रशांत राव, समम प्राधिकारी, सद्यायक भायकर भायक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीस: 7-11-1985.

प्रस्प नाही ही एन , एस ,-----

(1) मेसर्स पार्ले बिल्डर्स ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती माघनी मोहन भोगले।

(मन्तरिती)

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायेक बायकर मायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० धर्द-2/37 ईई/18587/84-8म:--म्बतः मुझे, प्रशांत राय,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अपरा है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं व्यातनं व 1, यारदा भवन, विले पार्जे (पु), बम्बई में 57 में स्थित है (ब्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ब्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की घारा 269 क, ख के श्रवीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्टी है, तारीख 26-3-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, अके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसं दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिगों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निस्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक क्य में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई निकसी आयं की आवत, उकत ्विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे कब्दी में स्विधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आतत चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अव, धवत विधिनियम की धारा 269-ण के बनुसरण मा, मा, उकत विधिनियम की धारा-269-ल-कृति-उपधारा (1) के संधीन. निम्नसिचित व्यक्तियों, संघी रूक्त को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख धं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# पनुसूची

थाप नं 0 1, औ धारवा भवन, प्लोट नं 0 146, टी पी एस 8, सी टी एस नं 0 1740, नंदा पाटकर रोड़, विजे पार्ले (पु), बम्बई-400057 में स्थित है।

भन्सूची जैसा कि कि कि महि-2/37-ईई/18587/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनौक 26-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रमात राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) पर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-11-1985

444 414 AL ME 184 . ...

बाधकर′ नाभनियम, 196 े े ३61 का 43) की भारा 269-व (1) े अध्यक्ष सुचना

भारत शरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 नबम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-2/37 ईई/18588/84-85:---श्रतः मुक्ते, प्रशांत राय.

नायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने धनके पद्मार 'ज्ञस्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षत प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौरजिसकी सं शापनं 3, शारका भवन, विनेपार्ले (पु), सम्बर्ध-57 सें स्थित है (ग्रीर इपसे उपाबद्ध श्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है), श्रीर जिन्ना करारनामा ग्रायकर प्रविनियम की धारा 269 क, खने श्रधीन, सक्षम प्राविकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 26-3-1985

का पृश्वीकत संपत्ति के उचित नाबार स्लय में कम के क्यमाल बितफल के लिए संतरित की गर्ड है और प्रभे यह विद्यास करने करने का नारण है कि प्रथाप्नेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अ एण के लिए तय द्वारा ग्या प्रतिफल, निस्तिलिखित उच्चरे है उनत अन्तरम निक्तित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं वि. , गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई सिंग्सी जाय की अन्तर. जन्त दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के क-किम्: और/बा
- (क) प्रेमी किसी बाय या किसी अन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957- (1957का 27) को प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए.

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 2269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थता— (1) मैसर्स पालें बिल्डर्स।

(भन्तरक)

(3) श्रीमती माधवी मोहन भोगले।

(मन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाब पंपति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क नाक्षरी के पर्क सिवित में किए या सकरी:

स्पर्व्हीफरण:---इसमें प्रयुक्त कान्द्र शौर पदों का, जो अन्त अधिनियम के अध्य १०-क में परिभाषितः हैं, यही अर्थ होगा अस सभ्याय में दिया गया हैं।

## वन्स्ची

भाप नं ० 3, जो भारदा भवन, प्लोट नं ० 146, फायनल प्लोट नं ० 346, टी पी ए स नं ० 8, सी टी एस नं ० 1740, नंदा पाटकर रोड़, बिले ार्जे (प्), बस्बई-400057 में स्थिस है।

भनुसूत्री जैसा कि क० सं० भई-2/37-ईई/18588/84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 26-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-2, वस्बई

तारीख: 7-11-1985.

प्रकम बाह्<sup>1</sup>ा टी<sub>र </sub>पुन<sub>क</sub> पुस<sub>र्क सम्मनसम्बद्ध</sub>

बायकार अभिनियन, 1981 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के स्थीन प्रूपना

### नाइत तरकार

कार्यांसद, सहायक नायकर भायुक्त (निद्रीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, सम्बद्दी

बम्बई, दिनौंक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० सई-2/37 ईई/18655/84-85:--मतः मुक्के, प्रशति राय.

कायकर शिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जबत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारच हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं ० सर्वे न० 116, विले पार्ले, बम्बई में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूक्ष में भीर पूर्ण रूप से विकित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधितयम की धारा 269 क, ख के भधीन, सक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27-3-1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तुधिक रूप से कथित नहीं किया गया है दिन्स

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे ब्लाने में ब्रिशा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया क्या था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए।

भतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) सूनेर एग्टरकायसेस ।

(मन्दरक)

(2) पूजा डेबली रस।

(मन्तरिती)

की यह स्वना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के वर्षन 🕏 विष्

उक्त सम्पत्ति के वर्षा के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, वाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखिल में बिग्र जा सकेंगे।

स्पब्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्सूची

जमीत का हिस्सा जिसका सर्वे न० 116, हिस्सा न० 18, सी टी सर्वे नं० 1709, श्रोरोजनल ज्लोट नं० 277, विजे पार्ले, बम्बई है।

धनसूची जैसा कि क० सं० भई-2/37 ईई/18655/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारादिनोंक 27-3-1985 को रजिस्ट ई किया गया है।

प्रशांत राय; सलम प्राधिकारी, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रॅअ--2, बस्बई

तारीख: 7-11-1985.

मोहरः

प्रकप बाईं.टो.एन.एस.-----

शायकर शिधनियम, 1961 (1961 का 43) को 269-व(1) के बधीर सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायक द नायुक्त (विद्रीकान)

धर्जन रेंग-2, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांकः 7 नवम्बर, 1985

निर्देश स॰ ६६-2/37 ईई/18704/84-85:-- **धतः मुने,** प्रशांत राग,

श्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा १69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कर कारण है कि स्न्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

बाँद जिसकों मं० प्लोट नं० 72, अंधेरी (पु), बरबाई में स्थित हैं (बाँद जिसकों मं० प्लोट नं० 72, अंधेरी (पु), बरबाई में स्थित हैं), बाँद जिस ते उपावड़ अनुसूची में बाँद पूर्ण रूप से वाणित हैं), बाँद जिस ते राजस्यामा आयरण, अधितियम की धारा 269 एं, ख के ब्रधीन सक्षम प्राधितारों के वार्यालय, बम्बाई में रजिस्ट्री है, सारींख 26-3-1985

करे पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरिधियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, सकन अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1927 की 11) या उत्कत अधिनियम, मा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 की 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
57—366 GI/85

(1) श्रीमती सवीदर नागपाल।

(मन्दरक)

(2) श्री सुधीर एस० गंभीर।

(भग्वरिती)

(3) मन्तरक ।

वह व्यक्ति, जिसके झाधभोग में सम्पत्ति है) ।

की यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं सै 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी कर्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वाए;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

## अनुस्ची

प्लीट नं 72, जो शेर-ए-गंदाब को प्राप हाउसिंग सो प्रापटों लिमिटेड, विलेज मोगेला, अंधेरी (पु), बम्बई में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि भ0 सं० अर्ड 2/37 ईई/18704 84-85 और जो सक्षप प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय, सक्षम प्राधिनारों, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भजैन रेंज़े -2, बस्बई

तारींख ' 7-11-1985. मोहर ' त्ररूप आर्चा.टी.एम.एखं. -----

णायकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) करी धारा 269-म (1) के वभीन स्पना

### मारत बरकाड

# कार्याखय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिक)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांश 5 नवम्बर, 1985

निर्वेश सं० अई- 2/37 ईई/18125/84-85'---श्रतः मुझे, प्रशांत राम,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें शएके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चार 269-६ के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट न० 64, कोजीहोम सोसायटी, बान्द्रा, बमबई- 50 में ल्यित है (और इससे उपावड प्रमुक्त में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसना विरायतामा प्रायवार प्रधिनियम की धारा 269 के, खा के अधीत, रक्षम प्राधिनारी के वार्यालय, बम्बई में रजिस्ही है, तारीख 8- 3- 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम से कम सर्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गर्ड है और मृझे यह विश्वाम करने 'केरिण है यह पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उसकें स्थमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत हैं अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शिक्त निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्यारण ते हुई फिली बाथ की बाबत, उबते बिधिनियम को बाधीन कार दोने के बागरफ के दासित्व में कामी कारने वा उक्को बलने में सृविका के सिए; बार/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 हैं। 1922 का 11) या उन्त अधिनियम, बा अन-कर अधिनियम, बा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निग्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री थोमस डीसीजा और श्रीमती सेरीफीत मरलीत डीसोजा।

(मन्तरकः)

(2) श्री होशियार सिंह और श्रीमती मंजीत कीर।

(भ्रन्तिरती)

(3) मन्तरिती।

बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को सहस्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्या के राजपन में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित में हिल्ल बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### बन संची

प्लैट नं ० 64, जो सी बिरिडम, कोजीहोम को० श्राप० हार्जीम सोनारटी लिमिटेड, 251 पाली हिल, बाल्द्रा, बस्बई-400050 में स्थित हैं।

अनुसूची जसाकी ऋ० सं० ऋई-2 37-ईई/18125/84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनां ह 8-3-1985 की रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय, सक्षम प्राधिवारी, सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, बम्बर्ध

तारीख : 5--11-1985.

मोहर 🚁

प्रकृप आहे. टी. एन. एस. ------

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचमा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंग- 2, बम्बई

बम्बई, विता । 5 तम्बद्धर, 1985

निर्देश मं० अधै~2/37 ईदी/18490/84~85'---श्रतः मुझे, प्रशांत राज,

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करन का कारण हैं कि स्थावर सपित, जिसका उपित बाजार मृज्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और ि की सब आफी को निवास की विकास किया है है। बोन्स के बन्दर्भ के प्रमुक्त में जियत है (और इस से उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाजित है), और जिए त रार्तामा आया र अधि-विकास की धारा 200 के खाने अधीन, सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय वस्त्रदी में की स्टी है, तारीख 20-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पास के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान श्रीतफास के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सपिति का उचित बाजार मृत्य, उसक दश्यमान प्रतिफाल सो, एसं दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण रिलिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है दिन्न

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत,, उक्त बार्भानयम के अभीन कर दने के बन्तरक की दायित्व में कमी करने या उत्तते अपने में सुधिभा के लिए; बार्ट/बा
- (व) एसा किसी आय या किसी अन बस्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्या भा वा किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वय, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त आधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) की अधीन, निम्नास्तुवित स्पृथितमें, अर्थात् हे— (1) श्री अञ्जातस्य मेथातम् दूरानी और, श्री गीताः मेथातम् दूरानी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नन्दनान पी० जतवानी और, श्रीमती चन्द्रा एन० जतवानी ।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

जनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एवं चिस्ति में विष्णु जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्सा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टिक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

# बनुसुची

आफीन त० 111, जो पर्ती मंदित, वीना बीना गापीग सेन्टर, गुरु नान ह रोड़, बान्द्रा, बस्वई-400050 में स्थित है।

अनुमूची जैना कि ऋ० म० ऋई-2/37 ईही 18496/ 94-85 और जो सक्षम पाधि ारी, बम्बई ढाल दिलांड 20-3 1985 को रनिस्टर्ड निया गया है।

> प्रणांत रास, सक्षम प्राधिनारी, सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), सर्जन रेंज--2, बम्बई

तारीख: 5-11-1985

प्रकप बाह् ही. एन , एस ,------

बायकर कधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुपना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायकत (निर्दाक्षण) अर्जन रॅज-2, बस्बध

बम्बई, दिनां इ त नवम्बर, 1985

निर्देश सं० धई-2/37ईई/18684/84-85'---पतः मुझे, प्रशांत रायः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-श्व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

जीर ति की स० पजैट नं० 4, सीनाइट सीनाइटी, बम्बई - 50 में स्वित है (और इसी उपावस अनुसूर्वी में और पूर्ण स्प से दिणित है) और ति ता जरार तमा आयार अधिनियम की घारा 269 के खाने अवीत मनाम प्रावितारी के नायितिया वम्बई में रिलिट्ट्रीं है, तारींख 28-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास परने का कारण है

कि यथा प्वोंकत सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रितिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिपात से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के जीय एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिश्नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बच्चने में सूबिधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सें स्विधा के लिए,

सतः अस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कें अधीन, निम्मलिखित करील्यों, कर्यात् :--- (1) श्रीमती मारी जोडफीन मीछेल।

(मन्तरक)

(2) कुमारी सीलू डेडी बाक्स्टर और बुनारी रोशन डेडी बाक्स्टर।

(3) प्रश्वरिती।

(धन्डरिती)

बहु व्यक्ति जिसके प्रविभीग में सम्पत्ति है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के सर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, ज्ये भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोद्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना से राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भीत में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा स्कोंगे।

स्पादिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## पनुसूची

पनैट नं॰ 4, जो सीजाइट को॰ भाप॰ हाउसिंग सोसायटी तिमिटेड, नववा रोड़, प्लोट नं॰ 40, टीपी एस 4, धान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

ग्रन्स्वी जैश कि ऋ० स० ग्राई-2/37 -ईई/18694/84-05और जो समम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-3-1985 को रजिएटई शिया गया है।

> प्रणीत राय, सलम प्राधिनारी, स**हाय**क प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख \* 5-11-1985. मोह्नद 🕫 प्रकृष कार्द्र, दी, एन्,, एस्,,५ ५ ० ०० ॥

टाएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### शारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजेन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनौक 5 नवस्बर, 1985
निर्देश सं० प्रई-2/37-ईई/17922/84-85:--प्रतः मुझे,
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीरिजितकी सं०पनैहन ० 304, अस्य सो तायही, खार, बन्बई ~ 52 में स्थित है (ब्रीरइडने र उराबद अनुसूबामें ब्रीरपूर्य रूप से विणत है), श्रीरिजित हा कराराता ब्रायहर श्रीविन्यन, की धारा 269 क, ख के श्रवीत, सञ्जन ब्राविहारों के कार्यालय, बन्बई में, रिजिस्ट्रो है, नारोब 1~3~1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशास से उधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तर्रिताया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्षित उद्योग्य से उक्त अन्तरण सिक्षित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के विष्: वार्ट/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया खाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अंतः धन, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, निम्नसिक्षित व्यक्तियों, सुर्भात हुन्क (1) श्रीमती ललीता में नन।

(ग्रन्तरक)

(2) महमद रफीक शाह।

(प्रन्तरिती)

(3) मन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्परित के अर्जन की लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की बबीध या तत्सबधी व्यक्तियों पर स्वात की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस स्टना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार विश्वित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# पन्सूची

पनैट नं 304, जो तो नरी मंजिल, अमृत को ब्याप हा उसिंग सोतायटी, कारटर रोड, खार, बन्बई -400052 में स्थित है। अनुस्की जैमा कि का सं बई -2/37-ईडी 17922/84→ 85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनों के 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जनरेंज-2,बम्बर्ष

तारीख: 5-11-1985.

योहरः

प्ररूप आई, टी. एन. एस. -----

आयकाः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### नाउद सरका

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्शन रेंज-2, बस्बर्ध बस्बर्ध, दिनौंक. 5 नवम्बर, 1985 निर्देश सं० मर्ड-2/37 ईई/18075/84-8मः--प्रतः मुझे, भोत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिलकी सं० फ्लैंट नं० 55, वेलरारा सीलायटी, बान्द्रा (प), बस्बई-50 सें स्थित हैं (श्रीर इनसे उपाबड श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिल्ला करारतामा श्रायकर श्रवितियस की की घारा 269 क, ख वे धर्घीन सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय बक्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 6~3~1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिखत मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की वासस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (था) एसी सिन्ही आय या धन या जन्य जास्तियों का, जिन्ह भारतीय जायकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनयम, यः धनकर अधिनयम, यः धनकर अधिनयम, यः धनकर अधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा अकट नहीं किया प्रया या किया जाना चाहिए था, जिना से ध्रिक्श के दिनए;

जतः धनः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ज की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिख्त अधिकर्यों, अधीत् ह—

(1) श्री च ुर्भुज के ० ग्राभे बन्दानी ।

(यन्तरह)

भाग II[--खण्ड 1

(2) श्री सूरज के बीगानी श्रीर पांति सूरज बीगानी।

(मन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक।

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभीग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियां एव सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधीनयम, के बध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस वध्याय में दिया प्रयाह

# अनुसूची

फसैट नं० 55, जो पांचवी मंजिल, केसारा को० घाप हाऊसिंग सोतायटो लिमिटेड, ब्लोट नं० 240, पाली रोड़ बान्द्रा (प), बम्बई-400005 में स्थित है।

म्रानुसूची जैमा कि क० सं० माई-2/37-ईई/18075/84-85 मीर जी मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 6-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राष्ट्रि, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), सर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 5-11-1985.

मोहर 🛭

क्रम्य मार्चः टी., एतः एसः -----

भागक ह विजिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के ब्रुपीन सुचना

### भारत धरकाड

# कार्यांसय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 5 नवम्बर, 1985

निर्द्धेण सं० माई-2/37-ईई/18547/84-85:--मतः मुझे, प्रमाति राय,

कारकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-भा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,, यह विश्वास करने का कारण हैं फि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुख्य :

1, 1) 0, 000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं ० पर्लंड नं ० 3, कांती अपार्टमों ट, बान्द्रा (प), बम्बई— हि में िकट है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विण्ता है), खीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रविनियम की धारा 200 न, खीरे अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बज्बई में रिजिट्टी है, सारीख 21-3-1985

का पूर्णांक्स सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के द्रायमान वितिष्ठा के लिए बन्तरित की गई हैं, जीर बुक्ते यह विद्याच करने का कारण है कि यथापृथींक्त संपरित का उचित बाजार बुक्य, उसके द्रामान प्रतिष्ठल से ऐसे द्रायमान प्रतिष्ठल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए तब पाया गया इतिष्ठल, निम्निसिवत उद्योग से स्वत्त बन्तरण विशिष्ठ वी वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी बाब की बाबत अक्त अधि-निवय के अधीन कर दोने के बन्तरक के बाबिला में कभी कारने या उससे अबने में नृतिधा के लियः बीच/शा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या कन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या धनकार विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क वन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

करंत: कवं, उंक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण ब्रो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन क्रिनिकालिकाल व्यक्तियों क्षेत्रधीन क्रिक्न (1) श्री जैथालाल भूरालाल मेहता।

(ग्रन्तरक)

(2) में सर्स पूडेंभी यल बिल्डर्स (न्यू देहली) ।

(अन्तरिती)

(3) श्रन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

की यह स्वना जारी करकें प्योंक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्पन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप र---

- (क) वस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी प्राव्ति इंगरा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में फ़िल बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी की पास निवित में किए वा सकींगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयम्त कटवाँ और पर्यो का, जो उकत मिन्न नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गंका है।

### अनुसूची

फ्लैट नं 3, जो नवनीं मंजिल, ए० विंग, काँती श्रार्टमें है, माइंट मेरी रोड़, बान्द्रा (प), बस्बई-400050 सें स्थित है ।

प्रमुक्ती जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37 ईई/18547/84-85 ग्रीरजो सक्षमप्राधिकारी, बय्बईद्वारा दिनौंक 21-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रमाति राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्राजन रेंज-2, बम्बर्स

तारीख: 5-11-1985.

प्रकृष आहे. टॉ., एन, एस्. लन्ननन

जायकर गौधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के भूभीन सुपना

### शारत सरकार

आधारिय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) भाज म रेंज-2. अरबई

बस्बई, दिनौक 5 नवस्बर 1985

गिर्द्रोश सं ० पाई-2/37-ईई/18580/84-85:--प्रतः मुझे, प्रशीस राय.

नावकर विधिनयन, 1961 (1961 का 43) जिसे इतमें इतने परकात 'उनत विधिनयम' कहा गया है, की धार 269-ख को अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 1,00,000/-तः से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 5, राम निवाप, खार, बस्वई—52 में स्थित है (भीर श्सोस उपाबछ धन् सूर्च में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा भायकर भिधितियम, की धारा 269 क, ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्याख्य, बस्वई में रिजस्ट्री है, सारीख 26~3—1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाहार बृत्य, उनके कावमान प्रतिफल में, एसे कावमान प्रतिफल का पंदृह बितात के जिमक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिशां) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाम गया शितफल, निम्नलिकित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिकित में हुस्सिक कप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कसी करने या उससे बदने में संजिधा के लिए; जरि/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 है! 922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अधिजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए अप जिएतने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्षत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा 1) के बधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) श्री घट्डल रहीम चौहात।

(भन्तरक)

(2) श्री राज गुलाटी मौर श्री संद्रीय मोंगा।

(भन्त(रती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिद्ध कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त संपरित के जर्जन के संबंध में कोई भी जाकीप :----

- (क) इस भूचना में राज्यत्र में प्रकाशन की लारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की लामील से 30 दिन की बविध, वो भी बद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रीत्त में हितववृथ किसी अन्य व्यक्ति वृवारा क्यांहस्ताकारी के पाछ विश्वित में किस्य वा सकींथ।

स्पार के करणः --- इसमें प्रयुक्त कास्तों और पर्यों का, जो अवक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही मुर्च होगा, जो उस ब्ध्याय में दिया सबा हैं।

### अनुसूची

प्लैट नं ० 5, जो दूसरी मंजिल, राम निवास, चोंदहवा ए० रोड़, खार, भन्यई-400052 में स्थित है।

श्रन्मुची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37-ईई/215/80/84→85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बल्बई द्वारा दिनौक 26-3-1985 को रिनस्टड किया गया है।

प्रमांत रायक्क सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर मापृष्त (निरीक्षण), मजैन रेंज-2, बम्बई

तारीय : 5-11-1985.

इक्द नाइं, टी. पुन. एड., ----

कायकर किंपिनयम, 1961 (1961 की 43) कीं भारा 269-व (1) के व्यभीत सुचना

### नारत सम्बाद

कार्यालय, महायक आयकर आम्क्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, विनांक 7 नथम्बर 1985

निर्देण सं० ए० म्रार०-2/37जी०/3757/मार्च-85--भ्रतः मुझे, प्रगांत राय,

रायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें सिके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 1,00,000/- रा. भे अधिक हैं

मीर जिन्नकी संव प्लाट नंव 61-ए, सीव एपव नंव 1/ 1666, मादिम डिकीजन है तथा जो बज्बई में स्थित है (भीर इनसे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजिल्लामिन अधिकारी के कार्नोलय बन्दर्श में रिजिल्लो-करण मिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख 11-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के शहयमाब वितिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारम है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, मिक श्रयमान प्रित्कल में, एसे श्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिकात से आंधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया वितिकल, निम्नलिशित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण कि शिक्षित

- (क) अभ्यारण से हुई किसी बाय की नावत्, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विभा के सिए; ज़ार्द्ध/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य सास्तियों का जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उसत जिधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में. उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है तथीन, निम्निचित व्यक्तियों, वथात इ—— 76—366 GI/85  श्री गोविन्द शान्ताराम पो हते भीर श्रीमतो ताराबाई शान्ताराम पो हते

(मन्दरक)

2. श्री भगोक प्रमाकर मास्टकर

(मन्तरिती)

3. पाडोली

(वह व्यक्ति, जिसके <mark>प्रधिभोग में</mark> सर्जात है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि या तर्रसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सन्नाप्त होती हो, की भीतर पर्योक्त अविकाश में में किमी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्या हैं।

## अनुसूची

मन्सूची जैसा कि विलेख सं० 2698/83 भीर जो उप रिजस्ट्रार, बस्बई द्वारा दिनौंक 11-3-1985 को रिजस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रॅंज-2, यम्बई

सारीख: 7-11-1985

प्रारूप आर्द्दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 7 नवम्बर 1985

नायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एउंके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पित्त, जिनका उचित बाजार मृल्य 1.00.00/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 9, सान्ताऋज, टी० पी० एस० नं० 2, एस० नं० 24, प्लाट नं० 5 (पार्ट), प्लोट नं० 7 (पार्ट), जुहू तारा, रोड, जुहू, वस्वई है तथा जो बम्बई में स्थित है (धौर इतसे उनाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीज़र्ता प्रधिकारी के कार्यालय, अम्बई में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रशीन, तारीख 19-3-1985

क्ष्रे प्रंक्ति संपन्ति से उचित बाजार मृन्य में अस के रहममान बित्तिकस के मिए अन्ति ति की गर्ड है और मृन्ते यह विश्वासं करने का कारण है कि सभापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्स्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे एअयमान प्रतिफल का पेन्ह प्रतिकात से बिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के सीच एसे अन्तरण के लिए तय गागा ग्या वित-कस निम्निसित उद्वोध से उक्त अस्तरण निश्चत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, प्रक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक की दायित्व में कमी काइने या उत्तस्त्वे वायने में सुविधा के लिए; भरि/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए था, क्रियाने औं सुविधा के सिक्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री हरीराम केमवदास रोहीरा, कुमारं इंदिरा हरीराम रोहीरा, श्रीर कुमारी पुष्पा हरीराम रोहीरा (श्रन्तरक)

 नानालल भावनी लक्ष्मन भौर भानजी लक्ष्मन खेरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध है 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त गर्वे और पर्दों का ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जरें उस्म अध्याय में विमा गया है।

### अनुसुची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० भार०-905/72 श्रौर जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनौंक 19-3-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶2, बस्बई

तारीख: 7-11-1985

प्रकप आहीं, टी. एन. १५५

बायक<u>र</u> विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

### भारतं सरकार

कार्याज्य, सहायक जायकर नायकत (निरीक्षक) भाजन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनौंक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० ए० धार०-2/37-जी०/3760/मार्च 85----श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जित्तकी सं० प्लाट नं० 12, एच० वार्ड नं० 1880, स्ट्रीट नं० 12, दौंडा, बम्बई है तथा जो बम्बई सें स्थित हैं (ग्रीर इनते उनाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं रिजिस्ट्रोजिती श्रीध हारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रोजिरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित शाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूला, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत निम्नसिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निधित शास्त्रिक इप से कथित नहीं किया गया है हैं—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बायत उक्क अभिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक की श्रायत्व में कमी करने वा उक्क वचने में सुविभा के निए; बीर्ट/या
- (ध) एसी किसी बाव या किसी भन का अन्य लास्तरणें भरें जिन्हों भारतीय भाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथं अन्तार्शी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिष्ध के लिए?

बतः स्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुबरण वे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाषा [1] के अधीन, विस्तिविद्यत व्यक्तियों, अधीत :-- 1. श्री रहीमनुद्धला जुसाह्य चीनवाला

(ग्रन्तरक)

 बेन्ड्रा मीन डेसीर को० भ्राप्त० हार्डीसम सोतायटी लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

3. सोसायटी के सदस्य (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्मत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविष्या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनस्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शह. सिवित में किए का सकेंगे।

स्पाद्धीकरणः — इसमें प्रयावत खब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका गया है।

### **अन्स्**ची

भ्रानुसूची जैदा कि विलेख सं० एउ०-20/80 भौर जो उन रजिल्हार, बल्ह्याई ढारा दिनौक 16-3-1985 को रजिल्हाई किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुख्त (निरोक्षम) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-11-1985

प्रकृषः बार्षः टी. एन. एस्., तकनम

नायकर बाधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नभीन सुचना

### भारत ब्रकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-2, बस्बई बम्बई, दिनौंक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० ए० ग्रार० 237 जी० 27632 मार्च 85— गतः मुझे, प्रशीत राय,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फनल हाउँ। ग्रीर जमीत का हिल्मा जिसका ग्रोल्ड सिटी सं० सर्वे नं० 49 से 52, न्यू सी० टी० सर्वे नं० की 26%, बान्द्रां बस्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इन्त उगाउँ अपुन्ती में ग्रीर पूर्ण रूप वर्गा है). रजिस्ट्रीवर्सा अधिकारी के नार्थाय,

में रिजिस्ट्री हरण अधिनियम, 908 1909 का 16) अधीन, सारीख 16-3-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित याजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का कन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीध ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त किन निम्निसित तद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्त क्या के किथा नहीं किया गया है —

- किंकिंग से हुई किसी बाय की बाबत, सबस किंपिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के बामित्य में कभी करने या सबसे अवने में सृत्रिधा के जिए: बाँडि/बा
- (वा) एसी किसी जाब या किसी धन या अल्य आहिल्हां सते, जिन्हीं भारतीय काय-कर अधिनियम, 192 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणोजनार्थ अन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपान में सुविधा में सिएहा

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरक बै, पै, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नजिखित व्यक्तियमें हु अर्थात है——  श्रीमती अमीमा री नशी कोर, वटर, फारल आर० कार्न्ड्वटर, महेता आ० करह घर, भीर अलताक आ०० कार्न्ड्डघर।

(अन्तरग)

े2. श्रीमती यश्मीना अउत्तर इमाम।

(अन्वरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

सबत सम्मण्डि के बर्चन हैं संबंध में कांद्रों भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपक ग्रें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाणा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति है।
- (क) इस स्थान क राजपत्र में प्रकारण की तारीन से 45 दिन के भीतर उस्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, वशोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए जा सकती।

स्पद्धीकरण ए---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

अतुसूची जैसा कि विलेख सं० एस०-81/82 और जा स्टर्गिन्यूए बम्बई द्वारा विनोक '6-3-985 की एजिस्टर्ब किया गया है।

प्रतांत राम प्रजम प्राधिकारी •**हायक आय** र आयुक ( {ःइं६०) **अर्जन रेंज**-2, **सम्बद्ध** 

हारी**च** 7-11-1985 मोहर इ प्ररूप ६,इ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बज्बई

बम्बई, दिशंः 7 नवस्वर 1985 निर्देश सं० ए० आर०--2/37-जी--3029/म.र्च 85---श्राः मुझे प्रजाः राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर मंपत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिउमी सं० एउ० नं० 51, एव० नं० 11, सी० टी० एा० नं० 9, 10, 11, 12, मांगाली रोड, विकेश मुलाव, श्रीरी, वस्वई है एथा जो बस्वई में स्थित है (श्रीर इस्ते उपत्वढ धनुमूनों में श्रीर पूर्ण रूप से दिण्त है), सिंगी जी अधि तर्रा से स्वित्य, बस्वई में सिंगी करण जीवित्यम, 1906 (1906 सा 16) से श्रीन, सारीख 20-3-85

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निक्षित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिकक क्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के -दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी. किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूविधा के लिए।

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के सधीन. निम्नलिसित व्यक्तियों, स्थातः—

(1) तेरेंड एम॰ नृतः, जेनेड एम॰ नृतः, गोडफ्रे एम॰ नृतः, जूडी गोनसासवीस, श्रीनती श्रोवीसः लूवीर, श्रोट रूसेल एम० नृतः।

(अन्तरक)

(2) श्री गीरन शंहर बी॰ माहत ।

(ग्रदारिती)

(3) भ्रन्तिती

(वह व्यक्तिः, जिसके स्रविभोग में स्पात्ति हैं)

(4) अन्तरक

(वह व्यक्ति:, जिस्के वारे में प्रवी-हरणक्षरी जानता है ि वह रण्यति में हिसबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ब्राक्षेप 🏣

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ग) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

मन्सुनी जैसा कि विलेख सं० एस-1605/84 ग्रीर जो उपरिक्तिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-1985 को रिक्टिड दिया गया है।

> प्रसातः राय स्वम प्राधिकारी सहायक श्वायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रॉज-2, बम्बई

वारीख: 7-11-1985

माहर 🖠

प्ररूप आर्ष.टी.एन.एस.-----

क्षायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिमांक 4 मवम्बर 1985

्निदेश सं० **अई**०-2/37ईई/18355/84-85 अतः मुझे, प्रशात राय,

कायन नार्यायय 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परवात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मृल्य

1,00,009/- रह. से अधिक है श्रीर िति सं० डस्ट्रियल शेंड नं० 17, सिन भ्रंबेरी (पु॰), बःबई--59 हैं तथा जो बम्बई--59 में स्थित है (फ्रांट इसने उपाबद्ध प्रनुस्ची में फ्रीट पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रोर जित्ता करारनामा प्रायक्ष प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 प, ख के श्रघीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-- सार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 16−3−95 को पूर्वोक्त संर्मात्त के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पदे प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अर्जारिजयां") के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ल निम्नीविश्वित रायुद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक इप सं किथत नहीं किया गया है तु---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एभी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिया के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण म, म, जक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, जिस्की संख्या का अधिनायों, अधीत :---

- 1. मेजर्स भ्रोनेक्ज इंजीनियर्स एण्ड फ्रोबॅन्टिर्स। (श्रन्तरह)
- 2. मै० कमार फ़्रेबीवेजन घक्सी।

(भन्दारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहिया अरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्पाना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के यास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीफरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है, यहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

इंडस्ट्रियल शेष्ठ नं० 17, जो तल मंजिल, फ्रेंज नं० 1, शित्र शिक्त इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० नं० 79, श्राफ़ मरोल विकेत, श्राफ़ श्रीरो कुर्ला रोड़, श्रीधेरी (पु०), वस्वई— 400 059 में स्थित है।

श्रापुत्रों जैता कि का संव श्राई-2/37-ईई/18355/ 84-85 प्रोर जो समन पाधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-3-1985 को राजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत श्रम सक्षम प्रानिकारी सहायक प्रायकर प्राप्तुवन (निरीक्षण) धार्जन रोंब-2, बस्बर्स

तारीख: 4-11-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आहर्रे. टी. एन. एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० ऋई-2/37-ईई/18361/84-85-- मतः मुझे, प्रक्षांत राय,

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर रूम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृष्य 1.,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिल्ली संव गाला नंव 27, गीरीकुंज, अधेरी (प्र), बन्बई 03 है एया जो बम्बई-93 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर जिल्ला करारनामा श्रीयत्र श्रीधनियम, 1961 भी धारा 269ए ख के अजीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के दार्यास्य में रिजिट्टी है, तारीख 16-3-1985

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से ऐसे स्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती किन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;——

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः ब्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधोन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. मैं शाह लास्टिक्स

(अन्दर ह)

2. मेड्स अडीती दैनशटाइल

(ग्रन्संदिती)

3. भन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके म्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी हविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः ---इसमें प्रयुक्त राध्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### -

गाला नं बी-27, जो पहली मंजिल, गिरीकुंज इंड-स्ट्रियल प्रिमायसेप को अपन सोपारटी लिभिटेड, महार की केटा रोड़, ग्रंधेरी (पु०), बन्बई 400093 में रिक्ट है। अनुपूची जैटा कि कल सं अहि-2/37 ईई/19361/ 84-85 और जो रक्षम प्राधिनारी, बन्बई द्वारा दिलांड 16-3-1985 क : स्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्रीध ारी सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंग-2, बस्बई

त्रीख: 4-11-1985

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निराक्षण) धार्जन रेंज-2, बज्बई

बम्बई, दिनां : 4 नवम्बर 1985

निवेश सं० श्रई--2/37--ईई/18441/84--85---श्रतः मुझे, प्रशंस सम्

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

1,00,000/- रह. से अधिक ही श्रीति कि. की संव युद्दि मं ० ए-100, श्रंसा इंटिइस्क इस्टेड, श्रंबेरी (पु०), बस्बई-72 है स्था जो बस्वई-72 में स्था है (श्राः इ.ते जावड श्रमुश्री में श्रीः पूर्ण खर से विणत है और जिका स्रारमामा आयहर श्रिक्तियम 1961 की बास 2600, ख के श्रतीं, बस्बई स्थित स्था प्रधानमा प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिकल के लिए अंतरित को गई है और सभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेश्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमकी दश्यमान प्रतिकल से, एमे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत सं अधिक है और बस्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किम्मिलिखत उद्देश्य से उद्यत अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीनती हम्मु भटनागर

(भ्रतारह)

2. मेडसं पार० पार० इंस्ट्रीय

(भ्रदारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, तो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हित- बद्ध कियी अन्य व्यक्ति युवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयक्त अब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियां गया है।

### अनुसुची

युनिट नं॰ ए-100, जो पहली मंिएल, श्रंसा इंडरिट्रस्स इस्टेंड, रक्षी विद्वार रोड़, श्रंबेरी (प॰), बम्बई-4000"2 में स्थित है।

श्रमुखी जैसा कि कि सं श्रह-ा/37 ईई/18441/ 81-85 श्रीर जो जन्ना प्राधि गरी, बजर्स हारा दियांक 20-3-1985 को रिलस्टर्ड िया प्रथा है।

> प्रयास राज सहायक द्वायकर श्रायकर (निरीक्षण) स्रजन रेंज-2, **बम्बई**

हारीख: 4~11-19**8**5

प्रकार बार्ड ,टी . एन . एस . .-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निराक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2, बम्बई

बस्बई, दिनौंक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं॰ म्रतः 2/37 ईई/17990/84 85 म्रतः मुसँ, प्रशाँत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया हु"), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रं. से अधिक है

प्रौर जिनकी सं० पलैट नं० 8, बी, सुखदायक सोसायटी, प्रंधेंरी (पु०), बम्बई 59 है तथा जो बम्बई 59 में स्थित है, (और इतसे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), स्रौर जितका करारतामा स्रायकर स्रिधितियम, 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन, बम्ईव स्थित सक्षम प्राधिक्तारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 6-3-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिनित्यों) के दीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गस्ति क रूप से किथत नहीं किया गया है द

- (क) नंतरण हे हुए किली बाद की बावत, उबस् अधिश्वित के अधीन कर दोने के अन्तरक के शोधरा भा अभी कारने भा उनने सबने में सुविधा अधिए; और/धा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जारिसकों करें, जिन्हों भारतीय जाय-कर जीवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिपनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अथाजनार्थ अन्तारती द्यारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिया से सविधा के निए।

भतः भव उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण मं, री, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) है यथीर निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 77—366 GI/85

1. श्री देविंदर सिंग एम० कोचर

(बन्तरक)

2. श्री मीठठ्मल किशीनदास भाटिना।

(भन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के बर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की ववधि, वो और नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकीं।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ द्वांगा के जन्म अध्याय में विवा स्था है।

### धनृसुर्धा

पलैट नं० 8, जो बी बल्डिंग, सुखदायक को० **धाप०** हाउँ पिंग सो नायटी लिभिटेंड, बाम अपुरी, श्रंधेरी (पु०), बस्बई 400009 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई 2/387 ईई/1799 84 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनौंक 6-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सलम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) स्रजन रेंज 2, बस्बई

तारीव: 4-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिश्मियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० **मई**-2/37-ईई/18714/84-85---मतः प्रशाँत राय,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 201, नालंदा, विले पार्ले, (पु०), बम्बई-57 है तथा जो बम्बई-57 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायक्तर श्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्ट्रिय से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कांश्त नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः इतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निभ्निकिक व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती तिमें ल गोपीनाय साबू

(ग्रस्तरक)

 श्रीमती मंगला नटवरलाल पारीख श्रीर श्रीमती भावता विजय पारीख

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरिती

(बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की हामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इयारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्माळि किरण: --- इसमें प्रयासता जास्तो और पर्दों का, जो उसर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

### अनसधी

प्लैट नं० 201, जो दुनरी मंजिल, नलंदा, मलावीया रोड़ एक्सटेंग्रान ग्रीर महाँत रोड ऐंक्सटेंग्रन, बिले पार्ले (पु०), बम्बई-400057 में स्थित है।

भनुमुची जैसा कि कि के सं भई-2/37–ईई/18714/84–85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रवाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज-2, बस्बर्ष

तारीख: 4-11-1985

\_\_\_\_\_

प्ररूप बार्षे हो. एवं एस् ,-----

श्रावकर विभिनियत्र, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) के संभीत सुमना

### भारत शहकाड

'कार्यालय, सहायक आयकार आयु<del>वत (विद्रक्षिण)</del>

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं॰ ग्रई-237-ईई/18133/84-8प--ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

नायकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, श्राघाडी नगर, श्रंथेंरी (पु०), बम्बई-93 है तथा जो बम्बई-93 में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुस्वी में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 8-3-1985

को पूर्वोक्य संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंत-

रक (अंतरको) और अवस्ति (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ते हुइं किसी बाय की बाबत, उला अभिनियम क अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्थ में कमी करने वा उससे वचन में सुन्तिभा के लिए; और/या
- (भ) रंभी किसी जाव या जिसी भन या जन्य विस्तिबों को, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था, जिनाने वें सुविभा को लिए।

वतः वतः, उकत निधिनियमं की धारा 269-ग है बनुसरक वो, मी. धक्त निधिनियमं की धारा 269-मूं की उपारा (1) के बधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् 3--- 1. श्री दावृद ग्रहमद इर्फानी

(मन्तरक)

2. श्री शेंख मोहीद्दीन राजक

(भ्रन्तरिती)

3 मन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वासी;
- (क) इस स्थान क राजपत्र में प्रकाशन की तारीं कर्ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्धभ किसी जन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में सिक्षर जा सकेंगे।

स्वाचीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

## अनुसूची

पर्लंट नं० 202, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० 4, प्राधाक्षी नगर, को० श्राप० हाउनिंग सोनायटी लिमिटेंड, राजमाता जीजाबाई रोड़, श्रंधेंरी (पु०), बम्बई-400093 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं श्रई-2/37-ईई/18133/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशाँत राथ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 4-11-1985

मोहरः

हरून नार्यं हो। एन प्रमूत

# ब्राव्याः विभिनियम, 1961 (1961 को 43) की बारा 269-व (1) के बभीन सुम्बा

### बार्व बरकार

कार्कावय. शहायक जानकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेंज-2, सम्बर्ध

बम्बई, दिनाँक 4 नवस्थर 1985 निवेश सं॰ मई-2/37-ईई/18214/84-85---मतः मुझे, प्रशांत राय,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस-का उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, पुष्पक अपार्टमेंट, विले पार्ले (पु०), बम्बई-57 है तथा जो बम्बई-57 में स्थित है (भीर इतसे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रून से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिथितियम, 1961 की घारा 269क, ख के श्रशीन, बर्ज्यई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 12-3-1985 को मुबंबत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान श्रीतफस के सिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास अर्थ का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य प्रसक्त स्थान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का प्रसक्त प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतक्त का कारण ह निम्मसिवित सब्दिय से उच्छ बन्तरण किवित के श्रीत्यक का कारण ह निम्मसिवित सब्दिय से उच्छ बन्तरण किवित के श्रीत्यक का कारण ह निम्मसिवित सब्दिय से उच्छ बन्तरण किवित के श्रीत्यक का कारण से किवित के कारण से निम्मसिवित सब्दिय से उच्छ बन्तरण किवित के श्रीत्यक का कारण से निम्मसिवित सब्दिय से उच्छ बन्तरण किवित के श्रीतियक का कारण से निम्मसिवित सब्दिय से उच्छ बन्तरण किवित के श्रीतियक का कारण से निम्मसिवित सब्दिय से स्थान का कारण है किया गया है :---

- (क) जन्तरक सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुनिधा के लिए: अंध/या
- (श) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आवकार अभिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन-कर सभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गंवा भा वा किया का भा महिए था, कियाने में स्टिंगा के सिए;

क्रतः अब, अवंस अभिनियम, की धारा 269-त वे जनुसरण , और, उबस अधिनियम की धास 269-त की उपानसा (1) वधीन, निस्त्सिकित व्यक्तियों, त्यांक् :---- 1. मे उसे अयत्री बिल्डर्स (इंडिया)

(मन्दरक)

 श्री बिहारीलाल बी० सप्ता भीर श्रीमती अया बी० सप्ता।

(भन्तरिती)

को यह तुमना भारी कारके पूर्वीक्त संपत्ति के कर्णन का किन् कार्यवाहिया करता हूं।

वक्त ब्रम्मीस्य में अर्थन के बम्बन्य में कोई भी बालेन्त्र--

- (क) इस सूचना के प्रचपन में प्रकाशन की तारीच से
  45 दिन की अवधि या तस्सवंधी का नितयों पर
  कूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी
  क्षिति वाद में तमान्य होती हो, को नीतर पूर्वों कर
  क्षित्रहारों वे से किसी व्यक्ति दृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशम की तारील से 45 दिन के भीतर उन्दर स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी मन्त्र स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी मन्त्र स्थायर संपत्ति में विश्व की सर्वित हैं।

## वनुसूचीं

पनैट नं 202.जो पुष्पक घराटेंमेंट, 147, मालवीया रोड़, बिले पार्ले (पु०), बस्बई-400 057 में स्थित है। घनुस्तो जैसा कि क० सं० मई-2/37-ईई/18214/ 84-35 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बन्बई द्वारा दिनौंक 12-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशौत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, सम्बद्ध

वारीख: **4-11-198**5

मीहर :

धक्ष आई टी. **एन. एस.**-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन स्थना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निर्दाक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, पटना पटना, दिनांक 8 नवस्वर 1985

निर्देश सं० III 1006/मर्जन/85-86—मतः मुझे युगी

प्रसाद

नायकार किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परदात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के बेथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बागार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जितनी सं० खाता नं०-1, सौजी सं० 15/11, होल्हींग सं०-127 वार्ड नं० 1, थाना नं० 94, मीजा—भंडारीडीह, है तथा जो थाना वोजिता-गिरीडीह में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अपुमूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रिजिस्ट्रीकर्ता भिकारों के कार्यालय गिरीडाह में रिजिस्ट्रीकरण भिवितम 1908 (1908 का 16) के भवीन तारीख 26 मार्च 1985

की पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के शर्यमान श्रिकल के लिए अन्तरित का गई है और मुक्ते यह विश्वास करने को करगर्म राजा मार्गात बनाने का अगा नामार मू इस ह पूर्यमान प्रतिकत र, र्य दृश्यमान प्रतिकत का अग्रह प्रतिक से प्रविक देशार अग्रह (अग्रह का) और अग्रह रितो (अग्रह रिविजी) के बीच ऐसे अग्रह राज्य के लिए तम पामा मायक का, निम्न सिक्षित चहेश्य के अग्रह अग्रह राजा का बाद में बास्त्र विश्व कर संख्या विद्या

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त गांधीनयम क जधीन कर दान की बन्तारक क द्रायित्व मां कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लए; बार्ड/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से सविधा की तिए; आर्रिया

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीत, निम्निसिंखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्रीमती पन्नमा, जीचे, तेनु वेलीस योमस तंनच्छन सा० भण्डारीडीह, थाना वो जिला—-गिरोडीह। (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती बोबी फात्मा खातून जीने सहमद गही टैक्सी स्टेण्ड के नजदीक, देशबंग्ध् सिनेमा, शरिया, जिला--धनबाद।

(भन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य स्थाप्त व्वारा, अधाहस्ताक्षरों को पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पृथ्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा नया है।

### नगुत्त्रती

जमीन जिसका रक्वा 2 3/4 बीसमिल है तया जो खाता मं०-1 तीजी सं० 15/11, होल्डोंग सं० 127, जाना नं० 94 है। भीर जो महल्ला, भंडारोडोह, जिला गिरीडोह में स्थित है तथा जो पूर्ण क्षेण वसिका संख्या 3623 दिनोंक 26-3-85 में विगत है और जिलका निबंधन जिला भवर निबंधक गिरीडोह द्वारा संपन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक खायकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिकेस, खिहार, पटना

सारीबः 8-11-1985

मोहर:

### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 17th October 1985

No. A-12025(ii)/1/84-Admn.III.—Consequent on his nomination by the Department of Personnel and Training vide their O.M. No. .5/11/85-86-CS.I, dated 9-9-1985, for inclusion in the Select List of Section Officers' Grade for the year 1984 (semority quota) in the CSS cadre of the Ministry of Education, Shri Dev Dutt (SC), officiating as Section Officer in the CSS cadre of the Union Public Service Commission is relieved of his duties in this office on the forenoon of the 18th October, 1985.

#### The 31st October 1985

No. A. 32014/1/85-Admn. III—The President is pleased to appoint the following regular Section Officers of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Desk Officers on allog basis for the period indicated against each or until father orders, whichever is earlier:—

SI. No.	Name			P	eriod	
S/S	Shri		 			
1.	Ram Autar .			1-11-85	to	31-12-85
2.	Sudesh Kumar			1-11-85	to	31-12-85
3.	Shri N.P.S. Gujra	ı		1-11-85	to	31-12-85
4.	Krishna Lal-∏		,	1-11-86	to	31 -12-85
5.	Yash Pal Dabas			1-11-85	to	1-12-85
6.	Anil Kumar			1-11-85	to	1-12-85
7.	Rajinder Singh			1-11-85	to	1-12-85

<sup>2.</sup> The above noted persons shall draw special pay Rs. 75/- p.m. in terms of Deptt. of Personnel and A. Rs. O.M. No. 12/1/74-CS (I), dated 11-12-1975.

### The 1st November 1985

No. A-38013/3/85-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri G. T. Ramani, a permanent Assistant and officiating Section Officer in the CSS cadre of the Union Public Service Commission to retire from Government service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 31st October, 1985 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

### The 4th November 1985

No. A. 12025(il)/1/84-Admn. III—Consequent on their having been nominated to the Union Public Service Commission as Section Officers on the basis of Combined Ltd., Departmental Compositive Examination, 1984, vide Deptt. of Personnel and Training OM No. 5/2/85-CS (I), dated 18-10-1985, the President is pleased to appoint the following officers of the CSSS cadre of this office to officiate as Section Officers of the Cautal Secretariat Service Cadre of the Union Public Service Commission with effect from the date indicated against each until further orders:—

Sl. No.	Name	Rank	Date of appointment
1	2	3	4
	Shri T. V. Dinesh Smt. T. V. Mahalakshmy	06 39	30-10-198 <b>5</b> 30-10-198 <b>5</b>

<sup>2.</sup> The appointments shall be subject to the results and final decision of the C.W.P. No. 1194/78 pending in the Delhi High Court.

### The 5th November 1985

No. A-32014/1/85-Admn.III.—In supersession of this office Notification of even number dated 4th October, 1985, the President is pleased to appoint Shri B. B. Sahni,

Assistant of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission as Section Officer on ad-hoc basis in the office of the Union Public Service Commission for the period from 3-10-1985 to 29-10-1985.

Shri B. B. Sahni stands reverted to the post of Assistant w.e.f. 30-10-1985.

### The 6th November 1985

No. A. 32014/1/85-Adma, III—In supersession of this office Notification of even number dated 25-9-85, the President is pleased to appoint the following regular Assistants of CSS Cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on ad-hoc basis for the period indicated against each:—

Sl. No.	Name	Period of ad-hoc appointment
1. Shri	Basant Singh (SC) .	. From 27-9-85 to 29-10-85 <sup>-4</sup>
2. Shri	M.L. Verma-I	. From 27-9-85 to 29-10-85

2. The above noted persons stand reverted as Assistants w.e.f. 30-10-85 (FN).

No. A-32014/1/85-Admn.III.—In partial modification of this office Notification of even number dated 11th September, 1985, the period of ad-hoc appointment of Shri Anii Kumar as Desk Officer will be from 3-10-1985 to 31-10-1985.

- 2. The President is pleased to appoint Shri O. P. Kautia, a regular Section Officer of CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Desk Officer on ad-hoc basis from 1-11-85 to 25-11-85 or until further orders, whichever is earlier.
- 3. The above noted persons shall draw special pay @ Rs. 75/- p.m. in terms of Deptt. of Personnel and A.Rs. O.M. No. 12/1/74-CS.I, dated 11-12-75.

M. P. JAIN
Under Secy. (Per. Admn.)
Union Public Service Commission

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 20th November 1985
No. O.II-2010/85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. W. Yavan Rao, as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 18th October, 1985 for a period of three months or till the recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI
Assistant Director (Estt.)

### MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

DEPTT. OF LABOUR (LABOUR BUREAU)

Shimla-4, the 6th December 1985

No. 23/3/85-CPI.—The All-India Consumer Price Ind.
Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 incre
ed by Six points to reach 625 (Six Hundred twenty five)
for the month of October, 1985. Converted to Base:
1949=100 the index for the month of October, 1985 works
out to 760 (Seven Hundred sixty).

A. K. MALHOTRA.
Deputy Director,
Labour Bureau, Shimla-4.

¢

### MINISTRY OF FINANCE (DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS) SECURITY PAPER MILL

#### Hoshangabad, the 19th November 1985

No. PD-3/6611.—Shri S. K. Anand, Foreman (Production) s appointed on ad-hoc basis to officiate as Assistant Works Manager in the Scale of Pay Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 27-6-85 to 31-12-1985 or till the post is illed on regular basis whichever is earlier.

S. R. PATHAK General Manager

### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 1st November 1985

No. 2121-CA.I 34-73.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has permitted Shri S. P. Sumber, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, New Delhi-110002 to retire voluntarily from Govt. service under provision of Rule 48(1)(a) of CCS Pension Rules 1972 with effect from 1-10-1985 F.N.

K. P. LAKSHMANA RAO, Asstt. Comptr. & AR. Genl. (Comml)

### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

### New Delhi-2, the 21st November 1985

No. Admn.I/O.O. No. 296.—The Director of Audit, Central Revenues, hereby appoints Shri P. S. Gambhir an officinting Audit Officer of this office, in a substantive capacity against a permanent post of Audit Officer in the time scale of Rs. 840-1200 with effect from 1-10-1985.

K. KUMAR Dy. Director of Audit (Admn.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

### Hyderabad, the 15th November 1985

No. Admn.I/8-132/85-86-12.—Sri G. Selvarangam and Sri K. Viswanathan I Audit Officers Office of he Accountant General (Audit) I, Andhra Pradesh, Hyderabad retired from service on the A.N. of 31-10-1985.

### The 19th November 1985

No. Admn. 1/8-132/85-86/124—The Accountant General (Audit). I Andhra Pradesh. Hyderabad is pleased to promote the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers in the Scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effection the dates noted against them, until further orders.

Name			Date of Assumption Charge				
1.	Ch. Gopala Krishna		29-10-85	A·N			
2.	S. Krishnan-II .		on F.S.				
3.	B.K.L.N. Acharya		29-10-85	A.N.			
4.	K. Jaganntha Rao		30-10-85	A.N.			
5.	K.S. Poter		29-10-85	A.N.			

The promotions ordered above are without prejudice to the claims of their seniors if any and are also subject to the result of the writ petitions pending in A.P. High Court/Supreme Court. They should exercise the option within one month of their date of promotion in terms of Govt, of India O.M. No. F. 7/1/80-Estt (p. I) dt. 26-9-81.

Sd/- ILLEGIBLE

Senior Deputy Accountant General (Admn.)

### OFFICE OF THE ACCOUNT GENERAL (A&E) RAJASTHAN

Jaipur, the 18th November 1985

No. Admn. II/G-Notification 85-86/289.—The Accountant General (A&E), Rajasthan, Jaipur is pleased to premote the following Selection Grade Section Officers of his office and to appoint them as Officiating Accounts Officers with effect from the date noted against each till further orders:—

#### S/Shri

Name

- 1. Prem Chand Sah-25-10-85 (A.N.).
- 2. Kiran Chand Jain-25-10-85 (A.N.).

Sd/- ILLEGIBLE Sr. Dy, Accountant General (Admn.)

Date

ΛĒ

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL WEST BENGAL

Calcuttta-700001 the 20th November, 1985

No. A<sup>3</sup>mn. I. 947-YI / 2370-The Accountant General West Bengals has been pleased to appoint the following officiating Accounts / Audit Officers of this office/office of the A.G.-II, West Bengal / Office of the A.G.-III, West Bengal / Office of the D. A. Central, Calcutta in substantive capacity in the Accounts/Audit Officers' Grado with effect from the date noted against each:—

S. No.	Name						Date of corfirmation
1	+	2			<del></del>		3
Sarv	v Shri						·
1. 5	lakti Kumar )	Datta .					1-8-82
2. 5	satya Brata B	anerjee ,					1-1-83
3. I	Rathi Raj Bar	nerjee .					1-1-83
4. I	Bimalendu M	ukherjee					1-2-83
5. J	yotirmoy <b>B</b> ha	ittacharjee-I					1-2-83
6. S	Sital Ch. Bisw	as (SC)					1-3-83
	Sudhir Ch. Ha						1-3-83
8. S	Sailendranath	Haldar (SC	)				1-4-83
	Bijoy Rn. Mo						1-4-83
10. I	Bansari Moha	n Mondal (	SC)				1-4-83
11. I	Dilip Kr. Mul	cherjee-I					1-4-83
	Virmalendu C						1-4-83
	isir Kumar R						1-4-83
	Candarpa Bijo		rjce				1-4-83
15. S	ibapada Mor	ıdala (SC)					1-4-83
	thampai Mur						1-7-83
17. A	xima Nada I	Haldar					1-7-83
	rovash Ch. C						1-8-83
19 1	Iajnesh Ch. C	houdhury					1-9-83
	radip Kumar					-	1-9-83
21. R	tanjit Kumar	Bancrjee					1-9-83
22. E	Bibhuti Bhusa	n Aich					1-10-83
23, 0	Jour Das Sah	a,					1-10-83
24. S	amir Sengupt	ta.					1-11-83
25. E	Biswambar Na	uth .					1-1-84
	Broja Gopal F						1-1-84
	libendra Nath						1-1-84
	Amal Krishna						1-1-84
	Ranjit Kumar						1-2-84
	Brojo Gopal S						1-2-84
	Narmal Ch. H						1-3-84
	Valini Ranjan						1-3-84
	Nareswar Cha						1-4-84
	Anil Kumar N						1-4-84
	Rupendra Ku			-			1-4-84
	Promode Band		ck				1-4-84
	Benoy Kumar						1-4-84
	Bopal Kr. M:						1-4-84
	Amalendu Mo	-					1-5-84
40.	Kamal Kuma	r Sen Sarma	L				1-7-84

1 2				3
41. Anilendra Kumar Nag .	•		- <del></del>	19-8-84
42. Benoyendra Roy	•,			1-9-84
43. Sudhir Ranjan Ghosh .				19-9-84
44. Biman Behari Basu				1-11-84
45. Jyotish Ch. Bhattacharjee.			•	1-12-84
46, Ajoy Rn, Ghosh Dastidar				1-12-84
47. Gokul Kr. Ghosh Choudhury			•	1-12-84
48. Samarendra Saha (SC) .				1-2-85
49. Harendra Nath Haldar (SC)				1-2-85
50. Pulin Behari Mondal (SC)				1-2-85
51. Manilal Mondal (SC)				1-3-85
52. Bishnu Prosad Das (SC) .				1-4-85
53. Partha Sarathi Sen				1-4-85
54. Subimal Purkayastha .				1-4-85
55. Sunil Kanta Chakraborty				1-4-85
56. Rabindra Nath Mitra .			,	1-4-85
57. Satyendra Nath Banerjee-I				1-4-85
58. Partiosh Kumar Mukherjee				24-5-85
59. Anil Kumar Mukherjeo .				1-8-85
60. Satyendra Kumar Maji .	_			1-8-85
61. Sudhir Kumar Chattopadhyay				1-10-85
62. Ashis Kumar Mittra-I	-			1-10-85
Sr. Dy. A	cou	ntant	D. General	

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,
DEFENCE SERVICES

West Bengal.

New Delhi-110001, the 30th October 1985

No. 3415/A, Admn. 130/82-85—The following Audit Officers have retired from service with effect from the dates as Indicated against each:—

3l No.	Name & Designat	ion Date with effect from which retired	Remarks		
1	2	3	4		
S/Shr	i.				
	R. Soshadari Iyonga bs. Audit Officer	, 9-7-1985(AN)	Voluntary retire- ment		
	C. Bhairma, fg. Audit Officer	31-8-85 (AN)	On superannuation		
	P. Ramakrishnan, bs. Audit Officer	30-9-85 (AN)	-do-		

### The 20th November 1985

No. 4757 A.Admn./130/82-85.—On attaining the age of superannuation, Shri N. V. Dani, Asstt. Audit Officer, retired from service with effect from 31-8-1985 (AN).

B. S. TYLE Jt. Director of Audit, Def. Services

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 20th November 1985

No. AN-I/1892/5/I.—Shri S. K. Chari. IDAS, has attained be again of 58 years on 24-10-85 (his date of birth being 25-10-1927) and accordingly be has been struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from the afternoon of 31-10-1985, The officer has therefore

been transferred to the Pension Establishment with effect from the forenoon of 01-11-1985.

A. K. GHOSH Additional Controller General of Defence Accounts (Admin.)

والمناسب الماري والماري والمنطوع والمنافقة والمنافقة والمنافقة والمنافقة والمنافقة والمنافقة والمنافقة

#### MINISTRY OF DEFENCE

### ORDNANCE FACTORY BOARD

### DGOF HQRS CIVIL SERVICE

Calcutta, the 31st October 1985

No. 1212/85/A/E-1 (NG)—The DGOF is pleased to promote the following individuals against existing vacancies, without effect on seniority in grades and on dates shown against each:—

<ol> <li>Shri Suraj Deo Narayan Sinha, Assistant Staff Officer (Ad-hoc)</li> </ol>	Offg. Assistant Staff Officer.	From 1-9-85 (FN) until further orders.
2. Smt. Anima Das, Offg. Assistant	Asstt. Staff Officer (Ad-hoc)	From 4-10-85 until furhter orders.
<ol> <li>Shri Karuna Mohan Majundar, Offg. Assistant</li> </ol>	Asstt. Staff Officer (Ad-hoc)	po.

- 2. The above promotions shall abide by the result of the appeal filed in the Hon'ble High Court at Calcutta.
- 3. The officer mentioned at Sl. No. 1 will be on probation till his retirement i.e. 31-1-86.
- 4. The officers mentioned at Sl. No. 2 and 3 assumed the higher duties as A.S.O. w.c.f. 4-10-85 (FN).

### The 14th November 1985

No. 13 '85/A/E-1(NG).—The Director General, Ordnance Factories is pleased to appoint Shri Hem Chandra Pant, Asstt. Director, National Council for Co-operative Training, 3 Siri, Institutional Area, Huz Khas, Pest Bag No. 2, New Delhi-110 016 as Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) with effect from 25-09-85 (FN) and posted at OEF Group HOrs., Kanpur.

C. M. MATHUR, Member/Pers for Director General, Ordnance Factories

### INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

### Calcutta, the 8th November 1985

No. 46/G/85—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri P. M. Deshpande, Offg. Dy. G.M. (Subst. & Permt. DADG/DM) retired from service w.e.f. 28th February 1985 (AN).

### The 19th November 1985

No. 47/G/85.—Shri V. Raiagonalan, It, General Manager (Subst. & Permt. Sr. DADGOF/Manager redesignated as It. Director General Manager Gr. II/DGM) retired from IO.F.S. w.e.f. 25th September 84 (AN) on permanent absorption in ITI, Bangalore with effect from 26th September 1924 FN.

### The 20th November 1985

No. 48/G/85.—The President is pleased to accept the resignation of Shri PB Raphunadhu, Offg. Dy. Director with effect from 31st May, 1985 AN.

V. K. MFHTA DDGOF (ESTT),

### MINISTRY OF COMMERCE DEPARTMENT OF TEXTILES

### OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONLR FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 18th November 1985

No. A-19011/9/79-Admit.III - The President is pleased to permit Shri D. N. Bhargay, Deputy Director (Designs) in the Weavers' Service Centre, Indore, under the Office of the Development Commissioner for Handlooms, (Department of Textiles), Ministry of Commerce, to letter from Government service with effect from the afternoon of 31st October, 1985 on attaining the age of superannuation.

V. K. AGNIHOTRI Additional Development Commissioner for Handlooms

### DIRECTORATE GENERAL OF COMMERCIAL INTEL-LIGENCE AND STATISTICS

Calcutta-700 001, the 20th November 1985

No. Estt.I/1(1)85 45837.—In continuation of this Directorate Notification No. Estt. I/1(1)85/2860 dated 24-5-1985, Shri Kumud Ranjan Biswas, permanent Superintendent, Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics cutta, is allowed to continue in the post of Machine Tabulation Officer, on ad-hoc basis for a further period of six months with effect from 15-11-1985.

The terms and conditions of the appointment will remain the same,

S. R. SENGUPT & Senior Deputy Director General

# MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVFLOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

### New Delhi, the 14th November 1985

No. 12(399) 63-A(G)Vol.III.—The President is pleased to permit Shri D. C. Majumdar, Dv Director (Chemical) Small Industries Service Institute Calcutta to retire from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30-9-1985.

No. 12(609) /69-A(G).—On attaining the age of superannuation Shri R. D. Sharma relinquished charge of the post of Dy. Director (Economic-Investigation) at Small Industries Service Institute, Kanpur with effect from afternoon of 31-7-1985.

C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi-110 001, the 5th November 1985

No. A-17011/25/71-A-6.—The President is pleased to appoint Sh. P. S. Prakasm. Assistant Inspecting Officer. (Engg.) to officiate as Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Engg.) Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Engineering Branch with effect from 10-10-1985 in the pay scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 on ad-hoc basis for a period of six months or till the regular arrangements are made whichever is earlier.

2. Sh. P. S. Prakasm, relinquished charge of the post of Assistant Inspection Officer (Figs.) in the office of Director of Inspection, Madras on the afternoon of 8th October, 1985 and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engs.) in the office of Deputy Director of Inspection, Hyderabad in the Pancelore Inspection Circle, on the forenoon of 10th October, 1985

78-366GI/85

### The 6th November 1985

- No. A-6/247(31)/77,—The President is pleased to appoint Sh. T. K Banneriee, Inspecting Officer (Fngg.) an officer of Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A' (Engineering Branch) to officiate as Deputy Director of Inspection, (Engg.) Grade II of Indian Inspection Service Group 'A' (Fngineering Branch) on regular basis in the scale of pay of Rs. 1100 (6th year or under)-50-1600 with effect from 8th October, 1985 (F.N.) and until further orders.
- 2. Sh. T. K. Bannerjee, relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Engs.) in the office of Director of Inspection, Calcutta on 8-10-1985 (F.N.) and assumed charge of the office of Deputy Director of Inspection (Fngg.) in the same office on the forenoon of 8th October, 1985.
- 3. The appointment of Shri T. K. Bannerjee, as Deputv Director of Inspection (Engg.) is subject to the outcome of the three I.P.s No. 67/83, 68 \*83 and 69/83 filed by Union of India in Delhi High Court and W.P. No. 3001/83 and 35/83 filed by Sh. S. C. Anand, Deputy Director of Inspection (Fngg.) in the Bombay High Court and transferred to Delhi High Court which are still pending in the Delhi High Court and the W.P. No. 1277/78 filed by Sh. O.D. Sangar, in Delhi High Court.

R. P. SHAHI
Dy. Director (Admn)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi-110001, the 5th November 1985

No. A-6/247(596).—The President is pleased to appoint Shrl D. B. Jain, Dv. Director of Inspection (Engineering) (Grade-II of the Engineering Branch of the Indian Inspection Service Group 'A') to officiate as Director of Inspection (Grade I of the Indian Inspection Service Group 'A') in the scale of Rs. 1500-60-1800-100-2000 with effect from the forenoon of 15th July. 1985 until further orders.

- 2. The appointment of Shri D. B. Iain as Director of Inspection (Grade-I of Indian Inspection Service, Group 'A') is subject to the outcome of the three I PAs hearing Nos 67/83, 68/83 and 69/83 filed by the Union of India in Delhi High Court and Writ Petition Nos 3001/83 and 35/83 filed by Shri S. C. Anand D.D.I. in Bombay High Court and transferred to Delhi High Court which are still pending in Delhi High Court.
- 3. ShrI D. B. Jain relinquished charge of the post of Dy. Director of Inspection (Engineering) in the Directorate General of Supplies and Dirpotals, New Delhi on the forenoon of the 1st July 1985 and assumed charge of the post of Director of Inspection on the forenoon of 15th July, 1985

### The 18th November 1985

No. A-6/247(390) Vol.VI.—The President is pleased to appoint Stri S C Kapoor, Permanent Director of Inspection (Grade I of Indian Inspection Service, Group 'A') to officiate as Denuty Director General (Inspection). (Supertime scale in (Grade I of Indian Inspection Service Group 'A') in the scale of pay of Ps. 2000-125/2-2250 with effect from the 7th October 1985 (AN) and until further orders

2. Shri Kapoor relinquished charge of the post of Directive of Inspection in the NT Circle New Delhi on the afternoon of 3-10-85 and assumed charge of the post of Deputy Director General (Inspection) (Pastern Zone) at Calcutta on the afternoon of 7th October. 1985.

DA Di 640, (44-2)

### ISPAT, KHAN AUR KOJI A MANTRII AYA KHAN VIBHAG

Geological Survey of India

Calcutta-700016---the 4th Oct. 1985

No. 4734 D- The President is pleased to appoint the following Geologists (Junoir), Geological Survey of India, on promitton as Geologist (Senior) in the same Department on day at-

cording to rules in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600/- in an officiating capacity with effect from the dates mentioned against each, until further ordrs.

Si. Name No.	•	 Date of	f appoint- nt
<ol> <li>Shri S. V. Satyanarayana</li> <li>Shri Debi Prasad Das</li> <li>Shri Jayanta Roy Choudhury</li> <li>Shri Buddhadeb Chaudury</li> <li>Shri Amaresh Chatterjee</li> </ol>	· ·	12-8-85 6-8-85 6-8-85 6-8-85 7-8-85	(FN) (FN) (FN) (FN) (FN)

The above promotion to the post of Geologist (Section) in G.S.I., is on ad-hoc basis in terms of the interim order of the Hon'ble High Court, Calcutta, as passed on 28-2-1985 in F.M A.T. No. 507 of 1985 setting aside the interim order of stay as passed by the Learned Singhle Judge on 1-2-1985 and 18-2-85 in the Writ Petition filed by Sri Tridib Laskar and other against Union of India others subject to the result of the Writ Petition.

### The 11th October 1985

No. 4876D/A-32013/4-DE(Sr.)/84-19B.—The President is pleased to appoint Shri P. A. Antunis, Drilling Engineer (Junior), Geological Survey of India, on promotion as Drilling Engineer (Senior) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600/in an officiaing capacity with effect from the forenoon of 30th January, 1985, until further orders.

### The 11th oct 1985

No. 4965D/A-32013/1-Geol. (Sr.)/84-19A (6)—The President is pleased to appoint the following Geologists (Junior), Geologic Survey of India on promotion as Geologist (Senior) in the ame Department on pay according to rules in the scale of f Rs. 1100-50-1600/- in an officiating capacity with effect fro the dates mentioned against each until further orders.

Si. No.	Name	 	Date of appoint- ment
	i S. S. Ameta . C.V. Nandikesava Rao		8-8-85 (FN) 20-8-85 (FN)

The above promotion to the post of Geologist (Sr.) in G.S is on ad-hoc basis in terms of the interim order of the Hon'ble High Court, Calcutta, as passed on 28-2-1985 in F. M. A. T. No. 507 of 1985 setting aside the interim order of stay as passed by the Learned SinghleJudge on 1-2-1985 and 18-2-1985 in the Writ Petition filed by Sri Tridib Laskar and others against Union of India & others subject to the result of the Writ Petition,

### The 17th October 1985

No. 9776B/A-19011(1-GSS)/85-19A.—Shri G. S. Srivastava received charge of the post of Geologist (Senior) in the Geological Survey of India, on reversion from Remote Sensing Applications Centre, Lucknow, U.P., in the same capacity from the forenoon of 19th July, 1985.

No. 9786B/A-19011(1-PK)/19A-79.—Shri P. Kalvansundaram relinquished charge of the post of Geologist (Iunior) on 18-9-84 (AN) for joining the post of Section Officer in the Central Secretariat Serice in the Ministry of Tourism and Civil Aviation, Civil Aviation Department, New Delhi.

### The 18th November 1985

No 1040 B/A-19012 (5-SKP)/85-19B.—Shri S. K. Pal. Poreman (Senior) GSI has been appointed on promotion to the post of Asstt. Mech. Engineer in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to tules in the sente of pay of Rs 650-30 740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 4th October, 1985, until further orders.

#### The 20th November 1985

No. 10514B/A-19011(1-PKC)/71/19A.—On repatriation from Algeria after completion of his foreign deputation with the Government of Algeria Shii C. V. Nandikesava Rao, Geologist (Junior) has taken over charge of the post of Geologist (Ir.) in Gelogical Survey of India with effect from 20-8-1985 (FN).

No. 10502B/A-12018/79 ACAO/19A.—Shri Dilip Kumar Sen, Cost Accountent, Geological Survey of India, has been appointed as Assistant Cost Accounts Officer on promotion by the Director General, Geological Survey of India in the same Department on pay according to rules in the scale of nay of Rs. 700-40-900 EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22-10-85 until further orders.

### CORRIGENDUM

No. 10496B/A-19011(2-AC)/84/19B.—The date of release of Dr. Amares Chakraborti, Geophysicist (Jr.) GSI, may please be read as 1-3-84 (F/N) instead of 10-3-84 (F/N) as shown in this office notification No. 8131B/A-19011 (2-AC)/84/19B dated 6-8-1985.

No. 10523B/A-32013(2-SO)/84/19B.—The President is pleased to appoint the following Officer Surveyors, GSI on promotion to the post of Survey Officer in the same department on Pay according to rules in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in officiating capacity with effect from the dates mentioned against each, until further orders.

- 1. Shri Gopal Behari wef 30-7-85 (F/N).
- 2. Shri S. C. Mondal, wef 29-7-85 (F/N).

No.5530D/A-19012(5-SPM)/85-19B.—Shri S. P. Mukherjee, Foreman (Senior), GSI has been appointed on promotion to the post of Asstt. Mech. Engineer in the Geological Survey of India by the Director General GSI on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 4th October 1985, until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel)
Geological Survey of India

### Calcutta-100016, the 8 September 1985

No. 9592B—AM32013 1-DIR(GEOL) 84-19A—The President is pleased to appoint the following Geologists (Senior) Geological Survey of India, on promotion as Director (Geology) in the same Department according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-200°/- in an officiating temporary with effect from the date shown against each until further orders.

Sl. Name No.			Date of at	ppoint-
1. Shri N. Suba Rao		· · · ·	 31-7-85	(FN)
2. Shri B. Goval Rao			31-7-85	(FN)
<ol><li>Shri W. K. Natarajan</li></ol>			31-7-85	(FN)
4. Dr. S. Gangapadhyay			31 <b>-7-85</b>	(FN)
5. Shri N. Desikan .	,		5-8-85	(FN)
6, Dr. S. P. Sanyal .			31-7-85	(FN) '
7. Shri S. N. Bhattacharva			5-9-1995	(FN)
8. Shri C.R. Sen			31.7.85	(FN)
9. Shti P. R. San Gunta			77-7-1985	(FN)

### The 11th October 1985

No. 4952D/A-35018/4/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri P. D. Pathak, a Senior time-scale officer of the Indian Economic Service as Additional Secretary to the Board of Management, Geological Survey of India, New Delhi in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- for a period of two years with effect from 2-9-1985 (FN).

#### The 15th October 1985

No. 9706B A-32013/J-Dir (Geol)/8d-19A.—The President is pleased to appoint the following Geologists (Senior), Geological Survey of India, on promotion as Director (Geology) in the same Department according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- in an officiating temporary capacity with effect from the date shown against each, until further orders:

SI. Name No.				Date of appoint- ment		
1. Shri A. Choudhury		++		(+8-85	(FN)	
2. Shrì C. R. Voeraragha	ivan			31-7-85	(FN)	
3. Shri B. K. Seth				7-8-85	(FN)	
4 Shri S. S. Kanwar .				1-8-85	(FN)	
5. Shri M. D. Srinivasan				16-8-85	(FN)	
6. Shri V. Rama Rao .				1-8-85	(FN)	
7. Shri J. Nageswara Rac	) .			31-7-85	(FN)	
8. Shri S. P. Jalote				2-8-85	(FN)	
9. Shri P. L. Narula .				31-7-85	(FN)	
10, Shri S. N. Das				31-7-85	(FN)	

#### The 16th October 1985

No. 5052D/A-32013/1-Dir (Geol)/84-19A(2) — The President is pleased to appoint the following Geologists (Senior), Geological Survey of India, on promotion as Director (Geology) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- in an officiating temporary capacity, with effect from the date shown aganist each, until further orders:

Name			Date of appointment		
			1-8-85	(FN)	
			29-8-85	(FN)	
h			6-8-85	(FN)	
			31-7-85	(FN)	
			23-8-85	(FN)	
			23-8-85	(FN)	
		,	12-8-85	(FN)	
,		,	12-8-85	(FN)	
			28-8-85	(FN)	
			28-8-85	(FN)	
			30-7-8 <i>5</i>	(AN)	
			28-8-85	(FN)	
			31-7-85	(FN)	
				aprointn	

N. K. MUKHERJEE

Senior Deputy Director General (Operation)

### Calcutta-700016, the 17th September 1985

No. 9390B/A-32013(2-DG)82/19B.—The President is pleased to appoint the following Geophysicists (Sr.), GSI, on promotion to the post of Director (Geophysics) in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- in an officiating capacity w.c.f. the dates mentioned against each, until further orders:—

- 1. Shri A. P. Rao w.e.f. 29-5-1985 (FN).
- 2. B. G. K. Murty w.e.f 29-5-85 (FN).
- 3. Shri B. Subramaniyam w.e.f. 29-5-85 (AN).
- 4. Shri B. R. Dash w.e.f. 14-6-85 (FN).

### The 16th October 1985

No. 5039D/A-32013(2-DG)/82-19B.—The President is pleased to appoint Shri B. K. Sharma, Geophysicist. (Sr.), GSI, on promotion to the post of Director (Geophysics) in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- in an officiating capacity w.e.f. 17-6-85 (FN), until further orders.

#### The 22nd November 1985

No. 10561B/A-32013/1-Dir. (Gool)/84-19A—The President is pleased to appoint the following Goologists (Senior), Geological Survey of India, on promotion as Director (Geology) in the same Department according to rules in the scale of pay of R<sub>5</sub>. 1500-60-1800-100-2000/- in an officiating temporary capacity with effect from the date shown against each, until further order.

SI. No.		Date of appoint- ment			
• •	i S. Subramanian ri B. N. Jha			11-9-85 28-8-85	(FN) (ΓN

D. P. DHOUNDIAL

Sonior Dy. Director General (Operation)

### DIRECTORATE GENERAL DOORDARSHAN

New Delhi, the 18th November 1985

No. 6/83/85-S.II.—In pursuance of the Directorate General: All India Radio, Order No. 1/18/84-S.II(Vol.II), dated 18-6-85, the Directorate General: Doordarshan is pleased to appoint Shri Ram Kishan, Head Clerk as Administrative Officer on ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650—960 w.e f. 26-6-85 (FN) at Doordarshan Kendra, Jalandhar.

T. S. SUNDARESWARAN Dy. Director of Admn. for Director General

### MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 19th November 1985

No. A-32014/4/83-RC.—On the recommendations of the Department Promotion Committee, the Chief Producer, Films Division has appointed Shri A. G. Ranade, Permanent Assistant Cameraman, Films Division, Bombay to officiate as Cameraman in the same office on a pay of Rs. 650/- p.m. in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of 24-10-1985 until further orders.

N. N. SHARMA Administrative Officer for Chief Producer

### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 20th November 1985

No. A-38012/4/85-Admn-I.—On attaining the age of superannuation Shri Narain Singh, Deputy Director Administration retired from Government service on the afternoon of 31st October, 1985.

P. K. GHAI Dy. Director Admn. (C&B)

### MINISTRY OF AGRICULTURE

### (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 21st November 1985

Officer, of this Directorate at Nagpur expired on 30-8-1985 No. A.19023/14/79-A.IJI.—Shri A. N. Rao, Marketing

J. K. KRISHNA
Director of Administration
for Agril. Marketing Adviser

# DEPARTMENT OF ECONOMIC ENERGY MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603 102, the 16th November 1985

No. MAPP/18(154)/85-Rectt.—Project Director, Madras Atomic Power Project is pleased to appoint Shri R. Gunaso-karan, Tradesman 'C' of this Project as Scientific Officer/Engineer SB' in the same Project in a temporary capacity with effect from the folenoon of August 1, 1985 until further orders.

V. K. SANTHANAM Administrative Officer

### New Delhi, the 30th October, 1985

No. A. 32013/5/83-EC() -The President is pleased to appoint the following Assistant Communication Officers in the Civil Aviation Department to the post of Communication Officer on regular basis w.c.f. 16th July 1985 and until further orders:

SI. Name

### S/Shri

- 1. K. RajagoPalan
- 2. G. Muthulingam
- 3. M. C. Antani
- 4. Ram Chander
- 5. M.L. Chopra
- 6, K. L. Karmakar
- 7. S. B. Chakraborty
- 8. S. N. Bhagwat
- 9. V. V. Patankar

M. BHATTACHARJEE Deputy Director of Administration

### New Delhi, the 14th November 1985

No. A.32013/1/85-EW.—The President is pleased to appoint Shri Sandeep Kalra Assistant Project Officer, Civil Aviation Department on promotion to the grade of Electrical & Mechanical Officer, Civil Aviation Department with effect from 11th October 1985 on regular basis.

2. Shri Sandeep Kalra is posted in the Office of the Electrical & Mechanical Workshop, Safdarjung Airport, New Delhi.

### The 15th November 1985

No. A.12025/2/84-ES.—On the basis of Recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri P. P Kadambalithaya to officiate as Senior Airworthiness Officer in the scale of pay of Rs. 1100—1600 with effect from 10-10-85 (FN) until further orders.

2. Shri P. P. Kedambalithaya is posted in the office of Director of Airworthiness, Bombay Airport, Bombay.

VFD PPAKASH Dy. Director of Admn.

### Vadodara, the 11th November 1985

No. 11'85,—Shri V. B. Bhatt, Superintendent of Central Excise and Customs, (Group 'B') Division-III, Vadodara has Voluntarily retired from Government service with effect from 1-11-1985 I'N.

A. M. SINHA Collector Cen'ral Excise & Customs Vadodara

### MINISTRY OF ENERGY DEPARTMENT OF COAL

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad-826003, the 20th November 1985

No. Adm 12(5)85.—Shri S. P. Mukherjee, Stenographer (in the scale of pay of Rs. 550-25-750-EB-30-900/-) has been appointed to the post of Assistant Secretary to Coal Mines Welfare Commissioner (Group 'B' Gazetted) in the Coal Mines Labour Welfare Organisation in the scale of Rs. 550-25-750-EB-30-900/- w.e.f. 7-11-1985 (A/N).

SHANKAR PRASAD Commissioner

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 066, the 15th November 1985

No. A-19012/1105/78-Estt.V.—In supercession of this Commission Notification No. A-19012/1105/85-Estt.V. dt. 13th June, 1985. Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Ariun Singh, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenooh of 20-5-1985,

MEENAKSHI ARORA Under Secy (C) Central Water Commission

## CENTRAL WATER AND POWER RESEARCH STATION KHADAKWASLA RESEARCH STATION

Pune-24, the 20th November 1985

No. 608/69/85-Adm.—On attaining the age of superannuation Shri Ch. Bhujanga Rao, Assistant Research Officer (Engineering), Central Water and Power Research Station, Pune retired from Central Government service at CWPRS Pune with effect from 31-10-1985 (AN).

T. P. YEGNAN
Asstt. Research Officer
I/c Administration
for Director

### DIRECTORATE OF ESTATES

New Delhi, the 19th November 1985

No. A-19011/4/85-Adm.'B'.—Shri Chandra Kant Solanki, Assistant Legal Adviser of the Ministry of Law, Justice, and Company Affairs (Department of Legal Affairs) who was holding the post of Deputy Director of Fstates (Litigation) in the Directorate of Estates vacated the said post in the Directorate of Estates.

2. Shri Nem Chand Jain, Assistant Legal Adviser is appointed as Deputy Director of Estates in the Directorate of Estates, Ministry of Urban Development with eect from forenoon of the 14th November 1985 vice Shri C. K. Solanki.

LACHHMAN DASS Dy. Director of Estates (Est.)

# MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

"In the matter of Companies Act 1 of 1956

And in the matter of M/s. The Goa Textiles Limited."

Panaji, the 14th November 1985

No. 13/1 iqn/2840. Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1 of 1956 that an order for winding up of the above named company was made by the Hon'ble High Court of Judicature at Bombay, Panaji Bench on 31-8-1985 and Official Liquidator/Court Liquidator, High Court, Bombay has been appointed as the Official Liquidator.

B. N. HARISH
Registrar of Companies
Goa, Daman & Diu
Panaii

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Mayura Films Private Limited

Bangalore-9, the 20th November 1985

No. 2481/560/85—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mayura Films Private Ltd, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be d'ssolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Ibh Prakashana & Printers Private Limited

Bangalore-9, the 20th November 1985

No. 5496/560/85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Ibh Prakashana Printers Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of .The Devang Samaj

Bangalore-9, the 20th November 1985

No. 920/560/85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. The Devang Samai unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Prime Productions Private Limited

Bangalore-9, the 20th November 1985

No. 4410/560/85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Prime Productions Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "NARAYANI NILAYAM", WARRIAM ROAD, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 30th October 1985

Ref. No. REF. L. C. 775/85-86.—Whereas I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovble property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 16-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) 1. Shri C. K. Venkataram Naklu and 2. Shri C. K. Rajaram Naidu,

by power of attorney holder,

3. Shri C. K. Venkataram Naidu,
Cochin Tin Factory, Palluruthy,
Cochin-5.

(Transferor)

(2) Smt. Mary John W/o Sri C. C. John, C/o M/s. C. U. Chacko & Sons, Ravipuram, Cochin-16.

(Transferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

40.071 cents of land in Sy. Nos. 1200, 1096, 1075/1 and 1075/4 of Ernakulam Village, vide document No. 981/85 Dt. 16-3-1985 at SRO, Ernakulam.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 30-10-1985.

Scal :

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "NARAYANI NILAYAM", WARRIAM ROAD, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 30th October 1985

Ref. No. REF. L. C. 776/85-86.—Whereas I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sy. No. as per Schedule situated at E. nakulam (and more fully described in the Schedule sanexed hereto).

(and more tuily described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 16-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shri C. K. Venkataram Naidu and
 Shri C. K. Rajar im Naidu, by power of attorney holder.
 Shri C. K. Venkataram Naidu, Cochin Tin Factory, Palluruthy, Cochin-5.

(Transferor)

(2) Mrs. Mary Thampy W/o Dr. C. A. Thampi, R/o Chakkallakkal Road, Thevara—Ernakulam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any, of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the, respective passens, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

15.148 cents of land in Sy. No. 1075/1 of Ernakulam Village vide document No. 982/85 Dt. 16-3-1985 at SRO, Ernakulam.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Ernakulam

Date: 30-10-1985.

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT OFFICE OF THE INSPECTING COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, "NARAYANI NILAYAM". WARRIAM ROAD, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 30th October 1985

Ref. No. FER. L. C. 777/85-86.--Whereas I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam structed at Borban (and more fully described in the Schedule.)

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ernakulam on 16-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evation of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income erising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri C. K. Venkataram Naidu and
 Shri C. K. Rajaram Naidu,

by power of attorney holder,
3. Shri C. K. Venkataram Naidu,
Cochin Tin Factory, Palluruthy, Cochin-5.

(Transferor)

(2) Miss. Sulu John, R/o Chakkalakkal Road, Perumanoor, Thevara Road, Ernakulam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

15.150 cents of land in Sy. No. 1075/1 of Ernakulam Village vide document No. 983/85 Dt. 16-3-1985 at SRO, Ernakulam.

> R RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Acquirition Range, Ennakmann

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-10-1985.

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE DISPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "NARAYANI NILAYAM", WARRIAM ROAD, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 30th October 1985

Ref. No. REF. L. C. 778/85-86.—Whereas I, B. RAVIBALAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'tald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 16-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evation of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any issues arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concoalment of any income or any measys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-ths Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26%C of the said Ast. It bereby initiate proceedings for the acquisition of the afortistic property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manually 1....
79—366GI/85

(1) 1. Shri C. K. Venkataram Naidu and 2. Shri C. K. Rajaram Naidu,

by power of attorney holder,

Shri C. K. Venkataram Naidu,
Cochin Tin Factory, Palluruthy,
Cochin-5.

(Transferor)

(2) Miss. Ann John D/o Shri C. C. John, C/o M/s. C. U. Chacko & Sons, Ravipuram, Cochin-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- i(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

### THE SCHEDULE

15.150 cents of land in Sy. No. 1075/1 of Ernakulam Village, registered at SRO, Ernakulam, vide document No. 984/85 Dt. 16-3-1985.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 30-10-1985.

Scal :

### FORM I.T.N.S.-

NOME: UNDER SECTION 269D (1) OF THE PROMITIAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, "NARAYANI NILAYAM", WARRIAM ROAD, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 30th October 1985

REF. L. C. 779/85-86.—Whereas, I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 83 the 33id Act), have casen to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ernakulam on 16-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of 'r ' of a ' of a lade the used rust, a
  magnetic of the moother arrange from the transfer
  andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri C. K. Venkataram Naidu and
 Shri C. K. Rajaram Naidu, by power of attorney holder,
 Shri C. K. Venkataram Naidu, Cochin Tin Factory, Palluruthy, Cochin-5.

(Transferor)

(2) Miss. Manju John Minor Rep. by Gurdian Sari C. C. John, R/o Chakkalakkal, Road, Thevara—Cochin-13.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

15.150 cents of land in Sy. No. 1075/1 of Ernakulam Village, registered at SRO, Ernakulam, vide document No. 985/85 dt. 16-3-1985.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income hax
Acquisition Range, Ernakulan

frow therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initial e proceedings for the acquisition of the alone of plopsity by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 30-10-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, "NARAYANI NILAYAM", WARRIAM ROAD, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 30th October 1985

Ref. No. REF. L. C. 774/85-86.—Whereas I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of 'he Registering Officer at Ernakulam on 16-3-1985

for an apparent consideration which is less thant the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

 Shri C. K. Venkataram Naidu and
 Shri C. K. Rajaram Naidu, by power of attorney holder,

Shri C. K. Venkataram Naidu,
Cochin Tin Factory, Palluruthy,

Cochin-5.

(Transferor)

(2) Shri C. C. John, for Coastal Foundations P. Ltd., M. G. Road, Ravipuram, Cochin-682 016. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesar' perso, within a period of 45 days from the date of publication of this nouce i. the Official Gazette or a neriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, a Sachever period expires later;
- (b) by any other persen interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

Expranation:—The terms and expression ded herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

42.638 cents of land in Sy. No. 1075/1 of Einakulam Village registered at SRO, Ernakulam vide document No. 980/85 Dt. 16-3-1985.

> B. RAVIBALAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to he following persons, namely :-

Date: 30-10-1985.

#### FORM ITNS .---

(1) J. R. Construction of 38, Block-B, New Alipore, Calcutta.

(Transferor)

 Shri Mahabir Prasad Agarwal,
 Smt. Bimala Devi Agarwal, Both R/o 12/N/1, Block-A, New Alipore, Calcutta.

(Transferos)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcuttta, the 6th November 1985

Ref. No. AC-74/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269h of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Plot No. 38 situated at Block-B, New Alipore, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexes hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 30-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as afterwarded exceeds the apparent consideration therefor by move than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stand in the said instrument of transfer with the object of t---

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
  - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Otheral Cazelle.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AAA or the same Act, shall have the same in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limiting of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

1130 Sft. on the 3rd floor at Plot No. 38, Block-B, New Alipore, Calcutta. More particularly described in Doed No. 1/4929 of R.A. Calcutta of 1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Impecting Assistant Commissioner of Incomotant
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Caucutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing pursons, namely:—

Date : 6-11-1985

د اعما

### FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Biswajit Roy S/o Shri Durgapada Roy, R/o Abdul Lalit Lane, Asansol, Burdwan.

(Transferor)

 Smt. Gomati Devi W/o Shri Prablad Rai Luharaka, R/o N. S. Road, Asansole, Burdwan.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-IV, CALCUITA

Calcutta, the 6th November 1985

Ref. No. AC-21/Acqn.R-IV/Cal/85-86.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section, 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to se the 'enid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 78 situated at Nuruddin Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Assessed on 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of reaster with the object of ten

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the finbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and the
- (b) facilitating the concealment of any income or any monays or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

### THE SCHEDULE

Land: 0.029 acres of land with building.

Address: 78, Nuruddin Road, P. S. Assasole, Burdwen. Deed No.: 1911 of 1985.

S. K. BANERIER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range-IV.
54, Raft Ahana Kidusi-Road,
Caucutta-16

Now, therefort, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, messely:—

Date : 6-11-1985

Ceal :

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Şri Biswajit Roy S/o
Abdul Lalit Lane, Asansolo.

(Transferor)

(2) Sri Prahlad Rai Luharuka, R/o N. S. Road, Asansole,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-IAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcuttta, the 6th November 1985

Ref. No. AC-20/Acqn.R-IV/Cal/85-86.—
Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 78 situated at Nuruddin Road
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
hus been transferred under the Registrat on Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Regis.ering Officer at
Acansole on 20-31985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afcresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are lefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in cospect of any measure evision from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Land: 0.029 acres of land with building. Addre's: 78, Nuruddin Road, P. S. Asansole, Burdwan. Deed No.: 1910 of 1985.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-198.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 6-11-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Hangalore-560 001, the 13th November 1985

Ref. No. C. R. No. 62/46720/84-85/ACQ/B.-

Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. RS. 518/1, TS No. 137/1 situated Kasba Bazar, Village, M'lore Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at M'lore in March, 1985

to: an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Mira Bha kar Nirody, D-6, Deepalaxmi Co-op. Housing Society Ltd., Prabhadevi Sea Beach, Prabhadevi, Bombay-25.

(Transferor)

(2) M/s. Hotel Om Mahal P. Ltd., Bhavanthi Street, M'lore-1.

(Transferce)

(3) Shri K. Viswanath Shenoy Prop: Hotel New Om Mahal, M'lore.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1977/84-85 Dated March, 1985] Property No. RS. 518/1, TS. 137/1, at Knsba Bazar, Village, Mangalore, Taluk.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-11-1985

(1) The Parijuans Co-op. Housing Society. Moodbidri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri B. Remananda Pat. The Parijnana Co-op. Housing Society Ltd., M'lore.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACOUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th November 1985

Ref. No. C. R. No. 62/46721/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Apartment No. B-4 (RS. 518/1BI), situated at Kasba Bazar Village, M'lore as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registrat on Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M'lore on 16-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen ner cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the data of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said lame able property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Ganction

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

(u) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax ·Act, 1957 (27 of 1957))

[Registered Document- No. 1978/84-85 Dunie 163-4925 Apartment No. Bt, at Katha: Barar Villagh: Miles.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely s-

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range; Minageline

Date : 13-11-1925

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri V. C. Badami & 3 others 60/9, 7th Cross, Wibon gardens Bangalore.

(Transferor)

(2) Shantilal Shand 1st, 12th Cross, wilson gardens Bangalore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangaloic, the 4th November 1985

C.R. No. 62/47033/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 60/9 situated at 7th Cross, wilson gardens B.lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Jayanagar under document No. 15/85-86 on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the storesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeasid exceeds the upparent consideration therefor by more than fifteen per tent of such apparent consideration and that the consist ration for such transfer as agreed to between the parties ha not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of my income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disch ed by the transferee for the purposes of the Im. an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the say Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesale property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
80—366G1/85

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 15/85-86 dated 1-4-85)
All that property bearing No. 60/9 situated at 7th Cross,
Wilson gardens Bangalore,

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Edward Fenton Moir C/o M/s. King & Partridge, 26/1, Lavelle Road, Banglore.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. H. R. Hedge, No. 5, Residency Road, Banglore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 7th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

C.R. No. 62/46967/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, - and bearing No. 11(3A) situated at Cunningham Crescent, Bl'ore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 ot

1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exec ds the apparent consideration therefor by more than fifteen t reent of such apparent consideration and that the consider, ion for such transfer as agreed to between the varties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957

(27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Regisered Document No. 35/85-86 dated April 1985) Property No. 11(3A), at Cunningham Crescent, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 7-11-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) T. Gangadariah, No. 145/40, VI Cross, Wilson Garden, Banglore,

(Transferor)

(2) K. S. Vijaya Sımıvas, 4331/1, 14th Cross, Audugodi Road, Banglore.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 4th November 1985

C.R. No. 62/47046/84-85/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. 143/38

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. 143/38 situated at VI Cross, Wilson Garden, B'lore, (and more fully described in the Schedule annual hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

Jayanagar April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given to that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/er

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 123/85-86 dated April 1985) Property No. 143/38, VI Cross, Wilson Garden, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, remely:—

Date: 4-11-1985

#### FURM ITNS-

### NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 1st November 1985

C.R. No. 62/46758/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 139/4 situated at Domlur Layout, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 3783/84-85 on 15-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

 Sampangiramareddy No. 132, Brigade Road, Bangalore-560025.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Geetha Rathnakar Shetty respresented by Smt. Vatsala Bhojaraja Shetty C/o Mr. S. B. Shetty P/51, Railway Qrs. Badhwar Park, 'Colaba' Bombay-400005. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3783/84-85 dated 15-3-1985)

Portion of property bearing No. 139/4 situated at Domlur Layout, B'lore.

R. BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance 1. Section 269°C of the said Act, 1 bereby initiate proceeding 1 for the acquisition of the aforesaid property by the have of this natic under sub-section (1) of Section 269°D 6 the said Act to the following persons namely:—

Dated: 1-11-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangaloic, the 28th October 1985

C.R. No. 62/47203/84-85/ACQ/B—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 244 situated at Borewell 100d White field K. R. Puram Hobli, Bangalore South Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk under document No. 1115/85-86 on 25-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

 Shri J. E. Giddens New No. 242, Borewell Road, Whitefield Bangalore-560066.

(Transferoi)

(2) Shri K. P. Sridharan, Camping at East West Hotel Residency Road, Bangalore-25.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

explanation:—The terms and expressional used herein as eare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the India: Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 19 7);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1115/85-86 dated 25-3-1985)

All that portion of the property bearing No. 244 situated at Borewell road whitefield K. R. Puram Hobli, Bangalore South Taluk.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Sectin 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 1-11-1985

(1) Md Khabel Shirazu No. 16, Ali Asker Road, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE CNOOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Maheem Khalel W/o Noor Ahmed Sai Manzil, Allainmal Road Cambala Hills, Bombay.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 1st November 1985

C.R. No. 62/4675/84-85/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 16 (portion) situated at Ali Asker Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registring Officer at Shivajinagar under document No. 3674/84-85 on 7-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concentment of any income or any measive or other ansets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the and Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3674/84-85 dated 7-3-1985)
Portion of property bearing No. 16 situated at Ali Asker Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

New therefore, in purmance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 1-11-1985

Scal:

(1) M/s. Chebrole Hanumaiah & Bros. (P.) Ltd., Rep: by its Managing Director Sri Ch. Ramaian, Stambala Garuvu, Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Sri Fmparala Venkateswara Rao, S/o Butchaiah, Chandra Mouli Nagar, Guntur.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th November 1985

Ref. No. RAC No. 447/85-86.--Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

Land situated at Machavaram Village Jamee of Kethana Konda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the ceRgistering Officer at Vijayawada on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Dry land of Acres 2-76 cents at Machavaram village, Jamee of Kethana Konda of Krishna Dist., regisered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1301/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-11-1985

Scal:

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th November 1985

Ref. No. RAC No. 448/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing

Land situated at Tadepalli Village, Guntur Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Guntur on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cransfer with the object of :--

(a) racilitating the reduction or evasion of the kability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

 M/s. The East Coast Food Products Ltd., Rep.: by its Director Sri Maddi Ranganath Sai, Kothapet, Guntur.

(Transferor)

(2) M.s. Vinod Solvextracts (P.) Ltd., Rep.: by the Managing Director Sri L. R. Manohar, Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Charter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land Ac. 3-73 cents in Sy. No. 347, Patta No. 157 at Tadepalli village, Guntur Dist., regis ered by the SRO, Guntur vide Document No. 3754/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-11-1985

(1) 1. Gri Komarredy Durgaprasad S/o Pattabhi Ramaiah,

2. Sri Kakarla Ramesh Kumar S/o Dharma Rao Mogalrajpuram Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Alidapally Muralidhar S/o Gopal Rao, Flat No. B-23 in Banu Builders, Mogalrajpuram, Vijayawada.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 449/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the neome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovably property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat situated at Banu Builders, Mogalrajpuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Ollice of the Registering Officer at Vijayawada in 3/1985

ringiawana in 5/1855 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which outht to be disclosed by the transferer for the poloose of the Indian Income-tax Act, 1922

  1) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B-23 in Banu builders, Mogalrajpuram, Vijayawada, area 1170 s. ft. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1540/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in surrenance of section 2690, of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 7-11-1985

Seal:

81--366GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC. No. 450/85-86.—Whereas, I M. IEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

Land situated at Patamata, Old Postal Colony, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:—

(1) 1. Sri Manepalli Venkata Srirama Murthy S/o Pullaiah.

Sri M. Kanaka Srinivas Governorpet, Vijayawada-2.

(Transferor)

(2) Dr. Edlapalli Vishnu Vardhana Rao S/o Ramaiah, Manikonda, Krishna Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the name Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land & building No. 18-268, Patamata, Old Postal Colony, Vijayawada, area 593 s. yards registered by the SRO, Vijayawada, vide Document No. 1665/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authoric
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Manepalle Venkata Radhakrishna Murthy, S/o Pullaiah, Governor pet, Vijayawada.

(Transferor)

Smt. Yadlapalli Satyavathi, W/o Vishnu Vardhana Rao, Governorpet, Vijayawada.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 480/85-86.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,009/and bearing No.

House situated at Patamata, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada in 4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; عوللجد

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

### THE SCHEDULE

Land and building No. 18-269, Patamata, Old Postal Colony, Vijayawada, area 296.1/2 cents, registered by the SRO, Vijayawada vide Documen No. 2667/4/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date ; 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC. No. 451/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. RAC. No. 451/85-86.—Whereas, 1,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat situated at Bhanu Builders, Mogalrajpuram,
ford more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada in 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the suid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initinte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Bhanu Builders, Rep: by 1. Sri Komareddy Durga Prasad & Other, Mogalrajpuram, Vijayawada. (Transferor)

(2) Sri Inguva Srikrishna Devarayulu S/o Venkata Krishna Murthy, Flat No. A-3 in M/s. Bhanu Builders, Mogalrajpuram Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—ine terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-3 in M/s. Banu builders, Mogalrajpuram, Vijayawada, area 920 s. ft. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1257/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date . 7-11-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 452/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

and bearing No.

Flat situated at Mogalrajpuram, Vijayawada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Vijayawada on 3/1985

Vijayawada on 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Aruna Builders, Rep: by Mg: Partner Sti V. S. Panduranga Raju, Room No. 4, & 5, Unity House, Abids, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Avasarala Laxmana Rao S/o Seshagiri Rao, Kanchana Complex, near: Current Bhavi, Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned  $: \cdots$ 

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A flat admeasuring 900 s ft. in Kanchana Complex, Mogalrajapurani, Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada, vide Document No. 1441/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Date: 7-11-1985

### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDEREBED (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 453|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Santhi apartments, Patamata

No. Flat situated at Santhi apartments, Patamata (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 3 1985

at vigayawad on \$1700.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay the under the said Ast, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

riow, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri Vallurupalli Prabhukishore Slo. Kesavarao Choudary, Santhi apartments, Patamata, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Ravanam Navcen, S|o, Ramachandra Rao, Santhi apartments, a flat on III-Floor, Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A flat in Shanti apartments, near: Saibaba Temple, Patama, Vijayawada, area 1050 s. ft. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1355|85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 7-11-85.

FORM ITNS----

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC 454/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat situated at Banu builders, Mogalraj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 3|1985

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that take fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any nioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-12x Act, 1957 (27 of 1957); (1) M|s. Banu Biulders, rep.: by 1. Sri Komareddy Durgaprasad & other, Mogalrajapuram, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri N. G. Kudvai Slo. Uaikanth Kudvai, Divisional Manager, Syndicate Bank, Suryaraopet, Vijayawada-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A flat No. B-1, area 1170 s. ft. in Banu builders, Mogalrajpuram. Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1268 85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-11-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1361 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, IIYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 455|85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN

M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. I lat situated at Prakash apartments, Nallakunta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act. 1908 (16

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Chikkadpally on 3 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have season to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any racome arising from the transfer; and/o.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to be following persons, namely:-

(1) Sii Piakash Sadre, So. Somnathrao, 2-1-494, Nallakunta, Hyderabad.

(Transferors)

(2) Smt. A. Chellayamma, Wo. Hanumantha Rao, 2-1-513|5, Nallakunta, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 7 nd a part of flat 6 on I Floor in Prakash apartments, Nallakunta, Hyderabad, area 700 s. ft. registered by the SRO, Chikkadpally vide Document No. 339|85,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A P

Date: 7-11-85.

#### PORM TINS-

 M/s. Fashion Builders, 10-2-267/1 & 2, West Marredpalle, Secunderabad.

(Transfero

AUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1)61)

(2) Mrs. Ichan Byramji, Flat No. 1 in H. No. 10-2-267/1 & 2, West Manadp illy, Secunderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1985

Ref. No. RAC. No. 456/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 100,000/- and beating No.

Rs. 100,000/- and beging No.
Flat situated at West Made really, Secundenabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Marredpally in 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the vaid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

\*Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

82-366GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property vithin 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explantion:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1 in H. No 10-2-260/1 & 2, West Marredpally. Secunderabad, area 938 s. ft. registered by the SRO, Marredpally vide Document No. 762/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-11-1985

Seal .

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P), the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 457/85-86.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land situated at Gollapudi vil., Vijayawada and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property an aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 260D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subgersons, namely :-

(1) Sri Ch. Madhusudhan Rao S/o. Shri Rama Kotiah, R/o Gollapudi, Vijayawada.

(Transferor) (2) Vijayawada Wholesale Commercial Complex Members Welfare Society, rep. . by its President Sri J. Ramaswamy Gupta, rep: by its Gen. Secretary, Sri A. R. Gopal Rao, R/o 11-50-37, Sivalayam Lane, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Acre of land 0.88 cents at Gollapudi, Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1712/85.

> M. JEGAN MOHAN -Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tal Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1985

Seal :

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 458/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing 130.

Land situated at Gollapudi vil., Vijayawada

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of has been transferred and the agreement is registered under tremsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri Ch. Ravindra Babu S/o Sri Gopal Rao & others, R/o Gollapudi, Vijayawada.

(Transferoi) (2) Vijayawada Wholesale Commercial Complex Members Weltare Society, rep. by its President Sri J. Ramaswamy Gupta, rcp: by its Gen Secretary, Sri A. R. Gopal Rao, R/o 11-50-37, Sivalayam Lane, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given is that Chapter.

# THE SCHEDULE

Acres of land 1.47-3/4 cents in RS No. 518/1B at Gollapudi, Vijayawada, Registered by the SRO, Vijayawada, vide Document No. 1741/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-11-1985. Sonl :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

UPFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A P.)

Hyderabad (A P.), the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 459/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOIIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 361 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Land situated at Cohapudi via, Vijayawada

Land situated at Golapudi vic, Vijaynwada (and more fully described in the Schedule nunexed hereto), has been transferred in Jer the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Vijayawada in 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereon by more than fifteen per cent such apparent on ideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or .

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Ch. Uma Maheswara Rao S/o Sri Ramkotiah & 2 others, R/o Gollapudi, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Vijayawada Wholesale Commercial Complex Members Welfaro Society, rep. by its President, Sri J Ramaswamy Gupta, rep.: by its Gen Secretary, Sri A. R. Gopal Rao, R/o 11-50-37, Sivalayam Lane, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Tapter.

# THE SCHEDULE

Acre of land 0-88.3/4 cents in RS No. 518/1B at Gollapudi village, Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1713/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-11-1985

Sesi :

(1) Sri Ch. Subba Rao S/o Sri Veerajah & 5 others, R/o Gollapudi, Vijayawada.

> rep. by its President Sri J. Ramaswamy Gupta, rep.: by its Gen Secretary, Sri A. R. Gopal Rao, R/o 11-50-37, Sivalayam Lane,

Vijayawada.

(2) Vijayawada Wholesale Commercial Complex Members Welfare Society,

(Transferes)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

Ref. No. RAC. No. 460/85-86.—Whereas, 1.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing Land siturted at Gollapudi vil., Vijayawada

Land situated at Gollapud, vil., Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada in 3/1985

for an apparant consideration which is less than the faor market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ar ling from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the hidian Ir monetax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1917 (37 of 1957);

THE SCHEDULE

Acres of Land 1.67-3/4 cents in RS No. 518/1B at Gollapudi, Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1739/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issu of this notice under subsection (1) of Section 269D o the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 8-11-1985.

Scal

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) M/s. C. S. Wires (P) Ltd., 10-2-276/8, Nehru Nagar, Secunderabad.

(Transferor

(2) Mr. A. Sharath Reddy, R/o 4-3-471, Bank Street, Hyderabad.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1985

Ref. No. RAC. No. 461/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Plot situated at Mahendra Hills East, Marredpally (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 or 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally in 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this puties. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chaotet

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay our under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957).

# THE SCHEDULE

Plot No. 192 at Mahendra Hills, East Marredpally, Secunderabad, area 450 s. yds., registered by the SRO, Marredpally vide Document No. 793/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-11-1985.

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No.RAC No. 462|85-86.-Wheeas, I, M. JEGAN MOHAN

eing the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to s the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Flat situated at Ashok nagar, Hyderabad

as been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on 3|1985

tand more fully described in the schedule annexed hereto),

as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of said apparent consideration and that the consideration for six transfer as a zire id to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceatment of any income or any moneys of other asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in passuance of Sext on 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-aid property by the issue of this outer under sub-section (1) of Section 269D of the Said As to he following persons namely :--

(1) Ma. Mehta Towers. rep.: by Mr. Mahendra Mehta, 49, M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor) (2) Mr. B. Ravl Kiran So. late Sri Ganga Ram, 363, SRT Quarters, Ashok nagar, Hyderabad.

(Transferes)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 203 in H. No. 1-1-293|4, Ashok Nagar, Hyderabad, area 1385 s. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1929|85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-11-85.

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC No. 463|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land stituated at Go'lapudi vill., Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 3 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of sight apparent consideration and that the consideration for such transfer as acceed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other issets which have not been or which ought to be discrised by the transferee for the purposes of the Indan Incorrectax Act, 1922 (11 of 1, 22) of the said Act, is the Wealth-tax Act, 1951 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Ch. Rajamohan Rao Slo. Venkateswara Rao and 2 others, Gollapudi, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Vijayawada Wholesale Commercial Complex
Members Welfare Society,
rep.: by its President Sri J. Ramaswamy Gupta
Gen. Secretary Sri A R Gopal Rao,
11-50-37, Sivalayam Lane,
Vijawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Acre of land 0.90 cents in RS No. 51811B at Gollapudi Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada vide document No. 1738|85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-85. Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC No. 464|85-86,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100.000% and bearing No. Land situated at Gollapudi vil., Viyayawada (and more fully discribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Vijayawada on 3[1985

- (a) facilitating the reduction or evasion or the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
23—366GI/85

(1) Sri Ch. Venkateswara Rao, Sjo. Nagalah & 2 others, Gollapudi, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Vijayawada Wholesale Commercial Complex
Members Welfare Society,
rep.: by its President Sri J. Ramaswamy Gupta
Gen. S cretary Sri A R Gopal Rao,
11-50-37, Sivalayam Lane,
Vijawada-1.

insferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Acres of land 1-26 cents in RS No. 518[1B at Gollarudi, Vijayawada, Registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1742[85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-85,

#### FORM ITNS-------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC No. 465|85-86.—Whereas, I, M JFGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov able property, having a fair market value exceeding Rs 100 0001- and bearing No. Land situated at Gollarudi vil., Viyayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in 3/1985 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesail property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than offen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets Unich have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2° of 1557);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I beingty in tiate proceedings for the acquisition of the aforeraid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri Ch.: Gopal Rao, Slo. Veeraiah, Gollapudi, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Vijayawada Wholesale Commercial Complex Members Welfare Society, rep.: by its President Sri J. Ramaswamy Gupta Gen S cretary Sri A R Gopal Rao, 11-50-37, Sivalayam Lane, Vijawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intermed in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Acre of land 0-80 cents in R\$ No. 518/1B, at Gollapudi, Vijat awada, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1743/85.

M. IEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tilk Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-85, Seal: FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) M/s Meridian Construction Co., 5-8-612, Abids, Hyd ciabad.

(Transferor)

(2) Sri Abdul Khader Zirapuri, Flat No. 502, Meridian appartments, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDEKABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 466/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Component Authority under Section 269AB of the Incume (in Act. 1.91 (45 of 1961) theremaker referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Fint situated at Meridian appartments, Abid Road, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 3/1985

for an applient con ideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A flat No. 502, in Meridian apartments, Abids, Hyderabad, area 384 s.ft. registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 1620/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Thow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

> ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 467/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office premises satuated at Chandralok Complex, S. D. Rd., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at RR Dist. in 3/1985

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as 10 esa d exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

(1) M/s Swastik Construction Co., 111, Sarojin, Devi Road, Secunderabad-3.

(Transferor)

(2) M/s Uggersain Ramchand Estates & Engineering Industries (P) Ltd., rep: by its Director Pushpa Jain, 17F, Kanti Shikara apartments, Punjagutta, Hyderabad-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Office premises No. 510 to 513 & 254 on V Floor of 'Chandra'ok complex' in H. No 1-7-234/241, S. D. Road, Secunderabad, registered by the SRO, RR Dist vide Document No. 20006/85.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner or Income-Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 468/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 0007- and braving No.
Office premises Chandralok complex, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at RR Di 1. on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the rurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 M/s Swastik Construction Co., 111, Satojint Devi Road, Secunderabad-3.

(Transferor)

(2) Sri Atul Khanna S/o Harish Chand Khanna, 5-9-22, 1/7, Adarsh Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 534 of Chandralok complex in H. N. 17-234/241, S.D. Road, Secunderabad, area 782 s.ft. registered by the SRO, RR Dist vide Document No. 2005/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 469/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

peing the Competent Authority under Section 769B of the Incompeter Vet, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to es the Sud Act'), have reason to believe that the im-Re, 1 00 000 '- and bearing No.

Office premises situated at Chandralok complex, S.D. Read,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registra on Act, 1903 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

RR Dist. on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any Income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Swastik Construction Co., 111, Sarojini Devi Road, Secunderabad-3.

(2) M/s Narendra Associates per Partner Mr. R. Narender, 6-1-279/4, Padmarao nagar, Secunderabad.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

Office premises No. 610 to 613 on VI Floor in Chandralok complex, S.D. Road, Secunderabad, area 1470 s.ft. registered by the SRO, RR Dist,, vide Document No. 2007/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby in trate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-11-1985

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 470/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00 000/- and bearing No.

Office premises situated at Chandralok complex, S.D. Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed regsitered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at RR Dist. on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the marties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

 M/s Swastik Construction Co., 111, Sarojini Devi Road, Secunderabad-3.

(Transferor)

(2) Miss K. Madhu D/o Sri K. Si'arama Raju, 1-10-225, Ashok Nagar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office premises No. 431 & 432 (50%) on IV Floor in Chandralok complex in II.No. 1-7-234/241, S.D. Road, Sceunderabad, registered by the SRO, RR Dist., vide Dolumint No. 2008/85.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN
Computent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-11-1985

FORM LT.N.S.-

(1) M/s. Swastik Construction Co., 111, Sarojini Devi Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Sitarama Raju S/o K. Suryanarayana Raju, 1-10-225, Ashok Nagar, Hyderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE 'NSPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 471/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100 Ge0/- and bearing No.

Office p emises situated a Chandralok complex, S D Road, (and more fully described in the Schedule annixed her to), has be n transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at RR Dist. on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid executes the apparent consideration therefor by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (13 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) or the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable proper y, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic al Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office premises No. 431 & 432 (50%) on IV Floor in Chandralok complex, H. No 234/241, S. D. Road, Secunderabad, registered by the SRO, RR Dist., vide Document No. 2011/85.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.A.

Date: 7-11-1985

# NUTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 472/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Meridian approprise Abiles

Flat situated at Meridian aparaments, Ab'ds (and more fully described in the 5ch lule annexed hereto), has been transferred under the Regi trat on Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regulating Officer at Hyderabad in 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeman'd exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such applient con ideration and that the consideration for such transfer a agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any preome or any moneys or other asset which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the label and Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this rotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-84--366GI/85

(1) M/s Meridian Construction Co., 5-8-612, Abids, Hyd crabad.

(Transferor)

(2) Srì Abdul Khader Zilrapuri, Flat No 502, Meridian apartments, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoratle property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A flat No. 502, in Meridian apartments, Abids, Hyderabad, area 384 s.ft. registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 1602/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-11-1985

Seal:

### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Unity Construction Co., rep: by Partner Sri Mahabeer Pershad, 21-2?722, Charminar, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as

publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said Act,

45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days tross

the service of notice on the respective persons,

(Transferor)

 (2) 1. Smt. Vimala Devi W/o Madan Mohan Gupta.
 2. Mr. Surehh Gupta, S/o G. Gupta. H. No. 3-6-313, Hyderguda, Hyderabad.

may be made in writing to the undersigned >--

whichever period expires later:

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 473/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No

Flat situated at Chrag-Ali-Lane, Nampally, H'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in 3/1985

for an apparent consideration which is ess than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the officet of:—

shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely and the said Act, to the following persons namely and the said Act, to the following persons namely and the said Act, to the following persons namely and the said Act, to the following persons namely and the said Act, to the following persons namely and the said Act, to the following persons namely are said act to the following persons and the said Act, to the following persons are said act to the said Act, to the following persons are said act to the said Act, to the following persons are said act to the said Act, to the following persons are said act to the said Act, to the following persons are said act to the said Act, to the following persons are said act to the said Act, to the following persons are said act to the said Act, to the following persons are said act to the said Act, to the following persons are said act to the said Act, to the following persons are said act to the said Act, to the following persons are said act to the said Act, to the said Act,

#### THE SCHEDULE

A Flat In the premises of H. No. 5-8-49/6, Nampally, Chirag Ali Lane Hyderabad, area 1200 sq. ft. registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 1846/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-11-1985

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 474/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat Situated at Mahaveer appartments, Kingkoti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for so a transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Radhakrishin Gulabani, 311 Mahaveer apartments, King Koti Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri Chaganlal Kanodia & 2 Kamalesh Gupta, H. No. 22-5-253/A, Kalikaman, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (%) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transforor to pay tax under the said Act, in respect of any tecome arising from the transfer: **ead**lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomptax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 203 in Mahaveer apartments, King Koti, Hyderabad area 947 s.ft. registered by the S R.O., Hyderabad, vide Document No. 1902/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely:-

Date: 7-11-1985

#### FORM HNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OI INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

RAC No. 475/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Ganganmahal Road, Doma'guda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Ctikkadpally in 3/1985 for an apparent consideration when it less than the fair.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other agests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26%; of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the rollowing persons, namely:—

(1) M/s Eskay A cortates, rep; by Sti V. V. Kamath, Partner, 1-2-24, Gaganmahal Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Jayaraman Hyderabad. S/o R. Krishna murthy, Hype IV-47, Lab quarters, Kanc an bagh, Hyderabad.

(Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesoid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Flat No. 506 at H. No. 1-2-24, Domalguda, Hyderabad, area 600 s.ft. registered by the SRO, Chikkadpally vide Document No. 280/85

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-11-1985

Seal:

#### FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Meridian Construction Co., 5-8-612, Abids, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Abdul Khader Zirapuri, Flat No. 502, in Meridian spartments, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMEN SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property by made in writing to the undersigned:—

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 476/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Meridian apartments, Abids (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the flair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrum of transfer with the object of s-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immev-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evenion of the Hubbles of the transferor to pay tax under the said Ast, is so arising from respect of any inscr-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHOOLS

A flat No. 502, in Meridian apartments, Abids, Hyderabad, area 384 a.ft. registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 1554/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Impecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 7-11-1985

Gast :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) rep: by Sri Aziz Ahmed, partner, 5-9-31 Bashir Bagh,

(11) M/s A. J. Build:

(Transferor)

(2) Mr. Ahmed Abdullah Salim Soban, 5-9-31 Bashir Bagh, Hyderabad. Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 477/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat si uated at King Koti, Hyderabad

fund more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Hyderabad on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immersible property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Oscieta.

Explanation:—The terms and expressions used acrein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE RESIDENCE

Flat No. 132 in the premises of H. No. 3-5-121/E/G, King Koti, Hyderabad, area 1100 s. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 1671/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1985 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Progressive Builders, 3-6-309, Bashir bagh, Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri K. S. Srinivasa Murthy & 2 others, 131, Sunflower apartments, Bombay.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1985

Ref. No. RAC. No. 478/85-86.-Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Bashirbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally in 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, пажоју :---

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date, of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 54 in Block-B in H. No. 3-6-309, Bashir bagh, Hyderabad, registered by the SRO, Chikkadpally, vide Document No. 384/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-11-1985. Seal:

### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1985

Ref. No. RAC. No. 479/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat situated at JB Air cooled apartments, Domalguda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on 3/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
as believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by
asore than fifteen per cent of such apparent
consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been ruly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Rability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any locome arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Ch. J. Prabhakar Rao &
 Ch. Satyanara Rao S/o Shri Narsing Rao, R/o H. No. 10-3-317/28, Vijaynagar Colony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. O. Aruna W/o Sri Ashok Raj, R/o 1-1-774, New Bakaram, Hyderabad.

(Transferes)

Objections, if any, so the acquisition of the sald property many be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the nervice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2 in H. No. 1-2-282 at Domalguda, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 1545/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tal
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1985.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt E. Sulochana Devi W/o Shri Ranga Reddy, R/o 11. No. 145/5, Himayat nagar, iyd.abal

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITIO NRANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 481/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the sind Act), have reas in to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding has 1 00 000/- and brown. Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

that been transferred und r the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office Chikkapally in 3/1085 in a patient consideration which is less than the fair

emakagany in 5/1705 and the fair market value of the above reason to believe that the fair are strongle end to have reason to believe that the fair are strongle end is property is no esaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liften per cent of such apparent consideration and that the consideration are the consideration and that the consideration has not been truly stated in the said instrument of the with the object of

(a facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the true of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said act to the following errors many the

(2) 1. Mr S Murali Krishna, 2 Mr. J Muddu Krishna, H Jo 4-4-36 sultan Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garatte or a period of 30 days from the service of ranke in the respective persons, whichever period expires leter.
- (b) by any other person interested in the said immovable p op ty, (13, p to tays from the date of the publication of this period in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, small have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 3-6-145/5 at Himayat nagar, Hyderabad, area of land 244 84 sq. ye is registered by the SRO, Chikkadpally, vide Document No. 360/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 8-11-1985.

Seal:

85-366GI/85

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITIO NRANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 482/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Bereina ter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
House situated at West Marredpally, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally in 4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

(1) 1. Sri S. A. Gaffar S/o late Syed Ibrahim, 2. Sri S. A. Sattar S/o late Syed I'orahim, H. No. 10-2-415/416, West Marredpally, Secunderabad. (Transferor)

(2) 1. Sri Mohd. Moizuddin S/o Mohd. Hamseduddin,
2. Mrs. Fatimunnisa Ibrahim W/o Mohd. Moizuddin, R/o H. No. 10-2-415/416, West Marredpally, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 10-2-415/416, West Marredpally, Secunderabad, area of land 745.28 s. yds. registered by the SRO, Marredpally, vide Document No. 1228/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1985,

Seal:

FORM IINS --- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITIO NRANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1985

Ref. No. RAC. No. 483/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R., 1,00,000/and bearing No.

Building situated at Ramainopet, Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kakinada in 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sti Penumatoha Ramakiishnam Raju & other \$/o Sri P. V. Laxmi Natasimha Raju, R/o Gandhi nagaram, Kakinada.

(Transferor)

(2) Sri Gaadi aju Satyanarayanaraju & others S/o Sri Latchitaju, R/o D. No. 7-5 of 4/1, Ramaraopet, Kakinada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 7-5 of 4/1, Ramaraopet, Kakinada area 1305 yds., registered by the SRO, Kakinada vide Document No. 3450/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date . 7-11-1985.

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ... SSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME! AX, ACQUISITION RANGE HYDERAB. D (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1985

Ref. No. RAC. No. 484/85-86.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under viction 26916 of the income-tax Act 1901 (12 of 1901) thereinster referred to see the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. House situated at 7-Ward, Rajahmundry

(and more fully described in the scheduled annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Rajahmundry in 3/1985

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than sifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in he said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the tisue of the outline under sucsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :---

(1) Smt. Bilkis Iqbal W/o Mir lqbal Ali, Advocate, R/o P.akasa nagar, Rajahmundry.

(Transferor)

(2) Smi. Deldar Begum W/o late Mir Iqbal Ali, R/o Main Road. ELURU, WG Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House bearing No. 11-1-1 at Shahmetta, near: Godavari river, Rajahmundry, area 617 s. yds., registered by the SRO, Rajahmundry vide Document No. 2105/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Date . 7-11-1985. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1985

Ref. No. RAC. No. 485/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. House situated at Pottiswamy Street, Vijayawada (and nare fully described in the Schedule annexed hereto), has been trun ferred under the Registration Act. 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesa d exceeds the apparent consideration therefor by more than hiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-taz Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sri Potty Devendra Chandra sekhar Rao S/o Sri Thandava Yuk ishna Rao & his sons, R/o Brahmana veedhi, Vijayawada-1 Town, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. Kurapati Subhashini W/o Sri Rama mohan Rao, R/o Velagaleti vari Street, Kothapet, Vijayawada-1 town, Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period could days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 11-51-29, at Pottyswamy Street, Vljayawada, area 227 sq. yards, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1340/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta:,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date . 7-11-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 486/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House situated at Domalguda, Bashir bagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally in 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax A = 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Sri J. Jagadeeshwariah R/o 117, West Marredpally, Secunderabad.

 Sri J. Parthasarathy, R/o 1-8-50/G, Krishnanagar, Secunderabad.

(Transferor)

(2) 1. Dr. Prabhakar Rumalla,
2. Smt. Vilasini Rumalla, R/o
3. Ocala,
Florida, U.S.A.,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Annexie building which is a portion of building No. 3-6-364, Bashirbagh, Domalguda, Hyderabad, area 366 s. yds., registered by the SRO, Chikkadpally, vide Document No. 338/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incompetax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1985.

Real :

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri VLN. Madhusudan, R/o 401, Tahsaiman Chambers, Prenderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Transport Corporation of India Ltd., 1-7-293, M. G. Road, Secunderabad-3.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Ref. No. RAC. No. 487/85-86.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of me Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred was the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot situated at Bakaram vil., Hyderabad dist.

(and more fully described in the Schedule annexed heretch has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Chikkadpally in 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the manater: sad/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 134A, 134B comprised in Sy. No. 117, 118, 130, 131 & 138 admeasuring 450 s. yds., at Bakaram village, Hyderabad dist., registered by the SRO, Chikkadpally vide Document No 306/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, f. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-11-1985.

Soul :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 488/85-86,-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R. 1,00,000/- and bearing No. House situated at kava igula, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Chikkadpally in 3/1935 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration to consideration. more than fi'teen per cent of such apporent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or. which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesain property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said i et, to the following persons, namely :---

(1) Mr. B. V. Acharya S/o late B. G. Acharya, Bank Officer, Jaya nagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mrs. Swarnalata W/o Dr. B. Narayana Reddy, TUJALPUR, Nizamabad Dist.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of,
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter  $\lambda\lambda\Lambda$  of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

House No. 1-3-183/48/2, Kavadiguda, Hyderabad, area 286 s. yds., registered by the SRO, Chikkadpally, vide Document No. 319/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A4P.)

Date: 8-11-1985.

Seal :

- - -

# 40 FICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

TH E TE . # /

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 489/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sold Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing No.

House situated at Lower Tank Bund, Domalguda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 3/1985

fer an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) iscilitating the conscalment of any income or and moneys or other assets which have not been et which enght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act or the Woulderlax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the and Act, to the following persons, namely

86--366GT/85

(1) Sii Krishan Dev Sharma S/o late Amarchand Sharma, R/o 10-3-3/11, East Marredpally, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Syed Ismail Azam S/o Syed Ibrahim, R/o 11-1-629, Agapura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

# THE SCHFDULE

Western side portion of H. No. 1-2-597/20, Lower Tank Bund, Domalguda, Hyderabad, registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1467/85.

> M. JEGAN' MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1985.

Seal:

#### PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP.TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1985

Rcf. No. RAC. 490/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable or operty, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. I-lat situated at Domalguda, Hyderabad Hyderabad in 3/1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Hyderabad in 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fau market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; seed for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which bave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Jagicevan Enterprises, through its partner Mr. Gurdeep Singh Wasu, R/o 1-2-593/52, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. P. Samyogita W/o Shri P. Gopala Krishna, 1-8-466, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sold immovable presents, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Everanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1 in the premises of H. No. 1-2-593/52, Domalguda, Hyderabad, area 64.95 s. mtrs., registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1836/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 7-11-1985. Seal:

FURM ITNS ----

Shi Nirmaljeet Singh Gandhi (N. S. Gandhi), S/o Shri Kartar Singh, 14 Kailash Nagar, Model Town, Ambala City.

(Transferor)

(2) Shei Krishan Kumar, S/o Shri Kundan Lal Batra, R/o 225 Model Town, Ambala City.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./AMB/155/84-85.—Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. House No. 14, situated at Kailash Nagar, Model Town,

Ambala City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at

Ambala under Registration No. 8323 of Income-tax Rules, 1962 dated 6-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property being house No. 14, Kailash Nagar, Model Town, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 8323 dated 6-3-85 with the Sub Regis-

t ar, Ambala.

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ....

Date: 1-11-1985

#### FORM ITNE-

# NUTICE UNDER SECTION 2600 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st November 1985

1 A C /Acq /PNP/134/84-85 -- Whereas, 1 Ref No J KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/ and bearing

No being land measuring 14 kanals 8 marlas situated at

village Siwah Teh Panipat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfe red under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the Office of the Registering Office at Panipat under Registration No 6173 of Income-tax Rules, 1962 dated 18 3-1985

for an apparent consideration which is less than the tau narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- S/Sh Ram Kishan (2) Labh Singh (3) Ram Chander Ss/o Sh Chander Ram (4) Sh Raghbira (5) Sh Bharta (6) Sh Arjan ss/o Sh Гојув (7) Ram Diya s/o Moonga all resident of vill Siwah Tch, Panipat
  - (Transferor) (2) Uttam Spiners Pvt Ltd., 77C/10A, Mukesh Nagar, Circular Road, Sahadara, Delhi-32 through Director Sh Raghunandan Sarup adopted son of Lala Ram Sarup 1/0 785 Ward No 11, Panipat (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the services of motion on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Emplamation:--The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 14 kanals 8 marlas situated at village Siwah Teh Panipat and as more mentioned in sale deed registered at Sr. No. 6173 dated 18 3-85 with the Sub Registrar, Panipat

> B L KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date 1-11 85 Scal .

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Pardeep Singh, S/o S. Tarlok Singh, R/o 110, Sunder Nagar, New Delhi.

The second of th

(Transferor)

(2) M/s. Rajasthan Association (Reg.) 1-E-20-B. New Township, Faridabad.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMES-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD/38/84-85.-Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Plot No. 5-A measuring 1000 sq. yds. situated at Sector

10, Block-D, Faridabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 5245

on 20-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of marster with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used below 100 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Property being plot No. 5-A measuring 1000 sq. yds. situated in Sector 10, Block-D, Faridabad and as more mentioned in sale deed registered at Sr. No. 5245 dated 20-3-85 with the Sub Registrar, Faridabad.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 1-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st November 1985

Ref No I A.C /Acq /KNL/180/84 85 -Whereas, I,

B L KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the im-

novable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No H No XIII/1943 situated at Urban Estate Karnal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1008) in the Office of the Registration Coffice. of 1908) in the Office of the Registering Office at Karnal under Registration No 8295 of Income-tax Rules, 1962 dated 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sh Harnek Singh, \$/o Sh Meeha Singh, R/o XIII/1493 Urban Estate, Karnal

(2) I Sham Sunder

Satish Kumai, Krishan Kumar, Ss/o Sh Ram Lal, r/o H, No 622, Jundla Gate, Karnal

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said Aut, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Property being house No XIII/1493 Utban Estate, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr No 8295 dated 14 3-1985 with the Sub Registrar, Karnal.

B L KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohina

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, t the following per≈ons, namely :---

 $D_{d}t_{0}$ 1 11 1985

Scal :

#### FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Smt. Santosh Devi, W/o Sh. Arjan Dass, Smt. Kaushala Devi, W/o Sh. Ram Niwas, R/o. Vill. Adampur Teh. & Distt. Hissar.

(Transferor)
(2) M/s. Niraj Jindal Ispat Udyog Pvt. Ltd.,
13 K.M. Delhi Road, Hissar.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 24th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./HSR/107/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. land measuring 11 kanals 18 marlas situated at village Satroad Kalan Teh. & Distt. Hissar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the Office of the Registering Office at Hissar under Registration No. 5805 of Income-tax Rules,

1962 dated 8-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aferesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 11 kanals 18 marlas situated at village Satroad Kalan Teh. & Distt. Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5805 dated 8-3-85 with the Sub Registrar, Hissar.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1, of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Date: 24-10-85

Scal:

# FORM TINS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE 1.44 OME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) 1. Smt. Kaushala Devi, W/o Sh. Ram Niwas, 2. Smt. Santosh Devi, W/o Sh. Arjan Dass R/o Mandi Adampur Teh. & Disti, Hissar. (Transferor)

# (2) M/s, Nıraj Jindal Jspat Udyog Pvt. Ltd., 13th K. M. Delhi Road, Hissar.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Robtak, the 25th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./HSR/109/84-85.--Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a foir market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. land measuring 8 kanals 16 marlas situated at village

Satroad Kalan Teh. & Dist. Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the Office of the Registering Office at Hissar under Registration No. 5807 of Income-tax Rules,

1962 dated 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair. market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to ne disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions med herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 8 kanals 16 marlas situated at village Satroad Kalan Teh. & Distt. Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5807 dated 8-3-1985 with the Sub Registrar Hissar.

> B. L. KHATRI Competent Authoria Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Robins.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2591) of the wid Act, to the following persons, namely :---

Date: 25-10-85

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq/SPT/124/84-85-Wherea, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) there inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. Industrial Plot measuring 1761-3 sq. yds. situated at Indus rial Area, Sonepat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Perfecting Chies.

at Sonepat under Registration No. 5092 of Income-tax Rules. 1962 dated 6-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid or period of 1 have trason market value of the aforesaid or perty of 1.1 may reason to believe that the fair market value of the property as aforegoid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax more the said. Act in respect of any income arising from the transfer eni or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the rurposes of the Indian Income tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 195 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act. I hereby initiate proceedings for acquisit on of the aforespid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons. namely :-

87-366GI/85

M/s. Ornegi Chemical Industries, Sonspet through Shanta Kapoor, W/o Sh. Bhim Sain, R/o H. No. 2/6 Model Town.
 Sh. Aran Kumar Kapoor, S/o Sh. Bhim Sain Kapoor R/o H. No. H 5/1, Model Town.

(Transferor)

(2) Sh. Ramesh Chawla (2) Suresh Kumar (3) Sh. Ashok Kumar, Ss/o Shri Dev Rej., R/o A/2, Inderpuri, Sonepat. (Transciree)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned >---

- (a) by any of the aforesaid persons within a penset of 45 days from the date of publication of this astice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personne whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said has novable property, within 45 days from the the publication of this notice in the Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions. are defined in Chapter XXA of the unit Act, shall have the same meaning as given

# THE SCHEDULE

Property being Industrial Plot measuring 1761-3 sq. yds, situated at Industrial Area, Sonepat and as more montioned in the sale deed registered at Sr. No. 5092 dated 6-3-85 with the Sub Registrar, Sonepat.

> B. L. KRATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak.

Date: 1-11-85

FORM (1N>-- ---

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOMP-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 24th October 1985

Ref. No 1.A.C /Acq /HSR/114/84-85.--Whereas, 1. B L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sak Act'), have reason to believe that the im movable property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No land measuring 51 kanols 15 mails situated at village Mayar Teh & Distt Hissar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16

of 1908, in the office of the Registering Officer at Hisser under Registration No 6124 of Income-tax Rules,

1962 dated 20-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vilue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as if or said ever ds the apparent consileration therefore type or than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been the parties as agreed to between the parties has not been the stated in the stall is tromest of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or symmon of the liability of the transferor to pay tax under the said Ax in respect of any master version from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Ind in Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the wealth-tax Act. 1957 (27 of 1257):

Now, therefore, in pursuance of Section 2690, of the said Act. I be else initiate per colores for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 263D of the said Act to the following persons namely , -

Sh. Teka, S/o Sh Jog Rai, S/o Maya Chand, r/o Maya: Teh & Distt. Hissar.

(Transferor)

(2) Shiv Ram Jindal & Sons (HUF), r/o Jindal Niwas, Delhi Road, Hissar through Sh. Rat.i Ram Sharma (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of oublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of active on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being a lind measuring 51 kanals 15 marlas attuated at village Mayar Teh & Disti. Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6124 dated 20-3-1985 with the Sub Registrar, Hissar

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Rohtak,

Date: 24-10-1985

Scal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S/Shri Naun Rame (2) Aijan Dass (3) Sajjan Lumai (4) Ram Niw 25/0 th Lukhi Ram R/o Mandi Adampui Teh Distt Husar

(2) M/8 Naaj Jindal Ispat Udyog Pvt Ltd K M Delh Road, Hissai

(Transfered)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 25th October 1985

Ref No IAC/Acq/HSR/106/84 85 -- Whereas, I, B L KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and bearing

and bearing
No land measu ing 13 kanals situated at village Satroad
kalan Teh & Distt Hissar
(and more fully des bed in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Hissar under Registration No 5804 of Income-tax Rules,
1962 dated 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the tair ma ket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaz to or a period of 50 days from the service of notice on the rest ective persons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immove able property within 45 days from the date-of, the publication of this notice in the Official Gazette

The terms and expressions used herein have defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same me ming. EXPLANATION in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be unclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 13 kanals situated at vil 1 e Satroad Killen Teh & Distr Histar and as more ment ned in the sile deed egistered at Sr No 5804 dated 8 3-1985 with the Sub Registrar, Histor

B L KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Committee of income-tax Acquisition Range Fohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegoid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

25 10-1985 Date

Seal

- (1) Sh Sukhinder Singh, S/o Sh. Raghbir Singh, R/o Sector IV, Urban Estate, Kainal.
  - (Transferor)

- WOTIGE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (2) S/Sh, Mool Singh (2) Sultan Singh Ss/o Kishan Dayal (3) Smt. Rajan Devo, W/o Late Shri Karani Singh, R/o Kalandri Gate, Karnal,

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

GEFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the doregaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th October 1985

\*Red. No. I:A.C./Acq./KNL/182/84-85.—Whereas, I. L, KHATRI,

ident the Competent Authority under Section 269B of the Section 248B of the Section 269B of the Section 26

fined measuring 2 bisghas 7 biswas situated at Karnal (the more fully described in the schedule annexed hereto). of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 8352 of Income-tax Rules, 1962 dated 18-3-85,

feet as apparent consideration which is less than the faur esseption value of the aforesaid property and I have reason to believe that, the fair market value of the property as aforesaid believe, that, the fair market value of the property as aforesaid mention the apparent consideration therefor by more than fifteen believes of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties that mot been truly stated in the said instrument of transfer with the collect of :— (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

e reduction or evenion of the liability nor to may tax under the said. Act, any income arising from the

THE SCHEDULB

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being land measuring 2 bighas 7 biswas situated at Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 8352 dated 18-3-1985 with the Sub Registrar, Karnal,

B. L. KHATRI
Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak. in pursuance of Section 269C of the said

I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-is (1) of Section 269D of the said Act, to the following count, passely :---

Date : 30-10-1985

Scal :

(1) Sant. Bimla Devi, W/o Sh. Kidar Nath, S/o Lala Kundan Lal, R/o Sirsa.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ram N.was, S/o Kundan Lal, S/o Lal Harnarayan Dass. (ii) Smt. Lila Devi, W/o Sh. Ved Parkash, So Laia Kundan Lal, R/o Sirsa. (Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# DEFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq/SRS/5/84-85.-Whereas, I.

Ref. No. I.A.C./Acq/SRS/5/84-85.—whereas, 1, B. L. KHATRI, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Industrial Plot No. IV situated at Industrial Area IV. New Mandi, Sirsa

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registra ion Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Siisa under Regi tration No. 5512 of Income-tax Rules, 1962 dated 28-3-1985

tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evaden of the fishility of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfers والبيو
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unitersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BEPLANATION - The terms and expressions used berrin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being plot measuring 5000 sq. yds, situated at Indus rial Area, IV, New Mandi and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5512 dated 28-3-85 with the Sub Registrar, Siran.

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act I beceby initiate proceedings for the acquisition of the interested , reporty by the issue of this notice under suba turn (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 4-11-1985

: استخ

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/702/84-85.—Whereas, I. B. L. KHATRI.

being the Compount Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the Said Act I have reason to briling that the immorable property, having a fair muchet value exceeding Rs +,60,e90/and bearing

No. land measuring 7 bighan 10 biswas pukhta situated at

village Naturpur Dist. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tran ferred under the Registration Act. 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 8130 of Income-tax Rules, 1962 da ed 21-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property all aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in transcat of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any sucome assing from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferine for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

- (1) 1. Sa. Khacheru, S/o Sh. Chet Ram 2. Daarmo, D/o Sn. Nathe Ram
  - 3. Jugia, 5/0 Sn. Natne Ram
  - +, Su. Har, Singh, S/o Sn. Nathe Ram
  - 5. Sh. Amar Singh, S/o Sn. Nathe Ram

  - 5. Sh. Amar Singh, S/o Sn. Nathe Ram
    6. Ugania, D/o Sh. Nathe Ram
    7. Suman, D/o Nathe Ram
    8. Sh. Anant Ram, S/o Sn. Ram Lal
    9. Smt. Gian Waii, D/o Sh. Ramji Lai
    10. Sh. Faten Singa, S/o Sh. Moti
    11. Smt. Teji, Wd/o late Sh. Samay Singh
    12. Smt. Anguri, D/o Samay Singh
    13. Smt. Frem Wati, D/o Samay Singh
    14. Rikkhan, S/o Bulla
    15. Sh. Shiy Charan, S/o Bulla
    16. Sh. Atra, S/o Sh. Bulla. All residents of Vill.
    Nathupur Teh, & Diett, Gurgaon.
    (Transferor)

(Transferor)

(2) M/s. DLF Universal Ltd., 21-22, Narindra Place, Parl ament St. ec., New Delhi,

(Transferce)

Objections it any, to the acquisition of 'he said property any be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-me days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the ublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

# THE SCHEDULB

Property being land measuring 7 bighas 10 biswas pukhta a nated at village Nathupur Dist. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 8130 dated 21-3-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authorities Inspecting Assistant Commissioner of Income-Acquisition Range, Robtak

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-suid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :--

13006 : 30-10-1985

Scal :

#### PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 25th October 1985

Ref. No. I A.C./Acq./HSR/112/84-85.—Whereas, I, B L. KHATRI,

B L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No land measuring 64 kanals situated at Village Satroad Kalan Teh & Distt. Hissar (and mo efully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1968) in the office of the Registering Officer at Hissar under Registration No. 5919 of Income-tax Rules, 1962 dated 13-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid pro erty and I have reason to the second of the coperty as aforesaid are is the operation of the coperty as aforesaid to is the operation therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said has inment of ansfer with the object of !--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moners or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income for Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the end act. I hereby initiate proceedings for the raminion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Smt. Bhoela, Wd/o Sh. Ami Lal, S/o Khubi, 2. Sh. Ja Sngh, S/o Sh. Ami Lal, S/o Sh. Khubi 3. Smt. Parbat Wd/o Sh. Hari Lal S/o Sh. Khubi 4. Smt. Parkashi, Wd/o Sh. Devi Ram, S/o Har Lal
  - (v) Sh Ram Phal, S/o Sh. Devi Ram, S/o Har Lal
  - 6. Smt Ram Ratti D/o Sh. Devi Ram, S/o Har Lal All residents of village Satroad Khund Ich & Dist', Hissar, (Transferor)
- (2) Sh'v Ram Jindal & Sons, Jindal House, (Jindal Niwas), Model icwa, Herr

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in he Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other ne son interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaze te

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 64 kanals situated at v1tioned in the sale deed registered at S. No. 5919 dated 12-3 85 with the Sub Registrar, Hissar,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomn-tax Acquisition Range, Rohtak.

25-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 24th October 1985

Ref.No . I.A.C./Acq./HSR/108/84-85.—Whereas, I. B. L. KHATRI.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. land measuring 12 kanals situated at Vill. Satroad Kalan

Tch. Hirsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office

at Hissar under Registration No. 5806 of Income-tax Rules, 1962 dated 8-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer. and for
- (b) facilitating the concealment of gay income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Bhagwanti, W/o Sh. Naun Rame, Smt. Kanta Devi, W/o Sh. Sajjan Kumar, R/o Mandi Adam-pur Teh. & Distt. Hissar.

(Transferor)

(2) M/s. Niraj Jindal Ispat Udyog Pvt. L'd., 13th K. M. Delhi Road, Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period or 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 12 kanals situated at village Satroad Kalan Teh. & Distt. Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5806 dated 8-3-85 with the Sub Registrar, Hissar.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to: Acquisition Range, Rohtak

Date : 24-10-65 Beal :

# FORM ITNS-- ·-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Kanta Devi W/o. Sh. Sajjan Kumar, Smt. Bhagwanti Devi w/o. Sh. Naun Rame, 1/o. Mandi Adampur, Teh. Hissar.
  - (Transferor)
- (2) M/s. Niraj Jindal Ispat Udyog Pvt. Ltd., 13th, K. M. Delhi Road, Hissai,

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETCING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 25th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./HSR/110/84-85.— Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 19617 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No land measuring 8 kanals situated at village Satroad Kalan Teh. & Distt. Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar under Registration Nb. 5803 of Income-tax Rules,

1962

Hissar on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating hte concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Aut, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

88-366GI/85

persons, namely '-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 8 kanals situated at Satioad Kalan Teh. & Distt. Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5808 dated 8-3-85 with the Sub Registrar, Hissar.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 25-10-1985

# FORM ITNS ---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th October 1985

Ref. No. I A C /Acq /KNL/175/84 85.—Whereas I, B 1 KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No land measuring 37 kanal 7 marlas situated at village Kalwa Heri Teh & Disti Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Karnal under Registration No 8099 of Income tax Rules,

Karnal on 2-3 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excessis the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not 'ecen truly stated in the said instruu. n. of transfer with the object of-

- (a) factitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of '922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 '27 of 1957);

Now, there'ore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '--

(1) Sh Pathh Dayal Singh s/o Sh Paiduman Singh, 1/o Kothi No 530 L, Model Town Karnal (Mukhtiare-am). (Mahdane—ann), Smt Parect Pal Kaur (2) Amrit Kaur, (3) Rajindei Kaur, (4) Surinder Kaur 1/0 530 L, Model Town

(1) Sh Om Parkash, (2) Sh Sumer Chand, (3) Sh Shamsher Singh, sons of Sh Singh Ram, (4) Smt Sunehari Devi w/o Sh Mewa Singh, r/o Ashok Nursary Kunjpura Road, Karnal

(Transferee)

(Transferoi)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 37 kanals 7 mails situated at village Kalwa Heri Teh & Distt Kainal and as more mentioned in the sale deed registared at Si. No. 8099 dated 2-3-85 with the Sub Registral, Hissai

B L KHATR Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date . 25-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./AMB/165/84-85.---Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000 (- and bearing No.

House No. AMC 1326 situated at Block IV Nadi Mohalla, Ambala

Amount (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala under Registration No. 8893 dated 29-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair transfer and I have received to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Tara Chand,
 S/o. Sh. Nidhan, Singh,
 Smt. Tarpt Jeet Kaur,
 Wd/o. Sh. Sardar Singh,
 R/o. House No. 4559/3, Ambala City.
 (Transferor)

(2) 1. Sh. Harbans Lal.2. Smt. Lachhman Devi widow of Sh. Ram Kishan,

R/o. Sahabad Markanda near Nirankari Bhawan Distt. Kurukshetra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

Property being House No. AMC 1326 Block IV, Nadi Mohallam, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 8893 dated 29-3-1985 with the Sub Registrar, Ambala.

B. L. KHAIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date: 7-11-1985

- (1) Sulekha S.o. Yusaf R.o. Khori Jamalpur. (Transferor)
- (2) Khori Farm Landers Pvt, Ltd. through Julekha Keinik, W/o. Umesh Karnik, 5-C, Friends Colony, Delhi.

The state of the s

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 4th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD/41/84 -85.--Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 34 kanals 4 marlas situated at Khojri Jamalpur Teh. & Distt. Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 5376 dated 28-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the link of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any anoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the vaid Act, to the follow ing persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 34 kanals 4 marlas situated at Khori Jamalpur Teh and Distt. Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5376 dated 28-3-85 with the Sub Registrar, Faridabad.

> B. L. KHATKI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range Rohtak

Date: 4-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 4th November 1985

Ref. No I.A.C./Acq/FBD/40/84-85 -- Whereas, I. B L. KHAIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land 34 measuring kanals 4 mails situated at Khoii Jamalpur leh & Disti, Faiidabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the registering Officer at Fandabad under Registration No. 5377 dated 28-3-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesnid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Sh Dalnot S/o. Sh Yusaf R/o. Khori Jamalput Teh. & Distt. Faridabad

(Transferor)

(2) Khou Faim Landers Pvt. Ltd. through, Julkha Karnik, W/o. Sh. Umesh Karnik, R/o. 5-C, Friends Colony, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein 45 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 34 kanals 4 marlas situated at Khori Jamalpur Teh & Distt. Faridabad and as more men-tioned in sale deed registered at Sr. No. 5377 dated 28-3-85 with the Sub Registrar, Faridabad.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Date: 4-11-1985

#### FORM ITNS ---

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1 191 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 6th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./PNP/132/84-85.—Whereas, 1, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a lan market value exceeding Rs 1 00 0001, and bearing

minovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
Plot No. T-7, measuring 884, 1/3 sq. yds. situated at Panipat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Panipat under Registration No. 6072 dated March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tux under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Jaikanwar Singh S/o. Sh. Raghbir Singh, R/o. 106/5, Panipat (2) Smt, Usha Rani Wd/o. Sh. Raj Kumar, R/o. 83-B, Wazir Chand Colony, Kainal, (Tiansferoi)
- (2) M.s. Ahuja Textiles & Chemical Pvt. Ltd. Reg. office Plot No. 104 Sector 25, Faridabad through Sh. Surender Mohan, S/o. Sh. Kundan Lal Ahuja, Plot No. T-7. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this society in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said manages able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land No. T-7 measuring 884, 1/3 sq. yds. situated at Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6072 dated March, 1985 with the Sub Registerar, Panipat.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date: 6-11-1985

-<u>-</u>------

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 6th November 1985

Ref. No. IAC /Acq /PNP/135/84-85.-Whereas I, B. I. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing land measuring 17 kanals 19 mails situated at village Siwah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat under Registration No 6220 dated 19-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aformaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cen, of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly attend in the said instrument of

the parties has not been truly etated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely '--

(1) Sh. Parkash S o Sh. Bakshi R o Siwan Teh.

(Transferor)

(2) M s Bhagmal and Sons C/O Dwarka Dass Mahajan, R o. Anand Varsha Bhawan, Makbul Road,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 17 kanals 19 marlas situated at village Siwah Teh. Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at St. No. 6220 dated 19-3-85 with the Sub-Registrar, Panipat.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Date: 6-11-1985

Seal

# FORM ITNS ---

# NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### Sh. Jagjeet Singh S/o. Sh. Kehar Singh, R/o Dera Kala Singh, Taraf Insar, Pampat. (Transferor)

(2) M/s. S. K. Textiles, G.T. Road, Panipat through 1. Om Parkash S/o. Shri Muni Lal, 2. Rajinder Garg, S/o. Sh. Abru Mal 3. Sh. Ram Richhpal, S/o. Sh. Sham Lal 4, Sh. Suresh Garg S/o Sh. Om Parkash 5. Sh. Ram Karan S/o. Sham Lal. (Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 5th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./PNP/130/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

5 bighn 3 biswas situated at Taraf Insai, Panipat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat under Registration No. 5952 dated 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 bigha 3 biswas situated at Taraf Infar, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5952 dated 1-3-1985 with the Sub Registear, Panipat.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date : 5-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 13th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./PNP 136/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reforred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

land measuring 17 kanals I marla situated at Village Mohali (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat under Registration No. 6233 dated 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
89—366CI/85

 Sh. Krishan Kumar S o. Sh. Hukam Chand, R/o. Subhash Spare Parts, Neta Ji Subhash Chander Marg, Daryaganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Swita Nagru W/o Sh. Ashok Kumar R/o. 87-L, Model Town, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inamevable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter

## THE SOMEDULE

Property being land measuring 17 kanals 1 marla situated at village Mohali as more mentioned in the 6233 dated 20-3-85 with the Sub Registrar, Panipat.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohmk

Date: 13-11-1985

Seal;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Sh. Zile Singh So. Sh. Chiranji Lal Bahadurgarh. (Transferor)

# (2) M/'. Patel Acquirc India Pvt. Itd. E-D/19. Tagore Garden, New Delhi.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 8th November 1985

Ref. No. I.A.C./ $\Lambda$ cq./BDR/8/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. land measuring 12 kanals 3 marlas situated at village Sarai Orangabad Teh. Bahadurgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bahadurgarh under Registration No. 3457 dated 2-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

in racintating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /cc

(b) incilitating the concentment of any income or any moneys or other saarts which have not been on spich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesluh car Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective. persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein we are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 12 kanals 3 marlas situated at Sarai Orangabad Teh. Bahadurgarh and as more mentioned in sale deed registered at Sr. No. 3457 dated 2-3-85 with the Sub Registrar, Bahadurgarh.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range Robte

Date: 8-11-1985

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

-----

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 8th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/706, 84-85.—Whereas, I, B. L. KHAIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. house at plot No. 580 14 si uated at Gurgaon

house at plot No. 580-14 situated at Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of he Registering Officer

at Gurgaon under Registration No. 8229 dated 27-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 249°C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ntoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- Smt. Veena Jain,
   W/o. Sh. Parmod Kumar Jain,
   R/o. 106 Hause Khas Euclave, New Delhi.
   (Transferor)
- (2) Sh. Kanwal Raj Sadhana, S/o. Sh. Hem Raj, R/o. 23 Moti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquirement of the and propert may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period o 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being house situated on plot No. 580/14, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at S<sub>1</sub> 8229 dated 27-3-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Lempecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date: 8-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 6th November 1985

Ref. No. I A C /Acq /AMB, 162/84-85.—Whereas, I, B L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

land measuring 2 kanals 8 marlas situated at village Dhool-kot Teh & Distt Ambala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Ambala under Registration No 8799 dated 26 3 85 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by moe than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Sh. Karnail Singh,
 S/o Sh Basta Singh,
 S/o. Sh Ram Singh,
 R/o Kalka Road, Baldev Nagar,
 Ambala City

(Iran, eror)

(2) S/Shri Raj Kumai Jain (ii) Manoj Kumar Jain sens (iu) Shashi Jain daughter of Sh Nek Chand Jain S/o Sh. Telu Ram R o Jain Bazar, Navalty General Stole, Ambala City

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic' Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 kannls 8 marlas situated at villing Dhoolkot Teh & Disti Ambald and as more men tioned in the sale deed registered at Sr. No. 8799 dated 26-3-85 with the Sub Registrar, Ambala

B L KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohti

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the stronger of this section (1) of Section 269D of the said Act, to the below the persons, namely:—

Date: 6-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1985

Rel No IAC /Acq /FTB 16/84.85 —Whereas, I, B I SHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00 000 - and bearing No land measuring 7 kanals 4 marks situated at Basti Bhiwan Teh Fatehabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officei

at Fatchabad under Registration No 3705 dated 25-3 85 an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Sh Manohar Lal, So Sh Rama Nand, So Sh Himta Ram, R/o Basti Bhiwan Teh, Fatchabad.

(Transferer)

(2) The Fatchabad Adarsh Nagar Co-Operative House Building Society Ltd., Fatchabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 7 kanuls 4 marlas situated at Basti Bhiwah Teh Fatehabad and as more mentioned in the sale deed registered at Si No 3705 dated 25-3-85 with the Sub-Registrar, Fatchabad.

> B L KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforespid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :---

7-11-1985 Date Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/ $\Lambda$ cq/HSR/105/84-85 — Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No land measuring 18-kanals 15 marlas situated at Hissai

land measuring 18-kanals 15 marlas situated at Hissai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissai under Registration No 5688 dated 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh Maru Ram, S/o Sh Jodha, s/o Kushla, Kumhai by caste, 1/0 vill Gangwa Teh & Distt Hissar

(Transferor)

(2) The I axmi Cooperative House Building Socie'y Ltd., Hissar through Di R K, Chaudhary President of the Society.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mamov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 18 kanols 15 marlas situated at Hissai and as more mentioned in the sale deel registered at Si No 5688 dated 1-3-85 with the sub Registral Hissai

B L KHATRI
Competent Authorny,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tal
Acquisition Range
Rohtak

Date 5-11-1985 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./FTD/20/84-85.—Whereas I, B. 1. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 1 (0) (800c, and hearing

Rs. 1,00,000 and bearing land measuring 15 kanals 4 marlas situated at Basti Bhiwa Teh. Fatchabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Fatchabad under Registration No. 3709 of Income-tax Rules, 1962 dated 25-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more ban fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties ha s not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moveys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby in that proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Narayan Devi wd/o tate Sh. Karam Chand s o Sh. Hari Chand t/c Jasti Bhiwa Tch. &Distt. Fatehabad. (Transferor)

to the second residency of the c

(2) The Fatchablad Adarsh Nagar Co-Operative House Building Society Ltd., Fatchabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 15 kanals 4 marlas situated at Basti Bhiwan Teh. Fatehabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3709 dated 25-3-85 with the Sub Registrar, Fatehabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 7-11-1985

(1) Sh. Gobind Rai s/o Sh. Rama Nand s/o 5h. Himta Ram

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Fatehabad Adarsh Nagar Co-Operative House Building Society Ltd., Fatehabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ASSISTANT

# ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./FTB/18/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

land measuring 8 kanals situated at Basti Bhiwan Teh.

Fatchabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at

Fatehabad under Registration No. 3707 of Income-tax Rules,

1962 dated 25-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- r/o Fatchabad Teh. Fatchabad. (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being land measuring 8 kanals situated at Basti Bhiwan Teh, Fatehabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No 3707 dated 25-3-85 with the Sub Registrar, Fatchabad.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag Acquisition Range, Robbak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-11-1985

# FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/710/84-85.-Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No, land measuring 32 kanals 14 marks situated at village Sihi Teh. & Distr Gurgaon (and proper fully described in the Schedule appeared basets)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of the Registering Officer at

Gurgaon under Registration No. 45 of Income-tax Rules, 1962 dated 29-3-85

for an apparaent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of:—

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the I ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

90-366GI/85

(1) Sh. Nirmal Dass s/o Sh. Daulat Ram S/o Sh. Tirlok Chand, r/o 2H. BP-79, N.I.T., Faridabad.

(Transferor)

- (2) (1) Dr. R. L. Sangli, S/o Shri Ude Chand Sanghi
  (2) Dr. Smt. R. Sangli w/o Dr. R. L. Sangi
  (3) Sh. Sandeep Sangli s/o Dr. R. L. Sangi
  - r/o C-26, Green Park Extension, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 32 kanals 14 marlas situated at village Sihi and as more mentioned in sale deed registered at Sr. No. 45 dated 29-3-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date : 11-11-1985

# FORM ITNS---- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# **JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS** SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq.FTB./17/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 8 kanals situated at Basti Bhiwa Teh.

Fatehabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Fatehabad under Registration No. 3706 of Income-tax Rules.

1962 dated 25-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaidpr operty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the red stion or evision of the liability of the transferor so pay ax under the said Act. in respect of any acome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the ce ealment of any income or any m neys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the Act, to the followng persons, namely

(1) Sh. Kanwal Nain s/o Sh. Rama Nand s/o Himta Ram r/o Fatchabad Distt. Hissar.

(Transferor)

(2) The Fatehabad Adarsh Nagar Co-Operative House Building Society Ltd., Faehabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 8 kanals situated at Basti Bhiwa Toh. Fatehabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3706 dated 25-3-85 with the Sub-Registrar, Fatchabad.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 7-11-1985

FORM NO. I T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ABSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1985

Ref. No. 1 A.C./Acq./FTB/19/84-85.—Whereas I, ь L. KHATRI,

ting the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 14 kanals 2 marks situated at Basti Bhiwa.

Teh. Fatchabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Facehabad under Registration No. 3708 of Income-tax Rules, 1962 dated 25-3-85

for a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of will the object of :-

- is, facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferes to pay tax under the said, Act, is compact of any income arising from the transfers uid or
- (b) andistabling the concealment of any income or any gausteys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Woolth-tex Act, 1927 (27 **ef** 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 2090 of the mis-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the followstoresaid property by the issue of this notice under subag nersons, assiely

(1) Kumari Necha d o Sh Deewan Chand s/o Sh. Karam Chand r/o Basti Bhiwan Teh. Fatchabad.

(Transferor)

(2) The Fatehabad Adarsh Nagar Co-operative House Building Society Ltd., Fatehabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Osticial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 14 kanals 2 marlas situated at Bisti binwan Teh Fateliabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3708 dated 25-3-85 with the Sub Registrar, Fatchabad.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 8th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./HSR/111/84-85.—Whereas I, B. I. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. land measuring 15 kanals 18 marles situated at Hissar

land measuring 15 kanals 18 marlas situated at Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hissar under Registration No. 5912 of Income-tax Rules, 1962 dated 13-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for use purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. P. D. Girdhar, S/o Shri Uttam Chand, President Orphanes Association & Ball Sewa Ashram, Bhiwani.

(Transferor)

(2) Shri Hari Singh Yadav, Advocate s/o Shri Roop Ram Yadav. r/o Padav Gujran, Hissar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 15 kanals 18 marlas situated at Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5912 dated 13-3-85 with the Sub Registrar, Hissar.

B. L. KHATRL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Rohtak

Date : 8-11-85

FORM ITNS ---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASST1. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./SHD/30/84-85,--Whereas I,

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Shop No. 6 situated at Partap Mandi, Shahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at

Shahabad under Registration No. 1274 of Income-tax Rules, 1962 dated 14-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of consfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasior of liability of the transferor to pay tax under respect of any income arising the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of vincome or any moneys or other assets which make not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian come-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. Sohan Singh s/o Shri Ram Kishan 1/0 Shabad Teh. Thaneshar.

(Transferor)

(2) Sh. Sushil Kumar and Sh. Raj Kumar S/o Sh. Ram Kishan, R/o Shahabad Teh. Thaneshar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Property being shop No. 6 situated at Partap Mandi, Shahabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1274 dated 14-3-85 with the Sub Registrar, Shahabad.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-11-1985

# FORM ITNS----

(1) Sh. Kishori Lal s/o Sh. Mani Ram Sharma r/o 223/4 Urban Estate, Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

(2) Warant Onlicer Virender Singh Yadav and Kumari Veena Yadav c/o Virender Singh Yadav H. No. 223/IV, Urban Estate, Gurgaon. (Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 8th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq/GRG/636/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
House No. 223 situated at Sector 4, Urban Estate, Gurgaon
Schodule appeared hereto) and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 8622 of Income-tax Rules,

1962 dated 14-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication o liftis notice in the Official Gazette or a period of 30 days from a the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inimov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being house No. 223 Sector 4, Urban Estate, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 8622 dated 14-3-85 with the Sub Registrar, Gurgaon,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohad

Now, therefore, in parsuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.-

Date: 8-11-85

NUMBER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./KNI/181/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Heuse Se. XVIII/557 situated at Wazir Chand Colony,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) of 1908) in the Office of the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Karral in the Registration No. 8351 of Income-tay. Rules, 1952 data 182 85

ton un apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid preperty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent; consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of a safe with the object of :-

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer rad/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said . It coy initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

- (1) Sh. J. swant Singh, Sh. Gurnam Singh sons, Smt. Amar Kaur widow and Smt. Harbhagwan kaur, D/o late Sh. Dalip Singh, r o Barhia Teh. Bichha Distt. Nanital (U.P.). (Transferor)
- (2) S/Sh. Vinod Kumar Ashok, Paimod Kapoor sons of Sh. Bishan Sarup, Dharam Paul Gupta s/o Sh. Bhag Mal and Sh. Kailash Chand s/o Sh. Rati Ram r/o H. No. XVIII/557 Wazir Chand Colony, Karnal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property he made in writing to the undersigned '--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
  - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in

# THE SCHEDULE

Property being house No. XVIII/557 Wazir Chand Colony, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 8351 dated 18-3-85 with the Sub Registrar, Karnal.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq/RWR/16/84-85.—Whereas I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. E.P. 710 situated at Railway Road, Rewari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Competent Authority at Rewari under Registration No. 3377 of Income-tax Rules, 1962 dated 19-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sa'd Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) 1. Sh. Parbhu Dayal 2. Sh. Om Parkash ss/o Sh. Howan Dass s/o Lala Udeybhan 1/o Mohalla Nai Basti, Rewari,

(Transferor) (2) Sh. Mohinder Kumar s/o Sh. Hari Chand s/o Lala Bana Ram Nagpal (Dr. Dentist) Railway Road, Rewari.

(Transferee) (3) Sh. Surjeet Singh etc. 1/h of late Sh. Sardara Singh s/o Sh. Jawala Singh r/o H. No. E.P. 710, Railway Road, Rewari. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days (a) by from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being house No. E.P. 710 situated at Railway Road, Rewari and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3377 dated 19-3-85 with the Sub Registrar, Rewari

> B. L. KHARI Competent Authors's Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGF, ROHTAK

Rohtak, the 14th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/716/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 77/3 situated at Jaikampura, Old Subzi Mandi,

Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 8245 of Income-tax Rules, 1962 dated 28-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Efteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) (acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this actice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-91-366GI/85

(1) Sh. Vasdev s/o Sh. Hari Chand s/o Sh. Gabdumal

r/o Badshahpur Teh. & Distt. Gurgaon.

(Transferor)

(2) Sh. Arun Kumar Goyal, S/o Sh. Ram Nath Goyal, r/o H. No. 1453 Gali Chhipiyan, Maliwara Delhi. (Transferee)

(3) Sh. Bhagwat Parshad s/o late Sh. Din Dayal r/o 77/3, Old Subzi Mandi, Gurgaon. ·(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by ant of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIO&: .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being house No. 77/3 situated at Jaikampura, Old Subzi Mandi, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 8245 dated 28-3-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-11-1985

Sex1;

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC Acq.III/SR-II/3-85/2547.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

fer with the object of :---

No. 3/239, Subhash Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of trans-

- int facilitating the reduction of evention of the limbility of the transferor to pay tax ender the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- th, facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely :-

(1) Smt. Maya Devi W/o Late Sh. Ram Singh, 3 239, Subhash Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Daler Kaur W/o Late Sh. Ram Singh Chawla, R/o W-24, Rejouri Garden, New Delhi.

(Transferee

Chiections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Single storey property bearing property no. 3/239, Residential House, situated at Subhash Nagar, New Delhi. Area 100 sq. yds.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax.
>
> Acquisition Range III
>
> Delhi New Fishi

Date: 5/11/1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III 'SR-II/2548/3-85.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

penng the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act' 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-1. Bhagwan Dass Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than fair at left water of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. marriely:—

(1) Smt. Satya Chaudhary W/o Sh. Brahm Parkash, C-7, Nizamuddin, West Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Subhash Chand S/o Sh. Bansi Lal, 1889, Gali Behram Beg, Lal Kuan, Delhi.

(Transfer.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. D-1, measuring 200 sq. yds. Bhagwan Dass Nagar, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi, New Delhi

Date: 8/11/1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III SR-II/3-85, 2549.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market valut exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. B-53 situated at Inderpuri, New Delhi

No. B-33 situated at Inderpuri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by property and the apparent consideration therefore by the second content of said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evador of the hability of the transferor to per tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ~ad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or anmoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :--

(1) Sh. Narayan Dutt Sharma S, o Sh. Jai Yogi Raj Pandit, R/o A-179, Inderpuri, New Delhi-12.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Som Nath Kakkar S/o Sh. Kalu Ram Kakkar and 2. Sh. Shyam Sunder Kakkar S/o Sh. Ram Nath Kakkar, Both residents of H. No. L-53, Inderpuri, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official LIMPOTO

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said As shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. B-53, measuring 300 sq. yds, situated at residential approved colony known as Inderpuri, New Delhi area of Village Naraina, Delhi Estate, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
> Acquisition Range III
> Delhi/New Delhi

Date: 6 11/1985

#### FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.lII/SR-II/2550/3-85.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/and bearing

P. No. H/24, Shivaji Park, Madipur situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Sh. Sukhvinder Singh
 Sh. Didar Singh,
 R/o 27/36, Punjabi Bagh,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Pama Gupta W/o Sh. Sh. Mahesh Gupta, R D J-53, Karempura, New Delhi.

(Transfe.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 portion of plot No. H-24 mg. 168 sq. yds. situated at Shivaji Park area of vill. Madipur Delhi State, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 5/11/1985

Scal

## FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION, RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC 'Acq.III/SR-II/3-85/2551.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herelunfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the minovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Kh. No. 49, of Vill. Madan Pur, Dabas situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

Kh. No. 49, of Vill. Madan Pur, Dabas situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transerted under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfesor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or writeh ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Sirilal S/o Sh. Udmi, R/o Vill. Madan Pur, Vill. Dabas, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Adwai Steel & Metals (P) Ltd., Office No. 1, Adarash Mkt., H. Khan, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire, later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sand Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Built up on measuring 402, sq. Yard Kh. No. 49, of vill. Madan Pur, Dabas, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-rid
Delhi/New Delni

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8/11/1985

# 

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-I'AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/3-85,72552.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-Rs. 1,00,000/- and bearing Built upon land, Kh. No. 49, of Laldora of Vill. Madanpur Dabby, Dabby

Dahas, Delhi

land more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office

of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985

To an apparent consideration which is less than the fair maket value of the aforesaid property and I have reason to believe trut the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- tachtaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Sh. Karan Singh, Vill. Madanpur Dabas, Delhi.

(Transferor)

(2) M s Adwait Steel & Metal (P) Ltd., Office No. 1, Adarash Market, New Delhi, through Dir. B. S. Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and to expressions used herein as are defined in hapter XXA of the 7011 Act, shall the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Built upon land measuring 402, sq. yds, Kh. No. 49, of laldora of vill. Madanpur, Dabas, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 8/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/3-85/2553,—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Kh. No. 49, of ladora Vill. Madan Pur, Davas situated at Dath!

Deihi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reseen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insome arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the centreliment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be displaced by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons manualy :--

(1) Sh. Kartar Singh S.o Sh. Mange, V.P.O. Madan Pur, Davas. Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Adwait Steel & Metal (P) Ltd., Office No. 1, Adarsh Mkt., Hauz Khaz, Delhi, through Dir. B. S. Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undergoned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Built upon land measuring 402, sq. yds. Kh. No. 49, of Laldera Vill. Madanpur, Debas, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 8-11-1985

Seel .

## and the second of the second of the expected periods of second property of the second FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALL ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III SR-II/3-85 2554.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. 71/B, Kh. No. 479, Faten Nagar, Vill. Tehar situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been Registered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned . -

(1) Sh. Tarlochen Singh

(2) Sh. C. S. Vohra S/o Sh. M. S. Vohra, D-1 '89, Janak Puri,

New Delhi.

New Delhi.

S/o S. Kart Singh, 71-82, Tatch Nagar,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Tran feror)

(Transferee)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be dislcosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHPDULE

Built up on Plot No. 71, in Block B, of area 266 2/3, sq yds out of Khasia No. 479, situated in abadi of Fateh Nagar, area village Tehar, New Delhi.

> SUNII CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
> Delhi/New Delhi

Now therefore in pursuance of Section 2625 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submeetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :- -

92-366GI/85

Date : 8/11/1985 Seal :

#### FORM NO. 1 T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE " COMFIAN ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Ved Parkash Gupta
S/o Late Sh. Bhagat Ram,
3792, Churi Walan,
Delhi-6,
At Present 8-C/II, Rajpur Road, Delhi.
(Transferor)

Sh. Prem Prakash Sehgal
 S/o Sh Om Prakash Sehgal
 17 34, Shakti Nagar,
 Delhi.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DFI HI

New Delhi the 5th November 1985

Ref. No IAC Acq III/SR-II/3-85 2555—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Computent Au ho, ander Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Kh. No. 28/9. Village Nonli Posne situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer or(s) and transferee(s) has not been truly stated in said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax under the said Act, in respect of any recome prixing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought the disclosed by the transferee for the money of I lids. Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned . -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Jazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bigha 16 Biswas, out of Khasra No. 20/9, in the area and revenue estate of vill. Nangli Poona, Delhi

SUNIL CHOPRA
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now therefore it does to ton 26% of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following tersons, namely.—

Date · 5/11/1985 Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Kushan Kumar Grover S/o Sh. Parmanand, R/o 137, D/s New Raunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss. Suman Kumati D/o Sh. Chintamani R/o No 17 Nizamuddin Fast, New Delhi.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4 14-A, ASAF ALI ROAD **NEW DELHI** 

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC Acq.III SR-II/2556/3-85-Whereas, 1, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000'- and bearing No C-107 Abadi of Inderpure situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration property as therefor by more than fifteen pet cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the ateresced persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any o her person intrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Causier

(a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in rispect of any income arising from the transfer; and/or;

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Free bold plot No C-107, measuring 500 sq. yds, situated in the area of Village Naraina, in the abadi of Inderpuri, an approved Colony, New Delhi-12.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIL Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

6 11/1985 Date Seal

## FORM I'INS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DI-LHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC Acq.III/SR-II/3-85 2557.—Whereas, 1, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (beremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Kh. No. 49, in laldora of Vill. Madanpur Dabas situated at Delbi

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Lal Chand S/o Sh. Jiwan, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Adwart Steel & Metal (P), Ltd. Office No. 1, 1, Aadrsh Market, Hauz Qazi, Delbi. through Director B. S. Gupta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette στ a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Built upon apox. 402, sq. yds. part of Kh. No. 49, sit. in laldora of vill. Madanpur Dabas, Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income for
Acquisition Range-lif
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore all normals by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 8/11 1985

FORM JINS --- ---

(1) Mohlnder Singh S/o Sh. Gian Singh, 1-9/17-1, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq III/SR-II/3-85/2558. - Whoteas, I, SUNIL CHOPRA,

sunter Churka, being the Competent Authority under Section 269h of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'hald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. 5-9/17-1, measuring 320 sq. yds. situated at Village New Delhi in March, 1985

(and more fully described in the Schedule approximately)

(and more fully described in the Schedule annued hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concentration of any theorem or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(2) 1. Sh. Vijay Kumar 2. Sh. Rajesh Kumar 3. Sh. Aran Kumar 4. Sh. Rajinder Kumar 5/o Sh. Om Parkash, 1-9/17-1, Rajouri Garden,

New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned to the

- (a) by any of the arcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazerte.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in thtat Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. J-9/17-1, measuring 320 sq. vds. Village Tatarpur,

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2695 of the and Act to the following persons, namely :-

Date : 4/11/1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- DVERMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. 1AC/Acq.HI SR-II/3-85/2559.—Whereas, I, SUNII. CHOPRA,

13 m<sub>b</sub>, the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. CL-6 situated at Block L. Kh. No. 880-881. Tehar Hari Nagar, New Defhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftee, ner cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of granafer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1977 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid to area is for the issue of this notice under subjection (1) at Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Shri Sarup Singh S/o Shri Sham Singh Shri Gurvinder Singh S/o Shri Sohan Singh, E-5, Raghbit Nagar, Delhi.

(Transferee)

(2) Shri Inderjit Singh S/o Shri Kulwant Singh, Shri Harjit Singh S/o Shri Ujjagar Singh, Ganhati.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires. Inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. CI.-6, measuring 641.66 sq. yards, Block I., Khasra No. 880-881, Tehar Hari Nagar, New Delhi,

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 8-11-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/3-85/2560,--Whereas, J, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovbeing the Competent able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1-8 situated at Rajouti Garden, Village Tatarpur, Delhi State.

Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rarsons, namely :---

(1) Shri Jagat Ram and Shri Gobind Ram Sons of Shri Sukhraj Mal-R/o J-8/124, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Surinder Kaur W/o Shri Raghabir Singh, BA-225/2, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

House No. 124 measuring 168 sq. yards in Block J-8, situated at Rajouri Garden area of Village Taturpur, Delhi State, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 8-11-1985

Seal.

## FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

e 14 1 2

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAIF ALL ROAD,
NEW DLLHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/2651/3-85.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 10, Road No. 61, Panjabi Bagh, Delhi situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office, at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in reasect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other usiets which have not been or which ongot to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Shri Sushil Kalta W/o Shri Malkhi Ram Kalra Shri S, G, Kalra S/o Shri Milkhi Ram Kalra, Shri H. C. Kalra S o Shri Milkhi Ram Kalra, R/o C/61, Punjahi Bagh, Delhi.

(Transferor)

 Smt. Promila Gulati Woo Shri S. K. Gulati D-26, Naraina Vihar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 552.78 sq. yards property No. 10, Road No. 61, Punjabi Bagh, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tal
Acquisition Range-1/1
Delhi/New Delhi

Date: 6-11-1985

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/3-85/2562.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No.

J-5, situated at Rajouri Garden, Village Tatarpur, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have resoon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sast Act. I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
93—366GI/85

(1) Shti Mohan Singh S/o Shti Jasha Singh R/o WZ-393, Chand Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Devki Nandan S/o Shri Kedar Nath Kaura R/o C-15, Krishna Park, Najafgarh Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One single storeyed house No. 16, in Block J-5, mg. 160 sq. yards situated at Rajouri Garden, area of Village Tatarpur, Delhi State, Delhi

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inconvectax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 6-11-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. 1AC/Acq.111/SR-11/3-85/2563.—Whereas. I. SUNIL CHOPRA,

SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and btaing No. B-132, Kh. No. 476, Fatch Nagar, Village Tehar situated at

New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore aid property and I have reason to market value of the afore-aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax A.1, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceed ags for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of Passid Act, to the following persons, nameli --

(1) Shri Jagjit Singh Saran S/o Shri Har Bachan Singh R/o 9/III, Lalbahadui Sadan, Gole Maiket, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satya Pal Malhotra, S/o Shri Shri Ram Malhotra, R/o B-97, Fateh Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

Freehold Plot No. B-132, of 160 sq. yards out of Khasia No. 476, in Abadi of Fateh Nagar, area of Village Tehar, New Delhi (in Mohalla Guru Nanakoura) which is partly built.

> SUNIL CHOPRA Competent Authorian Inspecting Assistant Commissioner of Income-tail Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 5-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-UI, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/2564/3-85,--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P. No. 45, Block K, Kh. No. 598, Fateh Nagar, situated at Delhi

Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Vasu Dev Chhabra S/o Shri Bal Kishan, R/o 47/3, Thar II, Ashok Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Charanjit Kaur W/o Charanjeet Singh Mukarjee Park, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

House on free-hold plot No. 45, in Block-K, mg. 150 sq. yards, part of Khasia No. 598, situated at Fatch Nagar, area of Village Tihar Delhi State, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 5-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.HI/SR-II/3-85/2565,-Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

SUNII, CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing WZ-2082. Plot No. B.46 situated at Delhi tand more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be here that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any facouse or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferree for the surposes of the Indian Incomo-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1947 (27 of 1947). Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Brij Bhushan Bassi S/o Shri Pyare Lall Bassi R/o H. No. WZ-2082, Plot No. B-46, Rani Bagh, Shakurbasti, Delhi.

(Transferee)

(2) Smt. Shanti Devi Goyal W/o Shri Murari Lal Goyal, R/o H. No. 2104, Shakurbasti, Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. WZ-2082, Plot No. B-46, Rani Bagh, Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date. 5-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2/85, Punjabi Bagh, New Delhi.(2) 1. Shri Ascharj Lal Arora,

(1) Shri Ram Narain

(Transferee)

(2) 1. Shri Aschari Lal Arora, 2. Smt. Vimal Arora, 16/42, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Rcf. No. IAC/Acq.III/SR-II/3-85/2566.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
2, Road No. 85, Class-C, Punjabi Bagh, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule attagged hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemad exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1—

- (ā) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days trains the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION . — The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SHEDULE

P. No. 2, Road No. 85, Class-C, Punjabi Bagh Residential approved Colony, Madipur, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 8-11-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1010.---Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Composent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing No. G-7/5, at Malviya Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilisating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(1) Smt. Bhagwan Devi W/o Late Shri Daulat Ram Sharma R/o DDA Janta Flat No. 13/B, Sheigh Sarai, New Dolhi.

(Transferce)

(2) Smt. Sangeeta Kakkar W/o Shri Rajinder Kumar & Shri Rajinder Kumar Kakkar S/o Shri K. K. Kakkar R/o C-7/6, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. G-7/6, measuring 126 sq. yards situated at Malviya Nagar, New Delhi

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tex Acquisition Range-

Date: 6-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/3-85/1912.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 37, Khasra No. 881, 761/1 Khatuni No. 360, Mg. 704 sq. yards, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Rajiv Chopra
 S/o Shri Krishan Kumar Chopra
 S/o Shri Aman Chopra
 S/o Shri Arishan Kumar Chopra
 S. Smt. Ramni Chopra
 W/o Shri Aman Chopra
 4. Smt. Alka Chopra
 W/o Shri Rajiv Chopra
 New Delhi.

(Transferce)

 1. Shri Chhotey Lal Khandelwal S/o Shri Jugal Kishore
 2. Smt. Darka Devi
 W/o Shri Chhotey Lal Khandelwal R/o 12-11, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing No. 37, Khasra No. 881/761/1, Khatuni No. 368, Mg. 704 sq. yards, situated at Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 8-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1014.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable preperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. 18/20, Kh. No. 793/767, Western Extension, Karol

Bigh situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, Hamely :---

(1) Shri Jatinder Kumar and Shri Ajit Kumar S/o Shri Har Prakash, R/o 18/20, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sikander Lal Pahwa Family Trusty, A-8, Greater Kailash Enclave-II, New Delhi, Through its trustee Shri S. L. Pahwa

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein na are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

21 storeyed house No. 18/20, measuring 240 sq. yard Khasra No. 793/767, situated Western Extension Area Kar-Bagh, New Delhi.

> SUNIL CHOPM Competent Authori Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range-II Delhi/New Dell

Date: 6-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1016,---Whereas, I, SUNII. CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding No. 10,0000

and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

16/268/269, 16/287-289, Block BD situated at Joshi Road.

Karol Bagh, New Delbi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following DETROME, PARTIELY :-94-366GI|85

(1) Shri Ranjit Singh S/o Late Shri Bhagat Singh Smt. Swaran Kanta W/o Shri Ranjit Singh, Shri Ashok Kumar and Shri Vinod Kumar Sons of Shri Ranjit Singh All residence of 6-7/1, Krishna Nagar New Delhi,

(Transferor)

(2) Ayinash Chander S/o Shri Ram Kishan Bajaj 6967, Pahargani, New Delhi-65.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazetta.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 16/268/269, 16/287-289 (old Number) bearing 16/328/329 (partly) 16/352-355 (part) (new) Khasra No 220/35, 36, 39, 221/35, 36, 39, 222/35, 36, 39, area about 404 sq. yards, Block BD situated in Joshi Road Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III.

Delhi/New Delhi

Date: 8-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1017.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the surrow-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Mpl. No. 7113, P. No. 30, Block-16-B Kh. No. 1563/15 situated at Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; sed/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I pereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons, namely:

 Smt. Pushpa Devi W/o Late Shri Gopal Behari Bhartiya R/o 557, Lahori Gate, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Balbir Kaur W/o Shri Nirmal Singh Varmi R/o H. No. 2128, Barakhamba Road, Karol Bagh, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by may of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property bearing Mpl. No. 7113, Plot No. 33, Block No. 16-B, Kh. No. 1563/152, measuring 247 sq. yards, two storey house situated at Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III New Delhi

Date: 3-11-1985

#### FORM ITMS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1019.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. S-25 Green Park, situated at New Delhi

No. S-25 Green Park, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delh; in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sesses which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Ram Nath s/o Shri Kripa Ram, r/o JP-10, Maurya Enclave, Pritampura, Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. South Delhi Builders (P) Ltd., M-64, Greater Kailash-II, New Delhi, through its Director Shri. Kamal Kaul (Transferee)
- (3) Shri Babu Lal and Shri Girdhari Lal, (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from s service of metics on the respective persons, whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. S-25, measuring 160 sq. Green Park, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-11-1985

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-III/3-85/1020.-Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

sunil Chopra, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10/3 situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mohan Lal Dhupar, r/o 3/10, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Prem Kaur, r/o 41/1955, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

## THE SCHEDULE

Or. No 10/3, Old Rajindar Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lasue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 4-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

OF INCOME-TAX

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1021,--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the geome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the 'said Act'), have reason to believe that the immovible property having a fair market value exceeding Rs. 3s. 1,00,000/- and beating No.

R-1 situated at Hauz Khas Enclave, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1985

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to selieve that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Keeaapt 5 anh, 70, Regal Building, New Delhi-1,

(Transferor)

(2) Shir tara Chand Verma and Smt, Nish Malik, Flat No. 301, R-1, Hauz Khas Enclave, New Oelhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetic of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- (b) by any other person are value in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given a that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 301 on 1st Floor covered area 1005 sq. Ft. in building R-1, Hauz Khas Enclave, New Delhi alongwith one-eleventh undivided land viz. approx. 46.88 sq. yds. out of the total plot area of 515.77 sq. yds.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 4-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1022.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 203 situated at Upper Ground floor R-1, Hauz Khas

Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985

at New Dein in March, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said "instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and | or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sh. Karanjit Singh, 70, Regal Building, New Delhi,

(Transferor)

(2) Sh. S. Ramamurthy, R-1/203, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice/ in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

E/PLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 203 on the upper ground Floor R-1, Hauz Khas Enclave, New Delhi, covered area 1319.35 sq. ft. alongwith 11/1th undivided land approximately 46.88 sq yds. out of total plot area of 515.77 sq. yds.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-11-1985

Soal:

(1) Karanjit Singh, 70, Regal Building, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Shri K. S. Sundersan and Smt. Sneh Lata Sundersan

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1023.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 303 on 1st floor, R-I, Hauz Khas Enclave situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on March, 1985

at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 303 on 1st floor covered area 1102 Sq. ft, in building R-I, Hauz Khas Fuclave, New Delhi alongwith 1/11th undivided land, viz. approx. 46.88 sq. yds. out of the total plot area of 515.77 sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .--

Date: 5-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

to the same and the same of th

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION PANJE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delh the 4th November 1985

Ref No. INC/Acq III/SR-III/3-85/1024.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

302 on 1st floor situated at R-1, Hauz Khas Enclave, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at New Delbi on M. ch. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the Moresul, property and I have reason to believe that the fair market value of the property as after said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Karanjit Singh. 70, Regal Building, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Smt. Hemlata Mehta, Flat No. 302, R-1, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 302, on 1st floor covered aren 1000 sq. ft. in building R-1, Hauz Khas Enclave, New Delhi alongwith 1/11th undivided land viz, approx. 46 88 sq. yds. out of the total plot area of 515.77 sq. yds.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi /New Delhi

Date: 4-11-1985

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Ka anjit Singh. 70, Regal Pulling New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Miss Anunadha Tarafdar Fl.t No. 103, R-1, Hauz Khas Enclave, New Delhi

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITIO + RANGE-III, NGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delh the 4th November 1985

Ret. No 11C/Acq III/SR-III 3-85 1025 - Whereas, f, SUNII CHOPRA

Government in this betalf under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property beying a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000 - and bearing No Flat No. 103 on 10 or ground floor situated at R-1. Hanz Khas Enclavy. New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been registered under the Registration Act 1961 (16 of 1908) in the O.o. of the register of United at New Delhi on March, 1985

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such time force a og end to between the transferor(s) and transferoe(s) has not been truly stated in the said instanment of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a seriod of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte,

FXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 103, on Lower Ground floor covered area. 1100 sq. ft. in building R-1, Hauz Khas Enclave, New Delhi alongwith 1/11th undivided land viz approx. 46.88 sq. yds. out of the total plot area of 515.77 sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the used of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:

95-366(1-85)

Date . 4-11-1985

Seat:

#### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NI W DELHI

New Delh, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1026.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have remon to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bear no No.

S. 1,00,000/- and nearing No.

5-1 situated at Green Park I xin., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1985

for an appropriate consideration reliable.

New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) M., I spread crossiting (1) Etd., B-177, G. Kailash J. New Delhi, through its Director Shir J. B. Goel,

(Transferor)

(2) M/s. Mehra & Co., 2120, Bahadur Garh Road, Delhi through Shri Age, Kumar Mehra,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the afgresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; äyt/er

THE SCHEDULE

Poit on No. 1 measuring 468 sq. ft. part of property No. S-1. Green Park 1 xtn., New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or o her assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNII CHOPRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 4-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delh, the 4th November 1985

Ref. No TAC/Acq 111/SR-II1/3-85/1027.--Whereas, I, SUNII CHOPRÁ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-Flat No. 101 situated at N-19, Green Park Extn., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(1) Smt Ishwai Kaur and Shri Inderjit Singh, C/o Pal & Associates, 70, Regal Building, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Ramesh Sharma's o Shri J. N. Sharma, C-538, Wazir Nagar, New Delhi-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the ressective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 101 on ground floor, having covered area of 1150 sq ft. in the building at N-19, Green Park Extn., New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rections namely

Date: 4-11-1985

## FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Sawraj Kumar Kapoor, 8/o Shri Boota Ram, r/o H-13/5, Malviya Nagar, New Debhi.

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Singh, s.o Sumer Singh, r/o 80/58-B, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1028.—Whereas, J. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

and bearing No. 80/58-B situated at Malviya Nagar, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering Officer at New Delhi on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are denied in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that there is a control of the charteness.

- (a) illitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 80/58-B, measuring 100 sq. yds., Malviya Nagar.

SUNII. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-III. Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 4-11-1985

Scal:

# NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.ht/SR-III/3-85/1029.—Whereas, J. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. C-36A situated at Green Park Main, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delbi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to esween the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tag Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Beni Parshad s/o Shri Tikaya Ram, r/o 36A, Block C, Green Park (Main), New Delhi.

(Transferor)

(2) Shyam Sunder 8/0 Naunumal, Ashok Kumar 8/0 Naunumal, Subhosh Chand s/o Nannumal and Ruje h Kumar s/o Nannumal, r/o D-17, Green Park (Main),

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

C-36A, measuring 321 ag. yds., Green Park Main, New

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-11-1985

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-4' 10", 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE HE "GGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD NEW DELHL

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq III/SR-III/3-85/1030 -- Whereas, J.

being the Compet 1 Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing linst libo of property, 8/35, WEA, Karol Bagh situated at

New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in March, 1985 for an information in which is few than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to I have that the fair content value of 1. property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- (1) Smt. Shiela Sachdeva w/o late Shii Jaidev Sachdeva, r/o, 12, Babei Lane, New Delhi, tor herself and on behilf of her two daughters Smt. Malvika Kapooi and Smt. Vinita Kalia and her son Shii Vijay Kumar. (Transferor)
- (2) Shri J P. Gupta s/o Shu Kishan Lal, 1 'o 45/68, Mall Road, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

First floor of P. No 8/35, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. Area 2000 sq. ft,

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 5-11-1985

beat:

#### FORM FINS

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1031.—Wheteas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'anid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and beraing No. 10618, 20, Plot No. 39 in Block 13, Kh. No. 1517, 1147, Arya Samai Road, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration. Act. 1908, 116 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; AME FOR

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the salit aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the DELAGUA UNIDA

(1) Smi, funda fathula Wd/o Late Shii Suchii Kuma and Kuman Rameni D. o Late Shir Sudhir Kumar, R/o B-97, virtater Kailesh-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kanwal Krishan Anand S/o Shri Sada Nand Anand, R/o 17,5, West Patel Nagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing Municipal No. 10618/20, Plot No. 39, in Block 13 Khasra No. 1517/1147, mg. 284 sq. vards at Arva Samaj Road, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Dac: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1 A Y A("1 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-III, AGGARWAL HOUSE, 4,14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-IIJ/SR-III/3-85/1034.—Whereas, 1, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a air market value exceeding

roperty having a air market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 6447 on Plot No. 81, Kh. No. 546/152 Block 8-B, Ward No. 16, Basti Rehgarpura. Dev Nagar. Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 the facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiat: proceeding for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manually:—

(1) S. Ujagar Singh S/o S. Diwan Singh R o B-8/6447, Dev Nagar, New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Savita Gupta W/o Shi K, Lal Gupta, R/o B-7/6349, Dev Nagar, New Delba

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 6447, on Plot No. 81, Khasra No. 546/152. Mg. 109 sq. yards, Block No. 8-B, Ward No. 16, Basti Rehgar Bagh Raoji, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi,

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Cimmissioner of Income tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1032.-Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No. 2065. Khaera No. 467, Block G Ward No. XVI, Nai Wala, R-491 situated at New Rai'n ler Nagar, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said metromeat of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evanion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following the it namely :--

Smt. Parkash Kumari W/o Raghbir Dass, M-126, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satnam
S/o Shri Arjan Dass
R/o 4/45A, Punjabi Bagh,
New Delhi (1/2 share):
Shri Goverdhan Lal Chadha
S/o Shri Sohna Mai Chadha R/o 22/53, Punjabi Bagh, New Delhi (1/4th share). Mrs. Bharti Chadha W/o Shri Sohna Chadha R/o 22/53, Punjabi Bagh, New Delhi (1/4th share).

(Transferos)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Oficial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used biscin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

MCD No. 2065, greasuring 175 sq. yards, Khasra No. 467, Block G Ward No. XVI, Naiwala, Karol Bagh, New Dethi.

SUNTL CHOPRA Chappions Authority Inspecting Asset: Comm slotter of Income-tex Acquisition Range-III Delhi/Now Delhi

Date: 4-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1~ 14 - TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Rof. No. IAC/Acq-III/SR-III/3-85/1036.--Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tait Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing R-491 situated at New Rajinder Nagar, New Delhi tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred voder the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or systion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, redior

meditaring the concealment of any income or any inductys or other assets which have not been or the surject of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act or the Weslin-tax Act, 1957; (27 of 1957); (1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

(1) Shri Mohan Lal S/o Late Shri Navnit Rai, R-491, New Rajinder Nagar. New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Veer Khanna 2. Shri Om Prakash Khanna, 5537, Shora Kothi, Paharganj, New Delhi.

(Transferce)

(3) Sh. H. G. Chopra 2. Sh. Shaktl Chawla. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. R-491, New Rajinder Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Dated: 4-11-1985

# FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOV: RIMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delbi, the 8th November 1985

Ref. No IAC/Aug-JII/SR-IV/3-85/1427 --- Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Property No 1580A/1-C, estuated at Plot No. 10 Block B, Naveen Shahdara, Village Uldhanpur,

Delhi-32

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of n the Office of the Registering Officer at New Poth in Haich 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fur market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per crut of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

 Shri Waryam Singh
 S/o Shri Harnam Singh
 R/o H No C/14, Kalındı Colony, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Gurbachan Singh S/o Shri Harnam Singh, C/14, Kalindi Colony, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the whichever period expires later; respective persons,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official, Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given . that Chapter,

THE SCHEDULE

Property No 1580A/1-C, Plot No 10, area 184 sq. yards alongwith the structure out of Khasra No 1155/410, 616/404, Block, 8, situated at Abadı Naveen Shahdara, Village Uldhan Pur, Delhi-32

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Gonzmissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 8-11-1985

Scal .

#### FORM ITMS.

NOTICE LINDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.HI/SR-IV/3-85/1428.--Whereas, I. SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. 1X/2958 situated at Dharampura Gali No. 1.4 2

Gandhi Magar, Villago Scelampur, Delhi-31

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evention of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in post of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the conseniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922: (11 of 1922) of the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferenced property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Sheela Devi W/o Shri Krishan Lal R/o H. No. IX/2958, Dharampura, Gali No. 1, Gandhi Nagar, Delhi-31.

(Transferor)

(2) 1. Shri Nathi Mal Son of late Shri Kanhaiya Lal 2. Smt. Angoori Devi W/o Shri Nathi Mal 3. Smt. Shanti Devi W/o Shri I. P. Aggarwal and 4. Shri Anil Kumar S/o Shri Nathi Mal All R/o H. No. 2110, Kailash Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property bearing H. No. 917/24-F/12 (old) /New No. IX/ 2958, measuring 200 sq. yards alongwith structure situated at Dharampura, Gall No. 1 and 2, Gandhi Nagar, Village Seelampur, Delhi-31.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 11
> Delhi/New De hi

Date : 8-11-1985 Seel :

# FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1033.— Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269D of the Incometar Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 63/7 situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, ( hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri J. S. Sood s/o. Dr. Prithi Singh, Managing Director, Great Arts (P) Ltd., Bhegi ath Place, Chandni Chowk, Delbi.

(Transferor)

(2) Shri Balraj Sawney 8/0. Sh. Faqir Chand, R/o 7829, Nai Basii, Bara Hindu Rao, Delhi.

(Transferoc)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land measuring 150 sq. yds. bearing Plot No. 63/7, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 4-11-1985

FORM TINS-

 Sh. Harnam Singh s/o Sent Singh, r/o 5058, Gall No. 1 & 2, Sant Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sanjay Kumar Jain, s/o Sh. Mahindar Chand Jain, r/o 3341/3, Christian Colony, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85]1011.--Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to us the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No. 5058, P. No. 14, Kh. No. 3267/719, Block-S, Gali No. 1 & 3

sltuated at Sant Nagar, Basti Rehgai, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annixed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market relie of the aforming property and I have encount believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asses which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immersable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

House No. 5058, built on plot No. 14, measuring 120 sq. yds. Khasra No. 3267/719, Block S, Gali No. 1 & 2, situated at Sant Nagar, Basti Rehgar, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 6-11-1985

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq III/SR-III/3-85/1037.— Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

17-A/17 situated at WEA, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi in Match 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefor to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C () hs said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mr. Krishnan Thaneja 8/0. late Sh. Ram Lubhaya Thaneja, r/0. 94, West Brook Road, Heston, UK 2t present at A-22, Chitranjan Park, New Delhi-49

(Transferor)

(2) M/s. Madan Singh Suri & sons (HUF) through its Karta Sh, Madan Singh Suri, r/o. 17-A/17, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing No. 17-A/17, WEA, Karol Bagh, New Delhi Land measuring 234.22 sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/3-85/2554.—
Whereas I, SUNIL CHOPRA,
being the Conjectent Authority under Section 269B of the
income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the interest of the content of th movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 72/B, Kh. No. 479, Fatch Nagar, Vill. Tehar New Delhi

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-anid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957): (1) Shri Torlochan Singh, 8/0. S. Kartar Singh, 71-72, Fotch Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. H. S. Vohra, 8/o Sh. G. S. Vohra, D-1/89, Janakpuri. New Delhi.

(Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a per'od of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

Plot No. 72, in Block 8, of area 133.3 sq. yards out of Khasra No. 479, situated in about of Fatch Nagar, area village Tehan New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Auditant Commissioner of Income tax Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this needed under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 8-11-1985

THE STATE OF THE S

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Kapil Mohan Katarya, Mrs. Sheela Katarya, Mrs. Rajini Katarya, r/o. M-61, Saket, New Delhi,

(Transferor)

(2) Kapil Mohan Katarya, r/o Amar Colony-72. Wiltred Avenue, Kitchen, NZA-1208, Canada.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/821A.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the

Office of the I. A. C. (Acqn.) Range-III,

situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the registering Officer at New Dolhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 cays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 211, on 2nd Floor in 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inconce-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act to the following persons nonselv :---97-366GI/85

Date: 4-11-1985 Delhi

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

 Sh. D. S. Sarna, 80/41, B. Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kavita Syal, C-6/5, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS

ACQUISITION RANGE-JII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/823,—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a lair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 354, AGCR Co. ov. H. B. S. Ltd., situated at Delhi (and more fully described in the Schelule annexed hereto) has been transferred under the Income-tex Act, 1961 in the Office of the I. A. C. (Acqn.) Range-III, New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair believed that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with hte object of :--

(a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant plot No. 354, AGCR Co-op. H. B. S. Ltd. Delhi.

SUNII. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 5-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Sh. Manohar Lal Bhasin, DA-68B, Hari Nagar, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Urmila Agarwal, 2788, Pipil Mahadev, Hauz Qasi, Delhi-6.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/825.—
Whereas I, SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 40, Defence Enclave,
situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Λct, 1961 (43 ct 1961) in the Office of the I. Λ. C. (Acqn.) Range-III, New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fau market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(9) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Galette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vavant residential plot No. 40, Defence Enclave, Delhi-92.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

ng Date : 5-11-1985 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Azt, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Mrs. Veena Agarwal w/o. Sh. Sunil Kumar, C-6, Kailach Colony, New Delhi.

(2) Mrs. Sumitra Sapra w/o Sh. S. N. Sapra & Mrs. Suman Sapra w/o. Fit. Lt. Ajay Sapra, 94, Tagore Park (Model Town), Delhi-9.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi the 6th November 1985

Ref. No. JAC/Acq.III/37EE/2-85/826.—
Whereas I, SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act') have reason to believe that the immorable
proper,y, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
F. No. A-308, in 5, Bhikaji Cama Place
situated at New Delhi
(2nd more fully described in the Schedule annexed hereto),
has ben transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) in the Office of the 1, A. C. Acqn. Range-III,
New Delhi in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fah
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of

transier with the object of :-

- (ā) facilitating the reduction or evasion of the Eability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Rigt No. A-308, (3rd floor), in 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Area 275 sq. ft.

SUNIL CHOPPLA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delin

Date : 6-11-1985

Seel:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the vald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Stetion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Harnam Singh, 13/9, Old Rajinder Nagar, New Delhi-60.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ajit Kumar Kathuria, 2. Mr. Rajiv Kumar Kathuria and Mrs. Rani Kathuria, KC-118, Kavi Nagar, Ghaziabad.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/2-85/827.-Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 13/9, Old Raj nder Nagar,

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) Office of the I. A. C. Acqn, Range-III, N ewDelhi in March 1985

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid pro-crty and

have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13/9, Old Rajinder Nagar, New Delhi. Arca 88.1 sq. yds.

> SUNIL CHOPRA Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, New Delhi

'Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores it property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said at 1 the showing persons, namely:--

Date: 6-11-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

 Mr. P. L. MONGIA, 20/11, Old Rajunder Nagar, New Delbi

(Transferor)

(2) Mr. Tarun Kumar Khanijaw, 20/11, Old Rajinder Nagar, New Delhl

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/828.—Whereas, I, SUNIL CHOFRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovible property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 0000 found beging No.

No. 20/11, Old Rainder Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi in March 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(\*) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

20/11, Old Rajinder Nagar, New Delhi measuring 85.9, sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 6-11-1985

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/829.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing No. 5, situated at Kaushulya Park, Hauz Khas, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed needs), has been transferred under the I.T. Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq III, New Delhi in March 1985.

for an appearent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Kaushalya Educational Trust, through Sh.i Vivek Kapur, 11/48, Pusa Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ajay Jain, S/o Shri R. S. Jain, Flat No. 101, Ground Floor, 5, Kaushalya Furk, Hauz Khas, New Delhi

(Trunsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the data resigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the tume meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Basement Floor on 5, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Act, I hereby inlitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Som Datt Builders (P) Ltd, 56, Community Cen ro, East of Kailash, New Delhi,

(Transferor)

.....

(2) Jaini Alexandra R. Jaini Andrew & Jaini Paul Alexandra, 205, Jor Bagh, New Delhi-3.

(Titensferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/:4-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/830.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (he,e'nafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 100,000/- and bearing No. K'o k No. UGK 10, at 5, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annoted hereto), has been transferred under the LT Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi in March 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period appires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O'lleid Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Kiosk No. UGK-10 on upper g ound floor at 5, Bh kaji Cama Place, New Delhi, Area Approx. 44 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-11-1985

Soal :

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Som Datt Builders (P) Ltd., 56, Community Centre, East of Kailush, New Delhi.

(Transferor)

(2) Raman Mehta & Mr. Anil Kumar J-7/143 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/831.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. UGK-3 on Upper Ground floor situated at 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the IA.C. Acq. Range-III, New Delhi in March 1985.

in March 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Kiosk No. UGK-3 on Upper Ground floor at 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mancely:— 98--366GI/85

Date: 5-11-1985

#### FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Km. C. Grover, 12-B, Mathura Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Darshana Devi and Indra Devi /0013, Ram Nagar, Paharganj, New Dolhi

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.111/37EE/3-85/832.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing No. D-782 situated at Saraswati Vihar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the I.A.C. Acqu.

Range-III at New Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferandlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Residential Plot No. D-782, measuring 390 sq. yds. Saraswati Vihar, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax;
> Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeraid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-11-1985

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCUME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EF, 3-85/833.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
RMT-12. (Basement) Plot No. B-2 at MMTC/S.T.C.
Mkt., situated at Malviyia Nagar, New Delhi,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the I.A.C. Acq. 111, New Delhi

1005

in March 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in sespect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

(1) Rajendras, N-52-A, Connaught Place, New Delhi

(Transferor)

(2) Mr. Varinder Kumar Bhutani, 13/178, Malviya Nagar, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

RMT-12 (Basement) Plot No. 12, B-2 at L.S.C. in MMTS/ S.T.C. Market New Delhi Near Malviya Nagar, Super Area 52 Sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range-UI, Delhi/New Delhi

Date: 5-11-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4, 4-A, ASAI ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/834.--Whereas, I. SUNIL CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. RMT-15 (Basement) situated at B-2 at L.S.C. in MMTC/STC Market, New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi

in March 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wenith-tay Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 260D of the said Act to the following persons namely :-

- (1) Rajendras' N-52-A, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Rohtas Chand Arora, H-13/7, Malviya Nagar, New Delhi (Trunsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

RMT-15 (Basement) B-2, at L.S.C. in MMTC/STC Market, New Delhi Near Malviya Nagar, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 5-11-1985

(1) Rajendras'

N-52A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satınder Kumar Tyagi, B-91, Sarvodya Enclave, New Delhi-17

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ret. No. IAC/Acq 111, 37EE/3-85, 835 -Whereas, 1, SUNII CHOPRA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing
No. RMT-19 (Basement) situated at B-2 at I S C in
MMTC/STC Market, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the IA.C. Acq III, New Delhi

in March 1985.

for an apparent considerat on which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuld property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely '---

# THE SCHEDULE

RMT-19 (Basemont), B-2 at L.S.C. in MMTC/STC. Maiket, New Dolhi Near Malviya Nagar, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date . 5-11-1985 Scal:

FORM I.T.N.S.

(1) Rajendra N-52-A, Con, Place, New Delhi

(2) Mrs. Kavita Sharma,

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. 1AC/Acq.III/37EE/3-85/839.-Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. RMT-112 (Ground floor) situated at B-2 at L.S.C. in

MMTC/STC Market, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acqn.-III, New Delhi in March 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of training with the object of

(a) sacintating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, he respect of any income arising from the transfer: 480 /OT

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

58, Navjeevan Vihar, New Delhi,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANTION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHOOLE

B-2 at L.S.C. in MMTC/STC Market, New Delhi near Malviya Nagar, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Delhi/New Pathi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/841.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 104 situated at on first floor of No. 1,

Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Crifice of the I.A.C. Acqn. Range-III. New Delhi in March 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: ته/انجة
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s Eurya Fnterprises (P) Itd., 1.-34, Kirtl Nagar, New Delhi.

THE THE PARTY OF T

(2) Sh. M. J. Jairah S/o Shii Amainath Jairath, Mis Bimla Januth W o Shri M. I. Jairath, Capt. Raman K. Jairath and Shri Vinesh K. Jairath sons of Shii M. L. Jairath, House No. 780, Sector 8B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 104 on first floor of No. 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I'I, Delhi /New Delhi

Date: 4-11-1985

FORM LT.N.S.-

(1) M/s Surya Enterprises Pvt. Ltd., I-34, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Tech Pvt. Ltd.
of Gauhati Assam through their Managing Director
Distt. Ropar.
(Transferee)

#### GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC /Acq.JIL/37FE /3-85 /842.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. M-2 situated at Mezzanine floor 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi in March 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

(a) facilitating the raduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 46 days from the date of publication of this notice in the Official Coaste or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. M-2 on Mezzanine floor, 1, Kaushalya Road, Khas, New Delhl.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspetcting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

Date: 5-11-1985

#### FORM I.T.N.S.-

(1) M/9 Peersy Lai Basheshwar Nath, Suki Walan, Lal Kuan, Delhi-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Competent Builders, House, I-14, Cama Place, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Dethi, the 5th November 1985

Rei. No. 14C/Acq.III/37EE/3-85/843.—Whereas. I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and beating No. L-G/3, studed at in Bhikaji Cama Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi in March 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) tacditating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

Explanation '- the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. I.G-5 in 5 Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Act. I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manufactures. 99--366GJ/85

Date: 5-11-1985

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/844.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incom-tax Act, 1961 (45 ot 1961) 'bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000; and bearing No.
H. No. 8, Road No. 46, Vill, Madipur, Punjabi Bagh situated at New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961 in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi on

March 1985 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. If of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mrs. Usha Ja'n w/o Shri S. K. Jain 1/o 8/46. Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sant Lal Dua & Smt. Sunita Dua 457, Rishi Nagar, Shakurbasti, New Delhi.

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULT

H. No. 8, on Road No. 46, measuring 279.55 sq. vds. situated in the area of Village Madipur in the colony known as Punjabi Bagh, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-lay Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 6-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/845.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 308, on Plot No. B-1/2, Azadpur Com. Complex, situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi on

in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- on facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast is respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Bhanot Properties & Inds. Ltd. 102-103, Raja House, 30-31 Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Sonia Mayya & Mrs. Satis B-1/1037, Civil Line, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 308, having approx. super area 225 sq. ft. on third floor of building to be constructed on plot No. B-1/2, Azadpur Comm. Complex, (Naruwala Bagh), New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 5-11-1985

41974 THE GAZETTE OF INDIA, DECEMBER 14, 1935 (AGRAHAYANA 23, 1907)

#### FORM ITNS--

(1) Bhanot Properties & Inds. Ltd. 102-103, Raja House, 3031, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Satish Nayyar 8-1/1037, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. 1AC|Acq.III|37EE|3-85|847.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000.

and bearing No. Flat No. 309, 3rd floor, B-1/2, Azadpur Commercial Complex, Naniwala Bagh, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Flat No. 309 having approx. super area 385 sq. ft. on the 3rd floor of the building to be constructed on plot B-1/2, Azadpur Commercial Complex, Naniwala Bagh, Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tage Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ituate proceedings for the acquisition of the v by the issue of this notice under sub-ction 269D of the said Act, so the following Act, I herch aforesaid prosection (1) persons nam

Date: 5-11-1985

OFFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/849.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income to Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 000 - and bearing

No 3 at becomen 4. Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi,

THE WALLS OF THE THE THE

fand none fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he I.T. Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi on Much 1085

for an apparent consideration which is less than the fair ma ket value of the aforsaid property, and I have reason to belove that the fair market value of the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of maps tor with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Mis. Rajdhani Builders, 13th floor, Atma Ram House, 1, Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Vandana Carpets Pvt. Ltd., A-43, Kirti Nagar,, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a pe iod of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the put vation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

# THE SCHEDULE

No. 3 at Basement 4, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Act, I herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atcresaid property by the issue of this notice under subsection 41) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Date: 4-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/852 --- Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000; and bearing No.

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Commercial Office Flat 205. Pragati Tower, 26, Rajinder Place, situated at New Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto),

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of antier with the object of:—

- (w) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the suid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Hari Trust & Sheel Gupta K-115, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(1) M/s. Nova (India) Ltd., 23, West Avenue Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immonable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

\*\*PLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Commercial (office) Flat 205, Pragati Tower, 26, Rajknder Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 5-11-1985

#### FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD MEN HELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/853.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 769B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinalter energed to

Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000]- and bearing No 1-6 D1 D2 Shivlok House III, Najafgath Road, Commercial Complex situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fat

for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as altoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afortagaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shivlok Properties, Admath House, Opposite Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) M<sub>IS</sub> Indo Asian through Mr B. C. Dayal Financial Investment Co. (P)Ltd., A 87. Sandai Market. Civil Lines, Jullundur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULF

1-6, in D1D2, Shivlok House III, Najafgath Road, Commercial Complex, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 8-11-1985

FORM I.T.N.S.

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

والمراج والمراج والمراج والمراجع والمرا

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III AGGARWAI, HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ret. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/856.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No.

Mezz/Loft floor of building situated at No. 6, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi (Unit F) (and more fully described in the schedule annxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

4, facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acq uisition of the aforesaid property by theissue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 3... (1886, namely -

(1) Kaushalya Educational Trust, through Vivek Kapoor, trustee, 11/4B Pusa Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri D. D. Mittal, 5-A, Civil Lines, Bhatinda (Pb)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peric... of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mezz/ loft floor of building No. 6, Kaushalya Park, Hauz Khas. New Delhi. (Unit  ${\bf F}$ ).

SUNIL CHOMRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 4-11-1985

# FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Kaushalya Educational Trust through Vivek Kapoor, trustee, 11/4B. Pusa Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sunil Kuchal, 108, Basant Enclave, New Dalhi-57.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/857.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G.F. of Unit 'A' & 'B' on plot No. 6 situated at Kaushalya Patk, Hauz Khas, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the I.A.C. (Acqn.) Range III at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of consider with the object of to

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period x 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

O.F. of Unit 'A' & 'B' on plot No. 6, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons against 100—366 GI/85

Date: 4 11-1985

Sc\_\_ :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37EE|3-85|860.-Whereas. I. SUNIL CHOPRA

sunil chopra being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 16WEA, situated at Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in he Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I. A. C. (Acqn.) Range-III at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market valle of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforested exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. New Jay Dec Euilders Pvt. Ltd., through its Director Shri Ishur Singh, 3-C/4, New Rohtak Road, New Delhi.

(Transferor)

M/s. Virendra Motors Upholstry, 16, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

16 WFA, Karol Bagh. New Delhi (Unit No. 1, on Basement, 1260 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-11-1985

Seed:

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4[14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85]914,--Whereas, I, SUNIL CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. B-4, Preet Vihar, Delhi-92

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfer ed under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I. A. C. (Acqn.) Range-III at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-sectica (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) B. Virmani s/o. Shri K. C. Virmani 10A, Nızamuddin West, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrl Shankar Lal Singhania, s/o. Sh. Uday Chand Singhania, r/o. 2218, Jamna Bazar, Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant residential plot of 370 sq. yds, in Preet Nagar Coop. House Building Society Ltd., New Delhi-92 (B-4, Preet Vihar, Delhi-92).

> SUNIL CHOPRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 8-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/3-85/927.—Whereas I.

SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-3, 107, Pankha Road, Res., Scheme, Janakpuri, Delhi

situated at Dolhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfer ed under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I. A. C. (Acqn.) Range-III at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the Moresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suberction (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) S. L. Mahajan, A-2/B-172 C Marg, Flats, Paschim Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri B. K. Mehta, C-2/397, Janakpuri, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a petrod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. B-3/107, Pankha Road Resdi. Scheme, Janakpuri, New Delhi, measuring 357 sq. mt. z.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Incomessax Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 5-11-1985

Seed :

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HUCSL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acg-III/37EE/3 85/928 -- Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income fax. Act, 1961 (43 of 1961) (here pafter referred to as the said Act ), have rea on to believe that that the immovable pepty, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No 203 National Coloperative House Bidg Society Ltd., Ram

Vihaz, Delhi 92

(and more rully described in the Schedule annexed hereto). has been transfer ed under the Income-'ax Act, 1961 in the Office of the I A C (A.4.1) Range-III
New Delhi in March 1985

for an enducation of the fair multi-value of the fair multi-value of the foic ail property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been win h outht to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 cf 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, theerefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby init are proceedings for the acquisit on of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Ram Asrey Sharma, s/o Shii Amar Chand, 10. B-5/61, Near Post Office, Goraya (Pb). (Transferce)
- (2) Sm. Sumitra Devi, w/o. Sh-i Kishore Chand Monga, r/o. H-5/2, Krishan Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the isspective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovab'e property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant residential plot No. 203, National Co-operative House Bldg. Society Ltd., Ram Vihar, Delhi-92.

SUNIL CHOPRA Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 5-11-1985

# FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOOSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/3-85]1039.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

L-1/1h, Hauz Khas Enclave, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I. A. C. (Acqn.) Range-III at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persont, namely:—

(1) Sh. Dwarka Parshad, & Smt. Munni Devi, 1/2, Ram Kishare Lane, Civil Lines, Delhi.

(Transferor)

(2) Yoginder Kumar Gupta, 1/2, Ram Kishore Lane, Civil Lines, Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

L-1/16, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIL New Delhl

Date : 6-11-1985

Scal :

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/1084.—Whereas, I.

SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No.

Plot No. F-28, Prect Nagar CHBS Ltd. Preet Vihar situated at Delhi-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi

in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Smt. Satwant Kaur Anand W/o Sh. Baldev Singh Anand E-5/2. Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

(1) Sh. Mahendra Prasad Jain Sh. Satish Chandra Jain Sh. Kamlesh Kumar Jain Sons of Sh. Padam Singh Jain R/o 5221. Shardhanand Marg, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant Residential plot No. F-28, Preet Nagar, CHBS Ltd., Preet Vihar, Delhi-92.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi

Data: 6-11-1985

FORM 1.T.N 5.----

(1) M/s. B. S. Sons, 2060, Ka ia Tobacco Delhi-110006.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1.1X ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ansal P operties & Indus. (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg. New Dalhi-1.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85|1544.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter) referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a star market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Plot 57, Block No. 148, 14, K. G. Marg, mg. 5342 eq. mtr. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1. T. Act, 1251 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be here that the fair mirket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 57, Block No. 148, 14, Kasturba Gandhi Marg. New Delhi, measuring No. 5342 eq. mtr.

R. P. RAJESH, Competent Authority Inspecting Assistant Commiss oner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi/New Della.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-11-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DEI HI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1545,—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

535. Defence Colony, measuring 3000 sq. ft. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) fautheating the reduction or evasion of the liabelity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—
101—366 GI/85

(1) Smt. Sohagwanti, Smt. Swaran Pal, Sh. Santock Singh, Sh. Harbant Singh, Smt. Inderjit Walia, Smt. Neelam Bawan Ku, Esha Walia Ma, Balwant Singh, All R/O S-219, Gl. Kailash-II, N.D.

(Transferor)

(2) Sh. Lavleen Singal, No. 1, Acharwala Bagh, Subzi Mandi, Delhi-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. C-535, Defence Colony, New Delhi-24, measuring 3000 sq. ft.

R. P. RAJESH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 4-11-1983

### FORM ITNS———

(1) Skipper Towers Private Ltd., 22, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi. the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1546.-- Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fail market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Flat No A-1502, 98, Nehru Place, mg. 400 sq. ft. situated

at New Delhi

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at

and for

IAC/Acq. Range-I, on Maich 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the varies has not been truly stated in the said instrument of sugarfer with the object of:

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to puy tax under the said Act, in

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

respect of any income arising from the transfer,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act i hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(2) Sh. Ashok Kumar (HUF) Surinder Kumar (HUF) Om Prakash (HUF), B-432, New Friends Colony, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. A-1520A, at 98, Nehru Place, New Delhi, measuring 400 sq. ft.

> R. P. RAJESH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 4-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1547.--Whereas, I,

Ref. No. IAC/Acq. 1/3/EE/3-63/134/.—vvnctous, 1, R. P. RAIESH.
beins the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 310, F-14, Connaught Place, mg. 786 sq. ft. situated.

at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office

of the registering Officer at IAC/Acq. Rance-I on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evaplen of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; vod/er
- (b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Sh. Rakesh Kumar Aggarwal (HUF) Sh. Umesh Kumar Aggarwal (HUF), R/o 10/4763, Deputy Ganj, Sadar Bazar, Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Oceanair Transport & Investment Co. Pvt. Ltd., 289, Shahid Bhagat Singh Road, Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 310, Competent House, F-14, Connaught Place, New Delhi, measuring 786.07 sq. ft.

> R. P. RAJESH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 4-11-1985

Scal:

# FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/3-85/1548.—Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00.000/- and bearing
Space No. 19, on 7th floor in Block No. 'E' of Hotel situated at Cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi nig.

(and more fully described in the Schedule arraced hereto) has been transferred under the I. T. Act. 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly wated to the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any resources or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s, Nehru Place Hotels Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura Extn., New Delhi-14.

(Transferor)

(2) Mrs. H. K. Mejie w/o H. S. Mejie House No. 55, Sector 2-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in whiting to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as air defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in ant Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 19 on 7th floor in Block No. 'E' of Hotel-cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi, area 638 sq.

> R. P. RAJESH, Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I,
> Delhi/New Delhi.

Date : 5-11-1985

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delln, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Aeq.1/37 $\Gamma$ E/3-85/1549.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

transfer with the object of :--

Space No 54, L.G.J. in 'Dr. Gopal Das Bhawan', situated at 28, Barakhamba Road, New Delhi-1, mg. 200.28 sq. tt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at 1AC/Acq. Range-I, in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the conceanment of any income of any snoneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mannely:

 M's, 'topal Das Estates and Housing Pvt. Ltd., 28, Patakhamba Road, N v. Delhi-1.

(Transferor)

(2) The Da ander Nath Lohtia, that Shr Yog Ray Lohtia, it o (-5 ONGC Colony, Sibsagar (Assam)-785640.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Stace No. 54, on Lower Ground Floor in 'Di. Gopal Das Bhawan' 28, Barakhumba Road, New Delhi-1, mg. 200.28 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

ાતe: 4-11-1985

Scul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# TFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. 14C/Acq.1/37EE/3-85/1550.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

eing the Competent Authority under Section 269B of the acome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 17, at 79, 80 Nehru Place, mg. 303 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC//Acq. Range-I, on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the health of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 17 at 79-80, Satkar Bldg., Nehru Place, New Delhi, mg. 303 sq. ft.

> R. P RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Lt. Col. (Rtd.) Y. G. Mathur, 96B, Pocket A-14, Kalkaji Extn., New Delhi-19.

(Transferor)

(2) Mr. M. G. George, 13-20, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Date: 4-11-1985

Scal :

(1) Mrs. Nalini Agarwal, w to Shri Rajiv Agarwal, 49/1, Rajpur Road, Delhi.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Ki hore Gidwany, s/o Late Shri G. T. Gidwany, D-79, Defence Colony, New Delhi,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No 1AC/Acq.I/37EE/3-85/1551.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 r- and bearing Flat No 118, at 38, Nehru Place mg. 361 sq. ft. situated at New Public

at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the

Office of the Registering Officer at IAC//Acq. Range-I, on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or:

# THE SCHEDULE

Flat No 118, on 1st floor in proposad multi-storey building at 38, Nehru Place, New Delhi-19, mfi. 361 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sain Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-11-1985

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1 HF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Kamal Enterprises, ki-48, Green Park, New Delhi-16

(Transferor)

(2) Shri N. L. Bedhwar (HUF). 14, Poorvi Marg, New Lobbest.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMP-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF AYI ROAD, NEW DFLHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq I/37EE/3-85/1525.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 203, plot W-111, Gr. Kailash-II, mg 1610 sq ft, situated at New Delh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and and I have reason to believe that the tair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefore by more the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property. within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; apd for

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Flat No. 203 on the first floor of Kamal Apartments on plot No. W-111. Greater Kailash-II, New }elhi, area 1610 sq. ft.

> R. P. RAJESH
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-11-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) M/s. Apex Construction (P) Ltd., A-7/2, New Liends Colony, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Santosh Kumari, w/o Shri Pratap Singh R/o M-273, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dolhi, the 4th November 1985

Ref. No. 1AC/Acq.I/37EE/3-85/1535.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No. S-2. M-167, Or Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer

Office of the Registering Officer
at IAC//Acq. Range-I, on March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reductio nor evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act. (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

No. S2, on rear portion of 2nd floor of building under construction at M-167, Gr Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road, New Delbi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in title proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, varuely:— 102—366 GI/85

Date: 4-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1554.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
One 'A' residential flat in Real Block, area 1600 sq. ft. on

One 'A' residential flat in Real Block, area 1600 sq. ft. on 3rd floor in proposed multi storeyed group housing scheme, 9, B. K. Road, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(1) M/s. Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Sont. Prem Kumari Chabra and Smt. Anju Bir, 32, Regal Building, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein aver defined in Chapter XXA of the east Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One 'A' residential flat in Reare Block, area 1600 sq. ft. on 3rd floor in proposed multi-storeyed Group Housing Scheme 'NILGIRI' apartments, 9, Barakhamba Road, Delhi and one open car parking space.

THE SCHEDULE

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A Asaf All Road, New D. lhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-11-1985

Scal:

(2) Sh. Sanjay Bansal,

# FORM ITNS--

(1) Skipper Sales Private Ltd. 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1555.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

mg. 750 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Pagistering Officer at the Registering Officer at

IAC/Acq. Range-I, in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of transfer of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

B-15, Greater Kailash-I, New Delhi.

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the tald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Flat No. 1011 at 22, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 750 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely :-

Date: 4-11-1985

# FORM ITNS-----

(1) Skipper Sales Private Limited 22. Barakhamba Road, New Delhi.

(2) Miss Ritika Narang, A-43, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, AS 1F ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1556.—Whereas, I.

Ref. No. IAC/Acq.1/3/182/3-03/1838-1718-183, 2, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (horningfur referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1502-A, 89, Nehru Place, mg. 372 sq. ft.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq Range-I, in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the possideration for such thanks agreed to between the parties has not been truly stated in the said hadrospirt of transfer with the object of ;-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 46 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 38 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the while he of this notice in the Official Gazette.

karkana i ija .--Ihe terms and capressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 1502-A, at 89, Nehru Place, New Delhi, measuring 372.40 sq. ft.

(b' facilitating the concealment of any insome or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-task at, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforecald property by the issue of this notice under subcation (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 5-11-1985 Seal

(1) Skipper Towers Private Ltd., 22. Barakhamba Road, New Delhi.

(2) Mrs. Satish Dhawan, K-109, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, AGAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No IAC/Acq.I/37EE/3-85/1557.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. G-9 at 98, Nehru Place, mg. 300
sq. it. situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at the Registering Officer at

IAC/Acq. Range-I, in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore ail project all I land reson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration tay such temperature to be apparent consideration but that the consideration tay such temperature to be apparent consideration that the consideration tay such temperature agreed to be apparent consideration tay such temperature agreed to be apparent consideration tay such temperature. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The ceims and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

# THE SCHEDULE

Flat No. G-9, at 98, Nehru Place, New Delhi, measuring 300 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-11-1985

(1) M/s. Singh & Smile 5A/185, WFA, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Karan Vir Khurana, D-99, Kamla Nagar, Delhi-7.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EL/3-85/1558.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred ta as the 'said Act'), have reason to believe that the inemovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

Basement No. 4 at 60, Nehru Place, mg, 644 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the end instrument of transfer with the ebject of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Basement No. 4, Sky Lark, 60, Nehru Place, New Delhi, measuring 644 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-11-1985

(1) Major Mulk Raj Malik & Sons (HUF) C/94, Defence Colony New Delhi

(2) Mr Kawaljit Singh S/o Sh

New Delhi

(Transferoi)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref No IAC/Acq 1/37EE/3-85/1559 -- Whereas, I, R P RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the isnexovable property, having a fair mrke value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No Plot No B-52, Defence Colony, mg 1662 sq ft.

situated at New Delhi

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfe red under the IT Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq Range-I, on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wrising from the transfer end/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore to pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby unitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the followpersons, namely '---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Sajjan Singh, R/o H 34, Green Park Extension,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garette

REPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No B-52, Defence Colony, New Delhi, mg G F-1462 sq ft and Mezanine-200 sq ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi.

Date 5-11-1985 Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# (1) M/s. Rawal Apartments (P) Ltd. 119-Com-etent House, F-14, Connaught Place, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Mr. Kamal Kumar Bedi & Mr. Bimal Bedi, D-13, Bagri Market, 71-Canning Street, Calcutta-1.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1560.-Whereas. I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 102 B.M.C. House N. Block Con. Place mg. 570 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at

the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985

IAC/Acq. Range-1, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair arrived value of the aforem 1 property, and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;----

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 102, BMC House, Connaught Place, New Delhi, measuring 570 sq. ft.

> R. P. RAJESII Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 5-11-1985

Scal:

(1) M/s. Singh & Smile 5A/185, WEA, Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. B. M. Behl S/o Sh. B. N. Behl and Mrs. K. Behl W/o Sh. B. M. Behl C 7/200 Sefdarjung Dev. Area, New Delhi. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-Å, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/3-85/1561.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Basement No. 2 at 60, Nehru Place, mg. 635 sq. ft.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at

IAC/Acq. Range-I, on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Basement No. 2, Sky Lark, 60, Nehru Place, New Delhi, measuring 635 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Ass'stant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersous, namely :---103-366 GI/85

Date: 5-11-1985

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Jagdish Talwar and Smt. Kusum Talwar, 11 Park Road, Burnpur, West Bengal.

D-2. Kalindi, Ring Road, New Delhi.

(1) Neha-Deep Estates,

(Transferee)

(Transfero)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1562.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3A, D-2, Kalindi, Ring Road, mg. 1110 sq. ft.

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 3-A, at Naha Deep, D-2, Kalindi, Ring Road, New Delhi, area 1110 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper by the issue of this notice under subsection (1) Sec. 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref No IAC/Acq I/37EE/3-85/1563—Whereas, I, R P RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing Plat No 101 BMC House, CON. Cir, mg 832 sq ft ND situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the LT Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq Range-I, in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per east of such apparent consideration by more than fifteen per east of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the eald instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said set, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometag Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlik-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

- (1) S/Shii Narender Anand (IIUF), C 202, Defence Colony, New Delhi-110 024. (Transferor)
- (2) Miss Sarika Gulati, Babu Puja Gulati, Baby Sakshi Gulati, S 166, Greater Kailash-I, New Delhi 48, Master Ashish Wadhwa, Baby Shruti Wadhwa & Baby Sweta Wadhwa, S-510, Greater Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No 101 BMC, House, Connaught Circus, New Delhi-1, measuring 832 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

# COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1564.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

k. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason-to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearingNo.
B-13, at 38, Nehru Place, mg. 375 sq. ft.
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the LT. Act, 1961 in the Office

has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office

of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi,

(Transferor)

(2) Master Pankaj Grover S/o Sh. Ravinder Kumar R/o 3/215, Subhash Nagar, New Delhi-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

B-13, at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 375 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Pears I Delta Olars Delta Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delbi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1565.-Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1401, at 38, Nehru Place, mg. 476 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961 in the Office of the Registering Officer at

IC Acq. Range-I, in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concesiment or any income of moneys or other assets which have not bee which ought to be disclosed by the transferse the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Sh. R. M. Dhir S/o M. M. Dhir C/o Sh. G. L. Loomba, R/o K-53, langpura Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BEPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1401, at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Oate: 7-11-1985

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1567.- vv notees, 1, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 706 in Prakash Deep 7, Tolstoy Mavg. mg. 466 sq. ft, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly exceed in the said between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) by any other person interested in the said immov-moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dr. R. L. Sanghi & Dr. (Mrs.) R. Sangh, R/O C-26, Green Park Extu. New Delhi-16.

(Transferce)

(2) M/s. Suri Enterprises, 93, Mount Road, Bharat Insurance Bldg., Madras-600002

(Transferor)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 706 (7th floor) in Prakash Deep, 7, Tolstoy Marg, New Delhi, measuring 466 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 7-11-1985

(1) Sh. Dhruv Gupta, S/o Sh. J.P. Gupta R/o 207 Sukhdev Vihar. New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ranbir Singh Jolly S/o Sh. S. S. Jolly, r/o 70-A, New Connaught Place, Dehra Dun (U.P.).

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1568.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No. Space No. 111, at 17, Barakhamba Road, mg. 221 sq. ft. situated at New Delhi

New Delhi

New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facditating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Space No. 111 (Basement) at 17, Barakhamba Road, area 221 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

No Cherefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2500 of the said Act, to the following ocrsons, namely :-

Date: 7-11-1985

FORM ITNS----

 M/s. Reliance Apartment (P) Ltd. Λ-1/149, Inder Puri, New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Bhuvnesh Kumar Chawla & Mrs. Bina Chawla C/o Dr. M. M. Lal, 29/10, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferoi)

GOVERNMENT OF INDIA

92-356GI/85

persons, namely:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. 1AC/Acq.I/37EE/3-85/1569.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 669B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. B/27, Kailash Colong, mg. 670 sq. ft.

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration I.T. Ac: 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2, B/27, Kailash Colony, New Delhi, area 670 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hertby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-

Date: 7-11-1985

Scal;

# FORM ITNS ----

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DEI HI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Λcq.1/37Ef-/3 85/1570.-- Whereas, I,

R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 2696 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 1511 at 38, Nehru Place mg. 450 sq. 1t. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration I.T. Act 1961

in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-1, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: 98J /07
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

104-366GI/85

- (1) Ansal Properties & Industries (P) 1 (d. 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi. (Transferee)
- (2) Sh. Rayınder Kumur Aggarwal Sh. Radhey Shyam R/o 50/18, New Rohiak Road, New Delhi,

(Transfero)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI ANATION. - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1511 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 450 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 7-11-1985

Scal:

FORM ITNS---

- (1) Smt. Padma Kaul w/o Sh. Satindra Nath Kaul, R/o Barbar Shah, Srinagar.
  - (Transferor)

- NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- M/s. Raj Kumar Sehgal & Sons, E-32, East of Kailash, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. IAC/Acq, 1/37EE/3-85/1571.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Basement No. 1C in Bakshi House, mg. 600 sq. ft. situated at 40-41, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I, in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Basement No. IC in Bakshi House, 40-41, Nehru Place, New Delhi, measuring 600 sq. ft.

THE SCHEDULE

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range 1, Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following ersons, namely ;-

Date: 7-11-1985

# FORM ITNS -----

(1) Sh. Satindra Nath Kaul, P. R/o Barbar Shah, Srinagar.

s/o Sh. Raj Kumar Sehgal,

(2) Sh. Nakul Sehgal (Minor)

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/3-85/1572.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the knowable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No. Basement ID, at 40-41, Nehru Place, New Delhi mg. 600 sq. situated at New Delhi (and proper fully described in the Schedule approach hereto).

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC|Acq. Range-I, on March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

R/o E-32, East of Kailash, New Delhi.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

Basement No. 1D in Bakshi House, 40-41, Nehru Place, New Delhi, measuring 600 sq. ft.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 7-11-1985

# FORM ITNS---

(1) Sh. Nagendra Nath Kaul s/o Sh. Satindra Nath Kaul, R/o Barbar Shah, Srinagar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ramesh Kumai & Sons, E-32, East of Kailash, New Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF JNCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/3-85/1573.—Whereas, I,

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/3-85/1573.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Basement No. 1B, 40-41, Nehru Place, mg. 600 sq. ft. situated at New Delbi

at New Delhi

and or

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at JAC Acq. Range-1, in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as use defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Basement No. 1B in Bakshi House, 40-41, Nehru Place, New Delhi, measuring 600 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Astt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Rodd,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 7-11-1985

Sh. Vijayendra Nath Kaul
 Sh. Satindra Nath Kaul,
 R/o Barbar Shah, Srinagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. J. N. Sehgal & Sons, E-32, East of Kailash, New Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37bE/3-85/1574.—Whereas, 1, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. Basement No. 1A, 40-41, Nehru Place, mg. 600 sq. ft. situated

at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Basement No. 1A, in Bakshi House, 40-41, Nehru Place, New Delhi measuring 600 sq. ft.

THE SCHEDULE

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4 | 14A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Mani Raj Kumar, E-452, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mis. Sunita Lakra, J-6|119, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37FE/3-85/1575.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Space No. 111 at K. O. Marg, mg. 135 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

First Floor air-conditioned space No. 111, in proposed building on plot No. 22, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, having an area of 135 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of h. aid Act, to the following persons, marnely:--

Date: 8-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/3-85/1576.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. G-3, at 44, Nehru Place. New Delhi mg. 323 sq. ft. situated

at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I, on Match 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of approximate, with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the anoresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following tersors namely :-

 Sh. N. B. Singh, and Stat. Variender Kaur, R/o K-39, NDSE-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri C. Gauray Ahuja and Vivek Anand Ahuja, R/o Ahuja Mansion (FAZILKA), Punjab.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. G-3 measuring approx. 323 sq. ft. on Ground Floor and 83 sq. ft. on niezzanine floor of Deenar Bhawan, 44, Nehru Place, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi,

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI,

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. [AC|Acq. 1|37EE|3-85|1577.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000 and bearing No. exceeding

Flat No. 202 at 89, Nehru Place, mg. 409 sq. ft. situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax A t, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Sushma Khanna, C-60, East of Kailash, New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Usha Krishan. Mr. Gonal Krishan, Master Sanjeev Krishan & Saurabh Krishan, H-22, Lajpat Nugar-III, New Delhi

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aut, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 202 at 89, Nehru Place, New Delhi, area 409 so. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 8-11-1985

#### FORM TONS....

(1) Skipper Sales Private Ltd., Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Amit Bansal, B-15, Greater Kailash-I, New Delhi-48,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1578.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hat No. 1002, at 22B, K. Road, mg. 550 sq. ft. situated at

New Delhi

New Delhi (and more fully described in the Schedule anuexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officer per cent of such apparent consideration and more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traly stated in the said transment of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection, (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

105-366GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1002 at 22, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 550 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 8-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Apex Construction (P) Ltd., A 7/2, New Friends Colony, New Delhi-65.

(Transferor)

(2) Mr. Gurdayal Prasad Asthana, S-307. Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1579.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000] and bearing No.

M-167, Greater Kailash-II, mg. 460 sq. ft. situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I, in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the part is has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be roade in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

the facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit Apartment No. S-1, on front portion of 2nd floor of bldg. U/C at M-167, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 460 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspetcting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delw.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said to 1 hereby mutate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1580.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. G-47, East of Kailash, mg. 684 sq. ft. situated at New Delhi

G-47, East of Kailash, mg. 684 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at JAC Acq. Range-I, in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Sarla Sunder Singh, Miss Vera Sunder Singh, Kothi No. 17, Sector-5, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Swaranlote Gunta Master Kunal Gunta R/o 24-D, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential House mg. 684 sq. yds. at G-47, East of Kailash, New Delhl.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspetcting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 8-11-1985

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Kailash Nath and Associates 1006, Kanchanjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Shri D. R. Sharma (HUF), W-129, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1.

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/3-85/1581.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 206 at 19, Barakhamba Road, mg. 500 sq. ft. situated

at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- I'ne terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef 1967):

Flat No. 206 on 2nd floor of proposed multi-storeyed commercial bldg., at 19, Barakhamba Road, New Delhl, area 500 sq. ft.

THE SCHEDULE

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-11-1985.

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1582.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

teing the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 5, at 19, Barakhamba Road, mg. 500 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the i.T. Act 1961 at me office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. ta respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:-

 M/s. Kailash Nath and Associates, 1006, Kanchenjunga, 18, Borakhamba Read, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Achla Sharma, Mr. D. R. Sharma both r/o W-129, Greater Kailash-I, and Mrs. Pushpavanti Sharma and Mr. S. R. Sharma both R/o A-128, Inder Puri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5 on 2nd floor area 500 sq. ft. at 19, Barakhamba Road, New Delhi, (ARUNACHAL).

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I.
> Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 6-11-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I.

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, A NEW DELHI. ASAF ALI ROAD,

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1583.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 502 at 16, Nehru Place, mg. 502 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than firteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the manusty of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) Mr. Vijay Ghel s/o Sh. V. N. Ghei, r/o M-183, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Baby Puja Mehta, Master Manoj Mehta, U/G Mrs Saroj Mehta, Master Neeraj Nayyer & Baby Manju Nayyar. U/G. Mrs. Usha Nayyer, r/o C-115, Lajpat Nagar-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 502, Kundan House, 16, Nehru Place, New Delhi, area 945 ag. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang#I. Aggarwal House. 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 6-11-1985.

#### FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1584.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
Space No. 80C, on L.G.F. in Dr. Gopal Das Bhawan, situated at 28, Barakhamba Road, New Delhi, area 191 sq. ft.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) M/s, Gopal Das Estates and Housing (P) Ltd., 28, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Mr. Bhavanish Khosla (HUF), 8/0 Late Dr. P. L. Khosla, R/o N-115, Connaught Circus, New Delhi-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personal whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used there as are defined in Chapter XXA of the sade Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Space No. 80-C. on Lower Ground Floor, in Dr. Gopal Das Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi, area 191 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 6-11-1985

FORM NO. ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

AGGARWAL HOUSF, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1587.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing No.

Flat No. 422 at 38, Nehru Place, mg. 491 sq. ft. situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(2) M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd., 2E/16, Ansari Road, Darya Ganj, New Delini.

(Transferee)

Objectives, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persone within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 422 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 491 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following per our samely:—

Date: 6-11-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd., 2E/16, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi,

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1587.—Wherens, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 414 at 38, Nehru Place, mg. 580 sq. ft. situated at New Delbi.

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

106--366GT/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 414 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 580 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 6-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1588.—Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000] and bearing No. Flat No. 417, at 38, Nehru Place, mg. 363 sq. ft. situated at

New Delhi:

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follow: persons, namely :-

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd., 2E/16, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 417 at 38, Nehru Place New Delhi measuring 363 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 5-11-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# (2) Sh. Virender S. Sikand S/o Ch. Prittam Singh,

(Transferor)

Ravinder S. Sikand S/o Ch. Pritam Singh, D-4, Lajpat Nagar-II, New Delhi.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1589.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1321, at 38, Nehru Place, mg. 406 sq. ft. situated at New Delbi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afor hid exceeds the apparent consideration therefor by most than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to be two a the agrice agreed to the consideration the same part by a traily estand in the said letter. hetween the sarties has not be an truly stated in the said instrument of tra sfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; AND/OF

(it) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset? which have not been er which ought to be 6; seed by the transferse for the pury 3sts of the Luian Income ax Act, 1922 (11 of \$22) or the said Act, of the Wealth-tax act. 1837 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the state of publication of this notice in the Official Gaz ate or a period of 30 days from the service of notice on the rest tive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Cirapter XXA of the said Act, shall have it is same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1321 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 406 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 5-11-1985

#### FORM TIME

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1590.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that inamovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 412, at 38, Nehru Place, mg. 610 sq. ft. situated at New Delbi

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the af resaid property and I have reason to believe that the fair r arket value of the property as aforcsaid exceeds the upparent considers ion therefor by more than fifteen per cent of such appare, t consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a ssets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd., 2E/16, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 412 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 610 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range\_1 Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 5-11-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

## (Transferor)

M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd., 2E/16, Ansari Road, Datya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF ENDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1591.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 414-A, at 38, Nehru Place, mg. 450 sq. ft. situated at

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985

tar an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a ssets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 141-A at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 450 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Date: 5-11-1985

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 0F 1961)

#### GOVERNIMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, NEW DELHI ASAF ALI ROAD,

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. JAC/Acq.I/37EE/3-85/1592.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 413, at 38, Nehru Place, mg. 610 sq. ft. situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesald property, and I have reason aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a ssets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,

(Transferor)

(2) M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd., 2E/16, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 413 at 38 Nehru Place, New Delhi, measuring 610 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road. New Lalhi.

Date: 5-11-1985

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1593.—Whereas, I,

Ref. No. IAC/Acq.1/3/EE/3-03/13/3.—Whereas, 1, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hardinafter reduced to an the 'raid Act'), have reason to believe that the harmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 415, at 38, Nehru Place, mg. 560 sq. ft. situated at New Delhi

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sects which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said AC. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan 16, K. G. Marg, New Delhi.

(2) M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd., 2E/16, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 415, at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 560 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I
> Aggarwal House
> 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 5-11-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1594.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 164, at 16, K. G. Marg, mg. 598 sq. ft. situated at New Delbi.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facili ating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg. New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd., 2E/16, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 416, at 38 Nehru Place New Delhi, measuring 598 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competers Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 5-11-85

Scal:

FORM ITNS----

115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(2) M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd.,

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2É/16, Ansari Road, Ďaryaganj, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4.14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/3-85/1595.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No. 421, at 38, Nehru Place, mg. 406 sq. ft.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range I, on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

107-366 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 421 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 406 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisi ion Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhl

Date: 5-11-85

, 'm' :

(1) M · On with Children W o Sh R S Sharma, R/o D 3, Solumnagar New Delhi 17

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PACOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Lakhpat Ru. Bhutani S. o. Sh. Janamdas Bhutani, Sh. Lali. Bhutani s. o. Sh. Lakhpat Rai. Bhutani 1020. Fatak Mul.iwala. Daiyaganj Incw. Deilii 2

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14 A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi the 5th November 1985

Ref No IAC/Acq I/37FF/3-85/1596—Whereas, I R P RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No Shop No 101 1st floor 97 B jay House mg 354 sq It situated at Nehru Place New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed heteto) has been transferred under the Income tax Net 1961 in the Office of the negistering Officer at IAC/Acq Range I on March 1985

March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afficial exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any inches or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (1) of 1922 or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shill have the sume meaning as given in that Chapt r

#### THE SCHEDULE

Shop No 101, 1st floot 97 Bajaj House, Nehru Place, New Delhi measuring 354 sq ft

R P RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Agentual House
4 14A Asaf Ali Road New Delhi

Date 5 11-8 ) Seal \*

FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HÖUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1597.—Whereas, 1, R ,P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Jacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. GF-1 in proposed Elite House at plot No. 36,

situated at Community Centre, Kailash Colony, New Delhimg. 397 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair nyrke, value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by men than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concenlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Elite Developers (P) Lts, 115, Ansal Bhawan 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh Sohan Lal Mehra S/o B. D. Mehra, A-14,
Defence Colony, New Delhi-24,
(2) Smt. Sumitra Devi Bhalla
w/o Sh. J. N. Bhalla, C-98, Lajpat Nagar-I. New Delbi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. GF-1, in proposed Elite House at plot No. 36, Community Centre Kailash Colony, Extn., (Zamrudput), New Delhi mg. 397 sq. ft

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 5-11-85

#### FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.J/37EE/3-85/1598.--Whereas, 1, R P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. GF-4 in proposed Elite House at plot No. 36. situated at Community Centre, Kailash Colony, New Delhi mg. 427 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act. 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-1. on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast, in respect of any income arising from the transfer; mad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) M/s. Elite Developers (P) Ltd., 115, Ansai Bhawan 16, Kasturba Gandhi Marg. New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. K K. Mehta (HUF) through Karta K. K. Mehta S/o Sohan Lal Mehta, r/o A-14, Defence Colony, New Dehli-24. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Fla Nto. GF-4, in proposed Elite House at plot No. 36, Community Centre. Kailash Colony, Extn., (Zamrudpur), New Delhi mg. 427 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-11-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. Acq.I/37EE/3-85/1599.--Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 o 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the minovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. GF-3, in proposed House at Plot No. 36, situated at Community Centre, Kailash Colony, New Delhi, mg. 435 sq. ft (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC/Acq, Range-I, on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :-

- (a) facilitating the reduction or evaplen of the Mobility of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Elite Developers (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg,

(Transferor)

(2) Smt. Usha Rani Nayyar w/o Mr. G. R. Nayyar, C-115. Lajpat Nagar-I, New Delhi-24.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 then from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from ervice of metics on the respective persons, whichever period captres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable in 46 days from the date of the publiproperty, with cation of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. GF-3 in proposed Elite House at Plot No. 36, Community Centre, Kailash Colony, New Delhi, mg. 435 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-trix Acquisition Range-I New Delhi

Date: 5-11-85

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37DE/3-85/1600.—Whereas, 1, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'su'd Act') have reason to believe that the immov-

as the sa'd Act I have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. GF-2, plot No. 36, Kailash Colony, mg. 424 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range I on March, 1985 for an apparent consideration which is less than he fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beta the property has not been truly stated in the said instance. ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any

(1) M/s. Elite Developers (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. K. K. Mehta s/o Mr. Sohan Lal Mehta, R/o A-14, Defence Colony, New Delhi-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given is that Chapter.

## THE SCHEDULE

meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. GF-2, in proposed Elite House at plot No. 36, Community Centre, Kailash Colony, New Delhi, mg. 424

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely:--

Date: 5-11-85

FORM ITNS --- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Elite Developers (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi (Transferor)

(2) Shri G. R. Nayyar (HUF), through karta Gulshan Rai Nayyar, C-98, Lajpat Nagar-I, New Delhi-24.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1601.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-

roperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No., GF 5, plot No. 36, Kailash Colony Extn. mg. 417 sq. ft, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the I. T. Act, 1961 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the ronsideration for such transfer as agreed to between the warties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. GF-5, plot No. 36, Kailash Colony Extn., New Delhi, mg 417 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the followersons, namely:—

Date: 5-11-85

Seal:

من مان مان الله والمان

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 M. s. Flite Developers (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi. (Transferor)

 M/s. A. K. International, D-4/1, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/3-85/1602.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-1, plot No. 36, Kailash Colony Extn., mg. 432 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under I. T. Act, 1961 in the office of the Registering officer at

IAC/Acq. Range-I on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice? in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B-1, in proposed Elite House, at plot No. 36, Community Centre, Kailash Colony Extn., Zamrudpur, New Delhi, mg. 432 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-laAcquisition Range-I
New Delhi

Date: 5-11-1985

Seat -

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1603.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rear portion of the G. F. at 18, Todar Mal Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of th Registering Officer at IAC/Acq. Range-I in Morch 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

180—366 GI/85

(1) M/s. Brij Enterprises (P) Ltd., E-4/15, Jhandewalan Extension, New Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Bharat Kumar Gupta, 99, Anand Lok, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions user herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Rear portion of the Ground floor at 18, Todar Mal Road, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Date: 5-11-85

#### FORM ITNS-----

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16-K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Tripta Sharma w/o Mr. H. L. Sharma, Mrs. Surendra Sharma w/o Mr. H. D. Sharma, E-77, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/3-85/1604.—Whereus, I, R. P. RAJESH,

K. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1402 at 38, Nehru Place, mg. 485 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

has been transferred under the

I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1042 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 485 sq ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 5-11-85

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/3-85/1605.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Licome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1521 at 38, Nehru Place, mg. 406 sq. ft. situated at New Delhi (ord. means fully described in the Schedule appeared beats).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at L.I. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at JAC/Acq. Range-I on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consinderation theregfor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property 2/ the issue of this notice under section (1) of 3906.3° 269D of the said Act. to the following persons, manage;-

(1) M/s. Ansal Properties and Industries Pvt. Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16-K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Geeta Puri, Mr. Vikas Puri, E-389, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used never as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1521 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 406 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I New Delhi

Date: 5-11-85 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 M/s. Ansal Properties and Industries Pvt. Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16-K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd., 2E/16, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi, (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq1/37EE/3-85/1606.—Whereas, I, R. P RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 423, at 38, Nehru Place, mg. 477 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I in March, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of-

- (a) l'acilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 423, at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 477 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 6-11-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1607.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 611-A at 22, Barakhamba Road, mg. 500 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I in March, 85 I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration when the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mew, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

(1) M/s. Skipper Sales Private Ltd., 22, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Anju Ghei w/o Sh. Vijay Ghei, R/o M-183, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 611-A, at 22, Barakhamba Road, New Delhi measuring 500 aq. ft,

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Date : 6-11-1985

FORM ITNS----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Nehru Hosierv Mills. 5509, Basti Harphool Singh, Sadar Thana Road, Delhi-6.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq I/37EE/3-85/1608.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1108 at 38, Nehru Place, mg. 580 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT. Act 1961 in the Office of the Regis'ering Officer at IAC/Acq. Range-I in March, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeparties has not been truly stated in the said instrument of stud excreds the apparent consideration therefor by more than and exceeds the apparent consideration therefor by more than Officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1108, at 38 Nehru Place. New Delhi, measuring 580 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 6-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAI. HOUSE, 4/14-A, ASAF ALJ ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/3-85/1609,—Whereas, I, R. P. RAIESH.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000/- and bearing Flat No. 1215 at 38, Nehru Place, mg. 560 sq. ft. situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I in March 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1927).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

 M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan. 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

was leen en with the s

(2) M/s. S. C. Jain (HUF), Master Adeep Jain s/o Sh. Rajeev Jain, ED-136, Tagore Garden, New Delhi-27.

(Transferee)

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1215 at 38, Nebru Place, New Delhi, measuring 560, sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Date: 6-11-85

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd., 2E/16, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhl. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAI HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. 1AC/Acq.I/37EE/3-85/1610.—Whereas, I, R. P. RAIESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 418, at 38, Nehru Place, mg. 361 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfered under the

I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 418 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 361 aq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-11-85

PORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. o. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1611.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 419 at 38, Nehru Place, mg. 584 sq. ft. situated

at New Delhi

transfer with the object of :

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have wason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sale section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name(v:— 109-366 GI/85

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd., 2E/16 Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned '.-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION ;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 419, at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 584 sq ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I,
> Aggarwal House,
> 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 6-11-1985.

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-I,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. 1AC/Acq. I/37EE/3-85/1612.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000-Flat No. 420 at 38, Nehru Place, mg. 399 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the eald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd., 2E/16 Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 13 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 420 at 38, Nehru Place, New Delni, measuring 399 Sq. ft

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delbi.

Date: 7-11-1985

Şeal

## FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHII.

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/3-85/1613.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 24, 3 & 4, South End Lane, New Delhi, mg. 1810 sq. ft. situated at New Delhi

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) factificating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

 M/s. Kailash Nath and Associates, 1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi-1,

(Transferor)

(2) Mrs. Aruna Sultan, D-278, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, it any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

## THE SCHEDULE

A resdl. flat No. 24, area 1510 sft, on 3rd floor, a servant quarter No. 24, area 130 sq. ft. on 2nd floor and open terrace area 170 sq. it. in proposed multistoreyed Group Housing Scheme GAURI APARTMENTS at 3 & 4 South End Lane, New Delhi, and one Car Parking Space.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 7-10-1985

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1614.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Proposed rear flat on G.F. of L-10, kailash Colony situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shn Anil Kumar, X-17, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ajay Katara, A-1/271, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SHEDULE

Proposed rear flat on Ground Floor of L-10, Kailash Colony, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal Houte,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 7-10-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1615.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the (ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing Unit No. 3, B-27, Kailash Colony, mg. 670 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen 1-1 cent of such apparent consideration and that the considera ion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Reliance Apartments (P) Ltd., A-1/149, Inderpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Dhanwanti Goplani w/o Mr. Santosh Goplani, R/o W-167, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 3, B-27, Kailash Colony, New Delbi, measuring 670 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/3-85/1616,---Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
One car parking, in L. Basement, at 19, B. K. Road, situated at New Delhi.

at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent conditional which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumont of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Bawa Shiv Charan Singh, 29, Babar Lane, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One open car parking space in the Lower Basement of proposed multi-storeyed commercial building, 'ARUNA-CHAL' 19, Barakhamba Road, New Delhi-1.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-11-1985.

(1) Mr. Harbens Lal Kainth. E-128 Mohammed u . at R.K F. an, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nisha Singh. A-238 Defence Colony, New Delhi,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NFW DEI HI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC /Acq.I 37EF /3-85/1617.—Whereas, I, R.P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-350. Greater Kailash-II mg. 300 sq. yds.

situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Ground Floor Flat of S-350, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 300 sq. yds.

THE SCHEDULE

R. P. RAILSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Dell.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 7-11-1985

#### FORM TINS-

(1) Smt. Chander Kanta, A-6, Ring Road, N.D.S.E. Part-I, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37FE/3-85/1618.—Whereas, I, R.P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
S-462, Greater Kailash-I, mg. 208 sq yds.
situated at New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the J.T. Act 1961 in the Office of
the Registering Officer at IAC/Acq, Range-I,in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aformaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aformaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— (2) Sh. Rajpal Singh Sandhu, at present r/o 7330, Corbin Avenue No. 21, Resedo-91335 (A, USA and Sh. Shivpal Singh Sandhu R/o 59, Woodfiels Road, Cranford, Hounslow, Middlesex, U.K., through their attorney Ltd., Col-T.S. Gill (Retd.), R/o B-52, 1st Floor, N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 19*57 (27 of 195*7);

THE SCHEDULE

Residential unit on second floor of S-462, Greater Kailash-I, New Delhi, measuring 208 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGER AGGARWAL HOUSE, 4 (14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37FE/3-85/1619.--Whereas, T. R.P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and braring

No. Flat No. 707 at 89, Nehru Place, mg. 551 sq. ft. situated at New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the IT. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore have as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fruly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income crising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceed ups for the acquisition of the aforesaid property by the ison of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following riamen egoston 110-366 G1/85

41) Mr. Kawaliit Kaur, W/o S. Surat Singh, R/o C-169, Defence Colony, New Deihi.

(Transferor)

(2) Mr. Roln simple s/o Mr. Robindra Gupta, R./o 87. Nichru Place, New Delhi. (Transferee)

Objections, it my, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the eforeraid persons within a period of by any of the date of publication of this notice in the official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 707 at 89, (Schiu Place, New Delhi, measuring 551 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi.

Date: 7-1 : 35

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DI LHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85, 1620.--Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bening

No. Flot No. 301 at 13, Tolstoy Marg, mg. 696 sq. ft.

situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in Morch 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid Acceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Bakshi Vikeam Vikas Construction Co. (P) 1td, 13, Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M. s. Ashoka Ruj Nath (HUF) D-834, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this

## THE SCHEDULE

Booking of Office Flat No. 301 measuring 696 sq. ft. in the proposed multistoreyed building at 13, Tolstoy Marg, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-1, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursunce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

Date: 7-11-1987

Scal:

## FORM NO. I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ΛLI ROAD NEW DFLHI

New Delhi, the 7.h November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37FE/3-85/1621:—Whereas, I, R.P. RAJESH.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rt. 1.00,000- and bearing

No. S-350, Greater Kailash-II, mg. 30 sq. yds.

situated to New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforessid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ef-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferss for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri H, L, Kainth, 1I-128, Mohammad Pur, near R, K, Puram, Sector-I, New Delhi.

(Transferor)

 Mrs. Mangcet Bose, 187-A, D.D.A. Flat, Rajouri Gardens, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

First Floor of S-350, Greater Kailash-II, New Delbi, mg. 300 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 7-11-1985

#### FORM ITNS ----

(1) Shii Peshaura Singh S/o Shri Nahar Singh Thind permanent c/o M/s. Hydle Construction (P) Ltd., P.O. Maya Bunglow, Shillong (Meghalaya), presently W-1, Gr. Karlash-II, New Dolhi-48. (Transferor)

(2) Shri Baim Parshad Smt. Lajja Gugnani, Shri Vinod Gugmeni, Smt. Bilu Gugmani all R/o C-36.1, Green Park, New Delhi, presently shifted at W-1, G1. Kailash-II, New Delhi.

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMME SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7 h November 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/3-85/1622.—Whereus. I. R.P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. W-1, Greater Kailash-II, mg. 8070 sq. ft.

No. W-I, Greater is allash-II, ma, 80/0 sq. II, situated at New Delhi, and more fully described in the senedule annexed hereto), has been transferred under the IA. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, in March 1975 for an apparent considerate when a few than the fair market value of the informatic property and I have reason to believe that the fair market when at the property as aforemain the superior when the superior than the superior than the superior than especial the apparent consideration threwfor by more than threen per cent of such appeared appeared appeared appeared appeared. consideration for such transfer as agreed to between the tarties has not been traffy stand in the said instrument of

Objections, it say, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 46 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The versus and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

- (a) facilitating the reduction or each on the healthy of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /ac
- (b) facilitating the concentrating I hav theorie or any soneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferes the perposes of the Indian Income-tax Act, i (11 of 1922) or the solid Act, or the Would Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Basement: 1870 sq. ft. (inclusive garages) Gr. Floor 3600 sq. ft. (inclusive ser. qtrs.) First Floor, 3600 sq. ft. (inclusive ser. Qtrs.) Grand total: 8070 sq. fts.

> R. P. RAJESH Commetent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax:
> Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2000 of the said Act, to the following n. nomely :--

Date: 7-11-1985

Scal:

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (4) OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) M.s. Guind & ones on Etd. 17, Barakhamba Rend, New De'hi-1.

(Transferor)

(3) Mrs. Vimla Gupta, w/o Shri R. E Cu, to R/o 10-1-127/1, Hoseb Lark, Hyd .: Jad-500 028.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1623.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

Space No. 16 (LGF) at 17, B. K. Road, mg. 178 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the income-tax Act, 1961, in the Office of Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

Objections, if any, to the impossions of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the store aid recome within a period of 45 days from the date of subfliction of this notice in the Official Genetic or seriod of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever points a tribes one.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within \$5 mg from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charger

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Space No. 16 on Lower Ground Floor in 'VIJAYA' Building 17, Barakhamba Roza, New Delhi, measuring 178.5 sq

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax Arquisition Range-1. Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 7-11-1985

## PORM LINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

AND THE RESIDENCE OF THE PARTY OF THE PARTY

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITEANT COMMES-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. 1AC/Acq.1/37EF/3-85/1624.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12 at 22. Kasturba Gandhi Marg, mg. 687 sq. ft situatel at New Debt'

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of Registering Officer

at IAC/Acq. Range-I, in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/ort
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely tow

 Mrs. Bublinder Kaur. Mrs. Kanwal Preet Kaur, C-116, [oreater Kailash-I, New Delh].

(Transferor)

(2) M/s. Dec Pee Sons, 12.4. Ausal Bhawan, 26, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- 45 days from the date of publication of this network in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :-- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Alloment interest in Flat No. 12, on 7th floor in 22, Kasturba Gandhi Marg. New Delhi, mg. 687 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Rold, New Delhi

Date :7-11-1985 Seal : PORM FINS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

THE PERSON NAMED IN THE PE

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, 65 Ar ATTROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

% Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/1625.—Whereas, I, R. P. RAVESH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 1114, at 38, Nehru Place, mg. 580 sq. it situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of Registering Officer

at IAC/Acq. Range-I. in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I' hereby initiate proceedings for the acquisition of the uforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following rersons, namely :--

M./s. Ansai Properties & Industries (P) Ltd., 115 An al chewap. 16, Rasturba Gandhi Marg, R.y. Lechi

(2) M/s Teternational Commenter Ltd., 302. Al., an Deep Building, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1114, at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 580 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-I. A ga wal House
> 4/14-A Asaf All Pond New Delhi

Date: 7-11-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 2190111 OF THE INCOMPTAX ACT 1961 (43 OF 1961)

AIDIN IL ENAMNA IVON

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION ( ) F-1, MGGARWAL HOUSE, 4/14 A, ( ) VLW DELHI

New Dollar 'h vovember 1985

Ref. No. ..., Aco /37-c/3/85/1626—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent unionly under Section 2698 of the income-tax Act 1967 (43 of 1951) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immersable property, having a tair market value exceeding Rs. 1.00.000/- a d ...)

Plot No. 1-48, Co. ... is studed at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trans, co. d d ... ... o ne-fax Act, 1961, in the Office of Koaske act Co. Co. at IAC/Acq. Range-I in March, 1985 for an apparent come deration which is less than the fair market value of the attribute of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer,
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922, the best of the Venith-tax 11, 1932 (27 of 1937)

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ateresaid propert by the notice under subsection (1) of Service of the said Act, to the following persons namely:—

Mrs. Um Seih Mrs. Shuika Seih, Mrs. Promile Seth, Mrs. Asha beth, Mr. Naiesh Sein all r/o Sadhna Rayon House, Dr. D. N. Road,

(1) Mrs Sudarshan Seth

Bombay

(2) M/s Prag tr construction Co, (Devika chambers) W 49 Greater Kailash-I, New Delhi-48

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ExPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No 1-48, Connaught Circus, New Delhi-110001, measuring.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissione of Income-tax
Acquisition Rang V Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date :7-11-1985 **Seal** :

(1) M/s. Tracon International Ltd. F-48, Bhagat Singh Market, New Delhi-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1901 (43 OF 1961)

(2) M/s. Conent India Private Ltd., Sa. Kuti 33, Ishwarnagar, Mathura Road, New Delhi-65.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMM.SSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq I/37LL, 3-85/1626-A.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the later many A 1 1267 (13 of 1961), hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable proper v having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No

and bearing No. 138 of 15, Karturba Gandhi Marg, mg. 394.37 sq. feet si ui' dot now De'hi (and more fully de cobed in 'he schedu'e annexed hereto) has been transferred and rethe Income-tax Act, 1961, in the Office of Registeing Chiefrat IAC/Acq. Range-I, in March, 1985

for an appearent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer Emit .

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which out to be disclosed by the transferee for the rurgess of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1921) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 308 on 3rd floor is under construction Multi storey building at 15, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, measuring 394.37 sq. feet.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Nov, therefore, in pursuance of Section 2690 of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid a operty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the persons namely :-111-366 GI/85

Date: 5-11-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-85/709,—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 1.00.000 (cond having No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. M-15. Greater Unitash-I, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the consterer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the factor of the ladian income tax Act, 1922 (11 of 1921) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Krishan Lal Sablok,
 6/0 Kirpa Ram Sablok,
 R/0 M-15, Greater Kailash-I,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Ashok Kumar Kapur, s/o Jai Dayal Kapur, Smt. Bela Kapur, w/o Ashok Kumar Kapur, R/o B-365, New Friends Colony,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the suid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Front portion flat on second floor part of property No. M-15, Greater Kallash-I, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Agearwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 30-10-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1985

Ref. No. 1AC/Acq.1/SR-III/3-85/710.--Whereas, 1, R. P. RAJESH,

oeing the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot of land No. It in Arock 'W' Greater Kailsh-II, situated at New New Delhi, measuring 500 sq. mtrs.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985
(or an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration interests by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inittate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Sarita Puri, w/o Sh.i B. P. S. Puri, R/o. 22, Nizamuddin East, New Delhi-13.

(Transferor)

(2) Shri D. V. Betra, Shri Devinder Kumar Batra, Shri Narinder Kumar Batra and Shri Hemant Kumar Batra, r/o W-11, Gr. Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land No. 11, in Block 'W' Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 500 sq. mtrs.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 29-10-1985

Scal:

in a significant the form of the contract of t

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-85/711.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bldg. No. 19, Block No. 'M' in Gr. Kailash-II, situated at New Delhi, measuring 195 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of the Pacietaring Officer at of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said tt, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under sub-ction (1) of Section 269D of said Act, to the follow-P Demons. namely :--

(1) M/s. Rajkiran Pvt. Ltd., A-5, Pam.osa Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Eart & West Constructors & Builders (P) Ltd., M-19, Greater Kailash-II, (Shopping Centre), New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may by miss in writing to the undersigned :-

- (a) by (b) of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

## THE SCHEDULE

Entire Basement (Undivided) in Building No. 19, in Block 'M' in Greater Kallash-II, built on 195 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competen: Authority Inspecting Assistant Commissioner or Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 30-10-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-85/712.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 19(1/2) situated it Gr. Kallash-II situated at New Delhi

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen rer cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in th: said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; andlor
- su) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Vinod Kumar. S/o Shri I. N. Saxena, B-II/153, Satdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri M. K. Bahl, 6/0 Shri T. D. Bahl, 4/12, Sav Priya Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 19 (1/2), situated at Greater Kailath-II, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 6-11-1985

Seal 1

FORM IINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAK ACT. 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-85/713.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the theometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,050% and bearing No.

Property No. C-147, Gr. Kollash-II, mg. 150 sq. yds. situated at New Delhi

at New Denn (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in March, 1985 for an appalent consideration which is less than the fair tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the abnexind property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-caid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income origing from the transfers andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1924 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 265° of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sun'l Bhatia and P.K. Bhatia, ss/o B. R. Bhatia, r/o W-41, Greater Kailash-1, through attorney Smt. Raj Kumari Bhatia. (Transferor)

(2) M/s. Aganall Traders (P) Ltd., E-1/17, Swami Ram Tirath Nagar, New Delhi, through its Managing Director Sa. R. K. Sawhney. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein & are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Second floor of property No. C-47, measuring 150 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhl.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 29-10-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I. AGGARWAL HO 4/14-A, ASAΓ ALI ROAD, NEW DELHI AGGARWAL HOUSE,

New Delhi, the 29th October 1985

Ref. No. IAC/Alq I/SR-III/3-85/714.—Whereas. I, R. P. RAUTSH,

being the Competent Authori'y under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property hiving a far market value exceeding Rs 100,000/- and bearing No.

Plot No 43, in Block W Greater Kailash-II, mg. 400 sq yds

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :-

(1) Shii Harjinder Singh, Shii Harmad Singh, R/o S-513, Greater Kailash-II, New Delhi-48

(Transferor)

(2) Shri Chandra Sen Jain, S-150, Greater Ka lash-II, New Delhi-48

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid remons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Cha ter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULB

Plot No. 143, in Block 'W' in Greater Kailash-IL New Delhi, measuring 400 sq yds.

> R P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Corum ssioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

29-10-1985 Date Scal:

#### PORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(1) Shri Prem Parkash Sharma. s/o Shri Thokur Dass Sharma, 1/o 834, Chirag Delhi, New Delhi.

Snri And Rumar Sengal, 8/0 Shri M. R. Sehgal, Smt. Swarna Sehgal, w/o Shri M. R. Sehgal, both r/o D-289, Defence Colony,

(2) Shri Anil Kumar Sehgal,

New Deibl.

(Transferor)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-85/715.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'mid Act'), has reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Resident al Plot No. 98, in Block No. 'M' Greater Kailash-II in the Public managing 224 on yellow

situated at New Delhi, measuring 324 sq. yds.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fithen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transier with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice In the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inconve able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor:

## THE SCHEDULB

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Residential Plot No. 95, la Block No. 'M' Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 324, sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A Aşaf Ali Road, New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby init are proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-10-1985

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delh , the 30th October 1985

Ref No 1AC/Acq 1 SR-111/3-85/716 — Whereas, I, R P. RAJI-SH,

ibeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4/16A, and 103 sq yds. situated in Jangpura B, situated

at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985 for in apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen payment of such apparent consideration on the thoresaid exceeds the apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the soul instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or

(2) Snit Barshina Devi, w/o Shit Chaman Lal, R/o 4/16A, Jangpura B, New Delhi.

(1) Shar Chaman Lal, 5/9 Shu 14 h Ram, 1/0 4/10/A, Jangpura B, New Delhi, General Attorney for and on behalf of Shir Hizam Lel, Krishon Lal and others

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this none in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ray Act 1957 (27 of 1957);

Property No. 4, 16A area 103 sq. vds. situated in Jangpura B New Delhi.

> R, P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Agearwal House 4/14-A Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 112-366 GI/85

Date: 30-10-1985

Scal :

nul temperatur paul automoti, in la raj estimo de mesos de la temperatura de la compansión de la compansión de LORAT PINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, NSAF ALL ROAD, NEW DELHI

Nev Delh', the 30th October 1985

Ret No. IAC/Acq.I/SR-III/3-85/717.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00.000/- and bearing

No. F/32, Jangpura Fxin., mg 288 sq. yds, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the late market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any important transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any none) ruller is duch that must been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the ord act, or the Wenth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said And I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons namely ---

(1) Mrs. Parkash P. Singh, Mr. Moninder Singh, Sint, Joginer Kaur, M-59, reate: Kallash-i, New Delhi.

(Transferor)

(2) المال Parkash Sethi, H-32, Jangpura Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mark able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said used herein Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Plot No. E-32, Jangputa Extension, New Delhi, mg. 288 sq yds

> R P. RATESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggreent House 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 30-10-1985 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, AS 4F ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/719.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

G.P.B. single storeyed Qtr. No. A-80, situated at Nizamuddin East, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the egastration Act, 1908 (to office) at New Delin in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than officers are consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income srising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Paramjit Singh s/o late Sh. Yagdev Singh R/O 45, Matri Mandir Society, behind Hari Nagar, Gotri Road, Saroda and Sh. Yagdev Singh, r/O F-20, Past of Kailash, N. Delhi.

(Transferor)

(12) M/s. Jatri International. through their partners Mrs. Rehana Siddiqui and Ms. Sarwari Begum r/o A-80, Nizamuddin East, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

G.B.P. Single Storcyed Qtr. No. A-80, measuring 200 sq. yards situated at Nizamuddin East, New Delhi Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House. 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 29-10-1985.

(1) Ray Corporation, A-118, Wazırpur Indl. Area, Delhi-52.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Subham Udyog Pvt. Ltd., A-118, Wazirpur Indl. Area, Delhi-52.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-III/3-85/720.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and Plot No. 'FC' Block No. B-1 (Extn.) Mohan Co-op, situated

at Indl. Estate Ltd., New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985

wir an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. (h) by any person interested in

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No 'FC', Block No. B-1 (Extn.) Mohan Co-op. Indl. Estate Ltd., New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 30-10-1985.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shti Chaman Lal, E-3/8, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha, I-II/19-B, Lajpat Nagai, New Dchi

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-III/3-85/721,---Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1-11/23, Laipat Nagar, mg. 440 sq. ft. situated at New Delhi (and more tully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi in Maich, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersumed :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Property No. I-II/23, Lajpat Nagar, New Delhi, measuring 200 sq. yards.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax
Acquisition Range-1,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-10-85.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/722 -- Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred in as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Property No. 201 Block No. R situated at Greater Kailash-I,
New Delhi, mg. 259 sqs. yds.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideraion and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transferi and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby init ate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Sh. Shorindra Kumar Bose S. o late Sh. Birendra Kumar Boase Esgr., r/o R-201, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) The United India Insurance Co. Ltd., having its registered office at 24, Whites Rd. Madras and 501-504, Kailash Building, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing No. 201, Block No. R, measuring 259 sq yards in the Residential Area known as Greater Kailash-I, New Delhi within the limits of the Delhi Municipal Corporation.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Indome-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 31-10-1985

#### FORM LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1985

Ref. No. 1AC/Acq. 1/SR-III/3-85/724.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable

as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No P-11A, Jangpura Extn. New Delin situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of rassier with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow lno nersons, namely :--

(1) Smt. Tej Kaur w/o S. Lehna Singh through Smt. Mohinder Kaul w/o S. Samputan Singh (GPA) R/o P-11A, Jangpura Extn., New Delhi,

(Transferor)

(2) S. Samputan Singh s. o S. Sardar Singh R/o P-11A, Jangputa Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thus notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION —The terms and expressions used herein 25 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P-11A, Jangpura Extension, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 31-10-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSF, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-185/728.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000- and bearing Agr. land mg. 9 Bighas and 11 Biswas situated at village

Satbari, Delhi

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax mader the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; endler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act 1457 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby mutiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:

(1) Dharam Parkash & Padam Parkash. C-1/65, Safdarjang Development Area, New Delhi.

(Transferor)

(2) Varsha Construction Pvt. Ltd., 5th floor, Bhandati House, 91, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and te expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 9 Bighas 11 Biswas comprised in Khasra Nos. 778. and 770 in village Satbari, Delhi,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomptax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 31-10-1985.

## FORM NO. 1.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAT ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/729.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the attention as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 000/- and

Agr. land mg. 9 bighas & 3 biswas situated at village Rajokri,

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1985

for a present consideration which is less than the fair market value of the aforssaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than lifteen rer cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Hurshad Kumari Sharma d/o Rahul Sharma, R/o C-3/13, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ruman Barjatya 8/0 Subhash Barjatya and Manju Barjatya w/o Subhash Barjatya, G-51, Lajpat Nagar-III, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. 1and measuring 8 Bighas and 3 Biswas Khasra No. 228/1 min (1-9), 230 (4-16), 231 min (1-18), village Rajokri, Teh, Mehrauli, New Delhi. Date: 31-10-1985.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 31-10-1985

Scal:

113-366 GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/730.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, baing the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and Flat No. 7 out of property No. A-30 to A-33, situated at Counanght Place, mg. 431,60 sq. ft. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1985

New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to hel'eve that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferees for moneys or other assets which move no.
  which ought to be disclosed by the transferees for ladies. Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- M/s. Fmca Construction Co., 24/24, Ansari Road, Darya Gani, New Delhi, through their Prop. Mahabir Pershad Gupta. (Transferor)
- (2) Miss Meghna Agarwala & Miss Sulakshna Aga wala minor d/o Bharat Bhushan Agarwala, through their Guardian Bharat Bhushan Agarwala, Master Rahul Agarwala minor s/o Rattan Kumar Agarwala, through their guardian Rattan Kumar Agarwal, r/o PB. No. 38, Giridih-915301 (Bihar). (Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7 out of property No. A-30 to A-33, Connaught Place, New Delhi, measuring 431.60 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 4/14-A, Asaf All Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dato: 31-10-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF MICOMLITAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, +/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/731.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

as the said Act), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 8 out of property No. A-30 to A-33, situated at Couraught Place, mg. 412 sq. ft, New Delhi (and more 10hy described in the Schedu'e annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of

1508) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :-

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M/s. Emca Construction Co, 24/24, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi, through their Prop. Mahabir Pershad Gupta. (Transferor)
- (2) Miss Manjula Sharma, Miss Promila Sharma d/o Sh. R. S. Sharma & Master Rajat Sharma, Master Gauray Sharma both minors s/o Sh. K. K. Sharma, P-29, South Lxtension, Part-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the xespective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 8 out of property No. A-30 to A-33, Connaught Place, New Delhi-1, measuring 412 sq. ft.

R. P. RAJFSH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 31-10-1985. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/732,---Whereas, I, R. P. RAJESH,

Inspecting assis ant Commissioner of Income-tax

Acuisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematics referred to us the said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agr. land mg. 28 bighas & 15 biswas situated in village Sat-

bari, Delni

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Regis eration Act, 1908 (16 of 1908) in the Offire of the registering Officer at New Delhi on March 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero; to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dharam Parkash & Padam Prakash, C-1/65, Saidarjang Development Area, New Delhi.

(Transferor)

(2) Life Time Construction (P) Ltd., 5th floor, Bhandari, House, 91, Nehru Place, New Delhi-19.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the Jate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 28 Bighns, 15 Biswas comprised in Khasra Nos. 788, 763, 762, 761, 764 and 787 situated at village Satbari, Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A. Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 30-10-1985

## FORM NO. I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

SAGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhl, the 30th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/733.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/~ and

Agr. land mg. 30 biglias 14 biswas situated in villago Sa bari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Office of

1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1985 for an ap arent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in passance of Section 269C of the said Act. I hereby in twee proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Dharam Parkash & Padam Prakash, C-la/63, Saldarjang Development Area, New Delhi.

(Transferor)

(2) R. Construction & Bullders (P) Ltd., 5th floor, Bhandari House, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in vitting to the undersigned:—

(a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the struce of lettee on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in hapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 30 Bighas 14 Biswas, comprised in Kharra Nos. 780, 766, 765, 760, 759, 767, 769 and 779, village Satbari, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A. Assi Ali Road, New Deihl.

Date : 30-10-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF ITB

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/734.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to e3 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Front portion of G.F. of property No. W-165, G.K.-II,

situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Regis eration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arcresaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, ( hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 M/s. D. S. Builders, A-2/140, Safdarjung Enclave, New Delhl, through its partner Sh. Dharam Singh. (Transferor)

(2) Sh. G. R. Talwar and Mrs. Deepa Talwar R/o W-165, Greater Kailash-II, New Delhi-48. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULB

Front portion of Ground Floor of property No. W-165, Greater Knilash-II, New Delhi, measuring 1000 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House. 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 29-10-1985

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1985

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/3-85/735.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No.
W-165, Greater Kailash-II, mg, 1000 sq. ft. situated at New Dethi:

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair analyte value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as afore-ial exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/8. D. S. Builders, A-2/140, Safdarjung Enclave, New Delhi, through its partner Sh. Dharam Singh.

(Transferor)

(2) Mrs. Pushpa Bani Chand and Mrs. Basundhara Wazir, R/o, W-165, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Front Portion on Second Floor of property No. W-165, Greater Kallash-II, New Delhi, measuring 1000 sq. ft.

> R. P. RATESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 31-10-1985

NOVICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/736.-Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. W-165, Greater Kaila h-II, mg. 800 sq. ft. situated at New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been t antierred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property es aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in time proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. D. S. Builders, A-2/140, Safdarjung Enclave, through its Partner Sh. Dharam Singh.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Rani & Murli Dhar Agarwal, R/o. W-165, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Rear Portion on Second floor of Property No. W-165, Greater Kailash-II, New Dtihi, measuring 800 sq. ft.

R. P. RAIESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 31-10-1985

And the second second as the second s FOSTS TO

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shii Ama Singh Ellrula S/o S. Mool Singh, 4, Mausam Vihar, Delhi.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. 138/Mar. 85.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-Rs. 1,00,000/- and bearing No.
H-I/133, Lajpat Nagar, mg. 100 sq. yards situated at New Delbi.

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respest of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tox Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely:---114-366GI/85

(2) Shri Naresh Adlakha and Shri Dinesh Adlakha, R/o H-I/133, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transefree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sai Act, shall have the same meaning as gived in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H-1/133, Tajpat Nagar, New Delhi measuring 100 square yards.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Aggarwal House,

Date: 4-11-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/738.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. W-24, Greater Kailash-I, measuring 500 sq. yds. sit

Greater Kailash-I, measuring 500 sq. yds. situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald properly, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the asparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :--

(1) Mrs. Promila Kapoor, W/o. Shri Om Prakash Kapoor (O. P. Kapoor), R o. W-24, Ground Floor, Greater Kailash-I, New Delhi.

( Fransferor)

(2) Atex Overseas Pyt. Ltd., C-237, Defence Colony, New Delhi, through its Managing Director, Shri Atul Ghulati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeraable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given up that Chapter.

## THE SCHEDULE

2½ storey house No. W-24, measuring 500 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

R. P. RAIESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tay
Acquisition Range-It,
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 29-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st November 1985

Ret. No. IAC/Acq. 1/SR-UI/3-85/739,—Whereas, I, R. P. RAJESII,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

and bearing No.

Agr. land mg. 15 Bighas and 4 Biswas situated in village Satbari, Tehsil Mchrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mrs. Kusum Ansal, W/o. Sh. Suslil Ansal, R/o. N-148, Panchsheel Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Lt. Col. Surinder Kumar Kapur, S/o. Sh. Manoharlal Kapur, R/o. 3 A/63-C, Janakuri, New Delhi-58.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land, comprised in Khasra Nos. 671 (4-03), 702(1-02) 702/1 (0-02), 702/2 (0-18), 792/3 (1-05), 673 (2-18), 703/1 (2-08), 703/2 (2-08), (15 Bighas and 4 Biswas situated in village Satbari, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Raj Rani, W/o. Sh. Vishwa Mitter Tuli, R/o. G-II/45, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Malka, W/o. Sh. Agha Khan, R/o. H-II/4, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/740.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable proporty, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. G-II/45, situated at Lajpat Nagar mg. 100 ... yds. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the savvice of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing No. G-II/45, measuring 100 sq. yds. situated at Lajpat Nagar, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income atx Acquisition Range-1 Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 260D of the said Act, to the following (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 1-11-1985

### FORM I.T.N.9.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/741.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
M-15, Greater Kailash-I, New Delhi situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registration Officer. 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair mar-

ket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;

(1) S. M. Sabhlok, S/o. K. L. Sabhlok, through general attorney Sh. K. L. Sabhlok, S/o. late Kripa Ram Sabhlok, M-15, Greater Kailas-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kuldeep Kaur, W/o. S. Deepinder Singh, R/o. M-15, 2nd floor, reat flat, Greater Kailash-I, New Delbi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective narrons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Flat on second floor rear portion of premises No. M-15, Greater Kailash-I, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26<sup>co</sup>1) of the said Act, to the following persons namely --

Date: 1-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st November 1985

Nef. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/742.—Whereas, I,  $K^{\bullet}$ , P. RAJESH,

bell of the Competent Authority under Section 269B of the Incor. we-taw Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the infimovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,0, 00/- and bearing No.

Agr. land mg. 1 Bighas in village Khunpur, situated at New

(and more ful by described in the Schedule annexed hereto) has been transfe tred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in A saich 1985

nt New Delhi in March 1985
for an apparent co usideration which is less than the fair market value of the foresaid property and I have reason to believe that the fair n wrket value of the property as aforesaid exceeds the appar and consideration therefor by the than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been true by stated in the said instrument of transfer with object of —

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income turising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Is come-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Usha Singh, W/o. Sh. Sham Vir Singh, R/o. E-14, Saket, New Delhi

(Transferor)

(2) Mrs. Neelam Aggarwal, W/o. Sh. Ravinder Kumar Aggarwal, R/o. 5C/18, New Rohtak Road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whethere period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One bigha comprised of land in Kh. No. 276/3 (0-2), biswas, village Khanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I ΛGGARWAL HOUSF, 4/14-A, ASAF ALI ROAD **NEW D**ELHI

New Delhi, the 1st November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/743.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Agr. Jand mg. 1 Bighas & 2 Biswas situated at village Khanpur, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi in March 1985

nusrket vaule of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per tent o fsuch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:-

(1) Smt. Usha Singh,
W/o. Sh. S. V. Singh, R/o. B-14, Saket, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Kiran Singh, D/o. Sh. M. B. Singh, Mrs. M. Singh, W/o. Sh. M. B. Singh. both R/o. L-1, Tara Apartment, Kalkaji, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1 Bighas & 2 Biswas of Agr. land Kh. No. 276/3, village Khanpur Teh. Mahrauli, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 1-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/744.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Agr. land in village Khanpor, New Delhi, situated at measuring 3 Bighas and 171 biswas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is les than market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :--

- (a) (actitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Usha Singh, E-14. Saket, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Deepak Johar, Rajindra Singh. R/o. B-102, Greater Kailash-I, New Delhi and Mis. Amita Singh, Mr. Davinder Pal Singh, 1670, Dakhni Rai Street, Daiya Ganj, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquaition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaustie.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

## THE SCHEDULE

3 Bighas & 171 biswas of agricultural land Khasre No. 280/2 (1-9) 280/3 (0-7½) 280/4, (0-12), 277/3 (1-9), village Khanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 29-10-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/746.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incesse-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property No. II-1/48-B, Lajpat Nagar, mg, 100 sq. yds.

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
115—366GI/85

Smt Thakuri Bai,
 W/o. Late Kanaya LaI,
 R/o.II-I/48, Lajpat Nagar, New Delhi.
 (Transferor)

(2) Smt. Kanaya Lal A. Gehanl \$/o. Sh. Anand Ram H. Gehani, through attorney Mrs. Ruby Gehani, W/o. Sarup A. Gehani, (Transferee) R/o. 10/161, Lodi Colony, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property bearing No. II-I/48-B, Lajpat Nagar, New Delhl, mg. 100 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-l
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 1-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st November 1985

Ref. No. IAC/Acg. 1/SR-III/3-85/747.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. II-1/48-A, Lajpat Nagar, mg. 100 sq. yds. situated at New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Thakuri Bai, W/o, Late Kanaya Lal, R/o. II-I/48, I ajpat Nagar, New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi, W/o. Sh Gian Chand R/o. Flat No. 27-28, Krishna Market, Lajpat Nagai, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. II-J/48-A, Lajpat Nagar, New Delhi, measuring 100 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1 Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Dell,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 200D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 1-11-1985

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sbri Ashutosh S/o Shri Sunder Diss C/o Shri H. C. Mehta, C-I1/20, Lappat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shei Jagdish Bhatia S. o Late Shri Kanaya Lal R/o D-I/147, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-85/748.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the introvable property having a fair market value exceeding Rs, 1.00,000 - and beating No.
D-1/147, Lajpat Nagar, Mg. 100 sq. yards, situated at New Delbi

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. D-I/147, Lajpat Nagar, New Delhi, measuring 100 sq. yards

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :--

Date: 1-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-85/749,—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Agricultural land mg. 11 Bighas and 11 Biswas situated in village Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Rati Ram S/o Mr. Jain Lal R/o V. & P.O. Bijwasan, Teh. Mehrauli, New Delhi-2.

(Transferor)

(2) M/s, Falcon Crest Pvt. Ltd., 8/3, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SHEDULE

Agricultural land bearing Kh. No. 48/20 (4-16), 48/21 (4-16), 49/25 (0-9), 73/5 & 6(0-16), 74/10 & 11 (0-10), 74/26 (0-4) at Village Bijwasan, Teh. Mehrauli, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-10-1985

## FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/737.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No.

Basement floor of property No. M-29, Gr. Kailash-II, situated ate New Delhi, measuring 250 sq. yds.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

(1) Mrs. Raman Anand W/o. Ashok Anand, R/o. 289, Defence Colony, New Delhi, through attorney M. R. Sehgal. (Transferor)

(2) Mrs. Rawail Kakkar W/o, Sh. Dwarka Nath, R/o. D-649, Chittaranjan Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Basement floor of property No. M-29, measuring 250 sq. Ads. Greater Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 31-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/3-85/751.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - Rs. 1,00,000/- and bearing No.

W-165, Greater Kailash-II, mg. 1000 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the Tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as proresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to hitecan the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linearity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. D. S. Builders, A-2/140, Safdarjung Enclave, New Delhi Through its partner Shri Dharam Singh.

(Transferor)

(2) Mrs. Savita Bahadur W/o Mr. Satish Bahadur R/o W-165, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transcfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Pront portion of First floor of property No. W-165, Greater Kailash-II, Hew Delhi-48, Measuring 1000 sq. ft

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 4-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

Mr. n.l. Kapoor o o l'ale Shii R. D. Kapoor, R. o W.165, Greater Kailash-II,

through as paraner Shi Diream Singh

(Transferor)

New Delhi.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AĞGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DEI HI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No.  $1\Delta C/Acq$  I, SR-III/3-85/752.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

W-165, Greater Kailash-II, mg. 800 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delht on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Isx Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pavil-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Rear portion of First floor of property No. W-165, Greater Kailash-II, New Delhi, Measuring 800 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-11 1985 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. D. S. Builders, A-2/140, Satdarjung Enclave, New Delhi Through its partner Shri Dharam Singh.

(Transferor)

(2) Mrs. Sudesh Chhabra W/o Shri R. D. Chhabra R/o W-165, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/3-85/753.—Whereas, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. W-165, Greater Kailash-II, mg. 800 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

Emplanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Real portion of ground floor of property No., W-165 Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 800 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-11-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAI HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DFLHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I SR-III 3-85/754.—Whereas, 1, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Property No. M-169, Greater Kailash-II, mg. 400 sq. yards situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :----

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons namely:-

116-4366GI/85

(1) M/s. Bhatia Apartments, A/18, Kailash Colony, New Delhi.

(Transefree)

(2) Mrs Kiran Rajpal, M-169, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Complete firs floor consisting of 3 bed, 3 bathroom, drawing dining, S/quarter alongwith one cear parking with 1/3

> R. P. RAIFSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Aggarwal House. New Delhi

Date: 4-11-1985

ົal:

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1, OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-85/755.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. E-503, Greater Kailash-II, mg. 248 sq. yards situated at New Delhi

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Rajinder Ahuja W/o Shri R. K. Ahuja R/o G-36A, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

(2) M/s. Rajni Properties Pvt. Ltd., 30/3, Community Centre, East of Kailash, New Delhi Through its Director Shri Roop Chand.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the arcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. E-503, measuring 248 sq. yards Greater Kailash-II, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-J. Aggarwal House. New Delhi

Date: 29-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Sudershan Aggarwal S/o Shri Nanak Chand R/o E-467, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Shashi Mehra W/o Shri K. C. Mehra R/o A-1/31, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-85/756.—Whereus, J. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No.

House No. S-168, Gracter Kailash-II, New Delhi mg. 300 sq. yards situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coansideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay eax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

First floor of House No. S-168, Greater Kailash-II, New Delhi. Measuring 300 sq. yards.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Aggarwal House. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of he aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-11-1985

#### FORM I.T.N.S.—

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Harvinder Pal Singh S/o S. Avtar Singh C/o M/s. Sophisticated Holding (P) Ltd., New Delhi. (Transferor)

(2) Mrs. Anjana Rita Rai W/o Shri Hakumat Rai R/o S-251, Panchashcela Park, New Delhi.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-85/757,—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000% and bearing No.

House Built on Plot No. 493, Block No. 'S' Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 550 sq. yards.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985

New Delhi on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
atoresaid exceeds the aparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parites has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

may be made in writing to the mederalgued :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION :-- The torms and expressions used listein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the conceamient of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House built on Plot No. 493, Block No. 'S', measuring 550 sq. yards situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

THE SCHEDULE

R. P. RAIESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Aggarwal House, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following respect to the said Act, to the following

nersons, namely :---

Date: 4-11-1985

(1) Shri Ramesh Sharma. Assistant Registrar (Gazette), Delhi High Court, K-29, Jangpura Ext ension, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Adaish Kapoor W/o Shi Darshan Lal Kapoor R/o G-18, lanpura Extensiton, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Reif. No. IAC Acq.I/SR-III/3-85/758.--Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000 - and bearing No.
Plot No. 29. Block 'K' Jangpura Extensiton mg, 207 sq. yards situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trally stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 29, Block 'K' Jangpura Extension, New Delhi. Measuring 207 Sq. yards.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Aggarwal House. New Delhi

Date: 4-11-1985

## FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Savitri Tarachand Bharwaney.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5764/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property have a fair market vaule exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 154, Mittal Court situated at

Nariman Point

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Sh. Chandra Singh Lodha & Smt Kusum Lodha.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 154 on 15th floor in MITTAL COURT, B Wing, Nariman Point, Bombay-400 021.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5532/84-85 on 1-3-1985.

> P. N. DUBEY Competent A hority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-11-1985

(1) Fakhhunisa Jamal.

(Transferor)

(2) Alimohamed Haji Kasam Natheni.

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

AR-I/37EE/5767/84-85.—Whereas, I.

P. N. DUBEY Teing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. E-302, Kailash situated at Bellasis Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and /or

## THE SCHEDULE

Flat No. E-302 on the third floor of building 'Kailash' (under construction') 293, Bellasis Road, Bombay-400 008.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-I/5534/84-85 on 1-3-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 vii of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY Competent Authority Inspetcting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, it. pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 4-11-1985

(1) Dhanraj Mills Private Limited.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Murlidhar Chhabria,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5769/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs., 1,00,000/- and bearing Unit No. 35. Shah & Nahar Indl. Fstate

situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the east Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit/Gala No. 35, Ground floor of A-1 building, situated at Shah & Nahar Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5535/84-85 on 1-3-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-11-1985

(1) M/s United Commercial Syndicate.

(Transferor)

(2) M/s Suntex Private Limited,

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5778/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 219, 2nd floor Shah &

Nahar Indl. Estate (A-1) situated at Lower Parel

has been transferred

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exseeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely:

117-366GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions med herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 219 on Second floor, Shah & Nahar Industrial Estate (A-1) Dhanraj Mill Compound, Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/ 5539/84-85 on 1-3-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-I. Pombay

Date: 1-11-1985

(1) Smt. Laxmi K. Advanı

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1 AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Victor Investments & Trading Co. Pvt. Ltd. (Transferce)

(3) Transferes.

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CUMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5779/84-85—Whereas, I. P. N. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding able property having a Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 5, Meher Abad situated at Bhulabhai Desai

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter :---

## THE SCHEDULE

Flat No. 5, on the 1st floor in a building known as 'Meher Abad' Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/ 5540/84-85 on 1-3-1985.

> P. N. DUBFY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '---

Date: 1-11-1985

Scal.

(1) Mrs. Pravina A. Joshi & Mr. Amba Shankar N. Joshi.

(Transferor)

## NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Mrs Nasim Said Mufta.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5781/84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 306, Veena Beena Apts

situated at Sewri (W) has been transferred

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been to inferred and the Agreement is registered under section 269 All of the (neometrix Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said period of may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice from the respective manual publishauer period overtex letters. persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days fro mthe date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in thet Chapter.

(a) facilitating the raduction or system of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/o.

## THE SCHEDULE

Flat No. 306 on 3rd floor, H Building, Veena Beena Apartments, Acharya Donde Marg, Scwri (W) Bombay-400 015.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/ 5542/84-85 on 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heretore, in pursuance of Section 2006 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :--

Dated: 4-11-1985

PORM ITHE

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION SOND(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (46 OF 1961)

(2) Sh. R. Y. Sharma.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF BUBBLA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37FE/5782/84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269% of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 315, 3rd floor of Shah &

Nahar Indi. Estate A-l situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under the Incompetate Act 1961, in the Office section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said increment of transfer with the object ofe-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the mild Act in respect of any income arbing from the transfer, andier
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wouldh-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2000 of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following DOUGHE BARROW :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

Berlanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the solid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHOOL ULE

Unit No. 315 on 3rd floor of A-1 Shah & Nahar Indl. Estate, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5543/84-85 on 1-3-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistiffic Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 1-11-1985

FORM NO. I.T.N.S.---

## NOTICE UNDER SECTION 249D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5783/84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7, Radha Kahn situated at Sion

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than sifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s Radha Builders.

(Transferor)

(2) Mr. John Francis Pereira, Mrs. Naluni John Pereira.

(Transferee)

(3) Transferces.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 7, 3rd floor, Radha Kahn, Plot No. 66, Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/ 5544/84-85 on 1-3-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 1-11-1985

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jitendra C. Shah, Mrs. Nalini J. Shah & Mrs. Shantaben C. Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EF/5789/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1, Patel Apartments situated at Worli (and more fully described in the Schedule annxed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such that the consideration is the consideration of the considera that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 3rd floor in Patel Apartments, Building No. 7B. B.G. Kher Road, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/ 5550/84-85 on 1-3-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 1-11-1985

(1) M/s Therapoutics Investments Pvt. Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Fatima A. Rahim.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5790/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY

Income-tax Acquisition Range Ludhiana being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, Huda Apartments

situated at Morland Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; an i/or

(b) (actitating the conscalment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomo-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, Building No. C1, 6th floor, Huda Apartments, 95 Morland Road, Bombay-400 008.

The statement has been registered by the Competent Authonty, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-I/ 5551/84-85 on 1-3-1985,

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 1-11-1985

- (1) M/s. Therapeutics Investment Pvt. Ltd. (Transferor)
- (2) Mr Suratalı Nabi Jaan Tailor.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5791/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY

Income-tax Acquisition Range Ludhiana Income-tax Acquisition Range Ludhana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Huda Apartments situated at Molland Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifthen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 4, 2nd floor, Building No. a, Huda Apartments, 95 Morland Road, Bombay-400 008.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/ 84-85 on 1-3-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-I, Boxnbay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, testaly :--

Dated: 1-11-1985

#### FORM ITNS----

(1) Smt. Lakshmi R Kannen.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. 131/March/85.--Whereas I, P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value of Rs. 1,00,000]and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 26 & 27, Meena Sadan situated at Sion
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

118-366GI/85

(2) Smt. Kamla A Doshi & Amratlal U Doshi, Father and Natural Guard an of Minor Kumar Dharmesh A Doshi, Smt. Sushila M Doshi.

(Transferee)

(3) Transferces.

(Person in occupation of the poperty)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE
Flat No. 26 & 27, 2nd floor, Mcena Sadan, Sion Road (West) Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5556/84-85 on 1/3/1985.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 1-11-1985 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M. J. Apparels

(Transferor)

(2) Dalal Singh B. Jain, Anilkumar B. Jain

(Transferee)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-J/37EE/5800/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 6, Garage No. 1 situated at Dr Rajabal Patel Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Concette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6 & Garage No. 1, 'RAJ NEELAM', Dr. Rajabali Patel Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5557 84-85 on 1/3/85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bembay

Now therefore, in nursuance of Section 269C of the said to all her hy initiate proceeding for the acquisition of the ator said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5804/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4B, 'Altview' Bldg. situated at Al amount Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Dr. Yeshwant G. Banker

(Transferor)

(2) 1. Mr. Shailesh R. Kharidia,
 Mrs. Meena S. Kharidia,
 3. Mrs. Nirmalaben R. Khatidia

(Transferee)

(3) Transferor .

(Person in occupation of the property)

(4) Bank of Baroda

(Person whom the undersigned knowns to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4B, Fourth floor, Altview, 7, Al amount Road, Bombay-26.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 5598/84-85 on 4/3/85.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1/11/1985

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5822/84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 18, Venus Apartments situated at Worli Seaface
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority
at Bombay on 4/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) e rihe said Act, or the Wealth-tax. Ast. 1937 (27 of 1937): (1) Mr. G. D. Kishanchandani

(Transferor)

(2) Mrs. Shobha V. Gurtu and Mr. Narendra V. Gurtu

(Transferee)

(3) Mr. & Mrs, G. D. Kishanchandani (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 18 on 5th floor, Venus Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 45-D, Worli Hill Estate, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5602/84-85 on 4/3/85.

P. N. DWBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lease of this notice under sub-section (1) of Section 269°C of the said Act. 'c the following persons, namely:—

Date: 1/11/1985

(1) Smt. Ramben B. Mehta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Hiraben Chunilal Soni, Narendra C. Soni, Smt. Saroj M. Soni, Praful C. Soni and Master Suketu P. Soni

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferece

(Person in occupation of the property)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5828/84-85.—Whereas, 1, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 41, Venus Co. op. Hsg. Soc. situated at Worli Sea

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered undescribed 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4/3/1985

at Bombay on 4/3/1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, 11th floor of Venus Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 48, near Milk Dairy, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competen Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-15605/84-85 on 4/3/85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 1/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5831/84-85.—Whereas, 1, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 25, Final Plot No. 1035 situated at Sayani Road (and more fully described in the Schedulc annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4/3/1985

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the garposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri D. H. Lotlikar

(Transferor)

(2) Shri Venkatmallu C. Chilweri, Smt. Laxmibai V. Chilweri

(Transferee)

(4) Transferees

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 25 on the 6th floor, Final Plot No. 1035 of TPS Prabhadevi. 1, Khed Gally, Off Sayani Road, Prabhadevi, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5608/84-85 on 4/3/85.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-11-1985

FORM ITNS ---

(1) Shah & Nahar Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Vishnu P. Naik

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5834/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No.

and bearing No. Unit No. 339, 31d floor Shah & Nahar Indl. Fstate A-2

situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 4/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1932 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 339 on 3rd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-2, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I, 5610/84-85 on 4/3/85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

Date: 1-11-1985

(1) Messrs Silver Stars

(Transferor)

(2) Messrs Allied Gem Corporation

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

kef. No. AR-I/37EE/5836/84-85,—Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 428, Panchranta Bldg, situated at Opera House (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of hte Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferees for which ought to be disclosed by the transferees for the Tadian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 428 on 4th floor, Panchratna, Opera House, Bombay-400 004.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5617/84-85 on 4/3/85.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 1/11/1985

Soal ;

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE 5837/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 8, Avanti Niketan situated at Sion (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of hte Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

of the Competent Authority at Bombay on 4/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

119-366GI/85

 Shri Hareshkumar P. Koradaia, Shri Jawaharlal P. Koradia and Shri Rajesh P. Koradia

(Transferor)

(2) Shri Manharlal R. Sheth, Smt. Anupama M. Sheth and Shri Kiran M. Sheth

(Transferce)

(3) Transferois

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8, 15th floor, Avanti Niketan Co-op. Soc. Ltd., Flank Road, Sion, Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5612/84-85 on 4/3/85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombav

Date: 1/11/1985

#### FORM No. ITNS----

(1) M/s Rose International

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mt. D. S. Sharma Sons

(Transferec)

(3) Transferees

\_\_\_\_\_\_

(Person of occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

AR-I/37FF 5840/84-85.—Whereas, I. Ref. No. AFP. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a Fair Market Value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Gala No. 11, Tantia Indl Estate situated at Lower Parel
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of hie Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4/3/1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Aut, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic al Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Gala No. 11, 2nd floor, Tan in Industrial Estate, Building A, Lower Parel Jivraj Ramji Boricha Morg, Sitaram Maig Compound, Bombay-11.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisi ion Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-1/5613, 84-85 on 4/3/85.

> P. N. DUBLY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. #amely :--

Date : 1/11/1985 Seal :

#### FORM ITNS-

#### (1) Nihalchand H. Chawla

(Transferor)

(2) Suresh Nandlal Murpana and Jagdish N. Murpana

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGF-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5842/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000/- and bearing Flat No. 15, The Ram Sharan situated at Sion (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of hie Income-tax Act, 1961, in the Office

of the Competent Authority at Bombay on 4/3 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; und/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Hat No. 15, 2nd floor, Plot No. 45, The Ram Sharan Co-op Hsg. Soc. Ltd., Sion West, Bombay-400 022,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-I/5619/84-85 on 4/3/85.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :-

Date: 1/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Electro Engineering Corporation

(Transferor)

(2) Apparel Export Promotion Council

(Transferee)

(3) Transferee alongwth a Licensee Indo Ele. Inds. (Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF DIDEA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5843/84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 121 & Car Parking Space 121 A & B in Bajaj Bhawan situated at Noriman Point

Bhaven situated at Nariman Point (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 4/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and 1 have reason to believe that the fair market value of the state of the sta property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property wihtin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Premises No. 121 & Car Parking Space 121A & B in the building known as Bajaj Bhavan Nariman Point Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5620/84-85 on 4/3/85.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 1-11-1985

(1) Shah & Nihar Associates

(Transferor)

(2) Messrs Pudiva

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE, 5844/84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 445, A1 Shah & Nahar Indl. Estate situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tux under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 445-A1 Shah & Nihar Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5621/84-85 on 1/3/85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 1-11-1985

#### FORM ITNE

(1) M/s The Sicat Pylamind Investment Co Ltd (Transfeior)

(2) Shij Chandrakant Balkrishna Desar

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, BOMBAY

Bombay the 1st November 1985

Ref No AR-1/37EE/5846/84 85 — Whereas, I, P N DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00 000/- and beautiful actions to the competence of th

Rs 1,00 000/- and bearing
Unit No 1, Tantia Indl Estate situated at Lower Patel
(and more fully described in the Schedule unnexed hereto)
has been transferred and the Agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority

the Competent Authority at Bombay on 1 3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the safe instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the redt ction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any inscense arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULL

Unit No. 1, 2nd floor Tantial Industrial Estate Building Plot No. 7, Jivraj Bharucha Maig, Lower Parel, Bombay 400 011

The statement has been registered by the Competent Nuthority Acquisition Range-I Bombay, under Serial No AR-1/5623/84-85 on 1-3 1985

P N DUBLY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Bombay

Date : 1-11-1985

Seal

#### FORM LINS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Rcf. No. AR-1 371:E/5851/84-85.—Whereas, I. N DUBFY.

P. N DUBLY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1204, Sumer Towers No. 1 situated at Mazgaon
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have re son to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(t), facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waalth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Sumer Associates.

(Transferor)

(2) Kritu Parmai (Minor), Through his father & Natural guardian Shri Chandan N. Parmar.

(Transferee)

(3) Builder.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1204 on 12th floor, Building No. 1 of Sumer Towers, Love Lane, Seth Motisha Road, Mazagaon, Bombay-400 010.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5558/84-85 on 1-3-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely : --

Date: 1-11-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref No AR-1/37EE/5855, 84-85 -- Whereas, I,

Ref No AR-1/37EE/5855, 84-85—Whereas, I, P N DUBFY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/ and bearing Flat No 401, Anuj Anartment situated at Gwalia Tank ford more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1 3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (k) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D  $\alpha^c$  the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Mohanlal Motifal Kothari, Natural Guardian & Father of Master Anuj M Kothari and Mohanlal M Kothari

(2) Smt Parul Nitin Gothi and Shii Nitin C Gothi

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 401, Anuj Apartment, August Kranti Marg, 4th floor, Gawalia Tank, Bombay-400 036.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range 1 Bombay, under Serial No AR-I/5562/84 85 on 1 3 1985

P. N DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bombay

Date · 1-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Raukmanbai.

(Transferor)

(2) Shri Vithaldas G. Shah, SUG, Smt. Kusum V. Shah.

(Transferce)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property.)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

AR-I/37EE/5860/84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 22, Bhaveshwar Sadan situated at Sion (East) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-4-1985

at Bombay on 12-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the radiction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferud/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the seid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 22, Bhaveshwar Sadan, 3rd floor, Plot No. 207, Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5567/84-85 on 12-3-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspetcting Assistant Commissioner of Income-lax, Acquisition Range-I, Bombay

Act, I hereby intiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

120-366GL/85

ing persons, namely :-

Date: 1-11-1985

(1) Mrs. Gunwanti V. Thandani.

(Transferor)

(2) Mrs. Zulekha I. Agwan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5867/84/85.—Whereas, I. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 8, Worli Bhayeshwar CHSL situated at Worli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, its respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (17 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8, 1st floor, Worli Bhaveshwar Co-op. Society, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5574/84-85 on 1-3-1985.

F. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-11-1985

Soal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No AR-I/37EE/5877/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/exceeding Rs. 1 00 000 /- and bearing

Flat No. 16. Maharashtra CHSL situated at Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Murlidhar Saridhar Joshi.

(Transferor)

(2) Vinayak Dattatray Govilkar, Rajshekhar V. Govilkar.

(Transferee)

(3) Murlidhar Shridhar Joshi and his family. (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plat No. 16, 4th floor, Maharashtra Co-op. Housing Society Ltd., Ambedkar Nagar, Parel, Bombay-400 012.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5579/84-85 on 1-3-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Date: 1-11-1985

: لمحد

FORM MINS-

(1) M/s. Shah &Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Rubinasha Exports Pvt. Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5892/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-exceeding Rs. 1,00,000/- and beating
Unit No. 419A on 4th floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-1
situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-fax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less nan the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 195/ 127 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: —The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Unit No. 419A on 4th floor of A1, Shah & Nahar Indi. Estate, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5588/84-85 on 1-3-1985

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s A.B.C. Consultants (Pvt. Ltd.

(Transferce)

- (2) M/s A. R. Corporation.
- (Transferee) (s)
- (3) Transferec.

(Person in occupation of the property.)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5893/84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 811. Embassy Centre situated at Nariman Point

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

#### THE SCHEDULE

Office No. 811, 8th floor, Embassy Centre, Nariman Point, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AI-I/5583/84-85 on 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-11-1985

(1) Dr. Bharat C. Desai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. Narendra Gamavat.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5898/84-85.—Whereas, L. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Clinic in Mody Chembers situated at Opera House (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

tuy an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Clinic in Modi Chambers, French Bridge, Opera House, Bombay-400 004.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5594/84-85 on 1-3-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,:-

Date: 1/T1/1985

See 1

(1) M/s Bonny Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Mukesh Ramffli Savia.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5904/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, Dev Kripa Bldg, situated at Govindji K. Road

(and more fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 4-3-1985

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair murket value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-In-Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice In the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

140-145, Naigaum Flat No. 201 at Dev Kripa Building, Scheme, Govindji Keni Road, Bombay-400 014. The statement has been recistered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5631/84-85 on 4-3-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforested property by the issue of this notice under subsect on (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 1-11-1985

(1) M/s Bonny Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. Lata Mukesh Savia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I37EE/5905/84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 202, Dev Kr pa Bldg. situated at Govindii Keni

Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

et Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ten

- (a) facilitating the reduction or svasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth in Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULB

Flat No. 202 at Dev Kripa Building, 140-145, Naigaum Scheme, Govindji Keni Road, Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5632/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombey

Date: 1-11-1985

Ceal:

- (1) M/s Bonny Enterprises.
- (Transferor)
- (2) Mr. Zulfikarally T. Ratlamwala.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. 9A-I/37EL/5907/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY

being the Competent Authority authorised by the Government in this behalf under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
Flat No. 601, Pearl Harbour situated at Mazgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 259AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undehsigned :-
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offical Gazette.
- EXPLANATIO&:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any lacome or any which origin to be disclosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 601, Pearl Harbour, Tulsiwadi, Mazgaon, Bombay-400 010.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5934/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perons, namely :-

121-366GI/85

Date: 1-11-1985

Doal:

FORM ITNS----

(1) M/s Bomboat Stationery Mart.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Crescent Traders.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in wrting to the undersigned

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5909/84-85.--Whereas, I, P.N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. Shop No. 16, Rex Chambers situated at WH Marg, has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, ut Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saud Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 16, Ground floor, Rex Chambers, W.H. Marg, Bombay-400 038.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-i, Bombay, under Serial No. AR-I/5636/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Eorphay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Aut. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-11-1985

(1) M/s Gokul Printers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Ketty Enterprises.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BUMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Rcf. No. AR-I/37EE/5910/84-85.—Whereas, I, P.N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income tax (set, 1961 (45 of 1961) (hereinstrer referred to as the soid Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

No. Shop No. 14, Jamasji Apts situated at N Bharucha Marg, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of he Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servict of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Shop No. 14 in Jamasji Apartments, 32, N Bharucha Marg, Bombay-7.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-i, Bombay, under Serial No AR-1/6359/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-11-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5913/84-85.—Whereas, I, P.N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. Flat No. 64, Mantri Corner situated at Bembay-28, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tran ferred and the Agreement is registered under section 269 AB of he Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per centof such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the affects and property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrl Agnel Antony Pinto, Smt. Felicidade Pinto.
  (Transferor)
- (2) Shri Amar Vaman Hatle, Shri Vaman B Hatle.
  (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dige of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Flat No. 64, 6th floor, in Mantri Corner, on Junction of Gokhale Road & Dr. Sayani Road, TPS IV, E'phinstone, Bombay-25.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-i, Bombay, under Serial No. AR-I/5639/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Eombay

Date: 1-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BUMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5916/84-85.—Whereas. I. PN, DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 - and bearing
No. Unit No. 153, Saa & Nahar Indl. Estate
si nated at Lower Parel,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, et

Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the rid instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tux Act, 1922 (11 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Pracant Pluvinkumar Sanghvi (Minor) Praviakumar Vithaldas Sanghvi.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 153 on 1st floor of A-2, Shah & Nahar Indi. Estate A-2, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-i, Bombay, under Serial No. AR-1/5641/84-85 on 4-3-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Eombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following perons, namely :-

Date: 1-11-1985

(1) Dubash Brothers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Mr. Rashid J. Tamboowalla, Mrs. Zaria R. Tamboowalla.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37FE/5920/84-85.—hereas, I, P.N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein the reterred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No. Flat on 3rd floor, Barroo Mansion situated at Dadar,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under sect on 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of he property as aforeand exceeds the apparent consideration, therefor by than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transferor, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Southside flat on 3rd floor of Out house at 619, Banoo Mansion, Parsi Colony, Dudar, Bombay-400 014.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-i, Bombay, under Serial No. AR-I/5645/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 1-11-1985

(1) Maxa Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Print Service.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person Interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:-The terms and expressions used herein to are defined it. Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/5923/84-85.—Whereas, I, P.N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 341, Kewal Indl. Estate situated at Lower Parel

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, ut

Bombay on 4-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in and/or

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 341 on 3rd floor of Kewal Industrial Estate, Senapati Bapat Murg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Commetent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5648/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Eombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-11-1985

(1) Nancy Tutorial Consultancy Services Pvt. L'd.
(Tran.feror)

(2) Shri Dharmendra D. Ghelani.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

combay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5930/84-85.—Whereas, I, P.N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. Shop No. 38 Hind Ra'a than B'dg, situated at Dadar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tran ferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective period, whichever period expires later;
- (b) by any other person int-rested in the sa'd immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Shop No. 38, Hind Rajasthan Building, Ground floor, Dada Saheb Phalke Road, Dadar, Bembay-400 014.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bembay, under Serial No. AR-I/5653/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBBY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tua
Acquisition Range-I, Bambay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-11-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37Li /5932/84-85.—Whereas, I, P.N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 1,00.000/- and bearing

No. Premises No. 27, Mustafa Market situated at Khaia Kuva, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985

nomeay on 4-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afermald exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen wer cost of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the end Ast, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

122-366GI/85

(1) Smt. Nirmalaben S. Dave.

(Transferor)
(2) Rameshchandia H. Jain, Smt Jamalaben M. Sanghvi,
(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Premises No. 27, 1st floor, 16/24 Mustafa Market, Khara Kuva, Bombay-3.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5655/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I, 37EE, 5934/84-85.—Whereas, I, P.N. DUBEY

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, Kish Kant Bldg, situated at Sion

No. Flat No. 2, Kish Kant Bldg, situated at Sion (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 2669 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the rforestiid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii B. C. Kamani, J. C. Kamani & Bhurat C. Kumani.
- (2) Shri Vijay Hiralal Shah

(Transferor)

(Tin

(3) Transferee

(Tinnsferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2 on ground floor, Kish Kant Building, Shree and Co-op, Housing Society Limited, 23, N. S. Mankikar arg, Sion, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6380/84-85 on 4 3-1985

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-11-1985

(1) Bonny Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr Godfrey Charles Serrao.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

Bombay, the 1st November 1985

BOMBAY

Ref. No. AR-1/37FE/5936/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000 f- and bearing No Flat No. 401, Shanti Kun, Bidg, situated at Dadar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been tran terred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferes for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 401 at Shanti Kunj Building, 87, Naigaum Cross Road, Dadar, Bombay-400 014.

The statement his been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1/5657/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, Namely:—

D .te: 1-11-1985

#### FORM TINS

(1) Bonny Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(2) Mis Mary Serrao.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5937/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (he emalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

No. Flat No. 404, Shanti Kunj Bldg, situated at Dadar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evanion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expues later,
- (b) by any other person interested in the said immove property, within 45 days from the date of the pu eation of this notice in the Official Con

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 404 at Shanti Kunj Building, 87, Naigaum Cross Road, Dadar, Bombay-400 014

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1. Bombay, under Serial No. AR-1/5658/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-I, Builbay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 1-11-1985

(1) Mr. Sitabchand Ajmera.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Kanaiyalal K. Thakkar & Mrs Madhuben K. Thakkar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37/5939/84-85.—Whereas, I, P.N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

No. Office No. 36, Tardeo A/c Market situated at

Tardeo Roud,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than differen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

y Office No

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wrising to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPIANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 36, Tardeo Air-conditioned Market, 5th floor, Tardeo Road, Bombay-400-034.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5659/84-85 on 4/3|85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-11-1985

Scal:

(1) M/s Sumer Associates

(Transferor)

(2) Shri Manojkumar T Zavery & Smt Mina M Zavery

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1261)

(3) Builder

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5943/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No. Flat No. 903, Sumer Towers No. 1 situated at Mazgaoin

Flat No. 903, Sumer Towers No. 1 situated at Mazgaoin (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred and he Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

at Bombay on 4-3-1985

the Competent Authority for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and the said transfer transfer to pay the said transfer transfer transfer to pay the said transfer tr

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (p) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ihe terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 903 on 9th floor in Building No. 1 of 'Sumer Towers' Love Lane, Srth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-400 010.

The statement has been registered by the Compepetent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serlal No. AR-I/5662/84-85 on 4-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomptax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 1/11/1985

Scal :

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37FE '5954/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acuisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tart, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 343, 3rd floor, Shah & Nahar Indl. Estate A-2 situated at Jower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

pt Bombany on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) (acilitating the concealment of any income or any naoneys or other assets which have not been or thich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shah & Nahar Associates

(Transferor)

(2) M s Vishal Colour Chem Industries

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 343 on 3rd floor, A-2 Shah & Nahar Industrial Estate A-2, S J Marg, Lower Parel, Bombay-13

The statement has been registered by the Compepetent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5066 84-85 on 19-3-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Nov therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the reif Act to the following persons, namely .-

Date: 1/11/1985

Seal ·

FORM NO. I.T.N.S.--

(1) Shah & Nahor Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D[1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Rubinsha Export Pvt. Ltd.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5955/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Bombay,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 419B, Shah & Nahar Indl, Fstate A-1 situated at

Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombany on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 419B on 4th floor, Shah & Nahar Indi. Estate A-1, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Compepetent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5667/84-85 on 19-3-1985

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1/11/1985

(1) Smt. Padima Chandrasekhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suresh Bhoja Rao

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5950/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|-Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 34, 'Prabha Mandir' situated at Prabhadevi

Flat No. 34, 'Prabha Mandir' situated at Prabhadevi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957))

Flat No. 34 on 3rd floor, 'Prabha Mandir', Prabha Mandir Co-op. Housing Society Ltd., Off Vecr Saverkar Marg, Prabhadevi, Bombay-400 025.

THE SCHEDULE

The statement has been registered by the Compepetent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5628/84-85 on 4-3-85

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following terms of time's to the said Act, to the following terms of time's to the said Act, to the following terms of time's to the said Act, to the following terms of time's to the said Act, to the following terms of time's to the said Act, to the following terms of time's to the said Act, to the following terms of time's to the said Act, to the following terms of the said Act, to the following terms of the said Act, to the following terms of the said Act, to the said Act, to the following terms of the said Act, to the following terms of the said Act, to the following terms of the said Act, to the said Act, to the following terms of the said Act, to the said Act, to the following terms of the said Act, to the said

123-366GI/85

Date: 1-11-1985

Scal:

(1) Messrs Print Service

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Messrs Sarvodaya Printers

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5959/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No 350, Todi Indi Estate situated at N M Joshi Marg

Unit No 350, Todi Indi Estate situated at N M Joshi Marg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombany on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the late of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned .-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferandler
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 350 on 3rd floor, Todi Industrial Estate, N. M.

THE SCHEDULE

Joshi Marg, Bombay-400 011

The statement has been registered by the Compepetent Authority, Acquisition Pange-I, Bombay, under Serial No AR-1/5670/84-85 on 19-3-1985

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incorpetax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the fasue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-11-1985 Seal:

эсш :

#### FORM ITNS----

(1) Shri Lokashing R Bajaj & Smt Vishindevi L Bajaj

(3) Transferecs

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) B C Punamiya, Smt Vımladevi B Punamiya

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (4) 113 (Pe

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5960/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 28, Navjivan Society situated at Lamington Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa d property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(4) Transferces
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms find expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)
Office No. 28, 9th floor, Building No. 3, Navjivan Co-op.
Soc. Ltd., Lamington Road, Bombay-8.
The statement has been registered by the Compepetent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6372/84-85 on 3/85

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 4-11-1985

#### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5971/84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 3, Parsiam Nivos situated at Sion (East)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agred to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mrs Tarabai M Raghani

(Transferor)

(2) Shri Keshrimal M Shah & Smt Usha K Shah

(Transferee)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the s Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor, Parsram Niwas, Parsram Satramdas Premises CHSL, 234-A, Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5673/84-85 on 19-3-1985

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-11-1985

Scal:

#### 42167

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

kef. No. AR-I/37EE/5972/84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ro. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 201. Marine Chambers situated at New Marine

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :--

(1) Sterlite Cables Limited

(Transferor)

(2) Mrs. Chandrika C. Parikh, Mr. Chandrakant G. Parikh

(Transferce)

(3) Transferor (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 201, 2nd floor, Marine Chambers, Plot No. 11, New Marine Lines Bombay-400 020,

The statement has been registered by the Competent authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5674/84-85 on 19-3-1985

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-11-1985

Scal:

(1) Kewal Builders Pyt. Ltd.

(Tranferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Manorama Kantilal Manseta

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5973/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000/- and bearing
No. Unit No. 417, Kewal Indl. Estate situated at Lower Parel
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Unit No. 417 on 4th floor, A Wing, Kewal Industrial Estate, Lower Parel, Bombay.

The statement has been registered by the Competent authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-J/5675/84-85 on 14-3-1985

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-11-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) Chandwani Parmanand P., Trustees of P. P. Private Trust

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ashok Kumar Tulsyan, Ramswaroop Tulsyan

pp Tulsyan (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5992/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 16, Navjivan Society situated at Lamington (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been transfer as agreed to between the parties has not been transfer as agreed to between the parties has not been transfer as agreed to be tween the parties has not been transfer as agreed to be tween the parties has not been transfer as agreed to be tween the parties has not been transfer as agreed to be tween the parties has not been transfer as agreed to be tween the parties has not been transfer as agreed to be tween the parties has not been transfer as agreed to be tween the parties has not been transfer as agreed to be tween the parties as agreed to be the parties as a

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersugged.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transferi and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Office No. 16, 13th floor, Navjivan Society Building No. 3, Lamington Road, Bombay-400 008.

The statement has been registered by the Competent authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I/5686/84-85 on 19-3-1985

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followins persons, namely:—

Date: 1-11-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) PSB Construction Company Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 20th Century Finance and Consultancy Service Pvt. Ltd.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EF/5995/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100.000/c, and hearing No.

Rs. 100,000/- and bearing No.
Flat No. One, PSB Apartment situated at Worli Naka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(u) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. One on Second floor in Building No. 4 in PSB Apartment at B.G. Kher Road, Worli Naka, Bombay.

The statement has been registered by the Competent authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5684/84-85 on 19-3-1985

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I nereby initiate proceedings to, the acquisition of the aforesaid amountly by the some of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-11-1985

(1) PSB Construction Company Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 20th Century Finance and Consultancy Service Pvt. Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No AR-I/37FF/5996/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Flat No. Four. PSB Apatiments situated at Worli Naka (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property an aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ranafar with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

any moneys or other assets which have Wealth-tax Act, 1957 (27 w/ 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aroresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA or the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the

Flat No. Four on First floor in Building No. 4 in PSB Arartments at B.G. Ether Road, Worll Naka, Bombay.

The statement has been registered by the Competent autho-1iv. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No AR-I/5691/84-85 on 9-3-85.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance or Section 2654 of the 4954 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforemaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--124-366GI/85

Date: 1-11-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Dr. Shashikant V. Kamat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. Ramnathan.

(3) Transterec.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6006/84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 1317, Adarsh Nagar CHS, situated at Worli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1317 in Building No. 44, M.I.G. Adarsh Nagar Co-op. Housing Society Ltd., Worli, Bombay-400 025.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated 10-12 1985 Seal:

#### FORM ITNE---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bomaby, the 4th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6009/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No. Flat No. 7, Surya Niketan situated at Girgaum

flat No. 7, Surya Niketan situated at Girgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985 section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evention of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in propert of any knowns arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1987);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this effice notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shii Navnitkal U. Kanakia, Rameshchandra D. Mehta, Vinod H. Mehta, (in their capacity as the Executors of the Last Will & Testament of Smt. Girjalaxmi V. Mehta.

(Transferor)

(2) 1. Shanti S. Satyanarayan Agarwal, 2. Smt. Kusum Devi S. Agarwal.

(Transferee)

(3) Raju Anantrai Mehta and Miss Priti A. Mehta.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7 on the First floor of the building known as 'Surya Niketan' The Girgaum Suryaniketan CHSL, Girgaum Road, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 4-11-1985

(1) Smt. Kirandevi U. Barmecha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE. OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bomaby, the 4th November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6011/84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 103, Dariya Mahal situated at Napean Sea Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Corporation. Authority at Benchuy, pp. 20, 2, 1985.

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 18th floor, Dariya Mahal, 80, Napcan Sea Road, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incompetax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-11-1985

FORM ITNS----

(1) Messis Cozyhome Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shi, Nitin Saudha, Rapdi & Smt. Ulmi Nitin Kapdi. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE JI THE INSPECTING ASSISTANT GOMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY** 

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 d. from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Bombay, the 1st November 1985

(b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/6012/84-85,---Whereas, 1, P. N. DUBEY,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Inc., ax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immore the said Act'), have reason to believe that the immore that it is a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 2, 'Peter Marcel' situated at Prabhadevi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 2, in building 'PETER MARCEL' Plot No. 941 & 941A, Prabaadevi, Bombay-400 025.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Date: 1-11-1985

(1) M/s. Cozyhome Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ditron (India) Limited.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bomaby, the 4th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6013/84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market, value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 1, 'Peter Marcel' Bldg, situated at Prabhadevi has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Reigstering Officer at has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985

the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arrang from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 1, 'Peter Marcel' building, Plot No. 941 & 941A, Prabhadevi, Bombay-400 025.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5703/84-85 on 20/3/85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-11-1985

FORM: ITNS

(1) Mr. Behranji B. Baria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Vinata Shetty.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref No. AR-I/37EE/6016/84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, Worli Himalaya CHS situated at Worli Sca Face

Road

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, 8th floor, Worli Himalaya Co-op. Housing Soviety, 109, Worli Sea face Road, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Autho-Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/ 5706/84-85 on 20/3/85.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-11-1985

FORM TINS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6019/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 21, Shri Jagdish Niwas Bldg, situated at Sion (E) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Yogesh Premchand Shah.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Harkishandas Mehta, Shri Hatkishandas Jiyanlal S. Mehta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 21 on Third floor in Shri Jagdish Niwas Cooperative Housing Society Ltd., Plot No. 198, Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I/5708/84-85 on 20/3/85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ranges,
Bombay

Date: 1-11-1985

Scal :

### N'VIICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

'CQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6025/84-85.—Wheeras, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

Office No. 201, Navratan Bldg. No. 1, situated at P. D'Mello Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985

the Competent Authority at Bombay on 20-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the soid Act. I hereby initiate proceed here for the acquisition of the accressid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

125-366G1/85

- (1) M/s Lee & Muirhead (India) Pvt. Ltd.
- (2) M s. Samashina Clearing Agency. (Transferor)
  - (Transferce)

(3) Transferce,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 201, 2nd floor, Navratan Building No. 1, 69, P D'Mello Road, Bombay-400 009

The statement has been registered by the Competent Authority Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5711/84-85 on 20/3/85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 1-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6029/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 3, Kabirjee Building situated at Sewri Wadala
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
as been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely:-Seal :

(1) Smt. Jadavben Shantilal Kharwar.

(Transferor)

(2) Shri Babubhai Velji Shah.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expire, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIFN .: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULI

Flat No. 3 on the ground floor of Kabirjee Building, Sewri-Wadala, Bombay-400 031.

The statement ahs been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5714/84-85 on 20/3/85.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-11-1985 Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Rcf. No. AR-I/37EE/6042/84-85—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 5, Avanti Niketan CHSI situated at Sion (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Incomestar Act, 1961, in the Office of

Flat No. 5, Avanti Niketan CHSI situated at Sion (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income to any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Manharlal Ratilal Shoth.

(Transferor)

(2) Shri Jitendra H. Gandhi.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5, 6th floor, B Wing, Avanti Niketan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Flank Road, Sion, Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent Atuhority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5720/84-85 on 20-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 1-11-1985

FORM ITNS----

(1) M/s Shah & Nahar Associates.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Hashmukhlal V Sangani, HUF.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6045/84-85 --- Whereas, I, P. N. DUBEY

P. N. DUBEY
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) '(hereinafter referred
to as the 'said' Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000'- and beging No
Unit No. 426, 4th floor of A-1 Shah & Nahar Indi Estate
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agramment in remotived under

Unit No. 426, 4th floor of A-1 Shah & Nahar Indl Estate (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which wight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No 426 on 4th floor of A-1, Shah & Nahar Indl. Estate, S. J. Marg, I ower Parcl. Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5724, 84-85 on 20-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authoraly
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J,
Bombay

Date · 1-11-1985

FORM INS ---

(1) M/s Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 Oc. 1961

(2) M1, Natendia Thakkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6046/84-85 ---Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 427A, Shah & Nahai Indi Estate (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule unnexed hereto), has been transferred in 1.11. Agreement is tegistized under section 269 AB of the from 1.11. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority if 1. many on 20-3-1985.

for an apparent consideration which is less than fair market value of the indies up property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby nitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 427 \ in Shah & Nahar Indl. Estate A-1, S. J. Mc g Lower, Parel, Bombay-400013.

The statement has been registered by the Compotent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Seral No. AR-I/6382/84-85 on 4-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date 1-11-1985

FORM ITNS----

(1) Dhanraj Mills Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s.Antia Electrical Private Limited.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, ROMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6055/84-85.--Whereas, J, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (heremafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Gala No. 35, A-2 building of Shah & Nahar Ind. Estate, Loves Berel.

Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985

and/or

fair market value of the aforesaid poper'y and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the error by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in instrument of the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :--

(a) facilitating the reduction or c

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concentment of any incoany moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property ay be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 36 days from the service of actice on the respective persons— whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLAMATEDN: ....The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Gala No. 35, Ground floor of A-2 building of Shah & Nahar Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Autho-Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5731/84-85 on 20-3-85.

> P. N. DUBEY
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Incompetant Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-11-1985.

· - :

FORM ITNS---

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/60660/84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. A-8, Mine8rva Estates situated at Sowrec (East)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the competent Authority at Bombay on 2c-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the seduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: wad/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1973 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Kalavinti Kanialal.

(Transferor,

(2) M/s. Sancheti Manufacturing Co.

(Transferec)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- -,-----

- (n) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. A-8, 3rd floor of Minerva Estates, Bunder Koad, Sewree (Fas, Bombay-400 015.

This statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scria' No. AR-I/5734/884-85 on 20-3-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-11-1985.

FORM IINS

(1) Shri Vinod Vrailal Karia

(Transferor)

2) Bombay Dental Depot.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GUVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4715/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent 1 chordy under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Room No. 6, Fort Vijay CSL situated at Fore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remen to believe that the fair market value of the preserty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-test Act. 1957 (27 of 1957):

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dete of the publication of this notice in the Official Gazette.

Emplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 6, 2nd floor, Fort Vijay Co-op. Soc. Ltd., 1/3

Gola Lane, Fort, Bombay-1.
This statement has been neg stered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6352/84-85 on 29-3-85.

> P. N. DUBCY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Incorrectax Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaul property by the lesse of this notice under subsection (1) of Section 199D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 1-11-1985.

(1) Smt. Hansa D Somani.

(Transferor)

(2) Smt. Jyotsna Bharat Goradia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferred.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-J/37EE/4757/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 3N, Vijay Chambers situated at Tribhuvan Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-3-1985

for an apparent consideration which is less than reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than rifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly exted in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property,

my be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- I FLANATION:—The terms and expressions used herein as Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitaing inv reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937))

Office Premises No. 3-N, 3rd floor, Vijay Chambers, Premises Co-op. Soc., Tribhuvan Road, Bombay-4,

THE SCHEDULE

This statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6353/84-85 on 28-3-85.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-11-1985.

Seal:

126-366GI/85

FORM LT.N.S.-

(1) Smt. Indumati Kantılal Gandhi, Shri Rajnikant K Gandhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Surendra S Mehta & Smt. Jayshree S Mehta.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## **D**FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/47665/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 4, Matru Ashish B dg si uated at Napean Sea Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section  $26^{\circ}\Lambda B$  of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Au hority at Bombay on 26-3-1985

for an appropri consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days trosp the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and (c)
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 6th floor, B Wing of Matru Ashish Premises Co-op. Society Ltd., 39, Napeansea Road, Bombay-36.
This statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-I/6353/84-85 on 26-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-fix
Acquisition Range-I Bombay

Date: 1-11-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EF/5412/84-85,—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and beating No. Flat No. 73-B, Heera Panna situated at In. of B Das Road & Tardeo Rd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Au houty

at Bombay on 11-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

(1) Mr. Vinod J Mehta & Mis. Madhumati V Mehta.

(Transferor)

(2) Kanta D Ruparelia, Dhanesh D Ruparelia, Scema D Ruparelia & Madhu S Kanabar.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 73-B, 7th floor, Heera Panna, Junction of B Desai Road and Tardeo Road, Bombay-26.

This statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-J. Bombay, under Serial No. AR-I/4698/84-85 on 11-3-85.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-11-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-FAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6119A/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fa Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 53, Bajai Bhayan having a fair market value exceeding

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

nt Bombay on 18-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ... instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) M/s Jamal Trading Company.

(Transferor)

\_\_\_\_\_

(2) Kalyan Leasing & Financing Co. Ltd.

(Transferec)

(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have that Chapter. have the same meaning as given in

#### THE SCHEDULE

Office No. 53, 5th floor, Bajaj Bhavan, Nariman Point, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4904/84-85 on 18-3-85.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Date: 4-11-1985.

(1) M/s Indian Colloids.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kantarani Gupta, Smt. Sunita V Gupta Smt. Renu R Gupta

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5777/884-5.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing

Office No. 4088, Loha Bhavan P. D'Mello Road (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in trument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the health of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Fealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### THE SCHEDULE

Office No. 408, 4th floor, Lona Bhavan, P. D'Mello Road, Bombay-400 009.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5538/84-85 on 1-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 4-11-1985.

FORM NO. LT.N.S.—

(1) Mrs. Parpati F Dadlani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Neeta Anil Vohra.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1 AX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bembay, the 4th November 1985

Ref. No. Ak-I/37LE/5795, 84-85,—Wherevs, I, P. N. D. 15-15-17

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'sant' / 11), have rea on to believe that the immovable property had not a few market value exceeding Rs. 1,00,000/-and boaling No.

Office No. 9, Alankar bldg, situated at Balram St.

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair merket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expect the appropriate consideration therefore by more than taken the confideration and that the consideration and that the consideration and that the consideration and that the consideration has not been truly taked in the said instrument of translet with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Office No. 9, Alankar Co-op. Housing Society, Balram Street, Bombay-400 007.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6365 84-85 on 1-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 4-11-1985.

#### FORM ITNS----

#### (1) Banguore Eyema v Pitting rocks

(Transleror)

(2) Mustany Manua icluming Company

(Transfuce)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1951)

(3) Translored

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Boml av th 4th November 1985

Ref. No AR 1/37EF/5798/34-85,—-Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair maket value exceeding R 1 00 000 - and bearing Unit No. 226, A Z Indl. I state situated at Lower Parel (. m u'v described in the Schedule annexed hereto), has been transleried

and the Agreement is a gistared under section 269 VB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1985

for an ap ment consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen ne cent of such ap arent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattern has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquivition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

FARMATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mesting as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 226, on 2nd floor, A-Z Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6375/84-85 on 4-3-85.

P. N DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-11-1985

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5845/84-85,—Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterved to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000|- and bearing No. Lease-hold land or ground with messuages, tenements struc-

tures situated at Matunga
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; had/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Kanch Ben Pana Chand Turakhia

(Transferor)

(2) Ramdas Kanji Shah

(Transferce)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

(4) Tenants. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notions in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

CPCANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Lease-hold land or ground with messuages, dwelling houses and structures standing thereon situate at Sir Bhalchandra Road, Matunga, Bombay, C.S. No. 2020/10 of Matunga Division.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5622/84-85 on 1-3-85.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Combay

Date: 4-11-1985.

# FORM ITNS----

# (1) Kishinchand K Mansukhani

(Transferor)

(2) M/s Globtech International Corporation.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5852/84-85.-Whereas, 1,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B/4, Sangam Bhayan situated at Colaba

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the

Income-tax Act, 1961. in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ---

127 -366 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. B-4, Sangam Bhavan, 1st floor, Opp. Strand Cinema, Colaba, Bombay-5.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5559/84-85 on 1-3-85.

P. N. DUBEY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 4-11-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5856/84-85.--Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 13-A, Sagar Sangeet

situated at Colaba (and more fully described in the Schedule samezed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

(1) Mr. Vikram R Khanna. Mrs. Neela N Shete

(Transferor)

(2) M1. Soli B Madon & Mrs. Freny S Madon

(Transferee)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notices,
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 13A, Sagar Sangeet, 58 S Bhagat Singh Road, Colaba, Bombay-400 005.

The statement has been registered by the Competent Authori v. Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-I/5563/84-85 on 1-3-85. Competent

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bomt y

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereb/ initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-11-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Ramila Kishorchandra Parekh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pragma Anil Doshi

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Self occupieed

(Person in occupation of the property)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5880/84-85.--Whereas, I,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office Premises at Haresh Chamber

situated at Samuel St.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such the sale as regreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Office Premises at Mezzanine floor, Halesh Chambers, 313/19, Samuel Street, Vaggadi, Bombay-400 003, The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-I/5582/84-85 on 1-3-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

New therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 7691) of the said act, to the following persons, namely :-

Date: 1-11-1985

# FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDI-R SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

AR-I/37EE/5917/84-85.—Whoreas, I. Ref. No. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and becaring Unit No. 148. Shah & Nahar Indl. Estate A-2,

situated at Lower Parcl (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferreed and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly atted in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, is pursuance of Section 249°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shah & Nahar Associates

(Transferor)

(2) Pranav Pravin Kumar Sanghvi S/o. Pravinkumar V Singhvi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 148, 1st floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-2, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-I/5642/84-85 on 4-3-85.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 1-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Mrs. Kalyani R Khanna

(Transferor)

(2) R. C. Khanna Trust

(Transforce)

# (3) Transfeeree

(Person in occupation of the property)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No AR-I/37EE/5928/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 319, Tulsiani Chambers situated at Nariman Point

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferreed and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the exid Act, I have by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-seetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

40% undivided share in office premises No. 319, on the 3rd floor of the building known as Tulsiani Chambers Free Press Journal Road, Nariman Point, Bombay-400 021. The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I Bombay, under Serial No. AR-I/5652/84-85 on 4-3-85.

> P. N DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Dute : 1-11-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1,

ROMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5935/84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and becaring

Rs. 1,00,000/- and becaring
Land at Opp. the Craford Market on the Princes St. Estate
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority, at
Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exc. Is the apparent consideration therefor by more than lifteen i reent of such apparent consideration and that the consider, lon for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any lneome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Durga Saran Mehra Devi Saran Mehra and Om S Mehra

(Transferor) (Transferee)

- (2) Sardar Manmohan Singh Sethi
- (3) Tenants

(Person in occupation of the property)

(4) Tenants

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land situate at the Opp. Craford Market on the Princes Street Estate, Bombay

The statement has been registered by the Competent Authority Acquisition Range-I Bombay, under Setial No. AR-I/5656/84-85 on 4-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 1-11-1985

# TORM FINS

(1) Vrandavanlal G Pittie, Murarilal G Pittie

(Transferor)

(2) Maneilal G Khandelwal

(Transferee)

(3) Shii Ganpat Harjivan & Kantilal Norshi

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5942/84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land together with buildings standing thereon situated at Mazgoan

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax A.t. 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of master with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein has are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land together with the buildings standing thereon situate

at Mazgaon, C. S. No. 131 (par), Bombay.

The statement has been registered by the Competent Author't Acquisition Range-I Bombay, under Serial No. AR-I/6300/84-85 on 4-3-85.

P. N. DUBFY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 1-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay the 4th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5969/84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No. Plot of land adm. 518 sq. mtrs.

Flat No. 76, Ashoka Apartments situated at Off Napean Sea Rd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the and transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction of waslon of the liability of the transferor to pay the tunder the said Act in of any income from the transfer;
- the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Subhadra V Kothari

(Transferor)

(2) K K Dhadha, Smt, Nrmail Dhadha, Smt. Chhota Kumarı Dadha & Narpatsingh Dhadha

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this protice in the Official Gazette or a period of 30 distribution of the service of notice on the respective (1 1900ss, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in-able property, within 45 days from the date c publication of this notice in the Official Gazett

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning r in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 76, Ashoka Apartment, 7th floor and Garage No. 56, Off Napeansea Road, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No AR-I/5671/84-85 on 19-3-85.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta: Acquisition Range-Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the cold Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5995/84-85.--Whereas. I. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. Four, PSB Apartment situated at Worli Naka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 19-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following mone namely :--128-366GI/85

(1) PSB Construction Company Ltd.

(Transferor)

(2) 20th Century Finance & Consultancy Services Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of ' the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. Four on ground floor in building No. 4 in PSB Apartments at B. G. Kher Road, Worli, Naka, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5688/84-85 on 19-3-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date : 11-11-1985

Seel:

(1) M/s. West Coast Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

# (2) Smt. Amlu A. Lodha

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6010/84-85.--Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Shop No. 19 & 20, On Chambers situated at Om Corner (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under sectioen 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 20-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein 🐸 are defined in Chapter XXA of the es id Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

Shop No. 19 & 20, Om Chambers. Om Corner. Bombay-

Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5700/84-85 on 20-3-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rame-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subversons namely :-

Date: 1-11-1985

FORM No. ITNS-

(1) M/s. M R Productions.

(Transferor)

(2) Mr. Mohan Λ Gore & Mrs. Shilpa Mohan Gore

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5864/84-85.—Whereas, L. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000 - and bearing

Office No. 206, Neelam Bldg, situated at Worli Scaface (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under sectioen 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; ind/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth text Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unacraigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 206, 2nd floor, Neelam Building, Worli Scaface Road Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5571/84-85 on 1-3-85.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follownersons namely :--

Date: 1-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I.

Bombay, the 1st November 1985

AR-I/37EE/6008/84-85.-Whereas, I. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 17, Rekha Bldg. situated at Wadala (and more fully describer in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under rections 269 AB of the Jacobs towards 1961 in the Office. sectioen 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 20-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent ponsideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Tarlokchand M Agarwal

(Transferor)

(2) Shri Raju Anantrai Mehta

(Transferce)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the nforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sadi mimovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 17. Rekha Building, 3rd floor, Goodwill Co-op. Housing Soc. Ltd., Plot No. 83, Rafi Amhed Kidwai Road, Wadala, Bombay-400 031.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range I. Bombay, under Serial No. AR-I/5698/84-85 on 20-3-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely .--

Date 1 1-1141925

(1) Mrs. Bhagwati L Saboo

(3) Transferece

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Pavibai C Chhablani, Dr. Chimandas L Chhablani

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5957/84-85.-Whereas, I. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 5. Worli Himalaya CHSL situated at Worli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under sectioen 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority, at at Bombay on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXELENATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 5, 10th floor, World Himaldya Co-op. Hsz. Soc. Ltd., 109. World Sen Pack Road, World, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range I, Bombay, under Serial No. AR-1/3668/8483 on 19-3-83.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date : 1-11-1985

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

42208

FORM ITNS-

(1) M/s. R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ratilal Farchand.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5901/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 604, Vikas Bldg. situated at Bombay-27
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under the Competent Authority at Bombay on 2-3-1985 for an apparent consideration which is less than the

fulr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the maid instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personage. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

Flat No. 604 Vikas Bldg. Anant Ganpat Pawar Lane, No. 2, Bombay-27

The statement has been registered by the Competent Authority Acquisition Range-/, Bombay under Serial No. AR-I/6446/84-85 on 5-3-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bom'oa)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5874/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 303, Vecna Beena Apts., situated at Sewri (and more fully described in the schedule annexed bereto)

has been transferred and the Agreement is registered under section 269. AB of the Income-tax Ac., 1961, in teh Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Mohammed Hussain Bandeali Merchant.
  (Transferor)
- (2) Mrs. Maniben L. Vira and Mrs. Kanchaben K. Vira.
- (3) Transferce. (Transferce)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULB

Flat at 303, Veena Beena Apts. Acharya Donde Marg. Bom-bay-15. Sewri (W).

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5571/84-85 on 1-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 7-11-1985 Scal:

#### TORM LTNS--

- (1) Scaha Doraswamy Iyer.
- (Transferor)
- (2) M/s. C. Mahendra Exports.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5784/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

bung the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1.00,000/- and bearing
Flat No. 1204 Panchra na Bldg. situated at Opera House
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this? notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferds (60 pay tail linder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULB

Falt No. 1204 at Panchratna Co-op. Hsg. Society Ltd., Opera House, Bombay-4.

(b) faciliating the concealment of any intomic or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957):

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5545/84-85 on \$3.85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bostoay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-11-1985

(1) M/s. Dubash Brothers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5921/84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat on 4th floor, Dadar situated at Dadar

(and more fully described in the schedule annexed hercto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suspection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
129—366GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat on 4th floor of Outhouse at 619, Banoo Mansion, Parsi Colony Dadar, Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1/5646/84-85 on 4-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 7-11-1985

#### FORM ITNS---

(1) M/s. Therapeutics Investment Pvt, Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Abdul H. Shaikh.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5788/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having fair market value exceeding Rs 1,00,000|and bearing No
Flat No. 1, Huda Apts., situated at Bombay-8
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay in 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fai market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of \*mafer with the object of

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income inline from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any racintating the conceanment of any income of any raciness or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1, Building No. C, 4th floor, Huda Apts., Morland Road, Bombay-8. The statement has been registered by the Competent

Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1/5549/84-85 on 1-3-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-11-1985

(1) Smt. Dhunmai A. Karai and Sme. Peruin Kersi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nikhil R. Shah and Mr. Yogesh R. Shah. (Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

THE SCHEDULE ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

Bombay, the 7th November 1985

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/5773/84-85.—Whereas,, I, P. N. DUBEY,

P. N. DOBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the

income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 17-B, New Shalimar Cop. Hsg. Society, Ltd

Maria Drive.

Marine Drive

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 17-B New Shalimar Cop-op, Hsg. Society Ltd. 91, Marine Drive G Road, Bombay-2.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1/5536/84-85 on 1-3-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subing persons, namely :-

Date: 7-11-1985

#### (1) Mr. Manohar V. Dudani & Mrs. Bina M. Dudani (Transferor)

(2) M1. Maheshkumar C. Ajmora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Shri Maheshkumar C. Ajmeia. (Person in occupation of the property),

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 7th November 1985

Ref. N.o. AR-I/37EE/5897/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBLY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 45, Premeount Hsg. Society, Pedder Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. 45, 4th floor, Premcourt Co-op. Hsg. Society Ltd., 5, Pedder Road, Bombay-26.

The statement has been registered by the Comp Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial AR-I/5593/84-85 on 1-3-85. Competent

> P. N. DUBEY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to be following persons, namely :---

Date: 7-11-85.

(1) Shri Chandrakant V. Patel & Mahul C. Patel. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sanjay R. Shah & Bhavan Shah.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR.I/37EE/5882/84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 63, Prem Court situated at Peddar road

Flat No. 63, Prem Court situated at Peddar road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

the Competent Authority, at Homoay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that take fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the saud Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 63, 6th floor, Prem Court Co-op, Hsg. Society Ltd., 5 Pedder Road, Bombay-26.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5583/84-85 on 1-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-11-1985

FORM ITHE- -

(1) G P. Jain.

(Transferor)

(2) Mrs. Satani Devi B. Modi. (3 G. P. Jain.

(Transferce)

# NUTICE UNDER SECTION 260 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5805/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the fincome-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 104, Shiv Shaila Society situated at Worli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Burlamation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

Flat No. 104, 1st floor Shiv Shaila Co-op. Hsg. Society, Dr. E. M.oses Road, Geeta Cinema Compound, Worli Naka, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5599/84-85 on 4-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 7-11-1985

(1) Vishaal Exports Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M1. Anil L. Lodha & Mrs. Aruna L Lodha. (Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMPTAX

# ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. o. AR-I/37EE/5925/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 73, (Shree Om Sadan' situated at Narayan Dabholkar Road

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 4-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and |στ
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 73 in 'Shree Om Sadan' 15, Narayan Dabholkar Road, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5650/84-85 on 4-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(Date: 7-11-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5924/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe the immovable recovery having a fair reason to be the said the immovable recovery. property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 74, Shree Om Sadan situated at Narayan Dabholkar

Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to oe disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said not, to the following persons, namely:—

(1) Sri Viardhaman Saving Co. Pvt. Ltd.

(Transferor) (2) Mr. Pradeep L Lodha, Mr. R. L. Lodha & Mrs. Aruna L Lodha

( Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein no are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 74, in 'Shree Om Sadan' 15 Narayan Dabholkar Road, Bombay-6.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay- under Serial No. AR-I/5649/84-85 on 4-3-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bothbay.

Date: 1-11-1985

Scal .

PORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The state of the s (1) Messis Deepal Investment Company.

(Transferor)

(2) M/s Hanumin Vitamin Food Pvt. Ltd. (Transferee)

ga manama, sangani ngi sar pingalam diserbiga nganin bakumbarindah andan Rama mandalah diserbiga nya sasar Albert Demokratikan pada sasar Albert Demokratikan pada

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No AR-I 37EE/5826/84-85 -- Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 100.000/- and bearing No.

Office No. 4. Dalamal Force situated at Nariman Point (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income ax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

FFE. 40 .00 .00 .00 .00

at Bombay on 4-3-1985 for an amount of the total cation which is test than the fair marks t value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said lastrument of transfer with the object of :-

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andler
- at a to concaiment of any meome or any in neve v other usets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act in the Wealth-tag Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D or the said Act, to the following persons namely:--130-366GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazetie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

FAPLANATION: - The terms and expressions used herein as and de loud in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No 4, 9th floor, I alamal Tower, Backbay Reclamation Rombay

The statement has been registered by the Competent Authority Normstion Range-I, Bombay, under Serial No. AR I 5604/84 85 cm 4 3-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date 1 11 1985 Seal ·

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No AR-I/37EF/5884/84-85.—Whereas, I P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

1dat No. 7A, Gangotri Bldg satuated at Kalkeshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Sevantilal N. Kothari & Shri Kiran B. Kothari

(Transferor)

(2) Shri Indrajit K Shah, Smt. B. I. Shah, Shri S. I. Shah Tata Industries Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personal. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, witnin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 7A, 4th floor, Gangotti, 89-89A, Banganga Road, Walkeshwar, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No AR-1/5585/84-85 on 1-3-85.

> P. N. DUBEY
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Process Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-11-1985

- (1) M/s Bonny Enterprises
- (Transferor)
- (2) Mr Achalchand K Mandot

(Transfer**e**e)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref No AR-I/37EE/5906/84 85 --- Whereas, J P N DUBLY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/ and bearing Flat No 601, Shanti Kunj Bldg situated at Dadai (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority,

Bombay on 4 3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the storesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the upparent consideration therefor by more that fifteen per tent of such apparent consideration and that the consu ration for such transfer as agreed to hetween the parties ha not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of my income or any nonevs or other assets which have not been or which ought to be disck ed by the transferee for the purposes of the Ing an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the say Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLINATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have he same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 601, Shanti Kunj Building 87 Naigaum Cross Road Dadai Bombay 14

The statement has been registered by the Competent Authority Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No AR-1/5633/84-85 on 4-3-85

P N DUBFY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I Bombay

Seal

7-11-1985 Date

#### FORM ITNS ...

(1) Smt. Indicadevi Wd/o Narayandas Vanmala (Transferor)

(2) Dr. Vithal R. Bhoosrath

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37-G, 5191/84-85.—Whereas, I P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

exoperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 139/4 C.S. No. 471 of Fort Division situated at Chopa St

C.S. No. 471 of Fort Division situated at Ghoga St (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bombay on 12-3-1985

for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer so agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1498-73 and registered on 12-3-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-I, Combay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the arquisition of the aforesaid property by the is we of this action under sub-section (1) of Section 269D to the said Act to the following persons namely:—

Date : 1-11-1985

Commence of the second state of the second sta

#### FORM ITNS

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

AR-1/37-G/5192/84-85,--Whereas, 1 P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Autrematics referred to as the 'said Act.) have resson to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 513 of Bhuleshwar Division situated at Tadward St. and the Agreement is registered under section 260 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bombay on 11-3-1985

notingly bit 11-3-1983. In apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property an aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said rastinuous continuous transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India. Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 19 7);

Now, therefore, in pursuance of Sect n 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings from the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1 Mis. Maya Y. Vyavaharkar
2. Ashok Y. Vyavaharkar
3. Dilip Y. Vyavaharkar
4 Vivek Y. Vtavaharkar
5 Manohar Wamanrao Vyavaharkar
6 Mrs. Meena Manohar Vyavaharkar

Arvind Manohar Vyavaharkar Kajan Manohar Vyavaharkar

9. Chitrasen Wamanrao Vyavaharkar 10 Mrs. Kshama Chitrasen Vyavaharkar 11. Subodh Wamanrao Vyavahakar

12, Mrs Arpana Subodh Vyvabarkar 13 Miss Sundaribai Madhaviao

(Transferor)

(2) Shobhachand C Sanghvi

(Transferce)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2731/82 and registered on 11/3/1985 with the Sub-registrar,

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-11-1985

FORM ITNS----

(1) Miss Kumidim P. Pathare, Miss Sarojini Pathare (Transferor)

(2) Nisar Husain Milla Akberali Hussonji

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 0MODME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37-G/5193/84-85.—Whereas, I P. N. DUBLY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 16 (portion)
C.S. No. 163 of Mazziou Dien situated at Carpenter St, and the Agreement is region set on the section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1,908 (16 of 1908) in the Office of the Recustering Officer at Bombay on 11-3-1985

for an apparent consideration, and is new than the fair market value of the atomical conjecty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stand in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the restriction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and Au
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the ladian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the basi Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if say, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used beroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 3247/82 and registered on 11/3/1985 with the Sub-registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

New therefore, in pursuance of Section 369°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeued property by the issue of this notice under subsection (1) of Section '69D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-11-1985

Seal

FORM ITNS----

(1) Banoobhar 1) to the dist Lbrahim

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Ramanial V おけけ

(Transferce)

(-, -

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37-G/5195/84-85.--Whereas, I P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

and bearing No.
C.S. No. 373 of Bhuleshwar Divn. situated at Dhoni Talao (and more fully described in the Schedule annxed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1,908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

anid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-max Act 1957, (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other prison interested in the said immovable property, within :45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said /art, shall have the same meaning as given to that Chapter

THE SCHEDULE

Schedule as registered under 10 glotered Deed No BOM-1387/83 and registered on 5 s 198

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-11-1985

T yes / 100 to produce the control of the control o (1) Mr. Kiran Laxmidas Kapadia

(Transfero.)

(2) Mi Vmod K. Mehta

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferect

# GOVERNMENT OF INDIA

(3) Mr. Jamuadas M. Thakkar (Person in occupation of the property)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37G/5196/84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 101, Kiran villa situated at Pedder Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1,908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office) at Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as attre-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

FYPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to py tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre tenthe purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Scheool, is mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2539/85 and registered on 8/3/1985 with the Sub-registrar, 2 tibay.

> P. N. DUBEY Competent Authorstv Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dr to 1-11 1985 5-21:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# SIONER OF INCOME-TAX, OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

# ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37-G/84-85.—Whereas, I ?. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market talue exceeding flat No. 104, Kiran Villa situated at Pedder Road

(and more filly described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovbelng the Competent Authority under Section 269B of the able property having a fair market value exceeding market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
131—366GI/85

(1) Mr. Kiran Laxmidas Kapadia

(Transform)

(2) Mr. Hitesh Anandji Golani

(Transferee)

(3) Mr. Deepak Jamnadas Thakkar

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2540/83 and registered on 8/3/1985 the Sub-registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985 Scal : FORM I.T.N.S.---

(1) Mr. Kiran L. Kapadia

(Transferor)

(2) Mr. Hitesh A. Galani

(Transferce)

(3) Mrs. Rani K. Bhojwani

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37-G/5198/84-85.—Whereas I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 113, Kiran Villa situated at Pedder Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of such Act, shall have 'he same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2541/83 and registered on 8/3/1985 with the Sub-registrar, Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incompetent
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—

Date: 1-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37-G/84-85.—Whereas, I P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 112, Kiran Villa situated at Pedder Road, (and more fully described in the Schedule anaect hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than than fifteen per cent of such apparent consideration and that the that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 2---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any moneys or other assets which have now been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

(1) Mr. Kiran Laxmidas Kapadia

(Transferor)

(2) Mr. Vinod Kanji Mehta

(3) Mr. Padmanabh Khandke

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2544/83 and registered on 8/3/1985 with the Sub-registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Dato: 1-11-1985

(1) Mr. Kiran L. Kapadia

(Transferor)

(2) Mr. Jagdish Kanji Mehta

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Mr. Chandulal Kanji Dholakia (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37-G/5201/84-85.—Whereas, I P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (4) of 1961) (hereinafter referred to

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 120, Kiran Villa situated at Pedder Road

Flat No. 120, Kiran Villa situated at Pedder Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-3-1985

and/or

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 254783 and registered on 8/3/1985 with the Sub-registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

Date : 1-11-1985 Scal : FORM ITNS----

(1) Mr. Kiran Laxmidas Kapadia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Shirish P. Mehta

(Transferee)

(3) Mr. N. U. Shroff

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37G/5200/84-85.-Whereas, I.

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 121, Kiran Villa situated at Pedder Road

Flat No. 121, Kiran Villa situated at Pedder Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1,908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bembay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bilieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fif.een per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2546/83 and registered on 8/3/1983 with the Sub-registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-11-1985

Scal 1

(1) Mr. Kiran Laxmidas Kapadia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Mr. Bhavik A. Galani.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Mrs. Jivabai Khimji Merchant, (Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

whichever period expires later;

OFFICE UP THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of

Bombay, the 1st November 1985

the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-1/37G/5202/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

1908) in the Office of the Registering Officer at

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 114, Kiran Villa situated at Peeder Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of t-

Bombay on 8-3-1985

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor

THE SCHEDING

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2548/83 and registered on 8-3-1985 with the Sub-Registrar, Bombay.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :---

Date : 1-11-1965

Seed ?

#### FORM ITNS ---

(1) Mr. Kiran Laxmidas Kapadia.

(Transferor)

42233

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Suresh T. Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Mr. Kantilal H. Doshi. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 1st November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Ref. No. AR-I/37-G/5203/84-85.--Whereas, I. P. N. DUBEY,

whichever period expires later;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 118, Kiran Villa situated at Pedder Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-3-1985

> Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andjor

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2515/83 and registered on 8-3-1985 with the Sub-Registrar, Bombay.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 1-11-1985

(1) Mr. Kiran Laxmidas Kapadia.

(Transferor)

CTTO11 4/05/11 05 5000 51400 514

(2) Mrs. Sheela S. Doshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

...\_

(3) Mrs. Sheela S. Doshl.
(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period **3**45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-I/37-G/5204/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Au hority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 115, Kiran Villa situated at Pedder Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesain exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal, have the same meaning as given in that Chapter.

(a) fachitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

Schodule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2515/83 and registered on 8-3-1985 with the Sub-Registrar, Bombay,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Pambay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sale Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the cresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

Date : 5-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAI GE-I. EOMB AY

Ban bay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37G/5205/84-85 -- Whereas, I.

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinarter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 105, Knan Villa stuated at Pedder Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-3-1985

for an aeraint consideration which is less than the fair market value of the aioresaid property, and I have reason to being a third the fair market value of the property as afor said exceeds the apparent consideration therefor by norm the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the north that the consideration between the north property and the said that the consideration for such transfer as agreed to between the north property and the said that the consideration the said that the consideration the said that t ween the parties has not been fully stated in the said instru-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any incomarising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indan Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro crty by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-132-- 366GI /85

(1) Mr. Kiran Laxmidas Kapadia.

(Transferor)

(2) Mr Mukesh A Doshi.

(Transferee)

(3) Mr. Chhabildas V. Lotia.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. B. 2515/83 and registered on 8-3-1985 with the Sub-Registrar, **Bombay** 

> P. N. DUBEY Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Bombay

D te · 1-11-1985 Seal ·

#### FORM ITNS .\_\_

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37G/5206/84-86.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00 000/2, and hearing No.

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 111, Kiran Villa situated at Pedder Road, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, t the following persons, namely:—

(1) Mr. Kiran Laxmidas Kapadia,

(Transferor)

(2) Mr. Suresh T. Mehta.

(Transferce)

(3) Mr. Vasant T. Shingarde,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2569/83 and registered on 8-3-1985 with the Sub-Registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Bombay

Date: 1-11-1985

(1) Mr. Kiran Laxmidas Kapadia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Jyoti J. Doshi,

(Transferce)

(3) Mrs. Jyoti J. Doshi. (Property in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37G/5207/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 117, Kiran Villa situated at Peddar Road, Bombay and market fally described in the Schedule superved bereto.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the children of the child ment of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used notein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2515/83 and registered on 8-3-1985 with the Sub-Registrar, Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following рыгчоды, пателу :-

Date: 1-11-1985 Seal:

#### FORM ITNS \_\_\_\_

(1) Mr. Kiran Laxmidas Kapadia,

(Transferor)

(2) Mr. Prabhudas R. Doshi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Mrs. Draupadibai R. Goenka, (Property in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-1/37G 5208/84 85.--Whereas, 1, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Agreemafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 /- and bearing Flat No. 119, Kiran Villa situated at Pedder Road, Bembay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fact market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein we are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any numers of other rates which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Schedule as mentioned in the Registered Deed No. B. 2571/83 and registered on 8-3-1985 with the Sub-Registrar, Bombay,

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-11-1985

(1) Mr. Ayaz Z. Memon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rabia widow of Zakaria.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37G/5214/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1,61 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable p. operty, having a fair market value exceeding R. 1,00,000/and bearing

C.S. No. 1018 of Mandvi Divn. situated at Mandvi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transerred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 21-3-1985

for an apparent consideration which is it is than the fur market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the apparent consideration and that the consideration for such as a surred to between the parties has not being the state of the said instrument to transfer with the object of .--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid process by the role of this neares under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 3098/82 and registered on 21-3-1985 with the Sub-Registrar, Bombay.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dufe: 1-11-1985

(1) M/s. Jayshree Builders (India).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Hiralal B Bohra, Mrs. Vimala R. Bohra & Master Ketan R. Bohra.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-11/37EE/18307/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 4, Pushpak Apartment, 147 Malviya Road, Vile Parle (East), Bombay-57

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered unde section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration property as therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. IV, Pushpak Apartment, 147 Malviya Road, Vile Parle (East), Bombay-400567.

The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18307/ Authority, 84-85 on 15-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-1, Bombay

Date: 5-11-1985

FORM ITNS----

(1) M/s Jayshice Builders (India),

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajendia V. Nagvakar & (2) Shri Manoj V Nagvekar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EF/18241/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R<sub>3</sub>. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. I, Pushpak Apartment Vile Parle (East), Bombay-

fand more fully described in the Schedule annexed heretohas been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 13-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No I, Pushpak Apartment, 147 Malaviya Road, Vile Paile (Fast), Bombay-400057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18241/84-85 on 15-3-1985

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Bombay

Data 5-11-1985

Sest :

FORM ITNS.—

(1) M/3 Jawshree Pullders (India).

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later.

(Transferor)

(2) Sm. B. G. Doshi, Mi., Jaya B. Doshi & Mis, Jedia B. Doshi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAY

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18215/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1801 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00.000/- and hearing 15.
Hat No. 3, Push ak Apartment 147, Malviya Road, Vile Parle (East), Bombay-57

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by anovethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arssing from the transfer, BAG/IN

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth ax act, 1957 (27 of 1977)

Flat No. 3, Pushpak Apartment, 147 Malaviya Road, Vile Parie (East), Bombay-400057.

The paterment has been registered by the Competent Authority, Lembay und Serial No. AR.II/37EE/18215/84-85 on 12-3-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26...) of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 5-11-1985

Seai ·

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other within 45 days from the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this in tick in the interest Dazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as Act, with the the second of the second m : A. C. ye

(1) M/s. Jayshree Builders (India).

(Transferor)

(2) Shri Anil C. Shah, Mrs. Sheela C. Shah, Shri Sunil C. Shah and NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE Mrs. Seema A. Shah. INCOME-TAX ACT, 1951 (43 OF 1961)

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18213/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. II, Pushpak Apartment, 147 Malaviya Road, Vile Parle (E), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule appearate basets).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 12-3-1985

for an apparent consideration which is tess thant the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concentration of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. II, Pushpak Apartment, 147 Malaviya Road, Vile

Parle (East), Bombay-400057.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18213/84-85 on 12-3-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissionan of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to he following persons, namely:—

133-366GI/85

Date: 5-11-1985

FORM IT.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18016/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. D-11, Sukhdayak Co-operative Housing Society,

JB Nagar, Andheri (E), Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any instance arising from the transfer under
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Sampuransingh M. Batra,

(Transferor)

(2) Smt Shantidevi D. Agarwal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. D-11, Sukhadayak Co-operative Housing Society Ltd., J.B. Nagar, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18016/84-85 on 6-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 5-11-1985

Seal ;

FORM IINS

(1) M/s. Deepak Builders Pvt, Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. P. Swamy,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-U,

BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Rcf. No. AR-II/37EE/18259/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12, building No. 1 Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the altoresant persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazene.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arisino from the transferi and/or

Flat No. 12, 3rd floor of building No. 1, Plot No. 9 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-400059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18259/84-85 on 14-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the approperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 4-11-1985

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Markosee Sequiera.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18667/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 8, Building No. 1, Bhawani Nagar, at Marol Maroshi Road, Andheri East

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 2—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd floor of building No. 1, Plot No. 9, Bhawani Nagar, at Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-400059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18667/84-85 on 28-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 4-11-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kumud P Patkar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18624/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAÝ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'anid Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 16, Bldg. No. 1, Bhawani Nagar, Andheri East, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269-AB of the Incometax Act, 1961, in the Office of the Cometant Authority at the Competent Authority at Bombay on 27-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparen. consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the mid property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer! and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 16, 4th floor of Building No. 1 on plot No. 6 ln Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andherl (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/ under Authority, Bombay und 18624/84-85 on 27-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 4-11-1985

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Cyril Menezes and Juliana Menezes

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18625/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11, 3rd floor of building No. 3, Bhawani Nagar Andheri East

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any instante arieins from the transfers and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd floor of building No. 3, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/ Authority, Bombay under 18625 84-85 on 27/3/1985. Serial No. AR-II / 37EE /

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-11-1985

FORM I.T.N.S.--

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Charles B. Bennis

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-1/377/18666/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 7, 2nd floor of Bldg. No. 1, Bhawani Nagar, And-

heri East

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Au hority at Bombay on 28 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair nor the value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a peried of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor of building No. 1, plot No. 9 in Bhawani Nagar, at Marol Maroshi Road, Andheri (East, Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18666/84-85 on 28/3/1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-11-1985

(1) M/s Parikh Vaz Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Leo Peter S/O Arokiaswamy and Mrs. Angeline Leo Peter

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II 37EE/18210/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Flat No. 2, Kondivita, Bamanpuri Road, Andheri (East),

Bombay-400 059

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, ground floor in building on plot S. No. 45/13 Kondivita Bamanpuri Road, Andheri (East), Bombay-59. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/ 18210/84-85 on 12/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4/11/1985

FORM I.T.N.S.

(1) M s Parikh Vaz Builders

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Ganpat Bekal

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18211/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1, ground floor, Village Kondivita, Bamanpuri Rd., Andheri (E), Bombay-400 059

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Flat No. 1, ground floor in building under construction on plot S. No. 45, H. No. 13, Village Kondivita, Pamanpuri Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE/18211/84-85 on 12/3/1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons samely:---134--366GI/85

Date: 4/11/1985

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shanker B, Poojary

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18262/84-85.—Whereas, I.

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 12, Building No. 2 Bhawani Nagar, Andheri (East), Bambaya 50 Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Au hority at Bombay on 14/3/1985 which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income erising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any Income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd floor of building No. 2, Plot No. 9, in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. Al 18262/84-85 on 14/3/1985. Serial No. AR-II/37EE/

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4/11/1985

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Zarma Badruddin

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17834/84-85.—Whoreas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 7, Building No. 2 Bhwani Nagar, Andheri East.

Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Au hority at

Bombay on 1/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property -, bourgiaround out of guttre di shem ed vem

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experse later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor of Building No. 2 Plot No. 9 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andhon East, Bombay-400 059

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/ Authority, Bombay under 17834/84-85 on 1/3/1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4/11/1985

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prakash Chandra Bajpai

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Rel. No. AR-II/37EE 18626/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

teems the Competent Authority under Section 269B of the locame tax Ao., 1961 (45 o. 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the minorable property, having a fair market value exceeding R. 100 000 /- and hearing

mmovable preperty, having a tau market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Inst No. 6, 1st floor, Bldg. No. 6, Plot No. 8, Bhawani Aager, Marol Mares w Road, Andheri (E), Bombay-59, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

best been transferred and the agreement is registered under ct.0.1 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-3-1985

for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

It is not the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any increase of others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imasovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given us that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, Bldg. No. 6, plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18626/84-85 on 27-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-11-1985

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

-212

(2) Dr. Tanveer Abdul Rehman & Others

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18260/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Flat No. 102, 1s floor, Bldg. No. B, plot No. 18, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and the such apparent consideration are the fair market value for the property as a foresaid exceeds the apparent consideration are the fair market value for the property as a foresaid exceeds the apparent consideration are the fair market value for the property as a foresaid exceeds the apparent consideration are the fair market value of the property as a foresaid exceeds the property and I have reason to be a foresaid exceeds the property and I have reason to be a foresaid exceeds the apparent consideration and the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration and the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration and the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration and the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration and the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration and the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration and the fair market value of the property and the fair market value of the prope and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1's of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, Bldg. No. B, plot No. 18, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/ Authority, Bombay under 18260/84-85 on 14-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistaant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act to the following persons, numely:

Date: 14-11-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Cordilia M. D'Souza

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17833/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/~ and bearing

Flat No. 3, 1st floor, Bldg. No. 3, plot No. 9, Bhawani Nagar Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor, Bldg. No. 3, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17833/84-85 on 1/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Hombay

Date: 4/11/1985

(1) Jehangir Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Damaciano Fernandez

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18506 84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 101, 1st floor Hawa Apartments, C wing. Mahakali

Caves Road, Bombay-93

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered unde section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-3-1985

Bombay on 22-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of the sai transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, C wing, Hawa Apartments, Mahakali Caves Road, Bombay-98.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombew under Serial No. AR-II/37EE/19506/19506/84-85 on 22-3-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE, 18061/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 2692 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 403/A, Nirman Park at Pump House, Andheri (East), Bombay-93

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered un section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incomo-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. Sharadha H. Kotian

(Transferor)

(2) Mr. Peter D'Souza

(Transferec)

(3) Transferor

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 403 /A, Nirman Park at Pump House, Andheri East, Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/ Authority, Bombay un 18061/84-85 on 6-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-11-1985

(1) M/s. Nirman Constructions

(Transferor)

(2) Miss. Bridget Dias

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, hte 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18018/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 202, 2nd floor, B wing, Nirman Vihar, Pump House, Andheri (E), Bombay-93

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than influent per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration are the per truly stated in the said instrument. parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (i)) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Nirman Vihar, B wing, Pump House, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/ Authority, Bombay und 18018/84-85 on 6/3/1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4/11/1985

Real:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely,—
135—366GI/85

FORM ITNS----

(1) Gayaka Krishna

(Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sabu Jacob

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AA,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18257 84-85,-Whereas, I. PRASANTA RAY.

being "he Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 10, 2nd floor, Bldg. No. 1, plot No. 7, Bhawan Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (F), Bombey-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 14/3 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afonesoid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F'at No. 10, 2nd floor, Bldg. No. 1, polt No. 7, Bhawani Napar, Marol Maroshi (E), Bombay-59.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18257,84-85 on 14/3/1985.

Date: 4/11/1985

Seal:

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incompetax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

S (1) M s. Ansa Builders

(Transferor)

(2) M/s. V.I.P. Brush Co.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

THE RESERVE OF THE PERSON NAMED IN COLUMN 2 IN COLUMN

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, hte 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18013/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Unit No. 133 on 1st floor of 'F' Bldg, in Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Bombay-72

(and more fully described in the Schedule anuexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or that moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-hax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 135, 18t ft in or 'B' Bldg, in Ansa Industrial F (de Saki 14th), Bombay-72.
The once has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18013/84-85 on 5/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4 11/1985

(1) Ansa Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Kirankumar J. Dhar, Bharat J. Dhar Ali a Knikoo Dhar

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, hte 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18277/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing Unit No. 225/2nd floor, J Bldg. Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Andheri (E), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following pursuant, manually:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immerovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as see defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 225/2nd floor, J. Bldg. Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Andheri (East), Bombay.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18277/84-85 on 14/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4/11/1985

PART III—SEC. 1] THE GAZETTE OF INDIA, DECEMBER 14, 1985 (AGRAHAYANA 23, 1907) 42265

FORM ITHE

(1) M/s. Ansa Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Jay Arts.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMES-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18562/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinates referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Unit No. 16, E-Building Ansa Industrial Estate Andheri

(East), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto, as been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-teax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

it Bombay on 23-3-1985

for an apparant consideration which is less than the faor market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

Explanation:—The t..ms and expressions used herein as are defined in Chapter AXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charler.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income as sing from **and** /cr

Unit No. 16, ground floor, E-Building, Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18562/ 84-85 on 23-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sesets which have not be Œ which ought to be disclosed by the transfere the purposes of the Indian Iz Jone-tax Ast, (ii of '922) or the said Ast, or the Wesl Ast, 1917 (17 of 1967); deres

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone, namely :-

Date: 4-11-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Ansa Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Metapack.

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18700/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 113, 1st floor, D Bldg., Ansa Indl. Estate, Saki
Vihar Road, Andheri (E), Bombay-72.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-teax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of sunyrelements existing from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (12:ed 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (Act, 1957 (27:ed 1937); Objections, if, any, to the assaultition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 113, 1st floor, D Bldg., Ansa Indl. Estate, Saki Vihar Road, Andheri (E), Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18700/84-85 on 28-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Rambay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under materials (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, manufity:----

Date: 4-11-1985

FORM KINS----

(1) M's. Ansa Builders,

(Transferor)

(2) M/s Jay Arts,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18561/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and hearing No. Unit No. 15 ground floor, F Bldg., Ans Indl Fstate, Saki Naka, Andheii (F), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-teax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 15, ground floor, E-Bldg., Ansa Industrail Estate, Saki Naka, Andheri(E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18561/84-85 on 23-3-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the ruiposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nonce under sub-action (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 136-366G1/85

Date: 4-11-1985

(1) M/s. Ansa Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Fluid Control Engineers.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### IFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18275/84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. D-112, 1st floor, Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Andheri (East), Bombay-400 072.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-teax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfeor by more than fifteen per cont such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of th aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of tht said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the survice of notice on the respective persons whichever paried expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that "hapter

#### THE SCHEDULE

Unit No. D-112, 1st floor Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Andheri (East), Bombay-400 072.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18275/ 84-85 on 14-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 4-11-1985

(1) M/s Ansa Builders.

(Transferor)

(2) M/s Firmware International P. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17895/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Unit No. 108, 1st floor, 'E' Bldg., Ansa Industrial Estate, Saki

Vihar Road, Bombay-72

(and more fully described in the Schedule annexed hereta) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bembay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explantion:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, andior

Unit No. 108, 1st floor, 'E' Bldg., Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Saki Naka, Bombay-400 072.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/17895/84-85 on 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any gnoneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

Date: 4-11-1985

THE REPORT OF THE PARTY OF THE

(1) Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 23th October 1985

Ref. No. ΔR-11/37 Ε Ε/18537/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1901) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 102, Bldg. No. 13, Jogeshwari (West), Bombay-58 and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269.79 of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bomba, on 22-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to oelieve that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assers which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Maqsood Ahmed Mohiyuddin Patel.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Caxette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used neroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 102, Bldg. No. 13, S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registeded by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. ARJI/37EE/18537/84-85.00.22.2.1085

85 on 22 3-1985.

PRASANTA KAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-11, Bombar

Date: 29-10-1985

- (1) Mr. Ziauddin Bukhari.
- (Transferor)
- (2) Mohd. Saleh Mohd. Alyas.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No AR-i1/37EE/18154/84-85.—Whereas, I, PRASAN4A ... VI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Pla. No. 102, Bldg. No. 7, logeshwari (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transported and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the agreement Administration.

at Bomba, on 8-3-1905 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for so a transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 102, Bldg. No. 7, S No. 41 of village Oshiwara,

Behind Behram Baug, Logeshwall (N), Bombay-58.

(a) facilitating the induction of ever the line line in of the transferor to pay tax under the said Art in respect of any income arising from the impairm and/or

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18154/84-85 on 8-3-1985.

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which caght to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Income-tax Act. (43 of 1961) to the following persons, namely:—Seal:

Date: 29-10-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Parvez Akhtar Ab. Jabbar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17968/84-58.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No 404, S. No. 41 Oshiwara, Andheri (West),

Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/cr

# THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, Bldg. No. 15 S. No. 41, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by hte Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17968/84-85 on 5-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 29-10-1985

#### FORM NO. I.T.N.S.----

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Abdul Hamid Mohamed Ghaus.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18672/84-85.---Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, - and bearing Flat No. 504, Bldg. 20, Jogeshwari (W), Bombay-58

Flat No. 504, Bldg. 20, Jogeshwari (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority as Bombay on 28-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Flat No. 504, 5th floor of building No. 20, forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, Behind, Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18672/84-85 on 28-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition, Range-II, Bombay

Now, therefort, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-10-1985

FORM ITNS ———

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Nizamuddin M. Ghous.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMEN'I OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

nombay, the 29th October 1985

Ref. No.  $\Lambda R-II/37EE/18671/84-85$ .—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 503, 5th aloor, Bidg. No. 20, Jogeshwari (West), Bembar-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the egreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bomba, on 28-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the claimst of :-

- (a) facilitating the reduction or eveston of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690; of the said Act, I belieby initiate proceedings for the acquisition of the atomy and property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the mid Act, to the following persons, namely .-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No 503, 5th floor of building No. 20, S. No. 41 of village Oshiwara, Jogeshwari (West), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18671/84-85 on 28-3-1985.

PRASANTA RAY Competent withority Inspecting Assistant Commissioner of Jucome-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-10-1985

#### FORM ITHS-

(1) M1. Z.auddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Abdul Razak Kasam Sheikh,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18493/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 403, 4th floor of Bldg. No. 19, Oshiwara, Jogeshwari

(West) Bombay-58'

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Rombay on 21-3-1985

at Romoay on 21-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Bldg. No. 19, Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18493/84-85 on 21-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Date: 29-10-1985

Company of the company washing the company of the c

FORM TINS-

- (1) Mr. Ziauddın Bukhari,
- (Transferoi)
- (2) Mohd Heshim Mohd Husain.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be used in wrung to the undersigned:—

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No AR-II/37FF/18224/84-85,---Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No 701, Bldg No 14, logeshwari (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered to Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insense arising from the transfer; Will for
- (b) facilitating the concealment of any income or any unoneys or other annets which have not been or which ought to be whosed by the transferrer for the purposes of the indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Act, I hereby initiate proceedings for the zonisition of the afore-aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 701, 7th floor of Bldg. No. 14, S. No. 41 of Oshiwata, Behind Behiam Baug, Jogeshwati (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARII/37EE/18224/84-85 on 13-3-1985.

PRASANTA BAY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-10-1985

(1) Mr. Zauldin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mrs. Humera Javed Khan.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETCING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18544/84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY,

per the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 19617 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to behave that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No. Flat No. 603, 6th floor of Bldg. No. 19, forming part of S. No. 41, Village Oshiwata Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transletted and the agreement is registered under Section 260AB of the in metax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; amd/or
- (b) facilitating hte concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Aut, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor of Bldg. No. 19 forming part of S. No. 41 of Village Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Lumbay under Serial No. AR.II/37EE/18544/84-85 on 23-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 29 10-1985

(1) Mr. Z'auddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Kazi Seema Khalil.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18543/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Pro 100 000/ and heaving No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 602, Bldg. No. 19 Oshiwara, Andheii (West),

Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 602 on 6th floor, Bldg. No. 19 forming part of S. No. 41 of Village Oshivara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18543/84-85 on 23-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomestax
Acquisition Range-II Bombay

Date · 29-10 1985 Seal :

(1) Mr. Z.auddin Bukharı.

(Transferor)

(2) Mr. Ziauddin Bukhari,

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18542/84-85,---Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the accome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Flat No. 601, 6th floor Bldg. No. 19, Oshivara, Andheri (W),

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parasses, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, Building No. 19, forming part of S. No. 41 Oshivara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR.II/37EF/18542/84-85 on 23-3-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombov

Now, meretore, in pursuance of Section 269°C of the sur-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 29-10-1985

FREE CONTRACTOR

(1) Mr. Lauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ab'us Same I Mohd. Suleman.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDOA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RAN # H TOMEAY

Bomb w the 29th West 15

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-II/37EE/18416/81-35.-- 10000, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under the large of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfilled active the as the 'said Act'), have reason to believe the shirt income take property, having a fait multiply value exception.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flot No. 704, Bldg. No. 16, Jug 37 (17, 1997)

(and more fully described us the S71 (17, 1997)

has been transferred and in agree 117 (17, 1997)

Section 269AB of the Incomplant Act, 1997 (17, 1997)

the Competent Authority

at Bombay on 19-3-1985

for an apparent consuleration with the section of the full of the section of the sect

for an apparent consideration which is to the this market value of the aforestid process of the poures, to a more than the fair market value of the poures, to a more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Exertanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chaoter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the conceangers of to butter moneys or other assets who.

which ought to be Jacks 1 1 2.22 the purposes of the Indian income as Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, the way the Act, 1957 (27 of 1957); lot No. 704, 7th floor, Bldg. No. 16, Oshiwara, Behind Behrery Loug, Logeshwari (West), Bombay-58.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Au  $^{\prime}$  , Darbay under Serial No. AR.II/37EE/18416/84-85 on 19-3-1985.

Now, therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

PRASANTA RAY Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Incord-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 29-10-1985

Sea! :

FORM JTNS----

(1) Mr. Zi madm Bukhari,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mond Shamion Abdul Qadri.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. AR-II/37EE/18136/84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 303, Bldg. No. 12, Oshjwarn, Jogeshwari (W)

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269/AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-3-1985

an apparent consideration which is the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to heremen the parties has not been truly stated in the will to 2000 co transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property Ten, be made in writing to the undersigned :-

- (a) by say of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, \*hichever period expires later;
- (b) be and other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the application of this notice in the Official Gazette.

Franchischer and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said shill have the same meaning as given in that Chapter,

#### TII" SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor of building No. 12, forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Joeeshwari West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18156/84-85 on 12-3-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 29 10-1985.

#### FORM ITNS----

(2) Shaikh Abdulla Abdul Khalique.

may be made in writing to the undersigned :-

(1) Mr. Zlauddin Bukhari,

(Transferor)

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17901/84-85.—Whereas I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

Flat No. 204, Oshiwara, Bld. No. 12, Jogeshwari (W)

Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-3-1985 for an apparent which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the refor by more than fifteen per cent of such appa ont consideration and that the consideration for sur 1 transfer as a reed ( ) between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the con calment of an income or any moneys or other seets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inhan Incorne-tax Act, 1922 (11 of 1 22) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1951 (27 of 1957).

Objections, if any, to the aquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor of Bldg. No. 12 S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17901/84-85 on 2-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 29-10-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Khan Abdul Hamid.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17837/84--85.--Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flot No. 203, 2nd floor, Oshiwara Village Jogeshwari (W)

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 11-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the conceelment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, Bldg. No. 12, forming Part of S. No. 41 of Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II/37EE/17837/ on 1-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--138-366GI/85

84-85 on 1-3-1985.

FORM ITNS----

(1) Mr. Ziauddin Bukharl

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sayed Zahid All.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17847/84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the (acome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No. 304 on 3rd floor of Bldg No. 6, forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, Jogeshwari (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-3-1985

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay our under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-air Act. 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULB

Flat No. 304, 3rd floor of Bldg. No. 6, Forming part of S. No. 41 of vilalge Oshiwara, behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/17847/84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date : 29-10-1985

Soal ;

(1) Mr. Ziauddin Bukhari,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohammad Ali Mohammad Nabi Qureshi, (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. AR-II/37EE/18173/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
Flat No. 204, Bldg. No. 7, Jogeshwari (W), Bombay-58,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 69AB of the Incompetent Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immev-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any noneys. or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor, of Building No. 7, forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Senal No. AR.II/37EE/18173/84-85 on 12-3-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 29-10-1985.

FORM ITNS ----

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sabir Mehboob Ali Khan.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. AR-II/37EE/18165/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Acc) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 102, 1st floor, of building No. 11, forming part of S. No. 41 Jogeshwari (West), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evalent of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of '922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 195° (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons withis a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period axpires later;

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor of building No. 11 S. No. 41 of village Oshiwara, Jogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18165/84-85 on 12-3-1985.

PRASANTA BAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, there ore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Date: 29-10-1985.

FORM ITNS -

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Sayed Mohd. Akhtar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18622/18623/84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100 000/2, and heaving No.

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 504, 5th floor, Bidg. No. 4, S. No. 41, village Oshiwara, behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforemand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be duclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th floor of Bldg. No. 4, Forming Part of S. No. 41 of village, Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18622/84-85 on 27-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-10-1985.

(1) M/s. Hafi Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amina Jamal Ravani.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18404/84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 401, Mohammed Manzil Behram Baug, SV Road, Jogeshwari (W), Bombay-400 102 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here here transferred.

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

Flat No. 401, Mohammed Manzil Behram Baug, S. V. Road, Jogeshwari (West), Bombay-400 012.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18404/84-85 on 19-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 29-10-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) M/s. Hafi zi Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Saira Banu Mohammed Yusuf Sekh.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the strvice of netice on the respective persons whichever period expires later:

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18405/84-85.--Whereas, I PRASANTA RAY.

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said As.t. shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and
Flat No. 402. Mohamed Manzil Behram Baug, SV Road,

Jogeshwari (West). Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 402, Mohamed Manzil Behram Baug, S. V. Road, Jogeshwari (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18405/84-85 on 19-3-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax \_ Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely --

Date: 29-10-1985.

#### FORM ITNS ....

(1) M/s. Hafizi Enterprises.

(Transferor)

(2) Abdul Gani Jamaluddin Belim.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-II/37EE/18229/84-85.—Whereas, L. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 3, Gr. floor Mohammed Manzil Behram Baug, S. V. Road, Jogeshwari (W) Bombay-102 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred.

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the

Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers andlor

THE SCHEDULB

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937); Flat No. 3, ground floor, Mohammed Manzil, Behram Baug, S. V. Road, Jogeshwari (West), Bombay-102.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II/37EE/18229/84-85 on 13-3-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 29-10-1985. Cast f

(1) M/s. Hafizi Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Fatma Abdul Rahim Belim.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. AR-U/37EE/18226/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Mohmed Manzil, Behtam Baug, S. V. Road. Jogeshwari (W), Bombay-102 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair rearket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be trade in writing to the undersigned ...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ground floor, Mohammed Manzil, Behram Baug, S. V. Road, Jogeshwat<sub>1</sub> (West), Bombay-102,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR.II/37EE/18226/84-85 on 13-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date · 29-10-1985

Scal:

139-366GI /85

#### FORM LT.N.S .-

(1) M/s. Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Mr. Trilochan M. Chhaya & 2. Mrs. Anjana T. Chhaya.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE-17887/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flot No. 1205, 12th floor in 'Everest' at J. P. Road, Versova,
Andheri (W), Bombay,
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arcresaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1205, 'Everest Bldg', at Jay Prakash Road, Varsova, Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE-17887/84-85 on 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-11-1985

FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Nahar Soth & Jogani Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. Balasubramoniam,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Rcf. No. AR-II/37EE-17888/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No 901, Everest Bldg. J. P. Road, Versova Bombay,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at

section 269/18 of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereafor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 901, 9th floor in Everest, Building at J. P. Road, Versova, Andheri (West) Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE-17888/84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afaresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sections 269D of the said Act, to the following persons, massey:—

Date'; 6-11-1985

#### FORM ITNS ---

- (1) M/s. Nahai Seth & Jugani Associates.
- (2) Mr. Ramesh Hussanlal Ohri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EI--17889/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing I-lat No, 1105, 'Everest' 1, P. Rond, Andheri (W) Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Lucome-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeparties has not been truly stated in the said instrument of said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :-

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

# THE SCHEDULE

Flat No. 1105 on 11th floor in 'Everest', at J.P. Road Versova, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE-17889/84-85 on 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date · 6-11-1985

(1) M/s, R. N. A. Builders.

(Transferor)

(2) Miss Priti Sapru.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE-18003/84-85 —Wehreas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovproperty, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No 24, 2nd floor, Apna Ghar, Versova, Andhen

(West), Bomnay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-3-1985

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
  - ) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No 24, 2nd floor, Stranga Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Near Apna Ghar, Versova, Andheri (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE-18003/84-85 on 6-3-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initinte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-11-1985

#### FORM ITNS----

(1) M/s. Vaibhav Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chetan Shantilal Sanghavi

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMIS-SIONER OF UNCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18032/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000- and bearing Flat No. 402 'B' Block, Guru Kripa Apartments, Vecta Desai Road, Andheri (W), Bombay-58

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by note than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 6/11/1985

Scal:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this nerice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No.402, 'B' Block, Guru Kripa Apartment Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay unde 18032/84-85 on 6/3/1985. under Serial No. AR-II/37EE/

FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

(2) 1. Mr. M. N. Sayankar and 2 Mrs V M. Sayankar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EL, 18590/84-85.—Wherens, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 801, 'Everest' Bldg. at J. P. Road. Versova, Andhen

(W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the 'onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons whichever period expirer later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /cm

#### THE SCHEDULE

Flat No 801, 8th floor in 'Everest' Bldg., J. P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61.

The agreen nt has been registered by the Competent Authority, Bombhy under Schal No AR-II/37EE/18590/84-85 on 26/3/1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date + 6/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Motiani Family Trust

(Transferor)

(2) Mr. Vashdev I. Adnani

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II 37EE/18052/84-85.-Whereas. I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 8, Plot No. 317 Woodrose Bldg. Andheri (West),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Shop No. 8, Plot No. 317, Woodrose Building Survey No. 41, 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombey.

The agreement has been registered by the Competent athority, Sombay under Schal No. AR-II/37EE/ Authority, Sombay under 18052/84-85 on 6/3/1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons namely:

Date: 6/11/1985

FORM I.T.N.S.——

(1) Shri Ismail Akbar Ali Hazi

(Transferor)

(2) Shii Yusuf Rajmohamed Patel

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1'AX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18335/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000/- and bearing No.
Shop No. 2, Jubilee Apts, Housing Society Plot No. 3
Versova Andhen (W), Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believt that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thus notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Shop No. 2, Jubilee Apts., Co-op. Housing Society, Plot No. 3 Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay.

Competent The agreement has been registered by the Authority, Bombay under 18335/84-85 on 15/3/1985. Serial No. AR-II/37EE/

(b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-140-366GI/85

Date: 5-11-1985

(1) M. S. Raj Kumar Agencies

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Daultaram Muilidhar Tejuja,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE 18538/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs, 1,00,000/- and bearing
Shop No. 44, Ground floor, Roshantal Aggarwal Shopping
Arcade, Versova Andheri (W), Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 23/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in and/or

respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or ar moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SOHEDULE

Shop No. 44, Ground floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, S. No. 41. (Pt.) Versova, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18538/84-85 on 23/3/1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 5-11-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Oberoi Constructions.

(Transferor)

(2) M, s. Gujarat Dairy & Tea Company

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18728/84-85.-Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 26, Near Lokhandwala Complex, Oshivara Andheri (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is regis'ered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 26, Near Lokhandwala Complex, Oshiwara, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent thority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/ Authority, Bombay under 18728/84-85 on 29/3/1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Bombay

Date : 6/11/1985 Seal :

(1) M/s. J. S. Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manish Gupta

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II 37EE/18290/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), nave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. Flat No. 502, 5th floor Quarter Deck, Jai Prakash Road, Versova, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and her agreement is registered under

has been transferred and hie agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 14/3/1985

for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person intertited in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication or this notice in the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

EXPLANATION: —The terms out expressions used herein as a distance in Chapter XXA of the said Act shall the same menning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th floor of the building Quarter Deck 1
J. P. Road, Versova, Andheii (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competer withoutly, Bombay under Smal No. AR-II/37EE Autho ity, Bombay under 18290 84-85 on 14/3/1985.

> PRASANTA RA Competent Authori Inspecting Astt. Commissioner of Income-ts Acquisition Range-II Bomba

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 6/11/1985

(1) M/s, J, S, Corporation

(Transferor)

(2) Shri Manish Gupta

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ret. No. AR-II/37EE/18291, 84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing No. Flat No. 501, 5th floor Quarter Deck, J. P. Road, Versova, Andheti (W), Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered unde section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 14 3 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly tated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under upper of --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Coural Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expr. one used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor of Quarter Deck J. P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been resisted by the Competent Authority, Bombay under Sci.al 1 o. AR-II/37EE/18291/84-85 on 14/3,1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 209D of the sail Act, to the following persons, namely :-

Date: 6/11/1985

(1) M's J. S. Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dhiraj Harilal Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Bombay, the 6th November 1985

(b) by any other person interested ln the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II/37EE, 18444/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 302, 3rd floor J. P. Road Versova, Andhehi (W),

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 302, 3rd floor in the building Quarter Deck at Jai Prakash Road, Versova, Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR-11/37EE/ Authority, Bombay under 18444/84-85 on 20/3/1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6/11/1985

(1) M/s. J. S. Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dhiraj Harilal Shah

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

ef. No. AR-II/37EE/18445/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 301, Quarter Deck, J. P. Road, Versova, Andheri

(W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 20/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor Quarter Deck at J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

by the Competent No. AR-II/37EE/ The agreement has been registered Authority, Bombay under Scial No. 18445/84-85 on 20-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, rlamely :---

Date : 6/11/19\*

FORM ITNS----

(1) Mr. A. Razak Haji Admii Hasanfatta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE RECOMM FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Mohammed Hasam Haji Issa Manu (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No ΛR-II/37EE/17857/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Consertent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the aid Act) have reason to believe that the immovable property having a fall marketing value exceeding Rs. 1 00,000- and beging No.

Flat No. 106, 1st floor, of the bldg known as Parhat Apts.,

Rs. 1,00 0007- and thing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been translated and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1 '3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the Gove vid property, and I have reason to believe it it the 1 in market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fiften per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betment of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a c s which have not been or which eacht to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 106, 1st floor, Fathat Apartments, Jogeshwari (W). Bombay-102.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under 17857/84-85 on 1/3/1985. AR-II/37EE/ Serial No

> PRASAUTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il Bombay...

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mit etc reoccedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the haid Act, to the following persons, namely :---

Date: 6/11/1985

(1) Mr. Mohammed Husain A. Karlm Merchant (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mustak Hassankhan and Mr. Nazir Hassankhan

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17894/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 51, Jasmin Apartment, Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 51, 5th floor, Jasmine Apartment, 31 S. V. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under 17894/84-85 on 1/3/1985. AR-II/37EE/ Νo. Serial

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---141--366GI/85

Date: 5-11-1985

FORM ITNS----

(2) Smt. Shalini Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amrutlal V. Kanani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No AR-II/37EF/17902/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 101/102, Shiyam Apartments Andheri Versova Main Road Andheri (Wass). Sembar 58

Andheri (Wes'), Ecmbay-58.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Compotent Authority at Rombay on 2-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used beroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- ·例·李·秦何可 andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

101/102, Shivam Apartments. Plot No. A/1, 142 & 143 Andheri Versova Main Road, Versova, Andheri (West),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/17902/84-85 on 2-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260 f the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 5-11-1985

FORM NO. I.T.N.S.---

(1) Mr. Sajad Khan Rahmat Khan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Padmini Raj, and Mr. Rajaram.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17903/84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the Immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,0,000/- and bearing No. Flat No. 204, 'A' Wing, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competers' Authorities to the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 204, 2nd floor, 'A' Wing, Sea Shell, 7 Bungalows Andheri (West), Bombay-58.
The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/17903/84-85

on 1-3-1985.

PRASAN'TA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-11-1985

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act; to the following persons, namely :-

(1) M/s, S, V, S, & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Dr. Damodarkumar Tolani & Mrs. Hardevi D. Tolani.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17919/84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY, he at the Competent Authority under Section 269B

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 601, 6th floor, Bidg. No. 2-3-4, 'B' Wing, Manish Nagar, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concentrative of any income or dety receives or other assets which have not been or which count to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tau Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

## THE SCHEDULE

Flat No 601, 6th floor, Bldg. No. 2-3-4, 'B' Wing, Manish Nagar, Versova, Andherl (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II/37EE/17919/84-85 on 2-3-1965.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5414963

Seed :

(1) Smt. Sundri P. Harwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Poonam Rajesh Joshi.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Property in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17954/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,0,000/- and bearing No.

Flat No. 4, Sea Breeze Premises CHSL, 7 Bungalows, Andheri (W), Bombay-61

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer. جو / إنجا
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under

sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the

fellowing persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, Sea Breeze Premises Co-op. Society Ltd., 7 Bunglows, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II/37EE/17954/84-85 on 5-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date : 5-11-1985 Seel :

The second formalists with the second

#### FORM IT'NS-

(1) Shrl Vijay Kumar Oberol.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nagpel Balkishin (HUF).

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18091/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,0,000/- and bearing No.
Gala No. 18 'B' Bldg., Ghanshyam Industrial Estate Off Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

Gala No. 18 'B' Bldg. Ghanshyam Industrial Estate Off Veera Desai Road, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18091/ the Competent 84-85 on 8-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rgnke-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely t-

Date: 6-11-1985

(1) Shri Vipul Jayantilal Shah.

(Transferor)

(2) Smt. Sheela Chandrakant Shah. Shri C. V. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18095/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-2, Paradisc Apartment, 137 S.V. Road, Andherl (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and

have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Worlth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULB

Flat No. A-2, Paradise Apartment, 137 S.V. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II-37EE/18095/84-85 on 8-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. I the initiating persons namely :-

Date: 5-11-1985

Soul :

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THB INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18132/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding

able property, having a fair marker value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 301, 3rd floor, Kohinoor Bldg., Bandivali Village,
Jogeshwari (West), Bombay-400102.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-3-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Shri Bal Krishna K. Shetty.

(Transferor)

(2) Shri Sayed Akhtar Husain.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferce.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the data of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCH! DULE

Flat No. 301, 3rd floor, Kohinoor Building Bandivali Village, Jogeshwari (West), Bombay-400102.

The agreement has been registered by the Competent Atuhority Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18132/84-85 on 8-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-11-1985

FORM ITNS----

(1) M1. B. Ramesh.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Narayanaswamy,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE '18272/84-85,—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 8, Plot No. 33, Manish Nagar, J.P. Road Andheri (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule anexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-3-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the rurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 8, Plot No. 33, S. No. 145 (Pt.) Manish Nagar, J.P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18272/84-85 on 14-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

142—366 GI/85

Date: 5-11-1985

Scal:

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri T. V. Balasubramanian.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. Vijayaraghavan.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18273/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,0,000/- and bearing No.

Flat No. 7, Manish Nagar, J.P. Road, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 7, Plot No. 33, S. No. 145 (P)(P), 146(P) Manish Nagar, J.P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.JII/37EE/18273/84-85 on 14-3-1985.

(b) by any other person interested in the said immovmoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IL.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 5-11-1985

(1) Mrs. V. Carvalho & Mrs. M. L. Frias.

(Transferor)

(2) Shri Jai Prakash V. Mullanl.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No.  $\Lambda R\text{-}II/37EE/18293/83\text{-}84$ .—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,0,000/- and bearing No. Flat No. 14, Avinash Bldg. 7 Bungalows, Andheri (W),

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269.AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period experce later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saw Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 14, Avinash Building, 7 Bungalows, Andheri (West Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18293/84-83 on 14-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely ; .

Date: 5-11-1985

## FORM ITNS-

(1) Shri Ramesh Sharma; and Smt. Sunanda R. Sharma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Bharat B. Shah.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE-18328/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100 000 /- and having No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 507, 'I alati Apartment', 5th floor, Andheri (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Mahility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 507, Talati Apartment, 5th floor, Near Fire Brigade, S. V. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II/37EE-18328/84-85 on 15-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-11-1985

(1) Mrs. Minoo Pursrottam.

Transferor)

(2) Mr. Abdul Karim Anmed Patel.

Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE-18411/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proper'y, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 106, 1st floor, Kohmoor 'B' Jogeshwari, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority of the Competent Authority at Bombay on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the particle has not been truly stated in the said instrument of the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichover period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressive used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 106, 1st floor, Kohinoor 'B' Jogeshwari, Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under Serial No. AR-II/37EE-18411/84-Bombay on 19-3-1985

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other tusets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, theerefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-11-1985

## FORM I.T.N.S.--

(1) Mr. Subash Pandey and Mr. Ramnath Pandey.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Lalita Menon.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE-18511/84-85.---Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, Shangrilla-1 and Garage No. 6, 7 Bungalows,

Andheri (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 201, Shangrilla-1 and Garage No. 6, 7 Bungelows (West), Bombay-400 061,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE-18511/84-85 on 21/3/1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-11-1985

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE-18567/84-85.—Whereas, I. PMASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 612/C Janakdeep Bldg., J. P. Road, Versova, Born-

bay-61

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of :--

- ja) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concenieness of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons samuly:-

(Transferor)

(2) Smt Neelam Niranjan Manchandani.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 612/C Janakdeep Building J.P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Andheri, Bombay-61. 85 on 26/3/1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-11-1985

Scal 1

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EF-18652/84-85.—Whereas J, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.000 /. and bearing No.

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Andheri Manish Vijay Co. op. Housing Society Ltd. Flat No. 22, Manish Nagar, J. P. Road, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 27-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have it amon to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent ons eration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parries has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any iscome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any memory or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1951);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Prakash Vaid,

(Transferor)

(2) Neville Noshir Harda.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sard Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 22, A-Building No. 14, Andheri Manish Vijay Cooperative Housing Society Ltd., Manish Nagar, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE-18652/84-85 in 27/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 6-11-1985

Seal

(1) M(s. Mailene Salwyn,

(Transferor)

(2) Mrs. S. R. Tilokani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX A'TT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17862/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable posperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No

Shop No. 15, ground floor, Juhu Beach Haven II Co-op. Hsg.

Soc. I td., Juhu Tara Road, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the eforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the 'ollowing persons, namely :-

143-366 GI/85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acaquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 15, ground floor, Juhu Beach Haven II Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Juhu Tara Road, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No ARJI/37EE/17862/84-85 on 1-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II.

Date: 4-11-1935

Smt. J. V. Shah.

(Transferor)

(2) Mr. H. D. Shah & Others.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17915/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 16, Dastur Bldg, 3rd floor, Pherozeshah Road, Santacruz (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideraion and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income unising from the insurfer; ن المة

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ;-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Flat No. 16, Dastur Bldg, 3rd floor, Pherozeshah Road Santacruz (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competen Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/17915/ 84-85 on 1-3-1985,

> PRASANTA-RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-ta: Acquisition Range-II Bombay

Date: 4-11-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref No AR-II/37EE/17917/84-85.—Whereas, I.

PRASANIA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act') is a second to be second to be second to the said Act'). property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-

and bearing No. 'Maheshwar Shikhari' Plot No. 55-B, of TPS 4 Andrews Road, Santacruz (W), Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kishore Nemchand Shah.

(Transferor)

(2) Mrs. Bina Subhash Parekh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the enid property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/17917/84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

wate , 4 11-1985

FORM I.T.N.S.

M/s. Tasneem Developers.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Mr. Stanley Varghese.

(Transferee)

GCYLKNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18011/84-85.--Whereas, I, PRASAN1A RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-rax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveous ideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer able property, having a fair market value exceeding

has not been truly stated in the said instrument of transfer able property, having a fair market value exceeding Rs 1,00 000/- and bearing No Flat No. 203, Tansneem, Juhu Vile Parle Scheme. Bombay (and more fully described in the schedule annxed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office

of the Competent Authority at Bombay on 5-3-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a sorled of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 203, Tasneem, Plot No. 1, K-Ward, Juhu Vile Parle Scheme, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18011/on 5-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acq uisition of the aforesaid property by theissue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following \*\*2.4018. TRIMELY '--

Date: 4-11-1985

Scal:

#### FORM TINS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1 Ms Pammi Bakshi and 2. Ms. Mamta Bakshi.

(Transferor)

(2) I. Mr. K. Srimiyasan and 2. Mis. Shandrika Srinivasan.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref No AR II/37EE/18113/84-85 —Whereas, I, PRASANIA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing Flat No 22-B, in Trimuiti Co-op. Housing Society Ltd.,

Santacrur West, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), ha, been trunsferred and the agreement is registered under section 269 \( \frac{1}{3} \) of the Income-tax Act, 1961, in the Office of it. Component Authority at Bombit, on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a reriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 22-1 in Trimutti Co-op. Housing Soc. Ltd., North Avenue, Santaciuz West, Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No AR-II/37EF/18113/84-85 on 8/3/1985.

THE SCHEDULE

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 4-11-1985

Sen1:

(1) Mr. H. Arora.

(Transferor)

(2) Mr. R. R. Menon.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18126/84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAÝ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hat No. 12, Block No. C 6, 2nd floor, Sangeeta Apartments,

Juhu, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amots which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolfs-text Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice in the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 12, Block No. C-6, 2nd floor, Sangeeta Apartments, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent under Serial No. AR-II/37EE/18126/ Authority, Bombay 84-85 on 8-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Lat.: 4-11-1985

(1) Mr. C. A. D'Souza.

(Transferor)

(2) Mary Mathew Valivavcetel.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18265/84-85—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 8, 1st floor, Lide, Juhu Society, Juhu, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under ection 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

the Competent Authority at Bombay on 14-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 8, 1st floor, Lido Juhu Society, Juhu, Bombay-49. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial - No. AR-II/37EE/18265/84-85 on 14-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D or the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18346/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Unit No. 76, Ratna Jyoti Indl. Estate, Juhu Scheme, Vile Parle (W), Bombay-56 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 14-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mose than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mid/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Vallabhai J. Patel.

(Transferor)

(2) Smt. Mccna Sureshbhai Mehta.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 76. 3rd floor, Ratna Jyot Industrial Irla-Lane, Vile Patle (West), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II/37EE/18346/84-85 on 16-3-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Rombay

Date: 7-11-1985

THE RESERVE OF THE PARTY OF THE

### FORM ITNS-

- (1) Mrs. J. P. Asućeni.
- (Transferor)
- (2) Mr. M. F. Fayyadali & Others.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18383/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 101, Delite-Den, -0th Road, J.P. Scheme, Bombay-49,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-3-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1927);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following reasons, namely:—

144-366 GI/85

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 101, Delite Den, 10th Road, J. P. Scheme. Bom-bay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18383/84-85 on 16-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dato: 4-11-1985

Scal :

(1) Mr. Hersh Kohli,

(Transferor)

(2) Mrs. B. N. Advani.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18540/84-85.—Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office premises No. 26/7C, Sangeeta Apts., Juhu Road.

Santacruz (W), Bombay-49,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sect on 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period #
  of 45 days from the date of publication of this
  notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the stability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Office premises No. 26/7C, Sangeeta Apts, Juhu Road,

Santacruz (W), Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18540/84-85 on 23-3-1985.

PRASAITA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-11-1985

(1) Mr. D. S. Yajnick.

(Transferor)

(2) Capt. F. G. Mascarenhas.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18560/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

prasanta Ray, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the ammovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flut No. 5, Beach Resorj Co.op Hsg. Soc. Ltd., 35C, Hira Buva Gavde marg, Juhu, Bombay-49, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-3-1985,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any nioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5, Beach Resorj Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 35-C. Hira The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18560/84-85 on 23-3-1985.

> PRASAITA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 249D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dato: 4-11-1985

Seel:

(1) Mrs. Munira Zuifikar Khandwulla.

(Transferor)

(2) Mr. Haiderall Esoofali Kajiji, Mr. Shabbir Haiderali Kajiji.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18653/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. Flat No. A/2/2 2nd floor, 'Al Hasanat' Chapel Road,

Santacruz (V), Bombay-54, (and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said in respect of any income arising from the transfert THE SCHEDULE

Flat No. A/2/2, 2nd floor, 'AL HASANAT' Chapel Road, Santecruz (West), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Au.hority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18653/84-85 on 27-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bod >2y

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 411-1981.

Scal :

PART III-Sec. 11

FORM ITNS-

(1) M/s Tazzim Developers.

(Transferor)

42335

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nafisa Yahya Ezzi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th November 1983

Ref. No. AR-II/37EE/18654/84-85.-Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable roperty having a tair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing Fat No. 101, in 'Tasneem' Juhu Vile Parle Scheme, Bombay Bombay

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sect on 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

\$3mbay on 27-3-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 101, in 'Tasneem' Plot No. 1(6), K-Ward, Juhu Vile-Parle Scheme, Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18654/84-85 on 27-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-11-1985

(1) Mr. D. B. Poptani.

(Transferor)

(2) Smt. S. K. Parekh & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITIO NRANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. 140. AR-II/37EE/18718/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No.-10, The Cookul Apt., co.op. Hsg. Soc. Ltd., Hari Nilvon Ville Back (W) Rombou 56

Hari Niwas, Vile Parle (W), Bombay-56, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sect on 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 29-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULB

Flat No. 10, The Gokul Apt. Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Heri

Niwas, Vile Parle (W), Bombay-56

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18718/84-85 on 29-3-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income lax Acquisition Range-II, Bombar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 4-11-1985

(1) Giriraj Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Dhyandeo Narayan Jadhav.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITIO NRANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17850/84-85.-hereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

No. Block No. 10, Giriraj Apartments, plot No. 176/1(pt.), Village Kondivi a near Kadamwedi, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sect on 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Block No. 10, Giriraj Apartments, Plot No. 176/1(pt.), Village Kondivita, near Kudamwadi, Andheri (E), Bombay-

The agreement has been registered by the Commetent Authority, Rombay under Serial No. ARII/37EE/17850/84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
.Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 7-11-1985

- (1) Giriraj Construction Co.,
- (2) Shri Amar Vithalico Pawar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17859/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

prasanta RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 19, Girliag Apartments, Plot No. 176/1 (pt.), Village Kondivta, near Kadamwadi, Andheri (E), Bomb y-59, (and prope fully described in he Schedule appayed hereto)

(and more fully described in he Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sect on 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985, for an opparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULB

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Block No. 19, Giriral Apartments, plot No. 176/1(pt.), Village Kondivta, near Kadamwadi, Andheri (E), Bombay-59.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/17859/84-85 on 1-3-1985.

> PRASAITA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely :---

Date: 7-11-1985.

## FORM ITNS----

(1) Giriraj Construction Co

(Transferor)

(2) Shri Vithalrao Abasaheb Pawar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITIO NRANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17860/84-85.—Whereas. I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immurable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 20, Girital Aratments Plot No. 176/1

(pt.) Village Kondivta near Kadamwadi, Andheri (E),

Bombay-59.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions user herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULB

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

Block No. 20, Giriraj Apartments, plot No. 176/1(pt.), village Kondivta, near Kadamwadi, Andheri (E), Bombay-59.
The agreement hasb een registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/17860/84-85 on 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-145-366 GI/85

Date: 7-11-1985

(1) Giriraj Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri John Luis Mascarenhas.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

<del>and the property of the control of the party of the part</del>

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37FF/17890/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Block No. 2, Girling Apartments, Plot No. 176/1(pt.), Village Kondivite, Near Le lamwadi, Andheri (E), Bombay-59.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been denoterred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority of

Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to now tax under the said Act, in respect of any freque arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any anoncy; or other reset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Block No. 2, Giriraj Apartment, plot No. 176/1(pt.) Village Kondivita, near Kadamwadi, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/17890/84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-11-1985.

Scal:

(1) Smt. H. S. Merchant.

(Transferor)

(2) Mr. Gourishankar Ladha Karta,

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18302/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 19, Gnat Vikrant Co.op. Society Ltd. Santacruz (W) Bombay-54

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FEPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 19, 3rd floor, Gnat Vikrant Co.op. Society Ltd. Wing, 17B Podar Mang, Sa. tactive (W) Rombay-54
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.11/37EE/18302/84-85 on

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bomoay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely :--

Dated: 7-11-1985

14-3-1985.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18643/84-85.—Whereas. I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

304, Sameer Nivas 'B' Bldg.

Jay Prakash Road,

Andheri Versova, Andheri (W), (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 27-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of number with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; REG /Or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Miss Madhu V. Raichandani,

(2) Romi Daval Chopra.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

304, Sameer Nivas, 'D' Bldg, Jai Prakash Road, Andherl Versova, Andheri-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18643/84-85 on 27-3-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Dated: 7-11-1985

(1) Mr. P. V. Raichandani.

(Transferor)

(2) Mr Neelu Dayal Chopra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT **COMMISSIONER OF INCOME-TAX** ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18642/84-85.—Whereas, I, FRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 303, Sameer Niwas, 'B' Bldg. J.P. Road, Andheri

(W), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

#### THE SCHEDULE

Flat No. 303, Sameer Niwas, 'B' Building, J.P. Ward, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18642/84-85 on 27-3-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.-

Date: 7-11-1985

(1) Smt. Julekhbhai Ibrahim.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Moh. Akbar Abdulla Roshan & Sehnaz Akbar Roshan.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17965/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. A-15, Fatima Mahal Co-op. Hsg. Society. 2nd
Gaothan Lane, Opp. Post Office,
S.V. Road, Andheri (W), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Comretent Authority at Bombay, on 5-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair man et value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as "foresa'd exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. Explanation :--- The terms and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. A-15, Fatima Mahal Co-operative Housing Society 2nd Gaothan Lane, Opp. Post Office, S. V. Road, Andheri (E), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombav under Serial No. AR.II/37EE/17965/84-85 on 5-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date : 7-11-1985

Sent:

## PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Mr. Nester Napolean Desouza.

(Transferor)

(2) Aftab Huseinali Mukadam.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18379/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing Fla'No. 64, Manish Deep CHSL 4 Bunglows, Andheri (W), Bombay.

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office the Commetent Authority at Bombay on 16-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 64, Manish Deep Co.operative Housing Society Ltd., 4 Bungalows, Andheri West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR II/37EE/18379/84-85 on 16-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, this following persons, namely:—

Dated: 7-11-1985

## FORM I.T.N.S.-

- (1) M/s. Abis Constructions.
- (Transferor)
- (2) Miss Dhun P. Udwadia.
- (Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE !NSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18253/84-85.--Whereas, I.

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202, 2nd floor D ago C., Sherly Rajan, Bandra, Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been tran ferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 13-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1\ of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULB

Flat No. 202, 2nd floor in the building 'Diago C'. Plot at

Village Sherly Rajan Bandra, Bombay-50.

The ag eement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18253/84-85 on 13-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 7-11-1985

## FORM NO. LT.N.S .--

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18116/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 105, Gora Co-op. Hsg., Socy. Ltd., Dr. Peter Dias Road, Bandra, Bombay-60, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Corporation Authority at the Competent Authority at Bombay on 8-3-1985

market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 146--366 GI/85

(1) Sadruddin Gulamhusein Momhani.

(Transferor)

(2) Mr. Siraj Bahadurali Himani and Mrs. Mumtaz Siraj Himani.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 105, Gora Co-orcrative Housing Society Ltd., Dr. Peter Dias Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreemnt has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18116/84-85 on 8-3-1985.

PRASANTA RAY. Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 7-11-1985

(1) Minoo Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Marghaben Nanalal Shah & Smt. Meena Rainikant Shah.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17908/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hareinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property baving a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Minoo Apartment, Vile Parle (E) Bombay-57, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ort
- (b) incilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(a) by any of the aferentic persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, Minoo Apartment, Shadhanand Road, Off. Nanda Patkar Road, Near Telephone Lxchange, Vilc Parle (E) Bombay-400 057.

The agreement als been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR 11/37EE/17908/84-85 on 2-3-1985.

PRASANTA RAY. Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bogfibay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely tem

Dated: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-11/37; E/18174/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and

bearing No. Rao Apartment, Block No. 8

3rd floor, Malaviya Road, Vile Paric (E) Bombay-57 (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1932 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Bipinkumar Harakchand Gandhi & Ora

(Transferor)

(2) K. Narasimha.

(Transferee)

(3) Transfere.

(Person in occupation of the property) (4) Transferce.

(Person whom the undersigned knowsto be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Rao Apartment, Block No. 8, 3rd floor, Maliavia Road, Vile Parle (East), Bombay-400 057.

The agreement als been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18174/84-85 on 8-3-1985.

> PRASANTA RAY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 7-11-1985

(1) Girirai Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. & Mrs. Zuzer S. Diwan.

(Transferee)

## MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18081/84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 2698 of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. Block No. 11 Birical Apartments, Plot No. 176/1 (pt.) Village Kondivita, Near Kadamwadi, Andheri (E), Bombay-59.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of granter with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any snoneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

sews, sucresors, in pursuance of Section 269C of the said sies. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the argresald property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D 5" the said Act, to the fellowing persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION :-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Block No. 11, Giriraj Apartments, Plot No. 176/1 (pt.), Village Konivdita, near Kandamwadi, Andheri (E), Bombay-

The agreement als been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18081/84-85 on 8-3-1985.

> PRASANTA RAY, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 7-11-1985

(1) Mr. M. N. Noorani

(Transferor)

(2) Mr. Javant Arora & Ors.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17911/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY.

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 706, B Wing, Manju-Mahal, Chetak Co.-Op. Hsg. Soc. Ltd. 35 Pali Hill Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of raid apparent consideration and that the consideration for six trar fr as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Senton 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this entire under sub-section (1) of Section 269D of the 5aid Act to he following persons. namely :--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 706, B Wing, Manju Mahal, Chetak Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 35 Pali Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/17911/84-85 on 1/3/1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Rombay

Date: 5-11-1985 Seal;

(1) Smt. Chetibai Ramchand.

(2) Mr. A. G. Gchi & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-II/37EE/17944/84-85.—Whereas, I,

PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act, have reason to believe that the infinity able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. Flat No. 52, Ram Mahal Co-op. Hsg. Soc., Mari Road, opp Mahim Station, Bombay-16.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Art, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2/3/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evapon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 52, Ram Mahal Co.-Op. Hsg. Soc. Mari Road, opp. Mahim Station, Bombay-16. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/17944/84-85 on 2/3/1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-11-1985

FORM 1,T.N.S.----

(1) Smt. S. N. Kukreja & Ors.

(Transferor)

(2) Shri S. V. Rang & Ors.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-11/37EE/18024/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 303, Marble Arch Premises Co. Op. Hsg. Soc. Ltd., Palli Hill, Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the schedule ennexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Art, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6/3/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given it that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 303, Marble Arch Co. Op. Hsg. Soc. Ltd., Palli Hill Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/18024/84-85 on 6/3/1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :----

Date : 5-11-1985

#### FORM ITNS----

- (1) Mrs. S. M. Sobhani. (2) Mr. Mohmed Igbal.
- (Transferor)
- (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION LANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18212/84-8.5-Whereas, I, PRASANTA RAY, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No. Flat No. 102, Fair Haven 29th Road, Bandra, Bombay-50 (1991) acceptable in the Schedule appeared hereto). Flat No. 102, Fair Haven 29th Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tex Art, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12/3/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the puries has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Seal:

Seal:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned !-

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Canpter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

## THE SCHEDULE

Flat No. 102, Fair Haven, 29th Road, Bandra, Bombay-50. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/18212/84-85 on 12/3/1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Let, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2600 of the said Act to the following persons, namedy :--

Date : 5-11-1985

## FORM TINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18251/84-85,—Whereas, 1 PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and beraing No. Plot No. 33E. Estate Plan No. 1 Salsette Catholic Co.-op. Housing Society Ltd. Bandra, Bombay-400 050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Art, 1961, in the Office

of the Competent Authority at Bombay on 13-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Meen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the 147-366 GI/85

(1) Mrs. Evelyn Pereira.

(Transferor)

(2) M/s. Pereira Builders.

(Transferee)

(3) Transferor & tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if say, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

# THE SCHEDULE

Immovable residential House property, bearing plot No. 33E Estate Plan No. 1, Salsette Catholic Co.-operaive Housing Society Ltd., Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/18251/84-85 on 13/3/1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-11-1985

ROBER LEWS - -

(1) Smt. Poonam G. Thawani.

(Transferor)

(2) Smt. S. B. Agarwal & Ots

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

and fault in the case of the case of

## GOVERNMENT OF INDIA

## Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18450/84-85.--Wherean, T. PRASANTA RAY,

soing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred e as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No Flat No. 402, Decan Co.-op Hig. Soc 111, Road, Khar (W), Bombay-5?

1th, O. C. -

(and more fully described in the Schedule anney d hereto), has been transferred and the agreenced is registed an exection 269AB of the Income-tax Art, 1961, in the Office of the Comp toot Authority at Bombay on 20-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern percent of such apparent consideration and that is consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (3) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- 1-XPI ANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

Flat No. 402, Decan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Off. Carter Road, Khar (W), Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. 11/37EE/18450/84-85 on 20/3/1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the  $\Lambda$ ct, to the following persons namely:--

Date: 5-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) UF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Uttamchand S. Alımchandani

may be made in writing to the undersigned:-

whichever period expires later.

(Transferor)

(2) Ismail Mohamed Solanki

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18515/84-85.—Whereas, 1. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 302, 3rd floor, Ambica Apartment Co. operative
Housing Soc. Ltd., Khar, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Art, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any machine or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes at my. purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 cf 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions was been as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given is that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 302, Ambica Apartment Co. op. Housing Society, TPS. III, Bandia. Bonday on 3rd Road, Khar, Bombay-52. Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/18515/84-85 on 22/3/1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

T.E. 5-11-1985 Seal:

(1) M/s. Suhail Constructions.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. AR-II/37EE/17983/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202, 2nd floor, FRANCDEL, 115 Dr. Peter Dias Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schodule property having)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Art, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1985

to an apparent consideration which is less than he fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perfect has not been such transfer as agreed to between the perfect has not been trained in the consideration. ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Mr. Manuel Raphael & Mrs. Gilermina.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, FRANCDEL, 115, Dr. Peter Dias Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/17983/84-85 on 4/3/1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following norman, namely:--

Date: 7-11-1985

(1) Smt. Viranwali Puransingh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dinesh Malik

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Rcf. No. AR-II/37EE/18301/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to (and more fully described in the Schedule annexed hereto), as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and beating No. Plot No. 110, City S. No. 368 Sher-E-Punjab Co.-op. Housing Society Ltd., Mahakali Caves Rd. Andheri (E) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Art. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 110/CS No 368 Shere Punjal (Co-op Housing Society, Mahakali Caces Road, Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II/37EE/18301/84-85 on 14/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-11-1985

(1) M/s. National Building Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Padma Dalichand Gandhi & Dalichand Baychand Gandhi

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18068/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 101, 1st floor, Devdeep, Santacruz (W) Bombay-54, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of.
45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the immiferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 101, 1st floor, Dev Dep, Plot No. 44-B, Tilak/ Tagore Road, Santacruz, Bombay-400 054. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. 1I/37EE/18068/84-85 on 7/3/1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 7-11-1985

(1) Mr. N. S. Panicker,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sataswati Vithal Gidde.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17873/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. A-1, on ground flor Pushpak Building, TPS III, Santa

Cruz (E). Bombay-55 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. A-1, on ground floor of Pushpak Building, 4th Road, TPS. III, Santacruz (East), Bombay-400055.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II/37EE/17873/84-85 on 6-3-1985

PRASANTA RAY Competent Authority Inspetcting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-11-1985

## FORM LT.N.S.-

(2) Sardar Narındersingh Amrik Singh Sahanl. (Transferor)

(2) Shri Arunkumar Sethi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18001/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Plot No. 161, Shera-I-Punjab Co-operative Housing Society Ltd., Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hareto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLARATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. endler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1967)1

Plot No. 161, Shere-E-Punjab Co-operative Housing Society Ltd., Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18001/84-85 on 6-3-1985

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-11-1985

FORM ITNS --- --

(1) M/s Kirti Enterprises

(Transferor)

an an area . . .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Captain Sanjay kumai Sharma.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18158/84-85.—Whertas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000

and bearing Flat No. 508, 'Nectar I' Sherli Rajan, Bandha, Bombay-400050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

> ) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-148—366 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 503, Nectar-I, Village Danda, on plot bearing CTS No. 1437, 1440, Sherli Rajan, Bandra, Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Scripl No. AR.II/37718158/84-85 on 12-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 7-11-1985

### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37FF/18473/84-85 -- Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing Plot No. 76, at Village Mogra, Taluka Andhen

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 20-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftees per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast, in respect of any income arising from the transfer: und/or

(b) facilitating the concesiment of any income or sas moneys or other sesets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ms. Shakti Construction Co.

(Transferor)

(2) M/s C K Builders & Developers.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Pie e of land bearing plot No. 76, being part of S. No. 368 (Part) at Village Mogra, Taluka Andheri in the Shere-Punjab Coop Housing Society Ltd.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No AR II 37EE 18473/84-85 on 20 3-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-11-1985

## FORM ITNS---

(1) M/s. Ami Investments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bendapudi Ramohan Rao.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR.II/37EE/18074/84-85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 104, Bulg. No. D-2, Yamuna Nagar, Oshiwara Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the artiss has not been truly stated in the said instrument of the lander with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the are Act, shall have the same meaning as give. in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 104, in Building No. D-2, at 'Yamuna Nagar' at Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18074/84-85 on 6-3-1985

(b) facilitating the concealment of any income or 'any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 7-11-1985

#### FORM ITNS ...

(1) S. Joginderpal Singh Mulwant Singh

(Transferor)

(2) Shri Sunilkumar Sethi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No.  $\Delta R\text{-}II/37\text{EE}$ , 17995/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 o 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No. Plot No. 162, Mahukali Caves Road, Andheri (E), Bombay-

93

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 209AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instenment of transfer with the obect of :---

- (a) facilitating the reduction or evision of the lightity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid passens within a period of 45 these from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 10 days from e of motion on the suspective persons, which ever period employ hills;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, which 46 days from the date of the publi-cation of the notice in the Official Gamette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 162, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II/37EE/17995/84-85 on 6-3-1985

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Practice Bombay

Date: 7-11-1985

Senf :

(1) Mr. Arun Jaitly.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Rajgii Builders.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18380/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
S. No 77, Hissa No. 3 (Part), Plot 'B', Village Kapsi,
Taluka Andheri, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 16-3-1985

Bombay on 10-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said fastrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the still in respect of any incesse arising from the tran

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Survey No. 77, Hissa No. 3 (Part), Plot 'B' at Village Kapsi, Taluka Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18380/84-85 on 16-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-11-1985

FORM ITNS-----

(1) Shri Virendra Kumar Jhamb.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narinder Gupta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18050/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Plot bearing CIS No. 1032 at Versova, Yari Road, Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—-Ine terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot bearing CTS No. 1032, Versova Taluka, Yari Road, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18050/84-85 on 6-3-1985

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range/II,
Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 26%? of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, so the following persons namely:

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18195/84-85,--Whereas, I. PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, 'Diago B' Sherly Rajan, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transforred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 12-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-maid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: MAG/OC

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Abis Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Abdol Rashid Abdulla Faquib.

(Transferee)

(4) Transferce. (Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a pe iod of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pul "cation of this notice in the Official Gazetie.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, 'Diago B', CTS Nos. 1280, 1461, 1247 & 1463 at Village Sherly Rajan, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18195/84-85 on 12-3-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 7-11-1985

Senl:

FORM I.T.N.S.---

(1) M/s. Indraprastha Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Rajgir Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18381/84-85.—Whereas, J. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred.to m the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
S. No. 77, Hissa No. 3 (Part) Plot No. 'C' Village Kapsi,
Taluka Andheri, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 16-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lightlity of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Land bearing S. No. 77, Hissa No. 3 (Part) Called Pic 'C', at village Kapsi, Taluka Andheri, Bombay.
The agreement has been registered by the Compete Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18381/84-on 16-3-1985.

PRASANTA RA Competent Authori Inspecting Assistant Commissioner of Incomes Acquisition Range Boarl

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, manaly:—

Date: 7-11-1985

(1) Mr. Dhirubhal M. Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M1. Darryll A. Creado Mr. Neli J. Creado Mr. Winston J. Creado Mr. Colin V. Creado Mr. Astor T. Creado

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19726/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269h of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 103. Sagar Sangeet Co. op. Housing Ltd., A. B.
Nair Rd. Juhu Bombay-49.

(and more fully described in the Schedule annxed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of thee Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the shiert of the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the taid property may be made in writing to she undersigned to

- (a) by any of the atcressid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazerie.

Explanation:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in thist Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

of Sagar Sangeet Co-operative Housing Society Ltd. A. B. Nair Road, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18726/84-85 on 1/3/1985. Flat No. 103, 1st floor of Sagar Sangeet 'A' on the Estate

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

un pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the wald Act to the following persons, namely :-

149-366 G1/85

Date: 7-11-1985

(1) Simrat Surendrakumar Chopra

(Transferor)

(2) Shia Chandrashekhar T. Marla

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17836/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedings. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11, Chand Co. op. Housing Society Ltd. Juhu, Bombay-49.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of thee Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason trarker value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 11, in Chand Co. op. Housing Society Ltd., S. No. 3, Hissa No. 3, Rural Juhu, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/17836/84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ranga-17 Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 7-11-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Rcf. No.AR-11[37EE,17835]84-85.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANIA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 226, 2nd floor, Adarsh Industrial Estate, Sahar Road, Andheri (1:). Bombay-99 (and more fully described in the Schedule approved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of thee Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bomb v on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Shri Kantilal Premchand Shah, Partner of M's Jagurti Electro Plasters.

(Transferor)

(2) Shri Dahyalal Kashirchand Panchal & Shri Popatlal Kasturchand Panchal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 226, 2nd floor, Adarsh ndustrial Estate Sahar Road, Andheri(East), Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No.AR.II||37EE 17835|84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-11-1985

#### FORM ITNS ---

(1) Shri K. B. Joshi

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri L. K. Israni

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. AR-II[37EE.17866]84-85.—Whereas, I, PRASAN FA\_RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000, and bearing No.

Hat No. 104, but floor Building A1, AailwayMen's Apna Ghar CHSL, at Mogra Miliage Andheri(E) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of thee Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifthen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 slays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

Emplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or eviden of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any meanys or other smets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 104, 1st floor, Building No. Al in Railwayment's Apna Ghar Co.op. Housing Society Ltd. at Mogra Village, Andheri(East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/17866/84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag.
Acquisition Range-II
Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, numely:---

Date: 7-11-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. AR-II|37EE.17943|84-85.--Whereas, I.

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Gala No. 38, Sayam Industrial Estate, 2nd floor, Jogeshwari

Bombay-60

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of thee Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Satyam Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Sona Garments.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections. If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable accounty, within 45 days from the date of the publicettien of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

## THE SCHEDULE

Gala No. 38, Satyam Industrial Estate. 2nd floor, Jogeshwari (E), Bombay-60.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/17943/84-85 on 2/3/1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following corsons namely --

Date: 7-11-1985

#### FORM ITNS----

(1) Smt. Kamal Jeet Kaur Ratan Ralemile

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri B'jay Kumai Kapoor Jain

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

Bombay, the 7th November 1985

Ref No. AR-II/37EE/17974/84-85.--Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Flat No. 5, 1st floor at Trimutti, 16th J. B. Nagar, Andheri

(East), Bombay-59.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days fi the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) " ulitating the reduction or evasion of the Hability on the transferor to pay tax under the said Act, in targect of any income arising from the transfer; and /or

Flat No. 5, 1st floor, at Trimurti, 16. J. B. Nair, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/17974 Authority, Bombay /84-85 on 5-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pressure namedy: ing persons namely :-

Date: 7-11-1985

ender the second of the second FORM ITNS-

(1) Cam Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M s Rajit Development Corporation.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18172/84-85.—Whereas, I, PK SANTA RAY, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Vacant land bearing CTS No. 178 184 & 185 located at Decol Wadi Chakala, Andheri (t.).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement's registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-3-1985

Bombay on 12-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; nolbas

> Vacant land bearing CTS No. 178, 184 and 185 at Decol Wadi Opp. Cigaratec Factory, Chakala, Off Sahar Road, Andheri (East), Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR. II/37EE/18172/84-85 on 12-3-1985.

(b) facilitating the constalment or any income or any showeys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferse the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-11-1985

FORM ITNS----

(1) Mugatlal Manilal Sheth.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

\_ \_ \_\_\_\_\_\_

(2) 1. Chunilal Radhashyam, Joshi

2. Smt. Sosarbai Chunilal Joshi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMES-STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-11/37EE/18185/84-85.—Whereas, I.

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to so the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 2, 3rd floor, Parvati Bhuvan, Vile Parle (E).

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 12-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publieution of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer

Flat No. 2, 3rd floor, Parvati Bhuvan, Nehru Road, Vile Parle (E) Bombay together with terrace lying adjacent to the flat.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/18185/84-85 on 12-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-11-1985

(1) Shri Lekhu Gangaram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vijaylaxmi Lalchandas Tejuja & Ora.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18209/84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property at Village Chakala Taluka Andheri bearing S. No. 101. Hissa No. 8 Bombay-56. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

150-366 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days. the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Chakala Taluka, Andheri, Bearing S. No. 101, Hissa No. 8. Bombay.

Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18209/84-85 on 12-3-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSION I. OF INCOME-TAX

## ACQUISITION PANGE-II, BOMDAY

Bombay the 7th No mber 1985

Ref No AR-II/37EE/13467/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reson to believe that the immovable property having a air market value exceeding Rs 1,00,000/- and bin. Agricultural land beautiful and bin. Agricultural land beautiful and beautiful and section 385 & 3986 H. No. 4, Village Mogr., At her (Ln.), Bolishay (and more fully distributed for a composite registered under section 269AB of the Roman are Act 1951, in the Office of the Composition Authoral Bombay on 20-3-1905

marker value of the start of p executy and I have reason to be leve that the first murket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such than "r as agreed to between the partier has not been truly 8 of a tiple said instrument of the with the object of:—

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which cache to disclosed by the transferee for the purposes of the later Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the send Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat; proceeding for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manely:—

(1) Ravi Kapoor & Ghanshyam Shewakramani.

(Transferor)

- (2) Shachaka Leasing & Investment Pvt. Ltd. (Transferee)
- (3) Transferee.
  (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being agricultural land situate at Village Mogra Taluka Andheri bearing S. No. 25, H. No. CS 385 and 386.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/18462/85 on 20-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority.
Inspecting Assistant Cimmissioner of Income-tax
Acquisition Range-H
Bombay

Date: 7-11-1985

FURM ITNS-

(1) Harjit Singh Kohli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Prem Kumar Anand & Smt. Anil Kumar Setehi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18516/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and hearing

and bearing
Plot No. 254, Mahakali Road, village Magra, Andheri (E)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office
of the Competent Authority at
Bombay on 23-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aformal correct within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazene or a period of 30 days from the service of noune on the respective persons, whichever period express later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 day, from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

Plot No. 254, Mahakali Road, Village Mogra, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE 18516/84-85 on 23-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957),

PRASANTA R 1Y
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-11-1985

(1) Mr. Augustine Dias.

(Transferor)

(2) Mr. Francis D'Lima.

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

(4) Transferce

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### **ACQUISITION RANGE-II** BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18558/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. D/98 Madhuwana, Godi Kamgar Sahakari Griha Sanstha Ltd. D. N. Nagar, Andheri west, Bombay-58.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay 21-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the informald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the marties has not been truly stated in the said hastrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income srising from the transfer, Wil/ap
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. D/98 Madhuwana, Godi Kamgar Sahakari Griha Sanstha Ltd., D. N. Nagar, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-II/37-EE/18558/84-85 on 21-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomedia, Acquisition Range-II Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 7-11-1985 Scal:

(1) M/s. Parle Buildera.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Sucheta Suryakant Sawant.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18586/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing Shop No. 2, Plot No. 146 Vile Parle (E) Bombay-57.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faculating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 2, Plot No. 146, TPS 8, vile Parle (E) CTS 1740, Nanda Patkar Rd., Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18586/84-85 on 26-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 7-11-1985

(1) M/s. Parle Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Madhavi Mohan Bhogle.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18587/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Shop No. 1, Sharda Bhuvan, TPS 8 Vile Parle (E),

Bombay-57.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the respections on evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 1, Sharda Bhuvan, TPS 8, Vile Parle, CTS 1740, Nanda Patkar Rd. Vile Parle (E) Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Anthority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18587/84-85 on 26-3-1985.

PRASANTA RAY Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursunce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-seeding (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :

Date: 7-11-1985

(1) M/s. Parle Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Madhavi Mohan Bhogle.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18588/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Shop No. 3, Plot No. 146, Vile Parle (E) Bombay. (and more fully described in the Schelule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office

of the Competent Authority

at Bombay on 26-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with his object of :—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the reoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aut shall have the same meaning as given in chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 3, Plot No. 146, Vile Parle CTS 1740 Nanda Patkar Rd. Vilez parle(E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18588/84-85 on 26-3 1985

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 7-11-1985

(1) M/s. Sumer Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pools Developers. (Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

# COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### **ACQUISITION RANGE-II BOMBAY**

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18655/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred Income-tax Act, 1961 to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing
CS No. 1709. Bombay Suburban bearing S. No. 116, Hisa
No. 18 Plot No. 277, Vile Parle (E), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 27-3-1985

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the stame meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

City Survey No. 1709, H. No. 18, Plot No. 277, Final Plot No. 287, Vile Parle (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18655/

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Act Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-11-1985

(1) Smt. Satinder Nagpal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sudhir R. Gandbhir.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18704/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value
Rs. 1 00 000/- and bearing No.
Plot No. 72, Shere-E-Punjab Co.op. Housing Soc. Ltd.,
Mahakali Caves Rd., Andheri (East), Bombay-93.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
ha. been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office
of the Competent Authority
at Bombay on 28-3-1985
for an appropriate possible ration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Plot No. 72, Shere-E-Punjab Co. operative Housing Society Ltd., Mahakali Caves Rd., Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18704/84-85 on 28-3-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following 151-366 GI/85

Date: 7-11-1985

FORM ITNS----

(1) Shri Thomas D'Souza & Ors.

(Transferor)

(2) Shri Hoshlar Singh & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

THE PARTY OF THE P

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18125/84-85.--Whereas, I, PRASANIA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 64, C Bldg., Cozibom Co. op. Hsg. Soc. Ltd., 251 Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

fand more fully described in the Schedule annexed hereto). ha been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeunid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I nereby init ate proceedings for the acquisition of the aforesalt property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 64, C Bldg., Cozihem Co. op. Hsg. Sec. Ltd., 251 Pall Hill, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18125/ 84-85 on 8-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income in a Acquisition Range-II Bombay

Date: 5-11-1985

(1) Mr. L. M. Dudani. & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. N. P. Jatwani & Others.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18496/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 100 000% and blaving No.

Office No. 111, 1st floor, Veena Beena Soopping Centre, Guru Nanak Road, Bandia, Bombay-50,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration are such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason property as ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in In respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or o her assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Office No. 111, 1st floor, Veena Beena Shopping Centre,

Guru nanak Road, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay undre Scrial No. AR-II/37-EE/18496/84-85 on 20-3-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the wene of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-11-1985

(1) Mrs. M. J. Miihel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Miss. S. D. Baxter.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18684/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

able property, having a fair market value exceeding Pn. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Sealite society, 9th Road, Bandra, Bombay-50. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office

of the Competent Authority at Bombay on 28-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1947 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the shid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely >-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, Sealite Society, 9th Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18684/84-85 on 28-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent -Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 5-11-1985 Seal : FORM TINS

(1) Mrs. Lalita Menon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohd. Rafik Shah.

(Transefree)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17922/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 000/- and bearing No. Flat No. 304, Amrut co.op Hsg. Soc. Ltd., Carter Road,

Kha:, Eombay-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been to unferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of the are with the object of:—

ra) facilitating the reduction or evasion of the liability of the impateror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person incrested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 304, Arut co.op. Sag. Soc. Ltd., Carter Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Author'ty, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17922/84-85 on 1-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 5-11-1985

(1) Shri C. K. Abichandani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. K. Laungani & Ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 5th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-II/37EE/18075/84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable proper y, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 55, 5th floor, K'Sara co. op. hsg. soc. Ltd., Plot No. 240, Bali Road, Bombay (W), Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULB

Flat No. 55, 5th floor, Q'sara co. op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 240, Pali Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Au hor'ty, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18075/84-85 on 6-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Stetion 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-11-1985

Seel :

(1) Mr. J. B. Metha.

(Transferor)

NCTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Prudential Builders.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18547/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 3. 9th floor, A Wing, Kanti Apartment, Mt. Mary Road, Bandra (W), Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Comp-tent Authority at bombay on 21-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislocated by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, 9th floor, A Wing, Kanti Apartment, Mt. Mary Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18547/84-85 on 21-3-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-Scal;

Date: 5-11-1985

(1) Mr. A. R. Chauhan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Raj Gulati & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18580/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 0001- and bearing

Flat No.5, Ram Niwas, 2nd floor, 14th A Road, Khar, Bombay-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeshid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intercated in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Fla No 5, Ram Niwas, 2nd floor, 14th A Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under Scrial No. AR-II/37EE/18580/84-85 on 26-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Data : 5-11-1985 Scal :

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37G/3757/Mar.85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land with structure thereon bearing Plot No. 61-A, C.S. No., 1/1666 of Mahim Division, Dadar, Bombay

vituated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed regsitered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Gov'ng Shantaram Pokle & Smt. Tara Bai Shantaram Pokkale.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Prabhakar Mastakar.

(Transferce)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(ā) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferorand/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom 2698/83, and registered with the Sub-registerar, Bombay on 11-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 7-11-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri H. K. Rohira Misi India Hairam Rohira & Miss Pushpa Hariram Rohira.

(Transferor)

(2) Shrn Nana Lal Bhanji Laxman & Bhanji Laxman Khera.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-I//37G/3759/Mar.84-785.—Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
I and wth structure bearing final Plot No. 8 of Santacruz
TPS No. II and S. No. 24, Plot No. 5(P.) and Plot No. 7
(Part). tuhu Tara Road, (Juhu, Bombay
situated at Bombay
(and more full) described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly exceed in the said instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mail/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mosning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No.R-905 of 1972 and registered with the Sub-Registrar. Bombay on 19-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 7-11-1985

Shri Rahimtulla Jusab Chinwala.

(Transferor) 2) Bandra Mon Desir Co-operative Housing Society

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Limited. (Transferee) (3) Members of the Society.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. AR-II37EE/37G/3760/Mar.85 Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Compount Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1 61 (43 of 1964) (note in after referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having , air market value exceeding Rs. 1,00,000/- and having No

Plot No. 12 of Suburban Scheme VI, Danda,

situated at Bumbay

(and more fully ese bed in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 16-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the translation of I have reason to believe that the lar coarket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Art, shall have the same meaning as given

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act m respect of any income arising from the transfer: a raci
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as men'ioned in the Registered Deed No. S-20/80 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 16-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

153-366 GI/85

Date: 7-11-1985

-----1 OFM ITYS-

#### WOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX

#### ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 7th November 1985

Ref No. AR-II/37G/3762/Mar.85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

to as the 'se d' Act), have reason to believe that the immovers of our, here a fair market value exceeding

Rs. 10)000/- and bearing
Land with tructures and bungalow known as HOUSE, or Old C ty survey No. 49 to 52 New CS. No.B/

170005E, of Old City survey No. 49 to 32 New CS. No.B/
226 \* V. 1 ge B ndra. B S D

one of at Bornbay
(and note to be corribe) in the S be belong and of hotetoy,
has been tron ferred under the Regulard on Act, 1908 (to
of 1000) in office of the Regulard on Act, 1908 (to
of 1000).

for an more in consideration which is too then the fair market value of the afore of p opens, and I n ve reason to believe that the fau market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transfer. to per tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpo es of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1927) or the and Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, receedings for the acquisition of the aforeseid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (2) Smt. -Amina Roshanali Contractor, Fazal Roshanali Contractor, M. R. Contrator and A. R. Contractor.

(Transferor)

(2) Smt. Yashmin Akhtar Imam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 lays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

E/P''N' LON :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-81/82 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 16-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-M Bombay

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37G/3829/Mar.85—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Comp test Authority under Section 269B of Income-tex Act, 1961 (-4 of 19) is confident inferred to a the 'Said Act), the teat on to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding earling, Rs 100,000/ and bearing Forcion of land of paperty bearing S No 51, H No II & Cott 8 to 12 at Mahakah Road,

the raid at Bombay
(and those fully discribed for the Regulation Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regulation Office at

has been transferred under the Rega trained 21ct, 1900 (to of 1908) in the office of the Rega trained Office at Bombay on 20-3-1985 for normal training to the content of the content of the property as afore a descends the apparent confideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parace. This not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) faciliting the recurt on of evision of the liability of the transfers a may tak under the said Act, if respect of my income along from the imposfer; and may
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sfore-and property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

(1) Shri Terrence M. Nanes, Janet M. Nanes, Godfrey M. Nanes, Judy Gonsalves, Mrs. Ovita Lewis and Russel M. Nanes.

(Transferor)

(2) Shri Girijashankar B. Yadav.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knews to be interested in the propetry)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, snail have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 8-1605/84 and registered with the Sub-Registrar. Bombay on 20-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 7-11-1985

----

(1) M/s. Apex Engineers & Fabricators.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

M/s. Qumar Fabrication Works.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref No. AR-II/37G/18355/84-85 - Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 669B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'taid Act), have measure to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Industrial Shed No. 17, Phase No. I, Shif Shakti Indl. Estate,

Off Marol Village, Bombay-400 059

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement in registered under section 269AB of the Income-tax Art. 1961, in the Office of the Compotent Authority at Bombay on 16-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-persons, namely :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hertby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ex 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 17, Gr. Fl., Phase No. I, Shiv Shakti Industrial Estate, Sl. No. 79, H. No. 15 & 80 H. No. 1, Off Marol Village Off Audheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay 84-85 on 16-3-1985. Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18355/

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 4-11-1985

#### TORM ITNS-

(1) Shah Plastic.

(Transferor)

(2) M/s. Adıtı Txtıle

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGF-IL BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netter in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-II/37FE/18361/84-85,---Wherens, I,

PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

Gala No B-27, Gilktuni Industrial Premises Co.op Society Ltd. Andheri (E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-3-1985

on 16-3-1955
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) by any other person interested in the said immov-able preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or.

THE SCHEDULE

Gala No B-27. Gurkunji Industrial Premises Co op. Society Ltd. Mahakali Caves Road Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scitil No AR.II/37EE/18361/84 85 on 16-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Seal:

Date 4-11-1985

154-366 GI/85

(1) Smt. Kamoo Bhatnagar.

(Transferor)

(2) M/s, P.R.R. Industries.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IJ/37EE/18441/84-85,--Whereas J. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovboing the Competent able property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. A 109, 1st floor, Ansa Industrial Estate Saki Vihar
Road, Andheri (E), Bombay-72
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by property as therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. A. 109, 1st floor, Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Andheri (E), Bombay-400072

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No AR-11, 37EE/18441/84-85 on 20-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 1
> Bomb y

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4-11-1985

(1) Shri Davinder Singh M. Kochar.

(Transferor)

(2) Shri Mithoomal Kishindas Bhatia.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17990/84-85.—Whereas, I. Rs. 1,00,000/- and bearing being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 8 'B' Building, Sukhdayak Co.op. Housing Society 1td. Bamanpuri, Andheri (E), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay

on 6-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed in between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8 'B' Building, Sukhdayak Co.op. Housing Society Ltd. Bamanpuri, Andheri (East), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17990/84-85 on 6-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 4-11-1985

#### FORM ITNS-

- (1) Smt. Nirmal Gopinath Sabu.
- (Transferor)
- (2) Smt. Mangla Natwarlal Parikh & Smt. Bhavana Vijay Parikh.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

#### NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II 37EF/18714/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Tlat No. 201, 2nd floor, 'Nalanda' Vile Parle (East) Bombay-400 057

and/or

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Art, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette..

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, 'Nalanda', Malaviya Road, Extension & Mahant Road, Fytension, Vile-Parle (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II/37EF/18714/84-85 on 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range-Bomba'

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following ersons, namely :-

Date : 4-11-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18133/Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000.

and bearing No. Flat No. 202, Bldg., No. 4, Agadi Nagar Co.op. Hsg. Sev. Pump House, Andheri (E)

(and more fully described in the Schedule onnexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arosing tropo the transfer **444** / OC
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Dawood Ahmed Irfani.

(Transferor)

(2) Shikh Mohiddin Shaik Rajjab.

(Transferec)

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd Flr., Building No. 4, Aghadi Nagar, Cooperative Housing Sev., Pump House, Rajmata Jijabal Road, Andheri (E), Bombay-400093.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18133/84-85 on 8-3-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 4-11-1985

(1) M/s. Jayshree Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Biharilal B. Sapra, and Mr. S. Jaya B. Sapra.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18214/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing 202 Pushp-ak Apartments 147 Malaviya Road, Vile Patle(F).

Bombay-57.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 12-3-1985

In an aboutout occasideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential Flat No. 202 Pushpak Apartment 147 Malavia Road, Vile Parle (East), Bombay-57,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18214/84-85 on 12-3-1985.

PRASANTA RAY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-IIBomba

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date · 4-11-1985 Seal :

#### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref. No. III-1006/Acq/85-86.—Whereas I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value

ble property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Khata No. 1, Touzi No. 15/11, Holding No. 127, Ward No. 1, P. S. No. 94 situated at Mouza Bhandaridih, P. S. & Dist Giridih

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Giridih on 26-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shrimati Pennamma W/o Shri Tenu Belis Thomas Tangachhan, R/o Vill. Bhandaridih, P. S. & Divt. Giridih. (Transferor)

(2) Shrimati Bibi Phatma Khatoon W/o Shri Ahmad Gaddi, R/o near Taxi Stand, Deshbandhu Talkies, Jharia, Dist. Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2½ decimals bearing khata No. 1, touzi No 15/11, holding No. 127, Ward No. 1, P. S. No. 94 situated at mouza Bhandaridih, P. S. & Dist. Giridhi and morefully described in deed No. 3623 dated 26-3-85 registered with D. S. R. Giridih.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 8-11-1985

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD, AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1985...